ПАЛЕОГРАФИЧЕСКОЕ ОПИСАНІЕ

ГРЕЧЕСКИХЪ РУКОПИСЕЙ XIII и XIV В.

ОПРЕДѢЛЕННЫХЪ ЛѢТЪ

СЪ 35-Ю ТАБЛИЦАМИ СНИМКОВЪ, ВЪ ДВѢ КРАСКИ.

ТОМЪ III.

ТРУДЪ АРХИМАНДРИТА АМФИЛОХІЯ.

МОСКВА.
Типографія бывш. А. В. Кудрявцевой, Мясницкая, Кривое колѣно, д. Сытова.
1880.

ПР

ПРО [illegible]

Пров. 1960

Z
6605
Большой, ор

Отъ Спб. Комитета Духовной Цензуры печатать позволяется Спб. 25 Іюля 1879 г.
Цензоръ Архимандритъ Арсеній.

86 х 7

XIII-й ВѢКЪ.

1235-го года.

I. ѲЕОТОКАРІЙ (БОГОРОДИЧНИКЪ).

или

СОБРАНІЕ КАНОНОВЪ ВЪ ЧЕСТЬ БОЖІЕЙ МАТЕРИ НА КАЖДЫЙ

ДЕНЬ НЕДѢЛИ ВОСЬМИ ГЛАСОВЪ.

Находится въ Собраніи Г. Севастьянова подъ № 1116-мъ.

Длина пергамина	4 3/4 в.
Ширина	3 5/8 в.
Къ корешку	1/2 в.
Къ правой сторонѣ	5/8 в.
Къ верху	1/2 в.
Къ низу.	7/8 в.

Пергаменъ довольно толстъ съ поврежденіями, первый листъ пополамъ разорванъ, у послѣдняго внизу клокъ оторванъ.

Писано довольно крупною скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 202-хъ листахъ. Кой-гдѣ простыя заставки и начальныя буквы раскрашены голубою, желтою, красною и черною краскою, прочія начальныя буквы довольно фигурныя писаны тѣми же чернилами довольно темными. Помѣта тетрадей на верху въ углу съ правой стороны. Число строкъ на страницѣ 17-ть.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ текстомъ.

О КАНὨN. ̓ΩΔἨ α̃. ηχ. ѓ. ̔O ΤἈ ̓ΓΔΑΤΑ.

̓Αμελεία τὸν βίον. διατελέσας προσῆγγε[1] л. 62. σω. τῆς ζωῆς μου. τὸ τέλει. ἀλλ̓ αὐτῆ δέ|ομε. καὶ ἐν ἀισχά-τω καιρῷ δίδου| μοι κατάνοιξιν. ὅπως πενθῆσω συντώνος. ἐ|πὶ τοῖς ἁμέτροις μει πταίσμασιν ἄχραντε|.

Βεβηλώσας ἀφρόνως. τὸ κατ̓ εἰκόνα τῆς| πάθεσιν. τῆς σαρκός μου παρθένε. τοῦ θῦ| δέδικα τὴν ἀγανάκτισιν. καὶ τὸ φρικο|δεστάτον τῆς τοῦ πῦρὸς τιμοριάς. ἀλλ̓ αὐ|τῆ ἐλέ-ησον τὸν προσφυγωτα σοι|.

Γονυκάμπτω ο ταλας. τὴν σὴν αἰτοῦμεν| βοήθειαν. πα-ναγία παρθένε. ἀλλὰ σὺ ἄκσι|σον ὀδεινομένης ψυχῆς. καὶ τὸ ἐπικεί|μενον τῆς ἀθυμίας μου νέφος. φέγγει| διασκέδα-σον τῶν σὸν δεήσεων|.

Изъ Каноновъ XIV в. № 210. Въ пѣ вѣрь. канѡ молебень. л. 74. об. прⷮвн бц̃н. глаⷯ. пⷮ а. Ирмо: н̃ водї: ·

Въ лѣности житїе сконча̀ѣ. приближихся житїа моегѡ концю. нж сама ма молѧ̀ поне послѣнее время, дажⷴь мн оумнленїе. ако да плачюся горко. ѡ безмѣрныⷯ мн прегрѣшенїи прⷵтаа:

Осквернивь безъ оума, є̃ по ѡразоу стⷵтми плоти моеѧ дв̃о. бж̃аго оустрашихся негодованїа. и оужа-снаго ѡгньнагѡ мнѣнїа. нж сама помилоуи прибѣгаю-щаго к тебѣ.

Колѣнѣ приклонивъ окаанныи. твож прошж помощ прⷵтаа дш̃ж и належащан печали моеѧ ѡбладь. зарѣж разорн твонхъ матⷴъ: ·

Напонтися бг̃атно слѣзⷯ дажⷴь бразⷯмь стрⷵтныа мн дш̃ж. и плоды принѣсти мн сторнуны. калⷵце спѡ̃бн. и срⷣце моє късмаго вⷭлїа исплънн. да славла тⷯ: ·

[1]) Отвѣсныя линіи означаютъ, гдѣ въ подлинникѣ оканчиваются строки.

‘ΩΔΗ` ϛ. ‘Ο ’ΕΚ ΜΗ` ΌΝΤΩΝ.

Δακρύων ὄμβρους παράσχου μοι ἀγαθὴ| καὶ τοῦτοις κατάσβεσον. τὴν τῶν παθῶν| л. 62 об. μου κόμινον. καὶ πᾶσης ἀπόπλυνον| τὰς ψυχικάς μου κηλίδας θκε|.

’Εν ἀνομίαις. τὸ εὐγενὲς τῆς ψυχῆς ἐμόλυνα πανάγνε. καὶ φρίττω τῆς ἐξέτασιν| ὅτε ἀπετήσυ με. τὸ τῆς εἰκόνος ἀξίωμα| ὁ λόγος.

Ζάλη πταισμάτων. καταλαβοῦσα| με νῦν. εἰς βυθὸν. κατήγαγεν. ἀγνὴ τῆς ἀπὸ| γνώσεως. ἀλλὰ δίδου χείρα μοι. καὶ| μετανοίας. ἀνάγαγε πρὸς ὄρμον|.

Пѣ. ϛ. Ирмо́ й же ѡ нєсмь.

Слезѫ тѫгу. подаждь ми бг҃е, и сними оугасн стр҃тен мо҃й пещь, и всакыа ѡмыи дш҃евныа ми сквры бѣ: ·

Къ безаконїѭ бг҃орѡдїа, дш҃ѫ ѡсквр҃ѭ пре́стал и трепещѫ истазанїа. є҃г҃а истаже́ мѧ ѡбраза дѣанїа слово: ·

Коуры прегрѣшєнїи л. 75. об. ѡвємши мѧ. нн҃ѣ въ глѫбинѫ съве́ мѧ утаи́ ѡуаланїа. нж дажь ми рѫкѫ. и ихъ покаанїе мѧ настави: ·

Ѵзбави геєны и въсѣкаго инаго прещенїа въ ѵа҃ сѫда раба твоєго прєнєпороунала. и прчастника сътвори сн҃а и бц҃а, твоєго цр҃твїа: ·

‘ΩΔΗ` ζ. ’ΕΘΟΥ ΠΡΟ`Σ ’ΗΜΑ`Σ|.

Ἦλθωσαν ἀγνὴ. τῶν ἀτόπων πράξεων ὕδατα.| ἕως τῆς ἀθλίας μου ψυχῆς. καὶ λογισμῶν| τῇ ὕλῃ κρατοῦμενον βοῶ ὀδυνόμενος. μὴ| με παρίδῃς. Δέσποινα τὸν δοῦλον σου|.

Θῦρες νοητοῖ. νῦν ἀνυλεῶς με κϋκλώσαν|τες. σπένδουσιν ἁρπᾶσε ἀφηδὲς. τὴν ταπεινὴν ψυχην μου πανάμωμε. ἀλλὰ τοῦτων| л. 63. σύντριχον. τὰς ψυχοφθόρους. μυλας| παναμώμητε|.

Ἵλεως γενοῦ. τοῖς σοῖς δούλοις Δέσποινα δέομε. καὶ προσδοσκουμένης ἀπειλῆς. τὸν σὸν λαὸν ἐξάρπα|σον πανάγνε. ἵνα σοι κραυγάζωμεν. ἐυχαριστοῦντες. δόξα τῇ δυνάμει σου|.

Пѣ. ζ. Ирмѡ. полѣ.

Прїидоша ѵтаи бездѣственыѧ дѣлъ воды. до ѡкаанныа ми дш҃а. помыслы врєнныа ѡдржѧ. въпїѫ съ болѣзнїѫ. не презри мене раба твоє́ клу҃це: ·

Звѣрїе мысльныи нн҃ѣ немилостивно ѡбыиждѫ мѧ. тѣлѧшеся късхытити нещадно смѣренныѧ мож дш҃ѫ. въсенепороунала, нж сѧ съкржшн, дше́тленныа ѹелюсти. л. 76 прѹтаи: ·

Мт҃ина бж҃ї своємоу рабѫ, клу҃це млѣсл. и ѹаемаго прещенїа люди твоа исхити късеутаи. да ти зове́, бг҃одарѧще славѫ тебѣ въсѣ́ ц҃рице: ·

Є҃г҃а въ нощи женѧ прїиде сѣ҃сти зємли. тога́ въ стрѣтенїе его съ свѣтлож свѣщею бг҃окѡли изыти прѹтаи. и поклоннтисл того пришествїю: ·

‘ΩΔΗ` η. ’ΕΠΙ` ΤΗ`Σ ΓΗ`Σ ‘Ο ’ΑΟ`ΡΑΤΟΣ|.

Κύναις πολλοί. περιέσχον με ὄντως. συναγωγεῖ. πονηρῶν με πνῶν περιεκύκλωσεν. ἀλλὰ τοῦτον ἄχραντε. τὰς βουλας διασκέδασον|.

Λάκκω μεν νῦν. ὁ βελίαρ ὀρύξας. καταβαλεῖν. ἐν αὐτῷ με πειράτε. ἀλλὰ τῇ σῇ δεξιᾷ| ἐμβληθήτω πάναγνε. εἰς τὸν βόθρον. ὃν| ἐιργάσατω|

Μὴ τῷ θυμῷ. ἐλεχθῶ τοῦ| ὑιοῦ σου. ἐν τῷ κερῷ. τῆς αὐτοῦ παρουσίας.| μή τῇ ὀργῇ αὐτοῦ. παιδευθῶ πανύμνητέ. л. 63 об. ἀλλὰ σῶσον με, πρεσβείαις σου|.

Пѣ. η. Ирмѡ. на зємли нєкнѣ҃:

Пси многи ѡдржаша мѧ въ нстнннѫ. сънѣ́ лжкавы мѧ дхъ. ѡбѣинде. нж сѧ прѹташ нн҃ѣ разорн съвѣты: ·

Рѡ҃ мн нн҃ѣ лжкавын изрнвь, въкрепи мѧ въньпокажшаѣсл. нж твоєѫ десницєѫ да въпадеся клу҃це въ амоу ѭже сътворн: ·

Да не простїѫ ѡблнуѣ бж҃ѫ, сн҃а твоего: л. 76. об. въ врема пришествїа є҃г҃о покажѫ́ въсепѣтаа, нж сн҃ѣ мѧ млъбамн: ·

Кнѫ́ѕь ѵтаи́ немощь, кнѫ́ѕь смѣрєнїе оканныа мн дш҃ѫ. и безплънын вра҃ въстанїе. и сн҃ вреда ѵзбави мѧ: ·

ΩΔΗ` θ. ’ΑΒΥΣΣΟΣ ’ΕΣΧΑ`ΤΗ ‘ΑΜΑΡΤΙΩ`Ν.

Пѣ. ѳ. Ирмѡ́ безнѫ посла:

Маніе́ въсѣ́ гнѣвнтела, єгда хоще́ дш҃а моа разлѫчнтисл ѡ пльти непорѡунала. рѫкы мѧ своѡ҃ ненавидащн мѧ. бц҃е въсепѣтаа: ·

Ѯѣранων. τοὺς θολεροὺς ποταμοὺς. θεογέν|νητορ τῶν πονηρῶν μου πράξεων. ρείθροις κατανοίξεως καὶ πρὸς τὸ ὕδωρ ὕθυνον τῆς| ἄφέσεως. ἐν ἡμέρα τῆς κρίσεως|.

Иссѫши мѧтныа рѣкы бг҃ороди́тлънице лжкавы мо҃и дѣанїи строѹмн оумнленїа. и къ водѣ направи ѡслабы въ дн҃ь сѫда: ·

Οἶδας μου τὸ ἀσθεναῖς τῆς ψυχῆς. καὶ τοῦ νο|ός μου. τὸ ἀνῖσχυρον ἄχραντε. τῆς σαρκὸς| τὸ ἀτονον. διό σῶσον τὸν δοῦλον σου. σὲ γὰρ| καίκτημε. προστασίαν ἀεῖττητον|.

Κα θ. Ἕκαστος ὅπου σάζεται. ἐκεῖ δικαίως καὶ προσ|τρέχει. καὶ ποῖα ἀλλη τοιαυτῆ|.

Кѣси мож немощь дш҃евнѭю. и оума моегѡ крѣпо҃ ѵ҃таа. и плъти неможенїе. тѣмже сп҃си раба твоего. та бо стажа҃ л. 77. застѫпницѫ непобѣдимѫ..

Стржами сѧзъ дх҃окы҃, подажь ми отроковнце. нмиже и змїѫ прегрѣшенїи мо҃и тинѫ. и страстен мълвѫ пренепорѫшна. и скверны телесныѧ:·

Сѣ҃: гла҃. г҃. по҃. красотѣ: Мнт҃наго къуреѵѣ поносившїа прнвѣ:·

‘ΩΔΗ᾽ ϛ҃. ΤΟ᾽ ΠΡΙΓΗ᾽ ΕΙΚΟ᾽ΝΙ ΤΗ῀ ΧΡΥ῀|.

Περιέχυθῖμοι ὕδωρ. τῶν ἁμαρτημάτων μου.| ἕως ψυχῆς πανάμωμε. ἄβυσσος με. ἐκύκλασεν ἐσχάτι. ἀλλὰ ταύτης ἐξελου τῆς τρικυ|μίας.

л. 64. Ράντησον αἵματι ἀγνὴ. τῆς πλεύρᾶς τοῦ τόκου σου. τὸ πλῆθη τοῦ ἐλέους σου.| πλήνον δέ με. τοῖς τῶν δακρύων ρείθρας|. καθάρησον ἐκ πᾶσης με κηλίδος|.

Συντετριμμένην μοι ψυχὴν. τεταπει|νομένην τε. καρδίαν δίδου Δέσποινα.| ὅπως πόσης. ῥύσθῶ μῖχανουργίας|. τῶν ἀεῖ μοι ἀφειδῶς ἐνεδρευόντων|.

Ако мл҃тнка мт҃и кѣ҃ѩа. рабы своа влу҃це, мл҃тн спо҃бн,

‘ΩΔΗ᾽. ῆ҃. ᾽ΑΣΤΕ῎ΚΤΩ ΠΥΡΙ῀|.

Τὸ τόξον ἀγνὴ τοῦ βελ῀αρ. σόντριψον τὸ| κράτει τοῦ βιοῦ σου. καὶ ἡ τουτου ἀδικ|ίαν νῦν καταβήτω. ἐπὶ κορυφὴν αὐτοῦ| ἵνα μέλπω: πάντα ἔργα|.

Непостоанны҃ огнѣ҃ съвъкѫплъшеса. ѝ҃ бл҃гоу҃тїа прѣ҃стоаще юноша. пламенѣ҃ же невреже҃нїи бѫ҃ткнжа пѣ҃ пѣнте:·

῾Υπνοῦσας ἐις θάνατον κείμαι. τάφω ἀπογνώσεως παρθένε. ἀλλὰ σὺ με. ἐξανά|στησον καὶ ἀγρῦπνως. μέλπει καταξίωσον εὖ.

Φωτί σου καταύγασον κόρη. τὴν ἐσκοτισ|μένην μου καρδίαν. και τὰ ὅπλα φωτος ἡ| πύλη л. 64 об. ἔνδυσον. κραυγάζοντα. εὖ|.

‘ΩΔΗ᾽ ϛ҃. ᾽ΕΝ ΝΟΜΩ ΣΚΙΑ.

Χειμάζει παθῶν. κληδόνων. καὶ τάρα|χος ἐσχρων λογισμῶν. παρθένε τὴν ψυχὴν| μου. πονηρῶν ἀνῶν καταιγὶς. δῖηνεκός| με ταράττει. ἀλλ᾽ ὡς φιλάγαθως. τῆς κα|τεχούσης ἀνάγκης. διὰ τάχους μὲ απάλλαξον|.

Ψυχῆ ταπεινῆ ἀπόστηθὴ. τῶν πονηρῶν σου πράξεων καὶ παύσαι τῆς κακῖας καὶ| τοῦ παροργίζειν τὸν θ῀. ἐπιλαβοῦ δε προσ|θῦμως. τῶν τοῦ θῦ ἐντωλων. τὴν θ῀ον| γὰρ ἔχεις. τὰς ὁδους ου κατευθύνου.|

῾Ως πάντων τεκοῦσα κ῀. πασῶν με ἐλευ|θέρωσον. τῶν πάλαι μου πταισμάτων καὶ| παντίοις ἔργοις ἀγαθοῖς. διὰ πολλὴν| ἐυσπλαγχνίαν. σὺ κατὰ πλοῦτισον. ἵνα γι|θόμενος πόθω, θ῀ε μεγαλύνω σε.

Кѣси мож немощь дш҃евнѭю. и оума моегѡ крѣпо҃ ѵ҃таа. и плъти неможенїе. тѣмже сп҃си раба твоего. та бо стажа҃ л. 77. застѫпницѫ непобѣдимѫ..

Καθ. Ἕκαστος ὅπου σάζεται. ἐκεῖ δικαίως καὶ προσ|τρέχει. καὶ ποῖα ἀλλη τοιαυτῆ|.

Стржами сѧзъ дх҃окы҃, подажь ми отроковнце. нмиже и змїѫ прегрѣшенїи мо҃и тинѫ. и страстен мълвѫ пренепорѫшна. и скверны телесныѧ:·

Сѣ҃: гла҃. г҃. по҃. красотѣ: Мнт҃наго къуреѵѣ поносившїа прнвѣ:·

‘ΩΔΗ᾽ ϛ҃. ΤΟ᾽ ΠΡΙΓΗ᾽ ΕΙΚΟ᾽ΝΙ ΤΗ῀ ΧΡΥ῀|.

Περιέχυθῖμοι ὕδωρ. τῶν ἁμαρτημάτων μου.| ἕως ψυχῆς πανάμωμε. ἄβυσσος με. ἐκύκλασεν ἐσχάτι. ἀλλὰ ταύτης ἐξελου τῆς τρικυ|μίας.

л. 64. Ράντησον αἵματι ἀγνὴ. τῆς πλεύρᾶς τοῦ τόκου σου. τὸ πλῆθη τοῦ ἐλέους σου.| πλήνον δέ με. τοῖς τῶν δακρύων ρείθρας|. καθάρησον ἐκ πᾶσης με κηλίδος|.

Συντετριμμένην μοι ψυχὴν. τεταπει|νομένην τε. καρδίαν δίδου Δέσποινα.| ὅπως πόσης. ῥύσθῶ μῖχανουργίας|. τῶν ἀεῖ μοι ἀφειδῶς ἐνεδρευόντων|.

Ако мл҃тнка мт҃и кѣ҃ѩа. рабы своа влу҃це, мл҃тн спо҃бн, нже вѣрож сн҃ж твоемоу зокжщн҃. ѡц҃ъ нш҃н бе҃ бл:·

‘ΩΔΗ᾽. ῆ҃. ᾽ΑΣΤΕ῎ΚΤΩ ΠΥΡΙ῀|.

Τὸ τόξον ἀγνὴ τοῦ βελ῀αρ. σόντριψον τὸ| κράτει τοῦ βιοῦ σου. καὶ ἡ τουτου ἀδικ|ίαν νῦν καταβήτω. ἐπὶ κορυφὴν αὐτοῦ| ἵνα μέλπω: πάντα ἔργα|.

Непостоанны҃ огнѣ҃ съвъкѫплъшеса. ѝ҃ бл҃гоу҃тїа прѣ҃стоаще юноша. пламенѣ҃ же невреже҃нїи бѫ҃ткнжа пѣ҃ пѣнте:·

῾Υπνοῦσας ἐις θάνατον κείμαι. τάφω ἀπογνώσεως παρθένε. ἀλλὰ σὺ με. ἐξανά|στησον καὶ ἀγρῦπνως. μέλπει καταξίωσον εὖ.

Φωτί σου καταύγασον κόρη. τὴν ἐσκοτισ|μένην μου καρδίαν. και τὰ ὅπλα φωτος ἡ| πύλη л. 64 об. ἔνδυσον. κραυγάζοντα. εὖ|.

‘ΩΔΗ᾽ ϛ҃. ᾽ΕΝ ΝΟΜΩ ΣΚΙΑ.

Χειμάζει παθῶν. κληδόνων. καὶ τάρα|χος ἐσχρων λογισμῶν. παρθένε τὴν ψυχὴν| μου. πονηρῶν ἀνῶν καταιγὶς. δῖηνεκός| με ταράττει. ἀλλ᾽ ὡς φιλάγαθως. τῆς κα|τεχούσης ἀνάγκης. διὰ τάχους μὲ απάλλαξον|.

Ψυχῆ ταπεινῆ ἀπόστηθὴ. τῶν πονηρῶν σου πράξεων καὶ παύσαι τῆς κακῖας καὶ| τοῦ παροργίζειν τὸν θ῀. ἐπιλαβοῦ δε προσ|θῦμως. τῶν τοῦ θῦ ἐντωλων. τὴν θ῀ον| γὰρ ἔχεις. τὰς ὁδους ου κατευθύνου.|

῾Ως πάντων τεκοῦσα κ῀. πασῶν με ἐλευ|θέρωσον. τῶν πάλαι μου πταισμάτων καὶ| παντίοις ἔργοις ἀγαθοῖς. διὰ πολλὴν| ἐυσπλαγχνίαν. σὺ κατὰ πλοῦτισον. ἵνα γι|θόμενος πόθω, θ῀ε μεγαλύνω σε.

Пѣ҃. ζ. Ірмѡ҃. Пръвѣе тѣлоу злаѹ.

Нзлїашѧ на мѧ ѵ҃таа прегрѣшенїи мѡи҃ до дш҃а моегѡ кѡы҃ безнѧ҃ же обынде мѧ послѣднѧѧ. поу сего нзмы прегрѣшенїа, и трѣкльненїи:·

Окропи кровїю ѵ҃таа н҃ нз ребрь рожде҃ства тн. л. 77. об. мнѡ҃ство҃ матн҃ твоегѡ. омы҃ же мѧ слъзными стржами. и нцѣдн мѧ ѿ въсѧкоѧ скверны::·

Съкроушенїе мн дш҃и смѣрени҃е ср҃цоу дажь мн въсеѵ҃таа. ако да всѧкаго нзбавла коварства. и҃ мѧ прно҃ нещѧно ловящн҃:·

Пѣ҃. и҃. Ірмѡ҃.

Стрѣлы ѵ҃таа стрѣлца съкроуши дръжавож сн҃а твоегo. и сего нн҃ѣ неправа҃ сънндѣ҃ л. 78. на вр҃ъ его. да въспож вса дѣла гн҃а г҃а по:·

Непостоанны҃ огнѣ҃ съвъкѫплъшеса. ѝ҃ бл҃гоу҃тїа прѣ҃стоаще юноша. пламенѣ҃ же невреже҃нїи бѫ҃ткнжа пѣ҃ пѣнте:·

Оу҃снѫ҃ въ съмр҃тн, лежоу къ гробѣ ѿуладнѧ дв҃о. нж сама мѧ къзставн. и бѡ҃рно пѣти сто҃бн. блв҃нте въса дѣла гн҃а:·

Свѣто҃ тн озарн ѡтроковнце омрачѣнное мн ср҃це. и орижї҃е свѣта мѧ, свѣтоу двери одъжн҃, ѕожщн҃ блв҃нте вса дѣла гн҃:а·

Пѣ҃. ѳ҃. Въ ѕаконн сѣнн писанїи.. . л. 78. об.

Окоурѣвла҃ стр҃тен влъненїа. и съмоущенїа скверны҃ помышленїн дв҃о дш҃и моегѧ лжавы҃ ѵлк҃ь боура прно҃ мѧ съмщнла҃: нж ако ѵлк҃олюбца ѡдръжнмыѧ нжжа҃ въскорѣ прѣмѣнн:·

Дш҃е смѣренна, ѡстжпн лоукавы҃ своѣ дѣланїи и престанн ѡ злобы. нѣ҃ прогнѣвати бг҃а. и къспрїнмн оусрѣвно ѕаповѣдн его. бц҃оу бѡ нмаешн пѫти твоа направлающн:·

Ако късѣ рожь҃шн г҃а. стр҃тен мѧ скобѡ҃ї и люты҃ грѣхѡ҃. и въсего мѧ дѣлы благы҃мн ѕа многое мл҃дїе обогатн. да раѹ҃жса любѡвїѫ и келнуажь та въсенепороунаа:·

Чтеніе и объясненіе снимка.

О Канὼν ὠδὴ α̃. ἦχος δ̃. θαλάσσης τὸ ἐρύθρον πέλαγος. ιϐ̃..

Ἡ πύλη τῆς πρὸς ἡμᾶς σου κύριε. συγκαταβάσεως. ἀνατολὴν καὶ ἥλιον καὶ φῶς. μυστικῶς σε καλοῦμενον. ὑπερφυως ἐξήστρανάς διπλοῦν τῇ θύσει τὸν φιλάλθρωπον.

Τῶ σαββάτω ἑσπέρας στιχίραι τῆς ὑπεραγίας θεοτόκου ἦχος ϐ̃. προόμοιον. χαῖροις ἀσκητικῶν. χαῖροις ἡ τὸν ἀμνὸν τοῦ θεοῦ.

Δόξα τῶ πληρωτῃ τῶ ὅλων θεῶ.

Επληρώθη τὸ παρὸν θεοτοκάρι. ἡμέρα παρασκευῆ ὥρα ζ̃. μηνὶ Ἰουνίω. εἰς τὴν κϐ̃. ἔτους ,ϛ҂μг̃. Ἰνδικτιῶνος ϐ̃. βασιλέυοντος μανουηλ τῶ κομνηνῶ. σὺ δε δέσποινα κυρία θεοτόκε. γενου βοηθὸς. Γερασίμω. τῶ πιστῶ σου. τῶ δὴ πόθω σου. τὴν βιβλον κεκτημένω. πως ἀνυμνεῖ τὴν δόξαν σου παρθένον. καὶ δῶ, αὐτῶ ἄφεσιν τῶν αὐτοῦ ἐσφαλμενῶν. καὶ τάξον αὐτὸν ἐν τῇ γῇ τῶν πραϊων. ἵνα δοξασθῇ ἐν αὐτῶ σου ἡ δόξα ὡς ἐδοξάσθη ἐπὶ πάντα τὸν κόσμων.

Заставки. Азбука изъ заглавныхъ буквъ. Скорописная азбука. Сокращенія: ἐλπίδας, καὶ. Слова съ знаками препинанія: κύριον. φλόγος με † Буква α въ соединеніи съ другими: ἀγνὴ κατέρραξεν. ε) δεξ κέρας ἡμέρας ἡμέραν. ν) τυφλῶν ἐπικαλοῦμεν. σ) ἀστέκτω εἰς σε. τ) μετὰ.

II. Псалтирь съ толкованіемъ разныхъ св. Отцевъ церкви.

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 197-мъ.

Длина бумаги	7½ в.
Ширина.	5½ „
Къ корешку.	⅜ „
Къ правой сторонѣ.	1 „
Къ верху	⅜ „
Къ низу.	1⅛ „

Бумага сѣрая, лощеная безъ бумажнаго знака.

Писано скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 381. листѣ. На 2-мъ листѣ не помѣченномъ, бывшемъ при первомъ переплетѣ вверху написано: τῶν ιϐήρων; а внизу: Арсеній: χα̃. Начала недостаетъ. Стихи псалмовъ и заглавныя буквы писаны свѣтло-коричневою краскою; на л. 178. предъ началомъ толкованія 87-го псалма заставка простая черная. Колеръ чернилъ темный. Помѣта тетрадей внизу съ лицевой стороны. Число строкъ на страницѣ неопредѣлено и 48, 49. 50 и 52.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

Псаломъ 3. л. 6—15 об.

Κε̃ τί ἐπληθύνθησαν θλίβοντες με: · πολλοὶ ἐπανίστανται ἐπ' ἐμέ: · πολλοὶ λέγουσι τῇ ψυχῇ μου 'ϰκ ἐστι σ҃ρια αὐτῶ ἐν τῶ θεῶ αὐτοῦ: · σὺ δὲ κε̃ ἀντίλήπτωρ μϐ εἶ. δόξα μϐ καὶ ὑψῶν τὴν κεφαλήν μου: . φωνῇ μου πρὸς κν̃ ἐκέκραξα καὶ ἐπήκουσέ μϐ ἐξ ὄρους ἁγίου αὐτοῦ: · ἐγὼ ἐκοιμήθην καὶ ὕπνωσα ἐξηγέρθην ὅτι κ҃ς ἀντιλήψεται μϐ: ϐ φωϐηθήσομαι ἀπὸ μυρϊάδων λαοῦ τῶν κύκλω σύνεπῖτῖθεμένων μοι: · ἀνάςα κε̃ σῶσον με ὁ θ̃ς μϐ. ὅτι σὺ ἐπάταξας πάντας τοὺς ἐχθραίνοντας μοι ματαίως. ὀδόντας ἁμαρτωλῶν σύνέτριψας: · τοῦ κῦ ἡ σρία καὶ ἐπὶ τὸν λαὸν σου ἡ εὐλογία σου: ·

Псаломъ г̃.

Гн̃ уто сѧ оумножишѧ стѣзающ҃ии мн. многи къстаю҃ ихъ мѧ многи глю҃ дш҃и моеи нѣсть сп҃нїе емѹ козѣ его. ты еже гн̃ заслоупникъ мои есн и слава моя возносѧ главѹ мою гласомъ моимъ ко г̃ѹ възкѣ҃ и оуслыша мѧ ѿ горы стыѧ своеѧ азъ оусн҃ухъ и спахъ въстѣ҃ (костѣ҃) ако г̃ь заслоупитъ мѧ. († тѣмже) не оубоюсѧ ѿ темъ людеи окр̃тъ нападающ҃ихъ на мѧ. коскр҃ни гн̃ сп҃сн мѧ бж̃е мои. ако ты порази всѧ краждующеи (— ѧѧ) ми (— нѣ) всѹе. Зѹбы грѣшникѡ҃ (— ныхъ) съкроушилъ есн. гн̃е ѥ̃ сп҃сенїе и на людѣ҃ твоихъ блг̃ословенїе твое.

ϛ҃. ΄ΕΙΣ ΤΟ΄ ΤΕ΄ΛΟΣ, ΄ΕΝ ΜΥΝΟΙΣ ΨΑΛΜΟ΄Σ ΩΔΗΣ ΤΩ͂ ΔΑ͂Δ:·

΄Εν τῶ ἐπικαλεῖσθαι ἐισήκουσέ με ὁ θ͞ς τῆς δικαιοσύνης μου:· ἐν θλίψει, ἐπλάτυνάς με:· οἰκτείρησον με καὶ ἐισάκουσον τῆς προσευχῆς μȣ:· υἱοὶ ἀνθρωπων ἕως πότε βαρυκάρδιοι. ἵνα τί ἀγαπᾶτε ματαιότητα καὶ ζητεῖτε ψεῦδος:· καὶ γνῶτε ὅτι ἐθαυμάστωσε κ͞ς τὸν ὅσιον αὐτοῦ. κ͞ς ἐισακούσεταί με ἐν τῶ κεκραγέναι πρὸς αὐτὸν:· ὀργίζεσθε καὶ μὴ ἁμαρτάνετε:· ἃ λέγετε ἐν ταῖς καρδίαις ὑμῶν ἐπὶ ταῖς κοίταις ὑμῶν κατανύγητε:· θύσατε θυσίαν δικαιοσύνης καὶ ἐλπίσατε ἐπὶ κν͞:· πολλοὶ λέγουσί τίς δείξει ἡμῖν τὰ ἀγαθὰ. ἐσημειώθη ἐφ᾽ ἡμᾶς τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου κ͞ε. ἔδωκας εὐφροσύνην εἰς τὴν καρδίαν μου. ἀπὸ καρποῦ σίτου οἴνου καὶ ἐλαίου αὐτῶν ἐπληθύνθησαν:· ἐν εἰρήνη ἐπὶ τὸ αὐτὸ κοιμηθήσομαι καὶ ὑπνώσω. ὅτι σὺ κ͞ε κατὰ μόνας. ἐπ᾽ ἐλπίδι κατώκισάς με:·

(Сказанїе д҃. ѱа҃ма на концы ѡ пѣтїихъ.)

Внегда возва҃ († и) ѹслыши мz бг҃е (бъ) правды моеѧ къ скорби распространилъ мz есн, ѹщедри мz (помилѹи мz) и ѹслыши мл҃твꙋ мою сн҃овє ѵл҃ѹестїи доколѣ тажкосердїи, вскую любите свѣтлаѧ и ищите лъжи (—а) и ѹвѣдите ꙗко ѹдивилъ (—л) гь прⷭ҇бнаго своего гь ѹслыши мz внегда (егда) къзвоѭ к немꙋ. гнѣвайтеся и не согрѣшайте ꙗже глете к ср҃цы вашн҃, и на ложѣ (—жи) вашн҃ ѹмилитеся (покайтеся). пожрѣте жрⷱтвꙋ правдѣ (ы) и ѹповайте (надѣйтеся) на га҃ многи глю҃, кто мзи҃ на҃ бл҃гаѧ. знаменался на на҃ свѣт ли҃ца твоего гн҃. далъ есн веселїе въ ср҃цы моѣ҃, ѿ плода пшеницы (а) и вина, и елеа своего (масла ихъ) ѹмножишасz. в мирѣ вкупѣ ѹсну и поуію. ꙗко ты гн҃ единого на ѹповайе (ѡ надежи) вселилz мz есн.

ѕ҃. ΄ΕΙΣ ΤΟ΄ ΤΕ΄ΛΟΣ ‘ΥΠΕ΄Ρ ΤΗ͂Σ ΚΛΗΡΟΝΟΜΟΥΣ Ψ΄ΑΛΜΟ΄Σ ΤΩ͂ ΔΑ͂Δ:·

Τὰ ῥήματα μου ἐνώτισαι κ͞ε:· σύνες τῆς κραυγῆς μου:. πρόσχες τῆ φωνῆ τῆς δεήσεως μȣ:· ὁ βασιλευς μου καὶ ὁ θ͞ς μου:· ὅτι πρὸς σε προσεύξομαι κ͞ε:· τὸ πρωὶ παραστήσομαι σοι καὶ ἐπόψει με:· ὅτι οὐχὶ θ͞ς θέλων ἀνομίαν σὺ εἶ. οὐ παροικήσει σοι πονηρευόμενος. οὐδὲ διαμενοῦσι παράνομοι κατέναντι τῶν ὀφθαλμῶν σου:· ἐμίσησας πάντας τοὺς ἐργαζομένους τὴν ἀνομίαν:· ἀπολεῖς πάντας τοὺς λαλοῦντας τὸ ψεῦδος:· ἄνδρα αἱμάτων καὶ δόλιαν βδελύσσεται κ͞ς:. ἐγὼ δὲ ἐν τῶ πλήθει τοῦ ἐλέους σου. ἐισελεύσομαι εἰς τὸν οἶκον σου:· προσκυνήσω πρὸς ναὸν ἅγιον σου ἐν φόβω σου:· κ͞ε ὁδήγησον με ἐν τῆ δικαιοσύνη σου ἕνεκα τῶν ἐχθρῶν μου κατεύθυνον ἐνώπιον σȣ τὴν ὁδόν μου:· ἕνεκα τῶν ἐχθρῶν μȣ:· κατεύθυνον ἐνώπιόν σȣ τὴν ὁδόν μȣ· ὅτι οὐκ ἔστιν ἐν τῶ στόματι αὐτῶν ἀλήθεια ἡ καρδία αὐτῶν ματαία:· τάφος ἀνεωγμενος ὁ λάρυγξ αὐτῶν:· ταῖς γλώσσαις αὐτῶν ἐδολιοῦσαν:· κρίνον αὐτοὺς ὁ θ͞ς ἀποπεσέτωσαν ἀπὸ τῶν διαβουλίων αὐτῶν:· κατὰ τὸ πλῆθος τῶν ἀσεβειῶν αὐτῶν ἔξωσον αὐτους ὅτι παρεπίκραναν σε κ͞ε:· καὶ εὐφρανθείησαν πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπὶ σοι:· εἰς αἰῶνα ἀγαλλιάσονται καὶ κατασκηνάσεις ἐν αὐτοῖς:· καὶ καυχήσονται ἐν σοὶ οἱ ἀγαπῶντες τὸ ὄνομα σου:· ὅτι σὺ εὐλογήσεις δίκαιον κ͞ε:· ὡς ὅπλω εὐδοκίας ἐστεφάνωσας ἡμᾶς:·

(Сказ. ѕ҃. ѱ. на концы о наслѣдствоующы҃.)

Гл҃ы моѧ внуши гн҃ разꙋмѣи҃ званіе моє. вонми гл҃а молитвы моеѧ цр҃ю мои и бг҃е мои ꙗко к тебѣ помолюся гн҃ заꙋтра ѹслыши гл҃а мои. заоутра пр҃ѣстану ти (пр҃ѣ тобою) и ѹзриши мz. ꙗко бг҃ъ нехотz (и) безаконїе (а) ты есн. не пр҃їндѣ҃ (пр҃есѣлится) к тебѣ лꙗкавнзан. († и) непребыдꙋ҃ же закопрестꙋпницы, (безаконнии) пр҃ѣ оумы҃ твоимы҃. възненавидѣ (лъ есн) вса творzщаѧ безаконіе. погꙋбиши вса глющаѧ лжꙋ. мꙋжа крови лстика (козги) гнꙋшлется гь. аз же множествꙋ҃ милѣи твоем вниду в дꙋ҃ твои, поклонюся къ цркви ст҃ѣи твоеи, ко страсѣ твоѣ҃. гн҃ настави (—веди) мz (на) правдою (оу) твоею, (ю) врагъ мои҃ ради († и) исправи пр҃ѣ собою пꙋть мои. ꙗко нѣсть въ ѹстѣ҃ ихъ истины. ср҃це и҃ свѣтно († ѣ) гро҃ ѿверстъ гортань и҃ ꙗзыки сконми лщахꙋ. сѣди имъ бо҃ да ѿпадꙋ҃ ѿ мыслеи скон҃. по множествꙋ҃ нечестїа и҃ (—тикы҃) изринїи (ихъ). ꙗко (—ра) прогнѣкаша та гн҃. († да) възвеселатсz вси ѹповающиеи (надѣющиеи) на та, (тобою) во вѣки козрꙋютсz. и вселишися к нихъ. похвалатсz ѡ тебѣ (тобою) вси любащиеи имz твое. ꙗко ты благословиши праведника гн҃. ꙗко орꙋжїемъ бл҃говолениа вѣнчалъ есн҃ на҃.

ѕ҃. ΄ΕΙΣ ΤΟ΄ ΤΕ΄ΛΟΣ ‘ΥΠΕ΄Ρ ΤΗ͂Σ ’ΟΓΔΟΗΣ ’ΕΝ ΜΥΝΟΙΣ Ψ΄ΑΛΜΟ΄Σ ΤΩ͂ ΔΑ͂Δ:·

Κ͞ε μὴ τῶ θυμῶ σου ἐλέγξης με. μὴ δὲ τῆ ὀργῆ σου παιδεύσης με:· ἐλέησον με κ͞ε ὅτι ἀσθενὴς εἰμὶ. ’ἰασαί με κ͞ε ὅτι ἐταράχθη ὁστα μου καὶ ἡ ψυχή μου ἐταράχθη σφόδρα:· καὶ σὺ κ͞ε ἕως ποτὲ:· ἐπίστρεψον κ͞ε ῥῦσαι τὴν ψυχήν μȣ σῶσον με ἕνεκεν τοῦ ἐλέους σου:· ὅτι οὐκ ἔστιν

ѱа҃мъ двдвъ ѕ҃. (Сказ. ѕ҃. ѱ. на концы҃ к пѣнїихъ заосмоє)

Гн҃ да не яростїю твоею ѡбличиши (— ви) мене. ни҃ гнѣвꙋ҃ твои҃ покажи мене, помилꙋи мz гн҃, ꙗко немощенъ есмъ, исцѣли мz гн҃. ꙗко смꙋтишz҃ (—атошz҃) кости моz, и дш҃z҃ моz смꙋтисz (— атѣсz) зѣло. и ты гн҃, доколѣ обрати гн҃. († и) изми дш҃ꙋ҃ мою сп҃н мz

ἐν τῷ θανάτῳ ὁ μνημονεύων σου. ἐν δὲ τῷ ἅδῃ τίς ἐξομολογήσεταί σοι: · ἐκοπίασα ἐν τῷ στεναγμῷ μου λούσω καθ' ἑκάστην νύκτα τὴν κλίνην μου. ἐν δάκρυσι μου τὴν στρώμνην μου βρέξω: · ἐταράχθη ἀπὸ θυμοῦ ὁ ὀφθαλμός μου ἐπαλαιώθην ἐν πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς μου: · ἀπόστητε ἀπ' ἐμοῦ πάντες οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν. ὅτι εἰσήκουσε κ̄ς̄ τῆς φωνῆς, τοῦ κλαυθμοῦ μου. ἤκουσε κ̄ς̄ τῆς δεήσεως μου. κ̄ς̄ τὴν προσευχήν μου προσεδέξατο: · αἰσχυνθείησαν καὶ ταραχθείησαν πάντες οἱ ἐχθροί μου. ἀποστραφείησαν καὶ καταισχυνθείησαν σφόδρα διὰ τάχους: ·

мѧ́тн твоеѧ ра́ди. ꙗко нѣ́ въ смр̾тн̾ помина́ѧи тѧ. въ а́дѣ же кто исповѣ́стьтиса оутрꙋ́дисѧ къ́здыха́ніѣ мои́. нощію на ксакѣ ложе́ моє. слезами моими постелю мою омоу́ю. (намоую) смѧтиса (— ѧтеса) ѿ ꙗрости око моє, ѡбѣтшахъ въвсѣ́ вра́зѣ́ мои́. ѿ ствпнте ѿ мене вси творѧщіи безаконіе. Ꙗко оуслыша гь гла́ плача моего († ꙗко) оуслыша гь моленіе (— мли́твꙋ) моє (ю). гь мл҃твꙋ (— еніе) мою (є) прі҃ѧтъ. да постыдѧ́тса и смѧтятса вси врази мои въ́звратятса и оустыдятса зѣло къскорѣ.

Чтеніе и объясненіе снимка.

† Συνέσεως τῷ ἀσάφ: ·

Ἐντάυθα τὰ τῆς ἐξόδου. τὰ τῶν ἀριθμῶν. καὶ τὰ τοῦ δευτερονομίου ψάλλει. τὸν δὲ ψαλμὸν ἄδει τῷ λαῷ. παραινῶν τῷ νόμῳ προσέχειν τῷ εὐαγγελικῷ. τῷ δε πάλαι οἱ τῶν Ἰουδαίων δήμου κατηγορῶν ὡς ἀγνωμονος. καὶ ἀχαριστία τὰς εὐεργεσίας ἀμειψαμένου. παρορμῶν δὲ ἡμᾶς ἐπὶ τὴν σύνεσιν σιῶν ἐπιφερομένων, συνέσεως τὴν ἐπιγραφὴν ἐποιήσατο. ταύτης γὰρ δεόμεθα εἰς θήραν τῆς προκειμένης διανοίας. ὥστε γνῶναι τίς ὁ λέγων. καὶ τίς ὁ λαὸς αὐτοῦ. καὶ τίς ὁ νόμος. ἕτερος ὢν παρὰ τὸν μωσέως, δᾶδ γὰρ οὐκ ἦν νομοθέτης ἵνα λέγοι, προσέχετε τῷ νόμῳ μου. οὐ δὲ ἥρμοττεν αὐτῷ λέγειν τὰ ῥήματα τού στόματος μου. ʙ γὰρ οἰκεῖα. ἀλλὰ τοῦ πρ̄ς̄ προέφερε ῥήματα ὁ μὲν οὖν λέγων. ὁ σῆρ ἐστί. νόμος δε αὐτοῦ, τὸ δὲ εὐαγγέλιον. καὶ λαὸς ἀ χριστιανοὶ τάχα δε εἰμὴ ματθαῖος εἶπεν ὅτι ἐκ προσώπου τοῦ σρ̄ς̄ ἐστὶν ὁ ψαλμος, οὐκ ἂν ἐτόλμησεν. Διὰ τὸ ὅσα ἠκούσαμεν καὶ τὰ ἑξῆς, ἐπὶ τὸν σρ̄α ἀναγαγειν τὰ γεγραμμένα. νῦν δὲ σώζω καὶ ὅτι ὁ σῆρ ὁ λέγων. καὶ ὅτι οὐ δι ὅλου τοῦ ψαλμοῦ λέγει ὁ σῆρ. ταῦτα μὲν εἰς τὸ καθάραι το λέγων πρόσωπα. κατὰ λέξιν ἀκούσωμεν. (ф. 381. об.)

Ψαλτήριον ἐτελειώθη σὺν θῶ ἑρμηνευθὲν παρὰ τοῦ μακαριωτάτω μρ̄οπολίτου. ἐγράφη δε χειρὶ τοῦ ἁμαρτωλοῦ Κωνσταντίνου... ἔτους ,ϛ҃ϡ҃ϞΗ҃ г. (1275 г.): · οἱ οὖν τυγχάνοντες τη... μοῦ πρὸς τὸν κ̄ν̄. τῶ συντελετῆ τῶν καλῶν θῶ χάριν:

Конецъ 76. псалма: Καὶ τὸ ἀβέβαιον καὶ ἀνώμαλον, φασὶν ὅτι ἐν τῷ βίω τούτω ἔσται ἡ πολιτεία σου. κατὰ τὴν ἐνανθρώπησιν ἀλλὰ τὰ ἴχνη σου τουτέστιν ὁ τρόπος τῆς ἐνανθρωπήσεως σου. ʙ' καταληφθήσεται. λαὸς δὲ τοῦ πρ̄ς̄, ὃν καὶ χριστιανικος χεὶρ, ἡ χειραγωγία καὶ ὁδηγησις τοῦ χ̄ῡ. ὃς ἐστι μωυσῆς καὶ ἀαρὼν. τὸ μὲν ὡς νομωθετης τοῦ εὐαγγελικοῦ νόμου. τὸ δὲ ὡς μέγας ἀρχιερεὺς θύσας ἑαυτὸν ὑπὲρ εὐαγγελικοῦ νόμου ὑπὲρ ἡμῶν.

Заглавныя буквы. Скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: πιστεύσαντες: · χάριτος. φθορᾶ, Сокращенія и слова съ титлами: δὲ, γρηγόριος νύσσης. κυρίλλος, ἀμήχανον, ἐξομολογήσεως ἀθλήτας ἐπὶ ἄνθρωπον δαβιδ. Нѣкоторыя буквы въ соединеніи съ другими: α) ἀγαπῶσι. ε) ἐξ στέφανος ὑποστρέψαντες. ν) οὖν σ) ὀστέον. Знаки вносныхъ мыслей. Слово: ἀμὴν написано крестообразно по одной буквѣ.

III. Четвероевангеліе.

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 277-мъ.

Длина пергамина	5½ в.
Ширина	4. в.
Къ корешку	½ в.
Къ правой сторонѣ	1. в.
Къ верху	¾ в.
Къ низу	1. в.

Пергаменъ хорошо выдѣланъ и мѣстами оченъ тонокъ.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ на 261. листѣ. въ одинъ столбецъ На 1-мъ пустомъ листѣ посрединѣ написано: Арсеній. λ̄. Съ 1-го по 9-й писанъ уставъ въ XIV в. на бом-

бицинѣ, когда какое читать Евангеліе. Заставки на 10-мъ листѣ предъ началомъ Евангелія отъ Матѳея и въ другихъ мѣстахъ предъ Евангеліями и заглавныя буквы писаны блѣдно-коричневою краскою коричневою, желтою и зеленою. Колеръ чернилъ темный. Помѣта тетрадей на углу внизу съ оборотной стороны тетради. Число строкъ на страницѣ 23.

Послѣ оглавленій предъ каждымъ Евангелистомъ въ 5-ти, а Ев. Іоанну въ 6-ти стихахъ Епиграммы.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

(л. 81 об.) Марка. Глава 2-я.

Καὶ εἰσῆλθε πάλιν εἰς καπερναούμ. δι ἡμερῶν. καὶ ἠκούσθη ὅτι εἰς οἶκόν ἐστι· καὶ εὐθέως συνηχθησαν πολλοί. ὥστε μηκέτι χωρεῖν μὴ δε τὰ πρὸς τὴν θύραν. καὶ ἐλάλει αὐτοῖς τὸν λόγον. καὶ ἔρχονται πρὸς αὐτὸν παραλυτικὸν φέροντες, αἰρόμενον ὑπὸ τεσσάρων. καὶ μὴ δυνάμενοι προσεγγίσαι αὐτω διὰ τὸν ὄχλον ἀπεστέγασαν τὴν στέγην ὅπου ἦν· καὶ ἐξορύξαντες, χαλῶσι τὸν κράββατον. ἐφ ᾧ ο παραλυτικὸς κατέκειτο. ἰδὼν δὲ ὁ Ις τὴν πίστιν αὐτῶν, λέγει τῶ παραλυτικῶ. ἀφέωνταί σοι αἱ ἁμαρτίαι σου. ἦσαν δέ τινες τῶν γραμματέων ἐκεῖ καθήμενοι καὶ διαλογιζομενοι ἐν ταῖς καρδίαις αὐτῶν. τί οὗτος. οὕτως λαλεῖ βλασφημίας. τίς δύναται ἀφιέναι ἁμαρτίας, εἰμὴ εἷς ὁ θς. καὶ (л. 82.) εὐθέως ἐπιγνοὺς ὁ Ις τῶ πνι αὐτοῦ. ὅτι οὕτως αὐτοὶ διαλογίζονται, ἐν ἑαυτοῖς, εἶπεν αὐτοῖς. τί ταῦτα διαλογίζεσθε ἐν ταῖς καρδίαις ὑμῶν. τί ἐστιν εὐκοπώτερον. εἰπεῖν τῶ παραλυτικῶ ἀφέωνταί σου αἱ ἁμαρτίαι, ἢ εἰπεῖν. ἔγειραι καὶ ἆρον, τὸν κράββατον σου καὶ περῖπάτει. ἵνα δὲ εἰδῆτε. ὅτι ἐξουσίαν ἔχει ὁ υἱὸς τοῦ ἀνου ἀφιέναι ἐπὶ τῆς γῆς ἁμαρτίας, λέγει τῶ παραλῦπκῶ. σοὶ λέγω. ἔγειραι καὶ ἆρον τὸν κράββατον σου καὶ ὕπαγε εἰς τὸν οἶκον σου καὶ ἠγέρθη εὐθέως καὶ ἄρας τὸν κράββατον ἐξῆλθεν ἐναντίον πάντων. ὥστε ἐξίστασθαι πάντας. καὶ δοξάζειν τὸν θν. λέγοντας. ὅτι οὐδέποτε οὕτως εἴδομεν. καὶ ἐξῆλθε πάλιν παρὰ τὴν θάλασσαν. καὶ πᾶς ὁ ὄχλος ἤρχετο πρὸς αὐτὸν. καὶ ἐδίδασκε αὐτούς. καὶ παράγων εἶδε λευεῖν τὸν τοῦ ἁλφαίου. καθήμενον ἐπὶ τὸ τελώνιον. καὶ λέγει αὐτῶ. ἀκολούθει μοι. καὶ ἀναστὰς ἠκολούθησεν αὐτῶ. καὶ ἐγένετο ἐν τῶ κατακεῖσθαι αὐτὸν ἐν τῆ οἰκία αὐτου, (л. 82 об.) καὶ πολλοὶ τελῶναι καὶ ἁμαρτωλοὶ, συνανέκειντο τῶ Ιυ καὶ τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ. ἦσαν γὰρ πολλοὶ καὶ ἠκολούθησαν αὐτῶ. καὶ οἱ γραμματεῖς καὶ οἱ φαρισαῖοι ἰδόντες αὐτὸν ἐσθίοντα μετὰ τῶν τελωνῶν καὶ ἁμαρτωλῶν, ἔλεγον τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ. τί ὅτι μετὰ τῶν τελωλῶν καὶ ἁμαρτωλῶν ἐσθίει καὶ πίνει ὁ διδάσκαλος ὑμῶν καὶ ἀκούσας ο Ις λέγει αὐτοῖς. οὐ χρείαν ἔχουσιν οἱ ἰσχύοντες ἰατροῦ. ἀλλ οἱ κακῶς ἔχοντες, οὐκ ἦλθον καλέσαι δικαίους, ἀλλὰ ἁμαρτωλοὺς εἰς μετάνοιαν. καὶ ἦσαν οἱ μαθηταὶ Ιωάννου καὶ οἱ τῶν φαρισαίων νηστεύοντες. καὶ ἔρχονται καὶ λέγουσιν αὐτῶ. Δια τί οἱ μαθηταὶ Ιωάννου καὶ οἱ τῶν φαρισαίων νηστεύουσιν, οἱ δὲ σοὶ μαθηταὶ οὐ

Изъ Четверо-Евангелія 1144. г. Моск. Сунод. Библ.

Глава ѕ.

И вънїдє пакы въ капєрнаоумъ. по днєхъ. и слоухъ бысть ꙗко въ домоу ѥсть. и абые събрашася мнози. ꙗко к томоу нє въмѣщахоуся ни предъ двьрьми. и глашє имъ слово. и придоша к немоу носаще ослабленъ. носимъ чєтырьми. и нє могоуще пристоупити к немоу за народъ. ѡкрыша стропъ идеже бѣ. и прокопакъше, съкѣсиша одръ. на немь же ослабленъıи сь лежашє. видѣвъ же іс̃ъ вѣроу ихъ гл̃а ослабленомоу. чадо остаклаются тобѣ грѣси твои. бахоу же нѣцыи ѿ книжникъ тоу сѣдяще. (л. 72.) и помышлающе въ срдц̑ихъ своихъ. что сь безаконьнє разоумѣваѥть о бжс̃кыихъ. кто можєть оставлати грѣхы. тъкмо ѥдинъ бъ. и абье разоумѣвъ іс̃ъ дх̃мь своимь ꙗко тако ти помышлають въ собѣ. рєчє имъ. что та (sic) помышлаѥтє въ срдц̑ихъ вашихъ. что ѥсть оудобѣе рєщи ослабленомоу. оставлаются ти са грѣси. ли рєщи въстани и възми одръ свои и ходи. нъ да вѣсте. ꙗко власть имать сн̃ъ оу҃ъ остаклати на зємлі грѣхы. гл̃а ослабленомоу. тобѣ гл̃ю. въстани и възми одръ твои. и иди въ домъ твои. и къста абые. и възъмъ одръ. изиде предъ всѣми. ꙗко дивитіса вьсѣмъ. и славлахоу ба гл̃ющє. ꙗко николиже така вїдѣхомъ. и изиде пакы къ морю. и вьсь народъ идашє к немоу и оучашє и. и (мі) мрадъıи видѣ левгію. алфєова. (л. 72. об.) сѣдяща на мытници. и гл̃а ємѹ. по мнѣ гради. ї въставъ въ слѣдъ єго идє. и бысть немоу възлежащю въ домоу єго. ї мнози мытаре. и грѣшници възлежахоу съ іс̃мь. и съ оучєнїкъı єго. бахоу бо мнози. и по немь идоша. и книжници и фарісєи. видѣвъшє и ядоущь съ мытари и грѣшнїкъı гл̃ахоу оучєникомъ єго. что ꙗко съ мытари и грѣшнїкъı ѣсть и пьѥть. и слышавь іс̃ъ гл̃а имъ. нє трѣбоуѥть сѣдравіи врачь нъ болѧщеї нє придохъ призвати правьдникъ нъ грѣшникъı въ покаанье. и бахоу оучєници ѡанови. и фарісєи постящеса. и придоша и рѣша ємоу. поуто оучєници ѡанови и фарїсєи постатьса. а твои оучєници нє постатьса. и рєчє имъ іс̃ъ. єда могоуть сн̃ѥ врачьнін постітіса. дондеже съ ними ѥсть женїхъ. ѥлїко врємя съ собою имоуть женіха. (л. 73.) нє мо-

νηστέυουσιν. καὶ εἶπεν αὐτοῖς ὁ Ἰ̄ς̄. μὴ δύνανται οἱ υἱοὶ τοῦ νυμφῶνος ἐν ᾧ ὁ νυμφίος μετ' αὐτῶν ἐστὶν νηστέυειν. ὅσον χρόνον μεθ' ἑαυτῶν ἔχουσι τὸν νυμφίον οὐ δύνανται νηστέυειν. ἐλεύσονται δὲ ἡμέραι; ὅτ'αν ἀπαρθῆ ἀπ' αὐτῶν ὁ νυμφίος καὶ τότε νηστέυσουσιν (л. 83.) ἐν ἐκείναις ταῖς ἡμέραις. καὶ οὐδεὶς ἐπίβλημα ῥάκους ἀγνάφου ἐπιῤῥάπτει ἐπὶ ἱματίω παλαιῶ. εἰ δὲ μὴ γε αἴρει ἀπ' αὐτοῦ τὸ πλήρωμα τὸ καινὸν τοῦ παλαιοῦ καὶ χεῖρον σχίσμα γίνεται. καὶ οὐδεὶς βάλλει οἶνον νέον εἰς ἀσκοὺς παλαιούς. εἰ δὲ μὴ, ῥήσσει ὁ οἶνος ὁ νέος τοὺς ἀσκοὺς καὶ ὁ οἶνος ἐκχεῖται. καὶ οἱ ἀσκοὶ ἀπολοῦνται. ἀλλὰ οἶνον νέον εἰς ἀσκοὺς καινοὺς βλητέον. καὶ ἐγένετο παραπορέυεσθαι αὐτὸν ἐν τοῖς σάββασι διὰ τῶν σπορίμων. καὶ ἤρξαντο οἱ μαθηταὶ αυτοῦ ὁδὸν ποιεῖν. τίλλοντες τοὺς σταχύας. καὶ οἱ φαρισαῖοι ἔλεγον αὐτῶ. ἴδε τί ποιοῦσιν ἐν τοῖς σάββασιν ὃ οὐκ ἔξεστι. καὶ αὐτὸς ἔλεγεν αὐτοῖς. οὐδε ποτε ἀνέγνωτε τί ἐποίησε δ̄ā ὅτε χρείαν ἔσχε καὶ ἐπείνασεν αὐτὸς καὶ οἱ μετ' αὐτοῦ. πῶς εἰσῆλθεν εις τὸν οἶκον θ̄ū ἐπὶ ἀβ̄ῑά̄θαρ ἀρχιερέως. καὶ τους ἄρτους τῆς προθέσεως ἔφαγεν. οὓς οὐκ ἔξεστι φαγεῖν εἰμὴ τοῖς ἱερεῦσι. καὶ ἔδωκε καὶ τοῖς

л. 83 об. μετ' αὐτοῦ οὖσι, καὶ ἔλεγεν αὐτοῖς. τὸ σάββατον διὰ τὸν ἄ̄ν̄ον ἐγένετο. οὐχ' ὁ ἀ̄ν̄ος διὰ τὸ σάββατον ὥστε κύριος ἐστιν ὁ υἱὸς τοῦ ἀ̄ν̄ου καὶ τοῦ σαββάτου.

гоуть поститіса. придоуть же дн҃ьіе. ігда ѿмѣтьса ѿ нїхъ женіхъ. и тъгда постатьса въ тыи дн҃и. нікътоже пристабленьа плата небѣлѣена. не пристабляєть ризѣ ветъсѣ. аще ли же ні. къзмѣть послѣдъкъ іего новоє ветхаго. и горьші діра боудѣть. и нікътоже не въліваєть вина нова. къ мѣхы ветъхы. аще ли же ні. просадіть вино ново. и вино пролѣєтьса. и лѣси погыбноуть. нъ вино новоє. въ мѣхы новы льатн. и бысть мімоходащю ємоу къ соуботы. сквозѣ нивы. и наоушіа оучєніці іего поуть творіти къстъргающа класы. и фарісеї гл҃ахоу ємоу. вижь ито творать къ соуботы. ігоже не достоить. и тъгда гл҃аше имъ. нѣсте ли николіже уьли. ито сътвори дд҃ъ. ігда трѣбова. и къзалка самъ и иже бахоу съ нимь. како вънї-

(л. 73. об.) де въ храбъ (sic) бж҃ьи. при авіаѳарѣ архїєрєи. и хлѣбы прѣдъложеньа сънѣсть. ихъ же не достоіше ѣсти. нъ тъкмо иереомъ. и дасть ї соущїмъ съ нимь. и гл҃аше имъ. соубота ч҃ка ради бы. а не ч҃къ соуботы ради. тѣмь же г҃ь ѥсть снъ ч҃оускыи соуботѣ.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Τὸ κατὰ Ἰωάννην ἅγιον εὐαγγέλιον.

Ἐν ἀρχῇ ἦν ὁ λόγος, καὶ ὁ λόγος ἦν πρὸς τὸν θεὸν, καὶ θεὸς ἦν ὁ λόγος. οὗτος ἦν ἐν ἀρχῇ πρὸς τὸν θεὸν. πάντα δι' αὐτοῦ ἐγένετο. καὶ χωρὶς αὐτοῦ ἐγένετο οὐδὲ ἕν ὃ γέγονεν.

φ. 258. οб. Ἐγράφη δὲ τὸ τοιοῦτο ἅγιον καὶ θεῖον εὐαγγέλιον διὰ χειρῶν μελετίου ταπεινοῦ καὶ ἁμαρτωλοῦ μοναχοῦ, τοῦ ἐκ βερρίας ὁρμωμένου. διὰ συνδρομῆς καὶ μισθαποδοσίας καὶ παντελοῦς ἐξόδου τοῦ πανοσιοτάτου ἱερομονάχου κυρ. ἀλυπίου τοῦ καὶ οἰκονόμου τῆς θείας καὶ περιλαλήτου μονῆς τοῦ ἁγίου μεγάλου γεωργίου, τῆς τοῦ μάυρου ἐπωνυμουμένης. εἰς λύτρον καὶ ἄφεσιν τῶν ἁμαρτίων αὐτοῦ κατὰ μῆνα ἰούνιον. ἐν ἔτει ,ᾳϡῑ҃г. ἰνδικτιώνος Γ. βασιλέυοντος δὲ μιχαὴλ μεγάλου βασιλέως καὶ αὐτοκράτορος ρωμαίων τοῦ παλαιολόγου.

Ἔσπευσαν ἄλλοι χρυσὸν εὑρεῖν ἐν βίῳ·
Ἄλλοι δε, γῆν σπέυδουσιν ἢ καὶ μαργαρίτας·
Καὶ πάντα πλοῦτον, προσλαβεῖν ἀπληστία·
Ὁ δεσποτης δὲ τοῦ παρόντος βιβλίου,
Οὐ μαργαρίτας οὐ λίθους οὐ χρύσιον·
Τὴν καλλονὴν δὲ τῶν λόγων τοῦ χριστοῦ μου·
Σοφῶς ἀνευρῶν ἐξέρωτος ἐνθέου,
Ἔνθεν συνῆξε πλοῦτον ὃς μένει μόνος,
Ρεῖ παντα γῆς γὰρ, καὶ λόγος μένει μόνος.

Заглавныя буквы, скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: ἀποδῶς:· γύναι. Сокращенія и слова съ титлами: καὶ γάρ, κύριε οὐρανῶν. Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α) ἀγγέλων. ε) ἔλαμψε, ἓξ, ἐκεῖνος. ν) ἀμὴν τῶν. σ) περισσοῦ. τ) ἐστὶν. Союзъ ἐπεὶ съ двумя удареніями. є., означаетъ помѣту тетрадей 5-ю.

IV. Лѣствица св. Іоанна,

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 146-мъ.

Длина пергамина	5⅞ в.
Ширина	4¾ „
Къ корешку	½ „
Къ правой сторонѣ	1¼ „
Къ верху	½ „
Къ низу	1⅛ „

Пергаменъ выдѣланъ хорошо и бѣлъ, но мѣстами отъ времени пожелтѣлъ.

Писано крупною скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 332-хъ листахъ. Внизу 1-го бумажнаго листа подписано: Арсеній, а вверху: αὕτη οἱ (sic) βίβλος ὁ κλίμαξ ὑπάρχει μονῆς τοῦ παντοκράτορος καὶ σῆς χῦ, τῆς ἐν τῷ ἁγίω ὄρει: Заставки, заглавныя буквы и заглавія писаны киноварью. Только 1-я заставка пройдена еще красками: темною и бѣловатою. Колеръ чернилъ темный. Помѣта тетрадей съ обоихъ сторонъ внизу, съ лицевой къ правой сторонѣ, а съ оборотной у корешка. Число строкъ 29-ть. Лѣствица оканчивается 301-ю страницею. На оборотѣ 278 листа изображена лѣствица по которой восходятъ два инока на небо. Первый изъ нихъ ступилъ уже на предпослѣднюю ступень, а за руку его взялъ Іисусъ Христосъ, изъ облака протянувъ ему руку. Другой инокъ ниже перваго продолжаетъ восходить; а внизу лѣствицы близъ двери зданія стоятъ четыре инока, намѣреваясь только вступить на нее, а подлѣ нихъ близъ окна зданія съ сіяніемъ вокругъ головы стоитъ вѣроятно св. Іоаннъ лѣствичникъ, руководящій иноковъ, какъ восходить по 30-ти ступенямъ добродѣтелей на небо.

На 279. страницѣ изображена только одна лѣствица съ 30-ю ступенями и слѣдующею назидательною подписью.

Ἀναβαίνετε ἀναβαίνετε ἀναβάσεις προθύμους ἐν καρδίᾳ ἀδελφοί. τοῦ φάσκοντος ἀκούοντες. δεῦτε ἀναβῶμεν εἰς τὸ ὄρος κῦ. καὶ εἰς τὸν οἶκον τοῦ θῦ ἡμῶν τοῦ καταρτίζοντος τοὺς πόδας ἡμῶν, ὡσεὶ ἐλάφου. καὶ ἐπὶ τὰ ὑψηλὰ ἱστῶντος τοῦ νίκησαι ἐν τῇ ὁδῷ αὐτοῦ. δράμετε δυσωπῶ μετ' ἐκείνου τοῦ λέγοντος. σπουδάσωμεν ἕως οὐ καταντήσωμεν οἱ πάντες εἰς τὴν ἑνότητα τῆς πίστεως. καὶ τῆς ἐπιγνώσεως τοῦ θῦ. εἰς ἄνδρα τέλειον. εἰς μέτρον ἡλικίας τοῦ πληρώματος τοῦ χῦ. τοῦ τριάκοντα ἔτους τῇ ὁρωμένῃ ἡλικίᾳ βαπτισθέντος. ἐν τῷ τριακοστῷ βαθμῷ ἐπὶ τῇ νοερᾷ ἡμῶν κλίμακι ὑπερκειμένου. εἴπερ ἡ ἀγάπη ἐστὶν ὁ θς. ᾧ ὕμνος. ᾧ κράτος. ᾧ σθένος. ᾧ τῶν πάντων ἀγαθῶν αἴτιον. ἔνεστι. καὶ ἦν καὶ ἔσται. εἰς τοὺς ἀορίστους αἰῶνας φῶσ ἀμήν:·

Въсходите въсходите въсходы съ всердїемъ на ср҃дцѣ братїе рекшаго слышаще. прндѣте къзыдемъ на горо҃ гнюю. и въ домъ бг҃а нашего сокершающаго нозѣ нашѣ ꙗко еленн и на кысокы҃ оостакающаго. на степень бл҃женыꙗ любве.

л. 302—322. Τοῦ ὁσίου πρ̄ς ἡμῶν ἐφραὶμ. λόγος περὶ σρ̄ας ψυχῆς. καὶ περὶ τῆς μελλούσης κρίσεως.

Начало: Ἡ ἀποταγὴ ἦν ἐπὶ τοῦ ἁγίου βαπτισματος ποιεῖν ἀπαιτοῦμεθα л. 322. τοῦ αὐτοῦ εἰς τὸν ἀντίχριστον.

Начало: Πῶς ἐγὼ ὁ ἁμαρτωλὸς. μεστὸς πλημμελημάτων. δυνήθειην ἐξ' εἰπεῖν τὰ ἐμοὶ ὑπέρογκα....

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 280. ΠΡΟΣ ΤΟΝ ΠΟΙΜΕ̄ΝΑ:·

Ἐν τῇ μὲν κάτω βίβλω. ἔγω γέ σε θεσπέσιε. πάντων ἔσχατον τέταχα. ἐν τῇ ἄνω δέ σε πεπεισμαι. πάντων ἡμῶν. ἐν τῇ ἀπογραφῇ τῇ θεία προτερέυειν. εἴπερ τις ἐστὶν ὁ ἐιρηκὼς ἀληθής. ἔσονται οἱ ἔσχατοι τῶ φρονήματι. πρώτοι τῶ ὀξιώματι. ποιμὴν κῦρίως ἐστίν. ὁ τὰ л. 280 об. ἀπολωλότα λογικὰ, πρόβατα διὰ ἀκακίας οἰκίας, σπουδῇ καὶ ἐυχῇ ἀναζητήσαι καὶ ἀνορθῶσαι δυνάμενος. κυβερνήτις

Изъ лѣствицы св. Іоанна съ толкованіемъ XV в. моего собранія. (л. 272—277.)

Къ долнен оубо кнꙁѣ, ажъ тебе бж҃ткѣне ксѣ послѣ҆ѣ҆ вънннѣ. къ горнѣн же тн оукѣрѣ҆ся, всѣ҆ на҆ в напнсанн бж҃твенѣмъ прькомъ бытн. аще кто ѣ҆ рекын нстннѣнъ. бждѫ҆ послѣдніѣ мѫ҆рокаиїемъ, прькн достонньствѣ҆: Пастырь къ нстнмъ ѣ҆ нже погыбшал словесныа ѡвца нєзлобїемъ, и своимъ тѫшанїемъ и мл҃н-

ἐστίν. ὁ ἰσχὺν νοερὰν ἐκ θῦ καὶ οἰκείων μόχθων ἐιληθὼς. οὐ μόνον ἐκ τριχυμίας, ἀλλὰ καὶ ἐξ αὐτῆς τῆς ἀβύσσου, τὴν ναῦν ἀναπάσαι δῦνάμενος. ἰατρος ἐστιν ὁ τὸ σῶμα καὶ τὴν ψυχὴν κεκτημένος ἄνοσον. μὴ δὲ μιᾶς ἐμπλάστρου τὸ παράπαν δεόμενος. διδάσκαλος ὄντως ἐστὶν. ὁ νοερὰν δέλτον γνώσεως. δακτύλω θῦ. ἤγουν ἐνεργεία ἑλλάμψεως ἐξ αὐτοῦ δι ἑαυτοῦ κομισάμενος. καὶ τῶν λοιπῶν βίβλων ἀνενδεὴς γενόμενος. Ἀπρεπὲς διδασκάλοις. ἐξάντιγράφων ἐκπαιδέυειν. καὶ ζωγράφους ἐκ μεταβόλων σημειοῦσθαι. ὁ τοὺς κάτω παιδέυων, ἄνωθεν ἐκ τοῦ ὕψους δίδασκε καὶ τῶ σχήματι τῶ αἰσθητῶ. τὸ ἕτερον παιδέυου, μὴ ἐπιλάθῃ τοῦ φάσκοντος. οὐκ л. 281. ἀπ' ἀνων, οὐ δὲ δι ἀνων τὴν διδασκαλίαν παιδεύω οὐ γὰρ πέφυκε τὰ κάτω τὰ χαμαὶ θεραπέυειν ποτὲ. ἀγαθὸς κυβερνήτης, διασώσει πλοῖον. καὶ καλὸς ποιμὴν ζωοποιεῖσει καὶ ἰσσεται νοσερὰ πρόβατα. καθόσον τὰ πρόβατα. τῶ ποιμένι ἀπαραλείπτως προκόψαντα ἀκολουθοῦσι. κατα τοσοῦτον ὑπὲρ αὐτῶν τῶ οἰκοδεσπότη ἀπολογήσεται. λιθαζέτω τῶ λόγω ὁ ποιμὴν καὶ τὰ ἐξ ὀκνηρίας. ἢ γαστριμαργίας ἀπομένοντα πρόβατα. ἔστι γὰρ καὶ τοῦτο ἀγαθῦ ποιμένος τεκμήριον. ὁ ποτ' ἂν τὰ πρόβατα. ἐκ τοῦ φλογμοῦ τοῦ καύματος, μᾶλλον δε τοῦ σώματος νυστάζειν τῆ ψυχῆ ἄρξωνται. τότε σφοδροτέρως ὑπὲρ αὐτῶν ἐις οὐνὸν ὁρῶν ὁ ποιμὴν γρηγορήσοιεν. ἐιώθασι γὰρ κατὰ τὸν καιρὸν τοῦ καύσωνος ἐκείνου. πολλὰ λυκόβρωτα γίνεσθαι. πλὴν ἐι καὶ αὐτα κατὰ τὸν ἐκτὸς л. 281 об. ἐν τοῖς προβάτοις ὁρώμενον τύπον τὴν κεφαλὴν τῆς ψυχῆς εν τῶ καιρῶ τοῦ φλογμοῦ κάτω ἐις γῆν κλίνουσιν. ἔχομεν τὸν ἐπόντα. καρδίαν τεταπεινωμένην καὶ συντετριμμένην, ὁ θς οὐκ ἐξουδενώσει. σκοτίας καὶ νυκτὸς παθῶν καταλαβούσης τὴν ποίμνην. ὅριζε ἀκινήτως τὸν κύνα πρὸς θν. ἐις τὴν νυκτερινὴν φυλακὴν. οὐδὲν δὲ ἀπεικὸς νοήσεις τὸν σὸν νοῦν. τὸν ἀναιρέτην τῶν θηρίων. φύσεως ἴδίωμα καὶ τοῦτο ὁ ἀγαθὸς ἡμῶν πεποίηκε κς. ἵνα τὸν ἰατρὸν ὁρῶν ὁ νοσῶν ἐυφραίνεται. ἴσως ἐι καὶ μηδὲν παρ αὐτοῦ ὠφελεῖται. κέκτησο καὶ σὺ ὦ θαυμάσιε. ἔμπλαστρα. ξηρία. κουλούρια. ποτὰ. σπόγγους. ἀναυσίαν. φλεβότομα. καυστῆρας. ἀλείμματα. ὑπνητήρια. μάχαιραν. καταδέσμους ἐι δὲ τούτων ἀποροῦμεν πῶς τὴν ἐπιστήμην ἐνδειξώμεθα. οὐδαμῶς. οὐ γὰρ λόγων. ἀλλ' ἔργων οἱ μῖσθοὶ л. 282. δίδονται. ἐμπλαστρον ἐστιν, ἴασις παθῶν ὁρωμένων ἤγουν σωματικῶν. δόσις ἐστὶν ἴασις παθῶν τῶν ἐντὸς. καὶ κένωσις ῥύπου ἀοράτου. κηρίον ἐστὶν. ἀτμία δάκνουσα καὶ οἰήσεως σηπεδόνα θεραπέυουσα. κουλούριον ἐστιν. ὀφθαλμοῦ ψυχῆς νοὸς κάθαρσις. ἐκ χωλώσεως θῦμοῦ ταραχθέντος. ποτόν ἐστι στύφουσα ἐπίπληξις. μετ' ὀλίγον δὲ θεραπέυουσα φλεβότομον ἐστι σύντομος κένωσις ὀζωδίας ἀφανοὺς. φλεβότομον κῦρίως. ἐπιτατικὴ καὶ ἀπόταμος ἐπένεξις ἐις σρίαν τῶν νοσοῦντων. σπόγγος ἐστὶν. ἡ μετὰ τὴν φλεβοτομίαν. ἢ χειρουργίαν διὰ προσηνῶν καὶ ἡπίων λόγων καὶ ἀπαλῶν τοῦ ἰατροῦ ἐν τῶ νοσοῦντι θεραπεία καὶ κατάψυξις. καυστὴρ ἐστιν ὅρος καὶ ἐπῖτίμιον ἐις μετάνοιαν πρὸς χρώμενον διδομενον φιλανθρώπως. ἄλειμμα ἐστιν ἡ μετὰ τὸν καυστῆρα

ткою къꙑскати и испракнти могын. Крѣмуїн є̑, нже крѣность оумнжю ѡ̑ бг̑а и своѥ̑ трждовъ прїемын. не тъуїю ѡ̑ тръкльнєнїа, нж и ѡ̑ самыа бе҃ны корабь истрѣгнѫти могын. краун є̑, нже тѣло и дш̑ѧ имѣан бе҃ неджга. и нн єдного же помаꙁанїа ѡ̑нѫ̑ трєбжа: · Оу҃нтсль къностнѫ єсть, нже оумнжю книгѫ раꙁжма пръстомъ бг̑їемъ. снрѣ̑ дѣнствѡ̑ осїанїа ѡ̑ него соꙋю прїемын. и проуїѧ̑ книгъ не трєбжа быть. не лѣпо оу҃нтєлемъ ѡ̑ прѣпнсованїи накаꙁовати, и жнкописцемъ ѡ̑ прѣложенїи знаменовати. нже долнѧ̑ накаꙁоуми, съвыше ѡ̑ высоты оуун. и ѡкраꙁомъ ꙋювєстъкнымъ дрѫгое накаꙁоун. не ꙁабыван рекшаго. не ѡ̑ ѹ̀лкъ нн ѹ̀лкѡ̑ оу҃нтєлстко накаꙁоуа. нн бо могѫ̑ долнаа долгїнымъ оугажа̑ти когда: Бг̑ъ крмьуїн спсєть корабь. и добръ пастырь, ѡжнвотворнть и нсцѣлнть недажныа ѡвцѫ. поелнкѫ же ѡвцѫ пастырю бе҃ъ ѡстатка прѣ̑ оуспѣвша послѣдѫють. потолнку ѡ нн̑ домжвлн̑ѣ ѡ̑вцѫє̑: да метае̑ ꙗко же каменїемъ словомъ, пастырь. и ѫже ѡ̑ раꙁлѣненїа, нли ѵревоѡбыденїа ѡстающаа ѡвца. є̑ бо и се бл̑гаго пастыря знаменїє внегда ѡвца ѡ̑ распаленїа ѕноннаго. паче же тѣлеснаго дрѣматн дш̑ею наунѫть. тогда ѕѣлнѣнше ѡ нн̑ на нб̑о зра пастырь да бъдръствжѣ̑. ѡбыкоша бо въврема ѕнол ѡного, многамъ влъкоꙉдиннамъ быкати. ѡбаче аще и тыа по внѣшнемѫ нже въ ѡвцѣ̑ виднмомѫ ѻбразѣ. главѫ дш̑ѥвнжю въ врема распаленїа долѫ на ꙁемлю прекланать. имамъ рекъшаго ср҃це скржшено и смѣрено бъ не оуннунжнть. тмѣ и нощи стр̑тнѣи постнгши стадо, оуставлѧи непѡ̑внжно ѳа къ бг̑ѫ на нощнжю стражѫ. нинуниже оубо не неподобна ꙗꙁоумѣешн тѫоего оума гжбнтелѧ ѕвѣремъ. є̑ствл сѫонстко и се бл̑гын нашь створи г̑ь. ꙗко да врауа зра недажѫан веселнтсѧ всѣко. аще и нинуниже ѡ̑ него полгуется: · Пристажи и ты Оꙋюдесне, помаꙁанїа. даанїа. бритвы. насыпанїа. напаанїа. гжбѫ бе҃ꙁболѣзнїе. кръвопжстнаа. жегы. помаꙁы. оуспнтелнаа. ножъ. прнваꙁы. аще ли сѝ не имамы, ꙗко хр̑жство покажемъ. нн ꙗко же. не бо словѡ̑, нъ дѣлѡ̑ мꙁы̑ даютса. помаꙁанїе є̑, нсцѣленїе страстемъ виднмымъ. снрѣ̑ тѣлеснымъ напоенїе є̑, нсцѣленїе стр̑тємъ внѫтреннымъ. и нзлїанїе скврьны невиднмыа: · Бритка є̑. бе҃ꙁустїе ꙗхаплющее и мнѣнїа съгнитїе оувраꙋюжщн насыпанїе є̑, оуесе дш̑а оума ѡуищенїе. ѡ̑ помжщенїа ѭростн смжщшаса, оутрѣпающее къзпрѣщенїе, по малѣ же оувраꙋюжщее. кръвопжстное є̑, скороє испражненїе смрада невкле̑наго. кръвопжстное въ истинн̑ѫ є̑, настоателное и напрасное нападанїе къ спсенїе недажѫющнмъ: · Гжба є̑, еже по кръвопжщенн или ржкодѣнствн, кро̑кымн и сла̑кымн и мккымн словесы врауа на недажнѣмъ врауеванїе и прохлаже̑нїе. жьженїе є̑, оустав̑ъ и ꙁапрѣщенїе въ покаанїе на времена даемое ѹ̀лколюбнѣ. помаꙁъ є̑, еже по жженнн или словомъ. нли малѣмъ оутѣшенїем прн-

ἢ διὰ λόγου. ἢ διὰ μικρᾶς παρακλήσεως. ἐπιτιθεμένη τῷ νοσοῦντι παραμυθία л. 232 об. ὑπνωτικόν ἐστι. τὸ τὸ φορτίον τοῦ ὑπηκόου ἀναδέξασθαι. καὶ διὰ τῆς ὑποταγῆς, ἀγάπαυσιν αὐτῷ καὶ ὕπνον ἄϋπνον, καὶ τύφλωσιν ὀσίαν. τοῦ βλέπειν τὰ ἑαυτοῦ καλὰ χαλίσασθαι. κατάδες μοι εἰσι. τὸ τοὺς τῇ κενοδοξίᾳ ἐκλυομένους, καὶ κεχαυνωμένους. δι' ὑπομνήσεως θανάτου στερεῖν καὶ ἐπισφίγγειν. τέλος δὲ πάντων μάχαιρα ἐστιν. ὅρος καὶ ἀπόφασις ἐπιτομὴ νεκρωθέντος ψυχικῶς μέλους καὶ σεσηπότος, ἵνα μὴ καὶ τοῖς λοιποῖς. τὴν οἰκείαν ψώραν μεταδώῃ. μακαρία ἀναυσία ἐνίατροῖς καὶ ἐν προεστῶσιν ἀπάθεια. οἱ μὲν γὰρ μὴ ναυσιῶντες, ἐν πάσῃ ὀζωδίας θεραπεία. ἀόκνως ἐπῒχειρήσουσιν. οἱ δὲ πᾶσαν τεθνηκύαν ψυχὴν ἀναστήσονται. καὶ αὕτη μία τῶν αὐταῦ προσευχῶν τοῦ πρεστηκότος γέγηται. τὸ πᾶσι κατὰ τὴν ἑαυτῶν ἀξίαν προσπάσχειν τὲ καὶ συνδιατίθεσθαι. μήπως л. 283. ὡς ὁ ἰακὼβ καὶ αὐτὸς καὶ τὸν ἀγαπώμενον. καὶ τοὺς συμφοιτητὰς καταβλάψοιεν. τοῦτο δὲ πάσχειν πεφύκασιν. ἐπειδὴ. οὕπω τὰ τῆς ψυχῆς αἰσθητήρια τελείαν γεγυμνασμένα κέκτηνται πρὸς διάκρισιν καλοῦ τε καὶ μέσου καὶ κακοῦ. πολλὴ ἡ τοῦ προεστῶτος αισχύνη προσευχόμενον τι πρὸς τὸ δωρηθῆναι τι τῶ ὑπηκόω. ὅπερ αὐτὸς οὔπω προσέκτηται. ὥσπερ οἱ πρόσωπον βασιλέως θεασάμενοι. καὶ τοῦτον ἑαυτοῖς φίλον καταστήσαντες, καὶ τοὺς λειτουργοὺς αὐτοῦ ἅπαντας δύγανται λοιπὸν καὶ τοὺς ἀγνώστους αὐτῷ ἢ καὶ ἐχθροὺς, εἴπερ βουληθῶσι συνοψίσαι. καὶ τῆς αὐτοῦ δόξης ἀπολαῦσαι. οὕτω καὶ ἐπι τῶν ἁγίων νόει. τοὺς ἀκροτάτους φίλους. καὶ αἰδοῦνται οἱ φίλοι καὶ ὑπακούουσιν. ἴσως δὲ καὶ βιάζονται ὑπ' αὐτῶν καλὸν κεκτῆσθαι φίλους τοὺς νοεροὺς φίλους. οὐδεὶς γὰρ, οὕτω συνεργεῖ ἡμῖν πρὸς ἀρετὴν. л. 283 об. διηγήσατο μοι τι τῶν θεοφιλῶν. ὡς ὅτι πάντοτε μὲν. μάλιστα δὲ ἐν ταῖς ετησίοις καὶ δεσποτικαῖς ἑορταῖς ὁ θ̄ς̄ τοὺς ἑαυτοῦ θεράποντας. δωρεαῖς ἀμείβεται. τελέως ὀφείλει αὐτὸ τὰ πάθη ὁ ἰατρὸς ἐκδύσασθαι. ἵνα ἐν καιρῷ τινὶ δυνήσηται τίνα. καὶ μάλιστα τὸν θῡμὸν ὑποκρίνεσθαι, ἐμὴ γὰρ αὐτὰ εἰς ἄκρον ἀπώσηται οὐ δυνήσεται αὐτὰ. ἀπαθῶς ὑποδύεσθαι. εἶδον ἵππον ἔτι μῖκρὸν ἀγυμνάστως διακείμενον. καὶ μέντοι χαλινὸν ἔχων, καὶ ἡσῦχίως βαδίζων. ἐξαίφνης τὸν ἴδιον κύριον ἐπεσούλευσε. μικρὸν τοῦ χαλινοῦ αὐτοῦ χαυνωθέντος. ἐπιδυσὶ δαίμοσι τὸ παρὸν ὡς ἐπὶ παν πρόβλημα. ἐπακολουθεῖν πέφυκεν. οἱ βουλόμενοι ζητεῖν. ζητείτωσαν ἐμπόνως. τότε τὴν ἐκ θῦ δεδομένην αὐτῷ ὁ ἰατρὸς ἐπιγνώσεται σοφίαν. ὁ ποτὰν τὰ τοῖς πολλοῖς ἀθεράπευτα πάθη θεραπεῦσαι δυνήσεται. л. 284, οὐ θαυμαστὸς διδάσκαλος ὁ τοὺς εὐμαθεῖς παίδας σοφοὺς ἀπεργασάμενος. ἀλλ' ὁ τοὺς ἀμαθεῖς καὶ ἀσόφους, σοφίσας καὶ τελειώσας. ἡ τῶν ἡνιοχούντων εὐφυΐα, ὅτ' ἂν ἐν ἀδοκίμοις ἵπποις νῖκήσωσι, καὶ τοὺς ἵππους διασώσωνται, τότε ἐμφανίζεται καὶ ἐπαινεῖται. ἐὰν εἴληφας ὄμματα προβλέπειν. τὰ κύματα τοῖς ἐν τῷ πλοίῳ προύλεγε, εἰ δὲ μὴ σὺ τοῦ ναυαγίου αἴτιος καθίστασαι, ὡς σὺ καὶ παραπάντων πῖστευθεὶς ἀμέριμναν τὴν κύβέργησιν. εἶδον ἰατροὺς τῷ ἀρρώστῳ λαγαεμοε, неджжющомѫ оупокоенїе. оуспителное ѥ̀ ѥ̀же врема послѫшнаго въспрїатн. и ради повиновенїа. покои томѫ и сънъ безсънныи и слѣпотѫ прѣбижю ѥ̀же не блюсти своа добраа податн. привази сѧ̀, ѥ̀же тъщеславїемъ разслабленема, въспомнинанїемъ съмр̀тнымь оутвръжа̀тн и пристазати: Кѡнець же въсѣмъ ножь ѥ̀, оуставъ и ѡ̑тъчєнїе и ѡ̑свѣщенїе оуприщенаго дш̑ѥ̀внѣ оуда и сѫгнившаго. ако да не и проунимъ свои красты подасть. бл̑жено безболѣзне въ краи̯ѥ̀. и въ настоящѣ̀ бестр̀тїе, ѡвн бо неболѣзнюще, къ всѣкомъ смрада краевании без лѣности нлунѫть. ѡвн же, въсѣкѫю оумр̀шѫ дш̑ѫ̀ въскр̀сити възмогѫ̀. и сн еднна ѡ̑ того мл̀тъ настоящаго бждѐ, нже всѣ̀ по своемѫ дѡ̑нствѫ̀ сълрадовати же и сълагатнся. да не како ако же їакѡкъ. и тъ и любнмаго и съ оуѵ̑нкы покреди̯. сеже страдати ѡбыкоша, понеже не оу дш̑ѥ̀внаа уювства съкрѣшенѣ ѡбъоуѵ̑ена нмѫть, къ разсѫждѐнїю добрѫ̀ же и злѫ и срѣнемѫ̀. мнѡгъ настоящаго срамъ, моляшѧ нѣуто дароватнся послѫшномѫ̀, ѥ̀же самъ не оу прѣже стажа. ако же нже лице цр̑ково видѣкшен, и того себѣ держа оустроившен, и слоугы его вса. могѫ̀ проуѣе и невѣдомыа емѹ или и врагы аще восхотать съпрнвестн, и того славы насладнтнся. сице и ѡ сты̑ѩ разоумѣвати. съкрѣшены̑ѩ держъ и стыдатся держан и послѫшають. равно же и прнижда̀ются ѡ̑ нн̑. добро стажати держгын, оумныа держы. нвктѡ̑ бо тако съпоспѣшествжеть намъ къ добродѣтели, повѣда мн нѣкто ѡ̑ бг̑олюбны̑. ако ѫ̀всегда оубо, пауе же въ молебны̑ и кладыунѣ̀ прозинкѡ̑ бъ своимъ оугодникомъ дары въздаеть. съврѣшенѣ̀ дължень ѥсть самѣ̀ стр̀тен краи̯ъ съклепнся. ако да въ врема нѣкое къзможѣ̀ нѣкое. и пауе же прость себѣ пристворнти, аще бо ты а до конца не ѡ̑рнмь, не къзможеть въ тыа бестр̀тнѣ ѡблѣпнся: · Кндѣ̀ конь и ѥще малъ не ѡбъоуѵ̑енъ сѫть. и оубо оуздоу нмѣл и безмлѣвнѣ хода, кнезанѫ на своего гна навѣтова мало оуѫ̀ѣ его лопѫстенѣ быкшн. ѡ дкѡ̑ѣ̀ бесѣхъ настоящее ако при ксемь гананїе послѣдовати ѡбыуе. хотащен нскати, да нщѫ̀ болѣзньнѣ: · Тогда же ѡ̑ ба данмю емѫ̀ премѫ̀рость краи̯ъ познаеть, внегда же многымн не оукраеванныа стр̀ти оукраевати къзможѣ̀. не.ююденъ оуѵнтель нже добрѣ выкнщмаа дѣти премѫ̀ры съдѣлавъ, нѫ нже не накыцающѫа и немѫ̀рыа оупремѫ̀рнкъ и съврѣшнвъ. Нже на колесницѫ̀ текщнѣ ба̑гораздміе, егда на ненскжены̑ конѐ побѣдать и кона съблюдѫть, тогда ваклѣется и похваляется. аще прїалъ есн оун прозирати клъны, сѫщнмъ в кораблн прѣгѫ̀н. аще ли нн, ты нстопленїю внновенъ есн. ако ты пауе всѣ̀ въвѣренъ беспералнѣ ѡкрѫмленїю: Кндѣ̀ краиа, болащнмъ вины непрѐ възвестнвша. и оубо ѡ сего и болащнмъ и себѣ, мнѡг трѫ̀ и съкржшенне нсходатанша. поелнкѫ оубо настоан,

τὰς αἰτίας μηνήσαντας. καὶ μέντοι ἐκ τούτου. καὶ τοῖς νοσοῦσι καὶ ἑαυτοῖς πολὺν τὸν κόπον καὶ τὴν συντριβὴν προεξένησαν. καθὼς ἂν ὁ προεστὼς τὴν τε τῶν πόρρωθεν πίστιν πρὸς αὐτὸν πολλὴν θεάσηται. κατα τοσοῦτον λοιπὸν ἑαυτὸν πάσῃ φύλακῇ τηρήσοιεν ἐν πᾶσιν οἵστε πράττει. καὶ φθέγγεται. γινώσκων ὡς πάντες л. 284 об. εἰς αὐτὸν ὡς ἀρχέτυπον εἰκόνα βλέπουσιν καὶ τὰ παρ αὐτοῦ εἰς ὅρον καὶ νόμον λογιζονται. ποιμένα ἀληθινὸν ἀποδείξει ἀγάπη. δι ἀγάπην γὰρ ὁ ποιμὴν ἐσταύρωται. λόγοις οἰκείου τὰ ἐν ἄλλοις. καὶ οὐ δεῖ σοι πολλῆς αἰδῶ πάντοτε. λύπει νοσοῦντα πρὸς χρόνον, ἵνα μὴ μακρονοσήσῃ. ἡ τελευτήσῃ ἐκ σιωπῆς ἐπαράτου. πολλοὶ τῇ σιωπῇ τοῦ κυβερνήτου καλῶς πλέειν ὑπελάμβανον. ἕως οὗ τῶ βράχει πρσέκρουσαν. πάυλου τοῦ μεγάλου τῶ τιμοθέω ἀκούσωμεν γραφόντος. ἐπίμεν ἑαυτοῖς φησὶν. εὐκαίρως ἀκαίρως. εὐκαίρως μὲν οἶμαι. ὅτε οἱ ἐλεγχόμενοι τὸν ἔλεγχον ἡδέως ὑπομένουσιν. ἀκαίρως δὲ ὁ πότ ἂν ἐπ τοῦτο δάκνωνται. ἐπεὶ καὶ αἱ πηγαὶ καὶ μηδενὸς ὄντος τοῦ διψῶντος. ἀναβλύζουσι νάματα. ἔστι φύσις ἵνα οὕτως εἴπω. περὶ τὸ αἰδετικὸν ἐν προεστῶσι ῥέπουσα. καί τὰ ὀφείλοντα τοῖς ὀφείλουσι πολλάκις σιωπῶσα. εἴτις τὸ τῶν διδασκάλων ἐπὶ л. 284 τοῖς μαθητευομένοις ποιεῖν μὴ παραιτήσοιτο. καὶ γραφὴ τὰ χρειωδη ἀπαγγέλματα σημειοῦσθαι αυτοῖς ἐπιχειρήσοιειν ἀκούσωμεν ἔν τισι τῆς θείας φωνῆς λεγούσης. ἔκκοψον αὐτὴν ἵνα τί καὶ τὴν γὴν καταργῇ. καὶ ἐξάρατε τὸν πονηρὸν ἐξ υμῶν. καὶ μὴ προσέυχου ὑπὲρ τοῦ λαοῦ τούτου. καὶ ἐπι τοῦ σαοὺλ ὁμοίως. ταύτα πάντα τὸν ποιμένα γῖνώσκειν ἀναγκαῖον. ἐν ποίοις καὶ πῶς καὶ πότε ὀφείλουσι γίνεσθαι. θῦ γὰρ ἀληθέστερον οὐδὲν, εἴτις ἰδία ἐλεγχόμενος οὐκ αἰσχύνεται. οὗτος καὶ τὸν επι πλήθους ἔλεγχον. ἀφορμὴν ἀναισχυντίας ἐποιήσατο. ἐκουσίως τὴν ἑαυτοῦ σῤῥίαν βδελυξάμενος. σκοπῶ δὲ κακεῖνο. ὅπερ παρὰ πολλοῖς εὐγνώμοσιν ἀρρώστοις. εἶδον γῖνόμενον. τὴν γὰρ ἑαυτῶν ἀσθιλίαν καὶ ἀσθένειαν ἐπιστάμενοι. καὶ μὴ βουλομένους τοὺς ἰατροὺς δεσμήσαι αὐτοὺς καὶ ἑκουσίω γνώμη βῖα ἰατρεύσαι ἐδυσώπησαν. δι ὅτι τὸ μὲν πῦα πρόθῦμον л. 285 об. διὰ τὴν μέλλουσαν ἐλπίδα. ἡ δὲ σὰρξ ἀσθενὴς. διὰ τὰς προλαβούσας προλήψεις. ἐγὰ δὲ ἐωρακὼς πείθεσθαι τοὺς ἰατροὺς ἐδυσώπησα, οὐδὲ πᾶσιν ὁ ὁδηγὸς στενὴν καὶ τεθλιμμένην τοῖς προσερχομένοις λέγειν ὀφείλει. οὐ δὲ μὴν ἑκάστω τὸν ζυγὸν χρηστὸν καὶ τὸ φορτίον ἐλαφρὸν. σκοπεῖν δὲ μᾶλλον καὶ προσφυῶς ἁρμόζειν τὰ φάρμακα. τοῖς μὲν ἐκ χαλεπῶν καταβεβαρημένοις ἁμαρτημάτων. καὶ εὐχερῶς πρὸς τὴν ἀπόγνωσιν ἔχουσι, τὸ δεύτερον τοῖς δὲ πάλιν πρὸς τὸ ὑψηλὸν καὶ οἰηματικὸν φρόνημα κλίνουσι. τὸ πρῶτον ἁρμόδιον φάρμακον. τινὲς ὁδὸν ὁδεύειν μακρὰν ἔχοντες. ἐρωτήσαντες, τοὺς γινώσκοντας, εὐθείαν ταύτην καὶ λείαν καὶ ἀκίνδυνον, παρ αὐτῶν εἶναι ἀκήκοαν. καὶ μέντοι τῇ ἀκοῇ χαυνωθέντες πρὸς τὴν ὁδοιπορίαν, περὶ τὰ μέσα ταύτης ἢ ἐκινδύνευσαν ἢ καὶ ὑπέστρεψαν ἀπαρασκέυαστοι πρὸς τὰς θλίψεις εὑρεθέντες. ὥσπερ καὶ τὸ ἔμπαλιν л. 286. νέει μοι. ὅπου ἔρως θεῖος ἥψατο. ἐκεῖ

н послѣшны же и смѣи҃ изъ далеча вѣрж к немѫ многѫю оуꙁрить. потолнѫ себе проуѣє въспѧмъ храненїемъ да съблюдаѣть въ всѣ нхже творить и кѣмѣ҃. вѣдын. ако въсн нань ако на нахалообразныи ѡбразъ ꙁрать, и нѫже ѿ него гл҃емаа въ оустав҃ и ꙁконъ имѣнѭть. пастырѭ истиннаго, покажеть любовь. любвє бо р҃а пастырь распатса, слокесы оусколн҃ нѫже къ нимъ, и не трѣбе ти є҃ многа стыдѣнїа всегда. ѡпеуалмн недѫгѭщаго на врема, ако да недлъго болить. или и оумре҃ ѿ мльханїа проклатаго. многи мльханіемъ кръминуемъ добрѣ плавати не пщевахѫса, дондеже къ брегѫ приазнишаса. плава великаго оуслышнмъ ти мофєѡви пишѫща. настои тѣ рѣ, бл҃говременнѣ и безъвременнѣ. бл҃говременнѣ оубо мню, єгда ѡбличаемїи ѡбличенїє слы҃ѣ тръпать. безъвременнѣ же кнегда ѡ семь халатса. єлма и истоуницн, и никомѫ же жажѫщѫ иставаю҃ воды: ✝ на s҃. уась:

Є҃ естество, да сниде рекѫ к настоящи҃ на стыдѣнное оуклонмаса. и дльжнаа дльжнымъ многамы мльхуац є҃. нъ сїи оубо єже оуителское творити ндоуумы҃ и да не ѿрекѫтса, и писанїемъ потребнаа ѹвѣщенїа знаменовати тѣмъ наунѫ. оуслышнмъ к нѣкын бе҃ственаго гласа тлющ. посѣщи ю, въскѫю и ꙁемлю оупражнѣ҃ и нѫмѣте лукаваго ѿ ка҃ самѣхъ. и не молнса. ѡ людѣ҃ сихъ. и ѡ сѫулѣ такоже. сїа вса пастырю вѣдѣти нѫжно є҃, к кын и како. и когда дльжна сѫ҃ быкати. ба҃ бо науто же истиннѣе: Нже ѡсобь ѡбличаемъ не срамлѧется, съи нже пре҃ множствомъ ѡбличенїе. вниѫ безтждїа сътвори. самоволнє своего спсенїа къъгнѫша҃са. расматрнѫ же и ѡно, еже къ многѣ҃ бл҃гоꙁоумны҃ болащи҃ кидѣ҃ быкаемо. ское бо страхованїе и немощь съвѣдащє и не хотащи врауа, сказати тѣ и самоволною нѫжею врауєкати оумолншa. ꙁанє же дх҃ъ оубо оусрѣденъ, бѫщиа ради надежда. плъть же немощна, пре҃варшїи҃ ради пре҃прїатїи. ази же видѣвъ, покорнтиса врауа оумоли҃: Не въсемъ наставникъ, тѣсныи и прискрѣбныи пѫть приходащїимъ глати дльженъ є҃. нѫже пакы комѫ҃ ѡго бл҃го и врема легко. расматрати же пауе, и пѫ҃нѣ оустрлати лѣубы. нже бо ѿ люты҃ и ѡтагуены҃ грѣховъ и оудобь къ ѿданїю имащимъ, вторая. а нже пакы к высокомѫ и мнѣтельномѫ мѫрованїю оуклонающимса, пръвая клюуныа лѣуба. нѣцїи пѫ҃ествовати далнїи хотащє. и въпросиша вѣдащїи҃, прак тѣи и гладокъ и безъвѣденъ ѿ ни҃ быти слышаша. и оубо слышанїемъ раслабнкшаса къ пѫ҃ествію, посре҃ того вѣдѫ прїаша. или къꙁратншаса, не приготовлени къ скрѣбемъ ѡбрѣтшеса.. ако же и съпротивное разжмеканми. идѣже желанїє бжтвеное прикоснѫса. тамо стра҃ гл҃омъ не въꙁможе, и идеже стра҃ геенскы имѣса, тамо колѣзнемъ ксемъ прїнманїе. а идѣже цатѣїа надежа познаваетса, тамо късе҃ долни҃ прѣобндѣнїе. достонть добромѫ коемъ ко-

φόβος ῥημάτων οὐκ ἴσχυσε. καὶ ὅπου φόβος γεέννης, ἐπέφαγεν, ἐκεῖ πόνων πάντων κατάδεξις. ὅπου δὲ βασιλείας ἐλπὶς γνωρίζεται. ἐκεῖ ὅλων τῶν τάτω καταφρόνησις. δεῖ τὸν καλὸν στρατηγὸν τὴν ἑκάστου τῶν ἀρχομένων στάσιν καὶ τάξιν σαφῶς ἐπίστασθαι. ἴσως γὰρ εἰσὶν ἐν τῷ πλήθει τινὲς συν αὐτῷ ὑπὲρ τῶν συστρατιωτῶν πρόμαχοι. καὶ μονομάχοι. ὀφειλοντες ἐν ἡσυχία καθίστασθαι. οὐ δύναται μόνος κυβερνήτης χωρὶς τῆς τῶν ναυτῶν συνεργίας. τὴν ναῦν διασώσασθαι. οὐδὲ ἰατρὸς τὸν κάμνοντα ἰάσασθαι. μὴ πρότερον παρ αὐτοῦ διὰ δυσωπήσεως. καὶ τῆς τοῦ τραύματος φανερώσεως. προτραπῇ ὁλοπίστως. οἱ αἰδεσθεντες ἰατρούς, σηπεδόνας πεποιήκασι. πολλοὶ δὲ πολλάκις καὶ τεθνήκασι. νεμωμένων τῶν προβάτων, τῇ σύριγγι τοῦ λόγου ὁ ποιμὴν κεχρημένος μὴ παύσηται. л. 286 об. καὶ μάλιστα μελλόντων τούτων εἰς ὕπνον ἔρχεσθαι. οὐδὲν γὰρ δέδοικε λύκος. ὡς σύριγγος ποιμαντικῆς ἀπήχημα. οὐδὲ πάντοτε ταπεινοῦν ἀλόγως. οὐδὲ πάντοτε ἀνυψοῦν αὐτὸν ἀφρόνως ἑαυτὸν ὁ προεστὼς ὀφείλει. ὁρῶν παῦλαν ἐν ἀμφοτέροις ὀδεύοντα.

дителю, коегождо ѡ коинствующиѧ оумь и стоѧніе имѣ вѣтии ѥда бо сѧ въ множьствѣ нєцѣи. съ нимъ ѡ коиньскѣ прьвоборци и єдиноборци, а длъжни сѧще къ безмлъвьи оустрашатиса. не можеть єдинь крѣмѣи без корабьничьскаго съпѡспѣшенїа корабь спѣсти. ниже краѹь колѧщаго исцѣлити, не прьвѣе ѡ него оумоленїемь и стржпа наклонїем повелѣнъ быкъ въ сєвєрнѣ. оустыдѣвшенсѧ краѹєвъ, съгнитїа сътворишѧ. мнѡги же множицею и оумроша. пасомѡмъ овцамъ, звѣзанїемъ слова пастырь прїемлѧ да не прєстанєть. и паче же хотѧщимъ тѣмъ въ сънъ прихождти. инъсоже контса клъкъ, ако же житїа пастырскаго ѡглашенїа: · Ни всегда смѣрѧтиса бєзсловесне, ниже всегда бєзмнѣ себе къзвышати настоѧи дължєнъ є. зра паѳла къ ѡвоѣ шєствующа.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Ἰωσὴφ οἰκτρὸς εὐτελὴς ρακενδύτης τὴν ἱερὰν κλίμακα ταύτην ἐκ πόθου, ἐγράψα χερσὶν οὐ μενοῦν ταῖς ἰδίαις:. ἀλλ' ὥσπερ ὑπόρησα τῶν μισθωμάτων:· ταύτην ἀνατρέχοντες οὐκοῦν πρὲς ταῖς πρακτικαῖς μάλιστα νῦν ἐργασίαις πρὸς τὰς μονὰς βαίνοιτε τὰς οὐνίους:· τὴν γῆν ἀφέντες καὶ τὰ τῆς γῆς τοῖς κάτω:· ἐμοῦ δὲ τοῦ τάλανος ἐν μονοτρόποις, διηνεκῶς μέμνησθε πρὸς τὸν δεσπότην. ὅπως διαβὰς τὴν θάλασσαν τοῦ βίου, πρὸς λιμένας φθάσαι τοὺς οὐνίους:

† Ἡ παροῦσα δέλτος ἐγράφη, ἐν ἔτει ,ϛψξγ. ἰνδικτιώνος ιγ. ἐπὶ τῆς βασιλείας τοῦ εὐσεβεστάτου βασιλέως ἡμῶν κυρ. ἀνδρονίκου κομνηνοῦ ἀγγέλου δουκὰ τοῦ παλαιολόγου, πατριαρχέυοντος τοῦ ἁγιωτάτου δεσπότου ἡμῶν τοῦ φιλοσοφωτάτου κυρ. Γρηγορίου. ὃν ἡ κύπρος ἤνεγκεν ἡ περιφάνης τε καὶ περιβόητος. καὶ ἡγουμενευόντος ἐν τῇ σεπτῇ μονῇ τοῦ ἀρχιστρατίγου τῶν ἄνω δυνάμεων μιχαὴλ. τοῦ πανοσιωτάτου πρ̄ς μου τοῦ ἱερομονάχου κυρ. Ἰγνατίου. ὅσοι γοῦν ἀναγινώσκετε ταύτην τὴν βίβλον εὔχεσθε μοι διὰ τὸν κ̄ν̄, ὅπως εὕροι μι ταῖς εὐχαῖς ὑμῶν, τῶν πολλῶν μᾶ ἁμαρτημάτων τὴν ἀπολύτρωσιν.

Εὐχεσθε καμοὶ τῷ γραφεῖ θεοδοσίῳ μοναχῷ ταπεινῷ καὶ ἁμαρτωλῷ. καὶ συγγνώμην δίδοτε τοῖς σφάλμασι μου:. Δόξα σοι ὁ θ̄ς̄ Δόξα σοι ἀμὴν.

ф. 15 об. Λόγος ἀσκητικὸς τοῦ ἀββᾶ ἰωάννου τοῦ ἡγουμένου τῶν ἐν τῷ σινᾶ ὄρει μοναχῶν. λόγος α̅.

Τοῦ ἀγαθοῦ καὶ ὑπεραγάθου. καὶ παναγάθου ἡμῶν θ̄ῡ καὶ βασιλέως. καλὸν γὰρ ἐκ θ̄ῡ πρὸς τοὺς θ̄ῡ θεράποντας ἄρξασθαι. πάντα τὰ ὑπ' αὐτοῦ κτισθέντα λογικὰ. αὐτεξουσιότητος ἀξιώματι. τιμήσαντος οὐ μεν εἰσὶν φίλοι. οἱ δε γνήσιοι δοῦλοι οἱ δὲ χρεῖει.

Заставки. Монограма: Ἰωσὴφ τοῦ πουλιτζή. ·:· Περὶ μνήμης θανάτου :·

Πάντος λόγαυ προγεῖται ἔννοια. μνῆμη δὲ θανάτου καὶ πταισμάτων.

Заглавныя буквы. Скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: ἐπάυσατο;· πόθον, μοναχός. Сокращенія и слова съ титлами: χαρίσματος, θάνατον, φύσιν καὶ πάτερ, θεοῦ. Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α) ἀγγέλοις. ε) ἐξέλθε ἐν εἰς εὐγνώμων. ν) νοῦν γράφων. σ) καθέστηκεν ἀβύσσου. τ) πλεῖστα πράττει. цифра ς съ титлами. Сокращенная монограма. φεβουάριος.

V. Сборникъ разныхъ св. отцевъ церкви нравственнаго содержанія

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 405-мъ.

Длина пергамина	4 1/8 в.
Ширина	3 1/4 в.
Къ корешку	1/2 в.
Къ правой сторонѣ	7/8 в.
Къ верху	1/2 в.
Къ низу.	7/8 в.

Пергаменъ тонокъ и выдѣланъ очень хорошо.

Писано мелкою скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 328-ми листахъ. Вверху 3-го листа подписано: τῶν ἰβηρῶν. а внизу: Арсеній. ϒs. На 3-й страницѣ простая заставица, заглавія и заглавія буквы до 106. листа обор. писаны свѣтло-коричневою краскою, съ 107 по 172-й об. пунцовою краскою, съ 173 до конца тою-же свѣтло-коричневою краскою. Колеръ чернилъ темный. Число строкъ на страницѣ 33. Помѣта тетрадей внизу на краю правой стороны.

На первыхъ двухъ листахъ въ XIII—XIV в. написано поученіе не имѣющее ни начала ни конца.

л. 3—7. об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν ἀββὰ ἰσαὰκ, τοῦ σύρου ἀναχωρητοῦ περὶ τῆς ἀδιαλείπτου νηστείας.... Начало: Ἐν πολλῷ καιρῷ πειραζόμενος ἐν τοῖς δεξιοῖς καὶ ἀριστεροῖς,

л. 7 об. 9. Τοῦ αὐτοῦ. πόθεν γίνεται τὸ μέτρον τῆς γνώσεως. καὶ τὸ μέτρον τῆς πίστεως. Начало: Ἔστι γνῶσις, προηγουμένη τῆς πίστεως.

л. 9—16. Περὶ διαφορᾶς τῆς ἐν ἡσυχία διακρίσεως.... Начало. Δόξα τῷ ἐκχέαντι πλουσίως τὰς ἑαυτοῦ Δωρεὰς, τοῖς ἀν̄οις.

л. 16—19 об. Περὶ φυλακῆς καὶ τηρήσεως.... Начало: Ὁ κωλύων τὸ στόμα αὐτοῦ ἐκ τῆς λαλίας, φυλάσσει τὴν καρδίαν αὐτοῦ ἐκ τῶν παθῶν.

л. 19 об.—23 об. Διήγησις ἁγίων ἀνδρῶν. καὶ λόγοι πανόσιοι οὓς παῤ αὐτῶν ἀκήκοεν ὁ ἀββᾶς ἰσαὰκ καὶ περὶ τῆς θαυμαστῆς αὐτῶν Διαγωγῆς. Начало: Ἐν μιᾷ τῶν ἡμερῶν, ἀπῆλθεν εἰς κελλίον τινὸς ἀδελφοῦ ἁγίου.

л. 23 б.—42 б. Τάξις τρίτη τῆς γνώσεως. ὅπερ ἐστὶ τάξις τῆς τελεώτητος. Нач. Πῶς οὖν λεπτύνεται καὶ κτᾶται τὸ πν̄ικον.

л. 43.—73 об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν μαξίμου πρόλογος.. περὶ ἀγάπης.. προς ἐλπίδιον. 400. Начало: Ἰδοὺ τὸν περὶ ἀγάπης λόγον πέπομφα τῇ σῇ ὁσιότητι

л. 73 об.—97. Περὶ θεολογίας καὶ τῆς ἐνσάρκου οἰκονομίας τοῦ υἱοῦ τοῦ θ̄υ. 300. Начало: Εἷς θ̄ς ἄνορχος.

л. 97—99. Ἐρώτησις τοῦ ἁγίου θαλασσίου πρὸς τὸν ἐν ἁγίοις μάξιμον τὸν ὁμολογητην. Начало: Απόκρισις. οἱ τον τέλειον τῆς πρὸς θ̄ν̄ ἀγάπης.

л. 99—123. Τοῦ ὁσίου πρ̄ς ἡμῶν μαξίμου τοῦ ὁμολογητοῦ. πηγὴν ἀσυσαν ἠθικῶν θρησολόγων. ἐντευθεν ἐφευροις ἐι μετελθης γνησίως. Начало: Ἐξέστι παντὶ χριστιανῷ τῷ ὀρθῶς πιστέυοντι εἰς τὸν θ̄ν̄.

л. 123—183. Τοῦ ταπεινοῦ νικήτα ἀ καὶ πρεσβυτέρου τῆς εὐαγεστάτης μονῆς τῶν σου Δίου. τοῦ στηφάτου 300. Начало: Τέσσαρας οἶομαι τὰς αἰτίας εἶναι ἐν τριάδι τελεία τῶν ἀρετῶν.

л. 183—184 об. Τοῦ ὁσίου πρ̄ς ἡμῶν ἀββᾶ θαλασσίου. περὶ ἀγάπης καὶ ἐγκρατείας καὶ τῆς κατὰ νῦν πολιτείας. Начало: Ἀγάπην ἀληθινὴν ἐκεῖνος κέκτηται.

л. 184 об.—194. Τοῦ ὁσίου πρ̄ς ἡμῶν νείλου, περὶ προσευχῆς. Начало: Ἔιτις βούλριτο εὐῶδες θῦμίαμα.

л. 194. Τοῦ αὐτοῦ ἐπιστολαὶ πρὸς μονάζοντας. Начало: Κἂν μηδεὶς σε διώκητύραννος Ἕλλην.

л. 195 об. и 196. — 218. Ἡσυχίου πρεσβυτέρου πρὸς θεόδουλον. λόγοι ψυχωφελεῖς περὶ νήψεως καὶ ἀρετῆς κεφαλαιωδεις.... Начало: Νήψις ἐστὶ, μέθοδος πν̄ικὴ....

л. 218. Τοῦ ἁγίου νείλου.. περὶ ἀκτημοσύνης. περὶ τῶν τριῶν τρόπων τῆς εὐχῆς. Начало: Ἔστι μὲν προηγουμένη τῶν τελείων προσευχὴ.

л. 218 об.—231. Κεφάλαια φιλοθέου μοναχοῦ. ἡγουμένου μονῆς τῆς ὑπεραγίας θ̄κ̄ου τῆς βάτου. Начало: Ἔστι νοητὸς πόλεμος ἐν ἡμῖν αὐτοῖς...

л. 231—313 об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν ἀναστασίου τοῦ σιναΐτου εἰς τὸν δαίμονα τῆς βλασφημίας въ вопросахъ и отвѣтахъ и съ выписками разныхъ отцевъ церкви, какъ въ его пудеводителѣ. Нач. Ὅταν ἄρξηται ἐν ἡμῖν ὁ δαίμων τῆς βλασφημίας ἐν τῷ κρυπτῷ φθέγγεσθαι.

л. 314—328. Διόπτρα. недокончено. Начало: Μηδεὶς ἐξαπατάτω σε μηδεὶς παραμυθήτω.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 363. ’ΑΝΤΙΟΧΟΥ̃ ΜΟΝΑΧΟΥ̃ ΠΡῸΣ ’ΕΥ-ΣΤΑ’ΘΙΟΝ ΠΕΡῚ ΠΡΟΣΕΥΧΗ̃Σ.

Τὸ σχολάζειν τῇ ἀδιαλείπτω προσευχῇ, ἀναγκαῖον καὶ ἐποφελὲς ἡμῖν ὑπάρχει. αἰτήσωμεν οὖν τὸν πρα τοῦ κυ ἡμῶν Ιυ χυ δοῦναι ἡμῖν σύνεσιν πνικὴν ὥστε νήφειν καὶ ἐγρηγορέναι τοῦ αἰτεῖν παὰ αὐτοῦ τὸ θέλημα αὐτοῦ γενέσθαι ἐν ἡμῖν, τοῦτο γὰρ αὐτὸς ὁ θς καὶ σὴρ ἡμῶν τὸ πνικὸν φῶς, τὸ ὂν, τὸ ἀληθινόν. ὅ φωτίζει πάντα ἄνον ἐρχόμενον εἰς τὸν κόσμον. ἐνετείλατο ἡμῖν αἰτεῖν, ὅταν οὖν ἐπικαλούμεθα τὴν ἁγίαν καὶ ὁμοούσιον τριάδα πανάγνοις μὲν εὐχαῖς. ἀνεπιθολώτω δὲ νῶ. καὶ τῇ πρὸς θείαν ἕνωσιν ἐπιτηδειότητι, τότε καὶ ἡμεῖς αὐτοὶ πάρεσμεν καὶ ἀντιλαμβάνομεν τὰ πανάρετα δῶρα. τὰ περὶ αὐτὴν ἱδρμένα. ἡ προσευχὴ ὑψηλοτέρα τύγχόνει πασῶν τῶν ὀρετῶν. καθαρὰ οὖσα καὶ θῶ ἐγγίζουσα. προσευχὴ γὰρ ἐστῖ, πραότητος καὶ ἀοργησίας βλάστημα. προσευχὴ ἐστι. χαρᾶς καὶ εὐχαριστῖας πρόβλημα. ἀλέξημα δὲ λύπης καὶ ἀθυμίας. χρῇ οὖν στησαι τὸν νοῦν κατὰ τὸν καιρὸν τῆς προσευχῆς κωφὸν καὶ ἄλαλον καὶ δύναταί τις προσεύξασθαι. ἡ γὰρ προσευχὴ, ὁμιλία ἐστὶ νοῦ πρὸς θν. ποίας οὖν δεῖται ὁ νοῦς καταστάσεως, ἵνα δυνηθῇ ὁμιλεῖν τῷ δεσποτη μηδενὸς ἐμποδίζοντος τῶν ξένων λογισμῶν. ἢ μετὰ πένθους. καὶ ἐν πνι προσευχῆς, τροφὴ τοῦ ἄνου ὑπάρχει. ὥσπερ ὁ ἄρτος τοῦ σώματος. μακάριος οὖν ἐστιν ὁ νοῦς ὃς κατὰ τὸν καιρὸν τῆς προσευχῆς ἀπερισπάστως τῷ θῷ προσομιλει, ὁ τοιοῦτος ὡς νεοσσος ἀετοῦ εἰς ὕψος αἴρεται. καὶ ὅλος ἠλλοιωμένος τῇ τοῦ θυ ἀλλοιώσει φωτοειδὴς γίνεται. καὶ л. 263 об. ὅταν εἰς εὐχὴν στῶμεν. μὴ εὐξώμεθα τὸ ἡμῶν θέλημα γενέσθαι καθὼς προείρηται. ἀλλὰ τὸ τοῦ θυ καθὼς καὶ ἐδιδάχθημεν. γενηθήτω τὸ θέλημα σου ἐν ἡμῖν καὶ ἐν παντὶ, ἵνα οὕτως αὐτὸν αἰτοῦμεν. ὅπως τὸ αὐτοῦ γένηται θέλημα. θέλει γὰρ τὸ ἀγαθὸν καὶ σύμφερον τῇ ψυχῇ. ἡμεῖς δὲ. οὐ πάντως τοῦτο ζητοῦμεν καὶ τοῦτο ταλανίζοντες ἑαυτοὺς. καὶ μετὰ πολλοῦ πένθους. ὅτι πῶς ἀκάθαρτον ὄντες. τολμῶμεν κυ σαβαὼθ παρεστάναι. ὁ βουλόμενος οὖν καθαρῶς προσεύξασθαι. πρότερον ὑπὲρ συνεργίας δακρύων προσεύξεται. ἵνα διὰ τοῦ πένθους ἐξημερώση τὴν ἀγριότητα τῆς ψυχῆς. καὶ τύγχάνη τῆς ἀκραιφνοῦς προσευχῆς. καὶ γὰρ ἡ ἔμμονος καὶ συνεχὴς προσευχὴ. διὰ τῆς πρὸς θν ὁμιλίας ἐκ τῶν ἐγκοσμίων φρονημάτων ἁρπάζει τὸν νοῦν θῶ δὲ αὐτὸν παρίστησι. καὶ διὰ τῆς εἰς θν ἐγγύτητος. εὐλαβείας τε αὐτὸν καὶ ἡ πιότητος ἐμπιπλᾶ. χωρὶς δὲ ταπεινοφροσύνης, οὐκ ἔστιν ἐνπροσδέκτον γενέσθαι προσευχὴν ἐπέβλεψε γὰρ φησὶν ἐπὶ τὴν προσευχὴν τῶν ταπεινῶν. καὶ οὐκ ἐξουδένωσε τὴν δέησιν αὐτῶν. τοιγαροῦν ὁ θέλων τὴν ἑαυτοῦ καθαρίσαι καρδίαν, τὴν μνήμην τοῦ κυ

Декабрь Макар. Четьи-минеи XVI в. (л. 592.)

ѡ молитвѣ. глава рѕ.

Єже прилежати непрестанно мл҃твѣ. потрєбно и полєзно намъ єсть. проснмъ оубо оу ба и оц҃а гъ нше҃го іс҃у ха҃ дати намъ разумъ дх҃вн҃ъ ако трѣзвокати и бдѣти просити оу него волн єго бытн к насъ сего бо намъ бъ и спсъ нашь ѡ҃ъ свѣтъ сьї истинныи, нже просвѣщае҃ всякаго ч҃лка въ весь миръ приходащ҃а. покелѣ намъ просити єг҃а оубо призываемъ сто҃ую ї єдиносущнюю тр҃цу пр҃тами молбами, безсмоутномже оумомъ.. и къ бж҃ємъ присѣкновлєнїю клоученїе҃ тогда и мы сами пр҃їндемъ. и въспр҃ємлемъ вседѣтєлныа дары ѡ нен оутвержєнныа. мл҃тва вышьшн єсть всѣ҃ добродѣтелїн. унста сущи и бѣ҃ приближающнсл мл҃тва бо єсть кротость и безгнѣвїа прозабль. мл҃тва єсть радости и бл҃годарєнїа пр҃логъ. цѣлєлїе же печали и грущенїю. трѣбѣ оубо єсть поставити оумъ въ врѣма мл҃твєное глухо и нѣма и можеть молбы ѡбѣщати. мл҃тва бо бесѣда єсть и оумъ къ бо҃у. таковаго ѡбо трѣбуеть оумъ оустроєнїа. да въземожеть бесѣдовати къ бо҃у. ни єдиномъ же запинающе странныхъ помыслъ, съ плачемъ и дхо҃мъ сущїа молба. пища оумъ єсть ако же хлѣбъ тѣло. блаженъ оубо єсть оумъ и же въ врѣма мл҃твєное без сматенїа къ бо҃у бесѣдуетъ. такоыни оубо ако и птицѣ ѡрелъ на высоту кзелется. и весь нзмѣненъ бж҃їею нзмѣною и свѣтовиденъ быва҃. и єгда на мл҃твѣ стонмъ. не молимса нашен волн бытн ако же и оученн есмы. да бждеть кола твоа ѡ мнѣ и ѡ всен вещи. нъ тако проснмъ оу него ако тогда бжде҃ кола. (л. 592об.)хощетъ бо бл҃гомъ и полезномъ дшн. мы же некако есть проснмъ. и сеже оукаращеса и со многомъ плачемъ. ако тако неуннстн сще смѣемъ го҃у сакаѡфоу пр҃естоатн. хота оубо унстѣ помолнтса. и пръвѣе за поспѣшенїе слезъ да помолитса. да плаче҃ оукротить скврепчю дш҃ и оулзунть унстое моленїе. прилежнал бо и унстал мл҃тва бесѣдованїемже къ бо҃у. ѡ мирьскыхъ оубо мыслїи въсхыщаетъ оумъ. бго҃у же ю пр҃естакласть. приближенїемъ еже къ бо҃у. говенїа же и тихости наполнаетъ. безъ смѣреномудрїа же не҃ бл҃гопрїатнѣ бытн мл҃твѣ, прнзрѣ бо на смирены мл҃тва и не оуннуьжн моленїа нхъ. тѣмже оубо хотан свое срце ѡунстнтн. памятїю гнѣю кынн да разжигаеть. се тоуїю пооученїе непрестанно дѣло нмѣа. не ѡкогда молитнса ѡкогда҃ нн, хотащнмъ свою гнилость ѡ ложнти. нъ пр҃но мл҃твѣ прилежати въ соблюденїе оума. аще и нѣгдѣ къ мл҃твенын храмъ събираемса. ако же бо и хота оуунстнтн злато. аще и мало ослабить

διὰ παντος δια πυρούτω αὐτὸν. τοῦτο μόνον μελέτην καὶ ἔργον ἀπαυστον ἔχων. οὐ γὰρ ποτὲ μὲν εὔχεσθαι δεῖ. ποτὲ δὲ μὴ. τοὺς τὴν ἑαυτῶν σαπρίαν ἀποβαλεῖν θέλοντας. ἀλλ' ἀεὶ τῇ προσευχῇ σχολάζειν ἐν τῇ τηρήσει τοῦ νοῦ. κἂν ἔξω που τῶν εὐκτηρίων δωμάτων αὐλιζόμεθα. ὅν τροπαν γὰρ ὁ θέλων καθαρίσαι χρυσίον, ἐὰν προβραχὺ τὸ πῦρ ἐάσῃ σχολάσαι τοῦ χωνευτηρίου, σκληρὰν πάλιν τῇ καθαιρομένῃ ὕλῃ ἐμποιεῖ, οὕτω καὶ ὁ ποτέ μὲν μεμνημένος τοῦ θῦ ποτὲ δὲ μή. καὶ ὅπερ δοκεῖ κτᾶσθαι διὰ τῆς εὐχῆς, τοῦτο ἀπόλλῦσι διὰ τῆς χαυνόντητος. καὶ ὅν τρόπον ἀψηλάφητον ποιεῖ τὸν σίδηρον τοῦ πῦρὸς συνάφεια οὕτως. αἱ πῦκναὶ προσευχαὶ, ἐρρωμενέστερον л. 264. παραστευάζουσι τὸν νοῦν εἰς τὸν κατὰ τοῦ ἐχθροῦ πόλεμον. καὶ ὥσπερ ὁ σίδηρος πῦρούμενος μεταμορφοῦται πρὸς τὴν τοῦ πυρὸς χρόαν, οὕτω καὶ ὁ νοῦς φωτίζεται ἐκ τῆς αἴγλης τοῦ πυρὸς της χάριτος. ὃ ἦλθεν ὁ σῆρ ἡμῶν βαλεῖν ἐπὶ τῆς γῆς. καὶ διὰ τοῦτο ὁ θέλων ἡμᾶς σωθῆναι κ̄ς̄. συνεχῶς ἡμῖν περὶ αὐτῆς διαλέγεται καὶ ὑπογραμμὸς ἡμῖν γενόμενος, διενῦκτέρευεν ἐν τῇ προσευχῇ τοῦ θῦ. δεικνύων ἡμῖν ἀρίστην ὠφέλειαν. καὶ πολλὴν πρὸς θν̄ ἐγγύτητα διὰ τῆς ἐπιπόνου προσευχῆς. χρὴ οὖν πρῶτον αἰτεῖσθαι λαβεῖν χάρισμα εὐχῆς καθὼς εἴρηται παρὰ τοῦ διδόντος εὐχὴν τῷ εὐχομένῳ. τὸ γὰρ τί προσευξόμεθα καθὸ δεῖ οὐκ οἴδαμεν. ἀλλ' αὐτὸ τὸ πν̄α φησὶν ὑπερτῦγχάνει ὑπὲρ ἡμῶν. καὶ λαμβάνοντες, πληρώσωμεν τὰ προσταχθέντα ἡμῖν παρὰ τοῦ νομοδότου. φησὶ γὰρ ὁ μωϋσῆς. ἐὰν εὔξῃ εὐχὴν κῷ τῷ θῷ σου. οὐ χρονιεῖς ἀποδοῦναι αὐτῇ. ὅτι ἐκζητῶν ἐκζητήσει αὐτοῦ παρὰ σοῦ κ̄ς̄ ὁ θ̄ς̄ ση. καὶ ἔστι σοι ἁμαρτία. τὰ ἐκπορευόμενα διὰ τῶν χειλέων σου φυλάξεις. καὶ αὖθις ἄνος ἔς ἐὰν εὔξηται κῷ καὶ ὁρίσηται ὁρισμὸν οὐκ ἔβηλώσει τὸ ῥῆμα αὐτοῦ. πάντα οὖν ὅσα ἂν ἐξέλθοι ἐκ τοῦ στόματος αὐτοῦ ποιήσῃ καθὼς καὶ ἐφθαε. λέγει γὰρ τῇ θῦγατρὶ αὐτοῦ. ἐγὼ ἤνοιξα τὸ στόμα μου περὶ σοῦ καὶ οὐ δύναμαι ἀποστρέψαι. καὶ ἐτέλεσε τὴν θυσίαν αὐτοῦ τῷ κῷ. καὶ ἕτερος, μὴ ἐμποδῖθῆς ἀποδοῦναι εὐχὴν ἐν καιρᾷ. καὶ μὴ μείνῃς ἕως τοῦ θανάτου δικαιωθῆναι πρὶν εὔξασθαι. ἑτοίμαζε σεαυτὸν καὶ μὴ γῖνου ὡς ἄνος πειράζων τὸν κν̄. μνήσθητι θῦμοῦ ἐν ἡμέρα τελευτῆς καὶ ἀγωνίζου εἰς προσευχὴν. ὅτι αἱ εὐχαὶ κατευθυνόντων δεκταὶ παρὰ κῦ. καὶ εὐχὰς δικαίων ἐπακούει κ̄ς̄. καὶ ὁ δ̄ὰ̄δ̄. εὔξασθε καὶ ἀπόδοτε κῷ τῷ θῷ ἡμῶν. καὶ πάλιν. θῦσον τῷ θῷ θῦσίαν αἰνεσεως καὶ ἀπόδως τῷ ὑψίστῳ τὰς εὐχας σου. καγὼ τὰς εὐχας μου ἀπόδωσω ἐναντίον παντὸς л. 264 об. τοῦ λαοῦ αὐτοῦ. φησὶ δὲ καὶ ὁ παῦλος. τῇ σπουδῇ μὴ ὀκνηροι. τῷ πν̄ι ζέοντες. τῷ κῷ δουλέυοντες. τῇ προσευχῇ πρὸς καρτερουῦντες. καὶ αὖθις διὰ πάσης προσευχῆς καὶ δεήσεως προσευχόμενοι. ἐνπαντὶ καιρῷ καὶ πν̄ι. καὶ εἰς αὐτὸ τοῦτο ἀγρῦπνοῦντες ἐν πάσῃ προσκαρτερήσει καὶ δεήσει. καὶ πάλιν βούλομαι τοὺς ἄνδρας προσεύχεσθαι. ἐν παντὶ τόπῳ. ἐπαίροντες ὁσίους χεῖρας χωρὶς ὀργῆς καὶ διαλογισμῶν, καὶ ἐν ταῖς πράξεσιν. ὅτι ἦσαν προσκαρτεροῦντες τῇ διδαχῇ. τῶν ἀποστόλων καὶ τῇ κοινωνία. καὶ τῇ κλάσει τοῦ ἄρτου. καὶ ταῖς προσευχαῖς πάλιν. ἡμεῖς δὲ τῇ προσευχῇ καὶ τῇ διακονία τοῦ λόγου πρὸσκαρτερίσωμεν. καὶ ἡ σοφία. καθὰς ἤυξω φησὶν εὐχὴν τῷ κῷ. καὶ μη χρονίσῃς τοῦ ἀποδοῦναι αὐτῇ ὅτι ὅσα ἤυξω ἀποδώσεις. αγαθὸν τὸ μὴ εὐξασθαι. ἢ τὸ εὔξασθαι καὶ μὴ ἀποδοῦναι. ὁ δὲ μισάδικος ἴαβ, ἄδικον

ωгнію в горнилѣ. то жестотѣ пакы ѡчистимѣи вещи сътворить. такѡ и се ѡко ли помѣнан бѫ ѡко же ни. и еже лѣнитса стяжавъ мл҃твѫ се пакы разгрѣбляетъ ю слабостїю. ї ако҆ не осажема творѧ желѣза ѡгньное съвъкѹпленїе. тако и ѹчистыа мл҃твы крѣпуан. приготокаютъ оумъ на вражїю брань. ї ако҆ желѣзо ражиганемо прѣѡбразуетса на ѡгньныи блѣскъ. тако ї оумъ просвѣщаетса ѿ ѳ҃ра бл҃годѣтна огна. егоже прнде сп҃съ къзгнѣщь на землю и сего ради хотан ны спасти г҃ь. часто намь ѡ немь бесѣдуетъ и ѡбразъ намъ бывал ѡбнощекаше къ мл҃твѣ бж҃їи. показа намъ прѣнзащнѫ полѫ и много к б҃гоу ближенїе прилѣжною мл҃твою. требѣ оубо есть проснти прѣвѣе пр҃їати даръ мл҃твы молащемѫса. что бо помолимса ѡкоже подобаетъ не вѣмь. нъ самъ дх҃ъ реуе проповѣдаетъ ѡ насъ. и пр҃їмше сътворимъ повелѣное намъ законодавцѣ бм҃ь. рѣ бо моуси. аще ѡбѣщаѣшн ѡбѣты г҃ѡу бг҃ѡу своемѹ да незамедлиши въздати и. ако възыща вземщеть его ѡ тебе г҃ь бъ твои и бѫдѣ ти грѣхъ. исходища оустнами сконма съхрани. и пакы. улкъ и ѡбѣщаетса г҃ѡу и оуреуетъ оурокъ. да не ѡсквернить гласа своего. все оубо елико изыдетъ изъ оустъ твои҆ сътвори ѡкоже и ефтан. гла бо дрсри своен. изъ ѡкръзъ оуста своа ѡ тебѣ и не могѫ въскратити. и съврѣши жрътвѫ свою къ г҃ѡу. и дроугын не завлѣкиса къздати мл҃твы къ врема. и не жди до см҃рти ѡправдитиса. прѣжде даже не помолишиса. оуготовишиса. и не бѫди ако и улкъ искѹшал бг҃а. поманн гнѣвъ въ дн҃ь сконтанїа сн. и по҆кинишиса на мл҃твѫ. зане мл҃твы испрaвлающи҆ пр҃іаты г҃мь. и мл҃твы праведны послѹшаетъ г҃ь. и дв҃ъ ѡбѣщантеса и въздадите г҃ѡу бг҃ѡу нашемѹ. и пакы пожрн бг҃ѡу ж҃ртвѫ хвалѫ и къздан вышнемѹ ѡбѣты твоа. и азъ въздамъ ѡбѣты своа г҃ѡу пр҃е всѣмн людьмн его. реуе же и пакелъ, тиранїемъ не лѣностнки дх҃мъ гораще. г҃ѡу работающе. къ мл҃твахъ претръпѣлющіе. и пакы всею мл҃твою и моленїемъ молащеса въ вса л. 593. времена дх҃мъ. и все исто. бдаще къ всемъ трѣпѣнїи и мл҃твѣ и пакы. хощѫ оубо да мл҃твѫ творать мѫжи на всѣхъ. мѣстѣхъ въздвюще прѣбныа рѫкы. без гнѣва. и помышленїи и бдѣнїихъ. ако бѣахѫ трѣпаще къ оученїи ап҃льсцѣ и къ ѡбщенїи и҆ въ прѣломленїи хлѣба и къ мл҃твахъ и пакн. и мы же къ мл҃твѣ и въ служѣ словѫ да пребываемъ. и пр҃мрсть. ѡкоже ѡбѣщa реуе мл҃твѫ г҃ѡу. не оукосни въздати ея. зане елико ѡбѣща и въздасн. добрѣ еже не ѡбѣщати. нежели ѡбѣщати и не въздати. не накында же неправды

λέγων οὐδὲν ἦν ἐν χερσὶ μου. εὐχὴ δέ μου καθαρᾶ. καὶ ὁ πέτρος. σωφρονήσατε οὖν καὶ νήψατε εἰς προσευχὰς. καὶ ἀντίστητε τῷ διαβόλῳ. ὁ δὲ κς̄. διὰ τοῦτο λέγω ὑμῖν, πάντα ὅσα ἂν προσευχόμενοι αἰτεῖσθαι, πιστεύεται ὅτι λαμβάνετε καὶ ἔστε ἡμῖν. καὶ ἐν τῷ εἶναι αὐτὸν ἐν τόπῳ τινὶ προσευχόμενον ὡς ἐπάυσατο, εἶπε τίς τῶν μαθητῶν αὐτοῦ. κε̄. δίδαξον ἡμᾶς. προσεύχεσθαι. καὶ εἶπεν. ὅταν προσεύχεσθαι, λέγετε. πε̄ρ ἡμῶν ὁ ἐν τοῖς οὐν̄οις, ἁγιασθήτω τὸ ὄνομα σου καὶ τὰ ἑξῆς. καὶ ἐπάγει. αἰτεῖτε καὶ δοθήσεται ὑμῖν. ζητεῖτε, καὶ εὑρήσετε. κρούετε, καὶ ἀνοιγήσεται ὑμῖν. καὶ ἐπιφέρει. εἰ οὖν ἡμεῖς πονηροὶ ὑπάρχοντες, οἴδατε δόματα ἀγαθὰ διδόναι τοῖς τέκνοις ὑμῶν. πόσῳ μᾶλλον ὁ πῆρ ὁ ἐξ οὐν̄ου δώσει πν̄α ἅγιον τοῖς αἰτοῦσιν αὐτόν. καὶ βουλόμενος ἡμᾶς ὁ πολυπόθητος κς̄ διὰ κρυπτῆς ἐργασίας τὴν εὐχὴν л. 265. τῷ θ̄ῳ προσφέρειν, λέγει. ὅταν προσεύχῃ, εἴσελθε εἰς τὸ ταμεῖον σου προσεύξαι τῷ πρ̄ι σου τῷ ἐν τῷ κρυπτῷ. καὶ ὁ πῆρ σου ὁ βλέπων ἐν τῷ κρυπτῷ ἀποδώσει σοι ἐν τῷ φανερῷ, αὐτῷ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας ἀμήν.

ѡкъ и непракедна гл҃а. нинѣго же бѣ къ рѣкѣ моею. молитва же моа унста. и петръ. ѡунститеса оубо и встрѣзвистеса на матѣ и противитеса дїаволу. гь же. сего ради гл҃ю камъ, кса єлико аще молящеса просите, вѣрзите ако пріемлете и боудетъ камъ. и сѣщѣ емѣ на мѣстѣ етерѣ молящеса. ако преста. рєуе етеръ ѿ оуѵ҃нкъ его. гн҃ наоуи ны молитиса. и рѣ. єгда молитеса гл҃ете оу҃е нашь иже єси на нб҃сѣхъ, да ст҃итса имя твое. и проуаа. и потомъ просите и дастьса к҃а. ищете и ѡбрящете. толцѣте и ѿкрѣзетса камъ. и прирєуеть. аще оубо ты зли сѣще. і оумѣєте даваїа б҃га дати чадѣ вашѣ, колми паче ѿц҃ь съ нб҃се дасть дхъ ст҃ыи просащимъ его. и кела ны многолюбныи гь таннымъ дѣланїемъ мт҃ѣ б҃оу приносити. гл҃еть. єгда молишисА кинди к хра҃ твои и затворн двьри своа и помолисА го҃у своємоу к таннѣ и ѡц҃ь твои видѧ та к таннѣ и къздасть тебѣ ѩкѣ. томоу мр҃дмъ оц҃оу нашємъ слава въ вѣ: ·

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 184. Τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν νείλου περὶ προσευχῆς.

Εἴ τις βούλοιτο εὐῶδες θυμιάμα σκέυασα τὸν διαφανῆ λίβανον καὶ τὴν κασσίον καὶ τὸν ὄνυχα καὶ τὴν σταχτὴν καὶ ἐξίσουσαν θήσει κατὰ τὸν γάμον. ταῦτα διεστιν. ἡ τέτρας τῶν ἀρετῶν ἐὰν γὰρ πληράται καὶ ἴσαι τυγχάνουσιν οὐ προδοθήγεται ἡμᾶς.

ф. 270. Ἐκ τῆς βίβλου τῆς λεγομένης διόπτρα. περὶ του νοῦ.

Τοῦ νοῦ δε χρεία δετερον παρὰ πάντα τὰ μέλη καὶ ὄργανον τὸ κάλλιστον ὁ ἐγκέφαλος πέλει.

Καὶ κατοικοῦσιν ἐν αὐτῷ αἱ τρεῖς δυνάμεις τούτου μνημονικὸν φανταστικὴν διανοητικον το φανταστικὸν μὲν ἔμπροσθεν μνημονικὸν ὀπίσω.

Ἐτελειώθη ἡ παρούσα βίβλος παῤ ἐμοῦ νικήτου ἀναγνωστοῦ μαυρώνι δὶ ἐξόδου δὲ ἐπιμελείας καὶ συνδρομῆς.... μοναχοῦ... ἐν ἔτει ,ѕ҃ѱ҃ѯ҃ѕ҃.

Заставки, заглавныя буквы. Скорописная азбука. Сокращенія и слова съ титлати: ὑπόστατος. καὶ δε. ἐπιτεταμένη. πνέυματι, θεῶ, οὐρανῶν.

Слова съ знаками препинанія: δύνανται. μυσταγωγοὶ:

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α) ἀπετάξω, ἀξιοῦται καταμάχητον. ε) ἐξ μετανοίας. ἔξις θειοτέρων τέλος ν) ἀγάπην. τουνάντιον. σ) ἐστὶ μονογενῆς σου. τέσσαρα. τ) τέταρτον μετασχηματίζεσθαι. Цифры: ιг. означающія помѣту тетрадей. Слова по одной буквѣ на поляхъ писанныя перпедикулярно: ωραῖον πᾶν. Σημειῶσαι ὁραῖον ὅλον.

VI. Сочиненія нравственнаго содержанія неизданныя брат. Раймонда Медіоланскаго

Находятся въ Императорской Публичной Библіотекѣ подъ № 113-мъ.

Длина пергамина	$4^1/_8$ в.
Ширина	$2^7/_8$ в.
Къ корешку	$^3/_8$ в.
Къ правой сторонѣ	$^3/_4$ в.
Къ верху	$^3/_8$ в.
Къ низу	1. в.

Пергаменъ выдѣланъ прекрасно.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 222-хъ листахъ. Въ началѣ маленькая заставка, заглавная буква идругія заглавныя буквы писаны киноварью пунцоваго цвѣта. Колеръ чернилъ темно-сѣрый. Число строкъ на страницѣ 23.

л. 1—17. Первый трактакъ о вѣрѣ Христіанской на л. 1-мъ начинается такъ: Ἐπειδήπερ πολλοὶ ἐπιθυμοῦσιν εἰδέναι...

л. 17—50. Другой трактатъ о томъ же. Начало: Αἰνετὸς καὶ εὐχαριστὸς εἴη ὁ ἡμέτερος θ̄ς̄.

л. 51—81. Σύνοψις βίου πν̄τικοῦ: Начало: Πάντες ἐκεῖνοι οἱ θέλουσι ποιῆσαι βίον πν̄τικὸν, μέλλουσιν ἐξαιρέτως τηρῆσαι καὶ φυλάξαι ἓν πρᾶγμα.

л. 81 об.—107. Ἄρχεται διάλογος διδασκαλικὸς ἐπὶ τοῖς στοιχείοις τῆς καθολικῆς πίστεως Начало: Ὑπάρχεις σὺ πιστός. ὑπάρχω κύριε....

л. 107 об.—112 об. Ἄρχονται ἀντιλογίαι κατὰ τῶν ἐιρημένων. πρώτη ἀντιλογία. Начало: Δοκεῖ μοι αὐθάδεια. καὶ εὐήθεια.

л. 113—173. Ἄρχεται ἡ φιλοσοφία ἡ καθολικὴ καὶ θεία. ἡ διδοῦσα τέχνην τοῦ οὐδενῶσαι τὰς πανουργίας τοῦ μεγίστου ἀντιχρίστου καὶ πάντων τῶν μελῶν αὐτοῦ πρὸς τὴν ἱερὰν ὁμήγυριν τῶν ῥωμαίων. Начало: Ἄνοι λοιμοὶ διαχέουσι πόλιν ἐις ὧν τὴν διάχοσιν.

л. 173 об.—184 об. Ἀρχὴ τοῦ εὐλογίου περὶ γνωρίσματος ἀληθινῶν καὶ ψευδο προφητῶν. Начало: Ἐπειδήπερ ὁ ἀπόστολος πρὸς θεσσαλονικεῖς παραινεῖ καὶ παροτρύνει τοὺς πιστοὺς.

л. 185—222. Ἄρχεται ὁμιλία ἐπὶ τῇ σημασίᾳ τοῦ ὀνόματος τοῦ τετραγραμμάτου τόσον ἐν τῇ γλώττῃ τῇ ἑβραικῇ ὅσον τῇ λατίνῃ ἐπὶ τῇ δηλώσει τοῦ μυστηρίου τῆς τριάδος σαφέσι λόγοις. καὶ σημείοις. πρὸς τὸν ἀδελφὸν πέτρον τοῦ πουγέτου: Начало: Πλεονάκις ἐπεθύμησα μακαριώτατε πᾶ̄ρ.

Г. Муральтъ въ своемъ описаніи Греческихъ рукописей Императ. Публичной Библіотеки 1864. Замѣтилъ, что всѣ эти сочиненія Раймонда неизданы. Въ Славянскомъ переводѣ ихъ нѣтъ.

Чтеніе и объясненіе снимка.

φυλ. 1. Επειδήπερ πολλοὶ ἐπιθυμοῦσιν εἰδέναι ἢ ἀκουσας ἐκεῖνο ὅπερ πορευόμαι ἀναγγέλλων καὶ βοῶν διὰ πάντων τῶν μέρῶν τῶν χριστιανῶν διὰ τοῦτο ἐις τιμὴν τοῦ ἡμετέρου κυρίου Ἰησοῦ Χριστοῦ. καὶ ἐις ἀσφάλειαν πάντων τῶν φίλων τῆς ἀληθείας τῆς ἐυαγγελικῆς αὐτοθέλω ἐν σύνοψει βραχεία ἀναφέρειν ἐνώπιον ὑπὲρ τοῦ κυρίου ρηγὸς ενγραπτῶ.

φ. 222. Ὑμεῖς δὲ πάτερ καὶ οἱ ἕτεροι πιστοὶ ἐξεταστὰς τοῦ ἱεροῦ χαρτίου ὡς ὁ θεὸς μείζονα ἀποκαλύπτει ἢ ἀνοίγει, δύνασθε μείζονα τοῖς προτειρημένοις προσθεῖναι καὶ ἔτι περὶ αὐτῶν σαφεστέρως κρῖνα. δέδοται ἐν τῶ κάστρῳ μεδουλλόνης τρίτη ἡμέρα. πρὸ τῆς ἑορτῆς τῆς μακαρίας ἀγαπητρίας τοῦ κυρίου Μαρ'ας τῆς μαγδαλινῆς ἔτει αὐτοῦ χιλιαστῶ διακοσιοστῶ ἐνενηκοστῶ δευτέρω (1292.).

Τελειοῦται ἡ ὁμιλία ἡ ἐπὶ τῇ σημασίᾳ τοῦ ὀνόματος τοῦ τετραγμαλάτου.

Заглавныя буквы. Скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: τοῦ θεοῦ, τὸν θεόν: τῷ σῷ: Сокращенія и слова съ титлами: Καὶ. πάτερ. Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α) ἀξιόλογον. ἁγιάσης. ε) γίνεται. ν) βοῦν. σ) ἐνετάζεσθαι. θύσεως. τ) ἐστὶ τῷ σῳ. Союзъ η съ дыханіемъ и удареніемъ.

VII. Прологъ (сунаѯарь) съ Сентября по Мартъ,

Находится въ Московской Сунодальной Библіотекѣ подъ № 390-мъ.

Длина пергамина	7. в.
Ширина	5. в.
Къ корешку	½ в.
Между столбцами	⅜ в.
Къ правой сторонѣ	1. в.
Къ верху	¾ в.
Къ низу	1⅛ в.

Пергаменъ не дурно выдѣланъ, но много въ немъ поврежденій, и не тонокъ.

Писано скорописью въ два столбца по нарѣзамъ на 252. листахъ. Внизу 1-го листа подписано: Арсеній. Заставки и заглавныя буквы блѣдно-розоваго цвѣта. Заглавія писаны тоюже краскою уставными съ загибомъ концевъ буквами. Колеръ чернилъ коричневый. Число строкъ на страницѣ 37. Помѣта тетрадей у корешка въ низу съ обоихъ сторонъ.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 27 об. Μηνὶ τῷ αὐτῷ κϛ. ἡ μετάστασις τοῦ ἁγίου ἀποστόλου καὶ εὐαγγελιστοῦ Ἰωάννου, παρθένου καὶ θεολόγου:

Οὗτος ἦν υἱὸς ζεβεδαίου. καὶ σαλώμης. ἥτις θυγάτηρ Ἰωσὴφ, τέσσαρας υἱοὺς ἔσχεν. Ἰάκωβον. σῦμεὼν. Ἰούδαν. καὶ Ἰωσῆ. καὶ θυγατέρας. τρεῖς τὴν ἐσθὴρ. τὴν μάρθαν. καὶ τὴν σαλώμην. ἥτις β'. ἦν γυνὴ ζεβεδαίου. μὴρ δὲ Ἰωάννου. ἐντεῦθεν ὁ κ̄ς̄ ἡμῶν Ἰ̄ς̄ Χ̄ς̄, θεῖος ἦν Ἰωάννου. ὡς ἀδελφὸς σαλώμης τῆς θυγατρὸς Ἰωσὴφ. οὗτος ἐστὶν ὁ ἐν τῷ στῆθι τοῦ χῡ̄ ἀναπεσὼν, ὡς ἀγαπώμενος σφόδρα. καὶ γὰρ καὶ ἐν τῇ προδοσίᾳ. καὶ ἐν τω στῑ̄ρῶ. καὶ ἐν τῷ τάφω. εἰ καὶ μετὰ πέτρου, ἀλλὰ πρῶτος ἦλθε. καὶ τὴν θ̄ν̄ ἐις τὰ ἴδια ἔλαβε. καὶ μέχρι τῆς κοιμήσεως αὐτῆς διηκόνει ταύτη. καὶ μετὰ τὴν κοίμησιν. γενομένων τῶν κλήρων παρὰ τῶν ἁγίων ἀποστόλων. ποῦ ἂν ἕκαστος ἀπέλθη καὶ κηρήξει. καὶ κλῆρον λαβὼν ὁ Ἰωάννης ἀπελθεῖν ἐν τῃ ἀσία. καὶ λυπηθεὶς ἐπὶ τούτω προέγνω κατὰ θάλασσαν πειρασθῆναι. ὁ καὶ προεῖπε τῷ μαθητῇ προχόρω. καὶ δὴ τεσσαράκοντα ἡμέρας καὶ τεσσαράκοντα νύκτας. ποιήσας ἐπὶ τῆς θαλάσσης περιφερόμενος ὑπὸ τῆς βίας τῶν κυμάτων. διὰ τὸ λυπηθῆναι ἐπὶ τῷ κλήρω καὶ μὴ ἐλπίσαι ἐπὶ τὸν κ̄ν̄. ἐν τόπω τινὶ μαρμαρέοντι τῇ ἀσίας ὑπὸ τὸν αἰγιαλὸν, ἀπεδόθη. ἐν ᾧ τῷ προχόρω περιτυγχάνει, κινδυνευσαντι καὶ αὐτῷ, ἐπὶ τῷ αὐτῷ πλοίω. καὶ ἄρτι ἀπὸ σελευκίας αὐτόθι, δὶ ἡμερῶν τεσσαράκοντα κατάραντι. л. 28 ά. ἐν ᾗ καὶ τὴν συκοφαντίαν ὑπέστη. ὅτι μάγοι. ἐστὲ καὶ ὅτι ὁ σὸς. ἑταῖρος. ἦγουν ὁ Ἰωάννης ἀναλαβόμενος χρυσίον. τῆς ἐνθήκης τοῦ πλοίου, ἀπεδήμησεν. ευσελθοῦσι δὲ ἀμφοτέροις εἰς ἔφεσον τὴν πόλιν. ῥωμάνα αὐτοῖς περιτυγχάνει. ἥτις ἦν μνηστευθεῖσα πριβάτω. τυνὴ δε διαβεβοημένη. καὶ μέχρι ῥώμης ἐπὶ κακία. αὕτη οὖν τούτους

Изъ пролога XVI—XVII в. Моск. Сун. Библ. № 242. л. 56 об. — 66. об.

Мр̄с̄ парέстης ἠγαπημένω λόγω, Πάντων μαθητῶν, ἠγαπημένε πλέον. Прός γε θ̄ν̄ μετέβη βροντῆς παῖς εἰκάδι ἕκτῃ:

Сен бѣше сн҃ъ зекедекъ, і саломїя. иже бѣше дн҃ї носифа обрѣзунника, ибо носиф. д҃. сн҃ы имѣше имковл семеона поудоу и осню. и дверн г҃. есфирь марфѳ и салимню. иже бѣше жена зеведеова, мт҃и же ноа҃иноки. понеже гд҃ь нїи҃ъ нс҃ хс҃. оужика бише и нѡ҃ииновн. ико братъ салѡмїинъ. двере носифы тон бѣше. иже на персѣхъ хр҃товы возлегїи. ико возлюбленъ зело. ибо въ предатїи и на распатїи оу крт҃а и оу гробѣ иже с петромъ первне пр҃инде, и бц҃ѳ въ скоя сн. прикатъ. и даже до оуспенїа ем служаше ен, и по оуспенїи, бывшимъ жребнемъ сты҃мн апл҃ы. камо кождо пондетъ, еже пропокѣдати. испаде жребїи нѡ҃ина. и пѡнде во асню. оскорбѣ҃ нѡ҃ина о семъ. прѡкѣдѣкъ. еже по морю напасти. иже проре҃ скоемѹ оуч҃нкѹ прохорѹ, и оуже четыредесать днїи и четыредесать нощїи, сѡтвори волнами носимъ. за еже оскорбѣти емѹ жребїа ради. и мѣстѣ нѣкое҃ мармарь имѣнемъ, во асїи на брезѣ пристав. конь же прохора, обрѣте оутроудивша҃. и того к кораблн. и оуже ѡ҃ селеоукїа тждѣ. за м҃. днїи. пришѣша идеже оклекетаніе прикша, ико колѣхвы есте. вшедшимъ имъ купно въ ефесъскїи гра҃. обрѣте и҃ романа иже бише ѡбрѣзена прикатѹ жена зналемѹ нарѡчїита. даже и до рима злобою злынею, та во ихъ имѣшин пристави бани ра-

сίον. τῆς ἐνθήκης τοῦ πλοίου, ἀπεδήμησεν. ευσελθοῦσι δὲ ἀμφοτέροις εἰς ἔφεσον τὴν πόλιν. ῥωμάνα αὐτοῖς περιτυγχάνει. ἥτις ἦν μνηστευθεῖσα πριβάτω. τυνὴ δε διαβεβοημένη. καὶ μέχρι ῥώμης ἐπὶ κακία. αὕτη οὖν τούτους

μϊσθοσαμένη τῶ λουτρῶ κατηνέγκασεν ἐκδουλέυειν. ἐν ὦ καὶ ἀπείρως τοῦ ἀποστόλου διατεθέντος, κακῶς τούτους ἐχρᾶτο. ὥστε καὶ εἰς δουλϊκὴν τάξιν ἀμφοτέρους ἀπενεγκεῖν. καὶ τὸν μὲν Ἰωάννην ἐγκαύστειν εἶναι. τὸν δὲ πρόχορον, περιχύτην διὰ πάσης ζωῆς αὐτῶν. ἐνώκει δε καὶ ἐν τῶ λουτρῶ τούτω, δαίμων τίς ἄγριος. ὃς τρίτον τοῦ ἐνιαντοῦ ἔπνιγεν ἔσω νεανίσκον ἢ νεανίδα. διὰ γὰρ τὸ ἔυηχον τοῦ λουτροῦ ποιητϊκὰς ἀφορμὰς ὁ σατανας. ἐπονόησεν. ἡνίκα γὰρ ἐκτίζετο διορυττομένων τῶν θεμελίων. νεανισκον καὶ νεανίδα τούτω ἐνέβαλον. καὶ ἐντεῦθεν ἡ τοιαύτη μιαιφονία ἤρξατο γίνεσθαι. μετὰ δὲ τρεῖς μῆνας εἰσελθὼν δόμνος ὁ υἱὸς διοσκορίδους ἐν τῶ τοιούτω λοιτρῷ ἀπεπνίγη παρὰ τοῦ δαιμόνος καὶ δὴ πένθους πολλοῦ τῆ δούλη αὐτῶν ῥωμάνη γενομένου γνωστὸν ἐγένετο τῆ ἐφεσίων πόλει τοῦτο. καὶ αὐτῶ τῶ πρῖ διοσκορίδη. ὅς τῆ ἀκοῆ ταύτη. ὑπὸ λύπης καταποθεὶς, ἀπέψυξε καὶ αὐτὸς. πολλὰ οὖν τῆς ῥωμάνας καθϊκετευούσης τὴν ἄρτεμιν ἀναστῆσαι τὸν δόμνον. καὶ τὰς σάρκας αὐτῆς κατατεμνούσης, οὐδὲν πλέον ἠνύετο. τοῦ δὲ Ἰωαννου πυνθανομένου τὸν πρόχορον. τί τὸ συμβᾶν. ἰδοῦσα ἡ ῥωμάνα τούτους κοινολογουμένους, καὶ κρατήσασα τὸν Ἰωάννην, ἔθλῖβεν ἰσχυρῶς. καὶ ἄλλα μὲν πολλὰ λέγουσα. καὶ συκοφαντοῦσα αὐτὸν μάγον. τελευταῖον δὲ ὡς μὴ τὸν δόμνον ἀναστήσει, τὴν ψυχὴν αὐτοῦ χωρίσαι ἀπὸ τοῦ σώματος. τοῦ δὲ ἀποστόλου εὐξαμένου. καὶ ἀναστήσαντος τὸν παῖδα, ἐξέστη τὸ πν̃α ῥωμάνας. καὶ θν̃. ἢ θῦ ῦν, τοῦτον κατήγγελλε. πρόσετι καὶ ἐπίστευσε τῶ χω̃. πολλὰ πρότερον ἐξομολογησαμένη τῶ Ἰωάννη. ἀναστήσαντος δὲ καὶ τὸν διοσκορίδην. ἐπίστευσε καὶ αὐτὰς μετὰ τοῦ ὑιοῦ δόμνου. καὶ πάντες ἐξίσταντο. καὶ ἐβαπτίσθησαν. διοσκορίδης. καὶ δόμνος καὶ ῥωμάνα, διαρρήξασα, καὶ τὴν ὠνὴν τῆς δουλίας. л. 28 об. а. ἀπεδίωξε δὲ καὶ Ἰωάννης. καὶ τὸ πνεῦμα τὸ πονηρὸν ἀπὸ τοῦ λουτροῦ ἑορτῆς δὲ τῆς ἀρτέμιδος τελουμένης τοῖς ἐφεσίοις. ἀνελθὼν ὁ ἀπόστολος, ἔστη ἐπί τόπου ὑψηλοῦ. ἔνθα ἦν, τὸ μιαρώτατον ἄγαλμα. οἱ δὲ ὄχλοι θυμοῦ ἐπὶ τούτω πλησθέντες, λίθους κατὰ τοῦ Ἰωάννου ἔβαλον οἱ δὲ λίθοι μηδὲν κατὰ τοῦ Ἰωάννου παραδόξως δυνάμενοι, τὸ ἄγαλμα μᾶλλον συνέτριψαν εἰς λεπτά. πολλὰ δὲ αὐτοῖς περὶ πίστεως διαλεχθέντος τοῦ ἀποστόλου. οὗτοι ἀγανακτήσαντες, πάλιν λίθους ἔβαλον ἐπ αὐτὸν. οὐδεὶς δὲ τῶν λίθων αὐτὸν ἔπληξεν. ἀλλὰ ἀποτρέχοντες, τοὺς βάλλοντας μὲν, ἔβαλλον καὶ κατέτεμνον. καὶ τὰς στολὰς αὐτῶν θεῖα ῥοπῆ περιέσχιζον. εὐξαμένου δε ἐπὶ τούτω τοῦ ἀποστόλου, βρασμὸς μέγας γέγονε τῆς γῆς. καὶ ἔπεσον ἐκ τοῦ πλήθους ἄνδρες ὡσεὶ διακόσιοι καὶ ἀπέθανον. οἱ δὲ λοιπὶ μόλις τοῦ συνέχοντος αὐτοῖς φόβου ἐκνίψαντες ἐδέοντο τοῦ Ἰωάννου ὅπως ἐλέους τύχωσι. τρόμος γὰρ καὶ κλόνος ἐπῆλθεν αὐτούς. ἅμα δὲ ἀναστῆσαι καὶ τοὺς τεθνεώτας. καὶ δὴ προσευξαμένου. καὶ πάντας τοὺς τεθνεότας ἀναστήσαντος, προσέπεσον τῶ Ἰωάννη, καὶ ἐβαπτίσθησαν ἅπαντες. ἐπιστὰς δὲ ἐν τινι τόπω τύχη καλουμένω, ἰάσατο παράλυτον. ἐπιδώδεκα ἔστη κατακείμενος ὃς καὶ ἀνέστη δοξάζων τὸν θν̃. πολλῶν δὲ καὶ ἑτέρων σημείων γενομένων ὑπὸ Ἰωάννου. καὶ τῆς φήμης τῶν θαυμάτων πανταχοῦ διατρεχούσης. ἰδὼν ὁ δαίμων. ὁ προσπαραμένων τῶ ναῶ τῆς ἀρτεμϊδος. πάντα τὰ ὑπ̃ αὐτοῦ γϊνόμενα. καὶ γνοὺς ὅτι μέλλει ὑπ̃ αὐτοῦ

бѡтати, занеже искусно апл҃у и покинзкышеса. и злѣ сѧ̃ поганаше. и ꙗко к рабьское оуѵенне ѡбꙋ привлекши, ї юже҆ и҃ѡанна клѧ̃сти ѡгнь. а҆ прохора поликуею за весь живо҃ и҃. и пребыкаше бо к тако҃ѣ бани жикын вѣсъ нѣкїи лютъ. ꙗко трие бѣше томꙋ тогда лѣтъ. и ѕдаклаше кнꙋтрь, їли юноши. или оуноткы, ѕвони ради бл҃гогласїа бани. творимы҃ прилуеи, сатана бо пронаходи, кнегда бо созидокашеса бани. раскопану быкшꙋ основанїю, оуношу и оуноткꙋ тамо ѵкопаша. и ѿтолѣ тако҃ое оубїиство быкати начатъ. по трие҃же мцѣ҆, вшедшꙋ в тако҃ꙋю баню. дѡскорндокъ сн҃ъ домнинъ, и вѣсомъ оудавленъ бысть. и многꙋ плачю бывшꙋ. слышано бысть се ко ефестѣ҆ граде, и тому самомꙋ ѿ҃ц҃ꙋ дноскорнда тако҃ымъ слꙋхомъ слышанꙋ бытн, ѿ҃ многїа скорби съжалиѵси, и самъ нзшедъ. и много оубо романе молящуса. артемидѣ. еже воскресити домна. и плоть свою растерзавшин. и нничтоже оуспѣкшꙋ. и҃ѡанну вопроснкшꙋ, прохора, ѵто есть бывшее, и кидѣвши романа снхъ бесѣдꙋющи҃. ї емъшн і҃ѡанна и мꙋчаше крѣпко, и многа ѯомꙋ наглагавши. и того оболгꙋюще таѵе, и конецное нарекꙋюще, ꙗкѡ аще не домна воскр҃снши, дш҃ꙋ твою ѿ҃ тѣла тко҃его ѿлꙋчꙋ. апл҃у же помолившшꙋ҆. и воскр҃снвшꙋ ѡтрока. и оужасеса дхо҃мъ романа, но и бг҃а или сна бж҃їа, бытн того неповѣдаше. принстꙋпивши и вѣровакшин х҃ѵ, многа церкне неповѣдавши, и҃ѡанну ѡскр҃снвшꙋ дноскорнда. и вѣрова и тон хр҃тꙋ съ сн҃омъ своимъ домно҃. и вси оудивишаса. и крт҃ишѧ҆ абие. дноскоръ же и домносъ. и романа ѿметнꙋкшн кꙋплю поработенїю. ѿгнавъ҆ и҃ѡанъ лѣкаваго дха ѿ҃ бани. ефесаномъ҆ артемидѣ праздникъ творящимъ кꙋиде апл҃ъ. и ста на мѣстѣ высоцѣ, идеже бѣше скверное капище. народи же о семъ кростн неполивившеѣ. каменемъ. і҃ѡанна бишѧ, и ни единъ камень того оудари. но ѡскаꙋющꙋ бишѧ метающмаа нхъ, и ѡдежѧ нхъ бж҃твенымъ гнѣвомъ раздирахꙋ. помолившшꙋжеѣ о семъ апл҃у, и бысть пекъ, и разкренїе много на земли. и падоша ѿ҃ миостка людеи. до двою сотъ нзомроша, проуїи же два ѡбьдержащаго и҃ страха воздвигше. и молахꙋ҆ и҃ѡанна да полꙋчитъ млтъ҆, трепе҃ѣ ѿ҃ и колѣбанїе нанде на нихъ. и оуже помолившуса. и вса оумершаа кѡскреси и распадленїю бывшꙋ абие. припадоша глюще къ и҃ѡлону. крт҃ишаса вси, ставъ же оу нѣкоего места парицемаго тихи. исцѣли раслабленѧгѡ лежаща. ѵі҃. лѣто҃. иже костакъ слава бг҃а, многимъ другимъ ѕнаменїемъ сбывающимса ѿ҃ и҃ѡанна, и слухꙋ ꙋюдесемъ по всюдꙋ протекшимъ кидѣкъ бѣсъ пребыкаан к црк҃ви артемидѣнѣ, понаходнвъ ꙗкѡ ѿ҃

καταπίπτειν σχῆμα στρατιωτικὸν ἐν φαντασίᾳ σχηματισθεὶς ὡς ταξιώτης. καὶ χάρτας ἐπιφερόμενος ἐκάθητο κλαίων. ἔν τινι τόπῳ λέγων δύο μάγους ἐμπιστευθῆναι δοκίμους παρὰ τῆς ἐξουσίας. καὶ τούτους ἀποδρᾶσαι. διο καὶ κινδυνεύειν μέχρι καὶ αὐτῆς τῆς ζωῆς. ὑπεδείκνυε πρὸς οὓς ἔλεγε, καὶ χρυσίου ἀπόδεσμον. καὶ τούτους δώσιν, ὑπισχνεῖτο, εἰ τοὺς μάγους ἀνέλωσι. τῆς δὲ πόλεως ἐπὶ τούτῳ ἀνασεισθείσης, ἐκιμήθησαν ὄχλοι πολλοὶ κατὰ τῆς οἰκίας διοσκορίδους λέγοντες. δοῦναι αὐτοῖς τοὺς μάγους. ἢ αὐτὸν καὶ τὴν οἰκίαν αὐτοῦ κατακαῦσαι. τοῦ δὲ διοσκορίδου μᾶλλον αἱρετισαμένου καταφλεχθῆναι. л. 29 а. ἢ αὐτοῖς τὸν ἀπόστολον προδοῦναι σὺν τῷ μαθητῇ προχόρῳ. ἐπιγνοὺς ὁ Ἰωάννης τῷ πνι. ὡς ἡ στροφὴ τοῦ λαοῦ τούτου εἰς ἀγαθὸν ἄγει. τοὺς πλείονας αὐτῶν, παρέδωκεν ἑαυτὸν καὶ τὸν πρόχορον τῷ λαῷ. ἀπαγόμενοι οὖν παρὰ τοῦ ὄχλου οὗτοι ἐπέστησαν τῷ ναῷ της ἀρτέμιδος, καὶ προσήυξαντο πρὸς τὸν θν. τὸ μὲν ἱερὸν καταπεσεῖν. μηδένα δὲ ἄνθρωπον παθεῖν. καὶ δὴ τούτου καταπίπτοντος. ὁ ἀπόστολος εἶπε πρὸς τὸν παρεδρεύοντα τῷ ναῷ τῆς ἀρτεμίδος δαίμονα. σαὶ λέγω τῷ ἀκαθάρτῳ πνεύματι. ὁ δὲ δαίμων ἔφη. τί ἐστιν. ὁ ἀπόστολος ἔφη. πόσον χρόνον ἔχεις οἰκῶν ἐνθάδε. εἰπέ. καὶ σοὶ τοὺς ταξεώτας καὶ τὸν ὄχλον τοῦτον ἐξήγειρας καθ' ἡμῶν; ὁμολόγησον, ὁ δὲ δαίμων, ἔκραξε λέγων. χρόνους μὲν ἔχω οἰκῶν ἐνταῦθα, διακοσίους τεσσαράκοντα ἐννέα; πάντας δὲ τούτους ἐγὼ ἐξήγειρα καθ' ὑμῶν. εἶπεν οὖν αὐτῷ ὁ Ἰωάννης. παραγγέλλω σοι ἐν τῷ ὀνόματι Ιυ χυ τοῦ Ναζωραίου, μηκέτι οἰκῆσαι ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ. καὶ ἐξῆλθεν ὁ δαίμων εὐθέως ἀπὸ τῆς πόλεως. εἶχεν οὖν πάντας αὐτοὺς, θάμβος καὶ ἔκστασις. καὶ οἱ πλείονες αὐτῶν, ἐπίστευσαν τῷ κῳ. καὶ ἑτέρων οὖν πολλῶν σημειων καὶ τεράτων γινομένων. διὰ τῶν χειρῶν Ἰωάννου. ὥστε πλῆθος ἄπειρον ὑπακοῦσαι τῇ πίστει. καὶ ἀνηνέχθη ταῦτα πάντα, τῷ τότε κρατοῦντι. ὡς ὅτι μαγικαῖς τισὶ τῶν λεγομένων χριστιανῶν παραδόσεσιν. ὑπαχθέντες οἱ ὄχλοι ἀθετοῦσι τοὺς νόμους τῶν βασιλέων. καὶ τὸ τῶν θεῶν σέβας καταφρονοῦσιν. ὡς καὶ τὰ κράτιστα τῶν παρ αὐτοῖς ἱερῶν κατ ἐδάφους κεῖσθαι. διὰ καὶ τῇ πατμω νήσω, ὑπερόριοι γίνονται. προέφθασε δὲ ὁ κς δι ὁράματος, γνωρίσαι τῷ Ἰωάννῃ λέγων. ὅτι δεῖ σε πολλὰ πειρασθῆναι. καὶ ἐξορία ὑποβληθῆναι. ἐν νήσω τινὶ, ἥτις μεγάλως σοι χρήζει. πλέων δὲ ὁ ἀπόστολος μετὰ τῶν προτικτόρων εἰς τὴν ἑαυτοῦ ὑπερορίαν, ὡς δεδήλωται. ἀνέστησε νεκρὸν ἕνα τῶν στρατιωτῶν, θανατωθέντα ἐν τῷ βυθῷ. πολλὰ παρὰ τῶν προτικτόρων εἰς τοῦτο δυσωπειθεὶς. καὶ τὸν ἐς ὕστερον αὐτοῖς ἐπεγερθέντα λαίλαπα καὶ σφοδρότατον τῆς θαλάσσης κλύδωνα, εἰς γαλήνην μετεποιήσατο. καὶ ἕνα τῶν προτικτόρων δυσεντερία συνεχόμενον. καὶ τὴν πνὴν ἤδη ἀποπνέοντα. ἰασατο ἀρθορον. καὶ εἰς παντελὴ ὕγειαν κατέστησεν. л. 29 об. ἐπὶ τούτῳ οὖν ἐβαπτίσθησαν ἅπαντες. ὁ δὲ Ἰωάννης ἐκουσίως τῇ πάτμῳ νήσῳ ὑπερόριος ἀποδοθείς. τὸν Ὑν τοῦ μύρωνος ἀπολλωνίδην, ἀπήλλαξε τοῦ ἐνοικοῦντος αὐτῷ πνεύματος πύθωνος. καὶ τὸ ἀκάθαρτον πνεῦμα, ἔξω τῆς νήσου ἐξώρισε. καὶ εὐθὺς ἐπίστευσαν καὶ ἐβαπτίσθησαν ἅπαντες, οἱ ἐν τῷ οἴκῳ μύρωνος. καὶ αὐτὸς ἀπολλωνίδης. καὶ ἡ θυγάτηρ μύρωνος χρυσίπη μετὰ τοῦ λαοῦ αὐτῆς. ὕστερον δὲ καὶ λαυρέντιος, ὁ ἀνὴρ αὐτῆς καὶ ἡγεμών. τῆς ἐν τῇ νήσῳ φώρας πόλεως. μάγος δέ τις ἐν τῇ νήσῳ ἦν ταύτῃ. Κύνωψ ὀνομαζόμενος. κατοικῶν ἐν τόπῳ ἐρήμῳ. ἐν κατοικία πνευμάτων ἀκαθάρτων. ἀπὸ ἱκανῶν χρόνων. τοῦτον πάντες οἱ ἐν τῇ νήσῳ εἶχον ὡς θν. Διὰ τὰς φαντα-

него хощетъ низложенъ быти. образъ конньскїи косрѡимъ книжїе носа, сѣдаше плаза на нѣкоемъ мѣстѣ и глаа. два кольха крѹвнѡше нскѹсни, властїю сн ѿгнати. того ради и ѹдися даже и до самѡгѡ жикотл. и к нимъ же бесѣдоваше оуѕолъ злата показа нмъ, и дати ѡбѣщеваше. аще таковыа калъхвы погѹбать. о семже градъ потрасъшеся, и подвизаша народи многи. къ храминѣ дѡскориндовѣ глающе, или подаги нмъ колхвы, или того храмину ѕажещи, дѡскориндѣ нзкѡлшѧ, ꙗко домъ его ѕгорѣти, нежели тѣмъ апла предати со оуѹникомъ прохоромъ, оукиндѣѣ нѡлнѣ дхѡ. ꙗко матежь люскїи, во блгое приводитъ множаншее. предасть себе съборѹ и прохора. и ведомн оубо народомъ. дондоша дѡ црквн артемидины, и помолишеся бгѹ церкѹнще паде. ни единого ѹлка пѡкредн. нже томѹ бывше, рече апъ к сѣдящемѹ тамо бѣсѹ. тебѣ глю неуистыи бѣсе. колико лѣтъ имаши ѕдѣ жикыи, аще ты нарѡда подкиже на ны. бѣсъ рече азъ имамъ дѣстѣ лѣтъ, и и и. но снхъ азъ подкиго на вы, рече же емѹ нѡлнѣ тебѣ ѕавѣщаю. ко има ісъ ха назарѧнина, никако да пребыкаеши к мѣстѣ семь, и абие нзыде бѣсъ. оужасъ прикатъ людн, и вѣроваша хвн. ꙗко и болшаа ѕнаменїа быша ѿ іѡанна. еже и много мнѡствѡ обратишѧ къ гдѹ. и покѣдано бысть ѡ семъ держащемъ, ꙗко нѣцын колхвы, глемыи хртїанскихъ предањїи. имъ повнкшеся нарѡдн, и оставиша црквїа ѕаконы и ѹть богомъ пресѡбндеша. того ради к патомъ островъ прогнанн быша. ꙗкѡ и во снѣ тъ нѡлнѣ рече. ꙗко подоблетъ тн мнѡ пострадати къ прогнанїи. нзгнанъ вѡ островъ нѣкїи, нже вельмн тебе требѹетъ. и плакающе апла съ протикторы, и воскрнсн мертвеца единого оумерша в морн. ї великѹю бурю, и страшныа колны к тншинѣ претворн. единого ѿ протикторъ ѹрекиною мѕею съдержима, и хотяща оумрети, внезапѹ исцѣли, сего ради оубо крънишася всн. нѡлнѣ колею патмѣ островъ нзгнанѹ бывше. сѧ мироновл апологна да премѣнитъ. нже к немъ живѹщаго дха. пытоньскаго, и ѿ острова далече ѿгнл его. и лѣте вѣроваша и крънишася, нже к дому мироновѣ всн. и самъ апологнй и дщи мироновл, хрисипн, и с ѹеладїю своею. и лаврентїе мѹжь ея, нгемонъ вѡ островѣ патмѣ. колхвъ нѣкїи бѣяше во островѣ томъ, именемъ кинопсъ живын к мѣстѣ пѹстошнѣ с неѹтнкыми дхи, и лѣты доколными. и

σίας τὰς ὑπ' αὐτοῦ γινομένας ὑπὸ τῶν δαιμόνων. οἱ οὖν ἱερεῖς τοῦ ἀπόλλωνος ὡς εἶδον. ὅτι παρρησίας πολλῆς διδάσκει ὁ Ἰωάννης, ἐγονυπέτουν κατὰ Ἰωάννου γενέσθαι. ἐφ' οἷς τὸ ἱερὸν ἀπόλλωνος εἰς ἐρήμωσιν ἤνεγκε. καὶ αὐτοὺς τοὺς ἱερεῖς κατέβαλεν ὁ δὲ Κύνωψ μὴ θελήσας εἰσελθεῖν ἐν τῇ πόλει. Διὰ τὸ πολλοὺς διηνυκέναι χρόνους ἐν τῷ τόπῳ ἐκείνῳ. καὶ μὴ ἐξελθεῖν τούτου. ἀλλὰ τοὺς ἐν τῇ πόλει μᾶλλον ἀπέρχεσθαι πρὸς αὐτὸν ὑπέσχετο αὐτοῖς. ἄγγελον πονηρὸν πεπομφθέναι ἐν τῷ οἴκῳ μύρωνος. καὶ παραλαβεῖν τὴν ψυχὴν Ἰωάννου. καὶ παραδοῦναι αὐτὴν κρίσει αἰωνία. Τῇ ἐπάυριον δὲ ἕνα ἄρχοντα τῶν πονηρῶν πνευμάτων ἀπέστειλε πρὸς Ἰωάννην ὁ Κύνωψ. τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ἀγαγεῖν τούτω ἐγκελευσάμενος. ὁ δὲ δαίμων ἀπελθὼν ἐν τῷ οἴκῳ μύρωνος, ἔστη ἐν τῷ τόπῳ οὗ ἦν Ἰωάννης. γνοὺς δὲ ὁ Ἰωάννης περὶ τοῦ δαίμονος, εἶπεν αὐτῷ. παραγγέλλω σοι ἐν τῷ ὀνόματι Ἰ҃υ҃, μὴ ἐξελθεῖν ἐκ τοῦ τόπου τούτου, ἕως ἂν εἴπῃς μοι διὰ ἣν αἰτίαν ἦλθες πρός με. καὶ ἐπὶ τῷ λόγῳ τούτῳ ἔστη τὸ πνεῦμα ὡς δεδεμένον. καὶ εἶπεν Ἰωάννης. ἐιπὲ πνεῦμα ἀκάθαρτον. διά τί ἐισήλθες ἐν τῷ οἴκῳ τούτῳ. τὸ δὲ πνεῦμα εἶπεν. οἱ ἱερεῖς τοῦ ἀπόλλωνος ἦλθον πρὸς Κύνωπα. καὶ πολλὰ κακὰ εἶπον αὐτῷ περὶ σοῦ. καὶ παρεκάλουν αὐτὸν ἐισελθεῖν ἐν τῇ πόλει καὶ κατασκευάσες θάνατον. καὶ αὐτὸς οὐκ ἠνέσχετο λέγων. ὅτι πολλὰ ἔτι ἔχω ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ. καὶ οὐ καταλύω ἐμαυτὸν καὶ εἰσέρχομαι ἐν τῇ πόλει διὰ μικρὸν ἄνδρα τετραγωδημένον ἀλλ' ὑποστρέψατε. л. 30. ά. εἰς τὴν ὁδὸν ὑμῶν, καὶ αὔριον ἀποστελλῶ ἄγγελον πονηρὸν καὶ παραλήψεαὐτοῦ ται τὴν ψυχὴν. καὶἄξει αὐτὴν πρόσμαι. καὶ παραδώσω αὐτὴν εἰς κρίσιν. εἶπε δὲ Ἰωάννης. ἀπεστάλησο ὖν ποτὲ ὑπ' αὐτοῦ. καὶ λαβὼν ψυχὴν ἀ҃ου ἀπήνεγκας αὐτῷ; εἶπε δε τὸ πνεῦμα. ἀπεστάλην καὶ ἀπέκτεινα. ψυχὴν δὲ οὐκ ἀπήνεγκα. καὶ εἶπεν ὁ Ἰωάννης. τίνος χάριν πείθεσθε αὐτῷ. καὶ εἶπε τὸ πνεῦμα. πᾶσα ἡ δύναμις τοῦ σατανᾶ ἐκεῖ κατοικεῖ. καὶ συντάξεις ἔχει μετὰ πάντων τῶν ἀρχόντων. καὶ ἡμεῖς μετ' αὐτοῦ καὶ ἀκούει ἡμῶν Κύνωψ. καὶ ἡμεῖς ἀκούομεν αὐτοῦ. καὶ εἶπεν ὁ Ἰωάννης. ἄκουσον πνεῦμα πονηρὸν. κελεύει σοι Ἰωάννης ὁ ἀπόστολος τοῦ υἱοῦ τοῦ θ҃υ, μηκέτι ἐξελθεῖν σε ἐπὶ βουλῇ ἀ҃ου. μὴ δὲ ἐν τῷ τόπῳ ἐκείνῳ ἀπελθεῖν ἔτι. ἀλλ' ἔξω τῆς νήσου ταύτης ἐξελθεῖν καὶ πελάζεσθαι. καὶ μηδαμοῦ σε σχεῖν τόπον. καὶ εὐθέως τὸ πνεῦμα τὸ πονηρὸν, ἐξῆλθε τῆς νήσου. ὁ δὲ Κύνωψ ἰδὼν ὅτι οὐδαμῶς τὸ πνεῦμα ὑπέστρεψεν, καὶ ἕτερον ἀπέστειλεν. οὗ τὰ αὐτὰ πεπονθότος τῷ προτέρῳ. εἶτα ἕτερα δύο πνεύματα ἐκ τῶν ἀρχόντων, ἀπέστειλεν. ἓν ἐισελθεῖν πρὸς Ἰωάννην. καὶ τὸ ἕτερον ἔξω ἑστηκὼς ἀγαγεῖν ἀπόκρισιν, πρὸς αὐτὸν. τοῦ δὲ ἐισελθόντος καὶ τὰ ὅμοια πεπονθότος τοῖς ἄλλοις. τὸ ἔξωθεν ὢν φυγὼν, τῷ κύνωπι τὰ πραχθέντα ἀπήγγειλεν. ἐπὶ τούτοις θυμοῦ πλησθεὶς ὁ Κύνωψ. παραλαβὼν ἅπαντα τὰ πλήθη τῶν δαιμόνων, ἀπῆλθεν ἐν τῇ πόλει. ἤχησε δὲ ἡ πολις ἰδοῦσα τὸν Κύνωπα. καὶ πάντες αὐτῷ προσεκύνουν. διδάσκοντα δὲ τὸν Ἰωάννην κατα λαῶν ἐπλήσθη θυμοῦ πολλοῦ. καὶ ἔφη πρὸς τὸν λαὸν. ἄνδρες τυφλοὶ καὶ πεπλανημένοι. τὴν ὁδὸν τῆς ἀληθείας ἀκούσατε. ἐι δίκαιος ἐστιν Ἰωάννης. καὶ δίκαια τὰ παρ αὐτοῦ λαλούμενα θεραπεύσει καὶ ὑμᾶς καὶ ἐμέ. διὰ τὸν λόγον ὃν ἐγὼ λέξω πρὸς αὐτόν. καὶ πιστεύω. κἀγὼ τοῖς γενομένοις καὶ λεγομένοις ὑπ' αὐτοῦ. καὶ ἐπιλα-

того всѣ иже ко острокѣ имѣахѫ ꙗко бг҃а. привндѣнїа ради бываемаꙗ ѡ него. іерен же аполоновѣ видѣвше ꙗко дерзновенїемъ многимъ оуѵнтъ нѡанъ, поклахѫ клекѣщуще на нѡанна жертвїща ради аполонока, иже низложи. кинопсъ не косхотѣ кинтї во градъ. ѯане и многа лѣта имѣаше к мѣстѣ томъ жнкыи, но ради паче гражаномъ. прихоꙗнти к немѹ. и ѡвѣща имъ аг҃гла лукавааго послати к мироноку домъ. ї нзати дш҃ѹ нѡанноку, и предати єго судѹ кѹному. и нлоутрїи же єдиного кнаѯа лукавы҃ дховъ. посла ко і҃ѡанну, повелѣ дш҃ѹ єго к немѹ принести. бѣсъ же шедъ к домъ мироноку, ста на мѣстѣ идѣже бѣшє нѡанъ. оувидѣвъ (sic) і҃ѡанъ о бѣсе, и рече емѹ. повелѣваю ти именемъ хв҃ымъ не нзыти ѿ места сего. донелѣже рєчєши ми. коею кинною пришелъ єси ко мнѣ. и словесемъ такокымъ ста бѣсъ сказанъ и рече. нерен апололоки, дондоша ко кинопсѹ, и помолишася донти ко градъ, и нлкєстн смр҃ть на та. и не восхотѣ рекъ, многа лѣта имамъ. к мѣстѣ семъ. и не имамъ. трѧдите себе. улка ради слаба. и нн въ уто сущи, но идєте пѹтемъ сконмъ, и нлоутрїа азъ пошлю аг҃гла лукава. ї возмѣтъ дш҃ѹ єго и прнесе ко мнѣ. ї азъ предамъ ю судѹ. и рече к немѹ нѡанъ послалъ ли та єсть оубо когда поꙗти дш҃ѹ улѣскѹ и принести емѹ, и рече бѣсъ ꙗка сила сатанина в немъ ѥ҃ ї съоуѵнненїе имать съ кн҃зи. и мы с нимъ есмы; и послышетъ насъ кипсонъ (sic), и мы того. и рече і҃ѡанъ тебѣ гл҃ю дш҃е лукавыи, азъ аи҃лъ хв҃ъ и ктому не понти къ свѣтѹ улѣскомѹ. нже къ кинопсѹ обратитнса но кнѣ острока сего нзыти и мѹѵнтнса, и никако нигдѣ места имѣти. ї абне нзыде нзъ острока. видѣвъ кинопсъ. дха не возкратнкшася посла дрѹгаго. иже и тон таковаа пострада, и дрѹгаго ѿ кнаѯевъ пол҃. и повелѣ єдиномѹ кинти къ і҃ѡанну, и дрѹгомѹ нзъкнѹ стоати, еже принести тому ѿкѣтъ. оному же вышєшю, і такова пострадавшн. ꙗко и прежде пришедшєн, и кнѣ стоѧи бѣсъ. бѣжа къ кинопсѹ и бышєе повѣда. о снхъ же простн кинопсъ исполинса. и поємъ всѣ мнѡстко бѣсовьское, и донде ко гра҃. і порадоваса градъ весь видѣвшї кїнопса, и всн прихождще клнахѹ емѹ. и обр҃ѣ же і҃ѡанна оуѵаща, їсполнивса простн многи. и рече к людемъ мѹжїе слѣпїи ѯаблуженїи пѣть истинныи послѹшанте. аще праведѣ҃ єсть і҃ѡанъ, и праведна сѹть иже о немъ, гл҃ема, оукрауєкати имать васъ. и мене слова єго ради. и азъ побѣсѣдѹю к немѹ, и вѣрѡкати имамъ и азъ гл҃емымъ. и съдѣлокаємымъ ѿ него. и емъ ки-

βόμενος ὁ Κύνωψ νεανίσκου τινός, εἶπεν αὐτῷ. νεανίσκε. ζῇ ὁ πῆρ σου; ὁ δὲ εἶπε. τέθνηκεν, ὁ Κύνωψ εἶπε, ποίῳ θανάτῳ. ὁ δὲ εἶπε. ναυτικὸς ὑπῆρχε. καὶ συνετρίβη τὸ πλοῖον ἐν τῇ θαλάσσῃ. καὶ ἐπνίγη ὑπὸ τῶν κυμάτων, καὶ ἀπέθανεν. καὶ ὁ Κύνωψ εἶπε πρὸς Ἰωάννην. ἰδοὺ δείξον εἰ ἀληθῆ λέγεις. καὶ ἀναγαγε τὸν πῆρα τοῦ παιδὸς ἀπὸ τῆς θαλάσσης καὶ παράστησον αὐτὸν τῷ παιδί. καὶ πᾶσιν ἡμῖν. л. 30 об. а. ζῶντα. καὶ εἶπεν Ἰωάννης. οὐκ ἀπέστειλε μοι χς̄ νεκροὺς ἐγείρειν, ἀλλὰ ἀνους πεπλανημένους διδάσκειν. εἶπε δὲ Κύνωψ πρὸς πάντα τὸν παρεστῶτα λαόν. κἂν ἄρτι πιστεύετε ἄνδρες οἱ τὴν φώραν οἰκοῦντες, ὅτι πλάνος ἐστὶν Ἰωάννης καὶ πλανᾷ ὑμᾶς διὰ μαγικῶν ἐμπαιγμάτων; κρατήσατε αὐτόν. ἕως ἂν ἐγὼ ἀναγάγω τὸν πῆρα τοῦ παιδός. καὶ παραστήσω αὐτὸν ζῶντα. καὶ ἐκράτησαν τὸν Ἰωάννην. καὶ διαπετάσας Κύνωψ τὰς χεῖρας αὐτοῦ. καὶ διακρούσας αὐτὰς παρὰ τὸν αἰγιαλὸν τῆς θαλάσσης. κτύπου μεγάλου γενωμένου ἐν τῇ θαλάσσῃ. καὶ πάντων φοβηθέντων. ἐξ ὀφθαλμῶν πάντων, ἀφανὴς ἐγένετο. καὶ ἐπήραν τὴν φωνὴν αὐτῶν ἅπαντες. μέγας εἶ Κύνωψ καὶ οὐκ ἔστιν πλήν σου. καὶ ἐξαίφνης ἀνέβη Κύνωψ ἀπὸ τῆς θαλάσσης, ἔχων ὡς ἔλεγε τὸν πῆρα τοῦ παιδὸς. καὶ ἐξέστησαν ἅπαντες. καὶ εἶπεν ὁ Κύνωψ τῷ παιδίῳ οὗτος ἐστὶν ὁ πῆρ σου; καὶ εἶπεν ὁ παῖς. ναὶ κε̄. καὶ προσεκύνησαν ἅπαντες τῷ Κύνωπι. καὶ ἐζήτησαν τὸν Ἰωάννην ἀποκτεῖναι. καὶ οὐκ εἴασεν ὁ Κύνωψ λέγων. ὅταν ὄψητε τούτων μείζονα. τότε τιμωρηθήσεται καπᾶς. καὶ προσκαλεσάμενος ὁ Κύνωψ ἄλλον ἄνον, εἶπεν αὐτῷ. ἔχεις ὑ̄. ἀποκριθεὶς δὲ ὁ ἀνὴρ. εἶπε. ναὶ κύριε εἶχον. καὶ κατὰ φθόνον τίς, ἐπιβουλεύσας αὐτὸν ἀπέκτεινε. καὶ εἶπεν ὁ Κύνωψ. ἐγερθήσεται ὁ υἱός σου. καὶ εὐθὺς ἀποδίδωσι φωνὴν ὁ Κύνωψ. καὶ προσεκαλεῖ τὸ ἐξ ὀνόματος. καὶ τον ἀποκτείναντα καὶ τὸν ἀποκτανθέντα. καὶ εὐθέως παρέστησαν οἱ δύο ἐπὶ τὸ αυτὸ. καὶ εἶπεν ὁ Κύνωψ πρὸς τὸν ἄνον οὗτος ἐστιν ὁ υ̱ς̄ σου; καὶ οὗτος ἐστὶν ὁ ἀποκτείνας αὐτὸν; καὶ εἶπεν ὁ ἄνος. ναὶ κύριε. καὶ εἶπεν ὁ Κύνωψ πρὸς Ἰωάννην. τί θαυμάζεις Ἰωαννης. καὶ εἶπεν Ἰωάννης. ἐγὼ ἐπὶ τούτοις οὐ θαυμάζω. καὶ εἶπεν ὁ Κύνωψ. μείζονα τούτων ὄψει. καὶ τότε θαυμάσεις ἐὰν μὴ ἐκστήσω σε ἀπὸ τῶν σημείων, οὐκ ἐῶσαι ἀποθανεῖν. καὶ εἶπεν Ἰωάννης πρὸς Κύνωπα. τὰ σημεία σου λυθήσονται ταχύ. ἀκούσαντες δὲ οἱ ὄχλοι τοῦτον τὸν λόγον, διεσπάραξαν τὸν Ἰωάννην. ἕως οὗ σχεδὸν ἐιπεῖν, ἔμεινε νεκρός. νομίσας οὖν ὁ Κύνωψ ὅτι τέθνηκεν, εἶπε πρὸς τὸν ὄχλον ἄφετε αὐτὸν ἄταφον. ὅπως τὰ πετεινὰ τοῦ οὐνοῦ καταφάγωσιν αὐτόν καὶ ἴδωμεν εἰ ὁ χς̄ αὐτοῦ ἐγερεῖ αὐτὸν. ἀσφαλῶς οὖν πάντες ἔχοντες ὅτι τέθνηκεν Ἰωάννης; ἀνεχώρησαν ἀπὸ τοῦ τόπου. χαίροντες μετὰ τοῦ Κύνωπος. л. 31 а. καὶ εὐφημοῦντες αὐτὸν. μετὰ δὲ ταῦτα ἀκούσας ὁ Κύνωψ ὅτι Ἰωάννης ἀπελθὼν ἐν τόπῳ καλουμένῳ λίθου βολὴ διδάσκει προσκαλεσάμενος τὸν δαίμονα. δι οὗ τὰς νεκρομαντίας ἐποίει. καὶ προσβαλὼν τῷ τόπῳ, λέγει πρὸς Ἰωάννην. βουλόμενος σοι περισσοτέραν αἰσχύνην. καὶ κρίσιν περιποιήσασθαι. τούτου χάριν ἔιασα σε τέως ζῆν. ἀλλὰ δεῦρο ἐπὶ τὸν αἰγιαλὸν. καὶ ὄψει τὴν δύναμιν μου καὶ ἐντραπήσοι. ἦσαν δὲ καὶ οἱ τρεῖς δαίμονες. οἱ νομισασθέντες ἐκ νεκρῶν ἐγηγέρθαι ἀκολουθοῦντες αὐτῷ. καὶ διακρούσας κτύπω μεγάλω τὰς χεῖρας. ἔβαλεν ἑαυτὸν εἰς τὴν θάλασσαν ἐξ ὀφθαλμῶν ἁπάντων, ἐξαίφνης γενόμενος. οἱ δὲ ὄχλοι ἐβόη-

нопсь оуношѫ нѣкоего. и рече к немѫ оуноше жнвъ ли есть ѡ҃цъ твои, ѡнъ же рече оумре. и рече кинопсъ како оумре, коею смертїю. онъ же рече плокецъ бѣяше, и разбившася кораблю. и оутопившуся къ морю. и рече кинопсъ къ нѣкыимъ. се покажи аще истинѫ глѣши, и прѣставиши ѡ҃ца жива сноу его. и рече і҃ѡаннъ, не послалъ ма есть х̂с мерътыа ѡ мора воздвигати. но ѵлѣка прелщеныа накадати. и рече кинопсъ къ всѣмъ людемъ, понеже вѣруете, яко льстецъ есть ѡ҃аннъ. и прельщае̂ васъ, їмѣте его и держите. донележе изведѫ ѡ҃ца отроку жива, ї яшя і҃ѡанна, и распростеръ кинопсъ рѫце и оударн н̂. и плесканїю бывшю к морю, и вс̂ оубоявшѝся ѡ оуню не виднмъ бысть. и воздвигоша вси гл̂си глающе. келїи єси кинопсе, и внезапѣ изыде кинопсъ ѡ мора держа яко̂ рече отроку ѡ҃ца и оудивишася вси и рече кинопсъ се ли есть ѡ҃цъ твои. и рече отрокъ єи гн̄. и поклонишася вси кинопсу, нскахѫ оубити і҃ѡанна. и не остави кинопсъ гл̂а. яко внегда оузрите болша сѝ, тогда да мнѣ̂ будетъ. и прнзвавъ дрѣваго ѵлѣка и рече емѫ имѣлъ єси сн̄ъ. и рече єи гд̄и имѣхъ. и по законстн нѣкто оубн его. и абие возва гласомъ кінопсъ. и зваше на нма оубившаго, ї оубиеваго. и абие купно оба прѣставша. и рече кинопсъ къ ѵлѣкѫ. се ли есть сн̄ъ твои, и сен ли есть оубивын его. и рече ѵлѣкъ єи гд̄и. и фече кинопсъ ко н̂ѡанну, уто са дивиши і҃ѡанне. и рече і҃ѡаннъ азъ о сѝ не дивлю, ї рече кинопсъ, и больша сихъ оузриши. тогда ююдити имаши. аще не оужа̂ѭ тебе знаменїи. не имамъ оставити тебе оумрети. и рече но̂ѡаннъ кинопсу, знаменїа твоа разрѣшася вскоре. слышавше̂ народъ такоже слоко биша н̂ѡанна, доньдеже оумрети емѫ рещи. и рече кинопсъ к народу, оставите его не погребена. яко да птица нѣкыа снѣда̂ его. и вси оубо твердѣ имѣяхѫ, яко же і҃ѡаннъ оумретъ. и ѡ҃дошя ѡ места радоующеся съ кинопсомъ. по сѝ же слышавъ кинопсъ яко н̂ѡаннъ оутнтъ на месте нарнцаемо каменокержне. прнзвавъ бѣ ниже клѣховоканїе творяше и дошедъ до места. и рече і҃ѡанну. мышлю ѡ тебѣ множаиша сраиоту, и сѵ̂ соткорн. ї того ради оставѝ та живы. но прїнди на мѡрьскїи пѣсокъ, и оузриши славу мою. и постыдишнся, бѣхѵ̂ и тн трне бѣсоке. ихже мнихѵ ѡ мертвы̂ восташе, и послѣ̂ствующе емѵ. кинопсъ же оударнкъ плеснома кельин рѫцѣ свои. и погрязнся к морю, и ѡ ѡуїю всѣхъ невиднмъ бывъ. нарѡдн же воспнкше келїи єси кинопсе, нѣсть иного болша тебе. і҃ѡанна̂ заповѣда ниже

σαν. μέγας εἶ Κύνωψ καὶ οὐκ ἔστι πλήν σου. ὁ δὲ Ἰωάννης παραγγείλας τοῖς δαίμοσι. τοῖς ἐν σχήμασιν ἀνῶν ἱσταμένοις μὴ ἀναχωρῆσαι ἤυξατο πρὸς τὸν θν̄ μὴ καταλεχθῆναι ἐν τοῖς ζῶσι τὸν Κύνωπα παραχρῆμα δὲ, ἦχος μέγας ἐγένετο τῆς θαλάσσης. καὶ εἰλίσσαντος τοῦ ὕδατος ἔνθα ἔβαλεν ἑαυτὸν ὁ Κύνωψ, οὐκ ἐστιν ἀνῆλθε τῆς θαλάσσης. οἱ δὲ δαίμονες οἱ νομιζόμενοι ἐν νεκρῶν ἐγηγέρθαι. παραγγείλαντος Ἰωάννου. ἐν τῷ ὀνόματι τοῦ ἐστρωμένου Ιῡ χῡ ἐξελθεῖν τῆς νήσου ταύτης. ἄφαντοι γεγόνασιν. τοῦ δὲ λαοῦ προσμένοντος πρὸς τὸν Κύνωπα. τρεῖς ἡμέρας καὶ τρεῖς νύκτας ἐν τῷ αἰγιαλῷ. ἀπὸ τῆς ἀσιτίας καὶ τῶν φωνῶν. καὶ τοῦ καύσωνος, οἱ πλείονες αὐτῶν λειποθυμήσαντες ἔκειντο ἄφωνοι, ἐξ ὧν καὶ τρία παιδία ἀπέθανον. οὓς ὁ Ἰωάννης οἰκτείρας καὶ ἐπευξάμενος τὰ πρὸς σῴαν. καὶ πολλὰ αὐτοῖς περὶ πίστεως διαλεχθείς, ἀνέστησε καὶ τὰ τρία παιδία ἐκ τῶν νεκρῶν. οἱ καὶ ἅπαντες ὁμοθυμαδὸν, προσῆλθον τῷ χῷ καὶ ἐβαπτίσθησαν τοῦ Κύνωπος ἐν τῷ βυθῷ τῆς θαλάσσης. ὡς ὁ πάλαι φαραὼ καταποντισθέντος ἀθλίως. ἡ δὲ προκλιανὴ. ἀκρατῶς καὶ ἐρῶσα τοῦ υἱοῦ σωσιπάτρου καὶ μὴ ἐπιτυχοῦσα. τοῦ ἀσελγοῦς αὐτῆς ἐπ' αὐτῷ ἔρωτος, κατηγορῆσαι τοῦ υἱοῦ ἐπὶ τοῦ ἀνθυπάτου. μέλλοντος δὲ τοῦ υἱοῦ τιμωρίας ὑποβληθῆναι ἀνηκέστοις. καὶ τοῦ ἀποστόλου ὡς. βοηθοῦντος αὐτῷ. ἐξηράνθη ἡ χεὶρ τοῦ ἀνθυπάτου. καὶ τῆς προκλιανῆς ὁμοίως ἡ δεξιὰ. πρότερον τῆς γῆς δεινῶς ἐν βρυγμῷ κινηθείσης. τοῦ δὲ ἀνθυπάτου καὶ τῆς προκλιανῆς μετανοησάντων τῷ ἀποστόλῳ εὐθὺς ἡ γῆ ἐστηρίχθη. л. 31 об. ά. καὶ ἀμφότεροι ἰάθησαν καὶ τῷ χῷ προσῆλθον. οἱ δὲ ἐν τῇ πάτμῳ νήσῳ πολλὰ παρακαλέσαντες τὸν ἀπόστολον. ἐγγράφως αὐτοῖς ἐκθέσθαι τὰ περὶ τῆς σαρκώσεως, καὶ οἰκονομίας τοῦ θῡ. ἤδη προπεπίστευκότες ἅπαντες. ἔχον τοῦτον καταπειθῆ. καὶ δὴ ἀνελθὼν. ἐν τῷ ὄρει. ἅμα τῷ μαθητῇ προχόρῳ. τρεῖς ἡμέρας διῆγεν ἐν αὐτῷ ἄσιτος. προσευχόμενος καὶ δεόμενος τοῦ θῡ περὶ τούτου. καὶ μετὰ τρεῖς ἡμέρας ἀστραπῆς γενομένης μεγάλης καὶ βροντῆς. ὥστε σαλευθῆναι τὸ ὄρος ἔπεσεν ὁ πρόχορος ἐπὶ τῆς γῆς, καὶ ἔμεινεν ὡσεὶ νεκρός. ὁ δὲ Ἰωάννης ἀναστήσας αὐτὸν. καὶ καθίσας τὸν πρόχορον ἐκ δεξιῶν αὐτοῦ. καὶ ἀναβλέψας εἰς τὸν οὐρ̄ν̄ὸν. ἤρξατο λέγειν: ἐν ἀρχῇ ἦν ὁ λόγος. Καὶ καθεξῆς. καὶ συμπεράνας τὸ ἱερώτατον καὶ πάνσεπτον εὐαγγέλιον παρέδωκε τοῦτο αὐτοῖς. κἀκεῖθεν διεδόθη εἰς ἅπαντα τοῦ κόσμου τὰ πέρατα. ἐξελθὼν δὲ εἰς τὴν ἀγροικίαν, ἰάσατο τυφλόν. μετὰ ταῦτα ἦλθεν εἰς ἔφεσον. εἶτα κἀκεῖσε διατρίψας ἅμα τῷ προχόρῳ. ἐπίτινα τῶν οὐ πόρρω πόλεων. μετὰ τὴν ἀπὸ τῆς πάτμου κάθοδον, παραγίνεται. ἐν ᾗ τὸν νεανίσκον ἐκεῖνον. ὃν δὴ τῷ τῆς πάλεως ἐπισκόπῳ παρέθετο. ἀποδράσαντα ἐξ αὐτῆ καὶ λήσταρχον γενόμενον. ἀνεκαλέσατο πρὸς μετάνοιαν αὖθις. ἐν αὐτῇ δὴ καὶ τίνα ἕτερον. βάρει χρεῶν βαρούμενον οὐκ ὀλίγων. καὶ διὰ τοῦτο δις μὲν δηλητήριον φάρμακον πεπονθότα δεινόν. τὸ τοῦ θείου στ̄ρ̄ου σημεῖον ἐπιβαλόντα τῷ φαρμάκῳ, ὠδήγησε πρὸς τὸν χῡ. καὶ τοῦ θανάτου ἐρρύσατο. προσέτι δὲ καὶ τὸν ἑβραῖον ἐκπλαγέντα τῷ πράγματι. ἐπείπερ κατεῖδεν ὁ θεῖος ἀπόστολος. βαπτισθῆναι ζητοῦντα τῷ θείῳ λουτρῷ τῆς ἀναγεννήσεως. τοῦτον ἀνυπληροῦ. καὶ λύει μὲν τῷ ἐνδεεῖ ἐκείνῳ ἀνδρὶ τὰ τῆς ἀπορίας. χόρτον πολὺν ἀμείψας, εἰς χρυσὸν καθαρώτατον. καὶ τὸν ἑβραῖον αὐτὸν ἐπιδοὺς. ἦλθεν εἰς ἔφεσον. καὶ πολλὰ

кѡ ображенїи ѵ҃ѣрцы и стомшнымъ не ѿнти, и помолисѧ къ гд҃ѹ. не въмѣнитсѧ к жнвы҃ кнпопсу, и нхпрасно морю възмѣтнвшꙋ҃. и колнамъ вскнпѣвшнмъ, к томꙋ не нзыде кнпопсъ нз мора. нѡ оста тамо ко глѹбинѣ морьстѣи, ꙗкоже дрекнїи фараѡнъ погражнвъ. окаанно, вѣсомы҃ мѧнивымъ нз мертвы҃ костати, и рече к нимъ ї҃ѡ҃. снце. ко нма ї҃с҃ а҃ распатаго. ї трндне҃вно воскр҃шаго нзыдете ѿ острова сего, и абне невндимь бышл. людемъ прнседшнмъ кнпопса три дн҃ї и три ношн прн пѣснѣ. и ѿ глада ї вара сн҃ѹнаго множашнїи ѿ нихъ нзнемогоша. и лежахѹ безгласны. ѿ нн҃ же и трнє дѣти оумроша, нхже помнловавъ нѡлнъ. помолисѧ нже ѡспасенїи н҃, и многа нмъ ѡ кре҃ бесѣдовавъ. и воскр҃си и дѣти. нже вси единомыслено пристꙋпнша ко гд҃ꙋ, и кр҃тншасѧ вси. проклїанн же нѣкто зелѡ кельни любящи сн҃а съсїпатра, и не полꙋчившн блꙋднаго ревенїа. и оклевета его анфнпатꙋ. и хотящнмъ возложнти нань мꙋнїа не свѣдома. апл҃ов же тому помогающꙋ, и оусше рꙋка анфнпатова, и проклїанна покаавшеся къ апл҃ꙋ, и абне нсцелнша. и ко хр҃тꙋ пристꙋпнша, а нже к пятмѣ о с т р о в ѣ сꙋще. помолншася апл҃ꙋ писанїемъ тѣмъ нзложнти, нже о къплощенїи и о пршествкїи хр҃тѣ. и вси прнпа҃ше оуже нмѣахѹ, того оучителя и томꙋ вше҃шꙋ на горꙋ. купно со оученикѡ҃ прохорѡмъ. и пребысть тамо три дни мал҃кꙋ дѣа. и молися о семъ и по трнѣ҃ дн҃ехъ молнїи быкшн велнцѣ и громꙋ. ꙗко дѣйгатися горѣ. падеже прохоръ къ землѣ. онъ же воздвнгъ и посаднвъ его о десннюю себе. и возрѣвъ на нѣ҃о и рече г҃а҃. в н а ч а л ѣ б ѣ с л о в о, и проѵаа. совершнкъ с҃тое и сн҃ленное бл҃говѣстїе предасть нмъ. и ѿтꙋдѣ дано бысть по ксаѵескнхъ конц҃ѣ мнрꙋ. и ш҃ѣ же ко а ф р и к ї ю. нсцѣли слѣпа, потомъ донде ко ефѣ҃, тажде тамо сь прохоромъ купно хождкъ, к нѣкоторый далеѵный градъ. по патьмѣмъ прехожденїи прнходнтъ. ндеже оуношꙋ оного. и є г о же предалъ бѣ єпн҃пу, и ѿ него ѿбѣгшю. и разбонїѣкъ быкшаго, внезапꙋ прнведе и к покаанїю. тогда҃ и дрꙋгаго к долзѣ тяжцѣ содержима· и того ради дкаци обаанныи ндѣ, нспнкшемꙋ лютѣ бѣ҃твенаго кр҃та знаменїе въ ндѣ соторь, и настави того къ хр҃тꙋ и ѿ смерти нзбави. ктомꙋ҃ єврення оу҃днлшѣ҃ о ѵудесн. и ѩже видѣ бѣ҃твенын апл҃ъ, и кртнтися того нпшце бѣ҃твенѡю банею, ї обновленїемъ, того совершаетъ. и разрѣшн ѡного дл҃ънюшаго мꙋжа. сѣно много къ златѡ претворнтъ. ѵто҃. єврення ѿдавъ и донде ко ефесѣ, и многаа множествкх хр҃ни привед҃ъ. и ѵюдеса

πλήθη προσαγαγὼν τῷ χῷ. καὶ θαύματα ἄπειρα ἐργασάμενος. ἃ καὶ ἐνεργῶν διετελέσεν. ἐφ' ὅλοις ἔτεσιν εἰκοσίεξ. μετὰ τὸ ἐπανελθεῖν αὐτὸν τῆς ἐξορίας. πρὸ δὲ ταύτης, ἑτέροις ἔτεσιν ἐννέα. καὶ ἐν πάτμῳ τῇ νήσῳ, χρόνους πέντε καὶ δεκα. ἦν γὰρ ὅτε παρεγένετο ἐξ Ἱεροσολύμων εἰς ἔφεσον ἐτῶν πεντήκοντα ἐξ. καὶ μηνῶν ἑπτα. л. 32 á. καὶ πληρώσας ὡς εἴρηται τὰ ὅλα αὐτοῦ ἔτη. εἰς ἕκαστον πέντε. καὶ μήνας ἑπτὰ. καὶ ἐξῆλθε ἐκ τοῦ οἴκου δόμνου μετὰ καὶ τῶν μαθητῶν αὐτοῦ τῶν ἑπτὰ. καὶ ἀπελθὼν ἔν τινι τόπω. ἐκεῖσε τοὺς μαθητὰς καθίσαι παρεγγυήσατο. ἦν δὲ πρὸς ὄρθρον. καὶ αὐτὸς προσελθὼν ὡσεὶ λίθου βολῆ. προσηύξατο. καὶ μετὰ ταῦτα. ὀρυξάντων των μαθητῶν στρογγυλοειδὲς μῆκος τῆς αὐτοῦ ἡλικίας ὡς αὐτοῖς ἐνετείλατο, ἐπέσκηψε τῷ προχόρῳ, ἐν ἱεροσολύμοις ἀνελθεῖν καὶ ἐκεῖσε τελειωθῆναι, διδάξας δὲ καὶ τοὺς μαθητὰς ἠσπάσατο αὐτοὺς καὶ εἶπε σύραντες γῆν τὴν ἐμὴν μῆα. καλύψατε με. καὶ ἀσπασάμενοι αὐτὸν οἱ μαθηταὶ, ἐσκέπασαν μέχρι τῶν γονάτων. καὶ πάλιν τούτου ἀσπασαμένου αὐτούς. ἐκάλυψαν ἕως τοῦ τραχήλου. καὶ ἐπιθέντες εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ σουδάριον. καὶ ἀσπασάμενοι αὐτὸν κραταιῶς κλαίοντες. ἐσκέπασαν αὐτόν. καὶ ὁ ἥλιος ἀνέτειλε. καὶ αὐτὸς τὸ πνᾶ παρέδωκεν. ἀκούσαντες δε τοῦτο οἱ ἐν τῇ πόλει ἀδελφοὶ. καὶ ἐλθόντες καὶ ὀρύξαντες, οὐδὲν εὗρον. καὶ κλαύσαντες σφόδρα καὶ εὐξάμενοι. ὑπέστρεψαν εἰς τὴν πόλιν. ὅθεν καὶ πολυκράτης ὁ τῆς ἐφέσου παροικίας ἐπίσκοπος, βίκτωρι τῷ ἐπισκόπω γράψας ῥώμης οὕτως αὐταῖς λέξεσι φησί. καὶ γὰρ κατὰ τὴν ἀσίαν. μέγα στοιχεῖον κεκοίμηται. ὃ καὶ ἀναστήσεται τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρα τῆς παρουσίας τοῦ κῦ. Ἰωάννης ὁ ἐπιστήθιος χῦ. ὃς καὶ τὸ πέταλον πεφορηκὼς καὶ διδάσκαλος. ἐν ἐφέσω γενόμενος. οὐ μὴν δὲ ἄλλα καὶ ὁ θεῖος ἱππόλυτος περὶ τοῦ κηρύγματος καὶ τῆς τελειώσεως τῶν ἀποστόλων ἐξιών, ἔφη. Ἰωάννης ἀδελφὸς Ἰακώβου. κηρύσσων ἐν τῇ ἀσία τὸν λόγον, ἐξωρίσθη ἐν πάτμω τῇ νήσω. κἀκεῖθεν πάλιν εἰς ἔφεσον ἐκ τῆς. ἐξορίας ἀνακληθεὶς. ὑπὸ νερούα. τελυτᾶ ἐκεῖσε. οὗτος λείψανον παρὰ τῶν ἐποίκων τῆς πόλεως πιστῶν ζητηθέν, οὐχ εὑρέθη. ὁ δὲ τοῦ μεγάλου γρηγορίου ἀδελφὸς καισάρειος ἐπὶ σεκρέτου. ἐν κωνσταντινουπόλει ἐρωτηθείς περὶ τούτου οὕτως ἀπεκρίνατο λέγων. αὐτὸς ὁ Ἰωάννης. ἐν τῷ κατ' αὐτὸν εὐαγγελίω. πρὸς τῷ τέλει διεσάφησε τοῦτο φάσκων. καὶ τοῦτο εἰπὼν ὁ Ις, λέγει αὐτῷ ἀκολούθει μοι. τητέστη τῷ πέτρω. ἐπιστραφεὶς δὲ ὁ πέτρος, βλέπει τὸν μαθητὴν. ὃν ἠγάπα ὁ Ις ἀκολουθοῦντα. καὶ φησί. κε. οὗτος δὲ τί. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ Ις. ἐὰν л. 32 об. á. αὐτὸν θέλω μένει ἕως ἔρχομαι, τί πρὸς σέ. ἐξῆλθεν ὁ λόγος οὗτος εἰς τοὺς ἀφελφοὺς. ὅτι ὁ μαθητὴς ἐκεῖνος οὐκ ἀποθνήσκει. ὅθεν καί τινες. ὡς κατὰ πρόφασιν τοῦ δε τοῦ λόγου, φασί. μήπω καὶ τήμερον εανάτου πείραν τὸν Ἰωάννην λαβεῖν ἀλλὰ μετατεθῆναι. ἔχει δε ὅμως. οὐχ οὕτως τὸ ἀληθὲς. ἐπεὶ οὖν ἀλιεύοντας αὐτοὺς κατειληφὼς ὁ χς. τῷ πέτρω μόνω. προσέταξεν ἐπεσθαι αὐτῷ. ὁ δὲ συμπορέυεσθαι αὐτῷ. καὶ τὸν Ἰωάννην βουλόμενος ἔφη. κε. οὗτος δὲ, τί. ὃν θεσπίσας ὁ Ις πρασμένειν ἐπὶ τῆς ἀλ...ας φησίν. ἐὰν αὐτῷ θέλω μενεῖν ἕως ἔρχομαι ἐνταῦθα. καὶ ἀλιέυειν ἕως ἂν ὑποστρέψω πάλιν, τί πρὸς σέ. ὥστε οὖν τὸν τῷ χῷ φιλούμενον Ιωάννην, ἀποθανεῖν ἤδη. ἐπεὶ καὶ ὁ τάφος ἔνθα κεῖται δῆλος ἦν. βεβαιοῖ δὲ μάλιστα τοῦτο, καὶ ὁ μέγας

неєвѣдома содѣлавъ. сїа соторь. за к. лѣтъ. и бѣвшѣ ерда донде ѡ нєѣланма. лѣто и. и ѕ. и сѣмь мцъ. исполнышемсѧ. всѣмъ лѣтомъ єго ф. и седмь мцъ изыде из домъ домнока, съ сѣмию оучкъ. и дошедъ до нѣкоєго мѣста, тамо ѡнѣмъ сѣсти повелѣ, и бѣ иже къ оутрꙋ и тон ѡшедъ. ако керженїю камене, и помолисѧ. и потомъ же, ископавшемъ оучникомъ кртаобразно долготꙋ возраста єго. якоже нимъ повелѣ, и заповѣда прохорꙋ ко ѣрлимъ итн. ї тамо сконьчатисѧ, и накаазавъ оучнко и цѣловавъ н. рєуе приклекше ѕемлю мтрь мою. покрыите ма і цѣловаша єго оучицы. и покрыша єго даниже и до колѣнꙋ, и паки цѣловавшꙋ ихъ. покрыша єго дан и до кыа, и положиша на лицє єго поиакꙋ. і того цѣловавше крѣпко плаꙋющесѧ. покрыша єго кесьма, и слнце косїа, и тон ѡдастъ дхъ. слышавшѣ се иже ко граде братїа, пришѣше, і окопавше гробъ и не ѡбрѣтоша, инутѡ. и много ѕѣло плакавше. и помольшѣ и возкратишасѧ, ко градъ. тѣмъ и полнкратъ ефѣскїи епп викторъ епкпꙋ, римьскомꙋ написа сицевыми бесѣдами рекъ. нбо ко асїи келикъ образъ оуспе, иже кѡскрнꙋтъ имать в послѣдниї днь. пришествїа гна. іѡаннъ козлегїи на персехъ гдних иже, окрон, носнкыи и оучитель во ефесѣ быкыи. не такоже. но и бжѣтвенын ипполитъ о проповѣданїи. и о сконьчанїи апльстѣ расмотрникъ рєуе іѡаннъ братъ шковль. прѡповѣдала ко асїи слѡво. изгнанъ бꙑть в патомьскїи островъ. и ѡтѣдѣ паки во ефесъ ѡ изгнанїа приходитъ. и ѡ ірва и во ефесѣ сконуаса. єго же тѣло ꙋыскано кърнымн аплы градъскнми и не обрѣтеса. келикаго грнгорїа братъ кесарїи на соборѣ костантина града. копрошенъ бысть о семъ. и тѡн ѡкыа гла. тон и самъ іѡаннъ къ своємъ благовѣстїи къ коньцꙋ испокѣда гла. і се рекъ іс. послѣдꙋюща и рєуе, тн а се ꙋто, и гла інс. аще томꙋ хощꙋ пребыкати. донъдеже прїидꙋ то к тебѣ, изыде слѡвѡ се въ братїю. ако оучникъ тѡн не оумрєтъ, тѣмъ и нѣцын пѡ прнутн таковаа глютъ. єда и днє смртнаго исказа іѡаннꙋ прнятн. но прєложенꙋ бытн; имать не тако исконное. понєже оубо лѡвщаа нхъ оучнтъ гдь. петръ єдиномꙋ повелѣ приходнтн к немꙋ ѡномꙋ же спутьшествовати. іѡаннъ хотящꙋ рєуе гла се ꙋто, о немъ прорєуе ис, пребыкати к ловѣ глше. аще сего хощꙋ пребыкати. дѡнелѣ прїнтн мн въ здѣ и ловнтн. донеже возкращꙋ ꙋто тебѣ. ако то оубо иже хмъ любимаго іѡанна оумрєтн оубо. понеже и гробъ ндеже лежитъ ѡкленъ бѣше. нзвѣстꙋетъ же паꙋе се.

ὑφηγητὴς καὶ ἰσαπόστολος Ἰωάννης. ὁ χρυσοῦς τὴν γλῶτταν, ἐν τῷ εἰκοστῷ δευτέρῳ καὶ τῷ εἰκοστῷ ἕκτῳ τῆς πρὸς ἑβραίους ἐπιστολῆς κεφαλαίοις. οὐ μόνον δὲ ἀλλὰ καὶ ἐν τῷ ἑβδομηκοστῷ ἕκτῳ τοῦ κατὰ ματθαῖον εὐαγγελίου. καὶ τῷ εἰκοστῷ ὀγδόῳ τοῦ κατὰ Ἰωάννην διαλαμβάνει κἂν τούτοις συνοδὰ καὶ μέχρι τοῦ νῦν ἀναδιδομένη κόνις λεπτὴ τοῦ τάφου αὐτοῦ, ἡ κατὰ τὴν ὀγδόην τοῦ μαΐου. πηγάζειν πᾶσι διέγνωσται:

и великїи сказатель быкъ. и равноапълъ иѡанъ златыи ꙗзыкомъ. въ к҃. второмъ словѣ и въ к҃. шестѣмъ. иже во евренстѣи епистолїи, не тоѣю же но въ сѣмьдесѧ҃ и осмое иже ѡ҃ іѡанна воспрїимати. поне сихъ прнопщается даже и доселѣ, ꙗ исходящии прахъ тонкїи ѡ҃ гроба его. и ꙁанеже ѡ҃ осмыи дн҃ь мца мая исходящи бываетса, и всѣмъ ꙁна҃е бываетъ. [1]).

Чтеніе и объясненіе снимка.

Μὴν Νοέμβριος ἔχει ἡμέρας α҃. ἡ ἡμέρα ἔχει ὥρας ι҃. καὶ ἡ νὺξ ὥρας ιδ҃. Εἰς τὴν α҃. Μνήμη τῶν ἁγίων καὶ θαυματουργῶν ἀναργύρων κοσμᾶ καὶ Δαμιᾶνοῦ: Ἐι καὶ παρῆκαν γῆν ἀνάργυροι δύο

Πληροῦσιν ὡς πρὶν καὶ πάλιν γῆν θαυμάτων.

Πρώτη ἀκέστορε φώτενοε μυρίου.

Ἔκπτατον ἐκ γῆς.

Οὗτοι οἱ ἅγιοι εἶλκον τὸ γένος ἐκ τῆς ἀσιάτιδος γῆς. πρ҃ς μὲν ὑπάρχοντος Ἕλληνος μητρὸς δὲ χριστιανῆς, τοὔνομα θεοδότης. ἥτις χηρείαν ἐκ τοῦ ἀνδρὸς ὑποστάσα. καὶ ἀδείας εὐκαίρου λαβομένη, πᾶσαν εἰδέαν. ἀρετῆς τελείας ἑαυτοὺς ἐξεπαίδευσε. πάσης δὲ ἐπιστήμης ἐν πείρα γενόμενοι.

Τῷ αὐτῷ κ҃ε. μνήμη τῶν ἁγίων νοταρίων, μαρκιανοῦ καὶ μαρτυρίου.

Θεοῦ καλάμους τοὺς νοταρίους νόει,

Εἰς αἷμα τὸ σφὼν ἐκ ξίφους βεβαμμένους.

Πεμπτη μαρκ҃ιανὸν τὰ μονεῖ

Κάδι μαρτύριόν τε.

Παύλου τοῦ ὁμολογητοῦ πατριάρχου κωνσταντίνουπόλεως.

† Θεὸν ἱλεούμενος τίμιε πάτερ θεοδώρου μέμνησο τοῦ καλογράφου.

Ἐπίκλην δ' ἔχοντα ὁ ἁγιωπετρίτης ἔτους ,ϛϡϟ҃. (1295.).

Заставици, заглавныя буквы. Азбука изъ заглавій и скорописная.

Слова съ знаками препинанія: ἐγχειρίζει. παρατίθεται:

Сокращенія и слова съ титлами: Καὶ τῷ Ἰωάννῃ σημείων λεγομένων ἐφεπόμενος ἐξεδῆμησεν.

Нѣкоторыя буквы въ соединеніи съ другими: α) διεσπάραξαν καταφάγωσιν. ε) εξ εξ σεραπίων λέγει περιπεσών. ν) τὴν. σ) προσέδησε. παράστησον. τ) γλώττα. Собственное имя съ титломъ. σέλευκος. Союзъ ὅτι имѣющій дыханіе полукрестикомъ.

VIII. Патерикъ Павла монаха Монастыря Пресвятыя Богородицы Евергетиды въ двухъ книгахъ

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 202-мъ.

Длина пергамина 1-й книги.	6¼ в.
Ширина.	5 „
Къ корешку.	½ „
Къ правой сторонѣ	1 „
Къ верху	⅞ „
Къ низу.	1¼ „

Пергаменъ тонокъ и выдѣланъ хорошо.

Писаны скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ, 1-я на 389. листахъ, а 2-я на 251. листѣ Маленькія заставочки, заглавныя буквы писаны свѣтлокоричневою краскою и мѣстами киноварью. Колеръ чернилъ темный. Помѣта тетрадей внизу у корешка. Число строкъ въ 2-й книгѣ на страницѣ

[1]) Сего сказанія объ Іоаннѣ Богословѣ въ Слав. прологахъ XIII, XIV XV, и XVI. в. Моск. Синод. Библіотеки нѣтъ.

не опредѣлено. 37. 38. 39. 43. Внизу 1-го листа бумажнаго 2-й книги подписано: Арсенiй мн̃. а внизу 3-го листа: λαύρας. Въ 1-й книгѣ число строкъ на страницѣ 32 и 31. Внизу 2-го листа 1-й книги подписано: βιβλίον τοῦ πᾶνβασιλεῶς χῡ. Арсенiй. Колеръ чернилъ коричневый.

Въ 1-й книгѣ написано двѣ книги. Первая оканчивается л. 196 об. и заключаетъ въ себѣ 5-ть главъ. Съ 197 по 202. изъ главъ 36. 37. и 40. выписано другимъ почеркомъ, но тогоже конца XIII вѣка. Вторая книга оканчивается на л. 388 об. На 389. на бомбицинѣ написанъ отрывокъ изъ Богослужебной книги XIV в. Колеръ чернилъ коричневый.

Во 2-й двѣ же книги: 3-я и 4-я. Третiя оканчивается л. 120 об. и заключаетъ въ себѣ 50-тъ главъ, а 4-я имѣетъ, столько же главъ.

Первая книга оглавляется л. 2—11 об. такъ: Συναγωνὴ τῶν θεοφθόγγων ῥημάτων καὶ διδασκαλιῶν τῶν θεοφόρων πατέρων, ἀπο πάσης γραφῆς θεοπνεύστου σϋναθεοισθεῖσα καὶ οἰκείως καὶ προσφόρως ἐκτεθεῖσα εἰς ὠφελείαν τῶν ἐντυγχανόντων παρα πάυλου τοῦ ὁσιωτάτου μοναχοῦ. καὶ κτήτορος μονῆς τῆς ὑπεραγίας δέσποινας θεοτόκυ τῆς ἐυεργέπιτος.

ά. Ὅτι οὐ δεῖ ἀπογνῶναι τινᾶ ἑαυτόν. ποτὲ κἂν πολλὰ ἥμαρτεν ἀλλὰ διὰ μετανοίαν ἐλπίσαι τὴν σῴαν.

β̃. л. 11 об.—12. Ὅτι δεῖ ἐν τῶ ἐνεστῶ τι ποιεῖν τὸ καλὸν. καὶ μὴ ἐισ τὸ μέλλον ὑπερτίθεσθαι. καὶ ὅτι μετὰ θάνατον οὐκ ἔστι διόρθωσις.

γ̃. л. 12. 13 об. Περὶ τοῦ πῶς δεῖ μετανοεῖν.

δ̃. 13 об. 14. Ὅτι τοῖς ἀσθένεσιν ἁρμοδιον τὸ κατὰ μικρὸν ἐιστὰ τῆς μετανοίας ἔργα ἐνάγεσθαι καὶ λοιπὰς ἀσκήσεις.

ε̃. л. 14—17 об. Ὅτι δεῖ ἀεὶ τοῦ θανάτου μεμνῆσθαι καὶ τῆς μελλούσης κρίσεως. οἱ γὰρ μὴ ταῦτα διηνεκῶς προσδοκῶντες καὶ λογίζομενοι ὑπὸ τῶν παθῶν ῥαδίως ἁλίσκονται.

ϛ̃. л. 17 об. — 19 об. Ὅτι ἀνείκαστος ἡ ἐν οὐρανοῖς εὐφροσύνη καὶ ἡ τοῖς ἁγίοις ἀποκειμ.... δόξα διοδεῖ ταύτης ἐκθύμως ὀρέγεσθαι. καὶ ὅτι οὐδὲν τῶν ὄντων ἢ παῤ ἡμῖν γινομένων ταύτης ἀντάξιον.

ζ̃. 19 об. — 24 об. Ὅτι πολλάκις αἱ τῶν ἐναρέτων ψυχαὶ, ἐν τῶ θανάτω θεία τινὶ ἐπισκιάσει παρακαλούμεναι, οὕτω τοῦ σώματος διαζεύγνυνται.

η̃. 24 об. — 30. Περὶ τῶν ἐκλιπόντων καὶ πάλιν ὑποστρεφόντων. ὅτι κατὰ θείαν οἰκονομίαν τοῦτο γίνεται. καὶ ὅτι πολλάκις οἱ ἁμαρτωλοὶ ἔτι ἐμπνέοντες τὰ ἐν ἁδου ὁρῶντες δικαιωτήρια καὶ τοὺς δαίμονας τρέμουσι. καὶ οὕτω τοῦ σώματος διαζεύγνυναι.

θ̃. л. 30 — 36 об. Ἀπόδειξις περι τοῦ ποῦ αἱ τῶν τελευτώντων ψυχαὶ ἀπέρχονται. καὶ πῶς ἐισὶ μετὰ τὴν διαζευξιν:·

ι̃. л. 36 об. — 38. об. Περὶ τοῦ ὅτι μετὰ τὴν ἔξοδον ἡ ψυχὴ φοβερὰν ἐν τῶ ἀερὶ τὴν δεέτασιν δέχεται τῶν πονηρῶν πν̄ων. ἀπαντώντων αὐτῆ καὶ κωλιόντων τὴν ἄνοδον.

ια̃. л. 38 об.—41 об. Περὶ τοῦ ὅτι μετὰ θάνατον πάντες πάντας ἀλλήλους ἐπιγινώσκουσι. καὶ ὅτι μετὰ τῶν οἱ ὅμοιων οἱ ὅμοιοι κατάττονται...

ιβ̃. 41 об. — 46. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τοὺς θεοφιλεῖς τῶν γονέων χαίρειν καὶ εὐχαριστεῖν ἐπὶ τοῖς πειρασμοῖς τῶν τέκνων τοῖς διὰ κν̄. ἔτι δὲ πρὸς τοὺς τούτω παῖδας, ἐπὶ τοὺς δὶ ἀρετὴν ἀγῶνας, καὶ τοὺς κινδύνους.

ιγ̃. 46 — 50. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τὸν ἀποτασσόμενον ξενιτεῦσαι. καὶ τίς ἡ ἐν λόγω ξενιτεία. καὶ ἡ ἐκ ταύτης ὠφέλεια. καὶ ποῖοι τῶν τόπων πρὸς ἄσκησιν ἐπιτήδειοι.

ιδ̃. 50. Πόθεν ὁ ἐις θν̄ φόβος καὶ ἡ ἀγάπη καταρχὰς τῷ ἀν̄ω γίνεται. καὶ ἐπὶ πόσον ὀφείλεται.

ιε̃. 50—55. Περὶ τοῦ ὅτι τοῖς ἀποταξαμένοις ἀναγκαῖον, τὸ μὴ συμμῖγνῦσθαι τοῖς κατὰ σάρκα συγγενέσιν. ἢ προσπαθῶς ἐις αὐτοὺς ἔχειν.

ις̃. 55 и об. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ ἐπίσης τῶν λοιπῶν ἀδελφῶν ἀγαπᾶν καὶ τοὺς σαρκικοὺς συγγενεῖς. ἐι τὴν αὐτὴν κἀκεῖνοι πολιτείαν μειτέρχονται. ἐι δὲ τὴν ἐναντίαν ὡς βλαπτικοὺς αὐτοὺς ἀποτρέφεσθαι.

ιζ̃. 55 об. — 57. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ ἀποτασσόμενον γυμνωθῆναι πάντων. καὶ πῶς δεῖ ὅϊοικεῖν τὰ αὐτῷ ἐπιβάλλοντα καὶ ὅτι τοῖς ἐν τῷ κοινοβίω ἰδιόκτητον πραφαν. ὄλεθρον.

ιη̃. 57—59 об. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τὸν σωθῆναι βουλόμενον, τὰς τῶν ἐναρετων συντυχίας μεταδιώκειν ὡς πάνῦ ὠφελιμους, ἐπερωτᾶν τὲ αὐτοὺς καὶ μανθάνειν παῤ αὐτῶν τὰ σῴια μετ᾽ ἐπιθυμίας σφοδρᾶς καὶ πόθου ζέοντος.

ιθ̃. 59 об. — 61 об. Ὅτι ἀναγκαῖα ἡ ὑποταγὴ. καὶ τίς ἐκ ταύτης ὠφέλεια καὶ πῶς κατορθοῦται.

κ 61 οβ. — 70. Περὶ τοῦ ὅτι οὐ δεῖ ἑαυτῷ ἔγ τινι καταπιστεύειν, ἀλλὰ τῆς τῶν πρώτων συμβουλίας μετέχειν πάντα. καὶ τὰ τῆς καρδίας ἀπόρητα ἐξαγορεύοντα καὶ μηδὲν ἀποκρύπτοντα.

κα. 70—78. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τοῖς δια...κοῖς τῶν... τοὺς λογισμοὺς ἀνατίθεσθαι. καὶ μὴ τοῖς τυχοῦσι καταπιστεύειν. καὶ πῶς δεῖ δὲ ἀγορεύειν καὶ ἐρωτᾶν. καὶ ποταπῇ πίστει, τὰς ἀποκρίσεις τῶν πατέρων δέχεσθαι, καὶ ὅτι δεῖ αὐτοῖς συνεργεῖν.

κβ. 78—83. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ ἐκτρέπεσθαι τὰς συντυχίας τῶν ἀπροσυχῶν ἀνῶν, καὶ τοὺς θορύβους. καὶ ὅτι ἀναγκαῖα, ἡ ἐκ τῶν κοσμικῶν ἀλλοτρίωσις τὸ σωθῆναι θέλοντι.

κγ. 83—84 οβ. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ πάντων τῶν βλαπτόντων ἀφίστασαι. κἂν φίλοι ὦσιν, ἢ ἄλλως ἀναγκαιότατοι.

κδ. 84 οβ. — 87 οβ. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τὸν ἀποταξάμενον, μὴ ἐμπλέκεσθαι βιωτικαῖς διοικήσεσι, κἂν τί εὔλογον ἔχειν δοκοῦσιν, ἀλλὰ τῇ προνοίᾳ καὶ περὶ τούτων παραχωρεῖν.

κε. 87 οβ. — 90 οβ. Περὶ τοῦ ὅτι εὐχερὲς ἡ κακία. καὶ πολλοὶ οἱ ταύτην αἱρούμενοι καὶ μάλιστα νῦν. ἔγκοπος δὲ ἡ ἀρετὴ. καὶ ὀλίγοι οἱ αὐτὴν μετερχόμενοι. ἃς δεῖ καὶ ζηλοῦν. τῆς δὲ πολλῆς μὴ προσέχειν.

κς. 90 οβ. — 99. Περὶ τοῦ ὅτι τοὺς προσίοντας τῇ μοναδικῇ πολιτείᾳ μετὰ πολλῆς δοκιμασίας δεῖ δέχεσθαι. οἱ γὰρ μετὰ δοκιμασίαν εἰσδεχθέντες, ὡς ἐπὶ τὸ πλεῖστον καὶ δοκιμότατοι. ἀποβαίνουσι. τίνα τε αὐτοῖς δεῖ ἐπιτρέπειν.

κζ. 99 — 101 οβ. Περὶ τοῦ ὅτι καὶ αἱ περιστατικαὶ ἀποταγαὶ, οὐ πάντῃ ἀπόβλητοι, καὶ ὅτι πάντα τὸν προσίοντα τῷ κοινοβίῳ. καὶ τὴν μετὰ τῶν ἀδελφῶν οἴκησιν θερμῶς ἐξετουμένην, οὐ δεῖ παρ' εὐθὺ παντελῶς ἀποπέμπεσθαι, πρὸ τῆς ἀκριβοῦς κατ' αὐτὸν διαγνώσεως. ἀλλὰ παραιτεῖσθαι μὲν ποσῶ, καὶ δοκιμάζειν κατὰ τὰ προγραφέντα ἐμμένουτα δὲ τῇ προθέσει καὶ μετὰ τὴν δοκιμασίαν παραδέχεσθαι. εἰ μήτι. ἕτερον ἀπηγορευόμενον τοῖς θείοις νόμοις παρακολουθεῖ τῷ πράγματι.

κη. 101 οβ. — 106. Περὶ τοῦ πόθου ἄρχεσθαι τῆς ἀσκήσεως. καὶ ὅτι τοῖς ἀρχομένοις, ὑπομονῆς χρείαν καὶ βίαν ὡς τῆς ἀρετῆς ἐξ ἀρχῆς μὲν. τραχεῖαν εἶναι δοκούσης. διὰ τὰ πάθη καὶ τὰς προλήψεις, ὕστερον δὲ καὶ πάνυ λείαν εὑρισκομένης καὶ ὅτι ἡ στερρὰ ἀρχὴ, λυσιτελεῖ τὰ μέγιστα καὶ ὅτι ἀδύνατον ἀκολουθῆσαι χῷ, ἢ ἀρετὴν τίνα κατορθῶσαι, τὸν μὴ ἑαυτὸν εἰς θάνατον προετοιμάσαντα.

κθ. 106 — 111. Περὶ τοῦ ὅτι τῷ ἀγωνιζομένῳ ἰσχυρῶς καὶ οἱ δαίμονες πολεμουσι τῶν δὲ ἀμελούντων ὡς ὑποχειρίων αὐτοῖς. ἀμελοῦσι. καὶ ὅτι οἱ τὸ ἀγαθὸν θέλοντες. συνεργὸν εὑρίσκουσι τὸν Θν. οἳ καὶ τοὺς πολέμους σὺγχωρεῖ συμφέροντες.

λ. 111 — 114. Περὶ τοῦ ὅτι οὐ δεῖ εἰς πάντα ἃ πταίομεν, τοὺς δαίμονας αἰτιᾶσθαι. ἀλλ' ἑαυτοὺς τοὺς γὰρ προσύχοντας, οὐδὲν οἱ δαίμονες βλάψαι δύνανται, μεγάλης οὔσης τῆς παρὰ Θῦ βοηθείας. καὶ ὅτι πρὸς τὴν δύναμιν τῶν ἀνθρώπων. καὶ ὁ Θς συγχωρεῖ πολέμους.

λα. 114 — 116. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τὸν τῇ ἀσκήσει προσελθόντα μετὰ τὸ ἱκανῶς ἐγγυμνασθῆναι ταῖς ἀρεταῖς, τότε τὰ τῶν μοναχῶν ἀμφιέννυσθαι καὶ τὸ ψυχωφελὲς καὶ σωτήριον: —

λβ. 116 — 123 οβ. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν πρέποντα βίον τῷ σχήματι, ἐπιδείκνυσθαι. ὁ γὰρ μὴ κατὰ τὸ σχῆμα πολιτευόμενος, οὐ μοναχός. καὶ ὅτι οὐκ ἐκ τοῦ χρόνου, ἀλλ' ἐκ τοῦ τρόπου τὸ κατὰ Θν γῆρας χαρακτηρίζεται.

λγ. 123 οβ. — 131. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τὸν μαθητὴν τὰ παρὰ τοῦ διδασκάλου καταδέχεσθαι προθύμως ὡς συμφέροντα, κἂν λύπηρὰ ᾖ καὶ ἐπώδυνα. πρὸς γὰρ τὸν σκοπὸν αὐτοῦ καὶ τὰς θλίψεις. καὶ τὸ παρὰ Θῦ ἔλεος δίδοται.

λδ. 131 — 133 οβ. Ὅτι δεῖ καὶ μέχρι θανάτου τοῖς ἐν κῷ προεστῶσι πείθεσθαι. καὶ ἀγαπᾶν τε αὐτοὺς καὶ φοβεῖσθαι.

λε. 133 οβ. — 138. Ὅτι δεῖ ἐν ἁπλότητι ὑποτάσσεσθαι τοῖς ἐν κῷ προεστῶσι. καὶ τὰς αὐτῶν κρίσεις ὡς ἐκ Θῦ ἀβασανίστως δέχεσθαι. καὶ μὴ ἀνακρίνειν αὐτὰς ἢ ἐπὶ διορθοῦν. καὶ οὐ συμφερόντως ἴσως πρὸς τὸ παρὸν φαίνονται.

λς. 138 οβ. Τί τὸ κρίμα, τῆς πρὸς τοὺς ἐν κῷ διδασκάλους ἀπειθείας καὶ τοῦ γογγυσμοῦ. καὶ ὅτι οὐ δεῖ τὸν ὑποτακτικὸν ἀντιλέγειν ὅλως ἢ δικαιολογεῖσαι. ἀλλ' ἐν πᾶσιν ἀνθίστασθαι τῷ ἰδίῳ θελήματι, καὶ ἀγαπᾶν τὸν ἔλεγχον καὶ μὴ μισεῖν.

λζ. 138 οβ. — 141. Ὅτι οὐ δεῖ τὸν διδάσκαλον κατακρίνειν, κἄντινα ἐναντία ἴσως ὧν διδάσκει ποιῇ. καὶ γὰρ πολλοὶ μαθηταὶ ἀμελέσι διδασκάλοις ἐμπιστευθέντες καὶ μὴ κατακρίνοντες αὐτοὺς ἀλλ' ἐν κῷ ὑποτασσόμενοι, αὐτοὶ μὲν ἐσώθησαν. πολλακις δε καὶ τοῖς διδασκάλοις σωτηρίας γεγόνασι αἴτιοι.

λη. 141 — 144. Περὶ τοῦ ὅτι τοὺς προσέχοντας ἑαυτοῖς καὶ τῇ προνοίᾳ τῇ τοῦ θῦ, ἡ χάρις πολλάκις. καὶ διὰ ἰδιωτῶν καὶ ἀγνώστων διδάσκει τὰ δέοντα. καὶ ὅτι οἱ ταπεινόφρονες καὶ παρὰ τῶν τυχόντων μανθάνειν οὐ παραιτοῦνται.

ϡϑ. 144—150 οβ. Περὶ τοῦ ὅτι δεῖ τὸν μαθητὴν, τῇ ἑαυτῷ θαρρεῖν. ἀλλὰ πιστεύειν ὡς διὰ τοῦ διδασκάλου καὶ σώζεται καὶ δυναμοῦται εἰς πᾶν ἀγαθὸν. καὶ τὰς αὐτοῦ ἐπικαλεῖσθαι εὐχάς.

ϡμ. 150 οβ. — 164. Ὅτι οὐ δεῖ τινὰ εὐμετάβατον εἶναι, ἢ τῆς μονῆς ἀναχωρῆσαι ἐν ᾗ τελειωθῆναι τῷ θῷ συνετάξατο. οἱ γὰρ πρῶς, οὐ δὲ τῆς κέλλης εὐχρεῶς ἀπανίσταντο ἐν ᾗ καὶ ᾗ τὴν τυχοῦσαν εὗρεν ὠφελειαν σϑ.

ϡμα. 164—169 οβ. Ὅτι τοῖς ἀγυμνάστοις τὸ ἀφιδιάζειν ἐπι κίνδυνον.

ϡμβ. 169 οβ. — 174 οβ. Ὅτι οὐ δεῖ ἐριστικῶς ἀντιλέγειν, αὐδ' ἐνς αὐτῷ τοῖς δοκοῦσιν εἶναι καλοῖς. ἀλλὰ τῷ πλησίον διὰ τὸν θν ὑποτάσσεσθαι κατὰ πάντα.

ϡμγ. 174 οβ. — 175 οβ. Ὅτι πάντα τα γινόμενα δικαιοσύνη θῦ γίνεται. διὸ δεῖ τὸν πιστὸν τῇ προνοία ἀεὶ ὀκολουθεῖν. καὶ μὴ τὸ οἰκεῖον ἐπιζητεῖν θέλημα. ἀλλὰ τὸ τοῦ θῦ. ὁ γὰρ οὕτω πάντα ποιῶν ἢ δεχόμενος, ἀναπάυεται.

ϡμδ. 175 οβ. — 179. Ὅτι ἡ ταπεινοφροσύνη τοῖς δαίμοσιν ἀνάλωτος ὅλως ἐστὶ. καὶ τίς ἡ τῆς ταπεινοφροσύνης γένεσις. καὶ τίς ἡ δύναμις καὶ ὅτι ὑπὲρ πάσας τὰς ἀρετὰς, ἡ ταπείνωσις καὶ μόνη συντόμως σώζει τὸν ἄνθρωπον.

ϡμε. 179 — 191 οβ. Ὅτι ἴδιον ταπεινόφρονος δεῖ ἡγεῖσθαι τὰ παρ' αὐτοῦ γινόμενα ἀγαθὰ, ὅσα καὶ οἷα ἂν ᾖ. καὶ τίνα τὰ τῆς παπεινοφροσύνης ἰδιώματα καὶ τινες οἱ ταύτης καρποί.

ϡμϛ. 191 οβ. — 193. Περὶ τοῦ τί τὸ κέρδος ἐκ τοῦ ἑαυτὸν μέμψεσθαι.

ϡμζ. 193. 194. Ὅτι οὐ δεῖ τιμὴν ζητεῖν, ἢ πρωτείων ἐφίεσθαι τὰ γὰρ παρὰ τοῖς ἀνθρώποις τίμια, παρὰ τῷ θῷ βδέλλυκτα εἰσιν.

ϡμη. 194 οβ. — 196. Περὶ τοῦ πῶς δεῖ. καὶ μέχρι τινος κεχρῆσθαι τοῖς πρὸς τὴν σκέπην τοῦ σώματος. καὶ πῶς οἱ πρῶς ἠγάπων κἀν τοῖς ἐνδύμασι τὴν εὐτέλειαν. ἣν ἐν πᾶσι τὸν μοναχὸν δεῖ ἀσπάζεσθαι.

ϡν. 196 οβ. Ὅτι οὐ δεῖ πρὸς τέρψιν. ἢ κατὰ προσπάθειαν τί ποιεῖν.

ϡν. 197 οβ. Ἐκ τῆς ὑποθέσεως τῆς. ϡξ. Ὅτι τοῖς ἐφιεμένοις τῆς τελειότητος.

ϡν. 197 οβ. Ἐκ τῆς ὑποθέσεως τῆς. ϡξ. τῆς. ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν μακρόθυμεῖν. (— ον).

ϡν. 198 — 202. Ἐκ τῆς ὑποθέσεως τῆς. ϡμ. τῆς ὅτι δεῖ καὶ τοὺς ἐχθροὺς ἀγαπᾶν λεγούσης.

ϡν. 203 204 οβ. Πίναξ δεύτερος τοῦ δευτέρου βίβλίου τοῦ εὐεργετῖνε.

ϡα. 205—215 οβ. Ὅτι οἱ εὐτελίζοντες ἑαυτοὺς, ἔντιμοι εἰσὶ παρὰ τῷ θῷ.

ϡβ. ϡν. 215 οβ. — 228. Ὅτι ἡ μὲν ἐξουδένωσις, τὴν ταπείνωσιν. ἡ δὲ τιμὴ τὴν ὑπερηφανίαν προξενεῖν πέφυκε. διὸ καὶ οἱ ταπεινόφρονες ἐξουδενωμένοι. χαίρουσι. τιμώμενοι δὲ λυποῦνται.

ϡγ. ϡν. 228 — 233 οβ. Ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν ἀργὸν εἶναι. ἀλλὰ καὶ σωματικῶς ἐργαζεσθαι. καὶ ὅτι ἡ ἀργία πολλῶν αἰτία κακῶν.

ϡδ. ϡν. 233 οβ. — 235. Ποίω σκοπῷ τὸν μοναχὸν δεῖ ἐργάζεσθαι. καὶ ἐπὶ πόσον καὶ τίνα ἔργα ἐπιτηδεύειν.

ϡε. ϡν. 235 οβ. Τίνα δεῖ τηρεῖν τοὺς ἀδελφοὺς συνεργουμένους ἀλλήλους.

ϡϛ. ϡν. 235 οβ. — 229 οβ. Ὅτι οἱ ἐν τῷ κοινοβίω, οὐ δεῖ τινὰ ἴδιον τι κεκτῆσθαι. τῷ δὲ κτησαμενω βαρυτάτη ἐπήρτηται κόλασις.

ϡζ. ϡν. 239 οβ. — 243 οβ. Ὅτι ὁ τῶν τῇ μονῇ διαφερόντων πραγμάτων καταπροδιδοὺς τί ἢ ὑφαιρούμενος μεγάλα εἰς θν ἁμαρτάνει καὶ μείζονα κολασθήσεται. διὸ δεῖ αὐτῶν ὡς ἀφιερωμένων θῷ, σφοδρα ἐπιμελεῖσθαι. καὶ μὴ δὲ τῶν εὐτελεστάτων καταφρονεῖν. καὶ ὅτι ἐν πᾶσι βλαβερὰ ἡ ἀμέλεια.

ϡη. ϡν. 243 οβ.—246 οβ. Μετὰ ποίας διαθέσεως δεῖ διακονεῖν ἢ διακονεῖσθαι. καὶ τί τὸ ἐκ τῆς διακονίας κερδος

ϡθ. ϡν. 246 οβ. καὶ 247 οβ. Πότε καὶ παρὰ τίσιν διακονία προτιμητέα τῆς προσευχῆς.

ϡι. ϡν. 247 οβ. — 252 οβ. Ὅτι δεῖ σπουδαίως ἐις τὴν προσευχὴν διανίστασθαι. καὶ ὑπομονητικῶς προσεδρέυειν αὐτῇ. πόθεν τὲ καὶ διὰ τί αἱ κατὰ τὰς τεταγμένας ὥρας προσευχαὶ ἀρχῆθεν ἐτάχθησαν. καὶ ὅτι οὐ δεῖ τούτων καταμελεῖν.

ρα. ϡν. 252 οβ. — 257. Περὶ ψαλμωδίας καὶ προσευχῆς καὶ τῆς ἐν αὐταῖς εὐταξίας.

ρβ. ϡν. 257. 258 οβ. Ὅτι δεῖ τοὺς ἐπὶ ταῖς θείαις συνάξεσιν ἀργολογοῦντας ἢ ὅλως κοινογουμένους πρὸς ἀλλήλους, ἐπιτιμᾶν. καὶ ἐμὴ διορθώσωνται, ἐξωθεῖν τῆς ἐκκλησίας αὐστηρία.

ργ. ϡν. 258 οβ. — 260. Ὅτι δεῖ ἐν παντὶ καιρῷ ἀγρυπνεῖν. καὶ τοσοῦτον ὑπνοῦν ὅσον τὸ σῶμα διακρατεῖν. καὶ ὅτι τοὺς ἀρχομένους τῆς ἀσκήσεως, δεῖ καὶ δι' ἐπινοιῶν τινῶν ἐθίζειν τῇ ἀγρυπνίαν.

ρδ. ϡν. 260 οβ. — 268 οβ. Ὅτι δεῖ τὸν ἀσκητὴν, μὴ δέποτε τῆς ἀσκήσεως ἐνδιδόναι. ἀλλ' ἐξ ὅλης τῆς ἰσχύος ἀεὶ ἀγωνίζεσθαι.

ρε. ϡν. 268 οβ. 269. Περὶ φιλαυτίας.

ιϛ. 269 — 272 οβ. Τίς ἡ ἐκ τῆς ἐγκρατείας ὠφέλεια. καὶ τίς ἡ ἐκ τῆς ἀκρασίας βλάβη. καὶ τίς ὁ ἐκ τῆς ἀμετρίας τοῦ οἴνου ὄλεθρος.

ιζ. 272 οβ.—274 οβ. Πῶς οἱ πρ̄ες τὴν νηστείαν ἠγάπησαν. καὶ κατώρθωσαν. καὶ μέχρι τινος καὶ ἐις ταύτην ἐχρῶντο τῇ ἀκριβεία.

ιη. λ. 274 οβ. — 278 οβ. Πράξεις διάφοροι πρῶν ἁγίων εἰς ὑπομονὴν διεγείρουσαι, τὴν ἡμετέραν ἀσθένειαν. καὶ τῇ ὑπερβολῇ διδάσκουσαι ἡμᾶς τὴν ταπείνωσιν.

ιθ. λ. 279—284 οβ. Πῶς δεῖ προνοεῖσθαι τοῦ σώματος. καὶ τίς ἡ κατὰ λόγος ἄσκησις καὶ ἐγκράτεια.

κ 284 οβ. 285 οβ. Πῶς δεῖ τὸν θεοφιλῆ ἑορτάζειν. καὶ τίς κάν ταῖς ἑορταῖς τῶν πατέρων ἡ δίαιτα.

κα. λ. 285 οβ. 286. Ὅτι μέγα κακὸν ἡ λαθροφαγία. διὸ καὶ μόνη δύναται τὸν μοναχὸν ἀπολέσαι.

κβ. λ. 286 287 οβ. Ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν. ἅπαξ τῆς ἡμέρας ἐσθίειν. καὶ τοῦτο μετὰ τὴν ἑνάτην. ἡ πρὸς ἑσπέραν ἐι φροντίζει τῆς ἀκριβείας ἣν οἱ πρ̄ες πάντες ὁ φύλαττον, οὐ μόνον οἱ ἐν ἡσυχία. ἀλλὰ καὶ τῶν ἐν κοινοβίοις οἱ πλείονες.

κγ. 287 οβ. — 290. Ὅτι δεῖ δὶ ἡδονὴν. ἀλλὰ πρὸς χρείαν ἐσθίειν, καὶ ὅτι ὁ μὴ πρὸς ἡδονὴν ἐσθίων, κἂν ἡδέα τὰ βρώματα ἦ. οὐδὲν ζημιοῦται.

κδ. 290 — 293. Πῶς δεῖ. καὶ ποίω σκοπῶ τὸν μοναχὸν ἐν τῇ τραπέζῃ καθέζεσθαι, καὶ τῶν παρατιθεμένων ἐφάπτεσθαι. καὶ τινα τηρεῖν καὶ μετὰ τὴν τράπεζαν.

κε. 293 294 οβ. Περὶ βρώσεως καὶ πόσεως. καὶ πότε καὶ πῶς. καὶ τίνων δεῖ ἀπέχειν ἢ ἅπτεσθαι.

κϛ. 294 οβ. — 300. Τίς ἡ διαφορὰ τοῦ τῆς πορνείας πολέμου. καὶ πῶς δεῖ κατ̄ αὐτοῦ ἐγωνίζεσθαι.

κζ. 300 — 304. Ὅτι τελείως τοῦ τῆς πορνείας πολέμου οὐκ ἔστιν ἄλλως ἀπαλλαγῆναι. ἐιμὴ ἐκ τῆς τοῦ θ̄υ βοηθείας. ἢ τοῖς ἀγωνιζομένοις ἐπακολουθεῖ. καὶ τίς ἡ τελεία ἀγνεία.

κη. 304—305 οβ. Τίς ἡ τιμὴ τῆς ἁγνείας. καὶ τίς ἡ τῆς πορνείας ἀτιμία. καὶ ἑκατέρων τὰ τέλη καὶ ἀνταποδόματα καὶ νῦν καὶ ἐν τῷ μέλλοντι.

κθ. 305 οβ. — 316. Ὅτι καὶ τὸ τοὺς αἰσχροὺς λογισμοὺς παραδέχεσθαι. καὶ μὴ εὐθέως ἀποκρούεσθαι. ὁμοίως καὶ τὸ περιέργως βλέπειν. καὶ τὸ αἰσχρὰ λαλεῖν ἢ ἀκούειν, ὑπο τιμορίαν ἐστίν. ἡ δὲ συγκατάθεσις, ἐπίσης τῇ πράζει κολάζεται. καὶ ὅτι διὰ πολλῶν καὶ ποικιλῶν μεθοδειῶν, τὸ πνεῦμα τῆς πορνείας προσβάλλει. διὸ καὶ προσεκτέον ἀεὶ.

λ. 316— 326. Ὅτι δεῖ καὶ τὰς τῶν γυναικῶν ὁμιλίας ἐκτρέπεσθαι. καὶ τῶν λοιπῶν πραγμάτων, τῶν τὴν ἐπιθυμίαν ἐρεθιζόντων.

λα. 326—327. Ὅτι οὐ δεῖ τὸν μοναχὸν ἀνέχεσθαι ὅλως ἀκούειν αὐλοῦ ἢ κιθάρας. ἢ τινὸς ἄλλου μέλους θ̄υ μελικοῦ. ἀλλ̄ ὡς ὀλέθρια ταῦτα φεύγειν. ἐν ᾧ καὶ ὅτι ἐκ διαφόρων αἰτιῶν ὁ ἐνυπνιασμὸς γίνεται.

λβ. 327—338 οβ. Ὅτι μεγίστη ἡ τοῦ πένθους ἐργασία. καὶ ποσαχῶς τὸ πένθος. καὶ τίς ἡ διαφορὰ τῶν δακρύων.

λγ. 338 οβ. — 340 οβ. Ὅτι ἐν τῷ τέλει τῆς ζωῆς, σφοδρότερον τῷ ἀν̄ω οἱ δαίμονες ἐπιτίθενται. διὸ προσεκτέον τὰ μαλιστα.

λδ. 340 οβ. — 342. Ὅτι οὐδὲν οὕτω τῷ μοναχῷ ἀνοίκειον ὡς ἡ παρρησία. καὶ ὁ γέλως. ἐν ᾧ καὶ περὶ εὐλαβείας. καὶ τίνα ταύτης τὰ ἰδιώματα.

λε. 342—347. Ὅτι οὐ δεῖ τὸν μοναχὸν ὅλως θύμουσθαι εἰς ἄνθρωπον. ἢ κραυγάζειν. καὶ τῆς ἡ τοῦ θ̄υ μοῦ γένεσις. καὶ τίς ἡ θεραπεία.

λϛ. 347 и οβ. Ὅτι τοῖς ἐφιεμένοις τῆς τελειότητος, τὸ ταραχθῆναι ὅλως τὴν καρδίαν πρὸς τὸν ἀδικοῦντα ἢ ὑβρίζοντα, οὐκ ἀν εὐθυνον φαίνεται.

λζ. 347 οβ.—355. Ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν μακρόθυμον εἶναι τοῖς εἰς αὐτὸν πταίουσι. καὶ τοῖς ἀδικοῦσι μὴ ἐπεξέρχεσθαι.

λη. 355 — 361 οβ. Ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν οὐ μόνον τοὺς ἀδικοῦντας μὴ ἀμύνεσθαι. ἀλλὰ καὶ μακροθύμως τὴν ἀδικίαν ὑφίστασθαι. καὶ τῇ ἀνεξικακία ἐντρέπειν αὐτοὺς

λθ. 361 οβ. — 363 οβ. Ὅτι τοῖς εὐχαρίστως τὴν ἀδικίαν ὑπομένουσι καὶ μὴ ἑαυτοὺς ἐκδικοῦσιν, ὁ θ̄ς ἔκδικος γίνεται, καὶ μείζοσι πολλάκις αὐτοὺς ἀμείβεται, ὧν ἠδικήθησαν.

μ. 363 οβ. — 367 οβ. Ὅτι δεῖ καὶ τοὺς ἐχθροὺς ἀγαπᾶν, ὡς τὰ μεγάλα ὠφελοῦντας. καὶ εὐεργετεῖν. καὶ εὔχεσθαι αὐτοῖς τὰ σωτήρια.

μα. 367 οβ. 368 οβ. Ὅτι οὐ δεῖ τινὰ ἄνθρωπον μισεῖν.

мв. 368 об. — 371 об. Ὅτι ὀλέθριον ἡ μνησικακία ὡς μη μόνον πᾶσαν ἐργασίαν πνικὴν. ἀχρειοῦν. ἀλλὰ καὶ τὴν τοῦ θυ ἀποστρέφον συμπαθείαν.

мг. л. 371 об. 372 об. Ὅτι οὐ δεῖ τινὶ ἐπαρᾶσθαι.

мд. 372 об. 373 об. Ὅτι οὐ δεῖ μόνον μὴ ὑβρίζειν τινὰ, ἀλλὰ καὶ τοὺς ὑβρίζοντας εὐλογεῖν. καὶ οὕτω κατασέλλειν αὐτῶν τὸν θυμὸν.

ме. 373 об. 374 об. Ὅτι οὐ δεῖ ψεύδεσθαι ἀλλ' ἀληθεύειν.

мс. 374 об. — 378. Ὅτι μέγα τῆς συκοφαντίας ἁμάρτημα. καὶ ὅτι πρὸς δόξαν τῶν συκοφαντουμένων ἐι ὑπομένουσιν εὐχαρίστως, τοῖς συκοφάνταις καὶ ἐνταῦθα πολλάκις ἡ παρὰ θυ τιμωρία ἐπέρχεται.

мз. 378 — 381 об. Περὶ λόγου καὶ σιωπῆς. καὶ πῶς δεῖ καὶ πότε τούτοις χρῆσθαι. καὶ ὅτι τὸ ἀργολογεῖν οὐκ ἀνέγκλητον.

ми. 381 об. — 382. Ὅτι καὶ τὸ ὁπλῶς ὀμνύειν ἐφάμαρτον. ἡ δὲ ἐπιορκία ἀπαραίτητον ἔχει τὴν κόλασιν. καὶ ὅτι τὸν ἐπ' ἀθετήσει ἐντολῆς θυ ἐκ προπετείας γενόμενον ὅρκον, ἀναλύειν δεῖ. ἢ μετανοεῖν ἐπ' αυτῷ.

мф. 382—385 об. Ὅτι δεῖ οὐ μόνον μὴ καταλαλεῖν, ἀλλὸ μὴ δὲ τοῦ καταλοῦντος ἀνέχεσθαι μὴ δὲ ψιθυριζειν ἢ γογγύζειν.

н. 385 об. — Πῶς δεῖ τοὺς συνόντας ἀδελφοὺς διορθοῦσθαι ἀλλήλους. ἔν τισι σφαλλομενους. καὶ πότε μὲν καὶ ἐν ποίοις σφάλμασι χρὴ σιωπᾶν. πότε δὲ καὶ ἐν ποίοις λαλεῖν. καὶ μὴ ἀποκρύπτειν.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ [1])

гг. Ὑποθεσις βιβλιον. г.

Ἀντιόχου τοῦ πανδέκτου: Περὶ ἀκηδίας. Ὁ τῆς ἀκηδίας δαίμων, δεινὸς λίαν ἐστὶν καὶ βαρύτατος. ὅστις περὶ ὥραν ἕκτην ἐμπίπτει τῷ μοναχῷ. ἀγωνίαν αὐτῷ ἐμποιῶν. καὶ ἀπεχθῶς ἔχειν πρὸς τὸν τόπον. μᾶλλον δὲ καὶ τοὺς σϋνδια τρίβοντας ἀδελφοὺς. καὶ πρὸς πᾶν ἔργον. καὶ πρὸς αὐτὴν τὴν ἀνάγνωσιν τῆς θειας γραφῆς. ἀναγινώσκων δὲ, χασμᾶται πολλὰ καὶ πρὸς ὕπνον καταφέρεται. εὐχερῶς. τρῖβει τὰς ὄψεις και διατείνει τὰς χεῖρας. καὶ τοῦ βιβλίου τοὺς ὀφθαλμοὺς ἀποστήσας, ἐνατενίζει τῷ τοίχω. πάλιν ἐπιστρέψας, ἀναγινώσκει μϊκρὸν. καὶ ἀναπτύσσων, τὰς ἀρχὰς καὶ τὰ τέλη τῶν λόγων περιεργάζεται. ἀρῖθμοῖ τὰ φύλλα. καὶ τὰς τετράδας ἐπιψηφίζει. ψέγει ἢ ἐπαινεῖ τὸ γράμμα καὶ τὴν κόσμησιν τοῦ βιβλίου. ὕστερον δὲ πτύξας αὐτὸ, ὑπέθηκε τῇ κεφαλῇ καὶ καθεύδει ὕπνον οὐ πάνυ βαθὺν. ἡ γὰρ πεῖνα ἦν ἡ ἀκηδία αὐτῷ προξενεῖ, διεγείρει αὐτοῦ τὴν ψϋχὴν καὶ οὐκ ἐαυτὸν καθεύδειν ἐπὶ πολὺ. μετὰ μικρὸν οὖν ἀναστὰς, τὴν ὥραν καταμανθάνει. τῇ τοῦ ἡλίου ἀκτῖνι ἐνατινίζων πϋκνῶς. καὶ τὸν καιρὸν τῆς ἑστιασέως προσδεχόμενος, ἑστῶτα ἔχει τὰ ὦτα πότε ἀκούσει τοῦ σημαντηροσ τοῦ καλοῦντοσ ἐπὶ τὴν τράπεζαν. καὶ ἀκούσας, εὐπρόθϋμοσ γίνεται. καὶ εὖγε εὖγε τῇ καρδία ἐπιφωνεῖ. ἀκηδιαστὴς μοναχὸς, εἰσ διακονίαν ὀξὺσ. καὶ ἐντολὴν λογίζεται, τὴν τοῦ πάθουσ πληροφορίαν ὁ ἀσθενῶν, οὐκ ἀρκεῖται τροφῇ μιᾷ. καὶ ἀκηδιαστὴς μοναχὸς, οὐκ ἐμμένει ἔργω. ἑνὶ. ἀλλὰ μεταβαίνει σϋνεχῶς ἐκ τούτου εἰσ ἐκεῖνο. καὶ ἐξ ἐκείνου, πάλιν εἰσ ἄλλο, πᾶσιν ἐπιχειρεῖ, καὶ πᾶσι δϋσαρεστεῖ. καὶ οὐ δὲ ἓν τελειοῖ. ἀσθενούντων ἐπισκέψεισ. ἢ ἀδελφῶν πνικῶν ὁμιλίασ ἢ μνείασ ἁγίων καὶ πανηγύρεισ προβάλλεται. ὁ ἀκηδιαστὴς, πληροφορεῖ δὲ τὸν ἴδιον σκοπὸν. νεφέλη ἄνϋδροσ,

О оуныніи.

Лютын сьн. оуныньнъ бѣсъ и съпоспѣшьникъ. и сѫпражьникъ єстъ дхомоу печали. и зѣло тажькъ (нже) въ шестын часъ нападаѥтъ (черноризцѣи) тѫжѧ ѥмоу творѧ. и ненависть имѣти на мѣстѣ (паѵеже и нажикоуѭи с ними братѣхъ. и на всемь дѣлѣ.) и на бжьствьнѣхъ кънигахъ скарѣдніе (и) зѣанніе (знанніе) часто творить. (к снмъ и) алчь (—че) мъногъ (—го) подаѥтъ. и сѣмо и онамо обращающасѧ. жьдѫштаго да кстн мало. и къзъмъ кънигы поучитъ мало. и пакы положить ѧ. научѣѥть трѣти оун. (и wконцѧ кзирати и пакы мало прочитати. и потомъ чистн тетрадн. и начатъ искати главъ книжныхъ. конѣчнѥе же сѣгнувъ книгы спить. мало же сна прнимъ. пакы къстанѥть оуже и все творить. хотѧ погубити часы. когда оуслышить) клеванніе обѣда. (слышавъ же благородрєнъ будѣ) обрѣтаѥтъ бо сѧ и на слоужбѣ быстры. и заповѣдь помышлѧѥтъ своє изкѣстованіе (проѵее же) бѣсъ сь оуныниѧ. вложить кънь мысли прѣселенїѧ. (и ако аще да не прииндеть на мѣста дроугаѧ) вьсе лѣто. (и трудъ и сѫѥтенъ будѣтъ. потомъ поустить и ако) инцѣмь же инѣмъ образомь недоуга сего оуныѧнтн. (аще не часто исходѣ. и) дохождаѥть братна польза ради. (или) прнсѣщштєнїѧ. (колѧдницъ ради и) обращтетъсѧ ако съхлъ поустынѣнїѧ. мало помльунтъ (и пакы) вѣтромь женома єстъ (къздвнзаѥмъ прєсажаѥмъ. и ꙗкоже садъ велнкъ ѿемлѥмъ. тако и ѵернеуь ходѧи не прнносѣть плода дѣтелна. и ꙗкоже) облакъ безкодънъ. кѣтромъ женѣтъсѧ. (тако и ѵернець не нпыи терпѣнїѧ. дхмъ

[1]) Изъ Пандекта Антіоха XI в. Воскр. Новоіерус. Библіотеки а въ скобкахъ изъ того же Пандекта XV в. Synod. Библіотеки.

διώκεται ὑπὸ ἀνέμου. καὶ μοναχὸς. ὑπομονὴν μὴ ἔχων ὑπὸ πν̃ς ἀκηδίας. ἀκηδιαστὴς μοναχὸς, εἰς μὲν ἀργολογίαν, εὐπρόθυμος. εἰς προσευχὴν καὶ λίαν ἀπρόθυμος, βάλλων ἐν τῇ κέλλῃ τὴν σύναξιν, περισπασμῶν προφάσεις ζητεῖ. καὶ τοῦτο μὲν φησιν, ἀνεπιτηδείως κεῖται. ἐκεῖνο δὲ, οὐ χρεία ὧδε εἶναι. πολλάκις δὲ καὶ τοῦ ἐργοχείρου ἐχόμενος, οὕτω ποιεῖτοι τὴν σύναξιν ὀφθαλμὸς ἀκηδιαστοῦ. ταῖς θ̈υρίσιν ἐνατενίζει πϋκνῶς. л. 30. καὶ ἡ διάνοια αὐτοῦ, τοὺς ἐπισκεπτομένους φαντάζεται. ἔτριξεν ἡ θ̈ύρα, κἀκεῖνος ἐξήλλατο. φωνῆς ἤκουσε, καὶ διὰ τῆς θ̈υρίδος παρέκυψε. καὶ οὐκ ἀφίσταται ταύτης, ἕως ἂν ναρκήσῃ αὐτῇ ἐπικείμενος. ἀκηδίαν θεραπεύει, ὑπομονὴ πρὸς τοὺς πειρασμούς. καὶ τὸ, πάντα ποιεῖν. μετὰ πολλῆς προσεδρείας καὶ φόβου θ̄ῡ. τεύξον ἑαυτῷ μετέρον ἐν παντὶ ἔργῳ καὶ μὴ πρότερον ἀποστῇς, πρὶν τελέσεις αὐτὸ. καὶ προσεύχου συνετῶς καὶ εὐτόνως καὶ πνεῦμα ἀκηδίας φεύξεται ἀπὸ σοῦ. προσευχόμενος δὲ, λέγε τὰ τοῦ δ̄α̃δ. ῥήματα. συνετῶς ἐν αἰσθήσει καὶ σὺν τριμμῷ ψυχῆς. ταχὺ εἰσάκουσον μου κ̄ε̄. ἐξέλιπε τὸ πν̃α μου μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπον σου ἀπ' ἐμοῦ. ὅτι ἐταπείνωσεν ὁ ἐχθρὸς τὴν ψυχήν μου. ἐκάθισέ με ἐν σκοτεινοῖς ὡς νεκροὺς αἰῶνος, καὶ ἠκηδίασεν ἐπ' ἐμὲ τὸ πν̃α μου. ἀλλὰ σὺ κ̄ε̄ μὴ ἐγκαταλίπῃς με. ἀλλ' ἐπίβλεψον ἐπ' ἐμὲ καὶ ἐλέησόν με. καὶ ποίησον μετ' ἐμοῦ σημεῖον εἰς ἀγαθὸν. καὶ ἰδέτωσαν. οἱ μισοῦντές με καὶ αἱ σχυνθήτωσαν. ὅτι σὺ κ̄ε̄ ἐβοήθησάς μοι καὶ παρεκάλεσάς με.

оуныниꙗ.) не можетъ его изгънати нс клѣти. наоученъ имъ въ нем крѣтѣти къ крѣпꙗ мт̑вьное. (се рекын не подобно лежитъ. иному требѣе сдѣ бытн. ико) да оуꙗ емоу праздьнъ сътворитъ. отъ славословесна бж̑ьꙗ. сеже кысе праꙁнꙑ̑ (н лѣность. сътворꙗетъ. не оуправнтъ бо ся оуныньливъ чернецъ. дѣломъ ѥдиньмъ николиже но и на мт̑ву лѣньнъ ѥсть. а на праꙁнословесне быстръ хотꙗи оуко прѣдолѣти. бѣсу сему. да оуꙗнитъ себѣ мѣроу къ всемъ дѣлѣ. и прежде да не ѿступꙗетъ даже сконуаѥ. и да мт̑ву творитъ часто къ кратцѣ. и дх̑ъ оуныньнꙗ пробѣгнетъ ѿ него. кредь бо се мт̑оою къздражаѥтьсꙗ. и ѿстанньемъ праꙁнословесна. и рꙋнымъ дѣломъ. протнву снлѣ. и утеньемь стх̑ъ книгъ. и напастьнꙑ̑ терпѣньемь. аще бо не ѡружни сими себе самѣхъ оутвержеиься на ѡкрѣтъ. то състрѣлакъ сконьни стрѣламн. плахъ бе свѣтѣньнк ны творитъ. променающаꙗ мѣсто ѿ мѣста. и нинымъ же ниѣмъ пещнся. и съꙁнрати. но се тоую гдѣ пироке и памати стꙑхъ бываютъ. оуныньливаго бо мысль. нигдоже много не прикидаѥтъ. и утетъ разкѣ глумленнꙗ же ѿ тѣхъ. и ѿ того оуже их мнрьскаꙗ дѣланнк скажетъ и помалу прѣлщаѥтъ правѣдными сими оупражненін. дондеже и чернорнꙁнаго ѡбѣтованнк сѣтнѣю нѣъженетъ. добрѣ оуко аи̑ лъ ико скершенъ краꙋ. хотꙗи сѣщи. исдуга его кнны. ижоже оуныннѥ ражаютъ. и пооуꙋаѥтъ гл̑а братье сими вѣсте. како подобаѥтъ подобнтнся намъ. ико не безмнокахомъ ва̑ ни туне хл̑ба ихомъ. ни оукогоже. но оусилнн. и подвнзанни. ноуь и дн̑ь дѣлающе. не ѡтлагъунте ѥтерꙗ ѿ класъ. и находнть. не ико не имамъ власти но да ся ѡбразъ дамъ. да оуподобллатнся намъ. ꙗзло и оуко любнн. стронно нъı ѥсть. к рꙋнѣмъ дѣлѣ пребыкатн. не тоуью оуныньнаго ѿгоненнꙗ дѣлма. но и ѥже пнцю имъ сготоватн. и не имꙋщнмъ подаватн. и часто поꙋꙋатнся. дх̑ьскымъ. ѥже ꙗздро (sic) (ндро) оуслъшнн ма гн̑. нсконуася дх̑ъ мон. ико смирнлъ ѥсть врагъ дш̑ю мою. посадн ма ико мр̑твым вѣка и оуныъ въ мнѣ дх̑ъ мон.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Τοῦ ἁγίου Μαρκου.

Ὅταν ἡ τοῦ ἑνὸν βλαβῃ εἰς πολλοὺς διατρέχῃ. οὐδεὶ μακροθυμεῖν. οὔτε ζητεῖν τὸ ἑαυτοῦ συμφέρον. ἀλλὰ τὸ τῶν πολλῶν ἵνα σωθῶσι. διότι τῆς μονομεροῦς ἀρετῆς. ἡ πολυμερὴς, ὠφελιμωτέρα τυγχάνει. ἐνθάδε τέρμα τῆς τετάρτης πυξίδος. ὦ δ' ἡ τετάρτη τερματοῦται μοι βίβλος.

Ἐτελειώθη ἡ βίβλος ἡ δε διὰ χειρὸς μανουὴλ τοῦ σφηνέα μηνὶ Ἰουλίῳ κ̄ζ̄. ἡμέρα ἑκτῇ Ἰνδικτιωνος δεκατῆς ἐκ ἔτει ϛ̄ϡ̄ πέμπτω, ἔτει καὶ οἱ ἀναγινώσκοντες ταύτην, εὔξασθαι καὶ ἐμοὶ τῷ ἁμαρτωλῷ μανουὴλ τῷ σφηνέα.

Въ № 202. чтеніе приписки 1474 года. τὸ παρὸν βιβλίον ἐστιν ἐμοῦ τοῦ παπᾶ Δοσιθέου. καὶ ἠγορασα αὐτὸ, ἐν τῇ ἁλῶσει τῆς θεσσαλονικῆς. καὶ νῦν δίδομι αὐτὸ πρὸς τὸν παπᾶ κυρ. ἀρσένιον τὸν κρῆτα καὶ τοῖς μετ αὐτοῦ ἀδελφοῖς, χάριν τη ἀναγινώσκειν αὐτὸ, καὶ ὀφελεῖσθαι ἐξ αὐτοῦ, καὶ ὅταν βούλωμαι ἐπάρω αὐτὸ ἐξ αὐτῶν. ἐι δε συμβεῖ μοι θάνατος, ἵνα ἔχωσιν αὐτὸ οἱ ρηθέντες ἀδελφοὶ καὶ ἔυχονται καὶ μνημονέυουσιν ἡμῶν οὐθενότητος. ἔτους ϛ̄ϡ̄π̄β̄. μηνὶ αὐγουστῳ. † Δοσιθέος ἱερομόναχος.

Заставки. Заглавныя буквы. Скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: διατρέχῃ, συμφέρον. σοι: Сокращенія и слова съ титлами: γαρ. ἐφορέσαμεν, φλίψεως, χριστὸς ἄνθρωπον. Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α) φαγειν. ἐφύλαξεν. ε) ἐκκαταλεῖψαι μετάνοια εἶπεν. ν) τὴν σὺν τέλειον. σ) ἐργάσασθαι ἀναπτύσσων. τ) μετὰ. Конецъ книги нѣкоторыми фигурными буквами написанный. τέλος ὑποθεσέων τοῦ τετάρτου βιβλίου.

Патерикъ Павла монаха, 2-я книга

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 348-мъ

Длина пергамина	$5\frac{5}{8}$ в.
Ширина	4 в.
Къ корешку	$\frac{1}{2}$ в.
Къ правой сторонѣ	$\frac{3}{4}$ в.
Къ верху	$\frac{5}{8}$ в.
Къ низу	1. в.

Βιβλίον τρίτον. α. л. 3—5. Ὅτι οὐ δεῖ ἐξ ὑπονοίας κατακρίνειν τιάν. ἢ ὅλως πιστέυειν ταῖς ὑπονοίαις.

β. 5—13. Ὅτι οὐ δὲ τὸν προφανῶς ἁμαρτάνοντα, δεῖ κατακρίνειν. οὐ δὲ ἐξουθενεῖν τινά. ἀλλὰ προσέχειν ἑαυτῷ. καὶ μὴ περιεργάζεσθαι τὰ ἀλλότρια. ὁ γάρ προσέχων τοῖς ἰδίοις κακοῖς, τὸν πλησίον κατακρίνειν οὐ δύνατάι.

γ. л. 13. и 14 об. Ὅτι οὐ δεῖ τινὰ ἐν τοῖς μὴ κατ' ἐντολὴν, σκανδαλίζειν. και τί δύναται τὸ τοῦ σκανδάλου ὄνομα. καὶ οὐ δεῖ σκανδαλίζεσθαι. τοὺς δὲ σκαδαλιζομένους, θεραπέυειν.

δ. л. 14—15 об. Ὅτι δεῖ τὸν ἀγωνιστὴν, αἰχμαλωτιζειν πᾶν νοήμα ἐις χν̄. οἱ γὰρ πν̄ικοί. καὶ ἐξ αὐτῶν τῶν κοσμικῶν ἢ φαύλων πραγμάτων, εἰς ἀγαθὰς ἐννοίας χειραγωγοῦνται.

ε. 15 об. и 16. Περὶ δόλου καὶ πονηρίας ἁπλότητος τε καὶ κακίας. πόθεν τίκτονται. καὶ τίς ἐξ αὐτῶν βλάβη καὶ ὠφέλεια.

ς. 16 — и об. Ὅτι οἱ τῶν ἁπλάσων ἀνδρῶν καὶ ἑαυτοὺς ταπεινούντων καταφρονοῦντες καὶ κατειρωνευόμενοι, τὰ μέγιστα ἁμαρτάνουσιν.

ζ. 16 об. и 17 об. Ὅτι δεῖ τὸν πιστὸν ἃ ποιεῖ, καλῶ συνειδότι ποιεῖν. καὶ μὴ φαύλω ὁ γὰρ θς̄ ἑκάστου πρᾶξιν οὐ καθὸ φαίνεται, ἀλλὰ πρὸς τὸν σκόπον κρίνει τοῦ πράττοντος.

η. л. 17 об. Ὅτι μέγα ἀγαθὸν ἐκ θῦ δέδοται ἡμῖν ἡ συνείδησις. καὶ μεγάλα εὐεργετεῖ τὸν αὐτῆς ὑπακούοντα.

θ. 18.—22. Ὅτι δεῖ προσέχειν ἀεὶ καὶ πάντοθεν ἑαυτοὺς ἀσφαλίζεσθαι. ὡς τοῦ ἐχθροῦ πάντοτε προσβάλλοντος.

ι. 22. 23. Ὅτι δεῖ ἑαυτὸν ἀνακρίνειν ἀεὶ. καὶ τὰ μὲν σφάλματα, διορθοῦσθαι. τὰ δὲ καλὰ ἐπαυξάνειν.

ια. 23—26 об. Ὅτι τῷ πιστῷ οὐκ ἀκίνδυνος καὶ ἡ μιᾶς ἐντολῆς παράβασις. ὡς λαβόντι δύναμιν τῆς ἐργασίας. πασῶν καὶ ταύτας ἀπαιτουμένω. καὶ ὅτι καὶ ἡ μικρὰ κακία, καταβλάπτει τὰ μέγιστα.

ιβ. 26 об. и 27 об. Ὅτι τῶν τὴν θείαν γνῶσιν λαβόντων καὶ τὰ τῶν εὐλαβῶν καὶ μοναχῶν ἁμαρτήματα. καὶ τὰ μικρὰ, μεγάλοις βασάνοις ἐτάζονται.

ιγ. 27 об. — 33. Ὅτι δεῖ γενναίως πρὸς τὴν ἀκηδίαν ἱστασθαι, καὶ τὴν ἐκ δαιμόνων λύπην. καὶ περι ὑπομονῆς.

ιδ. 33—36. Ὅτι δεῖ τὸν ἀγωνιστὴν καὶ ἀσθενούντος τοῦ σώματος, μὴ πάντη ταῖς ἡδοναῖς ἐφιέναι καὶ καταλύειν τὴν ἄσκησιν. ἡ ἐν ἰατρείαις τὴν ὑγείαν ἐλπίζειν, ἀλλ' ἐν θῶ οὗ οἰκονομία αἱ ἀρρωστίαι προσγίνονται.

ιε. л. 36 и 37 об. Πῶς δεῖ καὶ πότε καὶ ποίας ἰατρείαις χρᾶσθαι. καὶ ὅτι οὐ δεῖ τὸν μοναχὸν χάριν ἰατρείας σωματικῆς, τῆς μονῆς ἀπόδημον γίνεσθαι. ἀλλὰ καὶ ἀρρωστοῦντα ἐν ταύτῃ προσκαρτερεῖν. ταῖς παρὰ τῶν ἀδελφῶν θεραπείαις σαρκούμενον.

ις. л. 37 об. — 39 об. Ὅτι οὐδεὶ τὸν μοναχὸν ἄνεο ἀνάγκης λούεσθαι ἢ ὅλως γυμνοῦσθαι.

ιζ. л. 39 об. и 40. Ὅτι οὐκ ἔστι τι ἄοριστον παρὰ τῶ θῶ. πάντα δέ τα γινόμενα. καὶ αὐτοὶ οἱ ἀφνίδιοι θάνατοι, τῇ τοῦ θῦ προγνώσει ὡρισμένοι εἰσίν.

ιη. л. 40—43. Περὶ τῆς ἐν ἀσθενείαις ὑπομονῆς καὶ τῆς ἐξ αὐτῶν ὠφελείας. καὶ ὅτι τισὶ καὶ τῶν ἐναρέτων, οἰκονομικαὶ παιδεύσεις ἐκ θῦ ἐπάγονται ἐις τελείαν κάθαρσιν.

ιθ. 43—45. Ὅτι καὶ βιαίω θανάτω πολλάκις συμφερόντως οἱ δικαιοι παραδίδονται.

κ. л. 45 и 46 об. Ὅτι οὐ δεῖ. ξενίζεσθαι ὅταν τί περιστατικὸν δικαιοις ἀνδράσι συμβῇ.

κα. 46 об.—50 об. Ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν καὶ τῶν ἀναγκαίων κἂν πότε συμφερόντως ὑστερηθῇ, μὴ ὀλιγωρεῖν εὐθέως. ἀλλ' εὐχαρίστως ὑπομένειν τὸ κν̄ καὶ ἀδιαστάκτως ἐλπίζειν, ὡς πάντως ὁ ἀγαθὸς αὐτοῦ προνοήσεται. καὶ ὅτι αἰσχρὶν τῶ ἀσκητῇ ὑπηρέτη ὄντι θῦ, κοσμικοῖς προσιεναι καὶ τὰ πρὸς χρείαν αἰτεῖν. κἂν ἐν ἐνδεία πιέζηται.

κβ. л. 50 об. и 51 об. Τίς ἔστιν ὁ ἀφρόνως τὴν εἰς χν̄ ἔχων ἐλπίδα.

κ̅γ̅. л. 51 об. и 52. Ὅτι μὴ δὲ τὴν τύχοῦσαν ἐντολὴν προδιδόναι διά τινα σωματικὴν χρείαν. κἂν κατεπείγουσα ᾖ ἢ διὰ φοβον ἀντινον.

κ̅δ̅. 52. и 53. Ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν κἂν πότε καὶ θορύβοις ἐμπέσῃ. μὴ τοῖς ἔξωθεν συσχιματίζεσθαι πράγμασιν, ἀλλὰ πρὸς τὸν θν̄ ἀποβλέπειν, καὶ τὸ ἐκείνω ἀρεσκων ποιεῖν.

κ̅ε̅. 53. и 54. Ὅτι δεῖ τὸν θῶ ἀρέσαι ζητοῦντα, τὰς ἐκ τῶν ἀνθ̄ων ἀτιμίας ἢ τιμὰς εἰς οὐδὲν λογίζεσθαι.

κ̅ϛ̅. 54 — 58 об. Ὅτι δεῖ ἐν κρυπτῶ τὴν ἀρετὴν μετιεναι, καὶ μὴ φαντιᾶν ἢ καυχᾶσθαι. καὶ περ κενοδοξίας καὶ ἀνθρωπαρεσκείας. καὶ πόθεν ἡ κενοδοξία τίκτεται καὶ τινα ἐργάζεται, καὶ πῶς ἀναιρεῖται.

κ̅ζ̅. 58 об.—60. Ὅτι οὐ δεῖ μεταδιώκειν τὰς φιλίας τῶν κατὰ κόσμον περιφανῶν.

κ̅η̅. 60 — 62. Ὅτι οὐ δεῖ ἐξ ἀυταρεσκείας τι ὑπὲρ τοὺς λοιποὺς ποιεῖν ἀδελφοὺς, τοὺς συνόντας ἐν τῇ μονῇ

κ̅θ̅. 62 — 67. Ὅτι καὶ μόνη ἡ ὑπερηφάνια, ἀπολέσαι τὸν ἀσκητὴν. δύναται. καὶ ὅτι οἱ φυαισύμενοι ἐπὶ κατορθώμασιν ἐγκαταλειφθέντες ὑπὸ τῆς χάριτος πίπτουσιν.

λ̅. 67. — 69 об. Πόθεν ἡ βλασφημία τίκτεται. καὶ πῶς θεραπέυεται.

λ̅α̅. 69 об. — 73 об. Ὅτι μεγίστη ἐν ἀρεταῖς ἡ διάκρισις. καὶ δεῖ τὸν μοναχὸν μετ᾽ αὐτῆς ποιεῖν ἃ ποιεῖ. τὰ γὰρ διακρίτως καὶ ἀσκόπως γινόμενα, κἂν καλὰ ὦσιν οὐδὲν ὠφελοῦσι. ποτὲ δὲ καὶ βλάπτουσιν.

λ̅β̅. 73 об.—75. Ὅτι ἄνευ τῆς ἄνωθεν βοηθείας, ἤτε κακίας ἀπαλλαγή, ἤτε ἀρετῆς περιποίησις τῶ ἀγωνιζομένω προσγίνεται. καὶ ὅτι ἡ ὑιοθεσία, ἀλλ᾽ ἐκ χάριτος γίνεται.

λ̅γ̅. 75 — 81 об. Τίς ἡ τῶν πειρασμῶν αἰτία. καὶ τίς ἡ ἐκ τούτων ὠφέλεια, καὶ τίς ἡ διαφόρα.

λ̅δ̅. 81 об. — 85. Πῶς δεῖ κατὰ τῶν πειρασμῶν ἵστασθαι. καὶ ὅτι οὐ δεῖ ἑαυτὸν ἐπιρρίπτειν εἰς αὐτούς. πότε δὲ καὶ ἐν τίσι δεῖ φεύγειν. καὶ καταδέχεσθαι τὸν πειρασμόν.

λ̅ε̅. 85—89. Ὅτι οὐ δεῖ ἐπιτρέχειν τῶ θαυματουργεῖν. ἀλλὰ παραιτεῖσθαι τοῦτο ἐκ ταπεινώσεως. καὶ ὅτι οὐ δὲ ἑτέρων χαρισμάτων ἐφίεσθαι δεῖ. ἢ αἰτεῖν. εἰ δὲ καὶ ἀξιωθῇ, μὴ μεγαλοφρονεῖν. ἀλλὰ φυλάττειν διὰ τῆς ταπεινώσεως. καὶ ὅτι τῶν τὰ σημεῖα ποιούντων οὐδὲν ἐλαττοῦνται οἱ πολιτείαν. ἐνδεικνύμενοι ἔνθεον. καὶ ὅτι τοῦ θαυματουργεῖν εἰσὶν ἄλλα χαρίσματα μείζονα ἀφ᾽ ὧν οἱ πν̄ικοὶ μᾶλλον ἐπιγινώσκονται.

λ̅ϛ̅. 89 — 93. Ὅτι μείζων πασῶν τῶν ἀρετῶν ἡ ἀγάπη. καὶ ὅτι ὁ κατὰ θν̄ ἀγαθῶν, τὴν τοῦ πλησίον ὠφέλειαν. ἢ ἀνάπαυσιν τῆς ἑαυτοῦ ἐν πᾶσι προκρίνει.

λ̅ζ̅. 93—95 об. Ὅτι δεῖ ὑπὲρ τῆς τῶν πλησίον ἀγάπης καὶ τὴν ψυχὴν τιθεναι.

λ̅η̅. 95 об. — 100 об. Ὅτι ὁ ἔχων τὴν ἐν κῶ ἀγάπην καὶ ταπείνωσιν σπουδάζει μὴ λυπεῖν. ἀλλὰ παντὶ τρόπω θεραπέυειν τὸν πλησίον. καὶ πάντα τὰ αὐτού, οἰκειοποιεῖσθαι ὡς ἴδια.

λ̅θ̅. 100 об. — 102 об. Ὅτι ὁ κατὰ θν̄ ἀγαπῶν, καὶ ἀγνοοῦντα τὸν πλησίον σπουδάζει εὐεργετεῖν.

μ̅. 102 об. — 104 об. Ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν καὶ ἐν τῶ πωλεῖν καὶ ἀγοράζειν. ἢ ἄλλο τι τοιοῦτον ποιεῖν. τὸν θν̄ ἔχειν πρὸ ὀφθαλμῶν καὶ τὴν τοῦ πλησίον ζημίαν μὴ καταδέχεσθαι, κἂν ἐκεῖνος λέγῃ μὴ ἀδικεῖσθαι. καὶ ὅτι δεῖ ἐν τῇ ἀγάπη τηρεῖν τὸ ἀπαρρησίαστον, καὶ μάλιστα τοὺς νέους. ἔτι δὲ καὶ τὰς ἑταιρίας ἐν τῶ κοινωβίῳ ὡς ὀλεθρίους φυλάττεσθαι.

μ̅α̅. 104 об. и 105 об. Τίνα δεῖ ποιεῖν πρὸς τοὺς παραβάλλοντας. καὶ πῶς αὐτοῖς ὑπαντᾶν. καὶ ὁμιλεῖν.

μ̅κ̅. 105 об.—107 об. Ὅτι ἐν ταῖς παρουσίαις τῶν κατὰ θν̄ ζώντων, πολλοὶ τῶν πρῶν διὰ τὴν τῶν ἐλθόντων ἀνάπαυσιν ἐνεδίδουν μικρὸν τῆς ἀσκήσεως. μηδὲν ἐκ τούτου βλαπτόμενοι διὰ τὴν ἀπάθειαν. τινὲς δὲ αὐτῶν καὶ ἐπὶ τῇ βραχίᾳ ταύτη ἀνέσει. ἑαυτοὺς ἐκόλαζον ὕστερον. καὶ ὅτι ὁ τηρῶν ἐν ταῖς παρουσίαις καὶ παρακλήσεσι τὴν ἑαυτοῦ ἄσκησιν ἀκατάλυτον. ἢ λύων μὲν βραχὺ δὲ, ἐπαινετός εστι τοῖς καλῶς κρίνουσι. καὶ ὅτι οὐ δεῖ πέθεσθαι τοῖς εἰς παράκλησιν ὑπὲρ τὸ μέτρον βιαζομένοις.

μ̅γ̅. 107 об. Ὅτι οὐ δεῖ τοῖς παραβάλλουσι τῶ κοινωβίῳ κἂν μοναχοὶ ὦσιν, ἀδιαφόρως ἐπιτρέπειν. τὴν πρὸς τοὺς ἀδελφοὺς ὁμιλίαν ἢ συνοίκησιν. καὶ τοὺς ἀδελφοὺς δὲ τίνα δεῖ τηρεῖν πρὸς τοὺς παραβάλλοντας.

μ̅δ̅. 107 об. и 108 об. Ὅτι οὐ δεῖ ἀδιαφόρως ἀνδράσι συνεσθίειν. καὶ ὅτι τοὺς ἐρωτῶντας. καὶ μὴ ποιοῦντας μετὰ πρώτην ἢ δευτέραν τάξιν, ἀποτρέπεσθαι χρή.

μ̅ε̅. 108 об.—111 об. Καὶ αὐτοῖς δὲ τοῖς παραβάλλουσι, τίς ἡ πρέπουσα ἐπὶ ξένης ἀναστροφὴ. καὶ πῶς δεῖ ὁδεύειν ἢ καὶ συνοδεύειν τοῖς ἀδελφοῖς.

μ̅ϛ̅. 111 об.—115 об. Ὅτι δεῖ πάντα τὸν προσιόντα ἡμῖν ἐπὶ τοῦ ἐλέους τυχεῖν μὴ ἀποστρέφειν κενόν. ἀλλ᾽ ὡς ἐκ θῦ πεμπόμενον, προσδέχεσθαι προσηνῶς. καὶ μεταδιδόναι ὧν ἔχομεν. κἂν ἀναιδεύηται, ἀνεξικακεῖν καὶ μὴ ὀργίζεσθαι κατὰ θῦ μίμησιν. καὶ ὅτι τοὺς ἐλεήμονας ὁ θς̄, μειζόνως πολλάκις ἀμείβεται. καὶ πῶς δεῖ παρα τ᾽νων τὴν μετάνοιαν ἐν τοῖς κοινοβίοις ἀνεργεῖσθαι.

μζ. 115 οβ.—118. Ὅτι οὐ δεῖ τὸν μοναχὸν προφάσει τῆς ἐλεημοσύνης χρήματα ἔχειν. ἢ διδόμενα δέχεσθαι. καὶ τίς ἡ μοναχῷ πρέπουσα ἐλεημοσύνη.

μη. 118—120. Ὅτι πολλάκις τινὲς ἐν πτωχείᾳ ὄντες καὶ κατὰ δύναμιν ἐλεοῦντες, ἔπειτα χρημάτων εὐπορήσαντες τῇ φυλαργυρίᾳ ἡττηθέντες, καὶ ἣν εἶχον ἐλεημοσύνην ἀπέβαλον.

μθ. 120 οβ. Ὅτι οὐ δεῖ τὸν μοναχὸν ἀδιακρίτως ἀπὸ παντὸς ἀνου λαμβάνειν. οὐδὲ ὑπὲρ τὴν χρείαν. καὶ ὅτι ὀφέλει ὁ λαμβάνων ὑπὲρ τῶν διδόντων κοπιᾶν.

ν. 120 οβ. καὶ 121 οβ. Ὅτι δεῖ τῶν μὴ διαφερόντων ἡμῖν ἢ ἀλλοτρίων, ὡς ὀλεθρίων σὺν ἀκριβείᾳ ἀπέχεσθαι.

να. 122—124. Πίναξ τοῦ τετάρτου βιβλίου.

νβ. 124 οβ.—130. Ὅτι τῷ μοναχῷ ἡ ἀκτημοσύνη ἐπήγγελται. καὶ τί τὸ τοῦ ἀπροσπαθοῦς γνάρισμα. καὶ πῶς οἱ πρὲς ταύτην κατόρθωσαν.

νγ. 130—132 οβ. Ὅτι η σωματικὴ ἐλεησύνη τοῖς κατὰ κοσμον ἀναγκαία ὡς οὐκ ἀκτήμοσι καὶ ὡς μυρία. εὐεργετουμένοις ὑπ' αὐτῆς ἦν καὶ δεῖ τούτους ποιεῖν ἀφειδῶς. καὶ ἐκ τῶν προκρίτων ὧν ἔχουσιν.

νδ. 132 οβ. καὶ 133. Ὅτι τὸ τῆς φιλαργυρίας πάθος παθῶν ἐστὶν ὀλεθριώτερον.

νε. 133—139 οβ. Πόθεν ἡ εἰς θν ἀγάπη γίνεται. καὶ πῶς δείκνυται. καὶ τίνα ἐργάζεται.

νϛ. 139 οβ.—149. Ὅτι μέγισον ἀρεταῖς τὸ ἡσυχάζειν ἐν λόγω. καὶ μεγάλων ψυχῶν δεόμενον. τίς τὲ ἡ ἐν λόγω ἡσυχία, καὶ πῶς κατορθοῦται.

νζ. 149—160 οβ. Πῶς τίς καὶ πόθεν τῶν λογισμῶν περιγίνεται. καὶ μέχρι τινος ἐπὶ τούτοις ἐκ εὐθυνόμεθα.

νη. 160 οβ.—164. Ὅτι θάνατος τῷ μοναχῷ ὁ μετεωρισμὸς καὶ ἡ λήθη. ὥσπερ ἡ διηνεκὴς τοῦ θανάτου μνήμη ζωὴ αὐτῶ γίνεται. καὶ πάσης ἁμαρτίας ἀναίρεσις.

νθ. 164—168. Ὅτι δεῖ ἀδιαλείπτως προσεύχεσθαι. καὶ τί ἐστι τοῦτο, καὶ πῶς κατορθοῦται.

ξ. 168—170 οβ. Ὅτι ὁ τῇ προσευχῇ ἀεὶ τειχιζόμενος. ἀναλωτός ἐστι τοῖς ἐχθροῖς. διὸ δεῖ ταύτης ἐπιμελεῖσθαι.

ξα. 170 οβ. — 175 οβ. Τίς ἡ τῆς προσευχῆς δύναμις καὶ ὅτι διὰ τῆς προσευχῆς, πᾶν ἀγαθὸν ἐκ θυ δίδοται. καὶ θῶ ἑνοῦται ὁ ἄνος.

ξβ. 175 οβ. Ὅτι δεῖ τὸν αἰτοῦντα, μὴ τὸ αὐτῶ ἀρέσκον. αἰτεῖν ἀλλὰ τὸ συμφέρον ὡς δοκεῖ τῷ θῷ.

ξγ. 176 οβ. Ὅτι δεῖ τὸν αἰτοῦντα ἐκ θυ τὰ συμφέροντα, τὰ ἐκ τῆς προνοίας γινόμενα εὐχαρίστως καταδέχεσθαι. κἂν ἀπεναντίας τῶ ἐκείνου θελήματι ἀποβαίνωσιν.

ξδ. 177 οβ.—179 οβ. Ὅτι δεῖ τὴν προσευχὴν βοηθεῖσθαι ὑπὸ τῆς πράξεως καὶ τίνα εἰσὶ τὰ τὴν προσευχὴν ἀπρόσδεκτον ἀποφαίνοντα.

ξε. 179 οβ.—181. Ὅτι τοῦ ἔχοντος κατά τινος ἢ τὸν κατ' αὐτοῦ ἔχοντα θεραπεύοντος, ἡ προσευχὴ ἀπρόσδεκτος.

ξϛ. 181 οβ.—182. Ὅτι ἀναγκαία τῷ πιστῷ τῶν γραφῶν ἡ ἀνάγνωσις. καὶ πολλὴ ἡ ἐκ ταύτης ὠφέλεια.

ξζ. 182 οβ.—183 οβ. Ὅτι ὀφείλομεν ἃ ἀναγινώσκομεν. καὶ ποιεῖν. οὐ γὰρ ἐν λόγω ἡ σρία, ἀλλ' ἐν ἔργω διὸ καὶ ἠψιλὴ γνώσις ἀνωφελὴς ἐστι. καὶ ὅτι δεῖ τὸν πνικὸν, μὴ ἐναπομένειν τῷ γράμματι. ἀλλὰ ἀγωνίζεσθαι εἰς τὸ πνα διαβαίνειν.

ξη. 183 οβ.—185. Ὅτι οὐ δεῖ ἐξυπερηφανίας πολυπραγμονεῖν τὰ ὑψηλὰ τῆς γραφῆς καὶ δογματικὰ καὶ ἀπόκρυφα.

ξθ. 185 οβ. καὶ 186. Ὅτι δεῖ τὸν μοναχὸν ἀπέχεσθαι ὅλως τῆς ψευδωνύμου γνώσεως καὶ τοῦ αἱρετικοῖς ὁμιλεῖν. καὶ τίς ἡ κατὰ θν σοφία. καὶ ὅτι τισὶ. καὶ ἡ ἰδιωτεία συμβάλλεται.

ο. 186 οβ. — 192. Ὅτι κατὰ τῶν πιστῶν, οὐδὲν οἱ δαίμονες δύνανται διὸ δεῖ καταφρονεῖν αὐτῶν καὶ μὴ δειλιᾶν ἢ προσέχειν ὅλως αὐτοῖς. ὅτι ἂν καὶ ποιῶσι. πῶς τὲ τὴν ὀπτασίαν τῶν πονηρῶν καὶ τῶν ἀγαθῶν διακρίνει τίς. πολλάκις γὰρ καὶ φαντασίας δεικνύουσι πρὸς πλάνην τῶν ἁπλουστέρων καὶ τὴν ψυχὴν περικαλοῦσι. τίς τε ἡ θεία καὶ τίς. ἡ δαιμονιώδης παράκλησις.

οα. 192—194. Ὅτι πολυτρόπως δέκνυται τὰ ἐνύπνια. διὸ καὶ τὸ ἀπιστεῖν αὐτοῖς ἀσφαλέστερον. καὶ ὅτι οὐδὲν τῶν μελλόντων οἱ δαίμονες οἴδασι. κἂν προσποιῶνται εἰδέναι τινὰ, καὶ προλέγωσι στοχαζόμενοι.

οβ. 194 καὶ 195 οβ. Ὅτι τὰ ἐν τῇ καρδίᾳ τοῦ ανου οὐδαμῶς οἱ δαίμονες οἴδασιν. οὐ δὲ ποιοις ἡττώμεθα πάθεσιν. ἐξ ὧν δὲ λαλοῦμεν ἢ πράττομεν ταῦτα μανθάνουσιν.

οβ. 195 οβ.—199. οβ. Τί τὸ τῆς ἀπαθείας μέτρον καὶ τίνα ταύτης τὰ ἰδιώματα. καὶ πόθεν τῷ ανῳ προσγίνονται.

ογ. 199 οβ.—205 οβ. Πότε καὶ πῶς δεῖ θεολογίας ἐφάπτεσθαι. καὶ τῆς ὁ τῆς πνικῆς σοφιας λόγος, καὶ τίς ὁ τῆς γνώσεως. καὶ τί διαφέρει. καὶ πόθεν ὁ νοῦς αὐτῶς ἀξιοῦται.

οδ. 205 οβ.—214. Πῶς καὶ πόθεν ὁ νοῦν χάριτος υυ γίνεται μέτοχος, καὶ εἰς θεωρίαν ἀνάγεται. καὶ πῶς ἐν αὐτῇ συντηρεῖται.

κε̅. 214 215. Ποσαχῶς ἡ θεία παραχώρησις καὶ ἐγκατάλειψις καὶ τίνα δεῖ ποιεῖν ἐν αὐταῖς, καὶ τὴν χάριν ἀνακαλεῖσθαι τοῦ πν̅ς.

κϛ̅. 215 и 216 об. Ὅτι ἡ θεωρία, τὸν νοῦν ἐξίστησι ἀκὶ πάντων τῶν ἐνταῦθα παρασκευάζει, ἐπιλανθάνεσθαι. καὶ ὅτι ἡ τοῦ πν̅ς χάρις, τοῖς τελείοις τὰ πάντα γίνεται. καὶ τροφὴ. καὶ πόσις. καὶ ἔνδυμα. διό καὶ τινες τῶν ἁγίων τούταις ἢ κ' δόλως, ἢ παρὰ μικρὸν ὑπὲρ φύσιν ἐχρῶντο ὑπὸ τῆς χάριτος δυναμούμενοι.

κζ̅. 216 об. и 217 об. Ὅτι μέγα τὸ τῆς ἱερωσύνης ἀξίωμα. διὸ καὶ οὐ δεῖ ταύτη προστρέχειν ἀλλὰ καὶ παραιτεῖσθαι ποσῶς δι' εὐλαβειαν τὸν εἰς ταύτην καλούμενον. καὶ μαλιστα εἰ ἐξ ἀνίνης σπουδῆς καὶ οὐκ ἐκ θείας ψηφου νομίζοι τὴν ψῆφον γίνεσθαι. ὁμοίως ποιεῖν καὶ περὶ ἀρχῆς καὶ διδασκαλίας.

κη̅. 217 об. и 218 об. Περὶ ἱεροσύνης. ὅτι ὁ ἀναξίως ἱερατεύων βαρυτάτην καὶ αὐτῷ ἐπισπᾶται τὴν κόλασιν ὥσπερ καὶ ὁ μετὰ προσοχῆς, καὶ ἀξίως καρποῦται τὰ μέγιστα.

κθ̅. 218 об. и 219 об. Ὅτι καὶ τὸ καθεκάστην ἱερουργεῖν, μεγίστην προξενεῖ τὴν ὠφελείαν. διὸ καὶ παρὰ τοῖς πρᾶσιν εὑρίσκεται τοῦτο γινόμενον. καὶ ὅτι ἐν τῇ ἱερᾷ θυσίᾳ, τὰ οὐ̅ία τοῖς ἐπιγείοις συνάπτονται.

λ̅. 219 об. — 221. Ὅτι οὐ μόνον τοῖς ζῶσιν, ἀλλὰ καὶ τοῖς θανοῦσιν ἡ ὑπὲρ αὐτῶν προσφορὰ μεγάλα συμβάλλεται.

λα̅. 221.—223. Ὅτι μετὰ θάνατον, οὐκ ἔστι συγχώρησις ἐιμή που τῶν ἐλαφρῶν. πάνυ ὁμαρτυμάτων καὶ τούτων μόλις. καὶ ὅτι τὸν ἅπαξ εἰς κόλασιν ἐμβληθέντα, οὐκ ἔστι ταύτης ἐξαρεθῆναι.

λβ̅. 223 об. и 224 об. Τις ὁ λόγος τῶν ἁγιασμάτων καὶ ἡ δύναμις. καὶ ἐπὶ ποίῳ σκοπῷ δεῖ αὐτοῖς προσιεναι

λγ̅. 224 об. — 226. Πῶς δεῖ καὶ πότε τοῖς ἁγιάσμασι προσιεναι. καὶ μετὰ ποίου συνειδότος.

λδ̅. 226 и 227 об. Ὅτι τὸ καθ' ἑκάστην κοινωνεῖν λίαν ὠφέλιμον. ὥσπερ καὶ τὸ μὴ συνεχῶς κοινωνεῖν, βλαβερὸν καὶ ἐπικίνδυνον.

λε̅. 227 об. и 228. Ὅτι δεῖ τὸ ὑπὸ ἐπιτίμιον ὄντα καὶ μὴ μεταλαμβάνοντα. ἐν τῇ θείᾳ συνάξει, τοῖς κατηχουμένοις τῆς ἐκκλησίαις ἐξέρχεσθαι.

λϛ̅. 228 и 129 об. Ὅτι καὶ τὸ ἐν ἐκκλησία ταφῆναι. τοῖς μεν εὐσεβέσιν ὠφέλεια τοῖς δὲ κατεγνωσμένοις, κολάσεως πρόξενον.

λζ̅. 229 об. — 232 об. Ὅτι καὶ τὸ ταφῆναι πολυτελῶς, οὐ μικρὰ ζημιοῖ διὸ καὶ οἱ θεοφιλεῖς αὐτὸ ἀποτρέπονται τὸν δὲ εὐτελῆ ἐνταφιασμὸν ὡς ἐπωφελῆ καὶ σφόδρα αἱροῦνται.

λη̅. 232 об.—236. Ὅτι οὐ παντὸς εστι τὸ διδάσκειν. ἀλλὰ μόνου τοῦ τῇ θεία προνοίᾳ, προβληθέντος εἰς τοῦτο ὡς ἱκανοῦ. καὶ πράττοντος ἃ διδάσκει, καὶ τὰ πάθη νικήσαντος. τὸν δὲ ἀτελῆ ἑαυτῷ δεῖ προσέχειν. ἵνα μήπως ἄλλους θέλων οἰκοδομεῖν, ἑαυτὸν καταλύσῃ. καὶ ὅτι σπάνιοι μὲν. ὅμως εὑρίσκονται τινες ἐξ ἀρχῆς αὐτῶν ὑπὸ τοῦ ἁγίου πν̅ς ὁδηγούμενοι. οἳ ἀντίνης ὅλως ὁδηγίας οὐκ δεήθησαν, ἀλλ' αὐτοὶ ὁδηγοὶ ἑτέρων γεγόνασιν ὕστερον. ὁ θαυμάζειν δεῖ μόνον ἡμᾶς. καὶ οὐ μιμεῖσθαι. εἰς τὴν ἑαυτῶν ἀφορῶντας ἀσθένειαν.

λθ̅. 236 и 237. об. Ὅτι ὁ ἐκ τοῦ ἁγίου πν̅ς τὰς κρίσεις ποιούμενος. κἂν μὴ ἱερεὺς ἐστιν ἐν οἷς ἂν δοκιμάσῃ, καὶ τὸν θν̅ ἔχῃ σύμψηφον. καὶ ὅτι οὐ τοῖς ἱερεῦσιν μόνον ἀλλὰ καὶ τοῖς ἄλλοις καθαροῖς οὖσι τὸ διδάσκειν παρὰ θῦ ἐπιτέτραπται. καὶ ἥτις ἡ νοουμένη ἱερωσύνη. καὶ πῶς δεῖ τοὺς ἐν ἐρημία μὴ παρόντως ἱερέως, τῶν ἁγιασμάτων μεταλαμβάνειν.

μ̅. 237 об.—241. Ὅτι δεῖ τὸν ἀληθῆ ποιμένα πάντα κίνδυνον ὑπὲρ τῶν προβάτων προθύμως ὑφίστασθαι. καὶ σφόδρα τούτων ἐπιμελεῖσθαι.

μα̅. 241 и 242. Ὅτι οἱ ἐκ θῦ τὸ διδάσκειν ἐπιτραπέντες. ὅσω τὴν διδασκαλίαν αὐξάνειν σπουδάζουσι τοσούτων καὶ πλείονος τῆς χάριτος ἀπολαύουσι. διὸ δεῖ ἀόκνως αὐτοὺς διδάσκειν. οἱ δε ραθυμία τῶν διδασκομενων καταμενοῦντες, ἀφόρητον τὴν τιμωρίαν φέυξουσι. καὶ ὅτι δεῖ ἐν τῇ μονῇ εἶναι τὸν προεστῶτα. καὶ δεύτερον ἔχειν τὸν τῆς προστασίας αὔτω συναντιλαμβανόμενον.

μβ̅. 242 и 243. Ὅτι οὐ δεῖ τινὰ τοὺς μὴ ὑποκειμένους αὐτῷ διδάσκειν ἢ ἐλέγχειν κἂν ἁμαρτάνωσιν, ἐιμη παρ' αὐτῶν αἰτηθῇ, ἀλλ' οὐδὲ ἀδικουμένοις διεκδικεῖν.

μγ̅. 243 и 244 об. Ὅτι οὐ δεῖ τῶν ὑπηκόων καταυθεντεῖν ἢ τὰ μὴ ἀνήκοντα αὐτοῖς ἐπιτάττειν. καὶ ὅτι πᾶν τὸ, ταπεινοφρόνως καὶ εὐσυνειδότως ἐπιταττόμενον ἡ χάρις εὐοδοῖ.

μδ̅. 224 об. и 245. Ὅτι δεῖ τὸν, ἀγαθόν τι ποιοῦντα κἂν ἀτελὴς ᾖ, μὴ ἐκκόπτειν προθυμοποιεῖν δὲ μᾶλλον, καὶ κατὰ μικρὸν ἐπαναγεῖν εἰς τελείοτητα.

με̅. 245 и 246. Ὅτι δεῖ τὸν προεστῶτα τοὺς ἀσθενεστέρους τῶν ἀδελφῶν ποτὲ καὶ διὰ τῶν δυνατωτέρων τὴν ὑπακοὴν καὶ τὴν ὑπομονὴν καὶ τὴν λοιπὴν ἄσκησιν ἐκπαιδεύειν. καὶ τῶν ἀρχομένων ὡς μάλιστα φείδεσθαι.

мѕ. 246 и 247. Ὅτι οὐ πάντα δεῖ ἐπίσης τὴν ἄσκησιν ἀπαιτεῖν, ἀλλὰ πρὸς τὸν προλαβόντα. βίον καὶ τὴν ἕξιν τοῦ σώματος.

мѕ. 247 об. и 248. Ὅτι δεῖ τῶν ἀσθενῶν μάλιστα φροντίζειν καὶ συγκαταβαίνειν αὐτοῖς μικρον, ἐν οἷς οὐκ ἔστι παράβασις ἐντολῆς θῦ. ἵνα μὴ σκανδαλίζωνται. καὶ ὅτι κατὰ τὴν ἑκάστου ἰσχὺν καὶ τὸ ἐπιτήδευμα καὶ τὰ κατορθώματα κατὰ ἁμαρτήματα κρίνεται.

мѳ. 248 — 250 об. Ὅτι δεῖ τὸν εἰς ἁμαρτίαν πεσόντα καὶ τῇ ἀπογνώσει ἐγγίζοντα μὴ ἐπιτρίβειν εὐθὺς ἀποτόμοις ἐλέγχοις. ἀλλὰ παρακαλεῖν. συμπαθῶς καὶ πράως ἀνακαλεῖσθαι τοῦ πτώματος. ὁμοίως καὶ τὸν χωρισθέντα τοῦ κοινοβίου. εἶτα ἐπανελθόντα, προσηνῶς ὑποδέχεσθαι

н. 250 об. и 251 об. Ὅτι δεῖ τὸν ἀδιορθώτα ἁμαρτάνοντα καὶ τῶ κοινῶ τῆς ἀδελφότητος λυμαινόμενον. μετὰ πρέπουσαν ἐπιμέλειαν ὡσάυτως ἔχοντα, ἐκδιώκειν. καὶ μὴ τῇ συμπαθείᾳ ὑπὲρ τὸ μέτρον χρῶμενον τὸν προσεστῶτα, καὶ ἑαυτὸν καὶ τοὺς λοιποὺς καταβλάπτειν.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Ἐκ τοῦ βιβλίου δευτέρου ὑποθεσις ῆ. (8). р. 243 об. ἀντίοχου τοῦ παντέκτου.

Ὁ διακονιτὴς ὀφείλει ἐπιμελῶς. ἐξ ὅλης τῆς ἰσχύος διακονεῖν. ἰσὼς ὅτι θῦ ἔργον ἐστίν. ὅ μεταχειρίζεται. καὶ μὴ ἀμελεῖν ἔν τινι, ἢ δὶ ὄκνον. ἢ λύπην. ἢ παροξυσμόν. πάντα γὰρ τὰ τῆς. μονῆς, τῶ θῶ ἀφιέρωνται. καὶ μεγάλω καὶ βαρυτάτω κινδύνω ὑπόκειται, ὁ ἀμελῶς διακονῶν, ὡς θῦ καταφρονῶν. ἐφόσον γὰρ ἐποιήσατε ἑνὶ τούτων τῶν ἐλαχίστων, ἐμοὶ ἐποιήσατε καὶ πάλιν ἐφόσον οὐκ ἐποιήσατε ἑνὶ τούτων ἐλαχίστων, οὐδὲ ἐμοὶ ἐποιήσατε. εἴτε οὖ ἐπιμελῶς εἴτε ἀμελῶς. τίς διακονεῖ. εἰς τὸν θν ἀνατρέχει ἡ διακονία αὐτοῦ. ἄκουσον οὖν τι περὶ τῶν ἀμελῶν διακονούντων ὁ προφήτης λέγει. ἱερεμίας. ἐπικατάρατος ἀνὸς ὁ ποιῶν τὸ ἔργον κῦ ἀμελῶς. σπουδασωμεν οὖν ἀδελφοί, ἐκτὸς εἶναι τῆς τοιαύτης φρικωδεστάτης ἀρᾶς. καὶ ὡς διάκονοι χῦ. ἐν πάσῃ ἐπιμελεία καὶ σπουδῇ τὴν διακονίαν ἡμῶν πληροφορήσωμεν. ἵνα καὶ τῆς εὐλαγίας μετάσχωμεν, ὡς μαθητοῦ τοῦ εὐλογημένου τοῦ εἰρηκοτος. ἐάν τις ἐμοὶ διακονῇ τιμήσει αὐτὸν ὁ πῆρ' μου. καὶ πάλιν ἐγὼ δὲ ειμι ἐν μέτω ὑμῶν ὡς ὁ διακονῶν. καὶ γὰρ ὁ υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου, οὐκ ἦλθε διακονηθησαι. καὶ л. 224. δοῦναι τὴν ψηχὴν αὐτοῦ λύτρον, ἀντὶ πολλῶν. τὸ αὐτὸ οὖν καὶ τοῖς οἰκειοις μαθηταῖς παραγγέλλει λέγων. ὁ θέλων ἐν ἡμῖν πρῶτος εἶναι, ἔστω πάντων ἔσχατος. καὶ πάντων δοῦλος καὶ διάκονος πάντων ἀκούσωμεν δὲ τί καὶ ὁ απόστολος λέγει. ἰδοὺ νῦν καίρὸς εὐπρόσδεκτος. νῦν ἡμέρα σωτηρίας. μηδεμίαν ἐν μηδενὶ διδόντες προσκοπὴν, ἵνα μεμωμηθῆ ἡ διακονία ὑμῶν. ἀλλ' ἐν παντὶ συνιστῶντες ἑαυτοὺς, ὡς θῦ διάκονοι ἐν ὑπομονῆ πολλῆ. ἐν θλίψεσιν. ἐν ἀνάγκαις. ἐν ἀγρυπνίαις. ἐν στενοχωριαις. ἐν κοποις ἐν μακροθυμία. ἐν ἀγαπῃ ανυποκρίτω. ἐν λόγω ἀληθείας. ὡς δοῦλοι χῦ τὸ θέλημα αὐτοῦ ποιοῦντες ἐκ ψυχῆς. καὶ μετ' εὐνοίας δουλεύοντες τῶ θῶ καὶ οὐκ ἀνθρώποις. καὶ πάλιν παραινεῖ φάσκων. ἀδελφοὶ ἑδραῖοι γίνεσθε. ἀμετακένητοι περισ-

Изъ Макар. Четьи минеи. л. 583. Декабр. Глава. ѝн.

Слѫжитель должень есть прилѣжнѣе слоужити. вѣдыи ꙗко бѫ̀е дѣло есть. и не лѣновати ни ѡуемже ниꙗ ꙗ пеуаль ниꙗ ꙗ раꙁдраженїе. ниꙗ ꙗ рженїе единоꙗ братїа. прѣпѣщати и оуныкати. всѣ бо манастырское ѿданое бѫ̀ѣ ѡсщѣно есть. ꙗко томѫ прииносимо и вѣнцѣ по̀лежить вѣдѣ лѣностнѣ слѫжащ. ꙗко бѫ̀ прѣѡбидꙗ. елма сътвористе реуе единомѫ сѝ мнѣ сътвористе. аще бо прилѣжнѣ. аще ли лѣностнѣ кто слѫжить, на бѫ̀ восходѝ слѫженїе его. къниганиѫ оуко гѫ̀ше іереміа ѡ лѣнащихсꙗ. проклатъ улѣкъ творѧи дѣло гѫ̀не лѣностнѣ. нераднѣиыи мѫжь велнуакъ и прѣꙁорливъ есть. мы же крѣмѣ клатвы сѫще, блгвенїѧ же кнѧꙁь. ꙗкоже и слѫжителе, хѫ̀ѣ. всѣмъ прилежанїемъ и тщанїемъ слѫженїе свое извѣстнымъ. да блгвенїе наслѣдѫ̀нымъ ꙗко оуученицы блгвенаго. рекшаго. идеже есмь азъ тоу и слѫжитель мои бѫдеть. оуслышимъ уто ї а̀пл̀ъ глѣ. се нѝнѣ врѣмꙗ блгопрїатно се нынѣ дн̀ь спсенїѧ. ни единого нинѣмже дающе прѣтыканїѧ. да не порочно бѫдеть слѫженїе. въ ѡ всемъ сѫставлающеся ꙗко бж̀їи слѫгы въ трѣпѣнїи мнозѣ. въ скорбехъ. въ бѣдѣ̀. тоугѣ̀ въ трѧдехъ. въ бдѣнїихъ в долготрѣпѣнїи. в любви нелицемѣрнѣ въ словесѣ истиннѣ. и пакы ꙗко рабы хѫ̀ѣ волю творѧще ѿ дш̀ї і любовїю слѫжаще ꙗко гоу̀ а не улѣкомъ. и пакы. крѣ̀е. ткердн быканте и непостыдни. избытоуществующе в дѣлѣ гн̀и. всегда. вѣдѧще ꙗко оусилїе ваше небѫдеть тщ̀е ѡ гн̀. и к тимоѳею, трѣзвисꙗ ко всемъ дѣло сътвори л. 583. об. а. ї ѐѵ̀анста слѫженїе свое извѣстн. неуеже и ѡ сѣкъ. нынѣ же градѫ къ матѣ̀ слѫжа сты̀мъ. въ поспѣшьствуйте ми к мат̀ѣхъ да слѫжба моа прията сты̀ми бѫдет. посмотримъ и раꙁумѣемъ сами бра̀е, а̀пл̀ни стапн црк̀окнїи. с кщѣ

σέυοντες ἐν τῷ ἔργω τοῦ θῦ πάντοτε, εἰδότες ὅτι ο κόπος ἡμῶν, οὐκ ἔσται κενὸς ἐν κῷ. οὐ γὰρ ἄδικος ὁ θ̄ς̄ ἐπιλαθέσθαι τοῦ ἔργου ὑμῶν. καὶ τῆς ἀγάπης, ἧς ἐνεδείξασθε εἰς τὸ ὄνομα αὐτοῦ. διακονήσαντες τοῖς ἁγίοις, καὶ διακονοῦντες. λέγει δὲ καὶ περὶ ἑαυτοῦ. νῦν δὲ πορέυομαι εἰς Ιλ̄ῃ̄μ διακονήσων τοῖς ἁγίοις. ἀλλὰ συναγωνίσασθε μοι ἐν ταῖς προσευχαῖς. ἵνα ἡ διακονία μου, εὐπρόσδεκτος γένηται τοῖς ἁγίοις. κατανοήσωμεν οὖν ἀδελφοί ὅτι ἐκεῖνοι οἱ φωστῆρες τῆς οἰκουμένης. καὶ στύλοι τῆς ἐκκλησίας μετὰ τοσούτου ἀγῶνος καὶ πόθου διηκόνουν τοῖς ἐν ἱεροσολύμοις πτωχοῖς, πόσω γε μᾶλλον ἡμεῖς χρεωστοῦμεν προθύμως καὶ σπουδαίως τοῖς ἐκ κῦ ἡμῶν ἀδελφοῖς διακονεῖν. καὶ παντὶ τρόπω ἀγωνίζεσθαι εἰς τὸ θεραπέυειν αὐτοὺς, ὡς τὸν θ̄ν̄ δι᾽ αὐτῶν θεραπέυοντες.

пѣвцомъ слажахѫ свщнмъ въ ієр҃ѣ нищ҃и. рєує же и инѣмъ. нє ѡбндлнкъ бо бъ҃ ѯабыти дѣла вашєго и любвє єжє єсте ко имѧ є҃, послажше сты҃мъ, и слажащє. и приводнть. ащє кто глѣть ꙗко словєса бж҃ıа. ащє кто слажи҃ ꙗко ѿ силы юже даєть бъ҃ гм҃ь нашнмъ ıс҃у хр҃ѣ. гь же, ащє кто мнѣ слажнть, поутеть и ѿц҃ь мон. и па҃. аѯъ єсмь посрєдѣ васъ. ꙗко слажан. нбо сн҃ь ѵа҃ѵь нє прїндє да послажать ємѹ но да послажнть. и дати дш҃ю свою нѯбавлєнїє ѯа многы. томоу слава въ вѣкы вѣко҃.

σολύμοις πτωχοῖς, πόσω γε μᾶλλον ἡμεῖς χρεωστοῦμεν προθύμως καὶ σπουδαίως τοῖς ἐκ κῦ ἡμῶν ἀδελφοῖς διακονεῖν. καὶ παντὶ τρόπω ἀγωνίζεσθαι εἰς τὸ θεραπέυειν αὐτοὺς, ὡς τὸν θ̄ν̄ δι᾽ αὐτῶν θεραπέυοντες.

Чтеніе и объясненіе снимка изъ № 202.

Τοῦ γρηγορίου τοῦ διαλόγου. Κλήρικος τῆς ἐκ τῆς ἀκυΐνων ἐκκλησίας. ὑπὸ δαίμονος ἀκαθάρτου ᾠχλεῖτο. ὁ δὲ τούτου ὁσιώτατος ἐπίσκοπος κωνστάντιος ἐν διαφόροις τῶν ἁγίων κοιμητηρίοις πολλάκις τούτον ἀπέστειλεν ὅπως ἰαθῇ, ἀλλ᾽ οὐκ ἰάθη ὑστερον διαπηνέχθη ἀσθενῶ.

Нѣсколько заглавныхъ буквъ, и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ἄλλα. ἀνθρώπου, αὐτὸν. ἀθανασίαν σοι: σωθῶσι. ἡ πολυμερὴς,

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀγάπην τάξεως. ε., ἐξήει ἔξ ὅπερ, ἠρώτησεν. νῦν συνέχοντα ἀνεκλάλητον. σ.. ἔστη. τ, μετα. τοιοῦτοις. Цифра ιζ̄ съ титломъ означающая помѣту тетрадей.

IX. Уставъ Іерусалимскій.

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 202-мъ.

Длина бумаги	6 в.
Ширина.	$4\frac{3}{8}$ „
Къ корешку.	$\frac{1}{2}$ „
Къ правой сторонѣ	$1\frac{5}{8}$ „
Къ верху	1 „
Къ низу.	$1\frac{3}{8}$ „

Бумага лощеная. Бумажнаго знака невидно.

Писано скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 240. листахъ. Заставки, заглавныя буквы писаны киноварью; а на л. 14-мъ розоваго цвѣта карминною краскою. Въ началѣ рукописи приплетено 12-ть листовъ изъ другой рукописи XIV в. Изъ нихъ на 4-хъ листахъ на крюковыхъ нотахъ написаны троичны свят. четыредесятницы, и нѣкоторыя прокимны; внизу 1-го листа подписано: Арсеній, а вверху 14. τοῦ βατοιδαιδιου. съ 6-го по 13-й листъ: πίναξ ἀκριβὴς τοῦ μεγάλου μεβράνου. πινάκες σαφεῖς τῶν ιδανηγυρικῶν βιβλίων на всѣ мѣсяцы. Колеръ чернилъ темно-коричневый. Число строкъ на страницѣ 21. Помѣта тетрадей писана киноварью внизу у корешка съ лѣвой стороны.

На листѣ 14-мъ уставъ оглавляется такъ: Ρυπικὸν τῆς ἐκκλησιαστικῆς ἀκολουθίας ἐν ἱεροσολύμοις ἁγίας λάυρας. τοῦ ὁσίου καὶ θεοφόρου πν̄ς ἡμῶν σάβα. αὕτη δὲ ἡ ἀκολουθία γίνεται. καὶ ἐν ταῖς λοιποῖς τῶν ἐν ἱερουσαλύμοις ἁγίων μονῶν.

Начинается: Εἴδησις τοῦ μικροῦ ἑσπερινοῦ... περὶ τῆς ἀγρυπνίας διάταξις.

л. 16—24. Ἔκφρασις ἐν επιτομῇ τῆς ἐκκλησιαστικῆς διατάξεως τῶν ἐν ἱεροσολύμοις ἁγίων μοναστηρίων.

л. 24—95 об. Ακολουθία τῆς ἐκκλησιαστικῆς ψαλμωδίας τὲ καὶ συνάξεως τοῦ ὅλου ἐνιαυτοῦ. ἀρχομένη ἀπὸ μηνὸς σεπτεμβρίου μέχρι μηνὸς αὐγούστω.

л. 95 об.—134. Ἀκολουθία τῆς ἁγίας μεγάλης τεσσαρακοστῆς. καὶ πεντικοσταρίου.

л. 134. Περὶ τοῦ πῶς δεῖ θυμιᾶν.

л. 135. Τὰ ἀναστάσιμα προκείμενα.

л. 135. об. Τὰ ἀναστάσημα ἀλληλουϊα καὶ τὰ ἑξῆς...

л. 136 об. Τὰ φωταγωγικὰ τῶν η̈. (8). ἤχων.

л. 137. — 140. Τῇ μεγάλῃ κυριακῇ ἀντιφωνα.

л. 140 об.—145. Ὑποτύπωσις σὺν θῷ καταστάσεως τῆς εὐαγεστάτης μονῆς, τῶν στουδίου.

л. 145. Περι τῆς ἐν βρώμασι καὶ πόμασι ποσότητος καὶ ποιότητος. καὶ τῆς ἐν ταῖς τραπέζαις εὐταξίας.

л. 146. Περὶ τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς,

л. 146 об. Περὶ τῆς ἐν ταῖς διακονίαις συμμετρίαις.

л. 147 об. Περὶ ποσότητος ἐνδυμάτων τὲ ὑποδημάτων, καὶ κατα στάσει στρομνῆς.

л. 149. Περὶ τοῦ κύκλου τῆς σελήνης.

л. 149 об. Περὶ τῆς ἰνδίκτου.

л. 151 — 153 об. Στίχηρα ψαλλόμενα εἰς τὰς δεσποτικὰς καὶ εἰς επισήμους ἁγίους.

л. 153 об. — 156 об. Στιχηρα σταυροθεοτόκια κατ' ἦχον.

л. 156 об. — 159 об. Ἀρχὴ τῶν καθισμάτων.

л. 159 об. Χερυβικὸν τῆς ἁγιας λειτουργιας. τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς τῆς μεγαλης ε. τοῦ μεγάλου σαββάτου.

л. 162—217 об. Μάρκω ἁμαρτωλῶ ἱερομονάχω. σύνταγμα πονηθὲν, εἰς τὰ ἀπορούμενα τοῦ τυπικοῦ. (95 главъ).

л. 218 — 231. Τὰ ἀναστάσιμα ἀπολιτίκια καὶ αἱ ὑπακοαὶ τῶν ὀκτῶ ἤχων. тутъ же въ концѣ каждаго гласа написаны по два кондака Богородицѣ.

л. 231 — 237 об. Κοντάκια ἅπερ λέγονται ἐν ταῖς ὥραις τῆς τεσσαρακοστῆς, τῆς. η̈. τῶν δεσποτικῶν ἑορταζομένων ἁγίων. τοῦ ὅλου ἐνιαύτοῦ ἐν αἷς ἡμέραις τύχωσι.

л. 372 об. Ἀκολουθία τῶν ὡρῶν καὶ τῶν τροπαρίων. καθ' ἕτερα τυπικὰ γινόμετα. τῇ παραμονῃ τῆς χῡ γεννέσεως.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 120. об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̃ς ἡμῶν Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως του χρυσοστόμου, λόγος εἰς τὴν λαμπρὰν κυριακὴν τῆς ἁγίας καὶ ἐνδόξου χῡ τοῦ θῡ ἡμῶν ἀναστάσεως.

Εἴ τις εὐσεβὴς καὶ φιλόθεος, ἀπολαβέτω ταυτης τῆς καλῆς πανηγύρεως εἴτις δοῦλος л. 121. εὐγνώμων, εἰσελθέτω χαίρων εἰς τὴν χαρὰν τοῦ κῡ αυτ̃. εἴτι ἔκαμε νηστεύων, ἀπολαβέτω νῦν τὸ δηνάριον. εἴτις ἀπὸ πρώτης ὥρας ἐργάσατο δεχέσθω σήμερον τὸ δίκαιον ὄφλημα. εἴτις μετὰ τὴν τρίτην ἦλθεν, εὐχαριστῶν ἑορτάσει. εἴτις μετὰ τὴν ἕκτην ἔφθασαι μὴδὲν ἀμφιβαλλέτω. καὶ γὰρ, οὐδὲν ζημιοῦται. εἴτις ὑστέρησεν εἰς τὴν ἔννατην, προσελθέτω μηδὲν ἐνδοιάζων. εἴτις εἰς μόνην. ἔφθασαι. τὴν ἐνδεκάτην μὴ φοβηθῇ τὴν βραδύτητα. φιλότιμος γὰρ ὢν ὁ δεσπότης, δέχεται τὸν ἔσχατον, καθάπερ τὸν πρῶτον. ἀναπάυει τὸν τῆς ἐνδεκάτης, ὡς τὸν ἐργασάμενον ἀπο τῆς πρώτης. καὶ τὸν ὕστερον ἐλεεῖ, καὶ τὸν πρῶτον θεραπέυει. κἀκεινω δίδωσι, καὶ τοῦτω χαρίζεται. καὶ τὴν πράξιν τιμᾶ, καὶ τὴν πρόθεσιν ἐπαινεῖ. οὐκ οὖν, εἰσελθετε πάντες εἰς τὴν χαρὰν τοῦ κῡ ἡμῶν. καὶ πρῶτοι καὶ δεύτεροι τὸν μισθὸν ἀπολάβετε. πλούσιοι καὶ πένητες μετ' ἀλλήλων χορέυσατε.

Изъ слѣдов. Псалтири XV. в. моего собранія л. 249 об. и 250 об.

Слово иже во стѣхъ отца нашего іоан. архіепа константина града златоустаго. на стоую пасхꙋ. оучителное слово еже ѡ позвѣвшихъ к покаанію постномꙋ.

Иже аще кто есть боголюбивъ, благовѣренъ и благоутробенъ. Да пріиметъ се добра, и наслатся внѣшняго тръжества. иже аще кто є благоразꙋмне, ѡ рабе благонравне. да внидетъ радꙋйа в радость господа своего. аще кто дѣла есть постася. да воспріиметъ иже сребреника. аще ктѡ ѡ перваа часа дѣлалъ є. да пріиметъ иже дне прѣнын долгъ. аще кто по трѣемъ часѣ пріиде. благодара да празднꙋетъ. аще кто и по шестѣ часѣ достигнꙋвъ приспѣ. ничто же да смнася скорбн. ибо ничимъ отмщетаетъ. аще кто и. ѳ. го часа оуслыша. да приступи безъ смнѣнїа, ничегѡ боа. аще и к перꙋын надеса ха пріиде. да не оустрашитъ пріити срамлася медленїа раа. ублюдокъ бо є блага. пріемлетъ послѣдняа ако и перваа. оутѣшаетъ, ако въ прꙋвын надеса ха пришѣшаго. ако дѣлавша ѡ перваа часа, и послѣняа милꙋетъ и перваа оутѣшаетъ. и ономꙋ даетъ, и семꙋ дарꙋствꙋетъ. и дѣланїе поунтаетъ: и прѣложенїе хвалитъ. тѣмже оубо

ἐγκρατεῖς καὶ ράθυμοι τὴν ἡμέραν τιμήσατε. νηστεύσαντες καὶ μὴ νηστεύσαντες, εὐφράνθητε σήμερον. ἡ τράπεζα γέμει. τρυφήσατε πάντες ὁ μόσχος, πολὺς. μηδεὶς ἐξέλθῃ πεινῶν. πάντες ἀπολαύσατε τοῦ πλούτου τῆς χρηστότητος. μηδεὶς θρηνείτω πένιαν. ἐφάνη γὰρ ἡ κοινὴ βασιλεία. μὴ δεῖς ὀδυρέσθω л. 121 об. πταίσματα. συγγνώμη γὰρ ἐκ τοῦ τάφου ἀνέτειλε. μηδεὶς φοβεῖσθω θάνατον. ἠλευθέρωσε γὰρ ἡμᾶς, ὁ τοῦ σ҃ῡ θάνατος. ἔσβεσεν αὐτὸν ὑπ' αὐτοῦ κατεχόμενος ἐκόλασε τὸν ᾅδην ὁ κατελθὼν εἰς τὸν ᾅδην. ἐπίκρανεν αὐτὸν γευσάμενος τῆς σαρκὸς αὐτοῦ. καὶ τοῦτο προλαβὼν ἡσαίας ἐβόησε. ὁ ᾅδης φησὶν ἐπικράνθη, συναντήσας σοι κάτω. ἐπικράνθη καὶ γὰρ ἐνεκράθη. ἐπικράνθη, καὶ γὰρ καθηρέθη. ἐπικράνθη, καὶ γὰρ ἐνεπέχθη. ἔλαβε σῶμα, καὶ θῶ περιέτυχεν. ἔλαβε γῆν, καὶ συνήντησεν οὐρ҃ῶ, ἔλαβεν ὅπερ ἔβλεπε. καὶ πέπτωκεν ὅθεν οὐκ ἔβλεπε. ποῦ σου θάνατε τὸ κέντρον, ποῦ σου ᾅδη τὸ νίκος, ἀνέστη χ҃ς, καὶ σὺ καταβέβλησαι. ἀνέστη χ҃ς καὶ πεπτώκασι δαίμονες. ἀνέστη χ҃ς, καὶ χαίρουσιν ἄγγελοι. ἀνέστη, χ҃ς, καὶ ζωῆ πολιτέυεται. ἀνέστη χ҃ς, καὶ νεκρὸς οὐδεὶς ἐπὶ μνήματος. χ҃ς ἐγερθεὶς ἐκ νεκρων, ἀπαρχὴ τῶν κεκοιμημένων ἐγένετο, αὐτῶ ἡ δόξα καὶ τὸ κράτος εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων ἀμήν.

л. 218. Αναστάσιμα ἀπολυτίκια. . . . ἦχ. α̃.

Τοῦ λίθου σφραγισθέντος ὑπὸ τῶν ἰουδαίων. καὶ στρατιωτῶν φυλασσόντων τὸ ἄχραντον σου σῶμα, ἀνέστης τριήμερος σ҃ῆ δωρούμενος τῶ κόσμω τὴν ζωὴν. διὰ τοῦτο αἱ δυνάμεις τῶν οὐρ҃ανων ἐβόων σοι ζωοδότα. δόξα τῇ ἀναστάσει σ҃ου χ҃ε. δόξα τῇ βασιλεία σ҃υ. δόξα τῇ ἀ αστάσει (sic)

л. 219 об. ἦχ. β̃. Ὅτε κατῆλθες πρὸς τὸν θάνατον ἡ ζωὴ ἀθάνατος, τότε τὸν ᾅδην ἐνέκρωσας τῇ ἀστραπῇ της θεότητος. ὅτε δὲ τοὺς τεθνεῶτας ἐκ τῶν καταχθονίων ἀνέστησας, πᾶσαι αἱ δυνάμεις τῶν ἐπουρ҃ανων ἐκραύγαζον ζωοδότα χ҃ε ὁ θ҃ς δόξα σοι.

л. 222. ἦχ. γ̃. Εὐφραινέσθω τὰ οὐρ҃ία. ἀγαλλιάσθω τὰ ἐπίγεια. ὅτι ἐποίησε κράτος ἐν βραχίονι αὐτοῦ ὁ κ҃ς. ἐπάτησε τῶ θανάτωτὸν θάνατον. πρωτότοκος ἐκ νεκρῶν ἐγένετο. ἐκ κοιλίας ᾅδου ἐρρύσατο ἡμᾶς. καὶ παρέσχε τῶ κόσμω τὸ μέγα ἔλεος,

л. 223 об. ἦχ. δ̃. Τὸ φαιδρὸν τῆς ἀναστάσεως κήρυγμα. ἐκ τοῦ ἀγγέλου μαθοῦσαι αἱ τοῦ κῡ μαθήτριαι. καὶ τὴν προγονικὴν ἀπόφασιν ὀπορρίψασαι τοῖς ἀποστόλοις καυχόμεναι ἔλεγον. ἐσκύλευται ὁ θάνατος. ἠγέρθη χ҃ς ὁ θ҃ς. δωρούμενος τῶ κόσμω τὸ μέγα ἔλεος.

л. 226. ἦχ. πλα. (ε̃). Τὸν συναναρχον λόγον πρ҃ι. καὶ πν҃τ. τὸν ἐκ παρθένου τεχθέντα εἰς σ҃ρ҃ιαν ἡμῶν. ἀνυμνήσωμεν πιστοὶ καὶ προσκυνήσωμεν. ὅτι εὐδόκησε σαρκὶ. ἀνελθεῖν ἐν τῶ στ҃ρω. καὶ θάνατον ὑπομεῖναι. καὶ ἐγεῖραι τοὺς τεθνεώτας. ἐν τῇ ἐνδόξω ἀναστάσει αὐτοῦ.

л. 227 об. ἦχ. πλβ. (ϛ̃.) Ἀγγελικαὶ δυνάμεις ἐπὶ τὸ μνήμα σ҃υ. καὶ οἱ φυλάσσοντες ἀπενεκρώθησαν. καὶ ἵστατο μαρία ἐν τῶ τάφω. ζητοῦσα τὸ ἄχραντον σ҃υ σῶμα. ἐσκύ-

кнѧте крⷭ҃сть тⷭ҃ своего. и первїи, и второїи, и послѣ-нїи мⷭ҃зⷭ҃ѹ пр҃їимѣте, ст҃їи, и оубозии,] и нищїи. дрⷭ҃ съ дрⷭ҃гⷭ҃ лижите. воздерѫжницы и лѣнивїи дн҃ь поутете. постившеися и не постившїися козкесленте дн҃ь. трапеза цр҃кꙋнаа готова исполнена. наслⷭ҃тесѧ вси. телець оупитанныи многъ. никто же изыде алчⷭ҃. вси наслⷭ҃тесѧ пирꙋ цр҃кꙋнⷭ҃. вси восприиметε кⷭ҃тьство кⷭ҃гостн. никтоⷭ҃ рыдаи ницетою. ꙗви бо сѧ обще҆ цр҃тво. никто же да не оуслабѣе. никтоⷭ҃ да плачетъ согрѣшенїи. ѡ҃-пщенїе бо кꙋпно, и ѡстакленїе ѡ҃ гроба восиа. Никтоⷭ҃ да оубоитъ см҃рти. своюⷭ҃ бо на҃ спсока см҃рть оугаси бо ѥⷭ҃. иже ѡ҃ неа дрѣжимыи, оумꙋпи ада. Сше҆ сїи коа҃, горе бы҃ емꙋ, вкꙋшешѧ плотн гн҃а и се прѣкарн҃ їслїа, къспи. адъ рⷣ҃ огорꙋн҃ срⷣ҃ тⷭ҃ долѣ. огорꙋн҃ иже изрыгⷭ҃ бы҃. прни҃ тѣло. и бⷭ҃ прираз҃и. прни҃ землю. и срⷣ҃те нⷭ҃ѡ, прни҃ ѥже вндалше, и паде къ ѥже не вндалше. гдѣ тн см҃рти жало. гдѣ тн аде побⷣда. въста хⷭ҃с, и падоша бѣсовѥ. въста хⷭ҃с, и раꙋютъ агг҃ли. воскр҃се хⷭ҃с, жизнь и живⷭ҃ ко всѣ мирѣ. воскр҃се хⷭ҃. мр҃твець иниднъ не остⷭ҃ хⷭ҃ бо въста ѡ҃ мр҃твы҃. пхатоⷭ҃ оумр҃шиⷭ҃ бы҃. томꙋ слⷭ҃ и дрѣжахꙋ въвѣкы вѣкоⷭ҃ амиинь:

л. 264 и 265 об. Камени запечатанꙋ ѡ҃ їюден. воиноⷭ҃ стрегꙋщⷭ҃ пречистое тѣло твое. воскр҃се въ третїи дн҃ь спсе подаꙗ жизнь. сего ра҃ силы нⷭ҃ныя копиахꙋ тн жизнодавце. слⷭ҃ воскр҃нїю тн хⷣ҃ слⷭ҃ цр҃твїю твоемꙋ слⷭ҃ смотренїю твоемꙋ единне ублюбуе: сꙋ. дⷭ҃ва тⷭ҃ оікономїа сꙋ мꙋне фл҃ѧне.

Троⷭ҃ гла҃ в̃. Егда сни҃ ко см҃рти жикоте бесмертныи. тогда ада оумр҃твⷭ҃ есн блистанїемъ бжⷭ҃тва. оумр҃шаа же ѡ҃ пренспⷭ҃нⷭ҃ воскр҃сн҃ есн. вса силы нⷭ҃ныя копиахꙋ тн жизнодавце хⷣ҃ слⷭ҃ тебѣ:

Троⷭ҃ гла҃. г̃. Да весела҆тъ нⷭ҃наа и рꙋютъ земнаа. ꙗко сътвори дрѣжавꙋ мышцею своею. гⷭ҃ попра҃ см҃ртїю см҃рть. прьвенець изъ мр҃твы҃ бы҃ изъ уребъ адовъ избавн҃ѥ на҃. подасть мирови велїю мл҃ть:

Троⷭ҃ гла҃. д̃. Свѣзвю воскр҃ниа пропокⷭ҃. ѡ҃ аггла оувѣдевше оуи҃ци, прѣнѥе осзженїе ѡ҃врьгше аплⷭ҃ хвалаще гл҃хꙋ испровержⷭ҃ см҃рть коса хⷭ҃ бъ пода мирови велїю мл҃ть:

троⷭ҃ гла҃ ѥ̃, Съвезнаа҆ное слⷭ҃ оц҃ꙋ и дховн҃, ѥже ѡ҃ двы рожⷭ҃ на спи҃ѥ нше. воспоимъ вѣрнїи поклонимⷭ҃ ꙗко благоизволи плотїю взыти на крⷭ҃тъ, см҃рть оумр҃шꙋ тн ко славное воскресенїе твое:

Троⷭ҃ гла҃ ѕ̃, Аггла҃ни силы на гробѣ твоемъ, и стрегꙋщи та оумр҃твⷭ҃шꙋ, ꙗко стоашε мр҃тва на гробѣ, ницꙋщи пречистаго тѣла твоего. испровержε ада, не ис-

λευσας τὸν ἅδην μὴ πειρασθεὶς ὑπ' αὐτοῦ. ὑπήντησας τῇ παρθένω δωρούμενος τὴν ζωήν. ὁ ἀναστὰς ἐκ τῶν νεκρῶν κε̄ δόξα σοι.

л. 228. ѣ҃х. βαρὺς. (7). Κατέλυσας τῷ σῳ̄ῷ σѳ τὸν θάνατον. ἠνέῳξας τῷ ληστῇ τὸν παράδεισον. τῶν μυροφόρων τὸν θρῆνον μετέβαλες. καὶ τοῖς ἀποστόλοις κηρύττειν επέταξας ὅτι ἀνέστης χ̄ε̄ ὁ θ̄ς̄. παρέχων τῷ κόσμω τὸ μέγα ἔλεος.

л. 228 об. Ἐξ ὑψους κατήλθες ὁ εὐσπλαγχνος ταφὴν κατεδέξω τριήμερον. ἵνα ἡμᾶς ἐλευθερώσῃς τῶν παθῶν ἡ ζωὴ καὶ ἡ ἀνάστασις ἡμῶν δόξα σοι.

кѳшше҃ ѿ нс҃. сре҃те дв҃ѳ, дарꙋѥмъ жнво҃, воскр҃съ изъ мр҃твы҃. ѥ҃н сла҃ тобѣ:·

Тро҃ пѣ҃ сѵ҃: Разрѣшнн кр҃то҃ сконмъ см҃рть, н ѿкрыѣдъ есн разконннкѳ рай. мнроносицѣ҃ пла҃ преложн а҃ппо проповѣдатн повелѣ. нко воскр҃се хс҃ бъ подаѥ мнровн келїю мр҃ть:

тро҃ пѣ҃. н҃. Скышнн҃ снн҃ мр҃дѥ. погребенїе прнн҃ трндн҃екено. да на҃ свободнши ѿ стр҃тен жнвотѣ н воскрнїе нше҃ сла҃ те:

Чтеніе и объясненіе снимка.

Μηνὶ σεπτεμβρίω. ᾱ. Περὶ τῆς ἰνδικτου καὶ τοῦ συμεὼν, εἰ τύχωσιν ἐκ κυριακῆ.

Μηνὶ τῷ αὐτῷ. ιῑ̄. Περὶ τῆς ἑορτῆς τῶν ἐγκαινίων ἐι τυχῃ ἐν κυριακῆ. μηνὶ τῷ ἐν ιᾱ̄ ·:· ῑ̄. περὶ τῆς ἑβδόμης συνόδου τὸ π. καὶ πότε ὀφείλει ψάλλεσθαι.

φυλ. 13. Προσετίθη δε δευτέρα ὀκτωβρίου. ἐν ἔτει ἕκστω ὀκτακοσιόστῷ τε ἑξακισχιλιοστῷ. ἐνδεκάτης ἰνδείκτου.

φυλ. 13 об. Η βίβλος αὕτη παῤ ἐμοῦ πονηθεῖσα ·:·
Τοῦ ἐν μοναχοῖς ἁμαρτωλοῦ ἐκπόθε ·:·
Ἀθανασίου τάλανος καὶ ἀχρείου ·:·
Τε̄ καὶ χρηματίσαντος ἀρχιμανδρίτου ·:·
Μονῆς τῆς θείας καὶ βασιλειοτάτης ·:·
Ὄρους τῇ κλῆσει ἁγίου ἀυξεντίου.
Ὡς εὐτελεῖ δῶρον τῇ πανάγνω παρθένω ·:·
Μρ̄ι τε̄ μόνου θῡ̄ μѳ καὶ δεσπότου ·:·
Μονῆς λαμπρᾶς τε καὶ περιφανεστάτης ·:·
Βασιλικῆς ἐτέθη βατοπεδίου ·:·
Μνήμης ἕνεκα. ψυχῆς ἡμετέρας ·:·
Ὁ δε βηληθεὶς ὅστις καὶ οἷος εἴη ·:·
Στερῆσαι αὐτὴν τῇ σεβασμία ταύτη ·:·
Μωνῇ κἀν ὅπε βολήθειη ἔχετω ·:·
Αὐτὴν πρὸ παντὸς τὴν θεομήτορα μѳ ·:·
Ἔνθεν κακεῖσε ἀντίδικον ἐιθούτως ·:·
Τὰς τῶν ὁσίων θεοφόρων πρ̄ων ·:·
Τριακοσίων ὄκτω καὶ δέκα κλῆρον ·:·
ἁρᾶς καὶ πάντων ἀπ̓ αἰώνος ἁγίων ·:·
μερὶς δη τε̄τε ἔστω μετὰ ἰοῦδα ·:·
καὶ τῶν κραξάντων ἆρον στρ̄ωσον ἆρον ·:·

Заставки заглавныя буквы, скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: καινὸν σιὼν: Сокращенія и слова съ титлами: ταῖς ψυχαῖς, τῆς δυνάμεως. σάββατον, κυριακῆ. τὸν. καθάρισον. μητρὶ θεοῦ.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α, ἁγίων. ε, ἓξ ἐσταυρώθη ἐπὶ. ν, ἐπισυνάπτουσι. σ, φῶς σου φοβερα. τ, μετὰ. Знаки сносокъ на л. 109 изображеніе четвероконечнаго креста въ концѣ статьи.

XIV-й ВѢКЪ.

I. Лѣствица святаго Іоанна,

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 361-мъ.

Длина пергамина	5 в.
Ширина.	3 6/8 „
Къ корешку.	3/8 „
Къ правой сторонѣ	1 „
Къ верху	5/8 „
Къ низу.	1 1/8 „

Пергаменъ выдѣланъ очень хорошо и довольно тонокъ.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ на 260-ти листахъ въ одинъ столбецъ. Внизу 1-го неписаннаго листа подписано: Арсеній; вверху 3-го листа: τοῦ βατοπαιδίου. Заставки, заглавія и заглавныя буквы писаны краскою блѣдно-розоваго цвѣта. Колеръ чернилъ коричневый. Помѣта тетрадей внизу у корешка съ обоихъ сторонъ. Число строкъ на страницѣ 21.

Въ началѣ рукописи на 1-мъ помѣченномъ листѣ написана молитва: Ангелу Хранителю и еще въ родѣ же молитвъ безъ надписаній. Внизу 6-й страницы на оборотѣ краскою розоваго цвѣта нарисована лѣствица о 30-ти ступеняхъ; на 257. страницѣ написано, когда и кто писалъ сію лѣствицу въ 1306-мъ году. На оборотѣ 257. листа безъ надписи говорится объ осми порочныхъ помыслахъ; на оборотѣ 259. листа одна молитва ко сну; начало ей: Καὶ σὺ μὲν ὑπὲρ ἀγαθε υἱὲ καὶ λόγε.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 152 об. Περὶ τῶν ἀνεκφράστων λογισμῶν τῆς βλαφημίας.

κϐ. Χαλεπῆς ῥίζης καὶ μρ̄ς, χαλεπώτατον ἀπογόνον εἶναι ἐν τοῖς φθάσασιν ἀκηλόαμεν. λέγω δὴ τῆς μιᾶρὰς ὑπεὶ ῥηφανίας, τὸν ἄρρητον τῆς βλασφημίας ἀπόγονον. Διὸ ἀναγκαῖον, καὶ αὐτὸν εἰς μέσον ἀχθῆναι. οὐ γὰρ τᾶν τυχόντων. ἀλλάγε καὶ πολὺ πάντων, χαλεπότερος ἐχθρὸς καπολέμιος καθέςηκεν. καὶ τὸ δὴ χαλεπώτερον, οὐδὲ εὐχερῶς ἐκφρασθῆναι ἢ ἐξομολογηθῆναι καὶ στηλιτευθῆναι πνευματικῶ ἰαιρῶ δυνάμενος. Διὸ καὶ πολλοῖς πολλάκις ἀπόγνωσιν καὶ ἀνελπιστίαν ἐγέννησεν. ὥσπερ σκώληξ ἐν ξύλω, πᾶσαν αὐπῶν τὴν ἐλπίδα ἐξαναλώσας ὁ ἀνόσιος. οὗτος τοίνον οὗτος ὁ παμμίαρος, φιλεῖ πολλάκις л. 153. παρ αὐτὰς τὰς ἁγίας συνάξεις καὶ κατ αὐτὴν τὴν τῶν φρικτῶν μϋστηρίων ὥραν, δυσφημεῖν τὸν κν̄ καὶ τὰ τελούμενα ἅγία. ὅθεν μαλῖστα μανθάνομεν σαφῶς, μὴ οὖσαν τὴν ἡμετέραν ψυχὴν τὴν τὰ ἄθεα καὶ ἀκατάληπτα καὶ ἄρρητα ἐκεῖνα λόγια ἔνδον φθεγξαμένην, ἀλλὰ τὸν μῖσόθεον δαίμονα, τὸν ἐκ τῶν οὐρανῶν δραπετεύσαντα, διὰ τὸ κἀκεῖ τὸν κν̄ βλασφημίαις τὸ δοκεῖν βαλεῖν. ἐι γὰρ ἐμοὶ οἱ ἄσεμνοι ἐκεῖνοι καὶ ἀτρεπεῖς λόγοι, πῶς τὸ δῶρον δεξάμενος προσκϋνῶ. πῶς λοιδορεῖν καὶ εὐλογεῖν δύναμε. πολλοὺς Ὁ ἀπατεὼν οὗτος καὶ ψυχοφθόρος, εἰς ἔκστασιν φρενῶν ἤγαγε πολ-

Изъ лѣствици св. Іоанна XV в. моего собр. л. 93–95.

О нечистыхъ помыслѣхъ хулныхъ.

**Люта корене и мѣре лютѣишии ѡ҃ сущь к прѣкарши҃ слышахѡ҃. глю҃ сквернꙗ прелщорства не изглаголы и хулныи ѡ҃. тѣже потрѣбно є҃ и то҃ на средꙋ привести. не бо ѡ҃ прилꙋчившꙗ но па҃ множае всѣ лютѣишии кра҃ и ратни҃ є҃. и є҃ лютѣишее ѩ҃ инꙋдѣ изъꙗвлꙗти҃ или исповѣдати, или облꙋчити дх҃номъ крадую могыи. тѣже и многаѫ҃ многѣ҃ ѡ҃ꙋаѧе и безнадѣе ро҃. ꙗко҃ ѵервь во древѣ, всю ѩ҃ надежю҃ истощи҃ непрѣподобныи. се ꙁбо сеи сквернын любы҃ многаѫ҃ к тасама с҃таа соврага҃, и к тои самыи страшнын ѵа҃ с҃тхъ таи҃ хулити г҃а, и творимаа с҃таа. ѡ҃нюдꙋ҃ и па҃ накыкиꙋ҃ ꙗкѣ, не свыщ҃ нашъ дш҃ю҃ непобнаа и непостиꙗа она и ненавидимаа слокеса кнутрь къщающъ. но бо ненавѣстному бѣсꙋ, ѩ҃ ѡ҃ ꙗкѣ҃ ѡ҃вѣгшему, и за є҃ и тамо г҃а хвалами є҃ мнѣти҃ облагати. аще бо мои безꙋтнїи они и непобнїи помысли, ка҃ с҃тыа дары прнѣ҃ каланаѫ҃. ꙗкѡ҃ ли злословити или блꙗсти могꙋ. многы прелестни҃ сеи дш҃етлѣнныи во изступлѣе ꙋма привеле многаѫ҃. инкыи҃ бо сице инъ не ꙁдѡ҃ исповѣдꙋе҃ помыслъ. ꙗкѡ҃ тои є҃. тѣже и множицею со многѣми состарѣвса. инꙋ҃ ко та҃ бѣсѣ҃ и помыслѡ҃ крѣпѡ҃ на ны даѣ, ꙗкѡ҃ сїа не

λάκις. οὐδείς γὰρ ἕτερος λογισμὸς οὕτως δυσέξαγόρευτος, ὡς αὐτὸς καθέστηκεν. Διὸ πολλάκις, τοῖς πολλοῖς καὶ συνεγείρασεν, οὐδὲν γὰρ οὕτως οὐδὲν τοῖς δαίμοσι καὶ τοῖς λογισμοῖς ἰσχὺν καθ' ἡμῶν δίδωσιν ὡς τὸ τούτους ἀνεξαγορεύτους ἐν τῇ καρδίᾳ σιτήζεσθαι καὶ ἀποκρύπτεσθαι. μὴ δείς ἐπὶ λογισμοῖς βλασφημίας, л. 153 об. ἑαυτὸν αἴτιον εἶναι λογίσαιτο. καρδιογνώστης γὰρ ἐστιν ὁ κ̄ς̄ καὶ ἐπίσταται οὐχημῶν. ἀλλὰ τῶν ἐχθρῶν ἡμῶν εἶναι, τὰ τοιαύτα ῥήματα. τὸ μεθύειν, αἴτιον τοῦ προσκόπτειν. καὶ τὸ ὑπερηφάνεσθαι, αἴτιον τῶν ἀπρεπῶν λογισμῶν. καὶ ἐκ μὲν τοῦ προσκόπτειν, ἀναίτιος ὁ προσκόψας καὶ ἀνεγκλητος. ἐκ δὲ τοῦ μεθύειν πάντως τῖμω ρηθήσεται. ἐν προσευχῇ σταθέντων ἡμῶν, οἱ ἀκάθαρτοι λογισμοὶ ἐκεῖνοι καὶ ἄρρητοι, ἐπανέστησαν. καὶ τὴν προσευχὴν πληρωσάντων, εὐθέως ὑπεχώρησαν. τοῖς γὰρ μὴ μαχομένοις αὐτοῖς, οὐφίλουσι μάχεσθαι. οὐ μόνον τὸ θεῖον καὶ τὰ θεῖα πάντα ὁ ἄθεος βλασφημεῖ, ἀλλὰ καὶ αἰσχροτάτους τινὰς καὶ ἀπρεπεῖς λόγους ἐν ἡμῖν φθέγγεται. ἵνα ἢ τὴν προσευχὴς καταλείψωμεν, ἢ ἑαυτῶν ἀπογνῶμεν. πολλοὺς μὲν τῆς προσευχῆν ἐνέκοψεν. л. 154. πολλοὺς δὲ τῶν μὐστηρίων ἀπεχώρῖσε. τἰνῶν μὲν τὰ σῶματα, τῇ λύπη κατέτηξεν. ἄλλους δὲ, ἐκ νηστείας δεδάμακεν, ὁ πονηρὸς οὗτος καὶ ἀπάνῦς τύραννος. καὶ ᾗδὲμίαν αὐτοῖς τὴν ἄνεσιν δέδωκεν. οὐ μόνον τοῖς κατα κόσμον, ἀλλὰ καὶ τοῖς τὸν μοναδῖκὸν βῖον μετερχομένοις, τοῦτο ἀπεργασάμενος. μὴδὲμίαν, αὐτοῖς λοιπὸν σρῖαν ἔχειν. ὑποτῖθέμενος. ἀλλὰ καὶ ἀπίστων καὶ ἑλλήνων πάντων ἑλλεινοτέρους καὶ ἀθλῖωτέρους εἶναι ἀποφηνάμενος. ὁ πνῖ βλασφημίας ὀχλούμενος. καὶ τούτου ἀπαλλαγῆναι βουλόμενος, ἐπιγνώτω ἀκρῖβῶς μὴ τὴν ψυχὴν τὴν ἑαυτοῦ, αἰτίαν εἶναι τῶν τοιούτων λογῖσμᾶν, ἀλλὰ τὸν ἀκάθαρτον δαίμονα, τὸν ποτὲ πρὸς κ̄ν̄ λέγοντα ταῦτα πάντα σοι δώσω, ἐὰν πεσῶν προσκῦνησης μοι. Διὸ καὶ ἡμεῖς ἐξουθενοῦντες αὐτὸν καὶ μὴδ' ὅλως τα παρ' αὐτοῦ λεγόμενα εἰς μέτρον ἔχοντες, εἴπωμεν. ὕπαγε ὀπίσω μου σατανᾶ. κν̄ τὸν θ̄ν̄ μου л. 154 об. προσκυνήσω, καὶ αὐτῶ μόνω λατρεύσω. σοῦ δὲ, ἐπιστρέψει ὁ πόνος καὶ ὁ λόγος, ἐπὶ τὴν κεφαλήν σου. καὶ ἐπὶ τὴν κορυφήν σου ἡ βλασφημία σου καταβήσεται. ἐν τῶ νῦν καὶ ἐν τῶ μέλλοντῖ αἰῶνι ἀμήν. Ὁ ἐκτος του προειρημένου τρόπου τῶ τῆς βλασφημίας δαίμονι, παλαῖ σε (σαι) βουλόμενος, ὅμοιος ἐστῖ τῶ ἐν ταῖς ἑαυτοῦ χερσὶν ἀστραπὴν πῖάσαι δοκῖμάζοντῖ. πῶς γὰρ καὶ καταλήψεται ἢ ἀντείποι. ἢ παλαίσῃ τὸ ἐξαίφνης ἐν τῇ καρδία δίκην ἀνέμου παρερχομένω καὶ ροπῆς τάχῖστα τὸν λόγον τῶ λέγοντι καὶ εὐθέως ἀφαντουμένω. πάντες μὲν γὰρ οἱ πόλεμοι. καὶ ἵστανται, καὶ προσπαλαίουσῖ καὶ χρονίζουσῖ καὶ καιρὸν παρέχουσι τοῦ κατ' αὐτῶν παλαιειν βουλομένω. οὑτος δὲ, οὐ ἀλλ' ἅμα τοῦ φανῆναι ἀπέστη. καὶ ἅμα τοῦ προσλαλῆσαι κατέδῦσε. πολλάκῖς ἐν τῇ τῶν ἁπλουστέρων καὶ ἀκεραιοτέρων διανοία, ὁ τοιοῦτος δαίμων φῖλοχωρεῖν л. 155. εἴωθεν. οἵτινες καὶ μάλιστα σφοδρωτέρως τῶν ἄλλων θορυβοῦνται καὶ ταράττονται. ἔν οἷς καὶ λέγομεν κυρίως οὐκ ἐξ οἰήσεως, ἀλλ' ἐκ φθόνου τῶν δαιμόνων τὸ πᾶν γίνεσθαι. τοῦ κρίνειν καὶ τοῦ κατακρίνειν τὸν πλησίον παυσώμεθα. ἀφορμὴ γὰρ καὶ ῥίζα, τοῦ δευτέρου τὸ πρότερον. ὥσπερ ὁ ἐν οἴκω κατακεκλεισμένος ὑπάρχων, τῶν ἔξω παριόντων τοὺς λόγους ἀκούει αὐτὸς τούτους μὴ φθεγόμενος, οὕτως καὶ ἡ ψυχὴ ἐν ἑαυτῇ διάγουσα, τὰς τοῦ δαίμονος βλασφημίας ἀκρωμενη ταράττεται. ἅσπερ φθέγγεται δὶ αὐτῆς παρερχόμενος. Ὁ ἐζουδενώσας τοῦτον, τοῦ πάθους ἠλευθέρωται. ὁ δὲ ἀλ-

неповѣдуемыи в срдци питати и крыти. никто о помыслѣ худыи себе повинна быти да помышлаѣ. се убо є҆сть и свѣ, и҆ не наши но вра наши сѹ таковїи гн҃и. є҆ вникати, виновно є҆ претыкати, и є҆ презорствовати, виновно неподобны помыслѣ. и ѡ̑ є҆ претыкати убо, неповинѣ прѣкнувыи. а є҆ вникати вслко мѹчє҆ будє҆. на мѧтвѣ стакшє҆ на, неѹтїи и не изгнанніи о ни помысли вставша. и мѧтвѣ скончавшє҆ акїе ѡ҆ндоша. с неборющими бо҆ с ними не люба҆ братї. не тою бжтвное и бжтвнаа вса безбо҆ныи луа҆. но и срамнѣша нєкаа и непо҆бнаа словеса к на҆ вѣщаѣ, и҆ да ни мѧтвѹ остави, ни себе ѡ҆ставї. многы убо ѡ҆ мѧтвы ѡ҆стави. многи ѡ҆ бжтвны таи҆ ѡ҆мѹї. нѣкї убо телеса пе҆ваю истаа, ниѣ же посто҆ здрѹви, лукавыи сеи и бесѹдныи томитє҆. и ни єдино тѣ҆ ослабле҆є҆ пода҆. не тою сѹщи к мирѣ но и и҆ноускоє жи҆є проходащи сїе сдѣла. ни҆единно тѣ҆ спи҆їе имѣти проѣ влагаа. но и невѣрны и поганны всѣ, оказанѣнши и стрт҃нѣнши быти вѣщаа. и҆ дхо҆ худыи стѹжаемыи и то҆ прѣменитї хотаа, да позна҆ѣ опасно не дшю свою виновнѹ сѹщю таковы помысло҆, но неѹта҆ бѣса. и҆ иногда ко гѹ гнаѣщаа сїа вса тебѣ да҆, аще на҆ поклонившимы. тѣже и мы винѹжающе є҆, и ни како ѡ҆ ѡ̑ не гнаѣмаа в ѹнсло имѹще рцѣ. ндї хама сатана гѹ бѹ моему поклоню҆, и томѹ є҆диному послѹжѹ. тебѣ да возкратї҆ся болѣзнь и сло҆ на главѹ твою. и на верхъ ткон хула твоа синде҆, и квинѣшнїи и вбдущїи вѣ҆ амн҆. и҆ кромѣ прѣрѣуенна҆ образа с худыи бѣсо҆ братї҆ хотан по҆обенъ є҆ и҆ сконма рукама мо҆нїю ѥти покѹшающемѹ. ка҆ко и постнгне҆, или рѹе҆. или боре҆ся. и҆ напрасно в срдци по҆бнѣ вѣтрѹ мимоходящему, и ѹ҆ся скоре҆ сло҆ глщему, и акїе без вѣсти быкающѹ. вса убо рати, и стоѧ҆, и борю҆ся и коснѧ҆, и крема покедаю҆ и҆ с тѣми братї҆ хотащему. сн и҆ ни, но кѹпно є҆ ѥмнти ѡ҆ступи. и кѹпно є҆ глати ѕанде. множицею к простѣнши и невѣжны мысли таковыи, бѣ вмѣщатї обыче. и҆ и на ѕелнѣнше нѣ҆ молва҆ и смѹщаю҆ся. к ни же и глѣ҆ констнну, не ѡ̑ мнѣа но ѡ̑ ѕаконстн бѣсовскїа всему быкати. є҆ сѹти и є҆ осѹжда҆ти нскрена҆ престане҆, и помыслъ худыи не ѕкоі҆ся. вина бо и коре҆ второмоу перкое. ако҆ и҆ во храмине ѕатворе҆ сы. и҆ кнѣ мимоходащи словеса слыши, татѣ невѣщаа. та҆ дшю к себѣ пребыкающи, бѣсовскїа хвалы слышащи смѹщаѣся, и҆ вѣщаю҆ к нен мимохода. вниѹїжнын то҆ стрт҃и свободи҆

λως αὐτῶ παλαίειν σοφιζόμενος, εἰς τέλος ὑπόκειται. ὁ γὰρ λόγους, πνευμάτων πιάσαι βουλόμενος, ὅμοιος ἐστι τῶ ἀνέμους ἐγκλείοντι. μοναχὸς σπουδαῖος ὑπὸ τούτου ὀχλούμενος τη̃ δαίμονος ἐπὶ ἐικοστὸν ἔτος, τὰς ἑαυτοῦ σαρκας νηστείαις καὶ ἀγρυπνίαις κατέτηξε л. 155 об. καὶ ὡς οὐδεμιᾶς ὠφελείας ἤσθετο, ἀπελθὼν καὶ τὸ πάθος ἐν χάρτη γεγραφῶς, ἀγίω τινὶ ἀνδρὶ ἐπιδέδωκεν. ἐπὶ πρόσωπον κείμενος καὶ πρὸς αὐτὸν ἀνανεύειν μὴ δυνάμενος. ὡς δὲ ἀνέγνω ὁ γέρων, ἐμηδίασε. καὶ ἀναστήσας τὸν ἀδελφὸν, λέγει αὐτῶ. ἐπίθες ὦ τέκνον τὴν σὴν χεῖρα ἐπὶ τὸν ἐμὸν αυχένα. καὶ ὡς τοῦτο ὁ ἀδελφὸς πεποίηκε, λέγει ὁ μέγας. ἐπὶ τὸν ἐμὸν τράχηλον ἀδελφὲ ἡ ἁμαρτία αὕτη, ὅσα ἔτη καὶ πεποίηκε καὶ ποιήσει ἐν σοὶ. μόνον σοι αὐτὴν εἰς μέτρον μὴ κέτι ἔχε. καὶ διεβεβαιοῦτο ὁ τοιοῦτος ὡς οὐ πρώην τῆς κέλλης τοῦ γέρωντος ἐξεληλύθει, εὡς οὗ τὸ πάθος θᾶττον ἄφαντον γέγονε. τούτου ὁ ἐν πείρα γενόμενος, ἐμοὶ διηγήσατο εὐχαρίστων τῶ θω̃.

а и̑ инако с тѣ̑ братиѫ̑ ѫхищрлли до конца полежи. и во словеса дхо̑ нти хотяи, по̑бѣнъ е̑ и̑ кѣтры ѕатворяющему. мни̑ поспѣши̑ ѡ̑ се̑ вѣса стужае̑ до. к̑. го лѣта. пло̑ скою посты и бдѣни истяз. да и̑ ни единого̑ успѣха ощущаше, ше̑ и стра̑ на хара̑н написа̑ сту̑ нѣкоему мужю вда̑. лице̑ на земли лежа, и к нему возрѣти не могы. и̑ прочте старець осклаби̑. и возвѣ̑ брата гла̑ ему. возложи о ра̑ свою руку на мою выю. и и̑ се бра̑ створи гла̑ велнкын, на моѣи выи братє грѣ̑ тон, елнко ле̑ створї и створи̑ к тебѣ. тою ты не ктому нмѣи то в умсло. ищющаше таковын и̑ не пре̑ нс кѣ̑ старуа иꙁыти ему донде̑ стра̑ вскорѣ бєзвѣсти бы̑. сему и̑ во искусѣ быкын. мнѣ покѣствова бла̑годарствую ба̑:

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 148-й об. Περὶ τῆς ὑπερηφανίας τῆς ἀκεφάλου. ἐν ὦ καὶ περὶ ἀκαθάρτων λογισμῶν τῆς βλασφημίας.

κβ̑. Ὑπερηφανία ἐστὶν, θεοῦ ἄρνησις. δαιμόνων εὕρεμα ἐξουδένωσις ἀνθρώπων κατακρίσεως μητήρ. ἐπαίνων ἀπόγονος. ἀκαρπίας τεκμήριον.

ф. 2[illegible]4. † Θεοῦ τὸ δῶρον, καὶ πόνος δωροθέου.

† Δόξα τῶ θεῶ πάντων ἕνεκα.

† Ἐτελειώθη τὸ παρὸν βιβλίον κατὰ μῆνα Μαρτιον. ἔτους ϛϡϟ̑. ἰνδικτιώνος ϛ̑. δι̑ ἐνεργείας τοῦ τιμιωτάτου ἐν ἱερομονάχοις Κυρ̑ Αρσενίου. καὶ οἱ ἀναγινώσκοντες ἔυχεσθαι ἡμῖν διὰ τὸν Κύριον.

Маленькая заставица, заглавныя буквы. Вязью написанное: Іωсиф іеромонахос: ·

Слова съ знаками препинанія: δοκῶν, σκώληκες. παρεκτείνεσθαι; ·

Сокращенія и слова съ титлами: καὶ τοῖς. θεοῦ μητήρ.

Нѣкоторыя слова въ связи съ другими: α., ὑποταγῆς. ε., ἐξουδένωσις εὕρεμα. ν., τεκμήριον οὖν. σ., ἐστιν. τ., ἐξέρχεται. л. 154 об. знаки вносныхъ мыслей; цифры к и л. съ титлами вверху и снизу, означающія помѣту тетрадей.

II. Фотолитографическій свитокъ

ЛИТУРГІИ СВѦТАГО ІОАННА ЗЛАТОУСТАГО.

Находится въ собраніи Г-на Севастьянова въ Румянцевскомъ музеѣ.

Сей свитокъ мною скопированъ и литографически отпечатанъ въ очень немногихъ экзетплярахъ. Длина сего свитка съ одной стороны писаннаго 7½ аршинъ; въ ширину два вершка. Заставка круглая поддерживается двумя витыми колонками. Заглавныя буквы очень красивы изъ птицъ и звѣрей. Въ началѣ написана проскомидія, но сокращенными словами и блѣдно вышедшими изъ фотографіи.

Выписываю изъ сей службы молитву; которую читаетъ Іерей послѣ словъ: *благодаримъ Господа*, съ древнимъ Славянскимъ переводомъ, и слѣдующее послѣ нея до конца.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Εὐχαριστήσωμεν τῷ Κυρίῳ. ὁ ἱερεὺς κλινόμενος ἐπεύχεται.

Ἄξιον καὶ δίκαιον. σὲ ὑμνεῖν. σὲ εὐλογεῖν. σὲ αἰνεῖν. σοὶ εὐχαριστεῖν. σοὶ προσκυνεῖν ἐν παντὶ τόπῳ τῆς δεσποτείας σου. σὺ γὰρ εἶ θεὸς ἀνέκφραστος ἀπερινόητος ἀόρατος καὶ ἀκατάληπτος. ἀεὶ ὢν ὡσαυτῶς ὤν. σὺ καὶ ὁ μονογένης σοῦ υἱὸς καὶ τὸ πνεῦμα σου τὸ ἅγιον. σὺ ἐκ τοῦ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι ἡμᾶς παρήγαγες. καὶ παραπεσόντας ἀνέστησας πάλιν. καὶ οὐκ ἀπέστης πάντα ποιῶν ἕως ἡμᾶς εἰς τὸν οὐρανὸν ἀνήγαγες. καὶ τὴν βασιλείαν ἐχαρίσω τὴν μέλλουσαν. ὑπὲρ τούτων ἁπάντων. εὐχαριστοῦμεν σοι καὶ τῷ μονογενεῖ σου υἱῷ. καὶ τῷ πνεύματι σου τῷ ἁγίῳ. ὑπὲρ πάντων ὧν ἴσμεν καὶ ὧν οὐκ ἴσμεν. τῶν φανερῶν καὶ ἀφάνων εὐεργεσιῶν τῶν εἰς ἡμᾶς γεγενημένων. εὐχαριστοῦμεν σοι καὶ ὑπὲρ τῆς λειτουργίας ταύτης ἣν ἐκ τῶν χειρῶν ἡμῶν δέξασθαι κατηξίωσας. καίτοι σοὶ παριστήκασιν χιλιάδες ἀρχαγγέλων καὶ μυριάδες ἀγγέλων τὰ χερουβὶμ καὶ τὰ σεραφὶμ ἑξαπτερυγα πολυόμματα, μετάρσια πτερώτα: Τὸν ἐπινίκιον ὕμνον ἄδοντα βοῶντα κεκραγότα καὶ λέγοντα.

Ἐυχὴ κλιν...

Μετὰ τούτων καὶ ἡμεῖς τῶν μακαρίων δυνάμεων δέσποτα φιλάνθρωπε βοῶμεν καὶ λέγομεν. ἅγιος εἶ ὡς ἀληθῶς καὶ πανάγιος. σὺ καὶ ὁ μονογενὴς σου υἱός καὶ τὸ πνεῦμα σου τὸ ἅγιον. ἅγιος εἶ καὶ πανάγιος καὶ μεγαλοπρεπὴς ἡ δόξα σου. ὃς τὸν κόσμον σου οὕτως ἠγάπησας ὥστε τὸν υἱὸν σου τὸν μονογενῆ δοῦναι. ἵνα πᾶς ὁ πιστεύων εἰς αὐτὸν μὴ ἀπόληται. ἀλλ' ἔχῃ ζωὴν αἰώνιον. ὃς ἐλθὼν καὶ πᾶσαν τὴν ὑπὲρ ἡμῶν οἰκονομίαν πληρώσας. τῇ νυκτὶ ἢ παρεδίδοτο μᾶλλον δε ἑαυτὸν παρεδίδου ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσμου ζωῆς λαβὼν ἄρτον ἐν ταῖς ἁγίαις αὐτοῦ καὶ ἀχράντοις καὶ ἀμωμήτοις χερσὶν. εὐχαριστήσας καὶ εὐλογήσας. ἁγιάσας κλάσας, ἔδωκε τοῖς ἁγίοις αὐτοῦ μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις εἰπων. Ἐκφώνησις. Λάβετε φάγετε τοῦτο ἐστὶ τὸ σώμα μου τὸ ὑπὲρ ὑμῶν κλώμενον εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν.

Ομοίως καὶ τὸ ποτήριον μετὰ τὸ δειπνῆσαι λέγων.

Ἐκφώνησις. Πίετε ἐξ αὐτοῦ πάντες. τοῦτο ἐστὶ τὸ αἷμα τὸ τῆς καινῆς διαθηκῆς τὸ ὑπὲρ ὑμῶν καὶ πολλῶν ἐκχυνόμενον εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν. Ὁ ἱερεύς εὔχεται.

Μεμνημένοι τοίνυν τῆς σωτηρίου ταύτης ἐντολῆς. καὶ πάντων τῶν ὑπὲρ ἡμῶν γεγενημένων. τοῦ σταυροῦ. τοῦ τάφου. τῆς τριημέρου ἀναστάσεως. τῆς εἰς οὐρανοὺς ἀναβάσεως. της ἐκ δεξιῶν καθέδρας τῆς δευτέρας καὶ ἐνδόξου παρουσίας.

Ἐκφώνησις. Τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν σοι προσφέροντες κατὰ παντὰ. καὶ διὰ πάντα.

Изъ Служебника Варлаама Хутынскаго XIII в. Synod. Библіотеки. л. 14—19.

Бл҃годарнмъ г҃а ·:· мл҃тва. тан ·:·

**Достонно и правєдно та пѣти. бл҃гословити. тебє бл҃годарити. тебє клнатнсл на всякомь мѣстѣ клу҃ьствнх твоюго. ты бо юсн б҃ъ не нзъгл҃анъш. не домыслимъш. некнднмъш прнносимъш. тако же сын юдноудадын сн҃ъ твон. н дхъ твон ст҃ын. ты ѡ небытьш нъı прнвєдє. ѡпадъшаѫ въскр҃сн пакы. не ѡстоупн всє творл. донъдєжє нъı на нб҃о възвєдє. н цр҃тво дарова хотлщєю бытн. ѡ снхъ всѣхъ бл҃годарнмъ та. н юдноудадын твон сн҃ъ н дхъ твон ст҃ын. н ѡ всѣхъ нже вѣмъ нхъ же не вѣмъ. нкленыхъ н не нкленыхъ. бл҃годѣннин бывъшнхъ на насъ. бл҃годарнмъ та ѡ служьбѣ сѣн. юже ѡ роукъ нашнхъ прнкати нде тебє прѣстоншхоу тысащл арханг҃лъ н тьмы анг҃лъ хєровнмъ н сераѳнмъ. шєстокрнлатнн. н многоѡчнтнн. въсъхыщающаса пєрната ·:·

Побѣдноую пѣ҃ поющл възопьющл възывающл н гл҃ящл ·:·

Съ снми н мъı блажнъıми снлами вл҃ко улѣколюбьıє вопьємъ н гл҃мъ. ст҃ъ юсн н прѣст҃ъ. н юдноудадын твон сн҃ъ. н дхъ твон ст҃ын. ст҃ъ н прѣст҃ъ. н вельлѣпнам слава твоя. нже мнръ свон тако възлюбн нко сн҃ъ свон юдноудадын дати. да всякъ вѣроующн конь не погнбнєть. но нмать жнвотъ вѣчънын. нже прншедъ. н все юже ѡ насъ смотрѣнніе нсполнивъ. к ношн в нюже прѣданшєся за мнрьскын жнвотъ. прнмъ хлѣбъ ст҃ма своюма н пру҃тма н непорочнъıма роукама бл҃годарнвъ н бл҃гословнвъ. ѡсв҃ь прѣломль. въда ст҃мъ своюмъ оученнкомъ н ап҃ломъ рекъ ·:·

Прнмнѣтє н ѣдитє се юсть тѣло моє ломнмоє за вы во ѡставлѣннє грѣховъ ·:·

Такоже н чашю по вечєрн гл҃л ·:·

Пнитє ѡ нєм всн се юсть кровь моя новаго завѣта нзлнваємаа за вы н за многы ко ѡставлѣннє грѣховъ ·:·

Помнлующе оубо нъıнѣ сн҃сноую сню запов҃дь. н всѣхъ за нъı бывъшнхъ. распатнм. н гроба. трнд҃невьнаго воскр҃снм. н на нб҃са въшествнм. ѡ десноую сѣдѣннм. котораго н славьнаго пакы прншєствнм ·:·

Твоя ѡ твонхъ тебє прнносащє ѡ всѣхъ н за вса:

'Ο Ιερεὺς εὔχεται.

Ἔτι προσφέρωμεν σοι. τὴν λογικὴν ταύτην καὶ ἀναίμακτον λατρείαν. καὶ παρακαλοῦμεν σε. καὶ δεόμεθα καὶ ἱκετεύομεν. κατάπεμψον τὸ πνεῦμα σου τὸ ἅγιον ἐφ' ἡμᾶς. καὶ ἐπὶ τὰ προκείμενα δῶρα ταῦτα.

Καὶ ἀνιστάμενος καὶ σφραγίζων τὰ ἅγια δῶρα, λέγει.

Καὶ ποιήσον τὸν μὲν ἄρτον τοῦτον, τίμιον σῶμα τοῦ χριστοῦ σου ἀμήν, τὸ δὲ ἐν τῷ ποτηρίῳ τούτῳ. τίμιον αἷμα τοῦ χριστοῦ σου ἀμήν. Μεταβαλὼν αὐτὰ τῷ πνεύματι σου τῷ ἁγίῳ ἀμήν: •

Μνήσθητι ἡμῶν δέσποτα ἅγιε. καὶ πάλιν ὁ ἱερεὺς κλινόμενος ἐπεύχεται.

Ὥστε γενέσθαι τοῖς μεταλαμβάνουσιν. εἰς νῆψιν ψυχῆς. εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν εἰς κοινωνίαν τοῦ ἁγίου σου πνεύματος. εἰς βασιλείας οὐρανῶν πλήρωμα. εἰς παρρησίαν πρὸς σέ. μὴ εἰς κρίμα ἢ εἰς κατάκριμα. Ἔτι προσφέρομεν σοι τὴν λογικὴν ταύτην λατρείαν ὑπὲρ τῶν ἐν πίστει ἀναπαυσαμένων πρὸ πατρῶν. πατρῶν πατριαρχῶν προφητῶν ἀποστόλων κηρύκων εὐαγγελιστῶν. μαρτύρων ὁμολογητῶν. ἐγκρατευτῶν. καὶ παντὸς πνεύματος ἐν πίστει τετελειωμένου.

Ἐκφώνησις. Ἐξαιρέτως τῆς παναγίας ἀχράντου ὑπερευλογημένης ἐνδόξου δεσποινης ἡμῶν θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου μαρίας.

'Ο ἱερεὺς ἔυχεται.

Τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ προφήτου προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ. προστασίαις τῶν τιμίων ἐπουρανίων δυνάμεων ἀσωμάτων. τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφήμων ἀποστόλων. τῶν ἁγίων μεγάλων μαρτύρων. τῶν ὁσίων καὶ θεοφόρων πατρῶν ἡμῶν καὶ πάντων τῶν ὁγίων τοῦ ἁγίου τοῦ δ. οὗ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. ὧν ταῖς ἱκεσίαις. ἐπίσκεψαι ἡμᾶς ὁ θεὸς. καὶ μνήσθητι πάντων τῶν κεκοιμημένων ἐπ' ἐλπίδι ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου. μνήσθητι Κύριε τὰς ψυχὰς τῶν δουλῶν σου... θεοδώρας... ἀμφιλοχίου ἱερομοναχοῦ... Ἰωαννικίου μοναχου... Δημητρίου καὶ εἰρήνης. μνήσθητι Κύριε τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σα κωνσταντίνου καὶ ἀνάπαυσον αὐτοὺς ἔνθα ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου. ἔτι παρακαλοῦμεν σε. μνήσθητι Κύριε πάσης ἐπισκοπῆς ὀρθοδόξων. τῶν ὀρθοτομούντων τὸν λόγον τῆς σῆς ἀληθείας. παντὸς τοῦ πρεσβυτερίου τῆς ἐν χριστῷ διακονίας. καὶ παντὸς ἱερατικοῦ τάγματος. ἔτι προσφέρωμεν σοι τὴν λογικὴν ταύτην λατρείαν ὑπὲρ τῆς οἰκουμένης. ὑπὲρ τῆς ἁγίας καθολικῆς καὶ ἀποστολικῆς ἐκκλησίας. ὑπὲρ τῶν ἐν ἀγνεία καὶ σεμνῇ πολιτείαδιαγόντων. ὑπὲρ τῶν πιστοτάτων καὶ φιλοχρίστων ἡμῶν βασιλέων. παντὸς τοῦ παλατίου καὶ τοῦ στρατοπέδου αὐτῶ, δός αὐτοῖς Κύριε εἰρηνικὸν τὸ βασίλειον. ἵνα καὶ ἡμεῖς ἐν τῇ γαλήνῃ αὐτῶν. ἤρεμον καὶ ἡσύχιον βίον διάγωμεν ἐν πάσῃ εὐτελεία καὶ σεμνότητι.

Ἐκφώνησις. Ἐν πρώτοις μνήσθητι Κύριε τοῦ ἐπισκόπου ἡμῶν δειν.. ὃν χάρισαι ταῖς ἁγίαις σου ἐκκλησίαις ἐν εἰρήνῃ σῶον ἔντιμον ὑγιῆ μακροημερέυοντα. ὀρθοτομοῦντα τὸν λόγον τῆς σῆς ἀληθείας.

По матвоу. тан ·:·

И ѥщѥ приносимъ ти словѣсноую сню и бесквернноую слоужьбоу. и молимъ та и милнса дѣемъ и проснмъ. низъпосли дхъ твон стын на ны. и на предълежащам дары сна ·:· по знаменаѥть дары первоѥ блюдо. гла се.

И створи оубо хлѣбо сь тѣноѥ тѣло ха твоѥго ·:·
И потомъ чашю прѣхрѣтить. гла се ·:·
А ѥже въ чаши сѣи тѣноую кровь ха твоѥго ·:·
Ωбоѥ прѣхрѣта. блю. и ча ·:·
Прѣложь дхмь твонмь стымь ·:·

Ако бытн прнѥмлющнмъ въ бздрость дшн. въ ѡпоущенне грѣховъ въ прнчастые стго твоѥго дха. коцрьстким исполнѣних. въ дерзновѣние ѥже к тебе. не въ соудъ нн ко ѡсоуженне. и ѥщѥ приносимъ ти словѣсноую сню слоужьбоу. ѡ поунвѣшнхъ въ вѣрѣ. праѡцнхъ. и ѡцнхъ. патрнарсѣхъ. и прроцѣхъ. аплѣхъ. проповѣдницѣхъ. блговѣстницѣхъ. постницѣхъ. и всякомь дсѣ вѣрою сконьчавъшнмъ ·:·

Нздрадно прѣвн тѣн прѣблгословленѣн влцн нашен бцн и прнсноднѣ и нарнн ·:·

Попъ. Молтву. тан ·:·

Стхъ и нбнъных снлъ. стго и славьнаго прка и прѣтую хртителя ншана. и стыхъ и прѣхвалнъхъ апл. и стго сего нма ѥго же пмать творнмъ. и всѣхъ стхъ твонхъ. нхъ же мавамн носѣти насъ бе ·:· ьде помани. усопъшнх ·:· помани вса оусопъшнх. ншана. аньноу. нникнфора. купрьяна гаврнла. аньноу. ѡрнноу. ѡ оупокоанни воскрѣшних жнзни вѣчным и покон и вдеже прнсѣщаѥть свѣтъ лнца твоѥго. и ѥщѥ молнмъ та. помани гн всако епнпьство. праковѣрнъхъ праващнхъ слово твоѥм истнны. и всако прозвутеръство. и дннконьство ѥже ѡ хѣ. и всако сѡнноуьскаго унна. и ѥщѥ приносимъ ти словѣсноую сню слоужьбоу ѡ вселенѣи ѡ стѣи сборнѣи апльскон црквн ѡ въ утотѣ и утѣ жнвоущнхъ. ѡ блговѣрнѣмь и бохранимѣмь кназн нашемь. нма. и ѡ всѣхъ болярѣхъ и ѡ вонхъ ѥго. дажь нмъ гн мирно влуьство. да и мы въ тншнне нхъ. тнхо и безъмолвьно жнтнѥ жнвемъ. во всякомь благовѣрьн и утотѣ ·:·

Въ перъвыхъ помани гн еппа нашего. нма ѥго же дажь стымъ твонмъ црквамъ въ мирѣ цѣла утѣна здрава. долгодньствоующа и правяща слово твоѥм истины ·:·

Ο ἱερεὺς εὔχεται.

Μνήσθητι Κύριε τῆς ἁγίας μονῆς ταύτης ἐν ᾗ παροικοῦμεν. καὶ πάσης πόλεως καὶ χώρας. καὶ τῶν πίστει οἰκούντων ἐν αὐταῖς. μνήσθητι Κύριε πλεόντων ὁδοιπορούντων νοσούντων. καμνόντων αἰχμαλώτων. καὶ τῆς σωτηρίας αὐτῶν. μνήσθητι Κύριε τῶν καρποφορούντων καὶ καλλιεργούντων ἐν ταῖς ἁγίαις σου ἐκκλησίαις καὶ μεμνημένων τῶν πενήτων. καὶ ἐπὶ πάντας ἡμᾶς τὰ ἐλέη σου ἐξαπόστειλον.

Μνήσθητι Κύριε τὴν ψυχὴν τοῦ δούλου σου Ἰακώβου ἀρχιερέως. νύμφωνος ἱερομοναχοῦ.. ξένα καὶ μαρίας.

Η по семь помани жнкыих ·:·

Помани гн рабы своя нма. ω здравьи и ω спсньи. и ω ѿпоущеньи грѣховъ нхъ. ѡстави нмъ всако прегрѣшеніе волное и неволное ·:·

Η по семь гра помани ·:·

Помани гн градъ в немь же пришельствоуемъ. и всякого града и страноу. и вѣрою жнвоущихъ в нихъ. помани гн плавающихъ. и къпоутьшьствоующихъ. болящихъ. стражющихъ. плѣньницѣхъ. и ω спсни нхъ. помани гн плоды посящихъ. и добротворящихъ въ стѣхъ твонхъ цр҃квахъ. помани гн нищихъ. и на вса ны мт҃и твоя посли. помани гн множьство щедротъ твонхъ. и мене грѣшьнаго и недостоннаго раба твоєго. нма. и не ѡвержи мене ѿ лица твоєго молютнса кко ·:·

Ἐκφώνησις. Καὶ δὸς ἡμῖν ἐν ἑνὶ στόματι καὶ μιᾷ καρδίᾳ δοξάζειν καὶ ἀνυμνεῖν τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομά σου. τοῦ πατρὸς καὶ τοῦ·

Η по семь. къзъгла ·:·

Η дажь намъ ѥдинѣмин оустъı ·:·

Καὶ ἔσται τὰ ἐλέη τοῦ μεγάλου θεοῦ καὶ σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ χριστοῦ μετὰ πάντων ὑμῶν.

Η да боудеть мт҃ь всѣи ·:· Η по семь. днѣ ·:·

Πάντων τῶν ἁγίων μνημονεύσαντες ἔτι καὶ ἔτι ἐν·

Вса стыих помѣньше па ·:·

Ὑπὲρ τῶν προσκομισθέντων καὶ ἁγιασθέντων τιμίων δώρων κυρίῳ τῷ θεῷ ἡμῶν δε·

ѿ прѣположенъıхъ утъ ·:·

Ὅπως ὁ φιλάνθρωπος θεὸς ἡμῶν προσδεξάμενος αὐτὰ εἰς τὸ ἅγιον καὶ ὑπερουράνιον καὶ νοερὸν αὐτοῦ θυσιαστήριον εἰς ὀσμὴν εὐωδίας πνευματικῆς, ἀντικαταπέμψῃ ἡμῖν τὴν θείαν χάριν. καὶ τὴν δωρεὰν τοῦ ἁγίου πνεύματος δ.

Якo да ублколюбець бъ ·:·

Къспослеть намъ блгодать ·:·

Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης θλίψεως ὀργῆς καὶ ἀνάγκης...

ѿ избавитися намъ· :·

Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

По. мо. тан ·:·

Σοὶ παρακατατιθέμεθα τὴν ζωὴν ἡμῶν ἅπασαν καὶ τὴν ἐλπίδα δέσποτα φιλάνθρωπε. καὶ παρακαλοῦμεν σε καὶ δεόμεθα καὶ ἱκετεύομεν καταξίωσον ἡμᾶς μεταλαβεῖν τῶν ἐπουρανίων σου καὶ φρικτῶν μυστηρίων. ταύτης τῆς ἱερᾶς καὶ πνευματικῆς τραπέζης μετὰ καθαροῦ συνειδότος. εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν εἰς συγχώρησιν πλημμελημάτων. εἰς πνεύματος ἁγίου κοινωνίαν. εἰς βασιλείας οὐρανῶν κληρονομίαν. μὴ εἰς κρίμα ἢ εἰς κατάκριμα·

Тебе прѣдълагаемъ жнкотъ нашь всь. и оупованніе якo ублколюбьче. и молимъ та. и тебе са мнлн дѣемъ и просимъ. сподоби ны прикати нбнъıхъ твонхъ таинъ. сея стыя и дхвныя трапезы. съ ютою свѣстью. къ ѡставленіе хрѣховъ. къ прощеніе съблазномъ. въ причастые сто дха. къ наслѣдье цртвиа нбнаго. нѣ къ соудъ ни во ѡсоужденіе ·:·

Ἀντιλαβοῦ σῶσον ἐλέησον καὶ διαφύλαξον ἡμᾶς·

Ζастоупи спси помн ·:·

Τὴν ἡμέραν πᾶσαν τελείαν ἁγίαν εἰρηνικὴν καὶ ἀναμάρτητον παρὰ τῷ Κυρίῳ αἰτησώμεθα.

Дѣе всего свершена стꙗ ·:·

Ἄγγελον εἰρήνης πιστὸν ὁδηγὸν φύλακα τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν·

Анꙗла мирна вѣрнъıмъ· :·

Σύγνωμην καὶ ἄφεσιν ἁμαρτιῶν ἡμῶν καὶ πλημμελημάτων.

Мт҃и ѿпоущенна грѣхъ ·:·

Τὰ καλὰ καὶ συμφέροντα ταῖς ψυχαῖς ἡμῶν καὶ εἰρήνην τῷ κόσμῳ.

Добрыхъ и полезнъıхъ· :·

Τὸν ὑπολοιπον χρόνον τῆς ζωῆς ἡμῶν. ἐν εἰρήνῃ καὶ μετανοίᾳ ἐκτελέσαι.

Проуеи лѣто жнкота на ·:·

Χριστιανὰ τὰ τέλη τῆς ζωῆς ἡμῶν ἀνώδυνα ἀναιπέσχυντα. εἰρηνικὰ καὶ καλὴν ἀπολογίαν τὴν ἐπὶ τοῦ φοβεροῦ βήματος.

Крътьньскъıя конунны· :·

Τὴν ἑνότητα τῆς πίστεως. καὶ τὴν κοινωνίαν τοῦ ἁγίου πνεύματος. αἰτησάμενοι ἑαυτοὺς καὶ ἀλλήλους καὶ πᾶσαν τὴν ζωὴν ἡμῶν χριστῷ τῷ θεῷ·

Єдинѣние вѣры и причасть ·:·

Ἐκφώνησις. Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς δέσποτα μετα παρρησίας ἀκατάκριτως τολμᾶν ἐπικαλεῖσθαι σε τὸν ἐπουράνιον θεὸν πατέρα καὶ λέγειν.

Πάτερ ἡμῶν ὁ ἐν τοῖς οὐρανοῖς ἁγιασθήτω τὸ ὄνομα. Ὅτι σοῦ ἐστὶν ἡ βασιλεία καὶ ἡ δύναμις καὶ δόξα.

Ἐιρήνη πᾶσιν. τὰς κεφαλὰς ὑμῶν τῶ Κυρίω κλίνατε.

Ὁ ἱερεὺς ἔυχεται.

Ἐυχαριστοῦμεν σοι βασιλεῦ ἀόρατε, ὁ τῇ ἀμετρήτω σου δυνάμει τὰ πάντα δημιουργήσας καὶ τῶ πλήθει τοῦ ἐλέους σου ἐξ οὐκ ὄντων εἰς τὸ εἶναι τὰ σύμπαντα παραγαγών, αὐτὸς δέσποτα οὐρανόθεν ἔπιδε ἐπὶ τοὺς ὑποκεκλικότας σοι τὰς ἑαυτῶν κεφαλάς. οὐ γὰρ ἔκλιναν σαρκὶ καὶ αἵματι. ἀλλὰ σοὶ τῶ φωβερῶ θεῶ. σὺ οὖν δέσποτα τὰ προκείμενα πᾶσιν ἡμῖν εἰς ἀγαθὸν ἐξομάλισον κατὰ τὴν ἑκάστου ἰδίαν χρείαν. τοῖς πλέουσι συμπλευσον. τοῖς ὁδοιποροῦσι συνόδευσον. τοὺς νοσοῦντας ἴασαι ὁ ἰατρὸς τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων.

Ἐκφώνησις. Χάριτι καὶ φιλανθρωπία τοῦ μονογενοῦς σου υἱοῦ. μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ σὺν τῶ παναγίω καὶ ἀγαθῶ καὶ ζωοποιῶ σου πνεύματι. νῦν.

въ́згласнтъ архіере́н.

И сподо́бн на́съ бе́зо́суженно сме́тн и при́зы́кати тебе́ не́бнаго о́ц҃а и гда́тн ·:·

О҆у҆́е нашь. въ́зглас҃ъ.

Я́ко твое́ ц҃а́рьствіе и сила ·:·

Миръ всѣ́мъ ·:· Главы́ наша гс҃ѣ́ поклонимъ ·:·

Попъ. мо҆́. о тан ·:·

Бла́годарнмъ та ц҃а́рю невиднмын. иже безмѣ́рною силою всѧ́ческая сдѣлавъ. и множьствомь ма́тн твоея́. ѡ́ не сощи́хъ къ сощи́мъ вся приведъ. ты я́ко съ не́сце при́зри на поклонивъшаяся тебе главы́ своя. не поклонися бо плътн и кровн въ тебе страшномоу бо́у. ты оубо я́ко. предълежащая всѣ́мъ намъ. въ бла́го издравнан. комоуждо по своемоу тре́бованню. съ плавающимн плаван. съ поутьшьствоующимн шьствоун. недоужьнымъ исцѣлан. цѣлителю дша́мъ и тѣломъ ·:·

Въ҃зглас҃ъ. бла́годатью и щедротамн и ѹ҆бо́колюбьемь единоро́дагo сна́ твоего. с нимь же бла́гословенъ ѥ҆сн съ прѣ́тымь бла́гымь и животворащимь дхмь твонмь нынан при́ ·:·

И въздвигъ роуцѣ. по҆́. реу҃е́ Гн оустьнѣ мон ѡ́верзшин оуста моа́ възвѣстать хвалоу твою ·:·

Прόсχες κύριε Ἰυσοῦ χριστὲ ὁ θεὸς ἡμῶν ἐξ ἁγίου κατοικητηρίου σου. καὶ ἀπὸ θρόνου δόξης τῆς βασιλείας σου. καὶ ἐλθὲ εἰς τὸ ἁγιάσαι ἡμᾶς. ὁ ἀνω τῶ πατρὶ συγκαθήμενος καὶ ὧδε ἡμῖν ἀοράτως συνών. καὶ καταξίωσον τῇ κραταιᾷ σου χειρὶ μεταδοῦναι ἡμῖν τοῦ ἀχράντου σώματος σου καὶ τοῦ τιμίου αἵματος. καὶ δι' ἡμῶν παντὶ τῶ λαῶ.

По҆́. мт҃кою. гд҃а́ть. тан ·:·

Воньмн гн҃ і҆с҃ хе́ бе́ нашь ѡ́ сто́го жилища твоего. и ѡ́ прѣстола славы ц҃а́рьствиа твоего. и прнди и ѡ́ сто́и насъ. иже горѣ съ ѡ́ц҃ы седан. и сде є҆ нами невиднмъ сы. и сподоби державною твоею роукою. подати намъ пр҃ѣ́тое тѣло и ѹ҆́тьноую твою кровь. и нами всѣ́мъ людемъ твонмъ ·:·

Дни҆́. воньмѣмъ. по҆́. ста́и сты́мъ. реу҃е́. дни҆́. пристоупль къ трапезѣ. Многа лѣта ѡ́у҃е бъ сто́ою и ѹ҆́тоую и ѹ҆́тьноую твою ма́тєрою дароуѣть намъ на многа лѣта ѹ҆́тьнын ѡ́у҃е ·:·

И ре́ть архіере́н. Коупно съжнвотомь вашнмь всегда и нн҃ ·:·

По҆́. лома тѣло на. д҃. ѹастн. гд҃а́ть. Въ прѣломлѣнии хлѣба познаста оуученика га своего. тако и намъ гн҃ дан грѣшьникомъ познати та въжизни вѣчнѣн всегда и нн҃ и присно и въ ·:·

Прόσχωμεν. τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις.

Πλήρωσον δέσποτα τὸ ἅγιον ποτήριον τοῦτο.

Πλήρωμα πνεύματος ἁγίου ἀμήν. Ἔιτα βάλλει τὸ ἅγιον ζέον λέγων. ζέσις πλήρης πίστεως πνεύματος τοῦ ἁγίου ἀμήν.

Попъ. къла́гаих хлѣбъ. гд҃а́ть ·:· Съмѣшенне сто́га тѣла и ѹ҆́тьнын кровь га нашего і҆с҃ ха҃ ·:· дьн҃. амн҃. бла́гн и ѡ́стн ѡ́у҃е ѹ҆шію сню ·:· по҆́. исполнѣнне сто́го дха҃ нына и присно и въ ·:·

По҆́ прѣже причастьи за ся молить ·:·

Къ множьствѣ грѣховъ монхъ не ѡ́верзи мене я́ко бе́ мон. нынѣ бо прихожю къ ѹюдьномоу и нечи́стомоу ц҃рко́вню. не ако же достоннъ сы. нъ на твою возрѣвъ велнкоую бла́гдать сню. простьроу гла҆́ свон. и нѣсмь достоннъ возрѣти на подобноую сню и дхвьноую трапезоу. на нѣнже бъ нашь и гь і҆с҃ хъ иединоудагын сна́ъ. и ксею скверною ѡсквернышюмнся. тѣмь лежнть къ жертвоу съдробленъ. тѣмь и ма́тєрою прнношю тебе. и прошю ѡставлѣнна грѣховъ дабы пришелъ оутѣшнникъ. и ѡунстнтель грѣховъ монхъ. сильнын и сты́ дхъ ткон. ѹ҆кр҃пилам и оутвержам ма. да ѡ ѹюдинѣн сѣи и славнѣн жертвѣ. хвалоу въсылаемъ ѡ҆́ц҃ю и сно́у ·:·

И въземъ по҆́. комканнне. и держа на роукоу. и прѣхрѣщаяся ѡбѣма роукама. гд҃а́ть.

Дажь мн гн҃ і҆с҃ хе́ сне́ бнн нзбавителю рода ѹлавуьскаго. сто́е тѣло твое и кровь. не въ соудъ нн ко ѡсоуженне. нъ ко льготоу дш҃н моен. и къ жизнь вѣчноую. идеже самъ живеши и ц҃рьствоуеши съ ѡ҆́ц҃ы и ·:·

Клада во оуста. гѧть ·:·

Се прикасаѣться оугль оустьнахъ моихъ да и грѣхы моя ѡчѣстить ·:·

Уашю принимах реуеть ·:·

Уашю спсннм принмоу нмх гне прнзовѣ ·:·

И по уашн. тан. реуеть ·:·

Тѣло и кровь юже прнихъ вако. дажь да не боудеть мн се въ грѣхъ ни во ѡсоужение. нъ на истрѣблѣние грѣховъ. и на ѡунщение дшн и тѣлоу. ако твоя де ·:·

И прнуащься. уа са. гѧть. по ·:·

Боудн мнѣ гн ѡданние грѣховъ. ндеже унстам и прѣстам вошьла соуть сщенмх ѡноудъ тоу бо нниеднъ же ѡстанеть грѣхъ. мр҃дних радн. бе ѡу҃е ндинмуадаго сна твоего. въ вѣкы вѣк ·:·

Τοῦ δείπνου σου τοῦ μυστικοῦ σήμερον. ὑιέ θεοῦ.

Τὰς ἀνομίας μου πάριδε Κύριε. ὁ ἐκ παρθένου.

Ὡς ὁ ἄσωτος υἱὸς ἦλθον κἀγὼ οἰκτίρμων.

Ὡς ὁ περιπεσὼν εἰς τοὺς λῃστὰς καὶ τετραυμ ...

Ἕκαστος ὅπου σώζεται. ἐκεῖ δικαίως καί.

Καὶ αὐθις λέγει συγχώρησον δέσποτα ἅγιε. καὶ λαβὼν τὸν θεῖον ἄρτον ἐν δεξιᾷ, ποιῶν μετὰ αὐτοῦ σταυρὸν ἓ. εἰς τὸ πρόσωπον αὐτοῦ, λέγει. εἰς τὸ ὄγομα τοῦ πατρὸς καὶ τοῦ υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου πνεύματος. Πίστεύω Κύριε καὶ ὁμολογῶ. ὅτι σὺ εἶ ὁ υἱὸς καὶ λόγος τοῦ θεοῦ ζῶντος ὁ ἐλ.

Ὅτε δε μεταλαμβάνη τοῦ θείου ἄρτου ἀσπαζεται αὐτὸν λέγων. Τὸ τίμιον καὶ ἄχραντον σῶμα τοῦ Κυρίου καὶ θεοῦ σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ μεταλαμβάνει ὁ δοῦλος τοῦ θεοῦ δεῖνος Ιερομόναχος εἰς ἀφεσιν ἁμαρτιῶν καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον ἀμήν.

Ὁμοίως καὶ εἰς τὸ ἅγιον ποτήριον. τὸ τίμιον καὶ ἅγιον καὶ ζωοποιὸν αἷμα τοῦ Κυρίου καὶ θεοῦ καὶ σωτῆρος ἡμῶν Χριστοῦ μεταλαμβάνει ὁ δοῦλος.

Καὶ μετὰ τὸ μετὰ τὸ μεταλαβεῖν λέγει ἡσύχως. Τῆς ἁγίας ἐνδόξου καὶ ἀχράντου σαρκός σου Χριστὲ μετέλαβον καὶ τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σου αἵματος ἠξιώθην ὁ ἀνάξιος καὶ τῆς βασιλείας σου μὴ ὑστερήσης με. εἶτα ἐισκομίζει τὰ ἅγια ἀπὸ τοῦ δίσκου ἐν τῶ ἁγίω ποτηρίω μετὰ πάσης προσωχῆς καὶ φόβου θεοῦ βληθ .. καὶ τῆς ἁγίας λαβίδος ἐν αὐτῶ. προσέχων ακριβῶς μητι κατελίφθη ἐν τῶ ἁγίω δίσκω τοῦ ἁγίου καὶ φρικωδ... σώματος.

Καὶ αὖθις στραφεὶς πρὸς τὸν λαόν λέγει ἡσύχως. Μετὰ φόβου θεοῦ καὶ πίστεως, προσέλθετε. εἶτα σφραγίζει πάντας λέγει: σῶσον ὁ θεὸς τὸν λαόν σου καὶ εὐλόγησον τὴν κληρονομίαν σου.

И потомь. днмкѡ. въземъ уашю гѧть. Съ страхомь бнемь прнстоуннте ·:·

Люѣе. блг҃нъ градын во нмя гне ·:·

И покадить трапезоу гѧа ·:·

Εὐχὴ μετὰ τῶν ἁγίων μυστηρίων χριστοῦ.

Εὐχαριστοῦ, εν σοι δέσποτα φιλάνθρωπε εὐεργέτα τῶν ψυχῶν ἡμῶν. ὅτι καὶ τῆ παρούση ἡμέρα κατηξίωσας ἡμᾶς τῶν ἐπουρανίων σου καὶ ἀθανάτων μυστηρίων. ὀρθοτόμησον ἡμῶν τὴν ὁδὸν. στήριξον ἡμᾶς ἐν τῶ φόβω σου τοὺς πάντας. φρούρησον ἡμῶν τὴν ζωὴν. ἀσφάλισαι ἡμῶν τὰ διαβήματα. εὐχαῖς καὶ ἱκεσίαις τῆς ἁγίας ἐνδόξου θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων:

Пѡ. мѧткоу тан ·:·

Блгодарнмъ та вако улюбльуе блгодателю дшамъ нашнмъ. ако н въ настоящнн днь сподобнлъ нъ ксн. нбсьныхъ тонхъ и бесмертьныхъ танъ неправн нашь поуть. спсн нъ въ страсѣ твоемь ксл. съблюдн жнвотъ нашь. оутвердн нша стопы. млтками н молѣннемь стым н славьнын бца н прнсноудвын марнм. н всѣхъ стхъ тонхъ.

Ὑψώθητι ἐπί τοὺς οὐρανοὺς ὁ θεὸς ἡμῶν καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν γῆν ἡ δόξα σου.

Εὐλογητὸς ὁ θεὸς ἡμῶν ὁ φωτίζων καὶ ἁγιάζων πάντας.

Ἐκφων. Πάντοτε νῦν καὶ ἀεῖ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας ἀμήν.

Πληρώθητω τὸ στόμα...

Καὶ μετὰ τὸ ὑποστρέψαι. λέγει.

Ὀρθοι μεταλαβόντες τῶν θείων ἁγίων ἀχράντων ἀθανάτων ἐπουρανίων ζωοποιῶν φρικτῶν τοῦ χριστοῦ μυστηρίων ἀξίως εὐχαριστήσωμεν τῶ Κυρίω.

Ἀντιλαβοῦ σῶσον ἐλέησον καὶ διαφύλαξον ἡμᾶ ὁ θεὸς τῆ σῆ χαρ.

Възнеснся на нбса бе н по всен земли слава твоя ·:· пѡ въздгла ·:· всегда и нына и прн҃.

Днм҃. по переносѣ ·:·

Простн прнимъше ·:·

Ѯастоуни спсн люми ·:·

Τὴν ἡμέραν πᾶσαν τέλειαν ἁγίαν εἰρηνικὴν καὶ ἀναμάρτητον αἰτησάμενοι ἑαυτοὺς καὶ ἀλλήλους καὶ πᾶσαν τὴν ζωὴν ἡμῶν χριστῷ τῷ θεῷ παραθώμεθα.

Днь всакъ свершенъ ·:·

Ἐκφ. Ὅτι σὺ εἶ ὁ ἁγιασμὸς ἡμῶν. καὶ σοὶ τὴν δόξαν. ἀναπέμπομεν τῷ πατρὶ καὶ τῷ υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ πνεύματα νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶναν τῶν αἰώνων ἀμήν.

Ꙗко ты иесн сѵ̑нн наша ·:·

Ἐν εἰρηνῃ προέλθωμεν. τοῦ κυρίου δεηθῶμεν.

Съ миромъ изидемъ.

Ѡ имени гн̑н ·:·

Господоу помолимъса ·:· лю̑. Господи помилоуи ·:·

Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος.

Ὁ εὐλογῶν τοὺς εὐλογοῦντας σὲ Κύριε. καὶ ἁγιάζων τοὺς ἐπὶ σοὶ πεποιθότας, σῶσον τὰς λαόν σου καὶ εὐλόγησον τὴν κληρονομίαν σου. τὸ πλήρωμα τῆς ἐκκλησίας σου φύλαξον. ἁγίασον τοὺς ἀγαπῶντας τὴν εὐπρέπειαν τοῦ οἴκου σου. σὺ αὐτοὺς ἀντιδόξασον τῇ θείκῇ σου δυνάμει. καὶ μὴ ἐγκαταλίπῃς ἡμᾶς τοὺς ἐλπίζοντας ἐπὶ σέ. εἰρήνην τῷ κόσμῳ σου δώρησαι ταῖς ἐκκλησίαις σου. τοῖς ἱερεῦσι. τοῖς βασιλεῦσιν ἡμῶν. τῷ στρατῷ. καὶ παντὶ τῷ λαῷ σου. ὅτι πᾶσα δόσις ἀγαθὴ. καὶ πᾶν δώρημα τέλειον, ἄνωθεν ἐστὶ καταβαῖνον ἐκ σοῦ τοῦ πατρὸς τῶν φώτων. καὶ σοὶ τὴν δόξαν καὶ εὐχαριστίαν καὶ προσκύνησιν. ἀναπέμπομεν. τῷ πατρὶ καὶ τῷ υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ πνεύματι, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς.

Попъ. мл̑тоу. ꙁаконьноую ·:·

Блг̑ви блг̑ословлѧи та гн̑. и ст̑а на та оуповаюшаѧ. сп̑си люди своѧ. и блг̑ви достоѧнїе твоѥ. нисполнѣнїе цр̑кве твоѥѧ схрани. ст̑и любѧшаѧ блг̑о лѣпотоу домоу твоѥго .ты ѧ въспрослави бж̑твьною твоею силою. и не ѡстави насъ бе̑ оуповаюшихъ на та. миръ всемоу мирови твоемоу дароуи. цр̑квамъ твоимъ и сѵ̑шникомъ. и блговѣрномоу кнаꙁю нашемоу. нм̑а. воиемъ и всѣмъ людемъ твоимъ. ꙗко всако даннѥ блг̑о. и всакъ даръ свершенъ. съкышѥ иесть съ ходѧи ѡ̑ тебе ѡц̑а свѣтомъ. и тебе славоу и блгодарѣнїе, ѵ̑ть и покланѧнїе въсылаѥ ·:·

Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν βασιλείου τοῦ μεγάλου νηθεσία πρὸς τοὺς ἱερεῖς.

Πρόσεχε σεαυτὸν ὦ ἱερεῦ. καὶ οἷς μέλλεις διδάσκειν. καὶ βλέπε τὴν διακονίαν ἣν παρέλαβες. ἵνα αὐτὴν πληρεῖς. οὐ γὰρ ἐπίγειον διακονίαν ἐνεχειρίσθης, ἀλλ᾽ οὐρανίον. οὐκ ἀνθρώπων. ἀλλὰ ἀγγέλων. σπούδαζε σεαυτὸν παραστῆσαι τῷ Κυρίῳ ἐργάτην ἀνεπαισχυντον. ὀρθοτομοῦντα τὸν λόγον τῆς ἀληθείας. μηδέποτε στῆς εἰς σύναξιν ἔχων ἔχθραν κατὰ τινος. ἵνα μὴ φυγαδεύσεις τὸν παράκλητον. ἐν ἡμέρα συνάξεως. μὴ δικάζου. μὴ φιλονίκη καθόλου. ἀλλὰ κρυπτόμενος προσεύχου καὶ ἀνατίνε κε μέχρι τῆς ὥρας. καὶ οὕτω παράστα ἐν κατανύξει τῷ ἁγίῳ θυσιαστηρίῳ. μὴ περιβλεπόμενος. μὴ σπουδὴ τὰς εὐχὰς συντέμνων. μὴ λάμβανε πρόσωπον. ἀλλὰ ὅρα τὸν προκείμενον βασιλέα. μὴ ὑποκρινόμενος μεταδώσης τὸ θεῖον σῶμα ὅπου οὐ χρὴ. σεαυτὸν ἄξιον ποίησον τῶν ἱερατικῶν κανόνων. μὴ συλλειτούργει οἷς ὁ κανὼν ἀπώθειται. ὅρα οὖν πῶς παριστας. πῶς ἱερουργεῖς. πῶς καὶ τίσι διδως. καὶ πῶς καταστέλλεῖς. ὅρα μὴ ἐπιλαθῇ τῶν δεσποτικῶν ἐντολῶν, αἱ φασι. μὴ δότε τὰ ἁγία τοῖς κυσί, καὶ τὰ ἑξῆς. ὅρα οὖν μὴ φόβω ἀπαχθῆς ἀνθρώπου. μὴ παραδὸς τὸν υἱὸν τοῦ θεοῦ εἰς χεῖρας ἀναξίων. ὅρα μὴ ἐντραπῆς τοὺς ἐνδόξους τῆς γῆς. μηδὲ αυτὸν τὸν τὸ διάδημα περικείμενον πτοηθ... ἐν τῇ ὥρα ἐκείνῃ. βλέπε τοὺς βουλομένους δωρεὰν λαμβάνειν ἐν τοῖς οἴκοις, πῶς δίδως. ἐγὼ πρᾶγμα οὐκ ἔχω. σὺ ὄψῃ. ὅρα οὖν οἷς οἱ θεῖοι κανόνες οὐκ ἐπιτρέπουσι, μὴ μεταδίδως. ὡς οἱ ἐθνικοὶ γὰρ ἐλογίσθησαν. καὶ πρὶν ἐπιστρέψουσιν, οὐαὶ οἱ μεταδίδοντες αὐτοῖς. βλέπετε οὖν καὶ ὑμεῖς μὴ μετέχοντες τῆς θείας ἱερωσύνης τοὺς ἱερεῖς, καὶ ἀνακρίνειν. ἀλλὰ ἀκούετε αὐτῶν νηνεχῶς καὶ μετὰ φόβου θεοῦ. ὅρα οὖν ὁ ἱερεῦ. μὴ μῦς ἢ ἄλλο τι ἅψηται τῶν θείων μυστηρίων. μὴ ἐξ ἀμελείᾳ σου νοτισθῇ ἢ καπνισθῇ ἢ χειρισθῇ. ὑπὸ ἀνιέρων, ταῦτα καὶ τὰ ὅμοια φυλάττων, καὶ σεαυτὸν σώσῃς καὶ τοὺς ἀκούοντας σου.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Εὐχὴ λεγομένη ἐν τῷ σκευοφυλακίῳ.

Τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου καὶ τῶν προφήτων αὐτὸς ὑπάρχων Χριστὲ ὁ Θεος ἡμῶν. ὁ πληρώσας πᾶσαν πατρικὴν οἰκονομίαν. πλήρωσον χαρὰς καὶ εὐφροσύνης τὰς καρδίας ἡμῶν. πάντοτε νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας...

Мо̑. потрѣбнти хотѧщи ·:·

Исполнѣнїе ꙁаконоу пр̑рокомъ ты иесн х̑е бе̑ нашь. исполнивъıи всако ѡ̑ѵ̑ьское смотрѣнїе. исполни насъ дха сѵ̑го твоѥго. всегда и нн̑ ·:·

Ἔτους ,ϛϡϟϑ. (1306 г.) ἰνδικτιώνος δ̄ Μηνὶ ἰουλίῳ.

Заглавныя фигурныя буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ἐνεχειρίσθης, ἀληθείας. ὀπισθάμβονος.

Слова съ титлами и сокращенія: Πατρὶ πνεύματι. Κύριε. Ἀντιλαβοῦ διαφύλαξαι. ποτηρίω τῆς προσέχων. ἐκφώνησις. δόξαν.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: ἀ., ἀνιέρων ἄφεσιν διαφύλαξον. ε., ἱερεῦσι ἀναπέμπομεν. ἐπὶ. ν., ἐπουρανίων. σ., τὰς σε πίστεως. τ., μετὰ.

III. Сочиненія Нравственнаго содержанія, содержащія въ себѣ сначала: Діоптру или Зерцало,

Находятся въ Императорской Публичной Библіотекѣ подъ № 116-мъ.

Длина пергамина	5⅛ в.
Ширина	3⅞ „
Къ корешку	½ „
Къ правой сторонѣ	1 „
Къ верху	⅝ „
Къ низу	1 „

Пергаменъ съ большими поврежденіями по краямъ и пожелтѣлъ.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 220. листахъ. Заглавія и заглавныя буквы не фигурныя коричневаго цвѣта. Колеръ чернилъ темный и темно-сѣрый. Число строкъ на страницѣ 25-ть. Помѣта тетрадей на верху въ углу съ правой стороны.

л. 1—183. Разговоръ души съ тѣломъ Іоанна Монаха и пресвитера и Михаила Хоніота.

л. 183 об. — 198. Τοῦ ὁσίου πρ̄ς ἡμῶν ἀββᾶ θεοδώρου διδασκαλιαι διάφοραι πρὸς τοὺς ἑαυτοῦ μαθητάς. ἀναχωρήσαντος αὐτοῦ, ἐκ τοῦ ἀββᾶ ἑρεβίου. καὶ τὸ ἴδιον σὺν θῶ συστησάμενος μοναστήριον. κατὰ τὴν ἀββᾶ ἰωάννου τοῦ προφήτου τελευτήν τοῦ ἀββᾶ βαρσανουφρίου.

Начало: Ἐν ἀρχῇ ὅτε ἐποίησεν ὁ θ̄ς τὸν ἀν̄ὸν. ἔθετο αὐτὸν ἐν παραδείσω.

л. 198—205. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ταπεινωφροσύνης. Начало: Εἶπεν τίς τῶν γερόντων. προ πάντων χρίζομεν τῆς ταπεινωφροσύνης.

л. 205 об. — 207 об. Πρόλογος ψυχοφελῆς. τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν Ιωάννου τοῦ θεολόγου. (Zonaras Muralt). Начало: Τοίνυν ἀδελφοι σκοπῶ τὸν σκοπὸν ἀποθέμενοι. τῶ θεοφόρω πρ̄ι καὶ ἀρχηποιμένη γρηγορίω τῶ θελόγω.

л. 207 об. — 212 об. Πολιτικος διακείμενος χαίρει τῶ διδασκάλω. Начало: Ὁ φίλος ὁ εὐχάριστος, ὁμιάζει κύνα ἀχρειστον.

л. 212 об. — 213 об. Κυκλος ζωδιακος.

л. 213 об. — 219. Ιατροσόφην ἐκ τοῦ γαληνοῦ ἐις πᾶν εἶδος ὀφέλημων... Начало: Περὶ καφίδος...

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ разговора души съ тѣломъ Іоанна монаха и пресвитера и Михаила Хоніота.

л. 1. Πῶς κάθη πῶς ἀμεριμνῆς πῶς ἀμελεῖς ψηχήμου. πῶς οὐ φροντιζεις τῶν κακῶν. ὧν ἔπραξας ἐν κόσμω. καὶ μόνην τὴν μετάνοιαν περὶ πολυποιῆσαι καὶ σπουδάζεις ἀληθηνὴν. ἐπιδείξασθαι ταύτην. καὶ ἐρωτᾶς περὶ αὐτῆς. ἐν πολλῃ παρακλήσει. πρᾶς δικάσκαλουςτε ποιμένας σωφοτάτους. καὶ ἀκριβῶς ἀνευρὰς πῶς αὐτὴν κατορθώσεις. καὶ πῶς ἰσχύσεις διαυτῆς, θῦ φιλανῖαν. λαβεῖν μεγάλην ἄφεσιν τῶν πολλῶν σου σφαλμάτων ψυχή ἀμετανόητε, τί οὐκ ευθυμῆ τὴν κρίσιν. τί οὐ μελετὰς ἀπόκρισιν περὶ τοῦ ἐκείνου κοσμου: τί οὐ μελετὰς τὸν θάνατον. πῶς μελλεις ἀποθνήσκειν. καὶ πῶς ἀπο τοῦ л. 1. об. σώματοῦ. εσ...[1]) ψυχὴ πολλὰ κακὰ ἐπρα..... βίω: καὶ σε αυτὴν.... ἁμαρτίαν. ἐλθόντων . . . . λων τοῦ σου Κριτοῦ: θελον. . . . .

Изъ Книги: Діоптра—*Зерцало*, 1493. года. Кирилло-Бѣлозерской Библіотеки № $\frac{14}{1091}$.

л. 5. **Плачеве и рыданїа, инока грѣшна, имиже спирашеса къ души свои сл҃во пєрвоє стїховъ: то҃.**

Како сѣдиши како не печалуешиш како нерадиши дш҃е моя. како не печешися ω хр҃ѣ. иже сѣдяи къ жителии. и єдино покаанїе о многъ творяши сн. и тѣрпѣши истинно показати то. и вопрашаеши л. 5. об. ω сѣ҃ со многъмь моленїе҃ ω҃ца и оучителя же. и пастыря моудрѣишиа. и ωпасне испытуеши како се испрашиши. и како возможеши с нимъ бї҃мъ человѣколюбиемъ. пріати велие оставленне многим ти соблазномъ. дш҃е непокаанная. что не помышляеши сюда. что не пооучаешися. ѡ҃ктч҃, єже ко ѡномъ миръ. что не печешися ω сме҃ртн. како хощеши оу-

[1]) Уголъ у пергамина очень намоченъ былъ текстъ отъ этаго слинялъ весь.

σει σὲ, τοῦ κόσμου τοῦ προσκαίρο . . . . οὐαὶ οὐαὶ σοι ταπεινῆ, ἂν ληφθεὶς ἀμελοῦσα: ἀνεξαγόρευτος λοιπὸν, τοῖς πράκτωρσιν ἐκείνοις: δεινὸν τὸ ψυχοράγημα, καὶ ὁ ἐντεῦθεν κλόνος: πολὺ δε χαλεπότερα, ἡ στέρωσις ἡ τότε: ἡνίκα σε κυκλώσησιν, γύρωθεν τοῦ κραββάτου: οἱ σύγενεῖς οἱ φίλοι, οἱ ἀδελφοὶ καὶ γνωστοί σου: καὶ κλαίουσιν ὀδύρονται, θρηνοῦσιν οἱ παρόντες: ἰδόντες ὡς ἀποδημῶν. οὐδαμῶς ὑποστρέψης: σὺ δὲ ψυχή μου βλέπεις μὲν, τὸν κλαυθμὸν τὸν(—οὺς) θρηνον(—οὺς) σαρκοδεστέροις ὀφθαλμοῖς λοιπὸν βραχὺ δοκοῦσιν φθέγξασθαι τὲ, οὐδε πῶς σχεῖν τὸ πένθος. οὐδὲ παραμυθίσασθαι, τῶν φίλων σου τὴν λύπην: ἀλλὰ πρὸς μόνους εχεις σου, τὸ βλέμμα. τοὺς ἀγγέλους: παρακαλεῖσθαι κατανοοῦν παράκλησιν μεγάλην. . . . . л. 2. . . . . πῶς μετανοήσω. . . . . αφετε. ἀλλον γοῦν . . . . . καὶ διὰ φυγεῖν, ... να κλάυσω μου . . . ματα, ἅ κακῶς ἐιργασάμην: φῖλάνος ὁ κ̄ς̄, καὶ ἴσος ἐλεῆμε: εκτοτε δε λαβόντες με, το κελευθὲν ποιῆται: τότε ψυχή μου λέγουσιν ἀσυμπαθᾶς ἐκείνοι: ὁ χρόνος σου πεπλήρωται, ἔζηθῖ τοῦ σαρκίου: ὁ δικασθεὶς προσέταξεν, ὁ φοβερὸς ὁ μέγας: ἵνα σε μεταστήσωμεν, ἀπὸ τοῦ κόσμου τούτου: τοὺς χρόνους ὅλους ἔζησας, ἐν πάσῃ ἀμελεῖα: ἐν ἀναπαυσῃ καὶ τρυφῇ, τούτους ἐκδαπανῶσα: ὥρας οὐκ ἐμνημόνευσας, ποτὲ τῆ τοῦ θανάτου: νῦν ὅτε σε λαμβάνωμεν, ἐμνήσθης μετανοίας: πάντος ὃν ὑπεμίμνησκον, πᾶσαι γραφαὶ σὲ πάντα: ἅ μέλει μετα θάνατον, συμβαίνειν σοι ἀθλία: οὐ καθ' ἑκάστην ἐβλεπες. ὅμως τοὺς τελευτόντας. ἁρπαζομένους ἐκ τῆς γῆς, γέροντας τε καὶ νέους: л. 2 об. πῶς οὖν οὐ μετανόησον τῶ παρελθώντι χρόνω: ἔπου λοιπὸν ἀπέλθομεν ἄρτι πρὸς τὸν δεσπότειν. τὸν σόν τε καὶ ἡμέτερον δημῖουργον καὶ πλάστην: τότε δῆ συνχωρίσθησα, ἐξ αὐτῶν τῶν ὀνύχων: ἐκ πάσης ἁρμονίας τε, ἐξ ὅλης τῆς σαρκός σου. παραλαμβάνει διστιμῶς, τοῖς φοβεροῖς ἀγγέλοις: οὐ παίδων τότε οὐ γυναικὸς, φροντίζεις ὦ ψηχή μου: τὴν κρίσιν μόνον δέδηκας τὴν ψῆφον ὑποτρέμης: ὁποίαν ἄρα δώσει σοι ὁ δικαστὴς ἐκδίκως: ποῦ τινικαῦτα χρήματα, καὶ πλοῦτος: ποῦ συγγενεῖς ποῦ ἀδελφοὶ, ποῦ γονεῖς τε καὶ φίλοι: οὐδεὶς ἐκ τούτων δύναται ψυχή μου βοηθεῖν σοι: мр҃тн. и како ѡ̑ тѣла ѡ̑лꙋчитнсѧ. дш҃е много злѣ содѣлала єси к сꙋетнѣмꙋ житьи сѣ҃. и себе самꙋю ѡскверила єси во всакѡ̑ грѣсѣ. пришѣ҃шꙋ оубо страшнымъ анг҃лмъ сꙋда твоєго. хотащѝ та прѣ҃ставити ѡ̑ мира временнаго. горе горе тебе смиренила. аще поѧта бꙋдеши и нерадѧщи. и безо исповѣданиѧ сꙋщи проꙋєє пр҃ставникыωнѣми. люто доꙋши л. 6. ѡ̑дѣленне. и єже ѡ̑сюдоу трепетъ. много же лютѣшее оутѣшенне тогдашнее. внегда та ѡкыдꙋть. ѡкр҃тъ одра твоєго. сродницы и зрителя. дрꙁи и зналеми твои. и плꙋють и рыдають сѣтꙋющє. пришѣ҃ше и видѧще како ѡ̑хода. никако же коꙁкратишася. ты же дш҃е моа зр҃ши оубо плаꙋ и рыданне. къщати же ничто же можеши. ни оудержати плаꙋ. ниже оутѣшити дружины твоєѧ пеꙋаль. но тоꙋнꙋю ко анг҃лмъ имаши свое зр҃ение. молити же са ко оумѣ. молькою келикою. ѡставѣ҃те ма анг҃ли, како да покаюся. оуѣдрите и ѡставите. другое поне єдино лѣто пожити. и оубѣгнꙋти страха см҃ртнаго. како да и согрѣшении сконх҃ плаꙋюся. ѩже злѣ съдѣахъ ꙋ҃колюбникъ єсть ѣ҃ъ єда помилꙋєть ма потомъ поємше ма повелѣнное соторите. тогда дш҃е моа гл҃ють немилостивии ѡни, лѣта твои сконꙋалїся єсть. нꙁнди ѡ̑ плоти, сꙋдни повелѣлъ єсть. страшныи. и келикии. како да та прѣ҃ставимъ ѡ̑ мира сего. лѣта вса нꙁнила єси. кѡ всакомꙋ невреженнн. к покон и к питании снх҃ истощившии. и ѹаса не поманꙋла єси никогда же см҃ртнаго. нѝ҃ же єгда поємлемъ та поманоу покаание. видѣ бо покаиниа вса, воспомнити ѡ всѣх҃ ѩже хотать. по см҃рти слꙋшитися окаинаа. не на кни ждо ли день зраше ѡбаꙋє оумирающѝ҃. восхищаемы ѡ̑ земла. старыа и оуныа. како оубо не поклешися, в мимошедъшее врема. послѣдꙋи проꙋєє. пондемъ нѝ҃ ко вѧ҃ъ твоемꙋ же л. 7. и нашему. създателю и творцю. тогда же ѡ̑дѣлившися ты ѡ̑ тѣх҃ самѣх҃ ноктеи. ѡ̑ всѣх҃ костеи же и состакъ. и всеа плоти. твоеа. покати быкаешъ. злоухастнѣ страшными анѣгилы, не ѹады тогда ни женою попеꙋешися дш҃е моа. сꙋда тоꙋнꙋю конишися, и осꙋженїа трепещеши. каковъ оубо дасть тебѣ сꙋдъ. и к правдꙋ ѡ̑вѣтъ. гдѣ тогда имѣнна и стяжанна. и бг҃атество и сродницы. гдѣ братна гдѣ родителье и друꙁи. никто же ѡ̑ снх҃ дш҃е моа можеть помощи ти.

Чтеніе и объясненіе снимка.

л. 105 об. Διάλεξις σώματος καὶ ψυχῆς. οἱ τοιαῦτα διήγησις. περὶ τοῦ λόγου σάρξ.

Ἰδοὺ τὴν πνεῦσις ἤκουσας. σὺν ἅμα καὶ τὴν φράσιν: περὶ τῆς ἀναστάσεως. τοῦ δόγματος κυρία: τῶν σοφοτάτων μὲν ἀνδρῶν. καὶ ἁγίων ἐκείνων· λειπὸν ἀπεταδόξαντα ἐπὶ τοῖς εἰρημένοις

л. 219. Γένοιτο σωτῆρ μ҃ѵ σωτηρία γένοιτο. θεοτόκε καθαρὲ καὶ θεοῦ παρασταία ἐυχ... τῆς γραφῆς τὸν ἐργάτην. Ἐγράθη ἐπὶ ἔτους ϛ҃ϡ҃ϙ҃ϛ҃. (1318 г.) ἰνδικτιώνος ᾱ.

Слова съ знаками препинанія: τέλειαν μου: ὦδε:· Слово съ титломъ: οὐρανοῦ. Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἁγίων. ε., ἐξ. ἀπόδειξης, ἀλλοιώσεως. ν., οὖν. σ., ἀκμαστὴν γίνεσθαι. τ., μετὰ μέτρον... Скорописная азбука.

IV. Евангеліе (Апракосъ—недѣльное),

Находится въ собраніи Г. Севастьянова подъ № 20-мъ.

Длина пергамина	6 в.
Ширина	4¼ в.
Къ корешку	½ в.
Къ правой сторонѣ	1¼ в.
Къ верху	¾ в.
Къ низу	1¼ в.

Пергаминъ выдѣланъ хорошо; но мѣстами отъ времени пожелтѣлъ и поврежденъ.

Писано довольно крупною скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 222-мъ листахъ. Заставки и заглавныя буквы довольно фигурны писаны просто чернилами и коричневою краскою. Заглавія писаны уставомъ и краскою свѣтло-коричневою. Колеръ чернилъ темный. Помѣта тетрадей внизу близъ корешка съ обоихъ сторонъ. Число строкъ настраницѣ 27. Евангеліе недѣльное полное, т. е. есть Евангелія послѣ пятдесятницы и дневныя кромѣ субботнихъ и недѣльныхъ. Ни начала ни конца нѣтъ, и въ срединѣ листы перебиты.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Τῇ Δ. τῆς ἀποκρέω. ἐκ τοῦ κατὰ Μάρκον.

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ. λαλοῦντος τοῦ Ἰῡ πρὸς τοὺς μαθητὰς. παραγίνεται Ἰούδας ὁ Ἰσκαριώτης εἷς τῶν δώδεκα καὶ μετ' αὐτοῦ ὄχλος πολὺς μετὰ μαχαιρῶν καὶ ξύλων. ἀπεστάλμένοι л. 111 об. παρὰ τῶν ἀρχιερέων καὶ γραμματέων καὶ τῶν πρεσβυτέρων. δεδώκει δὲ ὁ παραδιδοὺς αὐτὸν σύσσημον αὐτοῖς λέγων. ὃν ἂν φιλήσω αὐτός ἐστι κρατήσατε αὐτὸν καὶ ἀπαγάγετε ἀσφαλῶς καὶ ἐλθὼν εὐθέως προσελθὼν αὐτῷ, λέγει. χαῖρε ῥαββὶ ῥαββὶ καὶ κατεφίλησεν αὐτόν. οἱ δὲ ἐπέβαλον ἐπ' αὐτὸν τὰς χεῖρας αὐτῶν. καὶ ἐκράτησαν αὐτόν. εἷς δέ τις τῶν παρεστηκότων σπασάμενος τὴν μάχαιραν, ἔπαισε τὸν δοῦλον τοῦ ἀρχιερέως. καὶ ἀφεῖλεν αὐτοῦ τὸ ὠτίον†. καὶ ἀποκριθεὶς ὁ Ἰς εἶπεν αὐτοῖς†. ὡς ἐπὶ λῃστὴν ἐξήλθετε μετὰ μαχαιρῶν καὶ ξύλων συλλαβεῖν με; καθ' ἡμέραν πρὸς ὑμᾶς ἤμην ἐν τῷ ἱερῷ διδάσκων καὶ οὐκ ἐκρατήσατε με†. ἀλλ' ἵνα πληρωθῶσιν αἱ γραφαὶ† καὶ ἀφέντες αὐτὸν ἔφυγον. καὶ εἷς τίς νεανίσκος ἠκολούθησεν αὐτῷ περιβεβλημένος σινδόνα ἐπὶ γυμνοῦ. καὶ κρατοῦσιν αὐτὸν οἱ νεανίσκοι† ὁ δὲ καταλιπὼν τὴν σινδόνα. γυμνὸς ἔφυγεν ἀπ' αὐτῶν† καὶ ἀπήγαγον τὸν Ἰν πρὸς τὸν ἀρχιέρεα. καὶ συνέρχονται αὐτῷ л. 112. πάντες οἱ ἀρχιερεῖς καὶ οἱ πρεσβύτεροι καὶ οἱ γραμματεῖς. καὶ ὁ πέτρος ἀπὸ μακρόθεν ἠκολούθησεν αὐτῷ ἕως ἔσω εἰς τὴν αὐλὴν τοῦ ἀρχιερέως† καὶ ἦν συγκαθήμενος μετὰ τῶν ὑπηρετῶν καὶ θερμαινόμενος πρὸς τὸ φῶς†. οἱ δὲ ἀρχιερεῖς καὶ ὅλον τὸ συνέδριον. ἐζήτουν κατὰ τοῦ Ἰῡ μαρτυρίαν εἰς το θανατῶσαι αὐτὸν καὶ οὐχ εὕρισκον. πολλοὶ γὰρ ἐψευδομαρτύρουν κατ' αυτοῦ† καὶ ἴσαι αἱ μαρτυρίαι οὐκ ἦσαν†. καὶ

Изъ Новаго Завѣта святителя Алексія Митрополита XIV в. л. 24 и 24. об. а.

Єщє ємꙋ гл҃ющю. пріходѧ їꙋда. єдⷩ сын ѡ҃. в҃і. ї с нⷩ нарѡ̀ мнѡ̀. с ножи. и дрѣвєсы. ѿ а҃рⷯєи. и книжни. ї старⷣ. дастъ предаꙗ єго знамѣ҇ємъ и҃ гл҃а. єго̀ л. 24. б. **ащє лобжю. то є҃. їмѣтє є҃. ї вєдѣтє ткєрдъ. ї пришⷣ а҃ⷣ пріⷭ҇ступль к нємꙋ гл҃ⷣ ємꙋ. раввї раввї и облобыза и. онⷩ вꙁложїша на҃ рꙋки свои. ї ꙗшꙋ и єдⷩ же нѣкто прєстоꙗщⷩ. їзмо̀ (sic) нѡ̀ ѹдарⷩ раба архієрєова. ї оурѣзⷭ ємꙋ оух҃ ·:· ї ѿвѣщⷭ҇ а҃ⷭ рⷣ и҃. к҃ на разбоїнника їзндоⷭ҇. с ножи. ї дрєвєсы ꙗтⷩ мⷣ. по всѧ дни бѣ пригⷭ҇ к цр҃кви оуꙋа ї нє ꙗстє мєнє. но да исполнѣ҇ть писа҃є. ї остаклаше ѥ҃ вси бѣжаша. и єдⷩ нѣкто оуношꙋ. послѣдоваше ємꙋ одⷣ. плащаниїцєю по нагꙋ. и имаю҆ єго оуношꙋ. онⷩ оставль плащаниїцю. и҃ⷣ бѣжа ѡ҃ нⷩ ·:· и ведоша і҃са ко а҃рⷯєю. ї сходаⷮ҇ к нємоу всн архієрѣи. ї старцн. ї кижⷩцн: а пⷣ. ѿдалєуа послѣдоваше ємꙋ. до кнзтрь двора а҃рєєова. ї бѣ сѣдꙗ с слꙋгамн. ї грѣꙗсѧ при скѣтѣ. архієрєї же. и всє сѣдалїщє. їскахꙋ на і҃са свѣдѣтѣства. да оумора҇ єго. ї не обрѣтⷭ҇. многїѧ бо нже свѣдѣтєлствоваху на҃. ї ракна свѣдѣтѣства не бѣша и нѣцни вставшє. нже свѣдѣтєлствоваху на҃ гл҃ⷯє. ѩ҃ мꙋ. слꙋшахⷭ҇ и гл҃ꙗ. ѩ҃ а҃ разорю цр҃кꙋь сню рꙋкоторєнꙋю. и ⷮ҇. мн дⷩмн нну нерꙋкоторенꙋ сꙁнжю. і нн снцⷯ ракно бѣ свѣдѣтѣство нⷩ. ї вста҇ архїєрѣи на срⷣ. впрашшє і҃са гл҃а. нє ѿвѣщаєшн ли нншто҇. что сн на та свѣдѣтєлствꙋю. онⷭ҇ молчашє. ї нншто҇ ѿвѣщєваше. Па҃ а҃рєрѣи кпросн єго ї глⷣ ємꙋ. ты ли єси хс҃. сн҃ъ

τινες ἀναστάντες ἐψευδομαρτύρουν κατ᾽ αὐτοῦ λέγοντες† ὅτι ἡμεῖς ἠκούσαμεν αὐτοῦ λέγοντος† ὅτι ἐγὼ καταλύσω τὸν ναὸν τοῦτον τὸν χειροποίητον. καὶ διὰ τριῶν ἡμερῶν ἄλλον ἀχειροποίητον οἰκοδομήσω† καὶ οὐδὲ οὕτως ἴση ἦν ἡ μαρτυρία αὐτῶν† καὶ ἀναστὰς ὁ ἀρχιερεὺς εἰς τὸ μέσον. ἐπηρώτα τὸν Ἰν̄ λέγων† οὐκ ἀποκρίνῃ οὐδὲν τί οὗτοί σου καταμαρτυροῦσιν; ὁ δὲ ἐσιώπα καὶ οὐδὲν ἀπεκρίνατο† πάλιν ὁ ἀρχιερεὺς ἐπηρώτα αὐτὸν καὶ λέγει αὐτῷ† σὺ εἶ ὁ χ̄ς̄. ὁ υἱὸς τοῦ εὐλογητοῦ; ὁ δὲ Ἰ̄ς̄ εἶπεν† л. 112. об. ἐγώ εἰμι. καὶ ὄψεσθε τὸν υἱὸν τοῦ ἀνθ̄ ἐκ δεξιῶν καθήμενον τῆς δυνάμεως. καὶ ἐρχόμενον ἐπὶ τῶν νεφελῶν τοῦ οὐνοῦ† ὁ δὲ ἀρχιερεὺς διαῤῥήξας τοὺς χιτῶνας αὐτοῦ λέγει† τί ἔτι χρείαν ἔχομεν μαρτύρων † ἠκούσατε πάντως τῆς βλασφημίας τί ὑμῖν φαίνεται † οἱ δὲ πάντες κατέκριναν αὐτὸν εἶναι ἔνοχον θανάτου † καὶ ἤρξαντο τινὲς ἐμπτύειν αὐτῷ. καὶ περικαλύπτειν τὸ πρόσωπον αὐτὸν καὶ κολαφίζειν αὐτὸν καὶ λέγειν αὐτῷ† προφήτευσον ἡμῖν τίς ἐστιν ὁ παίσας σε† καὶ οἱ ὑπηρέται ῥαπίσμασιν αὐτὸν ἔβαλον† καὶ ὄντος τοῦ πέτρου κάτω ἐν τῇ αὐλῇ ἔρχεται μία τῶν παιδισκῶν τοῦ ἀρχιρέως. καὶ ἰδοῦσα τὸν πέτρον θερμενόμενον ἐμβλέψασα αὐτῷ λέγει† καὶ σὺ μετὰ τοῦ Ἰῡ τοῦ Ναζαρίνου ἦσθα† ὁ δὲ ἠρνήσατο λέγων † οὐκ οἶδα οὐδὲ ἐπίσταμαι τί σὺ λέγεις †. καὶ ἐξῆλθεν ἔξω εἰς τὸ προαύλιον καὶ ἀλέκτωρ ἐφώνησε† καὶ ἡ παιδίσκη ἰδοῦσα αὐτὸν πάλιν. ἤρξατο λέγειν τοῖς παρεστηκόσιν † ὅτι οὗτος ἐξ αὐτῶν ἐστιν† ὁ δὲ πάλιν ἠρνεῖτο † καὶ μετὰ μίκρὸν πάλιν οἱ παρεστῶτες ἔλεγον л. 113. τῷ πέτρῳ† ἀληθῶς ἐξ αὐτῶν εἶ† καὶ γὰρ γαλιλαῖος εἶ καὶ ἡ λαλία σου ὁμοιάζει† ὁ δὲ ἤρξατο ἀναθεματίζειν καὶ ὀμνύναι ὅτι οὐκ οἶδα τὸν ἄνθ̄ τον ὃν λέγετε† καὶ ἐκ δευτέρου ἀλέκτωρ ἐφώνησε† καὶ ἀνεμνήσθη ὁ πέτρος τὸ ῥῆμα ὃ εἶπεν αὐτῷ ὁ Ἰ̄ς̄ ὅτι πρὶν ἀλέκτωρ φωνῆσαι δίς με ἀπαρνήσῃ με τρίς† καὶ ἐπιβαλὼν ἔκλαιε. καὶ εὐθέως ἐπὶ τὸ πρωὶ συμβούλιον ποιήσαντες οἱ ἀρχιερεῖς μετὰ τῶν πρεσβυτέρων καὶ γραμματέων. καὶ ὅλον τὸ συνέδριον δήσαντες τὸν Ἰν̄ ἀπήνεγκαν. καὶ παρέδωκαν τῷ πιλάτῳ†.

благ҃наго. і҃с̄ же рⷣ. аꙁ єсм. ї оуꙁрнтє сн҃а улв҃уа одесноую сѣдѧща силы. ї градѧща съ облаки нб҃нмн. Архїєрѣи же растерза҃ ризы своѭ глⷣ. уто єщє требѣ нма҃ свѣдѣтⷣ. слышасте власфнмію. уто ка҃ кажетⷭ. онн҃ всн осудиша н. бытн повинна см҃рти ·:· наѧша нѣцнї плевати емꙋ ї прікрꙑка҃ л. 24. об. а. лїцє ⷣ. ї мꙋтити ⷣ. ї гл҃ти емꙋ прⷪрꙋйствоуи. ї слоуги бьющє ⷣ прнмша ·:· И сѣщю пⷣроки во дворѣ ннꙁ. прихоⷣн єдина ѿ рабꙑ҃ а҃рєєⷣ. і видѣкши петра грѣющꙗ҃. ꙁрⷣшн на҃ глⷣ. и ты с назѡрєнскн҃ і҃сомь бѣ. он҃ ѿкержⷣ гл҃а. не вѣдє ннжє ꙁнаю. уто ты глшн. изиде во҃ к прⷣвоѭє. и кв҃ въꙁгл҃сн. и рабынн кїдⷣшн ⷣ. па҃ нача гл҃ти прєстоящн҃м. и҃ сь ѿ нн҃ ⷣ. о҃же па҃ ѿкержⷣ. и по малѣ пакн прєстоящнї гл҃ху петрꙋ. ко їстннꙋ ѿ нн҃ єсн. нко галїлєос юсн. ї бесѣда твоя подобоуⷣ. он҃ нача ротнтн҃ и клатнса. и҃ не вѣдѣ улѣка сⷣ. єго҃ гл҃тⷣ. і ктороѭєю коу҃ ꙁгл҃сн. и вспоманꙋ пⷣ гл҃ъ. ѣ рⷣ емꙋ і҃с̄. и҃ прⷣ куроу ꙁгл҃снтн. в҃. а҃. ѡвержешн҃ мⷣ. г҃. жⷣ. и їзлѣꙁь плакаса. и а҃ⷣ на оутрїи. съкв҃ⷣ сткоршⷣ а҃рⷣрѣои. съ старцн. и кнїжникн. и все ссѣдалнщⷣ. свꙁавшⷣ і҃са ведоша. ї предаша пїлатꙋ.

Чтеніе и объясненіе снимка.

фул. 41. Ἀρχὴ τῶν καθημερινῶν εὐαγγελίων τ̄ῃ̄ λουκᾶ ·:·.

Δέον γινώσκειν ὅτι ἄρχεται ὁ λουκᾶς ἀναγινώσκεσθαι ἀπὸ τῆς κυριακῆς μετὰ τὴν ὕψωσιν. τότε γὰρ καὶ ἡσημερία γίνεται ὅ καλεῖται νέον ἔτος. Ἐκ τοῦ κατὰ λουκᾶν ·:·

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ. ἡρῴδης ὁ τετράρχης ἐλαχόμενος ὑπὸ Ἰωάννου. περὶ ἡρωδιάδος τῆς γυναικὸς τοῦ ἀδελφοῦ αὐτοῦ. καὶ περὶ πάντων ὧν ἐποίησε πονηρῶν ἡρῴδης προσέθηκε καὶ τοῦτο ἐπὶ πᾶσιν κατέκλεισε, τὸν Ἰωάννην ἐν τῇ φυλακῇ. ἐγένετο δὲ ἐν τῷ βαπτισθῆναι ἅπαντα τὸν λαὸν καὶ Ἰησοῦ βαπτισθέντος καὶ πρσοευχομένου.

фул. 202 об. Μνήσθητι χριστὲ τῷ πόθῳ κτισαμένῳ. βίβλον τάχιστα τὴν παροῦσαν ἐκ πόθου. καὶ δὸς δι αυτῆς γνῶσιν τὴν σὴν κεκτεῖσθαι, ὅπως λαβω ἄφεσιν τῶν ἐμπαισμάτων ὧν ἐν κόσμῳ ἡμαρτον βροτὸς ὑπάρχων: ὁτεκριν. ξυμ... ἀξίωσον δέσποτα θεὲ τῶν ὅλων.

Μνήσθητι Κύριε ἐν τῇ βασιλεία σου, τοῦ δούλου σου θεοδοσίου Ἱερομονάχου καὶ πνευματικοῦ. Μνήσθητι Κύριε ἐν τῇ βασιλεία σου τὴν ψυχὴν τῆς δούλης σου ἀννησίας μοναχῆς.

Χεῖρ ἁμαρτωλοῦ μοναχοῦ μελετίου. καὶ οἱ ἀναγινώσκοντες εὔχεσθαι μοι διὰ τὸν Κύριον. Μηνὶ Ἰουνίῳ α҃. Ἰνδικτιώνος γ҃. ἐν ἔτει ҂ⷭ҃ϡкн҃. (1320).

Τῇ β̄. τῆς ᾱ. ἑβδόμαδος. ἐκ τοῦ κατὰ λουκᾶν. τῷ καιρῷ ἐκεῖνω ἠρώτα τίς τῶν φαρισαίων τῶ Ἰησοῦ. ἵνα φάγη μετ᾽ αὐτοῦ καὶ εἰσελθὼν εἰς οἰκί. Заставки, заглавныя буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія. εἰ. Ἰησοῦ. ὑποκρισιν, εὐλογητοῦ; πιλάτω.

Слова съ титлами и сокращенія: Ἰησοῦν. ὑμῖν. καὶ θεοῦ ἀνθρώπων παραβολὴν εἶπεν.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἄγγελοι ἐξάγουσιν. ε., λέγων εὑρήσει ἐξῆλθεν δεξιῶν. ν., μιζον ἦν οὖν συνέδριον. σ., σύσσημον σταυρωθῆ. τ., μετὰ ξὺ βαπτισθέντος.

Цифра съ титломъ: к҃ⷤ. частица δὲ съ двумя удареніями.

V. Четверо-Евангеліе.

Принадлежащее Полковому Священнику Самогитскаго полка Петру Троицкому, пріобрѣтенное имъ у Болгарскаго Священника близъ Мраморнаго моря.

Длина пергамина	$4^{2}/_{8}$ в.
Ширина.	$2^{6}/_{8}$ в.
Къ корешку.	$^{3}/_{8}$ в.
Къ правой сторонѣ	$^{6}/_{8}$ в.
Къ верху	$^{5}/_{8}$ в.
Къ низу	1 в.

Пергаменъ выдѣланъ хорошо, но мѣстами есть поврежденія. Писано скорописью въ одинъ столбецъ на 286. листахъ. Послѣднія три листа пустыя. На 284. листѣ записано: ἐπληράθη τὸ παρὸν τετρα ἐυάγγελον (sic) ἐν μηνὶ ἰουνίῳ ἰνδικτιώνος δ. ἔτους ,ϛϡκϑ. (1321 г.) Чернила очень черны. Вмѣсто киновари, заставки, заглавія и заглавныя буквы писаны коричневою краскою Заставки довольно фигурны. Евангелисты, какъ видно, вырѣзаны прежними владѣльцами сего Евангелія. По словамъ полковаго священника это Евангеліе Болгарскимъ Священикомъ было зарыто въ землю для сохраненія его отъ истребленія Турецкаго.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

ф. 136 — 141. Ἀρχὴ τοῦ κατὰ λουκὰν ἁγίου ἐυαγγελίου.

Ἐπειδήπερ πολλοὶ ἐπεχείρησαν ἀνατάξασθαι διήγησιν περὶ τῶν πεπληροφορημένων ἡμῖν πραγμάτων. καθὼς παρέδωσαν ἡμῖν οἱ ἀπ' ἀρχῆς αὐτόπται καὶ ὑπηρέται γενόμενοι τοῦ λόγου. ἔδοξε κἀμοὶ παρηκολουθηκότι ἄνωθεν πᾶσιν ἀκριβῶς καθεξῆς σοι γράψαι κράτιστε θεόφιλε. ἵνα ἐπιγνῶς περὶ ὧν κατηχήθης λόγων τὴν ἀσφαλείαν. ἐγένετο ἐν ταῖς ἡμέραις ἡρώδου τοῦ βασιλέως τῆς ἰουδαίας. ἱερεύς τις ὀνόματι ζαχαρίας ἐξ ἐφημερίας ἀβιᾶ. καὶ ἡ γυνὴ αὐτοῦ ἐκ τῶν φυγατέρων ἀαρών. καὶ τὸ ὄνομα αὐτῆς ελισάβετ. ἦσαν δε δίκαιοι ἀμφότεροι ἐνώπιον τοῦ θεοῦ, πορευόμενοι ἐν πάσαις τοῖς ἐντολαῖς καὶ δικαιώμασι τοῦ Κυρίου ἄμεμποι (sic). καὶ οὐκ ἦν αὐτοῖς τέκνων καθότι ἡ ἐλισάβετ ἦν στεῖρα. καὶ ἀμφότεροι προβεβηκότες ἐν ταῖς ἡμέραις αὐτῶν ἦσαν. ἐγένετο δὲ ἐν τῷ ἱερατεύειν αὐτὸν ἐν τῇ τάξει τῆς ἐφημερίας αὐτοῦ ἔναντι τοῦ θεοῦ κατὰ τὸ ἔθος τῆς ἱερατείας ἔλαχε. τοῦ θυμιᾶσαι ἐισελθὼν εἰς τὸν ναὸν τοῦ Κυρίου. καὶ πᾶν τὸ πλῆθος ἦν τοῦ λαοῦ προσευχόμενον ἔξω τῇ ὥρα τοῦ θυμιάματος. ὤφθη δε αὐτῷ ἄγγελος Κυρίου ἑστὼς ἐκ δεξιῶν τοῦ θυσιαστηρίου τοῦ θυμιάματος καὶ ἐταράχθη ζαχαρίας ἰδών, καὶ φόβος ἐπέπεσεν ἐπ' αὐτόν. εἶπε δὲ πρὸς αὐτὸν ὁ ἄγγελος. μὴ φοβοῦ ζαχαρία. διότι ἐισηκούσθη ἡ δέησις σου, καὶ ἡ γυνή σου ελισάβετ γεννήσει υἱόν σοι. καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰωάννην, φυλ. 137. καὶ ἔσται χαρά σοι καὶ ἀγαλλίασις. καὶ πολλοὶ ἐπὶ τῇ γεννήσει αὐτοῦ χαρήσονται. ἔσται γὰρ μέγας

Изъ Новаго Завѣта св. Алексія Митрополита.

Єѵаггєлье є҃ ѡ҃ лѹ҃.

Понє҃ пѫ҃ многи наѧша кѵинати повѣ҃. о нзвѣщєны҃ к нѫ҃ вещє҃. ꙗкѡ҃ предаша нѫ҃ соущии исперва самовидци. і слуги бывше словесн. їзволися ї мнѣ. пріпослѣдовавшю бывше всѣ҃ опасно. порадѣ тѡ҃ писати. державнын ѳеофилє. да разумѣє҃. о нн҃ же оглашє҃ есн словесє҃. оутвержє҃. кы҃ во дни нрѡда цра҃ їюдейска. їерєи нѣкто їменє҃ захарыи. ѡ҃ оутастым авиана. и жена его. ѡ҃ дщерни аарѡнь а їма єи єлисавет. бѣста҃ правєдна ѡба прє҃ бм҃ь. ходаща во всѣ҃ заповѣдє҃. ї оправданы҃ гн҃іхъ бес порока. ї не бѣ има чада. понє҃ їелїсавет бѣ неплодка. ї оба замтрѣвше ко дн҃ хъ своі҃ бѣста. кы҃ же внегда сщн҃ствокати емѹ. к ѵїноу оутастым своє҃ прє҃ бм҃ь по обы҃ю сщн҃ьства лоуїса҃ емѹ кадити вшє҃ в црк҃вь гн҃ю, ї все мно҃ство бѣ людїи мл҃твоуи҃ вѣ в го҃ кажє҃м. явившє҃ ємѹ анг҃лъ гн҃ь. стои҃ одесноую жертвенника кадїлна҃. ї смате҃ захам вндє҃. ї стра҃ нападе нѫ҃. рє҃ же к немѹ анг҃лъ. не конся захарїи. зане оуслышана мл҃тва твоя. и жена твоя єлисавет. родн҃ сна҃ тѡ҃. ї прозовеши їма є҃ іѡ҃н. ї коудє҃ радѡ҃ тобє҃ ї весє҃е. ї мнози о ржст҃кв єгє вздрадоуютъ. будє҃ бо велн҃ прє҃ гм҃ь. ї вина и сікера не нмѫ҃ пити. и дх҃а ст҃го исполнит҃ъ. л. 26. об. єщє ѡ҃ чрєва мт҃ре своєм. ї многи сн҃къ изл҃къ обратн҃ к гѹ҃ бѹ҃ н҃. и сѫ҃ прєндє҃ пред нн҃ в дс҃ѣ и силою илїною. обратити срцл҃ оц҃ы҃ на чада. ї непокоріѣмъ в смы҃ пра-

ἐνώπιον Κυρίου. καὶ οἶνον καὶ σίκερα οὐ μὴ πίῃ. καὶ πνεύματος ἁγίου πλησθήσεται ἔτι ἐκ κοιλίας μητρὸς αὐτοῦ. καὶ πολλοὺς τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ ἐπιστρέψει ἐπὶ Κύριον τὸν Θεὸν αὐτῶν καὶ αὐτὸς προελεύσεται ἐνώπιον αὐτοῦ ἐν πνεύματι καὶ δυνάμει ἡλιοῦ. ἐπιστρέψαι καρδίας πατρῶν ἐπὶ τέκνα. καὶ ἀπειθεῖς ἐν φρονήσει δικαίων. ἑτοιμάσαι Κυρίῳ λαὸν κατασκευασμένον. καὶ εἶπε ζαχαρίας πρὸς τὸν ἄγγελον κατὰ τί γνώσομαι τοῦτο. ἐγὼ γὰρ εἰμὶ πρεσβύτης. καὶ ἡ γυνή μου προβεβηκυῖα ἐν ταῖς ἡμέραις αὐτῆς. καὶ ἀποκριθεὶς ὁ ἄγγελος εἶπεν αυτῶ. ἐγώ εἰμι γαβριὴλ ὁ παρεστηκὼς ἐνώπιον τοῦ θεοῦ. καὶ ἀπεστάλλην λαλῆσαι πρὸς σὲ καὶ εὐαγγελίσασθαι σοι ταῦτα. καὶ ἰδοὺ ἔσῃ σιωπῶν μὴ δυνάμενος λαλῆσαι. ἄχρι ἧς ἡμέρας γένηται ταῦτα. ἀνθ' ὧν οὐκ ἐπίστευσας τοῖς λόγοις μου. οἵτινες πληρωθήσονται εἰς τὸν καιρὸν αὐτῶν. καὶ ἦν ὁ λαὸς προσδοκῶν τὸν ζαχαρίαν. καὶ ἐθαύμαζον ἐν τῶ χρονίζειν αὐτὸν ἐν τῶ ναῶ. ἐξελθὼν δὲ οὐκ ἠδύνατο λαλῆσαι αὐτοῖς. καὶ ἐπέγνωσαν ὅτι ὀπτασίαν ἑώρακεν ἐν τᾶ ναῶ. καὶ αὐτὸς ἦν διανεύων αὐτοῖς, καὶ διέμεινε κωφός. καὶ ἐγένετο ὡς ἐπλήσθησαν αἱ ἡμέραι τῆς λειτουργίας αὐτοῦ ἀπῆλθεν εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ. Μετὰ δὲ τάυτας τὰς ἡμέρας συνέλαβεν ἐλισάβετ ἡ γυνὴ αὐτού. καὶ περιέκρυβεν ἑαυτὴν μῆνας πέντε λέγουσα. ὅτι οὕτως μοι πεποιηκεν ὁ Κύριος ἐν ἡμέραις αἷς ἐπεῖδεν ἀφελεῖν τὸ ὄνειδός μου ἐν ἀνθρώποις. ἐν δὲ τῶ μηνὶ τῶ ἕκτω ἀπεστάλη ὁ ἄγγελος γαβριὴλ ὑπὸ τοῦ Θεοῦ εἰς πόλιν τῆς γαλιλαίας. ᾗ ὄνομα ναζαρὲτ. πρὸς παρθένον μεμνηστευμένην ἀνδρὶ. ᾧ ὄνομα Ἰωσὴφ ἐξ οἴκου δαβὶδ. καὶ τὸ ὄνομα τῆς παρθένου μαριὰμ. καὶ εἰσελθὼν ὁ ἄγγελος πρὸς αὐτὴν εἶπεν. χαῖρε κεχαριτωμένη ὁ Κύριος μετὰ σου. εὐλογημένη σὺ ἐν γυναιξίν. ἡ δὲ ἰδοῦσα, διεταράχθη ἐπὶ τῶ λόγω αὐτοῦ. καὶ διελογίζετο. ποταπὸς εἴη ὁ ἀσπασμὸς οὗτος, καὶ εἶπεν ὁ ἄγγελος αὐτῆ. μὴ φοβοῦ μαριὰμ. εὗρες γὰρ χάριν παρὰ τῶ θεῶ. καὶ ἰδοὺ συλλήψει ἐν γαστρὶ. καὶ τέξῃ υἱὸν. καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰησοῦν. οὗτος ἔσται μέγας. καὶ υἱὸς ὑψίστου. κληθήσεται. καὶ δώσει αὐτῶ Κύριος ὁ Θεὸς τὸν θρόνον δαβὶδ τοῦ πατρὸς αὐτοῦ. καὶ βασιλεύσει ἐπὶ τὸν οἶκον Ἰακὼβ εἰς τοὺς αἰῶνας. καὶ τῆς βασιλείας αὐτοῦ οὐκ ἔσται τέλος. εἶπε δε μαριὰμ πρὸς τὸν ἄγγελον. πῶς ἔσται τοῦτο ἐπεί ἄνδρα οὐ γινώσκω. καὶ ἀποκριθεὶς ὁ ἀγγελος εἶπεν αὐτῆ. πνεῦμα ἅγιον ἐπελεύσεται ἐπὶ σὲ. δύναμις ὑψίστου ἐπισκιάσει σοι. διὸ καὶ τὸ γενόμενον ἅγιον κληθήσεται υἱός Θεοῦ. καὶ ἰδοὺ ἐλισάβετ ἡ συγγενίς σου. καὶ αὐτὴ συνειληφυῖα υἱὸν ἐν γήρει αὐτῆς. καὶ οὗτος μὴν ἕκτος ἐστὶν αὐτῆ τῆ καλουμένη στείρα. ὅτι οὐκ ἀδυνατήσει παρὰ τῶ Θεῶ πᾶν ῥῆμα. εἶπε δὲ μαριαμ. ἰδοὺ ἡ δούλη Κυρίου. γένοιτο μοι κατὰ τὸ ῥήμα σου. καὶ ἀπῆλθεν ἀπ' αὐτῆς ὁ ἄγγελος. Ἀναστάσα δὲ μαριὰμ ἐν ταῖς ἡμέραις ταυταις. ἐπορεύθη εἰς τὴν ὀρεινὴν μετὰ σπουδῆς εἰς πόλιν ἰούδα. καὶ εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἶκον ζαχαρίου. καὶ ἠσπάσατο τὴν ἐλισάβετ. καὶ ἐγένετο ὡς ἤκουσεν ἡ ἐλισάβετ τὸν ἀσπασμὸν τῆς μαρίας, ἐσκίρτησε τὸ βρέφος ἐν τῆ κοιλία αὐτῆς. καὶ ἐπλήσθη πνεύματος ἁγίου ἡ ἐλισάβετ καὶ ἀνεφώνησε φωνῆ μεγάλη. καὶ εἶπεν. εὐλογημένη φυλ, 139. σὺ ἐν γυναιξὶ καὶ εὐλογημένος ὁ καρπὸς τῆς κοιλίας σου καὶ πόθεν μοι τοῦτο, ἵνα ἔλθῃ ἡ μητήρ τοῦ Κυρίου μου πρός με. ἰδοὺ γὰρ ὡς ἐγένετο ἡ φωνὴ τοῦ ἀσπασμοῦ σου εἰς τὰ ὦτα μου ἐσκίρτησε τὸ βρέφος ἐν τῆ ἀγαλλιασει ἐν τῆ κοιλία μου καὶ μακαρία ἡ πιστεύσασα. ὅτι ἔσται τελείωσις τοῖς λελαλημένοι αὐτῆ παρὰ Κυρίου. καὶ εἶπε μαριάμ. μεγαλύνει ἡ ψυχής μου τὸν Κύριον. καὶ ἠγαλλίασε τὸ πνεῦμα ἐπὶ τῶ Θεῶ τῶ σωτῆρι μου. ὅτι ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὴν ταπείνωσιν τῆς δού-

вединѣ оуготовати гви. людн встроенъı. и рє̑ захаѵ̑ къ анг̑лу. поуемъ разумѣю се азъ єс̑ ста̑. а жена моа хамт̑рѣла во дн̑хъ своѝ. и ѿвща̑ анг̑лъ рє̑ ємъ. азъ єс̑ гаврил. прєстоѧ прє̑ бм̑ъ. і посла̑ бъı г̑ати к тѻ̑. і благовєстити тѻ̑ снѹ. и се будє̑ молча. и не могъıи г̑ати до негѻ̑ дн̑е будѹ ти снѹ. понє̑ невѣровà ієси словесе̑ моі. ѝ исполнатъ во вре̑ свое. и бѣша лю̑е чающи захарьи и ѹжахоуся. внегл̑ медлїти емъ в церкви. Ишє̑ же. не можаше г̑ати ѝ. и познаша ѝ видѣ̑е. ѵ̈дѣ к црк̑ви. и тъ бѣ помаѧ ѝ. і пребъıваше нѣ. бъı ѝ исполнишà дн̑ье служвъı ѥ. ѿнде к дѻ̑ свои. по сѝ же дн̑ъ. зачà єлисавет жена ѥ. і таишє̑. ѥ. мц̑ь г̑лщи. ѝ снзе мнѣ створі гъ. ко дн̑и. к нà прїзрѣ. отати поношѣ̑ѥ мѻ̑ в улвщѣ̑. въ мц̑ь же. ѕ. посла̑ бъı анг̑лъ гаврїила ѿ бà. в грà галилеиск. емоу̑ їма назарєѳ. к дв̀ѣ обрꙋзенѣ мꙋжеви ємꙋ̑ їма їѡсиф. їз домꙋ дв̀ида. и има дв̀ѣ маріам. и кшє̑ анг̑лъ к нен рє̑. радоуїся обрадованаѧ гъ с тѻ̑ю. благнатъı в женà. Онà видѣвши сматѣ̑ о словеси его. і расмъıслашє. како бо будѣ̑ цѣлокаѥ се і рє̑ анг̑лъ ен. не бонса маріам. обрѣтѣ̑ бо благ̑ть ѿ бà. и се зачнѣ̑ в уре̑ і родѝ сна. і прозовѣ̑ їма ѥ їс̑. сь бѹ̑т велѝ. і снъ вышнà нарѣ̑ть. и дà ємꙋ гъ̑ бъı прт̑лъ двда оц̑а ѥ и цр̑твѹѥ на домѻ̑ іакѡвлѝ в вѣ̑. і цр̑твꙋ ѥ не боудѣ̑ конца. рє̑ же мр̑іа къ анг̑лꙋ. како будѣ̑ се. понє̑ мꙋжа не знаю. і ѿвщ̑а анг̑л рє̑ ієи. дх̑ъ стꙋ̑и нандѣ̑ на та. и сила вышнà осѣнѝ та. л. 27. б. тѣ̑ ражаємоѥ сто нарѣ̑тса снъ бѝи. и се єлисавет. сродница твоа и та зачала снà в старости своен. и се мц̑ь ѕ. ѥ ієи. нарицаемѣи стира. ѝ не изможѣ̑ (sic) при бзѣ всѣ̑ гл̑ъ рє̑ же маріам. се раба гн̑а. будн мнѣ по гл̑ꙋ твоемꙋ. и ѿнде ѿ неа анг̑лъ . : .

Ставшѝ мр̑іам. во дн̑и снà. идє к горскоую со тщаньѣ̑. і в грà їюдѳ̑. и внїде в дѻ̑ захарьѝ. і цѣлова єлїсавѣ̑. і бъı ѝ оуслъıша єлисавет цѣлованіе мр̑ьѝ. взъıгра̑ младенѝ̑ к уребѣ ѥи. и їсплнѝ дх̑а ста̑ єлисавет. і вз̑гласи гл̑сомь велїкѝ і рє̑ благна тъı в женà. и благнъ плѻ̑ оутробъı твоемъ. ѿкудꙋ ми се. да прїдє мт̑и г̑а моѥ̑ ко мнѣ. се бо ѝ бъı гла̑ цѣлованіа твоѥ̑ въ оу̑ю твоею. взъıгра̑ младенѝ̑ радощами в уре̑ моѥ̑. и благнаѧ вѣровавшиѧ. ѝ будѣ̑ свершѣ̑ѥ глань̑ ен ѿ г̑а. И рє̑ мр̑іам. величꙋ̑ дш̑а моа г̑а. і взрадовà дх̑ъ

λης αὐτοῦ. ἰδοὺ γὰρ ἀπο τοῦ νῦν μακαριοῦσι με πᾶσαι αἱ γενεαὶ. ὅτι ἐποίησεν μοι μεγαλεῖα ὁ δυνατος. καὶ τὸ ἅγιον τό ὄνομα αὐτοῦ. καὶ το ἔλεος αὐτοῦ εἰς γενεὰς καὶ γενεὰν τοῖς φοβουμένοις αὐτὸν. ἐποίησε κράτος ἐν βραχίονι αὐτοῦ. διεσκόρπισεν ὑπερηφάνους διανοία καρδίας αὐτῶν. καθεῖλε δυναστας ἀπὸ θρόνων, καὶ ὕψωσε ταπεινούς. πεινῶντας ἐνέπλησεν ἀγαθῶν καὶ πλουτοῦντος ἐξαπέστειλε κενούς. ἀντελάβετο Ἰσραὴλ παιδὸς αὐτου μνησθῆναι ἐλέους. καθὼς ἐλάλησε πρὸς τοὺς πατέρας ἡμῶν, τῷ ἀβραὰμ καὶ τῷ σπέρματι αὐτοῦ εἰς τὸν αἰῶνα. ἔμεινε δὲ μαριὰμ σὺν αὐτῇ ὡσεὶ μῆνας τρεῖς. καὶ ὑπέστρεψεν εἰς τὸν οἶκον αὐτῆς. τῇ δε ἐλισάβετ ἐπλήσθη ὁ χρόνος τοῦ τεκεῖν αὐτὴν καὶ ἐγέννησεν υἱὸν. καὶ ἤκουσαν οἱ περίοικοι καὶ οἱ συγγενεῖς αὐτῆς. ὅτι ἐμεγάλυνε Κύριος τὸ ἔλεος αὐτοῦ μετ' αὐτῆς, καὶ συνέχαιρον αὐτῇ. καὶ ἐγένετο ἐν τῇ ὀγδόῃ ἡμέρα. ἦλθον περιτεμεῖν τὸ παιδίον. καὶ ἐκάλουν αὐτὸ ἐπὶ τῷ ὀνόματι τοῦ πατρὸς αὐτοῦ ζαχαρίαν. καὶ ἀποκριθεῖσα ἡ μητήρ αὐτοῦ εἶπεν οὐχί. ἀλλὰ κληθήσεται Ἰωάννης. καὶ εἶπον πρὸς αὐτὴν. ὅτι οὐδεῖς ἐστιν ἐν τῇ συγγενεία σου ὃς καλεῖται τῷ ὀνόματι τούτῳ. ἐνένευον δε τῷ πατρὶ αὐτοῦ. τὸ τί ἂν θέλοι καλεῖσθαι αὐτὸν. καὶ αἰτήσας πινακίδιον ἔγραψε λέγων. Ἰωάννης ἐστὶ τὸ ὄνομα αὐτοῦ. καὶ ἐθάυμασαν πάντες. ἀνεώχθη δὲ τὸ στόμα αὐτοῦ παραχρῆμα. καὶ ἐλάλει εὐλογῶν τὸν θεὸν. καὶ ἐγένετο ἐπὶ πάντας φόβος τους περιοικοῦντας αὐτοῖς. καὶ ἐν ὅλη τῇ ὀρεινῇ τῆς ἰουδαίας, διελάλειτο πάντα τὰ ῥήματα ταῦτα. καὶ ἔθεντο πάντες οἱ ἀκούσαντες ἐν τῇ καρδία αὐτῶν λέγοντες. τί ἄρα τὸ παιδίον τοῦτο ἔσται. καὶ χεὶρ Κυρίου ἦν μετ' αὐτου. καὶ ζαχαρίας ὁ πατὴρ αὐτοῦ ἐπλήσθη πνέυματος ἁγίου καὶ προεφήτευσε λέγων. Εὐλογητὸς Κύριος ὁ Θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ ὅτι επεσκέψατο καὶ ἐποίησε λύτρωσιν τῷ λαῷ αὐτοῦ. καὶ ἤγειρε κέρας σωτηρίας ἡμῖν ἐν τῷ οἴκω δαβὶδ τοῦ παιδὸς αὐτοῦ. καθὼς ἐλάλησε διὰ στόματος τῶν ἁγίων τῶν ἀπ' αἰῶνος προφητῶν αὐτοῦ. σωτηρίαν ἐξ ἐχθρῶν ἡμῶν καὶ ἐκ χειρὸς πάντων τῶν μισοῦντων ἡμῶν. ποιῆσαι ἔλεος μετὰ τῶν πατρῶν ἡμῶν. καὶ μνησθῆναι διαθήκης ἁγίας αὐτοῦ. ὅρκον ὃν ὤμοσε πρὸς ἀβραὰμ τὸν πατέρα ἡμῶν τοῦ δοῦναι ἡμῖν ἀφόβως ἐκ χειρὸς τῶν ἐκθρῶν ἡμῶν ρυσθέντας. λατρέυειν αὐτῷ ἐν ὁσιότητι καὶ δικαιοσύνη ἐνώπιον αὐτοῦ πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν. καὶ σὺ παιδίον προφήτης ὑψίστου κληθήση. προπορέυση γὰρ προ προσώπου Κυρίου ἑτοιμάσαι ὁδοὺς αὐτοῦ, τοῦ δοῦναι γνῶσιν σωτηρίας τῷ λαῷ αὐτοῦ ἐν ἀφέσει ἁμαρτιῶν αὐτῶν διὰ σπλάγχνα ἐλέους θεοῦ ἡμῶν. ἐν οἷς ἐπεσκέψατο ἡμᾶς ἀνατολὴ ἐξ ὕψους ἐπεφάναι τοῖς ἐν σκότει καὶ σκιᾷ θανάτου καθημένοις, τοῦ κατευθῦναι τοὺς πόδας ἡμῶν εἰς ὁδὸν εἰρήνης. τὸ δε παιδίον ἠυξανε καὶ ἐκραταιοῦτο πνέυματι. καὶ ἦν ἐν ταις ἐρήμοις, ἕως ἀναδείξεως αὐτοῦ πρὸς τὸν Ἰσραηλ.

мои о бѣ сп҃се мое. и прїзрѣ на смѣре҆ніе рабы своея. се бо ѿ нын҃ѣ блаженъ ма вси роди. и створи мнѣ велїе сїльнын. и свтое имя е҆. и мл҃ть е҆. в родѣ родо҆ боющимсѧ е҆. створи державѹ мышцею своею. растоуи презорливыѧ мы҆слїю ср҆ца и. низложи сїльныѧ ѿ прѣстлъ. и възнесѧ смѣренныѧ. алчющаѧ исполни блгъ. и бга҆тствующаѧ ѿпѹсти тща҆ испрїи҆ нѯла отрока своего. помановти мл҃ти. ако гл҃а къ оц҃е нашн҃. аврамѹ. и сѣмени его к вѣки. пребы же мр҃ыа с нею. и мц҃ы. г҃. и возвратн҃ к до҆ свои. елисавет же. исполнн҃ вре҆ родити. и роди сн҃а. и слышаша окроу҆ жившіи. и срадовахоуса с нею. и бы҆ въ и҃. дн҃ь придоша обрѣзати отроча. и прозываховѣ ие по имени оц҃а. е҆ захарїа. и ѿвѣщавшїи л. 26. об. а. мт҃и е҆г҃ ре҆. ни. но прозовет҃ї їоа҃ и рѣша к нем. и никто҆ е҆ в сродствѣ твое҆. и зовет҃ї имене҆ сн҃. помаховахоуже оц҃ю е҆г҃. ѵтобы хотѣ҆ прозвати его. и испро҆ сихю. написа гл҃а. іоа҃. е҆ има е҆. и ѹдивишѧ вси. ѿверзостаже҆ оуста е҆ а҆е. и язы҆ е҆г҃. и гл҃ше благословѧ бга҆. и бы на всѣ страхо҆ окроу҆ живыщіи и҃. и по всем горстем їюдеистем. повѣдаемы бахѹ вса гл҃ы сїи. и положи҃ вси слышавшіи на ср҆ци своем гл҃ще. что оу҆ отроча се боудет҃. и рѹка гн҃а бѣ с ни҃. и захарїа оц҃ь е҆. и сполнн҃ дха҆ сто. и прроу҆ствова гла ·:·

Блг҃ословенъ гь҆ бъ изра҆илевъ. ѩ посѣти и створи избавленіе людем своим҃. и издвигн҃ ро҆ спсн҃ыи на҃. в домоу дв҆дѣ отрока своего҆. ако гл҃а оустъ стхъ свои҃ ѿ вѣка прр҃ѣг҃. спсн҃ые ѿ вра҆ наших҃. и ѿ рѹкн всѣ ненавидащи҃ на҃. створити мл҃ть съ ѿц҃и нашими҃. и помановти завѣ҆ стыи своі҃. клятвѹ. ею҆ клт҃ъ ко аврамѹ оц҃ю нашем҃ѹ. дати на҃ бестраха. ѿ рѹкн вра҆ нших҃ избавльшисѧ. слоужити емѹ въ прпкьи и правдѣ пред ни҃ вса дн҃и жїкота на҃го. и ты отроча прр҃ вышнѧ҆ нарец҃шес҃. прѣндеши бо пред лиц҃е гн҃ь оуготовати пути его. дати разоу҆ спн҃ьѧ людем҃ его въ оставленіе грѣхо ихъ. благрдьем рд҆ мл҃ти ба наго. в нихъ посѣтї на҃ всто҆ свы҃. ижитн҃ и҃ во тмѣ и сѣни смр҃тнѣи сѣдащи҃. направити ноги на҃ на пу҆ мирѣ҆: Отроча҆ расташе и крѣплашес҃ дхмь. и бѣ в пустыни҆ до дн҃е явлен҃ѧ своего҆ ко изра҆ю ·:·

Чтеніе и объясненіе снимка.

Ἀρχὴ τοῦ κατὰ Μάρκον ἁγίου εὐαγγελίου.

Αρχὴ τοῦ εὐαγγελίου Ἰησοῦ Χριστοῦ υἱοῦ τ῀ θεοῦ ὡς γέγραπται ἐν τοῖς προφήταις. ἰδοὺ ἐγὼ ἀποστέλλω τὸν ἄγγελον μου πρὸ προσώπου σου. ὃς κατασκευάσει τὴν ὁδόν σου ἔμπροσθεν σου. φωνὴ βοῶντος ἐν τῇ ἐρήμῳ ἑτοιμάσατε τὴν ὁδὸν Κυρίου, εὐθείας ποιεῖτε τὰς τρίβους αὐτοῦ. ἐγίνετο Ἰωάννης βαπτίζων ἐν τῇ ἐρήμῳ. καὶ κηρύσσων βάπτισμα μετανοίας εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιών. καὶ ἐξεπορέυετο πρὸς αὐτὸν πᾶσα ἡ ἰουδαία χώρα καὶ οἱ ἱεροσολυμῖται καὶ

ἐβαπτίζοντο πάντες ἐν τῷ ἰωρδάνῃ ποταμῷ ὑπ' αὐτοῦ ἐξομολογούμενοι τὰς ἁμαρτίας αὐτῶν ф. 135 об. καὶ οἱ μὲν στρατιῶται διαμερίζονται τὰ ἱμάτια αὐτοῦ τῶν δὲ στραυρωθέντων δύο λῃστῶν. ὁ εἷς αὐτῷ μετανοήσας ὡμολόγησε καὶ ὅτι τὸ σῶμα τεθὲν ἐν μνημείῳ ἠγέρθη τριήμερος. καὶ μετὰ ταῦτα ἀνελήφθη βλεπόντων τῶν μαθητῶν.

† Ἐληρώθη τὸ παρὸν τετραευαγγελιον ἐν μηνὶ Ιουνίω, ἰνδικτιωνος ѣ. ѧ҃ѳ҃к҃ѳ. (1321).

Неполная азбука изъ заглавныхъ буквъ, скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ἡμέραν. ἐπιστάσα ἀμήν.

Слова съ титлами и сокращенія: ἄνθρωπος, Κύριε ἡμᾶς.

Слова имѣющіе въ срединѣ слова при переносѣ на другую строку большую букву. ер Хеται δύ Νατον ὑμνήσαν Τες. Собственное имя съ титломъ на верху Ζαχᾶρία.; частира δε̃ съ двумя ударенiями.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., τάξει θαυμάζον. ε., ἐγὼ ἄγγελος δεξιῶν μέγας ἐπὶ ν., οὐρανοῖς. σ., ὁ θεὸς. σπεύσαντες. τ, μετ' αὐτῶν.

Гласная ω, имѣющая въ верху согласную: т.

VI. Слова святаго Григорія Богослова (16.) съ толкованіемъ на нихъ Никиты Еп. Иракійскаго,

Находятся въ Московской Сунод. Вибіотекѣ подъ № 59-мъ.

Длина бумаги	7 в.
Ширина	5 в.
Къ корешку	3/8 в.
Къ правой сторонѣ	1 1/4 в.
Къ верху	7/8 в.
Къ низу	1 1/4 в.

Бумага толстая сѣроватая, лощеная. Въ началѣ рукопись промочена.

Писано скорописью довольно крупною въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 412 листахъ. Заставки, заглавія и заглавныя буквы писаны киноварью пунцоваго цвѣта. Съ 189. страницы начинается другой почеркъ, но тогоже времени. Вверху 2-го листа написано: Διονυσίου, а внизу: Арсеній к҃д҃.

Шестьнадесять словъ св. Григорія Богослова тѣже, какія помѣщены въ Сунод. рукописи подъ № 61-мъ съ миніатюрами.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ толкованія Никиты Ираклійскаго на св. Григорія, брата Василіева.

л. 310 об. Ἑρμηνεία. Ἀπόγνωμη τὸ προοίμιον. φησὶ γὰρ Ἰησοῦς ὁ τοῦ σιρ̃αχ. φίλου πιστοῦ οὐκ ἔστιν ἀνταλλαγμα. καὶ οὐκ ἔατι σταθμὸς τῆς καλλονῆς αὐτοῦ. καὶ πάλιν. φιλὸς πιστὸς, σκέπη κραταια! ὁ δὲ εὑρὼν αὐτὸν, εὗρε θησαυρὸν. τὸ δὲ ἑξῆς ἀπὸ τοῦ σολομῶντος, παρεφράσθη λέγοντος. ἀδελφὸς ὑπὸ ἀδελφοῦ βοηθούμενος, ὡς πόλις ὀχυρὰ. ἰσχύει δὲ ἅσπερ μεμοχλευμένον βασίλειον. τὸ δὲ θησαυρὸς ἔμψυχος ἐκ τῶν ἔξω. ἀλέξανδρος γὰρ ἐρωτηθεὶς ποῦ τοὺς θησαυροὺς ἔχει. τοὺς φίλους παρόντας ὑπέδειξεν. οἵτινες ἔμψυχον ἦ θησαυρὸς. λέγει δὲ που καὶ θεόγνις ὁ ποιητής. ὅτι πιστὸς ἀνὴρ, χρυσῶ τὲ καὶ ἀργύρω ἀντερείσασθαι ἄξιος. ἦγουν ἀντισταθμηθῆναι. τὸ δὲ ὑπὲρ χρυσίον

Изъ Григ. Богослова съ толкованіемъ Никиты Иракійскаго. XIV в. (Сун. Библ. №954.)

Слово 16. О грігорьи братѣ василѣвѣ. л. 210. отъ воли предъизображе҃е. ре҃ несъ ї сиракови҃. другу вѣрну не҃ измѣны. и не҃ вѣса доброте его. и паки. дру҃ вѣре҃ покро҃ крѣпо҃. обрѣтыи же обрѣте скровище. а прохаш ѡ҃ соломона гл҃ющи. бра҃ ѡ҃ брата помогае҃ ако гра҃ твердъ можеть же. ако паче обетшало цр҃тко. а еже скровище дш҃вно. то ѡ҃ кнѣшии҃. алеѯандръ бн въпроше҃ кде скровище нма҃. дружину с нѥ҃ сущюю показа. иже бѣша дш҃ьнаа скровища. гл҃ть же нѣкде и феогнии творець. ако вѣре҃ мы҃ злата и сребра про-

καὶ λίθον τίμιον πολὺν, ἐν τοῦ δᾱδ ἐκ δὲ τοῦ ἄσματος τῶν ἀσμάτων, τὸ κῆπος κεκλεισμένος καὶ πηγὴ ἐσφραγισμένος. εἰς καὶ τὴν ἑρμηνείαν ὁ θεόλογος προσέθηκεν. ὅτι ἡ πηγὴ καὶ ὁ κῆπος διὰ τοῦτο εἰσὶ κεκλεισμένα, ἵνα κατὰ τὸν τῆς χρείας καιρὸν ἀνοίγωνται καὶ μεταλαμβάνονται. πάλιν τὸ μὲν ὑιὸς φωτὸς, τοῦ ἐκ εὐαγγελίου. ἵνα γάρ φησιν ὑιοὶ φωτὸς γένησθε. ἄνος δὲ τοῦ θῡ καὶ ὁ μωῦσῆς εἴρηται. καὶ τις προφήτης ἐν ταῖς βασιλείαις. καὶ τὸν τιμοθέον οὕτως ὀνομάζει ὁ ἀπόστολος ἐν δὲ τῇ ἐξόδω πάλιν εἴρηται. οἱ ἱερεῖς οἱ ἐγγίζοντες κῶ τῶθῶ. ὁ δὲ δαν̃ιήν ἀνὴρ ὠνομάσθη ἐπιθῡμιῶν. τῶν δὲ κρειττόνων προσέθηκεν ὁθεόλογος. διότι εἰσὶ καὶ ἄνδρες ἐπιθυμιῶν τῶν χειρόνων. ἔστι μὲν οὖν φησιν ὁ πιστὸς φίλος, λιμὴν ἀναψύξεως. ἄν δὲ συνετὸς εἴῆ. καὶ ἄκρος κατ̀ ἀμφοτέραν τὴν παίδευσιν. τὴν τε ἔξω φημὶ καὶ τὴν ἡμετέραν λαμπροτέραν. ἄν δὲ καὶ ἄξιος καλεῖσθαι τὰ κάλλιστα. τῶν ὀνομάτων καὶ οἷς τιμᾶ ἡ θεία γραφὴ τους ἁγίους, οἷον λέγω τὸ σκέυος ἐκλογῆς. καὶ τὸ πιστὸς θεράπων καὶ λειτουργος κῡ καὶ τὰ ὅμοια τοῦτο δῶρον θῡ. καὶ ὑπὲρ τὴν ἐμὴν ἀξίαν τὸ ἐπιτυχεῖν με φημὶ τοιούτου φίλου. εἰδὲ καὶ παρὰ φίλου ἀπέσταλται παρηγορήσων ἡμᾶς. τουτέστι παρὰ τοῦ μεγάλου βασιλείου. ὃν μαὶ ὁμότιμον φησὶ τῶ νύσσης. ἡ γαρ ἴσον κατά τε τὴν ἀρετὴν καὶ τὴν πρὸς ἐμὲ φιλίαν, τοῦτο χαριέστερον ἐστὶ τοῦ ἀρχιερατικοῦ μύρου. ὅπερ κατὰ τῆς κεφαλῆς τοῦ ἀρχιερέως χυθὲν. πρῶτον αὐτὴν ἐκόσμει. εἶτα τὸν πώγωνα. ἔπειτα κατήει καὶ μέχρι τῶν ἐνδυμάτων αὐτοῦ. χρὴ δὲ μύρον νοεῖν τὸ πν̃α τὸ ἅγιον. τοῦτο γὰρ πρῶτον τὴν τοῦ παντὸς σώματος κεφαλὴν ἥτις ἦν ὁ χ̃ς̃, ἐπλήρου. μεθ' ὃν л. 311. κατέβαινεν ἐπὶ τὸν χορὸν ἀποστολικὸν. κόσμον ὄντα τοῦ προσώπου χῡ. εἶτα κατῆλθε καὶ ἐπὶ τὸ λοιπὸν σῶμα. τουτέστι τὴν ἐκκλησίαν. ἐκ τοῦ δᾱδ δὲ καὶ ταῦτα εἴληπται λέγοντος. ἰδοὺ δὴ τί καλὸν ἢ τι τερπνὸν. ἀλλ' ἢ τὸ κακτοικεῖν ἀδελφοὺς ἐπιτοαυτὸ. ὡς μύρον ἐπὶ κεφαλῆς τὸ καταβαῖλον ἐπὶ πώγωνα. τὸν πώγωνα τὸν ἀᾱρὼν. τὸ καταβαῖνον ἐπὶ τὴν ὥαν τοῦ ἐνδύματος αὐτοῦ. ὡα δέ ἐστιν, ὅ καλοῦμεν περιτραχήλιον. β̃. Ἀράγε φησι συμμέτρως καὶ ἀρκοῦντως ὁ ἐμὸς λόγος τὸν ἄνδρα εἰκόνισεν, ἢ μιμήσομαι τοὺς ἐπιμελεῖς τῶν ζωγράφων. καὶ ὥσπερ ἐκεῖνοι ταῖς σκιαῖς τὰ σώματα προχαράσσοντες. δευτέρα καὶ τρίτη χειρὶ ταύτας ἐπακριβοῦσι καὶ τελειοῦσι τοῖς χρώμασιν, οὕτω καγὼ πολλάκις ἐπιβαλῶ τοῦ λόγου τὰ χρώματα, ἵνα τὸν εἰκονιζόμενον παῤ ἐμοῦ παραστήσω ὑμῖν ἐντελέστερον. οὐκ ἔχω δὲ μεῖζον οὐδὲ γνωριμώτερον παράδειγμα, τοῦ κατὰ μωσέα καὶ ἀᾱρὼν. ὥσπερ γὰρ ἐκεῖνοι, οὕτω καὶ ὁ μέγας βασίλειος καὶ ὁ νύσσης γρηγόριος. ἀδελφοὶ καὶ κατὰ σάρκα καὶ κατὰ εὐσέβειαν. καὶ ὁ μὲν μέγας βασίλειος νομοθέτης. ἦγουν κανονίστὴς ἐν ἱερεῦσι καὶ μοναστᾶις ἐπιφανέστατος. ὁ δὲ νύσσης. ἱερέων τῶν ἄλλων ἁγιώτατος. ὡς ἐκεῖ ὁ ἀᾱρὼν. καὶ ὁ μὲν μέγας βασίλειος, θ̃ς̃ τοῦ νοητοῦ φαραὼ. ὡς л. 311 об. ὁ μωῦσῆς τοῦ αἰσθητοῦ. εἴρηται γὰρ πρὸς αὐτὸν ἐν τῇ ἐξόδω. ἰδοὺ δέδωκα σε θ̃ῡ φαραὼ. η γὰρ ἐχειροτονησα σε. Ἰῆλ δὲ νοητὸς τὸ, ὁ εὐσεβὴς λαὸς. οὗ προίστατο ὁ θεῖος βασίλειος. καὶ ὦ ἐνομοθέτει. νεφέλη δὲ ἡ τοῦ νομικοῦ γράμματος παχύτης. ἧς εἴσω χωρῶν ἤγουν πρὸς τὸ βάθος εἰσδύνων τῇ διανοία, ἐπώπτευε τὰ θεῖα μυστήρια τὰ τοῖς ἄλλοις ἀπόῤῥητα. καὶ ἐμυσταγώγει ταῦτα διδάσκων. ἢ ὡς εἰς νεφέλην εἰς τὰ ἄδυτα τοῦ πν̃ς εἰσήει καὶ ταῦτα ἐθέωρει. σκηνὴ δὲ ἡ μὲν νομικὴ, τυπικὴ τις ἦν. ἣν ἐτεχνίτευσε μὲν βεσελεὴλ. ἐπήξατω δὲ μουσῆς. ἀλιθηνὴ δε σκηνὴ καθάφησι παῦλος. ἡ ἐκκλησία τῶν χριστιανῶ. ἱερεῖς δὲ ἀμφότε-

тнкѹѣсити достоинъ. а еже плоть злата и камєнь многоцѣнна. ѡ дѣда. ѡ пѣснии же пѣснѣ. ограда заключєє источникъ пєчатанъ. имъ же толкъ бо́словє. приложи. ако источникъ и ограда заключєє. да к потрєбы врема откорится. пакы б., оубо сн̃ъ свѣта. єже въ єѵ̃алии да сн̃вє бо рєчє свѣта. ѵлѣкъ же бн̃и монси нарєчєса. и нѣкто прр̃ъкъ въ цр̃тквии и тимофєа тако же именує апл̃ъ. во исходѣ же пакы рєчє ст̃ии близащєся гу бу̃. даниль же мѹ̃ именованса желаю. лучшѣ же приложи бо́словець. зане сѹ̃ мужи похотии злы, є̃ оубо рєчє вєр̃є дрѹ̃ пристанище покоѧ. аще ли и разѹмѣ будє. и до крам обоюду наказа. внѣшнее же и нашєм свѣтлѣє. и достоинъ ѕкатися лѣпшими имены. имиже утє̃ бье писа́є ст̃ым. то бн̃и даръ. выше моєго достоинньства. оулѹчити ми рєкѹ такого друга ѡ ст̃го васи̋м. емуже равноутнъ бѣ нисьскын. и по добродѣтели положи̋ ко мнѣ и по любви. сє радостнѣє єсть ст̃льскаго мира. єже на главу ст̃ѹю изливаємое. тавє на браду. пото̋ сходя на подолъ ризъ єго. лѣпо поразѹмѣти мироѵ. и ст̃ын дхъ. иже снидє на апл̃ъкын ли̋ ·:· л. 210. об. оубо рєчє смѣрено и доволное слово мужа въобразити. подобн̃ прилѣжно писцє̃. ѩкоже она въобразующе тѣла. проѵертаю́ которое и г̃. єє и тако изѣсто свершаю́ капы. тако и азъ. многажды нало̋ слово̋ капы. да вѡбражаємое мною прє̃ставлю ва̋ свершено. и не има̋ болє ни зналема оуказа. но єже о монсии и о аронѣ. тако ї келикын. васплии и нисьскын григории. брата по плоти. брата и по ба́гоутью. нбо великын васплии закономдавець. ї правитє̃ нерѣє̃ ї иноки̋. нисьскын же въ нерѣи̋ ст̃ѣи. ако тамо аро̋. нбо великын васплии бъ разѹмному фараѡну. ако монси ѹюкствєному. рєчє бо к нємѹ во исходѣ. сє да̋ та ба фараѡну. изльже разѹмныи вѣрнии лю̋е. имъже законодавець васплии ї во̋ б., облаку же законному писаю дєбельство толстота. емуже равно ликовно мыслью. видаше бым таины недовѣдомо инѣмъ. ї наставлаше оуча. и ако къ ѡбла̋ в нєзаходнмаѧ исхода. скиным же законным образъ бѣ. юже оухитри акесєленъ. потуе же монси. истинныѧ же сѣнь. ако же рєчє апл̃ъ. црк̃ы хр̃тьаньскаѧ. їерѣѧ же обра. великын васплии старѣи їерео̋ и оуча нисьскы̋ ини̋ и мола ба. ако во исходѣ монсии аронѹ. то тн будє̃ оуста. тако и сн вѣста собѣ но та оубо ї ю ра̋ мѹчиста єгупта. сн же темнын гоннтє̃ грѣ. она ѵермное ра-

ροι. καὶ ὁ μὲν μέγας βασιλειος ἔξαρχος τῶν ἱερέων. καὶ μυσταγωγῶν διὰ τοῦ νύσσης ἑτέρους. καὶ ἱλεῶν αὐτοῖς τὸν θν̄. ὁ δὲ νύσσης μετὰ τὸν μέγαν βασίλειον εὐθὺς. καὶ ἅπερ ἐν τῇ ἐξόδω εἴρηται πρὸς μῶσῆν περὶ τοῦ ἀαρὼν ὅτι αὐτὸς ἔσται σοι εἰς στόμα τὰ πρὸς τὸν λαόν. σὺ δὲ αὐτῶ ἔσῃ τὰ πρὸς τὸν θν̄, τοῦτο καὶ οὗτοι ἦσαν ἀλλήλοις καὶ τότε μὲν ἐκεῖνοι. ταῖς δέκα πληγαῖς τὴν αἴγυπτον ἐβασάνιζον. νῦν δὲ οὗτοι τὴν σκοτεινὴν καὶ διώκτριαν ἁμαρτίαν. ἐκεῖνοι τὴν ἐρυθρὰν. ἔτεμον. καὶ οὗτοι τὴν θάλασσαν τῶν παθῶν ἐκεῖνοι τὸν Ἰῆλ ἔσωσαν καὶ τοὺς αἰγυπτίους ἀπέπνιξαν. οὗτοι τοὺς εὐσεβεῖς διεφύλαξαν. τοὺς δὲ δαίμονας ἢ τοὺς εἰρετικοὺς κατεπόντισαν. ἐκεῖνοι τὸ μάννα ἐξ οὐνοῦ εἵλκυσαν καὶ ὕδωρ πολὺ παράδοξον. τὸ μὲν ἐξ ἀκροτόμου πέτραν ἐξήνεγκαν. τὸ δὲ, ἐγλύκαναντὸ ἐν τῇ μερρᾶ. ἔστι καὶ παρὰ τούτοις ἄρτος μὲν ουνῖος ὁ χς̄. ἡ πνικὴ τροφὴ ἐγὼ γὰρ φησιν ὁ ἄρτος ἐτμὶ τῆς ζωῆς ὁ ἐκ τοῦ οὐνοῦ καταβὰς. ὕδωρ δὲ τὸ ζωηρὸν νάμα τῆς διδασκαλίας τοῦ χῡ. ὅς ἐστιν ἡ πέτρα κατὰ τόν ἀπόστολον. γλυκαινόμενον μὲν ὕδωρ ἐνταῦθα νοήσεις, τὸ ἀπὸ τῶν ἑλληνικῶν λόγων εἰς χν̄ μετα χειρῶν ἐκτάσει τὸν σταυρὸν τυποῦντες, τὸν ἀμαλὴκ ἐτροπώσαντο. καὶ οὗτοι τὸν διάβολον. ἐκεῖνοι πρὸς τὴν γῆν τῆς ἐπαγγελίας ἔσπευδον. καὶ τοὺς ἄλλους ὠδήγουν. καὶ οὗτοι εἰς τὴν βασιλείαν τῶν οὐνῶν.

ѣдѣлиста. сниже море стр҃тнїе. она нѧла спсоста. и єгуптаны погрѫзиста. сниже кѧговѣрныѫ схранниста. и вѣсы ї єретикы погрѫзиста. она с нѣсе манну принесоста. и воду днвну ѡ несѣкомаго. окуѫе. осладиста в мерре. ѡ сею же хлѣ нбн҃ын дхвн҃ыѫ пиѫа кодаже жнкотворашѧ кро҃ оуѵеныѫ хва҃. єже є҃ камє҃ по а҃плу. ослажаємѹ воду сдѣ разумѣван. ѡ єлиньскы҃ слокє҃. во ха҃ прелагаєма. и блг҃оутнѣ прнємлємы. она таннообразнѣн рукѹ простертье҃ кр҃таобразно. амалика гѹкаѫа людн побѣдиста. сн же дыкола. она к землю обѣтованую тѫатса. сн же в цр҃тво нбное.

л. 211. ї. Отъ тою оубо двѹ келнкнн каснлнн крынощаса и молуаща на среду нзкеде. єпп҃ъ поставн. недостоннѣ подкнжє҃. єже к нѣ дѹ҃. сежє рекѹ нужєєю. и кложе҃ѣ ма ради к матежа б. и села саснма. гл҃ю бо недостоннѣ подвнжеса. люко и жестъко слоко се. всякоже келнкын васнлнн ї дрѹ҃ сын. терпѣ҃ кса. нстража и слъша. и бо любы. все терпѣ҃. нисьскын же грнгорнн прнде оутѣшанї҃. прнмнрака крота сѫщаго в нѣ҃ дха. и мнѣ оубо кѣе҃ є҃ любо нынѣ прінде. похѵлаюже, ако по потребовѣн прнде. и постнже ма и побѣдн ма. не волею бо створн мн статн келнкын васнлнї҃. прашаю оубо єдиномєннта мн. поуто єгда тебє требовѣ҃ не прнде. да бы мн пособн҃ ако братолюбє҃ оустыдѣса нутьльства. нмже оумѹун ма бр҃ткон. ты же ако силє҃ ѡнеможе. ѕанє протнвлахса не поставнтн мєнс. рекѹ же уто к тобѣ нѡка. ако къ дрѹгу бесѣдѹа. аще нелюто. уто реуе онъ. къ комѹ прнложншнн. комѹ ли хощешн помощн. не емуже ли многа крѣпость. ї мышца крѣпка є҃. аѕъ же прложю емѹ же многа мдрть и хнтро҃. обычаї бо є҃ многы҃. вседа к силны҃ прнлагатнся уасти. ї немощнаго другa топтатн. оугажатн же лучшн҃. се бо и са҃ вѣсн. ты оубо ѡвѣ҃ нмашн. датн. утоже недобрѣ. всако добрѣ. образъ та нмею и правнтела. а єже ѡ пнса҃ навыкаю не ско҃ будн к сѹ҃ ї къ ѡвѣ҃ осужє҃ѣ. соломону гл҃ю. не будн скоръ къ слокесѣ҃. а҃плъ же. не преже времєнн суднте. аѕ же гото҃ єсмь дружы радн. ї тобѣ и всякому датн ѡвѣ҃ моє҃ оусердьа. любо нѣцн непокорнка ма мна҃. да оувѣсн ако не всако друга лнха

ѓ. л. 312. Ἀπὸ τούτων φησι τῶν δύο, ὁ μὲν μέγας βασίλειος κρυπτόμενον μὲ καὶ ἡσυχάζοντα, εἰς μέσον ἤγαγε καὶ ἐχειροτόνησεν. ἀναξίως κινηθεὶς τοῦ ἐν αὐτῶ πν̄ς. τοῦτο δὲ φημι διὰ τὴν βίαν καὶ διὰ τὸ ἐμβαλεῖν με εἰς θορύβους καὶ ταραχάς. τοιοῦτον γὰρ τὸ χωρίον. τὰ σάσιμα. λέγω γὰρ ὅτι ἀναξίως ἐκινήθη κἂν τραχύτερος ὁ λόγος. πάντως δὲ ὁ μέγας βασίλειος φίλος ὢν, ὑπομενεῖ πάντα καὶ πάσχων καὶ ἀκθύων. ἡ γὰρ ἀγάπη, πάντα στεγει πάντα ὑπομένει. ὁ δὲ νύσσης γρηγόριος, ἦλθε παραμυθησόμενος καὶ καταλλάξων καὶ προστημερώσων διὰ τοῦ ἐν αὐτῶ πν̄ς καὶ ἐμοὶ μέν, μέγα ἐστὶν ὅτι καὶ νῦν ἦλθε. μεμφομαι δὲ, ὅτι μετὰ τὴν χρείαν ἦλθε. καὶ μεθὸ κατέδραμε τὲ καὶ ἥττησε με ἄκοντα. πείσαν χειροτονηθῆναι ὁ μέγας βασίλειος. ἐρωτῶ οὖν τὸν ὁμώνυμόν μοι. δια τί ὅτε σε ἔχρηζον οὐκ ἦλθες, ἵνα μοι συμμαχήσῃς. ἀλλ'. ὕστερον τοῦ καιροῦ ἄρα ὡς φιλάδελφος ἠσχύνθης τὴν τυραννίδα ἣν ἐτυράννησέ με ὁ ἀδελφός σα, ἢ καὶ σὺ ὡς δυνάστης ἐδυσχέρανας διότι ἠπείθουν αὐτῶ πρὸς τὸ χειροτονηθῆναι. φθέγξομαι τἰ πρὸς σὲ. ἀφ' ὧν εἶπεν ὁ Ἰωβ ἀλγῶν καγὼ ὡς ἐκεῖνος καὶ πρὸς φίλον διαλεγόμενος, εἰ καὶ μὴ φαῦλον, οἷ οι ἦσαν οἱ τοῦ Ἰωβ μὴ δὲ ἐφ' ὁμοίαις ταῖς συμφοραῖς. τί οὖν εἶπεν ἐκεῖνος; τίνι προσκεισαι. ἢ τίνι μέλλεις βοηθεῖν. πότερον οὐχ ὦ πολλὴ ἰσχὺς. καὶ ὦ βραχίων κραταίος ἐστιν. ἐγὼ δὲ πρόσθείην καὶ ὦ πολλὴ σοφία καὶ ἐπιστήμη; ἔθος γὰρ τοῖς πολλοῖς ἀεὶ πρὸς τὸ δυνατὸν л. 312 об. μετατίθεσθαι μέρος. καὶ τοὺς μὲν ἀσθενοῦντας τῶν φίλων καταπατεῖν. θεραπεύειν δὲ τοὺς κρατοῦντας. τοῦτο μὲν οὖν σὺ οἶδας, τουτέστι τίνι μέλλεις βοηθεῖν. ἐμοὶ γὰρ οὐ δίκαιον περὶ τοῦ ἀποφαντικῶς λέγειν τί τῶν οὐ καλῶν τὸ μὲν, ὅτι καλοῦ παντὸς τύπον σε καὶ κάνονα ἤγημαι. τὸ δὲ, ὅτι καὶ ὑπὸ τῆς γραφῆς νουθετοῦμαι μὴ ταχὺς εἶναι εἰς κρίσιν. ἤτοι εἰς ἀπόφασιν. ἢ εἰς κατάκρισιν. τοῦτο μὲν σολομῶντος λέγοντος μὴ ἴσθι ταχὺς ἐν λόγοις. τοῦτο δὲ ἀποσόλου μὴ πρὸ καιροῦ τί κρίνετε. ἐγὼ δὲ ἕτοιμος εἰμι διὰ φιλίαν, καὶ σοὶ καὶ παντὶ δοῦναι λόγον. τῆς ἐμῆς προμηθοῦς ἀσφαλείας. κἂν τίνες αὐτὴν ἀπείθειαν ὀνομάζωσιν. ἵνα μάθῃς ὅτι οὐ πάνυ ραῦ-

λον ἔχεις φίλον καὶ ἀπερίσκεπτον. ἀλλὰ θαρροῦντα μὲν, ἃ θαρρεῖν ἄξιον. ἐκεῖ δὲ φοβούμενον κατὰ τὴν ψαλμῳδίαν. οὗ ἐστι φοβος, φοβερὸν γὰρ τὸ μὴ φοβεῖσθαι τὸ τῆς ἐπισκοπιας ἀξίωμα καὶ μέγεθος.

д. Τὴν μὲν ἀπολογίαν φησιν εἰς ἄλλον καιρὸν ὑπερθώμεθα. νῦν δὲ εἴπωμεν τι πρέπον τῷ καιρῷ τούτω τῆς πανηγύρεως. ἐλευθερωθῶμεν ἀδελφοὶ κατὰ τὴν τοῦ πάυλв л. 313. παραίνεσιν ἀπὸ παντὸς μολυσμοῦ σωματικοῦ καὶ ψυχικοῦ. ἀκούσωμεν ἡσαΐου λέγοντος. λούσασθε. καθαροὶ γένεσθε. καὶ νιψώμεθα τῷ ὕδατι τῆς μετανοίας καὶ τῶν δακρύων καὶ καθὼς ρωμαίοις γράφει ὁ ἀπόσολος παραστήσωμεν τὰ σώματα ἡμῶν θυσίαν ζῶσαν ἁγίαν εὐάρεστον τῷ θῷ. τὴν λογικὴν λατρείαν ἡμῶν. ὅρα δὲ τὴν ἀκρίβειαν ἑκάστης λέξεως. οὐ γὰρ εἶπε ποιήσωμεν τὰ μέλη ἡμῶν θυσίαν. ἀλλὰ παραστήσωμεν. ὡσὰν εἰ ἔλεγε μηδὲν κοινὸν ἔχωμεν πρὸς αὐτὰ. μὴ δὲ καθέλκωμεν πρὸς ἰδιωτικὰς διακονίας. τῷ θῷ καθάπαξ αὐτὰ ἀφιερώσαντες. ἀλλὰ καὶ πάντα μῶμου περιέλωμεν ἀπὸ τῶν μελῶν. ἐπειδὴ θυσία ταῦτα ἐστιν. ἡ γὰρ θυσία ἀπαρχὴ τῶν ἄλλων ἐστι. καὶ οὐδὲν ὀφείλει ἔχειν ἀκάθαρτον... ἵνα μήτις νομίση ὅτι κατασφάξαι κελέυει τὰ σώματα.

нимашн н не смотрьна. но держающа. нимже лѣпо дрзати. оногоже боюсѧ по ѱ҃му. идеже є҃ стра҃. страшно бо єсть не бояти сѧ єпи҃ньства и келнуьства: ·

д. Ѡ҃вѣ оубо рече во иноврема положи҃. нынѣ же порекохо҃ лѣпое. се врема торжьства. свободи҃сѧ бра҃е по павлову оученію. ѿ҃ всякоѧ скверны телесныѧ идѡ҃шекныѧ. слыши҃ исаию гл҃ща. їзмыитеся и ѹ҃тн бѹдете. нзмыимсѧ водою покаанью и слезами. якоже пиш҃е паке҃ к римлано҃. прѣстави҃ телеса наша жертвѹ жиѵ҃ сѵ҃ту и оугодну бв҃и. понеже рече прѣставите жертвѹ. да никтоже мни҃ яко заклати кели҃ телеса [1]).

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 95 об. Μένων ἐξέτασιν, ἐν τοῖς ἑξῆς ἀποδώσομεν τῇ συνεργία τοῦ πνέυματος. ἄπιτε μοι χαίροντες, ἡ φιλόχριστος ἐκκλησία. ἀντὶ παντὸς ὄψου πολυτελοῦς, καὶ τῶν ποικίλων κατυκρυμάτων τῇ μνήμη τῶν εἰρημένων τὰς σεμνὰς ὑμῶν κατακοσμοῦντας τραπέζας. καταισχυνεατο ὁ ἀνόμοιος. ἐκτραπέσθω ὁ ἰουδαῖος. ἀγαλλιάσθω τοῖς δόγμασι τῆς ἀληθείας ὁ εὐσεβὴς. δοξαζέσθω ὁ Κύριος. ᾧ ἡ δόξα καὶ τὸ κρότος, εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. ἀμήν.

† Ἐτελειώθη σὺν θεῷ ἡ ἑξαήμερος τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν βασιλείου τοῦ μεγάλου κατὰ τὴν δευτέραν αὐτοῦ σεπτεβρίου μηνὸς ῑ҃. ѕ҃. ἰνδικτιώνος τοῦ ѕѳ҃мн҃. (1340. г.) ἔτους.

ф. Втораго почерка. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν γρηγορίου ἐπισκόπου νύσης κεφάλαια τριάκοντα. εἰς τὴν τοῦ ἀνθρώπου διάπλασιν.

Ἐν ταῖς διὰ τῶν χρημάτων τιμαῖς. ἰδει γεραίρεν τοὺς κατ' ἀρετὴν διαφέροντας.

Заглавныя буквы и двѣ скорописныя азбуки.

Слова съ знаками препинанія: βλαστήσις· ἔιπης: · ἀμήν: ὁμοίωσιν: ὄντων. ερως; προσκαιρον.

Сокращенія и слова съ титлами: ἀνθρωπίνω θεὸς. οὐρανὸν καὶ συμπαθείσας περὶ δὲ.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., γὰρ ἄνθρωπον. ε., ἡμετέρος ἐπὶ ἐπιτηδείως. ѵ҃ι οὖν συνεργίας. σ., διαφανὴς. τ., ὑπόστασιν, σχηματίζεται.

На л. 45. Разставочныя на полѣ слова въ перпендикулярномъ: направленіи ὡραῖον ὅλον.

На л. 25. об. Знаки вносныхъ мыслей.

VII. Шестодневъ святаго Василія Великаго съ сочиненіями другихъ отцевъ церкви.

Находится въ Московской Синод. Библіотекѣ подъ № 251-мъ.

Длина бумаги	$4\frac{7}{8}$ в.
Ширина	$3\frac{1}{4}$ в.
Къ корешку	$\frac{1}{2}$ в.
Къ правой сторонѣ	$\frac{7}{8}$ в.
Къ верху	$\frac{5}{8}$ в.
Къ низу	1 в.

Бумага лощеная, бумажнаго знака близъ корешка трудно отгадать. Съ 96. листа до конца книги другая бумага, и другой знакъ, котораго также близъ корешка трудно отгадать.

[1]) Въ Слав. переводѣ много пропущено въ семъ спискѣ.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 192-хъ листахъ. Простыя заставки, заглавія и заглавныя буквы въ началѣ рукописи писаны коричневою краскою, а съ 8. листа оборота разоватою краскою. Съ 96-го листа въ началѣ втораго почерка, опять заставка заглавія и заглавныя буквы писаны тою же коричневою краскою, какого писаны 1-е листы рукописи. Перваго почерка колеръ чернилъ темный. а 2-ю темно-сѣрый. Число строкъ на страницѣ 1-го почерка 25 и 26-ть, 2-го почерка 31, 32. и 33 Помѣта тетрадей внизу на углу съ обоихъ сторонъ, на лицевой сторонѣ съ правой, а на оборотной съ лѣвой стороны. Вверху 1-го листа написано: τοῦ παντοκράτορος.

Шестодневъ св. Василія оканчивается 95-мъ листомъ., а на 96-мъ по 148. листъ написано св. Григорія Нискаго о сотвореніи человѣка въ 30-ти главахъ.

л. 1 — 9. об. Начало: Ἐν ἀρχῇ ἐποίησεν ὁ θ̄ς̄ τὸν οὐν̄ον καὶ τὴν γ̄ν̄. πρέπουσα ἀρχὴ τῶ περὶ τῆς τοῦ κόσμου συστάσεως μέλλοντι διηγεῖσθαι.

Начало: Μικροῖς ἔωθεν ἐνδιατρίψαντες ῥήμασιν.

л. 19—28 об. Τρίτη. Начало: Τὰ τῆς πρώτης ἡμέρας ἔργα.

л. 28 об. — 35. 4-я. л. 35. об.—45. 5-я. Начало: Καὶ εἶπεν ὁ θεὸς βλαστησάτω. л. 45— 48. Ἑκτη. Начало: Τῶν ἀθλητῶν θεατὴν μετέχειν τινὸς προσεῖκε. л. 58—65 об. Ἑβδόμη. Начало: Καὶ εἶπεν ὁ θ̄ς̄ ἐξαγαγέτω τὰ ὕδατα ἑρπετὰ ψυχῶν. ζωσῶν κατὰ γένος.

л. 65 об. — 75. ῃ̈. (8). Начало: Καὶ εἶπεν ὁ θ̄ς̄ ἐξαγαγέτω ἡ γ̄ῆ̄ ψυχὴν ζῶσαν κατὰ γένος.

л. 75—95. Ἐνάτη. Начало: Πῶς ὑμῖν ἡ ἐωθινὴ τῶν λόγων τράπεζα κατεφάνη.

Съ 152. до 192 об. Написаны неизвѣстнаго автора бесѣды, говоренныя во время поста.

Заглавій и начальныхъ буквъ, обыкновенно писанныхъ киноварью или коричневою краскою нѣтъ.

л. 152—158. Начало 1-й бесѣды: (Ε)ἰ ἐπὶ τοσάυταις παραινέσιν. ἃς ἔν τε τω προλαβόντι χρόνω παρακαλοῦντες ὑμᾶς οὐ διελίπομεν, καὶ ἐφεξῆς τῶν ἑπτὰ τῆς νηστείας ἑβδομάδων νυκτὸς καὶ ἡμέρας διαμαρτυρόμενοι ὑμῖν τὸ εὐαγγέλιον τῆς χάριτος τοῦ θ̄ῡ̄.

л. 158—164 об. Начало 2-й бесѣды: (Τ)ὰ φρέατα ἐξαντλούμενα εὐρυώτερα γίνεται. καὶ πλούτου τὸ στασιμον, ἄχρηστον....

л. 164 об. — 172 об. Начало 3-й бесѣды: (Ο)ταν εἰς οἰκείαν ἀνδρὸς ἀπειροκάλλου εἰσέλθω καὶ ἴδω αὐτὴν παντοίοις γεγαννυμένην ἄνθεσιν...

л. 164 об. — 183. Начало 4:й бесѣды: Ἰττός μοι φόβος ἐνέσκηψε τοῖς τῆς διανοίας κολποις.

л. 183—179 об. Начало 5-й бесѣды: Χρὴ τὴν προσευχὴν μὴ ἐν συλλαβαῖς ἡμᾶς ἐκπληροῦν ἀδελφοί. ἀλλὰ προαιρέσει μᾶλλον ψυχῆς.

л. 179 об. — 192 об. Начало 6-й бесѣды: Στρατηγοὶ μὲν εἰς παράταξιν τὸν στρατὸν. καθιστῶντες τοῖς παρακλητικοῖς λόγοις πρὸ τῶν ἀγώνων κέχρηνται.

л. 192 об. Начало 7-й бесѣды неконченной: Τοῦ θαύματος ἀγαπητοὶ πῶς ἕκαστος ἡμῶν μετὰ τὸ τοὺς μητρώους πόλιους ἀποφυγεῖν.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 41 об. Τοῦ αὐτοῦ ὁμιλία ε̄. εἰς τὴν γένεσιν.

Καὶ εἶπεν ὁ θ̄ς̄ βλαστησάτω ἡ γ̄ῆ̄ βοτάνην χόρτου. σπέρμα κατὰ γένος. καὶ ξύλον κάρπιμον ποιοῦν κατὰ γένος. οὗ τὸ σπέρτα αὐτοῦ, ἐν αὐτῶ.

Ἀκολούθως μετὰ τὸ ἀναιπνεῦσαι τὴν γ̄ῆ̄ ἀποσκευασαμένην τὸ βάρος τοῦ ὕδατος, τὸ πρόσταγμα αὐτῆ γέγονε βλαστῆσαι πρώτον βοτάνην. ἔπειτα ξύλον. ὅπερ ἔτι καὶ νῦν ὁρῶμεν γινόμενον. ἡ γὰρ τότε φωνὴ καὶ τὸ πρῶτον ἐκεῖνο πρόσταγμα, οἷον νόμος τίς ἐγένετο φύσεως. καὶ ἐναπέμεινε τῆ γ̄ῆ̄ τὴν τ̄ῦ̄ γεννᾶν αὐτῆ καὶ καρποφορεῖν δύναμιν εἰς τὸ ἑξῆς παρεχόμενος. βλαστησάτω ἡ γ̄ῆ̄: Πρῶτον ἐστὶν ἐν τῆ γενέσει τῶν φυομένων ἡ βλαστησις. ἔπειτα

Изъ Шестоднева Іоанна Екзарха Болгарскаго
№ 345. 1263. г. Synod. Библ.

б. И рече бъ. да прорастить земле травоу сѣноконоу. сѣющоу по родоу сѣме. идрѣко плодное творе плⷭ. по родоу. иемоу же сѣме иего в немь. по уноу бы. ико бо акы ѡдъхноу земле. съвлъкъшии се съ тежести водныѥ. повелѣнииѥ и и бы. прорастити. прѣкоюе травоу таѵе дрѣко. иже и нн̄ѣ бываемо виднмъ. тъ бо гла и то прѣкоюе повелѣнииѥ акы законъ бы. и оустакъ иесткоу. и тъ оустакъ земли. даѥ иен силоу плⷭ творию. на прокыѥ дн̄и всѣ. да прозебнетъ земѣ л. 98. а. прѣкоюе стъвъ бытии. клѣющихъ (sic) прозебеннѥ. таѵе ико проникноутъ малы. прозебенниа

ὅταν προκύψῃ μικρὸν τὰ βλαστήματα, βοτάνη γίνεται. εἶτ' ἐπειδὰν αὐξηθῇ χόρτος ἐστὶ κατὰ μικρὸν διαρθρουμένων τῶν φυομένων καὶ μέχρι τῆς ἐπὶ σπερμα τελειώσεως προϊόντων· τὸ γὰρ χλοερὸν καὶ ποάζων, παραπλήσιον. ἐστιν ἁπάντων. βλαστησάτω ἡ γῆ. βοτάνην χόρτον: Καθ' ἑαυτὴν ἡ γῆ προφερέτω τὴν βλάστησιν. οὐδεμιᾶς συνεργίας ἑτέρωθεν δεο ·:· ειπειδὴ л. 42. τινὲς οἴονται τὸν ἥλιον αἴτιον εἶναι. τῶν ἀπὸ γῆς φυομένων, τῇ ὁλκῇ τοῦ θερμοῦ, πρὸς τὴν ἐπιφάνειαν τὴν ἐκ τοῦ βάθους δύναμιν ἐπισπώμενον. διὰ τοῦτο πρεσβυτέρα τοῦ ἡλίου ἡ περὶ γῆν διακόσμησις. ἵνα καὶ τοῦ προσκυνεῖν τὸν ἥλιον ὡς αὐτὸν τὴν αἰτίαν τῆς ζωῆς παρεχόμενον οἱ πεπλανημένοι παύσονται. ἐὰν ἄρα πεισθῶσιν. ὅτι πρὸ τῆς ἐκείνου, γενέσεως τὰ περὶ τὴν γῆν πάντα διεκόσμητο. καὶ τοῦ ἀμέτρου περὶ αὐτὸν θαύματος καταυφῶσιν, ἐνθυμηθέντες, ὅτι χόρτου καὶ βοτάνης νεώτερος ἐστὶ κατὰ τὴν γένεσιν. ἄρ οὖν τοῖς μὲν βοσκήμασιν ἡ τροφὴ προαπετέθη, τὸ δὲ ἡμέτερον οὐδεμίας ἐφάνη προνοίας ἄξιον, ἀλλὰ μαλίστα μὲν ὁ βουσὶ καὶ ἵπποις τὸν φιλὸν προαποθέμενος. σοὶ τὸν πλοῦτον καὶ τὴν ἀπόλαυσιν παρασκευάζει. ὁ γὰρ τὰ κτήματα σου διατρέφων, τὴν σὴν συναύξει τοῦ βίου κατασκευὴν. ἔπειτα ἡ τῶν σπερμάτων γένεσις, τί ἄλλο ἐστί, καὶ οὐχὶ τῆς σῆν διαγωγῆς παρασκευὴ, πρὸς τῶ πολλὰ τῶν ἐν πόαις. ἔτι καὶ λαχάνοις ὄντων τροφὴν ἀνῶν ὑπάρχιν. βλαστησάτω ἡ γῆ βοτάνην χόρτω. σπεῖρον σπέρμα φησὶ κατὰ γένος: Ὡς τε κἂν τι γένος βοτάνης ἑτέροις διαφέρη κἀκείνων τὸ κέρδος πρὸς ἡμᾶς ἐπανέρχεται. καὶ ἡμῖν ἡ χρῆσις τῶν σπερμάτων ἀφωρίσται. ὥστε εἶναι τὸν νῦν τῶν εἰρημένων τοιοῦτον. βλαστησάτω ἡ γῆ βοτάνην л. 42 об. χόρτου. καὶ σπέρμα σπεῖρον κατὰ γένος. Οὕτω γὰρ καὶ τὸ τῆς λέξεως ἀκόλουθον ἀποκαταστῆναι δυνήσεται, ἀκαταλλήλως νῦν τῆς συντάξεως ἔχειν δοκούσης, καὶ τὸ ἀναγκαῖον τῶν ὑπὸ τῆς φύσεως οἰκονομουμένων διασωθήσεται. πρῶτον μὲν γὰρ βλάστησις. εἶτα χόρτω αὔξησις. εἶτα ὁ ἀπαρτισμὸς τῶν αὐξανομένων ἐρωτ. διὰ σπέρματος. Πῶς οὖν φησὶ πάντα εἶναι τὰ ἐκ τῆς γῆς φυόμενα σπερματικὰ ὁ λόγος ἐνδεικνυται. ὅπουγε οὔτε κάλαμος, οὔτε ἄγρωστις, οὔτε τὸ ὑγύοσμον. οὔτε ἡ μένθη. οὐ κρόκος, οὐσκόροδον, οὐ βότοκον. οὐδ' ἄλλα μυρία γένη φυτῶν σπερματίζοντα φαίνεται. Λυσίς. Πρὸς δὴ τοῦτο φαμὲν, ὅτι πολλὰ τῶν φυομένων ἐκ τῆς γῆς ἐπὶ τοῦ πϋθμένος καὶ τῆς ῥίζης ἔχει τὴν δύναμιν τῶν σπερμάτων, ἅσπερ ὁ κάλαμος μετὰ τὴν ἐπέτειον αὔξησιν ἀπὸ τῆς ῥίζης ἀφίησι τινὰ προβολὴν σπέρματος λόγον ἔχουσα πρὸς τὸ μέλλον. τοῦτο δὲ ποιεῖ καὶ ἄλλα μυρία, ὅσα διὰ γῆς νεμόμενα, ἐν ταῖς ῥίζαις τὴν διαδοχὴν κέκτηνται. ὥστε παντὸς ἐστὶν ἀληθέστερον τὸ ἑκάστω τῶν φυομένων. ἢ σπέρμα εἶναι, ἢ δύναμιν σπερματικὴν ἐνυπάρχειν. καὶ τοῦτο ἐστι τὸ κατὰ γένος. οὐ γὰρ ἡ προβολὴ τοῦ καλάμου, ἐλαίας ἐστὶ ποιητικὴ. ἀλλ' ἐκ καλάμου μὲν, ἕτερος κάλαμος. ἐκ δὲ τῶν σπερμάτων, τὰ συγγενῆ τοῖς καταβληθεῖσιν. ἀποβλαστάνει. καὶ οὕτως τὸ ἐν τῇ πρώτῃ γενέσει. л. 43. προβληθὲν παρὰ τῆς γῆς, μέχρι καὶ νῦν διασώζεται τῇ

трава боудетъ, таѹе ꙗко воздрастетъ въ кретенница виндоу и ѹлѣны. творѣдсе и на свръшенние прнды. сѣме сътворївъ поплавѣютъ. да прозебнетъ земле травоу сѣновноую ѡ себѣ земле да прииноситъ прозебение. ни ѡ коудоуже. дѣнства иноудѣ нетрѣбоующи. имъже бо дроузни имѣтъ слн҃це книно соуще. всемоу иже ѡ земле растетъ. клѣуенниемь топлымь. б., въ нзъ земле силою нз глоубины .нзходе. сего цѣца оутварь земная. давнѣнши иестъ. слн҃ца да не имѣтъ. прѣльстници слн҃ца. твореша жизнь. въ да се иего ѡстаноутъ кланѣюще. ꙗко прѣ҃же того створено і҃е на земли все. и иже то без мѣры ѹподетьсе имоу. да ѡслабетъ помыслившие ꙗко же травы и сѣна новѣю иесть слн҃це бытниемъ. боудѣ ли си оубо. скотоу пища оуготована. како си оубо боудетъ скотоу пища прѣ҃же вготована. али наша жизнь не л. 88. об. а. боудетъ на хоудѣ оустроюена. а нели паче иже то иесть конемь иго ведомь оуготоклена пища. и крмѣ҃. то тебѣ то богатьство и сластн все стронтъ. иже бо твою ноутоу крмнтъ. тотъ жнтние твоие стронтъ. таѹе сѣменьноие бытние нно ѹто иесть разѣ твоиемоу жнтню. много бо въ земи и травахъ питѣнние ѹ҃комъ иестъ ·:·

Да прорастнтъ земле траноу сѣновноую. сѣющоу сѣме реуе по родоу. да аще и кын родъ травнын. скотъ иестъ на по҃коу. да иже томоу на б., потрѣбоу то намъ бываетъ на строн. да и намь на потрѣбоу. сѣмена соутъ ѡлоуюена. како оубо реуе. все иже ѡ земле растетъ. то то сѣменно. все бываетъ. кнднже нн҃ѣ. ни трьстн ни троскота ни шеты. ни ѹеснонитьца. на много многа рода садокналаго. сѣмене нмоуща ·:· мыже протнвоу томоу ѡвѣщаемъ рекоуще ꙗко много ѡ растоуща҃аго и земле. на днѣ въ кореннн. нматъ силоу сѣменноую ꙗкоже се трьсть ѡрасла. на днѣ въ кореннн. творнтъ л. 99. а. акы ѹеснонне. и все сѣмене мѣсто. проклѣютъ на весноу снце же творнтъ и нн҃ъ многъ родъ. иже сковозѣ землю простаютъ. то къ кореннн нматъ. ѡ него же бываетъ. ꙗко же всего истнннѣе иестъ коиѣ҃о ѡ прорастающнихъ. нли сѣме нмѣти к себѣ. нли силоу въ сѣмене мѣсто. да се иест иже ѥ мнитъ по родоу. не бо прклѣнние трьстьноие масланы творнтъ дрѣвѣные нъ ѡ трьстн дроугнм бываетъ трьсть. а сѣме коиѣ҃о скоие племенноие растнтъ б., тн тако иже ѥ прѣвоие въ бытнн прозебнвло и земле. то то и до нн҃ѣ поражѣ҃е тоее. родоу скоиемоу коиемоуѣ҃о храннмо сы. да прорастнтъ земле. разоумѣкан како тн ѡ мала класа (sic) и поколѣнним такого хоуда посъхшоу и бесѣмеиоу въскр҃ѣ толнко нарожѣ҃шоу и напльннкшоу акы пеуаль нѣкакоу. иже лѣтьнные рнзы ѡвргшоу. и нзмѣннкшоу се въ свѣтельство. (sic) и сконмь оутворнвшоусе. и веселоующоу. кнднши ли землю. и не свѣдмные сады л. 99. об. а. растещоу хощоу къ тебѣ

ἀκολουθία τῆς διαδοχῆς φυλασσομένου τοῦ γένους. βλαστησάτω ἡ γῆ. Νόησον μοι ἐκ μικρᾶς φωνῆς καὶ προστάγματος οὕτω βραχέως, τὴν κατεψυγμένην καὶ ἄγονον ὠδίνουσαν ἀθρόως, καὶ πρὸς καρποτογονίαν συγκινουμένην, ὥς πέρ τινα σκυθρωπὴν καὶ πενθήρη ἀπορρίψασαν περιβολὴν, μεταμφιεννυμένην φαδροτέραν, καὶ τοῖς οἰκοίοις κόσμοις ἀγαλλομένην, καὶ τὰ μυρία γένη τῶν φυομένων προβάλλουσαν. βούλομαι σοι σφοδρότερον τῆς κτίσεως ἐνιδρυθῆναι τὸ θαῦμα. ἵν ὅπου περ ἂν εὑρεθῆς. καὶ ὁποιωδήποτε γένει τῶν φυομένων παραστῆς, ἐναρχῆ λαμβάνης τοῦ ποιήσαντος τὴν ὑπόμνησιν. Πρῶτον μὲν οὖν ὅταν ἴδῃς βοτάνην χόρτου καὶ ἄνθος, εἰς ἔννοιαν ἔρχου τῆς ἀνθινης φύσεως, μεμνημένος τῆς εἰκόνος τοῦ σοφοῦ ὁσαίου, ὅτι πᾶσα σάρξ ὡς χόρτος, καὶ πᾶσα δόξα ἀνου, ὡς ἄνθος χόρτου. τὸ γὰρ ὀλιγοχρόνιον τῆς ζωῆς, καὶ τὸ ἐν ὀλίγῳ περιχαρὲς καὶ ἱλαρὸν τῆς ἀνθινῆς εὐημερίας, [1]) καιριωτάτης παρὰ τῷ προφήτῃ τετυχηκετῆς εἰκόνος. ὁ σήμερον εὐθαλὴς τῷ σώματι. κατασεσαρκωμένος ὑπὸ τρυφῆς ἐπαθοῦσαν ἔχων εὐχροιαν ὑπὸ τῆς κατὰ τὴν ἡλικίαν ἀκμῆς σφριγῶν καὶ σύντονος καὶ ἀνύποστατος τὴν ὁρμὴν, αὔριον ὁ αὐτὸς οὗτος ἐλεεινος, ἢ τῷ χρόνῳ μαρανθεὶς. ἢ νόσῳ διαλυθεὶς. ὁ δεῖνα περίβλεπτος ἐπὶ л. 43 об. χρημάτων περιουσία. καὶ πλῆθος περὶ αὐτὸν κολάκων. δυρυφορία φίλων προσποιητῶν. τὴν ἀπ' αὐτοῦ χρείαν θεραπευόντων. πλῆθος σργγενείας. καὶ ταύτης κατεσχηματισμένης, ἐσμὸς τῶν ἐφεπομένων μυρι... τῶν τε ἐπὶ σιτία. καὶ τῶν κατ' ἄλλας χρείας αὐτῷ προσεδρευόντων. οὓς καὶ προιων. καὶ πάλιν ἐπανιων, ἐπισυρόμενος, ἐπίφθονος ἐστὶ τοῖς ἐντυγχάνουσι. πρόθες τῷ πλούτῳ καὶ πολιτικὴν τίνα δυναστείαν ἢ τὰς ἐκ τῶν βασιλέων τιμὰς, ἢ ἐθνῶν ἐπιμέλειαν. ἢ στρατοπέδων ἡγεμονίαν. τὸν κήρυκα μέγα βοῶντα πρὸ αὐτοῦ, τοὺς ραβδοφόρους ἔνθεν, καὶ ἔνθεν βαρυτάτην κατάπληξιν τοῖς ὀρχομένοις ἐμβάλλοντας, τὰς πληγὰς, τὰς δημεύσεις. τὰς ἀπαγωγὰς. τὰ δεσμωτήρια. ἐξ ὧν ἀφόρητος ὁ παρὰ τῶν ὑποχειρίων συναθροίζεται φόβος. καὶ τί μετὰ τοῦτο. μία νύξ καὶ πυρετὸς εἷς. πλευρίτης. ἢ περιπνευμονία, ἀνάρπαστον ἐξ ἀνων ἀπαγουσα τὸν ανον. οἴχεται πᾶσαν την ἐξ αὐτῶν σκηνὴν ἐξαπίνης ἀπογυμνώσασα. καὶ ἡ δόξα ὥσπερ ἐνύπνιον ἀπηλέγχθη. ὥστε ἐπιτέτευκται τῷ προφήτῃ ἡ πρὸς τὸ ἀβρανέστατον ἄνθος ὁμοίωσις τῆς ἀνίνης δόξης.

хѣло да сѧ оутврѣдитъ. оуюдѣ здании сего. да где любо аще wбрѣщешисѧ. или прилоучишисѧ. надъ кымъ люко садомь стоіе. то ѥкѣ къспомѣнеши. творуоу паметъ. пръкоіе бо ѥгда кидиши трѣвнааго кыланиа цвѣтъ. къ оумь сѧ кънниман ѵѣѵе ѥстъво. помнилю wбразъ. келикааго исаніе рекоуща. ѥко ксѣ плъть сѣно и вса слава ѵѣкъ. акы цвѣтъ сѣньнын. мѣнитъ же малого-дноую жизнь. и хоудо растіе. и хоудоіе весеніе ѵѣѵе. насѣкаіе сиць wбразъ творитъ· дѣѣ разлладѣлъ ѥси плътню. и оупительсе сластьми. и свѣтло имашн лиде. юностню цвѣты и боуи силою а на оутрнѧ тоужѣ сы оуныл и дрехлъ. или лѣты оукеноулъ. или ѥзею съдроуѵенъ. wнсица славенъ богатьством хѣло словы. и миозн ѡ немь льстьци хвалѣщен келми. много ѡ немъ оужикъ. и пльцї ѡ немъ миозн ходетъ. wки ѡдь ѥмоу готовеще. а друзни много рѣ слоужеще ѥмоу ѥгоже дѣлма и миозн ѥмоу задидетъ л. 100. а. приложи же ѥми. ѥще ктомоу богатьствѣ. и силы келикы рекше сапы ѵьстны ѡ властель. или воєводы ѣставлены. или строителе инаки. или соудіе. и жезлънинкы wба полы ѥго соудоу и соудоу. грѣдыню твореще покиннымъ келикоу. и раны и ѡпоущенна. ѡ него же бес тръпѣнна повиннъихъ събираіетсе страхъ. таѵе ѵто боудетъ потомь. не ѥдина ли нощь прнстоупитъ. и wгнь разѣжетъ. ѥдинъ ребръ никъ. или пьлющ нз гною. или и кроуѵина б., уръиан къстекѧщи. и акы громъ раздразеши. въ ѵасѣ въскопитъ. даже и оустъ сконхъ. не оутегнеть разкрѣстн. тн все сніе игри. рекше. житніе сен сластн. акы повѣнь мимо несетъ. и слава та акы къ снѣ боудетъ была. да клюуаютсе прѣокоу.. ююе прнутоу цвѣтомь прложн. пѣноу соущоу уловѣун славѣ ·:·

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 1 об. Οἱ ἀναγινωσκόμενοι λόγοι τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν γρηγορίου τοῦ θεολόγου ἑρμηνευμένοι ἀπὸ φωνῆς τοῦ σοφωτάτου Κυροῦ Νικήτα τοῦ ἡρακλείας. λόγος πρώτος εἰς τὸ ἅγιον πάσχα καὶ εἰς τὴν βραδυτῆτα. προοίμιον.

Ἄκων χειροτονηθεὶς ἱερεὺς ὁ θεῖος γρηγόριος. ὥς τε λοιπὸν γηράσαντος τοῦ πατρὸς αντιλαμβάνεσθαι τὸν κατὰ ναζιανζὸν ποιμνίου καὶ ἀναπληροῦντες τὸ πατρικὸν ὑστέρημα.

ф. 412 об. † Ἐγράφη καὶ ἐτελειώθη ἡ θεία καὶ θεολογικῆ καὶ ἱερὰ αὕτη βίβλος ἐν ἔτει ҂гѿмѯ. (1339. г.) καὶ ἔυχεσθαι τὸν γράψαντα οἱ ἀναγι....

л. 249. Втораго почерка: Τοῦ αὐτοῦ εἰς τὰ φῶτα.

Καὶ οὗτος ὁ λόγος κατὰ τὴν Κωνσταντινουπόλιν ὁμοίως ἐξεφωνήθη· καὶ ἐξεδώθη μετὰ τὴν τῶν ἁγίων θεοφανίων. ἐιτουν τῶν Χριστοῦ γέννων ἀκολουθως πανηγυρίζει.

Заставки, заглавныя буквы и скорописная азбука.

---

[1]) Въ подлинникѣ до начала 43. об. стр. на полѣ по одной буквѣ написано: ὡραῖον ὅλον.

Слова съ знаками препинанія: γογγυσμοῦ, ἔθνεσι. ἀκολούθει μοι:.

Сокращенія и слова съ титлами: μηδὲν καὶ σοφίας, κείμενον ἑρμηνία. δὲ Χριστὸν Χριστω.

Нѣтоторыя буквы съ связи съ другили: α., προσάγεται πράγματι ἀναξίοις. ε., κελέυει τραπέζη. ν , ἐτέλουν. σ., γλῶσσαν φράσσεσθαι πίστεως.

Бумажный знакъ, состоящій изъ двухъ круговъ посединѣ перечеркнутый прямою чертою, выходящею съ правой стороны отъ глаза за черту круга. см. л. 99.

На л. 172 об. Знаки вносныхъ мыслей.

VIII. Собраніе молитвъ и пѣснопѣній (ὡρολογιων) θикары Аѳонскаго монаха,

Находится въ Московской Синод. Библіотекѣ подъ № 269-мъ.

Длина пергамина	5⅜ в.
Ширина.	4 „
Къ корешку.	½ „
Къ правой сторонѣ	1 „
Къ верху	⅝ „
Къ низу.	1⅛ „

Пергаменъ выдѣланъ хорошо, но отъ времени покоробился. Нѣкоторыя листы очень тонки. Писано довольно крупною скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 276. листахъ. Внизу 1-го листа подписано: Арсеній α̃. Заставка въ началѣ простая, писана одною коричневою краскою. Заглавныя буквы и заглавія тоюжѳ краскою писаны. Въ срединѣ книги есть заглавія розовою карминною краскою писанныя, съ 148 листа заглавія писаны вишневою краскою. Колеръ чернилъ темно-коричневый. Помѣта тетрадей внизу съ правой стороны и по срединѣ. Число строкъ на страницѣ 26.

Сначала въ родѣ предисловія. Въ заглавіи его упоминается διονυσίου μονα...

л. 2—19 об. Τοῦ αὐτοῦ γνωστικὰ κεφάλαια πεντήκοντα περὶ διαφορᾶς τῶν· θείων ὕμνων. Начало: Ὥσπερ ἐπὶ τῶν ἐμπόρων ἔστιν ἰδεῖν.

л. 19 об. — 111 об. Ωρολόγιον συ θῶ τῶν θειων ὕμνων καὶ εὐχαὶ μετὰ τροπαρίων εἰς τὸ ψαλτήρων. εισὶ δὲ πόνημα θηκαρᾶ μοναχθ̃. προοιμιον τοῦ θηκαρᾶ τῶν περὶ πίστεως λόγων. Начало: Τὸν ἀσχολούμενον περὶ τὴν καθαρὰν....

л. 112—117. Κανων χαιρετισμὸς, εἰς τὴν ὑπεραγίαν θκ̃ονν. ποίημα τοῦ εὐσευεστάτου βασιλέως κυροῦ θεοδώρου τοῦ λάσκαρη. Начало 1-го тропаря: Χαίροις ἱλαστήριον ψυχῶν.

л. 117—128. Κανὼν τῆς ακαθίστου. Ἰωσήφ. καὶ οἶκοι κατὰ Αλφάβητον εἰς τὴν ὑπεραγίαν δέσποιναν ἡμῶν θκ̃ον.

л. 128—198 об. Κατήχησις περὶ τῆς ἀσκητικῆς ἀκολευθίας. Начало: Δεῖ τοὺς μὴ εἰδότας ἐκ στήθους τὸ ψαλτήριον, ὅταν λέγωσι τὴν ἀσκητικὴν ἀκολούθιαν.

л. 198 об. — 204. Τοῦ αὐτοῦ εὐχαὶ συλλεχθεισαι ἀπὸ τῆς θειας γραφῆς. τὰ πλεῖστα δὲ, ἀπὸ τοῦ ἁγίου ἐφραὶμ τοῦ σύρου...

Πένθος τῇ δευτερα ἑσπέρας. Начало: Δέξαι δέησιν ῥυπαροῦ καὶ ἀκαθαρτοῦ στόματος δέσποτα.

л. 204—209. Πένθος τῇ τρίτῃ ἑσπέρας. Начало: Οἴμοι ἐν ποία καταγνώσει ἔστηκα..,

л. 209—215. Πένθος τῇ τετράδι ἑσπέρας. Начало: Ὁ πόνος λέγειν πρὸς θν̄ ἀναγκάζει με.

л. 215—220. Πένθος τῇ πέμπτῃ ἑσπερας. Начало: Ἰδοὺ πάλιν προσπίπτω ἐπι θυραις τοῦ ἐμοῦ δεσποτου.

л. 220—225 об. Πένθος τῇ παρασκευῇ ἑσπέρας. Начало: Ψυχὴ τεθλιμμένη προσέρχεται σοι ἅγιε Δέσποταὶ

л. 225 об. — 231 об. Πένθος τῷ σαββάτω ἑσπέρας. Начало: Νῦν ἔτι καὶ σήμερον κατησχυμένω προσώπω καὶ εἰς γῆν νένοντι τολμῶ...

л. 231 об. — 235. Τῇ αὐτῇ ἡμέρα καὶ ὥρα. Начало: Ἡ χάρις σου δέδωκε μοι τὸ λαλεῖν πρὸς σε...

л. 235—238. Πένθος τῇ κυριακῇ ἑσπέρας. Начало: Ὡς ἐνώπιον κε̃ τοῦ φοβεροῦ σου βήματος ἐστὼς ὁ κατάκριτος.

л. 238 об. Ὠδὴ θ. τῆς ὑπεραγίας θκου... μεγαλήνει ἡ ψυχή μου...

л. 240. Τροπάρια ψαλλόμενα εἰς παρακλήτικον τῆς ὑπεραγίας θκῡ πρὸς τὴν τιμιώτεραν. Начало 1-го Κιβωτὸν καὶ πλάκαν τὴν ἱερὰν...

л. 240—243 об. Ἀκολουθία εἰς τὸν κν̄ ἡμῶν Ιν̄ χν̄ περὶ νήψεως.

л 243 об. — 276. Θεοδούλου μοναχοῦ διήγησις περὶ τῶν ὕμνων πῶς θεόθεν δεδώρηνται. καὶ ὅτι χρὴ τοὺς αἱρουμένους λέγειν αὐτοὺς τηρεῖν ἑαυτοὺς ἀπὸ τῶν παθῶν, εἶτα καὶ μαρτυρίαι ἀπὸ τῶν ἁγίων διδασκάλων περὶ τῆς πρὸς θν̄ αἰνέσεως καὶ περὶ τῆς πρὸς αὐτὸν εὐχαριστίας. καὶ περὶ ἀρετῆς καὶ κακίας. Начало: Δέον ἡμᾶς ἅπερ ἠκούσαμεν καὶ τῇ πείρᾳ ἐγνώκαμεν ἐν τοῖς δὲ τοῖς ὕμνοις, γραφῇ παραδοῦναι.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 240. Ἀκολουθία εἰς τὸν κν̄ ἡμῶν Ιν̄ χν̄, περὶ νήψεως. στιχήρα προσόμοια ηχ. πλβ. (6).

ὅλ ἀποθέμενοι.

Ιū γλυκύτατε. ψυχῆς ἐμῆς θυμιδία. Ιū ἡ κάθαρσις τοῦ νοὸς μου. δέσποτα πολυέλεε. Ιū σῶσον με. Ιū σῆρ μου. Ιū μὴ παντοδύναμε. μὴ καταλείπῃς με. σὲρ Ιū μὴ ἐλέησον. καὶ λύτρωσαι κολάσεως πάσης Ιū. καὶ ἀξίωσον τῆς τῶν σωζομένων μερίδος Ιū μου. καὶ χορῶ τῶν ἐκλεκτῶν σου σύνταξον Ιū φιλανε.

Ιū γλυκύτατε τῶν ἀποστόλων ἡ δόξα. Ιū μου καύχημα. τῶν μαρτύρων δέσποτα παντοδύναμε. Ιū σῶσον με. Ιū σῆρ μν. Ιū μου ὡραιότατε. τοὺς σοὶ προστρέχοντας. σὲρ Ιū μου ἐλέησον πρεσβείαις τῆς τεκούσης σε. πάντων л. 240 об. Ιū τῶν ἁγίων σν. προφητῶν τε πάντων σῆρ μου. Ιū καὶ τῆς τρυφῆς. τοῦ παραδείσου ἀξίωσον Ιū πανάγαθε.

Ιū γλυκύτατε τῶν μοναζόντων τὸ κλέος. Ιū μακρόθυμε. ἀσκητῶν ἐντρύφημα καὶ καλλώπισμα. Ιū σῶσον με. Ιū σῆρ μου. Ιū μου πολυέλεε. χειρὸς ἐξάρπασον. σὲρ Ιū μου τοῦ δράκοντος. καὶ τούτου τῶν παγίδων με. σὲρ Ιū ἐλευθέρωσον. λάκκυ κατωτάτου. σῆρ μου Ιū ἀναγαγών. καὶ δεξιοῖς συναρίθμησον. Ιū προβάτοις με.

Κανὼν. ἦχ. β'. ἐν βυθῷ κατέστρωσε ποτὲ.

Ιū γλυκύτατε χε̄. Ιū μακρόθυμε. τὰ τῆς ψυχῆς μου θεράπευσον τράυματος. Ιū καὶ γλύκανον τὴν καρδίαν μου πολυέλεε δέομαι. Ιū σῆρ μου. ἵνα μεγαλύνω σε σωζόμενος.

Ιū γλυκύτατε χε̄. Ιū διάνοιξον τῆς μετανοίας μοι πύλας φιλτάνε. Ιū καὶ δέξαι με. σοι προσπίπτοντα θερμῶς ἐξαιτούμενον Ιū σῆρ μου τῶν πλημμελημάτων τὴν συγχώρησιν.

Ιū γλυκύτατε χε̄. Ιū ἐξάρπασον. ἐκ τῆς χειρὸς τοῦ δολίου βελιάρ με. Ιū καὶ ποίησον. δεξιὸν παραστάτην. τῆς δόξης σου. Ιū σῆρ μου. μοίρας εὐωνύμου λυτρωσάμενος.

Ιν̄ γεννήσασα χν̄. Δέσποινα δυσώπησον. ὑπὲρ ἀχρείων οἰκετῶν πανάχραντε. ὅπως τῆς л. 241. κολάσεως. ταῖς πρεσβείαις σου λύτρωθῶμεν ἀμόλυντε. οἱ μεμολυσμένοι. δόξης ἀϊδίου ἀπολαύσαντες.

Изъ слѣдованной Псалтири XV в. моего собранія л. 130. об.—133.

Канѡ молебе̂ гу̀ ї̀сх̀у. поемъ егда в печали. есма и к бѣдѣ. гл̂ с̄.

Їс̀е прелад̂кии дш̃ии моеи втѣшенїе. їс̀е ωцыщ̂е вмѣ моемѣ вл̂ко многомл̂тве. їс̀е сп̃е мон їс̀е сп̃и мл̂ їс̀е всеснлнен не ωстави мл̂ сп̃е мон. їс̀е помнлви мл̂, избави мл̂ мѣки всякиѫ, їс̀е спо̂би мл̂ сп̃ны̀ участи. їс̀е мон в лицѣ избраны̀ соутан їс̀е ублюбуе:·

Їс̀е мон а̃пло̂ похвала. їс̀е мон сл̂ мун̃ко̂. вл̂ко сп̃с мл̂. їс̀е мон прекрасны, к тебѣ прибѣгающи̃ сп̃е їс̀е помнлви. мл̃твами рожешам та всѣ̂. їс̀е ст̃ы̀ прр̃къ всѣ̂ сп̃е. їс̀е пищи ранстѣи сподобн. їс̀е ба̃гн.

Їс̀е мон сладкн. иноу̃твующимъ слава. їс̀е долготрьпѣливе. постникѡ̂ наслажѣе и вкрашенїе, їс̀е сп̃с мл̂ їс̀е сп̃е мон. їс̀е мон многомл̃тве рѣки исхити мл̂ сп̃е їс̀е мон чмѣевы сего сѣти мл̂ сп̃и. їс̀е скокѡ̂ ѡ рка пренсподняго сп̃е мон їс̀е козѣ̂ десными мл̂ соутан оцами:·

Кл̂. мѡ̂ къ гу̀ и ш̃ѣ̀мъ їс̀ѵ х̀ѵ. полѣ̂. (sic) гл̂ к̄. пѣ. а̃. їрм. Къ глѣбины потопи древле:·

Їс̀е слâки хе̂. їс̀е долготрьпѣливе, дш̃ны̀м ми исцѣли нѫзвы. їс̀е осл̂ ср̃це мое, їс̀е мнѡмл̃тве молюся, їс̀е сп̃е мон, да келиуаю та сп̃асе̂:·

Їс̀е сладкн хе̂ їс̀е ѡвезѣ̂ ѡ окаа̃нѫ дверь ѵакɔлюбуе, їс̀е прнимн мл̂ к тебѣ припадающа. и теплѣ. проса ща. їс̀е сп̃е мон прегрѣшенїемъ прощенїе.

Стѣ̂ перкон пѣсни:·

Їс̀е слâки хе, нс̀е исхити нѫ рѣки лукаваго стрѣлца. їс̀е створи десна̂ прѣстателя славѣ твоен, їс̀е сп̃е мон и участи шзѣ̂ нѫбавлѫ:·

С̀ по д̀. пѣ̀.

Їс̀а рожѣнша. влу̀це моли непотрѣбны̀ рабѣ̂ прутаа, ако да мѣки мл̃твами твоими несквернаѫ нѫбавлышѣ̀ осквернѣнїи славы прносящимъ прїимѣ̂:·

ѡ. ѓѧ Тѣ҃ѕ.. Εισάκουσον φιλάνθ Ιῡ μѳ. τοῦ δούλου σου βοῶντος ἐν κατανύξει. καὶ ῥῦσαι Ιῡ με τῆς καταδίκης. καὶ τῆς κολάσεως. μόνε μακρόθυμε, Ιῡ γλυκύτατε πολυέλεε.

Ὑπόδεξαι τὸν δοῦλον σου Ιῡ μου. προσπίπτοντα σὺν δάκρυσιν Ιῡ μου ϰάϊ σῶσον Ιῡ μѳ μετανοοῦντα. καὶ τῆς κολάσεως δέσποτα λύτρωσαι. Ιῡ γλυκύτατε πολυέλεε.

Τὸν χρέονν Ιῦ μου ὃν δέδωκας μοι, εἰς πάθη ἐδαπάνησα Ιῡ μου, διό με Ιῡ μου μὴ ἀπορρίψῃς. ἀλλ' ἀγακάλεσαι δέομαι δέσποτα, Ιῡ γλυκύτατε καὶ διάσωσον.

Παρθένε ἡ τεκοῦσα τὸν Ιν̄ μου, ἱκέτευε ῥυσθῆναι με τῆς γεέννης ἡ μόνη προστασία τῶν θλιβομένων. θεοχαρίτωτε, καὶ καταξιωσον. τῆς ζωῆς. παναμωμε τῆς ἀγήρω με.

Κάθισμα ηχ. α̃. Τὸν τάφον σου σῆρ.

Σῆρ μουϰ Ιῡ ὁ τὸν ἄσωτον σώσας. σῆρ μου Ιῡ ὁ δεξάμενος πόρνην, καὶ με νῦν. ἐλέησον Ιῡ πολυέλεε. σῶσον οἰκτειρον ѡ Ιῡ εὐεργετὰ. ὥσπερ εὔσπλαγχνε τὸν μανασσὴν Ιῡ μѳ. ὡς μόνος φιλάνος.

Ὠδὴ γ̃. ἐλέλυθάς ἐκ παρθένου.

Θεράπευσον. Ἰῡ μου, ψυχῆς μου. τὰ τραύματα Ιῦ μου δέομαι. καὶ τῆς χειρός με ἐξάρπασον л. 241 об. Ιῡ μου εὐσπλαγχνε τοῦ ψυχοφθόρου βελιὰρ καὶ διάσωσον.

Ἡμάρτηκα Ιῡ μѳ. γλυκύτατε. εὔσπλάγχνε. Ιῡ μου σῶσον με τὸν προσφυγόντα τῇ σκέπῃ σου. Ιῡ μακρόθυμε. καὶ βασιλείας τῆς σῆς με καταξίωσον.

Οὐχ' ἥμαρτεν Ιῡ μοι οὐδεὶς ὥσπερ ἥμαρτον. ἐγὼ ὁ ταλαίπορος. ἀλλὰ προσπίπτω δεόμενος. Ιῡ μου σῶσον με. καὶ τὴν ζωὴν Ιῡ μου. κληρονόμησον.

Πανύμνητε. Ιν̄ ἡ γεννήσασα κν̄, αὐτὸν καθικέτευε τοῦ λυτρωθῆναι κολάσεως. πάντας τοὺς ὑμνοῦντας σε. καὶ θ̃ον κυρίως ὀνομάζοντας.

ѡ. ε̃. Ὁ φωτισμός, τῶν ἐν σκότει.

Σὺ φωτισμὸς Ιῡ μѳ νοός μου, σὺ φῶς τῆς ἀτεγνωσμένης ψυχῆς μου. σῆρ σὺ Ιῡ μου τῆς κολάσεως. ῥῦσαι καὶ γεέννης μὲ κραυγάζοντα σῶσον, Ἰῡ μου χ̃ὲ με τὸν ἄθλιον.

Ὁλοσχερῶς. Ιῡ μου πρὸς πάθη. τῆς ἀτιμίας καταβεβλημένος ἤδη κραυγάζω σου Ιῡ μου βοηθείας μοι χεῖρα καταπέμψας. ἔκσπασον κράζονα, σῶσον Ιῡ μου χ̃ὲ με τὸν ἄσωτον.

Βέβηλον νοῦν, Ιῡ περιφέρων ἀναβοῶ σοι. κάθαρον τοῦ ῥύπου με τῆς πορνείας. σὺ Ιῡ μου τὸν εἰς βάθη κακίας ἐξ ἄγνοίας л. 242. κατολισθήσαντα. σῆρ Ιῦ μου. καὶ σῶσον μὲ δέομαι.

Τὸν Ιν̄ ἡ γεννήσασα κόρη θεοκυήτορ τοῦτον α... ἐκδυσώπει πάντας σιωθῆναι τοὺς ὀρθοδόξους. μοναστὰς καὶ μιγάδας. καὶ γεέννης ρυσθῆναι κράζοντας, πλήν σου προστασίαν βεβαίαν οὐκ ἔγνωμεν.

Пѣ҃сн҃ г҃. Ѥрмо҃ На каменн҃и.

Оуслыши вл҃ко ѵл҃колюбче. їс҃е раба своего. копию҆ща вмѵленїе нзбави ма їс҃е, ѡсвѧщ҃ѥнїѥ и мѵки. ѥдинѥ долготрпѣливе. їс҃е сла҃ки многомл҃тве:

По҃мни раба твоего їс҃е мои къпию҆ща въ вмѵленїи, нзбави ма освѧщ҃ѥнїа. нзбави ма мѵки ѥдинѥ многомл҃тве г҃и їс҃е многосла҃ки.

Крема їс҃е нмже д҃а въ стр҃ти їс҃е мои. но молютн҃ не ѡвержи мене. но прнзови молютн҃ вл҃ко:

Порожешн їс҃а. моли нзбавитн҃ геѡны. ѥдина прѣстателница скорбащ҃н҃. бг҃обл҃тная спо҃би ма жнзни всенепорочная не старѣющнни:

Сѣ҃дл҃ а̃.

Їс҃е спе҃ мои. їс҃е нже блѵдна спѣ. спе҃ мои їс҃е прїемыи блѵдницѵ. и мене нн҃ѣ помнлзи. їс҃е многомл҃тве спи҃ вщѣри. ѡ їс҃е бл҃гл҃тлю. ѩко же мнлосе҃рѣ манасню їс҃е мои. ѩко ѥдн҃ ѵл҃колюбецъ:

Пѣ҃. д̃. Ѥрмо҃ Пришествн:

Исцѣли їс҃е дш҃а моѥа нзвы. їс҃е мои молаа. и рѵки ма нсхнти. їс҃е мои бл҃гоѵтробне. дш҃ѥтлѣнаго стрѣла. и спи҃сн ма:

Согрѣшн҃ї їс҃е мои прѣсладкнн мл҃ре їс҃е мои с҃п ма. прнбѣгающаго покрове твоемѵ. їс҃е долготрпѣливѣ. цр҃твїю твоемѵ ма спо҃би:

Не съгрѣшн҃ї їс҃е мои нктоже ѩко съгрѣшн҃ї азъ стр҃тны. но прнпадаю молаа їс҃е мои спа҃ ма и жнзни моен їс҃е мои дарзи:

Всепѣтам҃ їс҃а рожешам҃ г҃а. того моли нзбавитн мѵки вса поющам҃ та. и бц҃ѵ констнннѵ мнензющам҃;

Пѣ҃. ѕ̃. Просвѣщ҃ѥ во тмѣ:

Ты просвѣщенїе їс҃е вмѵ моемѵ во тмѣ, ты спи҃ѥ ѡуалѣ дш҃а моеа спсе ты їс҃е мои мѵки нзбави. и геѡны мене зовѵща. спи҃сн їс҃е мои хѵе мене ѡканнаго:

Кесь ѡнѭ їс҃е мои, к страстѣ кещестнѵ нннзверженъ нмѣ зовѵ. ты їс҃е мои помощн ми рѵкѵ ннзъпосла҃ъ нсторгнн зовѵща, спи҃ їс҃е мои хѣ мене ѡканнаго:

Осквернѣ оу҃ їс҃е обноши҃ взыкаю тн. ѡутѣн ма ѡ скверны блзженїи ты їс҃е мои. и къ глзбннѵ злобы ѡ неразѵмыѵ ннзъполозъшѧ спе҃ мои, и спс ма молюса:

Їс҃а рожешна дв҃о бг҃ородителнице того вмоли спи҃ти вса православныѵ нноки и мнрьскыа и геѡны нзбавитн зовѵщам҃. радкее тебѣ прѣстателнницѵ тверѕ не зндѣ:

Врема їсе мои ѥ̑ ми дн̑. к стр̑тѣ нждн̑ їсе мои. тѣмже не ѿвержи їсе мои. но призови молюса вл̑ко. їсе прѣслд̑кыи сп̑и:·

Ὠδὴ ϛ̅. Ἐν ἀβύσσῳ πταισμάτων.

Ιῡ μου χ̅ε̅ πολυέλεε. ἐξομολογούμενον δέξαι με δέσποτα ὦ Ιῡ καὶ σῶσον με καὶ φθορᾶς Ιῡ μου ἐξάρπασον.

Ιῡ μου οὐ γέγονεν ἕτερος. ἄσωτος οὐδεὶς ὡς ἐγὼ ὁ ταλαίπορος. ὦ Ιῡ φ̅ιλάνε. ἀλλὰ σὺ Ιῡ με διάσωσον.

Ιῡ μου καὶ πόρνην καὶ ἄσωτον καὶ τὸν μανασσῆ καὶ τελώνην νενίκηκα. ὦ Ιῡ μου πάθεσι. καὶ λῃστὴν Ιῡ. νινευίτας τε.

Ιν̅ τὸν χν̅ μου κυήσασα ἄχραντε παρθένε ἡ μόνη ἀμόλυντος. μεμολυσμένον ὄντα με, πρεσβείων σου ὑσσώπῳ ἐκκάθαρον.

Τὸ Κοντάκιον.

На полѣ послѣ написано: Σῆρ̑ μου Ιῡ ἐλάσθητι καὶ σῶσον με. ὡς πόρνην ποτὲ, λῃστὴν τε καὶ τὴν ἄσωτον καμὲ νῦν ἐλέησον. πανοικτίρμον εὐσπλαγχνε κ̅ε̅. κν̅ὶ κολάσεως λύτρωσαι, πανάγνου μρ̑ς σ̑ ταῖς δεήσεσιν.

Ὠδὴ ζ̅. εἰκόνος χρυσῆς.

Χ̅ε̅ Ιῡ οὐδεὶς ἥμαρτεν ἐν γῇ ἐκ τοῦ αἰῶνος. ὦ Ιῡ μου ὥσπερ ἥμαρτον ἐγὼ ὁ τάλας καὶ ὅσωτος. ὅθεν Ιῡ μου βοῶ σοι. μελῳδοῦντα με οἰκτειρον. εὔλογητὸς. εἶ Ιῡ ὁ τῶν πρ̑ων θ̑ς̑.

Χ̅ε̅ Ιῡ ἐκ τοῦ φόβου σου βοῶ. καθήλωσον λ. 242 об. με. ὦ Ιῡ μου καὶ κυβέρνησον. νῦν πρὸς λιμενα με εὔδιον. ὅπως Ιῡ μου οἰκτίρμων μελῳδῶ σοι σωζόμενος. εὐλογητὸς εἶ Ιῡ ὁ τῶν πρ̑ων θ̑ς̑.

Χ̅ε̅ Ιῡ. μυριάκις ὑπεσχέθην σοι ὁ τάλας. ὦ Ιῡ μου τὴν μετάνοιαν. ἀλλ' ἐψευσάμην ὁ ἄθλιος. ὅθεν Ιῡ μου βοῶ σοι. τὴν ἀναίσθητον μένουσαν ψυχήν μου φώτισον χ̅ε̅ ὁ τῶν πρ̑ων θ̑ς̑.

Χν̅ Ιν̅. ἡ γεννήσασα φρικτῶς, καὶ ὑπὲρ φύσιν, αὐτὸν δυσώπει παναμώμητε. τὰ παρὰ φύσιν μου πταίσματα. πάντα συγχωρῆσαι μοι κόρη. ἵνα κράζω σωζόμενος. εὐλογημένη Ιν̅ θ̑ν̅ ἡ τέξασα.

Ὠδὴ η̅. Τὸν ἐν καμίνῳ τοῦ πυρὸς.

Σὲ Ιῡ μου δυσωπῶ. ὡς τὴν πόρνην Ιῡ μου ἐλυτρώσω. τῶν πολλῶν ἐγκλημάτων. οὕτω κἀμὲ Ιῡ χ̅ε̅ μου. λύτρωσαι καὶ κάθαρον. τὴν ρεριπωμένην ψυχήν μου Ιυ μου.

Καθυποκυψας Ιῡ ταῖς ἀλόγοις ἡδοναῖς, ἄλογος ὤφθην. καὶ τοῖς κτήνεσιν ὄντως, ὦ Ιῡ μου οικτίρμον ὁ τάλας σ̑ερ ἀφομοίωμαι. ὅθεν Ιῡ με. τῆς ἀλογίας ῥῦσαι.

Περιπεσὼν ὦ Ιῡ. ψυχοφθόροις ἐν λησταῖς ἀπεγυμνώθην. τὴν στολὴν Ιῡ μου τὴν θεούφαντον· καὶ κεῖμαι μώλωψι κατάστικτος. л. 243. ἔλαιον χ̅ε̅ μοι ἐπίχεε. καὶ οἶνον.

Τὸν Ιν̅ μου καὶ θ̑ν̅, ἡ βαστάσασα χν̅ ἀνερμηνεύτως. θεοτόκε μαρία. τοῦτον δύσωπει ἀεί. κινδύνων. σώζεσθαι τὰς πόλεις σου. καὶ τοὺς ὑμνητάς σου ἀπείρανδρε παρθένε.

Пѣ. ѕ̅. їрмо̑. В безнѣ гр:·

Їсе мои хе многомлтве,, исповѣдающаса прїнма влко. о їсе сн̑ ма и тма їсе мои исхити:·

Їсе мои нѣбы блздниць и никто̑ ако̑ азъ стр̑тныи. о їсе улколюбуе. но ты їсе мои спси;·

Їсе ми блздницю и блздницу, и манасею и мытара прендо̑. о їсе мои стр̑тми, и разбонника їсе мои и нневи тяны.

Їса ха моего рожшиа пр̑там дво. єдина неблазнь-нам. осквернена ма сѫща, молитъ твои̑ іоппо̑ ωунстн ма:·

На полѣ написано: Σῆρ̑ μου Ιῡ ἐλάσθητι καὶ σῶσον με. ὡς πόρνην ποτὲ, λῃστὴν τε καὶ τὴν ἄσωτον καμὲ νῦν ἐλέησον. πανοικτίρμον εὐσπλαγχνε κ̅ε̅. κν̅ὶ κολάσεως λύτρωσαι, πανάγνου μρ̑ς σ̑ ταῖς δεήσεσιν.

Пѣ. ζ̅. їрмо̑. О тѣлѣ злѣ.

Їсе хе. никто сгрѣши наземан. ѡ вѣка. о їсе мои ако же сгрѣши̑ азъ оканны и блздны. те нсе мои въпию ти поюща ма щедрн. бг̑ве̑ есн:·

Їсе хе ѡ страха твоего копнющи прѣгвозди ма. о їсе мои. и ѡкорми ни̑ѣ к пристанищю тихомь. ако да їсе мои щедре вопию̑ спсае̑. бг̑ке̑:·

Хе̑ їсе тмами обѣщах ти̑ окаанны. о їсе мои покати̑. но солга̑ стр̑тны. тѣмже їсе мо̑ вопию ти. не ююственъ прѣбывшь. дш̑ь мою просвѣти хе̑. ѡ̑цемъ бе̑ бг̑твенъ есн:·

Ха̑ їса рожешиа. страшнои кыше е̑ства. того моли непороунам. ѥже прежде урезъ е̑ственам согрѣшени̑м. еса прости ми ѿтроковице. да кзыкаю сна̑е. бг̑кнам же ба плотню рожешиа:·

Пѣ. и̑. їрмо̑. Нже к пещи огне̑и:·

Та їсе мои молю. ако̑ блздницю їсе мои. нзбакнлъ есн многи̑ прегрѣше̑ї тако имене їсе мои нзбави. и ѡ̑ти ѡсквернению дш̑ь мою їсе мои:·

Прекланься їсе бесловесными стр̑тьми бесловен̑ъ ма̑, и ското̑ воистиннь, о їсе мои спе. стр̑тно окаанны ѵподобихся. тѣмже їсе безъсловесїа ма нзбави.

Впа̑ о їсе в дш̑етлѣнным разбонника. обнажихся одежа їсе мои бг̑отканнаго. и лежь ранами ѵязвенъ. масло хе̑ на ма възлѣи и вино:·

Їса моего и ба. носикшиа ха нескаанно. бц̑е мр̑не того моли пр̑но ѡ бе̑ спи̑тися гра̑ твоемь, и пѣвце̑ неискусомужнам дво. ѥже ѡ ба бъ слово:·

'Ωδὴ ϑ̅. Τὸν ἐκ θῦ θν̅ λόγον.

Τὸν μανασσῆν ἰῡ μου. τὸν τελώνην. τὴν πόρνην. τὸν ἄσωτον οἰκτίρμον ἰῡ καὶ τὸν ληστὴν ὑπερβέβηκα. ἰῡ μου ἐν ἔργοις αἰσχίστοις καὶ ἀτόποις ἰῡ ἀλλὰ σὺ ἰῡ μου. προφθάσας με διάσωσον.

Τοὺς ἐξ ἀδαμ ἰῡ μου, ἁμαρτήσαντας πάντας. πρὸ νόμω. ἰῡ καὶ μετὰ νόμον ὁ ἄθλιος. ἰῡ μου καὶ χάριν νενικηκα τοῖς πάθεσιν οἰκτρῶς. ἀλλὰ σὺ ἰῡ μου τοῖς κριμασι σου σῶσον με.

Μὴ χωρισθῶ ἰῡ μου, τῆς ἀφράστου σου δόξης. μὴ τύχω τῆς μερίδος ἰῡ τῆς εὐωνύμου γλυκύτατε ἰῡ. ἀλλὰ σύ με τοῖς δεξιοῖς προβάτοις σου χ̅ ἰῡ μου συντάξας ἀνάπαυσον εὔσπλαγχνος.

Τὸν ἰν̅ θ̅κε. ὃν ἐβάστασας μόνη ἀπείρανδρε παρθένε μαρίαμ, τοῦτον ἁγνὴ ἐξιλέωσαι. ὡς υἱόν σου καὶ κτίστην. ῥυσθῆναι τοὺς προστρέχοντας л. 243 об. ἐις σε. πειρασμῶν καὶ κινδύνων καὶ τοῦ πυρὸς τοῦ μέλλνοτος.

Пѣ ѳ̅ їрмо̀. Бѣзнача́лна:·

Манасню їѣе мон. и мытаря и блꙋдницꙋ. и блꙋднаго щедре їѣе, и разбо́нника пре́ндѐ. їѣе мон в дѣлѐ срамны̀. и безмѣстны̀ їѣе. но ты їѣе мон пѣ̂карнк ма и спн̄:·

Нже ѡ̄ адама їѣе съгрѣшившаꙗ вса прѣже закона и в законѣ ѡканнын. їѣе мон бла̂тн. премнно̀ стр̂тмн оканно. но ты їѣе сѫдбамн сн спн̄.

Да не ѡ̄лꙋчень бꙋдꙋ їѣе мон. нензрѣченнымъ тн славы. да не полꙋчꙋ ꙗстн шꙋмꙗ сладкн їѣе. но ты ма десны̀ ѡвцѣ̂ прнутн. ѕпокон ꙗко мл̂ръ:·

Їѣа бц̄е его̀ носнла есн. еднна мꙋжа не нскꙋснла. дво̀ мр̄не. того ꙋ̂тꙗ ѕмолн, ꙗко сна̂ своего и зжителя. нзбавнтн прнтѣкающаꙗ к тебѣ. нскꙋшенїн и бѣдъ и огня бѣдꙋщаго:·

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 193 об. Ἀρξάμενος ψάλλειν τὸ ἀπόδειπνον, εἰ μεν λέγεις ψαλτήριον τῇ νύκτι, λέγε τὴν εὐχαριστίαν εἰς τὴν ἀρχὴν μετα τὸ εἰπεῖν τὸ τρισάγιον. ει δε μὴ. λέγε αὐτὴν μετὰ τὸ δόξα ἐν ὑψίστοις θεῶ. καὶ ἔτι μετὰ τὸν τρισάγιον καὶ τὰ ἀπολυτίκα. Εὐχὴ.

Ἀπέλασον Κύριε τὴν ἀχλὺν τῆς ταλαιπώρου ψυχῆς μου καὶ παράσχου μοι μαρμαρυγὸν τῆς σῆς γνώσεως. συνέτισον μου τὸν νοῦν τὸν πτωχὸν καὶ ἀπρόσεκτον ἐλεεινῶς.

ф. 246 об. † Τέλος. τοῦ παρόντος βιβλίου ἐν ἔτει ,ѕ̄ѳ̄ м̄ѳ̄. Μηνὶ Μαρτίω, ἰνδικτιώνος ϑ̅.

Заглавныя буквы, двѣ скорописныя азбуки.

Слова съ знаками препинанія: πάντα, φῶς. ἀμήν:·

Сокращенія и слова съ титлами: καὶ δύναται πνέυματος.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀρχὴν. ε., ἐζέπίκραναν ἐκκράτει. ν., συναρμόσας σ., θάλασσαν. τ., μετὰ στέατος.

IX, Номоканонъ, Матѳея Властаря

Находится въ Московской Синод. Библіотекѣ подъ № 149-мъ.

Длина пергамина.	6⅞ в.
Ширина	4⅞ в.
Къ корешку	⅝ в.
Къ правой сторонѣ	1⅛ в.
Къ верху	1 в.
Къ низу	1¼ в.

Пергаменъ сѣроватый, выдѣланъ хорошо; отдѣлкою похожъ на пергаменъ, на которомъ писанъ акаѳистъ Божіей Матери въ XIV в.

Писано скорописью по нарѣзамъ на 393. листахъ въ одинъ столбецъ. Заставицъ фигурныхъ нѣтъ, заглавныя буквы и заглавія въ началѣ рукописи писаны киноварью, съ 209. об. коричневою краскою, съ 215 об. розоватою краскою. Колеръ чернилъ темно-сѣрый. Число строкъ на страницѣ 32. Помѣта тетрадей внизу близъ корешка съ обоихъ сторонъ тетрадей.

На 1-мъ листѣ бумажномъ написано: Арсеній οα̃, на 1-мъ листѣ пергаменномъ вверху написано: τῶν ἱβηρῶν. .

л. 1. Τὸ πρὸς τὸν σιλβέστρον πάπα ῥώμης, θέσπισμα τοῦ μεγάλου καὶ ἰσοαποστόλου Κονσταντίνου.

л. 2—200. Σύναγμα κατὰ στοιχεῖον τῶν ἐμπεριειλημμένων ἁπασῶν ὑποθεσέων. τοῖς ἱεροῖς καὶ θείοις κανόσι πονηθὲν ἅμα καὶ σὺντεθὲν. τῶ ἐν ἱερομονάχοις ἐλαχίστω ματθαίω. προθεώρια. Начало: Τὸ τῶν ἱερῶν καὶ θείων χρῆμα κανόνων, ἤνθησε μὲν ἀπ᾽ αὐτῆς ὡς ἔπος εἰπεῖν.

л. 200 — 205. Ἐκ τοῦ κανονικοῦ τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ νηστευτοῦ: ἤμειψε ταυτὶ πρὸς σύνοψιν ματθαῖος: Начало: Ἀλλὰ γὰρ καὶ κατὰ τὸν νηστευτὴν θεῖον Ἰωάννην....

л. 205. об. — и 206. об. Τοῦ ἐν ἁγίοις νικηφόρου Κωνσταντινου πόλεως ὁμολογητοῦ κανόνες ἐκ τῶν ἐκκλησιαστικῶν αὐτοῦ συντάξεων. καὶ τῶν σὺν αὐτῶ ἁγίων πρ̄ων. Начало: Ἐὰν κατὰ ἄγνοιαν πλυθῆ ἀντιμίσιον....

л. 206. об. — 212. Ἐκ τῶν ἀποκρισεων ἰωάννου τοῦ ἱερωτάτου ἐπισκόπου Κίτρους, πρὸς τὸν ἱερωτάτον ἐπίσκοπον δυρραχίου τὸν καταβάσιλαν. Ματθαῖος ἔγνω ταυτὶ συντεταγέναι. Начало: Τὰ ἀντιμίνσια τῆς ἁγιαστικῆς μετασχοντα δυνάμεως.

л. 212 — Ἡ γεγονυῖα διατύπωσις παρὰ τοῦ βασιλέως λέοντος τ῀ σοφ῀, ὅπως ἔχουσι, τάξεως οἱ θρόνοι τῶν ἐκκλησίων. τῶν ὑποκειμένων τᾶ πατριάρχη Κωνσταντίνου πόλεος. αἱ μητροπολεις. ἀ. Ἡ καισάρεια, β᾽ ἡ ἔφεσος...

л. 212 об. Латинскаі лѣксіс. Начало: Ἀδνούμιον, κατ᾽ ὄνομα διέρχεσθαι.

л. 213. Τὰ ιβ̄. κεφάλαια ἃ συνέταξεν ὁ ἅγιος κύριλλος Αλεξανδρείας κατὰ τοῦ δυσσεβοῦς νεστορίου.

Начало: Εἴτος οὐχ ὁμολογεῖ θ῀ εἶναι.....

л. 215 — 255. Ἔλεγχος ὧδε τῆς πλάνης τῶν λατίνων, θύτου παροικτρου Ματθαίου μονοτροπου. Нач. Αρτι μὲν ἡ τοῦ χ῀ ἐκκλησία τῆς τῶν αἱρετικῶν δογμάτων ἀχλύος ἀπήλλακτο.

л. 256 — 336. об. Τοῦ ἐλαφίστου ἐν ἱερομονάχοις ματθαίου. πρὸς ἰουδαίους. 5-ть словъ. Начало 1-го слова: Οὐδὲν οἶμαι τῶν ἀπὸ χ῀ καλουμένων.

л. 337—377 об. Правила Апостольскія и соборныя.

л. 377 об. — 381. Περὶ τοῦ μὴ γίνεσθαι γαλὸν ἑβδόμου βαθμοῦ ἐξ αἵματος. Начало: Ἐπὶ τῶν ἡμερῶν τοῦ ἁγιωτάτου ἐκείνου πρ̄ιαρχου κυρ. αλεξίου....

л. 381—391. Μακαρισμοὶ ἀπὸ τῆς κυριακῆς τοῦ θωμᾶ μέχρι τῆς τῶν ἁγίων πάντων. τῆ ἑβδομάδι τοῦ θωμᾶ μακαρισμοὶ. ὧν ἡ ἀκροστιχὶς. Ματθαῖος ὑμνεῖ σὴν ἀνάστασιν λογέ μοναχος.

Вверху блаженныхъ написаны стихи:

Ματθαῖος οἰκτος, ἀρετῆς πάσης ξένος, ‖ ἄσματα μέλπει τω μόνω μακαρίω.

Начало 1-го тропаря: Μεγαλύνω τὸ μυστήριον. τῆς σῆς σεπτῆς οἰκονομίας χ̄ε.

л. 391 об. — Ἀναστασίου πρ̄ιάρχου θεου πόλεως καὶ κυρίλλου ἀλεξανδρείας ἔκθεσις σύντομος τῆς ὀρθοδόξου πίστεως. Начало: Ἐρωτ. ποίας θρησκείας εἶ ἄνε.

л. 392 об. Ὅτι ὁ βασιλεὺς οὐκ ἔχει ἐξουσίαν ἀμείβειν τοὺς θρόνους. Начало: Τοῦ μ̄ροπολίτου ἐκείνου τῆς μ̄ροπολεος ἀθήνων. Κύρου νικολάου τοῦ ἁγιοθεοδωρήτου...

Рукопись замѣчательная по близости времени написанія ея къ жизни составителя номоканона Матѳея Власторя. (1335. г.) Древній Славянскій переводъ XIV—XV в. есть въ Воскресенской Новоіерусалимской Библіотекѣ.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 340. Κανόνες τῆς ἁγίας καὶ οἰκουμενικῆς πρώτης συνόδου.

Εἴτις ἐν νόσω ὑπὸ ἰατρῶν ἐχειρουργήθη ἢ ὑπὸ βαρβάρων ἐξετμήθη, οὗτος μενέτω ἐν τῶ κλήρω. εἰ δὲ τις ὑγιαίνων ἑαυτὸν ἐξέτεμε, τοῦτον καὶ ἐν τᾶ κλήρω ἐξεταζόμενον πεπαῦσθαι προσήκει. καὶ ἐκ τοῦ δεῦρο, μηδένα τῶν τοιούτων χρῆναι προάγεσθαι. ὥσπερ δὲ τοῦτο πρόδηλον ὅτι περὶ τῶν ἐπιτηδευόντων τὸ πρᾶγμα καὶ τολμώντων ἑαυτοὺς ἐκτέμνειν εἴρηται, οὕτως εἴτινες ὑπὸ βαρβάρων ἢ δεσ-

Изъ Кормчей XI—XII в. Synod. Библіотеки л. 21. и 22. № 227.

А. Иже къ недоузѣ отъ врачевъ. по ноужи каженикъ боудеть. ли отъ поганъ издрѣзанъ, сии да пребываіеть къ причѧтѣ, аще ли кто сдрако сыи здрѣзалъся боудеть. томоу и къ причѧтѣ соущю истазаемоу престати подобаіеть. и отъселѣ никогоже таковыихъ достоить приводити. а якоже се имѣ іесть, яко о строіеніихъ вештеи, и дерзающихъ себе

ποτῶν εὐνουχίσθησαν εὑρίσκονται δὲ ἄξιοι ἄλλως, τοὺς τοιούτους εἰς κλῆρον προσίσται ὁ κανών.

β'. Ἐπειδὴ πολλὰ. ἤτοι ἀπὸ ἀνάγκης ἢ ἄλλως ἐπειγομένων τῶν ἀνων ἐγένετο. παρὰ τὸν κανόνατὸν ἐκκλησιαστικὸν ὥστε ἀνους ἀπὸ ἐθνικοῦ βίου ἄρτι προσελθόντας τῇ πίστει. καὶ ἐν ὀλίγῳ χρόνῳ κατηχηθέντας, εὐθὺς ἐπὶ τὰ πνικὸν λουτρὸν ἄγειν. καὶ ἅμα τῷ βαπτισθῆναι προάγειν εἰς τὴν ἐπισκοπὴν ἢ πρεσβυτερεῖον, καλῶς ἔδοξεν ἔχειν τοῦ λοιποῦ μηδὲν τοιούτου γίνεσθαι. καὶ γὰρ καὶ χρόνου δεῖ τῷ καθηγουμένῳ(—τηχου—)καὶ μετὰ τὸ βάπτισμα δοκιμασίας πλείονος σαφὲς γὰρ τὸ ἀποστολικὸν γράμμα τὸ λέγον. μὴ νεόφυτον ἵνα μὴ τυφωθεὶς εἰς κρίμα л. 340 об. ἐμπέσῃ καὶ παγίδα τοῦ διαβόλου. εἰ δὲ προιόντος τοῦ χρόνου ψυχικόντι ἁμάρτημα εὑρεθείη περὶ τὸ πρόσωπον, καὶ ἐλέγχοιτο. ὑπὸ δύο ἢ τριῶν μαρτύρων πεπαύσθω ὁ τοιούτος τοῦ κλήρου. ὁ δὲ παρὰ ταῦτα ποιῶν ὡς ὑπεναντία τῇ μεγάλῃ συνόδῳ θρασυνόμενος, αὐτὸς κινδονέυσει περὶ τὸν κλῆρον.

γ'. Ἀπηγόρευσεν ἡ μεγάλη σύνοδος καθόλου μήτε ἐπισκόπῳ μήτε πρεσβυτέρῳ μήτε διακόνῳ μήτε ὅλως τινὶ τῶν ἐν κλήρῳ ἐξεῖναι συνείσακτον ἔχειν πλὴν εἰμὶ ἄρα μρα ἢ ἀδελφὴν, ἢ θείαν ἢ ἃ μόνα προσωπα πᾶσαν ὑποψίαν διαπέφευγεν.

δ'. Ἐπίσκοπον προσήκει μάλιστα ὑπὸ πάντων τῶν ἐν τῇ ἐπαρχίᾳ καθίστασθαι, εἰδὲ δυσχερὲς εἴη τὸ τοιοῦτον, ἢ διὰ μῆκος ὁδοῦ. ἐξ απαντος τρεῖς ἐπι τὸ αυτὸ συνηγμένους συμψηφων γενομένων καὶ τῶν ἀπόντων. καὶ συντιθεμένων διὰ γραμμάτων, τότε τὴν χειροτονίαν ποιεῖσθαι. τὸ δὲ κυρος τῶν γινομένων, δίδοσθαι καθ' ἑκάστην ἐπαρχίαν τῷ μροπολίτῃ.

ε'. Περὶ τῶν ἀκοινωνήτων γενόμενων εἴτε τῶν ἐν κλήρῳ εἴτε τῶν ἐι λαϊκῷ τάγματι ὑπὸ τῶν καθ' ἑκάστην ἐπαρχίαν ἐπισκόπων κρατείτω ἡ γνώμη κατὰ τὸν κανόνα τὸν διαγορέυοντα, τοὺς ὑφ' ἑτέρων ἀποβληθέντας. ὑφ' ἑτέρων μὴ προσίεσθαι. ἐξεταζέσθω δὲ μὴ μικροψυχία ἢ φιλονεικία ἢ τινὶ τοιαύτῃ ἀηδία τοῦ ἐπισκόπου ἀποσυνάγωγοι γεγένηνται. ἵνα οὖν τοῦτο τὴν πρέπουσαν ἐξέτασιν λαμβάνῃ, καλῶς ἔδοξεν ἔχειν ἑκάστου ἐνιαυτοῦ καθ' ἑκάστην ἐπαρχίαν, δὶς τοῦ ἔτους συνόδους γίνεσθαι. ἵνα κοινῇ πάντων τῶν ἐπισκόπων τῆς ἐπαρχίας ἐπὶ τὸ αὐτὸ συναγομένων, τὰ τοιαῦτα ζητήματα ἐξετάζοιτο. καὶ οὕτως οἱ ὁμολογουμένως προσκεκρουκότες τῷ ἐπισκόπῳ κατὰ τὸν λόγον ἀκοινώνητοι παρὰ πᾶσιν εἶναι δόξωσι μέχρις ἂν τῷ κοινῷ τῶν ἐπισκόπων δοξῃ τὴν φιλανθρωποτέραν ὑπὲρ αὐτῶν ἐκθέσθαι ψῆφον. αἱ δὲ σύνοδοι γενέσθωσαν. μία μὲν πρὸ τῆς τεσσαρακοστῆς ἵνα πάσης μικροψυχίας ἀναιρουμένης. τὸ δῶρον

ндрѣзатн рєуєно бы. сиџє нже отъ поганъ. ли господнн. скоплєнн быша. обрѣтають же сѧ. нлако достоннн. таковыѧ къ прнуьтъ приводнть правнло.

в. Понєже много рекъше по ноужн. ли нлако въпадающтнихъ ѵлѣкъ бысть урєсъ правнло црк҃вьноє. ꙗко же ѵлѣкы ѿ погаиьска жнтнѧ новопрншьдша къ кѣрѣ. н въ мало врємѧ оглашенъ. абнє къ дхв҃ьнѣн банн приводнти коупьно крщєннюѧ. приводн на епп҃ьство. ли на попокьство. добрѣ нмѣтн нзволисѧ. проуєє нпуьсомоуже таковоу бытн. врємѧ бо трєбѣ ѥсть оглашєноуоумоу. н по крщ҃тєннн нскоушєннѧ множанша. ꙗкѣ бо ѥсть апл҃ьскоє пнсьма гл҃ающтєє. не новосаженалго. да не ризгърдѣвъ. въ грєхъ въпадєть н сѣть дїаколю. аште ли прєходлштю врємєнн. дш҃евьно нѣкоє съгрѣшєннє. обращтється о лицн. ѡбличуенъ боудєть. отъ дѣкою. ли трнн послоухъ. да прєстанєть таковыѧ отъ прнуьта. урєсъ сн же тєоран ꙗко протнвь на вєлнкоуоумоу н сто҃уоумоу съборо дьржащ. тъ самъ вѣдоу прнмнєть о прнуьтѣ.

г'. Отърєклъ ѥсть отнноудь вєлнкыѧ съборъ. нн епп҃ж. нн попоу. нн дїаконоу. нн всякомоу прнуьтънкоу. въводьница нмѣтн тъкмо ашє да мтр҃ь. ли сєстроу. ли тєтъкоу. ѩже єдннца лнца. вьсякого ѕазора оубѣжаша ѧ:·

д'. Епп҃ж достонть паче оубо отъ всѣхъ нже къ областн поставлєноу бытн. аште ли нє оудобь боудєть таковоє. ли коєѧ ради вѣды. ли дългости ради поутн. вьсако трьмъ къкоупь събнрающємъсѧ. съвѣтьномъ бывающємъ кромѣ соуштнимъ. н съльжєномъ нисмєны. тъгда поставлєннє творнтн. власть же бывающтнихъ. дамтн къ коєнжьдо областн. мнтрополнтоу:·

є'. О нє прнобьштьнѣхъ бывающтнихъ. ли въ прнуьтѣ. ли къ людьствмь унноу. ѡ коєнжьдо областн епп҃ъ. да дьржнться кола правнлоу гл҃ающтюоумоу. отъ дроугынхъ отъкьрженынмъ дроугынми непрнємємомъ бытн. єда нспытаєть же сѧ. єда малодш҃нємь. ли свѣрьмь. ли коєю таковою пєуалню епп҃а. ѡ събора ѡлоуѵєна быша. да оубо себе подобающтєє нспытанніе прнимєть. добрѣ нмѣтн нзволисѧ коємоуж҃о лѣтоу. къ коєнжьдо ѡбластн. дѣкашьдъı лѣта съборомъ бывати да обьштєє всѣмъ епп҃омъ областьнымъ. къкоупь събнрающємъсѧ. таковыѧ нсканнѧ нспытатн н тако нже нсповѣдьнн боудоуть протнвльшєсѧ епп҃ж. по словєсн бєс прнобштенн ѡ всѣхъ бытн нзволнться. дондєшє нзо обьшта епп҃омъ нзволнться ѵлѣколюбьнѣшна о нихъ пожьдатн соуда. съборн же да бывають єдинъ оубо прєдъ вєлнкынмъ по-

καθαρὸν προσφέρηται τῷ θῷ· δευτέρα δὲ τὸν τρῦ μεταπώρου καιρόν.

стѣмь. да всакомоу малодшноу погоубльшемоу. даръ унстъ приносимъ ie (sic) коудеть бо̑у. вторынже въ жатвьноуе врема ·:·

Изъ Словаря Латино-Греческаго.

л. 213. Ῥαιπούδιον χωρισμὸς γάμων. διᾶ πιττακίων. ῥαιφερενδάριος. ὁ τὰς ἀποκρίσεις κομίζων. σκρινιάριοι, σκηπτροφόροι ἤγουν οὐ χαρτουλλάριοι. σάκρων ἱερῶν ἐκκλησιῶν. σπουρίους συρφετοὺς πορνογενεῖς. σπάδωνες, οἱ ψύξιν τῶν γονίμων μυρίων ὑποστάντες. ταβουλλάριοι, δημόσιοι. τίτλος κεφάλαιον αἰτία. τρακταΐζεται, ψηλαφᾶται. φάκτα ἔργα. καὶ ὁ τρόπος τοῦ πράγματος. φαλκίδιος, νόμος περιαιρῶν, ἀπὸ τῶν λεγαταρίων τὸ τέταρτον μέρος, καὶ περιποιῶν τῷ κληρονόμω. φαμιλία, λαός. φάμουσος ἄτιμος. ἀνωνυμος. φέρνη· ἡ προῖξ. φιδικόμισσα, πίστει καταλιμπανόμενου. φίσκος, ὁ δημόσιος. φισκάλια. φούρτη ἀγωγὴ κατὰ κλεπτῶν εἰς τὸ διπλοῦν.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Ἐκ τοῦ κανονικοῦ τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ νηστευτοῦ. ἥμειψε ταυτὶ πρὸς σύνοψιν Ματθαῖος.

Ἀλλὰ γὰρ καὶ κατὰ τὸν νηστευτὴν θεῖον Ἰωάννην θεραπείαν τῶν ἡμῖν συμβαινόντων θεωρητέον παθῶν, καλῶς ἔχειν δοκιμάσαντα. ὡς οἱόντε ταύτην ἐπιτιμᾶν,

φ. 256. Ματθαῖος ἔιργει τῶν Ἰουδαίων φράσος.| ὥσπερ χαλινοῖς πέντε φιμώσας λάγοις.| ὁστις δε τούτων τὴν ἐπίρρητον πλάνην.| πλάνην. ἀτεχνῶς ἐξελέγξει τῷ λόγω| ἄρδην ἁπασαις συγκαθεῖκεν αἱρέσεις..| μητὴρ γὰρ αὐτῶν ἡ θεοκτόνων ἔρις.|

Τοῦ ἐλαχίστου ἐκ ἱερομονάχοις ματθαίου. πρὸς Ἰουδαίους. λόγος πρώτος Ὅτι τρισυπόστατον καὶ ἡ παλαία τὸν θεὸν κηρύττει γραφή ἐν πατρὶ καὶ υἱῷ καὶ ἁγίω πνεύματι προσκυνούμενον. Ὅτι οὐ μόνον Κύριος καὶ θεὸς ἀλλὰ καὶ ἄγγελος ὁ τοῦ θεοῦ υἱός, παρὰ τῇ παλαίᾳ καλεῖται γραφῇ:-

Ὅτι προ αἰωνίως γεννῆσθαι τον υἱὸν ἐκ τοῦ πατρὸς καὶ ἡ παλαιὰ δογμάτιζει γραφὴ. καὶ συναιδιον τῷ πατρὶ καὶ τῷ ἁγίω πνεύματι καὶ τῆς κτίσεως συνδημιουργὸν.

Заставица, нѣсколько заглавныхъ буквъ и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ὡῶν. παρεγγυᾶ:·

Сокращеніе и слово съ титломъ: καὶ πατρᾶσι.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., συνάξεσι. ε., ἐξ μέτρον προσπεφευγότας, ν., οὖν δυνάμεως. σ., τεσσαράκοντα φιδικόμισσα. τ., μετάληψν. Собственное имя съ титломъ: βασῖλείου.

X. Тріодь постная,

Находится въ Московской Синод. Типогр. Библіотекѣ подъ № 484-мъ.

Длина бомбицинной бумаги	4¾ в.
Ширина.	3⅛ в.
Къ корешку.	2 д.
Къ правой сторонѣ	⅝ в.
Къ верху	½ в.
Къ низу	⅝ в.

Писано скорописью на бомбицинѣ, въ одинъ столбецъ на 313-ти листахъ. Первая заставка блѣдно-желтаго цвѣта. Заглавія и начальныя буквы писаны киноварью. Колеръ чернилъ коричневый. Число строкъ на страницѣ 24. Бумажный знакъ у корешка близко трудно разобрать. Въ началѣ и въ концѣ рукописи вклеены два пергаменные листа изъ литургіи св. Іоанна Златоустаго XIV в. Синаксаріевъ по 6-й пѣсни нѣтъ. Въ концѣ Тріоди помѣщены двѣ службы отдѣльно св. Іоанну Лѣствичнику и св. Маріи Египетской.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ недѣли Мытаря и Фарисея.

Ідіом. ηχ. ᾱ. л. 2. Μὴ προσευξώμεθα φαρισαϊκῶς ἀδελφοί. ὁ γὰρ ὑψῶν ἑαυτὸν ταπεινωθήσεται. ταπεινωθῶμεν. ἐναντίον τοῦ θῦ τελωνικῶς δια νηστείας κράζοντες. ἱλάσθητι ἡμῖν ὁ θ̄ς τοῖς ἁμαρτωλοῖς.

ηχ. ᾱ. Φαρισαῖος κενοδοξία νικόμενος. καὶ τελώνης τῇ μετανοία κλινόμενος. προσῆλθον σοι τῶ μόνω δεσπότη. ἀλλ ὁ μὲν καυχησάμενος, ἐστερήθη τῶν ἀγαθῶν. ὁ δὲ. μὴ φθεγξάμενος. ἠξιώθη τῶν δωρεῶν/ τοῖς στεναγμοῖς στήρηξον με. χ̄ῃ ὁ θ̄ς ὁ φιλάν̄ος,

Εἰς τ. στιχ. Δοξα ηχ, πλᾱ, (5).

Βεβαρυμένων τῶν ὀφθαλμῶν μου ἐκ τῶν ἀνομιῶν μου. καὶ οὐ δύναμε ἀτενίσαι καὶ ἰδεῖν τὸν αἰθέρα τοῦ ουν̄ου. ἀλλὰ δέξαι με ὡς τὸν τελώνην μετανοῦντα л. 2 об. σ̄ῆρ καὶ ἐλέησον με.

Канѡ̀н, ἀνοίξω τὸ. ѡ̀δὴ ᾱ. πλβ. (6). ὡς ἐν ἠπείρω.

Παραβολαῖς ἐμβιβάζων πάντας χ̄ε. πρὸς βίου διόρθωσιν. τὸν τελώνην ἀνυφοῖ. ἐκ τῆς ταπεινῶσεως δεικνὺς. φαρισαῖον τῇ ἐπάρσει καθαιρρύ̀μαι.

Ἐκ ταπεινώσεως γέρας ὑψοποιὸν. ἐκ δὲ τῆς ἐπάρσεως πτῶμα βλέπων χαλεπόν. τοῦ τελώνου ζήλου τὰ καλὰ. καὶ τὴν φαρισαϊκὴν κακίαν μ̄ήσησον.

Ἐξ απονοίας κενοῦται πᾶν ἀγαθόν. ἐκ δὲ ταπεινῶσεως. καθαιρεῖται πᾶν κακόν. ἥνπερ ἀσπασώμεθα πιστῶς. βδελυττόμενοι πιστοὶ τρόπον κενοδό...

ϛ̄. Γνώμην βουλὴν προσδοκίας σῶμα ψυχήν. καὶ τὸ πν̄α δέσποινα. ἀνατίθημι πρὸς σὲ. δυσχερῶν ἐχθρῶν καὶ πειρασμῶν. θ̄κε ἀγαθὴ ῥῦσαι καὶ σῶσον με.

Ѡ̀δὴ γ̄. οὐκ ἔστιν ἅγιος ὡς σύ.

Ἀπὸ κοπρίας μὲν παθῶν. ταπεινὸς ἀνυφοῦται л. 3. ἀρετῶν ἀπὸ ὕφους. καταπίπτει δὲ δεινῶς. ὑψηλοκάρδιος πᾶς. οὕτον τρόπον. τῆς κακίας φύ̀γωμεν.

Καινοδοξία ἐκκενοῖ. πλοῦτον δικαιοσύνης. τῶν παθῶν δὲ σκορπίζει. ἡ ταπείνωσις πληθύν. ἣν μιμουμένους ἡμᾶς τῆς μέριδος δεῖξον τοῦ τελώνου σ̄ῆρ.

Ὡς τελώνης καὶ ἡμεῖς. πύχωμεν εἰς τὸ στῆθος κατανύξει βοῶντες. ιλάσθητι ὁ θ̄ς. ἡμῖν τοῖς ἁμαρτωλοῖς. ὅπως τούτου λάβωμεν τὴν ἄφεσιν.

Изъ Тріоди постной № 319. XII в. Моск. Сун. Библіотеки.

л. 1.—7.о б. Не помолимъсѧ. фарисѣискы братиѥ. нко възносѧи сѣбѣ съмѣриться, съмѣримъсѧ предъ богъмь. мытарьскы постъмь възыкающе ѡцѣстн ны боже грѣшьнымъ:-

Фарисѣи. боуѥстню побѣжаѥмъ. и мытарь покаꙗниѥмь прекланаѥмъ. прндоста къ тебѣ ѥдиномоу владыцѣ. нъ овъ похваленъсѧ лишенъ бысть благынхъ. овъ.... достоинъ бысть даровъ въ тѣхъ въздыханиихъ оутвьрди мѧ хрнстѣ боже нко уловѣколюбьць.

Отлѫчѥнѧма. оунма монма отъ бєзаконнн монхъ. не възмогоу възьрѣти и видѣти. въздоухх нєбєсьнаго. нъ прнимн мѧ нко мытара кающаса съпасе. и помилоуи мѧ ·:·

л. 2. об. Кнѣ. глā. s̄. пѣ. ā. нко по соух ·:·

Прнтѣѫмн навода кьса христосъ на нсправленнѥ житнѧ. мытара възвышаѥть. отъ съмѣренних ѥвль. фарисѣи келнуанниѥмь осоужиѥмѧ ·:·

Отъ съмѣренни ѹьсть высокотворацни. а отъ къзношенни паденнѥ видѧ зло. мытарѣкн рьвьноуи до...нмь. и фарисѣискоую злокоу възненавидн ·:·

Отъ бєзоумнѫ нстѫпаѥться ьсако благо. а отъ съмѣренни потрѣбляѥться ьсако зло. ѥже въспрнимѣмъ ѹьстьнѣ. гноушающеса вѣрьнни. образа тѫщеславѣна ·:·

Разоумъ сѣвѣтъ ѹмнѥ. тѣло и доушю и доухъ владыунце. въздагаю на тѧ. скърбни вражни и напастни боудоущаго прощенни нзбавн и съпасн мѧ ·:·

Пѣ. т̄. ирмо̄. Нѣсть свата ·:·

Отъ гнои оубо страстни. съмѣренъни възноситьса. отъ высоты же добродѣтелни съпадаѥть лютѣ высокосьрдьцьнын ьсакъ. ѥгоже образа злокы бѣганмъ ·:·

Тѫщеславнѥ нстѫпаѥть. богатьство правьды. страстни же растуваѥть. съмѣренніе мъножьство. ѥмоу подобацаса насъ. участи нкн мытарѣкы съпаснтелю ·:·

Нко же и мытарь и мы. бьющеса къ перси оумиленнѥмь въпнюще. оцѣстн боже намъ грѣшьникомъ. нко того прнимемъ оставленнѥ ·:·

ϑ. Ἐν σοὶ τῇ μόνῃ προσφυγῇ πεποιθὼς μὲ ἐκπέσω τῆς καλῆς προσδοκίας. ἀλλὰ τύχοιμι τῆς σῆς. ἐπικουρίας ἀγνή. πασῆς βλάβης. δυσχερῶν λυτρούμενος.

Ὠδὴ ϑ'. χϛ' μφ ϱ̓ήναμις, θϛ' καὶ κϛ

Ἀριστην ἔδειξεν. ὁδὸν ὑψωσεως. τὴν ταπείνωσιν λόγος. л. 3 об. ταπεινωθείς. μέχρι καὶ μορφῆς δουλικῆς. ἣν ἐκμιμούμενος ἅπας. ἀνυψοῦται ταπεινοῦμενος.

Ὑψώθη δίκαιος. καὶ καταπέπτωκε. φαρισαῖος ἐν πλήθει δὲ τῶν κακῶν. βρίθων τεταπείνωται τελώνης ἀλλ' ἀνυψώθη. πάρελπίδα δικαιούμενος.

Πενίας πρόξενος. ἐκ πλούτου τῶν ἀρετῶν. ἡ ἀπόνοια ὤφθη καὶ πορισμοῦ. αὕθις ἡ ταπείνωσις δικαιοσύνης ἐξ ἄκρας. ἀπορίας ἣν κτησώμεθα.

ϑ. Ὡς φῶς ἀπρόσιτον. παρθένε τέξασα. τῆς ψυχῆς μου τὸ σκότος. φωτιστικη. αἴγλη διασκέδασον. καὶ σρίας πρὸς τρίβους. τὴν ζωήν μου χειραγώγησον.

Ὠδὴ ϵ'. Τῷ ϑείῳ φέγγει σου ἀγαθὲ.

Τοῦ φαρισαίου τὰς ἀρετὰς. σπεῦσωμεν μιμεῖσθαι καὶ ζηλοῦν. τὴν τοῦ τελώνου ταπείνωσιν. τὴν ἐν ἑκατέροις. μισοῦντες ἄτοπον. ἀπώλειαν καὶ λύμην τῶν παραπτώσεων.

Δικαιοσύνης δρόμος κενός. ἤλεγκται συζεύξας ἐν ταὐτῷ. τῆς ἀπονοίας τὸ φύσσημα. τῆς δε ἀοίκιας ὄγκος κεκένωται. κτησάμενος συνέμπορον τὴν ταπείνωσιν.

Ἁρματιλάτης ἐν ἀρεταῖς. ὥετο ὁραμεῖν φαρισαῖος. ἀλλὰ πεζὸς παραλύδιον. ἅρμα διαθέων, καλῶς προέλαβε. συζεύξας ὁ τελώνης οἴκτω ταπείνωσιν.

ϑ. Ῥάβδον δυνάμεως ἀγάθη. πᾶσιν ἐξαπόστειλον ἡμῖν. л. 4. τοῖς ἐπὶ σοὶ καταφεύγουσι. κατακυριέυειν. ἐν μέσω πάντων ἐχθρῶν. παρέχουσα καὶ πάσης βλάβης ἐξαίρουσα.

Ὠδὴ ϛ'. Τοῦ βίου τὴν θάλα.

Τοῦ βίου τὸ στάδιον. ὁ τελώνης ἐν ταύτῳ. καὶ φαρισαῖος ἔδραμον. ἀλλ' ὁ μὲν ἀπονοία κατενεχθεὶς αἰσχρῶς ἐναυάγησεν. ὁ δὲ τῇ ταπεινώσει διεσώζετο.

Τὸν βίον διείλαντο. φαρισαῖος ἀρεταῖς. ὁ δὲ τελώνης πταίσμασιν. ἀλλ' ὁ μὲν τὴν ἐξ ὄγκου φρενουλαβῆ. ὑπέστη ταπείνωσιν. ὁ δὲ ἀνύψοῦται, ταπεινόφρων φανείς.

Τοῦ βίου τὸν βίαιον. διαμείβοντες ἡμεῖς. δρόμον ἐκμιμησώμεθα. τοῦ τελώνου μὲν φρόνημα ζηλωτόν. φύγωμεν δὲ φύσσημα. βδελυκτὸν φαρισαίου καὶ ζησώμεθα.

Γυμνὸν τῇ ἁπλότητι. τὴ ἀτέχνω τὲζωὴ. πλασθέντα παραβάσεως. διπλόην περιβάλλει με ὁ ἐχθρός σαρκός τε παχύτητι. νῦν δὲ σῇ μεσιτεία. Κόρη σώζομαι.

Тебе единому прибѣжищи. оупѣвахъ не отпадоу. добраго исповѣданиѧ. нъ да полоуую твою помощь. учистиши. отъ вьсакого вреда печалии избавлѧѥмьса ·:·

Пѣ. д. Хъ мънѣ сила ·:·

Доблии показа поуть възношении. съмѣрении слово. съмѣрьса. и до зрака рабиа иемоу же оуподобльса вьсакъ. възноситьса съмѣряѧса ·:·

Възнесеса правьдьникъ. и инъпалъ ѥсть фарисѣи. въ мъножьствѣ же злъ богатѣи съмѣрися. нъ възкъриса мытарь паче надежа оправленъ (sic) ·:·

Оубожьствоу ходатаи. отъ богатьства добродѣтелии. неразоумие ѡкиса. и имѣньство дбие съмѣрение отъ правьдьнаго конца. неимѣние же сътажимъ ·:·

Ако свѣтъ непристоупьнъ. дѣко порожьши. тьмоу свѣтьлою зарею ражени. и доуша моѥи на стьза съпасении. жизнь мою праведи ·:·

Пѣ. ѥ. ирмо. бѫиѥмь свѣтъмъ ти ·:·

Фарисѣи добродѣтельмъ потъщимъса подражати и рькьнокати. и мытареоу съмѣрению въ обою ненавидащи злаго. неразоумиа и пагоубы прѣграшении ·:·

Правьдьное течение. тъще облиѵено бысть съѵетакъ къкоупѣ. неразоумиа гърдыню. неправьдьнаѧ же тажесть. истъщися. сътажавъ съкоупьника съмѣрение ·:·

Въороужитель добродѣтельми мьнлашеса тещи фарисѣи. нъ пѣшь къколесници притѣкаѧ. добрѣ карилъ ѥсть. съѵетакъ мытарь милостью съмѣрение ·:·

Жьзлъ силы благаѧ вьсѣмъ намъ посли. къ тебе прибѣгающимъ. и обладати посредѣ вьсѣхъ врагъ. подающи отъ вьсакого вреда иземлющи ·:·

Пѣ. ѕ. ирмо. житинскаго моря ·:·

Житиа мѣрилщемъ мытарь. въкоупь и фарисѣи текоста. нъ окъ оубо неразоумьемь повьрженъ бывъ. срамьнѣ потомленъ (sic) бысть. сь же съмѣреннѣмь съпасалшеса ·:·

л. 5. Житие ноужьное изменающе мы. тещиню оуподобимъса мытареоу оубо оумоудрению блаженоу. бѣганмъ же гърдыня мьрзости фарисѣокы. и живи боудемъ ·:·

Нагого простынею. не хытрынимъже животъмь. съзьдана престоуплениа. дъкогоубою ма ризою врагъ. плътн же добельствомь. нына же твонмь ходатанствомь дѣко съпасаюса ·:·

Кондакъ и икосъ смотри въ Кондакарии.

л. 4 об. Ὠδὴ ζ. δροσοβόλον μεν τὴν καμε..

Δικαιώσεως. τοῖς ὄγκοις ἐπαιρόμενος. βρόχοις κενοδοξίας δεινῶς. περιεπάρη. φαρισαῖος ἅμετρα αὐτοῦ τελώνης δὲ κούφῳ τῷ πτερῷ. τῆς ταπεινώσεως ἀρθείς θῷ προσήγγισε.

Ταπεινώσεως τῇ κλίμακι χρησάμενος. τρόπῳ τελώνης πρὸ οὐνοῦ. ὕψος ἐπήρθη. τῆς ἀλαζονίας δὲ σαθρᾶ. κουφότητι δεῖλαιος ἀρθείς. ὁ φαρισαῖος κατάντα. πρὸς ἅδου πέταυρον.

Τοὺς δικαίους ἐνεδρεύει μὲν ὁ δόλιος κενοδοξίας συλᾶν. ἁμαρτωλοὺς δὲ. βρόχοις ἀπογνώσεως δεσμεῖν. ἀλλ᾽ οὖν ἑκατέρων τῶν κακῶν. οἱ τοῦ τελώνου ζηλωταί. ῥυσθῆναι σπεύσωμεν.

ϑ. Ἰακὼβ σε καλλονὴν καὶ θείαν κλίμακα. κάτοθεν ἣν ἑώρακε πρὶν. ἐκτεταμένην. πρὸς ὕψος γινώσκομεν ἀγνή. κατάγουσαν ἄνωθεν θν. σεσαρκωμένον καὶ βροτοὺς αὖθις ἀνάγουσαν.

Ὠδὴ η. ἐκ φλογὸς τοῖς ὁσί

Ταπεινόφρονι γνώμῃ ἵλεων κν. ὁ τελώνης στέναξας εὗρε καὶ σέσωσται. τρόπῳ δὲ δεινῷ. γλώσσης μεγαλορρήμονος. τῆς δικαιοσύνης. ἐκπίπτει φαρισαῖος.

л. 5. Φαρισαίου τὸν τύφον τῆς προαιρέσεως. καὶ τὴν προσηγορίαν τής καθαρότητος. φύγωμεν πιστοί. ζηλοῦντες τοῦ τελώνου καλῶς. τὴν ἠλεημένην. ταπείνωσιν καὶ γνώμην.

Τὰς φωνὰς τοῦ τελώνου πίστει φθεγξώμεθα. ἱερῷ ἐναγίῳ. ὁ θς ἱλαθι. ἵνα σὺν αὐτῷ. τύχωμεν συγχωρήσεως. λύμης μεγαλαύχου. ῥυσθέντες φαρισαίου.

ϑ. Οὐ ἐπίσταμαι πλήν σου ἄλλην ἀντίληψιν. σὲ προβάλλομαι πρέσβιν καὶ προστασίαν ἀγνή. σὲ πρὸς τὸν ἐκ σοῦ τεχθέντα μεσιτείαν κινᾶ. πάντων τῶν λυπούντων. ἐλεύθερον με δεῖξον.

Ὠδὴ ϑ. θν ἀνοίς ἰδεῖν ἀδύνατον.

Ὁδὸν ὑψώσεως τὴν ταπείνωσιν. παρὰ χυ. λαβόντες σῳ- ἁς ὑπόδειγμα. τοῦ τελώνου τὸν τρόπον ζηλώσωμεν. τύφον ὑπεροψίας. πόρρω βαλώμεθα. γνώμη ταπεινοφρονι. θν ἐξιλεούμενοι.

Ψυχῆς ἀπόνοιαν ἀναποθώμεθα γνώμην εὐθῆ. ἐν ταπεινοφροσύνῃ κτησώμεθα. ἑαυτοὺς δικαιοῦν μὴ σπουδάσωμεν. τὸν τῆς κενοδοξίας τύφον μισήσωμεν. καὶ σὺν τῷ τελώνῃ τὸν θν ἱλεωσώμεθα.

л. 5. об. Пѣ. ѕ. ірмо̀ хладодавнцю оубо.

Оправьданиѥ тлѣстьми възвышахсѧ. сѣтьми тѫщесла҆кыѥ лютѣ въпалъ ѥсть. фарисѣи безмѣрьно хвалаасѧ. мытарь же льгъкыимь крилома. съмѣреннѣ възвышьсѧ. къ богоу приближисѧ ·:·

Ꙗко кѣлесиницею (sic) съмѣреннѣ мауьнъ. образъмь мытарь. на небесноую высотоу възасѧ. гърьдостию же ꙗкѣ. льгостию окалыньıи възнесесѧ. фарисѣи постиже въ адово дьно ·:·

Правьдьнъıи оулавлаѥть оубо лоукавъıи. образъı тѫщеслави҆ıѣ. окрадовати грѣшьнъıи же. сѣтьми нєуа҆ıнии. казати. нъ оубо отъ обою ѕлобоу. мытарєви рьвьнителє избавитисѧ молимътисѧ ·:·

Ꙗкоже та добротоу и божию ласткыѭ. инъ юже видѣ. прѣже простьреноую. на высотоу сѣкѣмъ ѵистам. сѣкодаѩоу сѣкыше бога въплъщена. и уловѣкъı. абиѥ къходаща ·:·

Пѣ. и. ірмо̀ нс пламенє сѣтыим ·:·

Съмѣреномоудрьнымъ разоумомь. милостивааго бога мытарь въздъхноувъ. обрѣте и съпасенъ бысть образъмь жезълъмь. ѩзыка вельрѣчника отъпаде правьдьнъıи фарисѣи ·:·

Фарисѣовъı гърдъıна. пронзволениѥ. и нарєуєнна ѵистоты. бѣганъмъ вѣрьнии. рьвьноующе мытарєвоу добре помилованоуоумоу. съмѣреннѭю и разоумоу ·:·

Гласъ мытарєвъ. вѣрьнии вѣщанъмъ въ цьркъви сватѣи. коже милостивъ боудн. да съ нимь полоучимь прощениѥ. ѿ пагоубъı кєлнуаваго избавлєни фарисѣи ·:·

Не сѣкѣмъ разѣ тебє иного ѯастоупленнıѣ. та предълагаю молитьвьницю и ѯастоупленнiе ѵистам та къ рожьшоумоуса нс тебє ходатам подвизаю вьсѣхъ скърьбьнъıихъ свободьна ма ѥви ·:·

Пѣ ϑ. ірмо̀. ба уловѣкомъ ·:·

Поуть възношениѥ. съмѣреннiе. отъ христа приимъ съпасенiе притъчую мытарєвоу образоу порьвьноумъ. боуѥсть прѣзорьства далєче отъложимъ. разоумъмь съмѣрономоудрьнымь бога да оумолимъ ·:·

Доуша нєразоумнiе отъложьше, разоумъ далѣе достаетъ.

Λιτὰς τῶ κτίστη οἴκτου προσφέρομεν. τελωνικὰς. τὰς φαρισαϊκὰς ἐκτρεπόμενοι. ἀχαρίστους εὐχὰς μεγαλαύχους φωνὰς. αἳ κατὰ τοῦ πλησίον κρίσιν. ἐπάγουσιν. ἵνα θεῖον ἔλεον καὶ φῶς ἐπισπασώμεθα.

л. 5 об. Πολλῶν πταισμάτων ἐσμῶ βαρούμενος. ὑπερβολῇ κακίας τὸν τελώνην παρήλασα. οἷς τοῦ φαρισαίου τὸν μεγάλαυχον. τύφον πρὸς ἐπικτῶμαι. παντωθεν ἔρημος. παντῶν καθιστάμενος καλῶν. κε φεῖσαι μου.

ϑ. Ὑμνεῖν δοξάζειν καὶ μακαρίζειν σε δίδου ἡμῖν ἀξίως τοῖς τιμῶσι σε πάναγνε. καὶ τὸν τόκον. τὸν σὸν μεγαλύνουσι. μόνη εὐλογημένη. σὺ γὰρ τὸ καύχημα. τῶν χριστιανῶν καὶ πρὸς θν. πρέσβις εὐπρόσδεκτος.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Κοντάκιον. ὡς ἀπαρχαὶ... ἦχ. πλ. δ. (8).

Ὡς εὐσεβείας κήρυκας καὶ ἀσεβείας φίμωτρα τῶν θεοφόρων τὸν δῆμον ἐφαίδρυνας τῇ ὑφηλίῳ λάμποντα, ταῖς αὐτῶν ἱκεσίαις. ἐν εἰρήνῃ τελεία τοὺς σὲ δοξάζοντας καὶ μεγαλύνοντας διαφύλαξον ψάλλοντας σοὶ Κύριε τὸ ἀλληλούϊα.

Τέλος σὺν θεῷ ἁγίῳ τῆς δέλτου, ἐτελειώθη διὰ χειρὸς ἁμαρτωλοῦ ἰακώβου τάχα καὶ ἱερομονάχου. ἐν ἔτει ,ϛϡ̃ηϰ. (1344 г.) καὶ οἱ ἀναγινώσκοντες, εὔχεσθαι διὰ τὸν Κύριον ὅτι καὶ ὁ γράφων παραγραφῆ:

Κύριε Ἰησοῦ χριστὲ υἱὲ τοῦ θεοῦ ἐλέησον με τὸν ἁμαρτωλόν.

Азбука изъ заглавныхъ буквъ, заставка и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ῥήμασι, ἐπιλάθῃ; ἴασις:

Сокращенія и слова съ титлами: ὀφλημάτων ἐκφθορᾶς. Κύριε.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἁγία. ε., ἐξ ἐγκρατεία. ν., νυνὶ. σ., πίστεως οἱ πόδες σάρκες. τ., μέτρα.

XI. Сборникъ бесѣдъ св. Златоустаго изъ Маргарита изъ книги о священствѣ и другихъ

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 136-мъ.

Длина бумаги.	$9\frac{1}{2}$ в.
Ширина	$6\frac{1}{2}$ в.
Къ корешку	$\frac{5}{8}$ в.
Между столбцами.	$\frac{3}{8}$ в.
Къ правой сторонѣ	$1\frac{1}{8}$ в.
Къ верху	1 в.
Къ низу	$1\frac{1}{4}$ в.

Бумага толстая лощеная.

Писано довольно крупною скорописью въ два столбца по нарѣзамъ. Заставки, заглавныя буквы и заглавія словъ писаны киноварью. Колеръ чернилъ темно-коричневый. Число строкъ на страницѣ 34. Помѣта тетрадей въ началѣ ея на верху въ углу съ правой стороны и въ концѣ тетрадей внизу въ углу съ правой же стороны.

Лишнее противъ маргарита № 73. Сев. соб. X—XI в. слѣдующее:

л. 41—49 об. λογος. ξ̄. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς τοὺς ἀπολειφθέντας τῆς συνόξεως. καὶ τοῦ ὁμοούσιον εἶναι τὸν υἱὸν τῷ πρ̄ι ἀπόδειξις. καὶ ὅτι τὰ ταπεινῶς εἰρημένα. καὶ γεγενημένα παρ αὐτοῦ, οὐ δι ἀσθένειαν δυνάμεως ἐγίνετο. οὐδὲ δι ἐσχάττωσιν, ἀλλὰ δι οἰκονομίας διαφόρους. καὶ περὶ ἀκαταλήπτου ἀκολούθως. Начало: Πάλιν ὑποδρομία καὶ πάλιν ὁ σύλλογος ἡμῖν.

л. 49 об. — 55 об. λογος ῆ̄. Τοῦ αὐτοῦ κατὰ αἱρετικῶν. καὶ εἰς τὴν αἴτησιν τῶν υἱῶν ζεβεδαίου, καὶ περὶ ἀκαταλήπτου. Начало: Ἐκ πολέμου χθὲς ἐπανήλθομεν.

л. 55 об.— 89. λογος. ϟ̄. Τοῦ αὐτοῦ. πρὸς τοὺς σκανδαλισθέντας ἐπὶ ταῖς δυσημερίαις καὶ ταῖς παρανομίαις ταῖς παρανομίαις ταῖς γενομέναις. καὶ τῇ τοῦ λαοῦ καὶ πολλῶν ἱερέων διώξει καὶ διαστροφῇ. καὶ περὶ τῆς τοῦ θῦ προνοίας. καὶ περὶ ἀκαταλήπτου καὶ κατὰ Ἰουδαίων λογος. ϟ̄. Начало: Ἰατρῶν μὲν παῖδες ὅταν πυρέττοντας τινας.

л. 89 — 145 об. Οι περὶ ἱερωσύνης λόγοι.

л. 89—95 об. λογος Γ̄. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ι ἡμῶν Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου κωνσταντίνου πόλεως τοῦ χρυσοστόμου. πρὸς τοὺς ἐγκαλοῦντας. ἐπὶ τῷ διαφεύγειν τὴν ἱερωσύνην, ἀπολογητικὸς. καὶ ὁποῖον εἶναι δεῖ τὸν ἱερέα. πρὸς βασίλειον φίλον αὐτοῦ. λογος ἀ. Начало: Ἐμοὶ μὲν πολλοὶ ἐγένοντο φίλοι.

л. 142 — 181. Λογοι. ἀ β̄. Γ̄. Δ̄. Εἰς τὸν πλούτον καὶ λάζαρον ..

л. 181 — 187 об. Τοῦ αὐτοῦ εἰς τὸ ῥητὸν τοῦ ἀποστόλου. περὶ δὲ τῶν κεκοιμένων, οὐ θέλω ὑμᾶς ἀγνοεῖν ἀδελφοί, ἵνα μὴ λοιπῆσθε ὡς καὶ οἱ λοιποὶ οἱ μὴ ἔχοντες ἐλπίδα. λογος. ε̄. Начало: Ἡμέρας τέσσαρας ἀνηλώσαμεν. τὴν κατὰ τὸν λάζαρον παραβολὴν ὑμῖν ἐξηγούμενοι.

л. 187 об. — 198 об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κονσταντίνουπόλεως τοῦ χρυσοστόμου. ὁμιλία κατὰ ἰουδαίων. ἐλεχθη δὲ πρὸς τοὺς ἰουδαίζοντας καὶ μετὰ ἐκείνων νηστεύοντας. λόγος. α̅. Нач. Εβουλόμην ὑμῖν ἀποδοῦναι τὰ λείψανα τήμερον τῆς ὑποθέσεως.

л. 198 об. — 206 об. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς ἰουδαίους εἰς τὰς σάλπιγγας τοῦ πάσχα αὐτῶν. ἐλέχθη ἐν ἀντιοχεία, ἐν τῇ μεγάλῃ ἐκκλησία. λογος β̅. Начало: Πάλιν οἱ δείλαιοι καὶ πάντων ἀνῶν ἀθλιώτεροι νηστεύειν μέλλουσιν ἰουδαῖοι.

л. 206 об. — 222 об. Τοῦ αὐτοῦ κατὰ Ἰουδαίων λογος γ̅. Начало: Ποθεν ἡμῖν ἄρα πλείων ὁ σύλλογος γέγονε τήμερον.

л. 222 об. — 231 об. Τοῦ αὐτοῦ. ὅτι τῇ προτεραία μακρὰν ὁμιλίαν εἰπὼν κατὰ ιωδαίων. καὶ βράγχω κατασχεθεὶς ἀπὸ τοῦ μήκους τῶν εἰρημένων, ταύτην εἶπε τὴν διάλεξιν. λόγος τέταρτος. Начало: Τὰ θηρία. ἕως μὲν τὰς ὕλας νέμονται.

л. 231 — 240. Τοῦ αὐτοῦ κατὰ ιουδαίων. λόγος ε̄. Начало: Ἄρα κόρον ἐγάβετε τῆς πρὸς ἰουδαίους μάχης.

л. 240 — 251 об. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς ἰουδαίους λόγος ϛ̄. Начало: Παρῆλθεν ἡ νηστεία τῶν ἰουδαίων, μᾶλλον δὲ ἡ μέθη.

л. 252 — 298 об. λόγοι κ̅ζ̅. κ̅η̅. κ̅θ̅. λ̅. λ̅α̅. λ̅β̅. λ̅γ̅. и λ̅δ̅. есть въ вышеозначенномъ спискѣ на листахъ. 53 об—89. и 136. об. — 160. л.

298. об. — 304. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἄννης καὶ εἰς τὴν τοῦ σαμουὴλ γαλακτοτροφίαν. καὶ ὅτι χρήσιμος ἡ περὶ τὸν τόκον βραδύτης. καὶ ὅτι ἐπικίνδυνον καὶ σφαλερὸν τὸ τῶν παίδων ἀμελεῖν. λόγος γ̅. Начало: Εἰ μὴ δοκῶ προσκορήστις εἶναι καὶ φορτικὸς....

л. 304 — 311. Τοῦ αὐτοῦ, πρὸς τοὺς τὰς συνάξεις καταλιμπάνοντας καὶ εἰς τὰ θέατρα ἀναβαίνοντας. καὶ ὅτι οὐ μόνον χρησιμώτερον τῆς ἐν τοῖς θεάτροις διαγωγῆς ἡ ἐν τῇ ἐκκλησία διατριβή, ἀλλὰ καὶ ἡδίων. καὶ εἰς τὴν δευτέραν ῥῆσιν τῆς ἄννης. καὶ εἰς τὸ δεῖν συνεχῶς ἔυχεσθαι. καὶ ἐν παντὶ τόπω, κἂν ἐν ἀγορᾷ ὦμεν. κἂν ἐν ὁδῷ. κἂν ἐπὶ κλίνης. λόγος ϵ̄. Начало: Οὐκ οἶδα ποίοις χρήσομαι λόγοις σήμερον.

л. 311 — 316 об. Τοῦ αὐτοῦ. πρὸς τοὺς ἐν ἑορταῖς μόνον συναγομένους. καὶ τί ποτέ ἐστιν ἑορτή. καὶ πρὸς τοὺς ἐγκαλοῦντας τῇ τοῦ θῦ προνοία, διὰ τὸ πλουσίους εἶναι καὶ πένητας ἐν τῷ βίω. καὶ ὅτι χρησιμώτατον ἡ πενία. καὶ ὅτι πλούτου, πλείοντα ἡδονὴν ἔχει πανταχοῦ καὶ ἀσφάλειαν. καὶ εἰς τὴν ἄνναν. λογος. ϛ̄. Начало: Μάτην ἔοικε τοὺς τῇ προτέρα συνάξει παραγενομένους ἡμῖν παρεκαλέσαμεν.

л. 316 об. — 320 об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ χρυσοστόμου. λόγος εἰς τὸν ἄμεμπτον καὶ μακάριον... ιωβ λόγος α̅. Начало: Ἦκεν ἡμῖν ἐνιαύσιος σήμερον. ὁ τῆς οἰκουμένης ἀθλητής.

л. 320 об. — 336. λόγοι β̅. γ̅. δ̅. есть въ той же рукописи на листахъ 183—200.

л. 336—342 об. Λόγοι ἐκ τῶν ἀνδριάντων. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν ἰωάννου ἀρχιεπισκοπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ χρυσοστόμου. ἔπαινος τῶν κατωρθωκότων τὸ, μὴ ὀμνύειν. καὶ ὅτι οὐκ ὀφείλει τις διακρίνεσθαι μετὰ ἑστίασιν, ἀκροάσθαι θείων λογίων ἐν ἐκκλησία. καὶ διατί μετα χρόνον πολὺν ἐδόθησαν αἱ ἁγίαι. γραφαὶ. καὶ εἰς τὸ οἱ οὐνδὶ διηγοῦνται δόξαν θ̅υ̅. καὶ φυσιολογία κόσμου. καὶ περὶ τοῦ μὴ ὀμνύειν. λογος. α̅. Начало: Καὶ πρώην πρὸς ὑμᾶς. καὶ νῦν πρὸς ὑμᾶς.

л. 342 об. — 348 об. Τοῦ αὐτου ἔπαινος τῶν μετὰ τὴν ἑστίασιν ἀπηντηκότων εἰσ τὴν ἀκρόασιν. καὶ φυσιολογία κόσμου. καὶ κατὰ τῶν θεοποιούντων τὴν κτίσιν. καὶ περὶ τοῦ ὀμνύειν. Начало. Χαίρω καὶ συγχαίρω πασῖν ὑμῖν, ὅτι τὴν παραίνεσιν ἡμῶν...

л. 348 об. — 354 об. Τοῦ αὐτοῦ εὐχαριστία πρὸς τὸν θ̅ν̅ περὶ τῆς ἀπαλλαγῆς τῶν ἐκ τῆς στάσεως προσδοκηθέντων κακῶν, καὶ ἀνάμνησις τῶν τότε συμβάντων. ἔτι δὲ καὶ κατὰ τῶν τὸ σῶμα ἡμῶν διαβαλλόντων. καὶ δισλου περὶ τῆς τοῦ ἀνρου κατασκευῆς. καὶ πρὸς τῶ τέλει, περὶ τοῦ μὴ ὀμνύειν. Начало: Επειδὰν ἐννοήσω τὸν παρελθόντα χειμῶνα καὶ τὴν παρούσαν γαλὴνην.

л. 354 об. — 361 об. Τοῦ αὐτοῦ ἔτι εὐχαριστία πρὸς τὸν θ̅ν̅ περὶ τῆς συγχωρήσεως τῶν ἡμαρτηκότων εἰς τὸν βασιλέα, καὶ φυσιολογία περὶ τῆς κτίσεως. καὶ ὅτι ποιήσας ὁ θ̅ς̅ τὸν ἄνον νόμον φυσικὸν ἐγκατέθηκεν αὐτῶι καὶ περὶ τοῦ πάση σπουδῆ ἀπέχεσθαι τῶν ὅρκων. Начало: Καὶ χθὲς εἶπον εὐλογητὸς ὁ θ̅ς̅.

л. 361 об. — 366 об. Τοῦ αὐτοῦ εὐχαριστία πρὸς τὰν θν̄, περὶ τῆς μεταβολῆς τῆς ἀπο τῶν χριστιανῶν. καὶ ἀνάμνησις τῶν διὰ τὴν στάσιν κατὰ ἐυρέντων τε καὶ τιμωρηθέντων, ὁμοίως δὲ πάλιν περὶ τῆς τοῦ ἀνου δημιουργίας. καὶ ὅτι φυσικὸν νομον ἐδέξατο διὰ τῆς γνώσεως τῶν πρακτέων. καὶ περὶ τοῦ κατορθῶσαι τὸ μὴ ἀμνύειν. Начало: Ἀπὸ τῆς αὐτῆς ἀρχῆς καὶ τῶν αὐτῶν προοιμίων ὧν χθὲς...

л. 366 об. — 374 об. Τοῦ αὐτοῦ. Τοῦ δήμου παντὸς ἀθέντος τῆς ἀγωνίας καὶ θαρσήσαντος, τινὲς πάλιν τὴν πόλιν ἐτάρτζαν φήμαις φοβερᾶς. καὶ ἠλέχθησαν. εἰς τοῦτο γοῦν ἡ ὁμιλία εἴρηται, καὶ εἰς τὴν περὶ τῶν ὅρκων παραίνεσιν. Διὸ καὶ ἡ κατὰ τὸν ἰωναθὰν καὶ τὸν σαοὺλ ἱστορία, καὶ τὸν ἰεφθάε παρήχθη καὶ ἐδείχθη πόσαι ἐξ ἑνὸς ὅρκου γίνονται ἐπιορκίαι. Начало: Οὐχὼς ἔτυχε τὴν πόλιν ἡμῶν, ὁ διάβολος χθὲς ἐθορύβησεν.

л. 374 об. — 381. Τοῦ αὐτοῦ. ἔτι εἰς τὴν συμφορὰν τῆς πόλεως ἀντιοχείας καὶ ὅτι χρήσιμον παγταχοῦ φάβος, καὶ ὅτι πένθος γέλωτος λυσιτελέστερον. καὶ εἰς τὴν ῥῆσιν τὴν λέγουσαν ἐπίγνωθι ὅτι ἐν μέσῳ παγίδων διαβαίνεις, καὶ ὅτι τοῦ φονέυειν, τὸ ὀρκίζει χεῖρον. Начало: Ἔτει καὶ τήμερον καὶ τῷ προτέρῳ σαββάτῳ.

л. 381 — 397 об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντίνουπόλεως τοῦ χρυσοστόμου. λόγος παρακλητικὸς πρὸς τινα δαιμονῶντα ἀσκητὴν σταγείριον. καὶ ὅτι οὐκ ἀνευκινδύνων οἱ δικαιοι τὸν παρόντα βίον διήνυσαν. Начало: Ἔδει μὲν ἡμᾶς ὦ φίλτατε πάντων ἐμοὶ σταγειριε.

л. 398 об. — 415. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς τὸν αὐτὸν. ὅτι ἀθυμία χαλεπωτέρα, καὶ δαίμονος. Начало: Ταῦτα μὲν ἡμῖν, ὑπὲρ τῆς τοῦ θῦ προνοίας εἰρήσθω.

л. 415 — 431. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς τὸν αὐτὸν μοναχὸν σταγείριον, ἔτι περὶ ἀθυμίας λογος γ̄. Начало: Ἱκανὰ μὲν οὖν καὶ τὰ εἰρημένα.

л. 431 — 442 об. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς δημήτριον μονάζοντα, περὶ κατανύξεως. (нѣк. λόγ.) Начало: Ἐγώ σε ὁρῶν ὦ μακάριε δημήτριε.

л. 442 об. — 451. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς στελέχιον περὶ κατανύξεως. Начало: Καὶ πῶς ἔνι γενέσθαι τοῦτο ὅπερ ἐπέταξας ἅγιε τοῦ θῦ στελέχιε.

л. 451 — 459 об. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς τοὺς πολεμοῦντας, τοῖς ἐπὶ τὸ μονάζειν ἐνάγουσιν. Начало: Ὅτε τον ἐν ἱεροσολύμοις νεὸν πολλῶν ἐτῶν χαμαὶ κείμενον.

л. 460 — 473. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς ἄπιστον πρ̄α. Начало: Ἱκανὰ μὲν οὖν καὶ ταῦτα ἔκστασιν ἐργάσασθαι.

л. 473 — 501. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς πιστὸν πρ̄α. Начало: Φέρε δὲ λοιπὸν καὶ τὸν πιστὸν πρ̄α διδάξωμεν.

л. 501 — 522 об. Τοῦ αὐτοῦ λόγος παρανετικὸς ἐν εἴδει ἐπιστολῆς εἰς θεόδωρον ἐκπεσόντα. Начало: Τίς δώσει τῇ κεφαλῇ μου ὕδωρ καὶ τοῖς ὀφθαλμοῖς μου πηγὴν δακρύων.

л. 522 об. — 527 об. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς τὸν αὐτὸν θεόδωρον λόγος δεύτερος. Начало: Ἐι δάκρυα καὶ στεναγμοὺς ἦν διὰ γραμμάτων δηλοῦσθαι.

л. 527 об. — 529. Ἐπιστολὴ θεοδώρου τοῦ πεπτωκότος. ἐν ᾗ καὶ σύμβολα ἐναργοῦς μετανοίας πρὸς τὸν χρυσοστόμον. Начало: Πάντοτε δί ἐν εὐδίοις λιμέσιν ὁρμιζόμενοι.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ Маргарита 1499 г. Сун. Библ. № 103. л. 19–23.

л. 19. **Тогоже о непостижимемъ и яко не... бѣ схожденїе къ серафимомъ.**

Трꙋдолюбнїи ѡ̑ земедѣлїи кнегѫ̑ аще кто̀ꙗдать. древо бесплодно и не питомо тѣ̑ гобящее трꙋды. и корене дебельствомъ и таготою сѣни растлѣвающе садꙋ, съ многꙋмъ тщанїемъ л. 19. об. **ѡ̑ сѣкаютъ то. множицею же тѣмъ и вѣтръ ѡ̑ нѣкꙋдꙋ нашѣ̑ съприкасается сѣченїю вѣтвѣ̑ древа припадъ. и съ многою. потрасъ ꙁѣлостїю. сломи же то и на ꙁемлю повръже, и ѡ̑ трꙋда вящшеѥ. тѣмъ ѡблегчи. елмаже оубо и мы древо посѣкаемъ. дивїе и непитомое. не подобнѣ̑ ересь. помолимъ ба̑ послати намъ дхѣ̑нꙋю бла̑ть. яко да вѣтра всякаго ꙁѣлнѣйше проложшѣ̑.**

τὴν χάριν. ἵνα ἀνέμου σφοδρότερον πάντας προσβαλοῦσα, πρόρριζον ἀναστάτωσι τὴν αἵρεσιν, τὸ πλέον ἡμῖν ἐπικουφίζουσα τοῦ πόνου. ἤδη γάρ που καὶ γῆ χερσωθεῖσα. καὶ γεωργικῶν σύκ ἀπολαύσασα χειρῶν, πόνηρὰς βοτάνας, καὶ ἀκανθῶν πλῆθος. καὶ δένδρα ἄγρια ἐξέβρασεν, ἐκ τῶν οἰκείων κόλπων πολλάκις. οὕτω καὶ ἡ τῶν ἀνομοίων ἐρημωθεῖσα ψυχή, καὶ τῆς ἀπὸ τῶν γραφῶν ἐπιμελείας οὐκ ἀπολαύουσα, οἴκοθεν καὶ παρ' ἑαυτῆς. τὴν ἀγρίαν ταύτην καὶ ἀνήμερον ἐξέβρασεν αἵρεσιν. τοῦτο γὰρ τὸ δένδρον, οὐ παῦλαν ἐφύτευσεν οὐκ ἀπολλὼς ἐποτισεν. οὔχ ὁ θς ἠύξησεν, ἀλλ' ἐφύτευσε μέν, βι. λογισμῶν ἄκαιρος περιεργία. ἐπότισε δὲ, ἀπονοίας τῦφος. ἠύξησε δὲ φιλοδοξίας ἔρως. καὶ δεῖ τῇ τοῦ πνς ἡμῖν φλογὸς ἵνα μὴ μόνον ἀνασπάσωμεν, ἀλλὰ καταικαύσωμεν, τὴν πονηρὰν ταύτην ρίζαν. καλέσωμεν τοίνυν αὐτὸν τὸν ὑπ' ἐκείνων μὲν βλασφημούμενον, ὑφ' ἡμῶν δὲ εὐφημούμενον θν, καὶ παρακαλέσωμεν, ὥστε καὶ τὴν γλῶτταν ἡμῶν πρὸς πλείονα διεγεῖραι δρόμον, καὶ τὴν διάνοιαν ἡμῖν πρὸς σαφεστέραν διανοῖξαι τῶν λεγομένων σύνεσιν. ὑπὲρ γὰρ αὐτοῦ καὶ τῆς αὐτοῦ δόξης, ἅπας ἡμῖν ὁ πόνος. μᾶλλον δὲ ὑπὲρ τῆς σρίας τῆς ἡμετέρας. τὸν μὲν γὰρ θν οὐδείς. οὔτε ἀτιμάζων παραβλάψαι δυνήσεται, οὔτε εὐφημῶν λαμπρότερον ἀποφῆναι. ἀλλ' ἐπὶ τῆς οἰκείας ἀεὶ μένει δόξης. οὔτε εὐφημίαις αὐξανόμενος, οὔτε ἐλαττούμενος βλασφημίαις. τῶν δὲ Ἀνων. οἱ μὲν δοξάζοντες αὐτον κατ' ἀξίαν. μᾶλλον δὲ κατ' ἀξίαν μέν, οὐδενὶ δυνατὸν. ἐις δὲ δύναμιν τὴν ἑαυτῶν τὴν ἀπὸ, τῆς δοξολογίας, καρποῦνται ὠφέλειαν. οἱ δὲ βλασφημοῦντες. καὶ ἐξευτελίζοντες, τὴν οἰκείαν λυμαίνονται σρίαν. ὁ γὰρ βαλὼν λίθον ἐις ὕψος, ἐις τὴν κεφαλὴν ἑαυτοῦ ἔβαλε, περὶ τῶν βλασφημούντων л. 16 об. а. τίς εἰρηκε. καθάπερ γὰρ ὁ λίθον πρὸς τὸ ὕψος ἀκοντίζων. τοῦ οὐνοῦ μὲν τὸ σῶμα διατεμεῖν, οὐ δυνήσεται. οὐδὲ πρὸς τὸ ὕψος φθάσαι ἐκεῖνο. τὴν δὲ πληγὴν. τῇ ἰδία δέχεται κεφαλῇ. πρὸς τὸν ἀκοντίσαντα ἐπανώντος τοῦ λίθου, οὕτω δὴ καὶ ὁ βλασφημῶν τὴν μακαρίαν ἐκείνην οὐσίαν. ἐκείνην μέν, οὐδὲν παραβλάψει ποτὲ. πολλῷ μείζονα οὖσαν, καὶ ὑψηλοτέραν. ἢ ὥστε δέξασθαι τινα βλάβην. κατὰ δὲ τῆς ἑαυτοῦ ψυχῆς, τὸ ξίφος ἀκονᾶ ἀγνώμων, περὶ τὸν εὐεργετὴν γινόμενος.

Καλῶμεν τοίνον αὐτὸν. τὸν ἀνέκφραστον. τὸν ἀπερίληπτον. τὸν ἀπερινόητον θν. τὸν ἀόρατον. τὸν ἀκατάληπτον. τὸν νικῶντα γλώττην ἀνίνης δύναμιν. τὸν ὑπερβαίνοντα διανοίας θνητῆς κατάληψιν. τὸν ἀνεξιχνίαστον ἀγγέλοις. τὸν ἀνεξερεύνητον ἀρχαγγέλοις. τὸν ἀθέατον τοῖς σεραφὶμ. τὸν ἀκατανόητον τοῖς χερουβὶμ. τὸν ἀόρατον, ἀρχαῖς. καὶ ἐξουσίαις. καὶ δυνάμεσι, καὶ ἁπλῶς, πάσῃ τῇ κτίσει. ὑπὸ υἱοῦ καὶ πνς μόνου γνωριζόμενον. καὶ οἶδα μὲν, ὅτι Ἀλαζονείαν καταγνώσονται τοῦ λόγου, ὅτι καὶ ταῖς ἀνωτέραις δυνάμεσιν. ἀκατάληπτον αὐτὸν εἶπον β'. εἶναι. ἐγὼ δὲ πολλὴν αὐτῶν διὰ τοῦτο καταγνώσομαι μανίαν καὶ ἀπόνοιαν. ἀλαζονεία γὰρ. οὐ τὸ λέγειν ὅτι τῆς τῶν γεννητῶν ἁπάντων καταλήψεως ἀνώτερος ἐστιν ὁ δημιουργὸς, ἀλλὰ τὸ λέγειν. ὅτι τὸν ταῖς ἄνω δυνάμεσιν ἀκατάληπτον δυνατὸν αὐτοῖς. τοῖς χαμαὶ ἐρχομένοις καὶ τοσοῦτον ἐκείνων ἀφεστηκόσι τῇ τῶν οἰκείων λογισμῶν ἀσθενείᾳ περιγράψαι, καὶ περιλαβεῖν. ἐγὼ μὲν ἐὰν μὴ δείξω

нскоренє нсторъгнемъ єресь. множаншїи намъ ѡблегающи трв҃ сє бо нѣгдє и ꙁемлa ѡлaденѣвшн и ꙁемледѣлиннуьскы҃ не въспрїемшн рѧкъ. злaя былїa, и терніa множьствa и дрєвєсa днєїa прорaстн ѿ своє҃ кдръ множнцею. тако и нєподобныхъ ѡпвстѣвшн дш҃a. и aже ѿ писaнїи подзa не нaслaдникшесa. ѿ себє самaя днєїa сїи злобѣ и нєпнтомзю нзрaстн єресь. сїє бо дрєво. нн пaвєль нaсaди нї aполосъ нaпон. нн бъ възрaстн. но пaсaди оубо помыслом҃ бєзкрємєнноє ѡпытaнїє. нaпон же къзношенїє и кєлнуaнїє. къзрaстн же слоꙋолюбїa желaнїє. и потрєбa намъ дхвнaгo плaмєнн. тако дa не тъуїю нстръгнемъ нa н сѫжжемъ злыи съ корень. прнзовемъ оубо самого нже ѿ нихъ хвaлимaго бa. и помолн҃. тако дх и нзыкъ нaшь къ множaншемꙋ въздвигнєть. и мысль нaшю къ нaсьствьнѣншемоу ѡврaстн гл҃емы҃ л. 20. рaзоумоу. ѡ томъ бо самомъ и того слaвѣ вєть трв҃ нaшь є҃. пa҃ же ѡ спн҃їи нaшемъ, бѣ бо никтоже нниже бєсyєстa покредитн възможетъ нниже хвaлa свѣтлѣншa нзъявитн. но къ своєи прнсно прєбывaє҃ слaвѣ. нниже блгохвaлєнїємъ възрaстaл҃. нн оумнѣнємъ злохyлєнїємъ. ѿ улѣкъ же ѡвн оубо слaвящє єго по достоннїю. пa҃ же по достоннїю оубо никомоу же можно є҃ протнкъ же снлъ своєи нже ѿ слaвословїa плъзъ плодa҃. хвaлящєи же єго, и ѡхвждающєи своє погyбляють спн҃їе. метaли бо кaмень нa высотꙋ нa свою глaвꙋ метaєть. ѡ хвaлящн рє҃ нѣкто тако н҃ кaмень нa высотꙋ врѣгы. нбн҃ое оубо тѣло пронти не възможет. нниже к высотѣ достигнзти ѡнон. нзыкъ же нa своємъ прїємлеть врѣсе. нa врѣгшaго възвратникшюся кaменю. тaкоже и хвaлящєи блж҃ное ѡно свщьство. ѡно оубо нныимже прѣвредa҃ когдa, множaє болше свще и высоуaншє. ѿ єже нєкыю҃ прїaтъ пaкость. нa свою же глaвꙋ мєуь ѡстрн҃ кожо҃. не възблгодѣтєнъ ѡбл҃гaтaн бывъ. нaрицaнмъ оубо того. не нзрєчєннaго н не ѡбьмыслимaго нзыкa улъьскaго снлъ. прєвъсходящa мр҃твєныa мысли постнжєнїa нєнслѣдованнaго нєнспытaннaго aрхaнгло҃. не зрнмaго серафнмомъ, нєпостнжымaго херꙋвнмо҃ л. 20. об. нєкиднмaго нaчaло҃. влaстемъ снлa҃. н просто всaкон ткaрн. сн҃ом же єдннє҃ н дхо҃ позновaєшь. н вѣмъ оубо тако вєлнуaнїє ꙁaзрѣть словꙋ тако горнн҃ снлa҃ нєпостнжнмaго бытн рѣ҃. aзже много моуть҃ ꙁaзрa нєнстовьствa. сего рaди нєрaꙁвмѣю вєлнуaнїє бо є҃. не єже гл҃aти тако рожєнны всѣ҃ постнженїa. кышши є҃ съдѣтєль но єже гл҃ти тако кышнн҃ снлa҃ нєпостнжнмaго. можно є҃ тѣ҃ нже ннзъ ползающн҃. н толнко ѿ оного ѿстоящнмъ. своє҃ помыслъ нємощїю ѡписaтї и ѡбѣлти. aзъ оубо aщє не покaжю сє єже ѡбѣщa҃сa въ прaвдоу достоннъ єсть пострaдaти вєлнуaнїє ѡсѫжєнїє вы же aщє по

τουτο ὅπερ υπεσχόμην δίκαιος ἂν εἴην ἀλαζονείας ὑποπεσεῖν ἐγκλήματι. ὑμεῖς δὲ οἳ μετὰ τὸ δεῖξαι με, ἀκατάληπτον ὄντα ταῖς ἄνω δυνάμεσιν, ἔτι διϊσχυρίζεσθαι καὶ φιλονεικεῖτε αὐτὸν ἐιδέναι πόσων ἂν εἴητε βαράθρων, πόσων δὲ κρημνῶν ἄξιοι, τὰ ταῖς ἀσωμάτοις δυνάμεσιν ἀπάσαις ἀθέατα, ἀλαζονευόμενοι, μετὰ ἀκριβείας ἐιδέναι. φέρε οὖν λοιπὸν ἐπὶ τὰς ἀποδείξεις αὐτὰς χωρῶμεν· πάλιν, ἐπὶ τὴν εὐχὴν, τὸν λόγον τρέψαντες. πολλάκις γὰρ αὕτη τῆς εὐχῆς ἡ ἀκολουθία, παρέξει τῶν ζητουμένων ἡμῖν τὴν ἀπόδειξιν. καλῶμεν τοίνυν αὐτόν, τὸν βασιλέα τῶν βασιλευόντων, καὶ κν̄ τῶν κυριευόντων, τὸν μόνον ἔχοντα ἀθανασίαν φῶς οἰκοῦντα ἀπρόσιτον. ὃν εἶδεν л. 17 ά. ϑδεὶς ἀνων, οὐδὲ ἰδεῖν δύναται. ᾧ τιμὴ καὶ κράτος ἐις τοὺς αἰῶνας. ἀμήν. ταῦτα οὐκ ἐμά. Ἀλλὰ πάυλου τὰ ῥήματα. σὺ δέ μοι κατάμαϑε ψυχῆς εὐλάβειαν, καὶ πόϑων ἐρριζωμένον. μνησϑεὶς γὰρ τοῦ ϑῦ, ϑ πρότερον ἠνέσχετο. πρὸς τὴν ἀκολουϑίαν ἐκβῆναι τῆς διδασκαλίας, ἕως τὸ ὀφειλόμενον αὐτῶ χρέος ἀπέδωκεν ἐις δοξολογίαν. κατακλείσας τὸν λόγον. ἐι γὰρ μνήμη δυκαίου καὶ μετ' εὐφημίας, μετ' ἐγκωμίων πολλῶ μᾶλλον μνήμη ϑῦ, μετ' ἐυσεβείας ποιεῖ δὲ αὐτὸ, καὶ ἐν προοιμίοις ἐπιστολῶν. ἀρχόμενος γὰρ ἐπιστολῆς πολλάκις. ἐπειδὰν μνησϑῆ τοῦ ϑῦ, ϑ πρότερον ἐπὶ τὴν διδασκαλίαν πρόεισιν, ἕως ἂν ἀποδῶτὴν ὀφειλομένην αὐτῶ δοξολογίαν.

. Ἀκουσον οὖν γαλάταις γράφων, πῶς φησί. χάρις ὑμῖν καὶ εἰρήνη ἀπὸ ϑῦ πρ̄ς ἡμῶν, καὶ κῦ Ιῦ χῦ, τοῦ δάντος ἑαυτὸν ὑπὲρ τῶν ἁμαρτιῶν ἡμῶν ὅπως ἐξέληται ἡμᾶς ἐκ τοῦ. ἐνεστῶτος αἰῶνος πονηροῦ, κατὰ τὸ ϑέλημα τοῦ ϑῦ καὶ πρ̄ς ᾧ ἡ δόξα ἐις τοὺς αἰῶνας. ἀμήν. καὶ πάλιν ἀλλαχοῦ. τῶ δὲ βασιλεῖ τῶν αιώνων ἀφϑάρτω ἀοράτω μόνω σοφῶ ϑῶ, τιμὴ καὶ δόξα ἐις τοὺς αἰῶνας, ἀμήν. ἆρ' οὖν. ἐπὶ τοῦ πρ̄ς αὐτὸ ποιεῖ μόνον. ἐπὶ δὲ τῆ ὑιοῦ οὐχ οὕτως ἄκουσον γοῦν, β'. πῶς καὶ ἐπὶ τοῦ μονογενοῦς τὸ αὐτὸ τοῦτο πεποίηκεν, ἔιπὼν γὰρ ὅτι εὐχόμην ἀνάϑεμα εἶναι ἀπὸ τοῦ χῦ. ὑπὲρ τῶν ἀδελφῶν μου τῶν συγγενῶν μου τῶν κατὰ σάρκα, ἐπήγαγεν, ὧν ἡ ὑιοϑεσία. καὶ αἱ διαϑῆκαι, καὶ αἱ ἐπαγγελίαι. ἐξ ὧν ὁ χ̄ς τὸ κατὰ σάρκα, ὁ ὢν ἐπὶ πάντων ϑ̄ς ἐυλογητὸς, ἐις τοὺς αἰῶνας. ἀμήν. ὥσπερ γὰρ τῶ πρ̄ι οὕτω καὶ τῶ μονογενεῖ. τὴν δοξολογίαν πρότερον ἀποδοὺς, τότε ἐπὶ τὴν ἀκολουϑίαν ἦλϑε τοῦ λόγου. ἤκουσε γὰρ τοῦ χῦ λέγοντος, ἵνα πάντες τιμῶσι τὸν ὑιὸν, καϑῶς τιμῶσι τὸν πρ̄α. καὶ ἵνα μάϑητε ὅτι αὐτὴ ἡμῖν ἡ εὐχὴ παρέξει τὴν ἀπόδειξιν, φέρε αὐτὴν ἐις τὸ μέσον ἀγάγωμεν, ὁ βασιλεὺς τῶν βασιλευόντων φησὶ, καὶ κ̄ς τῶν κυριευόντων, ὁ μόνος ἔχων ἀϑανασίαν, φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον. ἐνταῦϑα. Στῆϑι καὶ ἐρώτησον τὸν αἱρετικόν. τί ποτὲ ἐστι τοῦτο. τὸ, φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον. καὶ πρόσεχε τῆ ἀκριβεία τοῦ παυλου. ϑ̄κ εἶπε, φῶς ὢν ἀπρόσιτον. ἀλλὰ φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον, ἵνα μάϑης, ὅτι. εἰ ὁ οἶκος ἀπρόσιτος, πολλῶ μᾶλλον ὁ ἐνοικῶν αὐτὸν ϑ̄ς. Ταῦτα δὲ ἔλεγεν, οὐχ' ἵνα οἶκον. καὶ τόπον, περὶ ϑν̄ ὑποστέυσης, ἀλλ' ἵνα ἐκ πολλῆς τῆς περιουσίας, τὸ ἀκατάληπτον μάϑης. ἀλλ' л. 17 об. ά. ϑδὲ φῶς οἰκῶν ἀκατάληπτον εἶπεν, ἀλλὰ ἀπρόσιτον. ὁ τῆ ἀκαταλήπτου, πολλῶ μεῖζον ἐστι. τὸ μὲν γὰρ ἀκατάληπτον λέγεται, ὅταν ἐρευνηϑὲν καὶ ζητηϑὲν, μὴ καταληφϑῆ παρὰ τῶν ζητούντων αὐτὸ, ἀπρόσιτον δὲ ἔστιν ὃ μὴ δὲ ἐρεύνης ἀνέχεται τὴν ἀρχὴν, μὴ δὲ ἐγγὺς

еже показатн мн его. вышнимъ сламъ. сѣца непостнжыма. оукрѣплаѣтеса и еще, и любопрѣтеса то видѣтн, колицемъ оубо пропастемъ вздете. колицѣ же стреминнна достонин. ижѣ бестелесны сила всѣмъ не виднма. гордащеса и глще съ ωпаствомъ видѣтн. гради оубо проуее на самаа оуказанїа понде, пауеже на мл̄твѣ слово ωбратимъ. множыцею бо самыа мл̄твы послѣдованїе подобаетъ нскомы намъ оуказанїе. нарицае оубо за цр̄а цр̄твующн, и гд̄ ѣствующн. еднаго нмущаго безсмертїе., свѣ неприступне жывущаа. егоже видѣ никтоже ѡ ѹл̄къ, нже ви (л. 21.) дѣтн можетъ, емуже ѹть и дръжава в вѣкы амннь.

Сїи не мои сѣ но павлокы гл̄н. тыже мн разсмотрн дш̄а благоговѣнньство. и стр̄а вкоренень. помань оубо б̄а. нъ прѣкѣе късхотѣ къ слѣдованїю нзыти оуунтельства дондеже длъжны емоу длъгъ ѡдл̄. къ славословїю препокон въ слово. ище бо памѣ прѣвны с похвалами, множае памл̄ бж̄їа съ благохваленїемъ. творн бо тъ в нахалѣ посланїе. нзнимал бо посланїе множицею, внегда ище помане б̄а; не прѣкѣе на оуунтельство исходнть. дондеже ѡдл̄ емѹ длъжное славословїе. слышн оубо посылал галатамъ како рѣ, блгть вл̄ и миръ ѡ б̄а ѡц̄а и гл̄ нашего їѵ хл̄. давшаго себе ω нл̄ ико да возмѣ нл̄ ѡ настощаго вѣка лѹкаваго сего. по волѣ б̄а и ѡц̄а нашего, емѹ слава в вѣкы амннь. И пакы къ нномъ цр̄ю вѣкомъ, нетлѣнномѹ и невиднмомѹ единомѹ прѡмѹ бг̄у. хт̄ и слава въ вѣкы амннь. оубо ω оцн ли се творн тоуїю. ω снѣ же нѣ тако, слышн како и ω единороднѣ се нстое створн. рѣ бо ико молнса анафема быти ѡ хл̄ ω братїахъ мон, и сроднцѣ мон по плоти. прнведе, нхже сноположенїа и завѣтн ωвѣтованїа. ѡ нихже х̄с по плоти сы нл̄ ксѣми б̄ъ. благ̄нъ в вѣкы амннь. ижеже бо ѡц̄ю тако и единородномѹ славословїе прѣкїе ѡдавъ. тогда (л. 21. об.) на послѣдованїе слова прїнде. слышл̄ бо хл̄ гл̄ща ико да вси утл̄ сна, ико утѣ ѡц̄а, и да навыкнете ико сїа нл̄ мл̄тва подл̄ оуказанїе, градн, то на средѣ прнведемъ, цр̄ь цр̄твующн реуе, и ѹ ѣствующн, еднъ нмѣан безсмртїе. къ свѣтѣ жнвын непрнступнѣ, зде станї и въспросн еретнка. уто оубо ѥ се еже къ свѣтѣ жнвы непрїступнѣ и внемлн ωпаствѣ павлокѣ. не реуе свѣ сы не прѣступенъ, но свѣ жывы не прѣступенъ. множае пл̄ нже к немъ жываи б̄ъ, сїа же гл̄аше. не ико да домъ и мѣсто ω бозѣ къзнепщюешн, но да ико ѡ многа прензащьства непостнжнмое навыкнешн. но нн̄ свѣ непостнжы мнаго мно жнвы рѣ. но непрїступенъ еже ѡ непостнжымаго мно

αὐτοῦ γενέσθαι τις δύναται. οἷον ἀκατάληπτον λέγεται. πέλαγος. εἰς ὃ καθιέντες ἑαυτοὺς οἱ κολυμβηταὶ. καὶ πρὸς πολὺ καταφερόμενοι βάθος, τὸ πέρας ἀδυνατοῦσιν εὑρεῖν. ἀπρόσιτον δὲ ἐκεῖνα λέγεται, ὃ μὴ τε τὴν ἀρχὴν ζητηθῆναι δυνατὸν, μὴ δὲ ἐρευνηθῆναι. τί πρὸς Ταῦτα ἂν εἴποις. ἀλλ' ἀνθρώποις φησὶν ἀκατάληπτον. ἢ χὶ ἀγγέλοις. οὐδὲ τοῖς ἄνω δυνάμεσι. σὺ οὖν ἄγγελος εἶ εἰπέ μοι, καὶ εἰς τὸν χορὸν τῶν ἀσωμάτων δυνάμεων τελεῖς; οὐχὶ ἄνος εἶ, καὶ τῆς αὐτῆς οὐσίας ἐμοί; ἢ καὶ τῆς φύσεως ἐπιλέλησαι, θῶμεν γὰρ, ἀπρόσιτον εἶναι ἀναις μόνον. καιτοιγε, τοῦτο οὐ πρόσκειται ἡ δὲ εἶπεν ὁ παῦλος, ἀνοις μὲν φῶς οἰκῶν ἀπρόσιτον, ἀγγέλοις δὲ οὐκ ἀπρόσιτον. πλὴν ἀλλ' ἐι βούλει, κατὰ συγχώρησιν θῶμεν. οὐχὶ καὶ αὐτὸς ἄνος εἶ; τί οὖν. εἰ καὶ ἀγγέλοις ἀπρόσιτον μὴ ἦ, τί τοῦτο πρὸς σὲ τὸν φιλονεικοῦντα, βʹ, καὶ περιεργαζόμενον καὶ λέγοντα, ἀνινη φύσει καταληπτὴν εἶναι τὴν οὐσίαν ἐκείνην ἵνα δὲ μάθης. ὅτι οὐκ ἀνοις μόνον ἀλλὰ καὶ ταῖς ἄνω δυνάμεσιν. ἐστὶν ἀπρόσιτον, ἄκουσοντι φησιν ὁ ἡσαΐας. ὅταν δὲ εἴπω τὸν ἡσαΐαν, τοῦ πνς τὴν ἀπόφασιν λέγω. προφήτης γὰρ τὰς τοῦ πνς ἐνεργείας φθέγγεται καὶ ἐγένετο τοῦ ἐνιαυτοῦ οὗ ἀπεφανεν ὀζίας ὁ βασιλεὺς, εἶδον τὸν κν καθήμενον, ἐπὶ θρόνου ὑψηλοῦ καὶ ἐπηρμένου. καὶ τὰ σεραφὶμ, εἱστήκεισαν κύλω (sic) αὐτῳ ἕξ πτέρυγες τῶ ἑνὶ, καὶ ἕξ πτέρυγες τῶ ἑνὶ καὶ ταῖς μὲν δυσὶ, κατεκάλυπτον τὰ πρόσωπα αὐτῶν. ταῖς δὲ δυσὶ, τοὺς πόδας. τίνος Ἕνεκεν εἰπὲ μοι καλύπτουσι τὰ πρόσωπα, καὶ προβάλλοντι τὰς πτέρυγας. τίνος δὲ ἕνεκεν. οὐδενὸς ἑτέρου, ἀλλ' ἢ διὰ τὸ μὴ φέρειν τὴν ἐκ τοῦ θρόνου πηδῶσαν ἀστραπὴν, καὶ τὰς μαρμαρυγὰς ἐκείνας. καίτοιγε, οὐκ αὐτὸ ἄκρατον ἐώρων τὸ φῶς. οὐ δὲ αὐτὴν ἀκραιφνῆ τὴν οὐσίαν. ἀλλὰ συγκατάβασις ἦν τὰ ὁρώμενα. τίδε ἐστὶ συγκατάβασις Ὅταν μὴ ὡς ἔστιν ὁ θς φαίνηται, ἀλλ' ὡς ὁ δυνάμενος αὐτὸν θεωρεῖν, οἷος τέ ἐστιν, οὕτως ἑαυτὸν δεικνύη. ἐπιμετρῶν. τῇ τῶν л. 18. ά. ὁρώντων ἀσθενεία τῆς ὄψεως τὴν ἐπίδειξιν. καὶ ὅτι συγκατάβασις ἦν ἐξ αὐτῶν τῶν ῥημάτων δῆλον. εἶδον. γάρ φησι τὸν κν καθήμενον. θν δὲ οὐ κάθηται. ἀσωμάτων γὰρ ὁ σχηματισμὸς οὗτος. καὶ ἐπὶ θρόνου. θν δὲ θρόνω οὐ περιείληπται. ἀπερίγραπτον γὰρ τὸ θεῖον. ἀλλ' ὅμως, οὐδὲ συγκατάβασιν ἠδυνήθησαν ἐνεγκεῖν. καίτοι πλησίον ἑστῶσαι. τὰ γὰρ σεραφὶμ εἱστήκεισαν κύκλω αὐτου. δι αὐτὸ μὲν οὖν μάλιστα τοῦτο οὐχ ἵσχυσαν ἰδεῖν, ἐπειδὴ πλησίον ἦσαν. πλησίον δὲ, οὐ τόπον φησιν, ἀλλὰ δεῖξαι βουλόμενον τὸ πνα τὸ ἅγιον. ὅτι. καίτοιγε. ἡμῶν ἐγγύτεραι οὖσαι τῇ οὐσία ἐκείνη. οὐδὲ οὕτως αὐτὴν δύνανται θεωρεῖν. δια τοῦτο φησι, καὶ τὰ σεραφὶμ εἱστήκεισαν κύκλω αὐτοῦ, οὐχὶ τόπον πάλιν αἰνιττόμενος, ἀλλὰ τῇ κατὰ τὸν τόπον ἐγγύτητι, τὸ, ἡμῶν ἐγγυτέρας ταύτας εἶναι παραδηλῶν. τὸ γὰρ ἀκατάληπτον, οὐχ οὕτως ἡμεῖς ἴσμεν, ὡς ἐκεῖναι αἱ δυνάμεις. ὅσω καθαρώτεραι καὶ διορατικώτεραι καὶ σοφώτεραι, τῆς ἀνινης εἰσὶ φύσεως. καθάπερ γὰρ τὸ τῶν ἀκτίνων ἡλιακῶν ἀπρόσιτον, οὐχ οὕτως βʹ. οἶδεν ὁ τυφλὸς. ὡς ὁ βλέπων, οὕτως καὶ τὸ τοῦ θυ ἀκατάληπτον, οὐχ' οὕτως ἡμεῖς, ἴσμεν

болши є̑ непостижимое бо гл҃тьса. ега̑ испытовано и кꙋыскано непостижено бꙋдє̑ и ѿ ищющи̑ є. непрїꙗтьно єже є̑, єже на испытанїа прїемле̑ в началѣ, ни̑ бланъ его быти кто можеть. якоко непостижимы гл҃тьса пꙋнна. в нею̑ ниспщаютъ пловцы. и въ многꙋ нꙋждꙋ глꙋбинꙋ. конца не могꙋ ѡбрѣсти. не прїꙗтьно ѡно гл҃тьса. єже ни в началѣ кꙋыскати можє̑, ни̑ испытано быти. что оубо к симъ рє̑ши. но ує (л. 22.) ловѣкомъ рє̑ непостижимо є̑ а не аггломъ ни̑ горни̑ сила̑ ты оубо агглъ ли єси рци ми и к лицꙋ бестелесны̑ слъ пребываеши. не ѵ҃ка̑ ли єси. и тога̑ сꙋщьства подобенъ мнѣ. или и єство забылъ єси. положы̑ бо непрїꙗтьно быти ѵ҃ко̑ тоуїю. та̑ и сїе и не прилѣжы̑. ни̑ рє̑ павелъ ѵ҃ко̑ оубо скѣжывы не престꙋпенъ (sic). агг҃ло̑ же не не престꙋпенъ (sic). ѡбаче аще хощеши по прошенїю положы̑. и не сам ли ѵ҃къ єси что оубо, аще и агг҃ло̑ непристьпно є̑. єда что се к тѣкѣ любо и праѡмоуса. и испытающомꙋ и гл҃ющю ѵ҃лꙋкомꙋ є̑ствꙋ. постижымꙋ быти сꙋщьствꙋ ѡномꙋ, и да навыкнеши яко не ѵ҃ко̑ тоуїю. но и горни̑ силамь є̑ не прїꙗтьненъ. слыши что рє̑ исаиа его̑ рекоу исаню. дх҃а ѿвѣщанїа гл҃а. прр҃къ бо съ дх҃овны̑ дѣностїемъ гл҃а.

И бы̑ в лѣ̑ в нѣже оумре̑ ѡзїя цр҃ь. видѣ̑ г҃а сѣдаща на прт҃лѣ высоцѣ и прекозносенѣ. и серафими стоахоу окр҃тъ его. шесть крилъ єдиномꙋ. и шесть крилъ дрꙋгомꙋ, и двѣма оубо покрываахꙋ лица своа. двѣма̑ нозѣ. ѵ҃есо ра̑ рци ми покрываютъ лица, и прѣлагаютъ крилѣ. сего ра̑ иного, развѣ за єже не трънѣти ѩже ѿ прт҃ла сїающа молнїа и зара ѡны. та̑ не самы и нерастворенъ зракъ скѣтъ. ни̑ самое ѵ҃тое сщьство. но исхожденїа зримаа бахꙋ. (л. 22. об.) что̑ є̑ схоже нїе. ега̑ не яко̑ є̑ бъ якажетъ. но яко̑ могы того зрѣти. мощенъ є̑ сице себе показꙋеть. оумѣрма зрящи̑ немощи зрѣнїа показанїе. и яко схожденїе бѣ ѿ самѣ̑ г҃ъ яже є̑. видѣ̑ бо рє̑ га̑ сѣдаща. бъ же не сѣди. телесное є̑ въѡображенїе се. и на прт҃лѣ бъ же прт҃ло̑ не обїемлется. не ѡписано бо є̑ бжтво. но ѡба̑ ни̑ схоженїе възмогоша понести. та̑ и бланъ стоаше. серафими бо рє̑ стоахꙋ окр҃тъ его. за емоє̑ оубо паче сїе не възмогоша видѣти, поне̑ бланъ бѣхꙋ, бланъ же не мѣсто̑ реуено показати хотя дх҃ъ стыи. яко та̑ и ѿ на̑ бланжанше сщье сщьствꙋ ѡномꙋ. ни̑ сице то могꙋ зрѣти. сего ра̑ рє̑, и серафими стоахꙋ окр҃тъ его. не мѣсто пакы ни знамениа. но по мѣстномꙋ прибланженїю. єже ѿ на̑ бланжаши̑ быти сѝ поведаа. не постижимое бо не сице имыи съвѣмы яко̑ ѡны силы. єлика ѵ҃тѣша и прмр҃ѣша. и прозорливѣша ѵ҃лꙋкаго сѝ ѣтьства яко̑ бо лоꙋчен сна̑ны̑ не престꙋпное. не сице кѣсть слѣпы яко̑ зран. тако и бжїе непостижимое. не сице имы скѣмы яко̑ ѡни єлико бо слѣпаго и зрящаго посре̑неє. толико наше и ѡ

ὡς ἐκεῖνοι. ὅσον γὰρ τυφλοῦ καὶ βλέποντος τὸ μέσον, τοσοῦτον· ἡμῶν κἀκείνων τὸ διάφορον. ὥστε. κἂν τοῦ προφήτου λέγοντος ἀκούσῃς. εἶδον τὸν κν̄ καθήμενον, μὴ τοῦτο ὑποπτεύσῃς. ὅτι τὴν οὐσίαν εἶδεν ἐκείνην ἀλλ' αὐτὴν τὴν συγκατάβασιν. καὶ ταύτην δὲ ἀμυδρότερον, ἥπερ αἱ ἄνω δυνάμεις τοσοῦτον γὰρ ἰδεῖν οὐκ ἂν ἴσχυσεν, ὅσον τὰ χερουβίμ. καΐ τί λέγω περὶ τῆς μακαρίας οὐσίας ἐκείνης ὅπου γε, οὐδὲ ἀγγέλου οὐσίαν, δυνατὸν ἀνω μετὰ ἀδείας ἰδεῖν. καὶ ἵνα μάθητε ὅτι τοῦτο ἐστὶν ἀληθεὶς ἄνον εἰς μεσόν παράγω, φίλον θῦ. παρρησίαν ἔχοντα πολλὴν. ἐπὶ σοφία καὶ δικαιοσύνη, καὶ ἐπὶ πολλοῖς ἑτέρους μαρτυρηθέντα κατορθώμασι. τὸν ἅγιον λέγω δανιήλ. ἵνα ὅταν ὑποδείξω ἐξασθενοῦντα. καὶ διαλυόμενον ἐκ τῆς τοῦ ἀγγέλου παρουσίας, μηδεὶς δὶ ἁμαρτήματα. καὶ πονηρὸν συνειδὸς, τοῦτο αὐτὸν πεπονθέναι μίζῃ. ἀλλὰ δειχθείσης τῆς κατὰ τὴν ψυχὴν αὐτοῦ παρρησίας, ἡ τῆς φύσεως ἀσθένεια. σαφῶς διελεγηται.

нн̄ разлучїе. тѣмже аще и прр̄ка оуслышишн гл̄ша. кндѣ г̄а сѣдяща. да не се (л. 23.) къзнепщюешн. ако свщьство кндѣ ѡно, но схоженїе, и сїе не мавленнѣше ако̑ горнма силы. толико бо кндѣти небы възмогль ако̑ херѵвнмн. и ѵто гл̄ю ѡ блж̄нѣмъ свщьствѣ ѡно̑. ндѣже нн̄ агг̄локо свщьство мощно е̑ ѵл̄кѣ съ скободою кндѣтн. и да навыкнете ако се е̑ истнино ѵл̄ка въ средѣ прнкода бж̄їа дрѣга дрѣзновенїа нмѣцн многа, ѡ прн̄тн и правдѣ. и ѿ многы̑ нны̑ скндѣтельствованна неправленнѣ. сто̄го даннла г̄лю ако да ег̄а покажю его нзнемагающа, разслабленна и растерзаема ѿ агг̄лова пришествїа. да никто̑ ра̑ съгрѣшенїн и лвкавы съвѣстн. се того пострадатн непщюеть. но показавшюся а̑ по дш̄н его дрѣзновенїе нже е̑ стка немощь ѡкв ѡбланаеть.

κατὰ τὴν ψυχὴν αὐτοῦ παρρησίας, ἡ τῆς φύσεως ἀσθένεια. σαφῶς διελεγηται.

Чтеніе и объясненіе снимка.

φυλ. 20. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντίνου πόλεως. του χρυσοστόμου. περὶ ἀκαταλήπτου, ἀπόντος τοῦ ἐπισκόπου. λόγος. α̅. πάτερ. εὐλόγησον...

Τι τοῦτο. ὁ ποιμὴν οὐ παρέστη. καὶ τὰ θρέμματα, μετὰ πάσης τῆς εὐταξίας ἕστηκε. τοῦ ποιμένος. καὶ τοῦτο τὸ κατόρθωμα. τὸ μὴ μόνον παρόντος, ἀλλὰ καὶ ἀπόντος, πᾶσαν ἐπιδείκνυσθαι σπουδὴν τὰ ποίμνια. ἐπὶ μὲν γὰρ τῶν ἀλόγων, ὅταν ὁ πρὸς τὴν νομὴν ἐξάγων μὴ παρῇ, μένειν εισω τῶν σηκῶν, ἀνάγκη τὰ πρόβατα.

φυλ. 529 β. Ἐγράφη ἐν ἔτει ,ϛϡπϛ. (1345 г.) παρὰ σάβα εὐτελοῦς.

φυλ. 36 об. а. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ἀκαταλήπτου. ἐρρήθη ἐν καινῇ πρὸς ἀνομίους. Εὐλόγησον Πάτερ...

Μίαν ὑμῖν διελέχθην ἡμέραν. καὶ ἀπὸ τῆς ἡμέρας ἐκείνης οὕτως ὑμᾶς ἐφίλησα, ὡς ἐξ ἀρχῆς καὶ ἐκ πρώτης ὑμῖν συντραφεὶς. οὕτως ὑμῶν συνεδέθην τοῖς τῆς ἀγάπης δέσμοῖς, ὡς χρόνον ἄφατον τῆς ἡδίστης ὑμῶν ἀπολάυσας συνουσίας. τοῦτο δὲ γέγονεν, οὐκ ἐπειδὴ φιλικος.

Заставка, заглавныя фигурныя буквы. Скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: μελλούσης, λόγου. ἀμήν:—

Сокращенія и слова съ титлами: ὑμεῖς καὶ ἀμην. πεντηκοστον Κύριος θεός.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ταγμάτων ἁγίω. ἀξίας. ε., μετὰ γίνεται. ν., μονον. σ., παραινέσεως. τ., μετώπου.

Союзъ: ἂν съ дыханіемъ и двумя тяжелыми ударенiями. Цифра: кн̄. означающая помѣту тетрадей.

XII. Лавсаикъ съ Патериками,

Находится въ Московской Сунодальной Библіотекѣ подъ № 165-мъ.

Длина бумаги	$6\frac{3}{4}$ в.
Ширина.	$4\frac{1}{8}$ „
Къ корешку.	$\frac{1}{2}$ „
Къ правой сторонѣ	$1\frac{1}{4}$ „
Къ верху	$\frac{5}{8}$ „
Къ низу.	$1\frac{1}{4}$ „

Бумага лощеная. Бумажнаго знака близъ корешка видѣнъ кругъ, а съ другой стороны крестъ. Писано скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 159. листахъ.

Заставки раскрашены зеленою, синею, желтою, черною и малиновою красками. Заглавныя буквы довольно фигурныя писаны коричневою краскою, а мѣстами розоватою. Колеръ чернилъ черный, а

мѣстами темносѣрый. Помѣта тетрадей на 10-мъ листѣ написана вверху страницы: β΄. по срединѣ; но на многихъ тетрадяхъ урѣзана. Число строкъ на страницѣ 32. Вверху 2-го листа подписано: τοῦ βατοπαιδίου.

Лавсаикъ оканчивается на 72-мъ листѣ.

л. 72 — 103 об. Βίος ἀββᾶ ιωάννου τοῦ ἐν λυκῶ... ἀρχὴ τοῦ πατερικοῦ.

Πρώτην οὖν θῦ θελόντος, ἀρχὴν ποιήσομαι ὑφηγήσεως. τὴν τῶν ἁγίων μεγάλων πρῶν πολιτείαν εκδιηγούμενος...

Въ концѣ сего патерика замѣчено: ἕως ὧδε ἡ καταίγυπτον μοναχῶν ἱστορια.

л. 104—110. Βίος ἄββὰ παύλου τοῦ θηβαίου, εἰς τὴν ἔρημον. Начало: Ἐν πολλοῖς πολλάκις. ζήτησις ἐκινεῖτο παράτινος.

л. 110 — 132. Πατερικὸν ἡ λεγομένη παράδεισος: Διηγήματα καὶ νουθεσίαι πατέρων ὁσίων περὶ κατανύξεως. Начало: Διηγήσαντο ἡμῖν τινες ἀδελφοὶ. παραβάλουσιν ημῖν εἰς ραῖθοῦ.

л. 132 — 135 об. Περὶ ἀββᾶ μακαρίου τοῦ πολιτιτικοῦ. Начало; Τοῦ βασιλέως τῶν αἰώνων πλουσίω χαριζομενου τοῖς ἀξίοις τῶν αὐτοῦ ἀγαθῶν εἰς ἔπαινον και δόξαν τοῦ αὐτοῦ.

л. 145 об. — 148 Τοῦ ὁσίου πατρὸς ἀθανασίου σύγγραμμα διδασκαλίας πρὸς μονάζοντας καὶ πάντας χριστιανοὺς κληρικους τε καὶ λαϊκους. Начало: Ἔστιν ὁ βίος τῶν υἱῶν τῆς καθολικῆς ἐκκλησίας.

л. 148 об. — 153. Τὰ τῶν προφητῶν ὀνόματα . καὶ ποῦ ἀπέθανον καὶ ποῦ κεῖνται. Начало: Ἡσαΐας ἦν ἀπὸ ἱλῆμ...

л. 153 — 156 об. Σύγγραμμα ἐκκλησιαστηκὸν περὶ τῶν ο̄ μαθητῶν τοῦ κῦ. δωροθέου ἐπίσκόπου τύρου ἀρχαίου ἀνδρὸς πλευματοφόρου καὶ μάρτυρος γεγονότος. ἐν τοῖς καιροῖς λικινίου καὶ Κονσταντίνου τῶν βασιλέων. Начало: Οὗ ὁ προλεχθεις ἀοίδημος ἀνὴρ. καὶ συγγράματα καταλέλοιπεν ρωμαϊκα. τε καὶ ἑλληνικᾶ.

л. 156 об. и 157. Пасхальный кругъ начинающійся 1345 годомъ, оканчивается 1380 г.

На листѣ 158-мъ до конца книги написано чье-то поученіе начинающееся такъ: Πολλάκις μὲν παροτρύνας εὐλογημένον τέκνον διαγραφῆς δηλωσε σοι τί πράττειν.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ. [4]).

л. 48. об. Λέγει αὐτῶ ἡ μακαρία μελανίων. οὐκ ἀρέσκει μοι υἱὲ ἡ σῆ μακρονοσία. εἰπὲ οὖν μοι τὰ ἐν τῆ διανοία σου. οὐκ ἔστιν γὰρ ἀθεία αὕτη σου ἡ νόσσος. ὡμολόγησεν οὖν αὐτῆ τὸ κατὰ Κονσταντινούπολιν πράγμα συμβᾶν. λέγει αὐτῶ ἡ μακαρίτης. δός μοι λόγον ἐπὶ κῦ. ὅτι ἔχει τοῦ σκοποῦ. τοῦ εἰς τὸν μονῆρι βίον. καὶ εἰ ἁμαρτωλος εἰμι. προσεύχομαι πρὸς κν̄. ἵνα σοι δοθῆ καιρὸς καμάτου [1]) καὶ προθεσμία ζωῆς. ὁ δὲ συνέθετο. εὐξαμένης δὲ αὐτῆς. ἐντὸς ὀλόγων ἡμερῶν ὑγίανεν. καὶ ἀναστὰς παῤ αὐτῆς ἐκείνης. μετημφιάσθη. καὶ ἐξέρχεται ἐκδημήσας εἰς τὸ ὄρος τῆς νιτρίας τῶ ἐν αιγύπτω ἐν ᾧ οἰκήσας δεύτερον ἔτος. τῶ τρίτω εἰσβάλει εἰς τὴν ἔρημον. ζήσας οὖν δεκατεσσαρα ἔτη ἐν τοῖς λεγομένοις κελλίοις. ἤσθιεν μὲν ἄρτου λίτραν τὴν ἡμέραν. ἐν τριμηναίω δὲ χρόνω ξέστην [2]) ἐλαίου. ἀνὴρ ἀπὸ ἀβρώτου καὶ τρυφηλοῦ βιου καὶ ὑγροτάτου ηγμένος. ἐποίει δὲ εὐχὰς ἑκατόν. γράφων τοῦ ἔτους τὴν τιμὴν μόνον ὢν ἤσθιεν. εὐφυῶς γὰρ ἔγραφεν τὸ ξύρυγχον χαρακτήρα. [3]) ἐντὸς οὖν πέντε καὶ δέκα ἐτῶν.

л. 118. **Гл҃ѣтъ блаженам меланїа. не вгождаетъ мнѣ сн҃е твое долгоболѣзнїе. рцы вко мнѣ къ мысли твоей не есть бо истинною сен недугъ. испокѣда оубѡ тѣй еже къ константинѹполи емѹ славѹвшееся. гл҃ѣтъ емѹ блаженнам. даждь ми слово пр҃е гд҃ем мкѡ имаши мысли сеа къ монашескомъ житїи, и, аще и грѣшна есмь, помолюся ко гд҃ѹ. да дастся тебѣ врема комат҃(а) и приложенїе жизни. онъ же (ѡкѣщася) съложися помолившеся же тѣи. къпѹтръ малыхъ дней здракъ бы҃ (ѡздракѣ) и костакъ, ѡ҃ самыа оныа ѡдѣяни монашескимъ образомъ, и исходитъ изшедъ въ горѹ нїтрїискѹю сѣдѧю ко египтѣ, въ неньже ѡбитакъ второе лѣто, въ третїемъ входѣ въ пѹстыню. живъ вко ѹетыренадесѧ҃ лѣтъ въ гл҃емыхъ келїахъ, ида вко хлѣба литрѹ на дн҃ь. въ тремѣсѹнѣмъ же времени ѯестнъ елеа. мѹжь ѡ҃ маснопищнагѡ, и сластнаго житїа и влажнѣйшагѡ приведенъ. твораше же м҃тѹкы сто. пишїан на лѣто цѣнѹ токмѡ иже ида-ше. хитрѣ бо писаше скорѡ характира. внѹтрь оубѡ пятнадесѧтн лѣтъ.

---

[1]) commeatus. [2]) ξέστην sextarium **шестакъ мѣра** [3]) eleganter. οξύρυγχον celerem.

[4]) Славянскій переводъ изъ Лавсаика XVII в. № 549. Сун. Библ.

Καθαρεύσας τὸν νοῦν. κατηξιώθη χαρίσματος γνώσεως καὶ σοφίας καὶ κρισεως πν̄ων. συνττάτει οὖν οὗτος τρία βιβλία ἱερὰ μοναχῶν ἀντιρητικῶν οὕτω καλούμενα. τὰς πρὸς τοὺς δαίμονας ὑποθέμενος τέχνας. τούτῳ ὤχλησεν ποτε л. 49. ἐις βάρος ὁ τῆς πορνείας δαίμον ὡς αὐτὸς ἡμῖν διηγεῖτο. καὶ διὰ πάσης νυκτὸς. γυμνὸς ἔστη ἐν τῷ φρέατι χειρῶνος ὄντως. ὡς παγῆναι αὐτοῦ τὰς σάρκας. ἄλλος τε πάλιν ὤχλησεν αὐτῷ πν̄α βλασφημίας. καὶ ἐν τεσσαράκοντα ἡμέραις ὑπὸ στέγην οὐκ εἰσῆλθεν. ὡς καὶ τὸ σῶμα αὐτοῦ καθάπερ τῶν ἀγρίων ζώων, κρώτονας ἐκβρᾶσαι. τούτῳ τρεῖς ὑπείστησαν ἐν ἡμέρα δαίμονες ἐν σχήματιν κληρικῶν. περὶ πίστεως συζητοῦντες αὐτὸν. καὶ ὁ μὲν ἔλεγεν ἑαυτὸν ἀρειανὸν. ὁ δὲ εὐνομιανὸν. ὁ δὲ ἀπολιναριανόν. καὶ τούτων περὶ ἐγένετο διαβραχέων τῇ πν̄ικῇ σοφία. πάλιν μιᾶς τῶν ἡμερῶν τῆς κλειδὸς ἀπολλιομένης τῆς ἐκκλησίας. σφραγίσας τὸ πρόσωπον τοῦ ἡλωταρίου καὶ τῇ χειρειώσας. ἤνοιξεν ἐπικαλεσάμενος τὸν χ̄ν̄. τοσάυτα δὲ ἐμαστηγώθη οὗτος ὑπὸ δαιμόνων καὶ τοσούτον ἔλαβεν. πείραν δαιμόνων ποικίλων. ὡς μὴ ραδίως τούτους ἀριθμηθῆναι. ἑνὶ δὲ τῶν μαθητῶν ἑαυτοῦ. τὰ μετὰ δεκα ὀκτῶ ἔτη σημβησόμενα τούτω. προ εἶπεν πάντά κατείδος προφητέυσας αὐτῷ. ἔλεγεν δὲ ὁ μακάριος οὗτος. ὅτι ἀφ' οὗ κατέλαβον τὴν ἔρημον. οὐ θρῃ δακίου ἠψάμην. οὐ λεπτολαχάνου. οὐ χωροῦ τινός. οὐχ ὁ πώρας. οὐ σταφυλῆς οὐ λουτρ̄ν̄. οὐ κρέως. οὐκ ἄρτου. οὐχ οἴνου. οὐδόλως τινὸς τῶν δια πυρὸς διερχομένων, πλὴν ῥητῶν λαχάνων ωμῶν. καὶ ἐμμέτρου ὕδατος. ἐις εἴστερον δὲ τὸ ἕξ καὶ δεκάτω ἔτει τῆς πολιτειας τῆς ἄνευ πυρὸς ἐψέματος. λοιπὸν χρείας ἐχούσης αὐτοῦ τῆς σαρκος διὰ τὴν ἀσθένειαν καὶ τὴν τοῦ στομαχοῦ ἀνομαλίαν. τοῦ μεταλαμβάνειν δια πυρός. ἄρτου μὲν ἥτατο οὐκ ἔστι δὲ λαχάνων μεταλαβεῖν ἐψιμένων. ἀθληπτησάνης ἢ ὀσπρίων ἐπὶ δύο ἔτη ἐν τούτοις τελευτὰ τὸ σῶμα ὁ μακάριος. τὴν ψυχὴν ζωποιήσας τῷ ἁγίω πν̄ι. κοινωνήσας εἰς τὰ επιφάνεια ἐν τῇ ἐκκλησία. ἀφηγεῖτο οὖν ἡμῖν ὁ γενναῖος τοῦ χ̄ῡ ἀθλητῆς περὶ τὸν θάνατον. ὅτι τρίτον ἔτος ἔχω. ἀφ' οὗ ουκ ἔτι ὀχλήθην ὑπὸ ἐπιθυμίας σαρκικῆς. μετὰ τοσοῦτον ἀρετῆς βίον καὶ ἀσκήσεως. καὶ πόνον ἄμετρον. καὶ κόπον ἀκαμπέστατον. καὶ προσευχὴν ἥφησας ἀδιάλειπτον. καὶ ἐπὶ τοσούτον ὁ μισόκαλος καὶ διεφθαρμενος. δαίμον. τούτῳ τῷ ὁσιω ἐπέθετο. τί τοίνυν л. 49 об. πάσχει τοὺς ραθυμοτέρους οἰόμεθα ὑπὸ τοῦ μυσαροῦ δαίμονος. ἢ ὑπὸ τῆς αὐτοῦ ἀμελείας. ἐμηνύθη τῷ ἁγίω τούτω. ποτέ ἡ τελευτὴ τοῦ ἑαυτοῦ πρ̄ς. καὶ λέγει τῷ ἀναγγείλαντι. παῦσαι βλασφημῶν. ὁ γὰρ ἐμὸς πῆρ ἀθάνατος ἐστι. ἕως ἐνταῦθα ὁ ἄκρος βίος τῆς εναρέτου πολιτείας τοῦ ἀοιδήμου εὐαγρίου.

sт̄. Πιώρ τὶς ὀνόματι. τὸ γένος αἰγύπτιος. νέος τῇ ἡλικία, ἀποταξάμενος ἐξῆλθε τοῦ οἴκου τοῦ πρ̄ικοῦ. καὶ δι' ὑπερβολὴν ἔρωτος πν̄ικοῦ. καὶ λόγον ἔδωκε τῷ θ̄ῳ. μηκέτι τινὰ ἰδεῖν τῶν ἰδίων. μετὰ οὖν πεντήκοντα ἔτη ἡ τούτου ἀδελφῆ γυράσασα. καὶ μαθοῦσα παρά τινος ὅτι ὁ ἀδελφὸς αὐτῆς ζῇ. ἐις ἐκστασιν ἤρχετο γληγομένη τὴν τούτου θέαν. ἐλθεῖν δὲ μὴ δυναμένη ἐν τῇ πανερήμω. ἱκέτευσε τὸν κατὰ τόπον ἐπίσκοπον γράψαι τοῖς ἁγίοις πατράσιν τοῖς ἐν ερήμω. ἵνα αὐτὸν ἀποστείλωσιν καὶ ἴδῃ αὐτὸν. βίας οὖν αὐτῷ πολλῆς περιτεθήσεις. ὑπακούσας τῶν πρ̄ων. ἔδοξεν ἄλλον ἕνα συμπαραλμάνειν καὶ ἀπελθεῖν. καὶ γενόμενος ἐν τῇ οἰκία τῆς ἀδελφῆς. ἐσίμανεν διάτινος. ὁ πίωρ ἀδελφός σου παρεγένετο καὶ ἔξω ἕστηκεν. αἰσθόμενος δὲ τοῦ ψώφου τῆς θύρας. ὅτι εἰς συνάρτησιν αὐτοῦ ἐξέρχεται ἡ ἀδελφῆ. καμύσας ὁ πίωρ τοὺς ὀφθαλμοὺς ἐβόησεν πρὸς αὐτὴν ἀδελφὴ ἡ δύνα. ἐγὼ ἰμι πίωρ ὁ ἀδελφός σου. ἐγὼ ἰμι. ἴδε βλέπε με ὅσον θέλεις. πληροφορηθεῖσα οὖν ἐκείνη. ἐδόξασεν τὸν θ̄ν̄. καὶ πολλὰ ποιήσασα. οὐκ ἔπεισεν εἰσελθεῖν εἰς τὸν οἶκον. ἀλευχὴν ποιήσας ἐπὶ τῆς φιλιὰς ἀπεδήμησεν πάλιν εἰς τὴν ἔρημον τὴν ἰδίαν πατρίδα. ἐκεῖ κατορθῶν τὴν τηρῶν ἀσκήσεως ἀρετὴν. φέρεται δὲ τοῦ ἁγίου τούτου καὶ τὸ τῆς ὑπομονῆς θαῦμα. εἰς γὰρ τὸν τόπον ὅν ὤκησεν ὀρήξας φρέαρ. εὗρεν ὕδωρ πικρώτατον. καὶ μεχρισότου ἐτελεύτησεν. ἐκεῖ σε παρέμεινεν. στοιχήσας ἐν ἐκείνω τῷ πικροτάτω ὕδατι. ἵνα δειχθῇ τοῦ γεναίου τούτου καὶ ἀθλητοῦ τοῦ χ̄ῡ ἡ ὑπομονῆ καὶ ἡ ἀκροτάτη πίστις. πολλοὶ οὖν τῶν μοναχῶν δοκιμώτατοι ἄνδρες. μετὰ τὸν θάνατον τοῦ ἀθανάτου φιλονικήσαντες μεῖναι ἐν τῇ κέλλη ἐκείνη ἐνιαυτὸν ὅλον οὐκίσχυσε ἐκτελέσαι. ἔστιν γὰρ καὶ ὑπερβολὴν καὶ τὸ ὕδωρ πικρὸν καὶ σφόδρα φοβερὸς ὁ τόπος. καὶ παντάπασιν ἀπαράκλητος.

л. 50. уѣ. Μωϋσῆς ὁ λίβης. ἀνὴρ πραΰτατος λίαν ἀγαπητικώτατος. οὗτος κατηξιώθη χαρίσματος ἰαμάτων. αὐτός μοι ἀφηγήσατο. ὅτι ἐν τῷ μοναστηρίω ἤμην νέος καὶ φρέαρ ὠρύσαμεν μέγιστον εἴκοσι ποδῶν πλάτος. ἐν τούτο τρεῖς ἡμέρας ἐκχοήσαντες ἄνδρες ὀγδοήκοντα. καὶ τὴν συνήθη καὶ ὕποπτον φλέβα παρελθόντες ὡς πήχην. ἕνα οὐχ εὕραμεν ὕδωρ πάνυ οὖν ἀπολυπηθέντες. ἐσκεπτάμεθα ἀναχωρῆσαι τοῦ ἔργου. καὶ ἐν τῷ σκεπτεσθε ἡμᾶς τοῦτο ἐπιστὰς ἡμῖν ὁ μακάριος πίωρ ἐκ τῆς πανερήμω ἐν αὐτῇ τῇ μεσημβρία τοῦ καματος ἐκφλεγόμενος γερων ἄνος. περιβεβλημένος τὴν μηλωτὴν. καὶ ἀσπασάμενος ἡμᾶς. λέγει μετὰ τὸν ἀσπασμὸν πρὸν ἡμᾶς. τί ἐμικροψυχήσατε ὀλιγόπιστοι. ἑωρακα γὲ ὑμᾶς ἀποχθὲς ὀλιγοψυχήσαντας. καὶ τοῦτο ἐιπὼν. κατῆλθεν τῇ κλίμακι ἐις τὸ ὄρυγμα τοῦ φρέατος. καὶ κατελθὼν ποιεῖ εὐχὴν σὺν πᾶσι τοῖς κατελθοῦσιν αὐτῷ ἐι τὸ ὄρυγμα. καὶ λαβὼν τὸν ὄρυγα καὶ κατενεγκὼν τρίτην εἶπεν. ὁ θ̄ς̄ τῶν ἁγίων πατριαρχῶν. μὴ ἀχρειώσῃς τὸν τόπον τῶν δούλων σου. ἀλλὰ ἀπόστειλον αὐτοῖς τὴν τῶν ὑδάτων χρείαν. καὶ παραχρῆμα. ἐξεπήδησεν ὕδωρ ὡραντισθῆναι πόντας ἡμᾶς. πάλιν οὖν προσευξάμενος. καὶ τὸν θ̄ν̄ δοξασας ἐπὶ τῇ τοσαύτη αὐτοῦ παροχῇ. ὤχετο. ἀναγκαζόντων οὖν αὐτῶν ἵνα σφαγῇ ἐκεῖ συναυτοῖς.

οὐκ ηνεσχετο. ἐιπὼν. δι ὃ ἀπεστάλην ἡσθη. διεκεῖνο δὲ οὐκ ἀπεστάλη. ταῦτα τὰ παραδοξα πιωρ τοῦ γενναιου στύλου τῆς ὑπομονῆς. καὶ τοῦ τούτο τέλος τῆς ἐκείνου ἀρετῆς. ἀντὶ τῆς πικρᾶς πηγῆς αἰώνιον νάμα γλυκύτητος. μετὰ μεγάλης πνευματικῆς χαρᾶς ἀπολάυω δια παντός.

л. 133 об. [1]). Гέρων τίσ διηγήσατο περὶ τοῦ ἀββᾶ μακαρίου τοῦ πολιτικῆ. ὅτι περὶ τὸν ἀρσενοητην. ἐκαθέζετο τις μονάζων ἐπὶ ἔτι πολλὰ. τὸν ἅγιον ἀσκήσας βίον. ὦ πνα πύθωνος προσεπέλασεν κενοδόξω, περὶ τὴν ὄντι διὰ τὴν ὑπερηφάνειαν καὶ κουφώτητα. καὶ πρῶτον μεν πλανὰ αὐτὸν. ἀπὸ τῆς ἀληθοὺς πίστεως. καὶ εἰσάγει τὸν εἰς τὸ φρόνημα τῶν λεγομένων ἱερακιμιτῶν. οἵτινες λέγουσιν. μήτε τὸν σρα ανῖνον ἀνήλειφέναι σῶμα. μήτε ἐγείρεσθαι τὸ л. 134. ἡμέτερον σῶμα ὅ περικείμεθα καὶ ὅτι τρεῖς ἰσὶν ἀρχαὶ. θς. καὶ ὕλη καὶ κακία. ἐξ ὧν κατασκευάζεται. μήτε ἐνηνθροπικέναι τὸν θν λόγον καὶ τέλειον ἀνηλειφέναι ἄνον. μη τε· μὴν σώζεσθαι· τὸ εἶναι τῶν πάντων αἴτιον οὗτος δὲ διὰστραφεὶς. ἀποσπᾶ ψυχὰς πεντακοσίας. ἴσχυσε δὲ διὰ τὸ λέγειν πολλὰ πολλοῖς. καὶ ἀπωλείας εὑρεσεις. καὶ ἀποβολὰς θανάτου ἐν διαφόροις τρόποις. ἀλλὰ καὶ δαιμόνια. φησιν ἐξέβαλλεν κατὰ ἐν ἐυαγγελίω ἐιρημένον. ὅτι δώσουσιν σημεία καὶ τέρατα. ὥσται ἐι δυνατὸν. πλανῆσαι καὶ τοὺς εκλεκτους. σφοδρα γάρ, τὰ ἀρχοντικὰ δαιμόνια περὶ ταῦτα ἰσχύει. τὰ αὐτα ἐκεῖνα δῆθεν καταργεῖν πάνυ γὰρ συμφονοῦσιν ἐπαπωλεία ψυχῶν. ὁ οὖν τοῦ τόπου ἐπίσκοπος. μετὰ τοῦ κλήρου παραγίνεται πρὸς τὸν δοῦλον τοῦ θυ μακάριον. ἀξιῶντος. τὴν γειτονίαν ἡμῶν καθάρωμεν. πάντες αὐτῶ πρόκεινται. καὶ εὐχερῶς περὶ τὰ φαινόμενα τῇ πλάνῃ ὑπαγώμενοι ἀπώλυνται. ὁ δὲ πρὸς αὐτὸν ἔφη. καὶ ἰδὲ ἔρχομαι, ἰδιώτης ἄνος τί αὐτῶ ποιήσω. ὁ δὲ ἐπίσκοπος ἐπέμενεν ἀξιὼν καὶ λέγων. ὅτι οὕτως πιστεύω. ὅτι ἐὰν ἐλθῆς. ὁ θς ἐιρηνέυει τὴν ἐκκλησίαν αὐτοῦ. πολλάκις γὰρ πρόθεμενος ἐλθεῖν. ἐκωλύθη ὑπὸ τοῦ κλήρου ὡς καταγελόμενος ὑπὸ τῶν κοσμικῶν. νῦν οὖν μὴ φέρων τὴν ἀπώλειαν τοῦ λαοῦ. ἄλλως δὲ καὶ τὸ ἔγκλημα φοβούμενος τοῦ θυ λέγοντος. ὅτι τῶ αἷμα αὐτῶν ἐκζητήσω. ἐκ τῆς χειρὸς ἡμῶν. ἦλθον πρὸς σὲ πέμψαντος με τοῦ θῦ. ὁ δὲ ἀναστὰς ἠκολούθησεν αὐτῶ. καὶ ἔρχονται ἕως ἐκείνου τοῦ πλάνου. καὶ ὁρᾶ αὐτόν καὶ λέγει τῶ ἐπισκόπω. οὗτος πνα ἔχει ἀρχοντικὸν. καὶ ἵνα οἶδας. ὅτι ἐμὸν ἔργον τοῦτο οὐκ ἔστιν. οὔτε γὰρ πρὸς ταῦτα τὰ πνατα ὅλως ἐπάλαισα. διὸ γὰρ τάγματα λέγουσιν οἱ ἅγιοι εἶναι δαιμόνων. ἓν τὸ τὰς ἡδονὰς ἐμβάλλων τῶ σωματι. καὶ ἕν τὸ τὰς ψυχικὰς ἐμποιοῦν πλάνας. ὅ καὶ σφόδρα ἐστὶν δυσὐπότακτον. ταῦτα γὰρ ἀφονίζει ὁ σατανὰς. τοῖς γόησι καὶ τοῖς πλάνοις. καὶ αἱρεσιάρχαις. καὶ φαρμάκοις καὶ μάντεσι. καὶ εἴτι τοιοῦτον. λέγει ἐπίσκοπος καὶ τί ποιήσομεν. λέγει ὁ γέρων. εὐχῶν χρεία ἐκ βάθους. λόγος γὰρ οὐκ ισχύει κελεύουσιν οὖν αὐτὸν ἐξελθεῖν. ὁ δὲ ἐξέρχεται πρὸς αὐτοὺς καὶ παραχρῆμα δέχεται αὐτὸν ὁ ἐπίσκοπος χείλεσι. καὶ λέγει αὐτὸν. πῶς τοσοῦτον χρονον.

л. 131 об.—134. **Старець нѣкыи повѣда намъ о ѡц҃ѣ макарїи гл҃м. ико в мѣстѣ рече нѣкоемь гл҃емѣмь арсенонтъ жительствовашє нѣкыи иноκъ многы лѣты. жєстокынмь и постническымъ житїемь прєбывал. єгоже прельсти дх҃ъ пифонъскын тщеславнаго ради житїа єго и гордости и прьвѣє оубо прельсти єго ѡ истинныꙗ вѣры ѡ п а с т н. и введе єго в моудрованїє вѣровати єресн гл҃емѣи. нераките. иже гл҃ють ико непрїатъ сп҃съ улъ҃ское тѣло. инже воскресноутн телесемь нашимь. на въскр҃нїє. и ико три сѫ начала бг҃ь и сл҃нце, и злоба. и ѡ сн҃, вся сътворена бышл. с н ц є о у б о о к а а н н ы н т о п о п л ъ ҳ н о у к с а и ѡ братн въ слѣдъ себє ико двѣстѣ дш҃ь. за єже прр҃ъ стковатн емѹ ложнал. и прогл҃атн нѣкынмъ нѣкал. . . . . многажды бо и бѣсы изгна ѡу҃лкъ. по єу҃скомоу словєси. ико дадать р е у є знаменїа и уюдеса. єже прельстн многы ѡ избранны҃. зѣло бѡ начальномѹ бѣсоу повиноуются проуїи бѣсовє к погыбели дш҃амъ. мѣста же оубо оного єп҃ъ съ клиросомъ. прїнде къ о ц҃ ю макарїю а ц҃ е б о р ѣ т ы н є п р и д є ш и п о м о щ и н а м ъ єси къ слѣдъ єго ѡбратятся, вероующе прельстн єго ѡц҃ь же макарїє к немоу рече. с є оубо прихожю, и гроубостню моею уто сътворю емѹ. єп҃ъ же прєбываше мола єго и гл҃а. ико снце вероую. ащє бо прїидєши бг҃ъ оумирнть црк҃вь свою. множицею бо хотѣхъ прїнти, и въздранєнъ бы҃ ѡ клирикъ. нн҃ѣ же не трьплю погыбели с т а д а х в҃ а. дроугоє паκы соуда бж҃їа боюся гл҃ющаго. ико кровн н҃, ѡ роукоу твоєю изыщю. и бг҃ъ послышю мл прїидѡ к тебѣ. он же въставъ и послѣдова нмъ. и идоша до хыжины идєже жнвашє прелестникъ онъ. и оузрѣвъ єго ѡц҃ь макарїє. и гл҃а къ єп҃поу, с є єго же видишн. началныи дх҃ъ нмать. и да вѣси, ико мое дѣло нѣ с є. нн бо к снцевымъ бѣсѡ и єщє брань створнхъ. два бо унна бѣсовьска єста. гл҃ѣть ѡц҃ь, єдинъ оубо иже сластолюбїє влагаєтъ тѣлоу. дроугы же иже прелєстн дш҃амъ влагаєть. иже и жестоуанишн єсть зѣло и непокорнвъ. сїа бо прилагаєть бѣсъ. волхвомъ и прелестинкѡмъ, и єресначалникѡмъ. и чародѣємъ. и гл҃а єп҃ъ. и уто сътворн҃. и рече старець. мл҃твѣ потрѣба. и словомь бо инутоже оуспѣемь. по келѣша оубо изыти емѹ. тъ же изыде к нимь, авїє же єп҃ъ срѣтє єго словесы, и гл҃а емѹ. како толико лѣтъ сын зде, и не прїнде к нa҃. онъ же ѡвѣщл. понеже не

---

1) Славянскій переводъ изъ патерика скитскаго № 142. Сун. Библ. Авторомъ указателя несправедливо названъ: Л а в с а и к о м ъ, гдѣ нѣтъ ниоднаго сказанія изъ Лавсаика.

οὐ παρέβαλες ἡμῖν. ὁ δὲ εἶπεν. ὅτι οὐ φρονεῖτε ὀρθῶς. λέγει. οὖν αὐτῶ ἅγιος, μακάριος. σὺ οὖν καλῶς φρονεῖς. ὁ δὲ καὶ πάνυ φησιν τι δὲ ἐστιν φησιν ὃ ἡμεῖς οὐ φρονοῦμεν καλῶς. ὁ δὲ ὅτι σαρκα καὶ ὀστὰ λέγετε ἐγείρεσθαι ἀλλὰ καὶ τὸν θν̄ λέγετε σάρκα καὶ ὀστᾶ ἀνηλειφέναι. λέγει ὁ ἅγιος μακάριος. ἐι μὲν ἀφ' ἑαυτῶν λέγομεν. κακῶς λέγομεν. ειδὲ ἀλήθεια οὕτως ἠθέλεν. σὺ τί ἀντιλέγεις. ἵνα δὲ μὴ πολλοὺς ἀναλώσωμεν λόγους. λέγωμεν σοι ὡς φρονοῦμεν. καὶ ἡ μὲν πισθείης. καλῶς ποιεῖς. ἐι δὲ μὴ πρὸς τὸν θν̄ ἔχεις. οὗ τὰ δόγματα ἀθετεῖς. ὅ δὲ ἔφει. ἐγὼ πρῶτος λέγω μου τὴν πίστιν. εἶτα ὁ ἅγιος εἶπεν, κακὴ πίστις μὴ δε ὀνομάζεσθω. ἀλλὰ λέγωμεν τὴν καθολικὴν τὴς ἐκκλησίας πίστιν. καὶ λέγει τῶ ἐπισκόπω ἐιπεῖν ἑστῶτος ὅλου τοῦ λαοῦ. ἄρχεται οὖν ἐκτιθέσθαι τὴν πίστον οὕτω. πιστεύω εἰς ἕνα θν̄ πρ̄α παντοκράτορα ποιητὴν οὐν̄οῦ. καὶ εἰς τὸν ὁμουσίσιν αὐτοῦ λόγον δι οὗ ἐποίησεν τοὺς αἰῶνας. τῶν ἐπὶ συντελεία τῶν αἰώνων εἰς ἀθέτησιν τῆς ἁμαρτίας ἐπιδημήσαντα ἐν σαρκὶ. ἣν ἐκ τῆς ἁγίας παρθένου μαρίας ἑαυτῶ ὑπεστήσατο. τὸν στρ̄ωθέντα καὶ ἀποθανόντα καὶ ταφέντα καὶ ἀναστάντα τῇ τρίτῃ ἡμέρα. καὶ καθεζόμενον ἐκ δεξιὰ τοῦ πρ̄ς. καὶ πάλιν ἐρχόμενον ἐν τῶ μέλλοντι αἰώνι κρῖναι ζωντας καὶ νεκροὺς. καὶ εἰς τὸ πν̄α τὸ ἅγιον. τὸ ὁμοσύσιον τῶ πρ̄ι καὶ τῶ λόγω αὐτοῦ. πιστεύομεν δὲ καὶ εἰς ἀχάστασιν ψυχῆς τε καὶ σώματος καθὼς λέγει ὁ ἀπόστολος. σπείρεται σῶμα ψυχικὸν ἐγείρεται σῶμα πν̄ικόν. καὶ πάλιν. δεῖ γὰρ τὸ φθαρτὸν τοῦτο ἐνδύσασθαι ἀφθαρσίας. καὶ τὸ θνητὸν τοῦτον ἐνδύσηται ἀθανασίαν. ὁρᾶς πῶς λέγει τοῦτο. ὁ δὲ πρὸς αὐτὸν ἀπεκρίθη. ἐμοὶ τὴν ἐκ λόγων πίστιν μὴ πρόφερε. ἀλλὰ ἀπέλθομεν εἰς τὰ μνημεῖα. καὶ ἕνα τῶν ἐκεῖ κειμένων ἀνάστησον μοι. καὶ οἶδα ὅτι καλῶς φρονεῖτε. ἐπεὶ ἐγὼ ψυχὴν χωρὶς σώματος ἄγω στραφεὶς δὲ ὁ ἅγιος μακάριος. λέγει τῶ ἐπισκόπω. μέγα κακὸν ὅτι καὶ πειράζομεν τὸν θν̄. ἀλλ' οὐδὲ ἔχω παρρησίας. ἀξιῶσαι τὸν д. 135. θν̄. διὰ ἕνα δαιμονικὸν. τηλικοῦτον. σημεῖον γενέσθαι. λέγει ὁ ἐπίσκοπος. οὐχὶ πᾶρ ἄλλα διολόκληρον παροικίας. τότε ἀπερχονται ἕως τῶν μνημάτων. καὶ ἄρχεται. ὁΐερακας ἐπικαλλεῖσθαι δαίμονα. οὐ γὰρ δήπου ψυχὴν ἠδύνατο ἀγαγεῖν γυμνήν. καὶ ὡς οὐδὲν ἔσχυσεν. ἀντέκειτο γὰρ αὐτῶ ἀληθῶς τὸ πν̄α τὸ ἅγιον. λέγει αὐτοῖς. διὰ τὴν ἀπιστείαν ὑμῶν οὐ δύναμαι ἀγαγεῖν. παραχωῆμα δε δρυμύξας ἑαυτὸν ὁ μακάριος ἔκαμψε τὰ γόνατα. μηδὲν ὑποσχώμενος. καὶ ὥραν μίαν παρατείνας ἐν τῇ εὐχῇ. μετὰ πάντων ἀνέστη. καὶ τύψας τῶ βαίω τῶ μνῆμα. αἱ γὰρ ῥάυδοι τῶν ἐκεῖ μοναχῶν ἐκ βαίων εἰσιν. ἐγείρει ἄνον. οὐχ ὑπόγοιόν τινα ἄρτι τελευτήσαντα ἀλλὰ τῶν ἀρχαιων. καὶ φωνεῖ τὸ ἱέρακα καὶ λέγει αὐτὸν. ἐξέτασον τοῦτο ἐγείρεται σῶμα. ὁ δὲ ἀποφύξας. τοῦ δαίμονος αὐτοῦ ὑποχωρήσαντος ἐπὶ τῶ τηλικούτω σημείω. πίπτει εἰς τοὺς πόδας τοῦ ἁγίου μετὰ παντὸς τοῦ λαοῦ. ζητοῦντων δὲ αὐτὸν φονεῦσαι. οὐ συνεχώρησεν. ἀλλὰ ἀπήγαγεν αὐτὸν εἰς τὴν ἔρημον. φασὶν δὲ ὅτι ἐρωτηθεὶς ὁ ἀναστὰς. ἐι ἐπίσταται τὸν χν̄. ἔφη. ὅτι οὐδὲ

мoудрьствуете правѣ. гда̀ емж ѿц̑ь макарїе. ты же оубо добрѣ ли моудрьствуеши. он же и зѣло моудрьствую. рече ѿц̑ь же и уто есть рѣ̑ иже мы не мудрьствуемъ правѣ. онже како плоти и костемь рече, гл̀е въскр̑нути к семѹ же и бг̀а гл̀ете плоть и кости имѣти. гда̀ ѿц̑ь макарїе. аще мы ѡ себе гл̀емь сїа, то достоить не вѣровати намъ аже ли писанїа вса сице истиньствуютъ. ты уто противословиши. но да не многа продолжимъ словеса. гл̀ѣ тн. иже моудрьствуемъ. да аще вѣруеши добрѣ сътвориши. ащели ни, съ бг̀омъ имаши еже и заповѣди его ѡмещеншися. онже рече, азъ прьвѣе гл̀ю вѣроу свою. ѿц̑ь же ѡвѣща, зла вера, ни да именоуется. но да рече мъ стыи и съборныи црк̑ве вѣроу и повелѣ еп̑пу рещи. прѣстоящю и ксемѹ народоу. и научать же еп̑пъ сице истиньнюю вѣроу гл̀ати. вѣроую въ единого бг̀а ѡц̀а вседрьжителя, и къ единосщное его слово. имже вѣкы сътворн. и на конуноу вѣкѡмъ плоть въспрнемша, ѡставленїа грѣ̑ ради нашн̑. иже ѡ стыи дх̑ы мр̑їа въспрїатъ. распеншагоса и оумерша. и погребенна. и нъскр̑ша въ третїи дн̑ь. и възше̑ша на нб̑са, и сѣдяща ѡ десноую ѿц̑а. и пакы хотяща прїити к боудоущїи вѣкы, сждити живыи̑ и мр̑твыимъ и къ дх̑а стго. единосщнаго ѿц̑ю и словоу его. вѣроуемже и къ въскр̑нїе дш̑ьи и тѣлоу. якоже апл̀ъ гл̀ѣтъ. сѣется рече тѣло дш̑евно. и въстаетъ тѣло дх̑овно. и пакы подобаеть бо тлѣнномѹ семѹ, облещися въ нетлѣнїе. и см̑ртномѹ семѹ, облещися к безмртїе. зрнши ли како гл̀ѣть се. он же к немѹ ѡвѣща. мнѣ же ѡ слова вѣроу не повѣдоуи. но ндѣ̑, къ гробомь, и единого. ѡ тоу лежащи̑ къзв̑нгни. тогда вѣроую яко добрѣ моудрьствуете. зане азъ дш̑амъ, въскр̑нїе кромѣ телесемь проповѣдоую. обращьшеся ѿц̑ь макарїе. къ еп̑пу рѣ̑. велика зловa. яко и бг̀а нескоушаемь. но ни дрьзновенїе имамъ толико помолити бг̀а. таково знамєнїе сътворити за единого вьсноующаса гл̀а еп̑пъ, ни оу̑е стын, но за всего народа. тогда поидоша къ гробѹмъ. послѣдоующю народоу. и научать прелщенныи ѡнъ млт̑ву творити призывая бѣса. и не оуспѣ нуто̀же. нбо дш̑и кромѣ тѣлесн немощно въскр̑ноути и пакы помолникса и нуто̀же оуспѣ. съпротивлмашеше бо са емѹ дх̑ъ стын̑ иже живаше къ дш̑и макарїа. гда̀ к нимь зловр̑тьныи тои за невѣрїе ваше не могоу въскр̑снти. авїе же ѿц̑ь макарїе покръгъ себе на землю преклонь колѣни и всемѹ народѹ повелѣ звати гн̑ помилѹи. и оудари жезло̑ сконмь единого гроба. и авїе изыде ѵл̀къ. и не въскорѣ нѣкако оумерша. но ѡ древнии̑ и приглашн ѿц̑ь прелщенного и гл̀а емѹ. вопроси мр̑тваго сего. аще въстаноуть тѣлеса съ дш̑ами. он же яко мр̑тъ стомше. дняласа ѡ толицѣ знамєнии. вѣсѡ̑ ѡ̑шедшимъ ѡ него. приппаде къ погама стго съ всемь

ἀκοὴν αὐτοῦ εἶχον ζῶν. ἐφ' οὗ γαρ βασιλέως εἰρήκη τελευτηκέναι. προ τῆς παρουσίας τοῦ χῦ ἦν. βαπτίσας οὖν αὐτὸν εἶχεν μεθ' ἑαυτοῦ ἔτη τρία. τὴν ἀληθεῖ λοιπὰν χήμησιν κοιμηθέντα. ὡς ἀρμώζειν ἐπ' αὐτὸν τὸν λόγον τοῦ κῦ. ὅτι οὔτε οὗτος ἥμαρτεν. οὔτε οἱ γονεῖς αὐτοῦ. ἀλλ' ἵνα φανερωθῇ ἡ δόξα τοῦ θῦ.

народомъ, ниоуши людемь оубіти его. не повоусти бца̃ макарїе. но поемь его в пєспыню съ собою. къпросша же воставшаго изъ гроба. аще вєсть или слышадъ ѡ хе̃. и ѡвєща ико жнкоу ни соущоу и еще нисдышѧ понѣ ѡ немь сует же самъ и ѡбрѣте ико четырнста лѣтъ. прє̃же рж̃тва хва̃ оумр̃лъ бѣ. крт̃нвъ же

бца̃ макарїе. и ѡблъкъ его во иноуьскын ѡбразъ. и имѣаше его с собою лѣ г̃. и проуее истиннымъ сномъ оуспе ѡ гн̃ и сбыстъ на немь слово гне̃ глаше. ико ни съ согрѣши, ни родителїе его. но да ѡкатса дѣла кожїа на немь

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 110. Πατερικὸν ἡ λεγομενη παράδεισος: διηγήματα καὶ νουθεσίαι πατερων, ὁσίων περὶ κατανύξεως.

Διηγήσαντο ἡμῖν τινὲς ἀδελφοὶ, παρακαλοῦσιν ἡμῖν εἰς ραϊθοῦ. ὅτι ἦν τίς γέρων πονικὸς καθήμενος εἰς τὰ σπήλαια ἄνωθεν τοῦ λεγομένου Ἰσραὴλ. καὶ τοιαύτην νῆψιν εἶχεν ὁ νοῦς τοῦ γέροντος. ὥστε σχεδὸν κατὰ βῆμα ὅτε περὶ ἐπάτει. ὅπου δηπατε ἵστατο καὶ ἐπεσκέψατο τὸν λογισμὸν αὐτοῦ. καὶ ἠρῶτα αὐτόν.

ф. 156 об. Ἐτελειώθη δια χειρὸς ἐμοῦ ἀνδρὸς τοῦ μελέτιου. ἐν ἔτει ,ϛῶνῆ. (1345 г.).

ф. 132. Περὶ τοῦ ἀββᾶ μακαρίου πολιτικοῦ.

Τοῦ βασιλέως τῶν αἰώνων πλουσίως χαριζομένου ταῖς ἀξίοις αὐτοῦ ἀγαθῶν εἰς ἔπαινον καὶ δόξαν τοῦ ὀνόματος αὐτοῦ καὶ σωτηρίαν τῶν ἐλπιζόντων ἐπ' αὐτὸν. δίκαιον λέγειν πρὸς ωφέλειαν τὰ διὰ τοῦ ὁσίου μακαρίου κατορθώματα. οὗτος γὰρ εἰς τελειώτητα φθάσας τῆς κατὰ θεὸν ἀρετῆς. καὶ πάντων ὑπεράνω γενόμενος τῶν παθῶν.

Заглавныя буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ἀπολλῶ, ἐκομίζετο.

Сокращенія и слова съ титлами: καὶ δὲ καρποὺς, κατὰ. πάτερ.

Частица δὲ съ двумя удареніями.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀγγελω ἀγορέυουσιν. ε., ἐνδειξαμενον. ἐπρέσβευεν. ν., νῦν. σταφυλὰς κρεισσον τ., μετελάμβανον.

XIII. Постническія слова св. Исаака Сирина

Находится въ Московской Синод. Библіотекѣ подъ № 308-мъ.

Длина бумаги	$4\frac{5}{8}$	в.
Ширина	$3\frac{1}{4}$	в.
Къ корешку	$\frac{3}{8}$	в.
Къ правой сторонѣ	$\frac{7}{8}$	в.
Къ верху	$\frac{5}{8}$	в.
Къ низу	1	в.

Бумага толстая лощеная, бумажный знакъ вѣтвь съ тремя фигами.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ на 327-ми листахъ. Нарѣзовъ не видно. Заставки и заглавныя буквы довольно фигурныя, писаны голубою, черною и пунцовою красками. Другія заглавныя буквы не близъ заставокъ, и заглавія писаны одною киноварью. Колеръ чернилъ черный. Помѣта тетрадей внизу на углу съ обоихъ сторонъ, съ лицевой на правой сторонѣ, а съ оборотной на лѣвой. Число строкъ на страницѣ 24. Въ низу 1-го непомѣченнаго листа написано: Арсеній, а на боку 1-го помѣченнаго: τοῦ βατοπαιδίου.

л. 1. — 14. об. Πρόλογος εἰς τὸν βίον τοῦ ὁσίου πρ̃ς ἡμῶν Ἰσαὰκ τοῦ σύρου ἐν μέρει. καὶ ὑπαγορέυων καὶ εἰς τὸν βίον αὐτοῦ. Начало: Μέγιστα ἁμαρτήματα καὶ πάνυδυσίατα. Въ концѣ пролога стихи.

Φωτίζεται νοῦς γνωστικὸς θεωρίας.
Πρὸς ὕψος ἀρθεὶς τοῖς δ' ἐπεντύχων λογοις....

л. 15 — 20 об. Λόγοι ἀσκητικοὶ τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν ἀββᾶ Ἰσαὰκ τοῦ σύρου. τοῦ ἀσκητοῦ καὶ ἀναχωρητοῦ. γενομένου ἐπισκόπου τῆς φιλοαριστοῦ πόλεως νηνευΐ. ἑρμηνευθεντες ὑπὸ τῶν πανοσίων πρ̄ων ἡμων ἀββᾶ πρ̄ικίου. καὶ ἀββᾶ ἀβραμίου. τῶν ψιλοσόφων καὶ ἡσυχαστων. ἐν τῇ λαύρα τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν σαβα. περὶ ἀποταγῆς καὶ μοναχικῆς πολιτείας λογος α̈. Начало: Ὁ φόβος τοῦ θ̄υ, ἀρχὴ τῆς ἀρετης. λέγεται δὲ εἶναι γέννημα τῆς πίστεως.

л. 20 об. — 26. Τοῦ αὐτοῦ λογος δεύτερος. Начало: Ἡ ἀχαριστεία τοῦ λαμβάνοντος, ἐρεθίζει τὸν διδόντα τοῦ δοῦναι δωρήματα.

л. 26 — 36. Τοῦ αὐτοῦ λόγος γ̈. Начало: Ὅταν μὴ ἐισέλθωσιν ἔξωθεν μέριμναι.

л. 36 — 44 об. Λόγος δ̈. Начало: Ψυχὴ ἡ τὸν θ̄ν ἀγαπῶσα, ἐν τῷ θ̄ῳ καὶ μόνῳ τὴν ἀνάπαυσιν κεκτηται.

л. 44 об. — 55. Τοῦ αὐτου λόγος ε̈. Начало: Πολλὴν ὁ θ̄ς τοῖς ἀν̄οις δέδωκε τιμὴν. τὴ διπλὴ μαθήσει.

л. 55 — 65. Τοῦ αὐτοῦ λόγος ϛ̈. Начало: Τὰ ἔν τινι συμπτώματι τῆς ἁμαρτίας.

л. 65 — 68 об. ζ̈. Τοῦ αὐτοῦ κεφάλαιον διδάσκων ὑπὸ τίνος ὠφελεῖται ὁ ἄν̄ος. εἰς τὸ προσεγγίσαι τῷ θ̄ῳ ἐν τῇ καρδία αὐτοῦ. καὶ τίς ἡ ἀληθὴς αἰτία ἡ προσεγγίζουσα αὐτῷ κρυπτῶς τὴν βοήθειαν. καὶ τίς πάλιν ἡ αἰτία. ἡ ἄγουσα τὸν ἄν̄ον εἰς ταπείνωσιν. Начало: Μακάριος ἀν̄ος ὁ γινώσκων τὴν ἑαυτοῦ ἀσθένειαν.

л. 68 об. — 71 об. η̈. Περὶ ἁμαρτιῶν τῶν γινομένων ἀπό τινος συμβεβηκότος. καὶ περὶ ἑκουσίων καὶ ἀκουσίων. Начало: Ἔστιν ἁμαρτία ἀπὸ ἀσθενείας γινομένη...

л. 71 об. — 73 об. θ̈. Περὶ τῶν λόγων τῆς θείας γραφῆς τῶν πρὸς μετάνοιαν ἐρεθιζόντων. ὅτι πρὸς τὴν ἀσθένειαν τῶν ἀν̄ων ἐρρέθησαν. ἵνα μὴ ἀπόλλονται ἀπὸ θ̄υ ζῶντος. καὶ ὅτι οὐ δεῖ πρὸς ἀφορμὴν τοῦ ἁμαρτάνειν ἐκλαβεῖν ταῦτα. Начало: Τὴν ἀνδρείαν ἣν οἱ πρ̄ες ἐν ταῖς γραφαῖς αὐτῶν τεθήκασι.

л. 74. 75. ϊ. Ἐν τίνι διαφυλάττεται τὸ κάλλος τῆς μοναχικῆς πολιτείας. καὶ τις ὁ τρόπος τῆς τοῦ θ̄υ δοξολογίας. Начало: Δεῖ τὸν μοναχὸν εἶναι ἐν πᾶσι τοῖς ἑαυτοῦ πράγμασι, τόπον ὠφελείας τοῖς ὁρῶσιν αὐτὸν.

л. 75. ια̈. Περὶ τῆς ἐναλλαγῆς καὶ τροπῆς τῆς γινομένης τοῖς ὁδεύουσιν ἐν τῇ ὁδῷ τῆς ἡσυχίας. τῇ ὑπὸ τοῦ θ̄υ τεταγμένη συμβαίνει γὰρ σκυθροπότης καὶ ψυχικὸς πνιγμὸς. καὶ ἐξέφνης χαρὰ καὶ ἀσυνήθης θερμότης. δόξα τῷ εὐθετοῦντι, τὰς ὁδοὺς ἡμῶν ἀμήν. Начало: Ὁ συνελθὼν τῷ ναὶ αὐτοῦ ἐν τῇ ἡσυχία πολιτεύσασθαι.

л. 75 об. — 77. ιβ̈. Περὶ τῶν ἡσυχαζόντων. πότε ἄρχονται νοσῆσαι. ποῦ ἔφθασαν ἐν τοῖς ἔργοις αὐτῶν ἐν τῇ ἀπεράντῳ θαλάσσῃ. ἤτοι διαγωγὴ τῆς ἡσυχίας. καὶ πότε δύνανται ἐλπίσαι μικρὸν. ὅτι ἤρξαντο δοῦναι αὐτοῖς οἱ κόποι τῶν αὐτῶν καρπῶν. Начало: Λέγω σοι πράγμα καὶ μὴ γελάσῃς.

л. 77. — 78 об. ιγ̈. Περὶ τοῦ μὴ δεῖν τον δούλον θ̄υ τὸν πτωχεύσαντα ἀπὸ τῶν κοσμικῶν καὶ ἐξεληλυθέντα εἰς ἀναζήτησιν αὐτοῦ. διὰ τὸ μὴ ἐφθακέναι τὴν κατάληψιν τῆς ἀληθείας, παύσασθαι τῆς ἀναζητήσεως καὶ ψυχρανθῆναι τῆς θέρμης τῆς τικτομένης τῶν μυστηρίων αὐτοῦ. δι' ὃν τρόπον πέφυκεν ὁ νοῦς φόρεσθαι ἐν τῇ μνήμῃ τῶν παθῶν. Начало: Τρεῖς εἰσὶ τάξεις ἐν αἷς προκόπτει ὁ ἄν̄ος.

л. 78 об. — 81 об. ιδ̈. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῶν τρόπων τῆς εἰς θ̄ν ἐλπίδος. καὶ τίνα δεῖ ἐλπίζειν ἐπὶ τῷ θ̄ῳ. καὶ τίς ἐστιν ὁ ἀφρόνως καὶ ἀσυνέτως ἔχων τὴν ἐλπίδα. Начало: Γίνεται ἐλπὶς ἐπὶ θ̄ῳ.

л. 81 об. — 87 об. ιε̈. Τοῦ αὐτοῦ περὶ φυλακῆς καὶ τηρήσεως τῆς ἐκ τῶν χαύνων καὶ ἀμελῶν. καὶ ὅτι ἐκ τοῦ πλησιαμοῦ αὐτῶν, βασιλέυει τῷ ἀν̄ῳ ἡ ἀμέλεια καὶ ἡ χαυνότης καὶ πληροῦται ἀπὸ παντὸς πάθους ἀκαθάρτου. καὶ περὶ τοῦ φυλάξασθαι ἑαυτὸν, ἐκ τῆς ἐγγύτητος τῶν νεοτέρων. ἵνα μὴ μολυνθῇ ὁ νοῦς ἐν τοῖς ἀκολάστοις λογισμοῖς. Начало: Ὁ κωλύων τὸ στόμα αὐτοῦ ἐκ τῆς λαλιᾶς....

л. 87 об. — 90. ις̈. Περὶ ἀποταγῆς κόσμου. καὶ ἀποχῆς τῆς πρὸς ἄν̄ους παρρησιάσεως. Начало: Ὅταν ἀγαπήσωμεν φυγεῖν ἐκ τοῦ κόσμου καὶ ξενιτῶν κοσμικῶν γενέσθαι.

л. 90 — 93. ιζ̈. Περὶ τάξεως ἀρχαρίων. Начало: Αὕτη ἔστιν ἡ τάξις ἡ σώφρον καὶ θ̄ῳ προσφιλής.

л. 93. ιη̈. Περὶ τάξεως τῆς μοναχικῆς πολιτείας. συντομίας τε καὶ διαφορὰς. καὶ πῶς καὶ ποίῳ τρόπῳ τίκτονται αἱ ἀρεταὶ ἐξ ἀλλήλων. Начало: Ἐκ τῆς ἐργασάς τῆς βιαίας, τίκτεται ἡ θέρμη ἡ ἄμετρος.

л. 94 — 96. ιθ̈. Ὅτι ὠφέλημος τοῖς ἡσυχασταῖς ἡ ἀργια ἀπὸ τῶν φροντίδων. καὶ ἐπιζήμιος ἡ εἴσοδος καὶ ἡ ἔξοδος. Начало: Ἄνος πολυμέριμνος. πρᾶος καὶ ἡσύχιος γενέσθαι οὐ δύναται.

л. 96 — 99. об. κ̈. Περὶ ὁδῶν τῶν πλησιάζειν τῷ θ̄ῳ ποιουσῶν. φανερουμένων τῷ ἀν̄ῳ ἐκ τῶν ἰδίων ἔργων τῆς νυκτερινῆς ἐργασίας. καὶ ὅτι οἱ ἐν τῇ διαγωγὴ ταύτη ἐργαζόμενοι, μέλιτρέφονται πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αυτῶν. Начало: Μὴ νομήσῃς ὦ ἄνε ὅτι ἐν πάσῃ τῇ ἐργασία τῶν μοναχῶν.

л. 99 об. — 107. об. κα̈. Διήγησις ἁγίων ἀνδρῶν καὶ λόγοι πανόσιοι οὗσπερ αὐτῶν ἀκήκοα καὶ περὶ τῆς θαυμασίας αὐτῶν διαγωγῆς. Начало: Ἐν μιᾷ αὐτῶν ἡμερῶν, ἀπῆλθον, ἀπῆλθον εἰς κελλίον τινὸς ἀδελφοῦ ἁγίου.

л. 107 об. — 114. об. кв. Περὶ διαφορᾶς τῆς ἐν ἡσυχίᾳ διακρίσεως. καὶ περὶ τῆς τοῦ νοὸς ἐξουσίας. καὶ μέχρι τινος ἔχει ταύτην ἐξουσίαν, τοῦ κινῆσαι τὰς ἰδίας κινήσεις ἐκ τῆ διαφορᾶ τῶν τῆς προσευχῆς σχημάτων. καὶ τίς ὁ τῇ φύσει δεδομένος ὅρος τῆς προσευχῆς. οὗτινος μέχρι ἐξουσίας τὲ αὐτῇ προσέυχεσθαι, καὶ ὃν διαβαινούσης ὅρον μὴ εἶναι ταύτην προσευχὴν. εἰ καὶ προσευχῆς προσηγορία λέγεται τὸ τότε τελούμενον. Δόξα. τῶ ἀνέχομένω καὶ τῶν ἀναξίων καὶ ἁμαρτωλῶν. παρίστασθαι ἐνώπιον τῆς δόξης αὐτοῦ ἀμήν. Начало: Δόξα τῶ ἐκχέοντι πλουσίως τὰς ἑαυτοῦ δωρεὰς ἐπὶ τοῖς ἁγίοις.

л. 114 об. — 119 кг. Περὶ δυνάμεως τῆς ἐνεργείας τῶν κακιῶν τῆς ἁμαρτίας ὑπὸ τίνων συνίστανται, καὶ ὑπὸ τίνων πάυονται. Начало: Ἕως ἂν ἀληθῶς ἐκ καρδίας μισήσει τίς τὴν αἰτίαν τῆς ἁμαρτίας.

л. 119 — 122. кд. Ὑπόθεσις τῆ ψυχῆ τῆ ζητούση τὴν βαθείαν θεωρίαν τοῦ θυθισθῆναι ἐν αὐτῇ ἀπὸ τῶν σαρκικῶν λογισμῶν τῶν ἀπὸ τῆς μνήμης τῶν πραγμάτων. Начало: Πᾶν πράγμα ὑψηλότερον ἄλλου, ἐγκέκρυπται ἐξ ἐκείνου.

л. 122 — 126. кε. Τοῦ αὐτοῦ κατὰ πόσους τρόπους καὶ διαφορᾶς, δέχεται τὴν θέαν τῆς φύσεώς τῶν ἀσωμάτων ἡ ἀΰλη φύσις. Начало: Πάσης φύσεως ἀσυνθέτου καὶ λεπτῆς τῶν πνικῶν σωμάτων κατὰ τρεῖς διαφορᾶς.

л. 126 — 128. кѕ. Ὑπόδειγμα καὶ παραβολὴ. περὶ τῆς κατὰ κυριακὴν καὶ σάββατον θεωρίας. Начало: Ἡ κυριακὴ μυστήριον ἐστι τῆς γνωσεως ἀληθείας.

л. 128. 129. кз. Τοῦ αὐτοῦ. Начало: Τίς τῶν ἀδελφῶν ἔγραψε ταῦτα καὶ ἐτίθη αὐτὰ ἔμπροσθεν αὐτοῦ δίγνεκῶς.

л. 129 — 130. об. кн. Περὶ φυλακῆς καρδίας καὶ θεωρίας λεπτωτέρας. Начало: Ἐι κατὰ μόνας ὑπάρχεις ἐν τῶ κελλίω σου.

л. 130. об.— кѳ. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῶν σημείων τῆς ἀγάπης. Начало: Ἡ ἀγάπη θερμὴ ἔστι τῇ φύσει.

л. 131 — 140. об. л. Τοῦ αὐτοῦ λόγοι πεπληρωμενοι τῆς ὑψηλοτάτης σοφίας τοῦ πνς. Начало: Ἡ ἄσκησις μὴρ τοὺ ἁγιασμοῦ.

л. 140 об.—154. ла. Περὶ ἡσυχίας. ἐρωτ. ιβ. εἰσὶ τινὲς πολλοὶ ἔχοντες τὰ ἔργα ταῦτα καὶ τῆς γαληνης..

л. 155 — 159. лв. Τοῦ αὐτοῦ περὶ διαφορὰς τρόπων τοῦ πολέμου ἐκ τοῦ διαβόλου. πρὸς τοὺς ἐν τῇ στενῇ ὁδῶ τῇ ὑπερέχουση τὸν κόσμον πορευομένους. Начало: Ἔχει ἔθος πάλιν ὁ διάβολος ὁ ἀντίπαλος ἡμῶν.

л. 159— лг. (по прежней мѣтѣ д.) Ἄλλος τρόπος τοῦ πολέμου τοῦ ἐχθροῦ. πρὸς τούς δυνατούς καὶ ἀνδρείους. Начало: Ὅταν οὖν μετὰ ταῦτα ὅλα ἐπαναστῇ ὁ διάβολος...

л. 159 об. — 162. об. лд. Ἀντίρησις ἄλλη τοῦ πολέμου. Начало: Λοιπὸν τοῦτο μόνον ὑπελείφθη αὐτῶ.

л. 163 — 170. ле надъ заставкою подписано: Τέλος τοῦ πρώτου βιβλίου. Аподъ заставкою: Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἀδιαλήπτου νηστείας. καὶ τοῦ συνάξαι ἑαυτὸν ἐν ἑνὶ τόπω. καὶ τί τὰ ἐκ τούτων γινόμενα. καὶ ὅτι ἐν γνώσει τῆς διακρίσεως ἐδιδάχθη τὴν ἀκρίβειαν τῆς χρήσεως τῶν τοιούτων. Начало: Ἐν πολλῶ καιρῶ πειραζόμενος ἐν τοῖς δεξιοῖς καὶ ἀριστεροις. На полѣ сей бесѣды написано: ἀνάγνωθι ταῦτα πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σου.

л. 170— лѕ. Τοῦ αὐτοῦ περὶ σιωπῆς καὶ ἡσυχίας. Начало: Το ἀεὶ σιωπᾶν. καὶ ἡ φυλακὴ τῆς ἡσυχίας.

л. 171 об. 172. об. лз. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς κινήσεως τοῦ σώματος. Начало: Ἡ δὲ κίνησις τῶν κάτω μελῶν τοῦ σώματος.

л. 172 об. — 175. об. лн. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τὰ εἴδη τῶν διαφορῶν τῶν πειρασμῶν. καὶ πόσιν ἔχουσιν ἡδύτητα οἱ πειρασμοὶ οἱ ὑπὲρ τῆς ἀληθείας γιγόμενοι, καὶ ὑπομενόμενοι καὶ βαθμοὶ καὶ τάξις ἐν αἷς ὁ ἅγιος συνετὸς πορέυεται. Начало: Αἱ ἀρεταὶ, ἀλλήλας διαδέχονται.

л. 175 об. — 177. об. лѳ. Διαίρεσις τῶν πειρασμῶν. Начало: Οἱ πειρασμοὶ οἱ ὑπὸ τὴν πρικὴν ῥάβδον εἰς προκοπὴν καὶ αὔξησιν τῆς ψυχῆς γινόμενοι.

л. 177. об.—180. м. Τοῦ αὐτοῦ ἑρμηνεία τῶν τρόπων τῆς ἀρετῆς. καὶ τι ἐστιν ἡ ἰσχὺς τῆς διαφορᾶς ἑκάστου αὐτῶν. Начало: Ἡ ἀρετὴ ἡ σωματικὴ ἐν τῇ ἡσυχία.

л. 180— ма. Περὶ τῆς καθάρσεως τοῦ σώματος. καὶ τῆς καθάρσεως τῆς ψυχῆς καὶ τοῦ νοὸς. Начало: Ἡ κάθαρσις τοῦ σώματος ἐστιν, ὁσιότης ἐκ τοῦ μολυσμοῦ τῆς σαρκὸς.

л. 180. Н— 184. мв. Τοῦ αὐτοῦ ἐπιστολὴ γραφῆσα πρὸς τίνα ἀδελφὸν ἀγαπόντα τὴν ἡσυχίαν, πῶς ὁ διάβολος τροποῦσαι καταργῆσαι τοὺς σπουδάζοντας. συνεχῶς ἡσυχάζειν ἐκ τῆς ἡσυχίας ἐπιμόνου. ἐν προσώπω ἀγάπης ἐγγυτέρων. καὶ ἔντιδι τιμίοις. καὶ πῶς δεῖ τὸν ἡσυχαστὴν κατάρρενεῖν τῶν ἁπάντων ὑπὲρ τῆς γνώσεως τοῦ θῦ τῆς εὑρισκομένης ἐν τῇ ἡσυχία, ὥσπερ ἔφανεν ἐν τοῖς πατράσιν ἡμῶν τοῖς ἀρχαίοις. Начало: Διότι γνωρίζω σε ἀγαπόντα τὴν ἡσυχίαν.

ф. 184 и об. мг. Τοῦ αὐτοῦ ἀπόκρησις πρὸς τίνα ἀδελφὸν φυσικὸν καὶ πνευματικὸν προτρεπόμενον καὶ παρακαλοῦντα ἐν γραμμασιν ἐνδυμήσαι αὐτὸν οἰκοῦντα ἐν τῶ κόσμω καὶ διψόντα θεάσασθαι αὐτὸν. Начало: Οὐχὶ ὡς νομίζεις σὺ ἡμεῖς ἐσμὲν δυνατοὶ ὦ μακάριε. καὶ ἴσως οὐ γινώσκεις τὴν ἀσθένιαν μου.

л. 184 об — 187. лог. мѯ. Τοῦ αυτοῦ λόγοι ἀντιληπτηκοὶ καὶ ὑποθέσεις ὠφέλημοι. πεπληρωμεναι τῆς σοφίας τοῦ πν̃ς. Начало: Ἡ πιστις ἐστὶν ἡ θύρα τῶν μυστηριῶν.

л. 187 — 189. мѕ̃. Τοῦ αὐτοῦ πόσον γίνεται τὸ μέτρον τῆς γνώσεως καὶ τὰ μέτρα περὶ τῆς πίστεως. Начало: Ἔτι γνῶσις προηγουμένη τῆς πίστεως.

л. 189 — 196. мз̃. Τοῦ αὐτοῦ συμβουλίαι πεπληρωμεναι ὀφελείας. ἃς ἐν τῇ ἀγάπη ἐλάλησε τοῖς ἐν ταπεινώσει ἀκούουσιν αὐτοῦ. Начало: Οὐκ ἔστιν ἔννοια ἀγαθὴ, μὴ οὖσα ἐκ τῆς χάριτος τῆς θείας ἐμπίπτουσα ἐν τῇ καρδίᾳ.

л. 196— лог. мѯ. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἀγγελικῆς κινήσεως τῆς πρὸς πρακοπον τῆς ψυχῆς ἐν τοῖς πν̃ικοῖς διὰ τῆς προνοίας τοῦ θυ̃. ἐξυπνιζομένοις ἐν ἡμῖν. Начало: Πρώτη ἔννοια, ἡ ἐκ τῆς φιλανίας τοῦ θυ̃ ἐμπίπτουσα ἐν τῷ ἀν̃ῳ.

л. 197— лог. мз̄. Τοῦ αὐτοῦ περὶ δευτέρας ἐργασίας ἐν τῷ ἀν̃ῳ. Начало: Ἐργασία ἑτέρα μετὰ ταύτην ὅτε πορέυεται ἄν̃ος καλῶς ἐν πολιτεία ἀγαθῇ.

л. 198. и 199 об. лог. мѳ̃. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ἀλλοιώσεως τῆς ἐν τῇ ψυχῇ γιγομένης ἐν παντὶ καιρῷ τὸ φῶς καὶ τὸ σκότος καὶ ἐμβιβασμὸς ἐν τοῖς δεξιοῖς καὶ ἀριστεροῖς γινόμενος. Начало: Ἴδωμεν ὦ ἀγαπητοὶ ἐν τῇ ψυχῇ ἡμῶν ἐν τῇ ὥρα τῆς εὐχῆς.

л. 199 об. — лог. 205. об. н̄. Τοῦ αὐτοῦ κεφάλαια μικρὰ ἐν οἷς ὑπάρχουσι νόες παρηλλαγμένοι. ἐν οἷς διδάσκει τὴν βλάβην τοῦ μωροῦ. τοῦ ὡς ἐπὶ προσώπου τοῦ φόβου τοῦ θυ̃ καὶ τὴν βοήθειαν τὴν ἐκ τῆς πραότητος σὺν ἄλλοις τρόποις. Начало: Ἄν̃ος ζηλωτῆς, οὐδέποτε φθάνει τὴν εἰρήνην τῆς διανοίας.

л. 206. 207 об. лог. нᾱ. Τοῦ αὐτοῦ περὶ λογισμῶν πονηρῶν ἀκουσιῶν ἐκ τῆς λύσεως τῆς ἀμελείας τῆς προ αὐτῶν γινομένης τικτομένων. Начало: Εἰσὶ τινὲς οἱ ἐρείδοντες τὸ σῶμα καὶ ἐπιθυμοῦσιν ἀναπαῦσαι αὐτὸ μικρὸν.

л. 207 — 209. об. лог. нв̃. Τοῦ μὴ δεῖν μισῆσαι τὸν ἁμαρτωλὸν. ἀλλὰ καὶ κλαίειν καὶ εὔξασθαι ὑπὲρ αὐτοῦ. Начало: Μὴ μισῆσης τὸν ἁμαρτωλὸν. πάντες γὰρ ἐσμὲν ὑπεύθυνοι.

л. 209 об. — 214. об. лог. нг̃. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῶν τριῶν τρόπων τῆς γνώσεως καὶ τῆς διαφορας τῆς ψυχῆς. καὶ τοῦ πλούτου τοῦ μυστικοῦ τοῦ ἐγκεκρυμμένου ἐν αὐτῇ. καὶ πόσον διαφέρει ἡ γνωσις τοῦ κόσμου τούτου ἐν τοῖς τρόποις αὐτοῖς τῆς ἁπλότητος τῆς πίστεως. Начало: Ἡ ψυχὴ ἐν ταῖς τρίβοις τῆς πολιτείας καὶ ἐν τῇ ὁδῷ τῆς πίστεως διαπορευομένη.

л. 214 об.—216. об. лог. нѯ. Περὶ τῶν τριῶν τάξεων τῆς γνῶσεως τῆς σωματικῆς καὶ ψυχηκῆς καὶ πν̃ικῆς. Начало: Τρεῖς τρόποι ἐστὶν νοητοὶ.

л. 216 об.— лог. нє̃. Τάξις κ̃. τῆς γνώσεως. Начало. Ὅτε ἀφήσει τίς τὴν τάξιν τὴν πρώτην.

л. 217.—219 об. лог. нѕ̃. Τάξις γ̃. τῆς γνώσεως. ὅπερ ἐστι τάξις τῆς τελειώσεως. Начало: Πῶς οὖν λεπτύνεται καὶ κτᾶται τὸ πν̃ικον.

л. 219 об. 220. лог. нз̄. Τοῦ αὐτοῦ πάλιν κεφάλαια σύντομα, ὑπὲρ ἄλλων τρόπων τῆς διαφορᾶς τῶν ἐννοιῶν τῆς γνώσεως. Начало: Ἡ γνῶσις ἡ ἀναστρεφομένη ἐν τοῖς ὁρατοῖς.

На листѣ 220-мъ наполѣ написано заглавіе: περὶ τῶν τριῶν γνώσεων ἤγουν τῆς φυσικῆς τῆς πνικῆς καὶ τῆς ὑπερφύσεως καὶ πόθεν αὗται γεννῶνται. главы не означено, и начальною буквою отдѣльно не писано.

л. 220 об. лог. нѳ̃. Τρόπος τῆς εὐχῆς. καὶ τῶν λοιπῶν περὶ τῆς διηνεκῶς μνήμης ἐξ ἀνάγκης ζητουμένων καὶ πολυμερῶς ὠφελούντων ἥτις ἐν διακρίσει ἀναγνώσκει αὐτὰ καὶ φυλάττει αὐτά. Начало: Τὸ βεβαιωθῆναι τινὰ ἐν τῇ αἰτήσει εὐχῆς...

— лог. ѯ. Περὶ πληροφορίας τῆς πίστεως. Начало: Ὅταν εὕρῃς ἐν ταῖς θείαις γραφαῖς τὴν πίστιν μεμιγμένην ταῖς πολιτείαις.

л. 221. лог. ξά. Περὶ ἀναγνώσεως. Начало: Μελέτης διηνεκῆς ἐν τῇ γραφῇ.

— лог. ѯκ̃. Περὶ τοῦ μετὰ προσοχῆς καὶ ἀναγκαίας ἀκούειν τοὺς λόγους τῶν πρακτικῶν. Начало: Λόγους ἀπὸ πειρας λεγομένους.

— лог. ѯг̃. Περὶ ταῦ ὅτι αἱ μνήμαι. εἴτε καλαί εἰσιν εἴτε κακαί. ἀνακαινίζουσιν ἡμῖν ἀρετὴν ἢ κακίαν, καὶ διὰ τοῦτο χρὴ πᾶση φυλακὴ τηρεῖν ἑαυτοὺς καὶ ἐν σοφία περιπατεῖν. Начало: Ἐὰν γὰρ ἡ μνήμη τῶν ἀρετῶν. ἀνακαινίζει ἡμῖν...

л. 221 об. — лог. ѯд̃. Οτι πρὸς τὴν κατάστασιν τῆς ψυχῆς καὶ τῆς διὰ τῶν μνημῶν ἐν τῷ νῷ ἀνατυπώσεως ἐπακολουθοῦσι καὶ αἱ νυκτεριναὶ φαντασίαι καὶ αἱ ἡμεριναὶ ἀδολεσχίαι. Начало: Λοιπὸν οὐχὶ μόνον ἡ μελέτη βλάπτει τὸν ἔχοντα αὐτήν.

л. 222. Ὅτι ἀπο τῶν μνημῶν δύναται ὁ προσέχων επιγινώσκειν τὴν ἑαυτοῦ κατάστασιν· καὶ ἐν ποίοις ἐστὶν ἡ ἐργασία τῆς διανοίας αὐτοῦ. πότερον ἐν τοῖς δαιμονιώδεσι λογισμοῖς. ἢ τοῖς τῶν παθῶν ἢ τοῖς ἀπο τῶν προλήψεων. Нач. Καὶ ἡμεῖς ὦ ἀδελφοὶ. λαμβάνομεν ἄρτι τὸ διακρίνειν ἀεὶ ἐν ταῖς μνήμαις τῆς μελέτης ἡμῶν. Περὶ ἀγαπης. Начало: Ἡ ἀγάπη ἡ ἔκ τινων γινομένη πραγμάτων... Послѣ 61. слова до 66. на полѣ не означено: λογ.

л. 223. λογ. ϰ̅ϛ̅. Περὶ τοῦ πῶς ψάλλειν ἀσυγχύτως. Начало: Θελης τρυφῆσαι ἐν τῇ στιχιλογία τῆς λειτουργίας σου καὶ λαβεῖν αἴσθησιν τῶν λογιων τοῦ πν̅ς̅ ὑπὸ σοῦ λεγομένων.

л. 223 об. λογ. ϰ̅ζ̅. Περὶ ἀκηδίας καὶ μετεωρισμοῦ. Начало: Ἡ ἀκηδία ἐκ τοῦ μετεωρισμου.

— Ὅτι οὐ δεῖ ἀντιλέγειν τοῖς λογισμοῖς, ἀλλὰ παρίπτειν ἑαυτὸν τῷ θῷ. Начало: Ὁ μὴ ἀντιλέγων τοῖς ἐν ἡμῖν ὑποσπειρομένοις λογισμοῖς τοῦ ἐχθροῦ.

л. 224. λογ. οα̅. (sic). Περὶ τῶν δακρύων διδασκαλία θαυμαστη· Начало: Τὰ δακρυα τὰ ἐν τῇ εὐχῇ.

л. 224 об. λογ. οβ̅. Ὅτι οὐ δεῖ τὸν ἡσυχαστὴν ἐργάζεσθαι προφάσει τῆς χρείας αὐτοῦ. ἢ τῆς ἐλεημοσύνης. ἀλλὰ φυλάττειν τὸν νοῦν ἀεὶ. καὶ προσεύχεσθαι καὶ ἀναγινώσκειν. Начало: Ὅταν στραφεῖς εἰς τὸ ἔργον τῶν χειρῶν ἐν τῇ διαμονῇ τῆς ἡσυχίας σου.

л. 225. Περὶ τοῦ μὴ δειλίαν καὶ φοβεῖσθαι. ἀλλὰ στηρίζειν τὴν καρδίαν ἐν πεποιθήσει τοῦ θῦ. καὶ θαρεῖν τῇ πίστει τῇ ἀδιαστάκτου ὡς φρουρὸν καὶ φύλακα ἔχων τὸν θν̅. Начало: Ἐὰν γὰρ ποτε εὑρεθῆς ἄξιος τῆς ἀναχωρίσεως τῆς ἐχούσης τὰ φορτία ἐλαφρὰ.

л. 226. λογ. ογ̅. (sic). Περὶ πειρασμῶν ὑπομονῆ. καὶ ὅτι δι' αὐτῶν προκόπτουσιν οἱ ἀγωνισταὶ καὶ σοφίζονται. Начало: Εἶπεν γάρ τις τῶν ἁγίων. ὅτι ἦν τίς τῶν ἀναχωρητῶν γέρων τιμιος. καὶ ἀπῆλθον αὐτὸν ἅπαξ.

л. 226 об. Ὅτι ἡ φύλαξ τῆς γλώσσης ὁ μόνον ἐξυπνίζει τὸν νοῦν πρὸς τὸν θν̅, ἀλλὰ καὶ ἐγκρατεία συμβάλλεται. Начало: Ἦν τίς τῶν πρ̅ων. καὶ ἦν ἐσθίων δευτερον τῆς ἑβδόμαδος.

л. 227. λογ. οε̅. Περὶ ἀγρυπνίας καὶ τῆς ἐξ αὐτῆς ὠφελείας. Начало: Οὗτος δε ὁ ἅγιος, συνήθειαν εἶχε πολλὴν ἐις τὴν ἀγρυπνίαν τῆς νυκτος.

л. 227 об. — 229 об. Τοῦ αὐτοῦ. πόθεν φυλάττεται ἡ νήψις ἡ κρυπτὴ ἡ ἔσωθεν ἐν τῇ ψυχῇ γενομένη καὶ πόθεν εἰσέρχεται ὁ ὕπνος καὶ ἡ ψυχρότης ἐν τῇ διανοία. καὶ σβέννυσι τὴν θέρμην τὴν ἁγίαν ἀπονεκροῦσι τὴν ἐις θν̅ ἐπιθυμίαν. ἀπὸ τῆς θέρμης τῶν πν̅ικῶν καὶ οὐν̅ίων. Начало: Οὐκ ἔστι δυνατὸν ἔχουσι τὰς καλὰς ἐπιθυμίας ὑπὸ τῆς ἐναντιώσεως.

л. 229 об. — 230 об. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ἀλλοιώσεων τῶν πολλῶν τῶν ἀκολουθούντων τῇ διανοία. καὶ ἐν τῇ εὐχῇ δοκιμαζομένων. Περὶ ἐπιγνώσεως τοῦ θελήματος τ̅ῦ θῦ. Начало: Τὸ προκρίνειν μὲν τὸ ἀγαθὸν θέλημα...

л. 230 об. — 232 об. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ὑπομονῆς τῆς ὑπὲρ τῆς ἀγάπης τοῦ θῦ. καὶ πόση ἀντίληψις εὑρισκεται ἐν αὐτῇ. Начало: Ὅσον καταφρονήσει ἄν̅ος τούτου τοῦ κοσμου.

232 об. — 234. λογ. οϛ̅. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῶν ἔγγιστα τοῦ θῦ ζώντων. καὶ ἐν τῇ ζωῇ τῆς γνώσεως πᾶσας τὰς ἡμέρας αὐτῶν διαγόντων. Начало: Γέρων τίς ἔγραψεν ἐις τὰ τείχη τοῦ κελλίου αὐτοῦ λόγους καὶ ἐννοίας πολυτρόπους.

л. 234.—236. Τοῦ αὐτοῦ λόγος ὠφέλημος. ὅτι οὐ δεῖ μεριμνᾶν τῆς σωμάτων χρείας. Начало: Ὁ λόγος τοῦ κῦ ἀληθινος ὃν εἴρηκεν.

л. 236—238 об. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τοῦ μὴ δεῖν χωρὶς ἀνάγκης ἐπιθυμεῖν ἢ ἐπιζητεῖν σημεία τινα φανερα ἔχειν ἐν ταῖς χερσὶν ἡμῶν. Начало: Ἐν παντι καιρῷ ἐν ᾧ ὁ κ̅ς̅ ἐγγὺς ἐις ἀντιλήψεις τῶν ἁγίων αὐτοῦ, χωρὶς ἀνάγκης.

л. 238 об. — 240. Τοῦ αὐτοῦ διὰ πόσας αἰτίας ἀφεῖ ὁ θ̅ς̅ τοὺς πειρασμοὺς, ἐπὶ τους ἀγαπόντας αὐτὸν. Начало: Ἐκ τῆς ἀγάπης ἧς ἔδειξαν οἱ ἅγιοι πρὸς τὸν θν̅.

л. 240 — 243 об. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τοῦ σονιέναι τῷ ἐν ποίῳ μέτρῳ ἵσταταί τις ἐκ τῶν κινουμένων ἐν αὐτῷ λογισμῶν. Начало: Ἄνος ὅσον ἐστιν ἐν ἀμελεία, ἐκ τῆς ὥρας τοῦ θανάτου φοβῆται.

л. 243 об. — 246 λογ. πϐ̅. (sic). Τοῦ αὐτοῦ ὁσίου πρ̅ς ἡμῶν ἀββὰ Ἰσαὰκ. δια τί οἱ ἄν̅οι οἱ ψυχικοὶ ἐν τῇ γνώσει περιβλέπουσιν ἐις τινα πν̅ικὰ κατὰ τὴν παχύτητα τῶν σωμάτων. καὶ πῶς δύναται ἡ διάνοια ὑψωθῆναι ἐκ ταύτης. καὶ τί ἐστιν ἡ αἰτία τοῦ μὴ ἐλευθερωθῆναι ἐξ αὐτῆς. καὶ πότε καὶ ἐν ποίῳ δυναται ἐμμεῖναι τὴν διάνοιαν ἀνευφαντασίας ἐν τῇ ὥρα τῆς λειτουργίας. Начало: Εὐλογημένη ἡ τιμὴ τοῦ κῦ τοῦ ἀνοίγοντος θύραν ἔμπροσθεν ἡμῶν.

л. 246 — 248. Λόγοι πάλιν τοῦ αὐτοῦ. Начало: Μὴ ψυφίσῃς ἀργίαν τὴν ἔκτασιν τῆς εὐχῆς τῆς ἀμετεωρίστου.

л. 248—250 об. λόγος. κα̅. (sic). Περὶ σιωπῆς. Начало: Ὑπὲρ πάντα τὴν σιωπὴν ἀγάπησον. ὅτι προσεγγίζει σε πρὸς καρπόν.

л. 250 об. — 252. λογ. κβ̅. Περὶ μετανοίας. Начало: Ἐὰν ἀγαπᾷς τὴν μετάνοιαν, ἀπάπησον καὶ τὴν ησυχίαν.

л. 252 — 256. Ἐπιστολὴ τοῦ αὐτοῦ ἀββᾶ Ισαὰκ, ἣν ἀπέστειλε πρὸς τινὰ ἀγαπητὸν αὐτοῦ διδάσκων ἐν αὐτῇ τὰ περὶ τῶν μυστηρίων τῆς ἡσυχίας. καὶ πῶς πολλοὶ ἀμελοῦσι διὰ τὸ μὴ γινώσκειν αὐτοὺς τὴν ἐργασίαν ταύτην τὴν θαυμαστὴν. καὶ ἅτι ῥᾲ πλείστοι ἐκράτησαν τὸ κάθισμα τῶν κελλίων ἐκ διαδοχῆς τῆς πορευομένης μεταξὺ τῶν μοναχῶν μετὰ συντόμου συναγωγῆς τῆς ὀφειλομένης τῇ διηγήσει τῇ ἡσυχίας. ὦ ἐραστὰ τῆς ἡσυχίας ἀνάγνωθι ἐν ταύτῃ ἐπιστολὴ πασας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς σοῦ καὶ μὴ παύσῃ. Начало: Ἀδελφέ. ἐπειδὴ ἠναγνάσθην τοῦ ὀφείλοντος ἐπιστεῖλαι σοι....

л, 256 об. 257 об. Περὶ διαφόρων νοημάτων ποία ἔστι χρεία ἑκάστου τούτων. Начало: Αἴσθησις πικὴ ἐστιν, ἡ ποιηθῆσα δόξασθαι τὴν θεωρητικήν.

л. 257 об. — Κεφάλαια σύντομα. ἐκλογή. Начало: Ἡ ἀλήθεια ἐστιν, αἴσθησις κατὰ θν̅.

л. 258 об. Περι πληρώσεως γαστρὸς. Начало: Καθάπερ ἐκ τοῦ σπέρματος τοῦ ἰὸρῶτος τῆς Ψηστείας ..

л. 258 об. 259 об. Περὶ σωφροσύνης. Начало: Ὦ σωφροσύνη πόσον λαμπρύνεται τὸ κάλλος σου ἐν τῇ χαμευνίᾳ καὶ ἐν τῷ πόνῳ τῆς πείνης.

л. 259 об. — λογ. (sic). Τοῦ αὐτοῦ πρὸς ὀφειλει ὁ διακριτικὸς καθέζεσθαι ἐν τῇ ἡσυχίᾳ. Начало: Ἄκουσον ἀγαπητέ. ἐὰν θέλῃς ἵνα μὴ γένονται τὰ ἔργα σου μάταια.

л. 260 — 262. λογ. ρα̅. Σημεία καὶ τεκμήρια τῆς ἡσυχίας. Начало: Ὅτε ἐν τῷ τέῳ σου ἐν τῇ ἡσυχια βλέπεις τὴν διάνοιαν σου δυναμένην. ἐλευθερίως ἐνεργεῖν ἐν τοῖς λογισμοῖς.

л. 262. — 265 об. λογ. ρβ̅. Τοῦ αὐτοῦ ὁσίου πρ̅ς ἡμῶν ἀββᾶ Ἰσαὰκ. ὅτι τὰ μέτρα τῆς πολιτείας ἡμῶν, ἐκ τῆς ἀλλοιώσεως τῆς διανοίας ἡμῶν νοοῦμεν. καὶ ὅτι τὸ πλῆθος τῆς ἀλλοιώσεως τῶν ἔργων ἡμῶν, νηπιωδῶς μὴ ἐπεριδομεθα. ἀλλὰ τὸ μέτρον τῶν ψυχῶν ἡμῶν γνωσώμεθα ὡς σοφοὶ. ἐκ τοῦ ἀνακαιγισμοῦ τοῦ ἐν τῷ κρυπτῷ. οὓς αἰσθανόμεθα ἡμέραν καθ' ἡμέραν. καὶ περὶ τάξεως λεπτῆς τῆς διακρίσεως. Начало: Πρόσχε σεαυτῷ ἀγαπητὲ ἀεὶ. καὶ ἴδε ἐν τῇ συνεχείᾳ τῶν ἔργων σου.

л. 265 об. — 270. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἀληθοῦς γνώσεως. καὶ περὶ πειρασμῶν. καὶ περὶ τοῦ ἀκριβῶς γινώσκειν. ὅτι οὐχὶ μόνον τινὲς ἐλάχιστοι καὶ ἀσθενεῖς καὶ ἀγύμναστοι. ἀλλὰ καὶ οἱ ἀξιωθέντες τῆς ἀπαθείας χρονιῶς. καὶ φθάσαντες τὴν τελειότητα τοῦ φρονήματος. καὶ πλησίον γενόμενοι τῆς καθαρότητος μερικῶς τῆς μετὰ τῆς νεκρώσεως συνεζευγμένης. καὶ φθάσαντες ὑπεραρθῆναι τῶν παθῶν. ἐν οσω εἰσὶν ἐν τῷ κόσμῳ τούτῳ. ἐπετράπη ἐκ τοῦ θῦ ἐν τῇ συζεύξει τῆς ζωῆς τῆς μετὰ σαρκὸς τῆς παθητῆς. ἔχειν ἀγῶνα καὶ κατὰ κόπρμς εἶναι ἐκ τῶν παθῶν διὰ τὴν σάρκα διότι γίνεται πρὸς αὐτοὺς ἀεὶ παραχώρισις ἐν ἐλέει διὰ τὴν πτώσιν τῆς ὑπερηφανειας. Δόξα τῷ ἐχγέαντι πλουσίως ἐπὶ πάσης τὸ ἔλεος αὐτοῦ. δόξα τῇ ἀνικάστῳ ἀνοχῇ καὶ μακροθυμία αὐτοῦ τῇ ἐπὶ τοὺς ἁμαρτωλοὺς ἀμήν. Начало: Κατὰ μίαν, καὶ μίαν, πασάκις παραβαίνουσι τινες.

л. 270 — 273. Τοῦ αὐτοῦ νοῦς τοῦ κεφαλαίου τούτου. μετὰ τῶν νοημάτων τῶν λεχθέντων ἐν αὐτῷ. Начало: Διάνοια δὲ συνηγμένη τοῦ κεφαλαίου τούτου ἐστὶ, τὸ γινώσκειν ἡμᾶς ἐν πάσῃ ὥρα...

л. 273 — 279. Τοῦ αὐτοῦ ἐρωτήσεις περὶ διαφορᾶς ἀρετῶν. καὶ περὶ τελειώτητος τῆ παντὸς δρόμου. καὶ περι μεγαλοσύνης τῆς ἀγάπης τῶν ἀνων κατὰ τρόπον πνικὸν τὸν τελειοῦντα πάντας τοὺς ἁγίους. δι' ου ἐπήχθη ἐν αὐτοῖς ἡ θεία ὁμοιώσις ἐν τῇ ἀγάπη αὐτῶν τῇ πλουσίᾳ. ἣν ἐξέχεαν. ἐπὶ τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνων. Начало: Τελειότης παντὸς δρόμου, ἐν τούτοις τοῖς τρισὶν ἐστὶν.

л. 279—286 об. Περὶ πίστεως καὶ ταπεινοφροσύνης. Начало: Ὦ ἄνε ἐλάχιστε. θέλεις εὑρεῖν τὴν ζωὴν τὴν πίστιν καὶ τὴν ταπείνωσιν κράτησον ἑαυτῷ. (Τοῦτο κεφάλαιον πεπληρωμενον ζωῆς.)

л. 286 об. — Τοῦ αὐτοῦ ὁσίου πρ̅ς ἡμῶν Ισαὰκ. περὶ ὠφελείας τῆς ἐκ τῆς φυγῆς τοῦ κόσμου. ὅτι ἐν τῇ ἐξετάσει καὶ προσευχῇ τῆς σοφίας ἐτροπώσαντο οἱ πρῆς τοῦτον τὸν τρόπον. Начало: Ἰσχυρὸς ἐστὶν ἀληθῶς καὶ δυσχερῆς καὶ δύσκολος ὁ ἀγὼν ὁ γινόμενος ἐν τοῖς πράγμασι.

л. 287 — 291. Τοὺ αὐτοῦ περὶ ἐκείνων δι' ὧν κτήσασθαι τις δύναται τὴν ἀλλοίωσιν τῶν κρυπτῶν νοημάτων. μετὰ τῆς ἀλλοιώσεως τῆς πολιτείας τῆς ἔξω. Начало: Ὅσον ἔστι ἐν τῇ ἀκτημοσύνῃ, ἡ ἐνδημία τῆς ζωῆς ἀνέρχεται ἐν τῇ διανοίᾳ αὐτοῦ ἀεί.

л. 291. — 292. об. Τοῦ αὐτοῦ περὶ ἀγρυπνίας τῶν νυκτῶν. καὶ περὶ διαφορᾶς τρόπων τῆς ἐργασίας αὐτῆς καὶ ὅτι οὐ δεῖ τὸν σκόπον τῶν ἔργων ἡμῶν πρὸς τελείωσιν καὶ ὁρισμὸν ποσότητος εἶναι. ἀλλ' ἐν ἐλευθερίᾳ τῆς διακρίσεως τῶν υἱοῦ θῦ μετὰ παρρησίας αὐτῶν ἐργαζόμενος ἐν τῇ προθυμίᾳ τῆς ἀγάπης. καὶ πόσον ἐστὶ τίμιον τὸ ἔργον τῆς ἀγρυπνίας ὑπὲρ πάσας τὰς πολιτείας καὶ ποία ζητεῖ τοῖς ἐκλεξαμένοις τοῦτο τὸ ἔργον. καὶ πῶς δεῖ πορεύεσθαι ἐν αὐτῇ καὶ περὶ πῶν χαρισμάτων τῶν ἀξιουμένων ὑπὸ τοῦ θῦ αὐτοῖς εἶναι. καὶ περὶ τῶν ἀγίων τῶν ἐξεναντίας αὐτῶν, ἐκ τῶν ἀρχόντων τοῦ αἰῶνος τούτου. Начало: Ὅταν θελήσεις στῆναι ἐν τῇ λειτουργίᾳ τῆς ἀγρυπνίας σου ἐν τῇ συνεργείᾳ τοῦ θῦ ποίησαν ὡς λέγω σοι ἐγώ.

к. 292 об. — 297. Τοῦ αὐτοῦ περὶ πόσης τιμῆς ἧς κέκτηται ἡ ταπεινοφροσύνη. καὶ πόσον ἀνώτερος ἐστὶ ὁ βαθμὸς αὐτῆς. Начало: Θέλω ἀνοῖξαι τὸ στόμα μου ὦ ἀδελφε. καὶ λαλῆσαι περὶ τῆς ὑψηλῆς ὑποθέσεως τῆς ταπεινοφροσύνης.

л. 297 — 306 об. Начало: Τοῦ αὐτοῦ ὁσίου πρὸς ἡμῶν ἀββᾶ Ἰσαὰκ, ἐπιστολὴ πρὸς τὸν ἀββᾶν συμεῶνα. Начало: Ἡ ἐπιστολή σου ᾧ ἅγιε ρύχι λόγοι ἀγκεχαραγμένοι εἰσὶν ἐν αὐτῇ.

л. 306 об. — 308 об. Τοῦ αὐτοῦ κεφάλαιον ἐκ τῆς πρώτης διδασκαλίας ἐστὶ, καὶ ἐθήκαμεν αὐτὸ ἐν τῷ μέσῳ τοῦ λόγου τούτου πρὸς τὸν ἁγιον συμεῶνα. Начало: Ἔρωτ. Ἐ καλὸν ἐστὶν ἐκ πάντων τῶν ἐρεθιζόντων τὰ πάθη μακρυνθῆναι.

л. 308. об. — 324. Τὸ ὑπόλοιπον τῆς ἐπιστολῆς τῆς πρὸς τὸν ἀββᾶν συμεῶνα. Начало: Πάλιν ἐν τῇ ἐπιστολῇ σου ἔγραψας, ὅτι ὁ μοναχος ὁ θέλων ἀγαπῆσαι τὸν θν.

л. 324 — 325 об. Περὶ τοῦ μαλπάτ. Начало: Μαλπὰτ γὰρ τι ὀνομαζόμενος. ὃς ἐν καιρῷ τινὶ ἐν ἐδέσει τῇ πόλει.

л. 325 об. 327. Περὶ ἰασωνα. Начало: Πάλιν δὲ ἄλλος ἄνος ἦν ἐν ἐδέσει.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 30 об. Περὶ αἰσθήσεων.

Αἱ αἰσθήσεις αἱ σώφρονες καὶ σε συνηγμέναι, εἰρήνην γενῶσι τῇ ψυχῇ. καὶ οὐκ εὖσιν αὐτὴν πεῖραν λαβεῖν τῶν πραγμάτων, ὅταν δὲ ἀζαθήσιν τῶν πραγμάτων μὴ λαβη, τότε γεγήσεται νίκη δίχα ἀγώνος. εἰ μέγται ἀμελήσει ὁ ἄνος καὶ τὰς προρβολὰς εἰσελθεῖν ἐν αὐτῷ παραχωρήσει, τότε ἀναγκάζεται πρλεμῆσαι, ταράττεται δὲ, ἡ πρώτη καθαρότης, ἥτις ἐστὶν ἁπλουστάτη καὶ ὁμαλὴ. οἱ πλείστοι γὰρ τῶν ἀνων, ἢ καὶ ὅλως ὁ κόσμος, διὰ τον ἀμέλειαν ταύτην, ἐξέρχγται ἐκ τῆς φυσικῆς καὶ καθαρᾶς μ. 31. καταστάσεως. διὰ τοῦτο οἱ ἐν κόσμω καὶ τοῖς κοσμικοῖς συμφερόμενοι, οὐ δύνανται καθαρθῆναι τὴν διάνοιαν, διὰ τὴν παλλὴν τῆς κακίας ἐπίγνωσιν, ὀλίγοι δὲ εἰσιν οἱ δυνάμενοι ὑποστρέψαι, εἰς τὴν πρώτην καθαρότητα τῆς διανοίας. διὰ τοῦτο δεῖ ἀσφαλῶς τηρεῖν ἕκαστον ἄνον τὰς αἰσθήσεις αὐτοῦ καὶ τὴν διάνοιαν ἐκ τῶν προσβολῶν. νήψεως γὰρ πολλῆς χρεία καὶ φυλακῆς καὶ τηρήσεως. ἡ πολλὴ ἁπλότης πέφυκεν εὐπρεπῆς, φόβου χρεία τῇ ἀνίγνη φύσει, ἵνα τοὺς ὅρους τῆς ὑπακοῆς φυλάξει. η ἀγάπη κινεῖ πρὸς πόθον τῆς ἐργασίας τῶν ἀρετῶν. προηγεῖται δὲ ἀμ-

Изъ постническихъ словъ св. Исаака Сурина, № 109. Сун. Библ. 1525. года.

л. 34. Тогожѣ ѡ оумьствѣ: слѡ. є.

**Оумьства цѣломудрена и събрана. смиренїе раждаютъ дш҃и. и не ѡставлаю҆ тѣ нскусъ прїати кѣщен. егда же оумьствѡ кѣщем не прїимѣ, тогда бѫдеть побѣда и кромѣ пѡбнга. аще же нерадѣ оумъ, и прилогѡ винтї к себе попустѣ. тогда нѫдятся ратовати. смѣщае же са прьвыа чистота, яже є простѣншая и глава. мнѡжаншим ко ѡ оумъ, или и весь мръ. за небрѣженїа рд҃ сего исходѧ ѡ естъствнаго и чистаго ѡстакленїа. сего рд҃ нже к мирѣ и съ мирскыми смѣшающенса. не могѫть ѡчистити мысль, за многыа злобы познанїа. мали же соу могѫщен къзкратити къ прьвоу чистотѣ мысли, л. 34. об. сего рд҃ пѡдобаеть твердѣ съблюдати всякомѣ оумоу, оумьства свои и мысли ѡ прилогъ прно. трѣзвенїа бо трѣбѣ мнѡго. и храненїа и блюденїа. мнѡга простота є оудобь прѣвратна. бозни потрѣба оубо оумъскомѣ естествѣ. даже предѣлы послушанїа еже къ бгу съхранить. любовѣе яже къ бгу пѡбнжеть къ желанїю дѣланїа добродѣтелен. [1]) прѣ-

[1]) Сихъ словъ: **и тою высхыщается къ благомѣ дѣланїю. дховнын разумъ вторын є естествѡ дѣланїа добродѣтелен,** по Гречески нѣтъ въ сей рукописи,

φοτέρων ὁ φόβος καὶ ἡ ἀγάπη, καὶ πάλιν προηγεῖται τῆς ἀγάπης ὁ φόβος. πᾶς τίς ἀναιδῶς λέγων, δυνατὸν κτήσασθαι τὰς τελευταίας πρὸ τῶν πρώτων, ἀνεπάστως θεμέλιον ἀπολείας τῇ ἑαυτοῦ ψυχῇ τέθηκεν. αὕτη ἐστὶν ἡ ὁδὸς κῦ. ὅτι αὗται. ὑπ' ἐκείνων γεννῶνται μὴ ἀλλάξῃς τὴν ἀγάπην τοῦ ἀδελφοῦ σου, ἀγάπη τινὸς τῶν πραγμάτων. διότι τὸν πάντων τιμιώτερον λελυθότως ἔνδοθεν κέκτηται. κατάλειψον τὰ μικρὰ ἵνα εὕρῃς τὰ μεγάλα. ἐξευτέλισον τὰ περισσὰ ἵνα εὕρῃς τὰ τίμια γενοῦ τεθνεῶς ἐν τῇ ζωῇ σου καὶ μὴ ζήσῃς, εἰς θάνατον. δίδουσε αὐτὸν θανεῖν ἐν τοῖς ἀγωνίσμασι, καὶ μὴ ζῆν ἐν ἀμελεία. οὐ μόνον γὰρ οἱ διὰ τὴν εἰς χν̄ πίστιν δεξάμενοι τὸν θάνατον, μάρτυρεν εἰσὶν. ἀλλὰ καὶ οἱ διὰ τὴν τῶν ἐντολῶν αὐτοῦ τηρησιν ἀποθνήσκοντες μὴ γίνου ἄφρων Л. 31 об. ἐν τοῖς σοῖς αἰτήμασιν, ἵνα μὴ τὸν θν̄ καθυβρίσῃς τῇ σμικρότητι τῆς σῆς γνώσεως. γενοῦ σοφὸς ἐν ταῖς σαῖς προσευχαῖς, ἵνα τῶν ἐνδόξων καταξιωθῆς. ζήτησον τὰ τίμια παρὰ τοῦ μὴ φρονοῦντος, ἵνα καὶ παρ' αὐτοῦ τὴν τιμὴν δέξῃ διὰ τὸ σοφόν σου θέλημα. σοφίαν ἠτήσατο σολομών, καὶ σὺν αὐτῇ βασιλείαν τῆς γῆς ἐδέξατο. καθότι σοφῶς ἠτήσατο. λέγω δὴ παρὰ τοῦ μεγάλου βασιλέως. ἐλισσαιὲ διπλὴν ἠτήσατο τὴν χάριν παρὰ τοῦ πν̄ς, τὴν οὖσαν τῶ διδασκάλω αὐτοῦ, καὶ οὐδαμῶς τῆς αἰτήσεως ἀπέτυχεν. ὁ γὰρ παρὰ βασιλέως αἰτῶν τὰ εὐτελῆ, τούτου τὴν τιμὴν ἐξευτελίζει. Ιῆλ ἠτήσατο εὐτελῆ, καὶ τὴν ὀργὴν τοῦ θῦ ἐδεξατο. ἀφῆκε τοῦ θαυμᾶσαι ἐν τοῖς ἔργοις. τοῦ θῦ, καὶ τὰ φοβερὰ θαυμάσια αὐτοῦ, καὶ ἐζήτησε τὴν ἐπιθυμίαν τῆς γαστρὸς αὐτοῦ, ἔτι δὲ οὔσης τῆς βρώσεως ἐν τῶ στόματι αὐτῶν καὶ ὀργὴ τοῦ θῦ ἀνέβη ἐπ' αὐτούς. πρόσφερε τῶ θῶ κατὰ τὴν δόξαν αὐτοῦ τὰς αἰτήσεις σου ἵνα μεγαλύνθῇ σου πρὸς αὐτὸν ἡ ἀξία καὶ ἐπιχαρῇ σοι. ὥσπερ γὰρ ἐάν τις αἰτήσηται παρὰ τοῦ βασιλέως μέτρον κόπρου, οὐ μόνον αὐτὸς ἀτιμάζεται παρὰ τῆς εὐτελείας τῆς αἰτήσεως αὐτοῦ. καθότι πολλὴν ἀγνωμοσύνην ἐνεδείξατο ἀλλ' ὅτι καὶ ὕβριν τῶ βασιλεῖ χάρι τῆς ἀνίτήσεως αὐτοῦ. ἐπέθηκεν, οὕτως καὶ ὁ τὰ γήινα ζητῶν παρα θῦ ἐν ταῖς προσευχαῖς αὐτοῦ. ἰδοὺ γὰρ ἄγγελοι καὶ ἀρχάγγελοι. οἵ τινες εἰσὶ τοῦ βασιλέως μεγιστάνες, εἰς σὲ ἀτενίζουσιν ἐν τῶ καιρῶ τῆς προσευχῆς. ποίαν αἴτησιν αἰτεῖ Л. 32. παρὰ τοῦ δεσπότου αὐτῶν. καὶ ἐκπλήττονται ὅταν ἴδωσι τὸν γεώδη, καταλείψαντα τὴν ἑαυτοῦ κόπρον καὶ τὰ οὐΐα αἰτοῦντα. μὴ ζητήσῃς παρὰ θῦ, ὅπερ αὐτὸς ἄνευ αἰτήσεως ἡμῖν διδόναι προνοεῖται. οὐ μόνον τοῖς ἰδίοις καὶ προσφιλέσιν. ἀλλὰ καὶ τοῖς οὖσι ξένοις τῆς αὐτοῦ γνώσεως. μὴ γίνεσθε γὰρ ὡς τὰ ἔθνη βαττολογοῦντες ἐν ταῖς προσευχαῖς. ταῦτα γὰρ τὰ σώματικὰ, τὰ ἔθνη ἐπιζητοῦσιν. ὑμεῖς δὲ μὴ μεριμνήσητε τί φάγητε ἢ τί πίητε. ἢ τί ἐνδύσησθε. ὁ γὰρ πῆρ ἡμῶν οἶδεν ὅτι χρείαν ἔχετε τούτων. ὁ υἱὸς ϑ̄ κ ἔτι αἰτεῖ παρὰ τοῦ πρ̄ς ἄρτον, ἀλλὰ ζητεῖ τὰ μέγιστα καὶ ὑψηλὰ τῆς οἰκείας τοῦ πρ̄ς αὐτοῦ. διὰ γὰρ τὴν ἀσθένειαν

каралѣ же ѡбою, стра и любовь и пакы прѣкаралѣ любѣ, стра. вьсакы нже бестѣднѣ тлѣ ако моцно стажати послѣдннхь, прѣже прьвы дѣланїа, прьвое бестоу̑нѣ ѡснованїе погыбѣли своен дш̑н положи. сь бо е̑ поуть гн̑ь, ако сїа ѿ ѡнѣхь раж̑аются. да не изменишн любовь брата твоего, любовїю нѣуесого ѿ вещен. занеже всѣ уестнѣе ѡтан. вънутрьоудѣ имать. ѡставн мала да ѡбращѣши велнка. оуннунжи нзлишнаа и безуестна, да ѡбращѣши уестнаа. бѣди оумрь вь жнзни твоен. да не жнвь бѣдеши въ см̑рть. давая самь себе оумрѣти къ пѡ̑внсѣ. а не жити вь лѣности. не тоуїю бо нже хвы ра̑ вѣры прїемшен см̑рть, мунцн соу̑. но и нже заповѣден его ради съблюденїа оумнрающен. не бѣди безъменъ въ твонхь прошенн̑. да не ба̑ оуннунжишн оумаленїемь твоего разума. бѣди прѣмѣдръ вь твон̑ мт̑ка̑, да славны̑ спѡдобишн̑. проси уестнаа ѿ незавндащаго, да и уесть ѿ того прїнмешн прѣмр̑раго ради твоего хотенїа. прѣмр̑рѡ̑тн проси соломѡ̑. и съ нею прт̑во земла прїатъ. занѣ̑ прѣмр̑рѣ проси. гл̑ю же ѿ велнкаго цр̑а, елнсен сѵгоуб̑ю просн бл̑ть дх̑а. нже соуща вь оуунтелн его. и никако̑ прошенїа погрѣшн. нже бо оу цр̑а просан хѵдаа, сего поуесть ѡхѵмр̑ѣ їи̑ль проси хѵдаа и гнѣкъ ѿ ба̑ прїатъ. ѡставн бо єже уюднт̑ вь дѣлесѣ бж̑їнхъ, и страшны̑ уюдесѣ его и проси похоти хрѣка своего, и єще ѣрашнѵ соущь вь оустѣ̑ нхь, и гнѣвъ бж̑їн взыде на на. прннесн бг̑ови по славѣ его прошенїа твоа. да къзвелнунтся к немѵ твон санъ. и къзрадуеттнся. ако же бо ѵбо ащє кто кьспроснтъ ѿ цр̑а мѣрѵ гноа, не токмо тъ ѡбезуестнтся хѵдаго ра̑ прошенїа своего, понеже много неразумїе показа. но ако и досадѵ цр̑ю прошенїа ра̑ своего наложн. снце и нже земнаа проса вь мт̑ъкѣ̑ свон̑ ѿ ба̑. се бо агл̑н и архаггли нже соуть Л. 35. об. цр̑екн велмж̑їе. на та взнрають вь врѣма мт̑кы твоеа. ктаково прошенїе̑ просншн ѿ вл̑кы н̑. и дивятся и ра̑ѹютса. ега̑ кнда̑ земнаго ѡставльша свою плѡ̑, и нбн̑аа просаща. [1]) да не просншн оу ба̑ вещь, нже самь кромѣ прошенїа намъ давати промышлѣ̑. и не тоуїю свон̑ и любезны̑ но нже свѣще страннымъ того разѵма. не бываите реуе, ѩкоже нзыцн лншє гл̑ющє вь мт̑ка̑. сїа бо тѣлеснаа нзыцн нцѵть реуе гь. вы же нн пецѣте̑ ѵто̑ мсте нлн ѵто пїете, нлн въ ѵто ѡблеуетеса нбо ѡщ̑ь кашь кѣть ако трѣбуете сн̑. сн̑ъ не ктомѵ просн̑ ѿ ѡщ̑а своего хлѣба. но просн̑ велнкаа и высокаа дома ѡщ̑а своего. немощни бо ра̑ н мысли улу̑ьскыа. заповѣда гь просити вседнѣкным хлѣбъ. хр̑ъ бо ѵто̑ заповѣдаса скершенымъ разѵмѡ̑, и хр̑овы̑ дш̑ею. не пецѣте̑ реуе ѡ пищи. и ѡ одежи, ащє бо бесловесными жнвотными и птицами и самы-

[1]) Словъ: ако же бо ѵбо негодѵють пакы къ ѡставльшомѵ нбнаа и просащаа свон гнон. по Гречес. въ рукописи нѣтъ.

τῆς διανοίας τῶν ἀγώνων ἐνετείλατο ὁ κς αἰτεῖσθαι τὸν καθημερινὸν ἄρτον. ὅρα γὰρ τί ἐντέταλται ποῖς τελείοις τὴν γνῶσιν καὶ ὑγιεινοῖς τὴν ψυχήν· μὴ μεριμνήσητε γὰρ φησὶν περὶ βρώσεως ἢ ἐνδύματος· εἰ γὰρ τῶν ἀψύχων πετεινῶν ἐπιμελεῖται, οὐ πολλῷ μᾶλλον ὑμῶν; ἀλλὰ μᾶλλον ζητήσατε τὴν βασιλείαν τοῦ θῦ καὶ τὴν δικαιοσύνην αὐτοῦ, καὶ ταῦτα πάντα προστεθήσεται ὑμῖν. ἐὰν δεηθεῖς τοῦ θῦ περὶ πράγματος· καὶ μακροθυμήσῃ τοῦ μὴ ταχέως ὑπακοῦσαί σου, μὴ λυποῦ· οὐ γὰρ εἷ σὺ τοῦ θῦ σοφότερος. τοῦτο δὲ συμβαίνει σοι, ἢ διὰ τὸ ἀνάξιόν τυχεῖν τῆς αἰτήσεως, ἢ διὰ τὸ μὴ εἶναι τὰς ὁδοὺς τῆς καρδίας σου ἐφαμίλους τῆς αἰτήμασι σου, ἀλλ' ἐναντίας, ἢ διὰ τὸ μήπω ἐφθακέναι σε τὸ μέτρον, τοῦ δέξασθαι τὸ χάρισμα л. 32. об. ὅπερ αἰτεῖς· καθάτι οὐ δεῖ εἰς μέτρα μεγάλα πρὸ καιροῦ ἡμᾶς ἐπιβάλλειν ἑαυτοὺς. ἵνα μὴ ἀχριωθῇ τὸ χάρισμα τῦ θῦ, τῇ ταχύτητι τῆς ὑποδοχῆς αὐτοῦ. πᾶν γὰρ τὸ ῥαδίως καταλαμβανόμενον ταχέως καὶ ἀπόλλυται. ἕκαστον δὲ πραγμα μετὰ πόνου καρδίας εὑρισκόμενον, μετὰ παρὰ φυλακῆς καὶ φυλάττεται. διὰ χῦ δίψησον ἵνα σε μεθύσεν τῇ ἀγαπη αὐτοῦ. κάμμυσον τοὺς οφθαλμοὺς σου ἀπὸ τῶ τερπνῶν τοῦ βίου, ἵνα καταξιωθῆς παρὰ θῦ, τοῦ βασιλεύειν ἐν τῇ σῇ καρδίᾳ τὴν αὐτοῦ εἰρήνην. ἐγκρατεύου ἀπὸ τῶν πραγμάτων ὧν τὰ σὰ ὄμματα θεωρεῖ, ἵνα τῇ πνικῆς χαρας καταξιωθῆς. ἐὰν μὴ ἀρεσώσι τῶ θῶ τὰ ἔργα σου. μὴ ζητήσῃς παῤ αὐτοῦ τὰ ἐπίδοξα, ἵνα μὴ γένῃ ὡς ἄνος πειράζων τὸν θν κατὰ τὴν διαγωγήν σου, δέον εἶναι καὶ τὴν εὐχήν σου. ἀδύνατον γὰρ τινα συνδεδεμένον τοῖς γηίνοις ζητεῖν τὰ οὐνίαι ἀμήχανον τε τὸν ἐν τοῖς κοσμικοῖς ἀσχολούμενον τὰ θεία αἰτήσασθαι. διότι ἑκάστου ἄνου ἡ ἐπιθυμία, ἐκ τῶν ἔργων αὐτοῦ δείκνυται. καὶ ἐν οἷς τισι πράγμασι τὴν ἑαυτοῦ σπουδὴν. ὑπὲρ αὐτῶν ἀγωνίζεται ἐν τῇ εὐχῇ. ὁ τὰ μέγιστα θέλων, οὐκ ἐνασχολεῖται τοῖς εὐτελεστέροις. γενοῦ ἐλεύθερος. συνδεδεμένος ὢν τῶ σώματι, καὶ δείξον σου τὴν ὑπακοὴν τῆς ἐλευθερίας διὰ χῦ. γενοῦ δὲ καὶ νουνεχῆς ἐν τῇ σῇ πραότητι, ἵνα μὴ л. 33. κλαπῆς. ἀγάπησον τὴν ταπείνωσιν ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου, ἵνα ῥυσθῆς ἀκαταλήπτων παγίδων· αἵτινες εὑρίσκονται, ἔξω τῆς ὁδοῦ τῶν ταπεινοφρόνων· μὴ ἀπαναίνου τὰς θλίψεις ὅτι δι' αὐτῶν, εἰς τὴν ἐπίγνωσιν τῆς ἀληθείας εἰσέρχη. καὶ μὴ φοβηθεῖς τοὺς πειρασμοὺς ὅτι ἐν αὐτοῖς εὑρίσκεις τὰ τίμια. προσέυξαι μὴ εἰσελθεῖν εἰς τοὺς ψυχικοὺς πειρασμούς. πρὸς δὲ τοὺς σωματικοὺς εὐτρεπίζου ἐξ ὅλης τῆς ἰσχύος σου, ἐκτὸς γὰρ τούτων, οὐ δύνασε προσπελάσαι τῶ θῶ. διότι. ἔνδοθεν αὐτῶν ἀπόκειται ἡ θεία ἀνάπαυσις. ὁ φεύγων τοὺς πειρασμοὺς, φέυγει τὴν ἀρετὴν. πειρασμὸν δὲ λέγω, οὐ τῶν ἐπιθυμιῶν ἀλλὰ τὸν τῆς θλίψεως. καὶ πῶς ὁμοφωνήσει τὸ εὔξασθε μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμὸν. καὶ τὸ ἀγωνίσασθε εἰσελθεῖν διὰ τῆς στενῆς πύλης. καὶ πάλιν μὴ φοβηθῆ τε ἀπὸ τῶν ἀποκτεννόντων τὸ σῶμα. καὶ ὁ ἀπολέσας τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ἕνεκεν ἐμοῦ εὑρήσει αὐτὴν. πῶς οὖν πανταχοῦ προτρέπεται ἡμᾶς ὁ κς, πρὸς τοὺς πειρασμούς. ἐνταῦθα δὲ προσέταξεν εὔξασθαι, μὴ εἰσελθεῖν εἰς

ми тѣми бездѣшными пѣѹется, колми паче камн, но къзыматѣ паче цр҃тво бж҃іе и правдꙋ его, и сїа вса приложа҆тсѧ вамъ. аще помалишѝ бо҃ѹ о вещи. и долготерпѝ еже не скоро л. 36. вслышати та, не скорби, не бо есн ты мꙋдрѣи бг҃а. сѣ же сълꙋчаетьтнсѧ, или зане недостоина та сщла ползꙋнти прошенїа. или зане небыти пѣтевѡ ср҃ца твоего тоуны прошенїю твоемоу, но противны. или зане не и еще достигнѣти ти меры. еже прїати тебѣ даръ его же проснши. понѣ не пѡбаѣть намъ въ меры великыа. прѣж времена вълагати себе. да не непотрѣбно бꙋдеть даровањїе бж҃іе скоростїю пѡ҃атїа его. вьсако бо еже оудобь постигаемо, скоро и побываѣть. всака же вещь съ болѣзнїю ср҃ца wбрѣтаема, съ съблюденїемь хранитсѧ. хр҃а по жажи, да та оупонть любовѣ своеѧ. смажи wни свои wц҃ы красны житїа. да спѡбнши wц҃ а бг҃а еже цр҃твовати въ твоемь ср҃цн того смѣренїю. вьзе҃ржись wц҃ вещен нхже твои wни зрать. да дховныа радости сподобишѝ. аще не оугодна бꙋдꙋть бж҃іи дѣла твоа, да не проснши wц҃ него славнаа. да не боудеши якоже ѵлькь искꙋшаа бг҃а. прамо прѣбываню твоемоу, приклани быти и мнтвѣ твоен. не мощно бо комꙋ сказаномꙋ зѣмными, искати нбнаа. не възможно же, иже въ мирскы оупражнлющомꙋсѧ. л. 36. об. бж҃твеныа просити. зане же всакого ѵлка желанїе, wц҃ дѣлъ его показꙋется. и въ нх же вещ҃ѣ показꙋеть свое тъщанїе. wц҃ тѣхъ пѡбижется въ мтвѣ. иже великаа хота, не оупражняется хвжѣшними. боудн свободь сказанъ сын тѣлесемь и покажи послꙋшанїа твоего свободꙋ хр҃а ра҃. бꙋди же мр҃ъ въ кротости твоен, да не оукраденъ бꙋдеши. възлюби смѣреніе въ всѣхъ дѣлѣ твонхъ. да нзбавишѝ wц҃ непостижныхъ сѣтен. иже wбрѣтаются прно внꙋдꙋ пѣти смѣреномжрыхъ. не wц҃ бѣган скорби. за не же тѣми въ разоу҃ истинын выходиши. и да не бонши нскꙋшенїи. за неже в нѝ wбрѣтаеши утѣла. помолѝ еже не внити к дꙋшевнаа нскоушенїа. къ тѣлеснымь жа готовнсѧ, wц҃ всеѧ крѣпости твоеѧ, кромѣ бо сѝ не можеши приближитѝ бж҃ови. за нѐ внꙋтрь оудꙋ снхъ прѣлежѝ бж҃ественын покон. бѣгаи нскоушенїа, бѣжѝ добродѣтели. нскꙋшенїе же гл҃ю, не желанїи, но скорбны: † вопро҃. да како сѣгласѝ еже помлитѝ, да не внидете въ нскоушенїе. и еже повинганте внити тѣсными двермн, и пакы не оубонте wц҃ оубивающѝ тѣло. и л. 37. погꙋбивы дш҃ꙋ мене ра҃, wбращѐ тоу. wц҃. како ѵбо всюдꙋ бѣдѝ на҃ гъ къ нскоушенїѣ. хѣ же не внити молитѝ заповѣда. многѣми бо ре҃ скор-

αὐτούς. ποία γὰρ ἀρετὴ γίνεται ἄνευ θλίψεως καὶ πειρασμοῦ ἢ ποῖος πειρασμὸς μείζων τοῦ ἀπολέσαι τινὰ ἑαυτὸν εἰς ὃν ἐλθεῖν ἡμῶν ἕνεκεν αὐτοῦ διεκελεύσατο; ὅστις γάρ φησι μὴ ἄρῃ τὸν σταυρὸν αὐτοῦ καὶ ἀκολουθεῖ ὀπίσω μου, οὐκ ἔστι μου ἄξιος, πᾶς οὖν ἐν πάσῃ τῇ διδασκαλίᾳ αὐτοῦ л. 33 об. προστάξας εἰσελθεῖν εἰς τοὺς πειρασμούς, ἐνταῦθα μὴ εἰσελθεῖν προσεύξασθαι ἐνετείλατο; διὰ θλίψεων γὰρ δεῖ ἡμᾶς εἰσελθεῖν εἰς τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν. ὦ τῆς λεπτότητος τῆς ὁδοῦ τῶν σῶν διδαγμάτων κ҃ῦ ἧς ἔξωθεν πάντοτε καθέστηκεν ὁ μὴ συνετὸς καὶ μετὰ γνώσεως ἀναγγώσκων; ἡνίκα ἐπεθύμησαν οἱ υἱοὶ τοῦ ζεβεδαίου καὶ ἡ μὴρ αὐτῶν τῆς μετ' αὐτοῦ καθέδρας εἰς τὴν βασιλίαν, ταῦτα εἶπεν αὐτοῖς, δύνασθε πιεῖν τὸ ποτήριον τῶν πειρασμῶν ὁ ἐγὼ μέλλω πίνειν, καὶ τὸ βάπτισμα ὃ ἐγὼ βαπτίζομαι βαπτισθῆναι; καὶ πῶς ἐνταῦθα ὦ δέσποτα ἐπιτρέπεις ἡμῖν εὔξασθαι, τοῦ μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμόν. περὶ ποίων πειρασμῶν ὦ δέσποτα κελεύεις ἡμῖν εὔξασθαι τοῦ μὴ εἰσελθεῖν. εὔξαι τοῦ μὴ εἰσελθεῖν, εἰς τοὺς εἰ τὴν πίστιν πειρασμούς, εὔξαι μὴ εἰσελθεῖν εἰς ταὺς πειρασμούς, ἐν τῇ οἰήσει τοῦ κ҃ρὸς σου, μετὰ τοῦ δαίμονος τῆς βλασφημίας καὶ τῆς ὑπερηφανίας, εὔξαι μὴ εἰσελθεῖν κατὰ παραχώρησιν εἰς πειρασμὸν φανερὸν τοῦ διαβόλου διὰ τὰς κακὰς ἐνθυμήσεις, ἃς ἐνεθυμήθης ἐν τῇ διανοίᾳ σου. δι' ἃς καὶ παρεχωρήθης. εὔξαι μὴ ἀποστῆναι ἀπὸ σοῦ τὸν ἄγγελον τῆς σωφροσύνης σου. ἵνα μὴ ἐμπύρῳ πολέμῳ πολεμηθεῖς τῆς ἁμαρτίας χωρισθεὶς ἀπ' αὐτοῦ. εὔξαι μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμὸν ἐρεθισμοῦ τινὸς κατάτινος. εὔξαι μὴ εἰσελθεῖν εἰς л. 34. πειρασμὸν ῥᾳψυχίας καὶ δισταγμοῦ. ἐξ ὧν ἡ ψυχὴ εἰς μέγαν ἀγῶνα ἐμβιάζεται. τοὺς μέντοι πειρασμοὺς τοῦ σώματος. ὑπολοψυχῶς ὑποδέξασθαι εὐτρεπίζου, καὶ ἐν πᾶσι τοῖς μέλεσί σου, διάπλεωσον ἐν αὐτοῖς. καὶ τοὺς ὀφθαλμούς σου δακρύων πλήρωσον, ἵνα μὴ ἀποστῇ ἀπὸ σοῦ ὁ φυλάσσων σε. ἐκτὸς γὰρ πειρασμῶν, ἡ πρόνοια τοῦ θ҃υ οὐχ ὁρᾶται, καὶ τὴν πρὸς θ҃ν παρρησίαν ἀδύνατον κτήσασθαι. καὶ τὴν σοφίαν τοῦ κ҃υ, ἀμήχανον μαθεῖν. καὶ τὸν θεῖον πόθον ἐν τῇ ψυχῇ βεβαιωθῆναι ἀγενδεκτον. πρὸ γὰρ τῶν πειρασμῶν, ὡς ξένον τὶς εὔχεται τῷ θῷ ἐπὰν δὲ εἰσέλθῃ εἰς τοὺς πειρασμοὺς διὰ τὴν ἀγάπην αὐτοῦ, καὶ μὴ δέξηται ἀδλοίωσιν τηνικαῦτα, καθάπερ τὶς ὑπόχρεων ἔχων τὸν θ҃ν. καὶ ὡς γνήσιος φίλος λογίζεται παρα θῷ, ὁρᾷ ἕνεκεν τοῦ θελήματος αὐτοῦ ἐπρολέμησε τὸν ἐχθρὸν αὐτοῦ καὶ ἐνίκησεν αὐτὸν. τοῦτο ἐστὶ τὸ εὔξασθαι μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμὸν. καὶ πάλιν εὔξαι τοῦ μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμὸν τὸν φοβερὸν τοῦ διαβόλου διὰ τὴν ἀλαζονίαν σου. ἀλλὰ διὰ τὸ ἀγαπᾶν σε τὸν θ҃ν ἵνα ἡ δύναμις τοῦ θ҃υ συνεργήσει σοι, καὶ ἐν σοὶ νικήσει τοὺς ἐχθροὺς αὐτοῦ. εὔξαι μὴ εἰσελθεῖν εἰς τούτους τοὺς πειρασμοὺς διὰ τὴν κακίαν τῶν λογισμῶν σου καὶ πράξεως, ἀλλ' ἵνα δοκιμασθῇ σου ἡ πρὸς θ҃ν ἀγάπη. καὶ δοξασθῇ ἡ δύναμις αὐτοῦ ἐν τῇ ὑπομονῇ σου.

бьми пѡбоѣть намъ вънти въ цр҃тво нб҃ное. [1]) ѡ тонкости поути твоѥ оученїи ѓи, его же внѣюдѣ всегда быкаѥ. ниже не разумѣнъ съ разумомъ проуитаѧ. внегда вьжѣлѣша сно҃ве жекедѣѡкы и мѓи ихъ еже с тобою сѣдалищихъ въ цр҃ткїи, сїа рекъ есть тѣмъ, можете ли пити чашю искоушенїи, юже азъ хощю пити. и крещенїемь имже азъ крщаюсь, кр҃титьсѧ; и како ѯѣѡ вѣко повелѣвлеши намъ, помѧнути еже не вънти въ искоушенїе. ѡ коѥ искоушенїи повелѣвлеши намъ помѧнути еже не вънти; ѡвѣ. помоли ре҃ не вънти в кѣре искоушенїи. л. 37. об. помолисѧ не вънти въ еже къ мънѣнии оума твоего искѹшенїемь, съ вкоѡ хвалы и гръдыни. помоли не вънти по попоушенїю вѣ҃ю, къ искѹшенїе ѥвленно, дїаволе, хлы ра҃ въспоманоутїи, ихже въспоманѹлъ есть къ мысли твоѥи, ихже ради и попоушенъ бы҃. помоли не ѡстѧпити ѡ тебе агг҃лъ цѣлом а҃рїа твоего, да не горащею ратїю ратованъ бъдеши грѣха. и ѡлѧунши ѡ него. помоли не вънти въ искоушенїе пошщренїю кого на кого. или къ искоушенїе двоедоушїа и съмнѣнїа, ѡ нихже дш҃а к велику пѡвинѣ възводисѧ. искоушенїа же тѣлесна въседвшьнѣ пѡѣмати готокы. и всѣми оудесы твоими проплъзи сковѣ тѣхъ. и оуи твои слезь исполни, да не ѡстѧпи храняи та ѡ тебе. кромѣ бо искѹшенїи промыслъ вѣ҃и не зрѧть и къ бу҃ дрьзновенїе не моущно стажати. и прѣмо҃рость дх҃а немощно навыкнѹти. и вѣтвенѣи любви въ дш҃и твоѥи оуткрьдити, непрїатно, прѣже бо искѹшенїи, ако же кто страненъ ѵ҃ако мѧнтса бу҃. внегда же вииде въ искѹшенїа любве его ра҃, и не прїимѣ измѣненїе, тога ако же кто должьника имы ба҃, и ако искрънии дрвгъ вмѣнаетса ѡ ба҃, ѯанеже хотѣнїа ра҃ л. 38. его, ратова врага его. и побѣди сего. се е҃ еже помолити не вънти въ искоушенїе. и пакы помоли҃ еже не вънти въ искѹшенїе страшно дїаволе. за гръдю (sic) твою, но за еже любити ти ба҃, да сила его поспѣшить тебѣ, и тобою побѣди врагы своа. помѧнисѧ еже не вънти къ искоушенїа сїа за хлобѹ помыслъ свои и дѣанїи, но да искоусити҃ ихже къ бу҃ любы, и послажисѧ сила его его къ трпѣнии твоемь томѹ слака,..

παρὰ θῷ, ὁρᾷ ἕνεκεν τοῦ θελήματος αὐτοῦ ἐπρολέμησε τὸν ἐχθρὸν αὐτοῦ καὶ ἐνίκησεν αὐτὸν. τοῦτο ἐστὶ τὸ εὔξασθαι μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμὸν. καὶ πάλιν εὔξαι τοῦ μὴ εἰσελθεῖν εἰς πειρασμὸν τὸν φοβερὸν τοῦ διαβόλου διὰ τὴν ἀλαζονίαν σου. ἀλλὰ διὰ τὸ ἀγαπᾶν σε τὸν θ҃ν ἵνα ἡ δύναμις τοῦ θ҃υ συνεργήσει σοι, καὶ ἐν σοὶ νικήσει τοὺς ἐχθροὺς αὐτοῦ. εὔξαι μὴ εἰσελθεῖν εἰς τούτους τοὺς πειρασμοὺς διὰ τὴν κακίαν τῶν λογισμῶν σου καὶ πράξεως, ἀλλ' ἵνα δοκιμασθῇ σου ἡ πρὸς θ҃ν ἀγάπη. καὶ δοξασθῇ ἡ δύναμις αὐτοῦ ἐν τῇ ὑπομονῇ σου.

Чтеніе и объяненіе снимка.

Τέλος τοῦ πρώτου βιβλίου.

Изъ Исаака Сирина XV в. моего собранія.

л. 163. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἀδιαλήπτου ἡσυχίας καὶ τοῦ συναίρειν ἑαυτὸν ἐν ἑνὶ τόπῳ καὶ τί τὰ ἐκ τούτων γι-

л. 376 об. и 377. ѡ не ѡскоуднѣмъ пощенїи. и ѥ҃сѣбра себе. Въ единомъ мѣстѣ. и ѵто ѥже ѡ

[1]) Славы и въ мирѣ скорбьни бѹдете, и к сихъ трьпѣнии стажите дш҃а ваша, въ ѥврец. рукописи тѣтѣ.

νόμενα. καὶ ἀπ' ἐν γνώσει τῆς διακρίσεως ἐδιδάχθη τὴν ἀκρίβειαν τῆς χρήσεως τῶν τοιούτων.

Ἐν πολλῷ καιρῷ πειραζόμενος ἐν τοῖς δεξιοῖς καὶ ἀριστεροῖς καὶ ἑαυτὸν δικιμάσας ἐν τοῖς δυσὶ τόποις τούτοις πολλάκις. καὶ δεξάμενος ἐκ τοῦ ἐναντίου πληγὰς ἀναριθμήτους καὶ ἀξιωθεὶς μεγάλων ἀντιλήψεων χρῦπτῶς, ἐνόμισάμην αὐτῷ πεῖραν ἐν τῷ μακρῷ χρόνῳ τῶν ἐτῶν. καὶ ἐν δοκιμασίᾳ ταῦτα ἔμαθον. Ὅτι ὁ θεμέλιος πάντων τῶν ἀγαθῶν. καὶ ἡ ἀνάκλησις τῆς ψυχῆς τῆς αἰχμαλωσίας τοῦ ἐχθροῦ.

сѣ ражѣема. и ꙗко к разоумѣ расоужденїа. наоучень бы неѣстно творенї сицевы.

Въ многѣ времени искоушаѣ въ десны и шюѭ. и себе искоусивъ въ дкомъ сею образоу многащи. и прнемъ ѡ съпротнвна раны безчисленны. и сподобивсѧ велики ꙗстоуплениѭ съкровно прнахъ себе искоу въ долъзѣ времени лѣ. бжїею блгтью. и въ нскусѣ сна навыко ѡсноканїе всѣхъ блгы. и къзванїа дши ѡ плененїа кражїа.

На полѣ написано: Ἀνάγνωθι ταῦτα πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς. σου.

л. 15. Ἰησοῦ μου βοήθει μοι.

Изъ Исаака Сирина XV в. моего собранія.

Λόγοι ἀσκητικοὶ τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν ἀββᾶ ἰσαὰκ τοῦ ἀσκητοῦ καὶ ἀναχωρητοῦ γενομένου ἐπισκόπου τῆς φιλοχριστοῦ πόλεως νηνευὶ. ἑρμηνευθέντες ὑπὸ τῶν παροσίων πατέρων ἡμῶν ἀββᾶ πατρικίου. καὶ ἀββᾶ ἀβραμίου τῶν φιλοσόφων καὶ ἡσυχαστῶν. ἐν τῇ λαύρᾳ τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν σάβα. περὶ ἀποταγῆς καὶ μοναχικῆς πολιτείας. λόγος α'. ὁ φόβος τοῦ θεοῦ ἀρχὴ τῆς ἀρετῆς. λέγεται δὲ ἐν καρδίᾳ. ἔταν ἀποχωρήσῃ ἡ διάνοια ἐκ τοῦ περισπασμοῦ τοῦ κόσμου.

л. 22. об. и 23. Иже во ст҃ыхъ ѡц҃а нш҃его исаака. сѵріанина постника и ѡшельника бывшаго епп҃а хр҃толюбивкаго града нинеꙗ слокеса постнѵеска написана оубо ѡ него сконмъ ꙁыкомъ. сказана же ѡ прп҃ебнꙑ ѡц҃ь нашн҃ аввы патрикїа и аввы авраамїа любопремоудрꙑ безмолъвникъ иже в лаврѣ безмолъствовавшн҃ въ ст҃хъ ѡц҃а нш҃его саввы. ѥсть же ѡбразъ таковымъ слꙋжесемь снмь ѡ ѡбрѣтенїн иноѵестѣмъ житїн ꙗвло полезна. слово а҃ стра҃ бжїн начало є҃ добродѣтели гдѣтъжеса быти рождение вѣры и свѣтса къ срѣн. егда ѡлꙋчитса мысль ѡ молъвы мира.

л. 327. Τῷ ἔχοντι καὶ γράφοντι χριστε μου σῶσον.

Ἰωάννης ἁμαρτωλὸς παρὰ πᾶσιν ἀνθρώποις. ὡς τάχα καὶ ἱερεὺς ἔγραψε τὴν βίβλιον ταύτην. καὶ οἱ ἀναγινόσκοντες αὐτὴν μετ' εὐλαβείας εὔχεσθε κάμοι ὡς ἁβροτόμων πάντων ὅπως ταῖς ὑμῶν εὐχαῖς λυτρωθῶ κολάσεως.

Τῷ ,ϛῳ҃ξ҃ϛ҃. (1355 г.) ἔτους καὶ μηνὸς Ἰουνίου.

† Νήφων ἱερομονάχη ἐστὶ τὸ παρὸν βίβλος.

Заглавныя буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: εὑρισκόμενον, ὑμῶν ἀπέχει: αὐτῶν.

Слова съ титлами и сокращенія: θεου. ἄνθρωπος θεοῦ. καὶ γὰρ δὲ στενωχωρίαις. ἀναπάυσεως ἔργοις διακρίσεως.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀγωνίσμασι ἀπαρατάξιν. ε., πολιτέυεσθαι περὶ ἐν ἐκ ἐξ, ει μέγεθος ἐξελοῦμαι εὐαγγελίῳ πέλαγος ἀγρυπνοῦντες δεινῶς. ν., δύναται δυνάμεως. σ., περισσὰ θεὸς. τ., τρέφει πίστιν, μετ'.

На л. 185. написана лѣствица, съ сими словами: ἀγαπὴ, ἀπροσπάθεια ἐλπὶς ὑπομονὴ ἐγκρατεία φόβος πίστις. Κλίμαξ.

XIV. О произведенной отъ Бога твари неизвѣстнаго сочинителя

Находится въ Московской Синод. Библіотекѣ подъ № 56-мъ.

Длина бумаги	$9\frac{1}{8}$ в.
Ширина	$6\frac{1}{4}$ в.
Къ корешку	$\frac{1}{2}$ в.
Къ правой сторонѣ	$1\frac{3}{8}$ в.
Къ верху	$1\frac{1}{4}$ в.
Къ низу	$1\frac{3}{8}$ в.

Бумага плотная дощеная съ слишкомъ частыми въ ширину полосками.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбевъ на 318. листахъ.

Заглавныя буквы не фигурны, писаны коричневою краскою, мѣстами пунцовою. Колеръ чернилъ темно-коричневый, мѣстами сѣрый. Число строкъ на страницѣ 32. Помѣта тетрадей съ лицевой стороны внизу на углу правой стороны, и съ оборотной внизу же на углу съ правой стороны.

На верху 1-го листа написано: κτήμα μανουὴλου τοῦ σπανδουνίδου καὶ τῶν χρῶμων; ниже сего: τῶν ἱβήρων. внизу: Арсеній ρξ.

Неизвестный Авторъ для доказательства своихъ мнѣній приводитъ свидѣтельства бл. Августина и св. Дамаскина, св. Діонисія и другихъ.

Чтеніе и объясненіе снимка.

φ. 318. Ὁ δὲ χριστὸς λέγεται εἶναι ἐν τῷ Ἀδὰμ κατὰ τὴν σωματικὴν οὐσίαν, ἀλλ' οὐ κατὰ τὸν σπερματικὸν λόγον. ἡ γὰρ ὕλη σώματος αὐτοῦ ἡ χορηγηθεῖσα ἐκ τῆς παρθένου μητρὸς, κατῆλθεν ἐκ τοῦ ἀδὰμ. ἡ δὲ ποιητικὴ δύναμις οὐκ ἐκ τοῦ ἀδὰμ ἦν. τὸ γὰρ τοῦ χριστοῦ σῶμα, οὐκ εἰδοπεποίηται δυνάμει. σπέρματος φυσικοῦ. ἀλλὰ τῇ τοῦ ἁγίου πνεύματος ἐνεργεία τοιοῦτος γὰρ εὐπρεπετόκος. τῷ ὑπερ πάντα εὐλογημένω. εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων ἀμήν.

Ἐνεπληρώθη τῇ τρις καὶ δεκάτῃ τοῦ νοεμβίου τῆς δωδεκάτης ἰνδικτιῶνος περὶ ὥραν τετάρτην τῆς ἡμέρας. κατὰ τὸ ἐξακισχιλιοστὸν ἑξηκοστὸν ἑβδόμον ἔτος (1359 г.) διὰ χειρὸς μανουὴλ τοῦ τζουκανδούλη.

φ. 53. Μετὰ τοῦτο ζητεῖται, περὶ τοῦ τρόπου τῆς ἀγγελικῆς γνώσεως. περὶ ὅ ζηταῦνται ἑπτὰ ἐι ὁ νοῦς τοῦ ἀγγέλου ποτὲ μὲν δυνάμις. ποτὲ δὲ ἐνεργεία. ϗ. ὀν.

Скорописная азбука. Слова съ титлами и сокращенія. θεῶ. τοῦ θεοῦ. ἄνθρωποι. καὶ διατριβειν.

Слова съ знаками препинанія: ἀγγέλω, ἐληθφη.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: αι, ἀγαθόν φθαρτοί. ε., ἔχουσιν ἕτερον ἐφεξῆς. λέγειται νοεῖ ἔξω, ν., ἐν. σ., ἐστὶ νόες. τ., λέγεται διέρχεται.

Бумажные знаки: два полушарія и груши.

XV. Фотографическій снимокъ

Литургіи св. Василія Великаго 1375. года № 67. Сев. собранія.

Сей снимокъ сдѣланъ на 36-ти клишахъ въ двѣ страницы каждый; только первый изъ нихъ въ одну страницу. На каждой страницѣ, кромѣ 1-й, по 14. строкъ. Въ немъ запись писца: θεοῦ δῶρον καὶ Ἰωασαφ πόνος. ἔτους ϛϡ ϖ ιη. (1375 г.) ἰνδικτιώνος ϊγ. μηνὶ αὐγούστω ζ.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

14. Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

Ὁ ὢν δέσποτα. Κύριε. θεὲ. πάτερ. παντοκράτορ. προσκυνητὲ. ἄξιον ὡς ἀληθῶς καὶ δίκαιον καὶ πρέπον τῇ μεγαλοπρεπείᾳ τῆς ἁγιωσύνης σου, σὲ αἰνεῖν. σὲ ὑμνεῖν. σὲ εὐλογεῖν. σὲ προσκυνεῖν. σοι εὐχαριστεῖν. σὲ δοξάζειν τὸν μόνον ὄντως ὄντα θεὸν. καὶ σοὶ προσφέρειν ἐν καρδίᾳ συντετριμμένῃ. καὶ πνεύματι ταπεινώσεως, τὴν λογικὴν ταύτην λατρείαν ἡμῶν. ὅτι σὺ εἶ ὁ χαρισάμενος ἡμῖν τὴν ἐπίγνωσιν τῆς σῆς ἀληθείας. καὶ τίς ἱκανὸς λαλῆσαι τὰς δυναστείας σου. ἀκουστὰς ποιῆσαι πάσας τὰς αἰνέσεις σου. ἢ 15. ἀδιηγήσασθαι πάντα τὰ θαυμάσιά σου ἐν παντὶ καιρῷ. δέσποτα δέσποτα τῶν ἁπάντων. Κύριε οὐρανοῦ καὶ γῆς. καὶ πάσης κτίσεως ὁρωμένης τὲ καὶ οὐχ ὁρωμένης.

Пѡ. мѡ. ѡтан.

Сын кѫдко гн҃ кѣ ѡ҃ѵе вседержителю. покланаемын. достонно ѥсть ꙗко констинноу и праведно. и подобно келелѣпнѥ сѫтна твоѥмь. та хваланти та пѣти. та бл҃гословити. тобѣ клнатисѧ. тебе бл҃годарити. та славити. соущаго ко истинноу ѥдиного бг҃а. и тобѣ приносити ср҃дцмь скроушѥномь и дх҃мь смѣреномь словѣсноую сн҃ю нашю слоужьбоу. ꙗко ты ѥси давын намъ разоумъ истинꙑ твоѥмь. и кто доволенъ ѥсть изъгл҃ти силꙑ твоѧ. слышанꙑ створити вса хвалꙑ твоѧ. или исповѣдати вса ѹюдеса твоѧ на всако врѣма. вл҃дко вл҃дко гн҃ нб҃си и земли. и всѣи тварн видимѣи же и невидимѣи. сѣдан на прѣстолѣ славꙑ. и видан

ὁ καθήμενος ἐπὶ θρόνου δόξης καὶ ἐπιβλέπων ἀβύσσους. ἄναρχε. ἀόρατε. ἀκατάληπτε. ἀπερίγραπτε. ἀναλλοίωτε, ὁ πατὴρ τοῦ Κυρίου ὑμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, τοῦ μεγάλου θεοῦ. καὶ σωτῆρος τῆς ἐλπίδος ἡμῶν, ὅς ἐστιν εἰκὼν τῆς σῆς ἀγαθότητος, σφραγὶς ἰσότυπος, ἐν ἑαυτῷ δεικνύς, σὲ τὸν πατέα. λόγος ζῶν. θεὸς ἀληθινός, ἡ πρὸ αἰώνων σοφία. ζωὴ. ἁγιασμὸς. δύναμις, τὸ φῶς τὸ αἰληθινόν. παρ' οὗ τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον ἐξεφάνη. τὸ τῆς ἀληθείας πνεῦμα, τὸ τῆς υἱοθεσίας χάρισμα. ὁ ἀρραβὼν τῆς μελλούσης κληρονομίας. ἡ ἀπαρχὴ τῶν αἰωνίων ἀγαθῶν, ἡ ζωοποιὸς δύναμις, ἡ πηγὴ τοῦ ἁγιασμοῦ. παρ' οὗ πᾶσα κτίσις λογικὴ τὲ καὶ νοερὰ 16. δυναμουμένη, σοὶ λατρεύει. καὶ σοὶ τὴν ἀΐδιον ἀναπέμπει δοξολογίαν. ὅτι τὰ σύμπαντα δοῦλα σά. σὲ γὰρ αἰνοῦσιν ἄγγελοι. ἀρχάγγελοι. θρόνοι. κυριότητες, ἀρχαὶ. ἐξουσίαι. δυνάμεις. καὶ τὰ πολυόμματα χερουβὶμ σοὶ παρίστανται κύκλῳ τὰ σεραφίμ. ἓξ πτέρυγες τῷ ἑνὶ. καὶ ἓξ πτέρυγες τῷ ἑνὶ, καὶ τοῖς μὲν δυσὶ κατακλύπτουσι τὰ πρόσωπα ἑαυτῶν, ταῖς δὲ δυσὶ τοὺς πόδας. καὶ ταῖς δυσὶ πετόμενα. κέκραγεν ἕτερον πρὸς ἕτερον. ἀκαταπαύστοις στόμασιν. ἀσυγήτοις δοξολογίαις.

Ἐκφώνησις. Τὸν ἐπινίκιον ὕμνον, ἄδοντα. βοῶντα. κεκραγότα καὶ λέγοντα;

Ὁ ἱερεὺς κλινόμενος, ἐπεύχεται.

Μετὰ τοῦτων τῶν μακαρίων δυνάμεων δέσποτα φιλάνθρωπε, καὶ ἡμεῖς οἱ ἁμαρτωλοὶ βοῶμεν καὶ λέγομεν, ἅγιος εἶ ὡς ἀληθῶς καὶ πανάγιος. καὶ οὐκ ἔστι μέτρον τῇ μεγαλυπρεπείᾳ τῆς ἁγιωσύνης σου. καὶ 17. ὅσιος ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου. ὅτι ἐν δικαιοσύνῃ καὶ κρίσει ἀληθινῇ πάντα ἐπήγαγες ἡμῖν. πλάσασας γὰρ τὸν ἄνθρωπον χοῦν λαβὼν ἀπὸ τῆς γῆς. καὶ εἰκόνι τῇ σῇ ὁ θεὸς τιμήσας, τέθεικας αὐτὸν ἐν τῷ παραδείσῳ τῆς τρυφῆς. ἀθανασίαν ζωῆς καὶ ἀπόλαυσιν αἰωνίων ἀγαθῶν. ἐν τῇ τηρήσει τῶν ἐντολῶν σου ἐπαγγελάμενος αὐτῷ. ἀλλὰ παρακούσαντα σοῦ τοῦ ἀληθινοῦ θεοῦ τοῦ κτίσαντος αὐτόν. καὶ τῇ ἀπάτῃ τοῦ ὄφεως ὑπαχθέντα. νεκρωθέντα τὲ τοῖς οἰκείοις αὐτοῦ παραπτώμασιν, ἐξώρισας αὐτὸν ἐν τῇ δικαιοκρισίᾳ σου ὁ θεὸς. ἐκ τοῦ παραδείσου εἰς τὸν κόσμον τοῦτον. καὶ ἀπέστρεψας εἰς τὴν γῆν ἐξ ἧς ἐλήφθη, οἰκονομῶν αὐτῷ τὴν ἐκ παλιγγενεσίας σωτηρίαν. τὴν ἐν αὐτῷ τῷ χριστῷ σου. οὐ γὰρ ἀπεστράφης τὸ πλάσμα σου εἰς τέλος, ὃ ἐποίησας ἀγαθέ. οὐδὲ ἐπελάθου ἔργου χειρῶν σου. ἀλλ' ἐπεσκέψω πολυτρόπως διὰ σπλάγχνα ἐλέους σου. 18. Προφήτας ἐξαπέστειλας. ἐποίησας δυνάμεις. διὰ τῶν ἁγίων σου τῶν καθ' ἑκάστην γενεὰν καὶ γενεὰν εὐαρεστησάντων σοι. ἐλάλησας ἡμῖν, διὰ στόματος τῶν δούλων σου τῶν προφητῶν προκαταγγέλλων τὴν μέλλουσαν ἔσεσθαι σωτηρίαν. νόμον ἔδωκας εἰς βοήθειαν. ἀγγέλους ἐπέστησας φύλακας. ὅτε δὲ ἦλθε τὸ πλήρωμα τῶν καιρῶν, ἐλάλησας ἡμῖν ἐν αὐτῷ τῷ υἱῷ σου. δι' οὗ καὶ τοὺς αἰῶνας ἐποίησας. ὃς ὢν ἀπαύγασμα τῆς δόξης σου. καὶ χαρακτὴρ τῆς ὑποστάσεως σου. φέρων τὲ τὰ πάντα τῷ ῥήματι τῆς δυνάμεως αὐτοῦ, οὐχ ἁρπαγμὸν ἡγήσατο. τὸ εἶ-

бѣздѣнъ. безначалне. невидиме. нѣждержиме. неописане. нѣизмѣнѣне. ѡтѣ гѣ нашего іс҃а хр҃а. великаго бѣ и спса оупованиа нашего. иже есть ѡбразъ твоѥи блгти. знамѣнуѥ равноѡбразно. къ собѣ вселаа та ѡц҃а. слово живо. бъ истиньнъ. прѣвѣуная моудрость. жизнь. с҃тн и. сила. свѣтъ истовъ. имь же с҃тым дх҃ъ явисѧ. истиньнъи дх҃ъ. оусыновѣне. дарованиѥ. ѡбрѣтаѥмое. градоущаго достоанна. наатокъ вѣуьнъихъ бгъ. животоращиа сила. источникъ с҃тн. имже вса тварь словесная же и мысльная въсылаѥма. тобѣ слоужить. и тебѣ коньноѥ въспоущаѥть славословлѣние. ако вса работна тобѣ. та бо хвалать анг҃ли архангли прѣстоли г҃ьства. наала власти и силы. и многоѡчитаа хероуимъ тобѣ прѣстоатъ ѡкр҃стъ серафимы. шесть крилъ ѥдиномоу. и шесть крилъ ѥдиномоу. двѣма же покрываютъ лица своа. двѣма же ногъ. и двѣма летаще копиахоу дроугъ къ дроугоу. не прѣстаюшими оустъı. не молъчъıми богословии ·:·

Ἐκφώνησις. Τὸν ἐπινίκιον ὕμνον, ἄδοντα. βοῶντα. κεκραγότα καὶ λέγοντα;

Ὁ ἱερεὺς κλινόμενος, ἐπεύχεται.

Съ сими бж҃твными силами вл҃ко улюбльѵе. и мы грѣшнии копиемъ и гл҃мъ с҃тъ ѥси ако во истиноу и пр҃тъ. и нѣ измѣрѣнна келелѣпиѭ с҃тва твоѥго. и прѣправьдникъ во всѣхъ дѣлѣхъ своихъ. ако въ правьдоу и соудомь истиннъıмь все наведе на нъı. создалъ бо улюка перьсть прииемъ ѡ҃ земла. и ѡбразомь твоимь бѣ поуетъ иго. положи и къ раи пиа. бесмертиѥ жизни. и наслажение вѣуныхъ твоихъ. въ съблюдѣние заповѣдии твоихъ ѡбѣщавъ имоу. нъ ѡслоушавъша тебе истиньнаго ба создавъшаго и. и льсти зминиѣ послѣдовавша. оумерщьвенъ же иго своимь имоу прѣгрѣшениѥ. изгна и правьдникъıмь твоимь соудомь бе. ѡ҃ рая къ мирось. и къзвратн и въ землю ѡ҃ нем же взатъ бı. сматраа имоу пакибытиньскоѥ с҃тние иже ѡ томь хѣ твоимь. не ѡвратн боса создания своиго до коньца иже створи бл҃же. ниже забъı дѣла роукоу своею. но посѣтилъ ѥси многѹѡбразно. за мл҃рдие мл҃ти твоим. прр҃кы посла. створилъ ѥси силъı с҃тми своими. оуговивъшимн тобѣ на всакъ родъ и родъ. гл҃а намъ оустъı рабъ твоихъ прр҃къ. провъзвѣщаа намъ хотащеѥ бъıти сп҃сние. законъ дасть въ помощь. анг҃лъı приставн хранителѣ. иегда же придеть конуина врѣменемъ. гл҃а намъ самѣмь сим твоимь. имьже и вѣки створи. иже сын сияние славы твоиѥ. и ѡбразъ постава твоиго. носа же всакоуюскаа гл҃мь силъı твоиѥ. не въсхыщение мнѣ бъıти равенъ тобѣ бг҃у и ѡц҃ю. нъ бъ сын прѣвѣуныи. на земли явисѧ и съ улюкъı походи. и ѡ҃ дв҃ъı с҃тыа въплощьса. съ-

Ὁ καθήμενος ἐπὶ θρόνου δόξης καὶ ἐπιβλέπων ἀβύσσους. ἄναρχε. ἀόρατε. ἀκατάληπτε. ἀπερίγραπτε. ἀναλλοίωτε, ὁ πατὴρ τοῦ Κυρίου ὑμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, τοῦ μεγάλου θεοῦ. καὶ σωτῆρος τῆς ἐλπίδος ἡμῶν, ὅς ἐστιν εἰκὼν τῆς σῆς ἀγαθότητος, σφραγὶς ἰσότυπος, ἐν ἑαυτῷ δεικνύς, σὲ τὸν πατέα. λόγος ζῶν. θεὸς ἀληθινός, ἡ πρὸ αἰώνων σοφία. ζωὴ. ἁγιασμὸς. δύναμις, τὸ φῶς τὸ αἰληθινόν. παρ' οὗ τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον ἐξεφάνη. τὸ τῆς ἀληθείας πνεῦμα, τὸ τῆς υἱοθεσίας χάρισμα. ὁ ἀρραβὼν τῆς μελλούσης κληρονομίας. ἡ ἀπαρχὴ τῶν αἰωνίων ἀγαθῶν, ἡ ζωοποιὸς δύναμις, ἡ πηγὴ τοῦ ἁγιασμοῦ. παρ' οὗ πᾶσα κτίσις λογικὴ τὲ καὶ νοερὰ 16. δυναμουμένη, σοὶ λατρεύει. καὶ σοὶ τὴν ἀΐδιον ἀναπέμπει δοξολογίαν. ὅτι τὰ σύμπαντα δοῦλα σά. σὲ γὰρ αἰνοῦσιν ἄγγελοι. ἀρχάγγελοι. θρόνοι. κυριότητες, ἀρχαὶ. ἐξουσίαι. δυνάμεις. καὶ τὰ πολυόμματα χερουβὶμ σοὶ παρίστανται κύκλῳ τὰ σεραφίμ. ἓξ πτέρυγες τῷ ἑνὶ. καὶ ἓξ πτέρυγες τῷ ἑνὶ, καὶ τοῖς μὲν δυσὶ κατακλύπτουσι τὰ πρόσωπα ἑαυτῶν, ταῖς δὲ δυσὶ τοὺς πόδας. καὶ ταῖς δυσὶ πετόμενα. κέκραγεν ἕτερον πρὸς ἕτερον. ἀκαταπαύστοις στόμασιν. ἀσυγήτοις δοξολογίαις.

Ἐκφώνησις. Τὸν ἐπινίκιον ὕμνον, ἄδοντα. βοῶντα. κεκραγότα καὶ λέγοντα;

Ὁ ἱερεὺς κλινόμενος, ἐπεύχεται.

Μετὰ τοῦτων τῶν μακαρίων δυνάμεων δέσποτα φιλάνθρωπε, καὶ ἡμεῖς οἱ ἁμαρτωλοὶ βοῶμεν καὶ λέγομεν, ἅγιος εἶ ὡς ἀληθῶς καὶ πανάγιος. καὶ οὐκ ἔστι μέτρον τῇ μεγαλυπρεπείᾳ τῆς ἁγιωσύνης σου. καὶ 17. ὅσιος ἐν πᾶσι τοῖς ἔργοις σου. ὅτι ἐν δικαιοσύνῃ καὶ κρίσει ἀληθινῇ πάντα ἐπήγαγες ἡμῖν. πλάσασας γὰρ τὸν ἄνθρωπον χοῦν λαβὼν ἀπὸ τῆς γῆς. καὶ εἰκόνι τῇ σῇ ὁ θεὸς τιμήσας, τέθεικας αὐτὸν ἐν τῷ παραδείσῳ τῆς τρυφῆς. ἀθανασίαν ζωῆς καὶ ἀπόλαυσιν αἰωνίων ἀγαθῶν. ἐν τῇ τηρήσει τῶν ἐντολῶν σου ἐπαγγελάμενος αὐτῷ. ἀλλὰ παρακούσαντα σοῦ τοῦ ἀληθινοῦ θεοῦ τοῦ κτίσαντος αὐτόν. καὶ τῇ ἀπάτῃ τοῦ ὄφεως ὑπαχθέντα. νεκρωθέντα τὲ τοῖς οἰκείοις αὐτοῦ παραπτώμασιν, ἐξώρισας αὐτὸν ἐν τῇ δικαιοκρισίᾳ σου ὁ θεὸς. ἐκ τοῦ παραδείσου εἰς τὸν κόσμον τοῦτον. καὶ ἀπέστρεψας εἰς τὴν γῆν ἐξ ἧς ἐλήφθη, οἰκονομῶν αὐτῷ τὴν ἐκ παλιγγενεσίας σωτηρίαν. τὴν ἐν αὐτῷ τῷ χριστῷ σου. οὐ γὰρ ἀπεστράφης τὸ πλάσμα σου εἰς τέλος, ὃ ἐποίησας ἀγαθέ. οὐδὲ ἐπελάθου ἔργου χειρῶν σου. ἀλλ' ἐπεσκέψω πολυτρόπως διὰ σπλάγχνα ἐλέους σου. 18. Προφήτας ἐξαπέστειλας. ἐποίησας δυνάμεις. διὰ τῶν ἁγίων σου τῶν καθ' ἑκάστην γενεὰν καὶ γενεὰν εὐαρεστησάντων σοι. ἐλάλησας ἡμῖν, διὰ στόματος τῶν δούλων σου τῶν προφητῶν προκαταγγέλλων τὴν μέλλουσαν ἔσεσθαι σωτηρίαν. νόμον ἔδωκας εἰς βοήθειαν. ἀγγέλους ἐπέστησας φύλακας. ὅτε δὲ ἦλθε τὸ πλήρωμα τῶν καιρῶν, ἐλάλησας ἡμῖν ἐν αὐτῷ τῷ υἱῷ σου. δι' οὗ καὶ τοὺς αἰῶνας ἐποίησας. ὃς ὢν ἀπαύγασμα τῆς δόξης σου. καὶ χαρακτὴρ τῆς ὑποστάσεως σου. φέρων τὲ τὰ πάντα τῷ ῥήματι τῆς δυνάμεως αὐτοῦ, οὐχ ἁρπαγμὸν ἡγήσατο. τὸ εἶ-

Побѣдноую пѣ҃ поюща въсопиюща и гл҃ща.

попъ. матѳоу тан ·:·

Съ сими бж҃твными силами вл҃ко улюбльѵе. и мы грѣшнии копиемъ и гл҃мъ с҃тъ ѥси ако во истиноу и пр҃тъ. и нѣ҃ измѣрѣнна келелѣпиѭ с҃тва твоѥго. и прѣправьдникъ во всѣхъ дѣлѣхъ своихъ. ако въ правьдоу и соудомь истиннъıмь все наведе на нъı. создалъ бо улюка перьсть прииемъ ѡ҃ земла. и ѡбразомь твоимь бѣ҃ поуетъ иго. положи и къ раи пиа. бесмертиѥ жизни. и наслажение вѣуныхъ твоихъ. въ съблюдѣние заповѣдии твоихъ ѡбѣщавъ имоу. нъ ѡслоушавъша тебе истиньнаго ба создавъшаго и. и льсти зминиѣ послѣдовавша. оумерщьвенъ же иго своимь имоу прѣгрѣшениѥ. изгна и правьдникъıмь твоимь соудомь бе. ѡ҃ рая къ мирось. и къзвратн и въ землю ѡ҃ нем же взатъ бı. сматраа имоу пакибытиньскоѥ с҃тние иже ѡ томь хѣ твоимь. не ѡвратн боса создания своиго до коньца иже створи бл҃же. ниже забъı дѣла роукоу своею. но посѣтилъ ѥси многѹѡбразно. за мл҃рдие мл҃ти твоим. прр҃кы посла. створилъ ѥси силъı с҃тми своими. оуговивъшимн тобѣ на всакъ родъ и родъ. гл҃а намъ оустъı рабъ твоихъ прр҃къ. провъзвѣщаа намъ хотащеѥ бъıти сп҃сние. законъ дасть въ помощь. анг҃лъı приставн хранителѣ. иегда же придеть конуина врѣменемъ. гл҃а намъ самѣмь сим твоимь. имьже и вѣки створи. иже сын сияние славы твоиѥ. и ѡбразъ постава твоиго. носа же всакоуюскаа гл҃мь силъı твоиѥ. не въсхыщение мнѣ бъıти равенъ тобѣ бг҃у и ѡц҃ю. нъ бъ сын прѣвѣуныи. на земли явисѧ и съ улюкъı походи. и ѡ҃ дв҃ъı с҃тыа въплощьса. съ-

ναι ἴσα σοὶ τῷ θεῷ καὶ πατρὶ. ἀλλὰ θεὸς ὢν προαιώνιος. ἐπὶ τῆς γῆς ὤφθη. καὶ τοῖς ἀνθρώποις συνανεστράφη. καὶ ἐκ παρθένου ἁγίας σαρκωθεὶς, ἐκένωσεν ἑαυτόν. μορφὴν δούλου λαβών. σύμμορφος γενόμενος τῷ σώματι τῆς ταπεινώσεως ἡμῶν. ἵνα ἡμᾶς συμμόρφους ποιήσῃ τῆς εἰκόνος τῆς δόξης αὐτοῦ. 19. ἐπειδὴ γὰρ δι' ἀνθρώπου ἡ ἁμαρτία εἰσῆλθεν εἰς τὸν κόσμον. καὶ διὰ τῆς ἁμαρτίας ὁ θάνατος. εὐδόκησεν ὁ μονογενής σου υἱὸς. ὁ ὢν ἐν τοῖς κόλποις σου τοῦ θεοῦ καὶ πατρὸς. γενόμενος ἐκ γυναικὸς τῆς ἁγίας θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου μαρίας. καὶ γενόμενος ὑπὸ νόμον. κατακρῖναι τὴν ἁμαρτίαν ἐν τῇ σαρκὶ αὐτοῦ. ἵνα οἱ ἐν τῷ ἀδὰμ ἀποθνήσκοντες, ζωοποιηθῶσιν ἐν αὐτῷ τῷ Χριστῷ σῳ. καὶ ἐμπολιτευσάμενος τῷ κόσμῳ τούτῳ. δοὺς προστάγματα σωτηρίας, ἀποστήσας ἡμᾶς τῆς πλάνης τῶν εἰδώλων, προσήγαγε τῇ ἐπιγνώσει σου τοῦ ἀληθινοῦ θεοῦ καὶ πατρὸς. κτισάμενος ἡμᾶς ἑαυτῷ λαὸν περιούσιον. βασίλειον ἱεράτευμα. ἔθνος ἅγιον. καὶ καθαρισας ἐν ὕδατι. καὶ ἁγιάσας τῷ πνεύματι τῷ ἁγίῳ, ἔδωκεν ἑαυτὸν ἀντάλλαγμα τῷ θανάτῳ. ἐν ᾧ κατειχόμεθα. πεπραμένοι ὑπὸ τὴν ἁμαρτίαν. καὶ κατελθὼν διὰ τοῦ σταυροῦ εἰς τὸν ἅδου. ἵνα πληρώσῃ ἑαυτοῦ τὰ πάντα. ἔλυσε τὰς ὠδῖνας τοῦ θανάτου. καὶ ἀναστὰς 20. τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ. καὶ ὁδοποιήσας πασῃ σαρκὶ τὴν ἐκ νεκρῶν ἀνάστασιν. καθότι ρῦκ ἦν δυνατὸν κρατεῖσθαι ὑπὸ τῆς φθορᾶς τὸν ἀρχηγὸν τῆς ζωῆς, ἐγένετο ἀπαρχὴ τῶν κεκοιμημένων. πρωτότοκος ἐκ τῶν νεκρῶν. ἵνα ᾖ αὐτὸς τὰ πάντα ἐν πᾶσι πρωτεύων. καὶ ἀνελθὼν εἰς τοὺς οὐρανούς. ἐκάθισεν ἐν δεξιᾷ τῆς μεγαλωσύνης σου ἐν ὑψηλοῖς ὡς καὶ ἥξει ἀποδοῦναι ἑκάστῳ κατὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ. κατέλιπε δὲ ἡμῖν ὑπομνήματα τοῦ σωτηρίου αὐτοῦ πάθους, ταῦτα. ἃ προτεθείκαμεν κατὰ τὰς αὐτοῦ ἐντολάς. μέλλων γὰρ ἐξιέναι ἐπὶ τὸν ἑκούσιον καὶ ἀοίδιμον. καὶ ζωοποιὸν αὐτοῦ θάνατον. τῇ νυκτὶ ᾗ παρεδίδου ἑαυτὸν ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσμου ζωῆς, λαβὼν ἄρτον ἐπὶ τῶν ἁγίων αὐτοῦ καὶ ἀχράντων χειρῶν. καὶ ἀναδείξας σοι τῷ θεῷ καὶ πατρί. εὐχαριστήσας. εὐλογήσας. ἁγιάσας. ἐκλάσας.

Ἐκφώνησις. Ἔδωκε τοῖς ἁγίοις αὐτοῦ μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις. εἰπών. λάβετε φάγετε. τοῦτό μου ἐστὶ τὸ σῶμα 21. τὸ ὑπὲρ ὑμῶν κλώμενον εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν.

Ὁ ἱερεὺς μυστικῶς. Ὁμοίως καὶ τὸ ποτήριον ἐκ τοῦ γεννήματος τῆς ἀμπέλου λαβὼν, κεράσας εὐχαριστήσας. εὐλογήσας. ἁγίασας.

Ἐκφώνησις. Ἔδωκε τοῖς ἁγίοις αὐτοῦ μαθηταῖς καὶ ἀποστόλοις. εἰπών, πίετε ἐξ αὐτοῦ πάντες. τοῦτο ἐστι τὸ αἷμά μου τὸ τῆς καινῆς διαθήκης. τοῦ ὑπὲρ ὑμῶν καὶ πολλῶν ἐκχυνόμενον εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν: Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

Τοῦτο ποιεῖτε εἰς τὴν ἐμὴν ἀνάμνησιν. ὁσάκις γὰρ ἂν ἐσθίητε τὸν ἄρτον τοῦτον. καὶ τὸ ποτήριον τοῦτο πίνητε. τὸν ἐμὸν θάνατον καταγγέλλετε. τὴν ἐμὴν ἀνάστασιν ὁμολογεῖτε. μεμνημένοι οὖν δέσποτα καὶ ἡμεῖς τῶν σωτηρίων αὐτοῦ παθημάτων. τοῦ ζωοποιοῦ σταυροῦ. τῆς τριημέρου ταφῆς. τῆς ἐκ νεκρῶν ἀναστάσεως. τῆς εἰς οὐρανοὺς ἀνόδου. τῆς ἐκ δεξιῶν σοῦ τοῦ θεοῦ καὶ πατρὸς καθέδρας. καὶ τῆς ἐνδόξου καὶ φοβερᾶς δευτέρας αὐτοῦ παρουσίας...

мѣрнѣ wбразъ рабнн прнемъ. соwбразенъ бывъ телесн смѣрѣнна нашего. да нъı соwбразнъı створить wбразоу славы своем, нѣлма же бо ꙗ҆комь грѣхъ внидѣ къ всь мнръ. грѣхомь же смерть. бгоколи ѥдннородыи твои сн҃ъ сын къ wдрѣхъ тебѣ бо҃у и wц҃ю. ражаѥсѧ wт жены стыа бц҃а и прнснодѣꙗ мр҃нѧ. бывъ подъ закономь. wсоудн грѣхъ плотью своею. да нже оумрлющен w адамѣ, wжнвоутъ w самомь х҃ѣ твоемь. и положивъ въ мнрѣ семь. да въ повелѣнна спсѣнню. и wтоставивъ нъı w҃ластн ндодъ. прнведе нъı ко оукѣдѣнне и разоумѣнне тебе истнньнаго ба и wц҃а. снискав нъı собѣ людн нзбранъı. црско сщ҃нне. нзыкъ ст҃ъ. и wунрь нъı водою. и wсщ҃ь дхомь стымь. дастьса нзмѣноу смертн. в нѣнже держнмн бѣхомъ продани грѣхомь. и сшедъ. крѣмь въ адъ да нсполнить собою всѧуьскаа. раздрѣшн болѣзнн смертьныа. и въскрсъ въ третьи днь. и поуть створн всѣн плѣти воскрснне иже нз мертвыхъ. нѣлма же нѣ҆къ мощно держимоу бытн нстлѣннѣмѣх началнико жнзнн. бу҃ началнкъ оумершнмъ. перкенець нз мертвыхъ. да ѥсть тъ всѧуьскаа w всѣхъ первѣньствоуа. и вшедъ на нб҃са сѣде w десноую велнуьствна къ высокыхъ, иже прндеть въздати комоуждо по дѣломъ ѥго. wставнлъ же ѥсть намъ памати спсньıм ѥго стрт҃н снм. иже предложнхомъ по заповѣдемъ ѥго. хотя бо нзнти къ волнѣн и словоущнн и животворащнн ѥго смерти. в ночь в нюже предаашеса. жнзнн дѣла мнроу. прнемъ хлѣбъ стыма свонма и прутыма роукама. и показавъ тобѣ бо҃у и оц҃ю. въблгодарнвъ блгословнвъ. wсщ҃ь прѣломнвъ

Въда стмъ своимъ оученикомъ и апл҃мъ рекъ. прнимѣте и ѣдите. се ѥсть тѣло моѥ ломнмоѥ завѣто wставленнѥ грѣховъ. мн҃ тан.

Такоже и чашю w҃ плода лознаго прнемъ. растворнвъ. блгодарнвъ. блгословнвъ. wсщ҃ь. въда стмъ своимъ оученикомъ и апл҃мъ рекъ. възгл҃.

Пнте wнем всн. се ѥсть кровь моа новаго завѣта нзлнваемаа за вы и за многы во wставленне грѣховъ ·:· мн҃. тан ·:·

Се творите въ моѥ въспомннанне. ѥлнщдыи бо аще ѣсте хлѣбось. и чашю сню пьете мою смерть проповѣдаете. моѥ воскрснне исповѣдаете. помнна̀ющѥ оубо вадко нмы. спсньıм ѥго стрт҃н. и распатнѥ животворащѥѥ и крт҃ъ. трндн҃евноѥ погребѣнне. воскрснѥ иже w҃ мертвыхъ. нб҃ноѥ въшествне. w десноую тебе ба и wц҃а сѣдѣнне. и славноѥ и страшноѥ второѥ прншествне ·:·

22. Ἐκφώνησις. Τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν σοι προσφέροντες κατὰ πάντα καὶ διὰ πάντα.

Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

Διὰ τοῦτο δέσποτα πανάγιε, καὶ ἡμεῖς οἱ ἁμαρτωλοὶ καὶ ἀνάξιοι δοῦλοι σου. οἱ καταξιωθέντες λειτουργεῖν τῷ ἁγίῳ σου θυσιαστηρίῳ. οὐ διὰ τὰς δικαιοσύνας ἡμῶν, οὐ γὰρ ἐποίησα μέν τι ἀγαθὸν ἐπὶ τῆς γῆς. ἀλλὰ διὰ τὰ ἐλέη σου καὶ τοὺς οἰκτιρμούς σου. οὓς ἐξέχεας πλουσίως ἐφ' ἡμᾶς, θαρροῦντες. προσεγγίζομεν τῷ ἁγίῳ σου θυσιαστηρίῳ, καὶ προθέντες τὰ ἀντίτυπα τοῦ ἁγίου σώματος καὶ αἵματος τοῦ Χριστοῦ σου. σοῦ δεόμεθα. καὶ σὲ παρακαλοῦμεν ἅγιε ἁγίων, εὐδοκίᾳ τῆς σῆς ἀγαθότητος ἐλθεῖν τὸ πνεῦμα σου τὸ ἅγιον ἐφ' ἡμᾶς. καὶ ἐπὶ τὰ προκείμενα δῶρα ταῦτα. καὶ εὐλογῆσαι αὐτά, καὶ ἁγιάσαι. καὶ ἀναδεῖξαι. καὶ ἀνιστάμενος ῥαπίζει τ, τὰ ἅγια δῶρα. λέγων. Τὸν μὲν ἄρτον τοῦτον, αὐτὸ τὸ τίμιον σῶμα τοῦ Κυρίου καὶ θεοῦ καὶ σωτῆρος 23. ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, ᾧ μάκρονος ἀμήν. Ὁ ἱερεύς, τὸ δὲ ποτήριον τοῦτο αὐτὸ τὸ τίμιον αἷμα τοῦ Κυρίου καὶ θεοῦ καὶ σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ. ὁ μάκρονος. ἀμήν. ὁ ἱερεύς, τὸ ἐκχυθὲν ὑπὲρ τῆς τοῦ κόσμου ζωῆς, ὁ διάκονος ἀμήν,

Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

Ἡμᾶς δὲ πάντας τοὺς ἐκ τοῦ ἑνὸς ἄρτου καὶ τοῦ ποτηρίου μετέχοντας, ἑνῶσαι ἀλλήλοις εἰς ἑνὸς πνεύματος ἅγιου κοινωνίαν. καὶ μηδένα ἡμῶν εἰς κρίμα. ἢ εἰς κατάκριμα ποιῆσαι μετασχεῖν τοῦ ἁγίου σώματος καὶ αἵματος τοῦ Χριστοῦ σου. ἀλλ' ἵνα εὕρωμεν ἔλεος καὶ χάριν μετὰ πάντα τῶν ἁγίων τῶν ἀπ' αἰῶνος σοι εὐαρεστησάντων, προπατόρων. πατέρων. πατριαρχῶν. προφητῶν. ἀποστόλων. κηρύκων. εὐαγγελιστῶν. μαρτύρων. ὁμολογητῶν. διδασκάλων. καὶ παντὸς πνεύματος δικαίου ἐν πίστει τετελειωμένου.

Ἐκφώνησις. Ἐξαιρέτως τῆς παναγίας ἀχράντου ὑπερευλογημένης δεσποίνης ἡμῶν θεοτόκου, καὶ ἀειπαρθένου μαρίας. 24. Ὁ διάκονος τὰ δίπτυχα τῶν κεκοιμημένων. ὁ δὲ ἱερεὺς κλινόμενος ἐπεύχεται.

Τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ προφήτου πρόδρόμου καὶ βαπτιστοῦ, τῶν ἁγίων καὶ πανευφήμων ἀποστόλων. τοῦ ἁγίου δεινος. οὗ καὶ τὴν μνήμην ἐπιτελοῦμεν. καὶ πάντων τῶν ἁγίων σου. ὧν ταῖς ἱκεσίαις, ἐπίσκεψαι ἡμᾶς ὁ θεός. καὶ μνήσθητι πάντων τῶν κεκοιμημένων, ἐπ ἐλπίδι ἀναστάσεως ζωῆς αἰωνίου. Ἰωσὴφ μονάχον. μνήσθητι Κύριε τῶν δούλων σου. νείλου. καὶ δωροθέου. τῶν ἀρχιερέων, μάρκου ἱερομοναχη, διονυσίου μοναχοῦ, δημητρίου καὶ τῶν τέκνων αὐτοῦ μαγδαλινῆς καὶ ἰσιδώρας τῶν μοναχῶν. καὶ ἀνάπαυσον αὐτοὺς ὅπου ἐπισκοπεῖ τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου. ἔτι σου δεόμεθα μνήσθητι Κύριε, τῆς ἁγίας σου καθολικῆς καὶ ἀποστολικῆς. καὶ εἰρήνευσον αὐτην, ἣν περιεποιήσω τῷ τιμίῳ αἵματι τοῦ Χριστοῦ σου. καὶ τὸν ἅγιον οἶκον. 25. τοῦτον στερέωσον. μέχρι τῆς συντελείας τοῦ αἰῶνος. μνήσθητι Κύριε τῶν τὰ δῶρα σοι ταῦτα προσκομισάντων. καὶ ὑπὲρ

Къзглⷭ. Твоѭ ѿ твоихъ тобѣ приносмⷩе

ѡ всѣхъ и за ·:· маⷮтва. тан ·:·

Сего ради вдⷭко прⷭтыⷭ и мы грѣшнии. и недостоинии рабы твои. сподобленни слоужити стⷦмоу твоемоу жертвьникоу. не за правьды наша, ничто бо бога сткорихомъ на земли. нъ за мⷦти твоѭ и щедроты твоѭ. иже излиꙗ батно на ны, оупованиюще приближимъсѧ къ стⷦмоу твоемоу жертвьникоу, и предложьше ѡбразы тѣла стго и крⷭве х̃а твоего. тобѣ сѧ молимъ сте стⷦмъ. благословѣнiемь твоимъ благстн. прити стⷦмоу твоемоу дх̃оу на ны. и на предълежащаꙗ дары сиа. и благословити и. и ѡсвтити. и извити ·:· и въсклонься знаменаетъ стыꙗ дар ·:·

Хлѣбъ оубо сь то оу̑̃ное тѣло г̃а и б̃а спса нашего іс̃ х̃а ·:· дикон. амин. а се ѧшою знаменаꙗ г̃ать: Ѧшою же сною тоу оу̑̃ноую кровь г̃а и б̃а и спса нашего іс̃а х̃а ·:· а се третіе ѡбоие ѧшою и блюдо ·:· Изліꙗноую живота ради всего мира ·:· дикⷭ, амин.

Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

Πо. мо. ѡтан ·:·

Ны же ксⷭ причащающимсѧ ѥдиномоу хлѣбѣ и ѥдиной ѧшин. совъкоупи дроугꙑ къ дроугоу. въ ѡбщенiе ѥдиного дх̃а стго. и иныхъ насъ къ соудѣ ни во ѡсоуженiе створи. причащающихсѧ стⷦмь тѣлѣ и крⷭви х̃а твоего. нъ да ѡбращемъ мⷦть и благдть со всѣми стⷦми оугожьшими тобѣ ѿ вѣка. праѿцⷢ. ѿцⷢ. патрнархъ. прⷪркы. апⷭлы. проповѣдьники. благовѣстники. мучⷭкы, исповѣдники оучители. и всякомь дⷣѣ праведнѣ. въ вѣрѣ сконьчанѣ ·:·

Къзглⷭ. Издрадно прⷮвн оу̑̃твн прⷮблгословленѣи ·:· маⷮтва. ѡтан ·:·

Съ стⷦми и славнꙑми и бесплотнꙑми силами. стⷦмь нѡлномь прⷮвоею и крⷮнтелемь. и стⷦми апⷭлы. и стⷦмь сномь. нмар. иемоу же память творимъ. и всѣми стⷦми твоими. ихъже мⷦтвами посѣти насъ бе ·:·

И помани ксⷭ оусопшаꙗ. ѡ оупованiи весⷦрнѣи жизни вѣчнꙑѧ, и покои и вдеже присѣщаетъ свѣтъ лица твоего. и ѥще молимъ сѧ. помани г̃и стоую твою скорноую апⷭскоую црⷦквь соущюю ѿ конець до конець вселенꙑѧ оумирн ю иже прнѡкрⷮте оу̑̃ною кровью х̃а твоего. и стꙑи храмъ сь оутвердн. до коньчины вѣка. помани г̃и прнесъшаꙗ дары сиа тобѣ. и за ꙗ же ихъ же ради. и ѡ нихъ же ѧ прнесоша. помани г̃и плоды носащаꙗ и добротворащаꙗ въ стⷦхъ твоихъ црⷦквахъ. и помнящаꙗ нищаꙗ. къздажь нмъ батꙑми нбⷭнꙑми твоими дарми. дажь нмъ въ хⷣминыхъ мѣсто

ὧν. καὶ δι' ὧν. καὶ ἐφ' οἷς αὐτὰ προσεκάμισαν. μνήσθητι Κύριε. τῶν καρποφορούντων, καὶ καλλιεργούντων ἐν ταῖς ἁγίαις σου ἐκκλησίαις. καὶ μεμνημένων, τῶν πενήτων. ἀμείψαι αὐτοὺς. τοῖς πλουσίοις σὺ καὶ ἐπουρανίοις χαρίσμασι. χάρισαι αὐτοῖς ἀντὶ τῶν ἐπιγείων, τὰ οὐράνια, ἀντὶ τῶν προσκαίρων, τὰ αἰώνια. ἀντὶ τῶν φθαρτῶν, τὰ ἄφθαρτα. μνήσθητι Κύριε, τῶν ἐν ἐρημίαις. καὶ ὄρεσι. καὶ σπηλαίοις. καὶ ταῖς ὀπαῖς τῆς γῆς, μνήσθητι Κύριε. τῶν ἐν παρθενία. καὶ εὐλαβεία. καὶ ἀσκήσει. καὶ σεμνῇ πολιτεία διαγόντων. μνήσθητι Κύριε, τῶν εὐσεβεστάτων καὶ πιστοτάτων ἡμῶν βασιλέων. οὓς ἐδικαίωσας βασιλεύειν ἐπὶ τῆς γῆς. ὅπλῳ ἀληθείας. ὅπλῳ εὐδοκίας. στεφάνωσον αὐτούς. ἐπισκίασον 26. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτῶν, ἐν ἡμέρα πολέμου. ἐνίσχυσον αὐτῶν τὸν βραχίονα. ὕψωσον αὐτῶν. τῆς δεξιάν. κράτυνον αὐτῶν τὴν βασιλείαν. ὑπόταξον αὐτοῖς παντα τὰ βάρβαρα ἔθνη τὰ τοὺς πολέμους θέλοντα. χάρησαι αὐτοῖς μαθεῖαν καὶ ἀνεφαίρετον εἰρήνην. λάλησον εἰς τὴν καρδίαν αὐτῶν. ἀγαθὰ. ὑπὲρ τῆς ἐκκλησίας σου. καὶ παντὸς τοῦ λαοῦ σου. ἵνα ἐν τῇ γαλήνῃ αὐτῶν. ἤρεμον καὶ ἡσυχιον βίον διάγωμεν. ἐν πᾶσῃ ευσεβεία καὶ σεμνότητι. μνήσθητι Κύριε, πάσης ἀρχῆς καὶ ἐξουσίας. καὶ τῶν ἐν τῷ παλατίῳ ἀδελφῶν ἡμῶν. καὶ παντὸς τοῦ στρατοπέδου. τοὺς ἀγαθοὺς. ἐν τῇ ἀγαθότητι διατήρησον. τοὺς πονηροὺς, ἀγαθοὺς ποίησον ἐν τῇ χριστότητι σου. μνήσθητι Κύριε τοῦ περιεστῶτος λαοῦ. καὶ τῶν δι' εὐλόγους αἰτίας ἀπολειφθέντων. καὶ ἐλέησον αὐτοὺς καὶ ἡμᾶς. κατὰ τὸ πλῆθος τῶν ἐλέους σου. τὰ ταμεῖα 27. αὐτοῦ ἔμπλησον παντὸς ἀγαθοῦ. τὰς συζυγίας αὐτῶν. ἐν εἰρήνῃ καὶ ὁμονοίᾳ διατήρησον. τὰ νήπια ἔκθρεψον. τὴν νέοτητα παιδαγώγησον. τὸ γῆρας περικράτησον. τοὺς ὀλιγοψυχοὺς παραμύθησαι. τοὺς ἐσκορπισμένους. ἐπισυνάγαγε. τοὺς πεπλανημένους. ἐπανάγαγε. καὶ σύναψον τῇ ἁγία σου καθολικῇ καὶ ἀποστολικῇ ἐκκλησία. τοὺς ὀχλουμένους ὑπὸ πνευματων ἀκαθάρτων ἐλευθέρωσον. τοῖς πλέουσι σύμπλευσον. τοῖς ὁδοιποροῦσι. συνόδευσον γηρῶν πρόστηθι. ὀρθανῶν. ὑπεράσπεσον. αἰχμαλώτους ῥῦσαι. νοσοῦντας. ἴασαι. τῶν ἐν βήμασι. καὶ μετάλλοις καὶ ἐξορίαις. καὶ πικραῖς δουλείαις. καὶ πάσῃ θλίψει καὶ ἀνάγκῃ. καὶ περιστάσει ὄντων, μνημόνευσον. ὁ θεὸς καὶ πάντων τῶν δεομένων τῆς μεγάλης σου εὐσπλαγχνίας. καὶ τῶν ἀγαπώντων ἡμᾶς. καὶ τῶν μισούντων καὶ τῶν 28. ἐντειλαμένων ἡμῖν τοῖς ἀναξίοις εὔχεσθαι ὑπὲρ αὐτῶν. καὶ παντὸς τοῦ λαοῦ σου. καὶ ἐπὶ πάντας ἔχεον τὸ πλούσιον σου ἔλεος πᾶσι παρέχων τὰ πρὸς σωτηρίαν αἰτήματα. καὶ ὧν ἡμεῖς οὐκ ἐμνημονεύσαμεν δι' ἄγνοιαν. ἢ λήθην. ἢ πλῆθος ὀνομάτων. αὐτὸς μνημόνευσον ὁ θεὸς. ὁ εἰδὼς ἑκάστου ἐκ κοιλίας μητρὸς αὐτοῦ. σὺ γὰρ εἶ Κύριε. ἡ βοήθεια τῶν ἀβοηθήτων. ἡ ἐλπὶς τῶν ἀπηλπισμένων ὁ τῶν χειμαζομένων. σωτὴρ. ὁ τῶν πλεόντων λιμήν. ὁ τῶν νοσούντων ἰατρός. αὐτὸς τοῖς πᾶσι τὰ πάντα γενοῦ. ὁ εἰδὼς ἕκαστον. καὶ τὸ αἴτημα αὐτοῦ. οἶκον. καὶ τὴν χρείαν αὐτοῦ. ῥῦσαι Κύριε. τὴς πόλιν ταύτην. καὶ πᾶσαν πόλιν. καὶ χώραν, ἀπὸ λιμοῦ. λοιμοῦ. σεισμοῦ. καταποντισμοῦ. πυρὸς, μαχαίρας ἐπιδρομῆς ἀλλοφύλων. καὶ ἐμφυλίου πολέμου.

нѣнам. и въ врѣмѣньныхъ мѣсто вѣунам. и ко истлѣньныхъ мѣсто нѣнстлѣньнам. помани гн соущам въ поустынахъ. и въ горахъ. и въ пещерахъ. и в распаданнихъ зємныхъ. помани гн соущам въ дѣствѣ и въ говѣнии и въ пощєнии. и въ ѹтѣ житии прѣбыкающихъ. помани гн бгоковѣрнаго кназа нашєго. нмар. ього же ѡправдалъ єси цртвовати на зємли. ѡроужнємь истиньнымь. ѡроужнємь бговолнымь вѣнуан ього. ѡсѣнии надъ главою ього въ днь брани. и оукрѣпи мышьцею ього и възнеси десницю ього. оутвєрди кладѹьство ього. покори под онь вса иноплѣмєньныя страны. хотащам ратємъ. дажь ємоу пространыи и не ѡтємлємыи миръ. гн въ срдци ього бгам ѡ црквѣи твоєи. и ѡ всѣхъ людєхъ твоихъ. да въ тишинѣ ього тихо и бєзъмолъвно житиє пожнкемъ. ксащємь бговѣрнємь и ѹтотою. помани гн вса нахала и власти. и соущюю братью нашю въ полатѣ. и вса вои бгам въ бгстви твоєи съблюди. злыя добры створи бгстню твоєю. помани гн прѣстоящам люди и ѡставящам потрѣбныхъ вины дѣла. и помилоуи их. и насъ множьствомь мати твоєю. клѣти нхъ наполни всякого бга. подроужна нхъ к мирѣ и въ ѣдинѣнии съблюди. младѣньца нхъ въспитан. оуность накажи. старость подъдержи. малодшньныя оутѣши. расѣяныя събери. блоудящам приведи и совъкоупи съ стою и аплльскою црквью твоєю. ноудимыя дхы неутѣими свободи. с плавающими плаван со въ поуть ходящими шєствоуи. вдовицамъ помощьникъ боуди. сирымъ застоупникъ. плѣньныя избави. болящам исцѣли. и соущам на соудищи. И въ роудахъ. и в потоужєнихъ и въ лютахъ работахъ. и во всякои скорби и бѣдѣ и ноужи соущихъ помниаи бє и вса трѣбоующам великаго твоєго мл̃дства. и любящам ны и ненавидящам. и заповѣдавъшимъ намъ недостоиным. молитиса за на и за вса люди твоя. помани гн бє нашь. и на вса ны изліи бл̃тоую твою мл̃ть. всѣмъ подавам прошєниа яже ко спсєнию. ихже мы не поманоухомъ невѣдѣниємь ли забытью. ли множьствомь имєнъ. ты их помани бє. свѣдын когождо въздрастъ и нарєчєниє свѣдын когождо и цр̃ква мт̃ре своєя. ты бо єси гн помощь не имоущимъ помощи. надежа нѣимоущимъ надежѣ волнаємымъ спсъ. плавающимъ пристанище. болящимъ ѵцлитель. самъ боуди все. свѣдын когождо и прошєниа ього. домъ и потрѣбоу ього. избави гн градось. и вса грады и страны. ѿ глада гоубительства. троуса. потопа. ѡгня. меча. пришествиа иноплємєньникъ. и ѿ соубныя рати ·:·

Чтеніе и объясненіе снимка.

36. Ἐυχη λεγομένη ἐν τῶ συστεῖλαι τὰ ἅγια.

Κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν, ὁ ἀγαγὼν ἡμᾶς εἰς τὰς πανσέπτους ἡμᾶς ποιήσας τῶν φρικτῶν σθ μυστηρίων, σύναψον ἡμᾶς τῆ λογικῆ σου ποίμνη, καὶ κληρόνομους ἀνάδειξον τῆς βασιλείας σου. νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰῶνων ἀμήν.

Θεῦ δῶρον καὶ Ἰωασάφ πόνος. ἔτους ,ϛϡπϝ. (1375 г.) ϝῑ. ἰνδικτιῶνος. μηνὶ αὐτούστω ζ.

Слова съ знаками препинанія: μυστηρίων, ἡμῶν. ἀμήν.

Слова съ титлами и сокращенія: Θεὸς θεοῦ σωτῆρος. Ἰησοῦ χριστοῦ. ὑμῶν. ἐκφώνησις ἀντιλαβοῦ εὐχὴ.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α, δίδαξον ἀξίως. ε., ἐπιτελεῖν μετὰ. ν, νῦν εὐτὴν. σ., σῶσον. δέσποτα. τ., μέτοχοι. πάντας.

XVI. Сборникъ статей пономическаго содержанія противъ Латинъ.

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 366-мъ.

Длина бумаги	5¾ в.
Ширина.	4 „
Къ корешку.	½ „
Къ правой сторонѣ	⅞ „
Къ верху	¾ „
Къ низу.	⅞ „

Бумага сѣрая лощеная, бумажнаго знака не видать.

Писано скорописью на 241-мъ листѣ по нарѣзамъ. Заставки писаны коричневою краскою. Заглавныя буквы фигурны, писаны тою же краскою, а мѣстами блѣдною розовою какъ и оглавленія. Колеръ чернилъ темный. Начальныя листы промочены, и чернила слиняли. Помѣта тетрадей позднѣе писана внизу. Число строкъ на сраницѣ не опредѣленно и 38. и 40 и 41. и 37.

Сборникъ сей замѣчателенъ въ 1-й разъ изданными въ Лейпцигѣ Архимандритомъ Андроникомъ Димитракопуло сочиненіями Николая ϵππα меѳонскаго и другихъ Греческихъ писателей.

л. 1—9. Νικολάα μεθωνος, λόγος πρῶτος κατὰ λατίνους περὶ τῆς ἐκπορεὐσεως τοῦ ἁγίου πν̄ς. Начало: Τὸ περὶ τοῦ ἁγίου πν̄ς λέγειν.

л. 9 — 19 об. Τοῦ αὐτοῦ λόγος δεύτερος πρὸς λατίνους περὶ τῶν ἀζύμων. Начало: Τὸν μὲν πρῶτον τὸν λόγον ἐποιήσαμην, ὦ λατῖνε φιλε πρὸς σὲ...

л. 20 — 25 об. Τοῦ μ̄ροπολίτου νικαιας κυρ εὐστράτιου λόγος πρὸς λατίνους, τοὺς λέγοντας ὅτι, ἐκ τοῦ πρ̄ς καὶ ἐκ τοῦ ὑιοῦ τὸ πν̄α το ἅγιον ἐκπορέυεται, κατασκευάζων ὅτι ἐκ τοῦ πρ̄ς διὰ τοῦ ὑιοῦ μόνου οὐχὶ δὲ καὶ ἐκ τοῦ ὑιοῦ τὸ πν̄α τὸ ἅγιον ἐκπορέυεται. Начало: Οὐ πρὸς ἔριν ὁ λόγος. ἀλλ' εἰς ἀληθείας ἐξέταξιν.

л. 25 об. — 28. Τοῦ αὐτοῦ λόγος β'. περὶ τοῦ ἁγίου πν̄ς. Начало: Ἀλλ' ἔρις ἥδε, οὐκ ἀγαθὴ βροτοῖσι καθεστήκε...

л. 28 — 34 об. Τοῦ αὐτοῦ λόγος πρὸς λατίνους περὶ τῶν προσφερομένων ἀζύμων, ἅτε παρὰ τους θειους κανόνας ταῦτα ποιοῦσι. Начало: Περὶ μὲν δὴ τοῦ παναγίου πν̄ς ὡς οὐ χρὴ λέγειν.

л. 34 об. — 40 об. Τοῦ αὐτοῦ λογ. β'. Начало: Ἔδει μὲν ἀνηρημένου καθόλου τοῦ γράμματος.

л. 40 об. — 44. Θεοδώρου κουροπαλάτου τοῦ σμυρναίου λόγος περὶ τῶν ἀζύμων καὶ περὶ τῶν λεγομένης παρὰ ρωμαίοις τοῦ πν̄ς ἐκ τοῦ ὑιοῦ ἐκπορέυσεως.

л. 44 — 48. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἐκπορέυσεως τοῦ παναγίου πν̄ς.

л. 48 — 50. Τοῦ ἀρχιεπισκόπου μεδιολάνιον διάλεξις περὶ τοῦ ἁγίου πν̄ς. ὅτι ἐν τοῦ ὑιοῦ ἐκπορέυεται μεθ' ἣν ἡ αντίῤῥησις. Начало: Ἄκουσον καὶ νόησον ἃ ἐγὼ πρὸς σε φθέγγομαι τοῦ θῦ ἐπιπνέοντος.

л. 50 — 52. Τοῦ μοναχοῦ κυρ Ἰωάννου, καὶ πρώτου τοῦ γάνε τοῦ φουρνῆ. ἀντιρριτικὴ πρὸς ταῦτα ἀπολογία. Начало: Γράψας ἅπερ ἐβούλου. καὶ διατρανώσας ὡς οἶε...

л. 52 — 58. Τοῦ εὐστρατίου νικαίας λόγος περὶ τοῦ παναγίου πν̄ς μετὰ τοῦτον δὲ καὶ παρ' αὐτοῦ ἀντίρρησις κατὰ τῶν προλεχθέντων τῶν μεδιολάνων περὶ τῆς ἐκ τοῦ υἱοῦ ἐκπερεύσεως τοῦ ἁγίου πν̄ς. Начало: Τοῖς φιλολόγοις βασιλεῦσι, τοὺς λόγους.

л. 58 об. — 65. Τοῦ αὐτοῦ λόγος ἀντιρρητικὸς πρὸς τὰ προφερόμενα παρὰ τοῦ μεδιολάνων περὶ τῆς ἐκ τοῦ πρ̄ς καὶ ἐκ τοῦ πν̄ς καὶ τοῦ υἱοῦ ἐκπορεύσεως. Начало: Πάλιν λατῖνος ἡμῖν. καὶ πάλιν ζητήσεις περὶ τοῦ πν̄ς.

л. 65 — 68. Τοῦ αὐτοῦ ἔκθεσις τῆς γεγονυίας διαλέξεως προς Γροσολάχον ἀρχιεπίσκοπον μεδιολάνων περὶ τοῦ ἁγίου πν̄ς ἐκπορέυσεως πρὸ τῶν ἀντιρρητικῶν ῥηθεῖσα. Начало: Πρῶτον μὲν ἡμῖν δύο γράμματα ἐκπεπόνηται πρὸς ἅπερ λατῖνοι φασί.

л. 68 — 71. Ἰωάννου τοῦ τιμωτάτου μρ̄οπολιτου κλαυδιουπόλεως περὶ τῶν ἀζύμων. Начало: Επειδὴ σοι μαθεῖν ἔρως τιμιώτατε πε̄ρ.

л. 71 об. — 73. Θεοφυλάκτου βηλγαρίας. πρός λαλιὰ τινὶ τῶν αὐτοῦ ὁμιλιτῶν περὶ ὧν εγκαλοῦνται λατῖνοι. Начало: Εἰσῆλθε τὸ ἀξίωμα σου ἐνώπιον μη.

л. 73 — 76. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῶν ἀζύμων. Начало: Ἐπεὶ δὲ καὶ περὶ τῆς προσφορᾶς τῶν ἀζύμων.

л. 76 — 79. Πέτρου θ̄υ πόλεως καὶ πάσης ἀνατολῆς πατριάρχου. λόγος. καθ' ὃν καιρὸν εἰσῆλθε ὁ ἰταλὸς ἀργυρὸς ἐλέγξων τὰ ἡμετέρα. Начало: Ὅσα ἐπονηρεύσατό ὁ ἐχθρὸς ἐν τῷ ἁγίῳ σου.

л. 79 — 81 об. Ἐπιστολὴ τοῦ αὐτοῦ πρὸς τὸν ἀρχιεπίσκοπον βραδένστης. Начало: Πολλῆς ἡμῖν εὐφροσύνης καὶ μεγάλης πν̄ικῆς καὶ μεγάλης πν̄ικῆς ἀγαλλιάσεως.

л. 81 об. — 86 об. Ἰωάννου τοῦ ἁγιωτάτου πρ̄ιάρχου ἀντιοχείας λόγος περὶ τῶν ἀζύμων πρὸς τὸν ἀδριανουπόλεως. Начало: Αναμνήσθητι τῆς πρεσβείας ἐκείνης.

л. 86 об. — 90. Νικήτα μοναχοῦ μονῆς. τοῦ στουδίου καὶ πρεσβυτέρου τοῦ στηθάτου Ρωμαίσις περὶ τῶν ἀζύμων. τῆς νηστείας τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς. καὶ τοῦ γάμου τῶν ἱερεων. Начало: Καλὸν ἡ πρὸς τὸν πλησίον ἀγάπη ὦ πάντων ἐθνῶν σοφώτατοι.

л. 90 — 91. Λέοντος ἀρχιεπισκόπου βολλγαρίας ἐπιστολὴ πεμφθεῖσα πρὸς τὸν ἐπίσκοπον Ρώμης περὶ τῶν ἀζύμων καὶ τῶν σαββάτων. Начало: Ἡ τοῦ θ̄υ μεγάλη ἀγάπη.

л. 91 — 92 об. Τοῦ αὐτοῦ ἐπιστολὴ δευτέρα περὶ τῶν ἀζύμων. Начало: Ἐτέθεικε τὴν ἑαυτοῦ ψυχὴν.

л. 92 об. — 95 об. Τοῦ αὐτοῦ ἐπιστολὴ τρίτη. Начало: Ἀδελφοί. μὴ παιδία γίνεσθε ταῖς φρεσίν.

л. 95 об. — 100. Λέοντος μρ̄οπολίτου ῥωσίας πρὸς Ρωμαίους ἤτοι λατίνους. περὶ τῶν ἀζύμων. Начало: Ἄνδρες Ῥωμαῖοι ἀκούσατε.

л. 100.. Τὰ παρὰ τῶν φράγγων παρὰ τὴν ὀρθόδοξον πίστιν παρὰ τὴν ἐκκλησιαστικὴν συνήθειαν δοξαζόμενα καὶ τελούμενα δι' ἃ καὶ ἔχομεν πρὸς αὐτοὺς ἀκοινωνήτως, εἰσὶ τοιαύτα. (17).

л. 100 — 102. Ἰωάννου μρ̄οπολίτου ρωσίας, επιστολὴ πρὸς κλήμεντα παπας τῆς πρεσβυτερας ρωμης. Нач. Απεδεξάμην τὴν ἐν κῶ ἀγάπην σου.

л. 102. — 103 об. Μουζάλωνος νικολάου πρὸς τὸν βασιλέα ἀλέξιον τὸν κομνηνον ἐπὶ τῆς τοῦ ἁγίου πν̄ς ἐκπορέυσεως. Начало: Δέσποτα μου ἅγιε κράτιστε θεόστεπτε βασιλεῦ.

л. 104 — Εὐθυμίᾳ μοναχοῦ τοῦ ζαγαβινῆ κεφάλαια ιβ̄. εἰς τὸ ἐκ μόνου πρ̄ς ἐκπορέυεται τὸ πν̄α, τὸ ἅγιον. Начало: Εἰ ἁπλοῦν μὲν. τὸ πν̄α.

л. 104 об. Τοῦ μακαριωτάτου μοναχῦ Κυρίλλου ὑποτύπωσις βραχεῖα διαλέξεως πρὸς λατῖνον περὶ ἀζύμων. Начало: Οὕτω σχηματίσεις τὸν λόγον.

л. 104 — 105 об. Φωτίου πρ̄ιάρχου κατὰ λατίνων περὶ τοῦ ἁγίου πν̄ς. Начало: Τίς ὅλως ἀνάσχοιτο.

л. 105 об. — 106 об. Μεθοδίου πρ̄ιαρχου Κονσταντινουπόλεως περὶ τῶν ἀζύμων. Начало: Τὰ ἄζυμα, οὐκ ἄρτος ὡς ἄντις εἴποι τέλειος καὶ ὁλόκληρος.

л. 106 об. — 110. Νικήτα παφλαγόνος τοῦ φιλοσόφου. τοῦ καὶ δᾶδ ὅτι, τῇ ῑγ̄ τῆς σελήνης πρὸ μιᾶς τοῦ νομικοῦ πάσχα, τὸ μυστικὸν τοῦ κῦ γέγονεν δεῖπνον. καὶ οὐ τὸν ἀμνὸν τότε μετὰ τῶν μαθητῶν ἔφαγεν ὁ χ̄ς. Начало: Ἐζήτηται περὶ τοῦ δείπνου τοῦ δεσποτικοῦ πολλοῖς.

л. 110 — 116. Εὐστρατίου μρ̄οπολίτου νικαίας, διάλογος ἐκτεθεὶς, ὅτε ἡ ἀμφισβήτησις περὶ τῶν ἁγίων εἰκόνων ἐγένετο, πῶς δεῖ προσκυνεῖσθαι καὶ τιμᾶσθαι αὐτὰς, σχετικῶς ἢ λατρευτικῶς. τοῦ τῆς ἐν βιθυνία χαλκή-

δονος μρ̄οπολίτου λέοντος, καὶ τῶν συνισταμένων αὐτῷ πρὸς τὸν λοιπὸν ἅπαν πλήρωμα τῆς ἐκκλησίας ἀντιπιπτόντων, καὶ λατρευτικὴν ἀπόνεμειν φιλονεικοῦντων τὴν προσκύνησιν ταῖς γεγραμμεναις εἰκόσι τοῦ σρ̄ς χῡ, ἣν μόνη τῇ θεότητι ἡ ἐκκλησία ἔλεγεν ἐποφείλεσθαι, τῇ δὲ ἁγία εἰκόνι, τὸ σχετικὸν καὶ ἀναφορικὸν τῆς προσκυνήσεως ἐφαρμόττειν καὶ τῆς τιμῆς. Начало: Ποῖ δὴ καὶ πόθεν ὦ φιλοσύνηθες.

л. 116 об. — 118 об. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τοῦ τρόπου τῶν σεβασμίων εἰκόνων τιμῆς τε καὶ προσκυνήσεως συλλογιστικὴ ἀπόδειξις. Начало: Ἡ λατρεία μόνη ἁρμόττει καθ' αὐτὸ τῇ θεότητι.

л. 118 — 128 об. Τοῦ αὐτοῦ ἔλεγχος καὶ ἀνατροπὴ τῶν λεγόντων μίαν φύσιν ἐπὶ τοῦ χῡ ἡμῶν ἐκ λογικῶν καὶ φῡσικῶν καὶ θεολογικῶν ἐπιχειρήσεων. ἐξ ὧν δείκνυται ἀναγκαίως, ἐκ δύο φύσεων εἶναι τὸν σρ̄α χῡ μετὰ τὴν ἄρρητον αὐτοῦ κατὰ σάρκα. οἰκονομίαν. ἀφύρτως καὶ ἀσυγχύτως καὶ ἀτρέπτως ἀλλήλαις ἡνωμένων ἐν μιᾷ καὶ τῇ αὐτῇ ὑποστάσει. ἐξεδάθη δε μετὰ τὴν διάλεξιν παρὰ τοῦ βασιλέως κυρ ἀλεξίου τοῦ κομνηνοῦ πρὸς ἀρμένιον τὸν τιγράνην. Начало: Γυμνασίας ἕνεκεν τῆς εἰς ἀλήθειαν τὸ προκείμενον.

л. 128 об. — 137. Νικολάου ἐπισκόπου μεθώνης, πρὸς τὸν μέγιστον βασιλέα. τὸν ἄριστον ἀριστέα, τὸν κράτιστον αὐτοκράτορα, τὸν κομνηνὸν κυρ μανουὴλ τὸν πορφυρογέννητον. μετὰ τὴν ἐν Κωνσταντινουπόλει συγκροτηθεῖσαν κελεύσει αὐτοῦ νέαν σύνοδον κατὰ τῆς ορτιφανοῦς αἱρέσεως τῶν λεγοντων τὴν σωτήριον ὑπὲρ ἡμῶν θυσίαν μὴ τῇ τρισυποστάτῳ θεότητι προσαχθῆναι. ἀλλὰ τῷ πρ̄ι μόνῳ, καὶ διαιρούντων μὲν οὕτω τὴν μίαν θεότητα μεμφομένων δὲ ὡς αἱρετικούς, καὶ νεστοριανοὺς ἀποκαλούντων τοὺς λέγοντας τὸν χῡ καὶ ἑαυτῷ ταύτην τὴν θυσίαν προσενεγκεῖν. καὶ μετὰ τὰ ἐπὶ ταύτῃ τῇ συνόδῳ βασιλικὰ κατὰ τὴν ἀνατολὴν τρόπαια. ἐπινίκιος. ἐν ᾧ καὶ ἀντίρρησις συνοπτικωτέρα πρὸς τὰ γραφέντα τῷ τῆς αἱρέσεως ἐξάρχῳ. Начало: Μεθώνη πόλις ἀλλ ἀποκόπτει μοι τὸ συμπλήρωμα.

л. 137 — 142. Νικολάου φιλοσόφου τοῦ μεθώνης πρὸς τὸν μέγαν δομεστικὸν. ἐρωτήσαντα περὶ τοῦ ἁγίου πν̄ς, πῶς λέγεται οὐσιωδῶς ἐπιδημῆσαι καὶ ἐνοικῆσαι τοῖς ἀποστόλοις, καὶ εἰ οὕτως ἦν καὶ ἐν τῷ χῷ, πῶς οὐχὶ καὶ αὐτὸν χριστοὶ λέγονται, ἢ εἰ μὴ οὕτως, τίς ἡ διαφορά. Начало: Τὰς ἀφορμὰς τῶν παρόντων περὶ τοῦ παναγίου πν̄ς λόγων...

л. 142 об. — 146 об. Τοῦ αὐτοῦ φιλοσόφου πρὸς τὸν ἐρωτήσαντα, εἰ ἔστιν ὅρος ζωῆς καὶ θανάτου. καὶ πῶς τούτου δοθέντος οὐκ ἂν εἴη κακῶν αἴτιος ὁ θ̄ς. Начало: Ἐγώ σε πολλὰ πολλάκις θαυμάσας...

л. 146 об. — 152 об. Περὶ τοῦ αὐτοῦ λόγος δέυτερος ἐκ τῶν γραφικῶν μαρτυριῶν τὰ αὐτὰ συνάγων. καὶ τὸν τῆς ἀοριστίας πρεσβευτὴν ἐλέγχων μὴ καλῶς τινὰς αὐτῶν ἐκλαμβάνοντα. καὶ τὰς ἐντεῦθεν φυομένας ἀπορίας λύων. Начало: Λεῦρο δὴ οὖν ὥσπερ εἰς δευτέραν νυσσαν τὸν αὐτὸν ἀνύοντες.

л. 153 — 154 об. Περὶ τοῦ αὐτοῦ λόγος τρίτος τὴν ἀτοπίαν ἐλέγχων τῆς κατὰ τὴν ἀόριστον ὑποθέσεως διὰ τῆς εἰς ἀδύνατον ἀπαγωγῆς. Начало: Ἀτὰρ ἐπὶ τρίτον τοῦτον ἄεθλον καταβαίνοντες.

л. 155 — 163. Τοῦ αὐτοῦ περὶ τῆς ἐπὶ τῇ καταστάσει τοῦ πρ̄ιαρχου ἀντιλογίας. καὶ περὶ ἱεραρχίας. Нач. Εἶδον ἀνομίαν καὶ ἀντιλογίαν ἐν τῇ πολει.

л. 163 — 171. Τοῦ αὐτοῦ πρὸς τοὺς σκανδαλιζομένους, ἐπὶ τοῖς ἀποστολικοῖς ῥητοῖς. ὅταν δὲ ὑποταγῇ αὐτῷ τὰ πάντα, τότε καὶ αὐτὸς ὁ υἱὸς ὑποταγήσεται, τῷ ὑποτάξαντι αὐτῷ τὰ πάντα. καὶ τῷ ἵνα ᾖ ὁ θ̄ς τὰ πάντα ἐν πᾶσι. καὶ διὰ μὲν τοῦ ὑποταγήσεσθαι λέγειν πρ̄ι τὸν υἱὸν οἰομένους ὑποδεέστερον φύσει ποιεῖν αὐτὸν υἱὸν τοῦ πρ̄ς κατὰ τὴν αἵρεσιν ἀρειου. διὰ δὲ τοῦ ἔσεσθαι τὸν θ̄ν τὰ πάντα ἐν πᾶσι τὴν ωριγένους διγματίζειν ἀποκατάστασιν. καὶ πρὸς εὕρεσιν τοῦ ἀποστολικοῦ σκοπ̄ου, πρὸς ὃν ταῦτα φησίν, ἀνάπτυξις τῶν προειρημένων αὐτῷ περὶ τῆς κοινῆς πάντων νεκρῶν ἀναστάσεως. Начало: Ἐρευνᾶν ἀλλ' οὐπερ ἐργάζεσθαι τὰς γραφάς.

171 — 177. Τοῦ αὐτοῦ. τὰ λειπόντα περὶ τῆς θείας ἱερουργίας. καὶ τοῦ πῶς ὁ χ̄ς λέγεται προσφέρων καὶ προσφερόμενος. καὶ προσδέχων καὶ προσδεχόμενος.

л. 177 — 189. Ἀντίρρησις πρὸς τὰ γραφέντα περὶ τῆς αὐτῆς ὑποθέσεως παρὰ σωτηρίου τοῦ προβληθέντος πρ̄ιάρχου ἀντιοχείας. Начало: Βουλοίμην ἂν ἐγὼ μηδέποτε...

л. 189 об. — 190 об. Περὶ τοῦ παναγίου πν̄ς ἐκ μόνου τοῦ πρ̄ς ἐκπορευσεως (ἀνδρονίκου δρουγγαρίου τῆς Βίγλης. συλλεγεν. κυρ. μανουὴλ κομνηνου.) προγματεία. Начало: Λέων ἐρέυξεται. καὶ τίς ὑ φοβηθήσεται.

190 — 221. об. Διάλεξις τοῦ σοφοῦ μεγάλου βασίλεως καὶ τῶν τῆς πρεσβυτέρας ῥώμης σοφοτάτου καθδινάλων περι τῆς τοῦ παναγίου πν̄ς ἐκ μόνου τοῦ πρ̄ς ἐκπορέυσεως. Начало: Ἀποδιδόναι τὰ καίσαρος καίσαρι.

л. 221 — 225 об. Προσώπου ὀρθοδόξου καὶ μακεδονιανοῦ συντεθείσης διαλέξεως. Начало: Μακεδονιανος. ἔχεις μοι δεῖξαι πῦ γέγραπται θ̄ς. τί με περιάγεις πολλα.

л. 225 об. — 242. Τοῦ αὐτοῦ ἀπὸ τοῦ α̅ λόγου τοῦ βιβλίου οὗ ἡ ἐπιγραφὴ ἑλληνῶν παθημάτων θεραπευτικὴ. Начало: Ἀλλὰ μὴ θορυβεῖσθε...

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 36об. Νικήτα μοναχοῦ μονῆς. τοῦ στουδίου καὶ πρεσβυτέρου τοῦ στηφάτου. Ρωμαίοις. περὶ τῶν ἀζύμων. τῆς νηστείας τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς. καὶ τοῦ γάμου τῶν ἱερέων.

Τῶν ἀζύμων οἱ ἔτι μετέχοντες, ὑπο τὴν σκίαν τοῦ νόμου εἰσί. . . . . οὐχὶ δὲ λογικὴν καὶ ζῶσαν θῡ, καὶ ἡμῖν πεπιστευκόσιν ανοις, ἐπιούσιον τε καὶ ὁμοούσιον, καθὼς ἄνωθεν ἐξαιτεῖσθαι τὸν ἐπιούσιον ἐδιδάχθημεν ἄρτον. τί γὰρ ἐστιν ὁ ἐπιούσιος, ἐιμὶ ὅτι ὁμοούσιος. ἕτερος δὲ οὐδεὶς ἐστιν ἡμῖν ὁμοούσιος ἄρτος, ἀλλ᾽ τὸ σῶμα τῡ χῡ, ὡς ὁμοουσίου γεγονότος ἡμῖν κατὰ σαρκα τῆς ἀνότητος. εἰδε ἔμψυχος ἐστιν ἡ ουσία τοῦ ἡμετέρου φυράματος, ἣν ὁ λογος ἡμπίσχετο, ἄρα οὐ τὸν ἡμῖν ἐπιούσιον ἄρτον ἐσθίετε ἀζύμων μετέχοντες. τὰ γὰρ ἄζυμα, δηλονότι καὶ ἄψυχα. ὡς αὕτη τῶν πραγμάτων ἡ φύσις ἐκδηλότερον ἐκειδάσκει. προκαταβληθεῖσα γὰρ ἡ μικρὰ ζύμη ἐν τῷ φυράματι τοῦ ἀλευρου, καὶ συμφυραθεῖσα αὐτῷ, καὶ μία τὸ ὅλον ζυμη ἀποτελεσθεῖσα, δυνάμει τινὶ ζωτικῇ ἐκθερμαίνει αὐτην, καὶ κινητικὴν οἵα δὴ ζῶσαν ἐργάζεται. ὅπερ ἐν ἀζύμω τῶν φαρισαίων. ἦν .. καὶ φέυγειν ἡμῖν ὁ λόγος ἐπισκηπτει, οὔτε ἐγένετο ποτὲ, οὔτε μὴν καθόλου γενήσεται. θείας γεγόναμεν κοινωνοί φύσεως, ἧς καὶ μετέχομεν οἱ κοινωνίαν ἐσχηκότες μετὰ χῡ. καθάφησι καὶ πέτρος ὁ κορυφαῖος. χαρὶς ὑμῖν καὶ εἰρήνη πληθύνθείη ἐν ἐπιγνώσει τοῦ θῡ Ιῡ τοῦ κῡ ἡμῶν. καὶ μετ᾽ ὀλιγα, ἵνα διὰ τούτων γενήσησθε κοινωνοὶ φύσεως οὐχὶ δὲ ζύμης ἀζύμου τῶν θεοκτόνων. θείαν δὲ φύσιν, τίς ἄν καὶ εἴποι ποτὲ κύριος ὢν λογισμοῦ, ἄζυμον καὶ νεκρὰν ζυμην τῶν ἰουδαίων, ἣν εἰς θυσίαν ὑμεῖς τῷ θῷ ἀναθέρετε, καὶ ἣν ὡς ἀντίτοπον τῆς ζώσης σαρκὸς τοῦ κῡ ἐσθίετε. πῶς δὲ καὶ κοινωνίαν ἔξετε μετὰ χῡ.....τὴν νεκρὰν ὡς εἴρηται καὶ ἄζυμον ἐσθίοντες, τῆς τοῦ νόμου σκίας, καὶ οὐ τῆς καινῆς διαθήκης. ἐὰν γὰρ καὶ τοῦτο εἴπητε, ἀλλ᾽ οὐχ οὕτως ἔχει. φησὶ γὰρ ὁ ἠγαπημένος τοῦ χῡ. μαθητὴς. ἐὰν εἴπωμεν ὅτι κοινωνίαν ἔχομεν μετ᾽ αὐτοῦ, καὶ ἐν τῷ σκότει περιπατοῦμεν, ψευδόμεθα καὶ οὐ ποιοῦμεν τὴν ἀλήθειαν. ἐὰν δὲ ἐν τῷ φωτὶ περιπατῶμεν ὡς αὐτος ἐστιν ἐν τῷ φωτὶ, κοινωνίαν ἔχομεν μετ᾽ ἀλλήλων. καὶ τὸ αἷμα Ιῡ χῡ τοῦ υἱοῦ αὐτοῦ, καθαρίζει ἡμᾶς ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας. ὁ οὖν τὰ ἄζυμα ἐσθίων, ἐν τῷ σκότει τοῦ νόμου περιπατεῖ. καὶ πῶς κοινωνίαν ἕξει μετὰ χῡ. . . л. 87. σκοπεῖτε δὲ ὅτι ἐν μὲν τοῖς ἀζύμοις, οὐδεμία τίς ἐστι ζωτικὴ δύναμις. νεκρὰ γὰρ εἰσίν. ἐν δε τῷ ἄρτω ἤγουν τῷ σώματι τοῦ χῡ τρία τὰ ζῶντα καὶ ζωὴν παρέχοντα τοῖς αὐτῶν ἀξίως ἐσθίουσι. τὸ πνα τὸ ὑδωρ. καὶ τὸ αἷμα. ὡς καὶ αὐτὸς ὁ ἐπιστήθιος τοῦ χῡ ἰωάννης συμμαρτυρεῖ μοι τῷ λόγω. τρεῖς εἰσὶ μαγτυροῦντες λέγων. τὸ πνα καὶ τὸ ὕδωρ καὶ τὸ αἷμα, καὶ τρεῖς εἰς τὸ ἕν εἰσί. δηλονότι τὸ σῶμα τοῦ χῡ. ὃ καὶ κατὰ τὸν καιρὸν τῆς τοῦ κῡ στρ̄ωσεως, δῆλον γέγονεν ὁπηνικα το ὕδωρ καὶ τὸ

Изъ Сборника XVI в. Syн. Библ. № 561.

л. 52. Никиты монаха прєзвитера стѫ̑скїа. по рєкла̑ же стифата. к латиномъ о опрѣснощєхъ.

л. 52. об. Аще вкѡ опрѣснокѡ̑ ѡ римлане прнуѧмлєтє̑. и єще по̀ сѣнїю закона єстє. не бж̑їа̑ словесныа и живыа и на̑ вєровавшн̑ оу̑ко̀ насѫщныа и єдиносѫщныа. ако̀ на сѫщнꙋ хлѣ̑ проснти скыше назнстє̑. ꙋто бѡ є̑ насѫщныи. аще и̑ не на̑ єдиносѫщє̑. нижє нн єдн̑ нѣ̑ на̑ єдиносѫщє̑ хлѣ̑. но тѣло хр̄ѡ, ако̀ єдїносѫщє̑ на̑ бы по плоскомꙋ є̑ въчловѣчєнїю аще̑ сѫдѡ̑вно є̀ сѫщество ншє̑ смѣшєнїа; к нє̑ слоко ѡ̑ на̑ облєчє̑ не насѫщныи ѕбо, нн єдиносоу̑щны л. 53. на̑ хлѣ̑ пстє. опрѣснокѡ̑ прнуѧмлающє̑. опрѣсноцн бѡ кѣ вѣ̑дѡ̑шнн сѫ̑ ако̀ н н самѣ̑ вєщїн є̑ство кѣ скꙋжѣ̑. прє̑ бѡ вложѣ̑ бы̑ ма̑ квасъ смѣшєнїє мѧкы. н смѣсн кса с нею н все єдїно тѣсто створь сплою нѣкоєю живо̑ною съгрѣкае̑ є. н повнзатн̑ и̑ живѫ̑ стварає̑ єго̑ не к кнслѣ тѣстѣ фарнсѣнстѣ нн бы̑ кога̑ нн ѡ̑ нꙋ̑ не вздє̑. єго̑ же вѣгати на̑ слово повелѣкае. бж̑твнаго є̑ства быхѡ̑ обєщнницн. єго̑ н прнуѧщаємсѧ. ѡбщєнїє нмꙋщн съ хм̑ь ако̀ петръ верховнїи рє̑. бл̑ть ва̑ н мнръ да ꙁмножи̑тся. в разꙋмѣ ба̑ іс̑ хр̑ а̑ нше̑. н по малѣ. да сн̑ра̑ бздетє обєщнницн бж̑твнаго є̑ствл. не тѣста̑ прѣсна бг̑озвїнствєны̑. бж̑їе же є̑ство кто аще рєчє̑. г̑ь сын помыслꙋ прѣсно. н мр̑тво тѣсто їюдєнскоє. єже вы въ жертвѫ бг̑н прнносптє. н єже ако равнообразно живѣн плотн гн̑н пстє. како̀ н ѡбщєнїє нматє съ хм̑ь. мр̑тво ако̀ рєчєнно бы̑, н прѣсно тѣсто ꙗдꙋщє̑. ꙁаконныа сѣнн, а нє новаго завѣта. л. 53 об. аще бѡ н сє рє̑тє, не нстїнствжєтє. рє̑ бѡ бг̑осло ѡ̑а̑. аще рєчє̑ ако ѡбщєнїє нмамы с нн̑ н къ тмѣ ходн̑. лжє̑а нє творн̑ нстнны. аще̑ къ свѣтѣ ходн̑ ако тон є̑ къ свѣтѣ. общєнїє нмамы држ̑ къ дрꙋгꙋ. н кровь іс̑ хр̑ѣ оунстн̑ на̑ ѡ̑ всако̀ хрѣха. н̑ ѕбѡ опрѣснокы ѡ̑. къ тмѣ ꙁакона ходн̑. н како ѡбщєнїє хощєтє нмѣти съ хм̑ь. смотрнтєжє. ка̑ въ опрѣсноцѣ̑ ѕбо. нн єдина̑ кла є̑ животнза сила. мр̑тви бо сѫ̑. во хлѣбѣ̑ рєкшє в тѣлѣ хр̑ѣ трн жнва. н живо̀ дарꙗщa дꙋ̑нѣ ꙗдꙋщн̑ м. дх̑ъ вода н кровь. ако̀ н тон хр̑ъ нперстнн̑ ꙗ̑а̑, свѣтельствжє̑ мн словєсн. трїє сѫ̑ свѣтельствоующе рє̑. дх̑ъ вода н кровь. н трїє въ єдино сѫ̑. мллаа тѣло хр̑ѡ. є̑ н къ врѣмя гн̑а̑ распа̑а кѣ бы̑. єгда вода н кровь ѡ̑ прꙋ̑таго ребра єго. нстєчє, н копїє̑ прободенѣ быкшн плотн є̑. (ꙁрн) живын̑ н сты̑н дх̑ъ прєбы̑

αἷμα ἐκ τῆς ἀχράντου πλευρᾶς αὐτοῦ ἐρρεσε. λόγχη νυγείσης. τὸ δὲ ζῶν καὶ ἅγιον πνα, ἔμεινεν ἐν τῇ τεθεωμένῃ σαρκὶ αὐτοῦ. ἣν ἐσθίοντες ἡμεῖς ἐν τῷ ἄρτῳ, μεταβαλλομένω διὰ τοῦ πς καὶ γινομένω εἰς σάρκα χυ, ζῶμεν ἐν αὐτῷ ὡς ζῶσαν καὶ τεθεωμένην σάρκα ἐσθίοντες. οὕτω δὲ καὶ τὸ αἷμα τὸ ζῶν κὰι θερμότατον αὐτοῦ πίνοντες, μετὰ τοῦ ἐκρέυσαντος ὕδατος. ἐκ τῆς ἀκηράτου πλευρᾶς αὐτοῦ, καθαιρόμεθα πᾶσαν ἁμαρτίαν, καὶ ζέοντος πληρούμεθα πς. θερμὸν γὰρ ὡς ὁρᾶτε οἷα δὴ ἐκ τῆς σαρκὸς τοῦ κυ πινόμενον. ἐπειδὴ ἐκ ζώσης σαρκὸς τῶ πνι καὶ θερμωτάτης χυ. θερμότατον τὸ αἷμα ἡμῖν καὶ τὸ ὕδωρ ἐξέβλυσεν. ὅπερ ἐν τοῖς τὰ ἄζυμα ἐσθίουσιν. οὐκ ἔχει χώραν τοῦ γίνεσθαι. ἐιδὲ νεκρὰν ζύμην ἐσθίετε ὦ σοφώτατοι ὡς ὁ λόγος ἀπέδειξε. τίνος χάριν ἀυχεῖτε λέγοντες, ὅτι ϑχ ὥσπερ ὑμεῖς ἄλατι καὶ προζύμῃ. καὶ ὕδατι. ἄλευρον φύρομεν, καὶ οὕτω ποιοῦμεν τὴν τινος χάρις ἀυλεῖτε λέγοντες ὅτι οὐχ ὥσπερ ὑμεῖς ἄλατι καὶ προζύμῃ. καὶ ὕδατι ἄλευρον φύρομεν, καὶ οὕτω ποιοῦμεν τὴν ἀναφορὰν τῶν ἀζύμων ἡμῶν. ἀλλ' ὕδατι μόνω καὶ ἀλεύρω καὶ πυρὶ τὸ ἄζυμον ἀπαρτίζομεν. καὶ ἐν τοῖς τρισι τούτοις, ἁγνὴν ποιοῦμεν ἡμῶν τὴν ϑυσίαν. πυνϑάνομαι οὖν ὑμῶν, τὰ τρία ταῦτα τὸ ὕδωρ τὸ ἄλευρον καὶ τὸ πῦρ, εἰς τι λαμβανετε. καὶ τίνος ἀντίτυπα εἶναι δοκεῖτε ταῦτα. τῆς σαρκὸς τοῦ κυ; ἀλλ' οὐκ εἶπεν ὁ ηγαπημενος χῦ' ἰωάννης, τρεῖς εἰσὶν οἱ μαρτυροῦντες, τὸ ὕδωρ τὸ ἄλευρον τὸ πῦρ. ἄλλα τί, τὸ πνα καὶ τὸ ὕδωρ καὶ τὸ αἷμα. καὶ οἱ τρεῖς, εἰς τὸ ἓν εἰσὶ. ὀηλονότι, τὸ σῶμα τοῦ χυ ὥσπερ εἴρηται. ὅπερ ἡμεῖς ἐσθίοντες ἐνοποιοῦμεθα τῶ δι' ἡμᾶς σαρκωθέντι. . . . . χῶ. σύσσωμοι γινόμενοι αὐτῶ. καθὰ δὴ καὶ ἐσμὲν σάρξ ἐκ τῆς σαρκὸς αὐτοῦ καὶ ὀστοῦν ἐκ τῶν ὀστέων αὐτῦ, ὅσπερ γέγραπται. ἐι δὲ εἰς τὴν ἄκτιστον καὶ ἀσώματον φύσιν τῆς ἁγίας τριάδος ταῦτα λαμβάνετε, σφάλλετε. πίπτοντες εἰς τὴν τῶν ϑεοπασχιτῶν αἵρεσιν. οἱ φασι συμπεπονϑέναι τῇ σαρκὶ τοῦ λογου, καὶ αὐτὴν αὐτοῦ τὴν ϑέοτητα. οὐ γὰρ ὁμοῦ ἡ τριὰς ἐσαρκώϑη. ὁ πῦρ ὁ ὑιὸς καὶ τὸ πνα, ἵνα ϑεωρῆτε ταῦτα εἰς αὐτὴν τὰ τρία. τὸ ὕδωρ φατὲ καὶ τὸ ἄλευρον καὶ τὸ πῦρ, καὶ ὡς ἀντίτυπον αὐτῆς ποιῆτε τὸ ἄζυμον, καὶ εἰς ϑυσίαν προσφέρητε. ἀλλ' ὁ εἷς τῆς τριάδος. ὁ ὑιὸς καὶ λόγος τοῦ ϑυ, σάρκωϑεὶς ἐξ ἁγνῶν τῆς ἁγίας παρϑένου σαρκῶν, ἐνηνϑρώπησε. καὶ πάντα τὰ τῆς οἰκονομίας αὐτοῦ τελέσας, ἐσταυρώϑη σαρκὶ μὴ παϑουσης αὐτοῦ τῆς ϑεότητος σαρκὶ οὖν σταυρωϑεὶς παρέδωκεν ἡμῖν ἐσθίειν διὰ τοῦ ἄρτου, τὴν σάρκα αὐτοῦ, τὴν ἐν πνι ζῶσαν ἁγίω οὕτως ἐιπών. λάβετε, φάγετε τοῦτο ἐστὶ τὸ σῶμα μυ τὸ ὑπὲρ ὑμῶν κλώμενον εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν. τί οὖν ὑμῖν τοῖς ἐν χῶ ἀδελφοῖς ἡμῶν, καὶ τῶ νόμω τῶ καταργηϑέντι ἐν τῶ χῶ. . . . . τὰ ἀρχαῖα παρῆλϑεν παύλου ἀκούετε λέγοντες, ἰδοὺ γέγονε τὰ πάντα καινὰ. ἐιδὲ ταύτην ἐσθίειν κεκρίκατε δίκαιον. τί μὴ καὶ περιτέμνεσθε, χς περιετμήϑη. τί μὴ καὶ καϑαρίζεσθε παύλου καὶ τοῦτο πράξαντος. καὶ τὰ ἄλλα πάντα ὡς αὐτως παρατηρεῖσθε τῶν παλαιῶν. ὡς οἱ τὰ τοῦ νόμου ποιοῦντες διοὺς τὸ ὀνομα τοῦ ϑυ ἐν τοῖς ἔϑνεσι βλασφημεῖται

въ wбѣженїи плоти є. ю вдѧще мы въ хлѣбѣ прелагаемѣ дхо, и бывающи къ пло хвѹ. живе к нє ако живѹ и обѣженѹ пло вдѧще. тако и кровь его живѹю и теплоую пїющe, со истекшею водою ѿ бесмртна ребра. очїщаемсѧ ѿ всѧко грѣха. тепла исполняющє дха. тепла бо ако видите, ако ѿ ребра гна ѹмша пїє. поне ѿ живыа плоти хвы и теплыа дхѹ. теплаа на кровь и кода истеуе. и въ вдѧщи опрѣснокы, не нма мѣста быти. аще мр҃тво тѣсто масте ѡ прем҃ѫдрїи римлане ако слово показа. что ра хвалите гл҃ще. мы не ако вы солїю и квасо, и водою мѧкѫ мѣси и та твори возношеніе опрѣсно нашо. но водою токмо и мѧкою и о г н є опрѣсно створає. и въ тре сѧ учинѹ съкершае ншѹ жертвѹ. въпрашае убо ка: три сїа водѹ мѧкѫ огнь. въ что прїемлете. и комѹ равно wбразо снимъ мните быти. плоти ли гн҃и. но не ре възюбленыи хѣ вн҃ику іѡа. три сѫ свѣтѣствующе кода мѧка огнь. но что дхъ и кода и кровь. и трїе въ єдино сѫ сре тѣло хво ако рѣнно бы. є мы вдѧще съединяемсѧ на ра въплощшемѹ хѹ. равно тѣлесни бывше емѹ. ако пло єсмы ѿ плоти є, и кост ѿ костн є. л. 54. об. ако пище. аще в несъдѣнное бесплотное єство прѣтыа трца сїе прїемлете. съблажняете впадающе въ бгострастиѭ ересь и гл҃ю с пло словесн постра и бжтвѹ его. не вкупѣ бо трца къплотѣ оц и сн и стын дхъ. да мните сїа к тѣ тре. водѹ ако рсте. и мѧкѫ и огнь. и ѿ равнообразнаа сен творите опрѣсно и въ жертвѹ приносите. но єдѣ ѿ трца сн и слово бжїе въплотивсѧ. ѿ утыѣ крокїи стыа коулунса. и все смотренїе свое исполнѣ. распѧсѧ пло. не постра вшѹ бжтвѹ его. пло распенса. преда на ласти хлѣбѣ пло его, живѹю дхо стѣ. сице ре прїимните и мдите се є тѣло мое лоимое за вы къ остав ленїе грѣхѡ. что убо и о хѣ бра wбще съ законо вправленыѣ ѿ ха. павла слышите гл҃ща. ветхаа минодошла и се быша вса нова. аще сїа ласти сждисте прѣвно. по что и не обрѣзаете. хѣ бо wбрѣза. по что и не очищаете. павла и се створшѧ. по что и нѣ всѣ ветхѣ такоже не съ блюдаете. ако и закониаа творящен. и же ра нма л. 55. бжїе хвалитсѧ въ мѫцѣ. ако писанно є. не добра похвала каша. не кусте ли ре ако ма ква все вмѣшенїе квасн. и хлѣ тога не прѣсѣ бываѣ. но что се гла апль пиша к коринфѣѡ. єда ако вы мните, и ѡ то ре еже празноватн и опрѣснокы. не бѫди то. но поне тн wко убо небрегше поемша мѫщехѫ въ женѫ. овоѣ в вѣхы обыуае иже именитаго разѹма своє ако хваляхѫсѧ. хотя апль ѿвратити и ѿ ветхыа ѿставити злобы. ако се wбразо такокымъ; ква же гл҃ми вмѣшенїе. показа нмъ и малое зло небрегомо сѫщее, коли вре твори wбщемѫ тѣлесн цр҃ковномѹ. тѣмже и наведе ре, и не плакасте. да изме ѿ среды ка створивыи дѣло се. оуистите убо

καθὼς γέγραπται. οὐ καλὸν τὸ καύχημα. . . . . .
. . . οὐκ οἴδατε φησὶν ὅτι μικρὰ ζύμη ὅλον τὸ φύραμα ζυμοῖ, καὶ ἄρτος τηνικαῦτα οὐκ ἄζυμα γίνεται, ἀλλὰ τί τοῦτο λέγων ὁ ἀπόστολος γράφει πρὸς κορινθίους. μὴ ὥσπερ ὑμεῖς ὑπολαμβάνετε περὶ τοῦ ἑορτάζειν αὐτοὺς ἐνάζύμοις; οὐδαμοῦ. ἀλλ' ἐπειδὴ ἐκεῖνοι, τοῦτο μὲν περιεβλέποντο τὸν τὴν μητρυίαν λαβόντα, τοῦτο δὲ, καὶ ἐν τοῖς παλαιοῖς ἐθίμοις τῆς ψευδονύμου γνώσεως αὐτῶν ἐνεκαυχῶντο, л. 87 об. θέλων αὐτοὺς ὁ παῦλος ἐντρέψαι καὶ τῆς παλαιᾶς ἀποκινῆσαι κακίας, οἷον διὰ τῆς εἰκόνος ταύτης τῆς ζύμης καὶ τοῦ φύραματος, ἔδειξεν αὐτοῖς ὅτι τὸ ἓν κακὸν ὡς μικρὸν καταφρονούμενον, μεγάλην τὴν βλάβην εἰς τὸ κοινὸν τῆς ἐκκλησίας πιεῖται. διὸ καὶ ἐπιφέρων φησὶ. καὶ οὐκ ἐπενθήσατε. ἵνα ἐξάρθῃ ἐκ μέσου ὑμῶν ὁ τὸ ἔργον τοῦτο ποιήσας... ἐκκαθάρατε οὖν φησὶ τὴν παλαιὰν ζύμην τῆς ἁμαρτίας. ἐξάρατε ταύτην ἐκ μέσου ὑμῶν. ἵνα ἦτε νέον τῶ χῶ φύραμα, καθὼς ἐστὲ βαπτισθέντες ἄζυμοι. ἦγουν καταροὶ. . . . καὶ οὕτως ἐστὶν ὦ σοφώτατοι τὰ τῆς διανοίας τοῦ ἀποστόλου τοῦ ρητοῦ. καὶ οὐχ ὥσπερ ὑμεῖς αὐτὸ. ἐκλαμβάνετε . . . εἰ γὰρ περὶ τῶν ἀζύμων καὶ τῆς αὐτῶν ἑορτῆς καρινθίοις ὁ παῦλος ἐπέστελλε, καὶ ἐν ἀζύμοις ἑορτάζειν αὐτοὺς προετρεπετο, οὐκ ἂν δογματίζων μετὰ τῶν ἔνδεκα καὶ πᾶσαν κανονίζων τὴν τῶν πιστῶν ἐκκλησίαν ἐν τῶ ἑβδομικοστῶ κανόνι, μετ' ἐπιτιμίου παρηγγυᾶτο πᾶσι καὶ ἐξησφαλίζετο, τὰ τοιαῦτα παῤ ἰουδαίων μὴ δεχεσθαι. Κανὼν ᾱ. τῶν ἁγίων ἀποστόλων. Εἴτις φάσκων ἐπίσκοπος ἢ πρεσβύτερος ἢ διάκονος ἢ ὅλως τοῦ καταλόγου τῶν κληρικῶν, νηστεύει μετὰ ἰουδαίων ἢ ἑορτάζει μετ' αὐτῶν, ἢ δέχεται παῤ αὐτῶν τὰ τῆς ἑορτῆς αὐτῶν, ξένια. οἷον ἄζυμα ἢ τοιοῦτόντι, καθαιρείσθω. εἴδε λυκος ἀφοριζέσθω: εἰ δὲ λέγετε μὴ δέχεσθαι ταῦτα παρὰ ἰουδαίοις, ἀλλὰ ποιεῖν οἴκοθεν, τί τοῦτο εἴτε παῤ ἐκείνων δεχόμενοι εἴτε οἴκοθεν, ἄζυμα ἐσθίετε, κατὰ τοῦτο μᾶλλον βαρυτέραν ἕξετε τιμωρίαν. ὅτι ἀφέντες ποιεῖν ἃ προσετάγητε παρὰ χῦ καὶ τῶν ἀποστόλων αὐτοῦ, ποιεῖτε ὡς ὑπὸ νόμον δουλεύοντες ἃ ποιοῦσιν ἰουδαῖοι ἐν τῆ σκιᾶ καὶ καὶ τῶ σκότει τοῦ νόμου καθήμενοι. ἀποθοῦντες οὕτω λέγοντι παύλω, ἀφελφοὶ ἕκαστος ἐν ᾗ ἐκλήθη τάζει ἐν ταύτη καὶ μενέτω. οὐ γὰρ εὑρήσετε κἂν ὅλως ἐν τῆ θειαγραφῆ ὅτι ἄζυμον εἰρηται παρὰ τοῦ χῦ ἢ τῶν ἀποστόλων αὐτοῦ, ὁπηνίκα ἐμυσταγωγοῦντο. παῤ ἐκεινου τὸ τῆς καινῆς διαθήκης μυστήριον. ὁ μὲν γὰρ παῦλος κορινθίοις γράφων φησί. ἐγὼ παρέλαβον ἀπὸ τοῦ κῦ ὃ καὶ παρέδωκα ὑμῖν. ὅτι κ῭ Ι῭ ἐν τῆ νυκτὶ ᾗ παρεδίδοτο, ἔλαβεν ἄρτον φησὶ καὶ οὐκ ἄζυμον. καὶ εὐχαριστήσας ἔκλασε καὶ εἶπε λάβετε φάγετε. τοῦτο μου ἐστὶ τὸ σῶμα τὸ ὑπὲρ ὑμῶν κλῶμενον. τοῦτο ποιεῖτε εἰς τὴν ἐμὴν ἀνάμνησιν. καὶ οὐχ ἅπαξ. . . . . .'. καὶ οὐχ οὗτος τοῦτο λέγει μόνος. ἀλλὰ καὶ οἱ λοιποὶ τῶν εὐαγγελιστῶν. καὶ ὁ μὲν ματθαῖος φησὶν, ἐσθιόντων δὲ αὐτῶν, λαβὼν τὸν ἄρτον ὁ Ι῭. ὁρᾶς; ἄρτον καὶ οὗτος φησὶ. . . . . .
. . . . . .ὁμοίως δὲ τὰ αὐτὰ καὶ ὁ μαρκος φησὶ, καὶ οἱ λοιποὶ. καὶ οὐδαμοῦ ἄζυμον παῤ αὐτῶν μνημονέυε-

вєтхыи квѣ грѣховныи. и измєтє ѿ срєды кашєа. да бѫдєтє новоє хѵѣо вмѣшєнїє. ꙗкѡ кр҃тисѧ прѣснє рєкшє унєти. и сє є ѡ прємѣрїи разоу апѣлкѣ сєго рєнїа. а нє ꙗкѡ вы сїє мнитє. ащє бѡ о ѡпрѣсноцѣ и о празднцѣ н҃, к коринѳѣѡ апѣлъ пакє посылашє и съ ѡпрѣсноκы празновати н҃ л. 55. об. покелѣ нє ѕбѡ ѵуа съ єдиннѣнадєсатє апѣлѡ. и кса испрамла црквь кърныѣ к сємьдєсатно правїлє съ запрѣщєнїє заквщѣ и ѵтвєрдн ксѣ таковыи ѿ людєи нє прїнимати: стыѣ апѣлъ правило, о. рє бѡ ащє которыи єпѣпь или презкитеръ или дїакѡ или всѣ сщєннѣского униа постисѧ съ їюдєи. или празднжѣє с нимн. или прїємлє ѿ нѣ празднка н҃ уєсть. рєкшє опрѣсноκы или нно ѵто такоко. да нзвержѣта. мирскыѣ улкь да ѿлѵунсѧ. ащє глєтє ѩ нє прїємлє сѣ ѿ людєи. но к домѵ самн творѣ ѵто є́ сє. ащє бо ѿ онѣ взємлєнии. ащє к домѫ творншии. опрѣсноцн обѫ сѫ. и сє ра пѫ тѵаншѵю прїимєтє мякѫ. ѩ остакльшє творити ѩ хс повелѣ и апѣли є́. творитє ꙗкѡ пѡ закоиною работою сѵщє. ѩ творѫ їюдєи къ тмѣ и сѣни закона сѣдящєи. непокрающѣ тѣ глщѵ пакы. брѣє кожѡ к немжє звѣ є́. в тѡ да пребывае нѣѡ нє обрѣтаєтсѧ ѿ нжкъ ѣтѵиѣ писанїи. ѩ опрѣсноцн рѣна бышѧ ѿ хѣ и ѿ апѣлъ є́. єгѣ ѵухѵсѧ ѿ нє новѫ заквта таннствѵ. пакє бо к коринфїѡ пишѧ рє. ѧ прїѫ л. 56. ѿ га є́ и предѫ кѣ. ѩ ѣ ї҃с в нощь к ню предаашє. прїє хлѣ рѣа нє опрѣсно. и блгодарн прѣломль и рє, прїимѣтє и ѣдитє. и нє тон сє єдн глє, но и проуїи єуѣлистн мѣфєи ѕбо рє ѣдѵщнмжє н҃ прїє хлѣ ї҃с. зрншн ли, ѩ хлѣ и сєи рє: такожє же сїє и марко рє и проуїи. и нигдє опрѣсно ѿ нѣ нє помннаєтсѧ. понє постратн пѡбаше хѵ в тон днь закоиныа пасхы. конжє и агнєць ѿ їюдєи жрашє хоташє пасха быти ѿ бгоѵбїнць к дє пѫ. ꙗкѡ рє ісѫ, понє пѫ бѣ. бѣ бо вели днь тоа сѵты. конжє тога и ѵетвертын надесатын днь лѵны перва мца приѵуи. к лѣ. ѕ. ф. ѧд. кръга бѡ слнуна лєто баше ѡсмо надесатоє. лѵнаго лѣ. ѕ. да непредаѣ бы. нє доспѣє своєа пасхы ѵункѡ предатн. на кѣрн къзлє. в вѣръ ѩвѣ ує. ѩдє ѕбо тога. но скою пасхѵ прє празднка опрѣсно. и єє ѩкѣ ѿ єѣ, понежє къзлежє. нє бѣ бо сє ѵзаконено. снма стоашє и обѵкенѡ, съ тщанїє закѡ повелѣ ѩстн пасхѵ. ѿложивжє ѕбо к послѣнма врємена пасхѵ закоиную. исполнн его проповѣданїа предѫ же скою на кѣрн. тѣмже и по кѣрн, прїє. хлѣъ л. 56 об. и прѣломль предѫ апѣлѡ таннство новѫ заквта к нѡ уєка. третїи бо надесатын днь баше лѵны к ує. а нє бѣхж опрѣсноцн. понє и єще хлѣ ѩдахѵ. в ѵетвертын надесате агнець токмо жрети. тѣ и въ ѵетвертын надесате ѕбо днь перва мца лѵны пасхоу прорицаѣ закѡ. патын надесате лѵны, перкын днь опрѣсно н҃ сѵботж именѵю. и нє бѣше опрѣсно. в ує, трєѣмънадесате днѭ лѵны сѵщѵ. ащє хс по-

ται. ἐπειδὴ δὲ παθεῖν ἔδει τὸν χ̄ς̄ κατὰ τὴν ἡμέραν αὐτὴν τοῦ νομικοῦ πασχα, καθ' ἣν καὶ ὁ ἀμνὸς παρὰ τῶν ἰουδαίων ἐθύετο, ἔμελλε δὲ γίνεσθαι τὸ πάσχα παρὰ τῶν θεοκτόνων, παρασκευὴ ἡμέρα ἐν ᾗ τηνικαῦτα καὶ ἡ ιδ̄. τῆς σελήνης κατὰ τὸν πρῶτον μῆνα ἐφάδ. ἐμπεσεῖν ἔτυχε. κύκλος γὰρ ἦν ὁ ιη̄. τοῦ ἡλίου καὶ ε̄. τῆς σελήνης, ἵνα μὴ παραδοθεὶς οὐ φράσῃ τὸ οἰκεῖον πάσχα τοῖς μαθηταῖς παραδοῦναι, ἀναπεσὼν ἐν τῷ δείπνῳ κατὰ τὴν ὀψίαν τῆς ε̄. μετὰ τὸ δειπνῆσαι λαβὼν ἄρτον καὶ κλάσας παρέδωκε τοῖς ἀποστόλοις τὸ μυστήριον τῆς καινῆς διαθήκης л. 88. ἐν τῇ νυκτὶ τῆς πέμπτης. . . . . τρεῖς καὶ δεκαταία γὰρ ἦν ἡ σελήνη τῇ ε̄. ἐκείνῃ. καὶ οὐκ ἦν ἄζυμα, διὰ τὸ μήπω γενέσθαι τὴν ἀρσεν τοῦ ἄρτου. τὰ γὰρ ἄζυμα. . . . . τῇ δὲ ιδ̄. τὸν ἀμνὸν καὶ μόνην θύεσθαι. Διὸ καὶ τὴν μὲν ιδ̄. τοῦ πρώτου μηνὸς τῆς σελήνης, πάσχα προσαγορεύει. ὁ νόμος τὴν δὲ ιε̄. πρώτην τῶν ἀζύμων. ἣν καὶ σάββατον ὠνόμασε... καὶ οὐκ ἦν ἄζυμα κατὰ τὴν ε̄. ἐκείνην, τρεις καὶ δεκαταίας οὔσης τῆς σελήνης. . . . . ἐι δὲ χ̄ς̄ ἐτύθη καὶ ἐστρωθη τῇ ιδ̄. τῆς σελήνης κατὰ τὴν ἡμέραν τῆς παρασκέυης. τὸ δὲ σάββατον ἦν τῶν ἀζύμων ἡ ἑορτὴ, πότε τὰ ἄζυμα ἔφαγε. καὶ πότε ταῦτα τοῖς ἀποστόλοις ἐν τῇ καινῇ διαθήκη παρέδωκεν. . . . . μὴ μετὰ τὸ ἀναστῆναι αὐτὸν ἐκ νεκρῶν; οὐχ ὁρᾶτε ὅτι προδήλως ἀπὸ τῶν πραγμάτων ἐλέγχεσθε ὅτι δε οὐκ ἦν τότε τὰ ἄζυμα, ὅτε τὰ μυστήρια τῆς καινῆς διαθήκης παρελίδου τοῖς ἀποστόλοις ὁ χ̄ς̄, ἀποδειξω ὑμῖν καὶ ἀπὸ μωσαϊκης νομοθεσίας. φησὶ γὰρ, αὗται ἑορταὶ τοῦ κῡ, καὶ αὗται αἱ ἅγιαι, ἃς καλέσετε δεκτὰς. ἐν τῷ πρώτω μηνὶ ἐν τῇ ιδ̄. ἡμέρα τοῦ μηνὸς, ἀνὰ μεσον τῶν ἑσπερινῶν, πάσχα τῷ κω̄. καὶ ἐν τῇ ιε̄. ἡμέρα τοῦ μηνὸς τούτου, ἑορτὴ. τῶν ἀζύμων τῷ κω̄. ἑβδόμη ἡμέρα ἄζυμα ἔδεσθε. ἰδοὺ καὶ ἀπὸ τῆς νομοθεσίας μωσέως ἐμάθετε, ὅτι οὐκ ἦν τότε ἄζυμα. . . . . κατὰ τὴν ἑσπέραν τῆς ε̄. . . . . ποῦ εὑρέθησαν τότε τὰ ἄζυμα, ὅτε μετὰ τῶν αὐτοῦ μαθητῶν τὸ δεῖπνον ἔφαγεν ὁ χ̄ς̄. . . . . ὡς οὐκ ἔφθασε γενέσθαι ἡ ἄρσις τοῦ ἄρτος κατὰ τὴν νομοθεσίαν μωυσέως. . . . . ἑπτὰ καὶ μόνας ἡμέρας ταῦτα ποιεῖν παρέδωκαν ὑμῖν, ἀλλ' ἐν ὅλω τῷ ἐνιαύτω τὴν νομοθεσίαν μωσέως πατήσαντες καίτοι τοῦ χῡ καταλῦσαι. τὸν νόμιν ἐλθόντος, ἀλλὰ πληρῶσαι. ἀλλ' ἐις μάτην ἀντιπίπτετε ἀδελφοὶ τῇ ἀληθεία. ἐι γὰρ ἦν παραδεδομένον ὑμῖν παρὰ τῶν ἀποστόλων τὸ ἐσθίειν τὰ ἄζυμα, ἐνέστη ἂν γενναίως ὁ ἱερὸς πάπας ὑμῶν ἀγάθων, πρόεδρος ὢν τῆς ἱερᾶς ἕκτης συνόδου ἐπὶ κωνσταντίνου βασιλέως, καὶ ὁ θεῖος γρηγόριος ὁ ἀκραγαντίνων ἐπίσκοπος. ὁπηνίκα ταύτης τῆς ἁγίας συνόδου οἱ θεῖοι πρεῖς. κατὰ τῶν ἀζύμων νόμον ἐξέθεντο, τοῦ μὴ παρὰ τινος τῶν πιστῶν ταῦτα γίνεσθαι. . . . κανόνα αὐτῶν οὕτως ἔχοντα.

Κανων τῆς ς̄. συνόδου.

Μηδεὶς τῶν ἐν ἱερατικῷ κατειλεγμένων τάγματι. ἢ λαικὸς, τὰ παρὰ τῶν ἰουδαίων ἄζυμα ἐσθιέτω ἢ τούτους προ-

жрѣса и распатса к уетвертын лвны въ дѣ̀ пѧ̀. в сѵ-ботѫ̀ бѣ̀ празѫ̀ны̀ опрѣсно̀. когда опрѣснокы ѩдоша. и когда̀ сїе а̀плѡ̀ в новѣ̀ завѣтѣ преда̀ є̀ хс̀ ега̀ по къ-скрѣнїи є̀ є̀ нѫ мртвы̀. не видите ли ѩко мы ѿ вещей облнуаемн есте. нн пасхы бѡ законныа не достиже хс̀ в то врѣмѧ ѩстн. и ѩко не быша тога̀ ѡпрѣсноцн, егда танны нова̀ завѣта преда̀ гѣ̀. покажѫ ва̀ ѿ мо-нсеова законноположенїа. рє̀ бѡ сѣ се празѫ̀нцн гн̀и, и се сѫ̀ сты̀н. н̀ нарнує̀ сїа̀ къ врѣмена н̀. к первын мц̀ъ в уетвертонадесатын дѣ̀ мц̀а. посрє̀ вєрн пасхи гв̀н. и к пятонадесатын дн̀ь тогда мц̀а празѫ̀ны̀ опрѣсно̀ гв̀н. сѣмь днїи опрѣснокы л. 57. да ѩстє. и се ѿ монсеова закономоложѐа. ѹвѣдѣсте ѩ̀ не бѣхѫ тога̀ опрѣсноцн к дѣ̀ уетвертка. где обрѣтоша̀ тогда опрѣсноцн, егда съ вуйкы своимн вєрн ѩде хс̀. ѩ̀ не достиже быти ѿ̀ѩ̀ хлѣба по законѫ монсеовѣ. сѣмь бо токмо днн мѡѵсїи преда̀ сїе творити къ всѣ̀ лѣтѣ. вы же законоположенїє моусеово поправше, прз (sic) все лето ѡпрѣснокы творите. хв̀ же не разорн̀ закона пришѣмѣ, но съкершити. тѣмже ксн браѐ протнвитѣ̀ нстннне. Аще бѡ бы предано было на̀ ѿ а̀плъ опрѣ-снокы ѩстн; ста̀ бы протнкѣ храборскын сѩенныи кашь папа агафонъ. перкопрестолнн̀ сын сѩенн̀ѣ и шеста̀ собора прн константине цр̀н. и бла̀ѣнын григорїе акра-ганскын єпн̀ъ. егда тон. сто събора бѫтвнїн ѿ̀ѩ̀, на опрѣснокы злко̀ нзложїша. є̀ никомѣ ѿ вєрны̀ сніе-вы̀ не творнти нма̀ же злко̀ сніе. шестаго и сто̀ съ-бора. правн̀ ıа̀. нже въ трулѣ полатнѣ̀. Да никто ѿ прнутенны̀ въ сѩенннскын санъ, или мирскын улкъ. л. 57. н̀ ѿ їюден опрѣснокы ѩстн дръзнеть. нн̀ де прнсколѣса к нн̀ и в недзѣ̀ сын, да не прнзываѐ вра-уеванїа ѿ нн̀ трекза. нн̀ к бани ѿ нѫ̀ да немыѣса с нмн. Ащѐ кто се творити наунє̀. прнуетнн̀ ѕбо да нзвержется. мирскын улкъ да ѿлзуйса. нбѡ опрѣ-снокы кто твора и ѩды. аще и ѿ їюден не прїемлѐ н̀. но покорнн̀ нмъ в то̀ бы̀.. їюденска̀а мрьствѣа бе-законенъ є̀. и ѡ опрѣсноцѣ̀ ѕко доколно ва̀ скажахѿ̀ ѩко̀ моцно. по̀баѐ же и ѡ постѐ сботнѣ̀ рецни: ѿ̀ а̀плы̀ заповѣдїи о постѐ сботнѣм. Рцете на̀ ѿ̀кѣдѣ поститѐ в сѫты. к четыредеса̀ днїи велнка̀ поста прї-али есте. ѿ̀ а̀плъ ли да не вѣдѣ̀. а̀пл̀ ѿ̀ бѡ керковнїи в пяты̀ книга̀ заповѣдїи. в нн̀ же о мѵ̀нцѣ̀ прнписа-но є̀. в деватонадесатон главнзнѣ сніе глє̀. средѣ и пято̀ покелѣ на̀ гѣ̀ постнтн̀. средж ѕбо преда̀ ра̀. пя-токже стрти ра̀. тѣ̀ велнкѵю сѫтѵ постнтн̀ преда̀. не ѩ̀ по̀баѐ в сѫтѵ. постнтн̀. понѐ ѕпокоенїа є̀ дѣнь (sic). ѿ̀ дѣ̀ тклрїи. но ѩ̀ токмо єдннѵ постнтн̀ по̀дает. съ-дѣтелеви и еще по̀ землею сѫшѵ. л. 58. на концн̀ книгъ па̀ рѣ̀. всякѫ бѡ сѫтоу разѣ̀ єдннол; и всякѵ нѣлю творяще съборы веселнтѣ̀. и по малѣ глѐ ве-селнти бо са по̀баѐ в нн̀ а не сѣтовати. тѣ̀ жѐ, в сѣмен грани. тѣ̀ жѐ заповѣдїи, въ кд̀. главѣ сніе рѣ̀

ποικειούσθω. ἢ ἐν νόσοις προσκαλείσθω καὶ ἰατρείας παρ αὐτῶν λαμβανέτω. ἢ ἐν βαλανείοις τούτοις παντελῶς συλλουέσθω. εἰδὲ τις τοῦτο πρᾶξαι επιχειροίη, ἐιμὲν κληρικὸς εἴη, καθαιρείσθω. εἰδὲ λαικὸς, ἀφοριζεσθω ὁ γοῦν ἄζυμα ποιῶν καὶ ἐσθίων, ἐι καὶ μὴ λαμβάνη ταῦτα παρὰ Ιουδαίων ἀλλὰ μμητὴς. ἐκείνων ἐν τούτω γενόμενος, ἰουδαιόφρων ἐστὶ καὶ παράνομος. . . . . περὶ μὲν τῶν ἀζύμων, ἱκανῶς л. 88 об. ὑμῖν. . . . . ἀπεδειξαμεν. φέρε δὲ ἀποδείξωμεν ὑμῖν καὶ τὸ περὶ τῆς νηστείας τῶν σαββάτων. παράνομιν. εἴπατε ἡμῖν, πόθεν νηστεύειν τὰ σάββατα τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς περελάβετε. ἀπὸ τῶν ἀποστόλων; μὴ γένοιτο. τῶν ἀποστόλων οἱ κορυφαῖοι, ἐν μὲν τῶ πέμπτω βιβλίω τῶν διατάξεων, τῶν ὑπὸ κλήμεντος τῆς ῥώμης γραφεισῶν, ἐν ὧ περὶ μαρτύρων ἐπιγέγραπται κατὰ τὸ ιθ. κεφάλαιον, ταῦτα φασὶ, τετράδα γὰρ καὶ παρασκευὴν προσέταξεν ἡμῖν νηστεύειν ὁ κς. τὴν μὲν, διὰ τὴν προδοσίαν, τὴν δὲ, διὰ τὸ πάθος. αὐτὸ δὲ νηστεῦσαι τὸ σάββατον παρέδωκεν οὐχ ὅτι δεῖ τὸ σάββατον νηστεύειν τοῦ δημιουργοῦ ἔτι ὑπὸ γῆν ὄντος. . . κατὰ δὲ τὸ τέλος τοῦ βιβλίου, πάλιν οὕτω φησὶ. πᾶν μὲν σάββατον, ἄνευ τοῦ ἑνὸς. καὶ πᾶσαν κυριακὴν ἐπιτελοῦντες συνόδους, εὐφραίνεσθε. καὶ μετ ὀλίγον, εὐφρανθῆναι δεῖ ἐν ταύταις, ἀλλ οὐ πενθῆναι. ἐν δε τῶ ζ βιβλίω τῶν αὐτῶν διατάξεων κατὰ τὸ κδ. κεφάλαιον, τὰ δε φησὶ. τὸ σάββατον μέντοι καὶ τὴν κυριακὴν, ἑορτάζετε. ὅτι τὸ μὲν, δημιουργίας ἐστὶν ὑπόμνημα. ἡ δὲ ἀναστάσεως. ἕν δὲ σάββατον ὑμῖν φυλακτέον ἐν ὅσω τῶ ἐνιαυτῶ. τὸ τῆς χυ ταφῆς. ὅπερ νηστεύειν προσήκει, ἀλλ ωχ ἑορτάζειν. ἐν ὅσω γὰρ ὁ δημιυργὸς ὑπὸ γῆν τυγχάνει, ἰσχυρότερον τὸ περὶ αὐτοῦ πένθος, τῆς κατὰ τὴν δημιουργίαν χαρᾶς. ἀλλὰ γὰρ ταῦτα μυστικῶς διὰ κλήμεντος πάπα διαταξάμενοι, οὐχ ἕστησαν ἕως τούτων. ἀλλ ἐιδότες θείω πνί, οὐ τὴν τυχοῦσαν παράβασιν εἶναι τὸ νηστεύειν τὰ σάββατα, καὶ ἐπι τιμίω σφοδρῶ καταδεσμοῦσι περὶ τούτου τὴν ἐκκλησίαν. φασὶ γὰρ ἐν τῶ ξδ. κανόνι τῶν ἱερῶν κανόνων αὐτῶν. Ἔιτις κληρικὸς εὑρεθῆ τὴν κυριακὴν ἡμέραν νηστεύων ἢ σάββατον πλὴν τοῦ ἑνὸς μόνου, καθαιρέσθω. εἰδὲ λαικὸς, ἀφοριζέσθω. τούτοις ἐξακολουθοῦντες καὶ ἐν τῆ ε. συνόδω πρες, συμφώνως οὕτω νομοθετοῦσι προκαθεζομένου τῆς ἁγίας συνόδου, ἀγάθωνος παπα ῥώμης. καὶ γρηγορίου συνόντος αὐτοῖς τοῦ ἀκραγαντίνων ἐπισκόπου. Ἐπει δὲ μεμαθήκαμεν τοὺς ἐν τῆ ῥώμη πόλει ἐν ταῖς ἁγιαις τῆς μ. νηστείαις τοῖς ταύτης σάββασι νηστεύειν παρὰ τὴν δοθεῖσαν ἐκκλησιαστικὴν ἀκολουθίαν, ἔδοξε τῆ ἁγία συνόδω ὥστε κρατεῖν ἐπὶ τῆ ῥώμη ἐκκλησία ἀπαρασάλευτον κανόνα τὸν λέγοντα. εἴτις κληρικὸς εὑρεθῆ. καὶ. . . τελουμένης οὖν τελείας τῆς λειτουργίας κατὰ τὴν г. ὥραν τῆς ἡμέρας ἐν ἧ καὶ νενομοθετηται· τὴν θυσίαν ἀ.αφέρεσθαι. πῶς τὴν νηστείας ἕως θ. ὥρας φυλάξετε, λύοντες αὐτὴν ἐν τῶ καιρῶ τῆς λειτουργίας. οὐδαμᾶς. εἰδὲ τοῦτο ἀδύνατον ἀναθέματι περιπίπτετε. οι γὰρ τῆς ἐν γάγγα συνόδου πρες, κατὰ τὸν ιθ. κανόνα, τὰ δε φασὶν. εἴτις τῶν ἀσκούντων χωρὶς σωματικῆς ἀνάγκης ὑπερηφανέυοιτο. καὶ τὰς παραδεδομένας νηστείας ἐν τῶ κοινῶ καὶ φυλασσομένας ὑπὸ τῆς ἐκκλησίας παραλύει. ἐποικουροῦντος ἐν αὐτῶ τελείου λογισμοῦ, ἀνάθεμα ἔστω, οἱ δε τῆς ἐν λαοδικεία συνόδου πρες, κατὰ τὸν ν. κανόνα, οὕτω φασὶν. ὅτι οὐ δεῖ ἐν τῆ μ. μαρτύρων γενέθλιον ἐπιτελεῖν. ἀλλὰ

сѫботѫ ꙗбо и нед҃лю празднꙋите. ѩ сѫбота ꙗбѡ дѣланїа тваріи є҃ вьспоминанїе. нед҃лꙗ вьскрнїа єдина сѫта да хранѧтсѧ вами въ всѐ лѣтѣ. гнѣ погребенїа, в нюже постнтѣ повел҃а и не празднꙋвати. елико бѡ сѣдѣте по҃ землею є҃. крѣпꙋмнше о нем҃ свтованїе па҃ сдѣланїа. тварь и рѧстн творнти: сты апл. правн҃. ѯд. но сїа ꙗбо танно клименто҃ папою рнмскы҃, напїсавше и заповѣдавше. не сташа до сн҃. но вѣдꙗще бжтвны҃ дхо҃. не малꙋ прествпленїю быти, є҃ постнтѣ к сѫты҃. и запрещенїе҃ о сѐ крѣпкы҃ свазѣ цркве. рѣша бо къ ѯд. то҃ правилѣ н҃. аще которын прнчетнн҃ обращется к нед҃лным дн҃ь поста҃. нли в сѫ, разѣ единыа келнкыа сѫботы, да нзкержется. Аще лн҃ мирскын ꙗкъ да ѡлꙋжнсѧ. сн҃ послѣдꙋюще и шестаго събора л. 58 об. ѡц҃н. согла҃ та҃ закѡ҃ полагаю҃. прѣсѣдащꙋ стмѫ соборѫ томꙋ, и агофонꙋ панѣ рнмскомѫ. и грнгорїю акрагенскомꙋ епн҃ꙋ. сниде гл҃ще понѐ ꙁвѣдѣхо҃ ѩ сщнн҃ въ рнмстѣ градѣ, ко четыредесате днїи ст҃го поста, постатся в сѫты, ꙋрꙋ҃ преданным цр҃ковным ꙋн҃. Годѣ бы ст҃мꙋ съборꙋ. ѩ да держн҃ и рнмскаа цр҃кви непокнжно правїло сты апл҃ гл҃ще. Аще которын прнчетнн҃ обращѣся в нед҃лным дн҃ь поста҃ нлн в сѫ҃. разѣ единыа токмо келнкыа сѫты, да нзвержется. аще лн҃ мирскын ꙗкъ, да ѡлꙋжнся. разѣ аще не болѣзнь телеснаа пакостн҃. творн҃ ꙗбо съвершенньн слѫжѣ въ г҃ ꙋа҃. въ нже и взакона є҃ вѣзносити безкровнꙋю жертвꙋ. ка҃ по҃ до ѳ. ꙋса хранните, разрѣшающе въ врѣма слꙋжбы, никако҃. Аще се не възможно, къ клатвѣ впадаете. ибо н҃ въ гагрѣ събора ѡ ц҃ и въ деватонадесато҃ правилѣ та҃ рекоша. нже в гагрѣ събора правило ѳг҃. Аще кто ѡ҃ къдержащнся кромѣ телесныа нжа҃ разгордитса. и преданыа посты въ ѡбщнно, и храннмыа л. 59. ѡ кр҃кве разрѣшае҃. цѣлꙋ сщꙋ съкрьшеномꙋ помыслꙋ. дабыде҃ прокла҃: Ладїѡкїнскаго҃ (sic). събора ѡц҃н въ ѥі. то҃ правилѣ сниде рекша. Ладїѡкїнска҃ събора. правн҃ ег҃. Того҃ мѳ. Ꙗко не повел҃ѣ къ м҃. днїн ст҃го поста мънко҃ памати творити токмо в сѫты и нед҃ла. и па҃ та҃ рѣша къ мѳ. правилѣ. ꙗко не повел҃ѣ въ м҃. днѣ ст҃го поста просфиры прнносити, аще не в сѫты и нед҃ла токмо. но и шеста҃ всел҃енска҃ събора ѡц҃н тако҃. нѣ.мь правилѣ повелѣкаю҃; съ сщ҃еннымъ агафоно҃. гл҃ще сниде. къ м҃. днїн ст҃го поста, кромѣ сѫты и нед҃ла. и ст҃го бл҃говѣщенїа дн҃е. да бываѣ слꙋжба прѣсщ҃енны҃. та҃ ꙗбѡ прїемше мы. к сѫтꙋ слꙋжн҃ и въ нед҃лю къ г҃. ꙋа҃ дн҃е конже ст҃ын дхъ сниде на апл҃ы. и прнносаще в та два днн҃ просфиры, ѡсщл҃е҃ дары. ѡ нн҃ же докон҃ꙗ хранаще прꙋ вса нед҃ла. въ врѣма ѳ. ꙋса съкрьшнвше все пѣсно-

τῶν ἁγίων μαρτύρων μνείαν ποιεῖν ἐν τοῖς σάββασι καὶ ταῖς κυριακαῖς. κατὰ δὲ τὸν μῆ. κανόνα, πάλιν φασὶν οἱ αὐτοὶ ὅτι οὐ δεῖ ἐν τῇ μ̅. ἄρτον προσφέρειν, εἰμὴ ἐν τῷ σαββάτῳ καὶ τῇ κυριακῇ μόνον. ἀλλὰ καὶ οἱ ἐν τῇ ἕκτῃ καὶ οἰκουμενικῇ συνόδῳ πρ̅ες, ὁμοίως κατὰ τὸν β̅. κανόνα νομοθετοῦσι σὺν τῷ ἱερῷ ἀγάθωνι τῷ д. 89. πάπα ῥώμης λέγοντες οὕτως. ἐν ταῖς τῆς ἁγίας μ̅. ἡμέραις. παρεκτὸς σαββάτου καὶ κυριακῆς καὶ τῆς ἁγίας τοῦ εὐαγγελισμοῦ ἡμέρας, γινέσθω ἡ τῶν προηγιασμένων ἱερὰ λειτουργία. οὕτω τοίνυν παραλαβόντες ἡμεῖς. σάββατα λειτουργοῦμεν καὶ καὶ κυριακὰς τηνικαῦτα κατὰ τὴν τρίτην τῆς ἡμέρας ὥραν. ἐν ᾗ καὶ τὸ πν̅α κατῆλθε τὸ ἅγιον ἐπὶ τοὺς ἀποστόλους. καὶ προσκομίζοντες ἐν αὐταῖς ἁγιάζομεν τὰ δῶρα ἐξ ὧν ἱκανὰ τῇ ὅλῃ φυλάττοντες ἑβδομάδι, εἰς τὰς ἑτέρας ἡμέρας τῆς ἑβδομάδος, κατὰ τὸν τῆς ϑ̅. ὥρας καιρὸν συμπεράναντες πᾶσαν ὑμνολογίαν, ἐν τῷ πληρώματι τοῦ λυχνικοῦ, ποιοῦμεν οἱ ἱερεῖς μετὰ τῶν διακόνων εἴσοδον. ϑυμιατήριον μόνον ἐπιφερόμενοι. καὶ μετὰ τὴν ἀνάγνωσιν τῶν προφητῶν, τὰς τυπωθεῖσας εὐχὰς παρὰ τοῦ μεγάλου βασιλείου ποιήσαντες καὶ τὰ δῶρα μετακομίσαντες ἀπὸ τῆς προθέσεως, καὶ εὐξάμενοι ἐπ' αὐτοῖς, ἔτι δε καὶ τὴν παραδοθεισαν εὐχὴν παρὰ τοῦ κῡ εἰπόντες, ὑψοῦμεν τὸν προαγιασθέντα ἄρτον. καὶ λέγομεν, τὰ προηγιασμενα ἅγια τοῖς ἁγίοις. καὶ ἑνώσαντες, μεταλαμβάνομεν τοῦ ἄρτου καὶ τοῦ ποτηρίου τῶν μυστηρίων χῡ. καὶ οὕτως εὐχαριστήσαντες, ἀπολύμεν. ἑαυτοὺς τῆς συνάξεως . . . ὑμεῖς δε ἀναφέροντες τὴν τελείαν καθ' ἑκάστην ἐν τῇ μ̅. λειτουργίαν, τὴν οφειλομένην κατὰ τὴν γ̅. ὥραν τῆς ἡμέρας ἀναφέρεσθαι, τοὺς κειμένους παραβαίνετε κανόνας τῆς ἐκκλησίας. καὶ εν τούτω καὶ τῇ τῶν πρ̅ων ἀρ̅ᾶ ὑποπίπτετε. καθὼς εἴρηται. τίς δε ἐστιν ὁ παραδοὺς ὑμ̅ῖν καὶ τὸ κωλύειν ἢ καὶ τέμνειν τὸν γάμον τῶν ἱερέων. ποῖος τῶν διδασκάλων τῆς ἐκκλησίας τοῦτο ὑμ̅ῖν παραδέδωκε τὸ ἀτόπημα. εἰμὲν γὰν μὴ γαμήσας χειροτονεῖται, εἶτα πρὸς γάμον ὁρᾶ ὁ χειροτονηθεὶς ἄγαμος, νομίκως τοῦτο. εἰδὲ πρὸ γάμου λύοντες, παρανομεῖτε. καὶ ὅτι ἁμαρτάνοντες κἀν τοῦτω πορανομεῖτε, ἀπὸ τῆς τῶν ἀποστόλων διαταγῆς καὶ τῶν ἱερῶν αὐτων ἀποδειξω κανόνων. ἐν μὲν γὰρ τῷ ϛ̅. βιβλίῳ τῶν διακλήμεντος πάπα Ῥώμης. γραφέντων κατὰ τὸ ιϛ̅. κεφάλαιον, οἱ ἀποστολοι τάδε φασὶν. ἐπίσκοπον καὶ πρεσβύτερον καὶ διάκονον, εἴπομεν μονογάμονα καθίστασθαι κἀν τε ζῶσιν αὐτῶν αἱ γαμεταὶ, κἂν τε μὴ, μὴ ἐξεῖναι δὲ αὐτοῖς μετὰ χειροτονίας ἀγάμοις οὖσιν, ἔτι ἐπιγάμους ἔρχεσθαι. ἢ γεγαμηκότας, ἑτέραις συμπλέκεσθαι, ἀλλ' ἀρκεῖσθαι, ἢ ἔχοντες ἦλθον ἐπὶ τὴν χειροτονίαν. ἐν δὲ τῷ ε̅. κανόνι τῶν ἱερῶν κανόνων αὐτῶν, οὕτω φασὶν. ἐπίσκοπος ἢ πρεσβύτερος ἢ διάκονος, τὴν ἑαυτοῦ γυναῖκα μὴ ἐκβαλέτω προφάσει εὐλαβείας. ἐὰν δὲ ἐκβάλλη, ἀφοριζέσθω, ἐπιμένων δὲ, καθαιρείσθω . . . . . τίδὲ καὶ περὶ τῆς ἁγίας καὶ οἰκουμενικῆς β̅. συνόδου εἴποις ἂν. οὐχὶ πάπαν ὑμῶν τὸν ἱερὸν ἀγάθωνα ὡς πολλάκις εἴπομεν. πρόεδρον εἶχεν αὕτη τῶν ρο̅. πρ̅ων. ἐπὶ Κωνσταντίνου βασιλέως τοῦ ἀπογόνου ἡρακλείου. . . . πῶς οὐκ ἀντεῖπε τότε. . . τῇ ἁγία συνόδῳ θεσπιζούσῃ κατα τῶν παρανομιῶν τούτων, ὧν ἔχετε νῦν. . . . . ἐπεὶ δὲ νόθους ἐγίνωσκε τὰς παραδόσεις. καὶ ξένας τῆς τῶν ἀποστόλων διδασκαλίας д. 89 об. διὰ τοῦτο συσάμα τοῖς πρᾶσι πᾶσι τῆς ἱερᾶς ἕκτης συνόδου

словїе сконуевлющіе вѣрнїи. творѧ прєзвитєры съ дїаконѡ вхѡ; кадилницѫ токмо носящє. и по утенїи прькъ рекше паремїи вставленныа мѧтвы великы касиньє створше и дары принєшє ѡ прєложенїа. рекше ѡ мала олтара въ великын. и помолшє на нимн. єщє и преданнюю на мѧтвѫ ѡ гѧ рекше. възносѧ прѣжосущныи хлѣ. и глє, прѣжє осщєннаа стаа сты. и съкокшплше тѣло с крокїю, прнщаемса. и та благодарншє ѡпѫ творѧ. вы же ѡ рнмлане не възносаще всегѧ въ м̅.тє днїи стго поста съвершенїю славѣ длъжную въ г̅. уѧ възноситн. зє лежащаа прєстъпаєтє црковнаа. и к тѡ ѡцѣ клатвѣ повиннє єстє. и правїлѧ. о брацѣ сщєннѣ. кто же ли предѧ вѧ, є възбранатн или прєсѣцатн бракы їерєѡ. которын ѡ внтелїи црковны сїю прєлє предѧ кѧ. аще вко не ожєнилса поставлє бѫдє. и пото женитѣ въсхощє. поставлєн бы без жены. законно є възбранитн емѹ. Аще прє ожєнилса бѫдє поставлє їерен к унстотѣ жнти и цѣломѫдрєнѣ. таковаго бра разрѣшающе, безаконїе творите. и ѧ сърѣшающе и к тѡ. облнулемн єстє ѡ стхъ аплъ заповѣдїи. въ шестѣ вко книгѣ напнсанны д. 60. канмента папою рнмскы. в сємьнадесатон глакнзнѣ єщє рекоша апли: ѡ заповѣден сты апл. єпны. или дїаконы или прєзвитєры, рѣхѡ єдиноженца поставлати. и аще живы сѫ жены н. аще вмроша. непобдє нмъ прє поставленїа не женившимса. по поставленїи къ браку прихѡти. или женившимса на дроугыа понмати. но доволнѡ быти тѣми ѧ же нмахѹ на поставленїє пришєше. сты апъл. правило є. къ патомже правилѣ стїи апли єщє рѣша. єпнь или прєзвитеръ. или діакѡ. скоа жены да неѡпщаю нзвѣтѡ благовѣрїа. аще ли ѡпустн да ѡлвунтса. прєбываѧ и не хоташе па поати ю, да нзвержєса. утѡ и о шестѣ стѣ соборѣ рѣтє. на папѹ ли кашего сщєнна агафона. якѡ множицею рѣхѡ. перкопрестолннка нмаше съборъ тон. ро̅. стхъ ѡцн прн константїнѣ цри, вижѣ нракліевѣ. кѧ. протнвѹ не реуе стмѹ съборѹ. повелѣкающѹ на безаконїа сїа ѧ же держите нинѣ. попѣ тѫжа сщца вѣдалше д. 60. об. таковаа преданїа. и встранена ѡ апкѧ вуенїа. сего ра кнпно съ всѣмн ѡцн сщєнна шеста събора. якѡ ѡ ѡпрѣсноцѣ; и о суботнѣ постѣ и о сщєннѣн жертвѣ. ѧ к великын по̅. тако и о брацѣ іеренстѣ; законополож въ тринадесатѣ правилѣ сице рѣ. попѣ въ рнстѣн црквѣн к унпѹ правила предано звѣдѣхѡ. хотащи спобнти поставленїа дїаконѡ или прєзвитерѡ. испокѣдатн кѧ съ сконын женамн к томѹ несъкокѕпнтн. мы дрѣкнемѹ послѣдующе пра-

ὥσπερ περὶ τῶν ἀζύμων καὶ τῆς νηστείας τῶν σαββάτων καὶ τῆς ἱερᾶς θυσίας τῶν νηστειῶν, οὕτω καὶ περὶ τοῦ γάμου τῶν ἱερέων ἐνομοθέτησεν. οὕτως εἶπων. ἐπειδὴ ἐν τῇ ῥωμαίων ἐκκλησία ἐν τάξει κανόνος παραδεδόσθαι διέγνωμεν, τοὺς μέλλοντας διακόνου ἢ πρεσβυτέρου ἀξιοῦσθαι χειροτονίας, καθομολογεῖν ὡς οὐκετι ταῖς αὐτῶν συνάπτειντο γαμεταῖς, ἡμεῖς τῷ ἀρχαίῳ ἐξακολουθοῦντες κανόνι τῆς ἀποστολικῆς ἀκριβείας καὶ τάξεως, τὰ τῶν ἱερέων ἀνδρῶν κατὰ νόμους συνοικέσια, καὶ ἀπὸ τοῦ νῦν ἐρρῶσθαι βουλόμεθα. μηδαμῶς αὐτῶν τὴν πρὸς τὰς γαμετὰς συνάφειαν διαλύοντες, ἢ ἀποστεροῦντες αὐτοὺς τῆς πρὸς ἀλλήλους κατὰ καιρὸν τὸν προσήκοντα ὁμιλίας. ὥστε εἴτις ἄξιος εὑρεθῇ πρὸς χειροτονίας ὑποδιακόνου ἢ διακόνου ἢ προσβυτέρου οὗτος μηδαμῶς κωλυέσθω ἐπὶ τὸν εἰρημένον βάθμον ἐμβιβάζεσθαι. γαμετῇ συνοικῶν νομίμω. . . . . εἰ τις οὖν τολμήσει παρὰ τοὺς ἀποστολικοὺς κανόνας κινούμενος, τίνα τῶν ἱερωμένων. . . . . ἀποστερεῖν τῆς πρὸς τὴν νόμιμον γυναῖκα συναφείας τε καὶ κοινωνίας, καθαιρείσθω. . . . . πῶς οὖν ὑμῖν καὶ ἐκ τίνων τὰ χαλεπὰ ταυτὶ ἐπῆλθε νοσήματα. ἄνδρες Ρωμαῖοι σοφώτατοι, καὶ τῶν ἄλλων ἁπάντων ἐθνῶν εὐγενέστεροι. . . . . ἐξετάσατε περὶ τούτων. ἀγαπητοὶ. μήποτε ἐκ τῶν τοιούτων. τὰ εἰρημένα καὶ ἀπελεγχθέντα ἰώδη νοσήματα, λέγω δὴ τὰ

вилѫ. апа҃каго нѫкѣщенїа унѫ. сщ҃е́нны҃ мо҃ѹ̀ по закони съ житне҃ѥ̂ ѡ҃ нѣ҃ цѣлѡ҃ бытн покелѣвае҃. никако҃ нмъ к скон҃ѥ̂ жена҃ съкокоупленїа не разарающе. нн лнщающе н҃ дрѹ҃ ѡ҃ дрѹга, въ крѣма по҃бно съкокѹпленїа. ащ҃е и рнмлане. на дїаконстко и на презвитерство приводнмы҃. нѫстнш женѫ покелѣкаю҃. но мы цѣлѫ бытн дїаконскомѫ съжнѭ покелѣвае҃. и҃ ащ҃е кто достоннъ обрѣтеса поставитн҃ ѧподїаконо҃. нлн дїаконо҃ нлн презвитеро҃. сен никако҃ да некоѡбранен бѫде҃ на таковын степень къзнтн. л. 61. съ законною женою жнкн. Ащ҃е кто ѧбо дръзне҃ урез апа҃кала правнла по҃вигса. нѣко҃ ѡ҃ сщ҃енны҃ лншитн. въ законнѣн его женѣ съкокѹпленїа и окщенїа. да нзкержа҃са. ѡ҃кѫдѫ ѧбо и ѡ҃ кы҃ злїн сїи недѫги напдоша на вы ѡ мѫ҃ѥ рнстїи премрїи, и нн҃ѣ вс҃ѣ̂ бл҃горѡ҃нѣншнн. испытанте нзвѣстно про҃ѥ ѡ се҃ бра҃ѥ. ѣда когда ѹдовитн҃ ѡ҃ таковы҃ недѫ҃, опрѣсно҃ гл҃а. и сѧбо҃ныи по҃, и разорснїе брака ієрснска. и н҃ в келнкын по҃ по вса дни слѫжѣѫ съ керщенѫю. и ѧвѣѣще злобѫ сн҃ ѡ҃ всѣ҃ бг҃одхновенны҃ нсланїи. бѣганте таковы҃ творнтн. црк҃кви сщ҃е бж҃їа. да съединшс҃ѥ с нмн вашею бра҃ею н҃ же пре҃ѣ҃нны҃ ра҃. ѡ҃вергосте҃ ѡ҃кровенѡ҃ лнце҃ сл҃вы гн҃а. къ согласнѣ съединенн с православною кѣрою хр҃н.

ἄζυμα, τὴν τῶν σαββάτων νηστείαν. τὸν γάμον τῶν ἱερέων καὶ τὴν ἐν ταῖς νηστείαις προσκομιδήν, παρελάβετε. καὶ μαθόντες νῦν τὸ ἄτοπον αὐτῶν ἐκ τῆς θεοπνευστου γραφῆς φύγετε τὰ τοιαῦτα ποιεῖν, ἐκκλησία ὄντες θῦ καὶ πασης τῆς οἰκουμενης, ἀειλαμπεῖς ὀφθαλμοί, ἵνα ἐνωθέντες ἡμῖν τοῖς ὑμῶν ἀδελφοῖς, οὓς διὰ τῶν εἰρημένων ἐσχίσατε, σωμα ὄντας, ἀνακεκαλυμένῳ προσώπῳ τὴν δόξαν κῦ ἐν συμφώνῳ τῇ ἑμονοία μετὰ ὀρθοδόξου πίστεως κατοπτριζώμεθα.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Τοῦ αὐτοῦ περι τῆς ἐπὶ τῇ καταστάσει τοῦ πατριάρχου ἀντιλογίας. καὶ περὶ ἱεραρχίας.

Ἴδον ἀνομίαν καὶ ἀντιλογίαν ἐν τῇ πόλει φησὶν ὁ θεῖος καὶ θεοπάτωρ ἐν βασιλεῦσι δαβὶδ ὦ θεόπτα βασιλεὺ καὶ θεόκλητε ἐι καὶ τινα ἄλλην ἢ τότε γινομένην ἢ ὕστερον ἐσομένην ἐκ τραγωδῶν. ἀλλὰ γὰρ οὐδὲν ἧττον οἶμαι καὶ τὴν νῦν ἀθέσμως κωμωδουμένην. ὕβριν τὲ τῆς ἱερᾶς ἐκκλησίας.

Θεοδώρου κουροπαλάτου τοῦ σμυρναίου λόγος περὶ τῶν ἀζύμων καὶ περὶ τῆς λεγομένης παρὰ ρωμαῖοις τοῦ πνεύματος ἐκ τοῦ ὑιοῦ ἐκπορεύσεως.

Πρὸς τοὺς ἐκ Ρώμης ἢ ὑπὸ ρώμην ἡμῖν ὁ λόγος τῶ σωτήρι Χριστῶ φθεγγομένους ἀντιστὼν καὶ τῶν ἱερῶν. καταναι δεομενους εὐαγγελίων οἷς προστιθέναι μηδὲν καὶ ὧν. ἀφαινεῖσθαι μηδὲν ὁ τῆς ἀληθείας λογος ἐνομοθέτησε. καὶ κατὰ παρατάξεως η ἀντιπαραγαγ. οὐ στρατηγουμενης τῶ πατρὶ, ἀλλ' οπλιζομένης κατὰ τοῦ πνέυματος. καὶ ὁ λόγος οὐκ ἄλογος.

Заставки, заглавныя буквы, скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ἀμήν † δίδωσιν. προσεξευρίσκειν. θεῶ. ευδοκία.

Слова съ титлами и сокращенія: Κυρίου Ιησοῦ Χριστὲ. νηστείας, κηδόμενος μὲν συνάπεως ὀφειλομεν. καὶ βυθὸν ἐνανθρωπήσεως.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., μακαριότητους. ἀναντίρρητον. ε., ἐξ ἐπεγεινόμενον πρόσδεξαι. ν., συντάξας μαννασσῆν. δύνασθαι. σ., ἐξεταστῆς σοι. τ., μετὰ ἀφράστου. ιѣ. цифра означающая помѣту тетрадей.

XVII. Четверо-Евангеліе съ миніатюрами.

Находится въ Императорской Публичной Библіотекѣ подъ № 118-мъ.

Длина пергамина	4 в.
Ширина	3 в.
Къ корешку	½ в.
Къ правой сторонѣ	1½ в.
Къ верху	⅝ в.
Къ низу	⅞ в.

Пергаменъ выдѣланъ очень хорошо и довольно бѣлъ, мѣстами посѣрѣлъ, похожъ на пергаменъ на которомъ въ Сѵн. Библіотекѣ написанъ Акаѳистъ Божіей Матери XIV в.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 384. л. Заставки и заглавныя буквы предъ каждымъ Евангеліемъ по золотому фону писаны синею, голубою, бѣлою, темно-зеленою и зеленою красками, въ срединѣ заставки нарисованы стебли цвѣтковъ съ листьями и развернувшимся по срединѣ цвѣткомъ. Заглавія Евангелій писаны золотомъ, прочія заглавія и заглавныя буквы свѣтло-коричневою краскою. Колеръ чернилъ темно-сѣрый. Число строкъ на страницѣ 18-ть.

Миніатюры въ томъ же Четверо-Евангеліи послѣ 1320. г. смерти Греческаго Царя Михаила Палеолога IX-го [1]).

1). На 1-й страницѣ нарисована притча о сѣмени. На полосѣ старецъ въ верхнемъ короткомъ красномъ одѣяніи, въ шапкѣ и сапогахъ правою рукою сѣетъ сѣмена на полосу, а въ лѣвой держитъ корзину съ сѣменами, лицемъ обратившись на вола близъ него стоящаго. Впереди его юноша, въ короткой же верхной одеждѣ малиноваго цвѣта, босой какимъ-то острымъ орудіемъ вспахиваетъ или разрываетъ, обоими руками ухватившись за него, землю, еще невспаханную. Сзади старика нарисовано три дерева, съ которыхъ птицы слетаютъ на засѣваемое поле, и клюютъ зерна. Рамка сей миніатюры окаймлена краскою пунцоваго цвѣта.

Миніатюра до 1320 года.

α). На оборотѣ 1-го листа изображены: св. Константинъ и Елена Греческаго письма. Константинъ въ царской Греческой коронѣ по правую сторону креста въ красной порфирѣ и темно-зеленой нижней одеждѣ. Правую руку онъ приложилъ къ груди, а лѣвою держитъ за осмиконечный крестъ, который стоитъ между ими. По лѣвую сторону отъ Царя Константина стоитъ Царица Елена въ порфирѣ же пурпуроваго цвѣта и въ коронѣ. Волоса покрыты покрываломъ малиноваго цвѣта. Правою рукою она держится за крестъ, а лѣвой руки ладонь близъ груди простерла отъ себя. Надъ ними подпись: ἅγιος κωνσταντίνος. ἡ ἁγια ἐλένη. [2]).

2). На 2-мъ листѣ нарисована бесѣда Спасителя близъ кладезя съ женою Самарянкою. По правую сторону колодезя стоитъ женщина съ непокрытою головой, съ обнаженными до плеча руками, изъ коихъ правая протянута, а лѣвая положена на край колодезя круглаго. Она нѣсколько наклонилась и внимательно слушаетъ разговоръ Спасителя. Подлѣ колодезя поставленъ кувшинъ, а въ колодезь вѣроятно опущено черпало, концы веревки отъ котораго лежатъ на краю колодезя. Съ другой стороны колодезя сидитъ Спаситель близъ дерева, лицемъ обратившійся къ женѣ Самарянкѣ: правою рукою благословляетъ ее именословно, а лѣвую положилъ на колѣно. Верхняя одежда Спасителя пурпуроваго цвѣта, а нижняя зеленая. Впереди колодезя видны три древа, аза нимъ городъ Самарія.

β. Миніатюра до 1320 года.

2). На оборотѣ 2-го листа изображенъ глобусъ, поставленный на верху скалы. Вверху его оси небольшой четвероконечный крестъ. На глобусѣ нарисованы земля и море съ кораблями.

---

[1]) Арабскія цифры писаны предъ миніатюрами послѣ 1320. г. а Греческими до 1320. года.

[2]) Муральтъ въ своемъ описаніи Греческихъ рукописей Царицу Елену назвалъ ошибочно Принною.

γ. Миніатюра до 1320 года.

На 3-мъ листѣ изображенъ золотой двухглавый орелъ съ короною надъ нимъ, съ распущенными крыльями. На шеѣ у него на красной лентѣ повѣшена круглая монограмма Палеолога.

3). На оборотѣ 3-го листа нарисована буря во время сна Спасителя. Іисусъ Христосъ сидитъ на задней части корабля, заснувши. Во время бури съ лѣвой стороны подошелъ св. Евангелистъ Іоаннъ Богословъ и положилъ свою лѣвую руку со страхомъ и вмѣстѣ съ любовію на правое плечо Спасителя и будитъ Его, а св. Ап. Петръ съ большимъ испугомъ подошелъ къ корабельной мачтѣ, прислонивъ голову къ ней, а руки протянулъ къ Спасителю, говоря: *Господи, спаси ны, погибаемъ.* У св. Евангел. Іоанна прекрасное молодое лице, а у св. Петра старческое, волосы у него сѣдые короткіе и борода короткая. На самой кормѣ корабля одинъ молодой ученикъ смотритъ въ лице другому сѣдому и съ длинною бородою, который обоими руками показываетъ на бурю и не знаетъ, что дѣлать.

4) На 21-мъ листѣ нарисовано: *Благовѣщеніе Пресвятыя Богородицы.* Близъ двухъ древнихъ зданій сверху спустился св. Духъ въ видѣ голубя, испуская отъ себя лучи на Божію Матерь. Съ лѣвой стороны подошелъ Архангелъ Гавріилъ, держа въ лѣвой рукѣ въ родѣ жезла, на верху котораго пунцовый цвѣтъ, а правою благословляетъ ее, второй палецъ отъ мизинца пригнувъ. Взоръ его обращенъ къ верху. Божія матерь съ изумленіемъ смотритъ на Архангела и его привѣтствіе, правую кисть руки изъ подъ одежды пурувроваго цвѣта обративъ къ нему; въ лѣвой же держитъ пряжу красную съ веретеномъ. Прекрасное выраженіе лица Божіей матери похоже нарисовано, какъ и въ Греческомъ Акаѳистѣ конца XIV вѣка. Московской Синод. Библіотеки.

5). На оборотѣ 21-го листа нарисовано: *Рождество Христово.* Младенецъ Іисусъ лежитъ спеленанный въ ясляхъ; подлѣ него сидитъ Божія Матерь съ изумленіемъ, воздѣвъ руки, смотритъ на пришедшихъ двухъ пастуховъ поклониться рожденному Іисусу. Подлѣ Божіей Матери ниже сидитъ съ костылемъ въ правой рукѣ обручникъ Іосифъ, задумчивый и изумленный. Вверху на скалѣ съ правой стороны еще двое пастуховъ съ своими посохами идутъ и слушаютъ двухъ Ангеловъ, лѣтящихъ съ неба и благословляющихъ ихъ идти и поклониться рождшемуся Іисусу. Надъ скалою остановилась звѣзда противъ яслей, гдѣ лежитъ Младенецъ Іисусъ.

δ. Миніатюра до 1320 года.

4). На 22-мъ листѣ изображенъ Греческій Царь Михаилъ Палеологъ сѣдовласый съ окладистою бородою въ порфирѣ пунцоваго цвѣта, и нижнемъ одѣяніи зеленомъ. На немъ шляпа съ большими полями пунцоваго же цвѣта. Обоими руками показываетъ онъ въ правую сторону, а лицемъ обращенъ въ лѣвую. Вдали его садъ изъ разныхъ деревьевъ. Выше его надпись: Βυζαντίου πόλεως μιχαηλ παλεόλογος βασιλεὺς θῦ χαρητι.

6). На оборотѣ 22-го листа нарисовано: *Срѣтеніе Господне.* Изображенъ храмъ, посреди престолъ, надъ нимъ сѣнь. Божія Матерь принесла въ храмъ Младенца Іисуса, передала Его праведному Симеону, который принялъ Его на свои руки, покрытыя бѣлымъ полотномъ. Сзади Симеона стоитъ, должно быть, Анна пророчица, на что-то указывая пальцемъ правой руки, которую она подняла. Взоръ ея обращенъ на Божію Матерь съ превѣчнымъ Младенцемъ. Позади Божіей Матери стоитъ съ костылемъ въ правой рукѣ, и съ двумя птенцами голубиными въ корзинѣ въ лѣвой рукѣ обручникъ Іосифъ.

7). На 23-мъ листѣ нарисовано: *Крещеніе Господне.* Спаситель стоитъ, перекрестивъ руки на груди, въ Іорданѣ повыше колѣнъ. Св. Іоаннъ Предтеча во власяной одеждѣ правою обнаженною рукою коснулся верха Владычня, а лѣвую откинулъ назадъ за спину, коснувшись однимъ пальцемъ своего пояса. Св. Іоаннъ одною ногою стоитъ на колѣнахъ, а другую начинаетъ приподнимать. Лицемъ Спаситель обращенъ къ Предтечи. По лѣвую сторону Спасителя стоятъ два Ангела. У одного на рукахъ, пурпуровая одежда Спасителя, а другой обратилъ свой взоръ къ небу, отколѣ летитъ св. Духъ въ видѣ голубя, и слышатся слова Господа: *Сей есть Сынъ мой возлюбленный.* По правую сторону Ангеловъ нарисована скала, а по лѣвую сторону Предтечи древо.

ε. Миніатюра до 1320 года.

На оборотѣ 23-го листа нарисованъ на золотомъ полѣ св. Евангелистъ Матѳей, сѣдящій на сѣдалищѣ съ спинкою и съ подножіемъ. Близъ него на сѣдалищѣ положена красная подушка. Книга-Евангеліе разложена у Евангелиста на колѣняхъ. Правою рукою онъ начинаетъ писать Евангеліе, написавъ двѣ строки, а лѣвою поддерживаетъ его. Евангелистъ сѣдовласый съ окладистою бородою въ розовой нижней одеждѣ, а верхней зеленоватой, нѣсколько наклоненъ, лицемъ обращенъ въ правую сторону къ налойчику, укрѣпленному на столѣ съ письменными принадлежностями. Въ верхней каймѣ рамки на двухъ кольцахъ виситъ въ родѣ завѣсы, гдѣ въ срединѣ нарисована красною краскою голова льва.

8). На оборотѣ 122-го листа нарисовано: *Преображеніе Господне*. Спаситель въ сіяніи въ верхней бѣлой одеждѣ и нижней розовой стоитъ среди облаковъ, простерши обѣ руки по обѣ стороны. Правою рукою Онъ благословляетъ Илію, который простерши свои руки къ верху съ изумленіемъ смотритъ на Спасителя. Илія сѣдовласый съ длинною окладистою бородою въ зеленой верхней одеждѣ. По лѣвую сторону Спасителя нарисованъ Моисей съ скрижалями, въ одеждѣ малиноваго цвѣта съ темною продолговатою бородою. Ниже ихъ подъ горою пробудившіеся отъ сна Апостолы Петръ, Іаковъ и Іоаннъ. На каждаго изъ нихъ отъ Спасителя низошли лучи. Св. Ап. Петръ сѣдовласый съ короткою бородою, приподнявшись нѣсколько, руки воздѣлъ къ верху а голову откинулъ назадъ, чтобы посмотрѣть на прославленнаго Спасителя. Св. Іоаннъ молодой безъ бороды какъ бы на корточкахъ сѣдящій, и руки и взоръ свой устремилъ на Спасителя же; посреди ихъ находящійся св. Ап. Іаковъ также немного приподнялся, лѣвою рукою онъ уперся на землю, а правую немного приподнялъ близъ груди. Лице его изумленное обращено не много къ верху.

9). На оборотѣ 124-го листа нарисовано: *Воскресеніе Лазаря*. Въ пещерѣ гробъ. Изъ него по слову Спасителя поднялся въ бѣлой одеждѣ воскресшій Лазарь. По обоимъ сторонамъ гроба два мальчика, быть можетъ братья его; одинъ изъ за него въ голубоватой рубашкѣ смотритъ на Спасителя, благословляющаго именословно Лазаря. Другой мальчикъ въ красной рубашкѣ обратился назадъ.

Одна сестра Лазаря, стоящая на колѣняхъ близъ Спасителя, въ красной одеждѣ съ изумленіемъ смотритъ на своего брата Лазаря, воздѣвъ немного свои руки. Другая сестра ея въ зеленой одеждѣ припала къ ногамъ Спасителя. Спаситель въ лѣвой рукѣ держитъ свитокъ, лице Его превосходно нарисовано, волосы довольно долгіе, борода короткая. Сзади Спасителя нѣсколько лицъ мужскихъ, два старческія а 5-ть молодыхъ, также изумляются этому событію. По правую сторону пещеры одинъ мальчикъ въ шапкѣ прислонилъ руку къ устамъ и съ изумленіемъ смотритъ на Лазаря, а другой рядомъ съ нимъ стоящій, должно быть Фарисей, имѣющій покрывало на головѣ, изумительно смотритъ на Спасителя.

10). На 125-мъ листѣ нарисованъ *Входъ Спасителя въ Іерусалимъ*. Спаситель въѣзжаетъ въ городъ на ослѣ. Правою рукою Онъ благословляетъ впереди Его встрѣчающихъ старцевъ и молодыхъ съ ваіями и постилающихъ одежды. Сзади Спасителя должно быть идутъ Его ученики, разсуждая между собою о торжественной встрѣчѣ Его. Впереди встрѣчающихъ нарисована городская башня съ воротами, не далеко отъ ней дерево, а по лѣвую сторону Спасителя нарисована скала.

ā. Миніатюра до 1320 года.

На оборотѣ 125-го листа изображенъ на золотомъ полѣ св. Евангелистъ Маркъ, на сѣдалищѣ въ родѣ стула со спинкою и подножіемъ близъ него. Евангелистъ съ просѣдью, окладистою небольшою бородою въ зеленой верхней одеждѣ, и въ пунцовой нижней, наклонившись въ правую сторону; лѣвую руку онъ положилъ на столъ предъ нимъ стоящій съ писменными принадлежностями, а правою отпираетъ у стола ящикъ. Надъ столомъ укрѣпленъ маленькій налойчикъ, вверху котораго лежитъ раскрытое Евангеліе. Въ верхней каймѣ рамки сквозь три кольца продернута небольшая довольно узкая завѣса.

11). На оборотѣ 190-го листа нарисовано *Распятіе Господне*, съ подножіемъ на крестѣ и съ надписью на бѣлой особо укрѣпленной дощицѣ I. N҃ R. I. Божія Матерь и св. Іоаннъ Богословъ, сложивъ кисти рукъ своихъ со слезами на глазахъ съ скорбію и грустію смотрятъ на Распятаго Спасителя. Подъ голгоѳою видна Адамова голова, орошенная кровію Распятаго. Вдали виднѣется Іерусалимъ.

12). На оборотѣ 193. листа живописно нарисовано: *Воскресеніе Христово*. Спаситель въ овальной съ сіяніемъ нижѣ стоитъ на сломаныхъ вереяхъ ада. Въ мракѣ адскомъ видны петли, гвозди отъ верей. Правою рукою Онъ взялъ за правую руку Адама, а лѣвою за правую руку Еввы. Выше Адама Предтеча простеръ свои руки къ Спасителю. На Предтечю подлѣ него смотритъ еще какое-то старческое лице. Подлѣ Еввы стоятъ въ голубой порфирѣ Цари: Давидъ и Соломонъ.

13. На 194-мъ листѣ нарисовано: *Вознесеніе Господне*. Іисусъ вознесшійся сидитъ въ кругѣ на верхней дугѣ, какъ бы радугѣ краснаго цвѣта, въ подножіи такого же цвѣта дуга. Онъ, простерши руки Свои, благословляетъ именословно Божію Матерь и Апостоловъ. Вокругъ Спасителя по двумъ сторонамъ два Ангела. Внизу Апостолы и посреди Божія Матерь, а подлѣ ея съ обоихъ сторонъ сзади стоятъ два Ангела въ бѣломъ одѣяніи, и указываютъ на Спасителя вознесшагося, по обоимъ сторонамъ Божіей Матери находящимся Апостоламъ. Спаситель въ бѣлой одеждѣ; а Божія Матерь въ верхней пурпуроваго цвѣта, а нижней голубой.

ѕ. Миніатюра до 1320 года.

На оборотѣ 194-го листа изображенъ св. Евангелистъ Лука на сѣдалищѣ въ родѣ стула со спинкою. Подъ ногами у него подножіе. На колѣнахъ раскрыто Евангеліе, которое онъ начинаетъ писать, написавъ двѣ строки. Лѣвую онъ положилъ на столъ предъ нимъ стоящій съ письменными принаплежностями, на которомъ утвержденъ налойчикъ съ раскрытымъ Евангеліемъ. Нижняя его одежда голубая, а верхняя розовая. Волоса темные какъ будто съ просѣдью, курчавые, борода короткая. Въ верхней каймѣ рамки сквозь три кольца продернута небольшая завѣса, одна половина которой краснаго цвѣта, а другая бѣлаго.

14). На оборотѣ 300. листа нарисована живописно: *Пятдесятница*. 12-ть Апостоловъ полукругомъ сидятъ въ горницѣ. Св. Ап. Петръ и Павелъ посреди этаго полукруга сидятъ. У Ап. Петра въ лѣвой рукѣ замѣтенъ, какъ бы ключь, у Ап. Павла книга Апостолъ. На каждаго изъ нихъ сошелъ св. Духъ въ видѣ огненнымъ языковъ.

15). На 301. листѣ нарисовано: *Успеніе Божіей Матери*. Божія Матерь лежитъ во гробѣ, покрытомъ покровомъ малиноваго цвѣта, По другую сторону гроба въ овальной нишѣ краснаго цвѣта и розоваго съ сіяніемъ вокругъ стоитъ Спаситель держащій на рукахъ душу Божіей Матери въ младенческомъ видѣ спеленанною; по сторонамъ Его два Ангела. На верху овальной ниши нарисованъ шестокрилатый Серафимъ, держащій въ обоихъ рукахъ по рипидѣ четвероугольной съ надписью: ἅγιος. По сторонамъ наши два древнія зданія, а по краямъ гроба по 6-ти Апостоловъ. У изголовья съ правой стороны одинъ изъ Апостоловъ сѣдовласый нагнулся на гробъ, держась обоими руками за край гроба, Онъ смотритъ на другаго Апостола у ногъ Божіей Матери, нагнувшагося и какъ бы участвующаго въ положеніи ея во гробъ. Онъ положилъ свою правую руку на край гроба. Взоръ же его обращенъ къ лицу Божіей Матери. По лѣвую сторону изголовья одинъ изъ Апостоловъ кадитъ. Съ лѣвой стороны гроба стоитъ на невысокомъ подсвѣчникѣ зажженная свѣча. Прочіе Апостолы съ выраженіемъ грусти и плача на лицѣ.

ѥ. Миніатюра до 1320-го года.

На оборотѣ 301. листа изображенъ св. Евангелистъ Іоаннъ Богословъ на сѣдалищѣ въ родѣ стула со спинкою и красною подушкою на немъ. Лицемъ онъ обратился назадъ въ правую сторону отъ него въ верхній уголъ, гдѣ нарисована благословляющая именословно десница Господня. Отъ десницы ниспущены три луча на Евангелиста. На колѣнахъ у него листъ бумаги, на которомъ написано только полторы строки; правою рукою онъ поддерживаетъ этотъ листъ. Предъ нимъ столикъ съ писменными принадлежностями и съ налойчикомъ, утвержденнымъ на немъ для Евангелія, которое вверху его и раскрыто.

16). На оборотѣ 383. листа изображенъ позднѣе всѣхъ описываемыхъ миніатюръ Димитрій Палеологъ [1]) стоящій на колѣнахъ въ черномъ одѣяніи и въ черной шапочкѣ съ воздѣтыми руками, кисти которыхъ сложены вмѣстѣ. Онъ нарисованъ въ концѣ Евангелія отъ Іоанна; краски на немъ совершенно отличны отъ красокъ въ миніатюрахъ.

Послѣ 1320-го года.

17). На листѣ 384, нарисована: *Тайная вечеря*. Спаситель сидитъ посреди стола; подлѣ Него по правую сторону сидитъ св. Іоаннъ Богословъ, положивъ руки на столъ, а на руки свои и голову свою. Головы его лѣвою рукою коснулся Спаситель, а правую поднялъ, какъ бы желая благословить трапезу; подлѣ Іоанна Богослова стоитъ Ап. Петръ сѣдовласый съ короткою бородою, лицемъ обратившись къ Спасителю и правую руку простерши къ Нему. Молодой Апостолъ близъ Петра съ другимъ сѣдовласымъ отвратился отъ Спасителя. Этотъ молодой Ап. пальцемъ правой руки на что-то указываетъ въ ту сторону, гдѣ находится Спаситель. Подлѣ нихъ другіе два, одинъ сѣдовласый, а другой молодой безъ бороды смотрятъ съ изумленіемъ на Спасителя. Молодой протянулъ лѣвую руку въ сторону къ Спасителю. По лѣвую сторону Спасителя 4-й Апостолъ коснулся правою рукою рыбы, лежащей на столѣ, устремивъ взоръ свой къ Спасителю. Послѣдній изъ нихъ 6-й въ нижней красной одеждѣ и зеленой верхней отвратился отъ Спасителя и отъ Апостоловъ назадъ въ сторону, правою рукою упершись на скамью, на которой они сидятъ, а лѣвую простеръ къ правой рукѣ 4-го Апостола, коснувшагося лежащей на столѣ рыбы.

18). На оборотѣ 184-го листа нарисовано: *Умовеніе ногъ*. Спаситель, препоясанный лентіемъ, засучивъ оба рукава, омываетъ, правую ногу св. Ап. Петра сидящаго, съ крещенными руками на груди и съ изумленіемъ смотрящаго на высокое смиреніе своего Учителя и Господа. Сзади Спасителя стоитъ одинъ изъ Апостоловъ съ кувшиномъ. Четверо впереди стоящіе Апостолы обратили свой взоръ на молодаго Апостола съ кувшиномъ (должно быть св. Іоанна Богослова), а прочіе на смиренное дѣйствіе Спасителя. По лѣвую сторону Ап. Петра стоитъ столъ съ двумя свѣчами на немъ, двумя бутылками, изъ которыхъ въ одной что-то красное налито. Быть можетъ это принадлежности для омовенія ногъ.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Марк. IV. 1—23.

л. 136. Καὶ πάλιν ἤρξατο διδάσκειν παρὰ τὴν θάλασσαν. καὶ συνήχθη πρὸς αὐτὸν ὄχλος πολύς. ὥστε αὐτὸν ἐμβάντα εἰς τὸ πλοῖον, καθῆσθαι ἐν τῇ θαλάσσῃ. καὶ πᾶς ὁ ὄχλος πρὸς τὴν θάλασσαν. ἐπὶ τῆς γῆς ἦν. καὶ ἐδίδασκεν αὐτοὺς ἐν παραβολαῖς πολλὰ. καὶ ἔλεγεν αὐτοῖς ἐν τῇ διδαχῇ αὐτοῦ. ἀκούετε. ἰδοὺ ἐξῆλθεν ὁ σπείρων τοῦ σπεῖραι. καὶ ἐγένετο ἐν τῷ σπείρειν, ὃ μὲν, ἔπεσε παρὰ τὴν ὁδὸν. καὶ ἦλθεν τὰ πετεινὰ καὶ κατέφαγεν αὐτό. ἄλλο δὲ ἔπεσεν ἐπὶ τὸ πετρῶδες, ὅπου οὐκ εἶχε γῆν πολλήν. καὶ εὐθέως ἐξανέτειλε. διὰ τὸ μὴ ἔχειν βάθος γῆς. ἡλίου δὲ ἀνατείλαντος, ἐκαυματίσθη. καὶ διὰ τὸ μὴ ἔχειν ῥίζαν, ἐξηράνθη. καὶ ἄλλο ἔπεσεν εἰς τὰς ἀκάνθας. καὶ ἀνέβησαν αἱ ἄκανθαι, καὶ συνέπνιξαν αὐτὸ. καὶ καρπὸν οὐκ ἔδωκε. καὶ ἄλλο ἔπεσεν εἰς τὴν γῆν τὴν καλήν. καὶ ἐδίδου καρπὸν ἀναβαίνοντα καὶ αὐξάνοντα. καὶ ἔφερεν ἐν τριάκοντα. καὶ ἐν ἑξήκοντα. καὶ ἐν ἑκατόν. καὶ ἔλεγεν, ὃ ἔχων ὦτα

Изъ новаго завѣта св. Алексія Митрополита. л. 18. а. б.

И паки нача оучи҃ прї море и собра҃ к немꙋ. народ҃ мно҃. како҃ емꙋ влѣзшю в корабл. сѣсти на море. и вс҃ народ҃ прї морѝ на зе҃ бѣ. и оучаа҃ и в прїтча҃ много. и гл҃ше и҃ въ оучен҃ своем҃. слꙋшите. се їзїде сѣꙗ сѣꙗ҃. и бы҃ внегда҃ сѣꙗше. ово оу҃ паде при пу҃ и придо птица. и пои҃до и҃. ино҃ паде на каменѣ. їдѣ҃ не їма зе҃ многа. и а҃ие прозабе. зане не имѣ҃ глꙋбины зе҃. сн҃цю же косншвшю прїсмаде. їзане не їмѣти корене оусше. а ино паде в терньи. и взїдо҃ терньи и сподавиша҃. и плода не да҃. а їно паде на зе҃ добрѣ. и даа҃ше пло҃ всходаща и ратаща к. а҃. н. ѯ҃. н. р҃ и гл҃ше їмѣꙗи оу҃ слꙋшати да слꙋшиш҃. егда҃ бы҃ еди҃. кпросиша и соущиї о не҃ съ на҃. прїтча. и гла и҃. ка҃ дано вѣдати таи҃нꙋ цр҃тва бж҃ꙗ ·:· Онѣм҃ соущи҃ вне. к прнтча҃ вся бываѣ҃. да кїдаще вида҃ и не оузр҃ѧ. и слꙋшаще слꙋша҃ и не разꙋмѣю҃. еда когда обратаа҃ть. и остака҃ть и҃

[1]) Г. Муральтъ на этомъ основаніи относитъ Миніатюры и рукопись къ 1450. году смерти Димитрія Палеолога.

ἀκούειν ἀκουέτω. ὅτε δὲ ἐγένετο κατὰ μόνας, ἠρώτησαν αὐτὸν οἱ περὶ αὐτὸν σὺν τοῖς δώδεκα τὴν παραβολήν, καὶ ἔλεγεν. л. 137. αὐτοῖς. ὑμῖν δέδοται γνῶναι τὸ μυστήριον τῆς βασιλείας τοῦ θῦ. ἐκείνοις δὲ τοῖς ἔξω, ἐν παραβολαῖς τὰ πάντα γίνεται. ἵνα βλέποντες βλέπωσι. καὶ οὐ μὴ ἴδωσι καὶ ἀκούοντες, ἀκούωσι. καὶ οὐ μὴ συνιῶσιν μήποτε ἐπιστρέψωσι, καὶ ἀφεθῇ αὐτοῖς τὰ ἁμαρτήματα. καὶ λέγει αὐτοῖς. οὐκ οἴδατε τὴν παραβολὴν ταύτην; καὶ πῶς πάσας τὰς παραβολὰς γνώσεσθε. ὁ σπείρων τὸν λόγον σπείρει. οὗτοι δὲ εἰσιν οἱ παρὰ τὴν ὁδὸν, ὅπου σπείρεται ὁ λόγος. καὶ ὅταν ἀκούσωσιν εὐθέως ἔρχεται ὁ σατανᾶς. καὶ αἴρει τὸν λόγον τὸν ἐσπαρμένον ἐν τοῖς καρδίαις αὐτῶν. καὶ οὗτοι εἰσὶν ὁμοίως л. 137. οἱ ἐπὶ τὸ πετρῶδη σπειρόμενοι, οἱ ὅταν ἀκούσωσι τὸν λόγον, εὐθέως μετὰ χαρᾶς λαμβάνουσιν αὐτόν. καὶ οὐκ ἔχουσι ῥίζαν ἐν ἑαυτοῖς. ἀλλὰ πρόσκαιροί εἰσιν. εἶτα γενομένης θλίψεως ἢ διωγμοῦ διὰ τὸν λόγον εὐθέως σκανδαλίζονται. καὶ οὗτοί εἰσιν οἱ εἰς τὰς ἀκάνθας σπειρόμενοι. οὗτοι εἰσὶ οἱ τὸν λόγον ἀκούοντες. καὶ αἱ μερίμναι τοῦ αἰῶνος τούτου. καὶ ἡ ἀπάτη τοῦ πλούτου. καὶ αἱ περὶ τὰ λοιπὰ ἐπιθυμίαι εἰσπορευόμεναι. συμπνίγουσι τὸν λόγον καὶ ἄκαρπος γίνεται. καὶ οὗτοί εἰσιν οἱ ἐπὶ τὴν γῆν τὴν καλὴν σπαρέντες, οἵτινες ἀκούουσι τὸν λόγον καὶ παραδέχονται. καὶ καρποφοροῦσιν ἓν л. 138. τριάκοντα. καὶ ἑνεξήκοντα. καὶ ἐν ἑκατόν. καὶ ἔλεγεν αὐτοῖς. μήτι ὁ λύχνος ἔρχεται ἵνα ὑπὸ τὸν μόδιον τεθῇ. ἢ ὑπὸ τὴν κλίνην οὐχ ἵνα ἐπὶ τὴν λυχνίαν ἐπιτεθῇ; οὐ γὰρ ἐστι κρυπτὸν ὃ ἐὰν μὴ φανερωθῇ. οὐ δὲ ἐγένετο ἀπόκρυφον, ἀλλ' ἵνα εἰς φανερὸν ἔλθῃ. εἴτις ἔχει ὦτα ἀκούειν, ἀκουέτω.

грѣсї. ї гл҃ѣ и҃, не кѣсте ли пртуа сем. ї ка҃ вса прїтуа разумѣете. семи. слово сѣ҃е таѥе сѣ҃ю и҃ прн пути. їдѣ҃ сѣ҃тъ сл҃во, и и҃ егда слышѧ҃, а҃ѥ пріходи҃ сатана ї вземлѥ҃ сл҃во сѣ҃мное к ср҃цхъ нхъ. и си сѹ҃ тако҃. и на каменнѣ сѣ҃нї. и҃ егда слыша҃ слово. а҃ѥ с радо҃ю прїемлю҃ ѥ. ї не їмо҃ѹ к со҃. но прїкременни со҃ѹ. таѹе бъıвши скорби. ли гонѣ҃ю слока ра҃. а҃ѣ соблажнаю҃тъ. а си со҃ѹ и҃ в терньı сѣ҃нии. и҃ сл҃во слышакше. ї пєѵалми кѣка сѣ҃. ї лѣ҃ю ка҃тстка. и о проу҃и҃ желанья҃ входѧще. сподавлаю҃ сл҃во. ї бес плода бъıваю҃. и си сѹ҃ и҃ на ѕ҃ѣ҃ добрѣи сѣ҃нї. и҃ нѣцнї слъıша҃ сл҃во и прнемлю҃. ї плодоноса҃ въ а҃. и къ ѕ҃. и въ р҃. и гл҃ѣ и҃. еда ѵто свѣщнї҃ прїходи҃. да по҃ спѹдо҃ полагаетса ли по҃ одро҃. а не ли да на свѣщницѣ полагаетѣ҃. не бо ѥ҃ ѵто таѥно и҃ а҃ не ꙗкъ боудѣ҃. нже бы потаєное҃. и҃ да въ ꙗвлѣ҃ѥ придо҃. ащ кто има҃ оу҃ слъıшатї да слъıшн҃.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Κυριακῆ πρὸ τῆς Χριστοῦ γεννήσεως τῶ ἀνάγνωσμα πατέρων.

Τὸ κατὰ ματθαῖον ἅγιον εὐαγγέλιον.

Βίβλος γενέσεως Ἰησοῦ Χριστοῦ. υἱοῦ δαβιδ. υἱοῦ Ἀβραὰμ. Ἀβραὰμ ἐγέννησε τὸν Ἰσαὰκ δὲ ἐγέννησεν Ἰακὼβ. Ἰακὼβ δὲ ἐγέννησε τὸν Ἰωδαν καὶ τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ.

Ὁ δοῦλος Χριστοῦ τοῦ θεοῦ δημήτριος παλαιολόγος.

Нѣсколько заглавныхъ буквъ и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: μόνας, παραβολην. ταύτην; ἀμήν.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., κατέφαγεν ε., ἐξῆλθεν. ν., ὀμνῦναι. σ., ἐγέννησε. θαλάσσῃ. τ., γίνεται. Монограмма Παλαίολογος.

к҃. Цифра, означающая помѣту тетрадей.

XVIII. Лицевый Греческій Акаѳистъ

Находится въ Московской Synod. Библіотекѣ подъ № 429-мъ.

Длина бумаги	1¾ в.
Ширина	1 в.
Къ корешку	⅜ в.
Къ правой сторонѣ	⅝ в.
Къ верху	⅜ в.
Къ низу	⅝ в.

Самый Акаѳистъ писанъ крупною скорописью на 34-хъ листахъ. Въ Акаѳистѣ на страницѣ безъ миніатюръ по 12-ти строкъ. Колеръ чернилъ темно-сѣрый.

Заглавныя буквы съ прекрасными изображеніями птицъ, звѣрей, а начальная буква Х, писана творенымъ золотомъ. Съ 35-го листа до конца 71-го другія статьи богослужебнаго содержанія:

л. 35—44 об. Ακολουθια τῆς ἀκαθίστου.

л. 44 об. — 55. Τῶ αὐτῶ μηνὶ κε̅. ὁ εὐαγγελισμὸς τῆς ὑπερευλογημένης παναχράντου δεσποινης ἡμῶν θεοτόκου, ἦχος πλβ. (6).

л. 55 — 61 об. Κανὼν παρακλητικὸς εἰς τὴν ὑπεραγίαν Δέσποιναν θεοτόκον τὴν ἀμολυντον. ἦχ. ἦλδ. (8). Начало канона: Των λυπηρῶν αἱ ἀπαγωγαὶ χειμάζουσι.

л. 62 — 67. Τροπάρια διάλογος ὄντα τῆς παναγίας θεοτόκου πρὸς τὸν δεσπότην Χριστὸν. δέησιν αὐτῆς περιέχοντα καὶ μεσιτείαν. τὰ δὲ τοῦ διαλόγου πρόσωπα, δεσπότης καὶ θεοτόκος. προλέγει ἡ θεοτόκος. ἡ ἀκροστιχὶς αβ̅. ἀντίστροφος. καὶ ἐν τῶ τέλει ταύτης φιλοθέου. ποιήματα δε τοῦ Κυροῦ φιλοθέου πατριαρχοῦ. ἦχος πλ̅β. (6) Τὴν τιμιωτέρα τῶν χερουβὶμ.

л. 67 — 71. Ωδάριον κατανυκτικον κατὰ ἀλφαβητον. ποίημα ἀνακρεόντιον. λέοντος τοῦ φιλευσεβοῦς βασιλέως καὶ φιλοσόφου:· πρὸς τὸν οὐρανὸν τοῖς ἄστροις. Начало: Ἄρα τίς γῆθεν ἀειρας. ἐν συστροφῆ με ζεφύρου.

Этотъ знаменитый по миніатюрамъ Акаѳистъ, относимый Г. Матѳеемъ и преосвящ. Саввою къ X. вѣку, писанъ во 2-й половинѣ XIV вѣка [1]). Здѣсь послѣ Акаѳиста написаны тѣмъ-же почеркомъ, но гораздо мельче и на томъ-же пергаминѣ, стихотворныя сочиненія въ честь Божіей Матери Филоѳеемъ патріархомъ Константинопольскимъ, которымъ онъ былъ съ 1354 года по 1376 годъ [2]). Приложенная здѣсь на таблицѣ азбука изъ Акаѳиста крупная, и изъ сочиненія патріарха Филоѳея мелкая укажутъ на сходство обоихъ почерковъ — и мелкаго и крупнаго. Кромѣ сего историческаго доказательства, по которому надо отнести эту рукопись ко 2-й половинѣ XIV вѣка, и палеографическія данныя заставляютъ къ тому-же времени отнести его. Здѣсь нѣтъ ни одного древняго дыханія полукрестиками, употребляемаго въ рукописяхъ X, XI, XII и даже XIII вѣковъ. Буква ζ съ такимъ очертаніемъ, какое значится въ азбукѣ на прилагаемомъ здѣсь спискѣ, употребляется чаще всего въ рукописяхъ XIV—XV в. Заглавныя фигурныя буквы съ такими животными также употребительны болѣе въ рукописяхъ XIV—XV вѣка.

Вотъ данныя, по которымъ относимую рукопись къ X. вѣку, надо отнести ее къ концу XIV в.

Теперь приступимъ къ описанію прекрасныхъ миніатюръ этого хотя и въ концѣ XIV вѣка писаннаго, но замѣчательнаго по миніатюрамъ Акаѳиста и древнѣйшаго. Древнѣе его намъ доселѣ пока неизвѣстенъ съ миніатюрами Акаѳистъ Божіей Матери.

1) Предъ 1-мъ кондакомъ изображена Божія Матерь сѣдящею на сѣдалищѣ съ воздѣтыми руками, между двумя древними зданіями. Надъ вѣнцемъ вокругъ головы Божіей Матери, обведенномъ киноварью, написано: Μρ̅. Θυ̅.; поле во всѣхъ миніатюрахъ золотое.

2) Предъ 1-мъ икосомъ изображено: *Благовѣщеніе пресв. Богородицы.* Божія Матерь сидитъ въ своей комнатѣ на сѣдалищѣ въ родѣ табуретки съ подножіемъ. Одною лѣвою рукою Она касается пряжи, укрѣпленной на прялкѣ, въ другой держитъ веретено съ красною ниткою, протянутою отъ пряжи на прялкѣ. Лицемъ обратилась къ Архангелу Гавріилу, сзади подошедшему къ Ней. Въ лѣвой рукѣ у него трость, а правою какъ будто благословляетъ Ее, имѣя 2-й палецъ отъ мизинца пригнутымъ. Надъ Архангеломъ вверху подписано: Αχ. Γαβριὴλ.; а надъ Божіею Матеріею: Μρ̅ Θυ̅.

3) Послѣ 1-го икоса предъ 2-мъ кондакомъ опять нарисовано: *Благовѣщеніе пресв. Богородицы.* Божія Матерь сидитъ на сѣдалищѣ, подобномъ табуреткѣ, лицемъ и всѣмъ тѣломъ обратившись къ Архангелу Гавріилу. Въ лѣвой рукѣ у Ней пряжа и веретено съ красною пряжею, а правая поднята къ верху, куда устремлены и Ея взоры отъ изумленія явившагося предъ Нее Архангела, который стоя, Ее какъ-бы благословляетъ. Второй палецъ отъ мизинца у него пригнутъ. Другой руки его не видно. Надписи: Αρχ. Γαβριὴλ. Μρ̅. и Θυ̅.

---

[1]) Къ XIV вѣку этотъ Акаѳистъ отнесъ и преосвящ. Филаретъ Черниговскій. См. Истор. обзоръ пѣснописцевъ. 1860 г. С.П.Б. стр. 173. Г. Викторовъ въ своемъ описаніи сего Акаѳиста, фотографически снятомъ Г. Аласинымъ, относитъ его не ранѣе XII в., не смотря на его вѣрныя соображенія, сдѣланныя въ этой его статьѣ въ отношеніи сходства пергамина и почерка письма, которымъ писано сочиненіе патріарха Филофея, жившаго во 2-й половинѣ XIV вѣка. Къ величайшему сожалѣнію, и доселѣ указываютъ на этотъ драгоцѣнный памятникъ не какъ XIV в., а какъ X в.

[2]) Смотр. Фабриція том. XI. p. 513.

4) Предъ 2-мъ икосомъ изображено: *Благовѣщеніе пресв. Богородицы*. Божія Матерь сидитъ на сѣдалищѣ, похожемъ на табуретку, съ подножіемъ, съ воздѣтыми руками и лицемъ, изумленнымъ отъ словъ Архангела, который правою рукою Ее благословляетъ. Сверху на зданіи, близъ котораго Божія Матерь сидитъ, перекинута завѣса, касающаяся нижняго зданія.—Вверху изъ облака лучи благодати низпущены на Божію Матерь.

5) Предъ 3-мъ кондакомъ изображена Божія Матерь стоящею посреди зданія на одномъ подножіи съ воздѣтыми руками, и глазами устремленными къ верху, отколѣ изъ облака сіяніе въ видѣ трехъ лучей, имѣя посреди фокусъ, изъ котораго идутъ также три луча, низпущено на Божію Матерь. Надпись: Μ$\bar{ρ}$. Θ$\bar{υ}$.

6) Предъ 3-мъ икосомъ изображена Божія Матерь привѣтствующею (лобзающею) Елисавету. Сзади ихъ древнія зданія.

7) Предъ 4-мъ кондакомъ нарисованы: Божія Матерь съ праведнымъ Іосифомъ, который простеръ руки отъ изумленія, ставъ близъ двухъ колоннъ сѣни съ лѣвой стороны. А Божія Матерь стоитъ съ правой стороны близъ двухъ-же колоннъ сѣни, и, обратившись къ Іосифу, лѣвою рукою указываетъ въ сторону, и увѣряетъ его въ непорочномъ Своемъ зачатіи отъ Духа святаго, какъ Архангелъ Гавріилъ Ей сказалъ. 4-ре колонны съ куполомъ надъ ними по формѣ своей похожи на сѣнь, дѣлаемую надъ престоломъ въ церквахъ.

8) Послѣ 4-го кондака написано золотыми буквами τέλος τῆς Α$\bar{}$ στάσεως: Предъ 4-мъ икосомъ вверху миніатюры написаны: ἀρχὴ τῆς Α$\bar{}$ στάσεως. На сей миніатюрѣ изображена пещера. Въ ней Божія Матерь сидитъ съ превѣчнымъ младенцемъ Іисусомъ. Головою Она наклонилась къ своему правому плечу и вмѣстѣ къ превѣчному младенцу Іисусу. Іосифъ сидитъ въ задумчивости по правую сторону внѣ пещеры нагнувшись; а съ лѣвой стороны пастухъ съ изумленіемъ смотритъ на 4-хъ ангеловъ вверху надъ пещерою славословящихъ родившагося младенца Іисуса. Надъ самою главою Божіей Матери изъ облака сходитъ на Божію Матерь *сила Вышняго* въ видѣ трехъ лучей.

9) Предъ 5-мъ кондакомъ нарисованы три волхва съ быстротою ѣдущихъ верхомъ на коняхъ. Одинъ изъ нихъ передній рукою указываетъ на звѣзду на Востокѣ, другой пальцемъ указываетъ третьему, обратившись лицемъ къ заднему старшему, который, поднявъ лѣвую руку надъ головою, какъ будто чрезъ нее смотритъ на звѣзду. Шапочки у волховъ на самой маковкѣ головы похожи на верхушки китайскихъ зданій.

10) Предъ 5-мъ икосомъ нарисована пещера. Божія Матерь сидитъ въ ней съ превѣчнымъ младенцемъ Іисусомъ, лѣвую руку положивъ на лѣвое плечо младенца Іисуса, а правая у Ней простерта. — Лице изумленное. У младенца Іисуса правая рука изображена благословляющею. Волхвы пришли поклониться Ему, принесли свои дары, и удивляются видѣнному ими. Шапочки на нихъ такія-же, какія въ предъидущей миніатюрѣ нарисованы.—Вверху изъ облака сіяніе надъ пещерою.— Одинъ лучъ средній большой почти касается правой руки Божіей Матери. Въ золотомъ вѣнцѣ вокругъ главы младенца Іисуса нѣтъ: ων., а изображенъ крестъ.

11) Предъ 6-мъ кондакомъ нарисованъ Вавилонъ со стѣною, внутри которой зданіе въ родѣ языческаго храма. Одинъ изъ волховъ входитъ въ него, занесши лѣвую ногу въ дверь зданія, и обратившись къ старшему волхву что-то говоритъ, что слушаетъ и третій молодой волхвъ. Старшій изъ нихъ протянулъ обѣ руки къ говорящему, а второй подлѣ него стоящій — правую руку. На макушкахъ головы у нихъ такія-же шапочки, какія нарисованы на нихъ въ предъидущихъ миніатюрахъ.

12) Предъ 6-мъ икосомъ изображенъ Египетъ со стѣною. При приближеніи Божіей Матери къ идольскому храму, три идола, поставленные на верху его, падаютъ внизъ, а два лица близъ храма находящіяся, одно безъ шапки, а другое въ шапкѣ, съ изумленіемъ смотрятъ на входящую Божію Матерь, Которая Своею рукою указываетъ на храмъ. Вокругъ Божіей Матери съ передней стороны нарисовано сіяніе.

13) Предъ 7-мъ кондакомъ изображено: *Срѣтеніе Господне*. Праведный Симеонъ, взявъ на руки превѣчнаго младенца Іисуса, передаетъ Его чрезъ нѣкотораго рода какъ-бы жертвенникъ, подъ сѣнью, Божіей Матери, Которая, стоя по другую сторону онаго, протянула обѣ руки, чтобы принять отъ праведнаго Симеона младенца Іисуса. Надъ жертвенникомъ сѣнь на 4-хъ колоннахъ съ прямымъ шатрикомъ, посреди имѣющимъ четыреграннный пирамидальный куполъ. Завѣса предъ нимъ отдернута и концемъ своимъ обвита около колонны.

14) Послѣ 7-го кондака написанъ золотыми буквами: τέλος της Β΄ στασεως. — Предъ 7-мъ икосомъ изображена Божія Матерь съ младенцемъ Іисусомъ сѣдящею на великолѣпномъ тронѣ съ шатромъ надъ нимъ. Правою рукою Она указываетъ на 5-ть пришедшихъ къ ней мужей, а лѣвою поддерживаетъ младенца Іисуса, Который правою рукою ихъ благословляетъ. Въ благословляющей рукѣ Его 2-й и 3-й пальцы простерты, 1-й пригнутъ къ 4-му, Первый и пятый изъ тѣхъ мужей простерли свои руки къ Божіей Матери и младенцу Іисусу. Вверху сего изображенія написано: ἀρχὴ της Γ΄ (στάσεως).

15) Предъ 8-мъ кондакомъ изображена пещера. Въ ней полулежитъ Божія Матерь (1) подлѣ яслей, гдѣ лежитъ повитый пеленами младенецъ Іисусъ. Тутъ-же возлѣ яслей стоятъ два животныхъ — оселъ и корова. Съ лѣвой стороны близъ пещеры стоятъ нѣсколько людей, съ поднятыми кверху руками. Надъ ними вверху сіяніе, какъ-бы отъ звѣзды. Надписи: Μ͞ρ. Θ͞υ. Ι͞ς. Χ͞ς.

16) Послѣ 8-го кондака нарисованъ Іисусъ Христосъ, сѣдящій между двумя зданіями, имѣющими по сторонамъ по колоннѣ. Тронъ на подобіе стула съ полукругою спинкою на 4-хъ ножкахъ. Спаситель правою рукою благословляетъ. 4-й палецъ благословляющей Его руки пригнутъ къ 1-му, 2-й и 3-й простерты, изъ нихъ 3-й нѣсколько наклоненъ. Надпись: Ι͞ς. Χ͞ς. Въ концѣ вокругъ головы нѣтъ: ων.

17) Предъ 9-мъ кондакомъ изображенъ стоящимъ Іисусъ Христосъ въ сіяніи среди овальной фигуры, имѣющей по краямъ уголки > цвѣта пунцоваго, розоваго, бѣлаго и голубаго. По обѣимъ сторонамъ Спасителя по три ангела съ простертыми къ Нему руками, готовые выслушать отъ Него приказанія для исполненія. Надъ головою Спасителя изображенъ херувимъ. Спаситель правою рукою благословляетъ. 2-й и 3-й палецъ Его десницы простерты, 3-й изъ нихъ нѣсколько пригнутъ, а 1-й пригнутъ къ 4-му; въ лѣвой-же Онъ держитъ свитокъ.

18) Предъ 9-мъ икосовъ изображена Божія Матерь сѣдящею на тронѣ съ простертыми руками. Лицо у Ней задумчивое. По правую сторону Ея стоитъ Іосифъ и изумляется пришедшимъ ораторамъ. По лѣвую сторону Божіей Матери ихъ стоитъ шесть. Два изъ нихъ съ хартіями. Одинъ, держа въ правой рукѣ хартію, лѣвую приложилъ къ своимъ устамъ и съ изумленіемъ смотритъ на Божію Матерь. *Шестое лице* между двумя ораторами въ бѣлыхъ довольно высокихъ шапкахъ, похожихъ на первосвященническія, едва видно. Видна на немъ только часть лица. У одного оратора въ родѣ зубчатой короны, у двухъ шапка съ полями, а верхушка ихъ конусообразна.

19) Предъ 10-мъ кондакомъ изображенъ Спаситель благословляющій. Онъ стоитъ на лѣвой сторонѣ картины. У благословляющей Его десницы 2-й и 3-й пальцы простерты, 4-й пригнутъ. Изображеніе Спасителя и одежда на Немъ отъ времени стерлись, только видны 2, 3 и послѣдній пальцы простертыми. На правой сторонѣ есть изображенія, но они стерты. Надпись надъ Спасителемъ: Ις. Χς. Въ вѣнцѣ вокругъ головы Его нѣтъ: ων. Въ концѣ кондака написаны: Τέλος της Γ΄. στάσεως.

20) Предъ 10-мъ икосомъ изображена Божія Матерь сѣдящею на тронѣ близъ древняго зданія, съ простертыми руками. Взоръ Ея устремленъ кверху. По ту и другую сторону Божіей Матери стоятъ по шести дѣвъ, и всѣ онѣ въ изумленіи отъ Божіей Матери. По лѣвую сторону передняя дѣва, указывая правою рукою на Божію Матерь, лицемъ къ другой и что-то ей говоритъ. По правую сторону передняя дѣва стоитъ съ обѣими простертыми руками. Волосы на головѣ у всѣхъ дѣвъ не покрыты. — По ту и другую сторону у переднихъ дѣвъ руки выше локтя обнажены. Подпись надъ Божіею Матерью: Μ͞ρ Θ͞υ.

21) Предъ 11-мъ кондакомъ изображенъ Спаситель съ книгою въ лѣвой рукѣ. Правая-же Его десница обращена къ груди. По лѣвую сторону Его стоятъ два святителя въ архіерейскихъ кресчатыхъ облаченіяхъ съ простертыми руками къ Нему; а сзади ихъ ликъ иноковъ въ древнихъ камилавкахъ. По правую сторону Его стоятъ шесть лицъ изъ евреевъ. У перваго лица лѣвая рука вынута изъ рукава, а правою сложено благословеніе. Между ними два лица молодыя безъ шапокъ. На всѣхъ лицахъ выражено вниманіе.

---

1) На чемъ полулежитъ Божія Матерь, это вверху и внизу въ родѣ длиннаго мѣшка, по обѣимъ концамъ связаннаго.

22) Предъ 11-мъ икосомъ изображена стоящею Божія Матерь въ такой-же овальной фигурѣ съ уголками > по краямъ, въ какой изображенъ Спаситель предъ 9-мъ Кондакомъ въ 17-й миніатюрѣ. Правая рука у Ней простерта къ пришедшимъ предъ Нее шести мужамъ, лѣвую-же руку Она положила на одежду у правой руки. Взоръ Ея устремленъ кверху. Предъ Нею стоитъ большая горящая свѣща на очень невысокомъ подсвѣчникѣ. Изъ шести пришедшихъ мужей первый, простерши руки свои, наклонился. Прочіе пять мужей устремили свои взоры на Божію Матерь.—Надпись: Μρ̃. Θῦ.

23) Предъ 12-мъ кондакомъ изображенъ Іисусъ Христосъ, стоящимъ близъ вратъ (должно быть райскихъ). Правою рукою Онъ указываетъ на нихъ стоящимъ по другую сторону ихъ, и первому должно быть Адаму, чтобы по отверзтіи ихъ войдти туда. — Текстъ кондака написанъ мелко и другою рукою, гораздо позднѣе (около XV вѣка).

Предъ 12-мъ икосомъ картины нѣтъ, но видно мѣсто, гдѣ вырѣзана картина. По этому случаю кондакъ 12-й, написанный своевременно на вырѣзанномъ листѣ съ картиною предъ 12-мъ икосомъ, написанъ уже послѣ, въ XV вѣкѣ, подъ картиною своевременно писанною, но не имѣвшею своевременнаго текста 12-го кондака.

24) Предъ 13-мъ кондакомъ нарисованъ образъ Божіей Матери съ превѣчнымъ младенцемъ Іисусомъ на лѣвой рукѣ. Лицемъ Божія Матерь обращена въ правую сторону.—По лѣвую сторому образа стоятъ впереди три духовныя лица, похожія на святителей [1]), въ бѣлыхъ высокихъ шапкахъ, а сзади ихъ другія духовныя особы въ красныхъ шапкахъ. По правую-же сторону нѣсколько лицъ въ шапкахъ конусообразныхъ. Отъ образа Божіей Матери спущена пелена. [2]).

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ тріоди постной съ крюковыми нотами XII в. Моск. Synod. Библіотеки № 319.

л. 35 — 36 об. Βουλὴν προαιώνιον ἀποκαλύπτων σοι Κόρη. γαβριὴλ ἐφέστηκε σε κατασπαζόμενος καὶ φθεγγόμενος. χαῖρε γῆ ἄσπορε. χαῖρε βάτε. ἄφλεκτε. χαῖρε βάθος δυσθεώρητον. χαῖρε. ἡ γέφυρα. πρὸς τοὺς οὐρανοὺς ἡ μετάγουσα. καὶ κλίμαξ ἡ μετάρσιος. ἣν ὁ Ἰακὼβ ἐθεάσατο. χαῖρε θεία στάμνε. τοῦ μάννα χαῖρε λύσις τῆς ἀρᾶς. χαῖρε ἀδὰμ ἡ ἀνάκλησις. μετὰ σοῦ ὁ κς̃: ·

Стїр. на хвалѣ гл̃а .:. гла̃ г̃, по всѣ оупъка ·ѓ·

видѣ. радоуисѧ божьствьнаѧ роуѹько манны. радоуисѧ съ тобою господь ·:·

Мыслѣ прѣвѣчьно[3]) (—чьноу) отъкрываю ти дѣво. гаврилъ предъстакъ. тебе цѣлоуѥмъ и вѣщаѥ. радоуисѧ земле бесѣменьнаѧ. радоуисѧ неопаліимаѧ. радоуисѧ глоубинно дъковьнднмаѧ. [4]) радоуисѧ мосте на небеса коудоданъ. радоуисѧ лѣствице късокаѧ. юже никоковъ раздрѣшенніе клатвѣ. радоуисѧ адамово къзведеніе.

Φαίνῃ μοι ὡς ἄνος. φησίν. ἡ ἄφθορος Κόρη. πρὸς τὸν ἀρχιστράτηγον. καὶ πῶς, ῥῆγγη ῥηματα ὑπὲρ ἄγον. μετ' ἐμοῦ ἔφησας τὸν θν̄ ἔσεσθαι. καὶ σκηνῶσαι ἐν τῇ μήτρα μου. καὶ πῶς γενήσομαι λέγε μοι χωρίον εὐρύχωρον. καὶ τόπος ἁγιάσματος. τοῦ τοῖς χερουβὶμ ἐπιβάνογτς. μή με δελεάσῃς ἀπάτῃ. ῥυ γὰρ ἔγνων ἡδονὴν. γάμου ἀπάρχω. ἀνύητος. πῶς οὖν παῖδα τέξομαι.

Ѩвлаѥшимисѧ ако уловѣкъ. рече уностаѧ дѣвица. къ архистратигоу. и како вѣщаѥши глаголы. паче уловѣка съ мною бо рече бога бытн. и къселитисѧ къ оутробоу мою. и како рожю глаголи ми къместище(—тилище) пространьное. и место свлщенноѧ на хѣровимѣ сѣдѧщаго(—щаго). не прѣльсти мѣне льстию. не бо разоумѣхъ слаѧтн. бракоу соущѝ не искоусьнаѧ. како оуко отроча рожю ·:·

Θς̃ ὅπου βούλεται νικᾶται φύσεως τάξις φησὶν ὁ ἀσώματος. καὶ τὰ ὑπὲρ ἄνον διαπράττεται. τοῖς ἐμβῖς πίστευε. ἀληθέσι ῥήμασι. παναγία ὑπεράμωμε. ἡ δὲ ἐβόησε. γέ-

Кого идежѣ хощеть. одолѣваѥть ѥстьства униъ. рече бесплътьнын и мужѣ къше уловѣка съдѣваѥть. монмъ вероуи истиньнынмъ глаголомъ. прѣустаѧ непороуьна.

---

[1]) Одежда на нихъ стерлась отъ времени; поэтому трудно сказать были-ли на нихъ омофоры.

[2]) Перепечатано изъ X-й книги Чтеній Московсаго Общества Любителей Духовнаго Просвѣщенія 1870 года.

[3]) Разночтенія въ скобкахъ изъ Стихирари XII в № 278. той же Библіотеки.

[4]) Въ XIV в. и позднѣе **неудобозримаѧ**.

νητό μοι νῦν ὡς τὸ ῥῆμα σου. καὶ τέξομαι τὸν ἄσαρκον. σάρκα ἐξ ἐμοῦ δανεισάμενον. ὅπως ἀναγάγῃ τὸν ἄνθρωπον ὡς μόνος δυνατὸς. εἰς τὸ ἀρχαῖον ἀξίωμα. διὰ τῆς συγκράσεως.

Δόξα καὶ νῦν. ἦχος. πλβ. (6).

Ἀπεστάλη ἐξ οὐρανοῦ γαβριὴλ ὁ ἀρχάγγελος, εὐαγγελίσασθαι τῇ παρθένῳ τὴν σύλληψιν. καὶ ἐλθὼν, εἰς Ναζαρὲτ, ἐλογίζετο ἐν ἑαυτῷ τὸ θαῦμα ἐκπληττόμενος. ὅτι πῶς ὁ ἐν ὑψίστοις, ἀκατάληπτος ὤν, ἐκ παρθένου τίκτεται. ὅ ἔχων θρόνον οὐρανὸν. καὶ ὑποπόδιον τὴν γῆν, ἐν μήτρα χωρεῖται γυναικὸς. ὃν τὰ ἐξ απτέρυγα καὶ πολυόμματα, ἀτενίσαι οὐ δύνανται λόγῳ μόνῳ ἐκ ταύτης σαρκωθῆναι εὐδόκησε. θῦ ἐστι λόγος ὁ παρὼν. τί οὖν ἵσταμαι, καὶ οὐ λέγω τῇ Κόρῃ, χαῖρε κεχαριτωμένη ὁ κ̄ς̄ μετὰ σου. χαῖρε ἄγνη παρθένε. χαῖρε νύμφη ἀνύμφευτε. χαῖρε μῆρ τῆς ζωῆς. εὐλογημένος ὁ καρπὸς τῆς κοιλίας σου.

она же възъпи. боудѣ мнѣ по глаголоу твоємоу н. рожю бесплътьнаго. плъть отъ мене пріимъша. ꙗко да възведеть оловѣка. ꙗко ѥдинъ сильнъ. въ пьрвоє достоꙗніе съмѣренїа ради ·:·

На слⷭ. и нⷭ. глⷭ. ѕ̄. самогл̄ ·:·

Посълань бысть. съ небесе гаврилъ архангелъ. благовѣстити. дѣвици ѕахатиѥ. и пришьдъ въ назарефъ. помышлꙗаше къ себѣ оудивлꙗꙗсѧ. ꙗко оубо въ кышьнихъ непостижимъ сын отъ дѣвы рождаѥтьсѧ. имѣꙗи прѣстолъ небо. и подъножиѥ ѕемлю. въ оутробоу въмѣщаѥтьсѧ женьскоу. ѥго же шестокрилатии. и мъногооучитии ѕрѣти не могоуть. слоꙗмь ѥдинѣмь отъ нѣꙗ къплътитисѧ изволи. божиѥ ѥсть слово. соущеѥ. ѹбо оубо стою. и не глаголю дѣвици. радоуисѧ обрадованнаꙗ господь съ тобою. радоуисѧ оучитаꙗ дѣво радоуисѧ невѣсто безневѣстьнаꙗ. радоуисѧ мати жиꙁотоу. благословленъ плодъ оурѣꙗ твоѥго ·:·

Чтеніе и объясненіе снимка.

л. 28. Крупнаго почерка. Χαῖρε ἡ τὸν σπορέα τῆς ἁγνείας τεκοῦσα.

Χαῖρε παστὰς ἀσπόρου νυμφεύσεως. χαῖρε πιστοὺς Κυρίῳ ἁρμόζουσα. χαῖρε καλὴ κουροτρόφε παρθένων. χαιρε ψυχῶν νυμφοστόλε ἁγίων. χαῖρε νύμφη ἀνύμφευτε.

л. 10 об. Даимόνων.

л. 62. Мѣлкаго почерка того же писца. Κύριε Ἰησοῦ Χριστὲ θεοῦ ἐλέησον. Τροπάρια διάλογος ὄντα τῆς παναγίας θεοτόκου πρὸς τὸν δεσπότην χριστὸν. δέησιν αὐτῆς περιέχοντα καὶ μεσιτείαν. τὰ δὲ τοῦ διαλόγου πρόσωπα, δεσπότης καὶ θεοτόκος. προλέγει ἡ θεοτόκος. ἡ ἀκροστιχίς. αβ̄. ἀντίστροφος. καὶ ἐν τῷ τέλει ταύτης, φιλοθέου ·:· ποιήματα δὲ τοῦ Κυροῦ φιλοθέου πατριαρχου ·:· ἦχος πλ̄β. (6).

Θεοτόκος ὦ δέσποτα Κύριε καὶ ὑιὲ. λόγε καὶ σοφία καὶ ἀπαύγασμα τοῦ πατρὸς ὦ κτίστα καὶ σῶτερ τῶν πάντων Ἰησοῦ μου. τῆς σῆς μητρὸς ἐντεύξεις συνήθως πρόσδεξαι .:.

Δεσπότης. ψυχὴ καὶ καρδία μήτερ ἡ σή. καὶ νοῦ καὶ τοῦ.

Азбука крупнаго и мѣлкаго письма того же писца.

Слова съ знаками препинанія крупнаго почерка: ζωὴν. τούτω, ἀλληλούϊα: Мѣлкаго почерка: Τὸ παράδοξον, ἄσπορος. δόξαν.

Сокращенія и слова съ титлами обоихъ почерковъ: καὶ καὶ θεοτόκε Κύριος. πύργος ἀδιάφθορος.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими, обоихъ почерковъ: α , ἐδίδαξε κλίμαξ. ε., ἐδόξασεν χαῖρε χαῖρε συγκράσεως. ἀναπλάσεως. ν., ἴσχυν, νῦν. σ., νεφέλης τῆς ἀστηρ. ϑσίαν. τ., παστὰς στόλε.

ОГЛАВЛЕНІЕ

Рукописей описанныхъ.—XIII-й вѣкъ.

	Стран.
I. Θеотокарій (Богородичникъ) 1235. года	1—4
II. Псалтирь съ толкованіемъ разныхъ Отцевъ церкви. 1275. г.	4—6
III. Четверо-Евангеліе 1275. года	6—8
IV. Лѣствица св. Іоанна 1275. года	9—13
V. Сборникъ разныхъ Отцевъ церкви Нравст. содержанія. 1289. г.	14—17
VI. Сочиненія Нравств. содержанія брат. Раймонда Медіоланскаго.	—18
VII. Прологъ съ Сентября по Мартъ 1292. г. 1295	19—26
VIII. Патерикъ Павла монаха Евергетиды 1297.	26—38
IX. Уставъ Іерусалимскій 1298. г.	38—41

XIV-й вѣкъ.

	Стран.
I. Лѣствица св. Іоанна 1306. года	42—44
II. Фотографическій свитокъ литургіи св. Іоанна Златоустаго.	44—50
III. Сочиненія Нрав. содержанія, содержащія въ себѣ сначала Діоптру или Зерцало 1318. года	51 52
IV. Евангеліе по недѣлямъ 1320. года.	53 54
V. Четверо-Евангеліе 1321. года	55—58
VI. 16. словъ св. Григорія Богослова съ толкованіемъ Никиты Иракійскаго. 1340. года.	58—61
VII. Шестодневъ св. Василія Великаго съ сочиненіями другихъ Отцевъ церкви 1339 года.	61—64
VIII. Собраніе молитвъ и пѣснопѣній Θикары Аѳонскаго монаха 1341. года.	65—69
IX. Номоканонъ Матѳея Властаря 1342. г.	69—72
X. Тріодь постная 1344. года	72—76
XI. Сборникъ бесѣдъ св. Іоанна Златоустаго 1345. г.	76—82
XII. Лавсаикъ съ патериками 1345. г	82—87
XIII. Постническія слова св. Исаака Сирина 1355. г.	87—97
XIV. О произведенной отъ Бога твари 1359.	97. 98
XV. Фотографическій снимокъ Литургіи св. Василія Великаго 1375. г.	98. 103
XVI. Сборникъ статей полетическаго содержанія 1387. г.	103—112
XVII. Четверо-Евангеліе до 1320. г	113—118
XVIII. Лицевый Греческій Акаѳистъ 2-й половины XIV в.	118—123

ОГЛАВЛЕНІЕ

Древле-Славянскаго перевода съ означеніемъ времени написанія, и рукописи, изъ которой заимствованъ переводъ.

	Стран.
Изъ каноновъ XIV в. № 210. Рум, Музея. л. 74. об.—78 об.	1—3
Изъ Псалтири XVI—XVII в. моего собранія съ разночтеніями въ скобкахъ изъ толковой Ѳеодоритовой Псалтири 1472. года. л. 2—4.	4. — 6. об.
Изъ Четверо-Евангеліе 1144. года. Synod. Библіотеки. глав. 2-я Марка. л. 71. об.—73 об.	стр. 7 и 3
Изъ лѣствици св. Іоанна XV в. моего собранія л. 272—277. къ пастырю.	9—18

Изъ Декабрской Макаріевской Четьи-минеи XVI в. слово Антіоха къ Евстаѳію о молитвѣ гл. рѣ. л. 593 . . . . . 15—17
Изъ Пролога XVI—XVII в. Сунод. Библіотеки № 242. л. 56. об. 26. Сентября о преставленіи св. Іоана Богослова. . . . . 19—26
Изъ Пандекта Антіоха XI в. Воскресенской Ново-Іерусалимской Библіотеки 81 32
Изъ Пандекта Антіоха XVI в. въ Макаріевскихъ Четьи-минеяхъ за Декабрь мѣсяцъ гл. 88. л. 583.. . . . . 37 38
Изъ слѣдованной Псалтири XV в. моего собранія л. 249 об. и 250 об. слово св. Іоанна Златоустаго на св. Пасху. . . . . 39 и 40
Изъ той же Псалтири Воскресные тропари. л. 264 и 265. об. 40 41
Изъ лѣствицы св. Іоанна XV в. моего собранія. л. 93—95. о неизглаголанныхъ помыслохъ хульныхъ. . . . . 42—44
Изъ служебника преп. Варлаама Хутынскаго XIII в. Сунод. Библ. л. 14—19. Изъ Литургіи св. Іоанна Златоустаго. . . . . 45—53
Изъ Книги: Діоптра 1493 г. Кирилло-Бѣлозерской Библіотеки. . . . . 51 и 52
Изъ Новаго Завѣта Святителя Алексія Митрополита. XIV в. л. 24 и об. Въ среду Мясопустную отъ Марка. 53 54
Изъ Новаго Завѣта святителя Алексія XIV в. изъ 1-й главы Еван. Луки. . . . . 55—57
Изъ св. Григорія Богослова съ толкованіемъ Никиты Ираклійскаго слово 16 о Григоріи, братѣ Василіевѣ XIV в. Сунод. Библ. № 954. л. 210, 211. . . . . 58—61
Изъ шестоднева Іоанна Екзарха Болгарскаго 1263 года № 345 Сунод. Библ. изъ 5 бесѣды на бытіе. л. 97. об.—100 . . . . . 62—64
Изъ слѣдованной Псалтири XV в. моего собранія Канонъ Господу Іисусу. л. 130. об.—133. . . . . 66—69
Изъ Кормчей XI—XII в. л. 21. и 22. № 227. Сунод. Библ. 5-ть правилъ 1-го Вселенскаго Собора. . . . . 70—72
Изъ Тріоди постной XII в. № 319. Сунод. Библіотеки л. 1—7 об. Стихиры и канонъ въ недѣлю Мытаря и Фарисея. . . . . 73—75
Изъ Маргарита 1499. г. № 103. Сунод. Библіотеки л. 19—23. о непостижимомъ . . 78—82
Изъ Лавсаика XVII. № 549. Сунод. Библ. л. 11. изъ патерика Скитскаго № 949. л. 131 об.—134. . . . . 83—87
Изъ постническихъ словъ св. Исаака Сирина 1525 г. № 109. Сунод. Библ. слово о чувствахъ. л. 34—38.. и изъ нихъ же моего собранія XV в. л. 376 об. и 377 л. 22. 23. . . . . 93—97
Изъ Литургіи св. Василія Великаго Прем. Варлаама Хутынскаго XIII в. . . . . 98—102
Изъ Сборника XVI в. Сун. Библ. № 561. Никиты Стифата противъ Латинъ объ опрѣснокахъ. л. 52. об.—61. . . . . 106—112
Изъ Новаго Завѣта святителя Алексія. XIV в. Марк. IV. 1—23. . . . . 117—118
Изъ Тріоди постной XII в. Сун. Библ. нѣсколько стихиръ на Благовѣщеніе Пресв. Богородицы. . . . . 122 и 123

ОПЕЧАТКИ:

стран.	строка.	Напечатано:	Надобно читать:
13.	1. снизу.	φεβουάριος	φεβρουάριος.
63.	16. сверху.	88.	98.
85.	1 и 2. снизу.	142.	940.
—	—	лавсликомъ.	Лавсаикомъ. Это сказанія.
—	—	ниоднаго сказанія	ниоднаго.

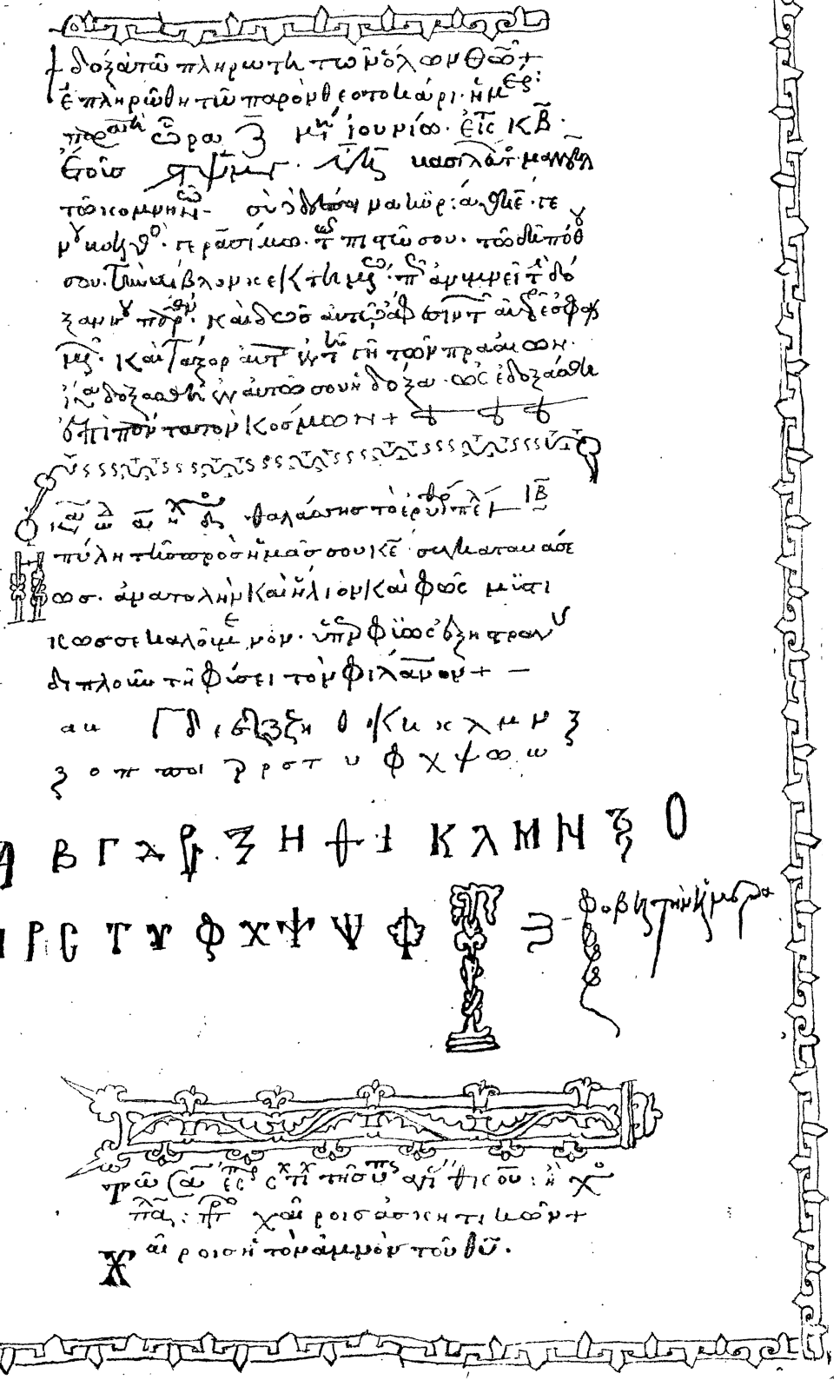

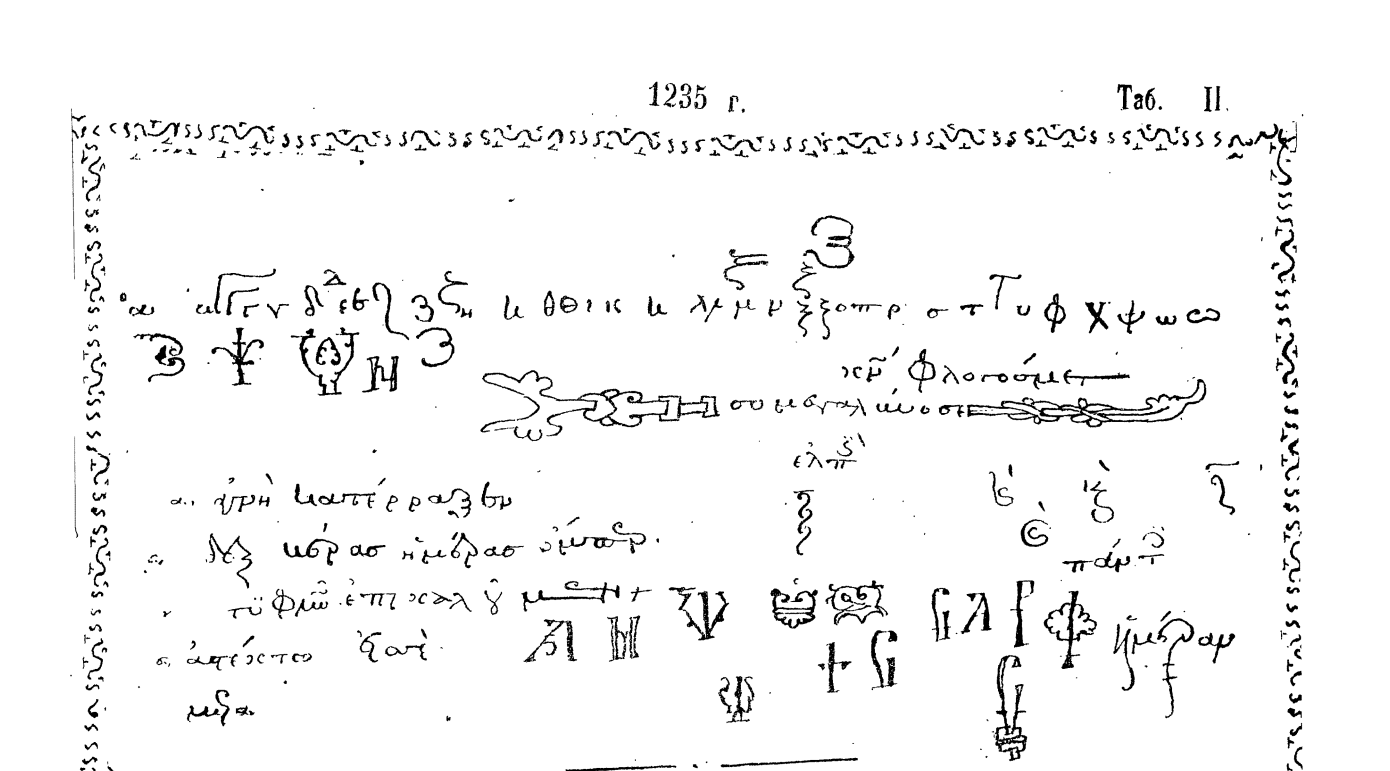

1275 г.

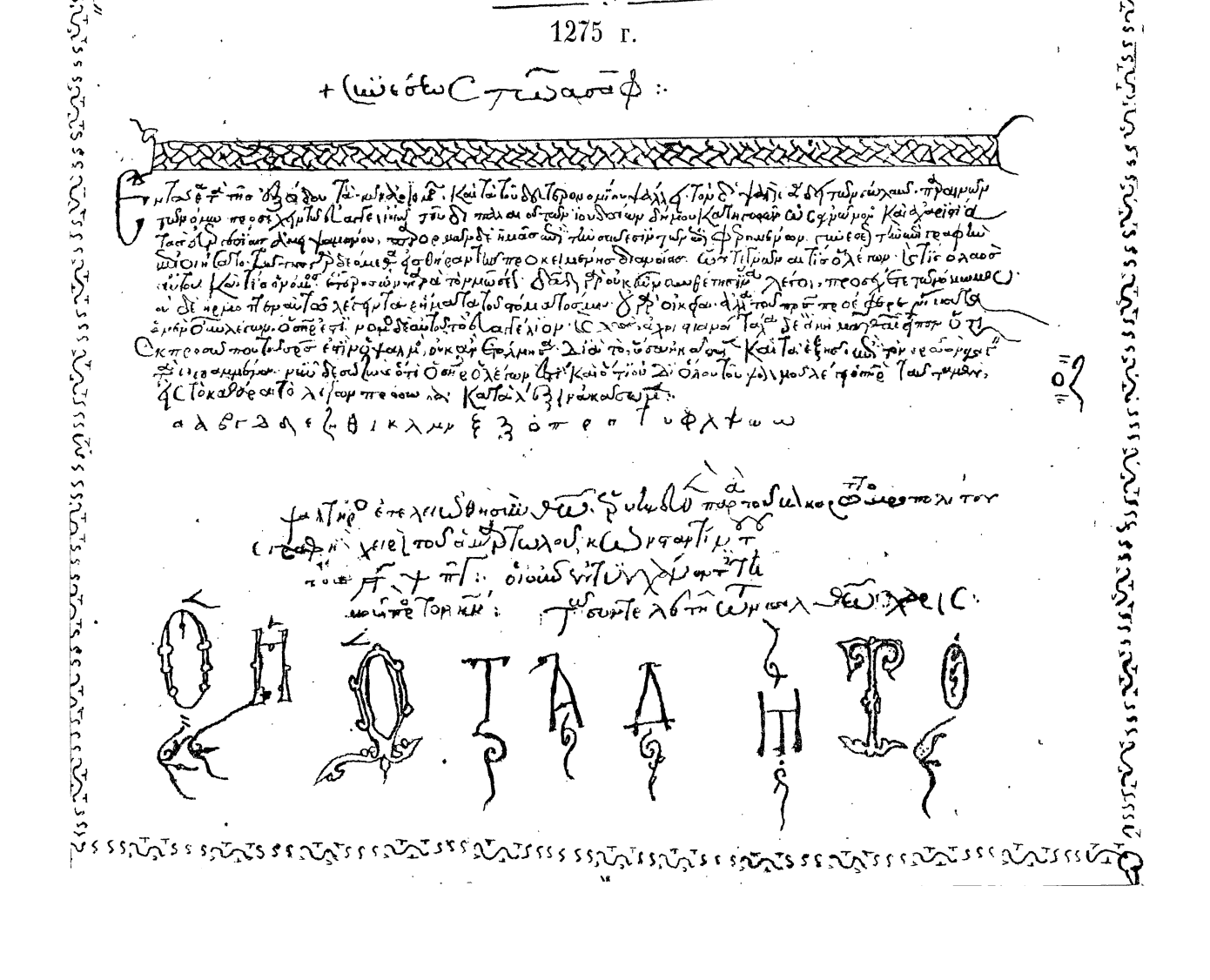

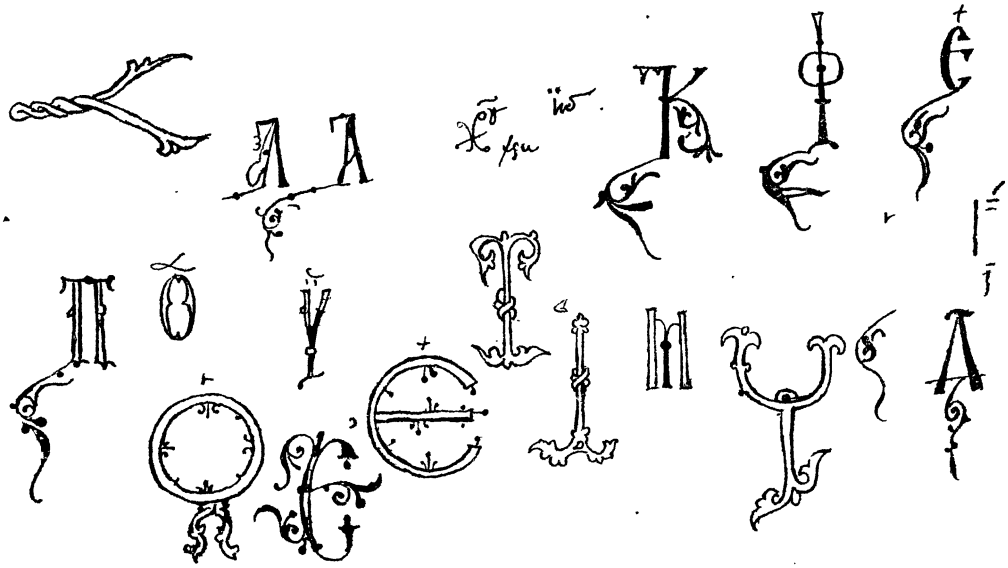

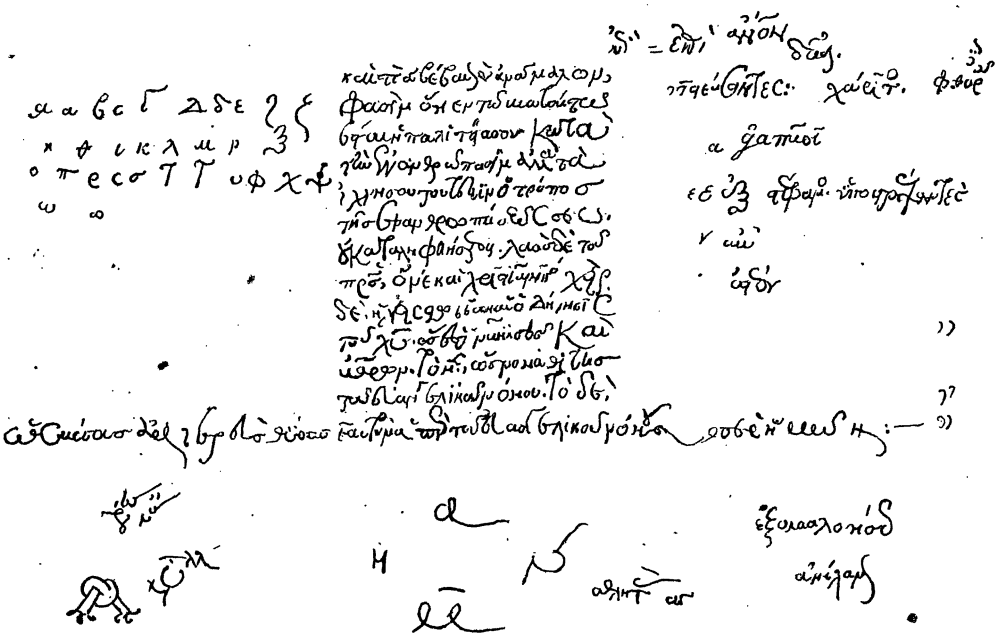



ΤΟΚΑΤΑΙΩΑΝΝΕΥΑΓΕΛΙΟ



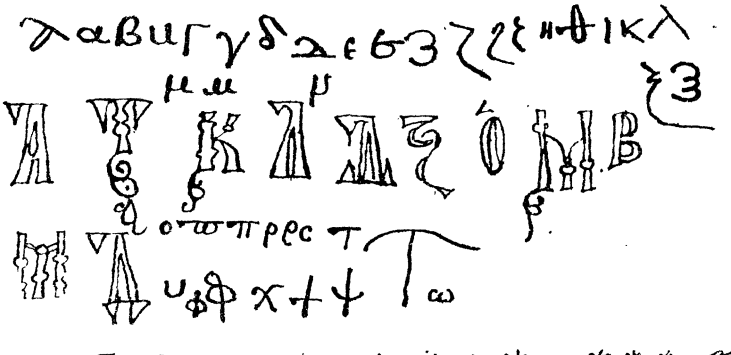

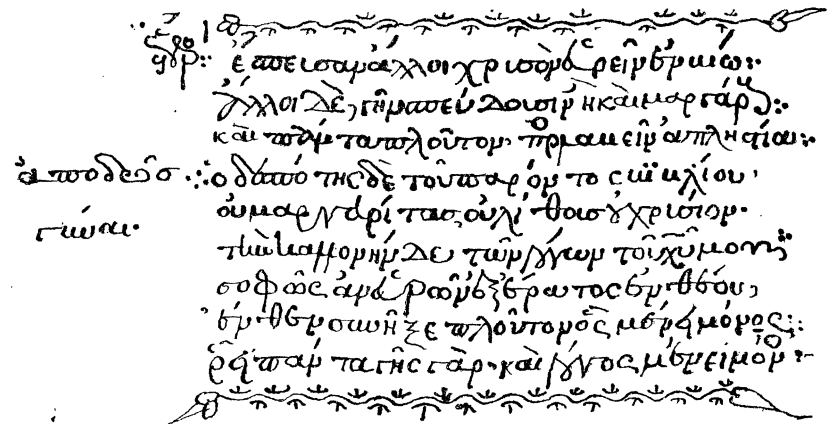

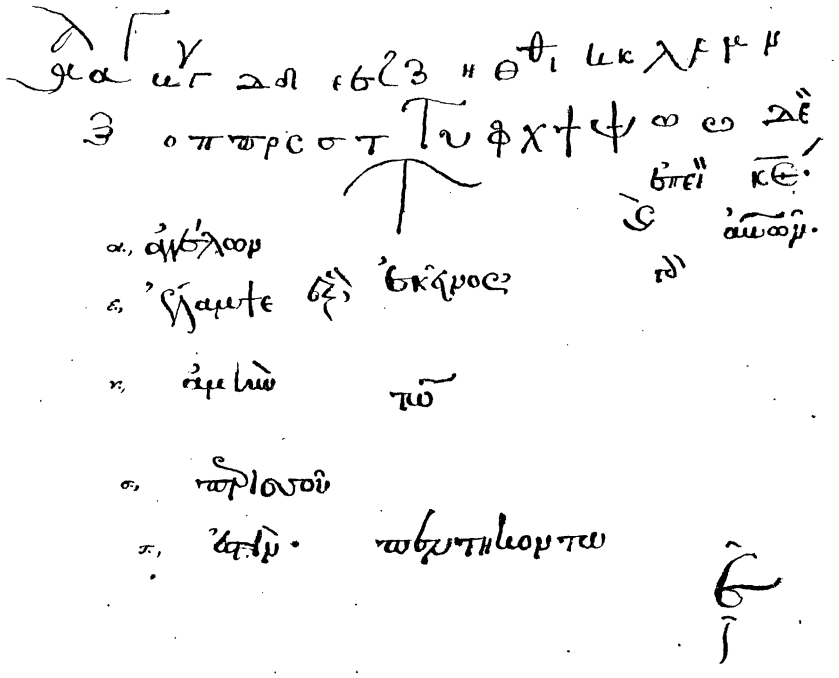

†

Ἰωσὴφ οἰκτροῦ ἐξετέλεσε βάκευμα τῆς, τὴν ἱερὰν κλίμακα τὴν ἐκ πόθου, ἑτέρα χερσὶ νοήμενον ἡνιοχοῦσε· ἀλλ' ὡς περὶ νηπόρησε τῶν μισθωμάτων· τὴν αἰῶνα τρέχοντες οἱ κόσμου πτέρυγες τὰς πρακτικὰς μᾶλλα τῶν ἱερατείας· πρὸς τὰς μονάς, βάκοι τε πρὸς ὠφίλους· τὴν, τὴν ἀφέντες κάτω τῆς τῆς πρὸς κάτω· ἐμοὶ γὰρ τὸν ταῦλλος ἡμονοδρόποις, ἀ ἡρέκως μεμνήσθε πρὸς τὸν λεπτὸν· Ὅπως λιμὰ βάς τὴν θάλασσαν τοῦ βίου· πρὸς λιμένα φθάσαι μὴ τοὺς ὠφίλους· †

† ἡ τοῦ δέλτος ἡ γραφή, ἐν ἔτει ϛ̅ϡ̅ζ̅ τῆς ϟ ἰ̅γ̅· ἐπὶ τῆς βασιλείας τοῦ ὑοῦ ἑαυτοῦ βασιλέως κυροῦ ἀνδρονίκου· κομνηνοῦ ἀγγέλου δούκα τοῦ παλαιολόγου· πρεσβεύοντος τοῦ ἁγιωτάτου πάπα τοῦ ἐν τῇ ῥώμῃ τοῦ φιλοσοφωτάτου κυροῦ γρηγορίου· ὁ ἱκὼν πρὸς ἡμᾶς κυρὸς ἰφαμὴς τε καὶ πορφυρόπους· ζητοῦμεν ὁρμᾶσθαι τὴν μὴ τὰ ἀρχιτραπεζίτας τὰ ὠφίλιμα· τοῦ πλουσίου τῶν πρεσβυτέρων κυροῦ γρηγορίου τοῦ ὁσιομοναχοῦ κυροῦ γρηγορίου τοῦ ὁσίου τοῦ ἀφιερωσκεπαστοῦ τῶν βιβλίων·

ἐὰν θέλωμεν διὰ τοῦ ὑμῶν, ὅπως εὑρεθῶμεν ταῖς ἐχαῖς ὑμῶν· τῶν πολλῶν ὠφελημάτων τῶν ἀπολύτρωσίν· †

† εὐχαριστοῦμεν τῷ θεῷ καὶ τῷ πατρὶ τῶν ὁσίων μοναχῶν τῶν ἁγίων καὶ ἀθανάτων καὶ σωτηρίων τῶν ἀθανάτων καὶ σωτηρίων τῶν ἀθανάτων καὶ σωτηρίων τῶν

Λόγος ασκητικὸς τοῦ ἁγίου Ἰωάννου
τοῦ ἡγουμένου τῶν ἐν τῷ Σινᾷ ὄρει
μοναχῶν : λόγος ϛ΄ :-

Οὐ φαῦλον καὶ ὑποτρέχον θέαμα καὶ πρᾶγμα
μανθάνουσιν οἱ μοναχοὶ καὶ βασιλέως
μᾶλλον μεγάλου θεοῦ πρὸς τὸ ἴσον θεῦ θρέλ
πτορ τασάρξασθαι· πᾶσι τοῖς τὰ ὑπὲρ
τοῦ κτιστοῦ μεμελετηκόσι· αὐτόξου
σιον τὴν τοσαύτην ὁμαυτῖ· τίμησαν τρος
οἱ μὲν εἰσιν ἀυτοῦ φίλοι· οἱ δὲ γνήσιοι
οἱ δοῦλοι· οἱ δὲ ἀυχρεῖοι·

Ἐφὴ τοῦ πουλιτζή

περὶ μνήμης θανάτου.

ἀρ τοῦ λόγου. προηντεῖ ταιέν μοιαν·
μνήμη δὲ θανάτου καὶ παιδεύτηρ.

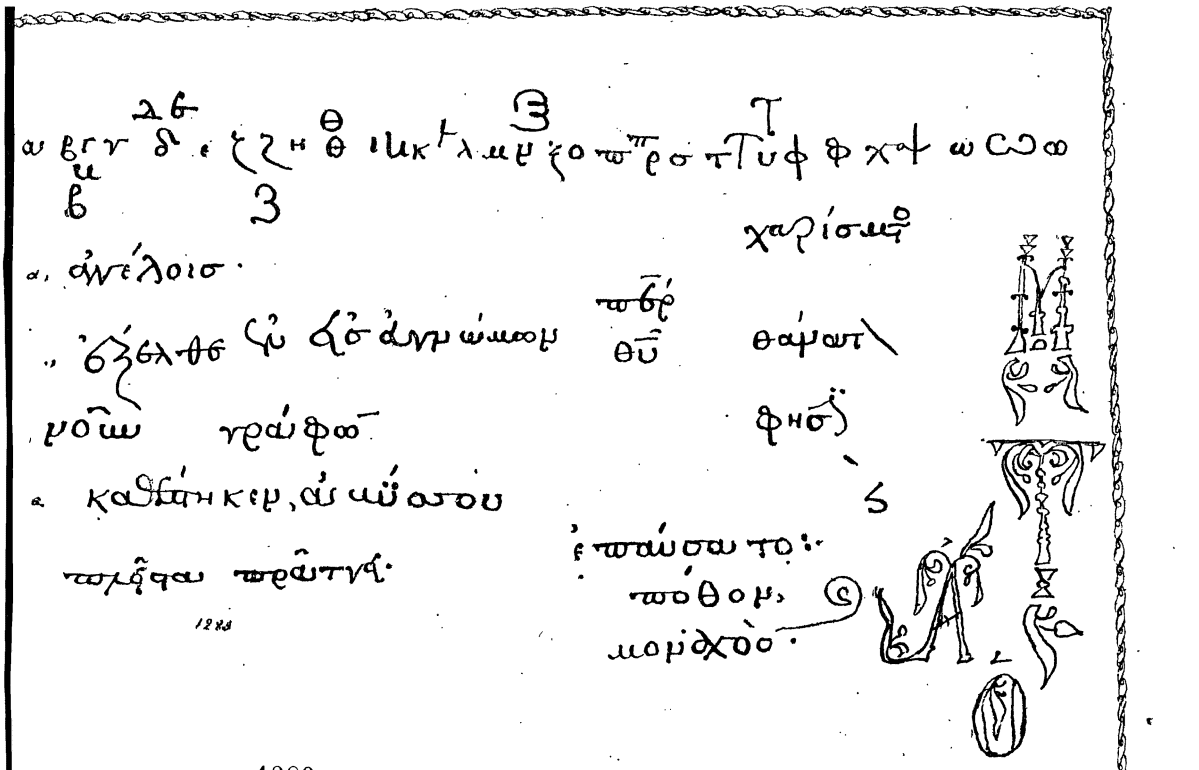

1288

1289 г.

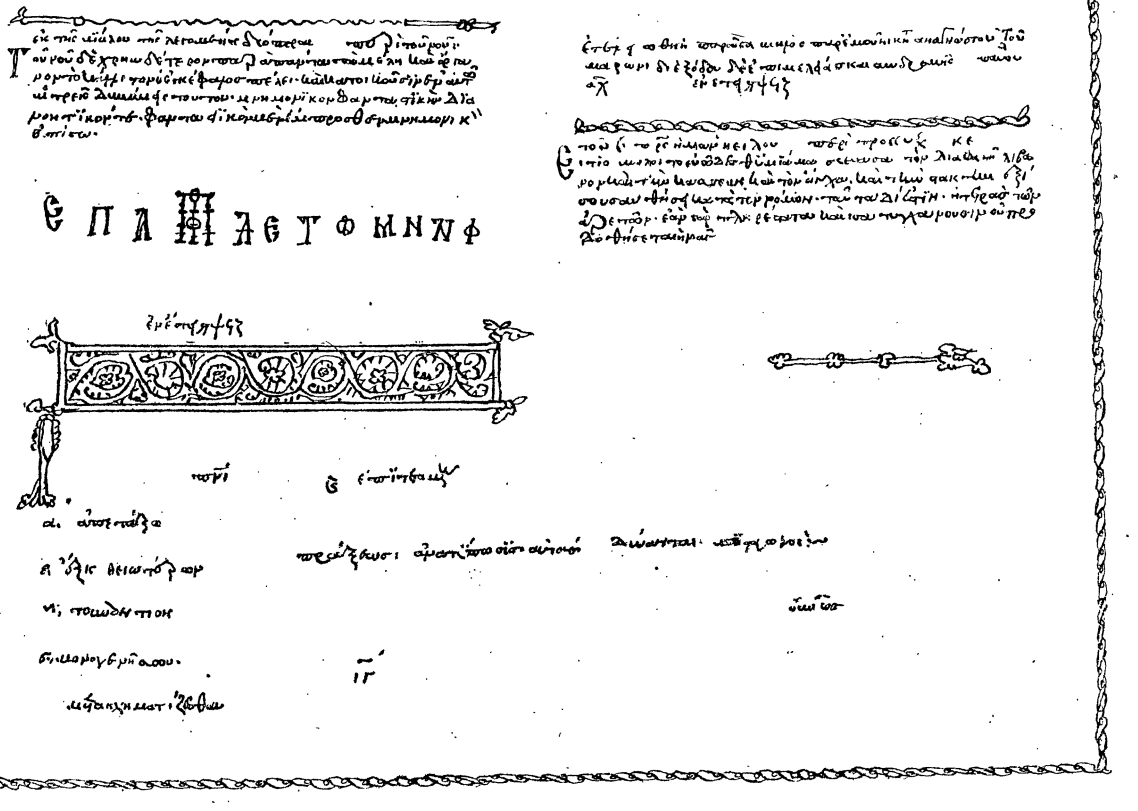

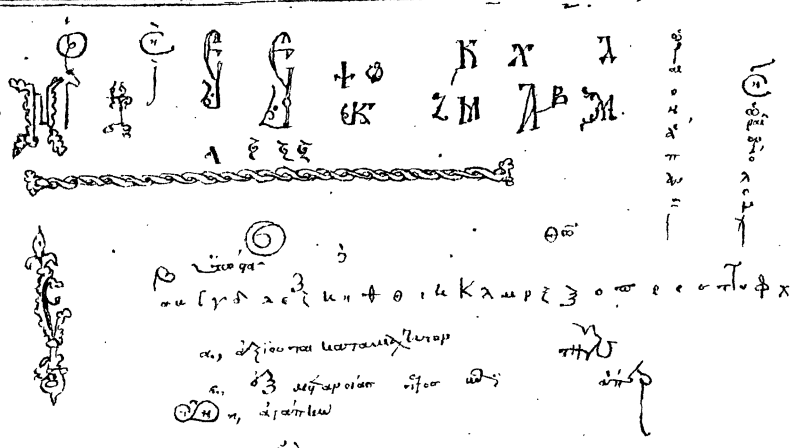

1292 г.

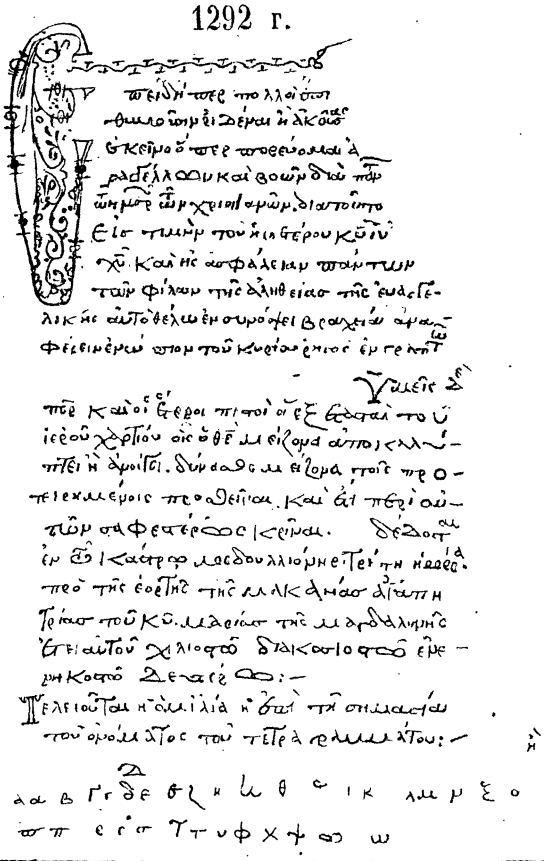

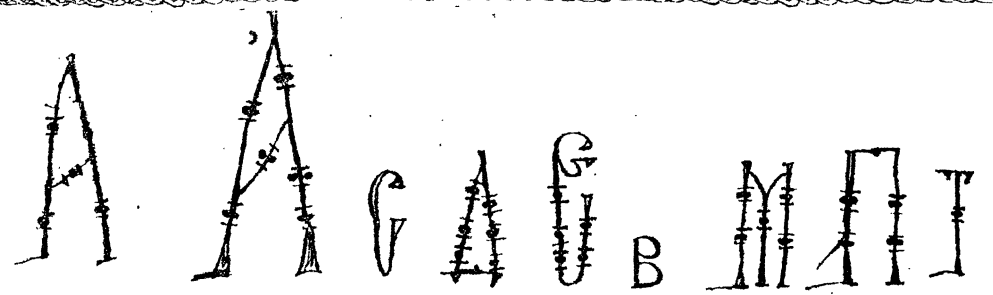

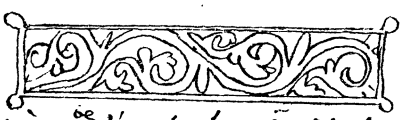

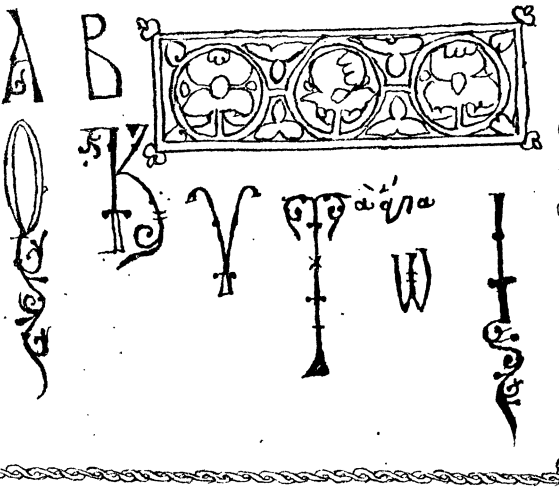

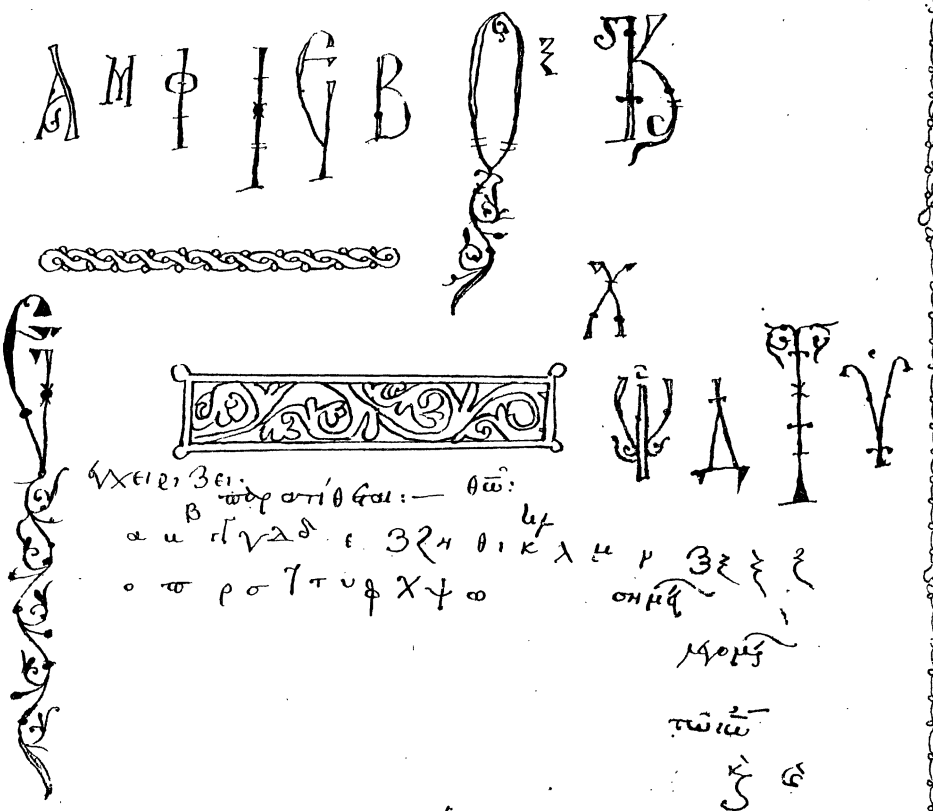

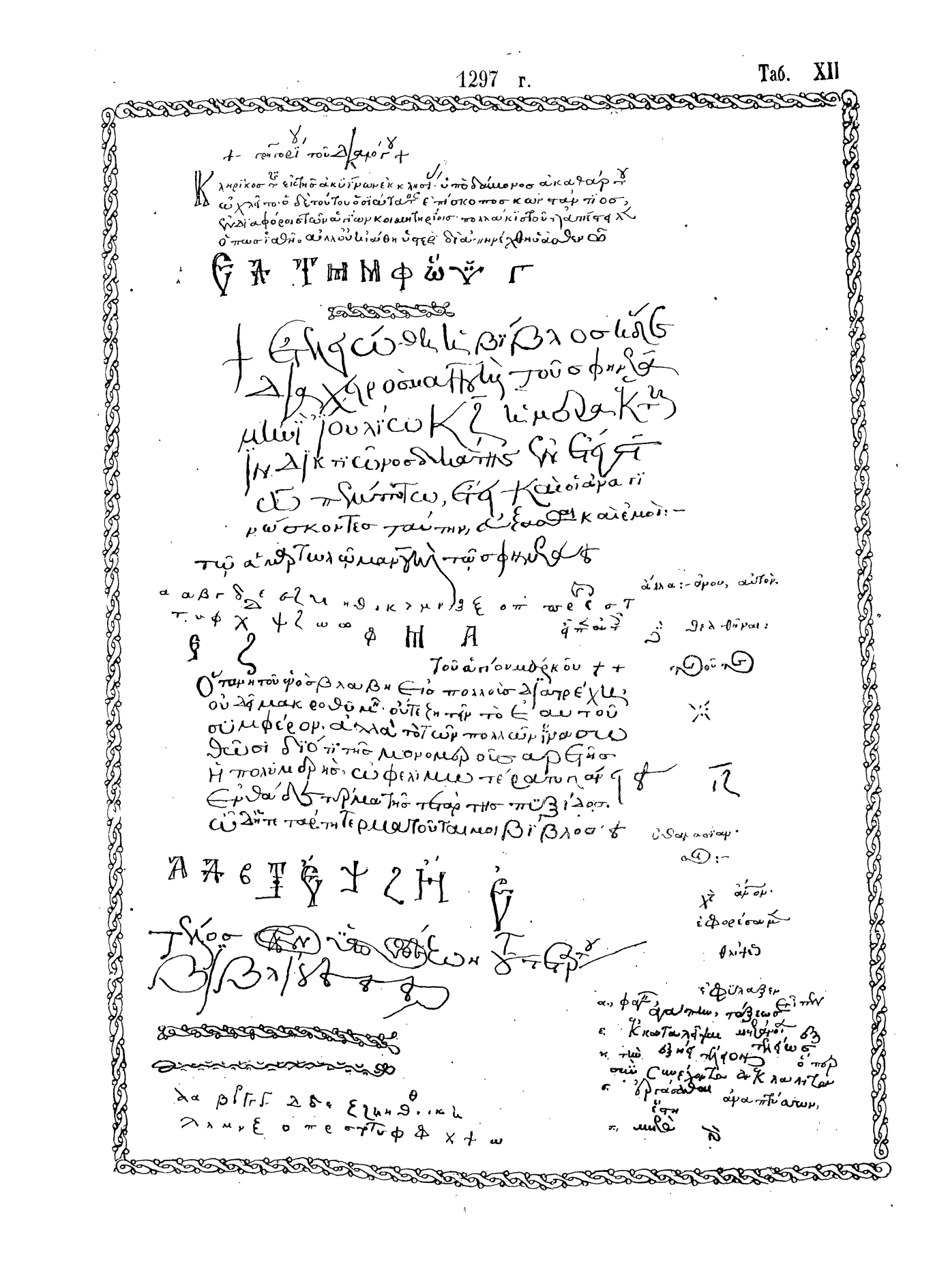

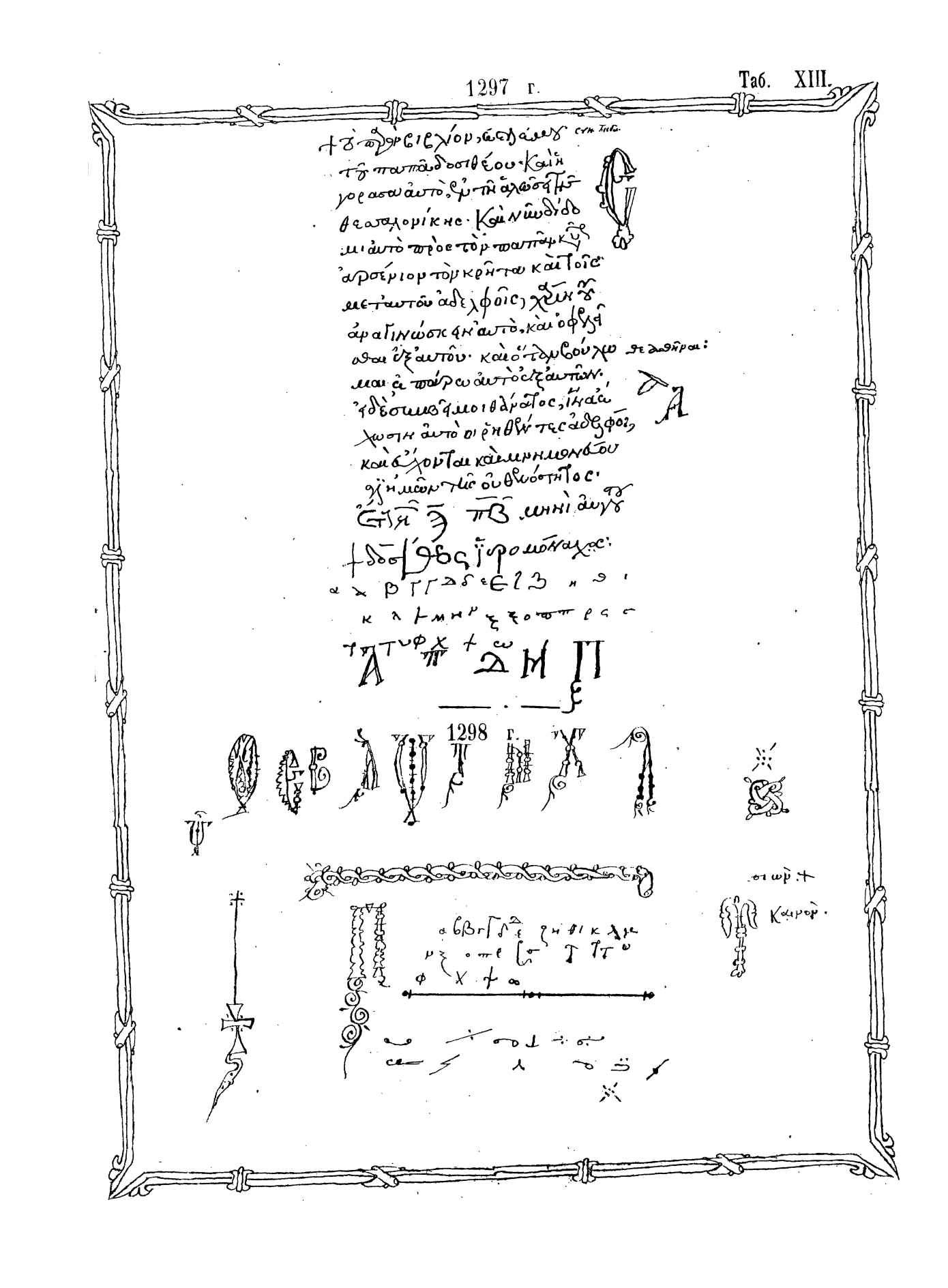

1298 г.



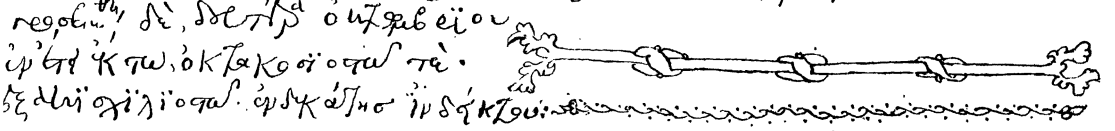

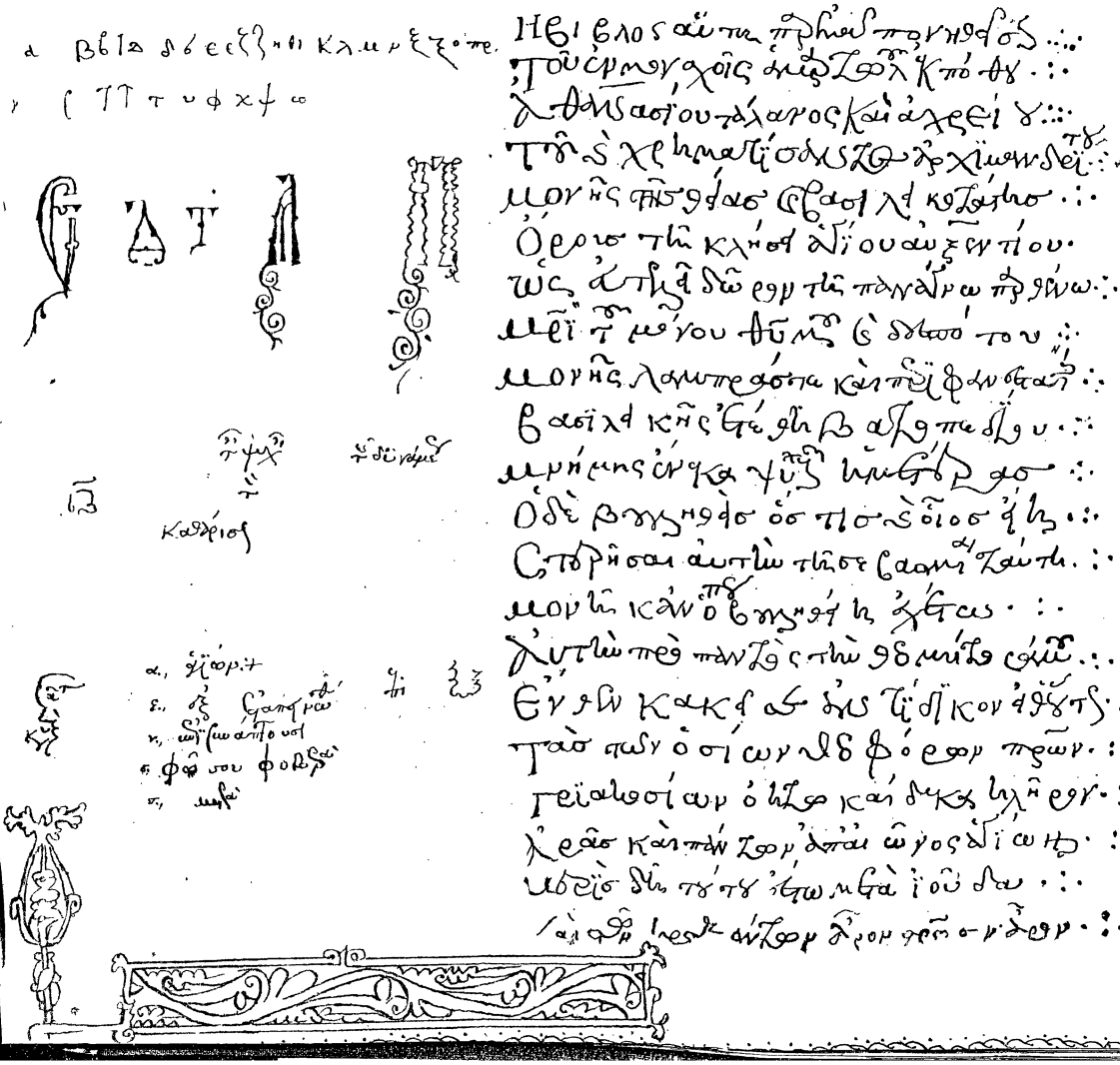



XIV вѣкъ.



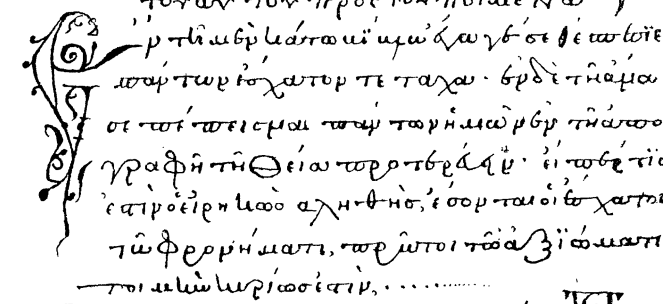



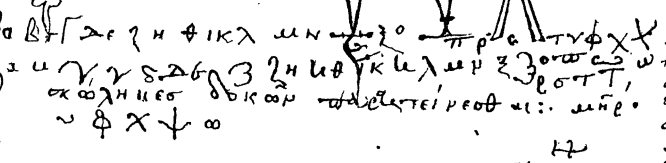

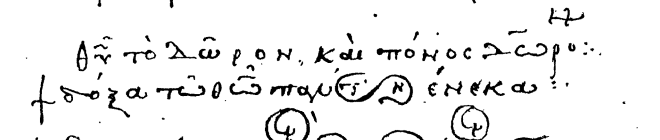

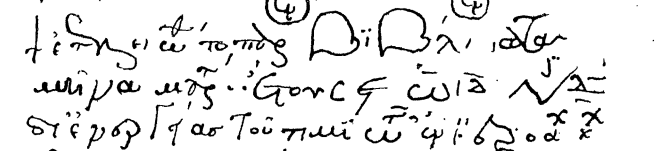

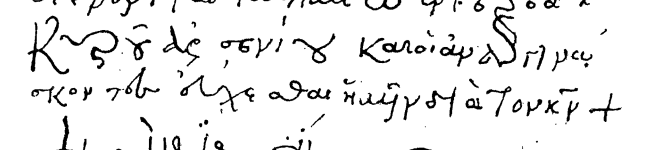

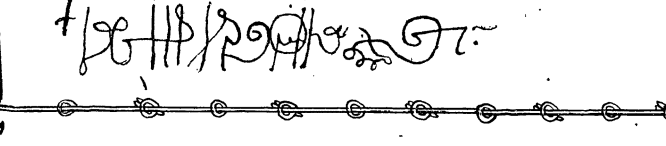

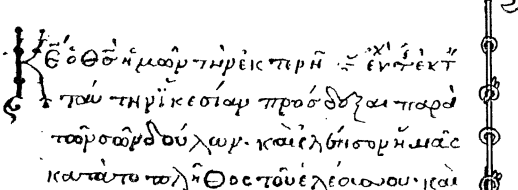

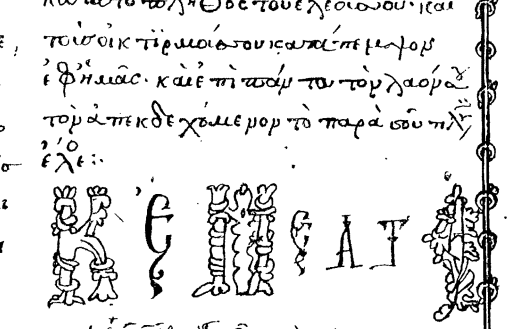

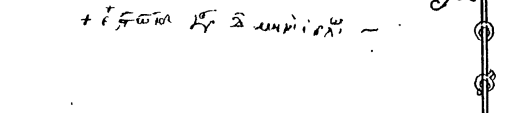

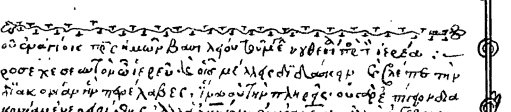

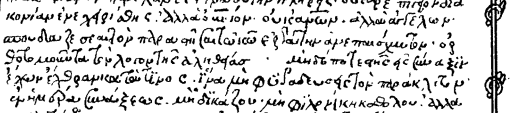

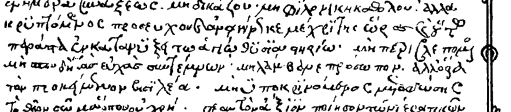

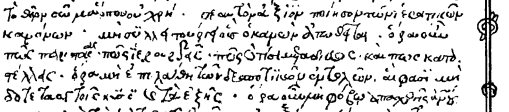

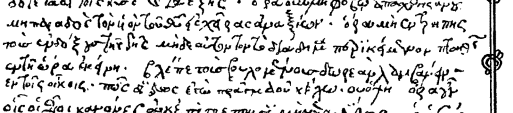

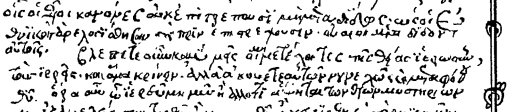

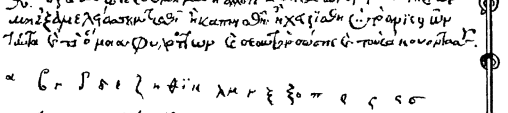

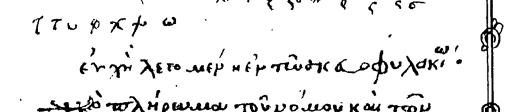

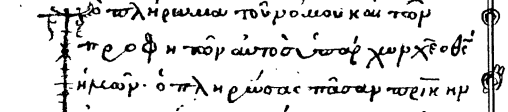

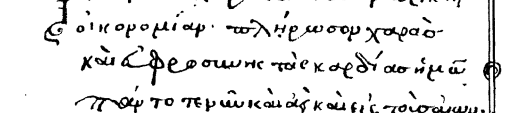

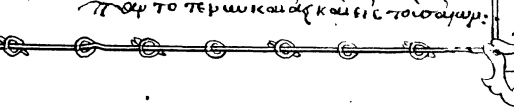

1320 г.

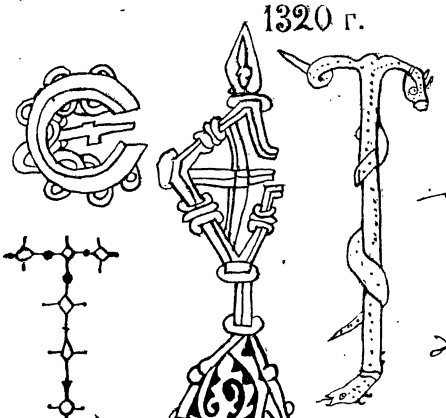

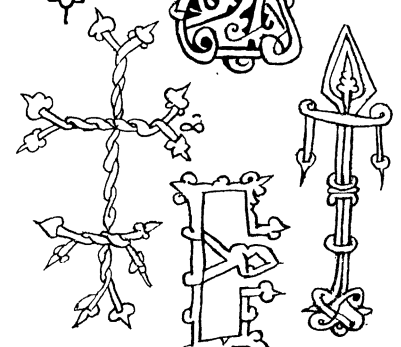

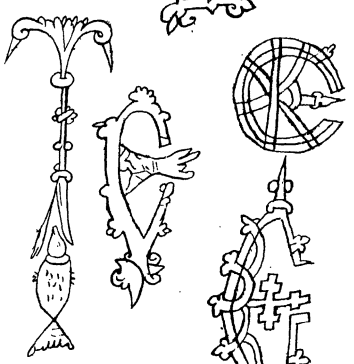

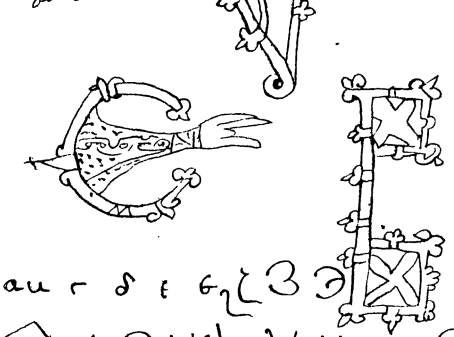

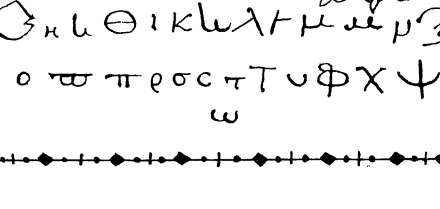





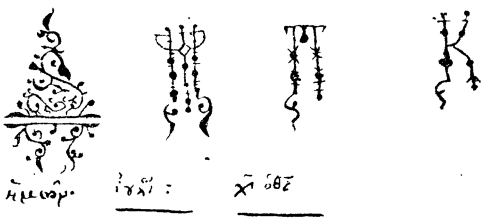

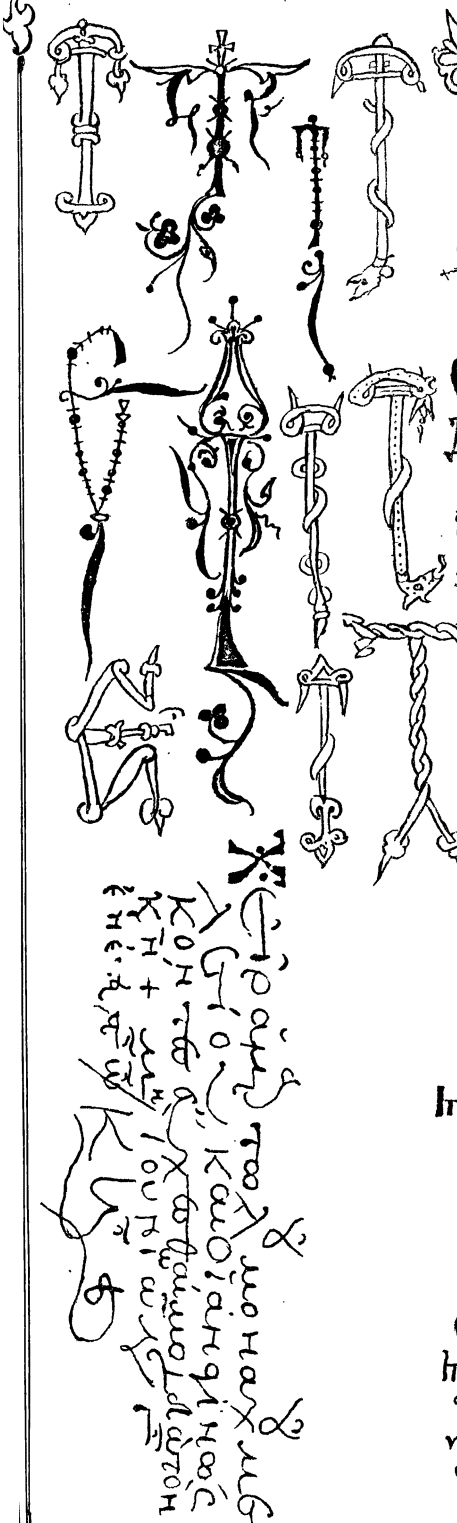

† ἈΡΤΩΦΗ ΚΑΘΗΜΕΡΙΝΩΝ
ΕΥΤΥΧΟΥΚΑ :

Δέομαι πρώσκεινού πάρχεται ὁ λό-
γος ἀρχήν ποιήσασθαι ἀπὸ τῆς μάτ-
θαιου : τὸ τε γὰρ καὶ ἡδονὴν μοι παρέχει
ὁ καλεῖται μερισμός :

ΕΚΤΗΣ ΚΑΤΑ ΛΟΥΚΑΝ :

καιρῶι ἐκείνωι ἤρξαντο πάντες ἀρ-
χιερεῖς καὶ γραμματεῖς πρὸς τὴν παρ-
ρησίαν ἣν ἐποίησεν ὁ ἰησοῦς καὶ
τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ καὶ περὶ πάν-
των ὧν ἐποίησεν ὁ κύριος ἐν
πάσηι τῆι περιχώρωι καὶ ἐπὶ τούτοις
ἐπέστησαν αὐτοῖς καὶ ἔθεντο εἰς τήρησιν
εἰς τὴν αὔριον ἦν γὰρ ἑσπέρα ἤδη
καὶ ἐπέθεντο ἐν τῶι μέσωι
τῆι φυλακῆι + ἐνέμεινε δὲ ἐν τῶι μα-
κρὰν ἡμέραν ἀπὸ πρωΐ ἕως ἑσπέρας
ἐν τῶι ἱερῶι διδάσκων τὸν λαὸν καὶ
εὐαγγελιζόμενος καὶ ἐπιστάντων
ἀρχιερέων καὶ γραμματέων σὺν τοῖς
πρεσβυτέροις ἐπῆλθον καὶ εἶπον πρὸς
αὐτὸν λέγοντες ἐν ποίαι ἐξουσίαι ταῦτα
ποιεῖς ἢ τίς ἐστιν ὁ δούς σοι τὴν ἐξουσίαν
ταύτην καὶ ἀποκριθεὶς εἶπεν πρὸς αὐτούς
ἐρωτήσω ὑμᾶς κἀγὼ λόγον καὶ εἴπατέ μοι
τὸ βάπτισμα ἰωάννου ἐξ οὐρανοῦ ἦν ἢ ἐξ
ἀνθρώπων οἱ δὲ συνελογίσαντο πρὸς
ἑαυτοὺς λέγοντες ὅτι ἐὰν εἴπωμεν
ἐξ οὐρανοῦ ἐρεῖ διὰ τί οὐκ ἐπιστεύσατε
αὐτῶι ἐὰν δὲ εἴπωμεν ἐξ ἀνθρώπων
πᾶς ὁ λαὸς καταλιθάσει ἡμᾶς πεπεισμένος
γάρ ἐστιν ἰωάννην προφήτην εἶναι
καὶ ἀπεκρίθησαν μὴ εἰδέναι πόθεν
καὶ ὁ ἰησοῦς εἶπεν πρὸς αὐτούς
οὐδὲ ἐγὼ λέγω ὑμῖν ἐν ποίαι ἐξουσίαι
ταῦτα ποιῶ ἤρξατο δὲ καὶ πρὸς τὸν
λαὸν λέγειν τὴν παραβολὴν ταύτην
ἄνθρωπός τις ἐφύτευσεν ἀμπελῶνα
καὶ ἐξέδετο αὐτὸν γεωργοῖς καὶ ἀπεδήμησεν
χρόνους ἱκανούς καὶ τῶι καιρῶι ἀπέστειλεν
πρὸς τοὺς γεωργοὺς δοῦλον ἵνα ἀπὸ τοῦ
καρποῦ τοῦ ἀμπελῶνος δώσουσιν αὐτῶι
οἱ δὲ γεωργοὶ δείραντες αὐτὸν ἐξαπέστειλαν
κενόν καὶ προσέθετο ἕτερον πέμψαι δοῦλον
οἱ δὲ κἀκεῖνον δείραντες καὶ ἀτιμάσαντες
ἐξαπέστειλαν κενόν καὶ προσέθετο τρίτον
πέμψαι οἱ δὲ καὶ τοῦτον τραυματίσαντες
ἐξέβαλον καὶ εἶπεν ὁ κύριος τοῦ ἀμπελῶνος
τί ποιήσω πέμψω τὸν υἱόν μου τὸν ἀγαπητόν
ἴσως τοῦτον ἐντραπήσονται ἰδόντες δὲ
αὐτὸν οἱ γεωργοὶ διελογίσαντο πρὸς
ἑαυτοὺς λέγοντες οὗτός ἐστιν ὁ κληρονό-
μος δεῦτε ἀποκτείνωμεν αὐτὸν ἵνα ἡμῶν
γένηται ἡ κληρονομία καὶ ἐκβαλόντες
αὐτὸν ἔξω τοῦ ἀμπελῶνος ἀπέκτειναν
τί οὖν ποιήσει αὐτοῖς ὁ κύριος τοῦ ἀμπελῶνος
ἐλεύσεται καὶ ἀπολέσει τοὺς γεωργοὺς
τούτους καὶ δώσει τὸν ἀμπελῶνα ἄλλοις
ταῦτα δὲ ἀκούσαντες εἶπαν μὴ γένοιτο
ὁ δὲ ἐμβλέψας αὐτοῖς εἶπεν τί οὖν ἐστιν
τὸ γεγραμμένον τοῦτο λίθον ὃν ἀπεδοκίμασαν
οἱ οἰκοδομοῦντες οὗτος ἐγενήθη εἰς κεφαλὴν
γωνίας πᾶς ὁ πεσὼν ἐπὶ τὸν λίθον ἐκεῖνον
συνθλασθήσεται ἐφ' ὃν δ' ἂν πέσηι λικμήσει
αὐτὸν καὶ ἐζήτουν οἱ γραμματεῖς καὶ οἱ
ἀρχιερεῖς ἐπιβαλεῖν ἐπ' αὐτὸν τὰς χεῖρας
ἐν αὐτῆι τῆι ὥρᾳ καὶ ἐφοβήθησαν τὸν λαόν
ἔγνωσαν γὰρ ὅτι πρὸς αὐτοὺς τὴν παραβολὴν
ταύτην εἶπεν καὶ παρατηρήσαντες
ἀπέστειλαν ἐγκαθέτους ὑποκρινομένους
ἑαυτοὺς δικαίους εἶναι ἵνα ἐπιλάβωνται
αὐτοῦ λόγου ὥστε παραδοῦναι αὐτὸν τῆι
ἀρχῆι καὶ τῆι ἐξουσίαι τοῦ ἡγεμόνος
καὶ ἐπηρώτησαν αὐτὸν λέγοντες
διδάσκαλε οἴδαμεν ὅτι ὀρθῶς λέγεις
καὶ διδάσκεις καὶ οὐ λαμβάνεις πρόσωπον
ἀλλ' ἐπ' ἀληθείας τὴν ὁδὸν τοῦ θεοῦ
διδάσκεις ἔξεστιν κῆνσον καίσαρι δοῦναι
ἢ οὔ κατανοήσας δὲ αὐτῶν τὴν πανουργίαν
εἶπεν πρὸς αὐτούς τί με πειράζετε
ἐπιδείξατέ μοι δηνάριον τίνος ἔχει
εἰκόνα καὶ ἐπιγραφήν ἀποκριθέντες
δὲ εἶπαν καίσαρος ὁ δὲ εἶπεν πρὸς αὐτούς
τοίνυν ἀπόδοτε τὰ καίσαρος καίσαρι
καὶ τὰ τοῦ θεοῦ τῶι θεῶι καὶ οὐκ ἴσχυσαν
ἐπιλάβεσθαι αὐτοῦ ῥήματος ἐναντίον
τοῦ λαοῦ καὶ θαυμάσαντες ἐπὶ τῆι
ἀποκρίσει αὐτοῦ ἐσίγησαν προσελθόντες
δέ τινες τῶν σαδδουκαίων οἱ λέγοντες
μὴ εἶναι ἀνάστασιν ἐπηρώτησαν αὐτὸν
λέγοντες διδάσκαλε μωσῆς ἔγραψεν ἡμῖν
ἐάν τινος ἀδελφὸς ἀποθάνηι ἔχων γυναῖκα
καὶ οὗτος ἄτεκνος ἀποθάνηι ἵνα λάβηι ὁ
ἀδελφὸς αὐτοῦ τὴν γυναῖκα καὶ ἐξαναστήσηι
σπέρμα τῶι ἀδελφῶι αὐτοῦ ἑπτὰ οὖν ἀδελφοὶ
ἦσαν καὶ ὁ πρῶτος λαβὼν γυναῖκα ἀπέθανεν
ἄτεκνος καὶ ὁ δεύτερος καὶ ὁ τρίτος
ἔλαβεν αὐτήν ὡσαύτως δὲ καὶ οἱ ἑπτὰ
οὐ κατέλιπον σπέρμα καὶ ἀπέθανον
ὕστερον πασῶν καὶ ἡ γυνὴ ἀπέθανεν
ἐν τῆι ἀναστάσει οὖν τίνος αὐτῶν
γίνεται γυνή οἱ γὰρ ἑπτὰ ἔσχον αὐτὴν
γυναῖκα καὶ ἀποκριθεὶς ὁ ἰησοῦς εἶπεν
πρὸς αὐτούς οἱ υἱοὶ τοῦ αἰῶνος τούτου
γαμοῦσιν καὶ γαμίσκονται οἱ δὲ καταξιω-
θέντες τοῦ αἰῶνος ἐκείνου τυχεῖν καὶ
τῆς ἀναστάσεως τῆς ἐκ νεκρῶν οὔτε
γαμοῦσιν οὔτε γαμίσκονται οὐδὲ γὰρ
ἀποθανεῖν ἔτι δύνανται ἰσάγγελοι γάρ
εἰσιν καὶ υἱοί εἰσιν τοῦ θεοῦ τῆς ἀναστάσεως
υἱοὶ ὄντες ὅτι δὲ ἐγείρονται οἱ νεκροὶ
καὶ μωσῆς ἐμήνυσεν ἐπὶ τῆς βάτου
ὡς λέγει κύριον τὸν θεὸν ἀβραὰμ καὶ θεὸν
ἰσαὰκ καὶ θεὸν ἰακώβ θεὸς δὲ οὐκ ἔστιν
νεκρῶν ἀλλὰ ζώντων πάντες γὰρ αὐτῶι
ζῶσιν ἀποκριθέντες δέ τινες τῶν γραμ-
ματέων εἶπαν διδάσκαλε καλῶς εἶπας
οὐκέτι γὰρ ἐτόλμων αὐτὸν οὐδὲν ἐπερω-
τῆσαι ἔξεστιν δαυὶδ λέγειν τὸν χριστὸν
υἱὸν εἶναι αὐτοῦ καὶ αὐτὸς δαυὶδ λέγει
ἐν βίβλωι ψαλμῶν εἶπεν κύριος τῶι κυρίωι
μου κάθου ἐκ δεξιῶν μου ἕως ἂν θῶ τοὺς
ἐχθρούς σου ὑποπόδιον τῶν ποδῶν σου
ἀκούοντος δὲ παντὸς τοῦ λαοῦ εἶπεν
τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ προσέχετε ἀπὸ τῶν
γραμματέων τῶν θελόντων περιπατεῖν
ἐν στολαῖς καὶ φιλούντων ἀσπασμοὺς
ἐν ταῖς ἀγοραῖς καὶ πρωτοκαθεδρίας
ἐν ταῖς συναγωγαῖς καὶ πρωτοκλισίας
ἐν τοῖς δείπνοις οἱ κατεσθίοντες τὰς οἰ-
κίας τῶν χηρῶν καὶ προφάσει μακρὰ
προσευχόμενοι οὗτοι λήμψονται περισσότερον
κρίμα

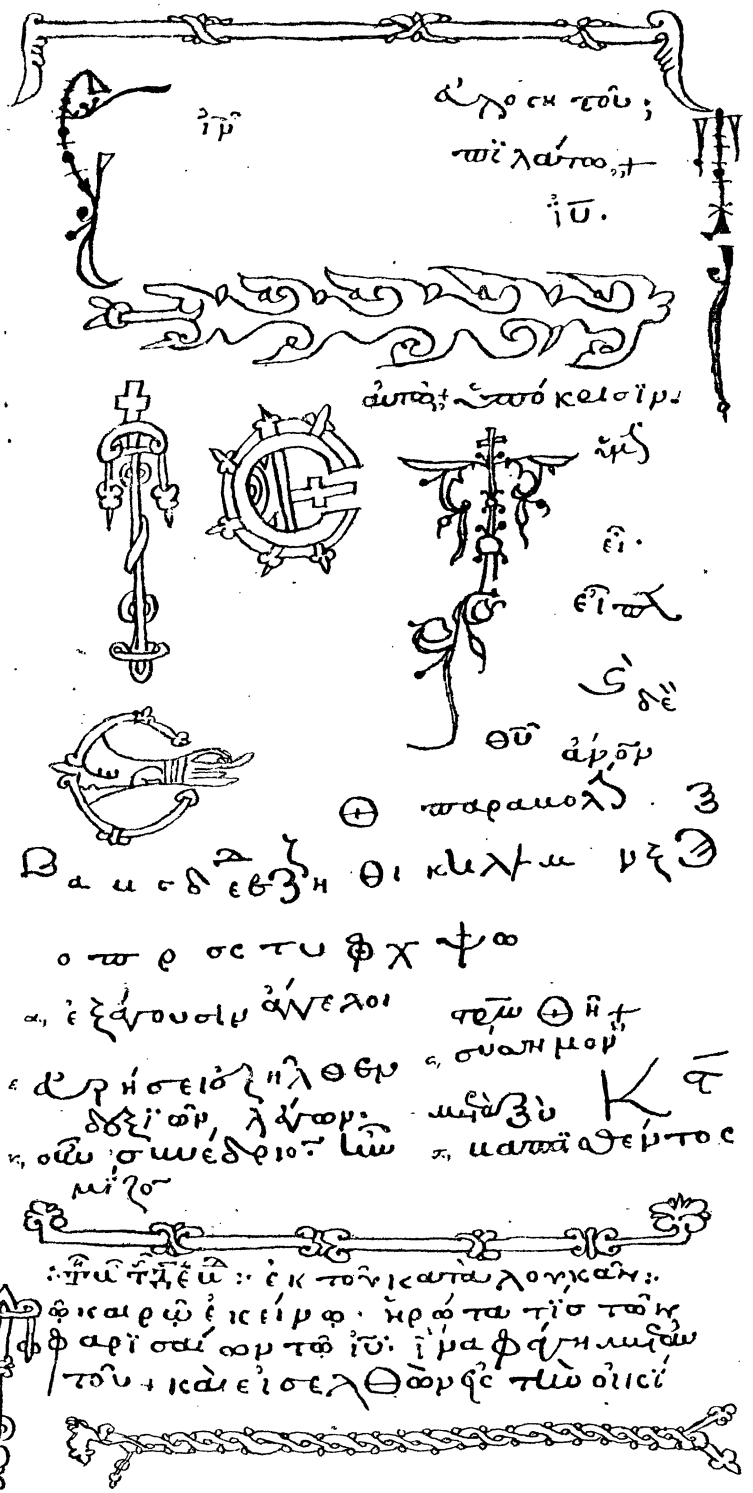

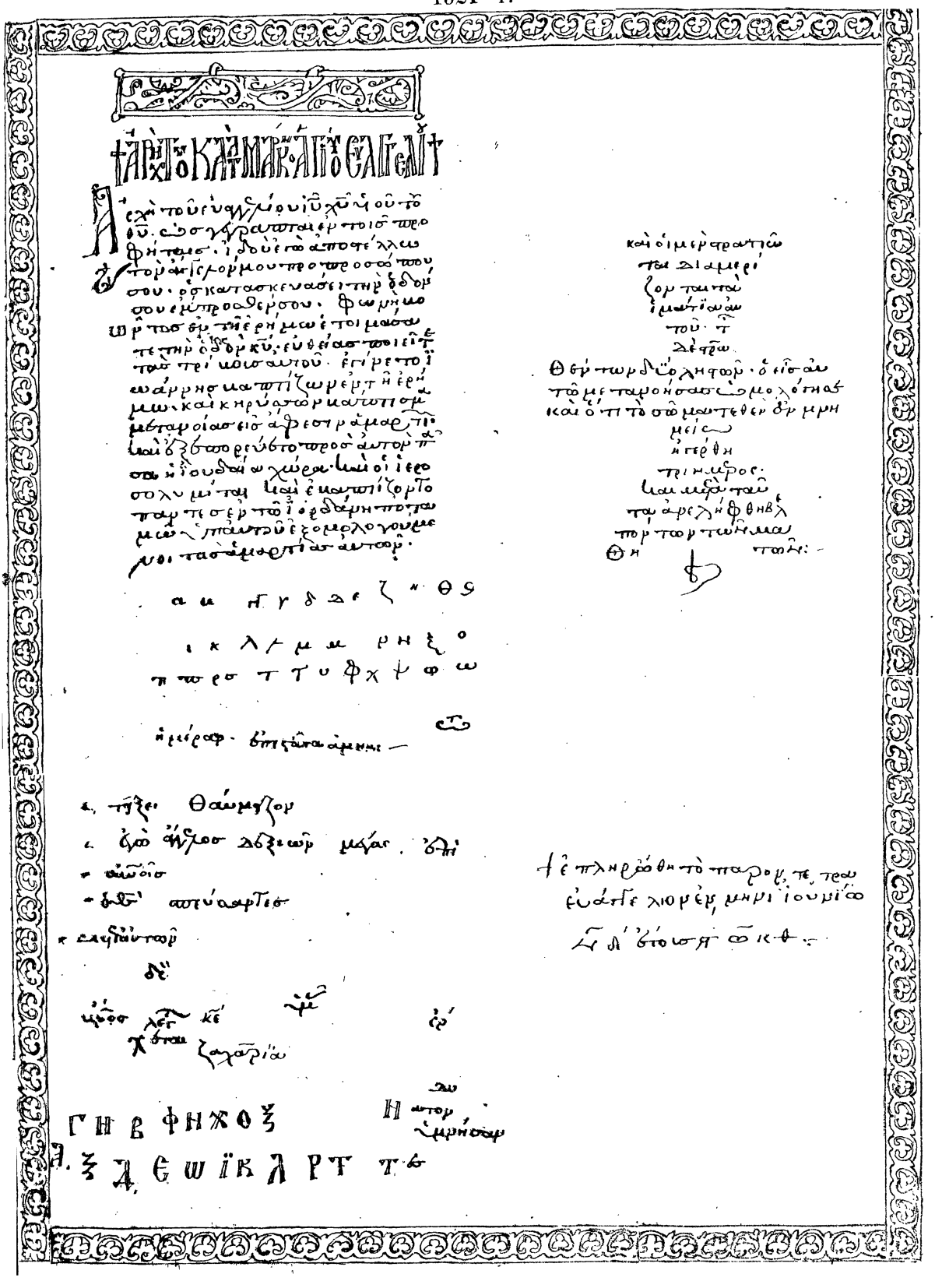

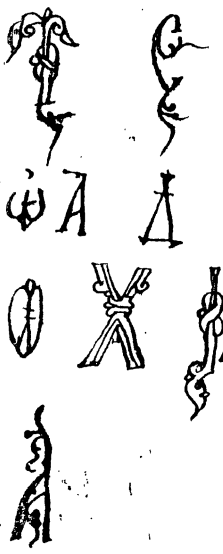

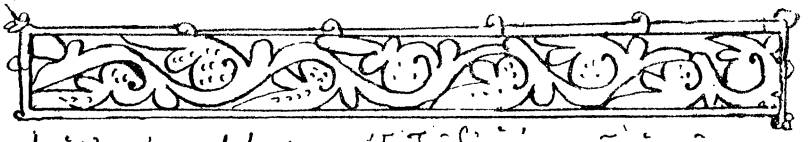

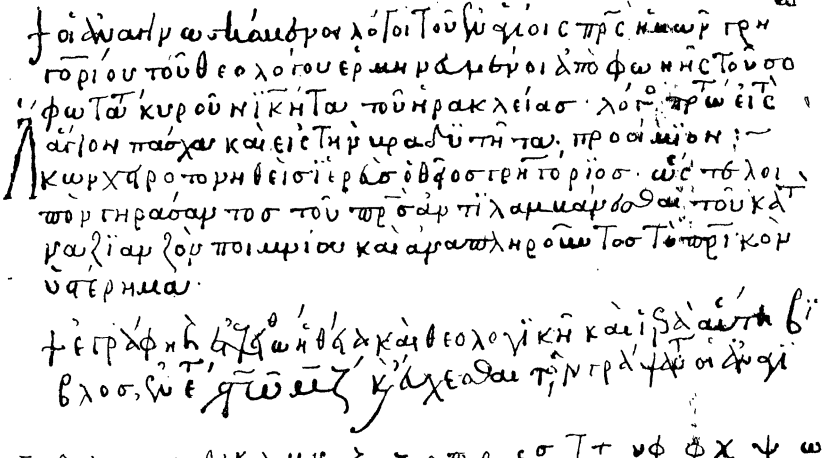

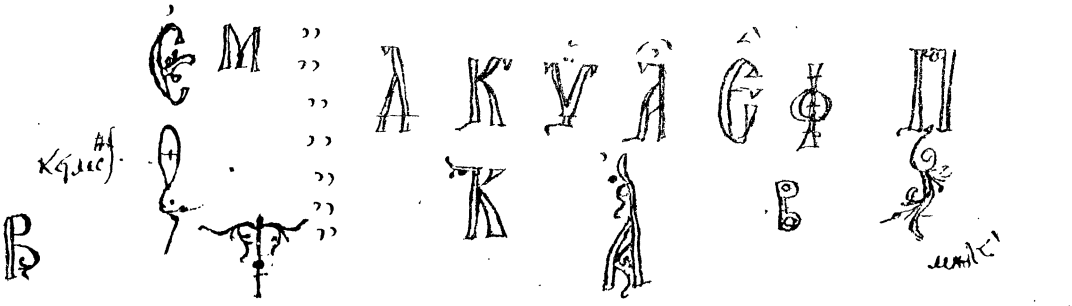

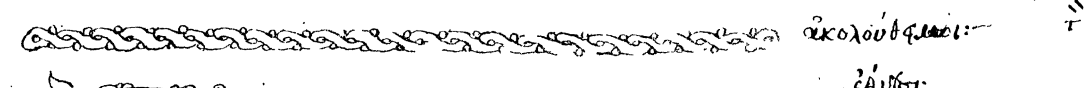





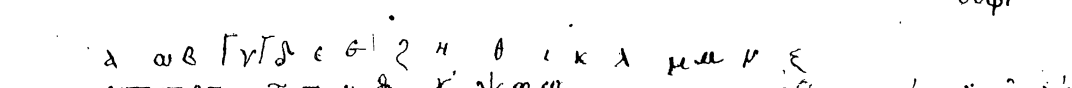

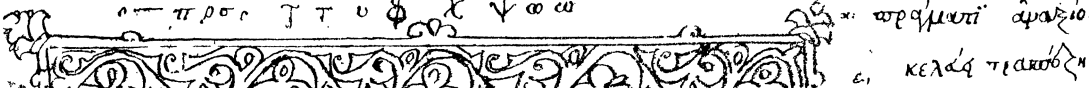

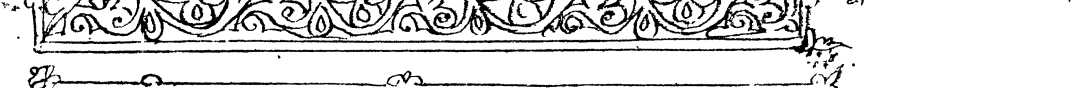



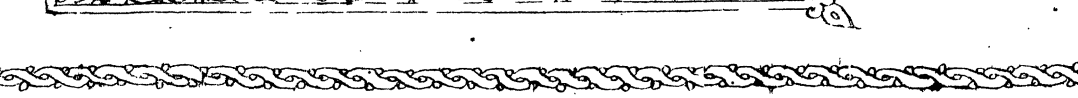

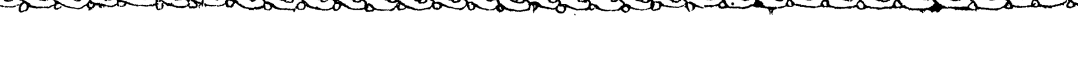

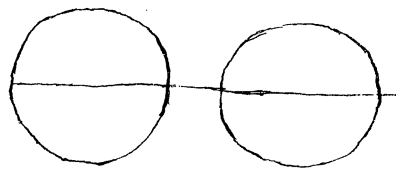

1340 г.

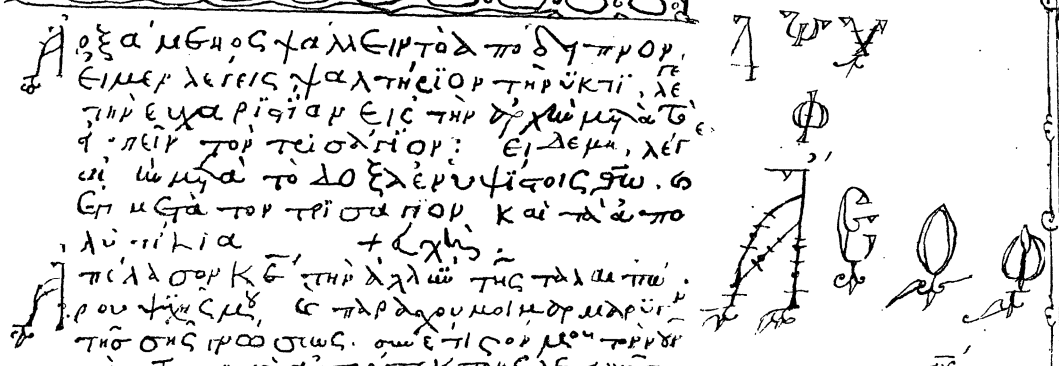

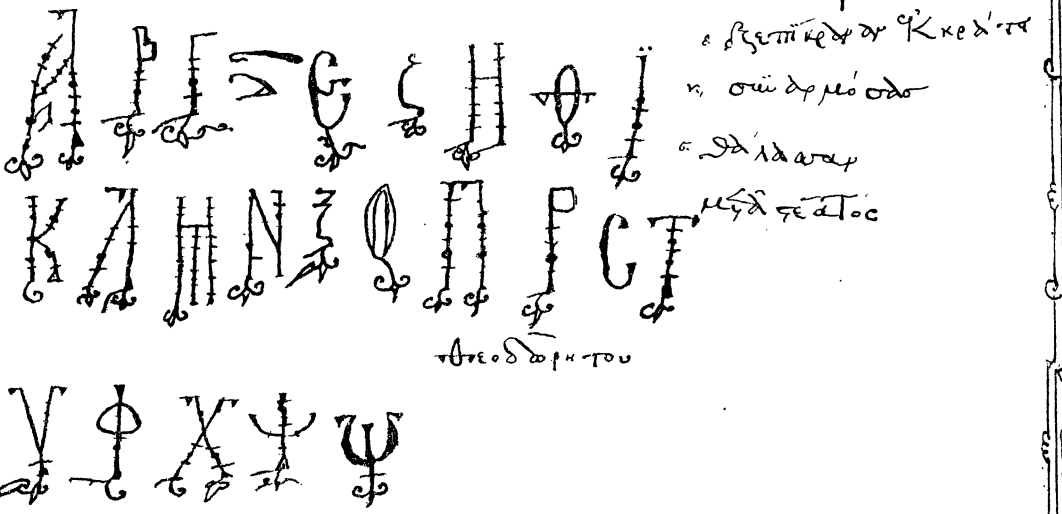

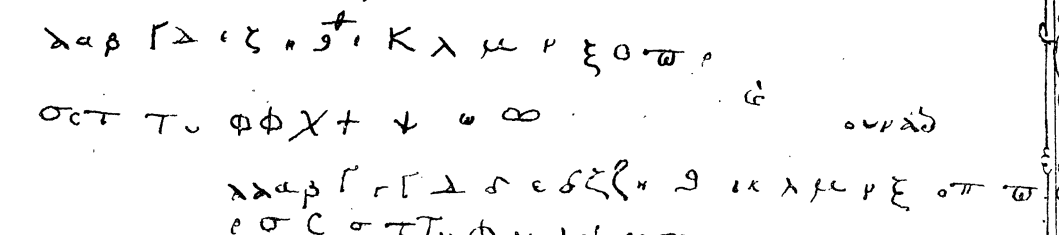

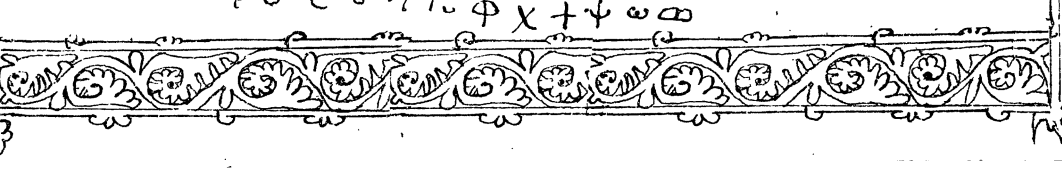

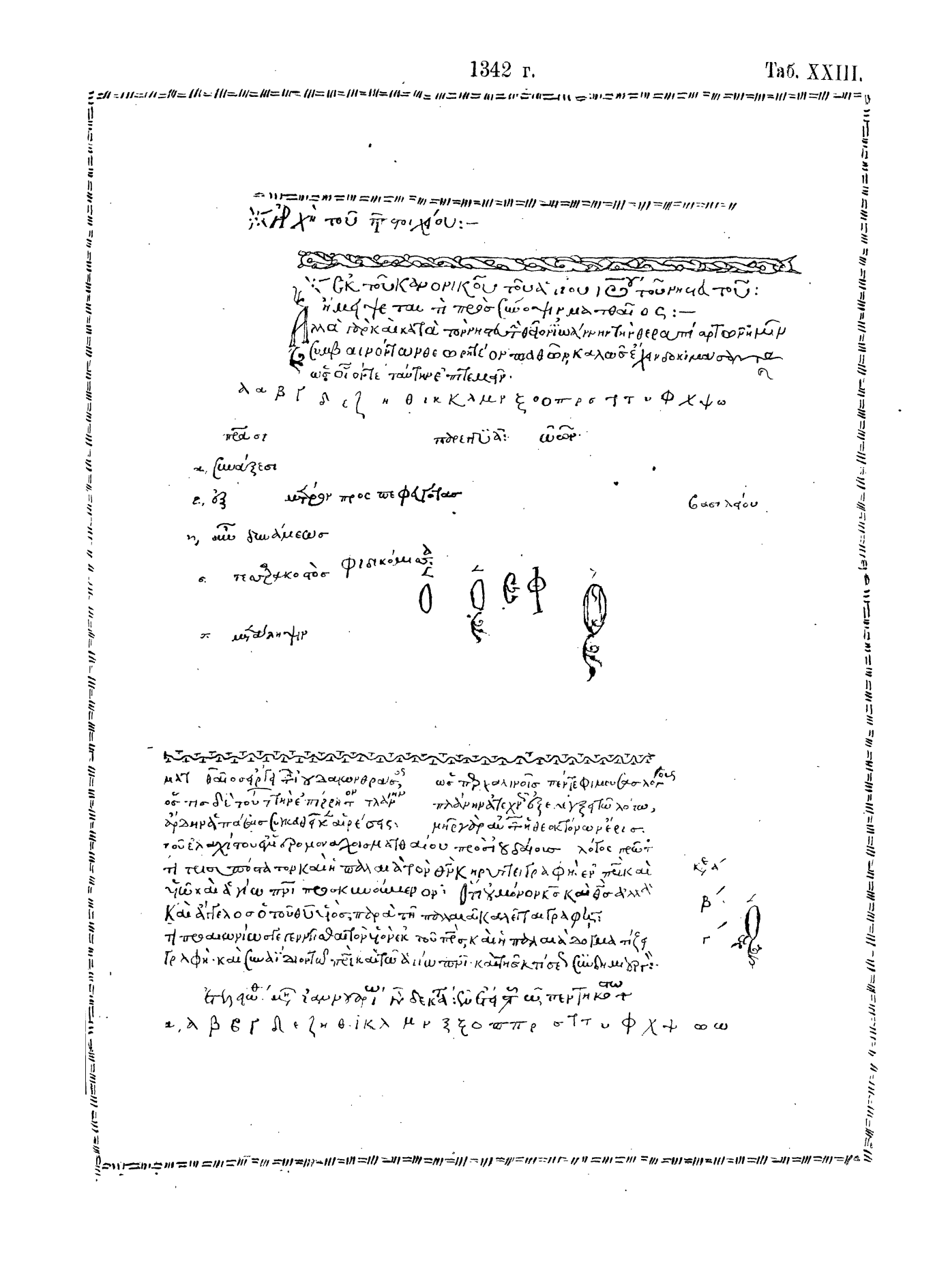

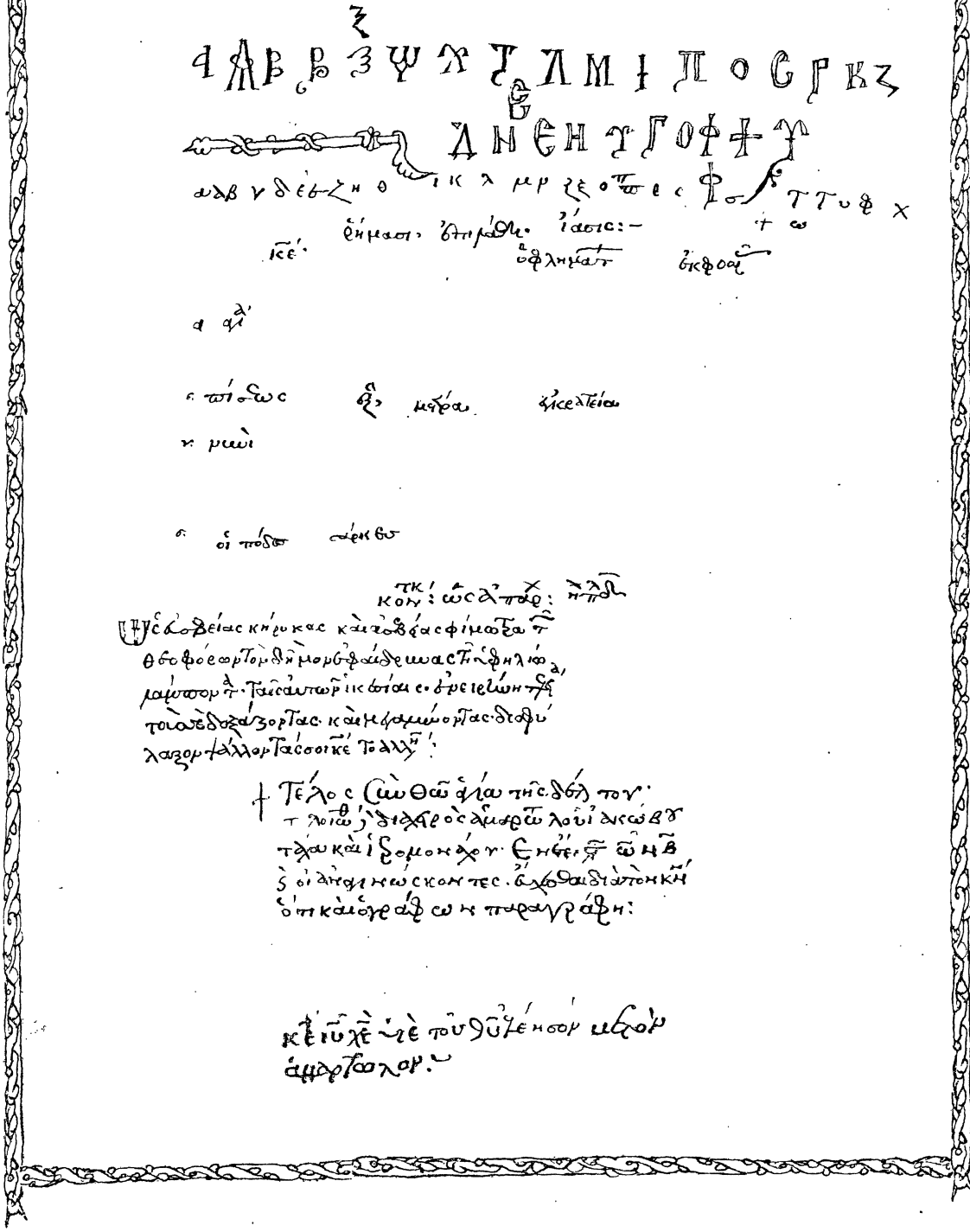

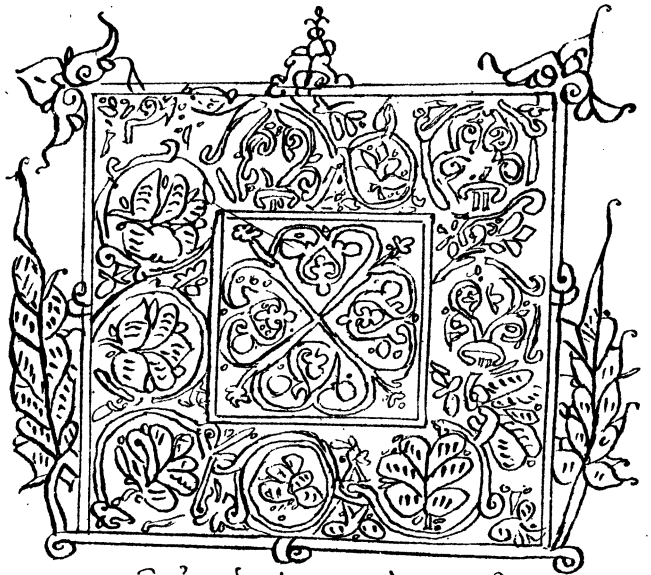

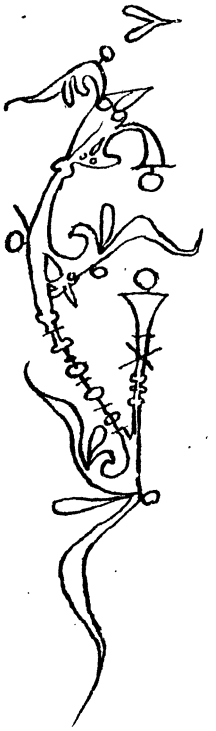

τοῦ ἐν ἁγίοις πρὸς ἡμῶν
Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπ
ου Κωνσταντινουπόλεως,
τοῦ χρυσοστόμου. περὶ
ἀκτημοσύνης, ἀπόστολος,
τοῦ ἐπισκόπου λόγος περὶ:

τούτου. ὁ τοιμήν οὖν καὶ
ρου. καὶ τῶν ρημάτων, ἐγράφη ἐτει τῶν πρὸ ἀβραάμ:
μὲ ἀπόσης τῆς ἀληθείας
βηκθ. τοῦ τοιμβίος αβιυγδεϛζζηηθι
ὃ τοῦτο τὸ καπόρθωμα,
τὸ μὴ μόρμ παρόμ τος κλμμνξοωρ
λὰ καὶ ἀπόμ τος παρὰ
δοι δὲ κῦσθαι ὁ μὴ ταὶ
τοιμβίας. ὁ τοιμβήγαρ στυφχ
κοῦ, ἀφ' ἡ τῶν πρόμ
ρ ∞



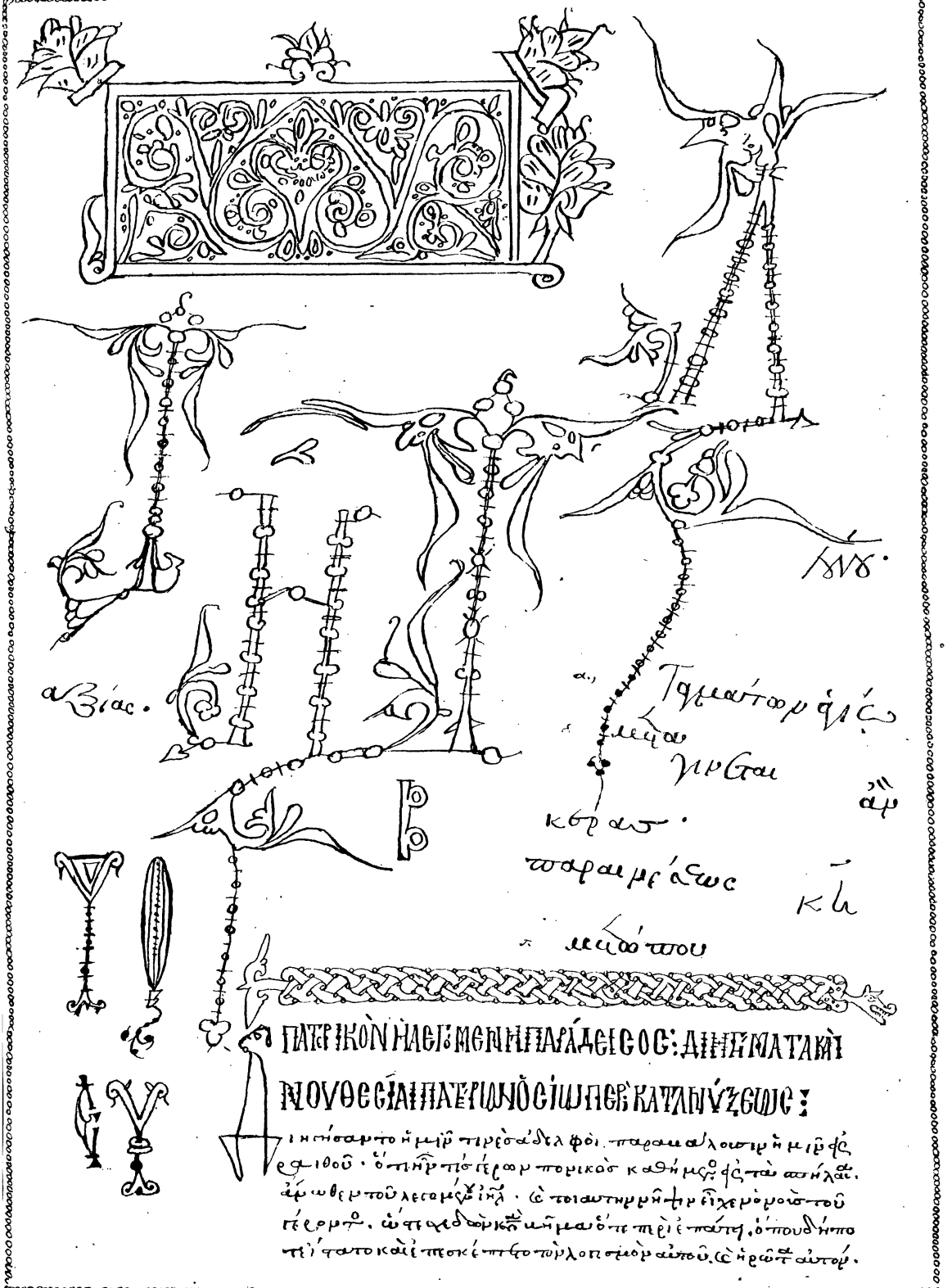
ΠΑΤΡΙΚΟΝ ΗΔΕΙΣΜΕΝΗΠΑΡΑΔΕΙΓΟΣ ΔΙΗΓΗΜΑΤΑΚΑΙ
ΝΟΥΘΕΣΙΑΠΑΤΕΡΙΩΝΟΣΙΩΝΠΕΡΙΚΑΤΑΛΗΨΕΩΣ

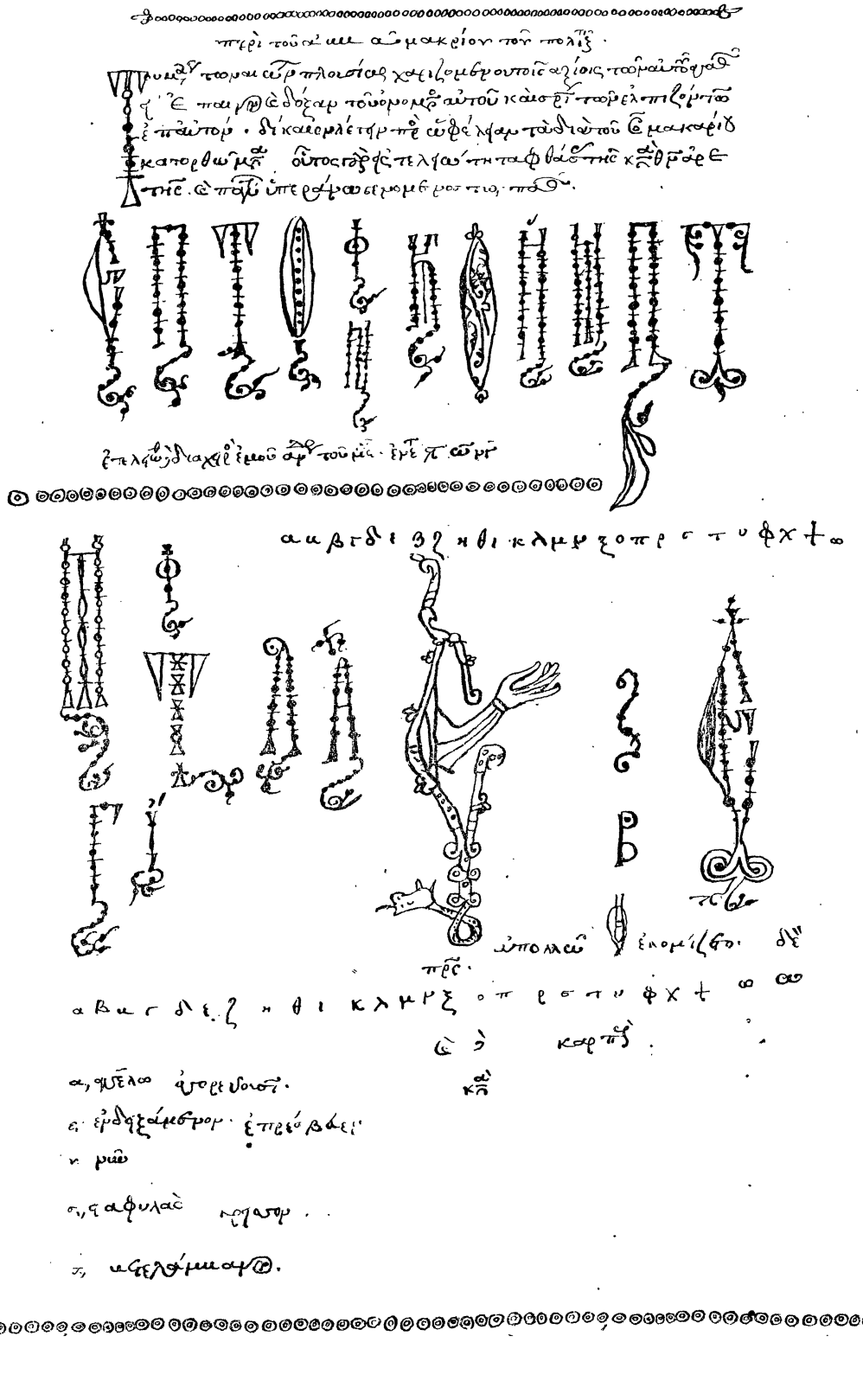

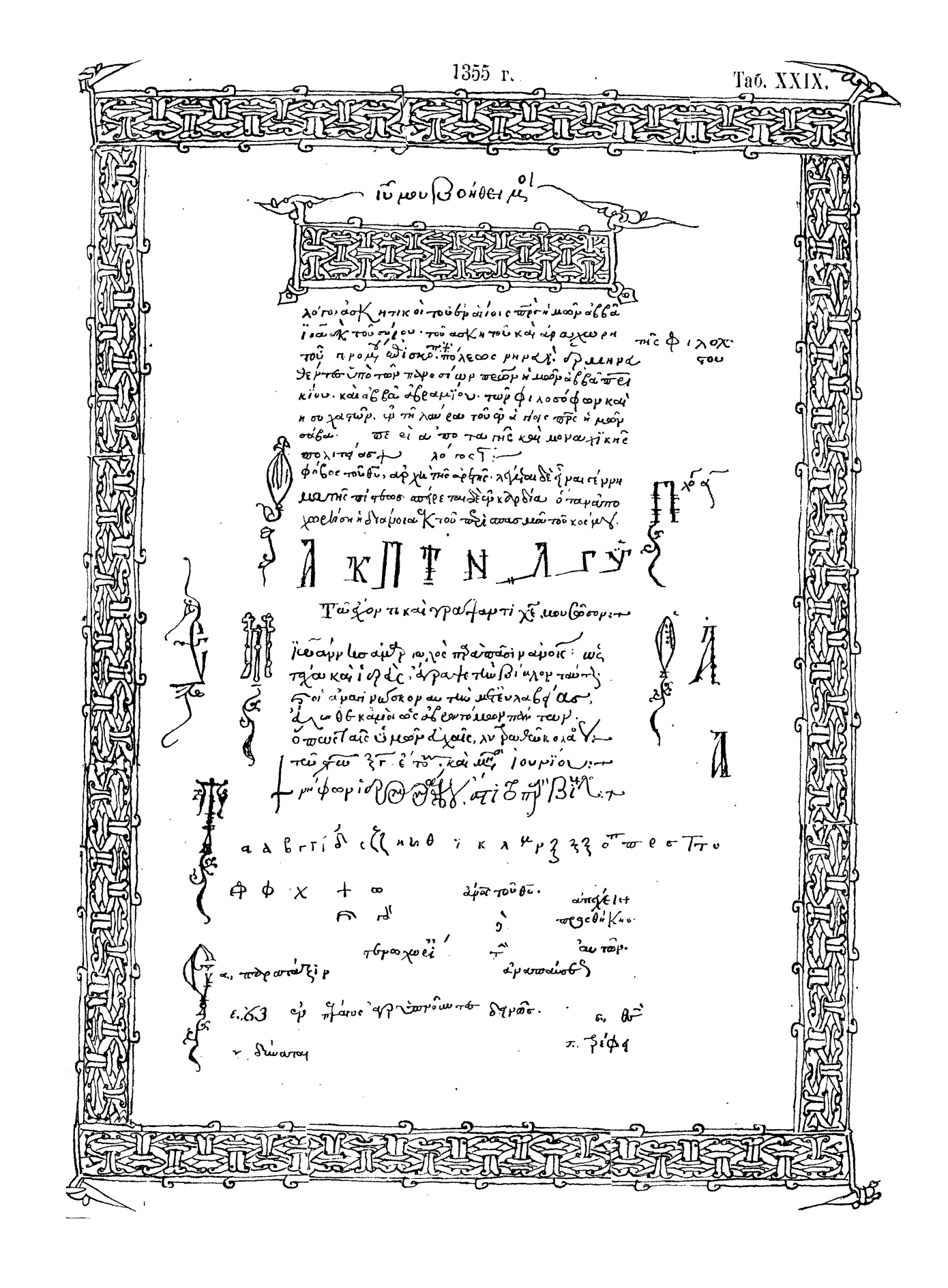

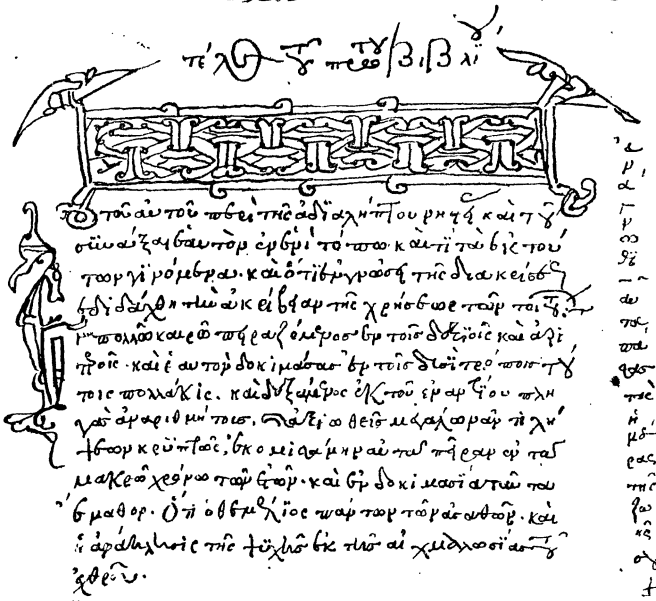

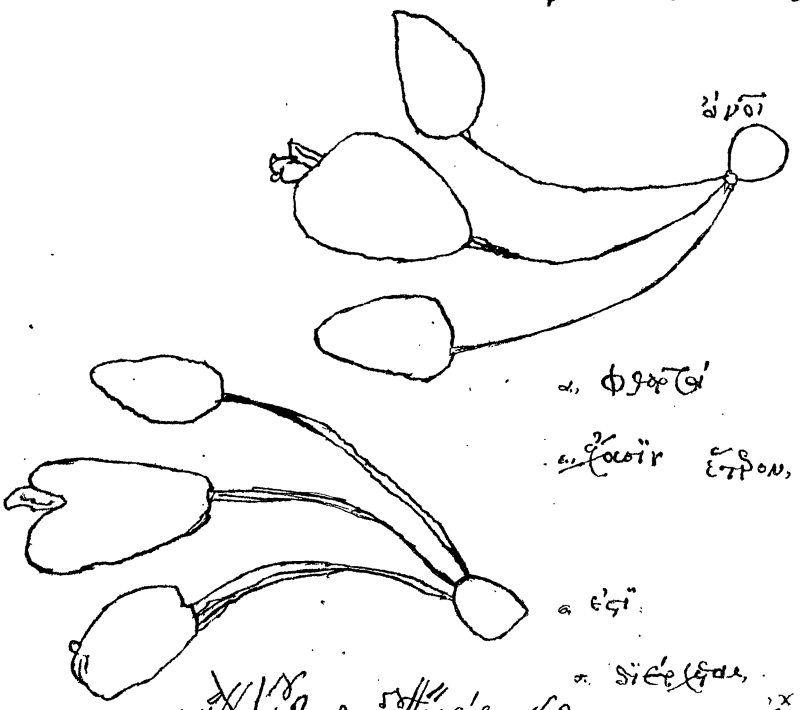

1375 г.

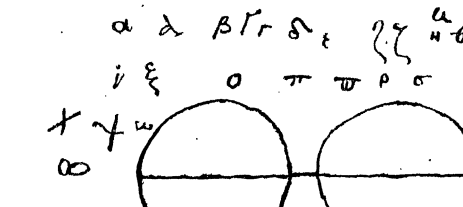

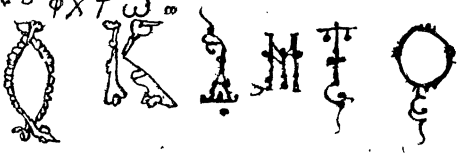

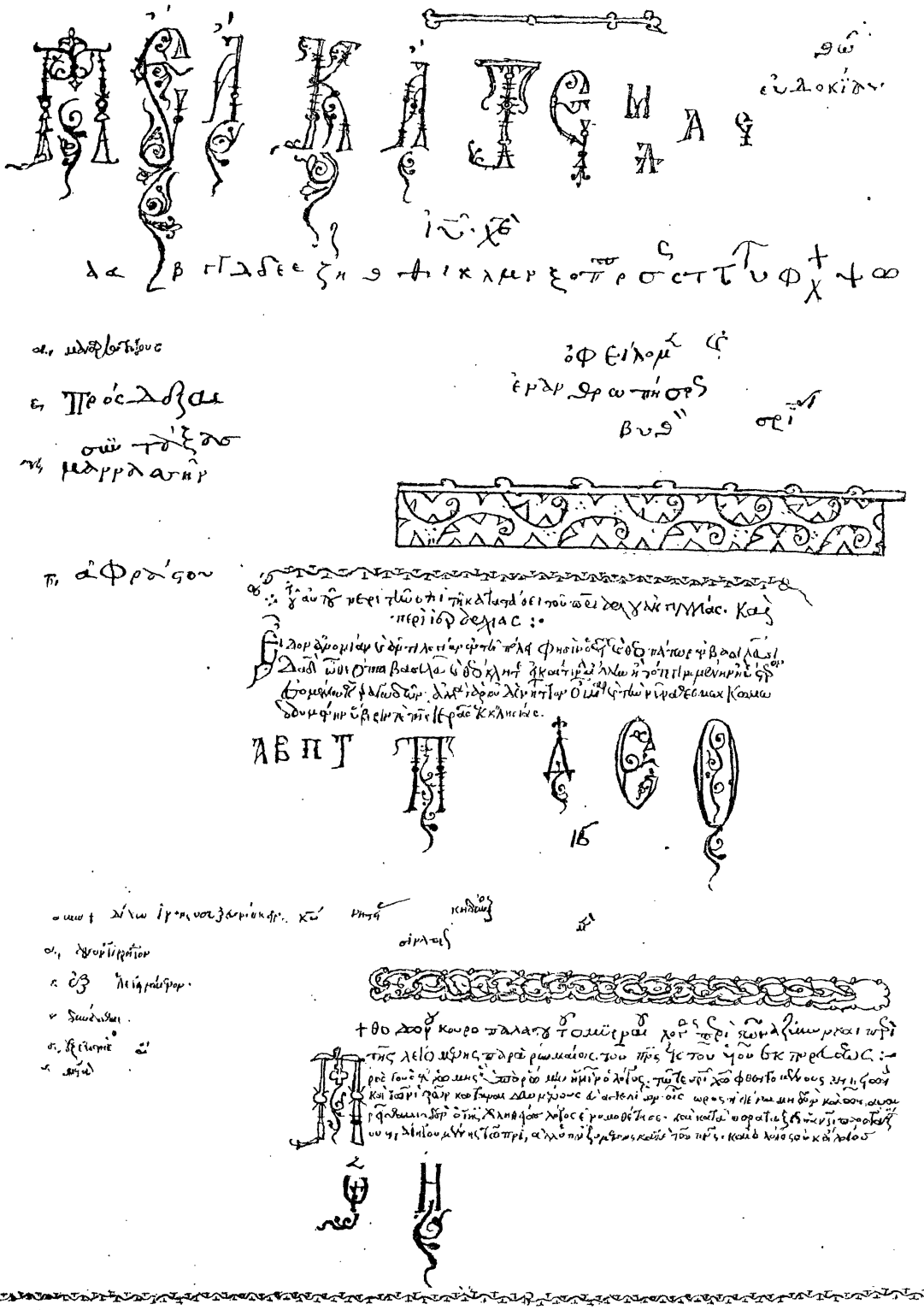

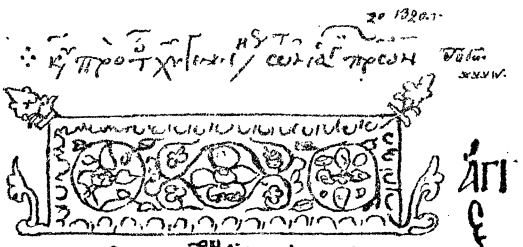

ΚΩΟΝΣΤΑΝΤΙΝΟΣ ΗΑΠΑΒΑΣΗΣ



1450 г.

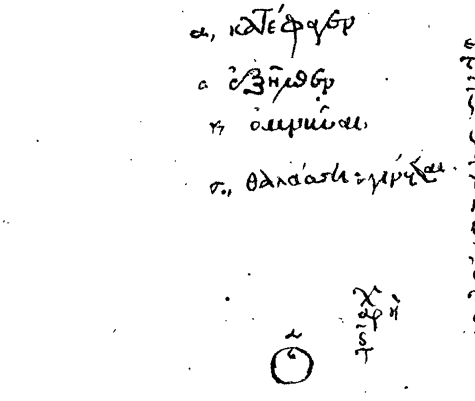

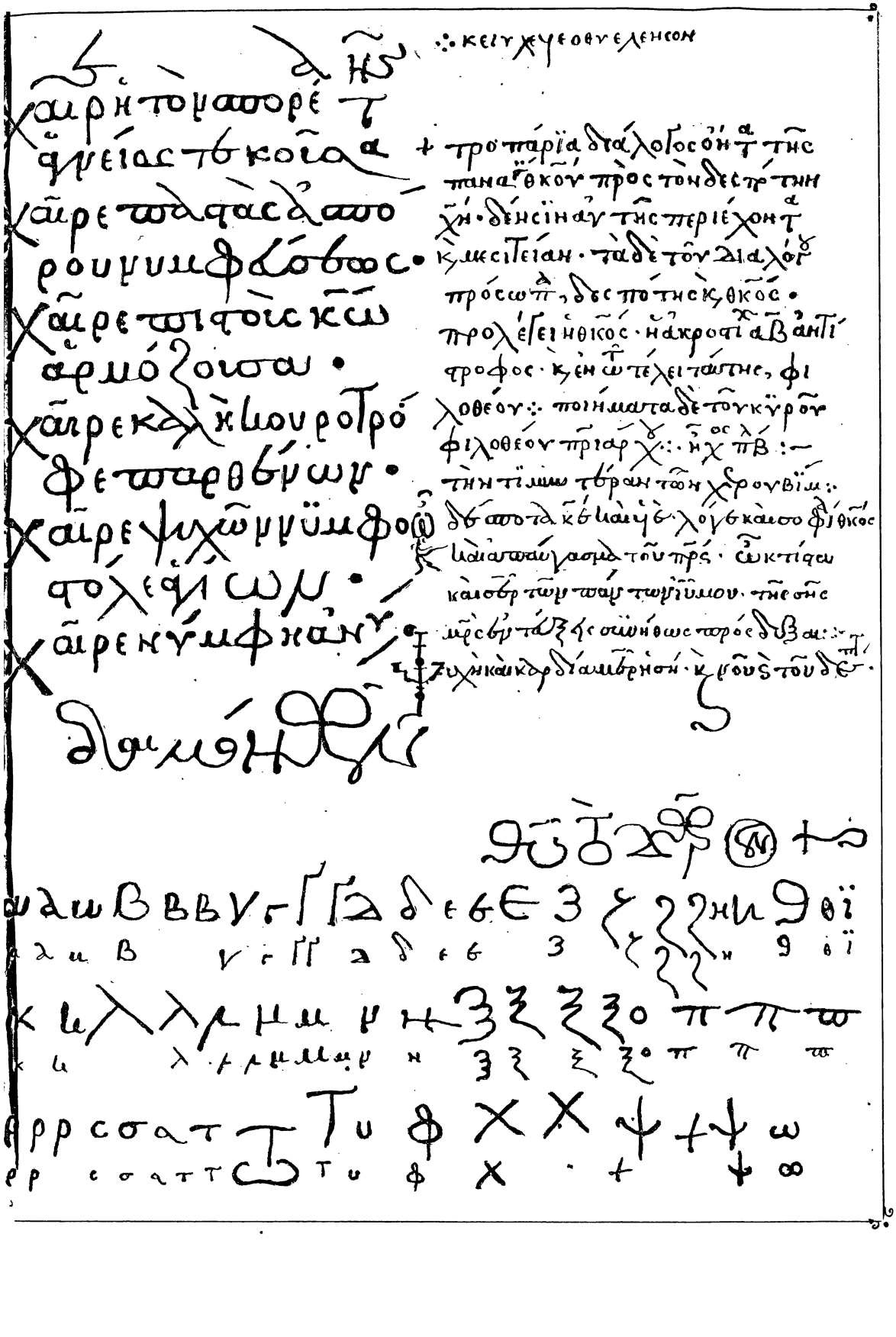

ПАЛЕОГРАФИЧЕСКОЕ ОПИСАНІЕ

ГРЕЧЕСКИХЪ РУКОПИСЕЙ XV—XVII В.

ОПРЕДѢЛЕННЫХЪ ЛѢТЪ

СЪ 22-Ю ТАБЛИЦАМИ СНИМКОВЪ, ВЪ ДВѢ КРАСКИ.

ТОМЪ IV.

ТРУДЪ АРХИМАНДРИТА АМФИЛОХІЯ.

МОСКВА.
Типографія бывш. А. В. Кудрявцевой, Мясницкая, Кривое колѣно, д. Сытова.
1880.

Отъ Спб. Комитета Духовной Цензуры печатать позволяется Спб. 25 Іюля 1879 г.
Цензоръ Архимандритъ Арсеній.

XV-й ВѢКЪ.

I. Патерикъ

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 416-мъ.

Длина бумаги	$4^3/_4$ в.
Ширина.	$3^1/_4$ „
Къ корешку.	$^3/_8$ „
Къ правой сторонѣ	$^3/_4$ „
Къ верху	$^3/_8$ „
Къ низу.	$^3/_4$ „

Бумага сѣрая лощеная; бумажнаго знака у корешка трудно опредѣлить, какую форму имѣетъ. Писано скорописью въ одинъ столбецъ на 350-ти листахъ. Линеекъ не видно. Въ началѣ патерика на 3-мъ листѣ простая киноварная заставка съ четвероконечнымъ крестикомъ и подписью по обоимъ сторонамъ его: Ὦ χε̄ βοήθει. Далѣе заглавныя буквы и заставки на 130. листѣ въ началѣ патерика Алфавитнаго писаны тѣми же чернилами, какими писана рукопись. Колеръ чернилъ темный. Число строкъ на страницѣ 26, 25 и 27. Помѣты тетрадей не видны. Въ началѣ рукописи вплетены два листа изъ начала псалтири письма XIV в. Заставка раскрашена зеленою, красною, и желтою красками, въ срединѣ нарисованъ 8-ми конечный крестъ.

Предисловіе на листѣ 3-мъ начинается такъ: Διήγησις ψυχοφελὴς τῶν ἁγίων πρ̄ων τῶν ἀσκησάντων καλῶς. Τῶν ἐαρινῶν λειμῶνων τὴν θείαν ἀγαπητὲ, πολλῆς γέμουσαν ἐυρίσκω τῆς τέρψεως.

Въ предисловіи книга названа лугомъ. Обращеніе въ ней сдѣлано къ священному и вѣрному чаду Софронію, Лугъ оканчивается 129-мъ листомъ.

Съ 130. начинается Алфавитный патерикъ. Начало: Ὁ ἅγιος Ἀντώνιος. καθεζόμενος ποτὲ ἐν τῇ ἐρήμῳ ἐν ἀκηδείᾳ γέγονε, Оканчивается 350. листомъ.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 214. Ὁ ἀββᾶς μακάριος, ὅτε ὤκει ἐν τῇ πανερήμῳ ἦν δὲ μόνος ἐν αὐτῇ ἀναχωρῶν. παρὰ κάτω δὲ ἄλλη ἔρημος ἦν. πλειόνον δὲ ἀδελφῶν. л. 214 об. παρετήρει δὲ ὁ γέρων τὴν ὁδὸν. καὶ ὁρᾶ τὸν σατανᾶν ἐρχόμενον ἐν σχήματι ἀνου. παρελθεῖν δὶ αὐτοῦ ἐφαίνετο δὲ ὡς στοιχάριον φορῶν λινοῦν τρωγλωτὸν κατατριμα ἄν ἐκρέματο κολονήνθιον ρογεῖ ἔχουσα. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων μέγας. ποῦ πορεύη καὶ εἶπεν αὐτῷ ἀπέρχομαι ὑπομνισαι τοὺς ἀδελφούς. ὁ δὲ γέρων εἶπεν. καὶ ἵνα τι σοι κολοκήνθια ταῦτα. καὶ εἶπεν γέματα ἀποφέρω τοῖς ἀδελφοῖς. ὁ δὲ γέρων εἶπεν καὶ ταῦτα ὅλα; ἀπεκρίθη ναι. ἐὰν γὰρ μὴ ἀρέσοι τὸ ἓν τινὶ, φέρω ἄλλο. ἐὰν δὲ μὴ δὲ τοῦτο. δίδω ἄλλω. πάντως ἐξ αὐτῶν κἂν ἓν ἀρέσοι αὐτῷ. καὶ ταῦτα ἐιπὼν ἀπῆλθεν. ὁ

Изъ Лавсаика XV в. моего собранія л. 195 об.—198.

Повѣдаахѫ ѡ томъ же ѡцѣ макаріи. ꙗко жикаше рѣ̂ к пѹстѣнѣи пѹстыни, единъ прекыкала к нѣи, и блнзъ его бѣше дрѹгаа пѹстыни. к нѣиже жикаше братиа. старецъ стрѣжаше пѹть и хрнть днавола во ѡбразѣ ѹ҃ѣи ндѹща. и хотѧща мимо нти блнзъ его. бѣше же ѡдѣаніи его иже ношаше. колѣнѧно гѹсто. и накнжо̀ рамѣнь. кисаще тыквица и гла емѹ старецъ. камо ндеши тагарю. ѿвѣщалъ же днаволъ. ндѹ посѣтити братиа. старецъ же рече. и что соуть тыквицы нх же носиши. и ѿвѣща вкѹшѣнна несѹ братнамъ. рече же старецъ. и сиа ли вса ѿвѣща ей аще не кздешь годѣ единому единѣ. прнесѹ емѹ нно. аще ли не се годѣ кздеть емѹ. подмнъ емѹ

δὲ γέρων ἔμεινε παρατηρούμενος τὰς ὁδοὺς ἕως πάλιν ἐκεῖνος ἐπανῆλθεν. καὶ ὡς εἶδεν αὐτὸν ὁ γέρων λέγει αὐτῷ. σωθεὶς ὁ δὲ ἀπεκρίθη. ποῦ ἐμοὶ σωθῆναι καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων διὰ τί. ὁ δὲ λέγει. ὅτι πάντες ἄγριοι μοι ἐγένοντο καὶ οὐδεῖς μου ἀνέχεται λέγει αὐτῷ ὁ γέρων, οὐδένα οὖν φίλον ἔχεις ἐκεῖ, ὁ δὲ ἀπεκρίθη ναι. ἕνα μοναχὸν καὶ ἀδελφὸν. καὶ κἂν αὐτὸς μοι πείθεται. καὶ ὅτε ὁρᾷ με. στρέφετε ὡς ἀνέμη. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων καὶ τίς καλεῖται ὁ ἀδελφός ὁ δὲ λέγει. Θεοπεμπτος καὶ εἶπῶν. ταῦτα ἀπῆλθεν. καὶ ἀναστὰς ὁ ἀββᾶς μακάριος. ἀπέρχεται ἐπὶ τὴν κάτω ἔρημον καὶ ἀκούσαντες οἱ ἀδελφοὶ λαβόντες βαια ἐξῆλθον εἰς ἀπάντησιν αὐτοῦ. καὶ λοιπὸν ἕκαστος εὐτρεπίζετο νομίζειν ὅτι л. 215. παρα αὐτῷ ἔμελλεν καταλύειν ὁ γέρων. ὁ δὲ ἐζήτει. τίς εἶ ὁ καλούμενος Θεόπεμπτος ἐν τῷ ὄρει. καὶ εὑρὼν αὐτὸν εἰσῆλθεν ἐν τῷ κελλίῳ αὐτοῦ. ὁ δὲ σεόπεμπτος ὑπεδέξατο αὐτὸν χαίρων. ὡς δὲ ἤρξατο ἰδειαζειν αὐτῷ ὁ γέρων. λέγει. πῶς τὰ κατὰ σὲ ἀδελφε ὁ δὲ εἶπεν. εὐχαῖς σου καλῶς. εἶπεν ὁ γέρων μὴ πολεμούσι σε οἱ λογισμοὶ, ὁ δὲ εἶπεν. τέως καλῶς ἐιμὶ. ἠδεῖτο γὰρ ἐιπεῖν. λέγει αὐτῷ ὁ γέρων. ἰδοὺ πόσα ἔτη ἀσκῶ. καὶ τιμῶμαι παρὰ πάντων. καὶ ἐμοὶ τῷ γέροντι ὀχλεῖ τῷ πν҃ᾳ τῆς πορνείας. ἀπεκρίθη λέγων ὁ θεόπεμπτος. πίστευε ἀββᾶ. καὶ ἐμοὶ. ὁ δὲ γέρων προεφασίζετο καὶ ἑτέρους λογισμοὺς πολεμεῖν αὐτῷ. ἕως ποιήσει αὐτὸν ὁμολογίσαι. εἶτα λέγει αὐτῷ. πῶς νηστεύεις. ὁ δὲ λέγει. τὴν ἐννάτην. λέγει αὐτῷ ὁ γέρων νήστευε ἕως ὀψέ. καὶ ἄσκει. καὶ ἀποστήθιζε τοῦ εὐαγγελίου καὶ τῶν ἄλλων γραφῶν. καὶ ἐὰν σοι ἀναβῇ λογισμὸς μηδέποτε προσχῇς κατα ἀλλὰ παντοτε ἄνω. καὶ ἐυθέως σοι ὁ κ҃ς βοηθεῖ. καὶ τυπώσας ὁ γέρων ἀδελφὸν ἐξῆλθεν εἰς τὴν ἰδίαν ἔρημον καὶ παρατηρῶν πάλιν. ὁρᾶ ἐκεῖνων τὸν δαίμονα. καὶ λέγει αὐτῷ. ποῦ πάλιν ἀπέρχη ὁ δὲ λέγει ὑπομνήσαι τοὺς ἀδελφούς. καὶ ἀπῆλθεν ὡς δὲ πάλιν ἐπανήλθε. λέγει αὐτῷ ὁ ἅγιος. διὰ τί. ὁ δὲ εἶπεν ἄγριοι εἰσιν ὅλοι. καὶ τὸ μεῖζον κακόν. ὅτι ὃν εἶχον φίλον ὑπακοῦοντα μοι καὶ αὐτὸς οὐκ οἶδα πόθεν л. 215. об. διεστράφη. καὶ οὐδε αὐτός μοι πείθεται. ἀλλὰ πάντων ἀγριότερος ἐγένετο. καὶ ὤμοσα τὰ ἐκεῖ μὴκετι πατῆσαι ἐιμὴ μετὰ χρόνον. καὶ οὕτως ἐιπῶν. ἀπήλθεν ἐασας τὸν γέροντα καὶ ὁ ἅγιος ἐισῆλθεν ἐις τὸ κέλλιον αὐτοῦ.

нно. да понѣ ѿ снхъ всѣхъ. аще єдино годѣ бѹдешь емѹ сна рекъ дїаволъ ѡтиде старцѹ же пребы҃ стрегы пѹть. дондеже паки возратятсѧ. и паки ꙗко оузрѣ его старецъ возрадѣвшасѧ. гл҃а емѹ спсисѧ ѡн же ѡ҃вѣщ҃а. и гдѣ єсть спе҃нне. и гл҃а емѹ старцъ по ѹто. ѡн же рєѹє понеже вса братна ꙗко дивне звѣрнє бышѧ мнѣ. и нн єдинѣ҃ послѹша мене. и гл҃а емѹ старцъ то оубо и нн єдиного ли имѣєши тамо. ѡнъ же ѡ҃вѣщ҃а. єн. єдиного тоѹню имамъ брата. и понє тон мене послѹшаєть и єгда видить мл҃. вертитсѧ ꙗко порѣпланца. и вопросн его стр҃ць. како нарицаєтсѧ братъ. ѡн же рєѹє ѳєѡпентъ єсть имѧ емѹ. сна же рекъ ѡ҃тиде и костакъ старецъ. идє бо скитъ к братнн. слышавъ же братна изыдоша во срѣтєннє его с канемъ и вѣтьмн. и кождо и҃ готовлашє келню свою. мнѧ к немѹ хощеть внити стар҃ць. ѡи҃ же вопрашашє кто єсть нарицаємын ѳєѡпемть к горѣ сен. и ѡбретъ его винде к немѹ. ѳєѡпентъ же прнать его с рѧстню нахатъ же стар҃ць бесѣдовати к немѹ. како ѧже ѡ҃ тебѣ брате. ѡн же мл҃тв҃ѣ тконмн ѡує добрѣ єсмь· рєѹє же старецъ. єгда борнмь єсть ѡ҃ помыслъ ѡ҃вѣщ҃ак же. ѡкаує добрѣ єсмь, срамлашє боса рещи. гл҃а емѹ старецъ. се азъ колнцємн лѣты постаса и поунтаємъ єсмь ѡ҃ всѣ҃ се мнѣ старцю сѹщю стѹжаєтъ мн дх҃ъ блѹдныи. ѡ҃вѣщ҃ак же ѳєѡпентъ. вѣрѹи мн ѡує ꙗко мнѣ стѹжаєть. копросн же его старецъ, како постншисѧ. ѡн же рєѹє. даже до ѳ҃-го ѵа гл҃а емѹ стар҃ць. постисѧ до вєчера. и оуѵн изъ оустъ ѡ҃ єѵ҃лна. и ѡ҃ иных҃ писанни. и аще когда придеть тн помыслъ никакоже внемли емѹ. и никакоже сведенъ бѹди долѹ. но и всегда горѣ и вниман и. г҃ь поможеть тн. и оутвердивъ брата стар҃ць. отиде к пѹстыню свою и стрегын пѹть. и паки зрнть бѣса оного градущ҃а. и рєѹє емѹ. камо идєши. ѡн же посѣтити братна идѹ во скитъ. и ѡ҃тн҃е. ꙗко же абие воскорѣ возратнѣса. вопросн его сты҃н. кака братна ѡн же рєѹє. злѣн. рєѹє же старецъ. поуто ѡ҃вѣщ҃ак же. понѣ же вси свѣрѣпѣишн бышѧ. и множае зло. ꙗко его же имѣхъ любима. нн тѣн послѹшаєть мене. но и ѥтъ-

и не вѣдѣ ѿ кого разврашасѧ. и никако же внимаєть мнѣ. но и паує всѣхъ свирѣпѣишн бы҃ на мѧ и клатвою проклахъ себе. не итн мн тамо даже до дрѹгаго лѣта и сна рекъ. ѡтиде ѡставль старьца. стар҃ць же винде благодаря бг҃а в келью свою.

Чтеніе и объясненіе снимка.

фул. З. Ὦ χριστὲ βόηθει.

Διήγησις ψυχοφελὴς τῶν ἁγιων πατέρων ἀσκησάντων καλῶς.

Τῶν ἐαρινῶν λιμᾶνων τὴν θειαν ἀγαπητὲ, πολλῆς γέμουσαν εὑρίσκω τῆς τέρψεως ἣν ἡ παντοδαπὴ τῶν ἀνθέων ῥλάστη τοῖς θεομένοις παρέχεται.

ф. 39. Ἔλεγεν ὁ ἀββᾶς ἀλέξανδρος. ὁ τοῦ καλαμῶνος τοῦ ἐν τῷ ἁγίω ἰορδάνι. ὅτι ἐν μιᾷ ὡς ἡμῖν πρὸς τὸν ἀββᾶν παῦλον τὸν ἑλλαδικὸν εἰς τὸ σπῆλαιον αὐτοῦ.

φ. 351 об. ἔτους ,ϛϡθ. (1400.) ἰνδικτιώνος ϑ. ωκτοβρίω ϊ. Ἐιμεν χεῖρ ἡ γράψασα σύπεται ταφω. ἐιδεγραφὴ μενεῖ ἐις τοὺς αἰῶνας ἀμήν.

Нѣсколько заглавныхъ буквъ и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: τις. αὐτού: † ἀχωριστοῦ:

Сокращенія и слова съ титлами: θεῶ πόλεως πάτερ πνεύματος καὶ ἁμαρτίας.

Слова въ связи съ другими: α., χάριτι ε., δεξάμενος μεταστέλλεται. ν.; οὖν. σ., ἐτελεύτησεν. τ. μετὰ.

II. Служебная минея

Генварь,

Находится въ Севастьяновскомъ Собраніи рукописей подъ № 41-мъ.

Длина бумаги.	5 в.
Ширина.	$3^{5}/_{8}$ в.
Къ корешку.	$^{1}/_{2}$ в.
Къ правой сторонѣ	$^{3}/_{4}$ в.
Къ верху	$^{5}/_{8}$ в.
Къ низу	$^{3}/_{4}$ в.

Писано скорописью на толстой лощеной бумагѣ въ одинъ столбецъ на 248. листахъ, между нарѣзами. Первая заставка замарана. Заглавныя буквы не фигурны, писаны киноварью. Колеръ чернилъ темно-коричневый. Помѣты тетрадей не видать. Число строкъ на страницѣ 25. Бумажный знакъ близъ корешка трудно отгадать.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ 28-го числа — службы св. Ефрему Сурину. л. 222. Μηνὶ τῶ αὐτῶ. κ̈ϑ̈. τοῦ ὁσίου πρ̄ς ἡμῶν Ἐφραὶμ τυ σύρου: ἐις τὸ κε̄ ἐκέκραξα ἱστῶμεν στιχ. ε̈. στιχ. ηχ. ᾱ. τῶν οὐν̄ίων ταγμάτων.

Τοῦ παραδείσου τὰ κάλλα κατοπτρισάμενος. καὶ δαψιλῶς τρυφήσας. ἀκηράτους λειμῶνας. ἐξήνθησας τῶ κόσμω. γνῶσιν θῦ. ἧς μετέχοντες ὅσιε. πν̄ικῆ διαθέσει τῆ τῶν ψυχῶν. ἀναθάλλομεν χῶ πν̄ι,

Τὴν τοῦ κριτοῦ παρουσίαν ἱστορισάμενος. ταῖς τῶν δακρύων εἱθροις. τῶν ψυχῶν τὰς λαμπάδας. ἀνάπτων ἐκδιδάσκεις. πᾶσι βοῶν. τοῦ νυμφίου τὴν ἔχευσιν. περὶβαλλόμεθα πάντες. στολὴν λαμπράν. ὑπαντήσαι τῶ νυμφίω χῶ.

Ὅμ. Τῆ ἐγκρατεία τῶ σῶμα. περὶφραξάμενος. τὰς τῶν παθῶν κινησεις. ἀπενέκρωσας πε̄ρ. εὐχαῖς καὶ ἀγρυπνίαις. ὅθεν ἐν σοι. ἡ τοῦ πν̄ς δύναμις. ἐπισκηνώσασα ἔδειξε νοητόν. σὲ φωστῆρα καὶ παγκόσμον.

Δό. ηχ. πλβ. (8).

Ἐμφρόνως, τῶν ὀχληρῶν τοῦ βίου ἐπαναστάς. Ἐφραὶμ ἀοίδημε. φιλησυγχία τὴν ἔρημον κατέλαβες. καὶ διαυτῆς πρὸς θν̄ πρακτικῶς ἀναγόμενος. τῶ κόσμω ἔλαμψας φωσ-

Изъ Генварской служ. мин. XI в. Syn. Typ. Bib. №66.

Мц̑а. то̑. въ кн̑. пр̑бго оц̑а нашего. ефрѣма. сурианина ·:·

Стн̑ра. гла̑. а̑. по̑. нбсн̑ымъ умно ·:·

Ранскыя доброты. изыдѣвъ. и обильно наслаждъвъся. прѣустыя л. 113. об. цвѣты процвѣлъ есн мировн разоумъ кн̑ни. и его же прилѣпающіеся прп̑бне дх̑овьною любъвью дн̑ь възращаемъ брашьна ·:·

Соудьнно пришьствне. въобразивъ. сльзьнъıми строгами. дш̑евьнъıм свѣща. въжизати надоущаѣшн. всѣмъ въпна. женнха пришьствне. одежемъся всн въ ризоу свѣтьлоу. оусрѣсти женн̑ха.

Въздрьжанньемь тѣло ограднвъ. страстьная подвижанна. оумрьтвилъ есн оу̑е. мр̑твами въдѣнни. тѣмь въ тебе дх̑овьная сила. въсельшнся показа рамьна. (sic). та свѣтильника ·:·

На стн̑. гла̑. ѕ̈. самогласьнъ ·:·

Разоумьно стрьпътивъıихъ. житна ѿстоупнлъ есн. ефрѣмє присно съкрьшенє. любомлъуанне. поустыню въспрїлъ есн. и тоа дн (sic). къ бо̑у съ дрьзно-

τὴρ. καὶ ῥήματα л. 222 об. ζωῆς τοῖς ἀ͞νοις ἐπήγασας. διὸ μὴ παύσῃ ἐν ταῖς εὐχαῖς σου. στηρίζων ἡμᾶς ἐκ βλάβης σὺ ἀλλοτρίου. ῥυσθῆναι τὰς ψυχὰς ἡμῶν ὅσιε πᾴρ.

Κανὼν. οὗ ἡ ἀκροστιχίς. Ἐφραὶμ γεραίρωτὸν νοητὸν εὐφρατῆ: ὠδὴ ά. πλβ. ὡς ἐν ἠπείρω.

Εὐφραντικῆ ἐπομβρία σῶν προσευχῶν. τὴν ψυχήν μου ἄρδευσον. ξηρανθῆσαν τῷ ἀχμῷ. τῶν παθῶν καὶ λόγον μοι τὴν σὴν εὐφημοῦντες ἑορτήν. παμμάκαρ ἔμπνευσον.

л. 223. Φῶς νοητὸν ἀποστράψας φωτιστικῶς. ἀνεδείχθης ἥλιος. φεγγοβόλοις ἀρεταῖς. καὶ δογμάτων κάλεσιν Ἐφραὶμ. καταυγάζων τῶν πιστῶν ἅπαν τὸ πλήρωμα.

Ρεῖθροις δακρύων τὴν φλόγα τὴν τῶν παθῶν κατασβέσας γέγονας. σκέβος τίμιον Ἐφραὶμ τοῦ ἁγίου πν̃ς πηγάς. ἀναβλύζων διδαχῶν. θεομακάριστε.

Θ. Ἀδιαφθόρως τὸν λόγον ἐν τῇ γαστρὶ. δεξαμένη τέτοκας. ἐκλυτρούμενον φθορᾶς. τοὺς αὐτῶ λατρεύοντας ἀεὶ. μρ̃οπάρθενε σεμνὴ. πύλη τῆς ὄντως ζωῆς.

кєннємь вьсхода. мнрокн вьсьмлъ єсн свѣтило. и гл҃ы жнвотьны. ѹлѣкомъ нстоуилъ єсн. тѣмь. нє прѣстан къ мл҃твахъ оудрьжала насъ. ѡ нєпользы. тоужлл. нзбавнти л. 114. дн҃ш нашд прѣдвнє оу҃є ·;·

Кан҃о. гла҃. пѣ҃а. єрмо҃. ако по соухоу ·:·

Вєсєлнм нъı напоєннємь. твонхъ мл҃тъкъ оканьноую мн дш҃оу. грѣхъı нсоушєнъ блажн҃є. страстнн словєсы. твонмн похвалающоу. праздьннкъ вдъхнн ·:·

Свѣтъ оумнъın облнставъ. с к ѣ т н л ь н о. авнса ако сн҃це. свѣтлъıмнн добродѣтелнн. оуѹнємь (sic) єфрємє. оздрлл вѣрнъıнхъ. всє нсплънє҃ ю ·:·

Дроугъıн даннлъ авнса тъı. таннъı прорнуал. въторагѡ прнхода. єгда прндеть г҃ь. соуднтн хотл всѣмъ. протн҃ дѣаннєм ·:·

ѣ҃. Тл прнуастал (sic) двн҃є. нбс҃л простьрън г҃ь. н ѕємлю основалъ. нбо ѕємьноє нс тебѣ ншьдъ. съ плътью намъ показаса ·:·

Ὠδὴ γ҃. οὐκ ἔστιν ἅγιος ὡς σύ.

Ιλύως πάσης ἐμπαθούς. σὲ αὐτὸν ἐκ καθάρας. ἀνεδείχθης δοχεῖον. ἀρετῶν ὡς ἀληθῶς. καὶ σκέβος χωριτικόν. χαρισμάτωντοῦ ἁγίου πν̃ς.

Μὴδ' ὅλως ὕπνον ὀφθαλμοῖς. δέδωκας οἶκος ὤφθης τῆς ἁγίας τριάδος καὶ σοφίας θησαυρός. τὸν κόσμον καταπλουτῶν. χρυσαυγέσι. δόγμασι μακάριε.

Γνωρίζει ἄλλον τὰ χ̃υ. ἡ σεπτὴ ἐκκλησία. χρυσορρόαν εὐφράτην. πελαγίζοντα σοφὸν. δογμάτων ἐπίρροαῖς. καὶ τὴν κτίσιν πᾶσαν καταρδέυοντα.

Θ. Ἐν δύο φύσεσιν ὁ εἷς. τῆς ἁγίας τριάδος ἐξ ἀγνῶν σὺ αἱμάτων. σαρκωθεὶς θεοπρεπῶς. προῆλθε τοὺς ἐξ ἀδὰμ. διὰ σώζων πάναγνε χρηστότητι.

Пѣ҃. єрмо҃. нѣсть ста҃ ако ·:·

Прозавѣна мѫдрнцѣ тн. лозл добронлодьнлм. бж҃нагѡ дх҃л. єюже оукрашьса. всєлєноую сте҃ напон єфрємє ·:·

Нє скоудьно съкровнщє. авн тл клѣка ѕарамн оукраснкъ. къмѣстацл бж҃ню прѣмоудрость. къ сѣбѣ. єюже ты просвѣтн всєлєнноую ·:·

л. 114. об. к҃. **Нєсть нєпороуьнх якоже прѣу҃тал бц҃є. єдннл бо ѡ вѣкъı. творьцл н съдѣтєла всѣхъ бж҃нє слово породн ·:·**

Καθ. ηχ. πλβ. (8). Τὸν συνάναρχον.

Τὸν θησαυρὸν τῆς σοφίας τῶν μυστηρίων χ̃υ. л. 223 б. τὸν κριτήρα τὸν θεῖον τῆς κατανύξεως. ἀναμνήσωμεν. πιστοὶ ἐν τῇ μνήμῃ αὐτοῦ. φερωνύμως γὰρ ἀεὶ, τὰς καρδίας τῶν πιστῶν εὐφραίνει ἔπεσι θείοις. Ἐφραὶμ ὡς προπάτωρ καὶ μύστης τῶν τ҃ι κ҃υ ἀποκαλύψεων.

Сѣ҃. гла҃. є҃. по҃ събєзнаѹалью: ·:·

Съкровнщє прѣмоудрости. таннъ хв҃ъ ѹашю. бжєтвьно поурьпє оумнленнє. въспонмъ вѣрьнни поклоннмъса. тлклонмєньно бо прнсно. срдц҃м вѣрнънхъ словєсы. н оуѹнтєль г҃нь. отъкръвєнни ·;·

Ὠδὴ δ҃. Χ̃ε μου δύναμις.

Ρημάτων δύναμις. πῶν σῶν διέδραμεν. ἐπὶ πάντα τὸν κόσμον ὑψωποιῶ φέγγει ταπεινώσεως. τὴν ἀβλεψίαν τῶν ψυχῶν, ἐκδιώκουσα μακάριε.

Ἀμέμπτως ἤνυσας τὸν βίον δάκρυσιν. ἑαυτὸν ἀποπλύνων. καὶ τοῦ κριτοῦ πᾶσι την ἐπέχευσιν. καθιστωρῶν λόγοις σοφοῖς. θεοφάντορ ἀξιάγαστε.

Ἰδῶν σου κ̃ε, τῆς ταπεινώσεως. τὸ περίδοξον ὕψος ὑψοποιόν. λόγον σοι χαρίζεται. δι οὗ αἱρεσέων δεινά. τεταπεινώται ὑψώματα.

Ρωσθεῖς τῇ χάρητι τὰ παντοκράτορ. л. 224. πρὸς ἀρχὰς παρετάξω δαιμονικάς. πᾴρ καὶ νενίκηκας ὑπὲρ ἡμῶν ἐκδυσωπῶν τῶν θερμῶς ἀνευφημοῦντων σε.

Ὡς θεῖον τέμενος. ὡς ὄρος ἅγιον. ὡς πηγὴν ἀφθαρσίας. ὡς ἐκλεκτήν. μόνην χρηματίσασαν. τῷ πλαστουργῷ ἡμῶν θῷ. τὴν παρθένον μακαρίσωμεν.

Пѣ. д. ерм. хсъ мнѣ сила : :

Поустына безводьна. свѣтьло веселися. прозабшина свѣта. доброту всенѣи (sic)**. имьже вся земла свѣтьло оукрасися. духовьнымн вѣнцн сте : :**

Къ истиноу та знамена хсъ бъ. истъѣьника жива исдящаго ис породы. напающа тварь божествьнымн (по скобленому писано) **словесы прѣмоудрѣ : :**

Б. Мрне мтн бу. прѣста быкъшн. чистотѣ приатилище. въмѣстьно жна селенна. дшевьноую мн скврьноу и окаленїе истребн : :

Ὠδὴ ε. Τῷ θείῳ φέγγει σου.

Ταῖς τῶν δακρύων ἐπίρροαῖς. τὸ ἡδονῶν ὅλως σχερῶς πῆρ ἐξήρανας πέλαγος. καὶ ἀναβλήσει τῶν διδαγμάτων σου αἱρέσεων χειμάρρους. μάκαρ κατέκλυσας.

Ὁ νοῦς σου νεῦσει τῇ πρὸς θν. πῆρ λαμπρυνόμενος Ἐφραὶμ θεοειδῆς ὅλως γέγονας. ἔσοπτρον καθάπερ τοῦ θείου πνς. ὑύλως τὰς ἐμφάσεις. ὑποδεχόμενος.

Ναὸς ἐγένου χωρϊτικός. πῆρ τῆς τριάδος ἀληθῶς, πεποικιλμένος τῇ χάριτι καὶ τῇ διαὐγεία τῶν καθαρῶν ἀρετῶν. καὶ τῇ τῶν σῶν δογμάτων ἀκεραιότητι.

Νεκρόν με ἔδειξεν ἐν ἐδὲμ. γεύσις ἡ τοῦ ξύλου πονηρού ὑποβολῇ τῇ τοῦ ὄφεως. σὺ δὲ ζωρδότην χν κυήσασα. ἐζώωσας με μόνη θεοχαρίτωτε.

Пѣ. є. ерм. обнемь свѣ : :

Бжнє възлюбленнє авнса богаасе. нз дѣтьска. оукрашєемъ свѣтлостью разжма. нмиже та вдка, авн мироу свѣтнин. зракомь ако англъ. оумомь сн блажене. льсть бєсѣноую. потрѣлъ есн. слово расѣвла. ако аплъ. и сластью кса ведын. на помнне : :

Зрьцало прусто. авн та хсъ. прѣбжне. соудъ страшьнъ възвѣщающа. вьняже прндеть соун (sic) **грозьнъ. въздаа комоужь противж дѣм : :**

Б. Спстн хота ѡ истлѣвъша рода улѣуа. тврьць л. 115. и тъ въ уреко свщєньно неиздреуе ьньно : : (sic).

Ὠδὴ ϛ. τοῦ βίου τὴν.

Οὐ ψάμμον θεμέλιον ἀλλὰ πίστην ἀρραγῆ. ὁ θεοφόρος θέμενος. ταῖς τῆ ἐχθροῦ παντοίαις ἐπίβουλαῖς. ἀκλόνητος ἔμεινε ἀειττήτω παλάμη κυβερνόμενος.

л. 224 об. Ἡ γλώσσα σου κάλαμος. ὀξυγράφου ἀληθῶς ὡς γραμματέως γέγονεν. ὑφηγουμένην γνῶσιν πανευσεβῆ. πλαγξὶν ἐγχαράττουσα. καρδιῶν. πῆρ νόμων τὸν τοῦ πνς.

Τὸν σὸν οἱ ἐκπλέοντες, τῶν δογμάτων γαλινόν. ἐφραμὶ θεόφρον πέλαγος. τρικυμιῶν, λυτροῦνται ψυχοβλαβῶν. καὶ ζάλης αἱρέσεων. ἀνανέυοντες πίστει διασώζονται.

Θ. Ὁ πάσης ἐπέκεινα. νοουμένης ὡς θς. καὶ ὁρωμένης κτίσεως. σωματωθεὶς προῆλθεν ἐκ σῆς γαστρὸς. τηρήσας ἄφθορον. ὥσπερ ἡς προ τοῦ τόκου μητροπάρθενε

Кондакъ и икосъ смотри въ кондакаріи.

Пѣ. ѕ. ерм. ншт нискаго мо : :

Жнтнискыа савы. нз млада оустронкъ. къ тншнноу. донде вышьнаго жнтна бомждре. нмьже оукрашьса. снмешн къ мнрѣ. єфремє бомоудре : :

Унны бесплътьныа провелъ есн бомоудре. плъть оудрьжалъ есн. къ вышьнеіе жнтне пристоупль. сънмн же прѣстоншн. вѣнцн оукрашенъ ако непобѣднмъ : :

Всѣмн владоущн тварьмн. ако ба благаго рожьшн. грѣховъ мн непороуьна. гнон до конеца нстребн. млсрьдне нмоущн. къ рожеиоумоу ис тебе : :

л. 225. Ὠδὴ ζ. δροσοβόλον μὲν.

Νομοθέτης μοναζόντων ἀκριβέστατος. ὤφθης σεβασμιώτατε. υπαλείπτης τὲ πρὸς ἐχθρῶν παντοίων συμπλοκάς. διόσου τιμώσι τὸ σεπτόν. καὶ ἱερὸν ἐπὶ τῆς γῆς πῆρ μνημόσυναν.

Ἐναρμόνιον τοῦ πνς ἀείδημε. ὄργανον ἐχρημάτησας. ἡπηχούμενον. ταῖς αὐτῆ ἑκάστοτε πνοαῖς. καὶ μέλλος σρϊον ἡμῖν. τῆς μετανοίας μελωδοῦν τοῖς ἀνυμνοῦσι σε.

ϕ. Ὑπὲρ λόγον σου ἡ σύλληψις θεόνυμφε. θν̄ γὰρ λόγον τέτοκας. τὸν ρυσάμενον. ἀλογίας πάντας τοὺς βρότους καὶ λόγον παρέχοντα βοᾶν. εὐλογητὸς εἶ.

Пѣ. ѯ. ермо҃ нєпѯрєуєньно ую .:.

Источьникъ стѣѣ бж҃ьа съкровища. авленъ бы҃. напои всь миръ. поустына вса и врьтьпы҃ исплънаѭ бж҃на слова. вѣрою прозъкаѭ. въ нб҃сьныи уртогъ. бомждре .:.

Наставьникъ соуговъ авнса поустыньникомъ. и миром҃ кѣмоу. сластью вса подвизала. въ вѣчьное цр҃ство. вѣрою приѯъкла. на спсѣние вса бо҃гоу҃годнє .:.

Раздрѣшн прѹстаа. отаженое ми врѣма л. 115/об. бѣсмслъныими съблазны҃. грѣховьное раздрѣшителя. и спса миром҃ рожьшн. иегоже молн. нзвнти (sic) ма поющ. прѣрадованаа дв҃а. помощьнице наша .:.

Ὠδὴ ϑ΄. ἐκ φλογὸς.

Φωτοφόρος ὡς ἄλλος ἐδειχθης ἥλιος· διδαγμάτων ἀκτῖνας πέμπων τοῖς πέρασι. σκότους ἀφεγγεῖς ἐκ μιούσας νακάριε. πάσης ἁμαρτίας. φωτὶ τῆς μετανοίας.

Ῥείθροις θείων δογμάτων. περὶ κυκλούμενος ποταμὸς ὡς ἐξάλλης ἐδὲμ πεπόρευσαι. πρόσωπον τῆς γῆς. κατάρδευων θεσπέσιε. καὶ τῆς εὐσεβείας. ζηζάνια συμπνίγων.

ϑ. Ἀληθῆ ϑ҃εον ὁμολογοῦντες σε. τρῦ ἀγγέλου τὸ χαῖρε πίστει βοῶμεν σοι. μόνη τὴν χαρᾶν. ἐπὶ γῆς γὰρ ἐκύησας. κεχαριτωμένη. ἀεὶ εὐλογημένη.

Пѣ. и. ермо҃. оужаснися бомса .:.

Оустьнѣ твои бж҃не. ако же мєдотоунть прр҃ьство. всѣмъ вѣторое пришьствнє хв҃о. възвѣщающи. и соудa страшьна. прѣстанню. єгоже нзбавити ны҃ осѫженна боудоущаго. прѣвъспѣтаго бг҃а мола за ны҃ сте .:.

Прєзьра боудоущаа. и страсти рѣша твоими м҃ѹками. раздрѣша аканьноую (sic) ми дш҃оу. испроси отъпоуста. прѣже исхода житиска. да съ вѣрою нємлъуьною къспою та. прѹсто оусъпнїе (sic) твое єфрѣмє бо҃дъхновєнє .:.

Б. Ты єси прѣрадованаа. радость анг҃лмъ и удв҃хоу родоу вєлнє застоуплєннє бж҃є грѣшьнъıимъ нзбавлєннє. слово бж҃не вєсѣмєне зауньшн. соугоубa єстьствомь бг҃а же и ума҃ка. єгоже моли помиловатн дш҃а наша .:.

Ὠδὴ ϛ΄. Θν̄ ἀνοις ἰδεῖν ἀδύνατον.

Ῥωσθεὶς ἀγάπῃ τοῦ παντοκράτορος. ὅλον σαὐτῃ. τὸν βίον ὑρηνοδῶν διετέλεσας. ἐκ βοῶν л. 225 об. με ἐκπλήξεως ὅσιε. ἄνες τὰ κύματα σϑ. σὲρ τῆς χάριτος. ταύτην μοι πλουσίως σὐντηρᾶν ἐν τῇ μελλούσει ζωή.

Ἡδὺς ὁ λόγος σου κατανύξεως. παρεκτικός. καὶ πλήρις φωτισμοῦ τοῖς προστρέχουσιν. θεοφόρε ἐφραὶμ ἀξιάγαστε. ἄμεμπτος δὲ ὁ βίος. πᾶσαις κοσμούμενος. ταῖς θεοφεγγέσιν ἀρεταῖς καὶ λαμπρυνόμενος.

Ναὸς τοῦ πν̄ς ἐχρημάτισας. καὶ ποταμὸς ναμάτων ζωηρρύτων πληρούμενος. ἐκκλησίας θεμέλιος ἄσειστος. ἔρεισμα μοναζόντων. ῥεῖθρον ἀέννaον. ϑείας κατανύξεως ἐφραὶμ ἀξιοϑαύμαστε.

ϑ. Νοεῖν οὐ δύναται νοῦς ἀνῖνος. τὸ ὑπὲρ νοῦν. τοῦ τόκου παρθένε μυστήριον. ὁ ϑ҃ς γὰρ σκηνώσας ἐν μέσῳ σϑ. κλείϑρα τῆς παρθενίας. οὗ παρεσάλευσεν. μόνος ὡς ἐπίστατε αὐτός ὁ ἀκατάληπτος.

Пѣ. ϕ. ермо҃. бг҃а ума҃ка .:.

л. 116. **Звѣзда постьникомъ въсьа. бо҃моудре. прєсвѣтьла. зарами бг҃атьно просвѣщала. градъı и горъı и врьтьпъı. бо҃разоумьємь же просвѣти бл҃жєнє мракъ грѣховънъıи ѿгънакъ .:.**

Земла просвѣтнса бж҃не твонмь оуученнємь. нмьже въсьа ако сл҃нце. горъı и врьтьпъı. исплънаѭ. благодать бо та съвъıше осѣньшн. вѣньци побѣдънъıими. свѣтьло оукрасовала .:.

Нынѣ въ лицѣ прѣдьстоа съ анг҃лъı. и съ патр҃іархъı и прр҃ъı и ап҃лъı съ м҃ѹнкъı. бл҃жнє и постьникъı. хв҃оу прилѣжьно за ны҃ молнса. твоа памаѳи свѣтьло празднуємъ .:.

Б. Вси прѣлѣжьно тн гс҃поже. прѣуистаа въпнемъ тн. просаще нзбавлєнна ѿ тебє. бєшнсльнъıхъ (sic) злѣ нже на насъ нынѣ належеть (sic) тѣмьже г҃же молимъ та. подажь людьмъ сн миръ и вєлню милость .:.

Чтеніе и объясненіе снимка.

φ. 64. Ἰησοῦ τοῦ ναυῆ τὸ ἀνάγνωσμα.

Εἶπε Κύριος πρὸς Ἰησοῦν ἐν τῇ ἡμέρα ταύτῃ ἄρχομαι ὑψώσαι σε κατενώπιον πάντων τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ. ἵνα γνώσιν ὅτι καθὼς ἤμην μετὰ μωσεῖ οὗτος ἔσωμαι καὶ μετὰ σοῦ. καὶ νῦν ἐντεῖλαι τοῖς ἱερεῦσιν τοῖς αἴρουσι τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης λέγων. ὡς ἂν εἰσέχϑητε ἐπὶ μέρους τοῦ ὕδατος τοῦ Ἰωρδάνου. καὶ στήσεσθαι. ἐν τῷ Ἰωρ-

δάνην. ὡς δὲ ἐπορεύοντο οἱ ἱερεῖς οἱ αἴροντες τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης εἰς τὸν Ἰορδάνην. καὶ οἱ πόδες τῶν ἱερέων αἰρόντων τὴν κιβωτὸν, ἐβάφησαν εἰς μέρος τοῦ ὕδατος τοῦ Ἰορδάνου.

ф. 77. Ἐπιφάνη σήμερον τῇ οἰκουμένῃ καὶ τὸ φῶς σου κύριε ἐσσημειώσης ἐφ' ἡμᾶς. ἐν ἐπιγνώσει ὑμνοῦντων σε. ἦλθες ἐφάνης τὸ φῶς τὸ ἀπρόσιτον.

л. 170. Μηνὶ τῷ αὐτῷ καὶ τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν μαξίμου τοῦ ὁμολογητοῦ καὶ τοῦ ἁγίου μαρτύρος νεοφύτου. στιχήρα τοῦ ὁσίου ἦχος δ. ὡς γενναῖον ἐν μαρτύσι: †

Τὸν δε οἶκτον γενόμενος. ὡς ἡυδόκησεν ἄνθρωπον ἐν δυσὶ θελήσεσιν ἐνεργείαις τε κατανοούμενον ὅσιε. ἐκήρυξας μάξιμε. ἀποφράττων μιαρῶν. τὰ ἀπείλωτα στόματα. μονοθέλητον. μονονέργειτον τοῦτον δοξαζόντων ἐπειρηα διαβόλου. τοῦ τὴν κακίαν τεκτήσαντος.

Ἔτους ,ϛϡιϛ. (1404). ἐτελειώθη παρ. μηνιανουρι.. δι κόπη.. ἁμαρτωλου.

Заглавныя буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ἐνδεδύσαι. πυχῶσοι: †

Слова съ титлами и сокращенія: πατρῶν Κύριε αὐτῶν. χριστῶ. πάτερ. καὶ τὸν θείας ἰδιομελον ἐμον.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀγαπῶ. ἀξιάγαστε. ἀγνή. ε, ἀγείρω, δεύτερον πελείων., ν., νῦν χειλέων οὐράνιον. σ. σὲ ἀβύσσους. τ., μεταξὺ ἀποστόλω.

III. Служебная минея

Декабрь,

Находится въ собраніи Севастьновскихъ рукописей подъ № 34-мъ.

Длина бумаги.	$6\frac{5}{8}$ в.
Ширина	5 в.
Къ корешку	$\frac{1}{2}$ в.
Между столбцами.	$\frac{3}{8}$ в.
Къ правой сторонѣ	$1\frac{1}{4}$ в.
Къ верху	$\frac{3}{4}$ в.
Къ низу	$1\frac{1}{4}$ в.

Писано скорописью на лощеной бумагѣ въ два столбца на 184. листахъ.

Въ началѣ заставка раскрашена красками зеленою и красною, а 25-го Декабря одною киноварью заставка раскрашена. Заглавныя буквы нѣкоторыя очень фигурны, одною киноварью писаны, какъ и заглавія каждаго числа, названія стихиръ, каноновъ идр. Колеръ чернилъ темно-коричневый. Писано по нарѣзамъ. Число строкъ на страницѣ 28. Бумажный знакъ на 84. листѣ: рыба, на 181. листѣ въ родѣ короны. Помѣта тетрадей внизу на углу правой стороны.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

27-го числа.

л. 158. Κανὼν τοῦ ἀποστόλου (sic) ὠδὴ. ά. ηχ. πλα. (5). Ἵππον καὶ ἀναβάτην. Ιωα. αχ.

Δεῦτε στεφάνοις ὕμνων τὸν πρωτομάρτυρα. ἡ χῦ ἐκκλησία ἐνδόξως στεφανώσωμεν. καὶ θεία στεφόμενοι τοῦ στεφάνου. χάριτι ἐπινίκιον ὕμνον ἄσωμεν.

Φέρων τοῦ διδασκάλου τὸ πρᾶον φρόνημα. καὶ τὴν ἐκ τῆς ἀγάπης θεοποιὸν ταπείνωσιν. ἀξίως ὁ στέφανος διακόνων. πρόκριτος καὶ προστάτης χηρῶν γεγένηται.

№ 49. Моск. Сун. Тип. Библіотеки Декабрь. XII—XIII. в. 27-го Канонъ св. Архидіакону Стефану.

Кѫ глⷭ. ё. пѣ ѧ. кона и всадь : :

Градете вѣньци хвалами. пьрвомоученика хѵ̀ьнаго црⷭ҇ы. славьно вѣньчаимъ. и стⷭ҇ыимъ вѣнчаниемъ стефанѣю блгⷭ҇дтью побѣдьноую пѣснь коспонымъ · : ·

Носа оучитєльноую кротъкоую моудрость. и соущіе ѿ любъви бо҃ткора сѣ мереннѥ (sic). достонно стефанъ дїаконъ. старѣи помощникъ бысть въдовицамъ · : ·

Σὺ πρὸς ἐπικουρίαν τῶν β΄. ἀποστόλων χῡ. ἐπαξίως ἐκλήθης καὶ ὡς πιστὸς διάκονος φερώνυμε στέφανε χρηματίσας. ἔνθα χ͞ς δὶ αἵματος μετὰβέβηκας.

ϐ. Σὺ μὲν ὑπὲρ ἀν̄ων. χ͞ε τὸν ἄνᾱν. ἐκ παρθένου φορέσας ὡς βρέφος ἐσπαργάνωσαι. ὁ σὸς δε χωννῦμενος πρωτομάρτυς. λίθοβολαῖς τὸν ἄν̄ον ἀποδύεται.

л. 158 об. а. ѡ҃дѣ ѯ҃. ὁ πῆξας ἐπ᾽ οὐδ.

Νομίμως ὡς τοῦ χῡ᾽ στρατιώτης ὁ στέφανος πρὸς τοὺς θεοκτόνους παρατεταξάμενος. τὸ ἀκαταγώνιστον αὐτοῦ. στένος ἐνδεδυμενος. τῶν παρανόμων β΄. ἐθριάμβευσεν. ἅπασαν τὴν βλάσφημον ἔνστασιν.

Τῶ ζήλω τῆς χῡ πυρωθεὶς ἀγαπήσεως. καὶ πρὸς τοὺς ἀγῶνας ἀποδυσάμενος. πίστεως καὶ πν̄ς πλησθεὶς θείου ὁ πρώτομάρτυς. τᾶν ἁλιέων ἐβεβαίωσε. πᾶσι τὸ θεόκριτον κύρυγμα.

Ὡς κῆρυξ τῆς κεκρυμμένης ὄντως καὶ θείας ζωῆς τῆς παρούσης ἅσπερ ἐπιλαθόμενος. ἔργω διαδείκνυσι σαφῶς. πάσιν ὁ πρωτομάρτυς. τροπαιοφόρον τὴν ἀλήθειαν. δέσποτα προκρίνας τὸν θάνατον.

ϐ. Τοῦ βίου δὶ ἡμᾶς ὁ δεσπότης. τὸ σπήλαιον. ὑπεισῆλθε τρόπω συγκαταβάσεως ὁ δὲ τῶν μαρτύρων ἀρχηγός. στέφανος τὴν σπιλάδα. τὴν ἀνθρωπίνην ὑπεξέρχεται. πόθω τοῦ δεσπότου βαλλόμενος.

л. 159 об. а. ѡ҃дѣ δ. τὴν θείαν ἐννοήσας.

Ζηλώσας τὴν ἀγγέλων προαίρεσιν. καὶ τὴν μωρφὴν ἀγγελικῆ, φανόνητι κατιγλαϊσαι. καὶ κατοπτεύεις τὴν δόξαν. τὴν θείαν καὶ τὸ ταύτης ἀπαύγασμα.

Κατήγορος κρῖτής τε καὶ δήμιος. ὁ βροτοκτόνος καὶ πῆρ. τοῦ ψεύδους δείκνυται στέφανε. ἀλλ᾽ ἑαυτὸν ἀνατρέπει. τοὺς βρόχους κατ᾽ αὐτοῦ τεκταινόμενος.

Ὡς πρῶτος τῶν μαρτύρων ὁ στέφανος. ὁδοποιήσας τε ἡμῖν τοῦ μαρτυρίου τὴν εἴσοδον. στεφανηφόρος χορεύει. τῶ στέφει τῶν μαρτύρων στεφόμενος.

Ты на положенїе а҃пл҃ъ хв҃ъ. достонно нарєчєса. ꙗко кѣрьнꙑ дїаконъ, таклонмєньнъ стєфанє. тъ бы҃ нже крꙋвню прѣшьлъ ѥсть ·:·

Ты бо ꙁаꙗ ꙋлв҃ка хе҃. въ ꙋлв҃ка ѡ҃ двꙑ оболкъса ꙗко млада повитъ бы҃. пьркомꙋнкъ ти посꙑпаємъ л. 196 об. метанїємь каменнꙑ ꙋлв҃ка съвлѣчєса ·:·

Пѣ҃. г҃. ꙋтвьржи нина. ·:·

Ꙁаконно ꙗко хв҃ъ конинъ стєфанъ наньже оубиица оплъушаса. къ непобѣдимоꙋю хо҃ꙋкрѣпость, оболкса посрамн ꙁаконопрестоупьникъ. всєхоульноє нхъ стоанне ·:·

Рьвьнїємь ражьгъса хв҃ы люлъкє и на подвиꙁанїе съвлъкъса. и вѣры и дха҃ исплъньса. бжи҃и пьркомꙋнкъ рꙑбарь. ꙁтвьрднлъ ѥсть всємъ бжи҃ꙑм проповѣдь ·:·

Ꙗко проповѣдатєсь таннꙑ бжи҃ꙑ въ истиноу жизни. соудьноую жизнь ꙗкоже ꙁабꙑкъ. тѣлъмь ꙗкланѥть. ꙗкѣ всємъ пьркомꙋ҃къ истиноу побѣдителноу. кадꙋ҃ьною изволисн съмьрть ·:·

Житнꙑм нашего ради кадꙋ҃ка. къ кьртьпъ кѣнидє. и ѡбразъмъ съхоженнꙑ. пьрвꙑи же мꙋ҃къ стєфанъ. исплъти ꙋлв҃ꙋа исходнть. ꙁа любъвь сн кадꙋ҃ьною ·:·

Пѣ҃. д҃. бжи҃ю ти раꙁоу ·:·

л. 197. Рьвьнокалъ колн анг҃ластєи. и облнунїе анг҃лкоую ꙗкланѥно ѡꙁарєкнса. и кндаѥшн слакоу бжи҃ю. ѥгоже ѡꙁарєкаса ·:·

Клєвєтєнъ соудни же и мꙋ҃ль. ꙁадооубииць оу҃ь. лъжа ꙗкланѥть стефана. нъ са острѣєть осило наса съплетовлн ·:·

Ὡς πρῶτος τῶν μαρτύρων ὁ στέφανος. ὁδοποιήσας τε ἡμῖν τοῦ μαρτυρίου τὴν εἴσοδον. στεφανηφόρος χορεύει. τῶ στέφει τῶν μαρτύρων στεφόμενος.

Ρєлнн (sic) стра҃ предъложитель. нн ꙁа ꙋто же кражнє мꙋ҃тко нмѣкъ наїтнє боретьса моужескы. прохытрѣ подъшьдъ протнвномоу ·:·

Ἐκλάμψας ἐκ παρθένου ὡς ἥλιος. συνατέλλουσαν χε҃. ὡς ἐωσφόρον τὴν ἔνδοξον. τοῦ πρωτομάρτυρος μνήμην. τῆ σῆ καταγλαΐζεις φαιδρότητι.

β΄. ѡ҃дѣ. ѕ҃. ὁ ἀναβαλλόμενος φῶς.

Ἔλαμψεν ὡς ἄγγελος ὁ πρωτομάρτυς σου. ταῖς ουν̄ίων χε҃ ἀφίδων. γεγονῶς ὑπέρτερος. л. 160. а. καὶ δόξης ἀρρήτου, ἐμφορηθεὶς φιλ҃άνε.

Θεηγόρου στόματος νιφάσιν ἔβαλλε. τοὺς μιαιφόνους. ὁ πρώτομάρτυς. ὑπ᾽ αὐτῶν ἀπείροις δὲ. τῶν λίθων νιφάσιν. ὡς νικητῆς ἐστέφετο.

Ὡς ἀκαταγώνιστος. τε҃ πρωτομάρτυρος. τοῦ θειου ζήλου ἡ παρρησία. καὶ γὰρ μέχρις αἵματος. πρὸς τοὺς θεοκτόνους ἀνδρείως παρετάξατο.

Снмн ѡ҃ двꙑ ꙗко слн҃це. късннающю хе҃ ꙗко дн҃ьнноую славьноую. пьркомꙋ҃ка памать. твоєю ѡꙁарающи свѣтьлостню ·:·

Пѣ҃. ѕ҃. одѣнса свѣтом ·:·

Късни ꙗко слн҃це. пьркомꙋ҃ъмь тн нбн҃ын хе҃ лоукъ. превышьнни бꙑкъ слакꙑ неїꙁдрєченны. напльньса мл҃рде ·:·

Нꙁ оустъ бо҃глн҃ъ. метанне метаѥть. на оубиица пьркомꙋ҃къ ѡ нихъ бєщнсла же. метанніємь каменних. ꙗко побѣдитель кѣньтаса ·:·

л. 197. об. Ꙗко непобѣдимо пьркомꙋ҃ка. ст҃а рьвєнна дьрꙁновенне. нко до крькє абие. моужьскы опълчєка ·:·

θ'. Τὸν ἐπιδημήσαντά. ἐξ ἀπειράνδρου μρ̄ς. ὁ προτομάρτυς. ἐνακινήτω. τοῦ πρ̄ς. θεότητι. ἑστῶτα καὶ δόξῃ. ἐν δύν̄οις τεθέαται

Прошьдшаго из кєзмоужныа мт̑рє пьрвомоу̑нкъ. въ нєдвижимѣ бт̑ва оуа̑го зрить. и славоу на нєсх̑ъ видить ·:·

β', ὠδὴ. ṡ. μαινομένην κλυδ.

Ὁ κλεινὸς γαξίαρχος τῶν μαρτύρων. στέφανος πιστοί. τοὺς θεσμοὺς τῆς φύσεως τῇ χάριτι. ἐκβεβηκώς. τὴν θείαν δόξαν αὐγάζεται.

Μιμητὴς πανάριστος χρηματίσας. δέσποτα χ̄ε, τοῦ τιμίου πάθους σου. ὁ στέφανος. τοὺς φονευτάς. δὶ εὐλογίας ἀμύνεται: δίς (sic).

ϐ. Μιαιφόνου πράξεως ἀμετόχους. φύλαττε χ̄ε. καὶ τοῦ πρωτομάρτυρος ἀξίωσον. σοὺς ὑμνητάς. τῆς κληρουχίας ὡς ἔυσπλαγχνος.

Пѣ. ѕ. вълиѭщєюсѧ ·:·

Славьнын оуниитєль. мо̑къ стефанъ вѣрьнын. обыуан єстьства бл̑гдтью ншьдъ. бж̑ню славою озарисѧ ·:·

Подобьникъ быкъ нзящєнъ вл̑ко хе̑. оустьнєн моущє тн. стефанъ оубиицамъ. благ̑нємь прѣтнть ·:·

Оубинствьна дѣанна не прнуастьнъı схранан хе̑. и пьркомо̑ка съподоблан пѣвьца. ако мл̑рдъ наслѣдью ·:·

Всємирна бы̑ спн̑на вл̑ко хе̑. начало рожьство тн. и мунѣмъ подобьно. образъ нсповѣданна ·:·

л. 160 об. ϐ'. ὠδὴ ζ̄. ὁ ὑπερυψούμενος.

Τοὺς ὀδόντας βρύχοντες. φωνικῶς παράνομοι. ὡς θῆρες ἁρπάσαντες. ἀνήρουν τὸν στέφανον. ἐνθέως μελῳδοῦντα, ὁ θ̄ς̄ εὐλογητος.

Ὡς ποικίλοις ἄνθεσι. καὶ ὡραίοις στέφανε. τοῖς λίθοις κοσμούμενος, σαυτὸν προσενήνοχας. л. 161 а. χῷ τῷ ζωοδότη. μελῳδῶν εὐλογητὸς εἶ.

Ὡς ἀκαταγώνιστος. ἡ τοῦ παύλου ἔνστασις. πορθοῦντος τὸ πρότερον. θ̄ῳ τοὺς θεράποντας. προσάγοντος τε ἔθνη. νῦν χῷ εἰς τοὺς αἰῶνας.

Пѣ. ζ̄. прѣкъзносимъıн ·:·

Зоубн скрьжьуоуще оубинствъно законопрестоупьницн. ако звѣрьıе късхъщахоу оубиюще стефана. л. 198. бж̑ѣно поюща. бе̑ бл̑ги ·:·

Ако разлнуьна цвѣтцѣ. красъныи стефане. каменнємь краснми прнкелъ есн. хоу̑ жнзнодавцоу. пом. бе̑ бл̑гнъ ·:·

ϐ Ἐπαρθεὶς τὸ πνῖ τῷ ἁγίῳ στέφανε. ἀρρήτως τεθέασαι. υἱὸν σὺν γεννήτορι. κραυγάζων τῇ τριάδι. ὁ θ̄ς̄ εὐλογητος εἶ.

β'. ὠδὴ η̄. σοὶ τῷ παντουργῷ ἐν τῇ.

Δεῦτε νοητῶς. τῇ τοῦ στεφάνου δόξῃ. λαμπόμενοι μελψωμεν. τῷ σαρκωθέντι θ̄ῳ. πάντα τὰ ἔργα.

Σοὶ ὡς νικητῇ. τῆς παρανόμου πλάνης. ἀθλήσεως στέφανος ἐπλάκη στεφανε. ὅθεν ἐβόας. τὸν κ̄ν̄ ὑμνοῦτε.

Ὤφθη σοι χ̄ς̄. ἐν τῇ πρ̄ᾶ δόξῃ. τῶν ἄθλων μηνύων σοι σαφῶς τὰ ἔπαθλα. ὅθεν ἐβόας. τὸν κ̄ν̄ ὑμνούτε καὶ περυψοῦτε εἰς παντας.

ϐ. Ἔπλεξεν ἡμῖν. ὁ τοῦ δεσπότου τόκος. χορείαν ἡ μνήμη τε τοῦ πρωτομάρτυρος. ὅθεν ἀπαύστως. τὸν κ̄ν̄ ὑμνοῦτε καὶ ὑπερυψοῦτε.

Пѣ. η̄. тєбє всєдєтєлю. ·:·

Градєте оумно стефанєю славою снмємн въпнємъ. въплъщєномоу хо̑у. вса дѣла ·:·

Ивитнся хъ оу̑єю славою. стра̑ възвѣщаа тн. ивѣ къзмьздніе. тѣмь къпнмше ты. га поїте ·:·

Ако побѣдителю тн законьнѣн льстн. страданнм къньць плетенъ бы̑ стефане. тѣмь къпнмше га понте ·:·

л. 161 об. β'. ὠδὴ θ̄. ἡσαΐα χόρευε.

Τῶν ἐπαίνων στέφανε ὑπερέβης. ἅπαντα θεσμόν. καὶ φέρεις καταπαντός. λόγου ἀψευδῶς σὺ τὰ νικητήρια ἀδυνατεῖ, βρότειος γὰρ νῦν. πλέξασθαι στέφανον. ἐγκωμίων σοι ἐπάξιον.

Ὦ τῆς μακαρίας σθ ἧς ἐφθέγξω. στέφανε φωνῆς. μη στήσης τοῖς φονευταῖς δέσποτα βοᾶν. χ̄ε τὸ ἀνόμημα. ἀλλ'

Пѣ. θ̄. ісанм лнкоуи ·:·

Прѣхваленнм стефане. превъзнде всего обыуам. и носнши ксѣмъ л. 198. об. слово нелъжно. ты всякы побѣды. не можеть бо ѯемьнъ оумъ нсплєстн вѣньца похваленню тебѣ достонно ·:·

Олє бл̑жнын ткон їже нздрєуе стефане гл̑а. не поставн оубнїцамъ вл̑ко въпнм. хе̑ невѣдѣнм. нъ ако

ὡς θ̄ς̄ καὶ δημιουργός δέξαι το πν̄α μου, ὥσπερ θῦμα εὐωδέστατον,

· Σὺ τῶν πόνων ἔπαθλον ἀνεδήσω. τὸν νικητικόν. ἐκ παντοκρατορικης στέφος δεξιᾶς. καὶ νῦν παμμακάριστε. παρεστικῶς. τῶ παμβασιλεῖ. δόξη καὶ χάριτι. τοὺς ὑμνοῦντας σε. στεφάνωσον.

θ̄. Χρονικῆς ὑπάρξεως ἐκ παρθένου. εἴληφεν ἀρχήν. σαρκὶ λ. 162 ά. ὁ ἐκ τοῦ πρ̄ς ἄχρονος υἱός. δϊ ὃν ἀναιρούμενος ὁ μίμητής. στέφανος χῡ̄. νῦν ἐκληράσατο. ἀπαρχὴν της αἰωνίου ζωῆς.

Гъ и съдѣтель. приими дш̈ю мою. ꙗко жьртвоу блг̄оуханноу · : ·

Ты стр̄а̄ къзмьздиѥ. оуказуѥса побѣдьнъıимъ. ꙁ кьсѣдьржитєлєвъı роукъı вѣньцьмь. и нъıнѣ прѣжѝе. предъстоıи всецр̄ю моудростью и блг̄дтню поющимъ та вѣньчан · : ·

Лѣтьнам бъıтиꙗ. ѿ дв̄ъı приять наѵатъкъ. плътню безъ оц̈а безлѣтьнъ сн̄ъ. ꙗнь же оубиваѥмъ подобьникъ стєфанъ хв̄ъ. нъıнѣ наслѣдока наѵатъкъ присносоущиꙗ жизни · : ·

Чтеніе и объясненіе снимка.

Στῶμεν ἐυλαβῶς ἐν τῶ οἴκω τοῦ Κυρίου. ἐν ἀλαλαγμῶ. ἀνυμνήσωμεν συμφώνως. τὴν τοῦ εὐσπλαγχνίαν. καὶ πολλὴν συγκατάβασιν. πῶς ἐν βηθλεὲμ τῆς ἰουδαίας. βρέφος κατεδέξατο ὀφθῆναι. καὶ βοήσομεν. ἐυλογημένος ὁ τεχθείς.

ф. 12. об. Τῶ ἐν τριάδι εὐσεβῶς ὑμνουμένω. ἀκολουθήσασα θεῶ. ἀθληφόρε τὰ τῶν ἑλλήνων ἔλιπες σεβάσματα. μέσον δὲ τοῦ σκάματος ἐναθλοῦσα βαρβάρα. τυράννων οὐκ ἔπτηξας ἀπειλὰς ἀνδρειόφρον. μεγαλοφώνως μέλπουσα ἀεὶ τριάδα σέβω τὴν μίαν θεότητα.

ф. 101. Μηνὶ τῶ αὐτῶ κ̄. προεόρτια τῆς χριστοῦ γεννήσεως. καὶ μνήμη τοῦ ἁγίου ἱερομάρτυρος ἰγνατίου τοῦ θεοφόρου. εἰς τὸ Κύριε ἐκέκραξα, στιχιρ. προερτίας ϛ̄. καὶ τοῦ ἁγίου ϛ̄. στιχιρ. προεορτία ἰδιομελα, ἦχος. α̈.

Προεορτάσωμεν λαοὶ Χριστοῦ τὰ γενέθλια. καὶ ἐπάραντες τὸν νοῦν. ἐπὶ τὴν βιθλεὲμ ἀναχθῶμεν τῆ διανοία. καὶ κατίδωμεν τὴν παρθένον.

ф. 184. Ἐτελειώθη το παρὰ βιβλίον, ἐν ἔτι ϡsyk̄θ̄. (1421 г.) ἰνδικτιώνος ϊϛ̄. κατὰ μήνα, νοέμβριον. κ̄ϛ̄. ἐν ἡμερα τετράδι.

Заглавныя буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ὁρῶσα. πλησθεῖσα, ἔνδοξοι: ·

Слова съ титлами и сокращенія: θεὸς. κύριε. καὶ τὴν τὸν τῶν. εὐλογημένος.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀγώνων. ἄγγελος ἀξιῶσαι. ε., ἐξ ἄμετρου μετὰ γενόμενος. εξῆλθεν. ν., νῦν. σ., πτωχείας. πιστῶς. τ., ἐστῶτα. вязью писанныя слова: θεοφανους. λογον.

IV. Грамматическія вопросы Мануила Критскаго

Находятся въ Императорской Публичной Библіотекѣ подъ № 58-мъ.

Длина пергамина.	4½ в.
Ширина.	3½ в.
Къ корешку.	½ в.
Къ правой сторонѣ	¾ в.
Къ верху	½ в.
Къ низу	¾ в.

Пергаменъ желтъ, тонокъ, мѣстами пропитанъ масломъ.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ по смытымъ черниламъ прежней рукописи IX—X в. по прежнимъ нарѣзамъ на 129-ти листахъ. Заставокъ нѣтъ, заглавія и простыя заглавныя буквы коричневаго цвѣта. Первый почеркъ видѣнъ на 73. листѣ; 127, 128. и 129. листы незаписаны грамматикою, только смыты чернила, но текстъ видѣнъ, и хотя съ трудомъ, но можно читать. Число строкъ на страницѣ неопредѣленно 26, 28, 29, 31.

Въ Славянскомъ переводѣ не встрѣтилось мнѣ видѣть сей грамматики.

Чтеніе и объясненіе снимка.

л. 3. Ἀρχὴ σὺν θεῷ ἁγίῳ τοῦ πρώτ. σχέδους. τοῦ διορθωθέντος παρὰ τοῦ σοφωτάτου καὶ λογιωτάτου κυροῦ μανουὴλ τοῦ κρήτης.

Κύριε Ἰησοῦ χριστὲ ὁ θεὸς ἡμῶν ὁ ἀσπόρως εὐδοκήσας τεχθῆναι ἐκ τῆς ἁγίας θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου μαρίας. ταῖς πρεσβείαις αὐτῆς καὶ τοῦ χρυσορρήμονος Ἰωάννου. φώτισον τὸν νοῦν τοῦ νεοῦ τοῦ νῦν ἀρξαμένου τοῦ σχεδογραφεῖν. καὶ τὴν καταρχὴν εὐλόγησον τοῦ σχέδους.

φ. 126 об. Τελεώθεν κατα τ. ιϐ. τοῦ Ἰουνίου μηνὸς ἔτους ϛϡκϐ. (1424 г.)

Нѣсколько заглавныхъ буквъ и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: καθαιρῶν, ἕτερα. καὶ ἕτερα ⁝.

Соова съ титлами и сокращенія: Χριστὲ ὁ θεὸς κατὰ κοινῶς μικρὸν σχέδους.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ὁ ταξίαρχος. ε., εἰς περιστεραῖς ἔλαιον. ξ. ν., σύνδεσμος. σ., προσθήκης. τ., σύστημα.

V. Дѣянія и посланія Апостольскія съ соборникомъ и словами св. Григорія Богослова и его житія, и патериковъ.

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 5-мъ.

Длина бумаги	6⅝ в.
Ширина	4⅞ в.
Къ корешку	½ в.
Къ правой сторонѣ	1 в.
Къ верху	¾ в.
Къ низу	1⅛ в.

Бумажный знакъ на 266. листѣ ножницы.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ на 464-хъ листахъ. Нарѣзовъ, кромѣ продольныхъ не видно. Заставки, заглавныя буквы писаны коричневою съ оттѣнкомъ розовымъ, желтою и сѣрою красками, а мѣстами черною. Заглавія и мелкія заглавныя буквы тоюже коричневою краскою съ розовымъ оттѣнкомъ писаны. Съ 408. листа другой почеркъ и другая сѣрая лощеная бумага; гдѣ трудно опредѣлить какое очертаніе имѣетъ бумажный знакъ. Колеръ чернилъ темный и темно-коричневый. Число строкъ въ 1-й и 2-мъ почеркѣ на страницѣ 34.

На листѣ 1-мъ вверху написано τῶν ἰβηρῶν, а внизу: Арсеній κζ. На 1-мъ и 2-мъ написано оглавленіе сей книги. На листѣ 3-мъ вверху подписано: τῶν ἰβήρων.

л. 3. — 104 об. Дѣяніе и посланія Апостольскія.

л. 105 — 111 об. Συνάξαριον σὺν θῷ ἁγίῳ τοῦ πραξαιποστόλου. ἀρχόμενου ἀπὸ τῆς μεγάλης κυριακῆς, καὶ καταλήγον τῷ μεγάλῳ σαββάτῳ. περιέχει δὲ καὶ τὸ μηνολόγιον. Начало: Λόγοι ἀναγινωσκόμενοι ἀπὸ τῆς κυριακῆς τοῦ τελώνου καὶ τοῦ φαρισαίου. ἕως τῇ κυριακῇ τῶν ἁγίων πάντων.

л. 112 — 114. ιά. Τοῦ ἐν ἁγίοις πτρὸς ἡμῶν Ἰωάννου τοῦ χρυσοστόμου. λόγος εἰς τὸν τελώνην καὶ τὸν φαρισαίον. Начало: Ἄνοι δύο ἀνέβησαν εἰς τὸ ἱερὸν προσεύξασθαι.

л. 114 — 116. ιϐ. Τοῦ αὐτοῦ. λόγος εἰς τὴν δραγμὴν καὶ εἰς τὸ ἄνος τις εἶχε δύο υἱοὺς. Начало: Πάλιν οἱ κολποι χῦ ἀπαύστω νάματι.

л. 116 — 119 об. ιγ. Τοῦ αὐτοῦ λόγος εἰς τὸν ἄσωτον υἱὸν. Начало: Ἀεὶ μὲν τὴν τοῦ θῦ φιλανίαν κηρύττειν ὀφειλομεν.

л. 119 об. — 130. ϡ. Τοῦ μακαριωτάτου Ἱππολίτου παπα ῥώμης καὶ μάρτυρος, λόγος εἰς τὸν δεύτερον, παρουσίαν, τοῦ κῦ ἡμῶν Ἰῦ χῦ. καὶ εἰς τὴν παρουσίαν τοῦ ἀντιχρίστου. Начало: Ἐπειδὴ γὰρ οἱ μακάριοι προφῆται, ὀφθαλμοὶ ἡμῶν γεγόνασι.

к. 130 — 139 об. ϵ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου κωνσταντινουπόλεως τοῦ χρυσοστόμου. λόγος εἰς τὴν ἀρχὴν τῆς ἁγίας τεσσαρακοστῆς. καὶ εἰς τὴν ἐξορίαν τοῦ ἀδὰμ καὶ περὶ πονηρῶν γυναικῶν. Начало: Πρόκειται ἡμῖν ἀγαπητοὶ πνικὴ τράπεζα ἐκ τῶν θείων γραφῶν.

л. 140 — 143. ϵ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν γρηγορίου ἐπισκόπου νύσσης ἐγνώμιον εἰς τὸν ἅγιον μεγαλομάρτυρα θεόδωρον τὸν τύρωνα. Начало: Ὑμεῖς ὁ τοῦ χῦ λαός. ἡ ἁγία ποίμνη.

л. 143 об. — 147 об. ϛ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν, μεθοδίου ἀρχιεπισκόπου κονσταντινουπόλεως τοῦ ὁμολογητοῦ, λόγος περὶ τῶν ἁγίων εἰκόνων. Начало: Πιστεύω εἰς ἕνα θν̄. πρ̄α παντοκράτορα.

л. 147 об. — 149 об. ϡ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν θεοδόρου ὁμολογητου καὶ ἡγουμένου μονῆς τῶν στουδίου. λόγος εἰς τὸν τίμιον σ̄ρον. Начало: Ἀγαλλιάσεως καὶ εὐφροσύνης ἡμέρα.

л. 149 об. — 156 об. ϡ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν, ἀνδρέου ἀρχιεπισκόπου κρήτης τοῦ ἱεροσολυμίτου λόγος εἰς τὸν τετραήμερον λάζαρον. Начало: Λάζαρος τὸν παρὸν τὰ συγκεκρότηκε σύλλογον.

л. 156 об. — 159. ϡ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν, Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κονσταντινουπόλεως τοῦ χρυσοστόμου λόγος εἰς τὸν τετράημερον λάζαρον. Начало: Σήμερον ἐκ νεκρῶν ἐγειρομενος ὁ λάζαρος.

л. 159 — 162 об. ϡα. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν ἀθανασιου ἀρχιεπισκόπου ἀλεξανδρείας ἐκ τοῦ κατὰ λουκᾶν εὐαγγέλιον, εἰς τὸ πορεύεσθε εἰς τὴν ἀπέναντι κώμην, καὶ εὑρήσητε πῶλον δεδεμένον Начало: Οἱ τὰ ἐπίγεια φρονήσαντες. καὶ τῆς ἐντολῆς τοῦ θῦ καταφρονήσαντες.

л. 162 об. — 165. ϡϰ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν Ἰωαννου ἀρχιεπισκόπου Κωνσταντινουπόλεως τοῦ χρυσοστόμου. λόγος εἰς τὰ βαΐα. Начало: Ἐκ θαυμάτων ἐπὶ θαύματα ἴωμεν τοῦ κῦ ἡμῶν ἀδελφοί.

л. 165 об.—173. ϡϝ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν ἀνδρέου ἀρχιεπισκόπου κρήτης τοῦ ἱεροσολυμιτου. λόγος εἰς τα βαΐα. Начало: Χθὲς ἡμῖς μετὰ τοῦ δεσπότου. λάζαρος ἐστιάσατο.

л. 173 об. — 178. ϡϡ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν. Ἰωάννου ἀρχιεπισκόπου Κονσταντινουπόλεως τοῦ χρυσοστόμου λόγος τῇ ἁγία καὶ μεγάλῃ δευτέρα. Начало: Δικνοίσαμεν τῆς νηστείας τὸν πλοῦν, καὶ πρὸς τὸν λιμένα...

л. 178 — 181 ϡϵ. Τοῦ αὐτοῦ λόγος εἰς τὴν ζηρανθεῖσαν συκὴν. Начало: Οφθαλμὸς μὲν ὁρῶν, ἢ δένδρον ἀνθηφόρον.

л. 181 — 184. ϡϛ. Τοῦ αὐτοῦ λόγος εἰς τὰς δέκαπαρθενους. Начало: Οταν τὸ εὐδαπάνητον τῆς ζωῆς ἐννοήσω.

л. 184 — 189 об. ϡϛ. Τοῦ αὐτοῦ λόγος εἰς τὴν πόρνην τὴν ἀληψασαν τὸν κν̄ μύρω ἐν τῷ οἴκω τοῦ φαρισαίου. Начало: Ἅπας μὲν καιρὸς παντὶ βουλομένω.

л. 189 об. — 193. ϡϞ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν, κυρίλλου ἀρχιεπισκόπου ἀλεξανδρείας, λόγος εἰς τὸν μυστικὸν δεῖπνον καὶ εἰς τὸν νηπτῆρα. Начало: Τί τερπνότερον ἢ τί ἡδύτερον τοῖς φιλοθέοις.

л. 193 — 198. ϡϴ. Τοῦ Χρυσοστόμου, λόγος εἰς τὴν προδοσίαν τοῦ Ιουδα καὶ εἰς τὸ πάσχα. καὶ εἰς τὴν παράδοσιν τῶν μυστηρίων. καὶ περὶ τοῦ μὴ μνησικακεῖν. Начало: Ολίγα ἀνάγκη σήμερον πρὸς τὴν ὑμετέραν ἀγάπην εἰπεῖν.

л. 198 — 200. ϡϰ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν, ἀθανασίου ἀρχιεπισκόπου ἀλεξανδρειας. λόγος τῇ ἁγία καὶ μεγάλῃ παρασκευῇ. Начало: Μέγα μὲν οὐτ̄ους δημιούργημα.

л. 200 — 201 об. ϡϰα. Τοῦ χρυσοστόμου λόγος εἰς τὸν ληστὴν. καὶ εἰς τὴν παράδωσιν τοῦ κῦ ἡμῶν Ἰῦ χῦ. Начало: Οπόση δύναμις τῆς ἡμετέρας πίστεως.

л. 201 об. — 208 ϡϰϐ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν ἐπιφανίου ἀρχιεπισκόπου κωνσταντείας τῆς κύπρου. λόγος εἰς τὴν θεόσωμον τάφην τοῦ κῦ καὶ θῦ καὶ σρ̄ς ἡμῶν Ἰῦ χῦ. καὶ εἰς τὸν Ἰωσὴφ ἀπὸ ἀριμαθαίας καὶ εἰς τὴν ἐν τῷ ᾅδῃ τοῦ κῦ κατάβασιν μετὰ οὐ σρ̄ιον πάθος παραδόξως γεγενημένην Начало: Τί τοῦτο. σήμερον σιγὴ πολλὴ ἐν τῇ γῇ.

л. 208 — 214 об. ϡϰγ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν γρηγορίου ἐπισκόπου νύσσης. περὶ τῆς ἀναστάσεως τοῦ κῦ ἡμῶν Ἰῦ χῦ. ὅτι κατὰ μηδὲν ἀλλήλοις ἐναντιωθέντες οἱ εὐαγγελισταὶ, διαφόρως τὰ συμβεβηκότα περὶ τῆς ἀναστάσεως τοῦ ἐμμανουὴλ ιστόρησαν. Начало: Πάντες μὲν ἀγαπητοὶ ὡς εἰπεῖν ἀποδέχονται τὴν ἐν τῇ κυριακῇ.

л. 214 — 218. ϡϰδ. Τοῦ χρυσοστόμου λόγος εἰς τὴν τριήμερον ἀνάστασιν τοῦ κῦ καὶ θῦ καὶ σρ̄ς ἡμῶν Ἰῦ χῦ. Начало: Ἔυκαιρον σήμερον ἅπαντας ἡμᾶς ἀναβοῆσαι τὸ παρὰ τοῦ μακαρίου δᾶδ.

л. 218 — 221. ϡϰϵ. Τοῦ αὐτοῦ λόγος εἰς τὴν ἀνάστασιν τοῦ κῦ ἡμῶν Ἰῦ χῦ. Начало: Ἀνέστη τῇ τρίτῃ ἡμέρα ὁ κ̄ς ἡμῶν Ἰ̄ς χ̄ς, ζωὴν τῷ κόσμῳ δωρούμενος.

л. 221 — и об. κϛ. Τοῦ αὐτοῦ ἀπαρίθμησις προσάκις ὤφθη ὁ κ̄ς̄ ἀναστας ἐκ νεκρῶν. Начало: Ἐπειδὴ ἓν δεκα μαθητὰς εἶχεν ὁ κ̄ς̄.

л. 221. об. — 223. об. κζ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς̄ ἡμῶν ἀθαναϛίου ἀρχιεπισκόπου ἀλεξανδρείας λόγος εἰς τὸ ἅγιον πάσχα. Начало: Ἐι ταῖς τῶν ἀγγέλων ἐνῆν πρὸς τὸ παρὸν χρήσασθαι γλώτταις.

л. 223 об. — 225 об. κη. Τοῦ αὐτοῦ λόγος εἰς τὴν καινὴν κυριακὴν. Начало: Χ̄ς̄ ἐγερθεὶς ἐκ νεκρῶν, ὅλην τὰν ἀ̄ν τὴν ζωὴν ἑορτὴν ἀπειργάσατο.

л. 226—229 κθ. Τοῦ χρυσοστόμου λόγοξ εἰς τὴν ἀπιστείαν τοῦ θωμᾶ καὶ εἰς τὴν πίστιν αὐτοῦ. Начало: Ἥκω τὸ χρέος ἀποδώσων ὑμῖν. χρεός. τὸ καὶ ἐμὲ τὸ. ἀποδιδοῦται.

л. 229 — 233. об. λ. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς̄ ἡμῶν, γρηγορίου ἐπισκόπου ἀντιοχείας. λόγος εἰς τὴν θεόσωμον τάφην τοῦ κ̄ῡ καὶ θ̄ῡ καὶ σ̄ρ̄ς̄ ἡμῶν Ἰ̄ῡ χ̄ῡ, καὶ εἰς τὴν ἐκ νεκρῶν ἀνάστασιν. καὶ εἰς τὸν Ἰωσὴφ τὸν ἀπὸ ἀριμαθαίας. καὶ εἰς τὰς μυροφόρους. Начало: Ἐπαινετὸς καὶ οὗτος τῆς ἐκκλησίας ὁ νόμος.

л. 233. об. — 239. λα. Τοῦ χρισοστόμου λόγος εἰς τὸν παράλυτον, τὸν τριάκοντα ὀκτὼ ἔτη ἔχοντα ἐν τῇ ἀσθενείᾳ, καὶ ὅτι ὁ πῆρ μου ἕως ἄρτι ἐργάζεται, κἀγὼ ἐργάζομαι. Начало: Ἐυλογητὸς ὁ θ̄ς̄ καθεκάστην σύναξιν αὐξανομένην ὁρῶ τὴν ἄρουραν.

л. 239 — 241. λβ. Τοῦ χρυσοστόμου λόγος εἰς τὸ λέγειν τοὺς ἰουδαίους πρὸς τὸν κ̄ν̄ ἡμῶν Ἰ̄ν̄ χ̄ν̄, δαιμόνιον ἔχεις. καὶ εἰς τὸ μὴ κρίνετε κατ᾽ ὄψιν. καὶ εἰς τὸν ὀγδοηκοστὸν πρῶτον ψαλμὸν ὁ θ̄ς̄ ἔστη ἐν συναγωγῇ θεῶν ἐν μέσῳ δὲ θεοὺς διακρινεῖ. Начало: Ὥσπερ ἡ φαεσφορος σελήνη τὰ τῆς νυκτὸς αμαυρὰ λευκαίνουσα.

л. 241. 242. λγ. Τοῦ αὐτοῦ λόγος εἰς τὴν μεσοποντηκοστὴν. Начало: Ὅπου δ᾽ἂν ὁ δεσπότης χ̄ς̄. ὡς πηγὴ ζωῆς σωματικῶς παραγένηται.

л. 242—247. λδ. Λεοντίου πρεσβυτέρου Κονσταντινουπόλεως εἰς τὴν μέσην. ν̄. καὶ εἰς τὸν ἐκ γεννητῆς τυφλὸν. καὶ εἰς τὸν ἅγιον πέτρον ὑπὸ ἡρώδου ἐν τῇ φηλακῇ ἀποκλεισθέντος. Начало: Τοῖς φιλοῦσι τὸν κ̄ν̄ ἑορτῆς οὐ λείπει καιρός.

л. 247. 248. λε. Τοῦ χρυσοστόμου λόγος εἰς τὴν σαμαρείτην. Начало: Φέρετε νυν καὶ σήμερον ἀγαπητοι.

л. 248 — 252. λϛ. Τοῦ αὐτοῦ λόγος εἰς τὴν σαμαρείτιν, καὶ τι ἑρμηνέυεται ὁ μεσσίας. Начало: Σήμερον ἡμῖν ὁ χ̄ς̄ τοὺς ἄθλους τῆς σαμαρειτίδος ἐκήρυξε.

л. 252 — 255. λζ. Τοῦ αὐτοῦ λόγος εἰς τὸ κατὰ λουκᾶν ἐυαγγέλιον. καὶ εἰς τὸν ἐκ γεννητῆς τυφλὸν. Начало: Καὶ παράγων ὁ Ἰ̄ς̄., εἶδε τυφλὸν ἐκ γεννητής.

л. 255 — 262. λη. Τοῦ αὐτοῦ λόγος ὅτι ἐθεράπευσεν ὁ πῆρ τὸν ἐκ γεννητὴς τυφλὸν. Начало: Πολλα, καὶ διάφοροι τᾶν ἁγίων γραφῶν αἱ διδασκαλιαι.

л. 262 — 264. λθ. Τοῦ ἓν ἁγίοις πρ̄ς̄ ἡμῶν, αθανασίου ἀρχιεπισκόπου ἀλεξανδρείας λόγος εἰς τὴν ἀνάληψιν τοῦ κ̄ῡ ἡμῶν Ἰυ χ̄ῡ. Начало: Ἡ μὲν τῆς ἀναστάσεως μνήμη, κατὰ τοῦ θανάτου τοῖς ἀ̄νοις χρίζεται.

л. 264 об.— 265 об. μ. Τοῦ αὐτοῦ λόγος εἰς τὴν ἀνάληψιν τοῦ κ̄ῡ ἡμῶν Ἰ̄ῡ χ̄ῡ. Начало: Οὐκ οἶδα ποία χρήσομαι γλάττη πρὸς τὴν τῆς παρούσης ἑορτῆς εὐφημίαν.

л. 265 об. — 267. об. μα. Τοῦ χρυσοστόμου λόγος εἰς τὴν ἀνάληψιν τοῦ κ̄ῡ ἡμῶν Ἰ̄ῡ χ̄ῡ. Начало: Φαιδρὰ μὲν πᾶσα ἑορτη τῆσ τοῦ χ̄ῡ οἰκονομίας.

л. 267. об. — 269. об. μβ. Τοῦ αὐτοῦ λόγος εἰς τὴν ἀνάληψιν τοῦ κ̄ῡ ἡμῶν Ἰ̄ῡ χ̄ῡ. Начало: Ἐπειδὴ χάριτι θ̄ῡ τὸν λόγον τὸν περὶ τοῦ πάθους τοῦ δεσποτικοῦ ἐποιησάμεθα,

л. 270 — 274. об. μγ. Λόγος εἰς τοὺς ἁγίους τριακοσίους δέκα καὶ ὀκτὼ θεοφόρους πρᾶς τῶν ἐν νικαίᾳ. καὶ Κονσταντινον τὸν εισαπόστολον βασιλέα. λεχθεὶς παρὰ γεωργίου πρεσβυτέρου καισαρίας καππαδοκιας. Начало: Πείθεσθαι τοῖς ἡγουμένοις, ἐκ τῆς ἀποστολικῆς προτραπεὶς.

л. 274. об. — 278. μδ. Τοῦ χρυσοστόμου λόγος εἰς τὴν ἁγίαν πεντηκοστὴν καὶ εἰς τοὺς ἀποστόλους. Начало: Οὐχὰς ἡμῖν σήμερον γέγονεν ἡ γῆ.

л. 278 — 281. με. Τοῦ αὐτοῦ λόγος εἰς τὴν πεντηκοστὴν. Начало: Μεγάλα ἀγαπητοὶ καὶ πᾶντα λόγον ἄ̄νοινον ὑπερβαίνοντα σήμερον ἡμῖν.

л. 281 и об. μς. Τοῦ αὐτοῦ λόγος εἰς τὴν ἁγίαν ν̄. Начало: Σήμερον ἐπεφοίτησε τοῦ ἁγίου πῦ̄ς̄ ἡ χάρις.

л. 281 об. — 286. μζ. Λεοντίου πρεσβυτέρου Κονσταντινουπόλεως. λόγος εἰς τὴν ἁγίαν πεντηκοστὴν, Начало: Ὅσοι περὶ τὴν ἑορταστισὴν ἀένναον χάριν ἐπείγεσθε.

л. 286 — 287. об. μη. Τοῦ χρυσοστόμου λόγος εἰς τοὺς ἁγίους πάντας. Начало: Αἱ τῶν μαρτύρων ἑορταί, οὐκ ἐν τῇ περιόδῳ τῶν ἡμερων.

л. 288 — 291. мѳ. Τοῦ χρυσοστόμου λόγος εἰς τοὺς ἁγίους πάντας. Начало: ἐξ οὗ τὴν ἱερὰν πανήγυριν τῆς πεντηκοστῆς ἐπετέλεσαμεν.

л. 292 — 396. 16-ть словъ св. Григорія Богослова, тѣже, какія написаны въ рукописи съ миніатюрами X—XI в. № 61. сей же Библіотеки.

л. 396 — 407 об. Βίος καὶ πολιτεία τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν γρηγορίου τοῦ θεολόγου συγγραφεὶς ὑπὸ γρηγορίου πρεσβυτέρου καισαρίας καππαδοκίας. Начало: Συγκαλεῖ μὲν ἡμᾶς ὦ ἄνδρες γρηγόριος ὁ πάνυ.

л. 408—409 об. Изъ патерика, не имѣющаго начала. Начало: на 3-й строкѣ такое: Ἀδελφὸς ἠρώτησεν τὸν ἀββᾶν ποιμένα λέγων. τί ποιήσω ὅτι πολεμοῦμαι εἰς τὴν πορνείαν καὶ εἰς τὸν θυμόν.

л. 409 — 415 об. Περὶ ἡσυχίας. ὅτι δεῖ τὴν ἡσυχίαν πάσῃ σπουδῇ. Начало: ὁ Ἀββᾶς ἀντώνιος, καθεζόμενος ποτὲ ἐν τῇ ἐρήμω...

л. 415 об. — 419. Διηγήματα διάφορα πρὸς ἀσφάλειαν τῶν ἐκ τῆς πορνης ἐπανισταμένων ἡμῖν πολέμων. Начало: Εἶπεν ὁ ἀββᾶς ἀντώνιος. λογίζομαι ὅτι τὸ σῶμα ἔχει κίνησιν φυσικὴν συναφυεῖσαν αὐτῷ.

л. 419. 420. Περὶ ἀκτημοσύνης. ἐν ᾧ δεῖ καὶ τὴν πλεονεξίαν φυλάττεσθαι. Начало: Ἀδελφὸς ἀποταξάμενος τῷ κόσμω. καὶ διδοὺς τὰ ὑπάρχοντα αὐτῷ πτωχοῖς.

л. 420 — 423 об. Διηγήματα διάφορα πρὸς ὑπομονὴν καὶ ἀνδρείαν ἡμῶν ἀλείφοντα. Начало: Παρέβαλον ἀδελφοὶ τῷ ἀββᾶ ἀντωνίω, καὶ λέγουσιν αυτῷ. εἰπὲ ἡμῖν λόγον πῶς σωθῶμεν.

л. 423 об. — 424 об. Τοῦ μεγαλου βασιλείου, πρὸς μονάζοντας, ὁ ποῖος ὀφείλει εἶναι:. Начало: Δεῖ τὸν νέον ἀσκητὴν, ἀκτήμονα βίον ἔχειν.

л. 424 об, — 428 об. Λόγος παραινετικὸς τοῦ ὁσίου πρ̄ς ἡμῶν ἐφραίμ. Начало: Δεῦτε ἀγαπητοὶ. δεῦτε πρ̄ες καὶ ἀδελφοὶ μου. τὸ ἐκλεκτὸν ποίμνιον τοῦ πρ̄ς.

л. 428 об. — 431. Τοῦ ὁσίου πρ̄ς ἡμῶν ἀναστασίου μοναχοῦ τοῦ σινὰ ὄρους. λόγος εἰς κοιμηθέντας, πάνυ ὠφελιμος. Начало: Τί τοῦτο σήμερον ἀγαπητοὶ, σπουδαίως ὁμοῦ τὲ καὶ ἀξίως συνήχθημεν.

л. 431 — 433. Περὶ τῆς πατρικίας τῆς μετονομασθήσης, ὁ εὐνοῦχος. Начало: Εὐνοῦχος ἔμενεν, εἰς τὴν ἐσωτέραν ἔρημον τῆς σκήτεως.

л. 433 434. Περὶ τοῦ οὐ δεῖ τῶ μονάχῳ ἐπιμελεῖσθαι μοναζουσῶν, ἢ πλησιάζειν αὐταῖς. κἂν ἐι καὶ κατὰ θν̄ τοῦτο ποιεῖ. Начало: Ἐν τῶ βίω τοῦ ἁγίου Βησαριώνος εθεασάμεθα καὶ τὸν μέγαν βησαρίωνα.

л. 438. 439. Περὶ ψυχῆς διορθώσεως καὶ περὶ ἀκτημόσυνης. Начало: Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ ζήνωνος. ὅτι μικροψυῆς μὲν ἦν.

л. 439. 440. Παλλαδίου πρὸς λαῦσον. Начало: Φεῦγε ὅση σου δύναμις, ἀπὸ συγτυχίας ἀνδρῶν οὐδὲν ὤφειλον ἐχόντων.

л. 440 — 441. об. Ἐκ τῶν ἠθικῶν τοῦ χρυσοστομου. Начало: Ἐπεὶ οὖν ταύτης πόρρωπου καὶ μακραν ἐστήκατε.

л. 441 об. — Κεφάλαιον τοῦ ἁγίου βαρσανουφίου. Начало: Εἶπεν ὁ ἀββᾶς βαρσανούφιος. ὅτι οὐ δύνανται τὰ πάθη μὴ κινηθῆναι κατὰ τοῦ ανου.

л. 443. Λόγοι ἁγίων πρ̄ων ανωνύμιων. Начало: Διηγήσατο γέρων. ὅτι ἀδελφὸς τίς, ἀναχωρεῖν βουλώμενος, ἐκωλύετο ὑπὸ τῆς ἰδίας μρ̄ς.

л. 443 и об. Τοῦ ἁγίου Ἐφραὶμ. Начало: Μὴ εἴπῃς μοναχὲ. ὧδε στένωσις καὶ πόλεμος.

л. 443 об. — 446 об. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν ἀθανασίου. περὶ κατανύξεος, πρὸς τὸν μακάριον αντίοχον. Начало: Ἄκουσον τέκνον ἀντίοχε καὶ μάλλον φοβοῦ τὸν κν̄.

л. 446 об. 447. Περι ὑπακοῆς. Начало: Εἶπεν ὁ ἀββᾶς ἀντώνιος. ὅτι ἡ ὑπακοὴ μετὰ ἐγκρατείας, ὑποτάσσει θηρία.

л. 447. — 450 об. Περὶ ταπεινοφροσύνης. Начало: Ἔλεγε τις τῶν πρῶν διὰ τὴν ταπεινοφροσόνην.

л. 450 об. — 451. Τοῦ ὁσίου πρ̄ς ἡμῶν, θεοδώρου τοῦ στουδίτου. σρ̄ία συντομος διδασκαλία. Начало: Χριστιανὸς μᾶλλον δὲ μοναχὸς. ἐὰν ὠμνύει τὸ ὄνομα τοῦ χῦ ἤ τῆς θκ̄ου.

л. 451 об. — 453. Περὶ τοῦ ὅτι οὐ δεῖ τὸν μοναχὸν προσφασιν τῆς ἐλεημοσύνης χρήματα ἔχειν ἢ διδόμενα δέχεσθαι. καὶ τίς ἡ μοναχοῖς πρέπουσα ἐλεημοσύνη Начало: Ἔλεγεν ἡ μακάρια συγκλητικὴ. ὅτι οὐ χρὴ τὸν ἀσκητὴν ἀγωνίζεσθαι.

л. 453—455 об. Περὶ τοῦ, ὅτι μέγιστον ἐν ἀρεταῖς τὸ ἡσυχάζειν ἐν λόγω καὶ μεγάλων ψυχῶν δεόμενον. ἐν τῶ γεροντικῶ. Начало: Ὁ ἀββᾶς ἀρσένιος. ἔτι ὢν ἐν τῶ παλατίω, ἐδέτο θερμῶν τοῦ θῦ. λέγων. κε̄ ὁδήγησον με πῶς σωθῶ.

л. 455 об. — 457 об. Περὶ τοῦ πῶς τίς. καὶ πόθεν τῶν λογισμῶν περιγίνεται. καὶ μέχρι τίνος επι τούτοις οὐκ ευθυνόμεθα ἐν τῷ γεροντικῷ. Начало: Ἠρώτησεν ὁ ἀββᾶς ἡσαίας τὸν ἀββᾶν ποιμένα περὶ τῶν ρυπαρῶν λογισμῶν.

л. 457 об. 458. Ἀθανασίου τοῦ μεγάλου ἀλεξανδρείας, περὶ σρ̄ιας ψυχῆς. Начало: Αγαπητοὶ, φροντίσωμεν τῆς σρ̄ας ἡμῶν.

л. 458 и об. Αναστασίου τοῦ σιναίτου ἐρώτησις. ἐὰν τις αἰσχυνόμενος ἐιπεῖν ἀν̄ω τὴν αὐτοῦ ἁμαρτίαν, ἐισελθ ἐν τῇ ἐκκλησία καθ' ἑαυτὸν ἐξομολογούμενος τῷ θῷ, ἆρα δεκτος ἐστὶν ἢ οὔ. ἀπόκρισις. Начало: Ἐν ᾗ ἡμέρα κατανυγῇ ἄνος. καὶ συντάξηται τῷ θῷ τοῦ μηκέτι ἁμαρτησαι.

л. 458 об. — 461. Περὶ ψαλμωδίας καὶ προσευχης. Начало: Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ μακαρίου, ὅτι πορευόμενος ποτὲ εἰς τὴν ἐκκλησίαν.

л. 461 — 462 об. Περὶ ἐγκρατείας. καὶ τίς ἡ ἐκ ταύτης ὠφέλεια. καὶ τίς ἡ ἐκ τῆς ἀκρασίας βλαβη. ἐν τῷ βίω τῆς ἁγίας συγλητικῆς. Начало: Ἡ ἁγια συγκλητικὴ πρὸς τοῖς ἄλλοις ἀγαθοῖς οἷ εἰχεν.

л. 452 об.—464. Πράξεις διάφοροι ἁγίων πρ̄ων. εἰς ὑπομονὴν. διεγείρουσαι τὴν ἡμετέραν ἀσθένειαν. Нач. Ο μέγας μακάριος ὁ ἀλεξανδρεὺς, οὐ μιᾶ ἀσκήσει, ἀλλὰ διαφόροις ἐχρήσατο.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ сворника поученій № 564. XVI в. Библ. Унд. л. 140—145. л.

л. 229. Τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν γρηγορίου ἐπισκόπου ἀντιοχείας. λόγος εἰς τὴν θεόσωμον ταφὴν τοῦ κῡ καὶ θῡ καὶ σρ̄ς ἡμῶν Ιῡ χῡ καὶ εἰς τὴν ἐκ νεκρῶν ἀνάστασιν. καὶ εἰς τὸν Ιωσὴφ τὸν ἀπὸ ἀριμαθαίας. καὶ εἰς τὰς μυροφόρους.

Нже въ ст҃ыѧ wц҃а нашегѡ гр҃игорїа архїепп҃а анѣтиохїйскаго. слово на погрєбєнїе хр̄а. и на ст҃оє въскр҃нїе.

Ἐπαινετὸς καὶ οὗτος τῆς ἐκκλησίας ὁ νόμος. ὁ παρασκευάζων ἡμᾶς τοῦ τριημέρου θανάτου τοῦ σρ̄ς ἡμῶν πανηγυρίζειν τὴν μνήμην, ἐν τῷ θησαυρῷ τῶν νεκρῶν. τίς γὰρ λογιζόμενος τὴν ζωηφόρον |τοῦ σρ̄ς. τελευτὴν, οὐ νομίζει τοὺς νεκροὺς ὡς ἐν κλίναις ἀνακεῖσθαι ταῖς θήκαις, περιμένοντας τὴν οὐν̄ιον σάλπιγγα. τὴν πάντας ἡμᾶς καλοῦσαν ἐκ τῶν μνημάτων, πρὸς τὴν φοβερὰν τῆς κρίσεως ἡμέραν. τίς δὲ ἀποβλέπων πρὸς ἐκεῖνον τὸν θεῖον τάφον οὐ προσέχει τοῖς τάφοις ὡς θαλάμοις ζωῆς. τίς δὲ πιστεύων ἐκ νεκρῶν ἐγείγερθαι τὸν κν̄, οὐχ οὕτω διάκειται ὡς ἀναστήσας ἑαυτὸν καὶ τῆς ἀναστάσεως τευξόμενος διἄυτοῦ ἐπεὶ οὖν τῷ καλῷ νομω τῆς εκκλησίας πειθόμενοι, ἐν τοῖς τάφοις οἱ γρηγοροῦντες δράμετε πειρώμενοι. ἐπειδὴ τῷ τόπω στενοχωρούμενοι, τῷ πόθω πλατύνεσθε. ἐπειδὴ καθάπερ βότρυς ὡραῖος, ὅλος ὁ φιλόχριστος δῆμος συνεσφιγμένοι, л. 229 об. τυγχάνετε|†, ἀκούσατε τὸ ποθούμενον ὑμῖν τοῦ θανάτου μυστήριον. ὃ καὶ μετὰ τὸ μαθεῖν οὐδεὶς δύναται καταλαβεῖν. ὁ δεσπότης χ̄ς ὁ υἱὸς τοῦ θ̄υ ὁ μονογενὴς ἀπὸ γνάμης οἰκείας, οὐκ ἐξ ἀνάγκης ἐπὶ τὸν στ̄ρον ἀνελεων. καὶ τῇ τῶν χειρῶν ἐκτάσει πᾶσαν ἐκδήσας τὴν κτίσιν. καὶ πάσας τὰς ὁράτους καὶ πονηρὰς δυνάμεις στηλιτεύσας, τῷ ἑκουσίω πάθει τοῦ σώματος ἡ θέλησις τὴν ἁγίαν αὐτοῦ σάρκα γεύσασθαι τριημέρου νεκρώσεως ὑπὲρ πάσης θύσεως, ἵνα δὶ αὐτῆς, νενεκρωμένω γένει τὴν ἀθανασίαν χαρίσηται, καὶ δὴ κλίνας τὴν ἁγίαν αὐτοῦ κεφαλὴν, ἐκέλευσεν ὡς θεραπενιδι τὴν τελευτὴν προσελθεῖν τῇ σαρκὶ. καὶ παραχρῆμα παρεγένετο καθάπερ δοῦλος ὁ θάνατος. διακονῶν τῷ βασιλικῷ διατάγματι. |καὶ λαβὼν κατεῖχεν. ὅπερ ἐπετράπει σῶμα λαβεῖν. τοῦ δὲ σώματος ἐνείνου τοῦ φοβεροῦ τοῖς χερουβὶμ, καὶ φρικτοῦ τοῦ σεραφὶμ. ὑπὸ τοῦ θανάτου κρατηθέντος οὕτως ὡς ἠθελησεν ὁ τοῦ σώματος κ̄ς. καὶ τῆς ψυχῆς τοῦ σρ̄ς διαδραμούσης εὐαγγελίσασθαι. ταῖς ψυχαῖς τὴν ἀπολύτρωσιν αὐτῶν. καὶ τῆς θεάτητος αὐτοῦ, καὶ μετὰ τοῦ σώματος ὄυσης καὶ μετὰ τῆς ψυχῆς. οὐ γὰρ ρίσθη μετὰ τὴν ἕνωσιν ἡ θεότης τῆς ἀν̄ότητος, οὐδαμῶς οὐδαμοῦ. ἀλλὰ καὶ ἐν τοῖς οὐν̄οις ἦν, καὶ ἐν τῷ τάφω παρῆν ἀπαθῶς, καὶ ἄφθαρτον φυλάττουσα τὸ ἑαυτῆς περιβόλαιον.| τούτων οὕτως οἰκονομηθέντων ὑπὸ τοῦ κῡ καὶ σρ̄ς ἡμῶν, Ἰωσὴφ τίς ἀνὴρ εὐγενὴς τῷ γένει καὶ πλούσιος. ἀπὸ ἀριμαθαίας ὁρμώμενος, τοῦ ἐστρ̄ωμένου μαθητὴς γέγονως τελνυταίαν τῷ διδασκάλω μετὰ τὴν τελευτὴν

Похваленъ цр҃ковны съ ꙁаконъ, готова на҃ тр҃днѣкныа смєрти спс҃а нашєго памать празньствовати.

слышите бо гл҃емоую ва҃ нєи҃рєуєнноую танноу... єиже по оубѣдѣнїи никто҃ можеть постигнѣти. влака хс҃ сн҃ъ ба҃ жнаго своєю волею възшє҃ на кр҃тъа не по поужн. простертїе҃ роуръ своєю... ксл҃ невидимыа силы облнун. волны҃мнїе҃ тѣла своє҃ въсхотѣ вкоусити тр҃днѣкныа смр҃ти ѡ ксе҃ оу҃а҃ оу҃ь҃ стѣмъ родѣ, да тою оумр҃швленомоу роду бесмр҃тїе дарѵѣть. ї абїе поклонь сѵою гл҃а повелѣ ꙗко рабу смр҃ти пр҃їстоупити. абїе пристоупи акы раба смр҃ть слоужащи цр҃кому҃ покленїю.

л. 229 об. Ἐπαινετὸς καὶ οὗτος τῆς ἐκκλησίας ὁ νόμος. ὁ παρασκευάζων ἡμᾶς τοῦ τριημέρου θανάτου τοῦ σρ̄ς ἡμῶν πανηγυρίζειν τὴν μνήμην, ἐν τῷ θησαυρῷ τῶν νεκρῶν. τίς γὰρ λογιζόμενος τὴν ζωηφόρον |τοῦ σρ̄ς. τελευτὴν, οὐ νομίζει τοὺς νεκροὺς ὡς ἐν κλίναις ἀνακεῖσθαι ταῖς θήκαις, περιμένοντας τὴν οὐν̄ιον σάλπιγγα. τὴν πάντας ἡμᾶς καλοῦσαν ἐκ τῶν μνημάτων, πρὸς τὴν φοβερὰν τῆς κρίσεως ἡμέραν. τίς δὲ ἀποβλέπων πρὸς ἐκεῖνον τὸν θεῖον τάφον οὐ προσέχει τοῖς τάφοις ὡς θαλάμοις ζωῆς. τίς δὲ πιστεύων ἐκ νεκρῶν ἐγείγερθαι τὸν κν̄, οὐχ οὕτω διάκειται ὡς ἀναστήσας ἑαυτὸν καὶ τῆς ἀναστάσεως τευξόμενος διἄυτοῦ ἐπεὶ οὖν τῷ καλῷ νομω τῆς εκκλησίας πειθόμενοι, ἐν τοῖς τάφοις οἱ γρηγοροῦντες δράμετε πειρώμενοι. ἐπειδὴ τῷ τόπω στενοχωρούμενοι, τῷ πόθω πλατύνεσθε. ἐπειδὴ καθάπερ βότρυς ὡραῖος, ὅλος ὁ φιλόχριστος δῆμος συνεσφιγμένοι, л. 229 об. τυγχάνετε|†, ἀκούσατε τὸ ποθούμενον ὑμῖν τοῦ θανάτου μυστήριον. ὃ καὶ μετὰ τὸ μαθεῖν οὐδεὶς δύναται καταλαβεῖν. ὁ δεσπότης χ̄ς ὁ υἱὸς τοῦ θ̄υ ὁ μονογενὴς ἀπὸ γνάμης οἰκείας, οὐκ ἐξ ἀνάγκης ἐπὶ τὸν στ̄ρον ἀνελεων. καὶ τῇ τῶν χειρῶν ἐκτάσει πᾶσαν ἐκδήσας τὴν κτίσιν. καὶ πάσας τὰς ὁράτους καὶ πονηρὰς δυνάμεις στηλιτεύσας, τῷ ἑκουσίω πάθει τοῦ σώματος ἡ θέλησις τὴν ἁγίαν αὐτοῦ σάρκα γεύσασθαι τριημέρου νεκρώσεως ὑπὲρ πάσης θύσεως, ἵνα δὶ αὐτῆς, νενεκρωμένω γένει τὴν ἀθανασίαν χαρίσηται, καὶ δὴ κλίνας τὴν ἁγίαν αὐτοῦ κεφαλὴν, ἐκέλευσεν ὡς θεραπενιδι τὴν τελευτὴν προσελθεῖν τῇ σαρκὶ. καὶ παραχρῆμα παρεγένετο καθάπερ δοῦλος ὁ θάνατος. διακονῶν τῷ βασιλικῷ διατάγματι. |καὶ λαβὼν κατεῖχεν. ὅπερ ἐπετράπει σῶμα λαβεῖν. τοῦ δὲ σώματος ἐνείνου τοῦ φοβεροῦ τοῖς χερουβὶμ, καὶ φρικτοῦ τοῦ σεραφὶμ. ὑπὸ τοῦ θανάτου κρατηθέντος οὕτως ὡς ἠθελησεν ὁ τοῦ σώματος κ̄ς. καὶ τῆς ψυχῆς τοῦ σρ̄ς διαδραμούσης εὐαγγελίσασθαι. ταῖς ψυχαῖς τὴν ἀπολύτρωσιν αὐτῶν. καὶ τῆς θεάτητος αὐτοῦ, καὶ μετὰ τοῦ σώματος ὄυσης καὶ μετὰ τῆς ψυχῆς. οὐ γὰρ ρίσθη μετὰ τὴν ἕνωσιν ἡ θεότης τῆς ἀν̄ότητος, οὐδαμῶς οὐδαμοῦ. ἀλλὰ καὶ ἐν τοῖς οὐν̄οις ἦν, καὶ ἐν τῷ τάφω παρῆν ἀπαθῶς, καὶ ἄφθαρτον φυλάττουσα τὸ ἑαυτῆς περιβόλαιον.| τούτων οὕτως οἰκονομηθέντων ὑπὸ τοῦ κῡ καὶ σρ̄ς ἡμῶν, Ἰωσὴφ τίς ἀνὴρ εὐγενὴς τῷ γένει καὶ πλούσιος. ἀπὸ ἀριμαθαίας ὁρμώμενος, τοῦ ἐστρ̄ωμένου μαθητὴς γέγονως τελνυταίαν τῷ διδασκάλω μετὰ τὴν τελευτὴν

сн҃ тако бывшн҃ ѡ сп҃са нашего. іосифъ мо҃ѵ єтеръ добра рода богатъ ѡ аримаѳєнскїа сы весн, пропатаго бывъ оуу҃нкъ. послѣднюю възѧла оуу҃тлю уть҃, пр҃їнде къ пилатоу молѧ и гл҃а, о мр҃твѣмъ сїю твора(sic)мольбоу, ѡклевє-

ἀποδιδοὺς ἀμοιβήν. προσῆλθε τῷ πιλάτῳ παρακαλῶν αὐτὸν καὶ λέγων. ὑπὲρ νεκροῦ ταύτην ποιοῦμαι τὴν δεησιν. παρὰ μὲν τῶν ἐχθρῶν, συκοφαντιθέντος. παρὰ δὲ τῶν φίλων ἐγκαταλειφθέντος ἐν τῷ τοῦ πάθους καιρῷ. ὑπὲρ νεκροῦ καθικετεύω. μὴ κεκτημένου μήτε χρυσὸν μήτε ἄργυρον. μήτε στρατιώτας. μήτε συμμάχους. μήτε δορυφόρους, ἐι μὴ μόνον μρα πενιχρὰν πῶ αὐτοῦ τόκω πλουτήσασαν. ὑπὲρ νεκροῦ. πρεσβεύω ἀποθανόντος ἐκών. εἰμὴ γὰρ ἠθέλησεν οὐκ ἂν ἐτελεύτησε. καθαιρείσθω τοίνυν ἀπὸ τοῦ στ̄ρου λοιπόν, ὁ μηδένα μηδὲν ἠδικηκώς. χάρισαι μοι χάριν ὦ πιλᾶτε. ἧς οὐκ ἔχεις ἀλλην ἀμείνω χάρισαι μοι χάριν, χαρὰν προξενοῦσαν τοῖς ταύτην αἰτοῦσι σε. δώρησαι μοι τὸν ζωποιὸν τοῦτον νεκρὸν, ἵνα λαβὼν αὐτὸν κατακαλύψω τῇ γῇ. δωρησαι μοι τὸ τρισμακάριον σῶμα. ὅπερ νεκρούμενον ἡ κτίσις ἐπένθησε. δώρησαι μοι τὸ σῶμα, ὅπερ ἀποπνέον л. 230). ὁ ναὸς θεασάμενος, περιέσχισε τὸ ἑαυτοῦ καταπέτασμα. δώρησαι μοι σῶμα, δι' οὗ περ κρεμαμένον, ἐσαλέυθησαν αἱ ρίζαι τῆς γῆς. δώρησαι μοι σῶμα, δι' οὗπερ αἱ πέτραι σχισθεῖσαι, τῷ ῥήγματι τὸ πένθος ἐμηνησαν. καταφιλήσω τὰ τραύματα τῶν ἁγίων χειρῶν. δι' ὧν τῆς ἐμῆς ψηχῆς ἐθεραπεύθη τὰ τραύματα ψηλαφήσω τὴν ἄχραντον ἐκείνην πλευρὰν, ἀφ' ἧς ἐπηγασεν αἷμα μυστικὸν, καὶ ὕδωρ ἀναγεννήσεως. ἐνταφιάσωσιν αἱ χεῖρες αὗται τὸν μέλλοντα λύειν τοῦ θανάτου. τὰ σπάργανα. κηδεύσωσιν οὗτοι οἱ ἄμαρτωλοὶ δάκτυλοι, τὸν πάσης δικαιοσύνης ἐργάτην καὶ παιδευτήν. ἄψομαι τῆς ἀναμαρτήτου σαρκὸς ἧς πᾶς ὁ μετὰ πίστεως ἁπτόμενος; τρισμακάριος. προπέμψω ἐπι τὸ μνῆμα. τὸν μέλλοντα τοῖς νεκροῖς ἀνοιγειν τὰ μνήματα. ἀπαγάγω καὶ τοῖς κατοιχομένοις, ἀθανασίας πηγὴν ἄψω καὶ τοῖς ἐν τῷ ζοφερῷ ἅδῃ κατεχομένοις, τὸν λυχνον τῆς ἀναστάσεως. Ταῦτα Ἰωσὴφ ἔλεγεν εὐσεβῶς. ὁ δὲ πιλάτος ἤκουσεν εὐμενῶς, ἡ γὰρ θεία δύναμις τοῦ παρ' αὐτοῦ ζητουμένου νεκροῦ, ἐνῆργει θεοπρεπῶς. καὶ τὴν τοῦ πιλάτου ψυχὴν πρὸς τὴν ὑπακοὴν μετεβάλλετο. καὶ παραχρῆμα ὁ πρεσβύτης, καὶ ἐνταφιαστὴς ἀνεδεικνυτο. λαβὼν γὰρ ὁ ἐπόθει σῶμα, κατεφίλει τοῦτο. καὶ περιχυθεὶς, τὰ χειλη τοῖς ἁγίοις ἥρμοζει χειλεσι. λογιζόμενος καθ' ἑαυτὸν ὅτι ἡ γυνὴ ἡ αἱμορροοῦσα. ἁψαμενη μετὰ πίστεως μόνου τοῦ κρασπέδου αὐτοῦ, κατεξήρανε τὴν τοῦ πάθους πήγην. ἐγὼ αὐτοῦ τοῦ σώματος ἁπτόμενος, ποίων οὐ τεύξομαι δωρεῶν, εἶτα σινδονι καθαρῶ περιβαλὼν τὸν καθαρὸν μαργαρίτην, ἐν τῷ μνήματι αὐτοῦ τῷ καινῷ τοῦτον κατέθηκε. καὶ λίθον ἐπιβαλὼν τῷ στόματι τῆς θήκης μετὰ δακρύων ὑπέτρεψε. πυκνὰ πρὸς τὸν τάφον περιστρεφόμενος, καὶ τὴν στέρησιν τοῦ διδασκάλου θρηνῶν. ἀλλ' ἔφθασε τὴν τοῦ Ἰωσὴφ εὐσέβειαν, ἡ τῶν ἰουδαίων δυσσέβεια. πάλιν γὰρ οἱ θερμάχοι καὶ δυσσεβεῖς συναθροισθέντες ἐν τῇ ἡμέρα τοῦ σαββάτου προσῆλθον τῷ πιλάτῳ λέγοντες. Κύριε. ἐμνήσθημεν ὅτι ὁ πθάνος ἐκεῖνος εἶπεν ἔτι ζῶν ὅτι μετὰ τρεῖς ἡμέρας ἐγείρομαι κέλευσον οὖν ἀσθαλισθῆναι τὸν τάφον ἕως τῆς τρίτης ἡμέρας. μήποτε ἐλθόντες οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ νυκτὸς, κλέψωσιν αὐτὸν. καὶ εἴποσι τῷ λαῷ ὅτι ἠγέρθη ἀπὸ τῶν νεκρῶν. καὶ ἔσται ἡ εσχάτη. πλάνη χεῖρον τῆς πρώτης. τί λέγεις πλάνε καὶ παράνομε ἰουδαῖε. πλάνος ἦν ὁ τοὺς ὁμοέθνους σου λεπρούς ἰασάμενος. πλανος ἦν ὁ τοὺς ὁμοτύφλους σου πηροὺς ἀπαλλάξας τῆς σογγενηθεῖσης νυκτὸς; πλάνος ἦν ὁ τοὺς δαιμονιῶντας

тамъ бывшъ ѡ҃ ѣ҃вдєн. остакленъ же ѡ҃ дрѣговъ на крѣтѣ. ѡ҃ мр҃твѣмъ молю, не имоущъ ємъ ни злата ни сребра, ни дрв҃ ни конїъ, ни пособникъ, токмо мр҃ѣ нищоу, обогащишєся рѣтко҃ его о мр҃тке҃ молю, колєю пострадавшє҃ аще бо не хотѣ҃ бы то небы оумр҃лъ. да снм҃, оубо боудеть съ кр҃та не ѡбндѣкъ никого҃ нищи҃же, дажѣ ми его не нма҃ много добрѣиша. дажѣ ми радость блг҃єнна ма твораща пр҃їємлющда его. дажѣ ми жнкоторащаго сего мр҃тка. да пр҃їемъ его покрыю землею. дажѣ ми преблаженое тѣло, его же оумирающа кндѣкши тклрь въсплакаса. дажѣ мї тѣло, его҃ нзыхающа, кндѣкши цр҃кви разра своюю оноиз. дажѣ ми тѣло его҃ радї каменїе распадеса съкроушенїе҃ свое҃ плоть съкрѣшило є҃. да ѡблобыжю мзды стоую рѣкв, нми҃ моеа дша исцѣлѣша стрвии. да осажѣ ѡна пр҃тая ребра нз нижє нзыде пр҃тая кровь и вода порожєнїа да погребета роуцѣ сн хотащаго разрѣшити смр҃тьныа пелены. да погребе҃ сїи прьсты грѣшнїи, ксакїа правды дѣлатела и показатела. да прикоснвса къ безгрѣшнєи плоти. єнже ксакъ прикасаашса съ вѣрою блж҃н быкаеть. да прокожоу къ гробоу хотащаго мр҃твы҃ ѡкрьсти гробы. да донесоу дражнмы҃ въ гробѣ бесмертны истоинкъ, и просвѣщоу сѣдащи҃ къ тмѣ смр҃тнєи къскрнїа скѣ. Сїа оубо ѡснфъ гл҃аше блг҃овѣрно. а пилт҃ послоушаше къ нимака бж҃їа бо сила мр҃тваго проснмаго ѡ҃ него, ѡбращаеть блг҃овѣрно и пилатокоу дш҃оу къ послоушанїю. и авїе мт҃кеннкъ и погрѣбатель іѡсиф҃ вкладаше҃ пр҃їи҃ же любьдаше тѣло, и ѡблобыжаше напв҃. и оустнѣ къ пр҃тѣ оудо҃ прилагаше. и помышлашесе. ако жена крокотоункаа. съ вѣрою прикосноукшиѭ ризѣ єго, иссѣши крокьны истоинкъ. аз же сѧ҃ тѣлъ бж҃їи҃ прикасаанса, кои҃ даро҃ не боудѣ достоинъ. потоже плащаницею утою обвинкъ прєуты бисеръ, къ гробъ нокъ положи и камень прикали на҃ двери гроба. съ слезами къзвратиса часто къ гробоу ѡбращаѧ҃ и кзираа къ немоу, и лишенїа, оуутѣлєка плауаса. ѡ (sic) постиженїа блг҃окърьствїе҃ іѡсифова ѡ злобърьствїе҃ іоудейско пакы къзлакше на ѣа акы пси събраша҃ къ днь сѹботны припадоша къ пилатѹ глще гн҃, помнихѡ҃ ако льстець тъ єще жнкъ рѣ҃, къ третїи днь къскрноу. повели оубо ѹтвердити гробъ. еда како прешѣше оуунщи єго оукрадѹтъ и, и рекоу҃ людѣ҃ въскр҃се ѡ҃ мр҃твы҃. и боудеть послѣдма льсть горши пръвыа. ѹто҃ глѣши ѡ лестьнуе, и законопрестоупьнуе жидовине; льстець ли бѣ хс҃ скокодникын ѡ҃ льсти непрїазньскїа нмущаа злыа дхы. льстець ли бѣ хс, постакленъ трапезоу къ поустыни без троуды҃ ѡ҃ льсти непрїазньскїа нмущаа злыа дхы. льстець ли бѣ хс, постакленъ трапезоу къ поустыни без троу-

ἐλευθερώσας ἐκ τῆς τῶν δαιμόνων κακίας; л. 230 об. πλάνος ἦν ὁ κατὰ τὴν ἔρημον παραθεῖς σοι τράπεζαν ἀγεώργητον; πλάνος ἦν ὁ τὸν λάζαρον ἐκ τάφου μεταπεμψάμενος. καὶ τὸν νεκρὸν ὡς καιομενον ἐξυπνήσας τῷ ῥήματι; πλανος ἦν ὁ χ̄ς καὶ τίς ἕτερος ἀληθὴς. πλάνος ἦν ὁ χ̄ς; τί οὖν δεδοικας ἅπερ ὁ πλάνος ἐφθέγξατο; πλάνος ἦν ὁ χ̄ς; τί οὖν φοβῇ τοῦ νεκροῦ τὴν φωνὴν. ὅλως εἶπε τι περὶ τῆς ἀναστάσεως ἔτι ζῶν ὅλως πιστεύεις αὐτοῦ ταῖς προρρήσεσι; τί οὖν εἰκῆ ταλαιπωρεῖς ἄθλιε πρὸς τὴν ἔκβασιν, ἐὰν οὖν μὴ ἀναστῇ οὗτος ὁ νεκρὸς ὁ παρὰ σοῦ μεριμνῶμενος, πλάνας ἐστὶν ὡς σὺ βλασβημεῖς; τί οὖν πρὸς αὐτοὺς ὁ πιλάτος, ὑπάγετε ἀσφαλίσασθε ὡς οἴδατε. εἰ τὸν ἀντίθεσν καὶ παράνομον ὃν ὑμεῖς οὕτως ἀποκαλεῖτε οὕτω περφίκατε. ἔχετε κουστωδίαν. ἔχετε στρατιώτας. στρατεύσασθε κατὰ τοῦ ἑνὸς οἱ πολλοί. ἀσφαλίσασθε τὸν φοβερὸν ὑμῖν νεκρὸν ὡς οἴδατε καὶ βούλεσθε. θέλετε σφραγίσαι τὸν τάφον, σφραγίσατε. θέλετε σιδηραῖς ἀλύσεσι περιβαλεῖν. περιβάλετε. μὴ εἰπήτε τελευταῖον εἰ συνεχωρήθημεν φρουρῆσαι τὸν τάφον, οὐκ ἂν ἀπωλέσαμεν τὸν νεκρὸν ὑπάγετε οὖν ἀσφαλίσασθε ὡς οἴδατε. ἂν ὠφθῇ πέτρος ἐκεῖ, τοῖς ὅπλοις αὐτὸν διαχειρίσασθε. ἂν παραγένηται τις τῶν τοῦ ναζωραίου μαθητῶν, ἀναστάντες εὐθὺς ἀποκτείνατε αὐτὸν. ἐπιμείνατε γρηγοροῦντες καὶ φυλάττοντες ἀκριβῶς, ἵνα μηδεὶς τὰν ὑπόπτων ὑποκλέψαι τὸν ἡμετέρον ἐχθρὸν δυνήθη. τοιούτοις οὖν καὶ ὅπλοις καὶ στρατιώταις ἐφοδιασθέντες οἱ τοῦ στρ̄ς ἐχθροὶ, μετὰ πολλῆς προθυμίας τὲ καὶ μανίας τὸν τάφον κατέλαβον. καὶ σιδηρὰς. σφαγίδας ἐπιθέντες τῷ μνήματι, παρεκάθηντο φυλάσσοντες αὐτὸν, ἕως ὅτε περ αὐτὸς ὁ φιλαττόμενος ἐβουλήθη. ἐν τούτω δὲ τῷ καιρῷ, δευτέρας ἐπιγενομένης ἡμέρας. ὁ θάνατος κατὰ τὴν πρώτην ἡμέραν ἐν ἑαυτῷ τὸ θηραμα περιέστρεφε. καὶ τοῦτο καταμαθῆσαι τοῖς ὁδοῦσι τῆς φθορᾶς θέλων, οὐκ ἴσχυε. καὶ πάλιν κατὰ τὴν δευτέραν ἡμέραν ὁμοίως ἀπογεύσασθαι βουλόμενος οὐκ ἠδύνατο. ἠπόρει τοίνυν καθ' ἑαυτὸν, καὶ πρὸς ἑαυτὸν τοιοῦτος ἦν διαλογιζόμενος καὶ λέγων. τίς οὗτος ὁ κατὰ νόμον νεκρὸς καὶ ὑπὲρ νόμον φυλαττόμενος ἄφθαρτος. θ̄ς οὐκ ἔστιν. οὔ γὰρ ἀπέθανεν ἀσώματος ὢν. ἄγγελος οὐκ ἐστιν. ἀνθρωπίαν γὰρ ἔχει μορφὴν. ὡς ἀδὰμ ὑπόκειται τῇ φθορᾷ. ὡς ἀνὸς ὑπέμεινε τελευτὴν, παθεῖν ὡς θνητὸς οὐκ ἀνέχεται. ἡ σάρξ αὐτοῦ, κρεῖτον ὑπάρχει φθορᾶς. οὐδεὶς τῶν ἐξ αἰῶνος ὑπ' ἐμοῦ βασιλευθέντων νεκρῶν, τοιοῦτον σῶμα κεκτιμένος παραγένετο πρὸς με. ἆρα μὴ τοῦτο τὸ σῶμα φόρεμά ἐστι τοῦ θ̄υ, καὶ διὰ τοῦτο κατὰ τοῦ ἐμοῦ στόματος οὕτως ἐστόμωται; ἆρα μὴ οὗτος ἐστιν ὁ ναὸς τοῦ ἐιπόντος πρὸς л. 231. τοὺς ἰουδαίους, λύσατε τὸν ναὸν τοῦτον. καὶ ἐν τρισὶν ἡμέραις ἐγερῶ αὐτὸν; ἆρα μὴ πρὸς ἀνάστασιν οὗτος ἄφθαρτος φυλάττεται; ἆρα μὴ κατάσκοπος ἐστι τῶν νεκρῶν, ὁ παράδοξος οὗτος νεκρὸς; ἆρα μὴ τοὺς πάλαι παρ ἐμοῦ καταποθέντας νεκροὺς, λαβὼν ἐντεῦθεν ἄνυσει σὺν αὐτῷ; ἆρα μὴ καθάπερ Ἰωνᾶς ἐν τῇ κοιλία. τοῦ κητους ἀκινδύνως ἐπολιτεύετο. οὕτω καὶ οὗτος παρ ἐμοὶ διατρίβει. καὶ περιμένει τὴν τρίτην ἡμέραν. ἵνα πρῶτος ἀναστὰς ὑποδείξη καὶ τοῖς ἄλλοις νεκροῖς τὰς πύλας τῆς ἀναστάσεως; ταῦτα τοῖς πράγμασιν, οὐ τοῖς ῥήμασιν ὁ θάνατος ἀπεφθέγγετο. οὗτο δὲ τούτων γενομέ-

да,... льстець ли бѣ х̄с въскр̄снувыи лазара ѡ гроба и спашал ѡ вѣка оукрꙋжь гасѡ своѥ; льстець ли бѣ х̄с; токмо бы нꙑ праведенъ, аще льстець бѣ х̄с; то поуто ꙗко боншиса єже є̃ гаалъ; уто ꙗко боншиса мр̄твоу емꙋ даꙋ; обаче реуе ли тн уто, ѡ въскр̄сенїи, єще жнкъ сы; поуто не вѣрꙋеши емꙋ и пропнанїю его; уто ксоуе стражѣши ѡкаанне, конець рѣнный къзнрала аще не въскр̄нєть нз мр̄твы ѡ нѣ же реуеши уто ꙗко рѣ кнн пила; ндѣте оутвръдите ако вѣсте. аще протнвна бо́у и законопрестоупна рѣ, его кы тако нарнцаете, толми бонтеса. аще мертваго жнвнї толми бонтеса нмате стражї, и съберѣтѣ на єдиного мнозн оутвръдите ва страшнаго и мр̄тваго ако вѣсте. ако хощете запечатлѣти мѣсто, запечатлѣите хощетели желѣзныа скоа (sic) препати и препните, да не рѣте, послѣ, аще быша не възбранили на стрєцн гроба, не быхѡ оубо погꙋбили мртваго. ндѣте и оутвердите гробъ ако вѣсте аще прїндѣ петръ. с меуѣ то растните н. аще прїндѣ єтеръ ѡ оуно́къ єго въставше ѡбьндѣте н. прилежите стрегꙋщен ї хранящен ткердо, да никтоже ѡ лестны оукрасти възмо́тъ вашего врага. тацѣмн словесы, и ѡроужїи и воннн въороужившеса гнн врагї, съ многою враждою и спѣхѡ на гробъ ндоша. и желѣзны пеуати възложнша на гробъ, и сѣдаще стрежаахоу его... къ врѣма то второмоу дню бывшю, смр̄ть попрана (sic) всего (sic) ѡбращаше, всъжнвати зоубы истлѣнїю не възмо́. и помышлаше в собѣ глающї. кто съ є̃ непобѣднмы мр̄твець, кто съ є̃ мерткын по законоу и пауе закона храня безъ истлѣнїа аггъ ꙗко нѣ уловеуестнї [1]) бо ѡбразъ нма ако ада и не неповинує мн сн истлѣнїю ако ꙋ́ко прнемле смр̄ть и по ꙁмрткнї истлѣти ако мр̄твъ не хощѣ. никнн же сущн ѡ вѣка подо мною мр̄твы тако́во тѣло нмын. прнїде ко мнѣ. ѣда сни пло́ одѣда єсть кѫ́жна да тѣ намоа ꙁста окострнаса є̃, ега сыї єсть, кѫ́жна слова хра. ѣда сын цр̄кви рекша разорите цр̄кы сню и треми дньми созндꙋ ю. ѣда сын к воскр̄сенїю хранятсн ѣда сыї сходнн єсть мр̄твы дневын сы мр̄твє ѣда и пожѣтых мною древле мр̄твых пон ѡсюдѣ воскр̄сн с собою ѣда ако́ нона во уревѣ китове спсе бѣ. тако́де и сын ѡ мене пребудѣ. и ждѣ третнмго дне, да тога перкве воскр̄сенїе покаже и дрꙁги мр̄ткымъ врата воскр̄сенїю. сна вечьмн англъ мн глаше смр̄ть и тако сн бывлющнмъ

[1]) Отселѣ до конца изъ сборника моего собранія XVII. вѣка. л. 359. об. 365.

νων, καὶ τῶν ἰουδαίων μετὰ τῶν φυλάκων παρακαθημένων τῷ μνήματι. ὀψὲ σαββάτων, ἤλθε μαρία Ἡ μαγδαληνὴ καὶ ἡ ἄλλη μαρία θεωρῆσαι τὸν τάφον. μελλούσης επι λαμβάνειν δηλονότι τῆς κυριακῆς. ἃ ξένων καὶ παραδόξων πραγμάτων. πέτρος ὁ στρατηγὸς τοῦ χῦ φοβηθεὶς γλῶτταν παιδίσκης, ἠρνήσατο ζῶντα τὸν ἑαυτοῦ βασιλέα. καὶ γυναῖκες ἀσθενέσταται καὶ δειλαί, μετὰ τὴν τελευτὴν παρεγένοντο τιμῆσαι τὸν οὐνιον διδάσκαλον. ἦλθον θεωρῆσαι. τὸν τάφον. ὥσπερ λαβεῖν παραμυθείαν τινὰ. τῆς ἀθυμίας, τὴν θέαν αὐτοῦ μνήματος. οἵδε γὰρ οἵδε παραμυθεῖσθαι ψυχὰς ὀδυνωμένας, τάφος ὑποφανόμενος καὶ δάκρυον ἐκαλούμενος. ἦλθον θεωρῆσαι τὸν τάφον. καὶ ἐπλησίαζον μὲν ὅσον ἐπόθουν, οὐκ ἐτόλμων δὲ διὰ τὸν φόβον τῶν ἰουδαίων ὑποκλέπτουσαι δὲ λαθραίως τὴν πρόσωδον. ἐπέπασσον τῷ τάφῳ τὰ μύρα, καὶ πάλιν ἀπεχώρουν λανθάνουσαι. καὶ πόρρωθεν οὕτως ἱστάμεναι. καὶ τοὺς ὀφθαλμοὺς δεδακρυμμένους εἰς τὸν τάφον ἐκτείνουσαι. τοῖς στεναγμοῖς καὶ τοῖς ὀδῦρμοῖς. ἐνόμιζον θεραπεύειν τὸν κν. καὶ που καὶ τῶν ἰουδαίων αὐτῶν κατεβόων ἐρήμω φωνῇ. πρὸς ἀλλήλας τὰς κατηγορίας ποιούμεναι; πῶς ἐτόλμησαν φησὶ κατὰ τοῦ τοιούτου δεσπότου τοιαῦτα, μηδὲν αὐτῷ δίκαιον ἔχοντες ἐγκαλεῖν. πῶς οὐκ ἔφριξαν σρῶ προσηλῶσα, ὃν στρουμενον ἰδὼν ὁ ἥλιος ἔφυγε. πῶς οὐκ εφοβήθησαν θανάτω παραδοῦναι, τὸν μηδὲν ἄξιον θανάτου πεποιηκότα. πῶς οὐκ ἔλαβον κόρον τῆς οἰκίας ὠμότητος. οὔτε μετὰ τὸν θάνατον, τοῦ μάτην παρ αὐτῶν ἐπιβουλευθέντος ἀεὶ. ἔστω παρὰ τὸν καιρὸν. τῆς ζωῆς τοσαύτην κατ αὐτοῦ μανιαν ἐμάνησαν, τί καὶ μετὰ τὴν τελευτὴν οὕτω τῷ μνήματι παρεδρέυουσι. τί καὶ τοὺς εὐεργετουμένους, κωλύουσι προσελθεῖν καὶ προσκυνῆσαι μετὰ παρρησίας τὸν τάφον. καὶ τῆς ἐφ οἷς ἕκαστος ἔλαβε χάριτος, ἀποδοῦναι τὴν μικρὰν ἐν δάκρυσιν ἀμοιβὴν. οὕτως ὀδυρωμένων τῶν μυροφόρων γυναικῶν. καὶ πενθουσῶν ὡς νεκρὸν τὸν χν, αὐτὸς παρ αὐτῶν πενθούμενος δεσπότης. λαθὼν τοὺς τῶν φυλάκων ὀφθαλμοὺς, καὶ τὸν τάφον л. 231 об. ἐσφραγισμένον καταλιπὼν. καὶ τοῦτον ὑποδραμὼν ὡς οἶδεν αὐτὸς, ἄγγελον οὐνόθεν μετεστείλατο. λέγων πρὸς αὐτὸν. ἄπελθε πρὸς ταύτας τὰς γυναῖκας. τὰς ἀνδρείας καὶ πιστὰς. τὰς κλαίουσας με καὶ νομιζούσας ἔτι νεκρὸν ὑπάρχειν με. καὶ δίδαξον αὐτὰς ὡς νενίκηκα τὸν θάνατον, καὶ ζῶ καθάπερ ὁρᾶς. μετάστησον ἐκ τῆς σκυθρωπότητος, πρὸς φαιδρότητα. μετάθες διὰ τῆς σῆς δεξιᾶς, τὸν λίθον ὃν ἐσφραγίσαντο πολλῶν ἐχθρῶν δεξιαί. πεῖσον αὐτὰς πόσα δύναται στρατιώτης οἷς ἔννομος, βασιλέως ἐννόμου. κατὰ στρατιωτῶν τυραννικῶν καὶ παρανόμων πολλῶν, ἀπάγαγε τὰς γυσαῖκας εἰς τὸν τοῦ τάφου θάλαμον ἵνα καταμάθωσι τὸν τόπιον τῆς ἐκουσίου μου νεκρώσεως, καὶ ἀνυμνήσωσι μου τὴν δύναμιν. φάνηθι καὶ τοῖς τοῦ μνήματος ματαίοις φύλαξι, φοβερὸς τῷ εἴδει. κατάπληξον πάντας τῷ φόβῳ τῆς ὄψεως. ἵνα μάθωσιν ἐκ τῆς σῆς ἰσχύος ὡς οὐκ ἐξ ἀσθενείας ἀλλ ἐκ φιλανθρωπίας θρασυνομένους αὐτοὺς υπήνεγκα. σὺ οὖν βάδιζε φέρων ἐπὶ τοῦ στόματος τῆς ἐμῆς βασιλείας τὸ σύνθεμα. κἀγὼ σὺν σοὶ παραγενόμενος, σαλεύσω πάλιν τὴν γὴν. ἵνα τῆς σῆς ἐπαγγελίας. ὁ σεισμὸς συνήγορος γένηται. κατέλαβε δὲ τάχεως τὸν δεσποτικὸν τάφον ὁ ἄγγελος. οὐ γὰρ ἐτόλμησε παρακοῦσαι δεσπότου προστάξαντος. καὶ πρῶτον μὲν παραγενόμενος, ἐτίναξε τὴν γῆν ἐκ θεμελίων. ἵνα τοὺς φύλακας ἐξυπνίσας. ὑπὸ μάρτυσιν αὐτοῖς εἶπη τὴν αἰτίαν δι ἣν παρεγένετο. εἶτα βλεπόντων αὐτῶν, ἀπεκύλισε τὸν λίθον ἐκ τῆς θύρας τοῦ μνημείου, καὶ ἐκάθισεν ἐπάνω αὐτοῦ καταγελῶν τῶν σιδηρῶν σφραγίδων ὡς ἀσθενῶν. καὶ ἐπεμβαίνων τοῖς ἰουδαίοις, ὡς λίθω πιστεύσασι τὴν ἀσθάλειαν.

їюдѣ со страхо и со стражми присѣдящи гробъ, и в суботъ позѣ скитающи во единоу соуботъ хотящи захатѝ ѝсѝ. прїѝде мр҃їа магдалыни и дроугаа мр҃їа видѣти гро, ѡ страшнымъ и дивны вещи, петръ пѣвъш воекода хвъ оукомкся гласа рабыннна. и ѡвержеся своего цр҃ѧ аже ны немощны и страшкы. по вмѣтѣи прїѣдоша поутъ вунтела своего, прїѣдоста видѣти гроба, не ѡко констинноу вѣроваху словесе воскресенїю. прїѣдоста видѣти гроба, ако прити втѣхоу єтероу пеуали своен идѣнѣ гроба вѣсть бо вѣсть втѣшати пеуаныа гро ѡвлѧлася и слезы ваша себѣ приемла, и прїѣдосте видѣти гроба и пристоупити єлико любящи, не смѣяше же страха ра нѣденска. и вкрадающе же отан стопы срок пристѣписта ко гробъ и кроплящи. та хрѧмою ѡкы ѡхождашета тащиеся и далеуе стоящи, тако ѡумна слезныма на место вѣрающе со слезами и пеуаю мнящета вгадати бу, ї на нюдеа гл҃ще. тнхѝ гласо к себѣ зрящи и сице гл҃ще. ѡко бѣ лѣпо како дерзноуша на сицева та тако вака никто вражедно имуще понимати нань. како не вбоящасѧ на кр҃тѣ прнгвоздѧнти. его слѝще видѣ пропнена померуе како не вбоящасѧ смр҃ти предати не сотворшанноуто же достонна смр҃тн, како не насытяща своеа злобы нн по вмертвнї осѫжденному от нѝ тзне. аще и была бы такова вражда во время пропатна его. уто и по вмертню его на гробѣ присѣдѧ. уто и прнѝшнмъ ѡ него бл҃гаа козбранаю прнстоупнти ко гробоу и поклоннтнся емоу протнву бл҃гти юже и прнѧ кѡдо ѡ него поутнти его, тако рыдающи жена и плаующимся ако мр҃тва, хѧ, самъ его сѧ плакаше, невидящѐ сражѐ оуесы своимн гробоу запечатлѣноу соущу нзыде нз него, и анг҃ла сѝъ се посла гл҃а к немъ иди к женамъ снмь. дерзыма же і вѣрныма плаующима и мнящима мѧ и еще мр҃тва. и назун ѧ ако побѣди смр҃ть и жѝ есмь ако же видѣши мѧ, престани сѣтованна, нма на рѐость и свѣтлость преложи к десницѣ своею камѐ. и затвердиша многѝ вра десницы прнше же анг҃лъ дѣже ѡ ѡснованїа землю да страждет вбоуждь и послухи створивъ реуѐ вина ѣѝ ра прнїде, и пото видящи немъ сконма оумна иже без трвда ѡвали камѐ ѡ двереи гробъ. и сѣде на нѐ ргаяся желѣзны пеуатѐ ако немощны. поступаа ла їюдеа. ако к твердыни камене. надежду

ἦν δὲ ἡ ἰδέα Αὐτοῦ ὡς ἀστραπή, ὅπου γὰρ νέφος ἁμαρτιῶν οὐ ἐπισκιάζει, μορφὴ ἐκεῖ λαμπρότητος πολλή. καὶ τὸ ἔνδυμα αὐτοῦ λευκὸν ὡσεὶ χιών. ὧν γὰρ ἔμελλε κηρύττειν πραγμάτων, τούτων καὶ μορφὴν καὶ στολὴν ἀξίαν ἐκέκτητο, ἔδει γὰρ ἔδει τὸν τοῦ φαιδροῦ πράγματος ἄγγελον, ἐν πᾶσιν εἶναι φαιδρόν. καταπλήξας δὲ τῷ πολλῷ φόβῳ τοὺς φύλακας. καὶ μικροῦ δεῖν πάντας τοὺς παρόντας ἰουδαίους ποιήσας νεκροὺς, τί δεδοίκατε πρὸς αὐτοὺς ἔλεγε φαρισαῖοι καὶ τρέμετε, καὶ πεπτώκατε πάντες ἐπὶ τὰ πρόσωπα καθάπερ νεκροί. ἐπ' ἐμοῦ δειλοί, ἐπὶ τρῦ δεσπότου τολμηροί; ὁ στρατιώτης ὤφθην ὑμῖν φοβερὸς. καὶ τῶν ἀνίων ὁ βασιλεὺς εὐκαταφρόνητος, ἑνὸς ἀγγέλου παρουσίαν οὐ φέρετε, καὶ πώς τοῦ δημιουργοῦ τῶν ἀγγέλων τὴν ἐνέργειαν ἀμβλύνειν. ὑπολαμβάνετε. ἐμὲ τὸν οὐνίον ἐργάτην μετατιθέντα τὸν λίθον, ἀποσοβεῖν οὐ δύνασθε. καὶ πῶς τὸν τεχνίτην ὅλης τῆς φύσεως, βουλόμενον ἀναστῆσαι τοῦ σώματος ἑαυτοῦ л. 232 об. τὸν ναὸν κωλύειν ἐδύνασθε. τῷ δημιουργήματι πολεμεῖν οὐκ ἰσχύνοντες, πῶς ἀντερεῖν ἐπιχειρίτε τῷ ποιητῇ. ἀλλὰ ἀνάστητε καὶ περιβλέψατε πάντοθεν ἀκριβῶς. καὶ βλέπετε. μὴ πέτρος ἐστὶ νῦν; μὴ τῶ ἁλιέων κλέπτει τίς σὺν ἐμοὶ τὸν νεκρόν; μὴ χρείαν ἔχει ὁ θ̄ς̄ βοηθοῦ; μὴ δεῖταί τινος συνεργοῦ ὁ θ̄ς̄ λόγος πρὸς τὴν ἀνάστασιν τῆς οἰκείας σαρκός; Ταῦτα πρὸς τοὺς φύλακας καὶ τοὺς φαρισαίους λαλήσας ὁ ἄγγελος; καὶ τούτους καταλιπὼν ἐρριμένους καὶ τρέμοντας, ὑπέστεψε πρὸς τὰς γυναῖκας τὸ πρόσωπον ἱλαρὸν καὶ πρῶτον μὲν, ἔδωκεν αὐταῖς κατατρυφῆσαι βλέμματος ἡμέρου καὶ προσηνοῦς. ἔπειτα τῶν ψυχῶν αὐτῶν τὸν φόβον ἐξέβαλε βοῶν πρὸς αὐτάς. μὴ φοβεῖσθε ὑμεῖς. οὗτοι δειλιάτωσαν καὶ φοβείσθωσαν. ἐχθροὶ γὰρ εἰσι καὶ πολέμιοι ὑμεῖς δὲ μὴ φοβεῖσθε, ἀλλὰ σκιρτᾶτε καὶ τέρπεσθε. ἄξια γὰρ στεφάνων ἐπράξατε. μὴ φοβῆσθε ὑμεῖς. μιᾶς δεσποτείας ἐσμὲν; τὸν αὐτὸν δοξαζόμενον κ̄ν̄. οἶδα ὅτ' Ἰ̄ν̄ ζητῆτε τὸν ἐστρ̄ωμένον. οὐκ εἶπεν Ἰ̄ν̄ τὸν νεκρόν. οὐ γὰρ ἦν τότε νεκρός. ἀλλ' Ἰ̄ν̄ τὸν ἐστρ̄ωμένον. τὸν δὶ ὑμᾶς τοῦ στρου τὴν αἰσχύνην πατήσαντα ζητεῖτε. τὸν ἐπιζητοῦντα τοὺς ζητοῦντας αὐτὸν ζητεῖτέ. τὸν ἐγγὺς ὄντα τῶν ἐπικαλουμένων αὐτὸν, οἶδα ὅτι Ἰ̄ν̄ τὸν ἐστρ̄ωμένον ζητεῖτε. οὐκ ἔστιν ὧδε. οὐκ ἔστιν ὅπου νομίζετε. οὐκ ἔστιν ὅπω κατέκειτο. τί λέγεις ἄ ἄγγελε. οὐκ ἔστιν ὧδε ὁ ἡμετέρος δεσπότης καὶ κ̄ς̄; οὐκ ἔστιν ὧδε τῶν ἡμετέρων δακρύων ἡ πρόφασις μάτην αὐτὸν ἐδακρύσαμεν; μάτην αὐτὸν ἐπενθήσαμεν; μάτην αὐτῶ προσηνέγκαμεν τὰ ξένια τῶν νεκρῶν; οὐκ ἔστιν ὧδε; μετέθηκαν αὐτὸν ἀλλάχοσε πάλιν οἱ πονηροὶ; ἐφθόνησαν αὐτῶ καὶ τῆς ταφῆς οἱ φθονήσαντες αὐτοῦ καὶ τῆς ζωῆς; οὐκ ἔστιν ὧδε; ἀλλὰ ποῦ ἐστιν εἰπὲ ἡμῖν δεόμεθα ταχεως εἰπὲ. στῆσον τρεμοῦσας ἡμῶν τὰς ψυχὰς. μὴ τὸ πένθει πένθος ἕτερον ὑποβάλῃς, ἐπίδειξον ἡμῖν τὸν τόπον τοῦ ζητουμένου νεκροῦ. ἵνα δραμοῦσαι ταχέως, ἐκεῖ κενώσωμεν τὴν λύπην διὰ τῶν ὀφθαλμῶν. καὶ ὁ ἄγγελος φησὶ πάλιν. βούλεσθε Μαθεῖν ποῦ εστιν ὁ ποθούμενος παρ ὑμῶν καὶ πῶς ἀνέστη; πῶς ἀνέστη, ἐγὼ διηγήσομαι, διὰ γὰρ τοῦτο ἀπεστάλην πρὸς ὑμᾶς παῤ αὐτοῦ παῤ ὑμῶν νομιζομένου νεκροῦ, ἵνα καὶ τὴν ἀνάστασιν αὐτοῦ διδάξω, καὶ τὰς ὑμετέρας ψυχὰς θεραπεύσω. καὶ τὰ δάκρυα στήσω. καὶ πρὸς εὐφροσύνην ὑμᾶς, ἐπάρωτῶ διηγήματι. ἠγέρθη καθὼς εἶπεν. ἠλήθευσε συνήθως ἡ ἀλήθεια. καὶ ἅπερ τοῖς λόγοις προσεῖπε ταῦτα τοῖς ἔργοις ἐπλήρωσεν. ἡ ἀθάνατος αὐτοῦ θεότης, ἔμεινεν ἀθάνατος. καὶ ἐν τῷ καιρῷ τῆς σαρκὸς л. 232 об. αὐτοῦ. τὸ θνητὸν τοῖς σωματικοῖς ὀφθαλμοῖς, τοῦ θανάτου τὸν ὕπνον ἐδέξατο. ἀναπεσὼν ὡς λέων ἐκοιμήθη βασιλικῶς. ἀναδραμὼν δὲ προῆλθεν ἐντεῦθεν θεοπρεπῶς. οὐκ ἔγνωσαν οἱ φύλακες τοῦ φρουρουμένου

свою вдаша бѣшѣ видѣнїе ѥ̀ ꙗко мо҃нїи. идѣже бо wблакомъ грѣхоу не wсѣнѥ̀ тоу свѣтлость, многа просвѣщатѐ лице ѥ̀. и одѣнїе его бѣло ꙗко снѣ҃ мнѡ҃же бо вещѐ проповѣдни҃ хотѧше быти снмъ и зра҃ и wдежда҃ достоинноу имѣше, подобаше бо таковѣи, страшнѣи вещи. нвѣстинка ѡ всѐ быти свѣтла ѹжа҃ же келии, и стра҃ стражѐ створи ї вмалѣ всѧ соущаѧ тѵ ноудѣ҃ створь мр҃твы, ѵто бонтѐ к ни҃ гл҃аше. ѡ̀ фарисѣе ѵто трепещете и падосте ницы ꙗко мр҃твии, ѡ мнѣ рабѣ мр҃ткїи. а ѡ гѣ҃ моѐ держи. и вон҃ жки҃ся на҃ страшѐ, понѐ цр҃ь небесныи мѧ посла единаго ѿ анг҃ла, пришествиѧ страха не терпите то како творца анг҃ло҃ претѣпѣте мене ибнаго дѣлателѧ прилагающе камѐ, не могуще како ѕдѣлателю всѣхъ тварь хотѧщоу коскрѣнути можаше козбранити с тварию не могущеся побѣдити како протикитисѧ покоушаете творцѹ, но костанете и обозритеся констинно ѥда петръ нн҃ѣ ѥсть со мною ѥ̀га ѿ рыбарен кто крадѐ. сомною мертваго. ѥ̀га требѵ҃ѐ бо҃ помощника, ѥ̀га требѵ҃ѐ поспѣшника хс҃ бг҃ъ къ своемѹ воскрнїю. сиѧ рѣ҃ к стражѐ и фарисеѡ҃ анг҃лъ. и сиѧ оставль лежащаѧ и трепещоущаѧ. обративсѧ к женамъ тихи҃ лицѐ прѣ҃де даде имъ наслаждитисѧ вжранїѐ, кротки҃ и тихи҃ потѡ҃ же и дша҃ и҃ стра҃ ѿгна гл҃а к ни҃. не бонтасѧ вы. вѣм бо ꙗко їс҃а распнтаго ищете, не рѣ҃ мр҃тваго не бѣ бо тоа҃ мр҃твъ, но їс҃а пропнта҃ ищете. крто҃ сты҃ попрашта҃ ищете ищѹща взыскающи҃ его ищете сѹща блнзъ зовоущи҃ его ищете, его҃ искын вѣрою бл҃гою обрѣтѐ скоро искоушаѧ и҃ злою вѣрою не видѝ҃ его аще и обрѣщете и вѣмъ ꙗко їс҃а ищета пропнтаго, нѣть здѣ ѵто гл҃ешн ѡ анг҃ле нѣть ли здѣ гл҃ нѣ҃го нѣть ли здѣ виновныи нѣи҃ слезѧ҃. безѹмл ли принос҃и҃ ему мертвы҃ дары ѥсть ли здѣ прелоужиша ли его нмамо паки рекнїѣнї завѣдивша ему и погребенїю его завѣдивше и животь ему. ѥсть ли здѣ но едн҃ ѥсн. то гдѣ ѥ̀ рцы на҃ скоро молнвети҃ ѵтвердн трепещоущеи наю ср҃ца непрелоужн много, плаѵа к плаѵю, покажи на҃ мѣсто искомаго мр҃тва. да текшн вскоре нзлѣвѣ҃ пеуа҃ оуню, ѻ҃же реуе имъ хощета ли звидѣти его гдѣ ѥ̀ искомын вама. воскр҃се ꙗко҃ реуе вонстинѹ по обыѵаю истинна ѥ̀ ꙗко҃ слово҃ прѣ҃де реуе. сн дѣло҃ скоѵа҃ воскресъ нзыде бг҃олѣпно. и не ѵюша стражне стрегомомъ нзы-

τὴν προόδον. οὐ γὰρ ἦσαν ἄξιοι τὸν ὑπ' αὐτῶν πολεμούμενον, ἀνιστάμενον κατιδεῖν. οὐκ ἐπέσχον αἱ σιδηραῖ σφραγῖδες, τοῦ δεσπότου τὴν ἔκβασιν. οὐκ ἐκώλυσεν ὁ τάφος τοῦ παντοδυνάμου τὴν ἔγερσιν. οὐκ ἴσχυσε καταδῆσαι τὸν μὴ δεδεμένον ταῖς ἁμαρτίαις ὁ θάνατος. παρέχωρησεν ἄκων ὁ τύραννος τῷ βασιλεῖ. αὐτὸς ὁ ἅδης δελιάσας ἐγένετο σύντρομος· οἱ πυλωροὶ τοῦ ἅδου τὰς κλεῖς ῥίψαντες καὶ τὰς πύλας ἀναπετάσαντες. οὐκ ἐτόλμησαν οὐδὲν εἰπεῖν, οὐδενὶ τῶν συναστάντων αὐτῷ; ἠγέρθη ἦν καθὼς εἶπεν. πῶς ὑμῖν διηγήσομαι τὰ ἀπόρρητα. πῶς κηρύξω τὰ, νικῶντα, πάντα λόγον καὶ νοῦν. πῶς ἑρμηνεύσω τῆς δεσποτικῆς ἀναστάσεως τὸ μυστήριον. καὶ ὁ σ̄τ̄ρ̄ς αὐτοῦ μυστήριον. ὥσπερ γὰρ ἐγεννήθη κεκλεισμένων τῶν τῆς παρθενίας πυλῶν, οὕτως ἀνέστηκε κλεισμένων (— ον) ταῦ τάφου. καὶ ὥσπερ ἐγένετο πρωτότοκος ἐκ μ̄ρ̄ς ὁ μονογενὴς υἱὸς τοῦ θ̄ῦ, οὕτως ἐγένετο. πρωτότοκος ἐκ νεκρῶν ὁ δεσπότης χ̄ς̄. ὥσπερ οὖν ἔλυσε τὴν παρθενίαν τῆς παρθένου μ̄ρ̄ς γεννηθείς, οὕτως οὐκ ἐσάλευσε τὰ σήμαντρα τοῦ μνήματος ἀναστάς. οὔτε οὖν τὸν τόκον αὐτοῦ δύναμαι λόγῳ περιλαβεῖν, οὔτε δὲ τὸν ἐκ τοῦ μνήματος δρόμον ἰσχύω καταλαβεῖν. βλέπω τὸν τρόπον τῆς ἀναστάσεως, καὶ προσκυνῶ τὴν ἀνάστασιν. οὐ πολυπραγμονῶ τὴν ἀνάστασιν. προσκυνῶ τὸν τ ό π ο ν τοῦ θαύματος. ἐι καὶ μὴ καταλαμβάνω τὸν τρόπον τοῦ πράγματος. ἅ βλέπω, ταῦτα ὑμῖν δείκνυμι. δεῦτε ἴδετε τὸν τόπον ὅπου ἔκει το ὁ κ̄ς̄. διὰ τοῦτο γὰρ τὸν λίθον τοῦ τον μετέθηκα. οὐχ ἵνα χαρίσωμαι πύλην ἐξόδου τῷ Ῑῦ̄. οὐ δὲ γὰρ ἐδέετο τῆς ἐμῆς βοηθείας, ἡ πάντων βοήθεια. πρὶν γὰρ ἀποκολίσω τὸν λίθον, ὁ ἀκρογωνιαῖος λίθος ἁς ἠθέλησεν ἀπεπήδησεν. ἀλλ' ἵνα τὸν τόπον ἡμεῖς καταμάθητε, καὶ τὸν ἀναστάντα χ̄ν̄ ἀνυμνήσητε. Δεῦτε ἴδετε τὸν τόπον ὅπου ἔκειτο ὁ κ̄ς̄. τέως τὸν τόπον θεάσασθε. καὶ μετὰ μικρὸν ὄψεσθε καὶ τοῦ τόπου τὸν ξένον καρπόν; δεῦτε ἴδετε τὸν τόπον, ἐν ᾧ ὁ διάβολος ἐδέξατο καιρίαν πληγήν, δεῦτε ἴδετε τὸν τόπον, ἐν ᾧ τῆς ὑμετέρας ἀναστάσεως ἐγρόφη τὰ σύμβολα. δεῦτε ἴδετε τὸν τόπον, τὸν πάσης βασιλικῆς παστάδος λαμπρότερον. δεῦτε ἴδετε τὸν τάφον ἀφώνως βοῶντα τῶν τοῦ ταφέντος τὴν δύναμιν. παρακύψατε εἰς τὴν θήκην, τὴν γενομένην πύλην τῆς ἀφθάρτου ζωῆς. παρακύψατε εἰς τὸ σπήλαιον, ἀφ' οὗ πρὸς οὐ̄ν̄ὸν μετωκίσθητε. л. 233. παύσασθε τοὺς στεναγμούς καὶ τὰ δάκρυα. παύσασθε ζητούσαι τὸν ζῶντα μετὰ τῶν νεκρῶν. λέγετε κατὰ τοῦ θανάτου χορεύουσαι. ποῦ σου θάνατε τὸ κέντρον, ποῦ σου ἅδη τὸ νίκος. καὶ ταχὺ πορευθεῖσαι εἴπατε τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ. ὅτι ἠγέρθη ἀπὸ τῶν νεκρῶν, καὶ ἰδοὺ προάγει ὑμᾶς εἰς τὴν γαλιλαίαν, ἐκεῖ αὐτὸν ὄψεσθε ἰδοὺ εἶπον ὑμῖν. ὁρᾶτε μὴ κρύψητε τὸ θαῦμα τῇ σιωπῇ. οὐ γὰρ ἀκίνδυνον δούλοις, δεσποτικῶν θαυμάτων σιγή. καὶ ἐξελθοῦσαι ταχὺ. ἀπὸ τοῦ μνημείου μετὰ φόβου καὶ χαρᾶς μεγάλης, ἔδραμον, ἀπαγγεῖλαι τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ. ταύτας τὰς γυναῖκας πρὸς δρόμον ὀξύτερον προτρέπων τὸ πν̄α τὸ ἅγιον, ἐβόα διὰ τοῦ προφήτου ἡσαΐου. γυναῖκες ἐρχόμεναι ἀπὸ θεας δεῦτε. οὐ γὰρ λαὸς ἐστιν ἔχων σύνεσιν, τρεχουσῶν δὲ τῶν μυροφόρων γυναικῶ φόβω. καὶ πόθω πολλῷ, καὶ φιλονεικουσῶν ἀλλήλαις περὶ τὴν τοιαύτην ὁδοιπορίαν ταχυτῆτι. καὶ βουλομένης ἑκάστης πρώτης φθάσαι. καὶ κομίσαι τοῖς ἀποστόλοις τὸ πιστευθὲν αὐταῖς μυστήριον. ἀθρόως ἐπιστὰς ὁ Ῑς̄ ἐπεσφράγισε τοῦ ἀγγέλου τοὺς λόγους. τῇ σφραγῖδι τῆς οἰκείας μορφῆς. καὶ τὰς ψυχὰς αὐτῶν ἐπέρρωσεν. ἐιπὼν χαίρετε. ἡ κατάκριτος εὖα δεδικαίωται. καὶ ὁ ἐξόριστος ἀ δ ὰ μ ἀνακέκληται. ἡ ἀπόφασις λέλυται. ὁ διάβολος πέπτωκεν. οἱ τοῦ διαβόλου συνήγοροι κατησχύνθησαν. οἱ ἰουδαῖοι πενθοῦσιν ἀπαρηγόρητα. φαρισαῖοι πενθοῦσι τὸ τόλμημα. ὁ στ̄ρ̄ς. ἐμὸς ὤφθη συνήγορος. ὁ τά-

тн а же вѣмхоу бо достоинн пропнена ѡ нн̃ воскреслоущаа видѣти, не держаща желѣзным печати гн̃а воскр̃сенїа не козмогоша разорнти разорившаго вса грѣхи вступи не колею мѹ̀ль цр̃ви. сн̃ адъ оубоявсѧ вострепета кратиницы адовы заклепы покергоша ї̀ врата разкерзоша, не смѣюше ни єдиномоу реши инуто воскр̃ши с нн̃, коста ꙗко̀ рече, како. кама скажѹ нескажнмаа. како проповѣ̀ повѣждающаго всѣ̀ оу̀, како скажѹ гн̃а воскр̃нша танноу ꙗко̀ роднсѧ затворено̀ врагомъ дѣвствены̀ тако и воскр̃се затворены сущоу гробы ꙗко̀ бы̀ первѣнець нз ложесн̀ єдинороны̀ї тако бы̀ и їз мертвы̀ гь ꙗко̀ не вредн двѣствд дѣвн мт̃ри рождеса тако не вредн печати гробны̀ воскресл̀ нн слова ємѹ могѹ ѡбытн. и нн їзытїа гробнаго постигнѹти зр̃ѧ мѣсто воскресенїю не нскушаѧ сомнѣннѐ воскр̃сенїа, поклаюмѣ̀ мѣсту дивну вндѣ̀вш. и кама показвю прнїдета и видѣта мѣсто ндѣже лежа гь, нн̃ѣ мѣсто видн тан не по многе ѕзрнта и мѣсту странным пло̀, прнїдета видѣта мѣсто к нѐ же непрнзнену ѧзвѹ прнѧ, прнндѣта видѣта мѣсто к нѐ же лежн̀ сѣрть ѕмерщвена прнїдета видѣта мѣсто к немже всѣмно бы̀ не всѣмное зерно и кла̀ полнѣ бесмертїа возрасте. прнндѣта видѣта мѣсто к нем̀же кшемѹ воскр̃сенїю вписаѧ обра прнїдета видѣта мѣсто без гла вопнюшее. погребенна̀ сила прнникните в бывшее ложе великаго цр̃ѧ неистлѣнна жизни, прнникните во гро̀ нз него̀ на нб̀о пресѣлнсѧ, останнта̀ воздыхання слезъ, останнта̀ нщѹщи живаго с мертвыми, гл̀ета врагѹ плежщѹ. гдѣ тн сн̃рти жало гдѣ тн аде побѣда. и скоро шѣ̀ше рцѣте ѕченнко̀ его и петрови, ꙗко воскр̃се ѡ мертвы̀. и се кармѣ̀ вы в галнлен. тѹ и видите. и шѣ̀ше скоро ѡ гроба со страхо̀ и радостню текосте повѣдати ѕченнко̀ его снї жены к течению ѕстн сто̀мѹ гробѹ, и вопнмше исаїемъ прркѡ̀ женѣ грндзщи ѡ вѣдѣнїа прїндета. не бо людне соу̀ нмуще разѹма. женамѧ̀ текущнма течениѐ и любо̀ю многою внезалнѹ прѣста̀ нма̀ гь. ѕапечатлѣ ангѣлова словеса печатню своею лнца и дша нма возвесели. рѣ̀ нма рѧнтѣ̀ осѫжденнаа бо евва оправда̀ в землю посланныи ада̀ возврат̀ лесть разор̀ лукавая змнна попрана бы̀ непрнзнь паде поспѣшнице непрнзненїи постыдѣша̀ жндове плаю-

паύσασθε τοὺς στεναγμούς καὶ τὰ δάκρυα. παύσασθε ζητούσαι τὸν ζῶντα μετὰ τῶν νεκρῶν. λέγετε κατὰ τοῦ θανάτου χορεύουσαι. ποῦ σου θάνατε τὸ κέντρον, ποῦ σου ἅδη τὸ νίκος. καὶ ταχὺ πορευθεῖσαι εἴπατε τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ. ὅτι ἠγέρθη ἀπὸ τῶν νεκρῶν, καὶ ἰδοὺ προάγει ὑμᾶς εἰς τὴν γαλιλαίαν, ἐκεῖ αὐτὸν ὄψεσθε ἰδοὺ εἶπον ὑμῖν. ὁρᾶτε μὴ κρύψητε τὸ θαῦμα τῇ σιωπῇ. οὐ γὰρ ἀκίνδυνον δούλοις, δεσποτικῶν θαυμάτων σιγή. καὶ ἐξελθοῦσαι ταχὺ. ἀπὸ τοῦ μνημείου μετὰ φόβου καὶ χαρᾶς μεγάλης, ἔδραμον, ἀπαγγεῖλαι τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ. ταύτας τὰς γυναῖκας πρὸς δρόμον ὀξύτερον προτρέπων τὸ πν̄α τὸ ἅγιον, ἐβόα διὰ τοῦ προφήτου ἡσαΐου. γυναῖκες ἐρχόμεναι ἀπὸ θεας δεῦτε. οὐ γὰρ λαὸς ἐστιν ἔχων σύνεσιν, τρεχουσῶν δὲ τῶν μυροφόρων γυναικῶ φόβω. καὶ πόθω πολλῷ, καὶ φιλονεικουσῶν ἀλλήλαις περὶ τὴν τοιαύτην ὁδοιπορίαν ταχυτῆτι. καὶ βουλομένης ἑκάστης πρώτης φθάσαι. καὶ κομίσαι τοῖς ἀποστόλοις τὸ πιστευθὲν αὐταῖς μυστήριον. ἀθρόως ἐπιστὰς ὁ Ῑς̄ ἐπεσφράγισε τοῦ ἀγγέλου τοὺς λόγους. τῇ σφραγῖδι τῆς οἰκείας μορφῆς. καὶ τὰς ψυχὰς αὐτῶν ἐπέρρωσεν. ἐιπὼν χαίρετε. ἡ κατάκριτος εὖα δεδικαίωται. καὶ ὁ ἐξόριστος ἀ δ ὰ μ ἀνακέκληται. ἡ ἀπόφασις λέλυται. ὁ διάβολος πέπτωκεν. οἱ τοῦ διαβόλου συνήγοροι κατησχύνθησαν. οἱ ἰουδαῖοι πενθοῦσιν ἀπαρηγόρητα. φαρισαῖοι πενθοῦσι τὸ τόλμημα. ὁ στ̄ρ̄ς. ἐμὸς ὤφθη συνήγορος. ὁ τά-

φος τῆς ἐμῆς δυνάμεως μαρτυς ἐγένετο. ὁ θάνατος τὴν ἥττα-
ταν αὐτοῦ ὁμολογῆ. ἡ ἀθανασία τοῖς ἄνοις ὑπογέγραπται.
ἐν ἐμοὶ τῶν ἄνων ἡ φύσις ἀνακεκαίνισται. ἐν ἐμοὶ πάντες
οἱ νεκρωθέντες ἀνέζησαν. ἐν ἐμοὶ βασιλέυει τὸ φύραμα. ἐν
ἐμοὶ ἡ ἐμὴ εἰκὼν ἐστεφάνωται. οὗτοι τῆς τριημέρου μου
τελευτῆς οἱ καρποί. οὗτοί μου τῆς κατὰ τοῦ θανάτου νί-
κης οἱ στέφανοι. οὗτοι τῆς ἐμῆς βασιλείας, οἱ βασιλικοὶ
μαργαρῖται, οὓς ἐν τοῦ βυθοῦ ἅδου λαβων. ἐκόμισα μου τοὺς
ἐραστάς. ἐπὶ τούτοις οὖν χορέυετε. ἐπὶ τούτοις ἀγάλλεσθε.
ἐπὶ τούτοις πανηγυρίζετε. ὑπάγετε ἀπαγγείλατε τοῖς
ἀδελφοῖς μου. βλέπετε πῶς ἀμνησίκακος καὶ φιλά-
νος ὑπάρχω. ἀδελφούς μου καλῶ τοὺς καταλιπόντας
με παρὰ τὸν καιρὸν τοῦ στρου. οἶδα γὰρ μακροθυμεῖν ὑβ-
ριζόμενος. οἶδα ταῖς ἀσθενίαις τῶν ἐμῶν δούλων συμπερι-
φέρεσθε. οἶδα τοὺς ἁμαρτάνοντας, δακρύοντας ἐλεεῖν. οἶδα
τοὺς μετανοοῦντας προσίεσθαι. ὑπάγετε. ἀπαγγείλατε τοῖς
ἀδελφοῖς μου, ἵνα ἀπέλθωσιν εἰς τὴν γαλιλαίαν. κἀκεῖ με
ὄψονται. ἀπαγγείλατε τοῖς μαθηταῖς ὅπερ ὑμεῖς ἐθεάσασ-
θε μυστήριον. γίνεσθε τῶν διδασκάλων τῆς οἰκουμένης δι-
δάσκαλοι. л. 233 об. μαθέτω πέτρος. ὁ ἀρνησάμενός με,
ὅτι δύναμαι γυναῖκας, ἀποστόλους χειροτονεῖν. ἀπέλθωσιν
εἰς τὴν γαλιλαῖαν καὶ ἴδωσιν ἐκείνην τὴν πενιχρὰν λίμνην.
ἀφ᾽ ἧς αὐτοὺς ἐπὶ τὴν τῶν λογίων ἀλήθειαν ἡλίευσα. ταῦ-
τα πρὸς τὰς γυναῖκας ὁ κς ἐφέγγετο. αὐτὸς δὲ καὶ νῦν
ἐπὶ τῆς κολυμβήθρας τοῖς πιστέυουσιν ἀοράτως ἐφίσταται.
αὐτὸς περιπτύσσεται τοὺς νεοφωτίστους, ὡς φίλους καὶ ἀδελ-
φοὺς. καὶ λέγει πρὸς αὐτοὺς, χαίρετε Αὐτὸς εὐφροσύνης
καὶ χαρὰς ἐμπίπλησι τὰς καρδίας αὐτῶν καὶ τὰς ψυχάς.
αὐτὸς τοὺς ρυπῶντας ἀποπλύνει τοῖς τῆς χάριτος νάμασιν.
αὐτος τοὺς ἀναγεννωμένους χρίει τῶ μύρω τοῦ πνς. αὐ-
τὸς ἐπὶ τοῦ θυσιαστηρίου πάλιν ὡς ἀγαθὸς ἀνακλίνεται.
αὐτὸς τροφεὺς αὐτῶν γίνεται καὶ τροφὴ. αὐτὸς παρέχει τοῖς
οἰκείοις δούλοις. τὸ πνικὸν σιτηρεσιον. αὐτὸς λέγει πρὸς πάντας τοὺς εὐλαβεῖς. λάβετε φάγετε τὸν οὐνιον ἄρτον.
λάβετε πίετε τῆς ἐμῆς πλευρᾶς τὴν πηγὴν. τὴν ἀντλουμένην ἀεὶ καὶ μὴ κενουμένην ποτέ. οἱ πεινῶντες, κορέσθη-
τε. οἱ διψῶντες, μεθύσθητε μέθην οὐράνιον. ἀλλ᾽ ὦ βασιλεῦ τῶν οὐνων. ὁ καθήμενος ἐν δεξιᾶ τῆς μεγαλωσύνης
ἐν ὑψηλοῖς. ὁ τῶν ἀσωμάτων δυνάμεων κς. ὁ τὴν κτίσιν ὡς θέλεις ἡνιοχῶν ὁ τὴν ἡμέραν ταύτην καὶ πανήγυριν χα-
ρισάμενος ἡμῖν ἐλέησον ἡμᾶς. ὡς τὴν πόρνην ἠλέησας. μὴ δίωξης ἡμᾶς, ἀλλὰ θαρρήσαντες σου τῇ φιλανίᾳ, τολμή-
σωμεν χερσὶν ἁμαρτωλαῖς κρατῆσαι τὸ σῶμα σου τὸ ἅγιον. ὥσπερ οὐδὲ ἐκείνην ἐδίωξας τὴν πόρνην, ἀνάσχου καὶ παρὰ
τῶν ἀναξίων κρατούμενος. καὶ ὡς φίλανος, περιποίησαι πάντας ἡμᾶς. ὡς τοὺς τελῶνας ἐκάλεσας, σαγίνευσον ἡμᾶς
εἰς τὸν φόβον τὸν σὸν. ὥσπερ παῦλον τὸν διώκτην πρὸς τὴν ἀποστολὴν οὐνόθεν ἐζώγρισας. παρασκέυασον ἡμᾶς μετὰ κα-
θαροῦ σηνειδότος, ἐπιτελέσαι τὴν ἡμέραν τῆς σῆς τριημέρου καὶ ζωοποιοῦ ἀναστάσεως. σὺ γὰρ εἶ μόνος δεσπότης
καὶ φιλάνος χε ὁ θς ἡμῶν. καὶ σοὶ πρέπει ἡ δόξα. σὺν τῶ ἀνάρχω σου πρί. καὶ τὼ ἁγίω καὶ ζωοποιῶ καὶ προσ-
κυνητᾶ σου πνι. νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς ἀιῶνας αἰώνων ἀμήν. †

Чтеніе и объясненіе снимка.

л. 147 об. Τῷ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν θεοδώρου τοῦ ὁμολογητοῦ καὶ ἡγουμένου μονῆς τῶν στουδίου. λό-
γος εἰς τὸν τίμιον σταυρὸν, εὐλόγησον.

Ἀγαλλιάσεως καὶ εὐφροσύνης ἡμέρα, ὅτι σημεῖον τῆς χαρᾶς πάρεστιν αἰνέσεως καὶ ἐξομολογήσεως χορεία, ὅτι
πανάγιον ξύλον ἐμφανίζεται. βαβαὶ τοῦ ὑπερτίμου δώρου.

л. 464 об. Τὸ παρον βιβλιον ἀφηέρωσαν ἐγὼ ὁ ταπεινὸς ἀρχιερεὺς νείλος εἰς τὴν θεοῦ καὶ ἱερᾶ βασιλεικῆ
μονήν ἡμῶν τῶν ἰβήρων εἴ τι λέγομεν πορταϊτίσση. και εἴτις τὸ ἐιστερίσει ἀπὸ τῆ μονῆ ταύτη. ἔχετω τὸν τριακο-

сѧ безъ ѵтѣшенїа фарисѣи рыдаю. понѣ крⷭ̃ъ по мнѣ
поспѣшиⷭ̃ бы. гро моен снѣ скндѣтѣ бы и смⷬ̃ти спо-
вѣжденїе спобѣдаѣ бесмⷬ̃тне ѵ҃лко написаса ѡ мнѣ ѵ҃ль
ро обновн ѡ мнѣ всн ѕмерши ѡжншя. ѡ мнѣ цⷭ̃твуѣ
ѵ҃лⷭ̃тко ѡмнѣ. мон образъ вснуюса. снѣ мн сⷭ̃ трнд-
некиⷭ̃ погребенїа пло. снѣ мн сⷭ̃ смертныѧ побѣды
кенцн, снѣ ѡбразн моего цⷬ̃ткнѧ, и цⷬ̃стнї бисерн,
ндѣта повѣдита моен братнї да ндоⷭ̃ѵ к галнлею и тѣ
мѧ виднⷭ̃. ѡвелнкое ѵ҃лколюбне братню нарицаѣ ѡставль-
шн его кокремѧ пропнтнѧ вѣсть бо терпѣти ѕкорⷭ̃
вѣсть терпѣтн не вѣдⷭ̃ вѣсть немⷭ̃ нашѧ носнти вѣсть
согрешающаѧ плаующаѧ милокатн, ндѣта и рцѣта
братїн моен. да ндⷭ̃ѵ к галнлею тамо мѧ виднⷭ̃ повѣдн-
та братнї моен ѩже вѣста нны перкѣе виднста кѫдета
ѕунтелеⷭ̃ всего мнра оуунтелницы. да ѕвѣсть и петръ
ѿвергнїсѧ мене ако могоу и жены сотворнти апⷭ̃лы
да ндоⷭ̃ѵ к галнлею и виднⷭ̃ малое то єзеро нѕ негоⷭ̃ к мы-
сленныхъ ѵ҃лкъ ловъ нѕкедⷭ̃, снѧ гла гⷭ̃ женамъ тожде
єⷭ̃ и нⷭ̃ѣ прнзывакѧ ѡглашеныѧ и гⷭ̃тъ к нⷭ̃ѣ аще не ро-
дитсѧ дхомъ и водою не можеⷭ̃ внитти во цⷬ̃тко нбное
хощеши ли сподобитⷭ̃ цⷬ̃твоу нбⷭ̃ному ѡглашенѣ потщⷭ̃
не ѯамедли потецы постнгни. внⷭ̃. и їѕмынсѧ к бани
слѫжбоу нмоуще ѿ англъ бⷭ̃ѵ тѣ крⷭ̃тцоу нѕмынсѧ к бани потоплюющен грехи подавляющен тебѣ и ро-
доу твоемоу ѿдаваніе дⷭ̃ бо єⷭ̃ повѣжакѧ закоⷭ̃ наукⷭ̃ со-
вершакѧ законъ. хранлнще вере крⷭ̃тⷭ̃ знаменанса дⷭ̃
бо єⷭ̃ єгоⷭ̃ рⷭ̃ много трѫждьшесѧ прⷭ̃вницн сущє прежє
закона. єдва ѕлоуунша сѣ єго прнобрѣсти таковын
бл҃женства да ѩкоⷭ̃ поⷭ̃ двъ пⷬ̃рк гⷭ̃ѧ бл҃жни ѩже ѿнуг-
стншасѧ безаконна. и нмже прнкрышасѧ грѣсн и о
хⷭ̃е їсⷭ̃ гⷭ̃ нⷭ̃ѣ ємѹ жа слава со ѿⷭ̃ѣ и со стⷭ̃ы дхоⷭ̃
нⷭ̃ѣ и прно ї во вѣкн вѣкоⷭ̃ амннь.

σίων δε καὶ ὁκτῶν θεοφόρων πατρῶν τὸν ἀφορισμὸν καὶ τὴν παναγίαν ἀντιδικον καὶ ἐμοῦ τοῦ ἁμαρτωλοῦ την κατάραν. ἔτους ҂ѕ҃ѳ҃є. эта запись преписана Епископомъ Ниломъ въ 1547.

Запись писца первоначальнаго.

φ, 407 об. Ἐγράφη, τὸ παρὸν βιβλίον παρ ἐμοῦ τοῦ ταπεινοῦ μητροπολίτου πέργης καὶ ἀτταλείας. ὑπερτίμου καὶ ἐξάρχου τὴς κενῆς δευτέρας παμφυλιας, ἐν αττάλου τῇ μητροπόλει ἀμβλυωπῶν ἐν μηνὶ ἀπριλλίῳ ἰνδικτιώνος ѳ҃. τοῦ ҂ѕ҃ѵ҃нг. (1445 г.) ἔτους.

Заставки, заглавныя буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: ἡμέρα, παρέστιν· εὐλόγησον·.

Слова съ титлами и сокращенія: πατρὸς. καὶ γὰρ καλῶς.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀλλήλοις. ε., πτεριπτυξώμεθα λαμπρύνθωμεν, ν., νῦν. κέντρον. σ., ἀσθενείας. τ., ἀναστάσει.

VI. Молитвословъ (ΕΥΧΟΛΟΓΙΟΝ).

Находится въ Собраніи Г. Севастьянова подъ № 1-мъ.

Длина бумаги	$4^5/_8$ в.
Ширина.	$3^1/_4$ „
Къ корешку.	$^1/_2$ „
Къ правой сторонѣ	$^5/_8$ „
Къ верху	$^1/_2$ „
Къ низу.	$^3/_4$ „

Бумажный знакъ на л. 116. и 117. ножницы, на другихъ листахъ въ началѣ рукописи при загибѣ у корешка трудно опредѣлить, какой знакъ имѣется.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ на 199-ти листахъ. Нарѣзовъ не видно въ ширину, кромѣ однихъ продольныхъ по бокамъ. Колеръ чернилъ темный. Заставки писаны и тѣми чернилами, какими писана рукопись, и киноварью, темною и желтою красками.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ Требника XV в. моего собранія.

л. 7 об. Ἀκολουθία καὶ τάξις τοῦ ϑεοῦ καὶ ἀγγελικοῦ Βαπτίσματος: Εὐχὴ εἰς τὸ ποιῆσαι κατηχούμενον. л. 8. ἀποδύει αὐτὸν, καὶ ἀπολύει. καὶ ἵστησι κατὰ ἀνατολὰς. καὶ ἐμφυσῶν αὐτὸν τ҃. σφραγίζων αὐτοῦ τὸ μέτοπον, καὶ τὸ στόμα, λέγων: τοῦ κῡ δεηθῶμεν.

Ἐπὶ τῷ ὀνόματι σου κε҃ ὁ ϑ҃ς τῆς ἀληθείας. καὶ τοῦ μονογενοῦς σου ὑιοῦ καὶ τοῦ ἁγίου σου πν҃ς. ἐπιτίϑημοι τὴν χείρα μου ἐπὶ τὸν δούλον σου ο δ. τὸν καταξιωϑέντα φυγεῖν ἐπὶ τὸ ἅγίον ὄνομα σου. καὶ ὑπὸ τὴν σκεπην τῶν πτερύγων σου διαφυλαχϑῆναι. ἀπόστησον ἀπ αὐτοῦ τὴν παλαιὰν πλάνην. καὶ ἔμπλησον αὐτὸν τῆς εἰς σὲ πίστεως καὶ ἐλπίδος καὶ ἀγάπης. ἵνα γνῶ. ὅτι σὺ εἶ μόνος ϑ҃ς ἀληϑινὸς καὶ ὁ μονογενης σου ὑιὸς. καὶ τῶ πν҃α σου τὸ ἅγιον. δὸς αὐτῶ ἐν πάσαις ταῖς ἐντολαῖς σου πορευϑῆναι, καὶ τὰ ἀρεστά σοι φυλάξαι. ὅτι ἐὰν ποιησει αὐτὰ

Ѹ҃ бываѥ́ ѥ́же створіті ѡтроуа.

Оглашено кр҃тнтн. разколоуѭ то и разрѣшаѥ́. и держимо кабою. стонть на встокь. и дуну сі҃ѥннѭ на него трижы знаменаѥ́ уело его и оуста его и грьдн же гл҃ѣть ѭ҃ помолѭсѧ тѧ҃ мѡ҃ сїю во оуслышѧ҃ѥ.

Ѡ имѣнн твоѥ́ ѭ҃ ѣ҃ истнннѣ и єдинородна҃го тн сн҃а и ст҃го тн дх҃а. возлагаю рькѹ мою на раба твоѥ́ їмрк сподобльшагося пришѣствнтн къ ст҃ому имѣнн твоємѹ. по҃ кровѣ҃ крилъ твонхъ. съблюденъ бытн. ѡ҃ставн же ѡ҃ него ветхїа ѡнол прельстн и исполнн его еже в тѣ вѣры и надежѣ҃н и любвє. ꙗко да разумѣеть ꙗко ты єсн єдннъ бъ. истнненъ. и єдинородын твон сн҃ъ ѣ҃ нашь іс҃ хс҃. и ст҃ын твон дх҃ъ. данжеємѹ во всѣ҃ твонхъ ѕаповѣдѣ҃ шествокатн. и оуго҃нак тебѣ творнтн и съблюстн. ꙗко аще сътворѭ҃ тѧ҃ оу҃ѣкъ жнкъ буде҃

ἄνος, ζήσεται ἐν αὐτοῖς. γράψον αὐτὸν, ἐν βίβλῳ ζωῆς σου. καὶ ἔνωσον αὐτὸν τῇ ποίμνῃ τῆς κληρονομίας σου. δοξασθήτω τὸ ὄνομα σου τὸ ἅγιον ἐπ᾽ αὐτὸν, л. 8. об. καὶ τοῦ ἁγίου σου πν̃ς. ἔστωσαν οἱ φθαλμοί σου ἀτενίζοντες εἰς αὐτὸν ἐνελέει διὰ παντὸς. καὶ τὰ ὦτα σου, τοῦ ἀκούειν τῆς φωνῆς τῆς δεήσεως αὐτοῦ. εὔφρανον αὐτὸν, ἐν τοῖς ἔργοις τῶν χειρῶν αὐτοῦ. ἐν παντὶ τῷ γένει αὐτοῦ. ἵνα ἐξομολογήσεταί σοι προσκυνῶν καὶ δοξάζων τὸ ὄνομα σου τὸ μέγα καὶ ὕψιστον. καὶ αἰνέσει σε διὰ παντὸς πάσας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς αὐτοῦ. σὲ γὰρ ὑμνεῖ πᾶσα ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας ἀμην;

в нихъ. напиши его въ книгы животныхъ и съвокупи его стадꙋ наслѣдїа твоегѡ. да прославитсѧ има твоє стоє ѡ нс̃. и възлюбленаго ти сна̃ та̃ же нашего іс̃ ха̃. и животворащаго ти дх̃а. да бꙋдꙋ ѡуши твои прнзрающе нань матꙋвнє всегда. и оушн твои єже послꙋшати гла̃ моленїа его. възкесєли его в дѣле̃ рꙋкꙋ его. и въ всако̃ родѣ его. да исповѣстьтнсѧ покланаи̃ и слава има твоє велнкое и вышнее и въсхваленти та всегда̃ въ вса дн̃и животa своегѡ. тебе бо поютъ вса силы нбн̃ыа. и твоѧ є̃ слава к вѣкы амннь.

Ἀφορκισμὸς α̃, τοῦ κῡ δεηθῶμεν.

Ἐπιτιμά σοι κ̣ς̃ διάβολε. ὁ παραγενόμενος εἰς τὸν κόσμον καὶ κατασκηνύσας ἐν ἀν̄οις, ἵνα τὴν σὴν καθελεῖ τῦραννίδα, καὶ τοὺς ἄν̄ους ἐξελεῖται. ὅς ἐπὶ ξύλου τὰς ἀντικειμένας δυνάμεις ἐθριάμβευσεν. ἡλίου σκοτησθέντος καὶ γῆς σαλευομένης. καὶ μνημάτων ἀνοιγωμένων. καὶ σωμάτων ἁγίων ἀνισταμένων. ὅς ἔλυσε θανάτῳ τὸν θάνατον. л. 9. καὶ κατήργησε τὸν τὸ κράτος ἔχοντα τοῦ θανάτου. τοῦτέστι σὲ τὸν διάβολον. ὁρκίζω σε κατὰ τοῦ θῡ τοῦ δείξαντος τὸ ζύλον τῆς ζωῆς. καὶ τάξαντος τὰ χερουβὶμ καὶ τὴν φλογίνην ῥομφαίαν τὴν στρηφομένην φρουρεῖν αὐτό. ἐπιτῖμήθητι καὶ ἀναχώρισον. κατ᾽ ἐκείνου γὰρ σε ὁρκίζω τοῦ περιπατήσαντος ὡς ἐπὶ ξηρᾶς ἐπὶ νῦν τὰ θαλάσσης. καὶ ἐπιτιμήσαντος τῇ λέλαπι τῶν ἀνέμων. οὗ τῶ βλέμμα ξηραίνει ἀβύσσους, καὶ ἡ ἀπειλὴ τήκει ὄρη. αὐτὸς γὰρ καὶ νῦν ἐπιτάσσει σοι. δὶ ἡμῶν, φοβήθητι. ἔξελθε καὶ ἀναχώρισον. ἀπὸ τοῦ πλάσματος τούτου. καὶ μὴ ὑποστρέψεις μὴ δὲ ὑποκριβὴς εἰς αὐτὸ. μὴ δὲ συναντήσεις αὐτῶ. ἢ ἐνεργήσεις. ἢ ἐνραγεῖς. μὴ ἐν νυκτὶ. μὴ ἐν ἡμέρα ἢ ὥρα. ἢ ἐν μεσημβρία. ἀλλὰ ἄπελθε εἰς τὸν ἴδιον τάρταρον, ἕως τῆς ἡτοιμασμένης μεγάλης ἡμέρας τῆς κρίσεως. φοβήθητι τὸν θν̄ τὸν καθήμενον ἐπὶ л. 9 об. χερουβὶμ καὶ ἐπιβλέποντα ἀβύσσους. ὃν τρέμουσιν ἄγγελοι. ἀρχάγγελοι. θρόνοι. κυριότητες ἀρχαὶ. ἐξουσίαι. δυνάμεις. τὰ πολυόμματα χερουβὶμ καὶ τὰ ἑξαπτέρυγα σεραφὶμ. ὃν τρέμει ὁ οὐν̄ός. ἡ γῆ. ἡ θάλασσα. καὶ πάντα τὰ ἐν αὐτοῖς. ἔξελθε καὶ ἀναχώρισον, ἀπὸ τοῦ νεολέκτου στρατιώτου χῡ τοῦ θῡ. κατ᾽ ἐκείνου γὰρ σε ὁρκίζω τοῦ περιπαντοῦντος (sic) ἐπὶ πτερύγων ἀνέμων. τοῦ ποιοῦντος τοὺς ἀγγέλους αὐτοῦ πν̄α τα. καὶ τοὺς λειτουργοὺς αὐτοῦ πυρὸς φλόγα. ἔξελθε καὶ ἀναχώρισον, ἀπὸ τοῦ πλάσματος τούτου, σὺν πάσῃ τῇ δυνάμει καὶ τοῖς ἀγγέλοις σου. ὅτι δεδόξασται. τὸ ὄνομα τοῦ πρ̄ς καὶ τοῦ υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου πν̄ς νῦν καὶ.

Ἀφορκισμὸς β̄. τοῦ κῡ:

Ο θ̄ς̄ ὁ ἅγιος. ὁ φοβερὸς καὶ ἔνδοξος ὁ ἐπὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις, καὶ τῇ ἰσχύι αὐτοῦ ἀκατάληπτος καὶ ἀνεξιχνίαστος ὑπάρχων. αὐτὸς ὁ προορίσασα л. 10. διάβολε τῆς αἰωνίου κολάσεως τὴν τιμωρίαν, δὶ ἡμῶν τῶν ἀχρείων αὐτοῦ δούλων, κελεύει σοι καὶ πᾶσιν τῇ συνεργῶ σου δυνάμει, ἀπὸ τοῦ νεοστὶ σφραγισθέντος ἐπ᾽ ὀνόματι τοῦ κῡ ἡμῶν Ἰ̄ῡ χ̄ῡ τοῦ ἀληθινοῦ θ̄ῡ. ὁρκίζω σε οὖν παμπονηρὸν καὶ

Гꙋ помолѧсѧ. запрѣщє̃є пръвоє.

Запрѣщаѣть ти т̃ь дїаволє пришедыи въ миръ. и всели̃ к оу҃ицѣ ꙗко да твоє оупразн̃ить мꙋнтє̃ство. и оу҃кы изгавн̃, ниже на древѣ спротивныа силы побѣди сли̃ю померкшю. и земли колебащи̃ и гробо̃ ѡкерзаемо̃. и телесе̃ стымъ къстаемо̃. ниже ра҃зрѣшн сьрт҃ію смерть. и оупраз̃ни державꙋ имꙋща̃ смр̃ти. єже єсть тебе дїакола, запрѣщаю ти кг̃омь показавы древо животa. и оуставившн̃ херꙋвимы. и пламанное оружїе. ѡбращающе̃ стрѣщи то. запрѣщенъ бꙋди и ѡнди. о немъ бо ти запрѣщаю походившимъ ꙗко по сухоу на плещю морскꙋю. и запрѣтившемоу бзри кътро̃. его̃ козрѣнне̃ несвшлають бе҃ны. и запрѣщенїе̃ таютъ горы тои бо нынѣ запрѣщае̃ ти нами. но оубонса изынди и ѡстꙋпи ѡ созданїа сего. и да невозвратишн̃. ниже оутанши̃ в немъ. ниже оустрѣтнши сего. нли дѣнствꙋеши. нли оукрѣпившнса нн в ношщи нн во дн̃и. нли часѣ. нли полꙋдн̃и. но иди къ свои тартаръ да ниже до оуготованнаго великаго дн̃е сꙋнаго. оубонса т̃а сѣдащаго на херовнмѣ̃ призирающаго бе҃ны. его же трепещоу̃ аг̃ли. арх̃агг̃ли. прт̃ли. т̃ьства. начала власти и силы. и многоѡчитаи херꙋвн̃. шестокрилатаи серꙋфнмъ. его̃ трепещю нбо и земла. море и вса ꙗже в нѣ. изынди ѡнди ѡ знаменавшагоса. и новозбраннаго воина х̃а т̃а нашѣ̃. о немъ запрѣщаю ходащи̃ на крилоу вѣтренюю. творащемоу аг̃лы своѧ. и дх̃н слоугы своѧ огнь палащь. изыди ѡнди ѡсозданїа сего. со всею силою. и аг̃лы своимн. ꙗко да прославитсѧ има пр̃тое оу҃а и сна̃ и ст̃го дх̃а. ї нн̃ѣ и присно и в вѣ̃ вѣко̃.

Бъ̃ стыи стрaшны и славныи, ниже во всѣ̃ дѣле̃ своѣ̃. и силѣ непостыжи̃ и неслѣдованенъ сыи. тон пре̃покелѣ токѣ дїаволе. к вѣчныи моукѣ нтн томленїа. нами недостоннымн его рабы. повелѣкаѣть ти и всеи споспѣшьнѣи твоеи силѣ. ѡстꙋпи ѡ новозданнаго. нмене̃ г̃а нашего іс̃а х̃а истиннаго б̃а нашего. запрѣщаю ти оубо всеавкавы неутыи. и скверны. и омрач-

ἀκάθαρτον καὶ μιαρὸν καὶ ἐβδελυγμένον καὶ ἀλλότριον πνεῦμα. κατὰ τῆς δυνάμεως Ιῡ χῡ τοῦ ἀληθινοῦ θῡ, τοῦ πᾶσαν ἐξουσίαν ἔχοντος ἐν οὐνῷ καὶ ἐπὶ γῆς. τοῦ ἐιπόντος τῷ κωφῷ καὶ ἀλάλῳ δαίμονι. ἔξελθε ἀπὸ τοῦ ανου καὶ μηκέτι ἐισέλθῃς εἰς αὐτόν. ἀναχώρισον. γνώρισον. τὴν σὴν ματαίαν δύναμιν. τὴν μὴ δὲ χοίρων ἐξουσίαν ἔχουσαν. ὑπομνήσθητι τοῦ ἐπιτάξαντος σοι κατὰ τὴν σὴν αἴτησιν εἰς τὴν ἀγέλην τῶν χοίρων ἐισελθεῖν. φοβήθητι τὸν θν, οὗ τὸ προστάγματι ἡ γῆ καθ' ὑδάτων ἐστήρικται. τῶν κτίσαντα τὸν οὐνον καὶ στήσαντὰ τὰ ὄρη σταθμῷ, л. 10 об. καὶ τὰς νάπας, ζυγῷ. καὶ θέντα ἄμμον θαλάσσῃ ὅριον. καὶ ἐν ὕδατι σφοδρῶν τρίβον ἀσφαλεῖ. τὸν ἀπτόμενον τῶν ὀραίων καὶ καπνίζονται. καὶ τὸν ἀναβαλλόμενον. τὸ φῶς ὡς ἱμάτων. τὸν ἐκτείναντα τὸν ουνὸν ὡσεὶ δέρριν. τὸν στεγάζοντα ἐν ὕδατι τὰ ὑπερῶα αὐτοῦ. τὸν θεμελιοῦντα τὴν γῆν ἐπὶ τὴν ἀσφάλειαν αὐτῆς. οὐ κληθήσεται εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος. τὸγ προσκαλούμενον τὸ ὕδωρ τῆς θαλάσσης καὶ ἐκχέοντα αὐτὸ, ἐπὶ πρόσωπον πάσης τῆς γῆς. ἔξελθε καὶ ἀναχώρισον ἀπὸ τοῦ πρὸς τὸ ἅγιον φότισμα εὐτρεπιζομένου. ὁρκίζω σε κατὰ τοῦ σριάδους πάθους τοῦ κῡ ἡμῶν Ιῡ χῡ. καὶ τοῦ τιμίου αὐτοῦ σώματος καὶ αἵματος. καὶ κατὰ τῆς ἐλεύσεως αὐτοῦ τῆς φοβερᾶς. ἧξε καὶ οὐ χρονιεῖ. κρίνων πᾶσαν τὴν γῆν. καὶ σὲ καὶ τὴν συνεργόν σου δύναμιν, κολάσει εἰς τὴν γέενναν τοῦ πυρὸς, παραδοὺς εἰς τὸ σκότος τὸ ἐξώτερον. л. 11. ὅπου ὁ σκώληξ ὁ ἀκοίμητος, καὶ τὸ πῦρ οὐ σβέννυται. ὅτι τὸ κράτος χῡ τοῦ θῡ ἡμῶν. καὶ αὐτῷ πρέπει δόξα σὺν τῷ πρι καὶ τῷ ἁγίῳ πνι, νῦν καὶ ἀει καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων ἀμήν.

ны. ѹюжнѩ дше. силою їс хвою. нже всю власть имоущаго на нб҃сѣ и на зе҃мли. рекшаго глаголѧ. и бе҃згласнымоу бе҃соу. ꙗзыди ѿ оу҃бка. и да ктомоу не виндеши вонь. ѿнди, познаи свою соу҃етноую силоу. юже ни во свинин҃ѣ власти имѣщи. поманн повелѣвшаго ти по твоемоу прошенїю къ стадо свиное книти. оубо҃ бога. его же повелѣннѣ҃ зе҃мла на вода҃ оутькержена бы҃. создавшаго нб҃о. и постакльша҃ гора҃ предѣлъ. холмо҃ пре҃мь. и поставлешаго пе҃сокъ морю. предѣлъ вода҃. зе҃мны поуть спсены. и крѣпкы прикасающагося гора҃ и вз҃имателѧ. одѣющаго свѣто҃ ꙗко и ризою. простершаго нб҃о ꙗко кожю. покрывшаго водами превыспрьнѧѧ своѧ. основающаго зе҃млю на оуткерженїи ѥѧ и непреклонитсѧ в вѣкъ вѣка. призывающаго водоу морскоую. проливающаго тоу на все лице зе҃мное. ꙁыди ѿнди. ѡ нже къ стомоу просвѣщенїю готовлающѣ҃. запрѣщаю ти спсительнымъ страданїемь. га҃ нашѣ҃ іса҃ ха҃. и оу҃тиы҃ его тѣло҃ и кровїю. и пришествїи҃ его страшны҃. придеть бо на облацѣ҃. придѣ҃ бо и не оумедли҃. судан всем зе҃мли. и тобѣ и с поспѣшною ти силою. оумоуви҃ в геѡнѣ ѡгненѣи. и при҃ во тьмоу кромѣшнюю. идеже ѵервь не оусыпаѥ. и огнь не оугасаеть, ꙗко держава ха҃ ба҃ нашего. со ѿцѣ҃ и стмъ дхѣ҃. ї нн҃ѣ и прно и в вѣкы амн҃.

Аφορκισμός г҃.

Кѣ саваѡѳ'. ὁ θξ τοῦ Ιῆλ. ὁ ἰώμενος πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν. ἐπιβλεψον ἐπὶ τὸν δούλον σου ὁ δ. ἐκζήτησον. ἐξερεύνησον. καὶ ἀπέλασον ἀπ' αὐτοῦ, πάντα τὰ ἐνεργήματα τοῦ διαβόλου. ἐπιτίμησον τοῖς πονηροῖς καὶ ἀκαθάρτοις δαίμοσι. καὶ διωζον αὐτά. καὶ καθάρισον τὸ ἔργον τῶν χειρᾶν σου, καὶ τῇ ὀξεία σου χρησάμενος συνεργεία. σύντριψον τὸν σατανᾶν ὑπὸ τοὺς πόδας αὐτοῦ. ἐν τάχει. καὶ δὸς αὐτῷ, νίκας κατ' αὐτοῦ καὶ τῶν ἀκαθάρτων αὐτοῦ πνευμάτων. ὅπως τοῦ παρὰ σοῦ ἐλέους τυγχάνων, καταξιωθῇ τῶν ἀθανάτων καὶ φρικτῶν σου μυστηρίων. καὶ δόξαν σοι ἀναπέμψει τῷ πρι καὶ τῷ ὑιῷ καὶ τῷ ἁγίῳ πνι. νῦν καὶ ἀεὶ καὶ.

Гн҃ савлофъ. бе҃ ижлевъ. исцѣлаѧ всѧкѹ болѣзнь. и всѧ҃ недоугъ. призри на раба своѥ҃. вꙁыди и стажи и изжѣени ѿ него всѧка дѣнствꙑ҃ дїавола. запрѣти дхѹ҃. нечтꙑ҃. и пожени и҃. и оутн дѣло рѹкъ своихъ҃. и быстрое свое восприи҃ дѣнство и сокрꙑи сотоиу по҃ ноги его вскорѣ. и даруи емоу побѣды и нань. и на нечистꙑѧ его дхи. ꙗко да ѥже ѿ тебе мт҃ь полуи҃. спѣбитсѧ бесмр҃тиы҃ и нб҃сныы҃ таинствъ. и тобѣ славоу всылѧ҃. оцю и сну и стмѹ дхѹ ї нн҃ѣ и прно и в вѣкы амнь.

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 6. Ἐυχὴ εἰς τὸ κατασφραγῖσαι παιδίον λαμβάνων ὄνομα τῇ ὀγδόῃ ἡμέρα. τοῦ κυρίου δεηθώμεθα.

Κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν. σοῦ δεόμεθα καὶ σὲ ἱκετεύομεν, σημειωθήτω τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου, ἐπὶ τὸν δούλον σου (ο δεινος).

Ἔτους ѕѧнѯ҃. (1449 г.) ἰνδικτιώνος ιѳ҃. ὥρα ζ τῆς ἡμέρας.

† ν ε λ φ χ̄ ψ λ ω ει ε υ ѧ ѯ а н ѳ. υ λ ω π θ. н к θ'.

τ λ χ π θ ω.

τέλος.

ф, 90 об. Νεοφυτος ἁμαρτωλος ἱερομοναχος ταχα καὶ πνευματικὸς ὁ καππαδξ. ѕѧнод (1466 г.)

ф. 77. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν ἰωάννου τοῦ νηστευτοῦ καὶ τοῦ ὁσίου καὶ θεοφόρου πατρὸς ἡμῶν καὶ ὁμολογητοῦ θεοδώρου πρεσβυτέρου καὶ ἡγουμένου τῶν στουδίου. νομοκανωνον περὶ ἐξαγορέυσεως καὶ τῶν ταύτης διαλύσεων. κάνονες ἐκτεθέντες δι' αὐτῶν.

ф. 90 об. Εἰς ὑποδοχὴν τῶν ἀχράντων σου καὶ ζωοποιῶν μυστηρίων. ὅτι ἡγίασται καὶ δεδόξασται. τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομα σου τοῦ πατρὸς καὶ τοῦ υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου πνεύματος. νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων ἀμήν. †

ф. 55 об. Εὐχὴ λεγομένη ἐν τῷ διακονικῷ.

Κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν ὁ ἀγαγὼν ἡμᾶς εἰς τὰς πανσέπτους ἡμέρας ταύτας. καὶ κοινωνοὺς ἡμᾶς ποιήσας τῶν φρικτῶν σου μυστηρίων, συναψον ἡμᾶς τῇ λογικῇ σου ποίμνῃ. καὶ κληρονόμους ἀνάδειξον τῆς βασιλείας σου. νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων ἀμήν.

Заставка. Азбука изъ заглавныхъ буквъ и скорописная.

Слова съ знаками препинанія 1-го почерка: ἐστὶν, ἀφανισμὸς, αὕτη:

Слова съ знаками препинанія 2-го почерка: πολλῶν, μεταλάβῃ: ἀληθὲς.

Слова съ титлами и сокращенія обоихъ почерковъ: μητρὸς οὐρανοῦ καὶ λέγομεν καὶ ἁμαρτίαν τοὺς ἡμέρας ἀθιτίμιον εἶναι.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими 1-го почерка: α , ξηροφαγοῦντα. ε., ἐξ πσεύδους πίστει ἕως. ν., ποιοῦντα σ., γλώσσης. τ., μετάνοιας. 2-го почерка: α., ἀξιωθεὶς. ε., ἔλαιον ἐξαγορεύσεως. ἐπικατάρατος. ν., ἱερσύνης. σ., ελασσων ἔγγιστα μετὰ. Цифра ιδ. означающая помѣту тетрадей.

VII. Тріодь постная.

Находится въ собраніи Г. Севастьянова подъ № 29-мъ.

Длина бумаги.	$6\frac{5}{8}$ в.
Ширина	$4\frac{7}{8}$ в.
Къ корешку	$\frac{1}{2}$ в.
Между столбцами.	$\frac{3}{8}$ в.
Къ правой сторонѣ	$1\frac{1}{8}$ в.
Къ верху	$\frac{6}{8}$ в.
Къ низу	$1\frac{1}{8}$ в.

Бумага плотная. Писано скорописью въ два столбца по нарѣзамъ на 355. листахъ. Заставки и полузаставки и заглавныя буквы писаны киноварью пунцоваго цвѣта. Полузаставки обведены чернилами. Чернила очень черны. Помѣта тетрадей внизу по срединѣ. Число строкъ на страницѣ по 29.

Эта тріодь постная отъ всѣхъ находящихся въ Сунодальной Библіотекѣ и собраніи Севастьяновскомъ отличается полнотою. Особенно важны здѣсь кондакъ съ 28-ми икосами Анастасія съ его Акростихомъ въ субботу мясопустную, и весь чинъ совершаемый въ недѣлю православія.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 56 об. καν. ὠδὴ ᾱ. ἦχος πλβ ὡς ἐν η.

Δεῦρο ψηχή μου ἀθλία, κλαῦσον τὰ σοὶ. πεπραγμένα σήμερον μνημονέυουσα τῆς πρὶν. ἐν ἐδὲμ γυμνώσεως δι ἧς. ἐξεβλήθη ὁ ἀδὰμ καὶ τῆς ἀλλήκτου χαρᾶς.

Ὑπὸ πολλῆς εὐσπλαγχνίας, καὶ οἰκτιρμῶν. πλαστουγέβ. τῆς κτίσεως. καὶ τῶν ὅλων ποιητα. ἐκ χοὸς ζωώσας με τὸ πρὶν. ἐνετείλωσε ὑμνεῖν. σὺν τοῖς ἀγγελοις,

Διὰ χρηστότητος πλοῦτον, σὰ φυτουργὲ. ἐλεήμων κὲ. παραδείσου τῆς τρυφῆς ἐν ἐδὲμ. καὶ πλάττων με τρυφᾶν. τῶν ὡραίων καὶ τερπνῶν, καὶ μὴ ῥεόντων καρπῶν.

Изъ Тріоди постной XV в. моего собранія л. 9 об—12.

Канѡ. Пѣ, а, глаⷭ, г. їрм. ако посоу.

Грⷭ дшѣ моа ѡкаанная, плачи скоа дѣанїа дⷩ. помїнающи перваго къ єдемѣ ѡбнаженїа. єго же рⷭ нзгнана єсⷭ ѿ пища, и непрестанныа рⷭстн: ·

Многы мⷭрдїѣ и щедротами, съдѣтелю тварн, и всѣ творує. ѿ прⷭстн създав ма прежѣ. заповѣда пѣтн та съ агⷭы твонми: ·

Бⷭгостынею бⷭтатьство, ты насадишн мⷭтвє, ⷭн. ранскыю пищю въ єдемѣ повелѣк ми наслажⷭтнса, красны и слⷭкы. и нє мнотекзщи плодовъ: ·

Οἴμοι ψυχή μου ἀθλία τὴν ἐν ἐδὲμ. ἀπολάβειν εἴληφως. ἐξουσίαν ἐκ θῦ. μὴ λαβεῖν δὲ γνώσιως καρπὸν. προσετάγης. ἵνα τί παρέυης νομ. θῦ.

Θεοκυῆτορ παρθένε. ὡς τοῦ ἀδάμ. κατα γένος θύγατερ κατὰ χάριν δε χῦ. τοῦ θῦ γεννήτρια ἐμὲ. τὸν ἐξόριστον ἐδὲμ, νῦν ἀνακάλεσαι.

Καταβ βοηθὸς καὶ σκεπαστὴς. ὠδὴ γ̅.

Ὄφις ὁ δόλιος ποτέ. τὴν τιμήν μου φθονήσας. ἐψιθύρισε δόλω τῆς ἕυας ἐν τοῖς ὠσὶν. ἐξ ἧς ἐγὼ πλανηθεὶς. ἐξορίσθην. οἴμοι τοῦ χοροῦ τῆς ζωῆς.

л. 57. а. Τὴν χεῖρα τείνας προπετῶς ἐγευσάμην τοῦ ξύλου. τοῦ τῆς γνώσεως οὗπερ. προσέταξέ μοι θ̄ς̄. μὴ δ' ὅλως μεταλαβεῖν. καὶ τῆς θείας. δόξης ἀπορρίφην πικρῶς.

Οἴμοι ἀθλία ψυχὴ. πῶς οὐκ ἐγνως τὸν δόλον. πῶς οὐκ ἤσθου τῆς πλάνης. καὶ τοῦ φθόνου τοῦ ἐχθροῦ. ἀλλ' ἐσκοτίσθης τὸν νοῦν. καὶ παρευης ἐντολὴν τοῦ κτίστου σου.

Ἐλπὶς καὶ σκέπη μου γενοῦ. ἡ τὴν γύμνωσιν πάλαι. περιστείλασα μόνη. τὴν τοῦ πεσόντος ἀδάμ. τῶ τοκετῶ σου ἁγνή. ἀφθαρσίαν. αὖθις με ἀμφίασον

Καθ. ἦχ. δ. κατεπλάγ.

Ἐξεβλήθη ὁ ἀδὰμ. τοῦ παραδείσου τῆς τρυφῆς. διὰ βρώσεως πικρὰς. ἐν ἀκρασία ἐντολήν. μὴ φυλάξας τὴν τοῦ δεσπότου, καὶ κατεκρίθη. ἐργάζεσθαι τὴν γῆν ἐξ ἧς ἐληφθει. ἰδρῶτι δε πολλῶ, ἐσθίειν ἄρτον αὐτοῦ. διὸ καὶ ἡμεῖς β. ποθήσωμεν ἐγκράτειαν ἵνα ἔξω μὴ θρηνήσωμεν. τοῦ παραδείσου ὥσπερ ἐκεῖνος. ἀλλ' εἰς αὐτὸν εἰσελευσώσώμεθα.

Ὠδὴ ὅ. Χ̄ς̄ μου δύναμις.

Τιμῆς ἠξίωμαι. ἐγὼ ἄθλιος. παρὰ σοῦ τοῦ δεσπότου ἐν τῆ ἐδὲμ. οἴμμοι πῶς πεπλάνημαι. καὶ διαβολω φθονηθεὶς. ἀπερρίφην τοῦ προσώπου σου.

Ἐμὲ θρηνήσατε. ἀγγέλων τάγματα. παραδείσου τὰ κάλλη. καὶ τῶν φυτῶν. πάντων ἡ ευπρέπεια. τὸν πλανυθέντα δυστιχῶς. л. 51. а. καὶ θῦ ἀπῳκιρτήσαντα.

Λειμὼν μακάριος. φυτὰ θεόφυτα. παραδείσου τερπνότης. νῦν ἐπ' ἐμοὶ δάκρυα σταλάξατε. ἐκ φύλλων ὥσπερ ὀφθαλμῶν. τὸν γυμνὸν. καὶ ξένον θῦ.

Οὐκέτι βλέπω σε. σὺκ ἀπολαὺσω σε. τῆς ἡδύστης καὶ θεία. μαρμαρυγῆς. πάντι μὲ παράδεισε. γυμνὸς γὰρ ἔρριμαι πρὸς γῆν. παρακούσας τοῦ ποιήσαντος.

Ἁγία δέσποινα ἡ διανοῖξάσα παραδείστου τὰς πύλας. πᾶσι πιστοῖς. ἃς ἀδὰμ ἀπέκλεισε. διὰ παράβασιν ποτέ. σὺ νῦν μοι πύλας ἄνοιξον.

Оубы мнѣ дша моа страстнаа. соущи въ едемѣ наслажатнса пріяла есн ваа ѡ ба, не пріяти же разума. плѡ повелѣнна бы. во сквю прествпаеши законъ бжіи: ·

Бѡ. Бгородителнице дво, ако адамова по родв дши. по блти же ху бгв родителнице. мене изгнаного ѡ едема нѣнѣ приzови: ·

Пѣ. г̅. їрм. нѣ ста ако же.

Zміи лоукавы иногда, утимое и позавидѣ. пошента лестію екzѣ въ оуши. ѡ нея азъ прельстився. изгнанъ бы, оубы мнѣ ѡ лика жизненаго: ·

Роукв простеръ дръzостнѣ, вкоусн ѡ древа разумнаго. его же повелѣ ми бъ, никакоже вквшати. и бжественыхъ славы изгна бы грѣцѣ: ·

Оубы мнѣ срѣтьнаа моа дше. како не разумѣ прельстн. како не оувидѣ zаблzженіе, и zависть кражію. но помрачнса оумо, прествпи zаповѣ зижителя своего: ·

Оупованіе кроке мон утаа. иже ѡбнаженіе древле, покрывлеши єдина пашаго адама. рѧтвомъ свои утаа. нетлѣніѣ паки ѡблеци: ·

Сѣ. глаа, д̅. оудивн пѡ.

Изгна бы ада ѡ ранскыа пищи, снѣденіѣ грѣхы. не въздержаніѣ zаповѣди не съхранивши влы. wсzженъ бы дѣлати zемлю. ѡ нея же кzа бы. трудѡ же многы части хлѣ свои. тѣмже мы възлюбн въздержаніе. да не вни раа рыдаѣ. ако же wнъ но во нь виндѣ: ·

Слава и нынѣ по Гречески нѣтъ.

Пѣ. д̅. їрм. хъ мнѣ снл.

Утн спѡбнхся азъ стртныи, ѡ тебѣ влы въ едемѣ. оубы мнѣ како прельстихся. и дїаволомъ позавидѣнъ бывъ. ѡвръженъ бы ѡ лица твоего: ·

Мене рыдаите аггластїи чинове. ранскыа доброты и садовъ иже тамо благолѣпіе прельстившагося злоутнѣ и ѡ га ѡвергшася: ·

Раю блженыи садове бгосаженнїи, пищнаа красото. нѣнѣ ѡ мнѣ слезы проліаите ѡ листовмь ако ѡ wуїю. wбнаженѣ и стртьнѣ славы бжїа: ·

Оуже не внжю тебе, ни наслажаюся преслакыа ти и бжтвеныа сѣтлости, ксеутныи раю. нагъ бо покръженъ бы на zемлю. погнѣвавъ създатела: ·

Стаа влуце, ѡвержъшїа раю врата ксѣ вернын. иже адамъ zатворн} прествпленіѣ иногда. нбнаа ми двери ѡвръzи: ·

Ὠδὴ ϵ̅. τῷ θείῳ φέγγει.

Φθονήσας πάλαι με ὁ ἐχθρός. τῆς ἐν παραδείσῳ εὐτυχοῦς. ἀναστροφῆς ὁ μισάνθρωπος. ἄφεως ἐνείδι με, ὑπεσκέλισε. καὶ δόξης ἀϊδίου, ξένον μὲ ἔδειξεν.

Θρηνῶ καὶ κόπτωμαι τῇ ψυχῇ. καὶ τοῖς ὀφθαλμοῖς ἐπιζητῶ. πλήθη βακρύων βʹ. προστίθεσθαι. ὅτ᾽ ἂν ἀποβλέψω καὶ καταμάθω μου. τὴν γύμνωσιν ἣν ἔσχον. ἐκ παραβάσεως.

Ἐκ γῆς ἐπλάσθην χειρὶ θῦ αὖθις ἐπιστρέφειν δὲ πρὸς γῆν. ἐγὼ ὁ ἄθλιος ἤκουσα. τίς ἐμὲ μὴ κλαύσει. τὸν ἄπωσθέντα θῦ. καὶ τῆς ἑδέμ τὸν ἀδὴν ἀνταλλάξάμενον.

Νυμφῶνα δόξης. σε μυστικὸν. πάντες καταγγέλλωμεν πιστοὶ. θεοκυῆτορ πανάμωμε ὅθεν δυσωπῶ ἁγνὴ πεσόντα με. νυμφῶνος παραδείσου. οἰκείου ποίησον.

ὠδὴ. ϛ̅. τοῦ βίου τὴν θά.

Στολὴν θεούφαντον. ἐνεδύθην ἐκ θῦ. ἐν τῇ ἑδέμ ὡς εὔσπλαγχνος, ἐγὼ δέ σου παρεῖδον τὴν ἐντολήν. πεισθεὶς τῷ ἀλάστορι καὶ γυμνὸς καθ᾽ ὡράθην. ὁ ταλαίπωρος.

Ψυχὴ παναθλία μου. ἐμακρόνθην ἐκ θῦ. διὰ ἀπροσεξίας σου. παραδείσου ἐστέρησαι τῆς ζωῆς. ἀγγέλων λ. 58. αἰ κεχώρησαι. εἰς φθορὰν κατηνέχθης ὦ τοῦ πτώματος.

Ἐλέησον οἴκτειρον. παντοκράτορ ὁ θς̅. τῶν σῶν χειρῶν τὸ ποίημα. μὴ παρίδης με δέομαι ἀγαθέ. τὸν ἀποχωρήσαντα. ἐμαυτόν τῆς χωρείας. τῶν ἀγγέλων σου.

Μαρία θεόκλητε. ἡ κυρία τω̅ παντὸς. ὡς τετοκυῖα κν̅. βασιλέα τῶν ὅλων. καὶ ποιητὴν. αἰχμάλωτον ὄντα με. παραδείσου τῆς δόξης. ἀνακάλεσαι.

Пѣ. ϵ̅. їрмѡ̀, бж̑їимъ свѣто᷑ти бл̑же.

Позавидѣвъ древле мнѣ врагъ, иже к ран бл̑гомꙋ житїю и слⷭ̑комꙋ пр҃ꙋластїю ѵ̓лконенавистни᷑ зміа кндѣнїи мн҃ запатъ и славы прнсносоущьныа страна ма показа:·

Рыдаю и плачюся доушею. и слѣза᷑ нрю мно᷑ство слезъ прнлагати. егда возрю и позная свою наготꙋ. еже стажа ѡ̑ прѣстꙋпленїа:·

Ѡ̑ земла създанъ бы̑, роукою бж̑їею. пакы же къкращатнся къ земли. азъ стр҃тный слыша кто мене не въсплачеть, ѡ̑рнноконнаго ѡ̑ ба. и едемо᷑ ада нзмѣннша:·

Пѣ. ѕ̅. їрмѡ̀ жнтнискаго мора.

Ѡдежѣю ма облекъ есн бг̑отканною сѵ̑е. въ едемѣ ако мⷭ̑ръ: азъ же тн прѣстꙋпн᷑ запокѣди кѣрока къ льстнкаго. и нагъ кндѣхся ѡкаанный:·

Дш̑е все стр҃тнал моа оудалнла᷑ есн ѡ̑ ба. несмотренїе᷑. ранскыа лншилася есн пнща. ѡ̑ агг҃ъ разлꙋнлася есн. къ тлю ввѣдеся. ѡ оу᷑номꙋ паденїю:·

Помнлзн н оущедрн, вседръжнтелю бж̑е, твоею роукꙋ сътворенїе. не презрн мене молюся бл̑же: ѡ̑лоꙋунвшаго себе самого ѡ̑ лнка агг҃ъ твои᷑:·

Мр҃їе бг̑оневѣсто, гж̑е всꙋесквы̑. ако рожешн ба᷑ цр҃а всѣ᷑, н нзбавнтела. плѣнена соуща ма рѣкы славы прнзови:·

Кондакъ и икосъ смотри въ Кондакаріи.

Премдр҃тн наставнꙋе, смыслꙋ подателю, н моудр҃тн сказателю, н нщн᷑ защнтнтелю. оутвердн н вразоумн ср҃це моє вл̑ко. ты подан же мн слово, иже ѡ̑ѵ̑ее слово. се бо оустнъ мои не възбранн, внегда звати тн мⷭ̑тве помнлзн ма пⷭ̑шаго:·

їкѡ̑. Сѣдѣ адⷭ̑ тогда н плакаса прямо пщи раю роукама бⷭ̑ лице н гл̑ше: мⷭ̑тве помнлзн ма пашаго:·

Кндѣвъ адамъ агг҃ла нзрнзвша, н затворнкша бⷭ̑ственыа ограды двери. въздохнзвъ вельмн, н гл̑ше. мⷭ̑тке помнлзн ма падшаго:·

Поволн съ мною раю житслю ѡкнпцавшꙋ, н шюмо᷑ твои᷑ листъ. оумолн сѫдѣтелл, тебе не затворїтн. мⷭ̑тке помнлзн ма пⷭ̑шаго:·

л. 60 об. β. ѡ̑. ζ̅. Δροσοβόλον μέν.

Ὁ δεσπόζον τῶν αἰώνων πάντων κς̅. ὁ πλάσας με βουλήματι σῷ. φθονηθέντα με. τῷ δολίῳ δράκοντι ποτέ. καὶ σε παροργήσαντι σῆρ. μὴ ὑπερίδης ὁ θς̅. ἀλλ᾽ ἀνακάλεσαί με.

Τα τοῦ ἔσχους περικείμενος ἐνδύματα. οἴμοι ἀντὶ στολῆς φωτεινῆς. ἀποκλαίομαι. τὴν ἐμὴν ἀπόλειαν σῆρ. καὶ πίστει βοῶ σοι ὁ θς̅. μὴ ὑπερίδῃ ἀγαθὲ ἀλλ᾽ ἀνακαλέσαι με.

Пѣ. ζ̅. їрмѡ̀. халѡдакнꙋ со пѣснь:·

Кладын вѣкы всѣмн гь. създавын ма волею своею завндѣвъ ма льстнкы᷑ зміе᷑ нногда. н тебе прогнѣвакшса сп̑се. да не презрнши бж̑е, но прнзовн ма:·

Стꙋ᷑нымн ѡдѣжнъ ѡдежѣмн, оукымнѣ. вмѣсто ѡдѣжнїа свѣтозарна. плачюся моєа погнбели сп̑се. н вѣрою копїю тн бж̑е. не презрн благын. но прнзовн ма:·

Ἐτραυμάτισεν ὁ ὄφις ὁ παμπόνηρος. ὅλην μου τὴν ψυχὴν φθονερῶς. παραδείσου δὲ τῆς ἐδὲμ. ἐξόριστον ποιεῖ. ἀλλ' ὦ εὐσυμπάθης σῆρ. μὴ ὑπερίδῃς ἀγαθὲ. ἀλλ' ἀνακάλεσαί με.

Τὴν ἱκέτιν μου δέησιν πανάμωμε. πρόσδεξαι Λ. 61 α. συμπαθείᾳ τῇ σῇ. καὶ συγχώρησιν τῶν πταισμάτων δίδου μοι σεμνὴ, ἐν θρήνοις βοῶντι ἐκτενῶς. μὴ ὑπερίδῃς ἀγαθη. ἀλλ' ἀνακαλεσαί με.

ὠδὴ. ἡ. Ἐκ φλογὸς τοῖς ὁσίοις.

Δωρεαῖς πολυτρόποις πάλαι τετίμηκας. τῶν χειρῶν σου τὸ ἔργον μόνε φιλανε. δράκων δε δεινὸς, συριγμῷ ἐδελέασεν. οἴμμοι τῶν προσόντων, καλλῶν ἀπογυμνώσας.

Ἵνα τί συμβουλίας, πικρὰς ἀκήκοας, καὶ τῆς θείας ἐγένου. ψήφου παρήκοος. οἴμμοι ταπεινὴ. ψυχὴ θν̄ λυπήσασα. ὃν ἀεὶ δοξάζειν, ἐτάχθης σὺν ἀγγέλοις.

Ἑρπετῶν καὶ θηρίων δεσπότης γέγονας. ἑρπετῷ ψυχοφθόρῳ. πῶς προσομίλησας. σύμβουλον λαβὼν, ὡς εὐθὺ τὸν ἀλάστορα. ὦ τῆς σῆς ἀπάτης. ψυχή μου παναθλία.

Φωτοφόρον σκηνήν σε. θῡ σαρκώσεως. ἀνυμρεῦμεν μαρία θεοχαρίτωτε. ὅθεν β'. με δεινῶς. σκοτισθέντα τοῖς πάθεσιν. λάμψον φῶς ἐλέους. ἐλπὶς ἀπελπισμένων.

ὠδὴ. θ. θν̄ ἀν̄ οἱς ῑ̈.

Γλυκὺς εἰς γεῦσιν, καρπὸς τῆς γνώσεως. ἐν τῇ ἐδὲμ. ἐφάνη μοι πεισθέντι τῆς βρώσεως, εἰς χολὴν δὲ γέγονε τὸ τέλος αὐτῆς. οἴμμοι ψυχὴ ἀθλία, πῶς ἀκρασίασε, τῆς τοῦ παραδείσου ἐσθίας. ξένον πεποίηκεν.

Θεὲ τῶν ὅλων ἐλέους κε̄, εἰς τὴν ἐμὴν, ταπείνωσιν εὐσπλάγχνως ἐπίβλεψον. καὶ μὴ πόρρω πέμψῃς με τῆς θείας ἐδὲμ. ὅπως ἐκπέπτωκα. σπεῦσω πάλαι θρήνοις προσλαβεῖν, ἅπερ ἀπώλεσα.

Θρηνῶ στενάζω καὶ ὀδυρόμενος. τὰ χερουβὶμ. φλογίνη σὺν ῥομφαίᾳ θεόμενος. τῆς ἐδὲμ τὴν εἴσοδον. φυλάττειν ταχθὲν πᾶσι τοῖς παραβάταις. οἴμμοι ἀπρόσιτον. Λ. 61 οβ. ά. εἰμὶ σὺ ἀκώλυτον σῆρ, ταύτην ποιήσῃς βροτοῖς.

Θαρρῶ τῷ πλήθει τῶν τοῦ ἐλέους σου. χ̄ε σ̄ῆ ρ. καὶ θείας ἐκ πλευρᾶς σου τῷ αἵματι. δι' οὗ καθ' ἡγίασας τὴν φύσιν βροτῶν. ἤνοιξας δὲ τὰς πύλας. τοῖς σοὶ λατρεύουσιν. τὰς τοῦ παραδείσου ἀγαθὲ τὰς πρὶν κλεισθήσας ἀδὰμ.

Ζωῆς ἡ πύλη ἡ ἀδιόδευτος. ἡ νοητὴ παρθένε θεοτόκε ἀνύμφευτε παραδείσου τὰς πύλας κλεισθείσας τὸ πρὶν. ἄνοιξον σαῖς πρεσβείαις. ὅπως δοξάζω σε. τὴν μετὰ θν̄ μου βοηθὸν. καὶ κραταιὰν προσφύγην.

Оуаꙁви ѕмїи ксе лоукавыи, ксю ми дш̄ю ꙁакнстно. рам же едемьскаго изгнана створи, но ѡ бл̄гомт̄ивне спсе не презри мене бл̄гыи, но призови: ·

Бѡ̄ Молебное ми моленїе ксенѣтаа. прїимми мт̄їю твоею и прощенїе съгрѣшенїѣ̄ дарви ми ѵ̈таа. рыдающїѣ̄ копнющю прилѣжно. не презри бл̄гаа, но призові ма: ·

Пѣ̄. и. їрмѡ̄. нс пламанн сты̄ рос.

Дары многообразными дрєвлє поуелъ єси роукъ своѣ̄ дѣло. єдине ѵ̈коложе ѕмїи же лютїи ꙁвизданіѣ̄ прельсти. оувы мнѣ прежудящїѣ̄ добръ ѡбнажихъ: ·

Къскою съвѣта грѣха слышала єси. и бж̄твенаго бы̄ сада преслушна. оувы мнѣ смирена дш̄е бж̄а ѡскорбихше. его же прно славити оуꙋнижена бы̄ съ агглы: ·

Гадо̄ и ꙁвѣрѣ̄ вл̄ка былъ єси. гадв дш̄е тлѣноую бесѣдока. съвѣтника прнемши како правалыстника. ѡ твоем прельсти дш̄е моа всестр̄тьнаа: ·

Свѣтоносное селенїе та бж̄їа воплощена. коснѣваю мр̄їе бг̄ородѡканнаа. тѣ̄же люте ѡмрачена стр̄тьми. просвѣти свѣто̄ милостн. оупованїе ненадежны: ·

Пѣ̄, ѳ. їрм. бж̄ ѵ̈ко̄.

Сладокъ вкоусъ пло̄ разоумѣ. къ едемѣ акнинса. насыщшисѧ снѣдн. къ желѫжи бы̄ конець его. оувы мнѣ дш̄е стр̄наа како невъздержанїѣ̄ та рансаго ѣденїа странна съткори: ·

Бж̄е всѣ̄ мт̄ти ѓн, на мое смирєнїе бл̄гооутробне призри и не далече посли ма бж̄твенаго едема како зрю доброты ѡнюдвже испадо̄ потщюся паки слезами прнати, иже погвбн̄: ·

Рыдаа стена и плачаса, хєрокн̄ нс пламенн ѡроужїѣ̄ зра, едема вхѡ̄ стрещи покелѣнно ксѣ̄ ꙁаставнникѡ̄, оувы непрнстввпнх. аще не ты не въꙁранешь спсе тон створншн вєрны: ·

Жнзни двєрн непроходнмаа, оумнаа дв̄ко бц̄е безпекѣстнаа раа двєрн ми ꙁаключеныа прѣ̄е, ѡвръзн сконмн мт̄тками, како да славлю та. иже съ бг̄ѡ̄ мн помощинцѣ, н дръжавное прибѣжище: ·

Чтеніе и объясненіе снимка.

Κυριακῇ ϊ̈. τῶν ἁγίων νηστειῶν. τῷ σαββάτῳ ἑσπέρας στιχολογεῖτε τὸ, Μακαριος ἀνὴρ εἰς δε τὸ Κύριε ἐκέκραξα ἱστῶμεν στίχους Γ̈. καὶ ψάλλομεν στιχηρα ἀναστάσιμα Γ̈. καὶ ἀνατολικα Δ̈. καὶ τοῦ τριῳδίου. Γ̈. ἦχος Δ̈.

ρ. 198. Σήμερον ὁ δεσπότης κτίσεως. καὶ Κύριος τῆς δόξης, τῷ σταυρῷ προσπήγνυται. καὶ τὴν πλευρὰν. κεντᾶται. χολὴν καὶ ὄξος γεύεται. ὁ γλυκασμὸς τῆς ἐκκλησίας. στέφανον ἐξ ἀκανθῶν. περιβάλλεται ὁ καλύπτων οὐρανὸν τοῖς νέφεσι χλαῖναν ἐνδύεται χλεύης. καὶ ῥαπίζεται πηλινῃ χειρὶ. ὁ τῇ χειρὶ. πλάσας τὸν ἄνθρωπον. τὸν νῶτον φραγγελοῦται ὁ περιβάλλων τὸν οὐρανὸν ἐν νεφέλαις. ἐμπτυσμοὺς καὶ μάστιγας δέχεται. ὀνειδεσμοὺς καὶ κολαφισμοὺς, καὶ πάντα ὑπομένει δι' ἐμὲ τὸν κατάκριτον, ὁ λυτρωτὴς μου κα' θεὸς.. ἵνα σώσει κόσμον ἐκ πλάνης ὡς εὔσπλαγχνος.

Καὶ πάλιν ἐκ Γ. τὸν σταυρὸν σὰ προσκυνοῦμεν. ψάλλομεν καὶ επειτα ἰδιομελ. ἦχος πλαγ. Δ. (8).

Σήμερον ὁ ἀπρόσιτος τῇ οὐσία. προσιτός μοι γίνεται. καὶ πάσχει πάθη. ἐλευθερῶν με τῶν παθῶν ὁ φῶς παρέχων τυφλοῖς. ὑπὸ ἀνόμων χειλέων ἐμπτύεται καὶ διδώσιν τὸν νῶτον, ὑπὲρ αἱμαλώτων εἰς μάστιγας. τοῦτον ἡ ἀγνή παρθένος καὶ μητὴρ ἐπὶ σταυροῦ θεωροῦσα, ὀδυνηρῶς ἐφθέγγετο. οἰμμοι. τέκνον ἐμὸν. τί τοῦτο πεποίηκας. ὁ ωραῖος κάλλει παρὰ πάντας τοὺς βροτούς. ἄπνους ἄμορφος φαίνει. οὐκ ἔχων εἶδος οὐδὲ κάλλος. οἴμμοι τὸ ἐμὸν φῶς. οὐ δύναμαι ὑπενοῦντα καθ' ὁρᾶν σε. τὰ σπλάγχνα τιτρώσκομαι. καὶ δεινη μοι ῥομφαῖα, τὴν καρδίαν διέρχεται. ἀνυμνῶ σου τὰ πάθη. προσκυνῶ σοῦ τὸ εὔσπλαγχνον μακρόθυμε δόξα σοι.

φ. 35. Ἐτελειωθῆσα ἡ παροῦσα νῦν δέλτος ἐν μηνὶ μαρτίω πεντε καὶ δεκάτη γραικῶν τὸ ἔτους ,ᾳϡξη. (1460) ἰνδικτιώνος Η. καὶ ἰταλῶν δε ἔτους ,ᾳϡξ.

Заставки, заглавныя буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: μόνον, κατάκρινε. με: ·

Сокращенія и слова съ титлами: σταυρῶ ἀνθρώπου. καὶ κεφάλὴν ποιήσωμεν.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀξίωσον καταπάτημα φάραγγι. ἀγεώργητος. ε., ἐξ. ἐυσέβειαν πέτραν. ν., δυνάμει πληθύνεται. σ., δεσπότην πάθους. τ., καταλήψεται.

VIII. Октоихъ

Находится въ собраніи Г. Севастьянова подъ № 77-мъ.

Длина бумаги.	$6\frac{1}{2}$ в.
Ширина.	$4\frac{6}{8}$ в.
Къ корешку.	$\frac{1}{2}$ в.
Между столбцами.	$\frac{1}{4}$ в.
Къ правой сторонѣ	1 в.
Къ верху	$\frac{7}{8}$ в.
Къ низу	$\frac{1}{4}$ в.

Бумага довольно толстая, лощеная. Бумажный знакъ на 311. л. вѣсы въ кругу. Писанъ хорошею скорописью по нарѣзамъ въ два столбца на 319-ти листахъ. Въ 1-й тетради 3-хъ листовъ не достаетъ. Заставки и заглавныя буквы писаны блѣдно-сѣрою краскою, и розоватою, а заставки обведены и чернилами. Колеръ чернилъ черный. Число строкъ на страницѣ 31. Кондаковъ и икосовъ Воскресныхъ нѣтъ. На 312. листѣ набор. послѣ подписи писца 1476. написаны отпусты на праздники.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 35. β'. Τῶ σάββάτω ἑσπέρας στιχηρα Ἀναστασιμὰ εἰς τὸ κε̄ ἐκέκραξα. ηχ. β̈.

Τὸν προ αἰάνων ἐκ πρ̄ς γεννηθέντα. τὸν θν̄ λόγον σαρκοθέντα. ἐκ παρθένου μαρίας, δεῦτε προσκυνήσωμεν. στρ̄ὸν γὰρ ὑπόμεινας, τῇ ταφῇ παρεδόθη. ὡς αὐτὸς ἠθέλησε. καὶ ἀναστὰς ἐκ τῶν νεκρῶν. ἔσωσέ με τὸν πλανόμενον ἄν̄ον.

Χ̄ς ὁ σ̄ρ ἡμῶν. τὸ καθ' ἡμῶν χειρόγραφον προσηλώσας τῶ σρ̄ω ἐξήλαψε. καὶ τοῦ θανάτου τὸ κράτος κατήργησεν. προσκυνοῦμεν αὐτὸ τὴν τριήμερον ἔγερσιν.

Изъ Октоиха XIV в. № 28. Сев. собранія.

л. 4. об. стры. кьскрны гла. в̈.

Прѣкѣхномоу ѡ ѡцѣ рожьшоусе бжїю словоу. и вьплышоусе ѡ дн̄и мрнѣ. придѣте поклоннмсе хоу (sic). распѣтнѣ пострадавь. и погребенню прѣстьсе. ико самь нзволы и кьскрсе нз мртвнхь. спсн ме блоудещаго улвка:

Хс̄ спсь нашь роукописанніе наше на крт̄ѣ растрьзл. и смрти дрьзковоу оупразнн. клнаемьсе тридневномоу его кьскрсенню:

л. 35 об. а. Σὺν ἀρχαγγέλοις ὑμνήσωμεν χῡ̄ τὴν ἀνάστασιν. αὐτὸς γὰρ λυτρωτῆς ἐστὶν. καὶ σῆρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν, καὶ ἐν ῥάξῃ φοβερᾷ καὶ κραταιᾷ δυνάμει, πάλιν ἔρχεται, κρῖναι κόσμον ὃν ἔπλασεν.

Ἕτερ. στιχιρ. ἀναστολικ. ηχ. β̄.

Σὲ τὸν σαρκωθέντα καὶ ταφέντα. ἄγγελος ἐκήρυξε δεσπότην. καὶ ἔλεγε ταῖς γυναιξίν. δεῦτε ἴδετε ὅπου ἔκειτο ὁ κ̄ς̄. ἀνέστη γὰρ καθὼς εἶπεν ὡς παντοδύναμος. διόσε προσκυνοῦμεν. τὸν μόνον ἀθάνατον. ζωοδότα χ̄ε̄. ἐλέησον ἡμᾶς.

Ἐν τῷ στῑ̄ῳ σου χ̄ε̄ κατήργησας. τὴν τοῦ ξύλου κατάραν. ἐν τῇ ταφῇ σου ἐνέκρωσας. τοῦ θανάτου τὸ κράτος. ἐν δὲ τῇ ἐγέρσει σου. ἐφώτισας τὸ γένος τῶν ἀ̄ν̄ων. διὰ τοῦτο σοὶ βοῶμεν, εὐεργέτα χ̄ε̄ ὁ θ̄ς̄ ἡμῶν δόξα σοι.

Ἠνοίγησαν σοι κ̄ε̄. φόβῳ πύλαι θανάτου, πυλωροὶ δὲ ἅδου. ἰδόντες ἔπτηξαν. πύλας γὰρ χαλκὸς συνετρίψας, καὶ μοχλοὺς σιδηροῦς συνέθλασας. καὶ ἐξήγαγες β̄. ἡμᾶς ἐκ σκότους, καὶ σκιὰς θανάτου. καὶ τοὺς δεσμοὺς ἡμῶν διέρρηξας.

л. 41 об. β̄. Εἰς τοὺς αἴνους. στιχηρα ἀναστάσιμα ηχ. β̄.

Πᾶσα πνοὴ καὶ πᾶσα κτίσις, σὲ δοξάζει κ̄ε̄. ὅτι διὰ τοῦ στῑ̄ῳ τὸν θάνατον κατήργησας. ἵνα δείξῃς τοῖς λαοῖς, τὴν ἐκ νεκρῶν σου ἀνάστασιν. ὡς μόνος φιλάνθρωπος.

Οἱπάτωσαν (sic) ἰουδαῖοι πῶς οἱ στρατιῶται ἀπόλεσαν τηροῦντες л. 42. а. τὸν βασιλέα διὰ τί γαρ ὁ λίθος οὐκ εφύλαξε τὴν πέτραν τῆς ζωῆς, ἢ τὸν ταφέντα δώτωσαν. ἢ ἀναστάντα προστυνήτωσαν. λέγοντες σὺν ἡμῖν. δόξα τῷ πλήθῃ τῶν οἰκτιρμῶν σου σῆρ ἡμῶν δόξα σοι.

Χαῖρεται λαοὶ καὶ ἀγαλλιᾶσθαι. ἄγγελος ἐκάθησεν, ἐις τὸν λίθον τοῦ μνήματος. αὐτὸς ἡμᾶς εὐηγγελίσατο, ἐιπὼν. χ̄ς̄ ἀνέστη ἐκ νεκρῶν ὁ σῆρ τοῦ κόσμου. καὶ ἐπλήρωσε τὰ σύμπαντα εὐσδίας. χαῖρεται λαοὶ καὶ ἀγαλλιᾶσθαι.

Ἄγγελον μὲν τὸ χαῖρε. πρὸ τῆς σῆς συλλήψεως κ̄ε̄. τῇ κεχαριτωμένῃ ἐκόμισεν. ἄγγελος δὲ τὸν λίθον τοῦ ἐνδόξου σου μνήματος, ἐν τῇ σῇ ἀναστάσει ἐκύλησεν. ὁ μὲν ἀντὶ τῆς λύπης, εὐφροσύνης σύμβολα μηνύων. ὁ δὲ ἀντὶ θανάτου, δεσπότην ζωοδότην. κηρύττων ἡμῖν, διὸ βοῶμεν σοι, εὐεργέτα τῶν ἁπάντων κ̄ε̄ δόξα σοι.

Ἕτερ. στιχιρ. ἀναστολικ. ηχ. β̄.

Ἔρραναν μύρα μετὰ δακρύων. ἐπὶ τὸ μνῆμα σου αἱ γυναῖκες. καὶ ἐπλήσθη χαρὰς τὸ στόμα β̄ αὐτῶν. ἐν τὸ λέγειν ἀνέστη ὁ κ̄ς̄.

Αἰνεσάτωσαν ἔθνη καὶ λαοὶ. χ̄ν̄ τὸν θ̄ν̄ ἡμῶν. τὸν ἐκουσίως. δι ἡμᾶς σῶρον ὑπομείναντα, καὶ ἐν τῷ ἅδῃ τριημερεύσαντα. καὶ προσκυνησάτωσαν αὐτοῦ, τὴν ἐκ νεκρῶν ἀνάστασιν. δι ἧς πεφώτισται, πάντα τοῦ κόσμου τὰ πέρατα.

л. 73 об. а. Τῷ σαββάτῳ ἑσπέρας στιχηρα. εἰς τὸ κ̄ε̄ ἐκέκραξα. στιχ. ἀναστάσιμα ηχ. ᾱ.

Τῷ σῷ σῶρω χ̄ε̄ σῆρ, θανάτου κράτος λέλυται. καὶ διαβόλου ἡ πλάνη κατήργηται. γένος δε ἀνθρώπων, πίστει σωζόμενον. ὕμνον σοι καθ' ἑκάστην προσφέρει.

Съ архи҃гли поiемъ хв҃о вьскр҃сенiе. ть бо избавитель и спсь дш҃амъ нашимъ. въ славѣ страшнѣ и крѣпцѣи силѣ. паки гредеть соудити мироу iего же съ҃да:

в с҃т о.

Тебе распьншагосе и погребена бывша. а҃нгль проповѣда вл҃ку. глаше женамъ придѣте и видите. идѣже лежа т҃ь. вьскр҃се бо ако же р҃е ако всеснлнь. сего ра҃ поклоняемъ тн се. iединомоу бесмр҃номоу. жнводавцѣ х҃е поiлоуи насъ:

Кр҃томь твонмь оупразни дрѣкноую клѣтвоу. и погребенiемь своимь. оумртви смр҃ьну дрьжавоу. и вьскр҃сенiемь своимь просвѣти родь оу҃вуски. сего ра҃ вьпиiем тн. х҃е бе҃ нш҃ь бл҃годателоу сла҃ тебѣ:

Wвр҃зоше тн се г҃н съ страхомь крата см҃ртнаго кратинцн же адови тебе видѣкше оужасошесе. крата бо мѣденаго сътр. и верѣнiе желѣзнiе скроушн. изведе нн ѡ̄ тле смртнiе. и оузн наше растрьже:

л. 5. об. **Ζа҃у. Всако дыханiе и вса тварь тебе славить т҃н. ако кр҃томь смрть оупраз҃нн. да якоже люб҃ь iеже нз мртвыхъ твоiе вьскресенiе. ако iединь бл҃ги оу҃вколоубець:**

Да рекоуть л. 6. нюдѣи како конин погоубише стрегоуще цр҃а поуто бо камень. не схраниште камене жнзьнн. нли погребенаго дадите намъ. нды вьскр҃шоумоу да поклонетсе. г҃лоуще с нами. слава множьствоу щедроть твонхъ. спсе нашь сла҃ тебѣ:

Р҃аунтесе люiе и веселитесе. а҃нгль бо сѣде на каменѣ гробнѣмь. ть намъ бл҃говѣстн рекь. хъ вьскр҃се нз мр҃твыхъ спсь всего мира. испльни всауьскаа бл҃гооухання. р҃аунтесе люiе и веселитесе:

Вьсто҃. А҃нгль бо р҃аuетсе. прѣже҃ зауетнца тн т҃н. бл҃годѣтьнѣи принесе. а҃нгль же камень славнаго тн гроба. въ твоiе вьскр҃сенiе ѡ̄вали. ѡвь бо въ пещали мѣсто всесилна. ѡбраз нповѣдаiе намъ. сн же въ смрти мѣсто. вл҃коу жнзнодавца повѣдаiе намъ. тѣмже вьпиiемтн. бл҃годѣтелю всауьскнмь т҃н слава тебѣ:

Изнмше миро съ сльзами. на гробѣ твоiемь утн҃iе жены напльнишесе радости оуста нхъ. вьнеа҃ глати вьскр҃се т҃ь.

Да похвалеть iезыцы и люiе х҃а б҃а нш҃го, колею распѣтнiе прѣтрьпѣвшаго. и въ адѣ тридневно вѣставшаго. да поклонетсе iемоу нз мртвыхъ вьскр҃сенiю. iего же ра҃ проскѣтншесе всего мира конци:

л. 9. **Стр҃ы вьскр҃сны. гла҃ г҃.**

Твонмъ кр҃томъ х҃е сн҃се смрти власть раз҃ругшисе. и дыяволя льсть оупразнисе. родь же оу҃вуски кѣрою спсаетсе. (только).

Πεφώτισται τὰ σύμπαντα, τῇ ἀναστάσει σου κε̄. καὶ ὁ παράδεισος πάλιν ἠνέωκται. πᾶσα δὲ ἡ κτίσις ἀνευφημοῦσα σαι ὕμνον σοι καθ' ἑκάστην προσφέρει.

Δοξάζω τοῦ πρ̄ς, καὶ τοῦ υἱοῦ τὴν δύναμιν. καὶ πν̄ς ἁγίου ὑμνῶ τὴν ἐξουσίαν. ἀδιαίρετον ἄκτιστον θεότητα. τριάδα ὁμοούσιον τὴν βασιλεύουσαν εἰς αἰῶνα αἰ̄νος.

Ἕτερ. στιχιρ. ἀναστολικ. ηχ. γ̄.

Τὸν στ̄ρον σου τὸν τίμιον, προσκυνοῦμεν. χέ̄. καὶ τὴν ἀνάστασιν σε, ὑμνοῦμεν καὶ δοξάζομεν. τῶ γὰρ μωλωπή σου, ἡμεῖς οἱ πάντες ἰάθημεν.

Ὑμνοῦμεν τὸν στρ̄α, τὸν ἐκ τῆς παρθένου σαρκωθέντα; δι' ἡμᾶς γὰρ εστ̄ρωθη, καὶ τῇ τρίτη ἡμέρα ἀνέστη, δωρούμενος ἡμῖν τὸ μέγα ἔλεος.

Τοῖς ἐν ἅδῃ καταβὰς χ̄ς̄ εὐηγγελίσατο. β̄. θαρσεῖτε λέγων. νῦν ἐνίκηκα. ἐγά εἰμι ἡ ἀνάστασις. ἐγὼ ὑμᾶς ἀνάξω. λύσας θανάτου τὰς πύλας.

л. 79 об. β̄. Εἰς τοὺς αἴνους. στιχ. ἀναστάσιμα ηχ. γ̄.

Δεῦτε πάντα τὰ ἔθνη. γνῶτε, τοῦ φρικτοῦ μυστηρίου τὴν δύναμιν. χ̄ς̄ γὰρ ὁ σ̄ρ ἡμῶν, ὁ ἐν ἀρχῇ λόγος ἐστ̄ρωθη δι' ἡμᾶς. καὶ ἐκὼν ἐτάφη, καὶ ἀνέστη ἐκ νεκρῶν. τοῦ σῶσε τὰ σύμπαντα, αὐτὸν προσκυνήσωμεν.

Διηγήσαντο πάντα τὰ θαυμάσια οἱ φύλακες σου κε̄. ἀλλὰ л. 80 ά. τὸ συνέδριον τῆς ματαιότητος πληρῶσαν δῶδον. τὴν δεξιὰν αὐτῶν. κρίπτειν ἐνόμιζον τὴν ἀνάστασιν. σου. ἣν ὁ κόσμος δοξάζει, ἐλέησον ἡμᾶς.

Χαρὰς τα πάντα πεπλήρωται. τῆς ἀναστάσεως τὴν πείραν εἰληφότα. μαρία γαρ ἡ μαγδαλινῆ, ἐπὶ τὸ μνήμα ἦλθεν, εὗρεν ἄγγελον ἐπὶ τὸν λίθον καθήμενον. τοῖς ἱματίοις ἐξαστράπτοντα καὶ λέγοντα. τί ζητεῖτε τὸν ζόντα μετὰ τῶν νεκρῶν, οὐκ ἔστιν ὧδε. ἀλλ' εγείγερται. καθώς εἶπεν προάγων ἐν τῇ γαλιλαίᾳ.

Ἐν τῶ φωτί σου δέσποτα ὀψάμεθα. φῶς φιλ̄άνε. ἀνέστης γὰρ ἐκ τῶν νεκρῶν. σρ̄ίαν τῶ γένῃ τῶν ἀ̄νων δωρούμενος. ἵνα σε πᾶσα κτίσις, δοξολογεῖ τὸν μόνον ἀναμάρτητον. ἐλέησον ἡμᾶς.

Ἕτερ. στιχ. ανατολ. ηχ. γ̄.

Ὕμνον ἐωθινὸν, αἱ μυροφόροι γυναῖκες. τὰ δάκρυα πρὸς ἔφερον κε̄. εὐωδίας γὰρ ὀρώματα κατέχουσαι τὸ μνήμα σου κατέλαβον· τὸ ἄχραντόν σου σῶμα, μυρίσαι σπουδάζουσαι. ἄγγελος καθήμενος, ἐπὶ τὸν λίθον, αὐταῖς εὐηγγελίσατο. τί ζητεῖτε τὸν β̄. ζόντα μετὰ τῶν νεκρῶν, τὸν θάνατον γὰρ σκυλεύσας. ἀνέστη ὡς θ̄ς̄, παρέχων πᾶσι τὸ μέγα ἔλεος.

Ἐξαστράπτον ἄγγελος, ἐπὶ τὸ μνημά σου τὸ ζωοποιὸν. ταῖς μυροφόροις ἔλεγεν. ἐκαίνωσεν τοὺς τάφους ὁ στ̄ρωθεὶς ἐσκήλυσε τὸν ἅδην καὶ ἀνέστη τριήμερος, ὡς μόνος θ̄ς̄ καὶ παντοδύναμος.

Ἐβ̄ραῖοι συνέκλεισαν ἐν τῶ τάφω τὴν ζωὴν. λῃστὴς δὲ ἠνέωξεν, ἐν τῇ γλῶσσῃ τὴν τρυφήν, κραυγάζων καὶ λέ-

Проскѣтившесѧ всаꙋ̑ськаѧ. вьскр̄сениемь твоимь г̑н. и рай паки ѿврѣзесѧ. тварь же вса прославлающи те. пѣ̑ти всѣ̑ѧ приносить:

Славлоу ѡ̑ц̑а и сноу с̑тго дх̑а пою влч̑ство нераздѣлно. и несъмѣсаньно б̑ж̑тко. л. 9. об. троицоу єдиносоущноую. цр̑твоующоу въ вѣки вѣкомъ:

кс т̑.

Кр̑тоу твоємоу ст̑номоу покланаемсе хѣ̄. и вьскр̄сенїе твоє поемь и славимь. раною бо твоєю ксн цѣлхомь.

Поємъ сп̑са ѡ̄ дв̑н вьплъпѣшасе. и трети дн̑ь вьскр̄се. с п̑ сае д ш̑е н ш̑е:

Въ адѣ соущимь сшь̑ х̑ь бл̑говѣсти. дрьзанте г̑лѣ нн̑ѣ побѣдихь ада. азъ иесмь вьскр̄сенїе азъ ви вьзведоу. раз̑роушь смртнаѧ врата:

л. 10. ζαῦ.

Придѣте вси иезици. и разоумѣите страшьниѣ танин силы. х̑ь бо сп̑сь нш̑ь неврька вѣ слоко. распетиѣ на̑ ра̑ принемь. и волею погребесе. и вьскр̄се ѡ̄ мртвихь. да г̑нсеть всаꙋ̑ськаѧ. томоу поклонимсе:

Исповѣдаше вса ююдеса стражиѣ твои г̑н нь скорь соуѣтинхь. испльни даромъ. десницоу нхь. оутанти мнѣхоу вьскр̄сенїе твоє. иже вск мирь славить. помл̑оуи на̑:

Радости вса̑ испльнившесе. вьскр̄сениемь т в о и м ь г̑н и с к о у с ь приемшии мар̑ина мар̑алинн къ гробоу придѣ. и ѡбрѣте а н̑ г л а на каменѣ сѣдещѧ. ризами блистающисе и гл̑оуща. что ищете живаго съ мртвими. нь вьскр̄се ꙗко же р̑ѣ. караю ви въ галилѣи:

Вс̑. Въ свѣтѣ твоємъ к̑ако. възримь свѣть твои. влк̑колоубче. вьскр̄сь бо из мртвихь. спс̑енїе родоу влв̑оу даи. да те вса тварь славить л. 10. об. иединого влк̑колоубца помл̑оуи на̑:

Пѣ̑ ютрьноую мироносице жени. сльзи приношахоу г̑н. бл̑гоуханиѧ коне имоуще. къ гробоу т в о ю е м о у придоше. т̑ое тѣло твоє помазати тщахоусе. анг̑ль сѣдѣ на каманѣ гробнѣмь. ть имь бл̑говѣстн. что ищете живаго съ мртвими. см̑рть бо исповрьгн. вьскр̄се ꙗко бъ. подаи всѣмь велию мл̑ть:

Блистаисе анг̑ль. на гробѣ твоємь животворнѣмь. мироносицамъ г̑лаше. истьщи гробы и з б а в и т е л ь. испровръже ада вьскр̄сь тридневно. ꙗко бг̑ь всесильнь:

Єврѣиѣ злтворише въ гробѣ животь. разбойникь же ѡврьзе иезикомь пищоу. зоки г̑лѣ мене р̑а̑. съ мною

γων, ὁ μετ' ἐμοῦ δι' ἐμὲ στρωθείς. συνεκρέμματό μοι ἐπὶ τοῦ ξύλου. καὶ ἐφαίνετο μοι ἐπὶ τοῦ θρόνου. τῶ πρι συγκαθήμενος, αὐτὸς γὰρ ἐστὶ χς̄ ὁ σ̄ρ ἡμῶν. ὁ ἔχων τὸ μέγα ἔλεος.

распьньсѣ. на дрѣвѣ мвлаѣть ми сѣ на прѣстолѣ, съ ѡ̈цемь сѣдѣ. ть бо їѣ̈хъ б̈ѣ ншь. имѣѥ велію мл̄ть;

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 193 об. Τῶ σαββάτω ἐσπέρας. εἰς τὸ Κύριε ἐκέκραξα στιχηρα ἀνατολικὰ. ηλ. πλ̄β. (6).

Νίκην ἔχων Χριστὲ τὴν κατὰ τοῦ ᾅδου ἐν τῶ σταυρᾶ ἀνῆλθεν. ἵνα τοὺς ἐν σκότει θανάτου καθημένους. σὺν-ἀναστήσας ἑαυτῶ ὁ ἐν νεκροῖς ἐλεύθερος. ὁ πηγάζων ζωὴν, ἐκ οἰκείου φωτὸς παντοδύναμε σωτὴρ ἐλέησον ἡμᾶς.

ф. 268 об. Τῶ σαββάτω ἐσπέρας εἰς τὸ ἐκέκραξα στιχηρ. ἀνατολικ. ἱστῶμεν στιχ. γ̄. ἦχος πλ̄δ. (8).

Ἑσπερινὸν ὕμνον καὶ λογικὴν λατρείαν. σοὶ χριστὲ προσφέρωμεν. ὅτι ηὐδόκησας. τοῦ ἐλεῆσαι ἡμᾶς. διὰ τῆς ἀναστάσεως.

ф. 312. Ἐκ τὰς χεῖρας πονηκτῶν πρωτου καὶ ἐξάρχου. Κωνσταντίνου ἱερέως καὶ εὐτελοῦς καὶ γραφέως. ἐν ἔτει ѕ҃ѱ҃пд. ἰνδικτιώνος ϑ̄. Αὐγούστου κ̄.

ф. 47 об. Εἰς τὴν λειτουργίαν. Μακαρισμοὶ ηχ. ē. Μνήσθητι εὔσπλαγνε καὶ ἡμῶν καθως ἐμνημώνευσας τοῦ ληστοῦ. ἐν τῆ βασιλεια τῶν οὐρανῶν.

Заставки заглавныя буквы, криптографическія записи.

Слова съ знаками препинанія: σου τήρει, θεότητος. θλιψεως: ☩

Слова съ титлами и сокращенія: οὐρανόθεν καὶ. τῶν ἁγίων πάντων.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀξίωσον ἀγγέλων τάξεις. ἄγγελος ἄγγελοι. ε., μὲν ἐν βλέψον εὐηγγελίσατο εἰπὼν δεσπότην δορούμενος μιμουμένοι ἐκ. ν, σύνεσιν οὐσίαν πύλην δυνάμει. σ., φυλάσσοντες ἐλεύσεσθαι ἀβύσσα. τ., ωκιστος.

Частицы съ двумя удареніями: μὲν δὲ ἄν.

IX. Книги св. писанія ветхаго завѣта съ толкованіемъ разныхъ Отцевъ церкви.

Самый текстъ писанъ карминною краскою розоваго цвѣта, равно и заглавныя фигурныя буквы.

Находятся въ Синод. Библіотекѣ подъ № 19-мъ.

Писаны на бумагѣ въ листѣ въ два столбца скорописью на 208. ластахъ. Число строкъ на страницѣ 45.

Длина бумаги	1. ч. $2^3/_8$ в.
Ширина	$1^3/_8$ „
Къ верху	$^5/_8$ „
Къ низу	$^6/_8$ „
Къ корешку	$^2/_8$ „
Къ правой сторонѣ	$^5/_8$ „
Между столбцами	$^2/_8$ „

Начиная съ книги бытія, оканчивается нѣсколькими текстами изъ пророческой книги Іезекіиля. Между толковниками упоминаются: Кириллъ, Акакій, Геннадій, св. Василій, Севиріанъ, Ѳеодоритъ, Оригенъ, Исидоръ идруг.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ тріоди постной XV в. моего собранія л. 72. 78.

Ἐν ἀρχῆ ἐποίησεν ὁ θεὸς τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν. ἡ δὲ γῆ ἦν ἀόρατος καὶ ἀκατασκέυαστος, καὶ σκότος ἐπάνω τῆς ἀβύσσου, καὶ πνεῦμα θεοῦ ἐπεφέρετο ἐπάνω τοῦ ὕδατος. καὶ εἶπεν θεὸς γενηθήτω φῶς καὶ ἐγένετο φῶς. καὶ εἶδεν ὁ θεὸς τὸ φῶς ὅτι καλὸν. καὶ διεχώρισει ὁ θεὸς ανα-

ѿ бꙑ̈ѧ утєньа (sic). Исконн створи б̈ъ нб̄о и зємлю. зємлѧ̂ бѣ невиднима и не оукрашєна. и тма керхоу бєзн̈ы. и дх̄ъ б̈ж̄їи ношашѣ̂ керхоу воды. и рєчє б̈ъ да боудѣ̂ свѣ̂ и бꙑ̈ свѣтъ. и видѣ б̈ъ свѣ̂ ꙗко добро и разлоучи б̈ъ межоу свѣто̂ и межоу тмою. и нарѣ̂

μέσον του φωτος καὶ ἀναμέσον τοῦ σκότους καὶ ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὸ φῶς ἡμέραν καὶ τὸ σκότος ἐκάλεσεν νύκτα. καὶ ἐγένετο ἑστέρα καὶ ἐγένετο πρωὶ ἡμέρα μία. καὶ εἶπεν ὁ θεὸς γενηθήτω στερέωμα ἐν μέσω τοῦ ὕδατος. καὶ ἔστω διαχωρίζον ἀναμέσον ὕδατος καὶ ὕδατος. καὶ ἐγένετο οὕτως καὶ διεχώρισον ὁ θεὸς ἀναμέσον τοῦ ὕδατος. ὃ ἦν ὑποκάτω τοῦ στερεώματος. καὶ ἀναμέσω τοῦ ὕδατος τοῦ ἐπάνω τοῦ στερεώματος καὶ ἐγένετο οὕτως. καὶ ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὸ στερέωμα οὐρανόν. καὶ εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλὸν καὶ ἐγενετο ἑσπέρα. καὶ ἐγένετο πρωὶ ἡμέρα δευτέρα. καὶ εἶπεν ὁ θεὸς. συναχθήτω τὸ ὕδωρ τὸ ὑπὸ κάτω τοῦ οὐρανοῦ εἰς συναγωγὴν μίαν καὶ ὀφθήτω ἡ ξηρά. καὶ ἐγένετο οὕτως. καὶ συνήχθη τὸ ὕδωρ τὸ ὑποκάτω τοῦ οὐρανοῦ εἰς τὰς συναγωγὰς αὐτῶν καὶ ὤφθη ἡ ξηρά. καὶ ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὴν ξηρὰν γῆν. καὶ τὰ συστήματα τῶν ὑδάτων ἐκάλεσε θαλάσσας. καὶ εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλὸν. καὶ εἶπεν ὁ θεὸς. βλαστησάτω ἡ γῆ βοτάνην χόρτου σπεῖρον σπέρμα κατὰ γένος καὶ καθομοιότητα. καὶ ξύλον καρπιμον ποιοῦν καρπὸν. οὗ τὸ σπέρμα αὐτοῦ καθ' ὁμοιότητα ἐπὶ τῆς γῆς καὶ ἐγένετο οὕτως καὶ ἐξήνεγκε ἡ γῆ βοτανην χόρτου σπεῖρον σπέρμα κατὰ γένος καὶ καθ' ὁμοιότητα. καὶ ξύλον κάρπιμον ποιοῦν καρπὸν. οὗ τὸ σπέρμα αὐτοῦ ἐν αὐτῷ κατὰ γένος ἐπὶ τῆς γῆς, καὶ εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλὸν. καὶ ἐγένετο πρωὶ ἡμέρα τρίτη.

бъ сѣ҃ и дн҃ь. а тмоу нарече нощь. и бы҃ вечеръ и бы҃ оутро дн҃ь единъ. и рече бъ да боудѣ҃ тверды. посреди воды. и боудѣ҃ разлоуа посреди воды и бы҃ тако. и створи бъ тверды. и разлоучи бъ межоу водою. а҃ бѣ по҃ твердїю и посрѣ҃ воды. и на҃ твердїю. и нарече бъ тверды нб҃о и видѣ бъ ꙗко добро и бы҃ вечеръ и бы҃ оутро дн҃ь вторын. и рече бъ да скупятся вода иже по҃ нб҃сѣ҃ к сококоупленїе. единно. и да явится соуша. и бы҃ тако. и краша҃ вода и҃ по҃ нб҃сѣ҃ к сонмы своя. и явися сша и на рече бъ сшїж землю. а сставы водныя нарѣ҃ море. и видѣ бъ ꙗко добро. и рече бъ да прорастѣ҃ земля. былїе травное. сѣюще сѣмя по родоу и по подобїю. и древо плодовитое творяще пло҃. емоу҃ сѣмя его в нем҃ по родоу на землї и бы҃ тако. и изнесе зе҃ла былїе травное. сѣющемоу сѣмя по родоу и по подобїю на земли. и древо плодовито. творящее пло҃. емоу҃ сѣмя его в нем҃. по родоу на земли. и видѣ ꙗко добро. и бы҃ вечеръ и бы҃ оутро дн҃ь третын.

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 151. Καὶ ἐγενετο μετὰ τὴι τελέυτην Ἰησοῦ καὶ ἐπηρώτησαν οἱ υἱοὶ Ἰσραὴλ ἐν κυρίω λέγοντες. τίς ἀναβήσεται ἡμῖν πρὸς τὸν χαναναῖον τοῦ πολεμῆσαι μετὰ αὐτῶν.

Нѣсколько заглавныхъ буквъ и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: λόγος. προαιρεσις.

Слова съ титлами и сокращенія: Κυρίου Ἰσραὴλ ωριγένης Γενναδιος ἀληθοῦς.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α.. ἄγγελον. ε., ἐκεῖναι ἐργασίας. ἐδίωξεν. ν., ουρανὸν. ἐκκλησιαστην. σ., ἑστίας.

X. Собраніе соборныхъ и Апостольскихъ и святыхъ Отцевъ правилъ

Находится въ Сунодальной Библіотекѣ подъ 455-мъ.

Длина бумаги	$4^5/_8$ л.
Ширина	$3^1/_8$ „
Къ верху	$^1/_2$ „
Къ низу	$^5/_8$ „
Къ корешку	$^3/_8$ „
Къ правой сторонѣ	$^5/_8$ „
Между столбцами	$^2/_8$ „

Число строкъ не опредѣленно. На 1-мъ листѣ не написанномъ внизу подписано: Арсеній, а въ верху замѣчено въ XVII—XVIII вѣкъ: Книга Греческая писменная по осмотру собранія соборныхъ Апостольскихъ и святыхъ Отецъ правилъ о разныхъ дѣлѣхъ а не требникъ. На 3-мъ листѣ вверху написано: τοῦ παντοκράτορος. Писано на бумагѣ скорописью на 356. листахъ. Заглавія и застав-

ки писаны коричневою краскою. Съ 3-го по 17. листъ написано оглавленіе сей книги, заключающей въ себѣ 742. Послѣдняя 742. περὶ ἀναγνώστου εἰδεῖν ἱερωθῆναι τῆς συμβίου αὐτοῦ τελευτήσασης. Самое содержаніе сихъ главъ заканчивается на 145-мъ листѣ.

Съ 148. по 317 об. Постановленія Апостольскія. Въ концѣ ихъ писцемъ означенъ гдѣ, когда онъ писалъ сію книгу. По его счисленію 1477 года. На 318. листѣ νόμος γεωργικὸς κατ' ἐκλογὴν ἐκ τῶν Ἰουστινοανοῦ τοῦ φιλοχρίστου, βασιλέως παρενόμενος ἐν κεφαλαίοις ὅπ. ξ.

Съ 320. листа, Ἔκθεσις θαυμασία. περι γάμων ἐνδεχομένων γίνεσθαι ἢ μὴ γίνεσθαι 334. Περὶ ἀντιμινσίων ἐκ τῶν ἀποκρίσεων Ἰωάννου ἐπισκόπου κίτρους. πρὸς τὸν ἱερωτάτον ἐπίσκοπον διθραχίου τὸν καβασίλα. и о другихъ предметахъ напр. о не погребеніи внутри Божественнаго храма, о праздникѣ Богоявленія Господня. Всѣхъ мѣлкихъ статей 23.

На л. 340 — 351. Ἐρωτοαποκρισεις ἀναγκαιώτατα. ἀθανασίου πατρίαρχου ἀλεξανδρείας. πρὸς τινα ἀντιοχον περιπλειστων καὶ ἀναγκαίων ζητημάτων. τῶν ἐν ταῖς θείαις γραφαῖς ἀπορουμένων καὶ παρα πάση χριστιανοῖς γινώσκειν ὀφειλόμενον. 351—356 Χριστιανῶν τε καὶ ἰουδαίων χν̄ ὁμολογοῦντων ἀμφιβαλλόντων δε τῶν ἰουδαίων οὕπω ἐαυτὸν ἐληλυθέναι ἀλλὰ λεγόντων ὅτι μελλ. ἔρχεσθαι. πόθεν αὐτοὺς πεῖσαι ὀφειλομεν ὅτι καὶ θ̄ ἐστιν ὁ χς. καὶ ὅτι ἦλθε. καὶ ὅτι ἀληθὴς ἐστι καὶ οὐ πλάνος ὡς αὐτοῖ νομίζουσι.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

л. 93 об. Εὐχὴ συγχωρητικὴ εἰς τοὺς ἐξομολογουμένους.

Κύριε Ιν̄ χριστὲ ὁ θεὸς ὑμῶν υἱὲ καὶ λόγε τοῦ θεοῦ τοῦ ζῶντος ποιμὴν καὶ ἀμνὲ. ὁ αἴρων τὴν ἁμαρτίαν τοῦ κόσμου. ὁ τὸ δάνειον τοῖς δυσὶ χρεοφειλέταις χαρισάμενος. καὶ τῇ ἁμαρτωλῷ γυναικὶ τὴν ἄφεσιν τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῆς δωρησάμενος, αὐτὸς ἄνες ἄφες συγχώρησον τὰς ἁμαρτίας καὶ τὰς ἀνομίας. τὰ πλημμελήματα, τὰ ἑκούσια καὶ τὰ ἀκούσια. τὰ ἐν γνώσει καὶ ἐν л. 94. ἀγνοία. τὰ ἐν παραβάσει καὶ παρακοῇ γενόμενα. παρὰ τοῦ δούλου σου (ὁ δεῖνος). εἴτι ὡς ἄνος σάρκα φερῶν καὶ τὸν κόσμον τοῦτον οἰκῶν. παρέβη ἢ ἐπλημμέλησεν. εἴτε ἐν λόγῳ εἴτε ἐν ἔργῳ εἴτε ἐν γνώσει καὶ ἀγνοία. ἐν νύκτι τε καὶ ἡμέρα. εἴτε ὑπὸ καταρὰν ἱερέως, ἢ ἀφορισμὸν ἀρχιερέως ἐγένετο. εἴτε τῷ ἰδίω ἀναθέματι ὑπέπεσεν. ἢ ὅρκον ὤμοσεν ἐν ὀνόματι Ιν̄ χῡ τοῦ θῡ ἡμῶν καὶ παρέβη αὐτὸν. ἢ ἐξ ἀλόγου θυμοῦ, τινα τῶν χριστιανῶν ἀνεθεμάτισεν ἢ κατηράσατο. εἴ τινα ἐλοιδώρησεν. ἢ ἐμωρολόγησεν ἢ κατέκρινεν ἢ κατελάλησεν. ἢ αἰσχρολόγησεν. ἢ ἐφθόνησεν. ἢ εψεύσατο. ἢ ἐμνησικάκοσεν. ἢ ἐν θυμῷ ὀργίσατο. ἢ ἐδολέυσατο καὶ ἐτόκησεν. ἢ ἡκιδίασεν. ἢ ἐκενοδόξησεν. ἢ εἰς φυλαργυρίαν ὑπέπεσεν ἢ ἐμεθύσκη καὶ ἔμμεσεν. ἢ πρὸς φαρμακοὺς καὶ μάγους καὶ ἐπαθιδοὺς ὑποκλινας καὶ τῶν ὁμοίων τούτοις προσέδραμεν. ἢ ἐγαστρημάργησεν. ἢ ἀδδιφάγησεν. ἢ ὑπὸ ἀπληστίαν ἐγένετο. ἢ ἐπόρνευσεν ἢ ἐμοίχευσεν. ἢ ἐμαλακίσθη. ἢ ἀρσενοκοίτησεν. ἢ ἑτέρας σοδομικὰς πράξεις ἐποίησεν. ἢ ἐκτηνοβάτησεν ἢ ἐμαστῆξεν. ἢ ἔκλεψεν. ἢ ἐράβδησεν. ἢ ἐρράπισεν ἢ ἥρπασεν ἢ ὑπὸ ἀσπλαγχνίας. ἢ σκνηπίας τοὺς πτωχοὺς οὐκ ἠλέησεν. ἢ οὐκ ἐυηργέτησεν κατα δυνάμιν ἢ κατὰ διανοιαν ἐβλασφημησεν. ἢ ἀδελθὸν ἔθλιψεν. ἢ παρεῖδε καὶ παρεπίκρανεν. ἢ αὐτοῦ ἱσταμένου εἰς προσευχὴν ὁ νοὺς

Изъ Требника XV в. моего собранія л. 84. об.—88.

Мѡ. їѡа. златоустаѧ патріарха цр҃а гра.

Разрѣшитї исповѣдника, прашала емѹ съгрѣшенїа · ·

Гї їсе хе бе нш҃ь. сйе и слоко бж҃ьскаго пастырю. агнецъ. вземлан грѣхы мнрв. и̑ долгъ двема должнико̑. оставивы грѣшнон жены. ѡпѹщенїе грѣховъ подаѧ. и разслабленомоу исцѣленїе. даровалъ есн, ѡставленїе грѣховъ емоу. ты са̑ гн̑ оубо люблю. ослабн остави простн грѣхы и безаконїа и сквернал дѣла. волнза же и неволнза. и̑ в разумѣ. и не в разумнн. и̑ в престѹпленнн, и преслышанїн быкаемаа ѡ̑ раба твоего, їм̑к, ако же ѹ̑къ плоть носа, и в семъ мнрѣ пребывал престѹпн или съгрѣшн, или слово̑ или дѣло̑, или мысланю, в разумѣ же и не в разумьн, в нощи же и въ дйн, или проклатъ бы̑, или ѡ̑служенїе архнерѣнско в падє, или самъ собѣ прокла, или клаткою заклася, и мѣнѣмъ кж҃нн̑, и се престѹпн, или слово̑ ярости, или гнѣко̑ неподобны̑, ѡ̑ хр̑тнанъ кого̑ прокла, или анафемати̑ или бзеслови, или оукорн. или оумнужи, или ѡсѹди, или ѡклевета. или озлослови. или сквєрно гл҃а, или запокѣдн, или солга. или злопомненїе имѣ, или разори̑. или огнекн. кого. или разгордноса. или обленноса, или лѹкавьствова. или лнхомъствова, или лнхы̑ кза, или къ сребролюбїе впадє. или опнкса блека. или к ѹародѣнцаѧ ходилъ. или с волъхвомъ и ѡтракнно̑. и творацн̑ обаннїа. и подобнал нмъ ходилъ бѹдѣ̑. или ѡбыдѣ̑. или ласкосердьствова. или не к насыщенїн бы̑. или соблоудн, или оубїнство створн. или прелюбодѣнствова. или рѹныи бы̑ съдѣа. или к дѣтнн растленїн бы̑, или въ мѹжелюбїе. или в содо̑ска дѣла впадє. или скотоблоудїе. или козложн раны на кого. и̑ заоушн, и въсхытн. или оукрадє. или кого оударн, или не

αὐτοῦ εἰς τὰ βιωτικα πονηρὰ περιεπόλευσεν. ἤ φίλαυτος καὶ κοιλιόδουλος ἐγένετο. ἤ παρὰ τὸ πρέπον ἐτρύφησεν. ἤ ἐλάθροφάγυσεν. ἤ ἀφρόνως ἐγέλασεν. ἤ κάλος μάταιον ἐθεασατο. καὶ ὑπ' αὐτοῦ ἐθέλθχη. ἤ συνεκοιλίσθη μετὰ ἑτέρου σώματος. καὶ ἐκ τῆς ἰδίας σαρκὸς ῥεύσεις. ἤ τὸ ἐλάττωμα τοῦ ἀδελφοῦ εἶδε καὶ κατέκρινε. καὶ τὰ ἑαυτοῦ ἐλαττόματα παρεῖδε καὶ παρεβλέψατο. ἤ τῆς εὐχῆς αὐτοῦ ἠμέλησε. καὶ τὴν ἐντολὴν τοῦ πνευματικοῦ αὐτοῦ οὐκ ἐφύλαξεν. ἤ ἠμέλησεν ἤ ἐρραθύμησεν. ἤ ἐπαρρησίασατο καὶ ὡς δοκόφρον ἐματαιολόγησεν. ἤ αργολόγησεν. ἤ ἄλλό τι πονηρὸν ἐποίησεν. ἐκ πάντων τῶν δυσχερῶν καὶ τῶν ὁμοίων τούτοις, τὸν δούλον σου ὁ δεινος. ἐλεύθέροσον φιλάνθρωπε Κύριε. καὶ εἴτι ἄλλο ἥμαρτεν ὡς ἄνθρωπος. κατὰ τὴν σὴν ἄφατον ἀνεξικακίαν καὶ ἀγαθότιτα ἐλέησον καὶ συγχώρησον. ναὶ δέσποτα Κύριε ὁ Θέος μου. ἐπάκουσόν μου δεομένου σου τῆς σῆς ἀγαθότητος ὑπὲρ τὸν δούλον σου ὁ δεινὸς καὶ παρηδεως ὁ αμνησίκακος Θεὸς. τὰ ἐπταισμένα αὐτῶ πάντα. ἀνομήματα καὶ ἁμαρτήματα. καὶ ἀπάλλαξον αὐτὸν τῆς αἰωνίου κολάσεως καὶ κληρόνομον πόνησον τῶν αἰωνίων σου ἀγαθῶν, μετὰ πάντων τῶν ἀπ αἰῶνος σοι εὐαρεστησάντων καὶ ἀξίωσον αὐτὸν ἀκατακρίτως μετέχειν τᾶν φρικτῶν σου μυστηρίων τᾶν φοβερῶν καὶ ἀθανάτων. σὺ γὰρ εἶπας δέσποτα. ὅτι ὅσα ἂν δύσηται ἐπὶ τῆς γῆς ἔσται δεδεμένα ἐν τῶ οὐρανῶ. καὶ ὅσα ἂν λύσητε ἐπὶ τῆς γῆς ἔσται λελυμένα ἐν τοῖς οὐρανοῖς. ὅτι σὺ εἶ μόνος ἀναμάρτητος, καὶ δυνάμενος ἀφιέναι ἁμαρτίας καὶ σοὶ σοὶ δοξαν ἀναπέμπομεν σὺν τῶ ἀνάρχω σου πατρι καὶ τῶ παναγίω καὶ ἀγαθῶ καὶ ζωοποιῶ σου πνεύματι. νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας των αἰώνων ἀμήν.

мр҃дїе҃ и скупостїю. обдержимъ. или инцѣ҃ непомнлокъ. ни подарока по снлѣ своєи. или мыслїю похвлн уто либо. или неу҃т, помыслъ помыслн. или обидн кого. или околга, или оскорбн, или прєзрѣ. нлїωгорун. или столцѣ҃ємоу къ мт҃вѣ. и пѣтьи, оу҃ єго лѫкала и житенскаа ωбьхожанїе. или любан плоть уревныи рабъ бы҃. или паує мѣры обьндєса. или скровно ядє. или сквєрно. или дерзостно гл҃а, и осквернослови кого. нлї оклоудослови мт҃рь нарецал. єго҃ и бесловесиїи скотн не творать. или безоумно посмѣяса. или доброть слокесиыю видѣ҃. и ѡ҃ тоа оумѫжєно бы҃ срцѣ҃ єго кжелѣнїе, или не потребнаа празднословилъ єсть. или не по҃добнаа въздрова. или иномъ тѣлѣ. косновлса вздѣ҃. или своємоу, или ѡ҃ вздра, или ѡ҃ помысла. и ликно нстєуєнїе створи. или бранѣ прегрѣшенїе створи. видѣкъ посмѣяса. и о҃с҃ єго. и своа прегрѣшенїа. и безаконїа прєзрѣ. и о мт҃вѣ своєи. не брегль єсть. и заповѣ҃ старьца своєго. или ѡц҃а своє҃ дховнаго не съхрани. или къзнебреже. или облєнѝ҃. или оумыван. или терпѣнїа не имѣ. или козвелнуися ико цѣломдрена мна секе. всѣ ѡтщетивса. и празднословилъ єсть. и̑ нлаа лѫкавла сътворилъ єсть. ѡ҃ снхъ҃ всѣхъ сквєрны҃ и подобны҃ снмъ и горшн҃ стр҃тен раба своє҃ і҃мк҃. ѵ҃аколюбуе гн҃, твое҃ ра҃ нєзлобїа. и бл҃тї простнємъ вса и помилуи. ен вл҃ко гн҃ бе҃ нш҃ь, оуслыши на҃ молащн҃тиса твоєи бл҃ти ѡ рабѣ твое҃ і҃мк҃. прєзрѣ҃ ико бл҃гъ, и нєзлопомнивъ. вса прегрѣшенїа єго сквєрна, и не ѵ҃тая безаконїа. и҃ ико ѵ҃акъ сѣдѣа. или помыслъ тон оубо самъ исповѣдаєть. пре҃ твон҃ цр҃тквємъ. ико не достонн҃ рабъ твон. ико сїа и инаа множашеа сѣдѣа. мт҃ри ра҃ твоєа оуслыши ма недостонна҃ раба твоєго. и избави єго ѡ҃ вѣчны҃ моукъ и съжителя сътворн є҃ твон҃ вѣчны҃ бл҃гъ. со бл҃гоизволившимн тебѣ҃ ѡ҃ вѣка. и спо҃бї єго не осужєнно прнластитн҃ страшны҃ твон҃ бесмр҃тны҃. прѵ҃ты҃ и бл҃твены҃. и животворащн҃ танна҃. ты бо са҃ рєкъ єси ликѡ. єлико свяжете на земли, вздеть҃ є҃ на нбсн скаланъ, єлико разрѣшите на земаї. вздє҃ разрѣшенъ на нбсн. Нєрѣн. къзгла҃. ико ты єси єдинъ безгрѣшенъ. могын оставлатн грѣхы. и тебѣ подобае҃ вслка слава ѵ҃ть и держава. и поклоланїе, и велнуїе и келелѣпота. събезначалны҃ твон҃. съ пр҃ты҃ бл҃гн҃ и животворащн҃ ти дхо҃. и нн҃ѣ и прно и в вѣкы вѣко҃ амннь

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 148. Οἱ ἀπόστολοι καὶ οἱ πρεσβύτεροι πᾶσι τοῖς ἐξ ἐθνῶν πιστεύσασιν ἐπὶ τὸν Κύριον Ἰησοῦν Χριστὸν. χάρις ὑμῖν καὶ εἰρήνη.

Διατάξεις. τῶν ἁγίων ἀποστολων Καθολικὴ διδασκαλία.

Περὶ λαϊκῶν βιβλίον πρῶτον.

ф. 317 об. Ἔτους τρέχοντος ѕцпѣ. ἰνδικτιώνος ια҃. τὸ δὲ ἀπὸ τῆς χριστοῦ γεννήσεως ѧѱоѕ.

Азбука скорописная.

Слова съ знаками препинанія: περιθῆς. σχολάζειν.

Слова съ титлами и сокращенія: θεῶ Κυρίου. εθνικῶν. τὸν.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., παραγγελλῶν. ε., ἐγένετο. ν., δυνάμενος. σ., ἠμελησεν μονογενους σου δεσπότης. τ., μετὰ ἐμάστιξεν.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Εὐχὴ τοῦ ἁγίου Βασιλείου.

Δέσποτα ἅγιε, ἀχράντε ἀμόλυντε ὁ μὴ ἀπαξιώτας διὰ| το πόλυ σου ἔλεος τὴν ῥυπω|θεῖσαν ὑπὸ τῆς ἁμαρτίας| φύσιν ἡμῶν. ἀναμαρτήτως| p. 177 об. καὶ ἀῤῥυπάρως ἀναλαβεῖν| καὶ καθαρίσας αὐτην τῶ ἁγίω σου| αἵματι τῶ κενωθέντι διὰ τοῦ πλάσματος τῶν ἁγίων σου| χειρῶν. ὁ τὴν σὴν ἄῤῥαστον| οἰκονομίαν τελέσας οὐχ' ἕνε|κα τῶν μὴ ἁμαρτώκτων, οὐδὲ| τῶν ἐυαρεστησάντων σοι ἀλλ' ἕ|νέκα τῶν ἀθετησάντων σοι (sic) καὶ| παροργϊσάντων καὶ δι ἁμαρ|τίας πᾶσαν ἀπεγνωκότων| σῳ̃ας ἐλπίδα, αὐτὸς εἶπας ἀγαθὲ| μὴ χρείαν ἄνεχειν τοὺς ὑγιαίνον|τας ἰατροῦ ἀλλὰ τοὺς ἐν ἀσ|θενεία, p. 178. καὶ ἦλθες οὐχὶ σῶσαι τοὺς| σωζομένους, ἀλλὰ τοὺς ἀπολλυ|μένους, αὐτὸς οὖν εὔσπλαγ|χνε κάμε τὸν ἀνάξιον, τὸν ἐις| τοὺς σοὺς θαῤῥήσαντα οἰκτιρμοὺς,| καὶ τολμῶντα προσελθεῖν καὶ| ἐισδέξασθαι τὸ σὸν πανάγιον| σῶμα καὶ τὸ τίμιον αἷμα, δέ|ξαι τῆ σῆ εὐσπλαγχνία, καὶ| ἀνασχου τῶν φρικτῶν σου μῦ|στηρίων λαβεῖν κοινωνὸν τὴν| ἐμὴν ἐλεεινότητα. καὶ μὴ βδε|λύξῃ. μὴ δὲ ὀργισθῆς, μὴ δε εις| ἐνοχὴν περιστήσῃς με. διότι p. 178 об. ἁμαρτωλὸς ὢς καὶ ἀκάθκρ|τος, ἀναξίως προσέρχομαι|. μὴ, φιλόψυχε κε̃, ὁ δοὺς ἡμῖν τοῖς ἁμαρτωλοῖς τὸ σῶμα| καὶ τὸ αἷμα σὸν εἰς ἄφεσιν τῶν| ἁμαρτιῶν ἡμῶν. ἀλλὰ δόσμοι| διὰ τῆς αὐτῶν μεταλήψεως, τὴν| σὴν ἐν ἐμοὶ τῶ ἀχρείω δούλω| σου, καὶ τὴν ἐμὴν ἐν σοι μονὴν| τῶ ἀγαθῶ δεσπότη καὶ σω|τῆρί|μου. καὶ ποίησον μοι τὴν τούτων κοινωνίαν, εἰς κου|φισμὸν| τοῦ ἀμυθήτου βάρους τῶν ἀνο|μιῶν μου. εἰς ἀπο|λύτρω|σιν p. 179. ἐνοχῆς. εἰς ἀποτροπὴν| πονηρίας, εἰς φωτισμὸν διανοί|ας. εἰς ἁγιασμὸν ψυχῆς. εἰς κά|θαρσιν σώμασος. ὑπὲρ γὰρ| ἁμαρτωλῶν καὶ κατακρίτων, ἐ|ξέχεας τὸ πανάγιον αἷμα σου,| πολλὴ συμπαθεία. ὁ καὶ κα|ταξί|ωσον με πιεῖν ἀκατακρί|τως, καὶ τὸ ζωοποιὸν σου φα|γεῖν σῶμα. καὶ μὴ γενέσθω μοι| εἰς κατάκριμα, ἡ τούτων με|τάλη|ψις. ὅτι σὺ γινωσκεις ὁ τὰ πάν|τα ἐπισάμενος, ὡς προ|πετῶς.| οὐδ' ὡς ἄξιος προσέρχομαι τῶν p. 179 об.| σῶν ἁγιασμάτων μεταλαβεῖν ἀλλὰ| μετὰ φόβου καὶ τρόμου, τῆ σῆ θα|ῤῥῶν ἀγαθότητι. ἴδε οὖν κε̃ τὴν τα|πείνωσιν μου, καὶ ἄφες πάσας| τὰς ἁμαρτίας μου. καὶ παράσχου μοι| ἀνενόχως καὶ ἀκατακριτως ὑπο|δέξασθαι τὰ θεῖα καὶ ζωοποιᾶ| σου μυστήρια. πρεσβείαις|.τῆς παναχράντου σου μ̃ρ̃ς καὶ| πάντων τῶν ἁγίων σου.

Τοῦ αὐτοῦ. (ἁγ. Βασιλείου μεγάλου).

Δέσποτα κε̃ Ιυ̃ χ̃ε̃ ὁ θ̃ς̃ μου. ὁ μόνος ἔχων ἐξουσίαν ἀφιέναι ἁμαρτίας. ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλαν̃θ̃ρ̃. πάριδέ μου p. 180. τὰ ἐν γνώσει καὶ ἀγνοια πλημμελήματα καὶ ἀξι-

Изъ большаго часослова Библіотеки Хлудова XV в. мо̃. Велика̃ Василья.

л. 49 об. а. пре̃ причащенiи.

Вл̃ко ст̃ыи пр̃ут̃ыи цесквернын. иже оуне аꙗ недостоннын ꙗ многую ти б̃. мт̃ь. остр̃тившеюся єстьство наше ѡ̃ грѣха. без грѣха и безъ скверны къспринати. и оустнкъ ё стою своею кровью. излившюся спнн̃ѣ ра̃ създаниа ст̃хъ твонхъ роукъ. иже не изрѣнное смотрение своѥ скверштвъ, не ра̃ съгрѣшешихъ тн. ниже бл̃гооугодівшихъ тн. но ра̃ прогнѣвавшнн̃ ѡкергъшихся. спнн̃ѣ надѣю самъ ко рекъ ѥсн бл̃гын не требовати здравы̆ кра̃. но злѣ немоущн̃. и пришелъ ѥсн не с̃пти спс̃аемы̆ но погыбшн̃. ты оубо бл̃гооутробие мене недостоннаго твон̃ надѣюшася щедротъ̃ и дерзнукша приближитися къ пр̃утомꙋ тѣлу и кроки приимн твон̃ бл̃гооутробьемъ и оутерпи(sic). страшны̆ ти таинъ прнати прнуастнн̃ мою недостоинство. и не омразн нн прогнѣвался. ниже покннна ма пре̃ставшнн. за неже грѣшенъ сын и неутъ. недостоние прихожю нн любо дш̃ьнк. гн̃ но л. 50. давын на̃ грѣшны̆ тѣло и кровь скою во оставление грѣхо̃ дан же мї ра̃ прнуасть (sic) твонхъ ст̃хъ, твоѥго же ко мнѣ всѣленнѣ ненотребна̃ раба своего. и ѥже к тебѣ пребыванна. бл̃гаго кл̃кы. и с̃пт̃лꙗ моѥ. створн мн снхъ прнуастье въ облегуание нескаꙁанны̆. тажести безаконнн мон̃, къ нꙁкавленне вины. во оунщенне. тѣла и дш̃и. о грѣшны̆ бо ѡ осоужены̆ ѡ безъ ѡвѣтны̆ нзлнлъ есн кр̃твную и жнвотоуную кровь скою многы̆ милованїемъ ююе сподоби ма. юже не осоужено пити. и жнвотворное твоѥ насти тѣло. и да не боудѣ надую и пьюшю. ублюбуе прнуастье ко осоуженне ниже тажуан ѡвѣтъ. вместо ѥже полꙋнти оставленне злѣ̃ мон̃. ако ты скесн и вса вѣдын, ако дерзостнѣ неже ако не осоуженъ нлї ако достоннъ сын дерзновенне прихожю. но съ страхо̃ и трепето̃ с дерзанне̃ ср̃ца и костен, и самы̆ мозгокъ. вѣды бо самъ осужена себе и не достонна. ѥже оунма кзнра̃ страшную ти трапезоу. ѡбаче ѥго̃ ра̃ ѡвнлъ ѥ̃ грѣшнико̃ не нзрсченьное свое, милованне раздѣленне̃ с̃тго тї тѣла. и нзлиание̃ ут̃ны̆ тн кроки. желаю напитатн̃ дше̃питателною твоею сею пищею хе̃ хе̃ на̃ и вмѣтаю дерзостнѣ себе к поуную матї твоѥа на твои поклоняемыа и не тѣнно творимыа. зрю стр̃тн. юже въспрїятъ ублюбие ко ѡставленне грѣхо̃ нашнмъ страхо̃ оубо и радостью сдержимъ ѥсмь. овы оубо ра̃ не достонньства моѥ̃. овою же ра̃ на̃ согрѣшеных мн прощенни. кнѣь оубо

ωσόν με ἀκατακρίτως μεταλαβεῖν ((τῶν [1])τῶν ἁγίων καὶ ζωοποιῶν σου μυστηρίων) θείων σου μυστηρίων, μὴ εἰς βάρος. μὴ εἰς κόλασιν. μὴ εἰς προσθήκην ἁμαρτιῶν. ἀλλ' εἰς κάθαρσιν καὶ (сл. καὶ ἁγιασμὸν ψυχῆς καὶ σώματος нѣтъ.) ἁγιασμὸν ψυχῆς καὶ σώματος, καὶ εἰς ἀραβῶνα τῆς μελλούσης σου βασιλείας. εἰς τεῖχος (καὶ βοήθειαν) καὶ ἀποτροπὴν τοῦ ἐναντίου. καὶ εἰς ἐξάλειψιν τῶν πολλῶν μου (ἐμῶν.) πλημμελημάτων, καὶ δόξαν τοῦ κράτους σου. ὅτι εὐλογητὸς εἶ, εἰς τοὺς αἰῶνας, ἀμήν.

сѣмрѣнне мое гн̃. и подан же ми непокѣнѣнк и не ѡсоуженнѣ прнатн твоѭ бѣтвыѭ бѣготкоріѣмыѭ тайны. ко ѡцѣщенне къ спнне, ко оставленїе злъ моѥ̃. ко ѡбѣжанніе коудоуцмаѧ мн казнн. и к полученїе славы и въспрнатне оуготованныхъ любащїѣ та. и к тебѣ живущ̃ и пребывающн̃. моленніе̃ препрославленныа и прѹтныа тн мтр̃н и всѣхъ сѣхъ твоѥ̃ амн̃.

Ἔυχὴ τοῦ ὁσίου πρ̃ς ἡμῶν Ἰω̃ν τοῦ| Δαμασκην̃ν. (τίνες δὲ γράφουσι εἶναι ταύτην τοῦ μεγάλου βασιλείου).

Ὡς ἐπὶ τοῦ φοβεροῦ σου καὶ ἀπω|σωπολήπτου παρεσηκώς κήμα|τος χε̃ ὁ θ̃ς καὶ δίκας ὑπέχων. καὶ| λόγον ποιούμενος τῶν ἐμοὶ πεπρα|γμένων κακῶν, οὕτω σήμερον.| πρὸ τοῦ ρθάσαι τὴν ἡμέραν τῆς| κατακρίσεως μου, ἐπὶ τῶ ἁγίω| σου θυσιαστηρίω παριστάμενος,| καὶ ἐνώπιον τῶν φοβερῶν καὶ| ἁγίων ἀγγέλων σου. ὑπὲρ τοῦ ἰδίου μου συνειδότος κατακαμπτόμενος. προσφέρωτάς πονηρὰς| καὶ ἀθέσμους μου πράξεως, θριαμβεύων ταύτας καὶ δημοσιεύων. ἴδε οὖν κε̃ τὴν ταπείνωσιν μου, καὶ ἄφες πάσας τὰς ἁμαρτίας μου. ἴδε ὅτι ἐπληθύνθησαν, ὑπὲρ τὰς τρίχας τῆς κεφαλῆς μου αἱ ἀνομίαι μου. τι| p. 167. об. γὰρ οὐκ ἔπραξα κακὸν. ἢ ποῖον ἁμάρτημα οὐκ ἐποίησα. ἤ ποῖον| κακὸν οὐ δεετϋποσάμην ἐν τῆ ψυχῆ μου. ἤδη δὲ καὶ ἐν ἔργοις| μου διεπραξάμην, πορνείαν,| μοιχείαν. ἀνδρομανίαν, ὑπερηφανίαν, ἀλαζονίαν. ἀνηκοΐαν λοιδορίαν. συκοφαντίαν.| ψεῦδος. ἐπιορκίαν. βλασφημίαν. ἀργολογίαν. κραυγάς. γέλωτας ἀκρατεῖς. ἀντιλογίαν. κα|κεντρέχειαν. (sic)| ἀδδηφαγίαν, λαθροφαγίαν. p. 168. μῖσος πρὸς τὸν πλησίον. φθόνον πρὸς τὸν ἀδελφὸν φιλαργυρίαν. φιλοχρηματίαν. πλεονεξίαν. ἁρπαγὴν. πλεψιάν| ἀδικίαν. αἰσχροκέρδιαν. ζηλο|τυπίαν. καταλαλίαν. παρανο|μίαν. πᾶσαν μου αἴσθησιν, καὶ| πᾶν μέλος ἐμιάνα. ἔφθειρα| καὶ ἡ χρείωσα ἐργαστήριον ἐγε|νόμην, καθόλου τοῦ διαβόλου.| καὶ οἶδα κε̃, ὅτι αἱ ἀνομίαι μου,| ἠπερήραν τὴν κεφαλήν μου ἀ|λλὰ ἀνείκαστον τὸ πλῆθος τῶν οἰ|κτιρμῶν σου, καὶ τὸ ἔλεος ἄφατον p. 168 об. τῆς ἀναξικάκου ἀγα|θοσύνης. καὶ οὐκ ἔστιν ἁμαρτία| ἡ νικοῦσα τὴν φιλανθιαν σου. διὸ| πανθαύμαστε βασιλεῦ. καὶ ἀνεξί|κακε καὶ ἐπ' ἐμοι| τῶ ἀμαρτωλῶ, τὰ ἔλεη σου. δεῖξον| καὶ ἐν ἐμοὶ τᾶ ἀθλίω, τὴν τῆς χρη|στότητός σου δύναμιν. καὶ ἐμφά|νισον τὴν ἰσχὺν τῆς εὐσπλαγνίας| σου ῥοπῆς, καὶ ἐπιστρέφοντα, δέ|ξαι με τὸν ἀπεγνωσμένον καὶ ἀ|ξιον. δέξαι με, ὡς προσεδέξω| τὸν ἄσωτον. τὸν τελώνην τὸν| ληστήν. τὸν μανασὴν, καὶ τὴν πορνην, p. 169. δέξαι με, τὸν ὑπερβαλλόντως| καὶ ἔργω. καὶ λόγω. καὶ ἐπιθυμίαις ἀτόποις, καὶ ἐνθυμήσεις| ἀλόγων πράξεων ἡμαρτηκότα| σοι. καὶ ως τοὺς περὶ τὴν ἑνδεκάτην| ἄραν προσεδέξω μὴ δὲν ἄξιον| ἐργατάμενους, οὕτω

Изъ слѣд. псалтири XV—XVI в. моего собранія.

Мѡ̃ стѣѡ бѣгоноснаго ѡц̃а нш̃е їѡа̃ дамаскына, ꙗко въ ѡбразѣ исповѣдающнмсѧ къ сѣомѹ пнхаѡенїю.

л 372—375. Ꙗко на страшнемь, н не лнцепрнемлемъ твоѥ̃ прѣстою соудищи. хѣ̃ бѣ̃ осоуженїю покннемъ н нстязанїа нмын. н слово творя моѥ̃ съдѣлнны̆ злъ. снце дн̃ь прѣ̃данже не прнятн дн̃екн. осѵженїа моего прѣстою прѣ̃тобою н прѣ̃ страшнымн сты̆мн аггл̃ы твоѥ̃мн. прнклонень своею съвѣстїю прѣ̃носа лоукавыа н сквернын н незаконныа моа дѣанїа. позорьствоу н сїа і ѡбнлнѹю оуннунжлю. кнжь̆ оуко гн̃ смнренїѣ мое н остакн всѧ съгрѣшенїа моа. кнжь̆ ꙗко вмножнншасѧ паче власъ главы моѥ̃а. безаконїа моа коѥ̃ ꙗко не съдѣ̃ зло. коѥ̃ съгрѣшенїѥ. не сътворн̃ коѥ̃ зло не ѡбразн̃ въ дш̃н моен. н оуже бо н дѣлы съдѣ̃ блоудъ прнлюкодѣйствѹ моуженожьствѹ. гордынню оукоренїѣ суровство. досады непокорьство, поклепъ, лжѹ злотетенїѣ. оуннунженїѣ. клятвопрнстоупленїѣ. закланнанїѣ. хѵлоу. празднослокїѣ. ражьженїѣ. смѣхъ нїзнство. ѡбѣдененїѣ урековѣсїѣ ненавнсть. завнсть сребролюбїѣ многостажанїѣ самолюбїѣ любонмѣнїѣ лнхонмство славолюбїѣ лншенїѣ. непрадѹ сквернопрнлюкодѣйство мшелонмство рекнзанїѣ клекетоу безаконїѣ не послѹшанїѣ мыслнсквернын н помыслы неѹнстыа раслабленныа хоулны же н не сказанны. все моѥ ююкьство н всакъ оудъ ѡсквернн̃ растлн̃ не потребенъ сътворн̃. дѣлатѣ̃ бы̆, всѧческы дїаволѹ, н къ гн̃ ꙗко безаконїа моа превозыдоша главы мою. нъ безмѣрно есть множество щедротъ твоѥ̃. н мтъ не нзречення. не злобнвыа твоѥа блгтн. н нѣ̃ грѣ̃ побѣжающь улкоолюбїѣ твоѥ, тѣмже прелюбнвынын цр̃ю незлобнве гн̃ оуднвн нх мнѣ грѣшнемъ мтн твоа, покажн благости твоѥа снлѹ. н ꙗкн крѣпость благоутробнѧ мардїа твоѥго н ѡбращающасѧ прнмн мѧ грѣшнаго. прнмн мѧ, ꙗко же прнѧ блоуднаго мытара. разбонннка манасѣю н блядницѹ. прнмн мѧ прѣгрѣшнвша выше мѣры словомъ н дѣломъ помышленїѣ н безмѣстны̆ похотенїемъ н безслокесны̆ желанїемъ ꙗко̆ нже къ еднънадесатын ча̃ прншѣ̃шн̃ прнатъ н нчто̆ достонно съдѣлавшн̃ тако прїнмн н менѣ грѣшна̃ много бѡ съгрѣшн̃. много безако-

[1]) Рязночтенія въ скобкахъ изъ Архіерейскаго служебника 1611 г. Г. Филимонова.

δέξαι κἀμὲ| υπεραγαθε κε τον ἁμαρτωλὸν| πολλὰ γὰρ ἥμαρτον. πολλὰ ἐπλη|μμέλησα καὶ ὑσελγησα. πολλὰ| παρώργησα τὸ πν̃α σου τὸ ἅγιον| καὶ παρεπίκρανα τὰ φιλόνθρω|πα σπλάγχνα σου, καὶ ἔργῳ καὶ| λόγῳ καὶ διανοίᾳ, ὡς ἄλλος οὐδεὶς| p. 169 об. τῶν ἀπ' αἰῶνος, καὶ ἐν νύκτι, καὶ| ἐν ἡμέρα ἐνουσίως. τε καὶ ἀκου|σίως. φανερῶς τὲ, καὶ ἀφα|ρ̃ς|, καὶ οἶδα ὅτι παραττήσεις μοι τὰς| ἁμαρτίας μου τοι|αύτας, οἵαι καὶ| παρ' ἐμοῦ γεγόνασι, καὶ συνάρεις| λόγον μετ' ἐμοῦ, ὑπὲρ ὧν ἐν γνώ|σει ἀσυγγνωστα ἥμαρτον ἀμετρί|των πλημμελημάτων μου. ἀ|λλὰ κ̃ε κ̃ε, μὴ τῷ θύμῷ σου ἐλέγ|ξης με, μὴ δὲ τῇ ὀργῇ σου παιδεύ|σης με. μὴ δὲ, τῇ δι|καιοκρίτωσῃ| κρίσει κρίνεις με. ἐλέησον με κ̃ε.| ὅτι ἀσθε|νὴς εἰμὶ ἐγὼ. πλὴν| p. 170. πλ̃άσμα σὸν εἰ καὶ φιλα|μαρ|τήμων ὑπὲρ πάντας καὶ ἄ|θλιος γέγονα. πολλὰ με εὐερ|γέτησας καὶ ἐμακροθύμησας.| ἐγὼ δε οὐ συνῆκα. ἀλλὰ τὸ πο|νηρὸν ἐνώπιον σου ἐποίησα| καὶ ποιεῖν οὐκ ἐπαυσόμην|. σοι μόνῳ ἥμαρτον ὑπὲρ πάν|τας βροτούς. ὁμολογῶ καὶ| οὐ κρύπτω. εἰ γὰρ ἐγὼ σιωπή|σω, οἱ λίθοι κεκράξονται. ε|| χρή|ζω δέσποτα μαρτύρων,| οὐδὲ κατηγόρων ἀλλὰ φεῖσαι μου| ὁ πέλαγος ἐλέους ἔχων p. 170 об. καὶ ἀγαθότητος, καὶ| μὴ εἰσέλθῃς| εἰς κρίσιν μετὰ τοῦ δούλου σου| ἐὰν γὰρ ἀνο|μίας παρατηρήσῃς| κ̃ε, κ̃ε τίς ὑποστήσεται. ἐγὼ| γὰρ εἰμι τὸ πέλαγος τῆς ἁμαρ|τίας καὶ ἀσωτείας. καὶ οὐκ εἰ|μι ἄξιος παρίστασθαι ἐνώπειον τῆς σῆς μεγαλωσύνης, καὶ| ἐπικα|λεῖσθαι τὸ ὄνομα σου| τὸ ἅγιον, διὰ τῶν ἀκαθάρτων| χει|λέων μου. οὐκ εἰμὶ ἄξιος,| πνέειν σου. οὐκ εἰμὶ| ἄξιος. κα|λεῖσθαι χριστιανὸς.| οὐκ εἰμὶ ἄξιος, ἵνα ὁ ἥλιος ἐπι|λάμπει με, οὐδὲ ὁρᾶν σου τα δημιουργήματα. καὶ ὀφθαλ|μοὺς αἴ|ρειν ἐζοφωμένους, εἰς| οὐ|τοῦ ὕψος καὶ μέγεθος. ἀπὸ| τοῦ πλήθους τῶν ἀνομιῶν μου| ὧ οὐκ ἔστιν ἀριθμὸς. διότι| πᾶσα κακοπραγία, καὶ ἐπι|νοια. καὶ μεθοδία σατανικὴ,| διαφθο|ραὶ ῥύσεις. μαλακίαι.| παιδοφθορίαι| αἱμομιξίαι. λοιδορίαι| συκοφαντι|αι. μνησικακίαι. συμβολλίαι| πρὸς ἁμαρτίαν. ἐπιορ|κίαι.| γαργαλίσμ̃α καὶ ἄλλα μυρία p. 171 об. πάθη, οὐκ| ἐξέλιπον ἀπ' ἐμοῦ| ποίοις γὰρ. οὐ συνεσχέθην κ̃α|κοῖς. ποίοις οὐ διεφθάρην ἁ|μαρτίμασι. πᾶσαν ἁμαρτίαν| διεπρα|ξάμην. πᾶσαν ὁσω|τίαν διεθέμην ἐν τῃ ψυχῇ μου| ἡ χρείω|μαι ἀπὸ θυ̃ καὶ ἀν̃ων.| τίς ἀναστήσει με τὸν ἐπὶ τοιούτοις κακοῖς, καὶ τοσούτοις πε|ριπεσόντα πλημμελήμασι| κ̃ε ὁ θ̃ς μου, ἐπὶ σοι ἤλπισα. εἰ|, ἔστι μοι σ̃ρ̃ιας ἐλπὶς ἐνικὰ| ἡ φιλαν̃θία σου τὰ πλήθη τῶν| ἀνομιῶν μου, γενοῦ μοι σ̃ῆρ̃ καὶ p. 172. |αντιλήπτωρ. καὶ κατὰ τοὺς οἰ|κτιρμους σου καὶ τὰ ἐλέη σου, ἄνες| ἄφες. συγχώρησον μοι πάν|τα ὅσα σοι ἥμαρτον ὅτι πολ|λῶν κακ̃ῶν ἡ ψυχή μου ἐπλήσθη.| καὶ οὐκ ἔστιν ἐν ἐμοι, σ̃ρ̃ίας ἐλπίς.| ἐλέησον με ὁ θ̃ς ἐλέησον με κα|τὰ τὸ μέγα ἔλεος σου, καὶ μὴ ἀ| ἀποδώῃς μοι κατὰ τὰ ἔργα μου.| μὴ δὲ εὐθήνης με κατὰ τὰς πρά|ξεις μου. ἀλλ' ἐπιστρεψον. ἀν|τιλαβου. καὶ ῥῦσαι την ψυ|χήν μου ἐκ τῶν συμφυέντων| αὐτῃ κακῶν, καὶ δεινῶν προ|λήψεων. p. 172 об. σῶσον με ἕνεκεν τοῦ ἐλέους σου. ἵνα ὅπου ἐπλεόνασεν| ἡ ἁμαρτία, ὑπερπερισσεύ|ση ἡ χάρις σου καὶ αἰνέσω καὶ δο|ξάσω σε διαπαντὸς, πάσας τὰς| ἡμέρας τῆς ζωῆς μου. σὺ γὰρ εἶ| θ̃ς τῶν μετανοούντων. καὶ σοι| τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν, σύν| τῷ πρ̃ῖ καὶ τᾷ ἁγίῳ σου πν̃ι, νῦν| καὶ ἀεὶ. καὶ εἰς τοὺς αἰ̃ας, των| αἰώνων, ἀμήν.

Εὐχὴ, τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̃ς ἡμῶν, βασιλείου τοῦ μεγάλου.

Δέσποτα κ̃ε Ἰ̃υ χ̃ε ὁ θ̃ς ἡμῶν, ἡ πηγὴ τῆς ζωης καὶ τῆς ἀθανασίας p. 173. πάσης ὁρατῆς καὶ ἀοράτου, κτί-

иновѣ и осквернѝвшаго многопрогрѣшенїѧ дх̃ъ твои стыи, и ѡгорѹ́ѵ ѹ̃колюбнꙋю оутробѣ твою, и словѡ и дѣлѡ и помышленїемъ. в нощи и къ дн̃и колею и не колею. ѥдленнѣ и не ѥдленнѣ и вѣ ꙗко ѥви престави вса грѣхы мои прѣ тобою, таковыи ѩ же мною съдѣвшаса, и нстажѧвши слово съ мною ѡ нхже разꙋмомъ и неразꙋмнемъ безмѣрно съгрѣшѝ. но гн̃ гн̃ да не праведнымъ соудо̀ твои покажи ма. помилоуи ма гн̃ ꙗко не токмо не мощенъ есми но и твое създа̀нїе азъ, оуткердѝ есн на мнѣ рꙋкꙋ твою. аже лоукаꙗое прѣ тобою сътворѝ. и тебѣ единомꙋ съгрѣшѝ не книдн в соу̀ с рабо̀ твои. аще безаконїа назрѣвши гн̃ гн̃ кто постонтъ. азъ бо есми безна̀ съгрѣшенїю. и нѣсмъ достоѝ къзрѣти и кндѣти высотꙋ нбнꙋю ѡ множества грѣховъ моѝ нмже нѣ ꙋнсла ксако бо злое дѣанїе, и оумышленїе, и оухыщренїе сатанїно, и ковардство растлѣнїꙗ. и разлнꙋꙗ нстнцанїа. оумагѹенїа. рꙋкоблꙋдїа, дѣторастлѣнїꙗ. кровосмѣшенїа, оуннꙋженїа. злопомненїа. съвѣтованїа къ грѣхꙋ. и клатвопристꙋпленїа. наскаканїа. и скотканїа, и нны безмѣрныа стр̃ти сдѣла̀, и не ѡстꙋпнꙋ ѡ мене. кнмн бо незѣржнмъ бы̀ злымн, кнмн не растлѣхса. съгрѣшенмн всакъ грѣ̀ сдѣва̀ всакъ грѣ̀ къ ложнкъ къ дꙋшю мою. не потребенъ бы̀ бг̃ꙋ и ѹ̃ко̀. и кто въставнт ма. нже къзлы̀ и к толикы̀ къпадша съгрѣшенмн. гн̃ бѐ мон на та оупова̀. аще есть мнѣ спсенїе. аще ѡдолеклѐ ѹ̃колюкїе твое множествꙋ съгрѣшенїи моѝ, боудн мн спснтѐ и ꙗстоупнмкъ. и по множествꙋ щедро̀ твоѝ и мт̃ти твоен ослабн ѡставн прости мн вса елнка тн съгрѣшѝ. ꙗко многы̀ зол̃ъ. исполнисѧ дꙋша мол. и нѣ ко мнѣ спсенїю надежа̀. помилоуи ма бѐ помилоуи ма по велнцїи мт̃ти твоен и не къзанже мнѣ по дѣло моѝ, и не посрамн менѐ по дѣанїемъ моѝ. но ѡбратнвъ ꙗстоупн. и нзбавн дꙋшю мою ѡ съкъзрастающѝ ен зол̃ъ. и лютꙋ преложенїи нѝ. спсн ма мт̃ти твоеа ради, ꙗко да ндѣжѐ оумножисѧ грѣ̀. прензобилоꙋе бл̃гть твоа. и въсхвалю и прославлю тѧ, всегда̀ и вса дн̃и жнвота моего. ты бо есн бжѐ бъ кающнсѧ. и тебѣ славꙋ въсылаю̀ ѡц̃ꙋ. и сн̃ꙋ и стмꙋ дх̃ꙋ. и нн̃ѣ и прно и квѣ амѝ.

ѡ того̀. стго. ѡа̀ дамаскына къ прнчащенїю.

Оу̃ꙗзвенъ есмь срц̃емъ азъ и нстал ма рѣвность твоа. нзмѣни ма любовъ твоа ꙗко. свазанъ есмь же-

σεως δημιουργέ. ὁ τοῦ ἀνάρχου πρ̃ς συναΐδιος ὑιὸς καὶ συναν-
άρχος. ὁ δὶ ὑπερβολὴν ἀγαθότητος ἐπ̃ ἐσχάτου τῶν
ἡμερῶν, καὶ μὴ ἀποστρέψῃς κενὰς τὰν ἀναξίους μου καὶ
οἰκροτάτας δεήσεις. ἀλλὰ κἀυτῶ τῇ δεβίω. κὰν τῇ ἐξόδω
τῆς ταλαπιόρου μου ψυχῆς ἔν τε τῇ μέλλουσῃ φοβερᾶ καὶ
ἀδεκάστω κρίσει, πάρεστό μοι συμμαχοῦσα, καὶ τῶν ἀπεν-
p. 202 об. κτῶν ρυομενη πάντων. ἵνα χάριτι σεσωσμέ-
νος, εὐλογῶ καὶ δοξάζω σε. καὶ ταῖς σαῖς αὐγαῖς φωτι-
ζομενος, πρὸς ὕμνον πρὸς δόξαν πρὸς μύησιν ἀνατείνομαι,
τῆς παναγάθου καὶ παντουργοῦ καὶ μακαρίας τριάδος. εἰς τοὺς σύμπαντας αἰῶνας τῶν αἰώνων ἀμήν.

мѡ. сѷ́го іѡа̃ дамаскѵ́. къ прⷭ̃тїю

Ѡ множество щедро̃ твоѥ̃. къзнраю. и поꙋ́нив ѹ̑колюбїа твоего хе̃ бже, се нѣ дръзноу̑ пристоупинтн. желанїе имѣа пръчастнтисѧ. сты̑ твоѥ̃ и животворящѵ̑ таинамъ, страхо̃ и оужасѡ̃ одръжи̑. боюсѧ прикоснꙋтисѧ за множество грѣхо̃ мои. да не вмѣсто проскѣщенїа опале̃ боудѹ. тѣмже молютнеѧ и припадаю прекл҃тыи ꙋюдныи цр҃ю. прости съгрѣшенїа волнаа и неволнаа и сподоби мѧ не осѹжденно прнати прⷱ̃тое тѣло твое, и ѵтно̃ꙋю кровь твою.

Εὐχὴ ἐκ τῶν θείων ἐρώτων τοῦ Κύρου Συμεών, τοῦ νέου θεολόγου διὰ στιχ. ἀνακρεόντιοι, δίμετροι.

Ἀπὸ ῥυπαρῶν χειλέων ἀπὸ βδελυρᾶς καρδίας. ἀπὸ ἀκαθαρτου γλώσσης. ἐκ ψυχῆς ῥερϋπωμένης p. 203. δέξαι δέησιν χ̄ε̄ μου. καὶ μὴ παρωσάμενός μου. μὴ τοὺς λόγους μὴ τοὺς τρόπους. μὴ δὲ τὴν μετάνοιαν μου. μὴ δὲ τὴν ἀναισχυντίαν. δός μοι παρρησίαν λέγειν ἃ βεβούλευμαι χ̄ε̄ μου. μᾶλλον δε καὶ δίδαξον με, τί με δεῖ ποιεῖν καὶ λέγειν. ἥμαρτον ὑπερ τὴν πόρνην. ἡ μαθοῦσα ποῦ κατάγεις, μῦρον ἐξωνησαμένη, ἦλθε τολμηρως ἀλεῖψαι. σοῦ τοὺς πόδας τοῦ θ̄ῡ μου. ὡς ἐκείνην οὐκ ἀπόσω προσελθοῦσαν ἐκ καρδίας μὴ δ' ἐμὲ βδελύξῃ λόγε. σοὺς δε παρασχέ μοι πόδας. καὶ κρατῆσαι p. 203 об. καὶ φιλῆσαι. καὶ τῶ ῥεῖθρω τῶν δακρύων, ἃς πολῦτιμήτω μύρω, τούτοις τολμηρῶς ἀλείψαι: πλῦνον με τοῖς δάκρῡσι μου. κάθαρον τοῖς σοῖς με λόγοις. ἄφες μοι τὰ πταίσματα μου. οἶδας τῶν κακῶν τὸ πλῆθος. οἶδα καὶ τὰ τράυματα μου. καὶ τοὺς μώλωπας ὁρᾶς μου. ἀλλὰ καὶ τὴν πίστην οἶδας. καὶ τὴν προθῡμίαν βλέπεις. καὶ τοὺς στεναγμοὺς ἀκούεις. οὐ λανθάνει σε Θ̄ε̄ μου. ποιητά μου λῦτρωτά μου. οὐδὲ στεναγμοῦ τί μέρος. οὐδὲ στεναγμὸς δακρύων. οὐδὲ κίνημα καρδίας. p. 204. τὸ δε ἀκατέργαστόν μου ἔγνωσαν οἱ ὀφθαλμοί σου. ἐπὶ τὸ βιβλίον δε σου. τὰ μήπω πεπραγμένα. γεγραμμένα σοι τυγχάνει. ἴδε τὴν ταπείνωσιν μου. ἴδε μου τὸν κόπον ὅσος. καὶ τὰς ἁμαρτίας πάσας, ἄφε μοι Θεὲ τῶν ὅλων. ἵνα καθαρᾶ καρδία. περιτρόμω διανοία. καὶ ψυχῇ συντέτριμμένη, τῶν ἀχράντων σου μετάσχω. καὶ πανάγνων μῦστηρίων. οἷς ζωοῦται καὶ θεοῦται. πᾶς ὁ τρώγων τὲ καὶ πίνων, ἐξ ἐιληκρῑνοὺς καρδίας. σὺ γὰρ εἶπεν δέσποτα μου, πᾶς ὁ τρώγων μου τὴν σάρκα. πίνων δε μου καὶ τὸ αἷμα p. 204 об. ἐν ἐμοὶ μὲν οὗτος μένει, ἐν αὐτῶ δὲγὼ τῦγχάνω. ἀληθὴς ὁ λόγος πάντως, τοῦ δεσπότου καὶ Θ̄ῡ μου. καὶ τῶν θείων ὁ μετέχων. καὶ θεοποιῶν χαρίτων, οὔμεν οὖν οὐκ ἔστι μόλινемъ твоѥ̃, да исполню ѡ̃ твоѥ̃ плотен. да насыщоуса животныа и бготворныа ти кроке да коспримѹ твоихъ благъ, да напитаютсѧ. твоего бжтва. достоинъ да вздградзща ти съ славою оусрѣсти тѧ на къзоу̑шнемъ късхыщенїи на ѡблацѣ̃ съ всѣми избранными ти ꙗко да пою и покланаюса и славлю та блгодарїи̑ къ испокѣданїи̑ съ безначалным ти ѡц҃емъ и съ прⷱ̃тымъ бгмъ и животворащѧ̃ ти дх҃ѹ̑ и нн҃ѣ и присно и въ вѣкы вѣкѡ. амнь:·

Μῶ̃ къ стмѹ̀ причащенїю. сѷ́го снмѡна новаѳ̀ бгословца. ѡ̃ бжтвены̑ ревенїи. сѷ́го причащенїа.

Ѡ̑ скверны̑ оустенъ. ѡ̃ мрьскаго срца̀ ѡ̃ нечистаго ꙗзыка. ѡ̃ дш҃и нескверныа. прінми моленїе хе̃. и не призрикъ ма ни словеса. ни ѡбразы. ни дерзостн. данже ми дръзновенїе гат҃н. ꙗже хощѹ хе̃ мои. паче̃ ꙗзвн мѧ. ꙋто ми достоить творити и гат҃н, съгрѣши̑ па̀ блоудница ꙗже оувиднкши гдѣ окꙋтаеши мура кипикши. прїнде дерзостнѣ помазати твои ноги. ба̀ моего какы и хр̃а моего. ꙗко ѡнѣ не ѿгна̀ есн. прншѣшꙋю ѡ̃ срца̀. ни мене ѡрини слокѣ твоими подаже ноги. и дрѣжати и целобати и стрѣлами слезными ꙗко многоцѣнны мурома сн̑ смѣющи̑ помазати омыи мѧ слезами моими. ѡчистн ми ими слокѣ оставн и съгрѣшенїа мои. и милѡ̃ ми поданже. кисн злы̑ множьтко кисн и стрѣны моа. ꙗзвы зрнши и не вѣрѹ кисн. и пронзволенїе зрнши и не възыханїа слышнши. не тантса тебе бже̃ мои. и творѹе мои и избавитлю мои. ни̑ капла слезнаа. ни̑ капли часть нѣкаа. ни̑ дкиженїе срⷭ̃дечное. несъдѣланно̃ моѥ̃ кидиша оун твои. къ кингѣ̀ же твоѥ̃ написана тебѣ соу̑. вижь смиренїе моѥ̃ вижь трⷭ̃ мои елнкъ и грѣхы кса ѡстакн бже̃ ксаѵескы̑ ꙗко да ѵты̑ срц҃емъ. съ страшною мысленю. и дш҃ею съкрѹшенною прѣчистꙋ̑ тн прнаѧщѧсѧ. и нескверны̑ таинъ. имже ожнклаетса и ѡбожаетса. ксакъ пїа и ядын ѵтъ срц҃емъ. ты бо реклъ есн вл҃ко мои. ксакъ ꙗды мою плоть и пнѧ мою кровь. къ мнѣ ѕбо сен пребываеⷯ̃ къ немже азъ полꙋаю истинно слоко ксако вл҃ко и ба̀ моего и бжтвенны̑ прнѡвщнкыса и бготворны̑ бл҃тен оубо ни еднъ есть. нъ с токою хе̃ свѣт трислн҃наго. ꙗко ѕбо да нї еднъ боудѹ кромѣ тебе животодавца дыханїа моего. животa моего къзрадованїа моего мирскаго сп҃снїа. сего ра̀

νος. ἀλλα μετὰ σου χ̄ε̄ μου. τοῦ φωτὸς τοῦ ἀϊδίου. ἵνα οὖν μὴ μείνω μόνος. δίχα σοῦ τοῦ ζωοδότου. τῆς ζωῆς μου τῆ̄ς πνοῆς μου, τοῦ ἀγαλλιάματος μου τῆς τοῦ κόσμου σῳ̄ας, διὰ τοῦτο σου προσῆλθον, ὡς ὁρᾶς μετὰ δακρύων, λύτρον τῶν πολλῶν κακῶν μου, ἱκετεύων τοῦ λαβεῖν με. καὶ τῶν σῶν ζωοπαρόχων καὶ πανσέπτων p. 205. μῠστηρίων, μετασχεῖν ἀκατακρίτων. ἵνα μένης καθὼς εἶπας, μετ' ἐμοῦ τοῦ παναθλίου. ἵνα μὴ χωρὶς ἐυρῶν με τῆς σῆς χάρῐτος ὁ πλάνος, ἁφαρπάσῃ με τελείως. καὶ πλανήσας ἀπαγάγῃ, τῶν ποιῶν σου λόγων. διὰ τοῦτο σοι προσπίπτω, καὶ θερμῶς ἀναβοῶ σοι. ὡς τὸν ἄσωτον ἐδέξω. καὶ τὴν πόρνην μεταγνόντας, οὕτω δέξαι με τὸν πόρνον, καὶ τὸν ἄσωτον οἰκτίρμον, ἐν ψυχῇ. συντετριμμένῃ, προσιόντα σοι χ̄ε̄ μου. οἶδα σε῾ ὅτι ἄλλος, ὡς ἐγὼ οὐκ ἔπταισέ σοι. p. 205 об. οὐ δὲ ἔπραξε τὰς πράξεις. ἃς ἐγὼ κατηργασάμην. ἀλλὰ τοῦτο πάλιν οἶδα, ὡς οὐ μέγεθος πνευμάτων, οὐ ἁμαρτημάτων πλῆθος. οὐ δὲ πράξεων αἰσχρότης. ὑπερβαίνει τοῦ θ̄ῡ μου, τὴν πολλὴν φῐλανθ̄ρωπίαν. ἀλλ' ἐλέω συμπάθειας. τοὺς θερμῶς μετανοοῦντας. καὶ καθαίρεις καὶ λαμπρύνεις καὶ φωτὸς ποιεῖς μετόχους. κοινωνοὺς θεότητος σου, ἐργαζόμενος ἀφθόνως καὶ τὸ ξένον καὶ ἀγγέλοις. καὶ ἀνῶν διανοίαις, ὁμῖλεῖς αὐτοῖς πολλάκις, ὥσπερ φίλοις σου γνησίοις: ταῦτα τολμηρὸν p. 206. ποιεῖ με. ταῦτα με πτεροῖ χ̄ε̄ μου, καὶ θαρρῶν σου ταῖς πλουσίαις πρὸς ἡμᾶς ἐυεργεσίαις, χαίρων ἅμα τε καὶ τρέμων. τοῦ πῦρὸς μεταλαμβάνω. ξένον θαῦμα. πῶς ὁ χόρτος, οὐ φλογίζομαι τῇ φαύσει. ὥσπερ οὖδ' ἡ βάτος πάλαι ἡ ἀφλέκτως καιομένη. τοίνυν εὐχαρίστω γνώμη. εὐχαρίστω τὲ καρδία εὐχαρίστοις μέλεσί μου, καὶ ψυχὴ συντετριμμένη, προσκυνῶ καὶ μεγαλύνω, καὶ δοξάζω σε Θ̄ε̄ μου, ὡς εὐλογημένον ὀντα, νῦν τε καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας.

к тебѣ пристоупн҃ю ꙗко҆ зрѣнiи съ слезами. и срⷣцемъ сѫкрⷭшенным҃ъ избавленiе мо҆е҆ сѫгрѣшенiи҃ проса прⷭти мⷭ. и твое҆ жⷭводатны҃. и непороуны҃ таинствъ прⷭуастити҃ся. не осоуⷢ҃ено. ꙗко да прⷭбыкле҃ши. ꙗко҆ рекълъ е҆сн҃ съ мною ѡкаанны҃ ꙗко да не кромѣ обрⷭтⷭ твоеⷭ бл҃ти прелестнико҆ъ. късхыти҃ ма лⷭстнико҆. и прельстивъ ѡ҃вед҃е҆ бг҃отворны҃ ти словесъ. сего рⷣ҃ прⷭпадаю и тепли копию ти. ꙗко҆ бл҃знаго прⷭда. и блоу҃ницѫ прⷭше҃шю. тако прⷭимⷭ ма блоуднаго. и сквернⷭ҃ щедре҆ дш҃ѫ сѫкрⷭшенно҃ю. нⷭ҃ѣ к тебѣ прⷭходаща. кѣмь сⷭ҃се ꙗко҆ никтоже сѫгрѣши҃ тебѣ ꙗко же азъ. нⷭ҃ сѣдⷭ҃ дѣанiа҃ ꙗко҆ азъ сѣдⷭ҃ но се пакы кѣмъ. ꙗко не величество сѫгрѣшенiе҆ нⷭ҃ прⷭгрѣшенiе҆ множество. прекъсходⷭ҃ бг҃а моего многое ѵлколюбiе҆ но милованiемъ мⷭ҃ти теплѣ кающⷭ҃ся уностнии. и свѣтлѧнли (sic). и скⷭтⷭ҃ творнии прⷭуастнинкы. и странное. а҃гльскы҃ ѵлоу҃кы҃ мыслемъ, бесѣдⷭ҃ѵющи сⷭ҃ многажⷣ҃ ꙗко дрⷭгѡ҃ скон҃ блнжнимъ. сїа дрⷭзостна мⷭ. творⷭ҃. сїа къпираю҃ ма хⷣ҃ мон. и надѣюся ткон҃ бг҃атымъ е҃же к нⷭ҃ благⷭ҃тен҃ раю҃ся ѵкѵпи и трепещⷭ. ѡгнеки прⷭуливаюся трака сы. странно уюдо. нⷭ҃ѣ орошлемъ. не ѡпално. ꙗко҆ бо кѵпина древле не опалнн горащи. нⷭ҃ѣ бл҃годарны҃ смысло҃. и бл҃годарны҃ же срⷣцемъ. бл҃годарными оудⷣы. и дш҃и и тѣла моего. поклоняюся. и величаю и славлю та хⷣ҃ мон. ꙗко бл҃кена соуⷳи нⷭ҃же и въ вѣкы амнь:

Εὐχὴ τοῦ μεταφραστοῦ κυρ. σῠμεὼν p. 206 об. τοῦ νέου θεολόγου, ἰαμβικοι στίχοι, ἀκατάληκτοι τρίμετρ.

Изъ служебника Сев. Собранiя XV — XVI в. Таже мⷭтва сⷭ҃го сумеѡна метафраста. по стихѡ҃.

Ὦ πᾶρ. ὑιὲ. πνᾶ. τριὰς ἁγια, ἀγαθὸν ἀκένωτον ἐις πάντας ῥέον, κάλλος πολυέραστον μη ἔχων κόρον, πίστει μόνῃ σῶσον με καὶ παῤ ἐλπίδα.

л. 114 об. Ѡ ѡ҃ѵе и сⷭ҃е и дш҃е, троице сⷭ҃тая. бл҃гостн неностъшнмая. добро рауитⷭ҃пая неимын. сытости. вѣрож л. 115. единож сⷭ҃сн и урѣсь надежⷣ҃.

Ὦ ῥῶς τριλαμπὲς, ὦ τριὰς παναγία, τριὰς προσώποις, καὶ μονὰς τῇ οὐσία, πηγὴ σοφίας, ἁγιάσματος βρύσις, πίστει μόνῃ σῶσον με καὶ παῤ ἐλπίδα.

Ѡ свѣте трнсїательныи. ѡ трⷣ҃це сⷭ҃таа. трⷣ҃це лицы и единице сѫщство҃. источниче прⷣмⷣрости, ѡсⷭ҃ѣнїю. вѣрож единою сⷭ҃сн ма и урѣсь надежⷣ҃.

Ὦ πῦρ καθαρτήριον ἁμαρτημάτων ψυχὴν ἐμὴν, κάθαρον ἀμπλακημάτων. ψυχὴν ἐμὴν ἔμπλυνον p. 207. ἐκ ῥυπασμάτων, ψυχὴν ἐμὴν ἅρπασον ἀγνοημάτων, ψῆχῆς ἐμῆς κράτησον ἐνθυμημάτων, νοὸς δὲ βασίλευσον, ἐννοημάτων, παθῶν με δεῖξον ἐυσθενὴ βασιλέα, νοὸς τοῦ κῦρος λάμψον ἐμῇ καρδία ἐλευθέρωσον ἐκ πάσης ἁμαρτίας, φαίδρυνον ὡραῖσον ἐζοφωμένον, ἐν ὄματι βλέψον με συμπαθεστάτω.

Ѡгнею уностнтынын сѫгрѣшенiемь. дш҃ѫ моѫ ѡуностн прⷭгрѣшенiи҃. дш҃ѫ моѫ ѡмын невѣдⷭнiи҃. дш҃ѫ моѫ нсхыти ѡсквⷭрнени҃. дш҃и моеи оудръжи҃ помышленiа. оу҃же л. 115 об. къⷣрн на҆ разⷭмѣнныя стⷭ҃тѣ ма показжи въсесⷭ҃на цⷣ҃ѧ. оумиѫ свѣщѫ въсiаи моемоу срⷣцоу. свободи ѡ҃ тъмы грѣха. просвѣти оукрасн помраченнаго. око҆ възри на ма мⷭ҃тнкы҃. оуностн оуклажи потъмненаго.

Ὦ πᾶρ ὑιὲ πνᾶ τριὰς ἁγία, σύ μοι βράβευσον ἄγγελον σελασφόρον, νοὸς συνεργὸν παιδαγωγὸν προστάτην, ψῡχῆς ἐμῆς φύλακα καὶ τοῦ σαρκίου, ὁδηγὸν p. 207 об. ἐθύνοντα πρὸς σῳ̄αν, σύ με βροτὸν ποίησον ἡγιασμένον, σύ με ξένωσον γηίνων φρονημάτων. σύ μου ξήρανον κακίας ἀνα-

Ѡ ѡ҃ѵе и сⷭ҃е и дш҃е, ты мн подажⷣ҃ а҃ггла скⷭтоносца. оумⷭ съпосⷭшника. пⷭстⷭнѣ и прⷭстателѣ дш҃и моеи л. 116. хранителѣ и плⷭти. ко҆да настаклѧщⷣа ма къ спⷭ҃енiю. ты ма земнаго сⷭтворн осⷭщенна. ты ма оустранн земны҃ мⷣдрованiи҃. ты мн нсоу-

βλύσεις. σύ μοι πήγασον, δακρύων ἐπομβρίας, Θ̄ς̄ γὰρ εἶ συμπαθὴς εὐεργέτης, ἀνεξίκακος πᾶσιν ἡνομηκόσιν, πανευπρόσιτος πᾶσιν ἡθετηκόσιν, καὶ μακρόθῡμος πᾶσιν ἠθετηκόσιν, οὐ τοῖς δικαίοις τοῖς καθηγῑασμένοις, οὐ φοῖς ἀμώμοις τοῖς κατηγλαϊσμένοις. ἐξαγορίας ἅρισας εἰς σ̄ρ̄ῖαν, καὶ ἐβράβευσας τῆς μετανοίας τρόπους, ἐμοὶ βεβήλω φ. 208. κατηχρειομένω, ἐμοὶ πονηρῶ καὶ κάτεσπιλωμένω, ἐμοὶ σκοτεινῶ καὶ κατερρυπωμένω, καὶ γὰρ παρηνόμησα τῶν πάλαι πλέον. παρώργῑσά σε καὶ παρώξυνα σφόδρα, ὑπὲρ τὸ μέτρον τῶν ἀμέτρων ἀστέρων, ὑπὲρ θαλασσῶν ψάμμον ἡμάρτηκα σοι, οὐκ ἔστιν εἶδος κακίας πονηρίας, οὐκ ἔστιν αἶσχος κακίας μοχθηρίας, ὃ μὴ πέπραχα παντὶ καιρῶ καὶ τόπω, ψῡχὴ. λογισμῶ καὶ λόγοις. καὶ πρακτέοις, ἐπλήθυναν μου κακίαι βδελῡγμίαι, ἐπλήθηναν μου μυρίαι κακουργίαι, φ 208об. ἐπλήθυναν μου πταισμάτων τὰ φορτία, κλοιοῖς νοητοῖς, κάμπτομαι τὸν αὐχένα. σειραῖς ἀφύκτοις, σφίγγομαι τὴν καρδίαν, οὐδ' ἀνανέυειν τὴν κεφαλὴν ἰσχύω. οὐδ' ἄνεσις πέφυκα ἐν συνειδότι. ἀναξίως δε τὴν χθονὸς πατᾶ κόνιν. ἀναξίως δὲ τὴν βροτῶν ὁρῶ θέαν. ἀναξίως δε προσλαλῶ τῶ πλησίον. τὸν σὸν γὰρ ἐξέκαυσα θῡμὸν εἰς τέλος. ὀργὴν ἀνῆψα τὴν φοβερὰν ἐκτόπως. παρώργισα σε καὶ παρώξυνα, σφόδρα. ἐνώπιον σου πᾶς βδελυκτὸν ποιήσας. οὐδεν θελήσας σῶν ἁγνων θελημάτων. οὐδὲν ποθήσας σῶν ποθητῶν κριμάτων. οὐδὲν φῡλάξας σᾶν σοφῶν προσταγμάτων. οὐδὲν κρατήσας σῶν κραταιῶν ρημάτων. καὶ νῦν κλίνω σοι καρδίας ἐμῆς γόνυ. κλίνω κεφαλὴν τὴν κατησβολωμένην. κλίνω τράχηλον τὸν κατηχρειωμένον. σῆ χρηστότητι τὴν δέησιν προσφέρω. ἥμαρτον ἠνόμησα καὶ παρεσφάλην. ἥμαρ. τον ἠδίκησα καὶ κατεκρίθην. ἀλλ' ἐκδυσωπῶ τὴν φ.209 об. ἀγαθότητα σου. ἀλλ' ἱκετεύω τὴν ἀνεξικακίαν. ἀλλ' ἐκλιπαρῶ τὴν ἄκραν ἐυσπλαγχνίαν. ἀλλ' ἐκβοῶ σοι σῶσον ἱλάσθηθι μοι. ἄνες τὰ τιλήθη τῶν ἐμῶν ὀφλημάτων. ἄνες τὰ πολλὰ τῶν ἐμᾶν σπιλωμάτων. ἄνες τὰ πάντα τᾶν ἐμῶν βδελῡγμάτων, καὶ μὴ συνεκτρίψῃς με ταῖς ἁμαρτίαις. καὶ μὴ θανατώσῃς με ταῖς ἀνομίαις. καὶ μὴ συνεκκαύσῃς με ταῖς βδελῡγμίαις. μὴ τοῖς λογισμοῖς τοῖς κακοῖς συναρπάσῃς. μὴ μετερήσῃς ἀγαθῶν αἰωνίων. φ. 210. μὴ με τραπέζης ἐκβάλῃς ἀθανάτου. μὴ με ξενώσῃς τῆς χαρᾶς τῶν ἁγίων. μὴ ζημῐωθῆς τὴν ἐμὴν σ̄ρ̄ιαν. καπτίσματος χάρισμα λαβὼν καὶ πάλιν, τὸ τῶν μοναχῶν σχῆμα θεῖον καὶ μέγα, (по Гречески нѣтъ до слова: пр҃тлогъ...). τὸ πρὶν γὰρ ἐσπίλωσα ταῖς ἁμαρτίαις. Φρόνον τὸν πῡρίμορθον καὶ κατηγλαισμένον. ἐνοῦντας αὐτὴν, πᾶσι τοῖς σωζωμένοις. καταξιοῦντα τῆς χαρᾶς τῶν ἁγίων. δέξαι μεσίτην, τὴν ἀγαθότητα σου. δὸς μοι χάριν σὴν πρέσβῖν ἐξηρημένην, τὴν χρηστότητα, τὸν ἀνεξικακίαν. ф.

шин, злобныя тѡкы. ты мн истоуи слѧзныя тѫа. бѣ̀ бо єси мл҃тивь и бл҃гъ. нє зло пр҃їмѣ́ть вьсѣ̀ безаконовавшїимь. вьсепристѫпень. вьсѣмь съгрѣшившїимь. дълготръпѣливь вьсѣмь ѡ̀връгшїимсѧ. нє прокѣ́нымь ѡ̀стова́нымь. непороуным҃ь просвѣтова́ѣ. испокѣда́нїа оуставиль єси спа̀сєнїє, иж̀ пода̀ єси покаанїа ѡбразы. и мнѣ гнѣсномоу и ѡсквръненомоу. мнѣ лѫкавомоу и окалѣнномоу. и мнк темномоу и сквръномъ. нбѡ безаконова̀ дрєвныхь мнѡжае. прогнѣвахь та и разра̀жѝ зѣло. паче пєска москаго л. 117. съгрѣшѝ тн. нѣ̀ ствда злѡбы лѫкавыя. єго же нє съдѣанна вьсѣко крѣма и мѣсто. дш̃ѣ̀ и помыслѡ̀ и словесн и дѣлы и дѣанмн. оумножншмсѧ тъмамн моа злодѣнства. оумнѡжнша̀ моѝ прѣгрѣшенїи крѣмена, желѣзы оумнымн съгрѣзена мн є̀ кыѫ. мѧами нє избѣжѣнымн стѣгиѫ̀ есмь с҃р҃ц҃є̀. нн възвигнѫти главоѫ̀ могѫ. ннже ѡслабѫ л. 117 об. є̀мн къ съвѣстн. недо̀тоннѣ оубо высо́тѫ нбнѫа зрѧ. недостоннѣ же ѹ̀ѵ̀ьское зрѧ кндѣнїє. недо̀ннѣ же събесѣдѫ блнжнємоу. недостоннѣ же земнѫа нхутѫпаѫ пръсть. твоѫ бѡ ра̀жѐ̀гѡ̀ ярость къконець. гнѣвь распалѝ страшнын бездѣстнѣ. прогнѣва́та и разра̀жѝ зѣло, прѣ̀ тобоѫ̀ късѣкѫ мрѣзость сътворѝ. нн єдино же късхотѣвь твоѝ ѹ̀стостны̀ л. 118. хотѣнїи. нн єдниѫ̀ же възѣлѣвь твоѝ прѣмѫ́дры̀ повелѣнїи. нн єдниже оудрѣжавь твоѝ дрѣжавны̀ гл҃ъ. нн̀ѣ прекланѣѫ тн с҃р҃ца моєго кѡлѣнѣ. прѣклонѣѫ главоѫ̀ ѡмраѵ̀ѣньнѫа. и твоєн бл҃гостн молѣнїє прнношѫ. съгрѣшѝ и безаконова̀. блазньствова̀. съгрѣшѝ неправдова̀ и прѣстѫпѝ. съгрѣшѝ не правдова̀ ѡсжднса. съгрѣшѝ ѡ̀връгѡ̀ся л. 118 об. и оустыдѣ́ѣ. иж мл҃ѣнїє твоєн творя бл҃гостн. иж мл҃вѫ прношѫ твоємоу нєзлобїю. иж мл҃а твоє краннєє бл҃гожтробїє. иж къпїѫ и ѡцѣстн ма. ѡ̀тавн мнѡжьство моѝ съгрѣшенїи. ѡстави люта моѝ дългѡвь. ѡстави мнѡгаа моѝ ѡсквръненїи. ѡстави всѣ̀ моѝ мрѣзостен. да нє съкроушнши ма съ грѣхы. да нє съ помыслѣмн злымн съвъсхытнти л. 119. ма да нє съмежешн ма съ мрѣзостмн. да ма не лншнши бл҃гъ кѣныхь. да ма трапезы не нзвръжешн бесъмр҃тныѫ. да нє оутѫжѫшн ма радости с҃ты. да нє ѡ̀тъшнши ма са моего спа̀сенїа, крѣщенїа дарь даѫ̀. и пакы иноуьскын ѡбразъ бж̀ткны, и велнкын. |прѣвын ѡсквѣны̀ мрѣзостмн. и спо̀обн сщє́ннаго прнущенїа. жнвота ѵашн крѣвє бг҃отоунаа л. 119 об. въ ѡцѣщенїє моѝ̀ съгрѣшенїи. въ нзбавленїє моѝ̀ ѡунщенїє съгрѣшенїи въ спа̀сенїе. къ ѵа̀ же конєунын горкын съмр҃тныи ѵа̀ темныи и мраунын. спа̀си ѡущедри ѡцѣстн ма. дш̃ѫ кротко разлѫѵи ѡ̀ пѫтн. и ѡ̀ пѫтн моеѫ ѡсквръненыѫ. дш̃ѫ темнѫа, покажи просвѣтованнѫ. и лѫкавых нзбави бѣсовь. рѫкописанїа л. 120. въсѣуьскаа съгрѣшенїа съпнсанїа моѝ̀ дългѡ̀. разѣри расыпи въ адовѫ пропасть. растръгни испепели съжеги доконца. кро̀кын свѣтлын посли агг҃ла тогда. ѡ̀бражѫщїѝ̀ пѫкы бѣсовскыѫ. дш̃ѫ въсхыщаѫщи ѡ̀ мѫченїа. дш̃ѫ оущедрѣѫщи ѡсквръненїа. горѣ възносящѝ поклонитнсѧ| пр҃тлогъ ѡгнєобразномоу и просвѣтованномоу. хвалѫщѝ л. 120 об. тоу късѣ̀ спа̀емы̀и. спо̀бл҃ѫщи радости с҃тхь. прнми ходатаа бл҃гость своѫ. даѫ̀ь мн бл҃гъ твоа ходатаа нзра̀на. бл҃го-

210 об. τὴν συμπάθειαν, τὴν ἄκραν εὐσπλαγχνίαν. δέξαι μεσίτην δευτέραν ὑπερτάτην, τὴν κοσμοτερπῆ μ҃ρ҃ὸπάρθενον κόρην. θείαν κλίμακα, ῥάβδον. ἔμψυχον θρόνον. ἥτις βροτοὺς τέθηκεν ἐις θεῖον θρόνον. δέξαι μεσίτιν τάξιν ἀστραπηβόλον. θρόνους χερουβὶμ καὶ σεραφὶμ πϋρίνους, κυριότητας δϋνάμεις ἐξουσίας. ἀρχὰς ἀρχαγγέλους τε καὶ τοὺς ἀγγέλους. δέξαι μεσίτην ἀγλαὸν σελασφόρον, τὸν πρόδρομον σου τὸν καθηγϊασμένον, προσπαργάνων κύρηκα καὶ θεηγόρον φ. 211. προ δεσπότου λάμψαντα τοῖς ἐν τ҃ῶ҃ σκότει. δέξαι μεσίτας τοὺς χοροὺς τ҃ῶν҃ ἁγίων. χοροὺς προφητ҃ῶν҃ π҃ρ҃ιαρχ҃ῶν҃ π҃ρ҃ῶν҃. ἀποστόλων τε μαρτύρων στεφηφόρων. πάντων ἁπασ҃ῶν҃ ἁγίων σελασφόρων. δέξαι μεσίτιν μαρίαν αἰγϋπτίαν, ἄ҃ν҃ον ἐκ γ҃ῆ҃ς οὐ҃ν҃οφοῖτιν δ᾽ ὅμως. δέξαι μεσίτην ὀνούφριον τὸν μέγαν τὸν σ҃ῶ҃μα γυμνώσαντα θείαν στολὴν δε, ἐργων ἀγαθ҃ῶν҃ ἐνδυσάμενον ξένως θ҃ῦ҃ γὰρ εἶ συμπαθὴς εὐεργέτης, θ҃ῦ҃ προσηνὴς τοῖς παρηνομηκόσι. θ҃ῦ҃ χορηγ҃ῶν҃ φ. 211 об. λύτρον ἁμαρτημάτων. θ҃ῦ҃ βραβεύων πᾶσι τὴν σ҃ρ҃ιαν. ἐμοὶ δὲ δείξοις πᾶσαν ἀγαθοσύνην. ἐμοὶ κενώσαις ῥεῖθρα σ҃ῆ҃ς εὐσπλαγχνίας. κοὶ γὰρ παρηνόμησα τ҃ῶν҃ πάλαι πλέον, μήτρας ἀπ᾽ αὐτ҃ῆ҃ς μέχρι τοῦ νῦν μου χρόνου. σ҃ῶ҃σον παρ᾽ ἀξίαν με καὶ παρ᾽ ἐλπίδα, ἀγαθότητι χρησπότητι σ҃ῆ҃ μόνη ὡς εὐλογ҃ῶ҃ σε καὶ πόθω μεγαλύνω. ὡς εὐχαριστ҃ῶ҃ καὶ μελῳδ҃ῶ҃. γνησίως. αἰ҃ῶ҃νι δὲ μελλοντι τ҃ῶ҃ σ҃ρ҃ίω, ὡς εὐλογητὸν εὐλογήσω δεσπότην, ἕν εὐλογοῦσιν οὐ҃ν҃ων αἱ δυνάμεις, αἰῶνας ἐις σύμπαντας οὐ φ. 212. μετρουμένους.

стинж бєзлобїє. милосрѣдїє кранніє бл҃гожтробїє пріимни ходатаа котораго прѣкышша. миро҃у красованїє м҃т҃рь дв҃ж отроковницж. бл҃жествижа лѣствицж. жезлъ, ѡдш҃ єкленїи пр҃тль. пр҃їимни ходатаа ѵнны л. 121. млънїєлоуѵныи. пр҃тлы херѵ҃вкїмн и серафимн ѡгньныа, госпо҃дства и силы, и власти. наѵаала архагг҃лн же агг҃лы. пр҃їимни ходатаа свѣтлаго свѣтоноснаго. пр҃туа твоєго ѡсщ҃єннаго. прѣж҃ѣ пєл҃ѣ҃ проповѣдника и бг҃оглѣка. прѣж҃ѣ кл҃кы въсїакшаго сжщїимь къ тъмѣ. пр҃їимни ходатаа лнкы стыхъ. лнкы прр҃кь. патр҃їархъ. ѡц҃ъ. а҃п҃л҃ъ же ѡ҃нкь л. 121 об. кѣнцєнѡсны҃. и въсѣхъ съ въсѣми сты҃ свѣтонѡсныи҃. пр҃їимни ходатаа мар҃їж єгунтѣнижж. ѵлк҃а. ѡ҃ хєман нѣошєствна ѡбаує. пр҃їимни ходатаа ѡнѵфрєа велнкаго. нже тѣло ѡбнажша бж҃твнож одежѣ҃ж. дѣлы бл҃гыми ѡбл҃ъуєна страшно. бъ ко єсн мл҃рдь, бл҃гтєль. бъ кротокъ ѕакѡнопрѣстжпльшн҃и҃. бъ подаж нѕбавж съгрѣшєнїємь. л. 122. бъ дароуж въсѣ҃ спс҃єнїє. мнѣ же покажешн стрѣж твоєго бл҃гожтробїа. ико ѕаконопрѣстжпны҃ѣ҃ въсѣ҃ множає ѡ҃ ложєснь. до нинѣшнѣго врѣмене. спс҃н ѵрѣ҃ достонньства ма и ѵрѣсь надъѣ҃ж. бл҃гостїж бл҃гостынєж твоєж. ико бл҃гослова та, и любовїж велнуаж. ико да бл҃годара-н пож нєкрѣно въ вѣцѣ жс бжджщн҃и҃ спс҃ѣ҃. ико да бл҃вєна вл҃кж блкж. єго же л. 122 об. бл҃вать нбн҃ыа силы. въ вѣкы въсѣ҃ нєнѕутѣнныа. амнн҃ь·

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 221. Ακολουθία. ἐι συμβῆ ἐνυπνισθῆναι τινα. τῶ καιρῶ τῆς θείας κοινωνίας αὐτοῦ.

Δι εὐχῶν τῶν ἁγίων πατρῶν ἡμῶν.

Βασιλεῦ οὐράνιε πανάκλητε τὸ πνεῦμα τῆς ἀληθείας.

Заглавныя буквы, заставки и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: аіѡнων, ам҃ѣн҃ь·

Нѣкоторыя гласныя буквы связно написанныя: ἡμῶν σοι κατέφυγον. α., ἀναξίοις συνάγαγε. ε, δεξάμενος λέγει ὑπάγετε. ἐξ ἐπιβλεψον. ν., ἀμήν. σ., χριστοῦ ἀσθένειαν. τ., πυρετόν.

XI. Молитвословъ

Писанный скорописью въ 8. долю листа до 1484 г. на 382. листахъ.—Первыхъ листовъ недостаетъ.

Находится въ собраніи Г. Севастьянова подъ № 5-мъ. [1]).

1—37 об. Послѣдованіе погребенія мірянъ.

л. 37 об. — 40. Послѣдованіе погребенія монаховъ.

На 41-й страницѣ записано: Ἐκοιμηθη ὁ πᾶ. σαβάτεος Ιεροδ. ἐν μηνὶ Ιουλ. ἑ. ιн. κ. ἐν ἔτει ϛцѵκ. тутъ же записано о другомъ, что онъ родился въ этомъ (1484). году.

м. 42 — 47 об. Канѡ҃н҃ ἐις κοιμηθέντας. Ἀκροστ. ἔκτον προσαυδῶ τοῖς ἀπελθοῦσιν μελος. Начало 1-го тропаря: Ἐν ουѵ҃ιοις θαλάμοις.

л. 47 об. — 53 об. Ἕτερος Κανὼν ἐις κοιμηθέντας. Ἀκρ. θνήσκουσι πιστοῖς ογδοον πλέκω μέλος. Начало: θανατω τον θανατον.

---

[1]) Выписка изъ сего Молитвослова по ошибкѣ сдѣлана впереди описанія сей рукописи на стр. 36—42.

л. 54 — 63. Канων χαιρετισμὸς εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θ̄κ̄ον ποίημα τοῦ εὐσεβεστάτου βασιλέος Κύρ. Θεοδόρου τοῦ λάσκαρη. Начало: Χαῖροις ἱλαστήριον.

л. 63 — 70 об. Κανὼν εἰς τὸν κ̄ν̄ ἡμῶν Ἰ̄ν̄ χ̄ν̄. ἐπὶ συμφορῶν παντίων καὶ θλίψει ἀν̄ου. Начало: Δεῦτε π ι σ τ ο ἱ.....

л. 71 — 91. Ἀκολουθία τῆς γονϋκλῖσίας τῆς ἁγίας πεντηκοστῆς.

р. 91 об. — 140. Ἀκολουθία τοῦ εὐχελαίου.

140 — 158 об. Εὐχαὶ ἑτέραι. λεγόμενοι ἐν τῶ εὐχελαίω. Θαυμασταὶ καὶ πολλὴν τὴν ὠφελείαν ἔχουσαι. Молитвъ числомъ 6-ть.

158 об. 159 об. Εὐχὴ εἰς ψυχοραγοῦντας.

159 об. 220. Ἀκολουθία τῆς θείας μεταλήψεως.

221 — 225. Ἀκολουθία εἰς συμβῆ ἐνυπνιασθῆναι τινα τῶν καιρῶ τῆς θείας κοινωνίας αὐτοῦ.

Εὐχὴ... Πάλιν ὑποσκελίσθην ὁ τάλας νοῦν.

р. 225 — 227. Παραίνεσις τῆ ἁγια καὶ μεγαλη.... ε̄. καὶ τῆ ἁγία καὶ μεγάλη κυριακὴ τ̄ω̄ πάσχα ὅταν προσερχονται μεταλαμβάνειν τῶν ἀχράντων τοῦ χ̄ῦ μϋστηρίων. Начало: Αδελφοι μου ἀγαπητοὶ καὶ ἐπιπόθητοι...

228 — 230. Τοῦ ἐν ἁγίοις π̄ρ̄ς ἡμῶν βασιλείου τοῦ μεγάλω, διάταξις π̄ρ̄ς ἀρχιερεῖς τε καὶ ἱερεῖς, τοῦ καθ' ὑπουργοῦντας τὰ θεῖα μϋστηρια. Начало: Πρόσχες σεαυτῶ ὦ ἱερεῦ καὶ βλέπε...

230—231 об. Εὐχή εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θ̄κ̄ον δεητικῆ λεγομένη ἐξ ὅλης ψυχῆς. Начало: Πανάγια Δέσποινα θ̄κ̄ε ἡ μόνη ἡ καθαρὰ καὶ ἀμολυντος καὶ ψὐχῆ καὶ σώματι...

231 об.—232 об. Ὁμοία εὐχὴ εἰς τὴν αὐτὴν. Начало: Πανάγια Δέσποινα μου θ̄κ̄ε Κυρία τοῦ κόσμου ἡ ἐλπίς μ ο υ....

232 об. — 233 об. Ἑτέρα εὐχὴ τοῦ μεγάλου βασιλείου εἰς τὸν κ̄ν̄ καὶ Θ̄ν̄ ἡμῶν. Начало: Ὁ ἐυήκοος καὶ ἀγαθὸς καὶ φιλ̄ανος Θ̄ς̄ ἡμῶν. ὁ παραγαγὼν τὴν νύκτα,...

р. 233 — 234 об. Ἑτέρα εὐχή δοξολογ. εἰς τὴν ἁγίαν τριάδα. Начало: Δόξα σοι κ̄ε̄ ὁ Θ̄ς̄ ἡμῶν. δόξα σοι, τῶ ἀεὶ παρορῶντῖ τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν...

234 и об. Ἑτέρα εὐχὴ πατανυκτικὴ εἰς τὸν κ̄ν̄ ἡμῶν Ἰ̄ν̄ χ̄ν̄. Начало: Κ̄ε̄ κ̄ε̄. τὸν σὸν οἰκετην ἐμε τὸν ἀνάξιον. τὸν πολλὰ παροργίζοντα τὴν σὴν ἀγαθώτητα καθ' ἑκάστην φιλάν̄ε...

235--239. Ἐυχὴ εἰς τὸν κ̄ν̄ ἡμῶν Ἰ̄ν̄ χ̄ν̄, ἐξομολογητη. διὰ τὴν φοβεραν ὥραν τοῦ θανάτου. Начало: φρίττω καὶ τρέμω καὶ δέδοικα κ̄ε̄ μου Ιησοῦ χ̄ε̄ βασιλεῦ ἀθάνατε τὴν φωβερὰν ὥραν τοῦ θανάτου....

239—245. Ἑτέρα εὐχὴ πρὸς τὴν ὑπεραγίαν δέσποιναν Θ̄κ̄ον ἱκέσιος. λεγομένη μεθ' ἡμέραν εἰς ἐξομολόγησιν. θαυμασια. Начало: Παρθένε δέσποινα θ̄κ̄ε̄ ἡ τὸν Θ̄ν̄ λόγον κατὰ σάρκα γεννήσασα....

245 об. — 255 об. Κανὼν εἰς τὸν κ̄ν̄ ἡμῶν Ἰ̄ν̄ χ̄ν̄. ποίημα θεοκτίστου ᾱ. τοῦ στουδίτου.

(Канонъ, который положенъ читать при Акаѳистѣ Сладчайшему Іисусу.)

255 об. 261 об. Κανὼν παρακλητικῶς ἐξομολογητικὸς πρὸς τὴν ὑπεραγίαν δέσποιναν Θ̄κ̄ον ῆ̄ πλβ. Начало: Πῶς μου θρηνήσω τὸν βίον τὸν ρυπαρὸν.....

р. 261 об. — 268. Ἕτερος κανὼν εὐχαριστήριος, εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θ̄κ̄ον. ὦ̄ α. Начало 1-го тропаря: Βαβαὶ τῶν δυνάμεων. καὶ τῶν ἀπείρων θαυμάτων σου...

268—278 об, Ἕτερος κανὼν εἰς τὴν ὑπεραγίαν Θ̄κ̄ον, ψαλλόμενος εἰς πᾶσαν θλίψιν καὶ περίστασιν. Начало 1-го тропаря: Τῶν λυπαρῶν ἐπαγωγαὶ. χειμάζουσι τὴν ταπεινὴν μου ψυχὴν. καὶ συμφορῶν ἔφη. τὴν ἐμὴν καλύπτουσιν. καρδίαν θεονύμφευτε....

279—283 об. Τροπάρια κατανυκτικὰ ἀδόμενα εἰς τὸν κ̄ν̄ ἡμῶν καὶ Θ̄ν̄ Ἰ̄ν̄ χ̄ν̄ ἱκέσια...

283 об. — 285 об. Ἑτέρα ἀκολουσία εἰς τὸν κ̄ν̄ ἡμῶν καὶ Θ̄ν̄ Ἰ̄ν̄ χ̄ν̄. δίστιχα τροπάρια. ἦχος πλ̄α. ἀκροσιχὶς κατὰ ᾱβου. Начало: Αναμάρτητε κ̄ε̄ δέομαι.

285 об. — 295. Ἕτερος κανὼν εἰς τὸν κ̄ν̄ ἡμῶν Ἰ̄ν̄ χ̄ν̄. ψαλλόμενος εἰς ἀσθενοῦντας. οὗ ἡ ἀκροσιχίς. τοῖς ἀσθενοῦσιν ῥῶσιν, ὦ σῶτερ δίδου. Начало 1-го тропаря: Τὸ ἀσθενὲς, τῆς ἀνθρωπίνης οὐσίας χ̄ε̄.

295 — 302 об. Ἕτερος κανὼν κατανυκτικὸς εἰς τὸν κ̄ν̄ ἡμῶν Ἰ̄ν̄ χ̄ν̄. ποίημα κυρ. μιχαὴλ τοῦ σοφοτάτου ψελοῦ Начало 1-го тропаря: Οἴμοι τι κλάυσω. τι θρηνήσω προτέρον. τι ἀποδύρομαι...

р. 302 об. -- 310 об. Ἕτερος Κανὼν ἱκετήριος εἰς τὸν κ̄ν̄ ἡμῶν Ἰ̄ν̄ χ̄ν̄. καὶ εἰς πάσας οὐν̄ίους δυνάμεις καὶ εἰς τὸν τίμιον προδρομον. καὶ εἰς πάντας τὰς ἁγιας ποίημα Ἰωσὴφ τοῦ ὑμνογράφου, οὗ ἡ ἀκροσιχὶς, κατὰ ᾱβου. Натало 1-го тропаря: Ἄναρχε λόγε, ἱεραῖς δεήσεσι, χερουβὶμ καὶ σεραφὶμ, ἐξουσίων θρόνων....

311—319 об. Канѡν εἰς τον φύλακα ζωῆς ἡμῶν ἅγιον ἄγγελον ἔχων ἀκροστιχίδα, τὸν ἄγγελον μέλπω τὸν φύλακα καμοῦ, ὠδὴ μοναχοῦ Ἰωάννου. Начало 1-го тропаря: Τὸν ἄγρυπνον φύλακα τῆς ἐμῆς ψυχῆς καὶ προστάτην.

319 об. 322. Στιχίρα ψαλλόμενα εἰς τὸν κν̄ ἡμῶν Ιν̄ χν̄ καὶ εἰς πάντας τοὺς ἁγίους.

322—333. Ἕτερος κανὼν παρακλητικὸς, εἰς τὴν κυρίαν ἡμῶν καὶ δέσποιναν θκ̄ον. ὦ. α. ηχ. πλδ. Нач. 1-го тропаря: Πολλοῖς σὺνεχόμενος πειρασμοῖς πρὸς σε καταφεύγω.

333 об. 335. Τὰ τροπάρια ψαλλόμενα εἰς τὴν μεγάλην παράκλησιν τοῦ κῦ ἡμῶν Ιν̄ χῦ ἐν τῇ ἑβδόμῃ ὠδῇ, μετὰ τὸ εἰπεῖν τὸ εὐαγγέλιον.

335 об.—337. Πρὸς τὴν τιμιωτέραν.... ἐι ἀσωμάτους καὶ τοὺς λοιποὺς ἁγίους...

337 об. Στιχίρα εἰς τοὺς αἴνους ἀκουλουθίας τῆς ἀκαθίστου.

338—361 об. Ἀκολουθία τῆς ἀκαθίστου.

р. 362—369 об. Пасχалια. Начинающаяся съ ѕ҃ѱ҃ѯ҃. (1479) и оканчивается (1492).

370—376 об. Κανὼν εἰς τοὺς ἁγίους μαρτύρους καὶ θαυματουργοὺς θεοδώρους. ποιημα κύρ. γεώργ. τοῦ σηγλήτζη. φέρων ἀκροστιχίδα τὴν δε. Θεόδορον εἰς ὕμνος ἀθλητῶν δύο, γεωργίου. Начало 1-го тропаря: Θαυμαστὴ γενέσθω ἐν ἐμοὶ μάρτυρες Θεόδωροι... конца этого канона 9-й пѣсни недостаетъ.

377—382 об. Κανὼν της ἁγίας μεγαλομαρτυρ. αἰκατερίνης οὗ ἡ ἀκροσιχίς. αἰκατερίναν τὴν παναοίδιμον, ἄσμασι μελπω. Начало 1-го тропаря: Ἀικατερίνης, τῆς πανσοφου μαρτύρος. ταῖς ἐκεσίαις χε̄. τὸ ζοφερον ὄμμα τῆς ψυχῆς μου φώτισον....

Тропари 9-й пѣсни не всѣ.

Дополненіе къ VI. рукописи XV-го вѣка.

№ 1. Молитвословъ съ приписками вмѣсто потерянныхъ листовъ въ XVIII—XIX в. на 199. листахъ въ 4. д. листа. Сначала вплетено 6-ть четвертинокъ изъ молитвослова печатнаго Греческаго, о освященіи воды маломъ, 3 страницы о освященіи воды въ день Бодоявленія Господня.

л. 1—4. Мѣста изъ св. писанія, начинающіяся такъ: Θν̄ οὐδεὶς ἑώρακε πόποτε. оканчивающіяся: Κε̄ μὴ τοὺς πόδας μόνον, ἀλλὰ τὰς χείρας καὶ τὴν κεφαλην.

р. 5—20 об. Послѣдованіе крещенія.

20 об.—27. Ἀκολουθεια τοῦ μικροῦ ἁγιασμοῦ.

23-й листъ въ XVIII—XIX в. приписанъ.

27—46 об. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̄ς ἡμῶν βασιλείᾳ τοῦ μεγάλου.

46 об.—47. Εἴδησις τῆς θειας λειτουργίας τῶν προηγιασμένων.

48—55 об. Ἡ θεία λειτουργία τῶν προηγιασμένων...

На 55 об. въ концѣ приписано: ἔτους ѧ҃ѱ҃ѯ҃. (1449) Ν ιβ¯. ἡμέρα г. ὥρα ϛ̄. τῆς ἡμέρας. γ ε λ φ χ ψ λ ω ἔι ε ϥ λ ξ ϗ θ υ ω λ λ π θ κ σ τ λ χ π θ ω:

р 56. Конецъ вечерни сокращенно Одни только начальныя слова молитвъ.

56—64. Акоулоυθία τῶν ἁγίων θεοφανίων. τοῦ μεγάλου ἁγιασμοῦ.

64—76 об. Акολουθία τῆς γονυκλίσίας τῆς ἁγίας πεντικοστῆς.

77—87 об. Τοῦ ἐν αγίοις πρ̄ς ἡμῶν Ἰω. τοῦ νηστευτοῦ. καὶ τοῦ ὁσίου καὶ θεοφόρου πρ̄ς ἡμων καὶ ὁμολογητοῦ θεοδώρου πρεσβυτέρου καὶ ἡγουμένου τῶν στυδίου. Νομοκάνον περὶ ἐξαγορέυσεως. καὶ τῶν ταύτης διαλύσεων. κανόνες ἐκτεθέντες δὶ αὐτων.

р. 87 об. Ἐὐχὴ ἐις εξομολογούμενον. Κε̄ ὁ θ̄ς̄ ἡμῶν ὁ τᾧ πέτρῳ καὶ τῇ πόρνη....

р. 88—90. Εὐχὴ ἑτέρα εἰς ἐξομολογούμενον Κε̄ Ιῡ χε̄ ὁ θ̄ς̄ ἡμῶν. ὑιὲ καὶ λόγει τοῦ θῡ...

90. Εὐχὴ τῶν μιαροφαγησάντων.

Κε̄ ὁ θ̄ς̄ ἡμῶν. ὁ τῶ κορυφαίω τῶν ἀποστόλων σου πέτρω....

р. 90 об. Въ концѣ молитвы написано: νεόφυτος ἁμαρτωλὸς ἱερομονάχος τάχα καὶ πνικὸς ὁ καππάδοξ. λοδ. (1464 года.)

р. 90 об. — 91 об. Ἀκολουθία τοῦ μικροῦ σχήματος. Тѣмъ же почеркомъ писано, но чернѣе чернила.

97 об.—117 об. Ἀκολουθεια τοῦ ἁγίου καὶ μέγαλου καὶ ἀγγελικοῦ σχήματος.

р. 117 об. — 118. Ἀκολουθία τοῦ μεγάλου σχήματος γενομένη ἐν περιστάσει ἀσθενοῦς ὄντως.

На оборотѣ 118. ничего не писано, и самая молитва на 118. стр. недокончена, и оканчивается сими словами: ὁ καὶ τὸν δοῦλον σου οδ. καλέσας.

р. 119—134. Ἡ θεία λειτουργία τοῦ ἐν ἁγίοις πρ̃ς ἡμῶν Ἰω̃ χρυσοστόμου. Писано въ XVIII—XIX. (XVII—XVIII.) 134 об. — 152. Ἀρχὴ σὺν θ̃ῳ τοῦ ἐξοδιασικοῦ.

р. 152 об.—165 об. Οἱ ἀναβαθμοὶ τ̃ν μοναχ̃ν.

166 — 184 об. Ακολουθία τοῦ ἁγίου ἐλαίου.

185—199 об. Параклисисъ Бц̈ѣ.

190—198 об. О исповѣди отъ духовника,—почерка XVIII—XIX в.

XVI-й ВѢКЪ. [1]).

I. Метафизика Аристотелева съ примѣчаніями.

находится въ Сунодальной Библіотекѣ подъ № 6-мъ.

Длина бумаги.	$6^5/_8$ в.
Ширина.	$4^6/_8$ в.
Къ корешку.	$^1/_8$ в.
Къ правой сторонѣ	$^7/_8$ в.
Къ верху	$^1/_2$ в.
Къ низу	$^6/_8$ в.

Писана скорописью въ листъ на 278-ми листахъ съ примѣчаніями Александра Афродисскаго и Сиріана. Число строкъ не опредѣленно 45. и 43.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Ἀριστοτέλους μεταφυσικα.

Πάντες ἄνθρωποι τοῦ εἰδέναι ὀρέγονται φυσει. σημεῖον δ' ἡ τῶν αἰσθήσεων ἀγαπησις. καὶ γὰρ χωρὶς τῆς χρείας ἀγαπῶνται δι ἑαυτὰς. καὶ μάλιστα τῶν ἄλλων ἡ διὰ τῶν ὀμματων. ρὐ γὰρ μόνον ἵνα πράττωμεν, ἀλλὰ καὶ μηθὲν θέλοντες πράττειν, τὸ ὁρᾶν αἱρούμεθα ἀντὶ πάντων. ὡς ειπων (— εν) των ἀλλων αἴτιον διοτι μάλιστα ποιεῖ γνωριζειν ἡμᾶς αὕτη τῶν αἰσθησεων. καὶ πολλας διηλοῖ διαφορας.

Скорописная азбука.

II. Генварь (служебная минея.)

Находится въ Московской Сунод. Библіотекѣ подъ № 330-мъ.

Длина бумаги.	5 в.
Ширина	$3^1/_2$ в.
Къ корешку	$^1/_2$ в.
Къ правой сторонѣ	$1^2/_8$ в.
Къ верху	$^6/_8$ в.
Къ низу	$1^1/_4$ в.

Бумага лощеная.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 425-ти листахъ. Вверху 1-го листа написано: τ̃ων ιβηρ̃ων. внизу Арсеній ρ̃ηα. Заставки нѣтъ, а въ началѣ числъ есть маленкія полузаставки, по обѣ стороны числа и по одну сторону сдѣланныя чернилами, наведены киноварью. Начальныя буквы и заглавія писаны киноварью пунцоваго цвѣта. Изъ нихъ буквы нѣкоторыя фигурны. Колеръ чернилъ темно и свѣтло-коричневый. Помѣта тетрадей по срединѣ внизу строкъ съ обоихъ сторонъ. Число строкъ на страницѣ 21.

---

[1]) Изъ рукописей XVI и XVII вѣка опредѣленныхъ лѣтъ большею частію сдѣлано: названіе рукописи, число листовъ, величина, иногда бумажный знакъ, образецъ письма и азбука. Выписки изъ нѣкоторыхъ сдѣланы съ древнимъ Славянскимъ переводомъ, котораго не было въ печати. Въ концѣ XV вѣка уже есть печатныя Греческія книги, въ XVI и XVII. в. почти всѣ напечатаны. Въ Грамматикахъ же Греческихъ печатныхъ напечатаны и сокращенія съ объясненіями.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ Канона въ полунощницу.

л. 359. Ἐν τῷ μεσονυκτικῷ. Κανὼν πρῶτον ποίημα θεοφάνους. ᾠδὴ ᾱ. ἦχ. πλδ. Ἅσμα ἀναπέμψωμεν.

Рѹма ѡ҃ фгсїн ѻ҃ сол҃мѡнъ. кардїас платос дѻѹс ѳ҃ѕ҃. ѵ҃пер ѳалассгс ам҃мон. сѵ҃ пе҃р Ἰѡа҃нне. каї гар космон еѵ҃фраінѻис тоїс лѻгоис сѳ.

Сальпигѯ е҃деіхѳгс логікґ. фѡноѹса та ап҃рргта. пе҃р хрѵсостоме. хѵ҃ тґ҃ еккліісіа. то а҃гіон стома сѳ. ѻ҃ѳен тґ҃с метанѻіас врѵеі та тїмїа л. 359. реґ҃ѳра.

Изъ Генварской служебной минеи XI в. Синод. Типографской Библіотеки.

Кан҃. гла҃. и҃. пѣ҃. а҃ ермѡ҃. пѣ҃ въсълан ·:·

Пѣ҃ въсълнмъ людне. единомоу нзбавителю нашемоу. въ памать вѣрьнин моудраго сѣ҃тла. просаще оставленна. того мл҃твами. нзбавитнса огня вѣчьнаго: ·

Житне ако же реуе соломѡнъ. срдц҃а пространьство давъ бъ. паче морьскаго пѣсъка. оуе ноане показалъ есть поущнноу. бл҃гоустївынхъ оущенин ако мира вселенна словесы: ·

Трѹба звнса словесьна. гласащи неизд҃реченьнаа. оуе҃ златооусте. хв҃ѣ пр҃кви сѣ҃тая оуста твоа. тѣмь показанна. нстлуаеши ѵ҃стьныа строуа: ·

Камень авва дѣльнъ. и сѣ҃тъп оутвьрьженіе пр҃кви бж҃ни. златооусте оугодьнуе. на немьже съзъдалъ есн. словеса бо҃ѵ҃стьа. ако каменне моудре сѣ҃лю: ·

Слава оц҃оу и сн҃оу и ст҃ѹмоу д҃хоу. въ вѣкы л. 110. амнн҃ъ. бо҃у въ тр҃ц҃н томоу поклонимъса. пюще и вѣпнюще. сѣ҃ъ есн бе҃ вседръжителн: ·

Ѳеотокіон Клїмаѯ анедеіхѳгс ноетґ. ґ҃н Ἰакѡ҃в е҃ѡракен ѻ҃ е҃клектос тоѹ҃ ѳ҃ѹ҃. ді҃ ґ҃с аррґ҃тѡ лѻгѡ. катґ҃лѳен ѻ҃ ас҃аркос сарѯ а҃трептѡс генесѳаі ѵ҃пер лѻгон е҃к соѹ҃ ѳ҃ѵ҃е.

Б҃. Лѣствица авнса словесьнаа. юже авокъ видѣ. нзбранын бж҃нн. еюже неизд҃реченьнынмъ словомь. сѣнндє бесплътынън. плъть непрѣложьнын бъітн. паче слова нс тебе бц҃е: ·

Ὠδὴ ᾱ. ѻ҃ѵ҃к е҃стнн ас҃гіос ѡ҃с ѻ҃ кѯ҃.

Хрѵсеіс дѻгмаси катехрѹсѡсаса софе҃ тґ҃с е҃ккліісіас тѻн стефанон. каї таѹтгс е҃поікїлас. тґ҃н еѵ҃препеіан пе҃р. тѽ҃ каллеі. тѽ҃н лѻгѡн сѵ҃. ді҃ѻ се кат҃ а҃ксіан тімѣ҃.

Ἀноіѯас то стома сѳ каѳѡ҃с ѱалле ѻ҃ ѻ҃ѳ҃. пн҃а а҃гіон еілкѵсас. памма҃кар ѳеософе. каї тґ҃н а҃ррѵтон гнѽ҃сін. е҃ѯеіѳѹ тоїс лѻгоис сѳ. ді ѽ҃ фѡтіѕѻмеѳа.

Зл҃тынмн покелѣнин. позлатилъ есн моудре. пр҃квьнын вѣньць. и тоа оупьстрилъ есн. бо҃лѣпьно оуе. добротою словесъ тн, тѣмь҃ по достоанню ѵ҃тѣмъ: ·

Отъврьзъ оуста своа. акоже поѣть д҃вдъ. д҃хъ с҃тын нзволилъ есть. пр҃кжне златооусте. неизд҃реченьны разоума. нзволилъ есн. словесы. нмн҃ просквѣмъса: ·

Отънмъ покровъ. невѣжьствна съмысла писанна нисъказаньно нмъ ѡ҃крылъ есн. и непнсаноую оу҃е моудрословы своимн. бжс҃твнѣ въобразилъ есн: ·

Δόξα. Ἅγιος ἅγιος ἅγιος εἶ ὁ ѳ҃ѕ҃. ἡ τριὰς ἡ ἀχώρϊστος. μονὰς ἡ ὁμότϊμος. τὸ ἀγέννητον κράτος. τὸ ἄχρονον γέννημα. τὸ πν҃α τὸ παράκλητον.

Ѳ Ἄχρονως е҃ξе҃лампсас, е҃к пр҃ѕ моногенґ҃с. л. 360. каї е҃н хрѻ҃нois а҃нетеілас. то фѡ҃с то а҃несперон. е҃ѯ а҃фѳа҃ртоу парѳе҃нѻѹ. е҃ме҃ προсλαвѻ҃мενος τελеіѡс а҃наμа҃ртґтон.

Конаютъ҃ прн дн҃е ако цвѣтцн на селѣ. обонанне троудь твонхъ. нмн же оугоднлъ л. 110 об. есн бо҃у достонно. вѣдамн и скрѣбьмї и землею прнближнса. далеуе: ·

Б҃. Бездѣтьно въсьмалъ есн. ѡ҃ о҃ц҃а единоадын. къ лета въсьмалъ есн. свѣтъ не кеуерьнин. ѡ҃ нетьлѣныа д҃вы. мене прнномавъ. съврьшено безгрѣшьне; ·

Ὠδὴ δ҃. ἐξ ὄρους.

Νέος а҃βраа҃м е҃деіхѳгс іерарха. а҃ллон іса҃ак тѽ҃н вїон ѳѵсїасас, каї мѵ҃стикґ҃н ѻ҃локарпѡсін а҃неνе҃гкас е҃н тѽ҃ пѵ҃рі тґ҃с сѵνеідґ҃сеѡс.

Сѵ҃ тѽ҃н іакѡ҃в ζгλѡсас ѳеофо҃ре. клїмаѯ практикґ҃ е҃ге҃νоѹ е҃ѵфросѵ҃нгс тас а҃наβа҃сеіс тѽ҃н ѳеіѡн соѹ҃ νогма҃тѡн. е҃н тґ҃ карді҃а соѹ҃ тґ҃ѳе҃мενος.

Пѣ҃. д҃. ермѡ҃. нз горы прнсѣнь: ·

Повын акрамъ. акнса сѣ҃тлю. драгаго исака. житье пожръ. и танное всеплодьное прнесе. огнемь съвѣстьнынмъ: ·

Ты наковоу рькьнокавъ. бо҃носе лѣствица дѣтельна. бы҃ вселенѣ. въсхожена бжс҃твнын разоумъ. на ср҃дцн сн положивъ: ·

Ты иосифоу образомь подобаса. тѣло истиньно. бы̃ цѣломоудрии. питавъ мира свящеиомлѣние. жнкою пищею бж̃твиыихъ писаиии: ·

Δόξα. Ἀναρχε τριὰς ἀμέριστε οὐσία. σύνδρονε μονὰς ὁμότιμε τῇ δόξῃ. ἡ ὑπεράρχιος φύσις καὶ βασιλέα. σῶζε τοὺς πίστει ἀνυμνοῦντας σε.

Жьзлъмь таннъмъ азыкомь. раздѣлнвъ. вси писаиия. бездьноу прѣбл̃же. ако монси провелъ есн. улѣкы на разоумъ вѣрьиии: ·

θ. Χαῖρε θησαυρὲ τῆς πάντων σ̃ρ̃ιας. χαῖρε νοερὰ πηγὴ τῶν ἰαμάτων. χαῖρε ἡ στάμνος τοῦ μάννα. τῆς ἀφθαρσίας καὶ κῖβωτὲ τοῦ ἁγιάσματος.

Б̃. Радоуися съкровище. съ̃ѧ̈шаго сл̃ица. радоуися разоумъиыихъ источьиице. л. 111. ищѣлеиии. радоуися ст̃ая гора. юже пр̃рци бѣе проповѣша: · (sic).

Ὠδὴ ε̃. ὁ ἐκ νυκτὸς.

Пѣ̃. ε̃. ермо̃. ѿ ношщи иекѣдѣиии: ·

Σὲ ἀρετῆς εἰκόνα. καὶ εὐσεβείας κανόνα δεικνύων σοφέ. ἄνω πρὸς τὴν λυχνίαν. τέθηκέ σε φῶς τῶ λαῶ ὁ χ̃ς̃.

Τὴν ἱερὰν στολὴν σου. κατακοσμήσας τοῖς ἀθλοις τῶν πόνων σθ. ἔδειξας λαμπροτέραν. τὴν ἱεραρχίαν χρυσοστομε.

Скцѣиоую си ризоу. оукрасивъ страданиии болѣзиьи ти. ека же си свѣтьлѣишоу сцѣиила златооусте.

Страданиа подвигы. скцѣиомоу̃ще. добле прѣтрьпѣлъ есн. въ градѣхъ бездомьиыихъ. и съ изгънаиа посылаемъ: ·

Та добротоу и образъ и бл̃гоуьстиа правило. показа моудрѣ горѣ иа свящеиикъ. (sic) положи та свѣтьлоу дньмъ хс̃ъ: ·

Δόξα. Τὴν ὑπὲρ νοῦν οὐσίαν. καὶ τρισυπόστατον φύσιν ὑμνήσωμεν, ἄναρχον τὸν πα̃. καὶ υἱὸν καὶ πν̃α δοξάζοντες.

Златовидьныа лоуча. вселенѣи облиста словесы ты всезлатыи ск̃тлю вса оздраваши (sic) коньца: ·

Ἄνευ σπορᾶς τεκοῦσα. θεογεννῆτορ τὸν ἄσπορον γόνον σου. μόνη ὤφθης παρθενος βρέφος. ὑπομάζων φέρουσα.

Б̃. Безъ истьлѣииа р̃ѡждь. ко̃родительиице. бесѣмеиьное твое рж̃ство едина явися. дв̃а младеньца подъ сьсыема носящї: ·

Ὠδὴ ϛ̃. ὡς τ.

Пѣ̃. ϛ̃. ермо̃. ако же пр̃рка: ·

Ὥσπερ χρυσὸς ἐκ μετάλλων. ἐκ τοῦ βάθους σοφὲ τῆς καρδίας σου. τὰ πάγχρυσα δόγματα ἡμῖν ἐθησαύρϊσας. καὶ κατέλιπες πλοῦτον τὰ σὰ λόγια.

Ако злато ѿ роудъ. ѿ глоубииы моудрѣ ср̃дца твоего. позлащеиая оученна. л. 111 об. намъ съкрьшилъ есн. и оставилъ есн. б̃тьство твоа словеса: ·

Ако непроходимое ср̃дце олѣдѣвъ словесы златооусте. и сѣма не въздѣлано. разоумъ не написаныи. положивъ. плоды троуды жьнеши: ·

Οἱ καὶ νεκρὸς εἶ ἐν τάφῳ. ἀλλὰ ζῶν ἐν τῶ κόσμω χρυσόστομε. κηρύττοις μετάνοιαν. καὶ γραφεις συγχώρησιν. ἐγγυόμενος τοῖς μετανοοῦσϊ θ̃ῳ.

Аще мр̃тъ есн къ гробѣ. въ живъ миpа златооусте. проповѣдаеши покаиие. пишеши прощеиие. пороуѵаяся покающимъся тѣплѣ: ·

Пѣ̃. ермо̃. ииъ ризоу ми подажь: ·

Цѣвьницею д̃ховьною движа. прѣблажеиыи златооусте. красно пѣлъ есн. моудростьиая красиая пѣиия: ·

Τριάδικον. Δόξα. Σὺν τῶ υἱῶ τὸν πα̃. καὶ τὸἅγιον πν̃α δοξάσωμεν. τριάδα ἀχωρϊστον. μονάδα ὁμότϊμον. τὴν παρέχουσαν. ἱλάσμον τῶ γένει ἡμῶν.

Шириию испытавъ писаиия сьде. златооусте. бж̃ствьныи кѣрьныи. висьръ разоумьныи изялѣкалъ есн: ·

Θεοτόκιον. Τὸν ἐν χερσὶ τῆς παρθένου. καὶ ἐν κόλποις πα̃ς̃ λ. 361. καθεζόμενον. τὸν σάρκα φορέσαντα. καὶ μείναντα ἄτρεπτον. προσκυνήσωμεν. ὡς θ̃ν καὶ κ̃ν̃.

Б̃. Не опали оутробы ти ужстала. огнь б̃жьствьныи. не растьли ужстала. ужстоты своеа скѣтъ роднкъшиха̃: ·

Ὠδὴ ζ̃. Ὁ τὴν φλόγα δροσί.

Пѣ̃. ζ̃. ермо̃. отрокы орошь: ·

Ὡς χρυσὸς ἐν καμίνω τῶν κινδύνων. πῦρωθεὶς ἱεράρχαοὐκ ἐφλέχθης. οὐκ ἔχων ἐυθης. δοκιμασθεὶς δὲ ἔδειξας. ὑπὲρ ευρύζους τοὺς πόνους σου.

Ижс огнь оугасивъ плъти своеа. и страсти л. 112. попаливъ. поцѣиневъ с̃тлю. прославилъ есть дш̃ь. на земли память твою: ·

Οὐκ ἐνάρκησας πῆρ τοὺς ἀγῶνας. οὐκ ἠσχύνθης δῦνάστας ἀδικίαν οὐ προεκρίνας, δικαιοσύνης ὅστε. καὶ μαρτυρεῖ ὁ τῆς χήρας ἀγρός.

Опасьнъıи проповѣдьнъ бы҃ бо҃гла҃вникъ. и обыщии и пронареуеса ѕастоупьникъ. иже въ мирѣ съгрѣшенъıимъ прѣподобьне пороуѵам покаанне: ·

Ако ѕлато въ пещи бѣдъ. разгорѣвъса ст҃лю. не опалиса. не изварися. искоушьбоса показалъ есн. прѣсвѣтълыа троуды твоа: ·

Τριαδικὸν. Σὺν υἱῷ τὸν πρ҃α. προσκυνοῦμεν. καὶ τὸ πανάγιον πν҃α ὁμοφρόνως. δοξολογοῦντες πίστῶς βοῶμεν δόξα σοι. τριὰς μονὰς ὁ θ҃ς ἡμῶν.

Не изнемоглъ есн оуѣ подкнгъ. не оустыдѣса оуѣ сильнъıихъ. не изволилъ есн неправьдъı. мимо правьдоу прѣподобьне и послоушьствоуеть вьдовица село: ·

Χαῖρα κούφη νεφέλη χαῖρε πύλη. δι᾽ ἧς μονος δι᾽ ἡλθεν ὁ θ҃ς μου. ἀφθόρῶ τόκω. ἄσπορως ἐκ σοῦ υἱός. γεννηθεὶς οὐ τραπείς.

Б҃. Радоуиса лѣгъкъıи облаѵе. радоуиса дъıрнимь же пронде б҃ъ нашь. бц҃е нетълѣнънъıимь рожьствомь. бе сѣмене не тебе сн҃ъ рожьса. и не прѣложьса: ·

῾Ωδὴ ᾱ҃. Οἱ θεορρήμονες παῖδες.

῾Η θεορρήμων σου γλῶσσα ἐν τῷ κόσμω. ὥσπερ χρῦσήλατος σάλπιγξ. ἐξ οὐ῾ου ἀπηχήσασα. ἱεράρχα κῦ τὴν πλάνην л. 361 об. ἀπήλασεν.

П҃ѣ. ᾱ҃. ермо҃. бо҃гласнии отроцн: ·

Бо҃гласънъıи азъıкъ въ мирѣ. ако ѕлатосъковалда троубл с нб҃се въѕлс҃нвъшн ст҃лю льсть прогналъ естъ:

῾Ιερουργὲ τῶν ἀρρήτων μυστηρίων. καὶ μυστηπόλεων ἄνω. θεοριῶν ἀξιάγαστε. ἱκετεύων μὴ παύσῃ. σωθῆναι τοὺς δούλους χῦ.

Свлщенє дѣтелю. неиздреуенънъıихъ таинъ. и таинога҃лънъıе. вышьнихъ. и тр҃ца поборьниче. моласа не прѣстан. л. 112 об. сп҃сти стадо свое сѣ: ·

Срѣбролюбьноую льсть. ѿгнавъ. и сластолюбьноую главоу. растлѣвъ словесы ти. мл҃тъıми сн непрѣстан. съхранилъ стадо свое: ·

Σὺν τῷ υἱῷ τὸν πρ҃α προσκυνοῦμεν καὶ τὸ πανάγιον πν҃α. θεολογοῦντες κραυγάζομεν. εὐλογεῖτε τὰ ἔργα κῦ τὸν κν҃.

Ако троицн слоужа сва҃таю. и съ ликомь нб҃сънъıимь. въдварялса прѣи҃дбне. молаа не прѣста҃н. съхранилъ стадо свое: ·

Ὑπερφῦῶς ἐν γαστρί σε σύλλαβοῦσα. τὸν ἀγεώργητον βότρυν. παρθενομῆρ. ἐβλάστησας. ἐπαξίως οὖν πάντες, τὸ χαῖρε σοι κράζομεν.

Б҃. Паѵе естьства къ ѵрѣвѣ сн прнимъшн. не въздѣланьнаго грѣха. дво мт҃н прорастила есн. достонно оубо есн. радоуиса къпнемъ т: ·

῾Ωδὴ ᾱ҃. Τὸν προδηλωθέντα.

῎Αλλος χρυσορροάς, ἐδείχθης πάγχρυσε πῆρ. τὸ χρυσοῦν γὰρ στόμα, καὶ ἡ γλῶκεῖα σου γλῶττα. πλημμυροῦσι τὰ τῶν δογμάτων πελαγη. καὶ ψυχὰς ἀγόνους καταρδέβουσιν.

П҃ѣ, ᾱ҃. ермо҃. проавлєнаго на го: ·

Дроугын ѕлатотоуивын ависа. всеѕлате оуѣ. ѕлатая бо оуста. и сладъкая твоа оуста. оумножа҃ть покелнии поуѵнъı. и дш҃а бещадьнъı.... надѣю҃ть: ·

Σὺ τῆς ἀκενώτου πηγῆς. ἀγγλήσας τὰ ῥεῖθρα ποταμοὺς δογμάτων. τῇ ἐκκλησία προχέεις. ἐξ ὧν ἅπαντες. οἱ δῖψῶντες ἀγλοῦμεν. νάματα χρυσόῤειθρα χρυσόστομε.

Море соущее не проходнмое ѵе (sic). писанн҃е ходнмое. и плаваемое съде҃ла мнокїи. вѣтрилом распростьръ словесе. и на разоумъ потопленъıи изведъ оумъ: ·

Отъ съкровищь цр҃квънихъ оустро҃нлъ есн вѣнець. ѕлатон бо онъ. преоуистнвъ. ако бисѣръ словеса. и уьстьное каменье. наложилъ есн прѣмоудре.

Тъı протекалъ есн мирьскын кроугъ словомь л. 113. ржжмелъ есн въ немь. таинохътраго҃ и похвали҃ есн. ако ба҃ и кладкоу достонамятьне ѕлатоусте: ·

Δόξα. ῾Ο εἷς ἐν τριάδι θ҃ς δόξα σοι ἀπαύστως. ἐι γὰρл. 362. καὶ θ҃ς ἕκαστον. ἀλλ εἷς τῇ φύσει πέλεις. ὁ πῆρ ὁ υἱὸς καὶ τὸ πν҃α. τοῖς τρισσόφα ἐσϊνίδιώμασι.

Въздрадоуимся есн. и възвеселимъ въскли҃кнемъ бв҃н, гласы немалъуьнъıими. ако ѵлвкъ на ѕемли погребенъ. тоунть млъуа. достонно поданъıа истоуьникъı: ·

Θ. Βάτον καιομένην πυρὶ καὶ μὴ φλεγομένην. προεῶραπάλαι μωϋσῆς. ἐν σϊναίω τῶ ὄρει. τὴν θεόδεκτον σου παρθένε γαστέρα. ὑποδεχομενην τὸ ἀκήρατον πῦρ.

Б҃. Тъı есн бц҃е оорожье наше и стѣна. тъı есн ѕластоупленнїе. къ тебе прѣбѣгающемъ та и изъıне на мл҃твоу подкнзаемъ. да избавимся ѿ врагъ нашнхъ: ·

Чтеніе и объясненіе снимка.

Δόξα σοι τριας ἅγια. ἕνεκα πάντων.

Ἐτελειώθη ἐν ἔτει ,҂ζл҃ζ. (1529 г.) μηνὶ αὐγούστω ѳ҃.

ф. 419 об. Τὰς οὐρανίους δυνάμεις. περιερχόμενοι. θεοπρεπεῖς φωστῆρες Κύριε καὶ Ἰωάννε. γένναῖοι ἀθλοφόροι τὸν ἐπὶ γῆς ἰατρεύετε σώματα. καὶ ψυχικὰς ἀλγηδόνας. διὰ χριστοῦ ѿ πρεσβεύσατε σωθ҃ναι ἡμᾶς.

Заглавныя буквы, полузаставки и скорописная азбука.

ф. 192 об. Μηνὶ τῶ̃ αὐτῶ̃ ік҃. τῆς ἁγίας μάρτυρος ταττιάνης εἰς τὸ Κύριε ἐκέκραξα ἱστῶμεν στιχ. а҃. στιχηρ. τῆς ἑορτῆς г҃. ѧ҃χ. πλ҃д. Κύριε ἐι καὶ κριτηρίω.

Κύριε ἐι καὶ βαπτισθῆναι ἠνεσχου. ἐν σαρκὶ ὁ ἀναμάρτητος. τοῦ ἐλευθερῶσαι τὸν κόσμον τῆς ἁμαρτίας βουλόμενος. ἀλλ'... ἡμεῖς γινώσκοντες δοξάζομεν. βαπτισθεὶς γὰρ ἐλυτρώσω. ἐκ δουλείας τὰς ψυχὰς ἡμῶν.

ф. 1. Μὴν ιαννουάριος ἔχων ἡμέρας ѧ҃а҃. ἐκ ἀδριανοπόλεως. Ιωακείμ,

Сокращенія и слова съ титлати: καὶ πνεύματι σφραγίδι δογμάτων.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α,, ἀγάλλεται. ε., λιμένα εὐσεβείας, σ., κάλλους. σταλεῖς.

III. Уставъ

Находится въ Синодальной Библіотекѣ подъ № 380-мъ.

Длина бумаги	$5^{7}/_{8}$ в.
Ширина.	$3^{7}/_{8}$ „
Къ верху	$^{3}/_{4}$ „
Къ низу.	1 „
Къ корешку.	$^{1}/_{4}$ „
Къ правой сторонѣ	$1^{1}/_{8}$ „

Писано скорописью на 212. листахъ. Число строкъ на страницѣ 21. Заглавія и заглавныя буквы писаны киноварью.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

фул. 4. Ὁ ἱερεὺς σταφεὶς πρὸς δυσμᾶς, λέγει μεγάλοφωνως.

Δέσποτα πολυέλεε Κύριε Ἰησοῦ Χριστὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν. πρεσβείαις τῆς παναχράντου δεσποίνης ἡμῶν θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου μαρίας. δυνάμει τοῦ τιμίου καὶ ζωοποιοῦ σταυροῦ. προστασίαις τῶν τιμιῶν ἐπουρανίων δυνάμεων ἀσωμάτων. πρεσβείαις τοῦ τιμίου καὶ ἐνδόξου προφήτου προδρόμου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου. τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ πανευφήφων ἀποστόλων τῶν ἁγίων ἐνδόξων καὶ καλινίκων μαρτύρων. τῶν ὁσίων καὶ θεοφόρων πατρῶν ἡμῶν. τῶν ἁγίων καὶ δικαίων θεοπατόρων Ἰωακεὶμ καὶ ἄννης. τοῦ ἁγίου τῆς μονῆς. καὶ πάντων σου τῶν ἁγίων, εὐπροσδεκτων ποίησον τὴν δέησιν ἡμών. δάρησαι ἡμῖν τὴν ἄφεσιν τῶν παραπτωμάτων ἡμῶν. σκέπασον ἡμᾶς ἐν τῇ σκέπῃ τῶν πτερύγων σου. ἀποδίωξον ἀφ' ἡμῶν πάντα ἐχθρὸν καὶ πολέμιον. ἐιρήνευσον ἡμῶν τὴν ζωὴν Κύριε. ἐλέησον ἡμᾶς καὶ τὸν κόσμον σου. καὶ σῶσον τὰς ψυχάς ἡμῶν ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος.

Изъ устава XVI в. моего собранія л. 6.

Нерѣи обратикса къ ѯапа̃ молитса келе-гла̃но. намъ прѣклоньшїмса.

Клкѡ многомл̃тве гн̃ їи̃ хе̃ молитками преславныа. прчтыа вл̃уица бц̃а прлодыа мр̃їа. силою. чтнаго и животворащего крта ѯастоупленїе̃ чтныхъ нб̃ны̃ силъ беспо̃тны̃ чтнаго їоаннѡ прка и прчтн. и крта їѡа̃на ст̃ы̃ славныхъ и всехвалны̃ ап̃ъ ст̃ы̃ добропобедныхъ мч̃никъ. стоую праведнюю вгоѡцоу акима и анны и сто. імрк. иже есть хра̃ и всѣ̃ ст̃ы̃ твонхъ. бл̃гопрна̃нз сотвори мл̃тку нашоу. даржи на̃ оставленне согрѣшенїе̃ нашн̃. покрыи на̃ в кровѣ крылоу ткоею. ѡжени ѡ на̃ всякого врага и соупостата оумири нашоу жизнь гн̃ їи помилоуи на̃ и мнръ свои сн̃си дш̃ъ на̃ ако ѵл̃колюбецъ.

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 258. Ἐτελειώθη τὸ παρὸν τυπικὸν διὰ χειρὸς παχωμίου μοναχοῦ. ἐν ἔτει ἑπτακισχιλιαστῷ καὶ πεντηκοστᾷ. ἐν τᾷ κοινοβίῳ τῷ κοτλουμούσῃ ἐν τῷ τῆς ἁθω ἁγίω ὄρει.

ф. 3. Σῶσον ὁ θεὸς τὸν λαόν σου. καὶ εὐλόγησον τὴν κληρονομίαν σου. ἐπίσκεψαι τὸν κόσμον σου ἐν ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς. ὕψωρον κέρας χριστιανῶν. καὶ καταπεμψον ἐφ ἡμᾶς τὰ ἐλέη σου τὰ πλούσια.

Скорописная азбука.

IV. Собраніе молитвъ и пѣснопѣній Θикары монаха св. Ефрема Сирина и другихъ,

Находится въ Сѵнодальной Библіотекѣ подъ № 318-мъ.

Длина бумаги.	4 7/8	в.
Ширина.	3 5/8	в.
Къ корешку.	3/8	в.
Къ правой сторонѣ	1 1/8	в.
Къ верху	6/8	в.
Къ низу	1	в.

Писано на бумагѣ на 238. листахъ въ одинъ столбецъ: Заставки простыя изъ киновари и чернилъ; Заглавія, и заглавныя буквы киноварныя.

Въ верху 1-го листа написано: Βιβλίων τῶν ἐνδόξων ἀποστόλων πέτρου καὶ παύλου τῆς σκήτεως. На 4-й страницѣ: Λαυρας. Число строкъ на страницѣ 21. 24 и 23.

Выписки изъ подлинника.

ф. 26 об. 27. ηχ. ῆ. Ἡ ΠΑΡΘΕΝΟΣ. Στεναγμὸν μοι δώρησαι, ὡς τῷ τελώνῃ σωτήρ μου καὶ ὡς τῇ πόρνῃ δάκρυα, ἵνα σοι ταῦτα προσφέρων. κράζωσοι. ἐλέησον με πανελεῆμον. σύντριψον τῇ χάριτί σου τὴν πόρρωσιν μου. πειρασμῶν τε καὶ κινδύνων λυτρώμενος με εἰς σὲ γὰρ ἤλπισα.

Ὅταν ἔλθῃς δέσποτα ἐπὶ τῆς γῆς κρίναι πάντας. οὓς ἐκ γῆς διέπασας σου κατ' εἰκόνα οἰκτῖρμον. οἴκτειρον ф. 26. προσπίπτοντας σοι, καὶ λύτρωσαί με. Κρίσεως τῆς σῆς δικαίας. καὶ μὴ ἐκπέμψῃς. εἰς τὸ πῦρ με τὸ τῆς γεέννης, ὁ μόνος εὐσπλαγχνος.

Δόξα καὶ νῦν: Κραταιὰ βοήθεια τῶν θλιβομένων, παρθένε. καὶ θερμὴ ἀντίληψις ἁμαρτωλῶν θεοτόκε. ῥῦσαί με τῆς τῶν δαιμόνων μηχανουργίας. πρόφθασον καὶ βοηθείας ὄρεξον χεῖρα. δόλω γὰρ με κατωθοῦσιν, ἀναισθοτοῦντα πρὸς τὴν ἀπώλειαν.

Τὸ Κύριε ἐλέησον κ. μετανοίας ξ. καὶ ἡ εὐχὴ τοῦ μεγάλου βασιλείου.

Ἐυχαριστοῦμεν σοι Κύριε ὁ Θεὸς τῶν σωτηρίων ἡμῶν. ὅτι πάντα ποιεῖς εἰς εὐεργεσίαν τῆς ζωῆς ἡμῶν, ἵνα διὰ παντὸς πρὸς σὲ ἀποβλέπομεν τὸν σωτῆρα καὶ εὐεργέτην τῶν ἡμετέρων ψυχῶν. ὅτι διανέπαυσας ἡμᾶς ἐν τῷ παρελθόντι τῆς νυκτὸς μέτρῳ, καὶ ἐξήγειρας ἡμᾶς ἐκ τῶν κοιτῶν ἡμῶν. καὶ ἔστησας ἡμᾶς. εἰς προσκύνησιν τοῦ ὀνόματος σου τοῦ ἁγίου. διὸ δεόμεθα σου Κύριε, δός ἡμῖν χάριν καὶ δύναμιν, ἵνα καταξιωθῶμεν ψάλλειν σοι συνεχῶς, καὶ προσεύχεσθαι ἀδιαλήπτως, ἐν φόβῳ καὶ τρόμῳ τὴν ἑαυτῶν σωτηρίαν κατεργαζόμενοι. ἐπάκουσον δέσποτα καὶ ἐλέησον ἡμᾶς. καὶ σύντριψον ὑπὸ τοὺς πόδας ἡμῶν, τοὺς ἀοράτους ἐχθροὺς καὶ πολεμίους ἡμῶν. ὅτι σὺ εἶ μόνος βοηθὸς καὶ ὑπερασπιστὴς τῆς ζωῆς ἡμῶν. καὶ σὲ εὐλογοῦμεν εἰς τοὺς αἰῶνας, ἀμήν.

Εὐχὴ ἑτέρα. Ὁ τοῖς ἀσιγητοις ὕμνοις καὶ ἀπαύστοις δοξολογίαις ἐν τοῖς ὑψίστοις ὑπὸ τῶν ἁγίων δυνάμεων ἀνυμνούμενος, πλήρωσον τὸ στόμα ἡμῶν τῆς σῆς αἰνέσεως, τοῦ δοῦναι μεγαλωσύνην τῷ ὀνόματί σου τῷ ἁγίῳ. φαίρυνον ἡμῶν. τὸν νοῦν καὶ τὴν καρδίαν τῇ χάριτι σου. καὶ δὸς ἡμῖν ἐν ἀληθεία, φυλάσσειν τὰ δικαιώματα σου. ἵνα καταξιωθῶμεν τῆς μερίδος τοῦ κλήρου τῶν ἐκλεκτῶν σου ἐν τῇ βασιλεία σου. εὐδόκησον ἡμᾶς ἀξίους γενέσθαι τῶν σῶν δωρεῶν, ὧν τε πρὸς τὸ παρὸν πλουσίως παρέσχες ἡμῖν, καὶ ὧν πρὸς τὸ μέλλον ἑταμιευσω τοῖς ἀγαπῶσι σε. πρεσβείαις τῆς παναχράντου δεσποίνης ἡμῶν θεοτόκου καὶ πάντων τῶν ἁγίων, ὅτι εὐλογητὸς εἶ εἰς τοὺς αἰῶνας, ἀμήν.

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 238 об. Καὶ ἐις μεγάλα κομάτια. ἀλλ' ὑπόμεινον τὴν πείναν, τὴν δείψαν. τὴν γυμνίαν. καὶ η ἔρημος. καὶ ἐκείνω τὸ παρὸν σοι κελλίον τῆς ἡσυχιας, καὶ ἡ ἀκολουθία αὕτη ἣν ἔχεις λέγω καὶ τὸν ἀπερίσπαστον βίον. ἕως τῶ τέλει τῆς ζωῆς σου μεγάλως ἔχεις δοξασθῆ σοι τὸ καταξιαν. ἣν καὶ διανέμουνται αἱ σκηναὶ τῶν δικαίων. τὴν τιμὴν ἐκείνην τὴν αἰώνιον ζωὴν. καὶ τὴν ἀπέραντον. ἐις τοὺς αἰῶνας τῶν αἰῶνων ἀμήν.

ζητ. Ἴστεον ὅτι καὶ ἐις τὰ κοινόβια ὁ βουλόμενος, καὶ ἔχει φοβον θεοῦ. καὶ ἀγαπὰ τὴν ψυχὴν τοῦ σῶσαι. ψαλλέτω καὶ αὐτὸς καταμόνας τοὺς ὕμνους ἐις τὸ κέλιον αὐτοῦ.

Τέλος τῆς διηγήσεως του θεοδούλου περὶ τῶν θείων ὑμνων. καὶ ἑτέρων πατρῶν ἀποδείξεις ὑπὲρ τῶν ὕμνων. δόξα σοι ὁ θεὸς ἡμῶν. δόξα σοι. ἕνεκα πάντων. ἀμήν ἀμὴν ἀμήν.

ф. 201. Δόξα σοι ὁ θεὸς ἡμῶν. ἕνεκα πάντων .:.

Θεοῦ δῶρον, καὶ Σωφρονίου πόνος ἐν ἔτει ,ζ҃ид. (1546 г.)

Скорописная азбука.

V. Псалтирь

Находится въ собраніи Г. Севастьянова подъ № 25-мъ.

Длина бумаги	$3^7/_8$ в.
Ширина	$2^5/_8$ в.
Къ корешку	$^3/_8$ в.
Къ правой сторонѣ	$^3/_4$ в.
Къ верху	$^1/_2$ в.
Къ низу	1 в.

Бумажный знакъ въ кругу якорь. Съ 27. листа по 35. листы очень повреждены.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 272-хъ листахъ. Заставка въ началѣ Псалтири черная съ киноварью. Начальныя буквы и заглавія писаны киноварью. Колеръ чернилъ черный. Число строкъ на страницѣ 16. и 17. Помѣта тетрадей внизу по срединѣ съ обоихъ сторонъ.

Начала рукописи недостаетъ, продолженіе ея изъ канона Сладчайшему Іисусу. Псалтирь начинается съ 9-го листа и оканчивается 248. Послѣ каждой каѳисмы тропари съ молитвою. Послѣ Псалтири 9-ть извѣстныхъ пѣсней есть и пѣснь пророка Захаріи: Ἐυλογητὸς κ҃ς ὁ θ҃ς τ҃ϖ Ἰ҃ηλ...

Съ 268. листа до конца книги Канонъ утѣшительный Богородицѣ: *Многими содержимъ напастьми*, не доконченный.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Послѣ 2-й Каѳизмы. л. 41. об. Τὰ τροπάρια.

Ημαρτον ἐις σὲ σῆρ, ὡς ἄσωτος ὑιὸς. δέξαι με πᾶρ, μετανοοῦντα καὶ ἐλέησον με ὁ θ҃ς.

Κράζω σοι χ҃ε σῆρ τοῦ τελώνου τὴν φωνήν. ἱλάσθητί μοι ὥσπερ ἐκεῖνω. καὶ ἐλέησον με ὁ θ҃ς.

Τὴν πᾶσαν ἐλπίδα μου, ἐις σὲ ἀνατίθημι. μᾶρ τοῦ θ҃υ. φύλαξον με ὑπὸ τὴν σκέπην σου.

Κ҃ε ἐλέησον λ҃. μετανοίας ι҃ε. τοῦ ἁγίου Νίκωνος.

Изъ псалт, XVI. в. моего собранія л. 235. 236.

л. 42. Ὁ θ҃ς ὁ δίκαιος, καὶ αἰνετός. ὁ θ҃ς ὁ μέγας. καὶ ἰσχυρός. ὁ θ҃ς ὁ προαιώνιος, ἐισάκουσον ἁμαρτωλοῦ ἀνδρος τῆ ὥρα ταύτη. ἐπακουσόν μου ἐν ἰσχύι. μὴ μνημονέυων ἐν ταύτη μου τῆ προσευχῆ, τῶν ἀεὶ καὶ ἐις ἀεὶ πα-

Бѣ҃е вседержителю праведныи, и прехвалныи. бѣ҃е велнкїи, и крѣпкїи. бѣ҃е превѣчныи оуслыши мл грѣшнаго раба своего к тебѣ сїи. оуслыши мл бѣ҃е. и всегда послѣшан моего оуннунженїа. оуслыши мл гдн

ρακουᾶν τῆς ἐμῆς ἐξουδενώσεως. ἐπάκουσον μου κε̄, ἐν πυρὶ προσευχῆς, ὡς ποτέ τοῦ σοῦ προφήτου ἡλιοῦ. καὶ διὰ τῶν αὐτοῦ πρεσβειῶν, κατάφλεξον μου τὰς ἀνομίας. καὶ τὰς ἁμαρτίας, καθάρισον. ναὶ ὁ τῶν ἀσωμάτων ποιητής. ναί ὁ εἰπών. ᾰἰτεῖται (— ε) καὶ λήψεσθε, μὴ βδελήξημε. τὸν ἀκάθαρτα χείλη κεκτημένον. ἐπακουσόν μου л. 42 об. ὁ ἐπαγγειλάμενος ὑπακούειν τῶν ἐν ἀληθεία ἐπικαλουμένων σε. κατεύθυνον τὰ διαβήματα μ҃в. καὶ τοὺς πόδας μου εἰς ὁδὸν εἰρήνης. συμπάθησον μοι, πῶν πλημμέλημα, ἑκούσιον. τε καὶ ἀκούσιον. ὁ εἰπών, γίνεσθε φρόνιμοι ὡς οἱ ὄφεις. καὶ ἀκέραιοι ὡς αἱ περιστεραί. ἐκέκραξα ἐν ὅλη καρδία μου, ἐπάκουσον μου κε̄. ἡ ἐλπὶς πάντων τῶν περάτων τῆς γῆς. καὶ τῶν ἐν θαλάσσῃ μακράν. ἐπιτίμησον πᾶσι τοῖς ἀκαθάρτοις. πνεύμασιν, ἀπὸ προσώπου τῆς ἀσθενείας μου. ἐπίλαβοῦ ὅπλου καὶ θυρεοῦ καὶ ἀνάστηθι εἰς τὴν βοήθειαν μου. ἔκχεον ρομφαίαν. л. 43. καὶ σύγκλεισον ἐξεναντίας, τῶν καταδιωκόντων με. εἶπον, ὦ κε̄ κε̄. τῇ ψυχῇ μου, σῤ̀ία σου ἐιμὶ ἐγὼ. ὑπαναχωρησάτω ἀπὸ τῆς ἐμῆς διανοίας, πνεῦμα μίσους καὶ μνησικακίας, καὶ φθόνου. ὑπερηφανίας. κατασβεσθήτω πᾶσα πύρωσις. καὶ κίνησις, ἐκ διαβολικῆς ἐνεργείας. συνισταμένη μοι. φωτισθήτω μου ἡ ψυχὴ. καὶ τὸ σῶμα, καὶ τὸ πν̄α. τῷ φωτὶ τῆς γνώσεως σου. ἵνα τῷ πλήθει τῶν οἰκτιρμῶν σου καταντήσας εἰς τὴν ἑνότητα τῆς πίστεως. καὶ τῆς ἐπιγνώσεως τῆς ἁγίας τριάδος, εἰς ρέτρον ἡλικίας, δοξάσω εἰς αἰῶνα αἰῶνος, л. 43 об. σὺν ἀγγέλοις. καὶ πᾶσι τοῖς ἁγίοις τοῖς ἀπ᾽ αἰῶνος σοι εὐαμεστήσασι σὲ τὸν θν̄. τὸ πάντιμον. καὶ φυλακτήριον. καὶ σῤ̀ιον. καὶ πολυπόθητον ὄνομα. τοῦ πρ̄ς καὶ τοῦ υἱοῦ. καὶ τοῦ ἁγίου πν̄ς.

моліщагося тебѣ. ꙗко же иногда оуслышѧ̀ єси твоєго прр҃ока нлью. и молитвами того помилуй моя безаконіѧ и грѣхи моя ѡцысти. б҃же сты̀ снъ безплотныѧ творѧ, спсе рекїи просите и приимѣте. не гнѣвайся мене грѣхи ѡдержимаго, и оустнама нечистыма мл҃твѣ твораща оуслышати ма. єи гд҃и ѡвѣщавыися оуслышати истинно призывающи҃м тѧ. направи же стопы моя на пѫть мирен҃ь, и ѡстави ми вса прегрѣшенїа волнаѧ и неволнаѧ, рекїи бѫдите цѣли ꙗко голѫбїе. возвахъ всѣ̀ ср҃цемъ моимъ оуслыши ма гд҃и, оупованїе всѣмъ концѣ̀мъ земли, и сщнмъ в морѣ далечє. запрети нечисты̀ дховомъ ѿ лица немощи моеѧ. возми ѡрѫжїе и щитъ и стани в помощь мнѣ, изсвии орѫжїе и завори сопротивъ гонѧщи҃м ма. рцы дш҃и моей спсенїе твоє єсмь азъ. да ѿступитъ ѿ моеѧ немощи, дх҃ гордыни, и ненависти, и зависти, дхъ страха и ѿчаянїа, бѣсти, и всякон злобы. да оугаснетъ во мнѣ всако разженїе и подвижанїе, ѿ діаволъскыхъ дѣланїи востающее. да просвѣтится дш҃а моя и тѣло дх҃омъ в радѣмъ, свѣтомъ твои҃м и множествомъ щедро҃т твонхъ. да ѡбитаетъ на мнѣ мл҃ть твоа. молитвами пречстыа вл҃ца нашеѧ кн҃ы, и всѣхъ сты̀хъ твонхъ. да славлю нма твоє прест҃оє ѿц҃а ї сн҃а и ст҃аго дх҃а, нн҃ѣ и пр҃но и во вѣки вѣкомъ, амн҃.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Κύριε ἐλέησον ᾱ. μετανοίας ιѣ̄. ἡ εὐχὴ.

Δόξα σοι ὁ ἀνεχόμενος. δοξα σοι μακρόθυμε. δόξα σοι ἀνεξίκακε. δόξα σοι φιλάνθρωπε ἀγαθὲ. καὶ μόνε σοφὲ. δόξα σοι εὐεργέτα τῶν ψυχῶν καὶ τῶν σωμάτων ἡμῶν.

Επροσιλώθη τὸ παρὸν ψαλτύριον εἰς τὴν χονὴν τοῦ μεγάλου Νικολάου εἰς τοῦ πλάκαρι. καὶ εἴτης τὸ ἀπὸ ξενώσι. να ἔχι τὰς ἄρας τῶν тїѳ. θεοφόρων πατρῶν. τῶν νικέα. ετελειώθη κατὰ τῶ ѧ҃ѕ҃ѳ҃ (1547) ἰνδικτιώνος ᾱ.

Нѣсколько заглавныхъ буквъ, скорописная азбука.

Сокращенія и слова съ титлами: καὶ καθίσμα ιѣ̄. Κύριε.

Слова съ знаками препинанія: ἡμᾶς: σταυρὸν, ἀληθείας; πόρνην.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἄξιοι. ε., ἔχομεν. ἀγαπᾶ. περὶ δεδοξασμένα. ν., δικαιοσύνην. σ., οἰκτιρμούς σου. τ., συμπτώματος.

Цыфры ᾱ. означающая помѣту тетрадей.

VI. Псалтирь

Находится въ Софійской Новгородской Библіотекѣ подъ № 78-мъ.

Длина бумаги	$4\frac{3}{8}$ в.
Ширина.	$3\frac{1}{4}$ в.
Къ корешку	$\frac{1}{2}$ в.
Къ правой сторонѣ	$\frac{7}{8}$ в.
Къ верху	$\frac{1}{2}$ в.
Къ низу.	1 в.

Бумажный знакъ рука съ четвероконечнымъ по срединѣ крестикомъ. съ овальными оконечностями.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 174-хъ листахъ. На 10-мъ листѣ заставка и заглавная буква раскрашены зеленою, черною и красною красками. Заглавіе писано уста-

вомъ киноварью, и нѣкоторыя буквы вязью.—Прочія заглавія скорописныя и заглавныя буквы, уставныя и не уставныя писаны киноварью. Въ концѣ каждаго стиха точка киноварная.

На 1-й страницѣ, какъ замѣтилъ мнѣ Академикъ И. И. Срезневскій, подписано: Кіевскимъ Митрополитомъ Евгеніемъ слѣдующее: „Псалтирь Давидова на Греческомъ языкѣ". Псалтирь сія драгоцѣнна потому, что она писана собственною рукою славнаго въ нашей Церковной исторіи Грека Максима, во время заточенія его въ Твери, какъ значится въ подписи на концѣ Псалтири. Въ концѣ сей Псалтири написанъ обыкновенный Акаѳистъ Богородицѣ на Греческомъ же языкѣ, рукою Максима же Грека.

На оборотѣ 1-го листа и на 2-мъ разныя грамматическія Греческія замѣтки.

На л. 3. Выписка краткая изъ слова на крещеніе Господне не руки Максима Грека. На оборотѣ 3-го листа тою рукою писана Краткая лѣтопись Россійскихъ князей, на 4, 5, и 6-мъ толкованіе нѣкоторыхъ стиховъ изъ Псалтири.

На 7-мъ листѣ киноварью писаны по Славянски же Максимомъ Грекомъ надписанія нѣкоторыхъ Псалмовъ.

На 8-мъ листѣ почеркомъ, какимъ писаны листы 3. 4. и 5-й написано въ кратцѣ свѣденіе о св. Діонисіи Ареопагитѣ, а на оборотѣ 8-го листа и на 9-мъ продолженіе объясненія нѣкоторыхъ стиховъ изъ Псалмовъ.

Съ 10-го по 158-й листъ написана по Гречески собственною рукою Максима-Псалтырь Давыдова со множествомъ объясненіемъ по Славянски на поляхъ словъ, казавшихся ему темными, или не ясно въ нашей Славянской Псалтири переведенными.

Таковы слова нѣкоторыя слѣдующія:

Во 2-мъ псалмѣ: Ἐφρύαξαν **неистовишася** вм. **шаташася**. — τῆς γῆς **земли**, вм. **земстіи**.

Въ 7-мъ псалмѣ: Καὶ νεφροὺς **и почки** вм. **и утробы**.

Въ 9. — ст. 14. Ὑψῶν με **възвышали ма**, вм. **возносан ма**. — ст. 21. νομοθέτην. **законоположника**, вм. **законоположителя**. — ст. 22. ἀφέστηκας ὦστοπιν, вм. ὦстоя. — ст. 36. τοῦ ἁμαρτολοῦ καὶ πονηροῦ **грѣшника и лѣкаваго** вм. **грѣшнома лѣкавома**.

Въ 11. — ст. 6. Τῆς ταλαιπωρίας **озлобленїа** вм. **страсти**. ст. 7. δοκίμιον **искушенїе** вм. **искушено**.

Въ 13-мъ псалмѣ: ст. 4. Ἐν βρώσει **къ снѣди** вм. **къ снѣдь**.

Въ 15. — ст. 3. Ἐθαυμάστωσεν, **дивна показа**, вм. **оудиви**.

Въ 16. — ст. 13. Ἀπὸ ἀσεβοῦς ρομφαία σε. **ѡ нечестнаго оружїе̑ твоѝ**. вм. . . . . **оружїе твое**. — ст. 9. Ταλαιπωρησάντων **озлобившихъ** вм. **острастишихъ**.

Въ 17. псалмѣ: ст. 6. Προσεφθασαν, **предпостигоша** вм. **предварища**. — ст. 25. Ἐνώπιον τῶν θλιβόντων με. **прє̑ стужающими мнѣ**. вм. **предъ очима его**.

Въ 19. — ст. 4. πιανάτω **да вземлѝ**. вм. **твуно бѣди**.

Въ 20. пс. ст. 13. σου, **твоє**, вм. **ихъ**.

Въ 21. пс. ст. 32. Τῶ τεχθησομένω, **бѣдущи** вм. **рождшымся**.

Въ 31. пс. ст. 9. μὴ γιγνεσθε, **не бываите** вм. **не бѣдите**.

Въ 38. пс. ст. 3. εκωφώθην, **оглохнѣхъ** вм. **ѡнѣмѣхъ**. ст. 14. ἀνανύψω, **ѡдохну** вм. **поуїю**.

Въ 43. — — 6. Ἐξουδενωσομεν, **нзбїемъ** вм. **нзходемъ**.

Въ 47. пс. — 2. Ἐυρίζω, **доброшумны̑** вм. **благокоренным**. — ст. 4. ἐν ταῖς βάρεσιν αὐτῆς **въ стольпѣхъ его** вм. **въ тажестѣхъ его**.

Въ 61-мъ пс. ст. 5. τιμήν, **уесть** вм. **цѣну**.

Въ 64.— ст. 5. Κε̄, **гн̑** по Слав. нѣтъ: **гн̑**.

Въ 67. пс. — 15. διαστέλλειν, **раздѣлше** вм. **разистекть**. ст. 18. ἐν σινᾶ ἦν **къ синан бѣ** вм. **къ сінан**.

Въ 68. — — 30. ἀντιλαβοιτομου **да застпи̑** ма вм. **да пріимет ма**.

— 72. — — 6. Ἐκράτησεν αὐτῶν, **преодолѣла имъ** вм. **оудержа я**.

Въ 76-мъ пс. ст. 7. ἠδολέσχουν **смышлѧ̑**. вм. **глаголахся**. ст. 15. μόνος, **единъ**. въ Слав. нѣтъ.

Въ 77. пс. ст. 9. βάλλοντες, **мѣчающе** вм. **стрѣлающе**. ст. 21. ἀνεβάλλετο, **ѡблагаше** вм. **презрѣ**. ст. 24. ἔδωκεν, **даде** вм. **ѡдожди**.

Въ 79-мъ псалмѣ: ст. 14. Ἐλυμήνατο αὐτὴν ὗς ἐκ δρυμοῦ. καὶ μονος ἄγριος κατενεμήσατο αὐτήν· **озоба и скнїа изъ дѣбравы. и вепрь днѣïн помалъ и есть.** вм. **озоба и вепрь ѿ дѣбравы и ѹеднѣенныи днѣïи поядѐ м.**

Въ 108 псалмѣ: ст. 3. Ἐπολέμησαν με, **ратовашѧ мене.** вм. **брашася со мною.** ст. 14. μὴ ἐξαλειφθειη. **да неизгладїтъ.** вм. **да не ѡчистятся.**

Въ 109. пс. 2. κατακυρίευε, **одолѣи** вм. **гдⷭтвꙋи.**

Въ 118. пс. — 15. ἀδολεσχήσω, **позꙋюся** вм. **поглꙋмлюся.**

Въ 145-мъ псалмѣ: ст. 4. τὸ πνεῦμα αὐτῶν, **дхъ и҃.** вм. **дꙋхъ его.** ст. 9. ἀναλήψεται, **ꙗстꙋпи҃** вм. **пріиметъ.**

Въ 1-й пѣсни: ὡσεὶ μόλυβδος, **акы свинецъ** вм. **ꙗко олово,**

Во 2-й пѣсни: **и да не налагѣ҃ на мѧ сълостатн,** [1]) по Славянски вверху Максимъ Грекъ написалъ, а по Гречески сего нѣтъ у него.

Въ 7-й пѣсни: οἱ ἐμβαλόντες αὐτοὺς **къкъргше и҃.** вм. **влагающїи мѧ.**

На листѣ 158. въ концѣ пѣсней Максимъ грекъ подписалъ:

Τῶ συντελεστῆ τῶν καλῶν θῶ χάρις: а на оборотѣ сего запись: Ἐγράφη τὸ παρὸν ψαλτήριον. ἐν πόλει τφέρῃ χειρὶ καὶ πόνω μοναχοῦ τινὸς ἁγιορείτου βατοπεδηνοῦ μαξίμου τοὔνομα κατὰ τὸ μη҃-ον ἔτους ὀγδοής χιλιοστύος. ἀναλώμασι βενιαμὶν τοῦ εὐλαβεστάτου ἱεροδιακόνου καὶ ἱεροφυλακος τοῦ θεοφιλεστάτου ἐπισκόπου τφέρης κυριου ἀκακίου. οἱ ἀναγιγνώσκοντες μὴ καταγιγνάσκετε τοῦ γράψαντος εἴπου τι τῆς ὑγιοῦς γραφῆς ἥμαρται αὐτῶ.ανῖνον γὰρ τὸ ἁμαρτάνειν καὶ κοινὸν ἀτύχημα ἐρρωσθε ἐν κῶ εὔχεσθε. ὑπὲρ ἐμοῦ τοῦ αμαρτωλοῦ.

Внизу сей надписи переводъ 1665. года Архимандрита Ѳеофана; но онъ мѣстами невѣренъ. пóчю надо перевести трудомъ а неболѣзнію, годъ 48-й осмой тысячи не разобралъ и перевелъ произвольно: **во врема оубо оно тєкшїи лѣтъ седмон тисящи на вершаемѣн.** Вмѣсто: **нждивенїемъ** перевелъ: **ѹмоленїемъ.** Греческая запись Максима Грека напечатана въ Словарѣ Митрополита Кіевскаго Евгенія о духовныхъ писателяхъ подъ именемъ Максима Грека. Тамъ приложенъ вѣрный переводъ Митрополита Евгенія записи Максима Грека.

На 159-мъ листѣ написаны синонимическія имена: Молитва и мечь по Гречески. другою рукою.

На оборотѣ 160. листа написаны Максимомъ два кондака Благовѣщенію имъ сочиненные и по Гречески съ Славянскимъ переводомъ.

Съ 161. по 173. об. написано имъ послѣдованіе Акаѳиста. Это послѣдованіе онъ такъ озаглавилъ: Ὕμνος εὐχαριστήριος ὁ λεγόμενος ἀκάθιστος ἀδόμενος εἰς δόξαν τῆς παναχράντου θεομήτορος κατὰ το πεμπτον σάββατον τῆς ἁγίας τεσσαρακοστης:·

По полямъ и здѣсь нѣкоторыя слова переводилъ по Славянски. Изъ всѣхъ словъ Славянскихъ помѣщенныхъ на поляхъ видно, что Максимъ Грекъ очень хорошо зналъ Славянскій языкъ.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Ἐις τὸ τέλος ψαλμὸς τῶ δα҃δ.

Γ. л. 17. Ἐπὶ τῶ κ҃ῳ πέποιθα. πῶς ἐρεῖτε τῇ ψυχῇ μου. μεταναστέυου ἐπὶ τὰ ὄρη ὡς στρούθίον. ὅτι ἰδοὺ οἱ ἁμαρτωλοὶ ἐνέτειναν τόξον. ἡτοίμασαν βέλη εἰς φαρέτραν. τοῦ κρτατοξεῦσαι л. 17 об. ἐν σκοτομήνῃ τοὺς εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ. ὅτι ἃ κατηρτίσω αὐτοῖ καθεῖλον. ὁ δὲ δίκαιος τί ἐποίησεν. κ҃ῳ ἐν ναῶ ἁγίω αὐτοῦ. κ҃ῳ ἐν οὐνῶ ὁ θρόνος αὐτοῦ. ἐξετάζει τοὺς ὑιοὺς τῶν ἀν҃ών. κ҃ῳ ἐξετάζει τὸν δίκαιον καὶ τὸν ἀσεβῆ. ὁ δὲ ἀγαπῶν τὴν ἀδικίαν, μῖσεῖ τὴν ἑαυτοῦ ψυχήν. ἐπιβρέξει ἐπὶ ἁμαρτωλοὺς

Изъ толк. Псалтири Максима Грека XVI в. № 156. Synod. Библ. л. 101 — 107 об.

К конѣ҃ ѱаломъ дв҃дѵ.

Г. На гдⷭа оупова҃ како реѹете дш҃ѣ моеи, прѣвитан на гора҃ ꙗко же врабеи. ꙗко се грѣшнїи напакоша лꙋкъ оуготоваша стрѣлы к тꙋлъ. ꙗко настрѣлати во мрацѣ правы҃ срⷣцемъ. ѯане ѩже ты совершилъ еси они разорншла. правєдныи же что сотворн҃ гдⷭь во храмѣ стѣмъ его, гдⷭь на нб҃сѣ прⷮолъ его. оуи его на нищаго призирают҃ъ. вѣжди его испытают҃ъ сыны члⷷескиа. гдⷭь испытаетъ праведнаго, и неѹестиваго.

[1]) Въ той же 2-й пѣсни въ Греческой Псалтири Софійской Библіотекѣ на л. 76. эти слова по Гречески есть: καὶ ἵνα μὴ συνεπειθωνται οἱ ὑπεναντίοι.

παγίδας. πῦρ καὶ θεῖον καὶ πνα καταγίδος ἡ μερὶς τοῦ ποτηρίου αὐτῶν. ὅτι δικαιος κς̄ καὶ δικαιοσύνας ἠγάπησεν. εὐθήτητας οἶδε τὸ πρόσωπον αὐτοῦ.

Εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῆς ὀγδόης. ψαλμὸς τῷ δ̄ᾱδ̄.

ιᾱ. Σῶσον με ὁ θ̄ς̄ ὅτι ἐκλέλοιπεν ὅσιος. ὅτι ὠλιγοθ̄ησαν αἱ ἀληθειαι ἀπὸ τῶν υἱῶν τῶν ἀν̄ων. ματαια ἐλάλησεν ἕκαστος πρὸς τὸν πλήσιον αὐτοῦ. λ. 18. χείλη δόλια ἐν καρδία. καὶ ἐν καρδία ἐλάλησε κακά. ἐξολοθρευσαι κς̄ πάντα τὰ χείλη τὰ δόλια. γλῶσσαν με γαλορρήμονα. τοὺς εἰπόντας. τὴν γλῶσσαν ἡμῶν μεγαλῦνοῦμεν. τὰ χείλη ἡμᾶν παῤ ἡμῖν ἐστὶ. τίς ἡμῶν κς̄ ἐστιν. ἕνεκεν τῆς ταλαιπωρίας τῶν πτωχῶν καὶ τοῦ στεναγμοῦ τῶν περήτων. νῦν ἀναστήσομαι λέγει κς̄. θ̄ήσομαι ἐν σῳ̄ῖω. παρρησιάσομαι ἐν αὐτῷ. τὰ λόγια κῦ λόγια ἁγνὰ. ἀργύριον πεπῦρωμενον. δοκίμιον τῇ γῇ. κεκαθαρισμένον ἑπταπλασίως. σὺ κε̄ φυλάξαις ἡμᾶς καὶ διατηρήσαις ἡμᾶς ἀπὸ γ̄ῆς γενεᾶς ταύτης καὶ εἰς τὸν αἰῶνα. κύκλω οἱ ἀσεβεῖς περιπατοῦσι. κατὰ τὸ ὕψος σου ἐπολῦώρησας τους υἱοὺς τῶν ἀν̄άν.

любанже непрадꙋ ненавидитъ свою дш̄ꙋ. одождитъ на грѣшники сѣти ѡгнь и сѣра и дх̄ вренъ участь чашн ѧ̄ ꙗко праведенъ гдь̄ и правды возлюбилъ правоты видѣ лице егѡ.

К конецъ ѡ осмомъ ѱалмъ дв̄дꙋ.

аг̄. Спсн мя гдн̄ ꙗко ѡскꙋдѣ прп̄бнъ. ꙗко оумалишася истины ѿ сынокъ чл̄ческыхъ. свѣтлꙗ гл̄а кождо искренномꙋ своемꙋ истны истнꙑя к срц̄ы и к срц̄ы гл̄алъ злаꙗ. да нотребитъ гдь̄ вса оустны истнꙑя ꙗзꙑкъ велерѣчивꙋ рекшн̄ ꙗзꙑкъ нашъ козвеличилъ оустны наша оу насъ сѣть. кто намъ гдь̄ есть. ѡзлобленїꙗ ради оубѡгихъ, и воздыханїꙗ нищ̄ь, нн̄ѣ востанꙋ гл̄етъ гдь̄. положꙋся во спсенїе не ѡбинꙋюся к немꙋ. словеса гдн̄а словеса чиста, сребрѡ разжено искꙋшенне (sic) земли исчищено седморицею. ты гдн̄ сохранши ны, и да соблюдеши насъ ѿ рода сего и во вѣки. ѡкрт̄ъ нечестивїи ѡбходатъ, по высотѣ твоен оумножилъ еси сыны чл̄ческиꙗ.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Нѣсколько заглавныхъ буквъ, скорописная азбука.

Сокращенія и слова съ титлами: καὶ τὸν θεὸν. ἔσωσεν. γραφήτωσαν. εὐδοκίας. ὁ θεὸς.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἅπαξ. ε., ἐμοῦ ἐξ. ν., ἐπουρἀνιον. σ., γλώσσαι. τ., μετὰ σταχὺν.

VII. Іоанна Ксифилина Бесѣды на Воскресные дни

Находятся въ Сунодальной Библіотекѣ подъ № 45-мъ.

Длина бумаги	$7^2/_8$ в.
Ширина	5 в.
Къ верху	1 в.
Къ низу	$1^1/_8$ в.
Къ корешку	$^1/_2$ в.
Къ правой сторонѣ	$1^1/_8$ в.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ на 408. листахъ. Заглавія и заглавныя буквы писаны киноварью. Число строкъ на страницѣ 29.

Послѣднее 38. свово въ недѣлю Ваій, а первое слово въ недѣлю предъ Рождествомъ Христовымъ. Внизу 4-го листа подписано: τῶν Ἰβηρῶν.

Бумажный знакъ похожъ на подсвѣчникъ съ свѣщею, или елейною лампадою.

Чтеніе и объясненіе снимка.

φ. 400. Ἐτελειώθη. τὸ παρὸν βιβλίων ὑπὸ χειρὸς ἐμοῦ βενεδίκτου νοταρ. ἀ φ ῑ̄ γ. μηνὶ ὀκτωβρίῳ εἰς τ. ζ̄. ἡμέρα τετραδὴ φθ̄. τῇ ζ̄. ἡμέρας εἰς ναὸν τῆς ὑπεράγνου θεοτόκου. τῆς ὀνομαζομένης. χρυσος πιλητρησας. ἐυχεσθε καὶ μὴν κατάραστε διὰ τῶν πυλῶν μου σφαλμάτων. ὅτι ἁμαθὺς ὑπἀρχον θεοῦ τὸ δῶρος καὶ βενεδίκτου πόνος.

Καμοῦ χριστὲ παρέχων λύσας ἁμαρτημάτων, παρ εμοῦ τὸ βίβλίων γραφοντος.

φ. 236 об. Κυριακῇ μετὰ τὴν ἑορτὴν τῶν ἁγίων πάντων. φέρε δὴ τὸ τῆς διδασκαλίας τοῦ τε διακόνημ. καὶ αὐθὶς ἀφοισιάσομαι καὶ τὴν συνήθη παραθήσομαι τράπεζαν. καὶ τοὺς συνελκυθότας ὡς οἷον τε δεξιώσομαι. προκείσ-

θωτοι γὰρ οὖν τὰ τῆς εὐαγγελικῆς ὑποθέσεως καὶ τὰ κατὰ τὴν ἐκλογὴν τῶν τοῦ Κυρίου μαθητῶν ἐξετάσωμεν. ἐμμελεστερον. καὶ ἴδωμεν ὅπως καὶ διὰ ἄλλων μὲν πολλῶν διδάσκων ὁ Κύριος. μηδὲ τῆς ἀγάπης προυργίαις τίθεσθαι.

αφῑϐ. Σεπτεευρίω εἰς τὰς Κύριε ἐκ πόλεων χανίων κράτης.

Скарописная азбука.

XIII. Іоанна Контакузина противъ Магомета четыре книги

Находятся въ Моск. Сунодальной Библіотекѣ подъ № 459-й.

Длина бумаги	4½ в.
Ширина	3 в.
Къ верху	⅜ в.
Къ низу	1 в.
Къ корешку	⅜ в.
Къ правой сторонѣ	⅞ в.

Писано мѣлкою скорописью въ одинъ столбецъ на 61-мъ листѣ. На страницѣ 25. строкъ. Заглавія и заглавныя буквы писаны коричневою краскою. Бумажный знакъ воловья голова съ четвероконечнымъ крестомъ на лбу.

Чтеніе и объясненіе снимка.

φ. 48. Τέλος καὶ τοῦ θεοῦ δόξα καὶ αἶνος.

Τῶν τοῦ βασιλέως Ἰωάννου τοῦ κονταχουζηνοῦ κατὰ τοῦ μωαμὲθ ἀπολογιῶν τε καὶ λόγων. τέλος.

Ἐγράφη διὰ χειρὸς καμοῦ τοῦ ἐυτελοῦς Ἰωάννου. ἔσω ἐν τῇ μεγάλῃ ἐκκλησία. ἐν ἔτει ϛζοϡ. ἰνδικτιώνος ιϐ. μηνὶ ὀκτοβρίω ᾱ. ἡμέρα παρασκευῇ.

Ἐν τῶ πατριαρχίω τῆς Κωνσταντίνου πόλεως.

Ἐτι φησὶν ὁμοῦ ὁ μωαμὲθ μὴ ὑπὸ τῶν ἰουδαίων τὸν χριστὲν ἀναιρεθήναι. μήτε σταυρωθῆναι ἀλλὰ τινα ἕτερον ἐκείνω ὅμοιον κατὰ φαντασίαν ἐδόκει τὸν χριστὸν ἐσταυρῶσθαι, μανιχαίοις ἀκολουθῶν. ὥσπερ γὰρ σπουδάζων εὑρίσκεται πεῖσας πάντα ἄνθρωπον οὔτε θεὸν οὔτε υἱὸν θεοῦ καὶ δέξασθαι τὸν χριστὸν. οὕτω καὶ πάση δυνάμει σπουδάζει ἵνα καὶ τὴν ἔνσαρκον τουτου οἰκονομίαν ἀνατρέψῃ. ἀλλὰ καὶ τὸν ἐκείνου θάνατον.

Скорописная азбука.

XVII-й ВѢКЪ.

I. Писма Глики

Находятся въ Сунод. Библіотекѣ подъ № 219-мъ.

Писаны скорописью въ листъ на 336. листахъ. Всѣхъ писемъ 90. Число строкъ на страницѣ 28. Заглавія и заставка, и заглавныя буквы писаны киноварью.

Чтеніе снимка.

φ. 336. Δόξα σοι ὁ θεὸς ἡμῶν ἁγια τριὰς δόξα σοι.

Ἱερεμίας. ἐν ἔτει ϛχϡϛ. (1603 г.)

Τῶ μεγαλοδοξοτάτω μεγάλω ἑταιρειάρχω καὶ σῶ Κυρῶ Ἰωάννῃ τῶ δούκα. ἐι χρὴ ποσέχειν τοῖς λέγουσιν. ὅτι καὶ ἡ τοῦ Κυρίου μήτηρ ἐγκυμονοῦσα τὸ τοῦ ἐλεγμοῦ ὕδωρ ἔπιεν.

Ὅτι μὲν οὖν ὡ θεία καὶ ἱερὰ κεφαλὴ. καὶ περὶ τοῦ ὕδατος τοῦ ἐλεγμοῦ πολλοὶ πολλὰ δογματίζουσι. ποτὲ μὲν παρὰ τοῦ Ἰωσὴφ ἐπενεχθῆναι τὸ τοιοῦτον ὕδωρ ἐγκυμονούσῃ τῇ πανάγνω διατεινόμενοι. ποτὲ δὲ παρὰ τῶν ἀρχιερέων ἐπὶ τὴν τοιαύτην ἐλκυσθῆναι πόσιν.

Скорописная азбука.

II. Сборникъ статей разнаго содержанія

Находится въ Синод. Библіотекѣ подъ № 260-мъ.

Писанъ на бумагѣ скорописью на 145. листахъ. Число строкъ на страницѣ не опредѣленно 21. 20. Заставки и заглавныя буквы.

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 7. Καίσαρος ρωμαίου γνώμαι παραινετικαὶ διστιχοι. ἃς μετένεγκεν ἐκ τῆς λατίνων φωνῆς εἰς τὴν ἑλλάδα διάλεκτον μάξιμος μοναχὸς ὁ πλανούδης. προοιμιον.

Ἀναπολησας ἐγω κατὰ νοῦν ὡς πλειστοι δὴ τῶν ἀνθρώπων. τῆς τῶν ἠθῶν ὁδοῦ παρατρέπονται. συλληπτέον τε εἶναι καὶ γνώμην συνεισακτέον. ὡήθην δεῖν ταῖς σφῶν ὑπολήψεσιν. ἵν ὅτι μάλιστα συνευδοξία τε βιώσαιεν, καὶ τιμῆς ἐπιτύχοιεν. δεῦρο τοίνυν σε φίλτατε υἱὲ διδάξω τρόπον τινα τὰ τοῦ σου νοὸς ἠθικος μήσεις. οὕτω δ οὖν, ἀναλέγου τὰς δὲ τὰς ἐμὰς ἐντολὰς. ὥστε δὴ καὶ συνιέναι αὐτῶν; τὸ γὰρ τοι ἀναγινώσκειν καὶ μὴ γιγνώσκειν καταγινάσκειν ἐστί.

≠зрiи, маїѡ вi. Скорописная азбука.

III. Архіерейскій служебникъ

Находится въ Библіотекѣ Г. Филимонова.

Длина бумаги	$6^2/_8$ в.
Ширина	$4^1/_2$ „
Къ верху	$1^1/_8$ „
Къ низу	2 „
Къ корешку	$^7/_8$ „
Къ правой сторонѣ	$1^1/_2$ „

Писанъ довольно крупною скорописью на лощеной бумагѣ на 87. листахъ. Сначала съ 1-й стр. оборота написано: Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία ἀναγνώστου καὶ ψαλτου.

Заставки ὑποδιακονου и заглавныя буквы фигурны, расписаны красками и золотомъ. Число строкъ на страницѣ 17.

Заглавія, писаны золотомъ, а другія киноварью.

Съ 6—52, Начинается: Ἡ θεία λειτουργία.., ἰωάννου τοῦ χρυσοστομου.

Съ 54—87. об. Ἡ θεία λείτουργία τοῦ ἐν ἁγίους πατρὸς ἡμῶν βασιλείου τοῦ μεγάλου.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

ф. 1. об, Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία ἀναγνώσου καὶ ψάλτου...

Προσαγόμενος τῶ ἀρχιερεῖ ὁ τοιοῦτος σφραγίζεται τρίτον τὴν κεφαλὴν παρὰ τοῦ ἀρχιερέως, καὶ κείρεται ρὸς. καὶ τοῦ υἱοῦ. καὶ τοῦ ἁγίου πν̃ς. Ἐπιφωνούντων καθ παρ αὐτοῦ στρ̃ειδῶς λέγοντος. εἰς τὸ ὄνομα τοῦ πατ- ἑκάστην ἐπίκλησιν τῶν συμπαρόντων, τὸ, ἀμήν. Εἶτα τέλεον ὑπότινος, εἰσκληρικοῦ κείρεται σχῆμα. καὶ οὕτω πά-

Изъ сборника XV—XVI в. Софійской Новгородской Библіотеки № 1482. л. 22. об.

Оустав̃ бываемыи. на поставленїе чтца и пѣвца.

**Приводимъ бываетъ таковыи къ с̃тлю. и реч̃е с̃таѣ. бл̃вен̃ъ бъ нашъ вс̃егда и нн̃ѣ и пр̃н. та̃ тр̃тое. и до ѡ̃т̃е нашь. тро̃ апл̃и с̃тїи молите мл̃остива̃ ба̃, др̃ѣ ѡ̃ ꙗстъ твр̃и̃ ꙗко злато възе и с̃тмꙋ. васи̃ю. къ всю землю изыде вѣщанїе твое и с̃тмоу григорїю бг̃ословꙋ пастырскыи сѡпль сла̃. и нн̃. бѡ̃· ма̃тка ги̃

λιν τῶ ἀρχιερεῖ προσάγεται καὶ αὐτὸς λαμβάνον φαινόλιν, ενδυδύσκει p. 2. αὐτὸν, καὶ τρίτον τὴν τοῦτου κεφαλὴν σφραγίζων ἐπιτίησι αὐτῶ τὴν χεῖρα, καὶ ἔχεται οὕτως.

Κε ὁ θς ὁ παντοκράτορ. ἔκλεξαι τὸν δοῦλον σου τοῦτον, καὶ ἁγίασον αὐτὸν. καὶ καταξίωσον μετα πάσης σοφίας καὶ συνέσεως, τῶν θείων σου λογίων. τὴν μελέτην καὶ τὴν ἀνάγνωσιν ποιεῖσθαι. διαφύλαττων αὐτὸν, ἐν ἀμέμπτω πολιτεία.

Ἐκφών. Ἐλέει καὶ οἰκτιρμοῖς, καὶ φιλανία τοῦ μονογε-
νοῦς σου υἱοῦ. μεθ' οὗ εὐλογητὸς εἶ. σὺν τῶ παναγίω καὶ
ἀγαθῶ καὶ ζωοποιω p. 2 об. σου πρι, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ
εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. αἱ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν. δίδοται
τῶ ἀναγνώστη βίβλιον ἀποστολικὸν. καὶ ὀλίγον ἀναγινώσκων,
λαμβάνει παρὰ τοῦ ἀρχιερέως εἰρήνην. εἶδε ψαλτης ἐστὶ λέ-
γει ἀπὸ τοῦ ψαλτηρίου. Τὸ προκείμενον.

всѣ стїи и бцⷣ. та прскрⷭтить главꙋ его. трижⷣ рꙋкою и постригаетъ крⷭтообразно гⷣа. вⷭ нма ѡцⷣа и сна и стго дха. възглашаⷦи прⷭтоящи. накоеⷤо именованїе. л. 23. аминь таже нѣкымъ ѡ клирикъ постригаема бываетъ пѣснь его и тако паки къ стнтелю приводи бываетъ. и стъ пріемъ фелонь. ѡдѣваетъ и. и паки трижⷣ рꙋкою главꙋ его крⷭтообразно знаменаетъ, възлагаетъ на нюю ржⷦ и помолитса сице мⷭ. гⷣи бе въседрѣжителю изверⷤ раба своего сего и ѡстⷭ его и сподоби съ всякою премдрⷭтїю и разꙋмⷭ бжⷭтвны тн словесъ повѣченїе и проꙋнтанїе творити. съблюдала его во непороꙋнѣ житїи. възглашїе. Мⷣтїю щедротами и человколюбїемъ. единороднаго тн сна. съ нимже блⷭвенъ есн съ прⷭтыⷣ и бгⷣымъ и животворащи тн дхⷭ нн и прⷭно и в вⷦ вⷦкⷭ. и по аминѣ: ꙋтецꙋ оꙋбѡ
даются книгы апⷭльскыя. и реⷦ дїакⷭ премдрⷭ. и ꙋтець. ѧтъмъ дѣвъ л. 23. об. дїакⷭ конмемъ. ꙋтець проκимены. оуста моя възглютъ премдрⷭ и повченїе срц. стн. оуслышите сїа въсн языци. дїакⷭ премоудрⷭ и ꙋтⷭ. или дѣанїа.. или посланїа. къ кⷣ пригодиса. и поутетъ мало нѣчто. и паки конецъ. тⷣ. стⷣ. миръ тн. и дїакⷭ премдрⷭ. и ꙋтець. поⷭ аллїлоуїа. тⷣ стⷭ ѧ. сцⷭнницы твои ѡблекꙋтса въ правдоу и прⷭ. стⷭ. в. нⷣса повѣдать славꙋ бжїю, тⷣ бываетъ ѡ стⷣа ѡпⷭ. аще ли ꙋдетъ пѣвецъ поставляемын. пріемъ стⷣ ѧтїрь. и блⷭвнⷭ дасть емоу. оныже мало пѣвъ къ нⷭ и пріемъ миръ ѡ стⷣа. ѡпⷭщенъ бываетъ:

Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία ὑποδιακόνου.

Προσάγεται τῶ ἀρχιερεῖ ὁ μέλλων χειροτονεῖσθαι ὑποδιά-
κονος. καὶ κελεύει ὁ ἀρχιερεὺς ἀποδύσασθαι τοῦτον φαινόλιον,
καὶ ἐνδύσασθαι στιχάριον ζώσασθαι p. 3. κομισθῆναι δε χερνι-
βόξεστον. καὶ μανδήλιον Εἶτα σφραγίζων τρὶς τὴν αὐτοῦ κε-
φαλὴν καὶ ἐπιθεὶς αὐτοῦ χεῖρα. τοῦ διακόνου λέγοντος. τοῦ
κῡ δεηθῶμεν. ἐπεύχεται ὁ ἱερεὺς. ἴστεον ὅτι, πρὸ τῆς λει-
τουργίας γίνονται ταῦτα. ὅταν ὁ ἀρχιερεὺς ἵσταται εἰς τὸν
θρονίον. ἐκεῖ ὅποῦ ἀλλάσσει τοῦ ἱερουργῦσαι

Κε ὁ θς ἡμῶν. ὁ διὰ τοῦ ἑνὸς καὶ τοῦ αὐτοῦ ἁγίου
πνς διαιρῶν ἑκάστω ὧν ἐξελέξω τὰ σὰ χαρίσματα. ὁ τάγ-
ματα διάφορα τῆς ἐκκλησίας σου δωρησάμενος. καὶ βαθ-
μοὺς φ. 3. об. λειτουργίας καταστησάμενος ἐν αὐτῆ, πρὸς
ὑπηρεπίαν τῶν ἁγίων σου καὶ ἀχράντων μυστηρίων. ὁ τῆ
σῆ ἀρρήτω προγνώσει ὁρίσας καὶ τοῦτον τὸν δοῦλόν σου
ἄξιον εἶναι τοῦ ὑπηρετεῖν τῆ ἁγία σου ἐκκλησία, αὐτὸς
Δέσποτα, ἀκατάγνωστον αὐτὸν ἐν πᾶσι διαφύλαξον. καὶ δὸς
αὐτῶ ἀγαπᾶν εὐπρέπειαν οἴκου σου, παρεστᾶναι ταῖς θύραις
τοῦ ναοῦ τοῦ ἁγίου σου. ἀνάπτειν λύχνον σκηνώματός δό-
ξης σου καὶ φύτευσον αὐτὸν ἐν τῆ ἁγία σου ἐκκλησία,
ὡς ἐλαίαν κατάκαρπον. καρποφοροῦντα φ. 4. καρπὸν δι-
καιοσύνης καὶ τέλειον ἀνάδειξον δοῦλον σου ἐν καιρῶ τῆς
παρουσίας σου, τῆς τῶν εὐαρεστησάντων σοι ἀπολαυσαντα
ἀμοιβῆς. Ἐκφ. ὅτι σοῦ, ἐστὶν ἡ βασιλεία καὶ ἡ δύναμις
καὶ ἡ δόξα. τοῦ πρς καὶ τοῦ υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου πνς, νῦν
καὶ ἀεὶ εἰς τοὺς αἰῶνας.

Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν, δεχόμενος ὁ ἀρχιερεὺς τὸ μαν-
δήλιον, ἐπιτίθησι τῶ ἀριστερῶ ὤμω τοῦ χειροτονουμένου.
καὶ κελεύει λαβεῖν καὶ χερνιβόξεστον. δοῦναι αὐτῶ νίψασ-

Унинъ бываемын. на поставленїе иподїакона.

Стлю столпⷭ прѣⷭ стыа трапезы еже въ дїаконьствѣ. или оу двереи великыⷭ црⷭкы одѣанꙋ л. 24. въ всю стнтельскыю ѡдежⷣ, прѣⷭ поꙋатна бжⷭтвныа слⷭжбы. приводимъ бываетъ ставитса хотан носа фелонь и ѡблещї, и стихарь. и прѣпоясатї и поаскⷭ. и прекрⷭтⷭ главꙋ его стⷣ трижⷣ. приготовлаетъса рꙋкомыа стⷣскаⷣ съ ꙋбрꙋсⷭ. и възлагаетъ стⷣ ржⷦ на главꙋ его. и молитса сице. гⷣи бе нашъ. иже единѣмъ и тѣмже стымъ дхомъ. раздѣлаа комꙋждо ихже извола скоа дары. иже унины разлинꙋныа црⷭкви своеи даровавы. и степени слⷭжебныа оустававы в нен на слⷭженїе стыхъ ти и прⷭтыⷭ таннъ. иже сконмъ нензреченны провѣденїемъ оустанꙋвы и сего раба своего. достонна быти слⷭжити стⷭн твоеи црⷭкви. самъ вⷭко безсазорна его съблю въ всⷭ и дажⷣ емꙋ любити бгⷣолѣпїе л. 24 об. доꙋ твоего. прⷭстоати дверемъ црⷭкве стыа твоеа. възжигати свѣтилникъ жилища славы твоеа. и насадї и въ стⷭн црⷭкви твоеи тако маслинꙋ плⷭднтоу. плⷭноносща плⷭ правды. и съвръшена покажи раба своего. блⷭговоливⷭ тн въспріемла въⷭзанїа. Възглⷣ. Ако твое ⷭ цⷣтво и сила. и слава. ѡц и сна и стго дха, нн и прⷭ. тажⷣ оубросꙋсь стⷣ пріемъ. възглагаетъ на поставленнаго рамо. и повелѣваетъ пріати роукомыкалнⷭ. и дати емꙋ оумытиса. и сетвора стⷣ и оумыкаася поставленныи же пріемла рꙋкомыкалникъ. цѣлоуетъ стнтела въ десноꙋ ржⷦ. и полнкаа на роукꙋ его водꙋ. глⷭть тріжⷣ. еліко вѣрни. потомъ блⷭвнⷭ его стⷣ. л. 25. и ѡхождⷭ къ иподїаконⷭ дружа

θαι, ὁ δὲ λαβὼν βάλλει ὕδωρ εἰς τὰς χεῖρας τοῦ χειροτονήσαντος αὐτὸν φ. 4 ρβ. λέγων ῥῆσιν ὅσοι πιστοί. καὶ οὕτω λαμβάνων εὐλογίαν ἀπερχόμενος, ἵσταται ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων θυρῶν. καὶ λέγειτο, τριπάγιον, παναγία τριὰς. πέρ ἡμῶν. τὸ κε ἐλέησον, πιστεύω εἰς ἕνα θν, ἄνες ἄφες συγχώρησον ὁ θς. μετὰ δὲ τὴν μεγάλην εἴσοδον. ὅταν θυμιᾷ ὁ διάκονος τὴν ἁγίαν τράπεζαν, πάλιν νίπτεται ὁ ἀρχιερεὺς εἰς τὸ λεκανίδιον ὅπερ φέρει ὁ μέλλων χειροτονεῖσθαι, εἰσδέυει δὲ καὶ αὐτὸς εἰς τὴν μεγάλην εἴσοδον. πάντων ἐξόπισθεν, κρατῶν καὶ τὰ χερουβίκα ἅστρα. μετὰ δὲ τὴν μεγάλην εἴσοδον, εἰσέρχονται ὅλοι εἰς τὸ ἅγιον θυσιαστήριον, πλὴν αὐτὸς μένει ἔξω. ἑστὼς εἰς τὸν ἀμνήθεν τόπον,

въ ржка и рѣкомыславникъ, и приш҃е къ жрътовнымъ дверемъ. стои тамо до преноса. егда же поют҃ ѥже херувимъ тогда идеть и сїи опосле всѣ попове и дїаконове. егда же реуе стїи. блгословенъ гс нашего iу хс. и поставить рѣкомыи. и ш҃е стане посрѣ црквѣ на крузѣ и поеть елико вѣрни по трижы. егда же реуеть стїи, побѣдную пѣснь. тоже поеть трисвѧтое и стои прѣ црквыми двермы. до времене к неже есть поставити его въ дїаконы. Аще бѫдеть тогда ставити ѥ. тогда поиметь и протодїаконъ и ведеть въ олтарь. и поимуть и обѣ дїакона за рукы промежи себе и обьводять и около прѣстола стго поюще, тропарь съ. стїи мучѧци иже добрѣ страдѣши л. 25 об тако поставлаеть и.

φ. 12 об. Τάξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία, ἐπισκόπου.

Μετὰ τὴν τοῦ τρισαγίου συμπλήρωσιν. ἄνισιν ὁ ἀρχιερεὺς εἰς τὴν κριπίδα. τὴν πρὸ τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ προσάγεται ὁ μέλλων χειροτονεῖσθαι. παρὰ τῶν συμπαρόντων ἀρχιερέων. κατὰ τὸ δεξιὸν τοῦ ἀρχιερέως μέρος. ὁ δὲ χαρτοφύλαξ ἐκ τοῦ ἀριστεροῦ. δίδωσι χάρτην ἔγραφον τῷ φ. 13. ἀρχιερεῖ. ἐν ᾧ γέγραπται ταῦτα. ψήφῳ καὶ δικιμασία τῶν θεοφιλεστάτων ἐπισκόπων καὶ τῶν ὁσιστάτων πρεσβυτέρων.

Ἐκφ. Ἡ θεία χάρις. ἡ πάντοτε τὰ ἀσθενῆ θεραπεύουσα καὶ τὰ ἐλλείποντα ἀναπληροῦσα, προχειρίζεται τὸν δοῦλα τὸν θεοσεβέστατον ἱερομόναχον. ἐπίσκοπον τῆς ἁγιωτάτης ἐπισκοπῆς τῆς δυνα. εὐξώμεθα οὖν, ὑπὲρ αὐτοῦ, ἵνα ἔλθῃ ἐπ' αὐτὸν ἡ χάρις τοῦ παναγίου πνς. καὶ πάντων ἐκφωνούντων ἐκ τρίτου τὸ κε ἐλέησον. Ἀναπτύσσει τὸ εὐαγγέλιον ὁ ἀρχιερεύς. καὶ ἐπιτίθησι τὴ κεφαλῆ καὶ τῷ τραχείλῳ τοῦ χειροτονουμένου. συνεφαπτομένων τῶν ἄλλων ἀρχιρέων. εἶτα ποιῶν σρ̃ους τρεῖς ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ. καὶ ἔχων επικειμένην αὐτῷ τὴν χεῖρα.

Ἐπεύχεται οὕτως.

Δέσποτα κε ὁ θς ἡμῶν. ὁ Νομοθετήσας ἡμῖν διὰ τοῦ ἀποστόλου παύλου βαθμῶν καὶ ταγμάτων τάξιν. εἰς τὸ ἐξυῦ πηρετεῖσθαι καὶ λειτουργεῖν τοῖς σεπτοῖς καὶ ἀχράντοις σου μυστηρίοις ἐν τῷ ἁγίῳ σου θυσιαστηρίῳ· φ. 14. πρῶτον ἀποστόλους. δεύτερον προφήτας, τρίτον διδασκάλους, αὐτὸς Δέσποτα τῶν ἁπάντων καὶ τοῦτον τὸν ψηφισθέντα καὶ ἀζιωθέντα ὑπεισελθεῖν τὸν εὐαγγελικὸν ζυγὸν. καὶ τὴν ἀρχιερατικὴν ἀξίαν διὰ τῆς χειρὸς ἐμοῦ τοῦ ἁμαρτωλοῦ καὶ τῶν συμπαρόντων συλλειτουργῶν καὶ ἐπισκόπων, τῆ ἐπιφοιτήσει καὶ δυνάμει καὶ χάριτι τοῦ ἁγίου σου πνς, ἐνίσχυσον, ὡς ἐνίσχυσας τοὺς ἁγίους σου ἀποστόλους καὶ προφήτας. ὡς ἔχρισας τοὺς βασιλεῖς, ὡς ἡγίασας τοὺς ἀρχιερεῖς, φ. 14 οβ. καὶ ἀνεπίληπτον αὐτῷ τὴν ἀρχιερωσύνην ἀπόδειξον, καὶ πάσης σεμνότητι κατὰ κόσμων, ἅγιον ἀνάδειξον. εἰς τὸ ἄξιον γενέσθαι τοῦ αἰτεῖν αὐτὸν τὰ πρὸς σρ̃ιαν τοῦ λαοῦ, καὶ ὑπακούειν σε αὐτῷ.

Ἐκφών. Ὅτι ἡγίασται σου τὸ ὄνομα, καὶ δεδόξασται σου ἡ βασιλεία. τοῦ πρ̃ς καὶ τοῦ υἱοῦ. καὶ τοῦ ἁγίου πνς. νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων.

Оустакъ бываемыи на поставленїе єпⷭ҃а.

По скончанїи тристїа пѣсни. ѡстаѥть мало стлъ на степ҃и. л. 32. свщ҃ѣн прѣ стою трапезою. приходи бываеть къ немъ ѿ тоу соущ҃и стлъ двоими ставитися хотѧи ѿ десныа страны. книгохранитель же ѿ лѣвыа страны даеть емъ листъ в немже пиш҃е сїа. Аще ли не бѫдеть книгохранителѧ, архїдїаконъ се творить и къглашаеть коньмѣмъ. стлъ же проучаеть писанаа въ услышанїе всѣ прѣстоѧщ҃и. с н ц е. бж҃ьнаа блгть. иже въсегда немощнаа исцѣлающа. и не достатоуная исплънающи. поставлаеть бловѣрнаго прескитера, єпⷭ҃а, бгохраннаго гра ик҃. помолимса оубо ѡ нѣ. да прїндеть нань блгть прⷭ҃тго дха:·

И всѣмъ въглашающи҃ тришды. гⷭ҃и помилуи. ѡвръзаеть єѵаггѣліе стлъ и къзлагаеть на главѫ, и выю поставлаемомъ и присагши҃ л. 32. об. и кнⷣ стлемъ. тⷭ҃а твора три крⷭ҃ты на главѣ его. и имѣа ржкы на нем лежащы молиса єи҃.

Влкѡ гⷭ҃и бⷭ҃е нашъ. законоположивыи намъ въсеховныи сн апⷭ҃лѡ павлѡ, степенѣ и унѣѡ уставъ еже работати таиныⷭ҃. въ стомъ ти жрътовницѣ. первѣе апⷭ҃лы. второе, прⷬокы. третїе оучителѧ. самъ влкѡ всѣ и сего нарученнаго и спобльшаса поити єѵⷭ҃льскомоу ногоу. и стителескомоу достоиньствоу, ржкою моею грѣшнаго. и съ свщ҃ьнимь служители и съ єпⷭ҃ы. осїанїемъ и силою и блгтїю стго твоего дха, укрѣпи якоже укрѣпилъ еси стыа своа апⷭ҃лы и прⷬкы. якоже помазалъ еси цр҃ѧ. яко же ѡстилъ еси стлⷭ҃а. и неворѡунно его стльство покажи и всякою л, 33. унстотою украсивъ, стаѧви. еже достоино быти, проснти, емоу иже на спⷭ҃енїе людѣ. и послушати тебѣ его.

Къглаголѧ, яко стыса имя твое, и прославлѧса црⷭ҃тво твое оц҃а и сн҃а и стго дха, нѣ и прⷭ҃но и въ кѣкы вѣкѡ, и по аминѣ. глⷭ҃ѣть єдинъ ѿ тѣ свщ҃и стлъ ма-

Καὶ λέγει τῶν συγχειροτονούντων ἀρχιερέων εἰς λεπτῆ φωνῆ. ὅπου ἀκούειν τοὺς σύμπαροντας ἀρχιερεῖς. καὶ ἀποκρίνεσθαι τὰ διακονικὰ ταῦτα. [1]

[1]Ἐν εἰρήνῃ τοῦ κῦ δεηθῶμεν. ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν εἰρήνης καὶ τῆς σ͂ρίας τῶν ψυχῶν ἡμῶν, τοῦ κῦ δεηθῶμεν. ὑπὲρ τῆς εἰρήνης τοῦ σύμπαντος κόσμου εὐσταθείας τῶν ἁγίων τοῦ θ͂υ ἐκκλησιῶν καὶ τῆς τῶν πάντων ἑνώσεως, τοῦ κῦ. ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν, τοῦ δυνα. Ἱερωσύνης. ἀντιλήψεως διαμονῆς εἰρήνης. ὑγείας, καὶ σ͂ρίας αὐτοῦ. καὶ τοῦ ἔργου τῶν χειρῶν αὐτοῦ. τοῦ κῦ.

[2]Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ θ͂υ. τοῦ δύνα τοῦ νῦν προχειριζομένου ἐπισκόπου καὶ τῆς σ͂ρίας αὐτοῦ. τοῦ κῦ.

[3]Ὅπως ὁ φιλάνος θ͂ς ἄσπιλον καὶ ἀμώμητον αὐτῷ τὴν ἀρχιεροσύνην χαρίσηται, τοῦ κῦ: ὑπὲρ τοῦ εὐσεβεστάτου καὶ θεοφιλάκτου βασιλέως ἡμῶν παντὸς τοῦ παλατίου καὶ τοῦ στρατοπέδου αὐτῶν, τοῦ κῦ:

[1]Ὑπὲρ τῆς πόλεως ταύτης πάσης πόλεως χώρας. καὶ τῶν πίστει οἰκούντων ἐν αὐταῖς.

[2]Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ φ. 16. πάσης θλίψεως ὀργῆς καὶ ἀνάγκης, τοῦ κῦ.

[3]Ἀντιλαβοῦ, σῶσον.... Τῆς παναγίας....

Καὶ τούτων ῥηθέντων, ὁ ἀρχιερεὺς ἔχων τὴν χεῖρα ἐπικειμένης τῇ τοῦ χειροτονουμένου κορυφῇ. εὔχεται οὕτως.

Κε ὁ θ͂ς ἡμῶν. ὁ διὰ τὸ μὴ φ. 16 об. δύνασθαι, τὴν ἀνου φύσιν τὴν τῆς θεότητος. ὑπενεγκεῖν οὐσίαν, τῇ σῇ οἰκονομίᾳ ὁμοιοπαθεῖς ἡμῖν διδασκάλους καταστήσας τὸν σὸν ἐπέχοντα θρόνον. εἰς τὸ ἀναφέρειν σοὶ θυσίαν καὶ προσφορᾶν ὑπὲρ παντὸς τοῦ λαοῦ σου, σὺ κε καὶ τοῦτον τὸν ἀναδειχθέντα οἰκονόμον τῆς ἀρχιερατικῆς χάριτος, ποίησον γενέσθαι μιμητὴν σοῦ τοῦ ἀληθινοῦ ποιμένος. τιθέντα τὴν ψυχὴν αὐτοῦ ὑπὲρ τῶν προβάτων σου. ὁδηγὸν τυφλῶν. φῶς τῶν ἐν σκότει. παιδευτὴν ἀφρόνων. φωστῆρα ἐν κόσμῳ. ἵνα καταρτήσαι ψυχὰς τὰς ἐμπιστευθείσας αὐτῷ ἐπὶ τῆς παρούσης ζωῆς, παραστῇ τῷ βήματι σου ἀκαταισχύντως καὶ τὸν μέγαν μισθὸν κομίσηται. ὃν ἡτοίμασας τοῖς ἀθλήσασιν. ὑπὲρ τοῦ κηρύγματος τοῦ εὐαγγελίου σου.

Ἐκφων. Σὸν γὰρ ἔστι τὸ ἐλεεῖν καὶ σώζειν ὁ θ͂ς ἡμῶν. καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν τῷ π͂ρὶ καὶ τῷ ῦἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ π͂νι. νῦν καὶ ἀεὶ καὶ.

Καὶ μετὰ τὸ ἀμήν. ἄιρει τὸ εὐαγγέλιον καὶ τίθησιν εἰς τὴν ἁγίαν τράπεζαν. καὶ οὕτως περιτίθησι φ. 17 об. τῷ χειροτονηθέντι ὠμοφόριον. λέγων τὸ, ἄξιος. εἶτα ἀσπάζεται τὸν χειροτονηθέντα αὐτὸς ὁ χειροτονήσας, καὶ οἱ λοιποὶ ἐπισκοποι. καὶ τῆς συνηθοῦς εὐφημίας τελουμένης, ἀνέρχονται εἰς τὸ σύνθρονον. καὶ καθεζόμενος πρῶτος ὁ χειροτονηθείς, εἰρηνεύει τὸν ἀπόστολον. καὶ πρῶτος τῶν ἄλλων τοῦ τιμίου αἵματος, καὶ τοῦ τιμίου σώματος τοῦ χριστοῦ μεταλαμβάνει. αὐτὸς, καὶ τῷ χειροτονήσαντι, καὶ τοῖς λοιποῖς μεταδίδωσιν.

Ὁ Διάκ. Ἔιπωμεν παντες. ἐξ ὅλης,..

лы гласѡ. елнко слышати прѣстолиѣ стлѣмъ. и ѡ вѣцѣкати дїакѡнства сїа. мирѡ гѵ помолимсѧ.

О свышнѣмъ мирѣ и ѡ спсенїи дш.

О мирѣ всего мира. блгостоянїи стыѧ бжїѧ цркве. и ѡ съвокупл.

О архїепѣ нашем имк. спсенѣньства ѹчастїѧленїа. прѣбыканїа. мирѣ здравїа и спсенїа его, и дѣла рѹкъ его, гѵ помѡ. о нѣмъ рѣкъ. нѣ поставлаемѡ епѣ. и спсенїа его, гѵ по. ѩко да ѹкоулюбецъ къ. нѣ скврѣнно и неблазньно л. 33 об. стительство емѹ дарѹетъ. гѹ помолимсѧ. о блговѣрныхъ и блгохранимыхъ. о градѣ сѣмъ и всѣкѡ градѣ и с. о избавитисѧ намъ ѡ всѣкѡм. ѹчастїи спсн помазаи прѣстѹю ѹтѹю. прѣславѣнную вл. снмъ рѣченнымъ. стѣль нмѣѧ на поставлаемаго вѣрсѣ рѹкѹ лежащюю мѡлитсѧ снце.

Кѣзгласѣ. Твое бѡ єсть милѹѣти и спсати насъ бѣ нашъ. и тебѣ славѹ вѣзсылаѣ ѡц͡ѹ и сн͡ѹ и ст͡ѹмѹ дх͡ѹ. нн͡ѣ и прно и въ вѣкы вѣкѡ: и по амнѣ вѣзнимаѣтъ єѵлїѣ и полагаѣтъ на стѹю трапезѹ. и тако вѣзлагаѣтъ поставлаемомѹ омофоръ. вѣзглашла достоѣнъ. всѣмже прѣстолиѣ поющимъ тоже по тржды. таже поставлаемаго цѣлѹѣтъ самъ поставивыи его, и проуїи епи. и ѡбычномѹ помнанїѭ съкрѣшаемомѹ. вѣсхода къ сѣдалищю л. 34 об. и сѣдаѣ новопоставленным одесскюю страны стла выше нды. миръ всѣ гѣѣтъ на апле и прьвѣе нѣ. утѣаго тѣла и крве хѵ̃ы прнуаѣтсѧ. и тъ, и поставльшомѹ и, и нѣмь подаѣтъ. се послѣдованїе бываѣтъ, и ѡ патрїархѣ, и митрополитѣ:

Вѣдоможе бжди. ѩко всѣко ѡпасенїе пѡбаѣтъ творити истазовати и изысковати достонныѧ на поставленїе. такожѣ же и ѡ лѣтѣ истазати. иподїакѡна не мнѣе двадѣсатїи лѣтъ ставити. нъ съ истазанїемъ, к мъ лѣтѡ сѹща. такожѣ же дїакѡна стакити кѣ мъ лѣтѡ сѹща. презвитера же л. тн лѣтѣ сѹща, ѩкоже божѣствнаа правила ѹказѹютъ епа же м. тнмь лѣтѡ сѹща.

Ταξις γινομένη ἐπὶ χειροτονία πρεσβυτέρου.

φ. 24. Τὸ εἰσενεχθῆναι καὶ τὸ ἀπατὲθῆναι. Μετὰ τὰ ἅγια δῶρα ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ. πληρωθῆναι τὲ τὸν χερουβικὸν ὕμνόν, προσάγεται ὁ χειρότονεῖσθαι μέλλων. ἀπὸ τοῦ πρώτου τῶν πρεσβυτέρων. ἢ ἄλλου τῇ ἱερᾷ τραπέζῃ. ψάλλοντες οἱ ἐκεῖσαι ἱστάμενα φ. 24 об. ἱερεῖς τοὶ ἅγιοί μάρτυρες οἳ καλῶι ἀθλήσάντες. ὅταν ψάλλουσι τὰ ἅγιοι μάρτυρες, κάθηται ἔμπροσθεν τῆς ἁγίας τράπέζης ὁ ἀρχιερεύς, κάθηται, εἰς θρονίαν μικρὸν. καὶ ἐκεῖ ὁπου κυκλοῦσι ψύσωθέν, ὅταν ἔρχονται ἔμπροσθεν τοῦ ἀρχιερέως ποιοῦσί. μετάνοιαν, καὶ ἀσπάζεται τὸ γόνυ τοῦ ἀρχιερέως, ἐπάνω τοῦ ωμοφορίου. εἶτα ἀνἱστάμενος ὁ ἀρχιερεῦς, προσέρχεται αὐτῶ ὁ χειροτόνούμενος. καὶ σφράγίζεται τρίτον τὴν κεφαλὴν παρ αὐτοῦ καὶ ἐρείσας τὸ μέτωπον τῇ ἁγία τραπεζῃ. φ. 25. κλίνει καὶ ἄμφω τὰ γόνατα. καὶ ἐκφωνούντος τοῦ διακόνου πρόσχωμεν, εὐθὺς ἐκφωνεῖ, ἀρχιερεύς, ἔχων καὶ τὴν δεξιὰν χεῖρα ἐπικειμένην αὐτοῦ τῇ κεφαλῇ.

Ὁуставъ бываемыи на постакленїе прѣзвїтера.

Вънегда д. 29. принесены бѫдѫ и положены бжтвныя дары на стѣмь трапезѣ. скончати же ся и таинном пѣсни. приводи быкаѥ поставитися хотяи (первыѭ ѡ. поповъ или инымъ, къ стѣи трапезѣ и хортофїлакѹ. си рѣчь книгохранителю къдавшѹ стлѣи свитокь писанъ. и възглашающоу томъ, или архїдіакономъ. конмѣмъ. проунтаѣть писанная стдь ко вслышнїе всѣмъ прѣстоящимъ, имѭща сице. мѡ. Бжтвная блть. иже всегда немѡщная исцѣлающїа. и недостоуная исплънающїа, постакляѣть імк. бгоговѣинаго дїакѡна къ пресвитерьство. помолимся оубѡ ѡ нѣ. да прїидеть нань, блть прѣстго дха: и ксмъ прѣстоящи глющи тржа. тїпомн,

Η θεία χάρις. ἡ παντοτὲ τὰ ἀσθενῆ θεραπέσουσα καὶ τὰ ἐλλειπόντα ἀναπληροῦσα προχειριζεται τὸν δύνα, τὸν εὐλαυέστατον διακονον, εις πρεσβύτερον. εὐξόμεθα οὖν ὑπὲρ αὐτοῦ, ἵνα ἔθλη ἐπ' αὐτὸν ἡ χάρις τοῦ παναγίου πνς. Καὶ λέγουσι τὸ, κε ἐλέησον Γ. πάλιν οὖν φραγίσας αὐτὸν Γ. καὶ τὴν χεῖρα ἔχων ἐπικειμένην φ. 25 об, τοῦ διακόνου εἰπόντος τοῦ κῡ δεηθῶμεν, ἔυχεται οὕτως.

д. 29 об. молитса сице.

Поставляемыи ѡбѡма колѣна прѣклоняѣть къ степени стль же творить на главѣ его три крты. и имѣ на главѣ его рѧзѣ лежащѣ. Бже безначалныи и бесконечьныи. иже высеа творн старѣи сыи. иже именѣ. прѣзвитерскы поучѣ иже степенемъ сиѣ спѡбленны слажити слоѵ твоеѧ истины, самъ вліѡ всѣ и сего его же искусилъ еси поставленїѧ быти мною ко непорѡчнѣ житїи и непреклонне вѣрѣ, блговоли подъати великоую сїю блгодѣть стго ти дха. и съкрьшена покажи раба своего въ ксемъ блгоугажающа ти и дѡстѡнѣ жившїа дарѡванныа емѹ прорази̑мыа силы, великыа сеа стительскыа ѹчсти:

Ἱκανὸν ἐστὶν ἐν ἁγίοις τὸν δοῦλόν σου, ἐν πάσιν ἐβαρεστοῦντα φ. 26. σοι. καὶ ἀξίως πολιτευόμενον τῆς δωρηθείσης αὐτῶ ὑπὸ τῆς σῆς προγνωστικῆς δυνάμεως μεγάλης ταύτης ἱερατικῆς τιμῆς.

Ἐκφ. Ὅτι σὸν τὸ κράτος. καὶ σοῦ ἐστιν ἡ βασιλεία καὶ ἡ δύναμις καὶ ἡ δόξα τοῦ πρς καὶ τοῦ υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου πρς. νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν ἀι.

Καὶ μετὰ τὴν ἐκφώνησιν, λέγει ὁ πρῶτος τῶν πρεσβυτέρων, ἢ ἕτερος πρεσβύτερος τοὺς συμπάροντας πρεσβυτέρους. λεπτῇ φωνῇ, ὅσον ἀκούειν τὰ διακονικά ταῦτα.

φ. 26 об. Ἐν εἰρήνη τοῦ κῡ δεηθῶμεν. Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν εἰρήνης καὶ τῆς σρίας τῶν ψυχῶν ἡμῶν, ταῦ κῡ.

Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης τοῦ σύμπαντος κόσμου. ἑυσταθείας τῶν ἁγίων τοῦ θῡ ἐκκλησιῶν, καὶ τῆς τῶν πάντων ἑνώσεως, τοῦ κῡ.

Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν ὁ δύνα, ἱερωσύνης, ἀντιλήψεως, διαμονῆς. εἰρήνης. ὑγείας σρίας αὐτοῦ καὶ τοῦ ἔργου τῶν χειρῶν τοῦ κῡ.

Ὑπὲρ τοῦ δούλου τοῦ θῡ δύνα. τοῦ νυνὶ προχειριζομένου φ. 27. πρεσβυτέρου καὶ τῆς σρίας αὐτοῦ., τοῦ κῡ.

Ὅπως ὁ φιλάνος θς, ἄσπιλον καὶ ἀμώμητον αὐτῶ τὴν ἱερωσύνην χαρίσηται, τοῦ κῡ:

Възгла. Ако твоє ѥ црⷭтво. и сила. и слава. ѡц̑а и сна и стго дха и нн̑ѣ и прⷭ. д. 30. и по сн̑ глⷭть первыи попъ. или инъ ѡ поповъ. тихы глсѡ. елико слышати прѣстоящи прѣзвитерѡ. и ѡвѣщавати дїакѡньства сїа. мирѡ гоу помолимся. о свышнѣ мирѣ. и ѡ спсенїи дш̑ъ нашн̑. гⷭ пⷭ. о мирѣ всего мира. блгостоании стхъ бж̑їи цркѡвь. и ѡ съкоупленїи всѣ гоу помолимся. о архїепⷭѣ нашѣ імр. сцⷭнства здравїа. прѣбыванїа. мира. здравїа. и спсенїа его. и дѣла рѧкъ его, гⷭ помолⷭс. о рабѣ бж̑їи. нн̑ѣ поставляемѡ прѣзвитерѣ и спсенїи его, гⷭ помол. о блговѣрны и хⷭтолюб. о градѣ семъ. въсакѡ градѣ и стран. о избавитися намъ ѡ всякѡа скрьбн. гнѣва и н. здстпи спси помиловн и съхрани на бже. прⷭтвю, прѣблⷭвенную влцю нш̑ю бцю и прⷭно дв̑ы маріа. л. 30 об. съ всеми стыми поманувш. и сн̑ глемѡ. стль имѣа такоже рѧзѣ лежащѣ на постакляемаго версѣ.

Ὑπὲρ τῆς ἁγίας μονῆς ταύτης πάσης πόλεως χώρας. καὶ τῶν πίστει οἰκούντων ἐν αὐταῖς, τοῦ κῡ.

Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι ἡμᾶς... Ἀντιλαβοῦ... Τῆς παναγίας...

φ. 27. об. Καὶ τρύτων ῥηθέντων, ὁ ἀρχιερεὺς ἔχων τὴν χεῖραἐπικειμένην. τῇ τοῦ χειροτονουμένου κορυφῇ ἔυχεται οὕτως.

Ὁ θς̄ ὁ μέγας ἐν δύναμει, καὶ ἀνεξιχνίαστος ἐν συνέσει. ὁ θουμαστὸς ἐν βουλαῖς ὑπὲρ τοὺς βιοὺς τῶν ἀν̄ων. αὐτὸς κε̄ καὶ τουτον ὅν ἐυδόκησας τὰν τοῦ πρεσβυτέρου ὑπεισεχθεῖν βαθμὸν πλήρωσον τῆς τοῦ ἁγίου πν̄ς δωρεάς, ἵνα γένηται ἄξιος παρεστᾶναι ἀμέπτως (sic) τῷ θυσιαστηρίῳ σου. κηρύσσειν τὰ εὐαγγέλιον τῆς σρ̄ιας σου, ἱερουργεῖν τὸν λόγον τῆς ἀληθείας σου. προσφέρειν σοι δ̄ω̄ρα καὶ θυσίας πν̄ικὰς. ἀναικανίζειν φ. 28. τὸν λαόν σου, διὰ τῆς τοῦ λυτροῦ παλιγγενεσίας. ὅπως καὶ αὐτὸς ὑπαντήσας ἐν τῇ δευτέρα ἐπιδημία τοῦ μεγάλου θ̄υ καὶ σ̄ρ̄ς ἡμῶν Ῑῡ χ̄ῡ τοῦ μονογενοῦς σου υἱοῦ δέξηται τὸν μισθὸν τῆς ἀγαθῆς οἰκονομίας τοῦ οἰκίου τάγματος ἐν τῷ πλήθει τῆς ἀγαθότητος σου.

Мати сем сице,

Бѣе великыи силою. и неслѣдѡванныи разумѡ дивныи въ съвѣтѣ наше спѡсь улѹѣскы самъ гн̄ и сего егоже благоволилъ есн на прєзвитерскыи възыти степень. иснлънн сто тн дха̄ даро̄ да бждѣ дѡстоенъ прѣстатн безпорѡка жрѣтвенникъ твоемъ проповѣдатн еѹаггєліе спѣенїа твоего. спѣеннодѣйствокатн слово твоєа истинны приносити тебѣ дары же и жрѣтвы дхо̄вныа. обнавлатн люди твоа благодатею паки бытїа. ако да и съ оусрѣтъ къ второе пришествїе великаго бга и спса нашего ӏ̄ѹ̄ хр̄а̄ єдїнороднаго тн сна, прїимѣть мъздоу бгаго строительства л. 31. своего унна. въ мнѡжествѣ бгости твоєа.

Εκφών. Ὅτι εὐλόγηται καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομα σου. τοῦ πρ̄ς καὶ τοῦ υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου πν̄ς, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν.

Καὶ μετὰ τὸ ἀμὴν, ἀνίστησιν αὐτον, καὶ φέρει τὸ ὄπισθεν τοῦ οὐραρίου (sic) αὐτοῦ, ἐπὶ τὰ ἔμπροσθεν φ. 28 об. τοῦ δεξίου μέρους, λέγων ἄξιος ἔπειτα ἐνδύουν αὐτὸν τὸ φαινόλων, ἐκφωνεῖ καὶ αὖθις τὸ, ἄξιος. καὶ ψάλλουσιν αὐτὸ οἱ τοῦ βήματος, καὶ οἱ ψάλται. καὶ οὕτως ἀσπάζεται αὐτὸς ὁ ἀρχιερεὺς. καὶ οἱ πρεσβύτεροι. καὶ ἀπερχόμενος, ἵσταται εἰς τὸν συνήθη τόπον. ἀναγινώσκον τὸ κονδάκιον. καὶ ὁ διάκονος ἵσταται εἰς τὸν συνήθει τόπον. καὶ λέγων το, πληρώσωμεν τὴν δέησιν ἡμῶν τῶ κ̄ω̄. ὅτε δε τελειωθῶσι τὰ ἅγια. καὶ μέλλει ἐιπεῖν, ὥστε γενέσθαι τοῖς μεταλαμβάνουσιν, προσερχόμενος ὁ χειροτονειθεὶς, ἐπιδίδωσιν αὐτῶ ὁ ἀρχιερεὺς φ. 29. τὸν ἅγιον ἄρτον, λέγωνοῦτως. λάβε τὴν παρακαταθήκην ταύτην, καὶ φύλαξον αὐτὴν, ἕως τῆς παρουσίας τοῦ κ̄ῡ ἡμῶν Ῑῡ χ̄ῡ. ὅτε παρ̀ αὐτοῦ μέλλεις ἀπαιτεῖσθαι αὐτὴν. ὁ δε λαβῶν, ἀσπάζεται τὴν χεῖρα τοῦ ἀρχιερέως. καὶ μεθίσταται ἐν ὦ πρότερον ἵστατο τόπω. τας μὲν χεῖρασθὶς (sic), ἐπάνω τῆς ἁγίας τραπέζης. καθ' ἑαυτὸν δὲ λέγων τὸ κε̄ ἐλέησον. καὶ ἐλέησον με ὁ θ̄ς̄. ὅτε δε μέλλει ἐιπεῖν τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις, τότε ὁ χειροτονηθεὶς. ἀποδίδωσι τὸν ἅγιον ἄρτον. καὶ παρὰ ἀρχιερέως μεταλαμβάνει πρῶτος τῶν ἄλλων, καὶ φ. 29 об. λέγει καὶ τὴν ὀπισθάμβωνον εὐχὴν. Ὁ διάκ Πληρώσωμεν τὴν δέησιν ἡμῶν...

Възглашєнїе. Ако блвнсѧ. и прослависѧ. прѣчєстное и великолѣпое имѧ твоє ѡц̄а и сна и стго дха̄. нн̄ѣ и прнд̄ и вѣкъ. и по амнн̄ѣ. приносити ѯаднїи конецъ врага его стѣ. наперє̄. глєть, достоенъ. сщєннцн же съ дїакѡны, глѹть. гжы. достоенъ. такожє̄ и пѣвцн г̄ жы. тр̄. стѣ фелѡнємь его одѣкаа. глєть паки достоенъ, такожє̄ какоже и ѡ єпнтрахнлн. и дакъ емѹ любѡвь. сирѣчь цѣлѡвлнїе. тако же и всн сщ̄єннцн порядѹ цѣлѹють его. и повелѣнъ быкь статн съ прѡчнмн сщ̄єннкы. и тако дїакѡнъ нзшє̄ глєть. испоннмъ матвы наша къ гв̄. и єгда же ѡ̄ нмєтся покрѡвъ сирѣчь въздѹ̄ дарѡвъ. и рєкѣть людїе. дѡстѡнно и л. 31 об. праведно. прнємла стѣ ѡ̄ блюда стго ѹастѣ бжтвнаго хлѣба. даєть в рѹкы поставленномѹ. онъ же цѣлуєть рѹкѹ тѣхмо єдннѹ, стнтелєкѹ и прѣкланяєть сего главѹ на̄ стою трапезою. ѹело же свое прилагаєть къ єже ѡ̄ него дрѣжнмомѹ стмѹ хлѣбѹ и прѣбываєть прѣклонєнъ тако сга̄ же реуе̄ стѣ, стаа стымъ, тогда постакленный ѡ̄даєть емѹ стго хлѣба. и ѡ̄ него прнчащаєтса ѹестнаго тѣла и крови хр̄ѹ, прѣжє̄ и нѣ прєсвитерь. подаєть же тъ стго прнчастїа и проунмъ прєсвитерѡ̄ и дїакѡнѡ̄. тѣже гла и ѯлатвѡнную матвѹ. служнт же на всякь дн̄ь даже до ѯ̄мь дн̄їн.

φ. 37. Τάξις γινομένη ἐπι χειροτονία διακόνου.

Μετὰ τὸ γενέσθαι τὴν ἀναφορὰν καὶ τὰς θύρας ἀνοιγῆναι. ναι τὸν ἀρχιερέαν ἐκφωνῆσαι τὸ, καὶ ἔσται τὰ ἐλέη τοῦ μεγάλου θ̄ῡ. πρὶν ἰειπεῖν τὸν διάκονον τὸ, φ. 37 об. πάντων τῶν ἁγίων μνημονέυσαντες. ὁ μέλλων χειροτονεῖσθαι, προσάγεται ὑπὸ τοῦ ἀρχιδιακόνου ἤ ἑτέρου τινὸς τῶν διακόνων τῇ ἱερᾶ τραπέζῃ καὶ κυκλοῦντες αὐτὴν τρὶς. ψάλλοντες τὸ, ἅγιοι μάρτυρης. ὁμοῦ οἱ ἐκεῖσαι ἱστάμενοι ἱερεῖς. εἶτα προσερχόμενος τῶ ἀρχιερεῖ, σφραγίζεται τ̄. τὴν κεφα-

Оустакъ бываємыи на постакленїе дїакѡна.

По бытїи стго възношенїа двереемъ ѡ̄кръгснїа и стлю възгласившу. и да бждѣ̄ мтн̄ великаго б̄а и пса и. прѣжє̄ рецни дїакѡнъ̄. вса стыа помнлѹвше хотѧн постакленъ быти прикодѣ̄ быкаѐ̄ архїдїакѡнѡ̄ и нны̄ нѣкы̄ ѡ̄дїакѡнъ къ стѣи трапезѣ. съ десныа стла страны. книгохранитель же ѡ̄ лѣкыа. и дасть свнтокъ писаныи стлю и възглашающѣ̄ архїдїакѡноу. кѡньмѣ̄. проунтаєть писанна стѣ къ слв̄ всѣ̄ прѣстолцѣи.

λὴψ. καὶ κελεύει ἀποζώσασθαι τοῦτόν, ἀρθῆναι τὸ μανδήλιον. εἶτα ἐρεῖδε, ὁ χειροτονούμενος τὸ μέτωπον αὐτοῦ τῇ ἁγία τραπέζῃ. καὶ κλίνει τὸ γόνυ τὸ δεξιόν. καὶ τοῦ ἀρχιδιακόνου ἐκφωνοῦντος τὸ πρόσχωμεν, ὁ ἀρχιερεὺς ἔχων ἐπικειμένην φ. 38. τὴν χεῖρα τῇ κεφαλῇ τοῦ χειροτονουμένου, ἐκφωνεῖ.

Ἡ θεία χάριξ. ἡ πάντοτε τὰ ἀσθενῆ θεραπεύουσα. καὶ τὰ ἐλλείποντα ἀναπληροῦσα, προχειρίζεται τὸν δυνατὸν εὐλαβέστατον ὑποδιάκονον εἰς διάκονον. εὐξόμεθα οὖν ὑπὲρ αὐτοῦ. ἵνα ἔλθῃ ἐπ᾽ αὐτὸν, ἡ χάρις τοῦ παναγίου πνς. καὶ ὁ ἀρχιερεὺς σφραγίζει τρις τὴν αὐτοῦ κεφαλὴν. καὶ τοῦ διακόνου ὑπόντος (sic) τοῦ κῦ δεηθῶμεν, ὁ ἀρχιερεὺς ἔχων τὴν χεῖρα ἐπικειμένην ἔυχεται οὕτως.

Καὶ ὁ θς ἡμῶν, ὁ τῇ προγνώσει. φ. 38 об. τῇ σῇ, σὴν τοῦ παναγίου σου πνς χορηγίαν καταπέμπων ἐπι τοὺς ὡρισμένους ὑπὸ τῆς σῆς ἀνεξιχνιάστου δυνάμεως λειτουργοὺς γενέσθαι, καὶ ἐξυπηρετεῖσθαι τοῖς ἀχράντοις σου μυστηρίοις, αὐτὸς Δέσποτα καὶ τοῦτον ὃν εὐδόκησας προχειρισθῆναι παρ᾽ ἐμοῦ εἰς τὴν τῆς διακονίας λειτουργίαν ἐν πάσῃ σεμνότητι διατήρησον. ἔχοντα τὸ μυστήριον τῆς πίστεως, ἐν καθαρᾷ συνειδήσει, δώρησαι δε αὐτῷ τὴν χάριν ἣν ἐδωρήσω στεφάνῳ τῷ πρωτομάρτυρι σοῦ ὃν καὶ ἐκάλεσας πρῶτον εἰς τὸ ἔργον τῆς διακονίας σου φ. 39. καὶ καταξίωσον αὐτὸν κατὰ τὰ σοι ἐυάρεστον, οἰκονομῆσαι τὸν παρὰ τῆς σῆς ἀγαθότητος, δεδωρημένον αὐτῷ βαθμὸν. οἱ γὰρ καλῶς διακονήσαντες, βαθμὸν ἑαυτοῖς καλὸν περιποιοῦνται. καὶ τέλειον ἀναδείξον δοῦλον σου.

Ἐκφών. Ὅτι σου ἐστιν ἡ δύναμις καὶ ἡ δόξα τοῦ πνς καὶ τοῦ υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου πνς, νῦν καὶ εἰς τοὺς αἰ.

Καὶ μετὰ τὸ ἀμήν, λέγει ὁ ἀρχιδιακονος λεπτῇ φωνῇ, ὅσον ἀκούειν τοὺς συμπαρόντας διακόνους καὶ ἀποκρίνεσθαι.

φ. 39 об. Ἐν εἰρήνῃ τοῦ κῦ δεηθῶμεν.

Ὑπὲρ τῆς ἄνωθεν εἰρήνης καὶ τῆς σρίας τῶν ψυχῶν ἡμῶν, τοῦ.

Ὑπὲρ τῆς εἰρήνης τοῦ σύμπαντος κόσμου εὐσταθείας τῶν ἁγίων τοῦ θῦ ἐκκλησιῶν. καὶ τῆς τῶν πάντων ἑνώσεως τοῦ. Ὑπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν τοῦ δύνα ἱερωσύνης. ἀντιλήψεως διαμονῆς. εἰρήνης. ἀγείας. σωτηρίας αὐτοῦ. καὶ τοῦ ἔργου τῶν χειρῶν αὐτοῦ, θοῦ κῦ.

Ὑπὲρ τοῦ δούνα τοῦ νυνὶ προχειριζομένου διακόνου καὶ καὶ τῆς σρίας αὐτοῦ τοῦ κῦ.

φ. 40. Ὅπως ὁ φιλάνος θς ἄσπιλον καὶ ἀμώμητον αὐτῷ τὴν διακονίαν χαρισηται ταῦ κῦ.

Ὑπὲρ τῆς ἁγίας μονῆς ταύτης πάσης πόλεως καὶ χώρας. καὶ τῶν πίστει οἰκούντων ἐν αὐταῖς.

Ὑπὲρ τοῦ ρυσθῆναι.

Ἀντιλαβοῦ.,..

Τῆς παναγίας...

Καὶ τούτων ρηθέντων, ὁ ἀρχιερεὺς φ. 40 об. ἔχων τὴν χεῖρα ἐπικειμένην.

Ἔυχεται οὕτως.

Ὁ θς ὁ σὴρ ἡμῶν. ὁ τῇ ἀφθάρτω σου φωνῇ τοῖς ἀποστόλοις σου θεσπίσας. καὶ πρῶτον αὐτῶν κηρύξαν τὸν τοῦ

вѣзглаⷭнїе. Бжⷭтвнаа блⷭть. иже вьсегда немощнаа исцѣлающїа. и недостатоучаа исплънающїа поставлⷭе имⷭ. блⷭгословѣннаго иподіакона на діакоⷭньство. л. 26. помолимсѧ вⷭѡ ѡ немъ да прїиⷣе на но блⷭть пⷭтго дха. и всѣмъ вѣзглашающимⷭ. гⷭи помилуи трижⷣ. поставляемыи прѣклонаⷮ десное колѣно и стⷭитель, творить на главѣ его три крⷭты. и тако положи рѫкѹ. на главѫ его. и помолитсѧ тицє тихѹ глⷭсѡ. токмо тѣ прⷭстолиⷨ їереѡ и дїаконѡ слышати.

мѡ. Гⷭи бⷭе нашь. иже провѣдѣниемъ своимⷭ стго тѣла дха подаваи ниспосылаа. на проуставленіе ѡ твоемъ не исслѣдныа силы служителе быти и работати прⷭтымъ тѣмь таинствомъ, самъ вложи и сего его же блⷭговолилъ еси поставленъ быти мною в дїаконьскѫю службѫ, въ всякомъ чистотѣ съблюди. имоуща таиноу вѣры, въ чистѣ сѣвѣсти, дароуиже емѹ блⷭть. юже далъ еси стефанѹ л. 26 об. пръкомученикѹ твоемѹ. его же и нарекълъ еси перваго въ дѣлѣ службы твоеа. и спѡби его по твоемѹ блⷭгозволенїю стрѡнти иже твоею блⷭгостынею даровавныи емѹ степень. нѡ добрѣ послужившїи. степень себѣ добръ приткарають. и съ крѣшена покажи раба своего.

вѣзглаⷭнїе. Ꙗко твое есть црⷭтво и сила и слава. ѡц̃а и сн̃а и стго дха. нн̃ѣ и прⷭно и кⷭвѣ вѣкⷭ. амнь. тⷭ. глⷭеть архїдіакон нискы глⷭсѡ. елнко слышати тоу соущⷦ дїаконѡ гⷭи помилуи.

Мирѡ гⷭ помолимсѧ...

О скышнѣм мирѣ и ѡ спⷭенїи дшⷭ нашⷦ гⷭ пⷭ.

О мирѣ всего мира, блⷭгостоянїи стыхъ бжⷭіихъ црⷭквь. и ѡ съвокоупленіи вⷭѣхъ. гⷭ помолимсѧ.

О архіепⷭпѣ нашемъ. їⷦк. сщенⷭьства. хⷭтвленїа. прѣбыванїа. мира зрⷭвїа. и спⷭенїа его. и ѡ дѣлѣ рѫкоу его. гⷭу помолимсѧ.

О рабѣ божїемъ нⷦ поставляемѡ дѣаконѣ. и спⷭенїа его. гⷭ помолимсѧ.

Ꙗко да улⷦкоубецъ въ нескрънно и неблазно емѹ служителство даръсть гⷭ помолимсѧ.

О градѣ семъ и всякѡ градѣ и странѣ. и вѣрою живущⷦ въ нⷦ гⷭу помолимсѧ.

О избавитисѧ намъ ѡ всякоа скрѣби гнѣва и бѣды и нѫжа. гⷭ пⷭ.

Хⷭтвпи сⷭи помилуи и съхрани нⷭ бⷭе своею блⷭтїю. прⷭстꙋю ѹтꙋю прѣблⷭгословенную влⷭцꙋ нашꙋ бⷭю. и прⷭно дв̃ы мрⷭїа. съ всѣми стыми поминувше. самиⷭ сбе. и сⷦ глⷭемъ. стⷭлꙋ имⷭ такожⷣе на главѣ поставляемаго рѫкꙋ лежащꙋ.

Молитва. Бⷭе сⷭе нашь. иже нетлѣнныⷦ тⷦ глⷭсѡмь анⷭѡмь своⷦ оустакⷦ л. 27. об. и прькаго ⷦ проповѣдавъ. иже діаконское исплънѣвша дѣлѡ. ꙗко же

διακόνου ἀποπληρῶντα ἔργον, καθως γέγραπται ἐν τῷ ἁγίῳ εὐαγγελίῳ σου, ὅστις θέλει ἐν ὑμῖν εἶναι πρῶτος, ἔστω ὑμῶν διάκονος, σὴ δέσποτα τῶν ἁπάντων, καὶ τῶν δούλων σου τοῦτον ἂν κατηξιωσας τὴν τοῦ διακόνου ὑπεισελθεῖν λειτουργίαν, πλήρωσον πάσης πίστεως καὶ ἀγάπης, καὶ ἁγιασμοῦ, τῇ ἐπιφοιτήσει φ 41. τοῦ ἁγίου καὶ ζωοποιοῦ σου πνς, οὐ γὰρ ἐν τῇ ἐπιθέσει τῶν ἐμῶν χειρῶν, ἀλλ' ἐν τῇ ἐπισκοπῇ τῶν πλουσίων σου οἰκτιρμῶν, δίδοται χάρις τοῖς ἀξίοις σου, ἵνα καὶ οὕτως πάσης ἁμαρτίας ἐκτὸς γενόμενοις, ἐν τῇ φοβερᾷ ἡμέρα τῆς κρίσεως σου, ἀμέμπτως σοι παραστῆ. καὶ τὸ μισθὸν τὸν ἀδιάψευστον τῆς σῆς

Ἐκφ. Σὺ γὰρ εἶ ὁ θς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπεμπομεν. τῷ πρὶ καὶ τῷ υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ πνι, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ

Καὶ μετὰ τὸ ἀμήν, περιτίθησι φ. 41 οβ, τὸ ὡράριον τῷ χειροτονηθέντι κατὰ τὸν ἀριστερὸν ὦμον, λέγων ἄξιος. καὶ ψάλλεται συνήθως τρίτον παρὰ τῶν τοῦ βήματος. καὶ τρίτον παρὰ τῶν ψαλτῶν. εἶτα ἐπιδίδωσεν αὐτῷ ὁ ἀρχιερεὺς ἅγιον ριπίδιον, λέγων ὁμοίω ἄξιος. καὶ ἀσπάζεται αὐτὸν. ὁ δὲ τὸ ριπίδιον λαβὼν, ἵσταται ἐκ πλαγίου τῆς ἁγίας τραπέζης, ἀπὸ τοῦ δεξιοῦ καὶ ριπίζει ἐπάνω τῶν ἁγίων. καὶ ὁ ἕτερος διάκονος, ἵσταται ἔξω τοῦ βήματος, εἰς τὸν τόπον ἐν ᾧ ἀναγινώσκονται εἰρηνικά, καὶ λέγει. πάγζων τῶν ἁγίων φ. 42. μνημονεύσαντες. καὶ τὰ λοιπὰ, εἰς δε τὸν τῆς μεταλήψεως καιρὸν. πρῶτος τῶν ἄλλων ὁ χειροτονηθεὶς, μετέχει τῶν θείων μυστηρίων. Καὶ λέγει τὰ διακονικὰ εἰς τὸν τόπον αὐτῶν. ἤγουν τὰ ὀρθοῦ μεταλαβόντες. ἕως τῆς ἐκφωνήσεως. ταῦτα δε γίνονται, ὅταν γίνεται λειτουργία τελεία. Ἐπεὶ δὲ ἔξεστι τὴν τοῦ διακόνου χειροντονιαν, καὶ ἐν τοῖς προηγιασμένης (sic), ποιεῖν.

Ἰστέων ὅτι μετὰ τὸ ἀπρτεθῆναι τὰ προηγιασμένα ἐν τῇ ἁγία τραπέζει. πρὶν ἐπεῖν τὸν διάκονον τὸ, πληρώσωμεν τὴν δέ. προσάγεται ὁ μέλλον χειροτονεῖσθαι φ, 42 οβ. καὶ γίνεται ἡ χειροτονία ὡς προεγράφη. ὁ διακ. Πάντων τῶν ἁγίων μνημονευσαντες....

пишѣ̀ въ сѣ̀мъ твоемъ є҃ѵ̀ліи. иже хощеть въ ва̀ бы̀ти перкын да бѫдеть вамъ слѹга, ты кы̀ко късѣ̀ и рака своего сего. его же сподо̀билъ есн въ дїакѡнскѫа къ цнтѣ слѹжбѣ, исплънн късѣкоа кѣры и любве и силы и сѣ̀ынн, посѣщенїемъ животворѧщаго тн дха. не бѡ ѡ̀ положенїа рѫкъ монхъ но посѣщенїемъ б о г а т ы̀ тн щедрѡтъ даетса бл҃ть достоннымъ тн. да и съ кромѣ грѣхъ късѧкого быкъ, въ страшныи дн҃ь соуда твоего неповиненъ тебѣ пр҃станеть. и мѕдѹ не ложнѫа твоего ѡбѣтованїа прїнмѣ̀.

Въсглаві҃е, Ты бѡ есн бъ̀ нашъ. и тебѣ слав҃ѫ. късылаѣ̀ ѡц҃ꙋ и сно҃у и сты҃мѹ дхѹ и нн҃ѣ и пр҃но и въ вѣкы вѣкѡмъ. амнн҃ь

л. 28. И по амнн҃ѣ къхлагаѣ̀. сты҃ль поставлаемомѹ на лѣвое рамѧ ѹрарь, и гла велегласно аѯ҃ось. сщ҃енникъ же ркоуть то трнжды҃, аѯ҃ось. та̀ пѣвцн тожѡ̀ поют трнжда. сты҃ль же даеть емоу рїпїдоу сто҃ую десною рѫкою, новопоставленным же прїемла цѣлуеть сты҃ла къ десниѫа рѫкѹ, таже къ десное лице и тако поставлают его ѡ̀ страны сты҃а трапезы, и ѡмахываеть сты҃а дары. первѣе цѣловавса съ дїакѡны. ѡ̀ перваго и до послѣдняго. цѣлованїе же діакѡньское сице быкаеть, клады̀ діакѡ̀ прїемъ десною рѫкою оурарь скон. придрѫжатн трнмн пръсты. цѣлоуеть. та̀ дрѹгъ дрѹга по ра҃ѹ по сконѹанн же всего, абіе діакѡ̀ иже на амконѣ, гла҃ть. вса сты҃а поманѹвше. въ врема̀ л. 28 об. бж҃твнаго прнчастіа, прѣжѣ̀ н н҃ы̀ діакѡновъ поставленныи божт҃внаго хлѣба прїемлѣ̀ и поставльшаго и сты҃а. такѡ̀же прнчащаетса и утры҃а крови прѣже иныхъ діакѡ̀. тъже гла҃ть вышѣ̀ перѣ̀ цр҃кымн двермн сты҃мн простн прїемше и проуаа и тако слѹжить ѯ҃. дн҃ін. вѣдомо̀ бѫдн тако достонть дїакѡнскаа ставленїа творнтн и въ пр҃жѣ̀сщ҃енны҃ѣ слоужбѣ̀. вънегда ѵ҃бѡ прннесена бѫдоуть прѣжѣ̀ сщ҃ѣенныа и положена на сто҃н трапезѣ. прѣжѣ̀ рещи діакѡнъ нсполнмь молѣтвы наша къ г҃ѹ. прнводѝ быкаеть поставнтнса хотѧн. и проуее все по радоу. и непремѣнно быкають. ꙗкоже прѣжѣ̀ писахѡ̀.

Чтеніе и объясненіе снимка.

ф. 10 об. Δέσποτα Κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν ὁ καταστήσας ἐν οὐρανοῖς τάγματα καὶ στρατιὰς ἀγγέλων καὶ ἀρχαγγέλων. εἰς λειτουργίαν τῆς σῆς δόξης, ποίησον σὺν τῇ εἰσόδῳ ἡμῶν, εἴσοδον ἁγίων ἀγγέλων γενέσθαι. συλλειτουργούντων ἡμῖν. καὶ συνδοξολογούντων τήν σὴν ἀγαθότητα. ὅτι πρέπει σοι πᾶσα δόξα τιμὴ καὶ προσκύνησις. τῷ πατρὶ καὶ, τῷ υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ πνεύματι, νῦν καὶ ἀεὶ καὶ.

ф. 87. Ἡ παροῦσα ὕπάρχη καμοῦ τοῦ ταπεινοῦ μητροπολίτου ἀδριανου πόλεως ἀνθίμου. ἐν ἔτει ,ҳрiѳ. (1611 г.) Ἰουνίω ἰνδικτιώνος ѳ.

Заставка съ заглавіемъ въ ней литургіи св. Василія Великаго уставными буквами. Заглавныя буквы. Сокращенія, вязаныя слова и сокорописная азбука. Ἐκφωνᾶς τοὺς μετὰ τῶν των καὶ καὶ ὁ διάκονος. ἡμῶν. φύλαξον. ἡμῶν τῶν δοῦναι.

IV. Хронографъ

Находятся въ Синод. Библіотекѣ подъ № 457.

Писанъ скорописью на лощеной бумагѣ въ четвертку на 273. листахъ. Въ концѣ на не помѣченомъ листѣ написана запись писца 1622 года. На 1-мъ листѣ внизу помѣчено: Арсеній. ѵѣ. На 2-мъ не помѣченномъ: τῶν ἱβηρῶν, а на 1-мъ помѣченномъ: τῶν ἱβηρῶν. На семъ листѣ заставка изъ перевичыхъ круговъ, какая въ Славянскомъ Четверо-Евангеліи XIV—XV. Воскресенской Библіотеки. Заглавныя буквы фигурны, писаны одною киноварью. Число строкъ на страницѣ не опредѣленно 26, 27, но болѣе 27.

и

Чтеніе снимка.

φ. 60 об. Μετὰ δὲ τὴν καταίυσιν τῆς τρωάδος, ἕνας στρατηγοὶ ὀνοματι αἰνίας ὑιος ἀρχίστου, ἠλευθερώθη ἀπὸ τοὺς ἕλληνας ὑπὸ τῆς βοηθείας τοῦ μενελάου, καθῶς ἐγράφη ἡ ἱστορία τῆς τρωάδος καταλεπτῶς. ὁ ὁ ποῖος αἴνιας ἐπῆρε τὸν λαὸν αὐτοῦ καὶ ὑπῆγεν εἰς τὴν ἰτταλείαν. οὗτος γὰρ ἐλάλησεν τὸ μάντευμα ὅτιαν εὕγηνὰ ὑπάγη με τὴν συντροφίαν εἰς τὴν δύσιν. 1622. ἀυγούστω πρώτω... Скорописная азбука.

V. Сборникъ.

Находится въ собраніи Г. Севастьянова подъ № 48-мъ.

Длина бумаги	$2^3/_8$ в.
Ширина	$1^3/_4$ в.
Къ корешку	$^1/_4$ в.
Къ правой сторонѣ	$^1/_4$ в.
Къ верху	$^1/_4$ в.
Къ низу	$^3/_8$ в.

Бумажнаго знака невидно.

Писано скорописью въ одну грань на 156 листахъ. Нарѣзовъ не видно. Заставки окрашены краскою кирпичнаго цвѣта. Такою же краскою писаны нѣкоторыя заглавныя буквы и кой гдѣ заглавія. Колеръ чернилъ черный. Помѣты тетрадей невидно. Число строкъ на страницѣ большею частію 12-ть а въ концѣ сборника по 13-ти.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ Макарьевскихъ четьи-миней XVI в. № 992. мц҃ъ Мартъ. л. 594—598.

д. 91. Τοῦ ἐναγγεις (sic) πρ̃ς ἡμῶν Ιωαννου ἀρχηεπισκόπου. κονσταντίνου πόλεως τοῦ χρισοστόμου. λὸγος εἰς τὸν εὐαγγελισμὸν τῆς θεοτόκου.

Τὴ προτέρα κυριακὴ. τὴν ὀρθόδωξον ζαύτην ἐκκλησίαν. οὐράνιον χορίαγ ἐκάλεσεν, ὁ τῆς ἀκτίστου τριάδος μιστοις καὶ ἐξυγητοίς ὁ μέγας βασίλειος, ὁ θεοδίδακτος ρίτορ. ὁ τῆς ἀλυθηας σινήγορος ὁ γενεως τὸν ψευδους κατήγωρος. ὁ τὴς ἀριανικής μανήας τοῦ λύσαν θριάμβεύσας ὡς ἔπρεπαιν. ὁ τω βύο πρό τοις γλότης λάλων. καὶ τᾶ λόγο μετα

К-тоѣ дн҃ь слв҃. иже въ ст҃ыѣ ѻц҃а нш҃его іоанна. архїепп҃а кѡстантина града ѕлат҃ыѧ. на бл҃говѣщенїе пр҃тыа вл҃ыцы нш҃ея бц҃ы. и прѡѡдвы мр҃їа. и на дрїаны слв҃ грігорїа нисьскаго.

Въ первоую нед҃лю, православноую сію цр҃ковь. нб҃ныи лнкъ нарекѣ. и несъзданныя трїа неизрѣченныи таинн҃ и сказатель великїи васнлїе. бг҃оглоученныи кѣтѣн (sic). **иже истинне съглагольникъ. иже**

. . . . . .

арїанскаго бѣшенїа неистовство обличникъ, ико҃ пѡба-

της πολητήας βοῶν. ὁ τῆς πόλεως ταύτης γνορίμότατος κοσμός. ὁ τῆς ἐκκλησιας αστήρ. ὁ της ἐχθροῖς τῆς εὐσεβίας. ὁ λήκοις παρατατόμενος, καὶ τη γλότη καθάπερ σφενδόνῃ χβόμενος κατὰ των δισεβών. ὁ τῆς πίμνις ταύτης ἄγριπνος φύλαξ ὁ τὴς αγνίας μάνδρας πάνσοφος ποιμήτης. οὗτος ἐβάνισε τη προτάυτη κυριακή τήν ἑαυτου γλότταν το πνι. καὶ τοις θήεις αυτούρίμασι. τὸν ἄριον καὶ ἐτῳξευσεν. καὶ τὴν ἐκήνω βλασφυμήαν τὴν θηνῦν διδαχαλυὰν τυγχάνουσαν ἔδιξεν. ἐν τρ μέσο τῶν προβάτων. л. 92, ὡς ἀρνίον καλυπτόμενων τὸν λύκον. καλυπτόμενον τοκοδί ὁ τοῦ χριστηανισμου ἐπεγήμνοσε. καὶ περὶ ελων αὐτοῦ το ἔνδιμα ὑποκρίσαι ὡς λύκον ἐξηλύτευσεν. τὸν νομηζόμενων πρόβατον ἦναι καὶ τοις πρὸφυτηκοίς καὶ ἀποστολυκοίς λόγοις ὡς λόθοις των θήρα κατέλευσε. καὶ καθάπερ δαδ τὸν γολιάθ, καταβαλόν τὴν ἐκήνου μαχαίραν εὗρε χρυσιμέβουσαν αὐτό, πρὸς τὴν τοῦ πολεμίου σφαγῆν. οὕτος καὶ τῆς ἡμετέρας πράξεως ὁ νεως. δαδ. τοις ὅπλοις του ἀρίρυ τον ἄριον κατετόξευσεν ὑπέγραψε το λόγο. л. 92 об. πως ὁ θς καὶ πῆρ αχρόνος ἦν του λόγου πῆρ πῶς σηναΐδιος ὁ ὑιός το πρί. πῶς ὁμοούσιος. οὐχ ετεροούσιος. πῶς συνεργος. ἄλλον χυπεργως. πῶς πιήτης. ἀλλουχη ποιήμα. πως δεσπότης. οὐ δούλος. πᾶς ἀπάυγασμα της δόξης καὶ χαραχτήρ της ὑποστάσεως πως ἐν αρχη ἦν ὁ λόγος. καὶ ὁ λόγος ἦν προς τῶν θν καὶ ὁ θς ἦν ὁ λόγας. πῶς ὁ λόγος σάρξ ἐγένετσ, μί τράπεις σάρξ ἐγένετο. μί μετὰβλυθείς σάρξ ἐγένετο. μί ἀλυοθής καὶ ἐσκήνοσεν ἐν ημῖν. σκηνῖν ἀχόριστων τῆς ἑαυτου θεότητος. τὴν ἡμετέρα φισιν л. 93. κατασκέυασας αυτός ἑαυτώ. οὗτος. οὖν οὗτος ο κύρυξτῆς ἀλυθήας ἐκύριξεν. αὐτῶν γὰρ ἦχε διαυτου φθεγκόμενων. των παρα των ἀριανων βλασφιμούμενον. τούτου χάρην οὐνθεν μέν αὐτὸν. ἀοράτως ἐφίμουν ἡ ἄγγελοι. ὅς τιν πρὸς αυτὸν προσκηνουμένην ὁμοούσιον τριᾶδα. καλώς ἐπὶ τῆς γης ἀνιμνούντα. καὶ δοξολογήσθε διδάσκωντα. ἡμείς δε της δικέης κάτηθεν κρότης ἐπὶ σκυρτώνται ἀγάλεσθε. καὶ τῶν μιμιτήν τῶν ἀποσφόλων ανυηγορέυεται. ὁς το πέτρο την μακαρισθήσαν ὁμολογήαν τη γλόσῃ πιγάζωντα. καὶ μακαρίαν ἠκότως. ἀπεκαλύτε л. 93 об. την ἐκκλησίαν τηούτων καὶ κτημένον κημίλιον. καὶ γὰρ ἐξημακαρία. τιούτων ἐχουσαν θυσαυρῶν. ταύτα μεν οὖν κατεκήνην τὴν ἡμέραν γεγένηται. ἐγώ δε σιμερον ἡμίν επανίξε βούλομε τα προπιλεα τῆς ἑανθροπίσεως του μονογενούς. ἦν κατοπτεῦσιται πός ὁ θς λόγος ὁμοούσιως ὂν το πρί. λαβών τὴν ἡμετέραν. οὐσίαν. ὁμοούσιος γενέσθε τοις δούλοις ἠθέλυσε. πός ὁ ἠψιλὸς ὑπέκλινεν ἑαυτῶν οὐνοθεν. πρός τὴν ἡμετέραν ταπίνοσην. πός. ὁ πλύσιος την πτοχήαν ἡμῶν περιέθετο. πός ὁ απρος δε εἰς ἔλαβεν ὅπερ ἔπλασεν ου δεόμενος. л. 94. πός ὁ πιητής τὸ ἑαυτου ποιημα περιἔσφυγξε. πός μίνας θς. ἐγένετο καὶ ανος ὁ φυλάνος. πός ὁ τὴς δικαίδσήνοις ἥλιος. ἀνάψας ἑνεαυτό τὸν λύχνον του σώματος περὶ εἰή πως ταχού ζυτόν τὴν ἀποαше. иже житїе прежє мзыка глан. и словомь по жнтїи въпіа. иже града сего акствена оуткарь. цр҃ковнаа зд҃ѣзда. иже врагъ благоүестїа. ако колко прѡтивлаасѧ и мзыкомъ ако же праүею. метаа на злоүестивыа. иже паствы сеа. небүсыпныи хрнитель. и є҃ стыа ограды прм҃рын ограднтель сен в злемъ даетъ. въ иже прежє сее нєлн свои мзыкъ стомоу дхоу. и бжтвенынми сконми глы арїа снѹзи. оного хоулєнїа показавъ, дїаволе оүєнїе соүще. пѡказа посредї овець вѡлка. ако агна пѡкрываема кожею хр҃тїанства. и ѿмъ ѿ него ѡдежю лицемѣрїа. ако вѡлка рвлнуи мнимлгѡ овцоу быти. и прроүескими и апльскими словесы. ако каменїемъ зѣвра порази. ако же двъ голїафа низложь, оного меүь потребенъ емоу обрѣте. к закланїю ратника, сиде иже нашего сполүенїа нѡвын давы. оружїемъ арїевѣмъ. арїа снѹзи. пѡ҃писа слѡвѡ҃. и како бъ и ѡ҃цъ безлѣтенъ бѣ слова ѡ҃цъ. и какѡ съ прнсоүщенъ сн҃ъ ѡ҃цѹ єдиносоүщенъ а не иншсоүщенъ како съдѣнственникъ а не слоужитель. ка҃ творецъ, а не твореніе. какѡ вака а не рабъ, какѡ оазренїе славы. и начертанїе състава. какѡ искѡнн бѣ слѡво. и слово бѣ къ бгоу и бъ бѣ словѡ. како словѡ плѡ҃ бысть непревращьса плѡ҃ бысть. не изменьса и вселисѧ в ны. селенїе неразлоүнѡ своего божества. наше ѥ҃ство оустронкъ самъ себѣ. сіде оубѡ проповѣдникъ истинныи прѡповѣда. самѡго бо имѣаше тѣмъ вѣщающа. ѡ҃ арїан҃ хоулнма. сего оубо ради с нбсн того невидимо благѡхвалаахоу аггли. ѝ҃ иже ѡ҃ тѣхъ поклѡняемѹю єдиносоүщноүю трц҃ѹ добрѣ на земли въспѣкающа. и славословнти оүмаща. выже низоү правѣнымн плескан҃мн играюще веселитесѧ. иподражателя аг҃льскаго достоннѡ анл҃ѡлъ нарицанте, ако петровѡ оублж҃вшееся исповѣданїе, мзыкомъ тоумаща. [1]) и блж҃ноүю к лѣпотоү нарицанте цр҃ковь, таковын имоүщюю съсѣ҃, нбѡ єсть блж҃ина такокоє имоүщїа съкровище. сїа вѡ онѣ оубо дн҃ы быша, аже дн҃ь вамъ ѡ҃врестн хощю пр҃ѣдверїа въүлѣенїа единнорѡ҃наго. да видите ако бъ словѡ єдиносоүщенъ єсть ѡ҃цоү. прїемъ наше соүщество. єдиносоүщенъ быти рабѡмъ въсхотѣ. какѡ высокїи преклоннвъ себе съ нбсъ к нашемоү смиренію. какѡ богатын нищим нашнмъ (науатъком sic) облѡжнса. какѡ не потребовательныи прїатъ еже създа҃ не требоүа. какѡ творец свое създанїе обїатъ, какѡ пребывъ бъ. и бы ѵлкъ ѵлкѡлюбивын. ка҃ правѣнѡе сѧнце себѣ свѣтлникъ кжегъ телесе обхождаше всюдоү нскї, пѡгибшюю драхмоү. ка пастырь дѡбрын кѡжею окѹате покрыкъ свое божествѡ обтекаше прнзывла к себѣ заблоүшее окуа. и глаа кѡенжѡ аз єсмь пастырь дѡбрын нѹжно єсть

[1]) Слов: ако паклѡко рвенїе оустнами бгодхнѣ испоүщающа, въ Греческомъ текстѣ нѣтъ.

λυμένην ἀραχμήν. πῶς ο πιμήν ο καλῶς τη δορά του
πρβάτου καλύψας την ήκίαν θεότητα, περιέτρεχε καλών.
προς ἑαυτὸν τα πλανόμενα πρόβατα καὶ λέγων πρὸς ἕκαστον ἐγώ ήμίν ὁ πιμιν ὁ καλός ἀναγκέων δέ ήμάς ὑπήν-
την σίμερον ἐν ταῖς ἐκκλησίαις. κυριχθήσαντων ἁγίων εὐαγγελίον φωνήν, ὠμνίτω ἔκτο ἀπεστάλυ л. 94 об. ὁ ἄγγελος γαβριῆλ, ὑπφ του θῦ. εἰς πόλην τῆς γαλυλαίας. ἥ ὄνομα ναζαρέτ, προς παρθένον μεμνηστευμένιν ἀνδρὶ ὄνομα Ἰώσὴφ. ἐξ ὑκου δᾶδ καὶ τὸ ὄνομα της παρθένου μαριᾶμ, καὶ ἡσελθών ὡ ἄγγελος προς αὐτὴν ὑπεχαίρε καὶ χαριτομένη ὁ κ῾ μετα συ εὐλογημένι ση ἐν γηναιξήν ὥ μηνίτω ὅκτω ἡδι τυ ζαχαρίου, δια την ἀποστήαν, τὴν ἀφωνήαν κατακριθέντος. ἥδι τὴς ελισάβετ βλαστησασης τὸν ἀπροσδώκητον κλάδων. ἥδι του βαπτηστοῦ Ιωάννου χρόνων ἑξαμινι αἵων ἔχοντος. εν τω τὴς л. 95, κυλήας δεσμοτηρίό. ἥδι του πρδρόμου. προεύτρεπισθέντος ἐν τῆς την στηρόσεως τόπων, ἥδι του λύχνου λαμποντος, ἐν τῆς σκοτηνεῖς σηκοῖς της γαστρος. ἀπεστάλυ ἀπὸ του ἡλίου τὴς δικερσύνης ὁ ἄγγελος γαβριῆλ. ἄπελθε φησιν εἰς τὴν πόλην γαληλαίας. εἰς την ναζαρέτ, πρὸς τὴν παρθένον μαριαμ, μεμνιστευμενον τεκτων Ἰώσὴφ ἐγά, γὰρ ὁ τέκτων ὅλοις τὴς κτίσεος. την παρθένον ταῦτην. ἐπὶ σρία τῶν ἄνων μεμνυστευμαι, προμύνισων αυτήν την τάραχων ἡμίν παρουσίαν. ἵνα μί χορείς προγόσεος л. 95 об. ὑποδεξαμένοι μεθρ ή θή. προδίδαξον αὐτήν τὴν ἐμήν φιλανοίαν. δι ἥν ἑξαμτοίς βούλομαι προέλθήν εἰς των κόσμον ὁς ἄνος. ἵνα προμαθούσατο οἰκονόμουμενων εἰς το τελούμεγον. μὴ θαυμβωθή προκήριξον τὴν εἰκονομίαν. ἵνα μὶ θεασαμένι τὴς γαστρὸς αὐτου τὸν ἄγκον ἐξέφνος ἡψαίμενον ἐξάνισον ἐκή με εὑρίσεις, ὅπου πέμπισε νήνεκήσε προφθαγόμένον ἐνταῦθα ἐγώ καὶ πρασω. καὶ μετα σέ. εἰςέρχομε πρὰς αυτήν. σι κόμισονζα τῆς ἐμίς ἀφύζεως ἐυαγγελία. л. 96. καγώ παραγενόμενος ἀόράτως. τοὶς ἔργης τὴν σὶν σφραγίσω φωνῆν. θελο γὰρ ἐν τη παρθενική νιδίη, τῶν ἀῦν ἀναραιβσαι τω γένος θελο σηγκαταβατημεν, ἀναχονέυσε ἥν επλασα ἠκόνα. θέλο κενί πλάσι. θεραπευσαι την ἀρχαίαν διᾶπλαιν. ἐκ παρθέγου γὴς ἐνεμαυτό περηπίξε νέων ἀδᾶμ, ἵνα καὶ ὑφυσις ὑπεραυξὴς. εὐπροσώπου, ἀπολογήσεται, καὶ νομίμος σεφανωθή κατὰ του βαλλόντος ταύτην. καὶ ὁ πολέμιος εὐλόγος καταισχυνθή. ὅ συγκαταβάσεος αμετρύτου πελαγος. ὅ θείας φιλανοίας ἄπῶρων ὕψος л. 96 об. οὐκ απέστηλαι πολους ἀγγελους ὁ βασιλεὺς, οὐκ εκήνισεν ὁ δημιούργὸς τα ατρατύπεδα των ἀρομότων δυνάμεων ἀλλέγαμόνως ἄγγελον, γενέσθαι τῆς αὐτῦ παρυσίας, ἐκέλευσεν. ἵνα, δια τη του ένὸς διδᾶσκαλύας προσφαλύσεται τὴν μέλουσαν, αὐτών ὑποδέχεσθαι, παρεγένετο τήνην πρὸς τὴν παρθένον μαρίαν

намъ рещи иже дне пω цркамъ проповѣдаемω сего
еваггїа глаа, в мцѣ шестыи посланъ бысть, архагглъ
гаврїилъ ѡ бга. къ граа галилеискїи емоу же имя на-
заретъ. к дв̑ѣ оброуценнѣи моужеви емѹ имя носи-
ѡ домоу двда. и имя дв̑ѣ мрїа. и кше агглъ к нен
рѣ радуйсѧ благодатная гь с тобою. бл̑кена ты в женахъ. к
мцѣ шестыи. оуже захарїи невѣрїа ради безгласїемъ
осоуженоу быкшю. оу̑ елисаветы прозабшю неудателно
оу̑ брасла, ѹ крт̑лю іѡанноу, врема шестомц̑ноу
имоущѧ, въ оутрѡбнѡмъ оузлищи, оуже пр̑етуи пр̑е-
оуготовлющю себе к неплоны̑х мѣстехъ. оуже свѣтлинкоу сїающю, в темныхъ мѣстехъ урекл посланъ
бысть ѡ слнца правднаго. агглъ гаврїилъ ндн рече къ
граа галилеискї назаретъ. к дв̑ѣ мрїи оброуценнѣи дре-
вождли нѡсифоу. аз бѡ дѣлатѣ всеа тварь двоу сїю
на спсенїе улуково оброуцихъ пр̑екъсѣсти ѣи мѡе
еже без смоущенїа пришествїе да не кромѣ прооувѣдѣнїа пѡемши оужаснется. пр̑ескажи ѣи мѡе халюбїе, его же ра нз нел хощю пронти в мръ, якѡ
улкъ, да пр̑енавыкши строимое. к скершаемое не
вконтся. пр̑е пѡвѣ̑ ѣи моѣ смотренїе. да не видѣвши
урекл ѣи рацеиїе, внезапоу къзкышаемѡ смоутится.[1])
тамѡ ма обращеши, идѣже пѡсылаю та нѣ. тамо та пр̑е-
каржю пребыкал зде аз и прежѣ тебе. а с тобою вхожю
к нен. ты принесн мѡего пришествїа благовѣщенїе.
и аз пришѣ невидимѡ. дѣлесы запеуатлю твоѧ глаа. хощю
оубо въ дѹ̑кнхъ дожесна улуки̑н понѡвити рѡ. хощю
снизходительнѣ ѡбновити иже созахъ образ. хощю
новымъ назданїемь исцѣлити дрекнее зданїе ѡ двца
земла.[2]) к себѣ составити нѡваго адама, да и естество
ѡ себѣ бгоглупнѣ ѡвѣщаетъ. и закѡнѣ вѣчаетсл
на не, низложившаго то. и ратникъ добрѡ изкѣстнѣ
постыдится. ѡ снисхожденїа жезмѣрнаа пучина. ѡ бг-
веного улкѡлюбїа, висуслена высота не посла многи
ад̑лы, или пр̑етеча цр, высота. не пѡкниже содтѣ вѡ-
инства бесплотных сил. нѡ единого тоуїю аггла
пр̑ебѣстнѣа того пришествїю повелѣ, да единого на-
оучен̑емъ. предъоутвердится хотящїа пѡти, прїиде
оубо к дв̑ѣи мрии агглъ. и ѣще к нен рече. радуйся
благодатная. именѡка едїнорабнюю якѡ кѹпца, якѡ
оуже бывшюю кѹкѣ мтрь. радуйся благтьная якѡ твоа
прабаба ева пр̑естоупльшю закѡнъ. ѡбрещенїе прїатъ
родити уда в печалехъ. тебѣ пѡбастъ еже радоватѣ
прирещенїе. она канна породи закнсть и оубїйство
порѡжьшїа. ты родиши сна жнкѡ и нетлѣнїе подающа.
радуйся оубѡ и ликѡствуи. радуйся и настоупан галкоу
змїевоу радуйся престо бѡ пеулѣ. оупразнися клѣка.

---

1) Слов: **оуже тещенїе шествїа наунаетсл** по Греч. нѣтъ.

2) Слов: **первозданнаго адама ѡнѡго пріемъ діаволѡ якѡ врага низложи и моемоу образоу пашюся пороугася. хощю нѣ аз ѡ двы земла.** нѣтъ по Гречески.

ο ἄγγελος. καὶ εἰσελθὼν πρὸς αὐτὴν ὑπεχαῖρε κέχαριτωμένη προσηγόρευσε την σὶν δούλον ὡς δέσποιναν. ὡς ἤδε γεγενιμένην του δεσπότου μ̄ραν χαίρε καὶχαριτωμένη εἷς ὑπρόγονος л. 97. ἕυα παραβάσατον νώμων. ἀπόβασιν ελαβεν. ἐν λύπαις τέξιν. τέκνα. σοί πρέπην τω χαίρειν. ὑπροσρισης. ἑκηνη. τον καὶν ἔτεκε. φθόνων καὶ φόνων γενήσασα σί, γενήσις υἱ̄ον ζωήν καὶ ἀφθαρσίαν παρέχωντα. χαίρε τηνην χόρευε. χαίρε καὶ κατὰπάτοι την του ὄφεως καιφαλήν. πέπαυται γὰρ ἡ κατάρα. κατήργηται η φθορά. μεμάρανται τα στηγνά. ἄνθη τα φεδρά. παρέστη το πάλε παρὰ τὸν πρωφυτῶν κηριτόμενον ἀγαθῶν. σε το πν̄α τὸ ἅγιον ὑπεδίκνει ἐλέγων. δι α της ἰσαΐου γλώττης. ἰδού ἡ παρθένος ἐν γαστρί λὕψεται. л. 97 об. καὶ τέξεται υἱ̄ον. ὑ παρθένος ἑκήνησι εἵ. χαίρε τηνην καὶχαριτωμένη. εἵρεσα το πιειτή. εἵρεσα τὼ διμιούργώ. ἥρεσὰ τῶ τερπωμένω της κάλεσι τῶν ψυχῶν. εὕρες νυμφίων φυλάτων τὰ σου. παρθενηου φθύραντα. εὕρες νυμφύων ἐκ πολοίς φιλανθροπήας. υἱ̄ὸν σι γένέσθαι βουλόμενων. ὁ κ̄ς̄ μετὰ σου. καὶ ἐν σι ὁ παντα χού καὶ μετὰ σου καὶ ἐκ σου ἐν ουρανώ ὁ δεσπότης. ἐν βυθώ ὁ δεσπότης. ἔν πασοι τη κτίσι ο δεσπότης. ὁ κτήστης ἐπὶ τῶν χ̄ερ̄ουβ̄υμ. ὁ ἡνίοχος. ἐπὶ τῶν σεραφῦμ. ὁ υἱ̄ὸς ἐν τοῖς κόλποις τοῦ πρ̄ς̄. л. 98. ὁ μονομενίς ἐν της κὅλποις τη σοῖς. ὁ κ̄ς̄ ὁς ἰδεν αυτος ὁλως πανταχού. ὅλος ἔν σή. εὐλογημένι σὶ ἔν γενεξήν. ὅτι πασών ὁμου ...εν θένων προκέχρυσαι. ὅτι κα... ξενοδοχίσαι. τοιούτων δεσπότην. ὅτι των αχόριτων βουλυθέντα κεχώρικας. ὅτη τῶν πανταπλυρούντων. προσδέδεξαι. ὅτι της θείας ηκονομήας γέγωνας ἐργαστήρίων καθαρώτατον. ὁτι εἰς τὸν βύων ἡσόδου τοῦ βασιλέώς. πέφυνας ἄξυον ὄχημα, ὅτι του πν̄ικου μαργαρίτου θυσαυρος ἀναδέδιξε. εὐλογημένη σὶ ἐν γηνεξίν. л. 98 об. τούτων ἀκούσασαντων λόγων ὑπάναγνος καὶ ὑπεραγία παρθένος. καὶ θεασαμένη μορφήν ἀγγελοικήν. καὶ φωνὴν ελωγίζετω καθ' ἑαυτήν ποταπως ἐι ἡ ὁ ἀσπασμος. οὗτος. ἄρα τή βοῦλαιται τούτω το προσφθεγμα. ἄρα τί μι προσημένη ταυτα τα ρίματα. ἐμὲ ἐν πρότη προσηγόρευσεν ἄγγελος τι οὖσαν. ἡ παν αξύαν τυγχάνουσαν εγὼ καὶ χαριτωμενοι. πόθεν ἡ δια τι ὁ κ̄ς̄ μετα μου. μετα τινος γὰρ των φωβουμένων αὐτ̄ν. οὐκ ἐστην ὁ κ̄ς̄. ἐγώ εὐλογημένη ἐν γυναιξίν. ἄρα τήνος л. 99. χάρην ὕπος. ἄρα πειων προκυρείτει δώρων οὕτως ὁ λόγως. ἄρα πίον προμινείᾳ τούτο. το ρ̄ίμα. ὅὖτω ταρατομένην. αυτήν. ὁ ἄγγελος θεάσάμενος μύ φωβού μαριᾶμ. μὴ γὰρ ἥνα φωβηθεῖς ἀπεστάλην. ἵνα χορεύσοις. ἐπ ἔμφοιν μί γὰρ ἥνα θορηβυθεῖς. ἡσπασάμην σε ἵνα ἥνα παν̄ιγηρύσοις. προσἥνόσι δἴἀλέγωμαι. μιτίνην κατα ψυχήν. ἔχη τάραχων. την ἠρίνην τῆς οικουμένοις. καὶ κτημένη μεθεαυτὴς μὴ φωβου μαριάμ. εὕρες γὰρ χάρην παρα τω θ̄ῶ. ὑπερ την κτήσιν ἑκαλοπήσθης ὑπερ τους οὐν̄ους ἐφεδρήνθεις. л. 99 об. ὑπερ των ἥλιον ἔλαμφας. ὑπερ τους ἀγγελους ὑψώθης. οὐκαν ελύφθης ἐις οὐν̄ους. ἀλεπιτης γῆς. ἱσταμένοι τὸν οὐν̄ίον δεσπότην καὶ βασιλέα ἐπεσπάσω προς ἑαυτῶν. καὶ ἰδού συλήψυ ἐν γαστρὶ. προἔφθασεν τὸν ἐμων

потребнса тлѣнїе. оувадоша свѣтилна, прощеташть свѣтлая. прїинде еже древле ѡ прр̄къ прѡповѣданное бг̄о. та дх̄ь с̄тыи показоваше гл̄а, исаиевѣмъ азыкѡ. се дв̄ва въ уревѣ прїиметь. и рѡдить сн̄ъ, дв̄а она ты есн. рад̄нса оубѡ благодатная. оугодна бы̄ твѡрцѹ. оугодна бы̄ съдѣтелю. оугѡна бысть красоующемоуса добротами дш̄евнымн. обрѣте бѡ бл̄ть обрѣте женнха храняшаго тн̄ дв̄тко а не̄ растлѣвающа. обрѣте женнха ѡ̄ многа ѵл̄кѡлюбїа сн̄а тебѣ сыи. и с тѡбою нс тебе на небесн кл̄ка. к глоубинѣ кладыка. къ всен тварн кл̄ка. зижитель на хероувнмѣхь нѡснмын на серафнмѣхь. сн̄ъ въ адрѣхь ѡ̄ц̄а единнѡр̄ѡнын въ адрѣхь твонхь г̄ь. м̄ вѣсть самъ, весь всюдѹ. весь к тебе, блв̄ена ты в женах̄. ако всѣ вкоупѣ дв̄ъ прѣнзбранна бысть, ако сподбнса оуүредите. таковаго вл̄коу. ако не вмѣстнмаго въсхотѣвша вмѣстнла есн. ако нже всѧ неполнающаго прїала есн. ако бл̄тквна̄ смотрѣнїа бысть дѣлателница утѣшнн. ако ѣ̄ в мнр̄ входа ц̄рква. бы̄ достонно носнлѡ ако дх̄овнаго внсера сокровнще пѡказаса блв̄ена ты в женахь. снхь оуслышавшн слѡвѣ пр̄тла дв̄ла. и видѣвши зракъ аг̄гл̄ѡ и гл̄а пѡмышлаше в себѣ. ка̄во боудѣ целѡванїе се оубѡ уто хощеть прирєуеніе се. оубѡ уто мн знаменоую сїи г̄ан. мене ли в первыхь нареуе аг̄гл̄ъ. уто соущен, или коего достоннства боудоущен. аз же ли бл̄тна. ѡ̄коудѹ и нѡ уто. г̄ь ли со мною. с кѡтворымъ бѡ ѡ̄ боашн̄са ергѡ нѣсть г̄ь аз ли бл̄слѡвена в женахь. оубѡ уто ради или како. оубѡ которын дарь прѣвъзвѣщаетъ се слѡво. оубо которое скажетъ уюдо сїи г̄ъ. сиде смоущаемъ тоу. аг̄гл̄ъ виджвъ, не бо̄н̄ рече мр̄їамъ. ѣда бѡ да оубонш̄н пр̄їндохь. нѡ да лнкоствоуеши послан̄ъ быхь. ѣда бѡ да смоутншнся, лѡбызах та. нѡ да торжествоуенн кротко с тобою бесѣдоую. не оубо нмашн в дш̄н смоущенїе смнрение вселенныа нмѣщи с сѡбою. не бонся мар̄їамъ обрѣтѣ бѡ бл̄ть. ѡ̄ бг̄а. наче тварн оукрасн̄ наче нбсн проскѣтнся. наче слн̄ца просїа. наче аг̄гл̄ъ възвыснся. не възнесеся на нбѡ. на земл̄ стоащн. нбнаго вл̄коу и ц̄ра прнторже к себѣ. се зачнешн въ уревѣ прѣварн моего слѡвесе дв̄ѡ. скорѣше мѡего гласа ѣанное зачатїѣ бысть. самѡго вноутрь нмашн въ уревѣ иже ксѣхъ сдѣтела, ѡ̄ прутыа плѡтн твоѥа. неболѣзненѡ зижоущн с̄тыа своѥа плѡтн храмъ самѡго вноутрь нмашн жнвѡнсателя ѣства. свон ѡбразъ ѡбетшавшїн пѡнисоующаго благтїю, се зачнешн въ уревѣ и родншн с̄нѣ. и нареуешн нма емоу іс̄. сен боудѣть велїн. велнкь оубѡ ѣсть бж̄твомъ боудѣть великъ и улъ̄ьствомъ. и сн̄ъ вышнаго нареуется, и дасть емоу г̄ь бг̄ъ пр̄тл дв̄да ѡ̄ц̄а его. клатса г̄ь дв̄доу истнною. и не ѡ̄вержется ѣа. которою же клатса истноу. ѡ̄ плода уревса твоего. посажоу на престолѣ твоемъ. она клатва прїемлеть кѡнецъ в се врема. и

λόγον. τὸ ἔργον. ὀξυτέρα τῆς ἐμπύρου φωνῆς. ἡ μυστικὴ σύληψις γέγωνέν. αὐτῶν ἔνδον ἔχις ἐν τῇ κυλίᾳ. τούτων ὅλων μὴ οὐργῶν ἐκ τῆς ἀχραντου σάρκος ἀπόνος ἠκουσμοῦντα. της ἁγνίας σάρκως τον ὃν αυτῶν ἔνδον ἔχειν. τὸν ὃν αυτῶν ἔνδον ἔχεις. τὸν ζωγράφον της φύσεως τὴν εἰκῆαν ἠκόνα παλε л. 100. ὀθήσαν. ἀναζωγραφοῦντα τι χάριτη. ὑδού συλλύψι ἐν γαστρί. καὶ τέξις υἱὸν καὶ καλέσητ τὸ ὄνομα αυτοῦ. ἵν. οὗτος αἵστε μέγας μέγας μέν γὰρ ἐστή τι θεότιτη. ἔσται δὲ μέγας καὶ τι ἀνότητι. καὶ υἱὸς ηψίστου κληθήσεται καὶ δόσι αυτώ κς̄ τὸν θρόνων. δ ā δ του πρὸς αὐτοῦ. ὤμοσε κς̄ τῷ δᾶδ ἀλύθηαν. καὶ οὐ μί αθετήσῃ αυτω. ποίαν δὲ ὅμοσεν ἀλύθηαν. ἐκ καρπού τὴς κυλήας σου θήσομε ἐπὶ του θρόνου σου. ἐκήνος ὁ ὅρκος λαμβάνι πέρας ἐν τω παρόντη κερώ. καὶ βασιλέυσι επὶ τὸν ὕικον ἡάκῶβ. εἰς τοὺς αἰῶνας καὶ τῆς βασιλείας αὐτσ οὐκ ésται л. 100 об. τέλος. οὐδεὶς τούτου τοῦ βασιλέος ἀνότερος οὐδεις μακαριότέρα σου τὴς τεκούσις αυτὸν ὕπε δὲ μαριᾶμ πρὸς τόν ἄγγελον. πός ésτε μι τούτο ἐπὶ ἄνδρα οὐ γινώσκο. ἰὼσύφ μνιστῆρ ἐστήν εμος οὐκ ανῆρ. μέχρι των ἀραβόνων αἱ περι του γάμοῦ σύνθήκε πρα ἔβυσαν. πάς οὖν χορὰς γάμου ἔστη μι ἡ σύλλιψις. πῶς χορεῖς φυτουρ. γυό βλαστήσαι καρπών. ἔπεμου. πρότης ὁ δρόμος τὴς γενήσεος ἐναλλάτεται. ἐπεμού πρότης ὁ νόμος τῆς κηεῖσεως μετὰγράφεται, ἐπεμού μόνεις μόνι τρήβος πεδοπιᾶας ευρήσκεται. ἐπεμού μόνοις τά αρχέα ἔθη τὴς γωνίς νεωτερῖζεται. л. 101. δίδαξῶν με φανερώς ὦ ἄγγελε των λογων το ἔνιγμα. διῆγησῶν με τῶν ρυμάτων τῶν τρόπον. ἑρμινευσῶν μι τὸν καλῶν του ἐυαγελύων τὴν δινομὴν. χὲραγώγησόν μι προς την ξένην λογχήαν. κατά μυκρῶν μάθο πός τα ἀδύνατα γενήσεται δύνατα. μάθω πός τα ἀμῆχανα τυγχάνι τὴν ὡς μιχανεῖς. μάθο πός τα ἄπορα δὐναται πορων εὑρήν. ἀλούσω πός η χάρις τὴν φῦσιν ἐπὶ τω κρητων καὶνοτομί. ὑπῶς ὐ φύσις δουλέυοι τη χάριτι. καὶ ἀποκριθεὶς ὁ ἄγγελος ὕπεν αυτή πν̄ά ἅγιον επελέυσεται επὶ σέ. ἔμαθες τὸν τεχνήτην. л. 101 об. μύ περιέργάση των τρόπων. ἔμαθες των πλάστην. μὶ περιέργάζου τῷ πῆμα ἤκουσά περυ του αγίου πν̄ς. αὐτῶ λυπόν τω πν̄ι. τὴν ἐργασίαν κατέλύπε. πν̄ά ἅγιον ἐπελεύσεται ἐπὶ σὲ καὶ δύναμεὶς ηψίστου ἐπίσκηᾶσι σέι. τούτο μόνων ἔκελεύθην σι προσιπήν, ὅτι γενίσεις ὑιὸν. πως δέ γένίσεις αὐτός δὲ διδάξυ. σαφὰς ὁ τικτόμενος παρασου. εγώ τὸν λόγων ὡς δούλον ἐκόμισά αὐτός ὰς δεσπότης. το ἔργων προς τή θησαν. ἃς καὶ τὸν τρόπον ἐπίσταται. ἐγώ διῆκονός ἐι μὶ βασιλεικῶν προστἀγμάτων. οὐχ ερμηνεύτής. л. 102. θείκων βουλευμάτων. οὐ τολμώδιδάξε. ἅ μί μεμάθηκα. οὐ τολμῶ δίμοσι εὖσαι του μυστηρίου το πρόσταγμά. οὐκ ησχύ ὁ διάσαφύσαι το εὐαγγέλιον τὸ θαύμα βοῶ. τον τροπων ὑπεἰνατὸνώ. οὐ ζυτώ τα πάσαν ζύτισιν ὕπερ ἐκπιπτωντα οὐ διὄκω τα ἀκατάλυπτα. οὐ πολιπραγμονώτα ὑπερ εμέ. ὀυ λογωθετώ την ὑπερ λόγου χάρην οὐ λεπτολωγώ τὴν ἀνεκδιήγητον γένισην. ὑπερ νοῦν ἡ πνικὴ σύληψις, ὑπερ λόγων ὑπαράδοξως κήεισης. ὑπερ διῆγησιν ὁ σωτήριος τώκος, πν̄α ἁγιων ἐπελεύσεται ἐπὶ σέ. л. 102 об. σῖδε

вѣмѣ́рится на̑ домомъ їаковлимъ в вѣки. и цр̑твію его не бꙋдетъ конца. никто̑ снгѡ и̑ра вышьши нижє єдина блаженнѣиши тебє рождши его. реꙋє же маріамъ къ а̑гг҃ꙋ. какѡ бꙋдетъ мн̑ се понеже мꙋжа не зпаю, носиф оброчꙋнникъ есть мои а не мꙋжь. даже до оброчꙋєніа єже о брацѣ сложеніх пронзыдоніа какѡ оубѡ кромѣ брака бꙋдетъ мн̑ зачатіє. како кромѣ садодѣлателя прозабнꙋ плѡ. о мнѣ ли перквн тєчєніє естьства премѣнается. о мнѣ ли перквн законъ рожєніа препнсоꙋется. на мнѣ ли перкви єдинѡи поуть дѣтотворенїа обретаетсѧ. о мнѣ ли єдинѡи древнєи обычаи рожєніа новотворится. плоꙋи ма ѡ а̑гг҃ле акленнѡ слывесъ гаданіс. спокѣи̑ мн глѡм образ. скажи мн дѡбрѣ твѡи̑ благовѣствованіи силоу. наставн ма къ странномоу рѫ̑нію. да пѡмалоу навыкноу. какѡ не мощнала бꙋдоу мощна. навыкноу како нехоудожнала. обращют нѣкоторое художство. навыкноу. какѡ моегоу неоумѣтѣнаѧ обрѣстисѧ. оуслышю какѡ бг҃ь естьства на лоутшее претворае̑. или какѡ е̑ство работаетъ бг҃ꙋ. ѡвѣщи а̑гг҃ль рече ен дх҃ь сты̑ нандетъ на та. навыше хитреца. не испытоуи образа. навыше здателя не пытаи творєніє. слыша о сты̑мь дс̑ѣ. томъ проуєе дх҃оу дѣланіє остави. дх҃ъ сты̑ нандетъ на та. и сила вышнаго осѣнить та. се токмо покелѣнѡ мн бысть прирещи тебѣ. якѡ родиши сы̑нъ. какѡ родиши тон та плоꙋнть. авственѡ ражѣемыи нс тебе. аз слово ако рабъ · прінесо̑. тон якѡ вака дѣлѡ прилѡжитъ. аже и ѡбразъ вѣсть. аз слоужитель есмь цр̑кви пѡкелѣніи а не сказатель бжтвєнаго сѡвѣта. несмѣю плоꙋꙋіти аже не прїахъ. не смѣю ѡблнуити таинствъ покелѣніе. не могоу изъяснити благовѣстіе. ую̑ въпію. образ же рещи изнемогаю. не нщю аже всякѡи исканіе превосходящи. не гоню непостїжнаа. не испытоую аже паче мене. не слово полагаю аже паче слова благодать. не тонкѡслоѡлю несказаи̑нѡе рѫ̑тво. паче оума дх҃ѡвнѡѣ зачатіе. паче спокѣсти спасенѡе рѫ̑ство. дх҃ъ сты̑ нандетъ на та. вѣстъ ꙋто съдѣлоѡлѣть дх҃ъ сты̑ вѣсть сы̑нъ како оустроить себѣ дх҃ѡвное жилище. не бѡ работаетъ е̑ствꙋ закономъ иже е̑ствꙋ творецъ. тон єдинъ имать видѣніе. тон яко хощетъ одѣваетсѧ раба зракомъ. вѣсть. ѡ̑ць єдинородиаго въплощєніе. идѣже бѡ дх҃ъ сты̑и. тоу и сы̑нъ. а идѣже сы̑нъ тоу и ѡ̑ць нераздлоуимаа трца. якѡ в началѣ жизнь ꙋбо ѡ̑ць. в дѣланію оубѣди сы̑а и дх҃а рекъ. соткорнмъ ꙋбо. по образоу нше̑моу. и по подо̑бію. сице и нн̑ѣ назданію бывшю. прѣста пакн неизреченно. ста трца. ен его (sic) съдзаніе єдинѡ. сен назда пакн ѡбще, тѣ̑м и ражѣе мое сто нареченъ сы̑нъ бжи̑и. [1]) бжтва ради. и сы̑нъ

---

[1]) Слов: се бѡ якѡ во истинноу сто рожение. се сы̑нъ бжи̑и, по Гречески нѣтъ.

τή εργάζεται τω πνα τω ἅγιον. ἥδεν ὁ υἱῦς πός εαυτά κατασκεϋάζυτο πν̄ικάν ἡκητήριονι οὐ γὰρ δουλέυοι φύσεως νόμοις. ὁ της φύσεως ποιητής αυτός μόνος ἔχη το βούλευμα αυτός ὡς βούλεται, περυβάλεται τὴν τοῦ δούλου μορφήν. οἵδεν ὁ πῆρ την του μονογενοῦς ἐνανθρόπισην. ὅπου γὰρ τω πν̄α τω αγιωνι ἐκὴ καὶ ὁ υἱός. καὶ ὅποη ὁ υἱῦς ἐκή καὶ ὁ πῆρ. ἀχοριστως ἡγγηᾶς. (τρ—) ἀδιέρετος ηργίας. (τρ—) ὡς γὰρ ἔν ἀρχή πλάττον των ἄνον ὁ θ̄ς προς την ἐργασήαν πρὸςετρεψε τον υἱὸν καὶ το πν̄α ὑπαν πιήσωμεν ἄν̄ον. κατικόνα ἡ л. 103. μετρίαν. καὶ καθομίοσινι οὕτο κε νήν τῆς ἀναπαάσεως. γυνομένοις. πάρεστη παλυν ἀποριτος ἡ ἁγία τρίας. ἥς γὰρ. ὑ πλάσης μία ταυτης καὶ ἡ ἀνάπλασης παλυν κωνήδι ὅ καὶ τω γενόμενογ αγιον κληθήσεται υἱός τοῦ θ̄υ. δια την θεᾶτιτα οὕτος υἱός κατὰ τὴς ἀτ̄ότητος. οὕτος ὁμωοῦσιος τω πρ̄ι κατὰ νοοῦμεγον οὕτος ὁμωοῦσιος σὶ κατατω φενόμενον. ῥῦτος. οὐν̄ίος. καὶ ἐπίγειος οὕτος ὁρατός καὶ βλεπόμενος. οὕτος παθητως τὴ ἀν̄οτιτι. καὶ ὥσπερ θ̄ς τέλυιος εατήν ὁ υἱός. οὕτο καὶ σίμενουσα παρθένος γενίσασα καὶ μ̄ήρ. л. 103 об. ῥῦται γὰρ ὑ παρθενία πολεμι (— ε) τω τόκω. οὕται κατα τὴς παρθενήας ὁ τώκως στρατέυσεται. ὕμνη τείνυν μὶ πολυπραγμόνει την δορεᾶν θαύμαζοι. τῶν μεγαλδδωριον. καὶ μὶ πρὸς την χάριν ἀμφύβαλαι προς κήνιτο, πιτευθέν σι μυστηρίων. καὶ μὶ περιέργάζου τω ξενων θαύμα, ἐᾶν πιστέυσης ἐιλυκρινως αυτὸς ὁ πιστευόμενος φωτίσι σου τὴν ψυχὴν. ἐᾶν ἐρευνίσεις περηέργως οὐχ ευρήσεις οὐδαμῶς ὤποθεῖς. θέλεις μαθήν μάθε ἀπο φανέρου, σιμιοῦ. τοῦ κατὰ σέ θαύματος. τὴν ἀλύθηαν. θελοις του μυστηρίου της σεὶς γενήσεως ἠκόνα θεᾶσαφθε γητωνᾶ σοι καὶ л. 104, σιγκενή σου. ἰδου ελυσαβέτ ἡ συγκενή σου. καὶ αυτή σηνήλυφύα υἱῦν ἐν γήρα αυτῆς. καὶ οὕτος μήν ἔκτος αυτή τη καλουμενι στηρα. ὅτι ρμκ αδινατίσει παρα τω θ̄ω παν ρίμα. ελήθη παρ ἐλπίδα της ελυσάβετ ἡ στείρρσις. ἥνα της σής παρθενήας της μὴ λυόμένοις. ἡ λύσοις του πάθρυς διδάσκαλος γένηται. σινείλαβεν ἐν στήρα καὶ γραῦς του παρα σοῦ τεχθησωμένου βασιλέως τον πρόδρρμον, ἥνα πιστέυσοις ὅτι σή τὸν κ̄ῦ ἐχης επὶ τοις σοις γαστρός ἄπελθε κατά μάθετην ελησάβετ. ἐᾶν μι ῥῦτως εὕροις ὥς ὕπον μὶ πειστευσις μου το κυρίγματι, τη οὖν μετὰ τοὺς λόγους τούτους л. 104 об. ἡ μαριᾶμ. ὑ παρθένος τω σώματη καὶ τη ψυχη. εὐσεβής καὶ εὐλαβεῖς. καὶ ἀπιθεῖς. ἡ φιλοτιμία της ἀνοινεις φύσεως, ὑ πίλη τὴς ἡμετέρας ζωεῖς. ἰδού ἡ δούλι κῦ γένιτώ μι κατὰ τω ῥήμα σου, ὡς βούλη τω δεσποτικώ πρὸκειμε νεύματι. ος πυλως ὑπόκημαι ταῖς τοῦ κεραμεώς χερσίν ὡς θέλη μετ αιξυσίας ὁ πλάστεις εγ εμί πρατέτω το βούλημα. ὡς θέλυ μετὰ φιλᾶνοιας ἐν εμί θαυματουργήτω. τὴν παράδοξων κήειγν. γέγιτω μι κατὰ τω ριμα σου. ταύτα καὶ πράγματα, καὶ ἀπῆλθεν ἀπ αυτὴς ὁ ἄγγελος. л. 105. ὁ κατελθών οὐν̄οθεν. κατήχησε προκατήρτησε την παρθένον. ἐδίδαξεν αυτήν ὅσων ἐχώρισεν. ἤκρυ παρ αυτής ὥσα ἐσπούδασε καὶ πάλιν ἀγῆλθεν ξθεν κατήλθεν. κάτω κατα λυπόν των ἀποστήλαντα καὶ πάλην ἐυρών αὐτων ἐν οὐν̄οις προσκηνούμενων. τή προς ταὐτα λέγοις ἄριε. ἐιπε πος ἐχωρίθη ὁ αχόριτως. ἐν μύτρα παρθενική πός παρθένος οὖσα παρθένος πάλην διέφυλάχθη. καὶ

твои ѹа҃ѣ҃ства ради҃ соединносоуществъ ѡ҃ц҃оу по разоумѣваемомоу, съединѡсоуществъ тебѣ по̀ виднмѡмоу, сен невидимыи и ѯ҃мленыи, сен невиднмыи и кнд҃н, сїи бестра҃тныи, бо҃жтвомъ, сен страстенъ ѹа҃ѣ҃твомъ. и якоже бъ съвершенъ, сице и ѹа҃къ (sic) съвершенъ є҃. ї҃с҃. сице и ты пребыкающи дво҃ю, боудеши и мт҃н. нижє ѡ҃ дв҃тко поратъзетъ р҃жтвѡ. нижє на дв҃стко ловоюетъ рожє҃ствѡ. пон оубо а не много пытан даръ, оудивися великѡдарѡвитцѣ, а не к ка҃рти оусомнися, поклонися къкъреннѡмѹ тн таинствоу. а не испытоуи страннѡє ѹюдо, аще кърогеши хнстѣ, тон кърогемыи проскѣтнть тї дш҃ю. аще непытаеши мнѡгопытнѣ. не обращиши никакоже єже желаеши. хощеши ли навыкнѹти навыкнѹ ѡ҃ явленна҃ѧ знаменїа. нже ѡ тебѣ ѹюдеси истинѹ. хощеши лї таинствоу твоего рожє҃нїа образ разоумѣти. вн҃ сосѣдоу твою оужикоу. сє елисавєть. южнна твоа и та зауа҃ сна̀ въ старостї своен. и се мц҃ь шестыи єсть нарицаемїи неплоды. ако не изнеможє҃ ѡ҃ ба҃ всакъ гл҃ъ. разрѣшися па҃ надежи елисавєтинѡ зауатїе неплѡ҃стѡ. да твоемоу дв҃ствоу не рѣшимоу разрѣшенїе страстн оуунтель боудеть. зауа҃ неплодовыи старица н҃же не теке ражаемомоу цр҃ю пр҃тѹю. да кърогу имеши. ако ты бг҃а имаши къ оутробѣ своен иди и книгы елисавєтоу. аще сице тоу обращеши ако҃ рѣхъ, не ими кърогу моемѹ проповѣданїю, ѹто оубо пѡ слѡвесѣ҃ снхъ маріа дв҃ца тѣлѡмь и дш҃ею, благоуєстникаа. бл҃гонюкорнда. и бл҃гословенная любоуєстїе ѹа҃ѣ҃каго є҃ства. дверн нашєм жизнн. се раба г҃на҃ боудн мнѣ по гл҃ѹ твоемѹ. ако раба кладыунемоу пр҃лежю повелѣнїю. ако берніе по̀лежѧ скоуделинка роукама. ѡ҃ же хощеть сѡ власті҃ю създатель во мнѣ да съдѣваєтъ колимаа, ако хощеть с-ѹа҃ѣколюбїемъ къ мнѣ да ѹюдо твѡрить пресламное р҃жтво, боудн мнѣ по гл҃оу твоемоу, да боудѹть мн гл҃н ткѡн сїи. и вещи. и ѡ҃нде ѡ҃ неа аг҃ъ сшедыи с нб҃сн. огласи оутвердн. наоуѹн тѧ єлнкѡ вмѣстн. слышд ѡ҃ неа же тщашеся и паки вздыє ѡ҃нюдоужи сн҃дє. дѡдѣ оставль пределаго. и паки обрѣте того на земли (sic) поклонаемаго. ѹто к снмъ гл҃ешн аріе рцы мн какѡ вмѣстися некмѣстнмыи. к лѡжесназ дв҃уски ка҃ дв҃а соущи. дв҃ою паки съхраниса, и спасовѣмъ р҃жтѡмъ обогатися нѡ не оубо имаши рещи. аще кѡ и матн таинствѹ таинствѡ єже рѡди не постиже, какѡ ты възможеши сє пѡстигноути. аще гаврїилъ архаг҃лъ въ прошенъ бывъ ѡ҃ мт҃ре гн҃а, какѡ боудеть мн сє. понеже моужа не знаю. прїѣже на дхъ ст҃ын. ако инутоже инѡмѡгїи ѡ҃вѣщати крѣпуаншє, ты какѡ обращешися рещи. да аще єже по плоти р҃жтвѡ хв҃ѡ бывшє напослѣдокъ дн҃емъ инктожє исповѣдати. онѡ рр҃женїе пренебноє,

τοῦ σρ̄ς τῶν τόκων ἐπλούτησεν. ἀλλ ουκ ανέχεις ἐιπήν. ἡ γὰρ ἡ μ̄ρ του μυστηρίου. τω μυστήριων ὅ ἔτεκεν. οὐ κατελαβεν. πός σει δινεῖσι του κατὰλαβεῖν. л. 105 об. εἴ γαβριῆλ ὁ ἀρχάγγελος ἐροτηθείς παρα της μ̄ρ̄ς του κ̄ῡ πως ἔστε μι τού τω ἐπὶ ἄνδρᾳ ρύ γονήσκω κατέφιγξν ἐπὶ το πν̄α το ἅγιων. ὡς ουδεν ἑτερον δηράμενος ἀπεφῆνασθαι ἡσχειρών. ού πός ευρήσεις ὑπεῖν ἅπερ ὁ γαβριῆλ ουκ ἠσχησεν ὑπείν. ἐισὲ τὸν κατὰ σάρκα γένησιν του χ̄ῡ. τὴν γενομένην επεσχάτων. ἓων ἐιμερῶν οὐδείς καταξύαν δύνασθαι διῆγεῖσασθαι ἐκήνιν τὴν φένιθυν ἓτὴν οὐσῖὸν την ἄχρονων. την ἀσώματων. την αὅράτων. τὴν ἀπαθήτην πος τέλος ἀκατάλυπτον πὅς τολμᾶς πολυπραγμονεῖν. τεῖς παρέσχε ὃει τὴν τη αὕτης л. 106. τόλφης τα σπέρματα. οἳ οὐνοί διηγὴν τε δόξαν θ̄ῡ. οὐ τὴν οὐσίαν μερήζουει. ἐι ἄγγελοι τὴν ἁγίαν τριᾶδα προσκηνούσιν ἀπαυστὼς βοώντες ἅγιος. ἅγιος ἅγιος κ̄ς̄ σαβαὥβ πλήρεές ὁ θ̄ν̄ός καὶ ἡ γή της δόξις αὐτου. ου λέγουσειν ὁ σί λέγεις. ἁγιὅτερος ὁ πῆρ̄. ὰς πρεσβὕτερος. οὐ λέγουσιν ἡ φυμενες φωνὲς. ἅγιος ὁ υἱὅς ὡ νεὅτερος. οὐ λέγουσιν ἐλάττον ἅγίος ὁ παράκλητος ὁς βραχήτερος ἀλλα μιαν καὶ τὴν ταὐτην ημινοδίαν ίσι τριαδα. προσφέρουσιν. πόθεν σι μόνος ἔμαθες ἂν τη φθέγκεσθαι. τη κτήσι κατὰ του πιειτού. л. 106 об. ἀλλα παράγωσι τον οὐν̄ών. χαὶ των ἀγγέλων τὴν μαρτυρίαν. τίνει ἐμμένεις, ὑπέ της ἀρεσκη σοί του δόγματος τούτου χριτρίζ χήκα θέλοις λάβομεν ἀπρρσωπόλυπτρν δικαστήν. τίνος δέχη τον ὑπερ της ἐνσεβύας επὶ κρήσιν εμμενδις ἓω πρ̄ι. ἓω μαλλων πώς των ἡ δότ̄ἓον ἐικοιων υἱὸν οὐκδὺν ἀκούσωμεν, αὐτου βοῶντος. οὕτος ἐστην ὁ υἱὅς μου μ̄ ὀγαπιτως. ἐνώ ἡυδόκχρσά αυτου ἀκρύεται ἐὰν εἴπι ἐγὼ καὶ ὁ πῆρ̄ ἔνεσμέν. ρὐτρύ ἀκούεται ἐὰν εἴπι ὡ ἑόρακεν. ἐμέ ἑὥρακε των πρ̄α. л. 107. ὑμνώ των υἱὸν τὼν ἐκ της πρώας οὐτίας αχρόνας. ἐκκλάμψαντα ὑμνώ τω πν̄α τω ἁγιων. τω ἐκ του πρ̄ς ἐκπορευόμενων καὶ μένων, ἐν τω υἱῶ. ὡμολωγώ τοκ χ̄ τέλυον θ̄ν̄, καὶ ἄνον τέλυον θ̄ν̄. καὶ ἄνον τέληον ὥντα. κηρίττω τῆς θεὅτητος αυτού τα ῥψιλά ούκ αἰπαισάυνομαι τοις ἀῦότητος αὐτού τα ταπηνά. ἀλλα μετα πετρου βοῶ προς αυτὸν. ση εἶ ὁ χ̄ς̄. ὁ υἱὸς τοῦ θ̄ῡ του ζῶντος καὶ σι πρέπει δόξα ἦν καὶ αεὶ καὶ εἰς τους ἀπεράντους αιᾶνας των αἰώνων. αμὴν.

безлѣтнѡе бесплѡтное. невиднмѡе бестрѣ̀лно. ѿнюдѵже непѡстнѧное. какѡ смѣешн много пытатн. кто тн подасть такѡвыа дерзостн сѣмена. нбса пѡкѣдаютъ славоу бжїю. а не соуществѡ раздѣлаютъ агѓн стон трцы поклѡнлаютсѧ, беспрестанн въпїюще. стъ. стъ. стъ ѣ слаѳ (sic). испѡлнь нбо и зємла славы его не гла҃ю ѧ же ты глѣшн. стѣшн ѿцъ ако старѣн. не глаютъ оумненїшнмн глы (sic) стъ сн̄ъ. ако юннѣшн. не глаютъ хоуѫшее. стъ рутѣшнтель ако мешн. нѡ еднѡн тоѫе пѣнїе равно трцы прнносѧть. ѿкоудоу ты еднн навыуе съпротнвъ кѣшатн тварн на творца. нѡ нзколи пншешн нбное н агѓльское свѣтельство. кого оукѡ прїемлешн фцы. которын оугоденъ тебѣ преданїю семоу соудїа. кого хощешн прїнмемъ неизцемѣрна разсоудителя. уїе прїемлешн о благрустстн разсоужѣнїе. прїемлешн хѿца, нже науе всѣхъ вѣдмаща. сѡѳето сна да оубо оуслышнмъ томоу въпїющю. се есть снъ мон възлюбленныи ѡ немже благонзволнхъ того послоушанте. аще рѣть аз-н ѿць еднно есмь то пѡслоушанте, аще рѣ къ ѿцѣ н ѿць кѡ мнѣ того послоушанте. аще реуеть виделын мл видѣ ѿца.. . . . . пою сна нже ѡ оуа соущества безлѣтно възсіавша. пѡю дхъ стын. нже ѡ оца исходаща. н на снѣ препоуивающа. испѡкѣдаю ха. бга съвершенна того прѡпѡкѣдаю бжтка его высокаа. не стыждѵсѧ улуытка его смнренныимн нѡ с петромъ въпню къ немоу. ты есн хс снъ бга жнваго н тебѣ подобаетъ всака слава.. прнѡ н къ вѣки вѣкѡ. амн̄.

Чтеннѣе и объясніне снимка.

ф. 91. Τοῦ ἐν ἁγήϊς (sic) πατρὸς ἡμῶν Ἰωάννου... далѣе смотри въ выпискѣ изъ подлинника.

ф. 37. Ἐγράφυ τω αγιον προσκυνιτάριον ἡ αγηα πολοις ἱερουσαλὴμ. διὰ χειρὸς καλοῦ δαμιανοῦ. καὶ ἡ ἀναγνώσκοντες εὔχαισθαι μι διὰ των κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν χριστὲν. καὶ μι κατάρασθε. ὅτι ατελοις ἥμοι.. ἐις τὰ ἀντηστηχα. τοῦ ἔτος ,αχκε, ἓν μηνὶ ἰουνίω.

Заставки, нѣсколько заглавныхъ буквъ, скорописная азбука.

Сокращенія и слова съ титлами: καὶ δὶ τὴν γὰρ κατὰ γαστρὸς τῶν ἀνθρώπων ἀποστόλων. τελοιος. τόπων πνεῦμα. κυρίου. ἄνθρωπε.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими: α., ἀγγελος. φύλαξ. ε., εἰς ἐγένετο ἐξ παρθένος ἔλαβεν. ἐπὶ. ν., ἀπολυμένην οὐρανοὺς. σ., ἀγάλλεσθε ὕποστάσεως. τ., περιετρεχε τρηβος.

VII. Сборникъ

СТАТЕЙ БОГОСЛОВСКАГО СОДЕРЖАНІЯ,

находится въ синод. библіотекѣ подъ № 292-мъ.

Писанъ на бумагѣ довольно крупною скорописью на 284. листахъ. На 1-мъ 2 и 3. листахъ написано содержаніе статей въ числѣ 77-ми главъ, но къ сожалѣнію съ 18-й по 29-ю главу недостаетъ, хотя помѣта листовъ позднѣйшая вѣрна. Изъ нихъ 18. глава: ἀκολουθία ἐις χειροτόνιαν ἐπισκόπου καὶ μητροπολίτου. 19. Τάξις γινομενη ἐπὶ χειροτονία, ἀναγνωστου, καὶ ψάλτου. ὑποδιακόνου διακονου, καὶ πρεσβυτέρου. 20. Περὶ τῆς θείας μεταληψεως, τῶν ἀχράντων τῶν μυστηρίων καὶ τοῦ βαπτίσματος. 21. Περὶ τοῦ χρόνου τῆς ζωῆς τοῦ προδρόμου, τῆς ὑπεραγίας θεοτόκου καὶ τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ θεολόγου, 22. Ἐξήγησις τῶν σχημάτων τῶν ἀγγελικῶν. 23. Τίνα τριαδικῶς ἐπὶ τοῦ πατρος καὶ τοῦ υἱοῦ καὶ τοῦ ἁγίου πνέυματος λέγεται. καὶ τίνα μοναδικῶς. 24. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν γρηγορίου τοῦ θεολόγου, περὶ δογμάτων, 25. Περὶ τοῦ τί ἐστιν ἃ λέγει ὁ μέγας ἀπόστολος παῦλος, ὅτι πᾶσα ἁμαρτία ἐκτὸς τοῦ σώματος ἐστὶν ὁ δε πορνέψων, ἐις τὸ ἴδιον σῶμα ἁμαρτάνει 26. Περὶ τῶν σωματικῶν καὶ πνευματικῶν ἐλεημοσυνῶν. 27. Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ἡμῶν νειλου, περὶ προσευχῆς. 28. Περὶ τοῦ πόσα ἁμαρτήματα πορνείας εἰσὶ. Число строкъ на страницѣ 25. Заглавія заглавныя буквы, маленькія заставки писаны киноварью. На оборотной переплетной доскѣ написано: γριγορίου, На 4-мъ листѣ внизу: Арсеній. Григорій.

Выписки изъ подлинника.

φ. 161. Τοῦ ἁγίου τοῦ Ἰωάννου Δαμασκηνοῦ, περὶ τοῦ ἀχράντου σώματος τοῦ κυρίου, ὅ μεταλαμβάνομεν.

Ἰστεον ὅτι εὗρον τοῦτο τὸ κεφάλαιον ἐις χαρτίον παλαιότατον κατεφθαρμένον. ἐξ ἰδιοχείρου αὐτοῦ, ἐσχεδιασμένον γράμμα κατὰ σιγίλιον. ὡς ἡδυνήθην δε τὰ σωζόμενα ἀνελεξάμην, ἐι καὶ ἀτελῶς ἵνα μὴ πάντη ἀπόλωνται.

Τὸ τοῦ κυρίου καὶ θεοῦ ἡμῶν σῶμα, ὅ μεταλαμβάνομεν ἀδελφοὶ. αὐτό ἐστι τὸ σῶμα. ὃ ἐκ τῆς ἡμετέρας οὐσίας ἀνελαβεν. ὁ ἐκ τῆς ἀχράντου παρθένου καὶ θεοτόκου προσείληφεν. [1]) Ὡσπερ γὰρ φυσικῶς διὰ τῆς βρώσεως ὁ ἄρτος. καὶ ὁ οἶνος καὶ τὸ ὕδωρ διὰ τῆς πόσεως ἐις σῶμα καὶ αἷμα τοῦ ἐσθίοντος καὶ πίνοντος μεταβάλλεται, καὶ οὐ γίνεται ἕτερον σῶμα παρὰ τὸ πρότερον αὐτοῦ σῶμα, οὕτως καὶ ὁ τῆς προθέσεως ἄρτος οἶνός τε καὶ ὕδωρ διὰ τῆς ἐπικλήσεως καὶ ἐπιφοιτήσεως τοῦ ἁγίου πνεύματος ὑπερφυῶς μεταποιεῖται εἰς σῶμα καὶ αἷμα χριστοῦ, καὶ οὐκ εἰς δύο, ἀλλ' ἓν καὶ τὸ αὐτὸ.) οὐ γὰρ δύο σώματα δώσομεν τῷ χριστῷ. ἓν γὰρ ἔστιν αὐτοῦ τὸ σῶμα. καὶ μίαν θυσίαν ὑπὲρ ἡμῶν ἀνήνεγκε τῷ θεῷ καὶ πατρὶ. ἐι γὰρ καὶ πολλάκις τὴν μυστικὴν καὶ ἀναίμακτον ἐπιτελοῦμεν θυσίαν, διὰ τὸ ἐν παντὶ τόπῳ καὶ χρόνῳ, πάντα πιστὸν μεταλαμβάνειν τοῦ θείου σώματος τε καὶ αἵματος, ἀλλ' ἡ αὐτὴ θυσία ἐστὶ. τὸ γὰρ αὐτὸ σῶμα προσφέρομεν τὸν αὐτὸν ἀμνὸν τοῦ θεοῦ τὸν αἴροντα ἁμαρτίας τοῦ κόσμου. ἐπεὶ ἐι ἄλλο ἐκεῖνο ἦν καὶ ἄλλο τοῦτο. πολλαὶ θυσίαι, καὶ οὐ μία προσυνέχθησαν ὑπὲρ ἡμῶν, ὡς διαφόρως ὁ θεῖος ἀπόστολος εἴρηκεν ἐν τῇ πρὸς ἑβραίους ἐπιστολῇ. τοιοῦτος γαρ ἡμῖν ἔπρεπεν ἀρχιερεὺς. ὅσιος, ἄκακος. ἀμίαντος. κεχωρισμένος ἀπὸ τῶν ἁμαρτωλῶν. καὶ ὑψηλότερος τῶν οὐρανῶν γενόμενος. ὃς οὐκ ἔχει καθ' ἡμέραν ἀνάγκην. ὥσπερ οἱ ἀρχιερεῖς, πρότερον ὑπὲρ τῶν ἰδίων ἁμαρτιῶν θυσίας ἀναφέρειν, ἔπειτα τῶν τοῦ λαοῦ. τοῦτο γὰρ ἐποίησεν ἐφ' ἅπαξ ἑαυτὸν ἀνενέγκας καὶ μεθ' ἕτερα. χριστὸς δὲ παραγενόμενος φ. 161 οβ. ἀρχιερεὺς τῶν μελλόντων ἀγαθῶν. διὰ τῆς μείζονος καὶ τελειοτέρας σκηνῆς οὐ χειρποιητου. τουτέστιν. οὐ ταύτης τῆς κτίσεως οὐδὲ δι' αἵματος τράγων καὶ μόσχων. διὰ δὲ τοῦ ἰδίου αἵματος, εἰσῆλθεν ἐφ' ἅπαξ ἐις τὰ ἅγια, αἰωνίαν λύτρωσιν εὑράμενος. καὶ μετ' ὀλίγα. οὐ γὰρ ἐις χειροποιήτα ἅγια εἰσῆλθεν, ἀντίτυπα τῶν ἀληθινῶν. ἀλλ' ἐις αὐτὸν τὸ οὐρανὸν νῦν ἐμφανισθῆναι τῷ προσωπῳ τοῦ θεοῦ ὑπὲρ ἡμῶν. οὐδ' ἵνα προσφέρῃ πολλάκις ἑαυτὸν. ὥσπερ ὁ ἀρχιερεὺς εἰσέρχεται ἐις τὰ ἅγια κατ' ἐνιαυτὸν ἐν αἵματι ἀλλοτρίῳ. ἐπεὶ ἔδει αὐτὸν πολλάκις παθεῖν ἀπὸ καταβολῆς κόσμου. νῦν δὲ ἅπαξ ἐπὶ συντελεία τῶν αἰώνων ἐις ἀθέτησιν ἁμαρτίας. διὰ τῆς θυσιας αυτοῦ πεφανερῶται. καὶ καθ' ὅσον ἀπόκειται τοῖς ἀνθρώποις ὅπαξ ἀποθανεῖν, μετὰ δὲ τοῦτο κρίσις, οὕτω ὁ χριστὸς ἅπαξ προσενεχθεὶς ἐις τὸ πολλῶν ἀνενεγκεῖν

[1]) Въ скобкахъ текстъ списанъ изъ сей же рукописи, написанный за пропускомъ послѣ на полѣ.

ἁμαρτίας, ἐκ δευτέρου χωρὶς ἁμαρτίας, ὀφθήσεται τοῖς αὐτὸν ἀπεκδεχομένοις εἰς σωτηρίαν. καὶ αὖθις (ἐνταῦθα περὶ τῶν ἐν τῷ παλαίῳ νομῳ θύσιας καὶ ἐν αὐτῷ ἱερωσύνης φησιν). καὶ πᾶς μὲν ἱερεὺς ἕστηκεν καθ' ἡμέραν λειτουργῶν καὶ τὰς αὐτὰς πολλάκις προσφέρων θυσίας, αἵτινες οὐ δύνανται ποτὲ περιελεῖν ἁμαρτίας. οὗτος δὲ ὑπὲρ ἁμαρτιῶν, μίαν προσενεγκας θυσίαν, εἰς τὸ διηνεκὲς, ἐκάθισεν ἐν δεξιᾷ τοῦ θεοῦ. τὸ λοιπὸν ἐκδεχόμενος. ἕως τεθῶσιν οἱ ἐχθροὶ αυτοῦ. ὑποπόδιον τῶν ποδῶν αὐτοῦ. μία γὰρ προσφορὰ τετελείωκεν εἰς τὸ διηνεκες τοὺς ἁγιαζομένους μαρτυρεῖ δὲ τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον ἡμῖν. μετὰ γὰρ τὸ προειρηκέναι. αὕτη ἡ διαθήκη ἣν διαθήσομαι πρὸς αὐτοὺς. μετὰ τᾶς ἡμέρας ἐκείνας λέγει κύριος. διδοὺς νόμους μου ἐπὶ καρδίας αὐτῶν. καὶ ἐπὶ τῶν διανοιῶν αὐτῶν ἐπιγράψω αὐτοὺς. καὶ τῶν ἁμαρτιῶν καὶ τῶν ἀνομιῶν αὐτῶν, οὐ μὴ μνησθῶ ἔτι. ὅπου δὲ ἄφεσιν οὐκέτι φ. 162. προσφορὰ περὶ ἁμαρτίας. ὥσπερ οὖν τὸ ἐκ γυναικὸς βρέφοις γενώμενον τέλειος ἐστιν ἄνθρωπος ἐσθίων τε καὶ πίνων, αὔξει μὲν ἀλλ' οὐχ ἕτερον προλαμβάνεται σῶμα. καὶ οὐ δύο ἢ πολλὰ αὐτοῦ σώματα λέγομεν. ἀλλ' ἓν ἐγεννηθεν ἐκ μητρὸς. καὶ ἡ φύσις τὴν αὔξησιν διὰ τῆς φυσικῆς ἐργάζεται οἰκονομίας. οὕτω καὶ νῦν ἐπειδὴ κεφαλὴ. ἡμῶν ἐστὶν ὁ χριστὸς. καὶ γεγόναμεν αὐτοῦ σύσσωμοι. καὶ σῶμα αὐτοῦ εσμὲν ἀεὶ αὐξανόμενον. γεγόναμεν δε αὐτοῦ σύσσωμοι. τῇ μετοχῇ τῆς σαρκὸς αὐτοῦ καὶ τοῦ αἵματος. λαβὼν γὰρ ἄρτον καὶ ποτήριον ἐξ οἴνου καὶ ὕδατος εὐχαρίστησε. καὶ ἐυλόγησει καὶ εἶπε. τοῦτο ἐστὶ τὸ σῶμα. καὶ ἀντὶ τῆς φυσικῆς οικονομίας, ὁ ἄρτος καὶ ὁ οἶνος σὺν ὕδατι διὰ τοῦ λόγου αὐτοῦ γέγονε σῶμα αὐτοῦ· καὶ αἷμα. ὡς ἦν τὸ σὼμα τοῦ πρὸ τῆς ἐκ νεκρῶν ἀναστάσεως φθαρτὸν. κλώμενον. ἐσθιόμενου, καὶ πινόμενον. ἀδιαφτορον μὲν τοι. ἐπεὶ τίνος ἕνεκεν οὐ μετὰ τὴν ἀναστασιν τοῦτο πεποίηκεν, ἀλλὰ πρὸ τῆς ἀναστάσεως. ὅτε τὸ διὰ τῆς ἀναστάσεως ἄφθαρτον σῶμα. οὔτε κλᾶται, οὔτο ἐσθίεται, οὔτε πίνεται. οὔτε αἷμα τὸ ἄφθαρτον κέκτηται σῶμα. ἀλλ' οὔτε σαρξ ἂν δικαίως ὀνομάζοιτο. καθὼς φησίν ὁ τῆς θεολογίας ἐπένυμος γρηγόριος ἐν τῷ εἰς τὸ βάπτισμα λόγω. πίστευε χριστὸν τὸν ὑιὸν τοῦ θεοῦ ἥξειν πάλιν μετὰ τῆς ἐνδοξου αὐτοῦ παρουσίας, κρίναι ζῶντας καὶ νεκρους. οὐκέτι μὲν σάρκα. οὐκ ἀσώματος δὲ οἷς οἶδεν αὐτὸς λόγοις θεοεἰδεστέρου σώματος ἵνα καὶ ὄφθη ὑπὸ τῶν ἐκκεντησάντων, καὶ μείνη θεὸς ἐξω παχυτητ. καὶ τοῦτο τοίνυν ὃ μεταλαμβάνομεν σῶμα καὶ αἷμα τοῦ χριστοῦ ἡμῶν, φθαρτον ἐστὶ κλωμενον καὶ ἐκχεόμενον ἐσθίομενον καὶ πινόμενον. καὶ ὥσπερ ἡ ἐπαύξησις τοῦ ἡμετέρου σώματοσ πᾶσαν πληροῖ φυσικὴν οἰκονομίαν τῆς ἐξ ἀρχῆς συστάσεως τοῦ σώματος ἡμῶν, οὕτω καὶ ἡ φ. 162 οϐ. τελετὴ τῶν ἁγίων μυστηρίων, πᾶσαν πληροῖ τὴν πνευματικὴν καὶ ὑπερφυσικὴν οικονομίαν τῆς τοῦ θεοῦ λόγου σαρκώσεως. ἐφ' ἡμῶν ἡ σπορα τοῦ πατρὸς ἀρχὴ τις ἐστὶ τῆς τοῦ σώματος. τοῦ βρέφους συστάσεως χωρηγεῖται δὲ τροφὴν ἐκ τῶν τῆς μητρὸς αἱμάτων. καὶ γίνεται μετὰ βολὴ τοῦ ὑποκειμένου ὑλικοῦ εἰς ὀργανικὸν σῶμα. κατὰ τὴν δοθεῖσαν τῇ θυσεῖ δυνάμεων παρὰ τοῦ διμιουργοῦ τῆς φύσεως ἡμῶν καὶ δυνάμεων. καὶ οὕτω σάρξ καὶ αἷμα καὶ ὀστέα καὶ καταλοιπὰ τῶν μελῶν συνίσταται διελκτικῆς καὶ καθελκτικῆς καὶ ἀλλοιωτικῆς ἤτοι θρεπτικῆς καὶ αὐξητικῆς δυνάμεως. ὁμοιως καὶ ἡ διὰ τῆς βρώσεως σώματος προσθήκη. διὰ τῆς θρεπτικῆς ἤτοι ἑλκτιτῆς καὶ καθελκτικῆς καὶ ἀλλοιωτικῆς δυνάμεως τὴν ἐπαύξησιν ποιεῖται τοῦ σώματος. ἔδει οὖν καὶ ἐν ἐπαυξήσει του κυριακοῦ σώματος θεωρῆσαι πᾶσαν τὴν θείαν οἰκονομίαν τῆς αὐτοῦ σαρκώσεως καὶ σταυρώσεως, καὶ ταφῆς καὶ ἀναστάσεως καὶ ἀφθαρσίας. οὐ γὰρ ἐξ αρχῆς τὸ τοῦ κυρίου σώματος ἄφθαρτον γεγονεν. ἀλλὰ φθαρτὸν καὶ παθητὸν ἕως τῆς ἀναστάσεως. μετὰ δὲ τὴν ταφὴν. γέγονεν ἄφταρτον. διὰ τῆς θείας αὐτοῦ δυνάμεως ἀναστήσας ἐκ νεκρῶν. καὶ συναφθαρτίσας ἡμᾶς. πῶς οὖν γέγονεν, ἐκεῖ ἦν ἡ ἁλία παρθένος, († τὸν κύριον ταῦθα.) ἡ τράπεζα. ἔκουσα τὴν ὅλην τοῦ σώματος. εἶτα κατὰ τὴν τοῦ ἀγγέλου φωνὴν, πνεῦμα ἅγιον ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτὴν τότε ἡ δύναμις τοῦ ὑψιστου αὐτῆ ἐπεσκίασεν. ὁ θεὸς λόγος, θεία ὑπόστασις. καὶ προσελιαβέτο ἐξ αὐτῆς σάρκα. καὶ ὧδε κεῖται ὡς ἐν τῇ γαστρὶ τῆς παρθένου ἐν τῇ τραπέζῃ τῇ μυστικῇ, ὅλη ὁ ἄρτος, καὶ τὸ ἐξ οἴνου καὶ ὕδατος κράμα. καὶ γὰρ ἡ μητὴρ ἐκ τούτων ἐτρέφετο. καὶ τῶ βρέφει ἐχορήγει τὴν τοῦ σώματος ὑλην. θησὶν ὁ ἱερεὺς ὁ ἄγγελος. ἵνα ἐπιφοιτῆσαν τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον. ἁγιάση καὶ ποιήση, τὸν μὲν ἄρτον τοῦτον φ. 163. σῶμα ἅγιον χριστοῦ. καὶ τὸ ποτήριον αἷμα τίμιον χριστοῦ. καὶ διὰ φυσικῆς οἰκονομίας, ἀλλ' ὑπερφυοῦς γίνεται εἰς ἐπάυξησιν τοῦ κυριακοῦ. σώματος καὶ αἵματος. ἕν σῶμα καὶ οὐ δύο εἶτα ὑψοῦται ἐν ταῖς χερσὶ τοῦ ἀρχιέρεως ὡς σταυροῦ. καὶ διαδίδοται κλῶμενον. καὶ ἐν ἡμῖν ἐνθάπτεται καὶ συναφθαρτίζει ἡμας. τοῦτο γὰρ ἐστὶ τὸ πέρας τῆς οἰκονομίας. οὐ διαφθείρεται ἐν ἡμεν. ὡς οὐ διεφθάρητο τοῦ Κυρίου σῶμα ἐν τῶ τάφω. ἕως δε τῆς ἡμῶν μεταλήψεως, πάντα τὰ τῆς φθορᾶς υπομένει, καὶ κλᾶται. ὑφ ἡμῶν τιμίως καὶ πιστῶς. καὶ ὑπὸ ἀνόμων χειρῶν, πολλάκις ἀτιμαζεται τε καὶ ῥίπτεται. καὶ ὑπὸ μυῶν καὶ σκωληκων, ἀλλ' οὐ διαφθείρεται οὐδὲ χωρεῖ εἰς τὸ μὴ εἶναι, συνέχεται γὰρ ἀοράτως εἰς ἕν σῶμα. καὶ γὰρ καὶ ὁ κύριος περιετμήθη. καὶ ἐπὶ σταυροῦ ἐκ τῶν χειρῶν καὶ τῶν ποδῶν καὶ τῆς πλευρᾶς αἷμα ἐξέχεεν. ἀλλ' εἰς ἕν καὶ ταυτὸν συνήχθη. ἀνέστη γὰρ τὸ σῶμα ὅλον, ὁλόκληρον. ἔφη ὁ χριστὸς τούτο ποιεῖτε εἰς τὴν ἐμὴν ἀνάμνησιν. ὁσακις γὰρ ἐσθίετε τὸν ἄρτον τοῦτον καὶ τὸ ποτηριον τοῦτο πίνετε, τὸν θάνατον τοῦ ὑιοῦ τοῶ ανθρωπου καταγγελλετε. θανάτου δε μνήμη, φθορά ἐστὶν. φθορὰ γὰρ ἐστιν ὁ θάνατος, ἀλλ' οὐ διαφθορὰ.

ОБЩІЯ ЗАМѢЧАНІЯ

О ВЛІЯНІИ ГРЕЧЕСКОЙ ПИСЬМЕННОСТИ НА СЛАВЯНСКУЮ.

1) Буква: ѳ такъ вырѣзана на надгробномъ памятникѣ 819 года. Такъ она пишется въ нашихъ славянскихъ рукописяхъ XI вѣка. Ранѣе IX в. ни въ памятникахъ рукописныхъ, ни надгробныхъ мнѣ не встрѣчалось видѣть.

Въ алфавитѣ Діоскоридова сочиненія, сообщенномъ мнѣ И. И. Срезневскимъ, буквы круглы (Монфоконъ называетъ ихъ квадратными). У буквы д на поперечной линіи къ низу спущенныхъ по краямъ кончиковъ нѣтъ, буква о не такая, какъ на памятникѣ 819 года, у буквы у верхнія линіи слишкомъ раздвоены.

Буквы въ рукописи 899 года прямыя уставныя, очерченныя только по краямъ, болѣе всѣхъ подходятъ къ дорогой намъ Кирилицѣ, употребляемой въ заглавныхъ буквахъ и заглавіяхъ въ рукописяхъ XI, XII и XIII в. Ранѣе 899 года или конца IX в. такихъ очертаній въ рукописяхъ безъ годовъ мнѣ не встрѣчалось видѣть (1).

Алфавитъ уставной прямой 917 года въ заглавіяхъ и текстѣ Св. Писанія, объясняемомъ св. Златоустомъ, болѣе всѣхъ подходитъ къ уставному письму въ рукописяхъ Славянскихъ XI в. 1) словъ св. Григорія Богослова, 2) служебной майской Минеи и другихъ. Круглыя буквы є и о встрѣчаются въ словахъ св. Григорія Богослова XI в.

Заглавныя буквы рукописи Греческой 975 г. похожи на буквы въ Остромировомъ Евангеліи 1056—57 г. Сокращенная буква ϑ, похожая на кавычку, есть въ слав. рукописи словъ св. Григорія Богослова XI в.

2) Титла писались и прямыя и изогнутыя и перекрещенныя. Прямыя и изогнутыя ранѣе IX в.; а перекрещенное есть въ греческой рукописи 975 года и въ надгробныхъ надписяхъ 1040 и 1055 года, а въ слав. въ словахъ св. Григорія Богослова XI в. Много изъ нихъ ставилось надъ тѣми же словами, надъ какими они писались въ Греч. рукописяхъ напр. Ἰ̅с̅. Х̅с̅. Ι̅ѵ̅. Х̅ѵ̅. к̅с̅ ѳ̅с̅ ѳ̅к̅с̅ πη̃р μη̃р οὐνος ῦς σῆр ἄνῦς σρῖα ἰλη̃μ δα̃δ φιλα̃νία=Ἰησαῦς Χριστὸς. Ιησοῦ Χριστοῦ. Κύριος Θεός θεοτόκος πατήр μητήр οὐρανός ῦιός σωτήр ἄνθρωπος, σωτηρία. Ἰερουσαλήμ. δαβίδ. φιλανθρωπία. Замѣчательно, что въ славянскихъ рукописныхъ Евангеліяхъ также написано въ родительномъ падежѣ имя Іисуса Христа какъ по-гречески Ι̅ѵ̅ Х̅ѵ̅ вмѣсто греческаго Ιησου Χριστοῦ. По-славянски слѣдовало бы написать Ι̅а̅. Х̅а̅ или Ι̅є̅ Х̅а̅, если первое слово оставить несклоняемымъ. Титла въ обоихъ языкахъ и доселѣ пишутся надъ цифрами. По-гречески писалось надъ однимъ словомъ два титла. По-славянски мнѣ встрѣчалось видѣть только въ одной юсовой рукописи XI в., Струмицкомъ Октоихѣ изъ собранія г. Гильфердинга, теперь принадлежащей г. Хлудову, Титла писались надъ собственными именами. Таково титло въ слав. рукописи св. Григорія Богослова надъ словомъ: пи̅б̅агорово.

3. Знаки препинанія такіе же встрѣчаются и въ слав. рукописяхъ. Въ самыхъ древнихъ большею частію писались однѣ точки и слова другъ отъ друга не отдѣлялись, какъ и въ греческихъ. При переносѣ нѣкоторыхъ словъ первыя буквы перенесеннаго слова писались большими буквами, а иногда онѣ раскрашивались киноварью.

4. Славянскія заставки, заглавныя буквы, украшенія въ заглавіяхъ въ родѣ креста и звѣздочекъ по характеру своему похожи на греческія. Въ греческихъ рукописяхъ X в. заглавія закрашивались блѣдно-желтою краскою, похожею на сокъ отъ весеннихъ почекъ душистаго тополя, какъ и въ славянскихъ юсовыхъ рукописяхъ XI вѣка.

5. Помѣта тетрадей въ 8 листовъ цифрами съ титлами на углахъ страницъ, какъ по-гречески, такъ и по-славянски, одинаково писались.

6. Числа 90 и 1000 такими же буквами писались и съ титлами, какія и въ славянскихъ рукописяхъ.

Наглядное вліяніе греческой письменности на славянскую можно видѣть въ изданныхъ на XXXVI—LII, таблицахъ литографированныхъ снимковъ, приложенныхъ къ трудамъ 1-го археологическаго съѣзда въ Москвѣ.

---

(1) Такія буквы съ очертаніями, какъ въ греческихъ, такъ и славянскихъ рукописяхъ внутри раскрашивались одною пунцовою краскою, а иногда голубою.

Въ рукописяхъ, писанныхъ въ Славянскихъ земляхъ, болѣе видно вліянія греческой письменности на славянскую. Во многихъ рукописяхъ, какъ греческихъ такъ и Славянскихъ, безъ означенія годовъ, но по палеографическимъ празнакамъ письменности, относимымъ къ извѣстному вѣку, видно такое вліяніе греческой письменности на славянскую, какъ будто въ одно время та и другая рукопись написаны. — И краски однѣ и чернила однѣ, даже и украшенія въ заставкахъ, заглавныхъ буквахъ и очертанія буквъ α, β, ε, ζ, τ, ω, скорописнаго письма одинаковы.

Примѣчаніе: Объ особенностяхъ письма каждаго вѣка здѣсь отдѣльно писать я не счелъ нужнымъ. Всѣ онѣ въ каждой рукописи много означены въ снимкахъ. Въ снимкахъ же нѣкоторыхъ есть и по четыре азбуки, а есть нѣкоторые, которымъ не приложено чтеніе. Это произошло отъ того въ 1869 году у меня были сдѣланы снимки и отлитографированы Гавриловымъ съ болѣе нежели трехъ сотъ рукописей изъ Сѵнод. Библіотеки, собранія Севастьянова и нѣкоторыхъ Библіотекъ частныхъ лицъ, какъ напр. А. Хлудова, Г. Д. Филимонова. Но въ этихъ снимкахъ не было особенностей письма. А что бы болѣе было признаковъ письма въ рукописи особенно съ годами, я перекоперовалъ и съ этихъ рукописей все, что мною было сдѣлано тогда. Этихъ снимковъ, въ 10-ти не болѣе экземпляровъ было до 100. страницъ въ полліста и были мною подарены покойному Срезневскому, Вельтману, отъ котораго снимки эти по смерти поступили въ Румянцевскій музей. О нихъ въ отчетѣ за 1879 годъ заявлено А. Е. Викторовымъ. Еще немного экземп. было подарено нѣкоторымъ моимъ знакомымъ и интересовавшимся ими. Прилагая изъ этихъ снимковъ съ годами къ теперешнимъ таблицамъ, напечатавши описательный текстъ, я уже не прилагалъ чтенія снимковъ.

Да простятъ меня лучше меня копирующіе съ древнихъ письменныхъ памятниковъ за то, что иногда нѣкоторые буквы или украшенія не кругло мною копированы, или какая буква тоньше или толще сдѣлана. Я съ своей стороны заботился о точной копировкѣ ихъ. Въ многихъ рукописяхъ очень много копировано для того, чтобы, изучая самъ наглядно время написанія рукописей съ годами, вѣрнѣе опредѣлить время рукописей безъ годовъ. Такая копировка множества признаковъ или особенностей письма въ особенности двухъ рукописей 880 г. и 899 г. помогла мнѣ сразу отгадать Евангеліе 835 года, принадлежащее преосв. Порфирію, въ бытность мою въ Кіевѣ на Археологическомъ съѣздѣ, что это рукопись IX в. Преосв. Порфирій показалъ въ ней мнѣ только почеркъ письма, а страницы, гдѣ означенъ годъ, не показывалъ. Эту же рукопись знаменитый Тишендорфъ, по словамъ преосв. Порфирія, относилъ къ XIV в. Мнѣ же помогло отгадать вѣкъ копировка множества особенностей письма въ рукописи 880 г. хранящейся въ Сѵнод. Библіотекѣ. Для копировки снимковъ 88 страницъ въ большую четвертку, помѣщенныхъ при палеографическомъ описаніи II. III. и IV томовъ въ нынѣшнее лѣтнее время потребовалось у меня времени только 45 дней, въ которые не оставлялись мною изъ церковныхъ службъ какъ то: утрени, поздней литургіи и вечерни, ни одной. Богъ помогалъ ускорять свои труды, какъ и до селѣ Онъ мнѣ помогаетъ въ моихъ посильныхъ трудахъ.

Покройте болѣе знающіе меня снисхожденіемъ мои недостатки, какіе замѣтите или въ описаніи, или въ снимкахъ. По рукописямъ съ годамъ я самъ изучалъ Греческую палеографію. Хотя и есть у насъ палеографическіе Греч. снимки, и прекрасно сдѣланы, напр. Прав. Саввы, но мнѣ казались не полны. Въ своемъ описаніи Греч. палеографіи и снимкахъ я по своему понятію дѣлалъ пополненіе, но насколько сдѣлалъ успѣха въ пополненіи, объ этомъ пусть судятъ болѣе меня знающіе Греч. полеографію. По моимъ силамъ для меня достаточно и сего.

ОПЕЧАТКИ.

Стран.	строка.	НАПЕЧАТАНО.	ДОЛЖНО ЧИТАТЬ.
7	24 снизу	Севастьновскихъ	Севастьяновскихъ
10	15 —	Грамматическія,	Грамматическіе
11	26 —	патериковъ.	патерикомъ.
56	3 сверху	Σεπτεευρίω	Σεπτεμβρίω.
—	10 снизу	заглавныя	заглавныя.
71	10 —	объясненіэ	объясненіе.
72	1 сверху	VII.	VI.

Конецъ IV и послѣдняго тома Греч. палеографіи опредѣленныхъ лѣтъ.

Москва. Даниловъ монастырь.
23. Октября 1880. года.

ОГЛАВЛЕНІЕ.

XV. вѣкъ.

Стран.

Патерикъ 1400 года. . . . . 1—3
Служебная минея—Январь 1404. . . . . 3—7
Декабрь 1421 г. . . . . 7—10
Грамматическіе вопросы Мануила Критскаго 1424 г. 10 11
Дѣянія и посланія Апостольскія съ соборникомъ, словами св. Григорія Богослова, его житія и патериками. 1445 г. . . . . 11—22
Молитвословъ 1449 г. . . . . 22—25
Тріодь постная 1460 г. . . . . 25—29
Октоихъ 1476 г. . . . . 29—32
Книги св. писанія В. и Н. завѣта съ толкованіемъ разныхъ Отцевъ церкви 1471—76 г. 32 33
Собраніе Апостольскихъ и св. Отцевъ правилъ 1477 г. . . . . 33—35
Молитвословъ до 1484 г. . . . . 36—44

XVI. вѣкъ.

Метафизика Аристотелева 1517 г. 45
Служебная минея Январь 1529 г. . . . . 45—49
Уставъ 1542 г. 49 50
Собраніе молитвъ и пѣснопѣній Θикары монаха. 1546 г. 50 51
Псалтирь 1547 г. 51 52
Псалтирь 1548 г. . . . . 52—55
Іоанна Ксифилина бесѣды на Воскресные дни: 1553 г. . . . . 55—56
Іоанна Контакузина 4 книги противъ Магомета. 1569 г. . . . . .

XVII. вѣкъ.

Писма Глики 1603 г. 56
Сборникъ статей разнаго содержанія 1610 г. 57
Архіерейскій служебникъ 1611 г. . . . . 57—64
Хронографъ 1622 г. 65
Сборникъ 1625 г. . . . . 65—71
Сборникъ статей Богословскаго содержанія 1630 г. 72

Оглавленіе древле-Славянскаго перевода съ означеніемъ времени написанія и рукописи, изъ которой заимствованъ переводъ.

Изъ Лавсаика XV в. моего собранія л. 195 об.—198. . . . . 1 2
Изъ Генварской служ. минеи XI в. Сѵн. Тѵп. Библ. . . . . 2—6
Изъ Декабрской служебной минеи XII—XIII в, Сѵн. Тѵп. Библ. № 49. . . . . 7—10
Изъ Сборника поученій № 564. XVI в. Библ. Ундольскаго л. 140—145. . . . . 15—21
Изъ Требника XV в. моего собранія. . . . . 22—24
Изъ Тріоди постной XV в. моего собранія л. 9 об. 12. . . . . 25—28
Изъ Октоиха XIV в. № 28 Сев. собранія. . . . . 29—32
Изъ Тріоди постной XV в. моего собранія л. 72. 73. . . . . 32 33
Изъ Требника XV в. моего собранія. л. 84 об—88. . . . . 34 35
Изъ Большаго Часослова XV в. Библіотеки Хлудова. 36 37
Изъ Слѣд. Псалтири XV—XVI в. моего собранія. . . . . 37—40
Изъ служебника XV - XVI в. Сев. Собр. . . . . 40—42

Выписки съ 36. стр. по 42. сдѣланы не изъ X. книги, а изъ XI Молитвослова.

Изъ Генварьской служ. минеи XI в. Сѵнод. Тип. Библіотеки. . . . . 46—48
Изъ Устава XVI в. моего собранія. 49
Изъ Псалтири XVI в. моего собранія. 51 52
Изъ Толковой Псалтири XVI в. №. 156. Сѵн. Библ. 54 55
Изъ Сборника Софійской Новгородской Библіотеки №. 1482. 22 об. 28. . . . . 57—64
Изъ Макаріевскихъ Четьи-миней XVI в. л. 992. л. 594—598. . . . . 65—71

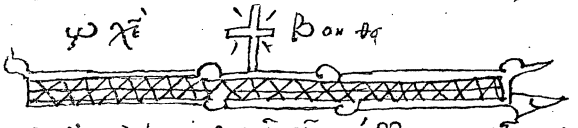

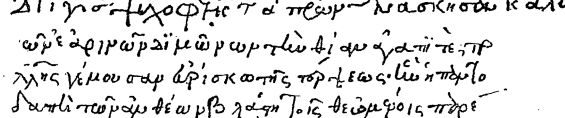

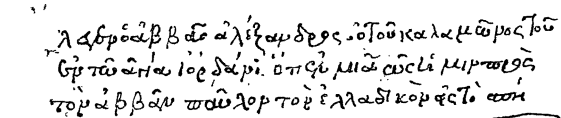

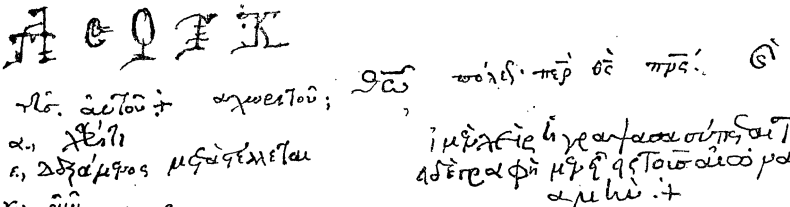

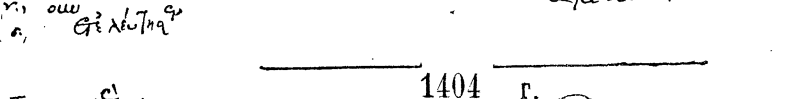

1404 г.

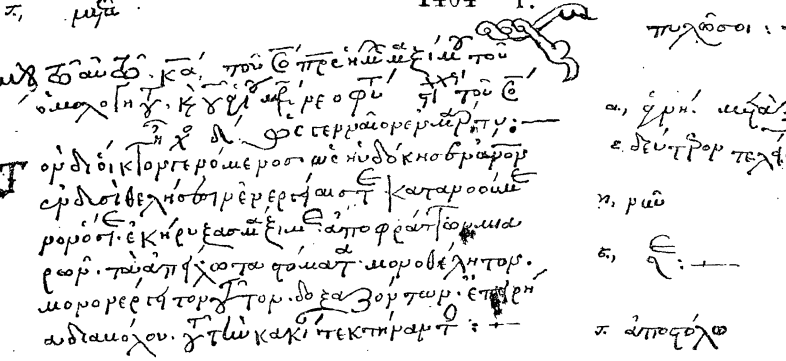

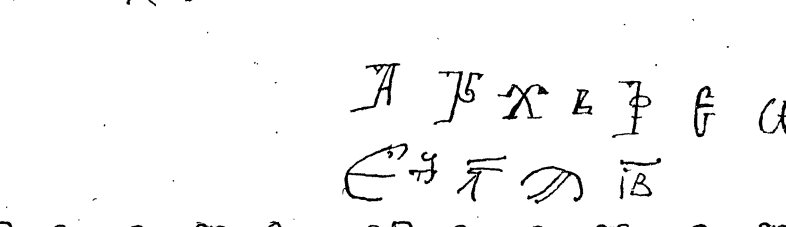

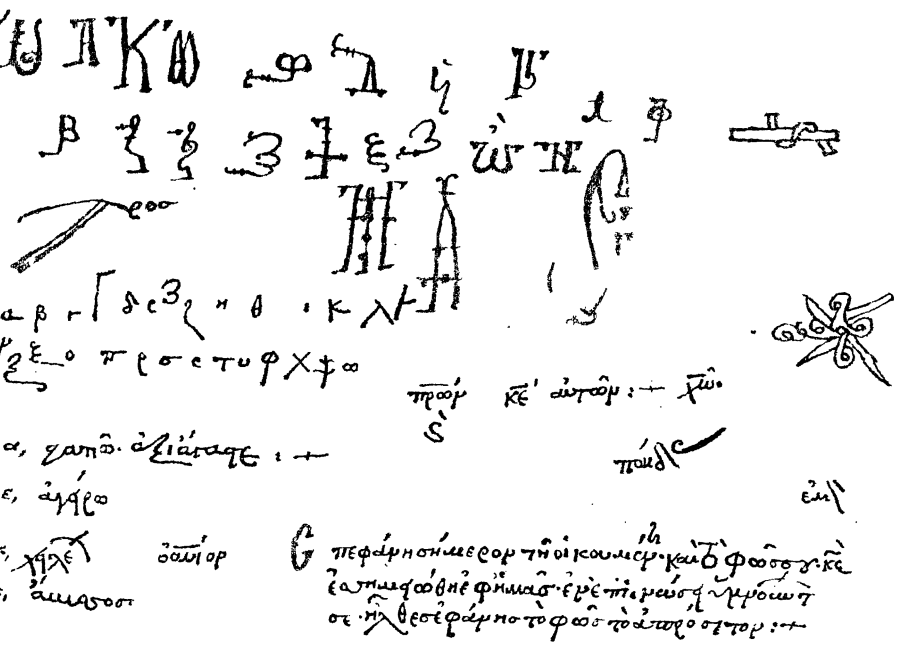

1421 г.

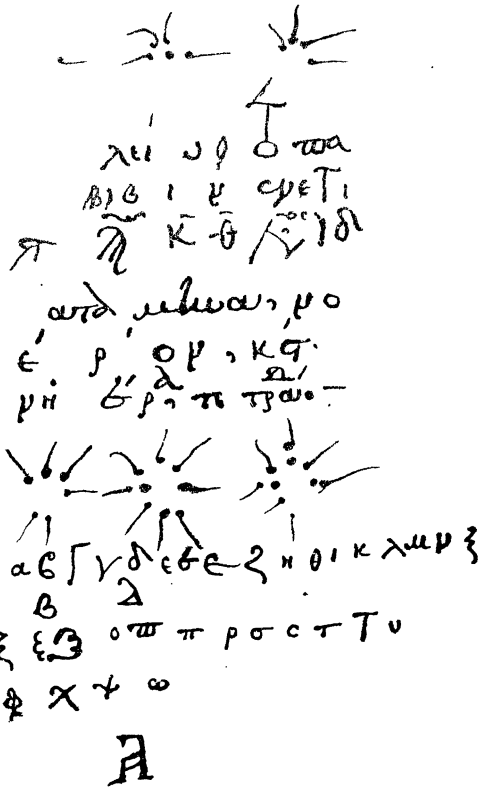

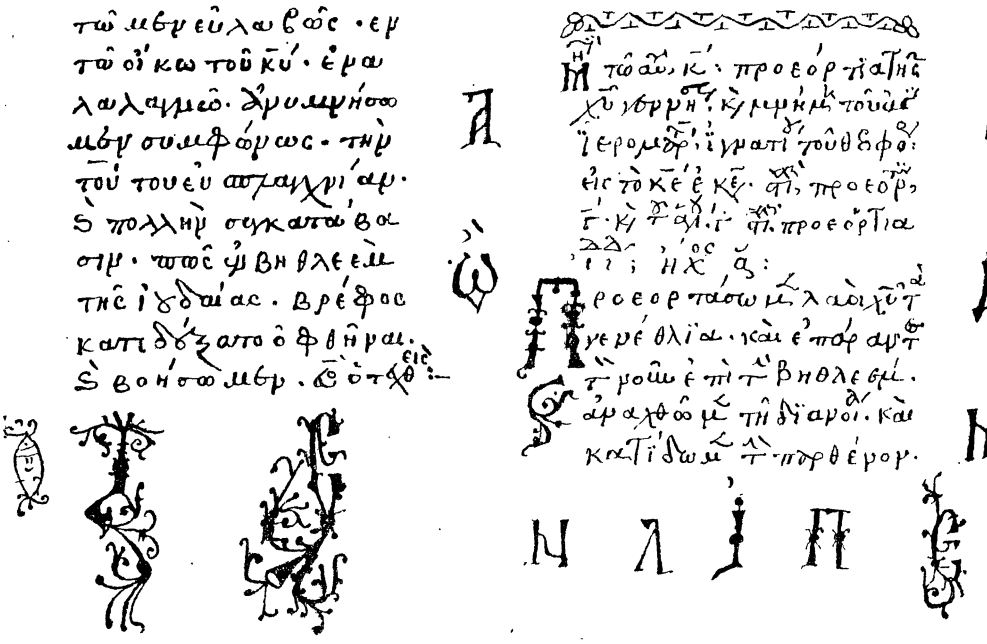

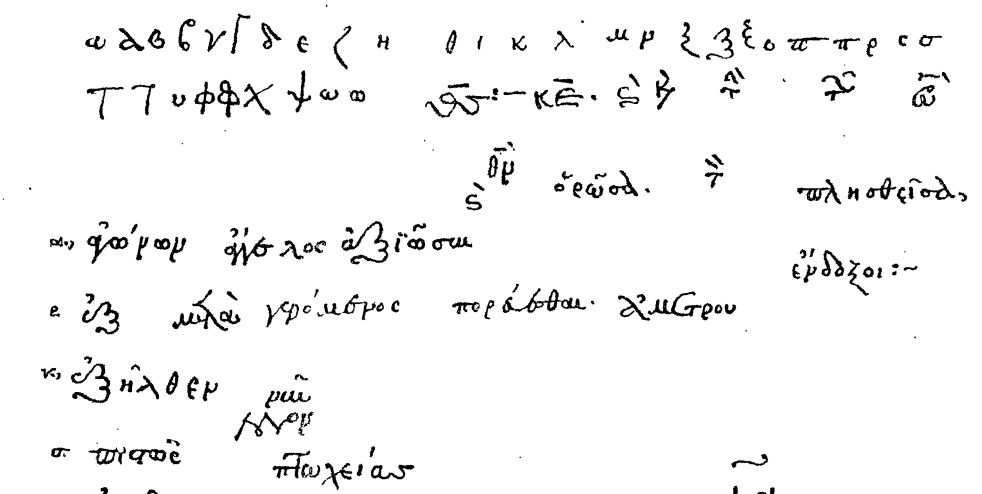



1424 г.

1144 г.

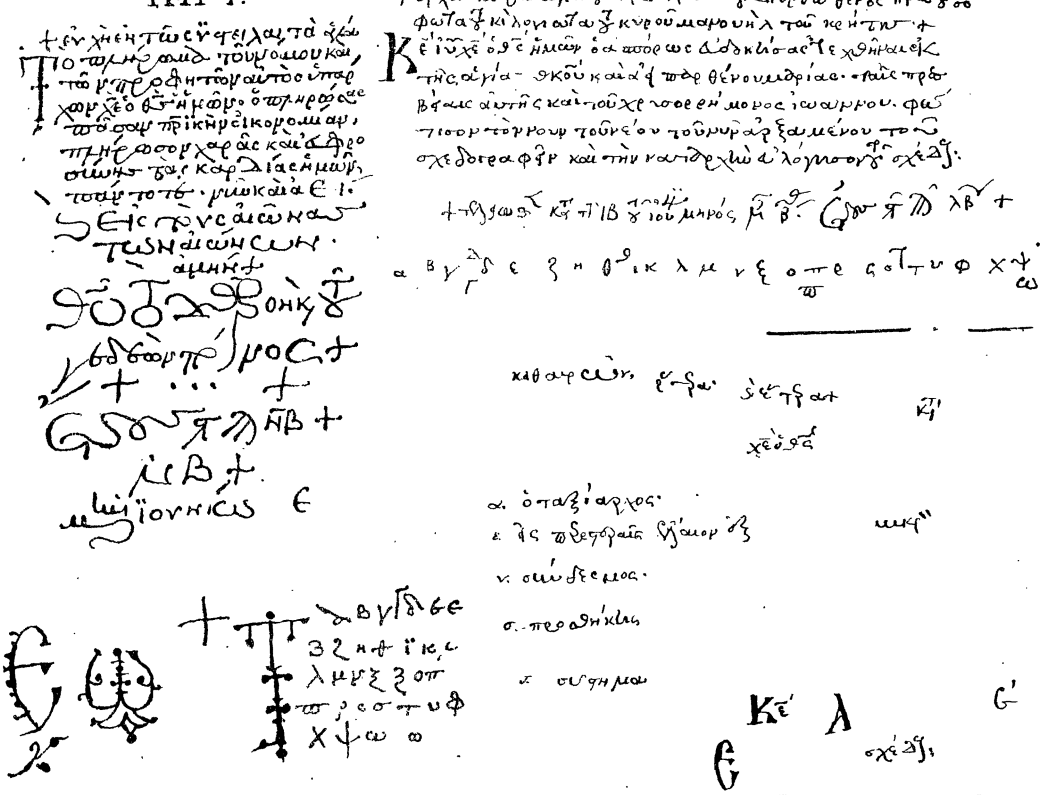



† τὸ παρὸν βιβλίον ἀφιερώθη ἀπὸ τὸ ἅγιον ὄρος ἀπὸ τὴν μονὴν τοῦ ἁγίου Παύλου εἰς τὴν ἁγίαν βασιλικὴν μονὴν τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ Θεολόγου τὴν λεγομένην Πορταϊτίσσαν καὶ ἔστι τὸ ἁγιορείτικον ἀπὸ τὴν μονὴν ταύτην ἕλεγεν τὸν πρῶτον δὲ καὶ ἐκλαμπρότατον θεοφόρον πατέρα ἡμῶν Ἰωάννην τὸν Χρυσόστομον καὶ τὴν παναγίαν αὐτοῦ δέλτον καὶ ἱερὰν τοῦ ἁγιωτάτου τόμου κατάστιχον ἐν ἔτει ,ϛφνε



† τετράδιος πρεσβυτέρου θεοδώρου τοῦ ὁμολογητοῦ καὶ ἡγουμένου μονῆς τῶν τουδίου. λόγος ἀστὸν τίμιον τεῦ εὐλόγησον:

Γαμιλιοδ. Καὶ ὑφεσωπε ἡμέρα, ὁ πρὸ ἡμέρων τῆς χαρᾶς σου ρεστι· ἀμνεσεως καὶ ἐξομολογήσεως χρῆσαι, ὅτι τὸ παναγιον ξύλον σῴζειται. Βαβαῖ τοῦ ὑποστίμου δώρου.

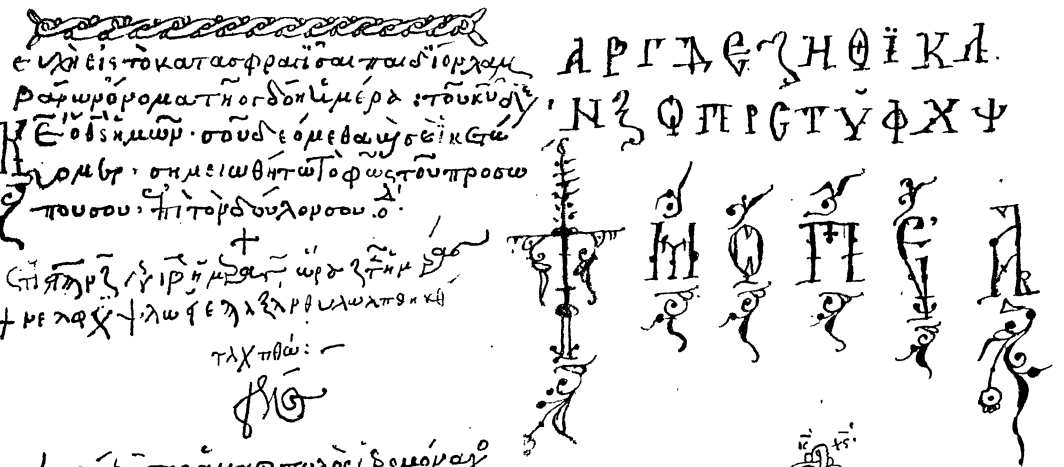

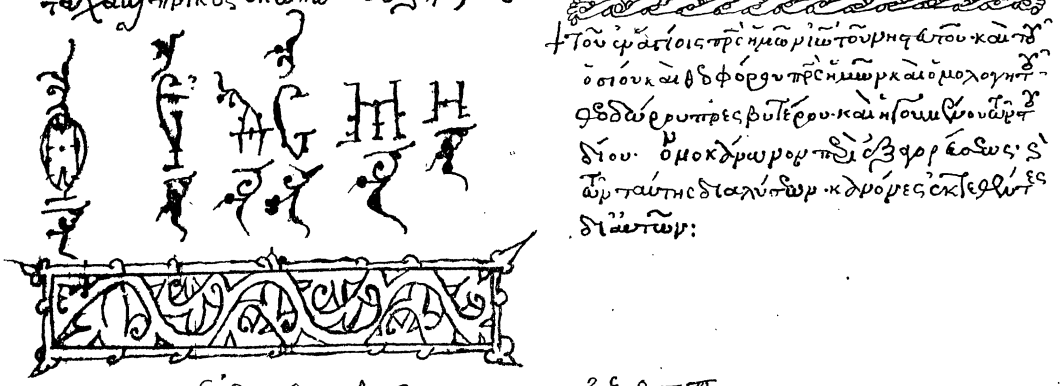

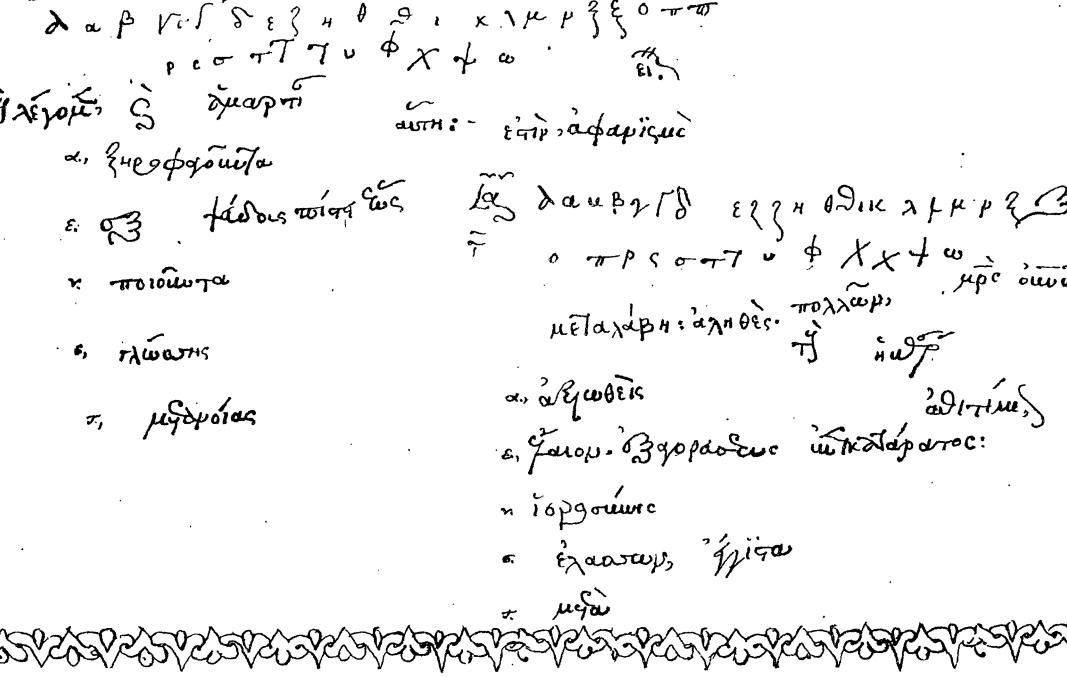

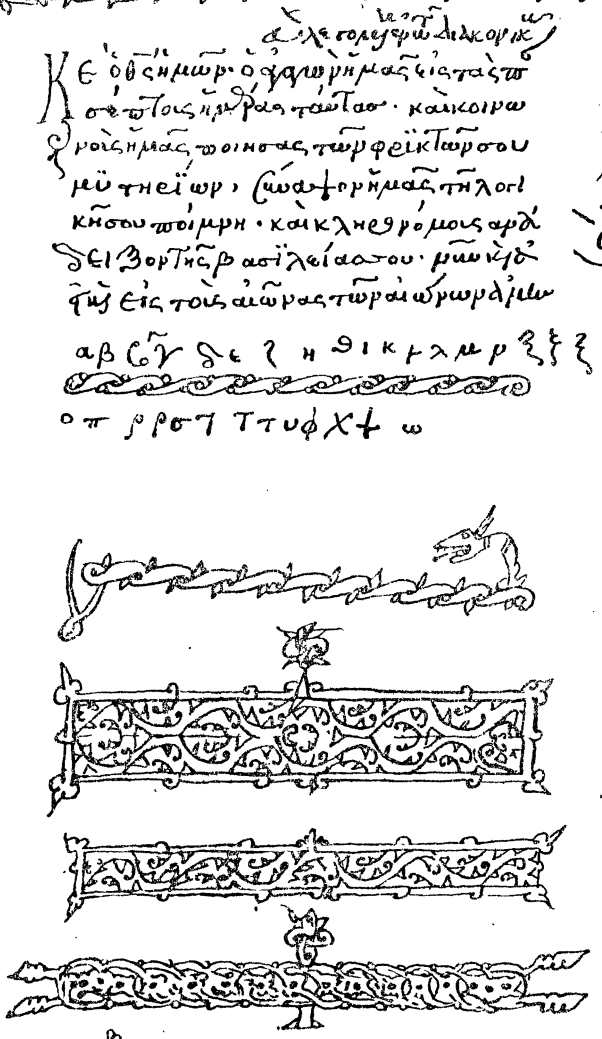

α β γ δ ε ϛ ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

α β γ δ ε ϛ ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

1450 г

α β γ δ ε ϛ ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω.

1460 г.





1470 г.

1471 г.

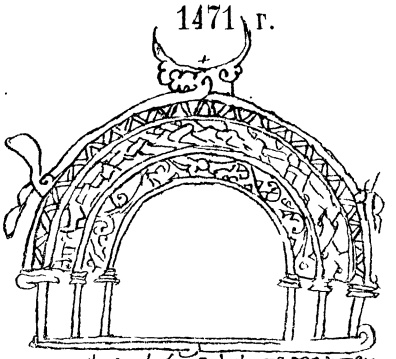

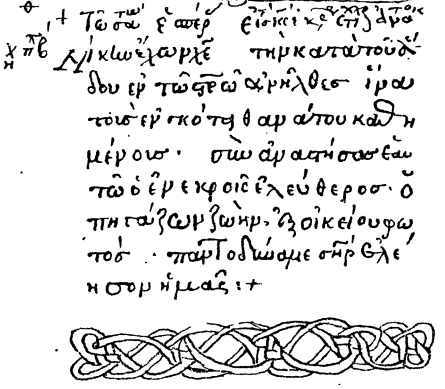

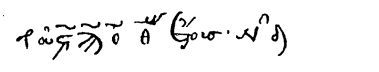

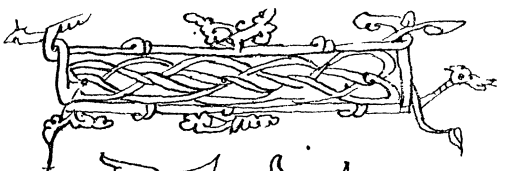

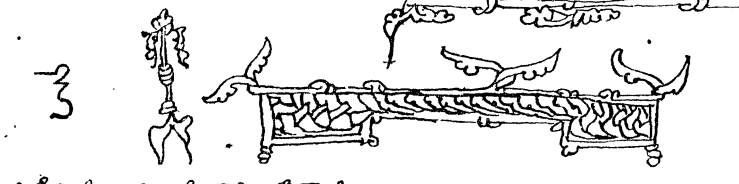

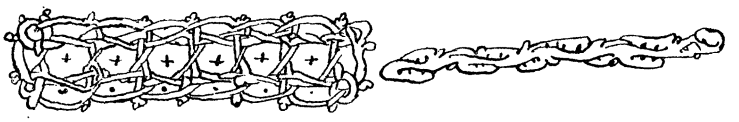

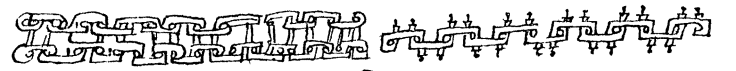

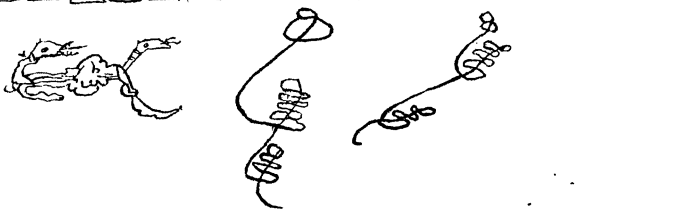



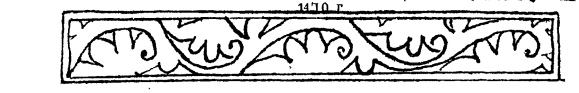

ΔΙΑΤΑΞΕΙΣ ΤΩΝ ΑΓΙΩΝ ΑΠΟΣΤΟΛΩΝ:

ΚΑΘΟΛΙΚΗ ΔΙΔΑΣΚΑΛΙΑ

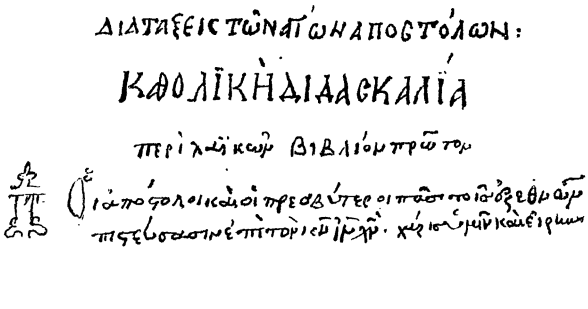

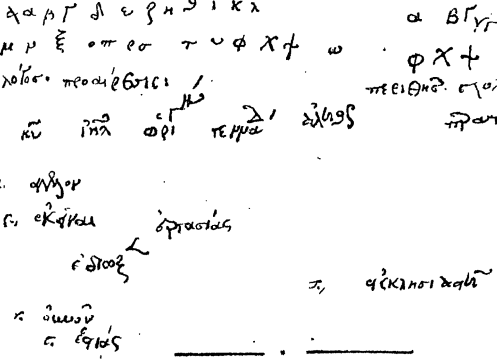

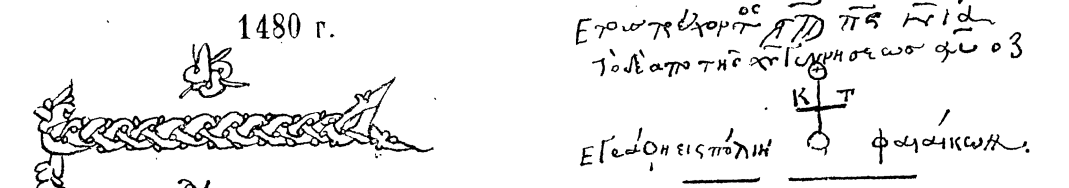

1480 г.

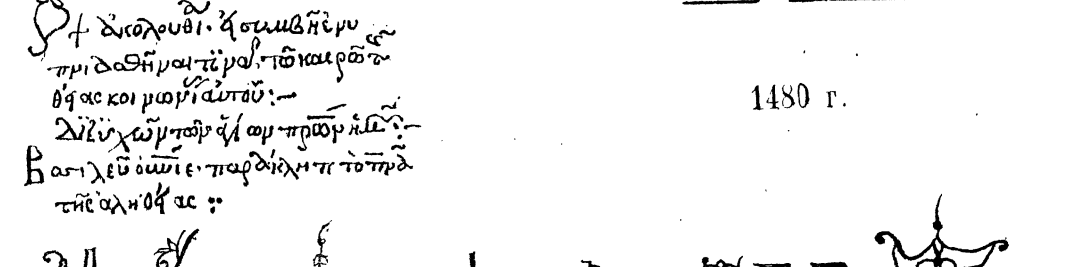

1480 г.

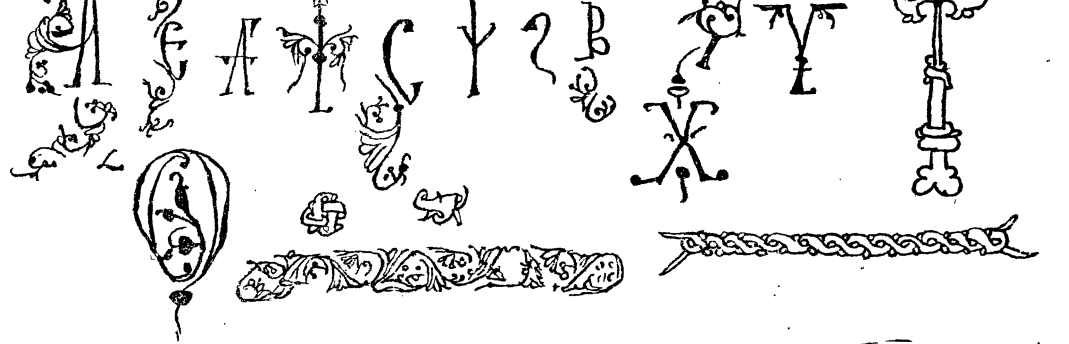



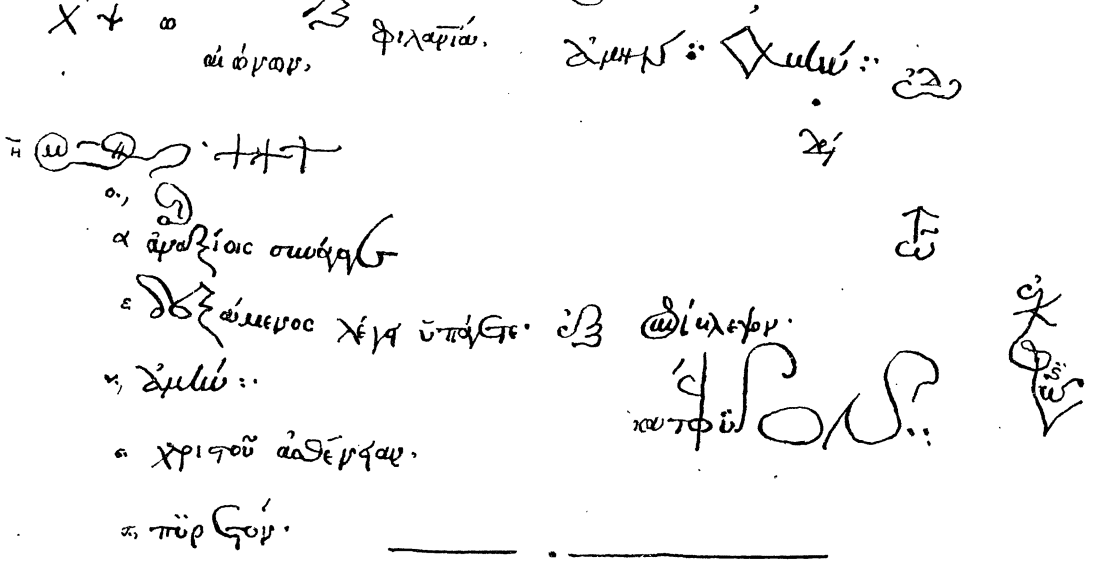

XVI вѣкъ.

1517 г.

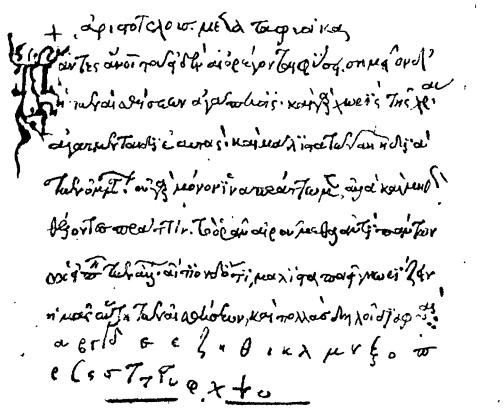

1529 г.

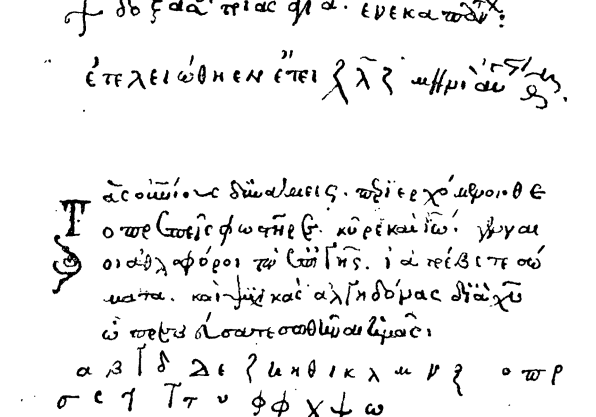

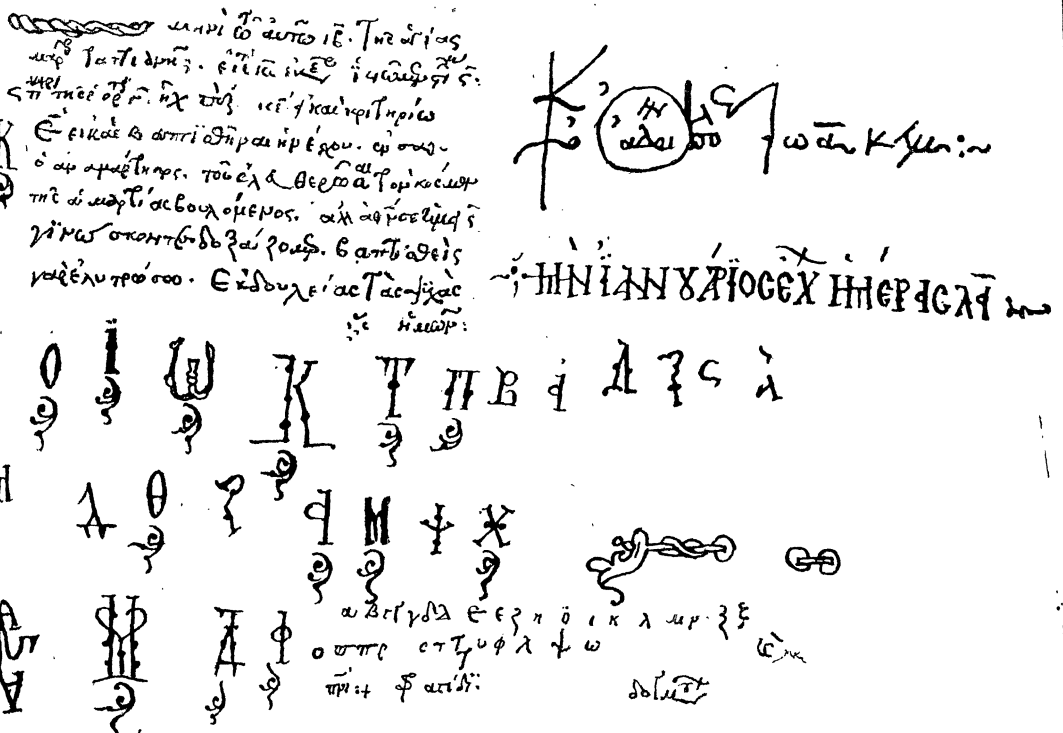

1542 г.

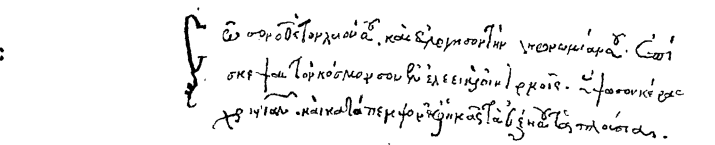

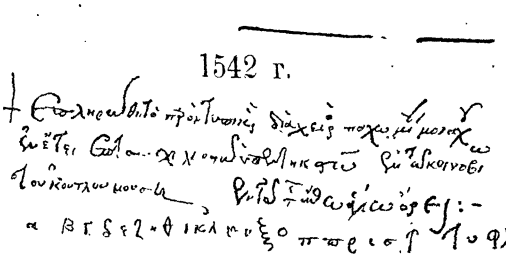

1542 г.

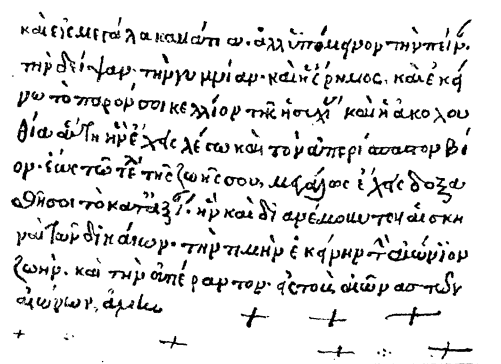

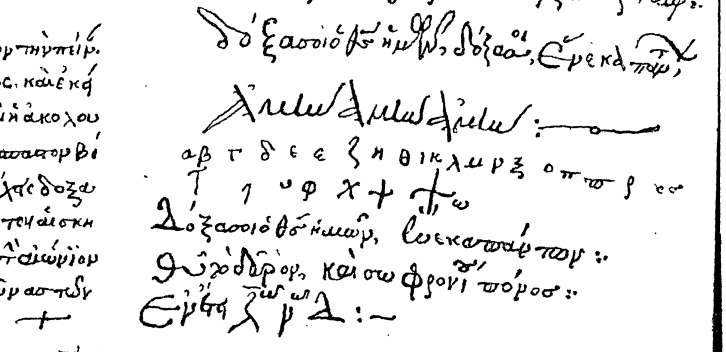

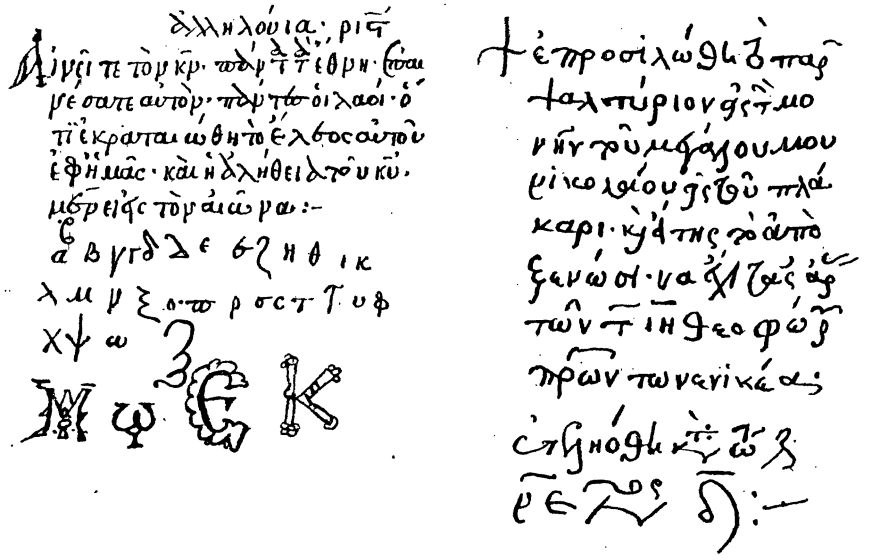

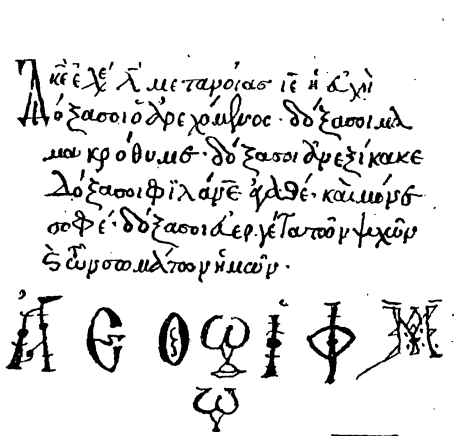

1540 г.

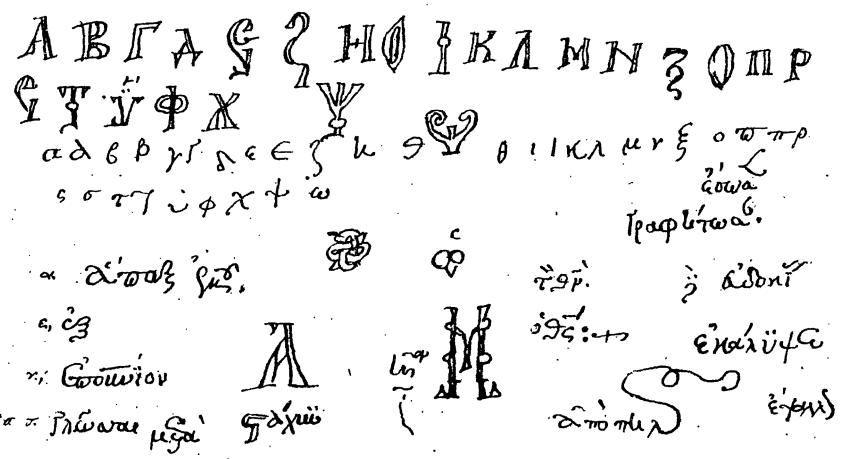

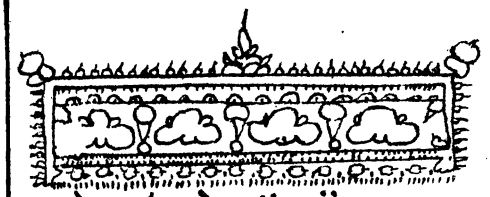

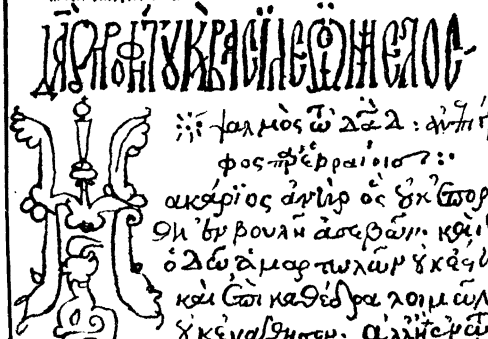

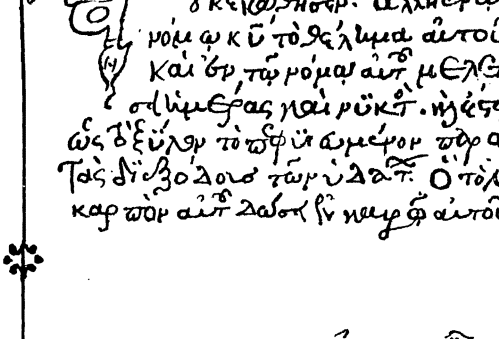

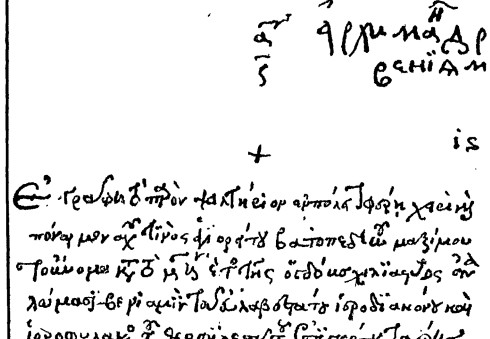

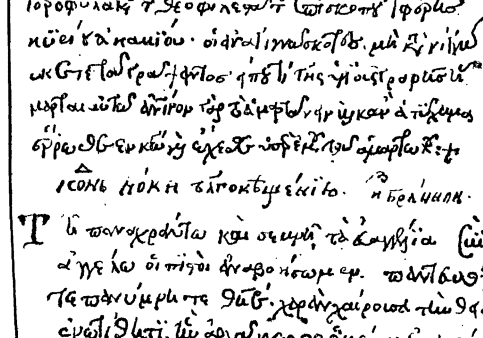

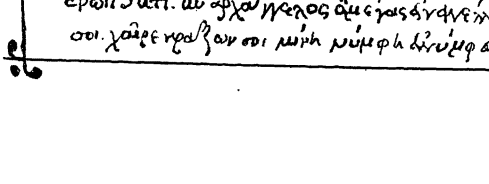

Τειχιώθη. Τὸ παρὸν βιβλίον ὑπὸ τῆς ς
ἐμοῦ βενεδίκτου μοναχοῦ
ἀφ μγ μηνὶ ὀκτωβρίῳ ἰνδ. θ
ἡμέρᾳ τετράδι ςφ θ

Τῆς ἡμέρας ἡ ςμαραγδίνης περιγράφουσα.
Τῆς ὁμοιαζομένης. χρύσοπιλιότης ἀ
ἐχέσθω καὶ μὴ κατάστιξις διαφθορῶν
μουσφαλμάτων. ὅτι ἁμαρτία
θεῖ ὑπάρχει :—
θεοδώρος. καὶ βενεδίκτου πόρ :
Κἂν μάχε περιέχουσας ἁμαρτήματα περιγράφει τὸ βιβλίον
βλίωγράφων :

κυριακὴ :
μετὰ τὸν ἑορτὸν πῶρα παρόντων :—
Ἐρεθιτὸν τῆς διδασκαλίας τοῦ ἁγίου μου, καὶ αὐτὸς ἀφ οἱ
οἰκοσομαι. καὶ τῶσωσι θεὸς παραθήσομαι ζάπεζαν.
Ζωὴν ζωὴ ἐχέτω ἕως οὗ πεδεξιώσομαι. προκοσθω
τοιμάσθω τὰ τῆς ὠαγγελικῆς ὑποθέσεως. καὶ τὰ κατὰ
τὰ ἐκκλησιῶν τοῦτο μαθητῶν ἐξετάσωμεν ἐμμελε
ῥον. καὶ ἴδωμεν. ὅπως καὶ διὰ ἀλλωμὲν πολλῶν οἰκοδο
όκε. μὴ τῆς ἁμαρτίας προφρίου τί θεσθαι.

αβγδε ζηθικλμ νξοπρστυ
φχψω
ϙ φιβ ζαπαρίω ἑξῆς κε ἐκπόλεως χαμ
κρατῶν :—

XVII вѣкъ.

1610 г.



XIIV вѣкъ.

1603 г.


ΑΡΧΗ ΤΗΣ ΕΥΑΓΓΕΛΙΚΗΣ ΤΟΥ ΚΑΤΑ ΜΑΡΚΟΝ ΑΓΙΟΥ ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΥ

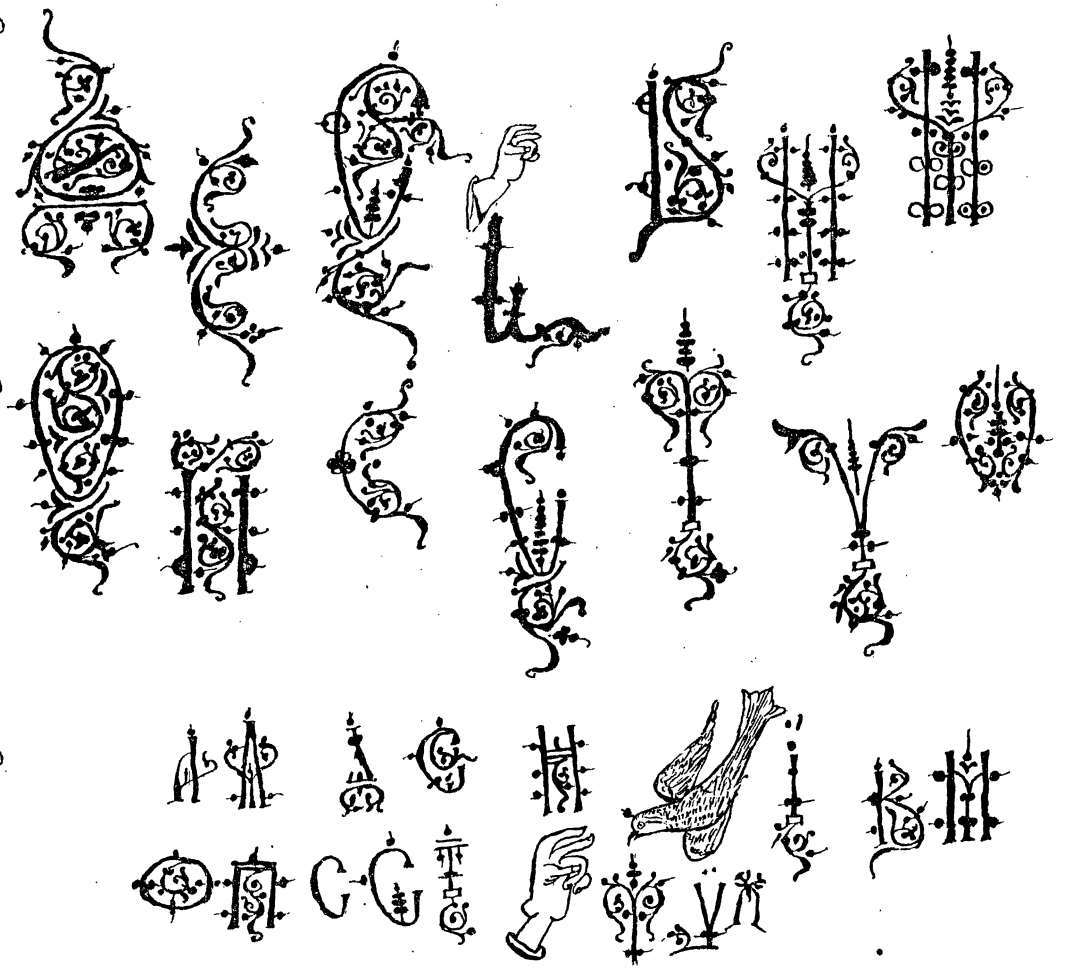

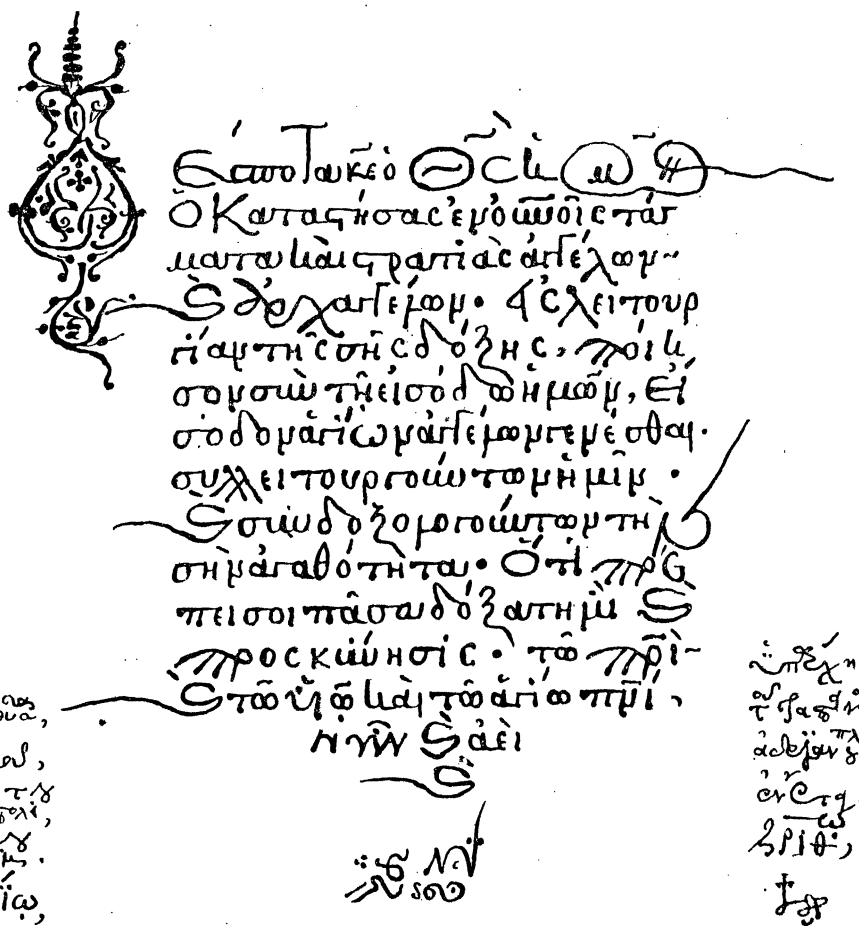

1625 г

1625 г

1625 г







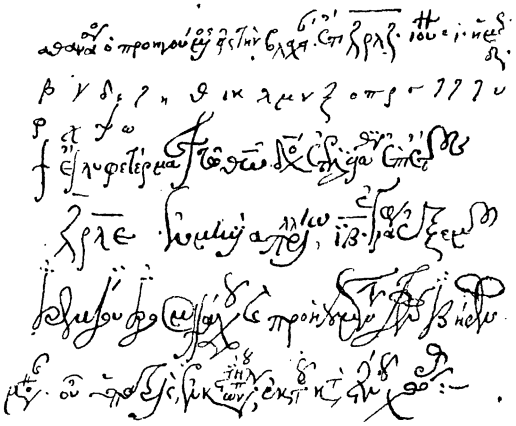

1630 г.

